1. निदेशक की समीक्षा

मुझे संस्थान की 57वीं वार्षिक रिपोर्ट तथा वर्ष 2012–2013 के लेखों का लेखा परीक्षित विवरण प्रस्तुत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की दक्षता एवं उपलब्धियां संस्थान परिवार के सदस्यों की साझी प्रतिबद्धता को दर्शाती है जोकि खराब स्वास्थ्य के कारणों के बारे में हमारी समझ को उन्नत करने वाले अनुसंधानकर्ताओं से लेकर चिकित्सकों एवं वैज्ञानिकों की नई पीढ़ियों को प्रशिक्षित करने वाले शिक्षकों, लोगों के जीवन में बदलाव लाने वाले चिकित्सकों से लेकर उस स्टाफ तक है जोकि आम दृष्टिजन को सहयोग करता है। मुझे इस रिपोर्ट में हमारी कुछ विशिष्ट उपलब्धियों को प्रस्तुत करते हुए बहुत खुशी हो रही है।

भारत में स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर स्वास्थ्य उपचार शिक्षा हेतु एक मजबूत पाठ्यक्रम आधार का विकास करने के उद्देश्य से भारतीय संसद के एक अधिनियम द्वारा वर्ष 1956 में स्थापित संस्थान स्वास्थ्य उपचार शिक्षा, अनुसंधान तथा सेवाओं के उच्च स्तरीय मानदण्ड प्राप्त करने हेतु सतत् प्रयासरत है। इसे भारत तथा पूरे वर्ष में एक ऐसे स्वास्थ्य उपचार संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है, जिसमें सर्वश्रेष्ठ आयुर्विज्ञान शिक्षा के साथ अद्यतन अनुसंधान और सहन की जाने वाली लागत पर गुणवत्ता स्वास्थ्य उपचार का श्रेष्ठ सम्मिश्रण है।

शिक्षा

संस्थान में 52 शिक्षण विभाग एवं केंद्र हैं और 10,000 से अधिक कार्मिक शक्ति कार्यरत है जिसमें 500 से ज्यादा संकाय सदस्यगण सम्मिलित हैं जिनकी सहायता के लिए रेजीडेंट डॉक्टर, नर्सें, पैरामेडिकल स्टाफ, वैज्ञानिक, गैर–चिकित्सीय अधिकारीगण एवं स्टाफ सदस्यगण हैं। संस्थान द्वारा बड़ी संख्या में विशेषज्ञ (एम. डी./एम. एस.), उच्च–विशेषज्ञ (डी. एम./एम. सी–एच.), पी–एच. डी. स्कॉलर तथा संबद्ध स्वास्थ्य एवं आधारभूत विज्ञान विशेषज्ञों और नर्सों तथा पैरामेडिकल कर्मियों को तैयार किया जाता है। गत वर्ष पुलमोनरी मेडिसन, शल्यक अर्बुदविज्ञान तथा जरा चिकित्सा में नए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए।

संस्थान द्वारा लगातार यह विश्लेषण किया जाता रहा है कि किस प्रकार चिकित्सा और विज्ञान को पढ़ाया जाए ताकि छात्रवृत्ति एवं अभिनव परिवर्तनों के प्रति उत्साह को प्रोत्साहन दिया जा सके। पिछले कुछ वर्षों के दौरान, छात्रों एवं रेजीडेंट डॉक्टरों के लाभ के लिए प्रायोगिक प्रयोगशालाओं तथा शल्यक स्थितियों में व्यावहारिक कौशल विकसित करने सहित आयुर्विज्ञान शिक्षा हेतु चिकित्सा अनुरूपण पद्धतियों के माध्यम से नए कौशल अभिग्रहण पद्धतियों को क्रियान्वित किया गया। शरीर रचना विभाग द्वारा एक अति आधुनिक ई–लर्निंग सुविधा स्थापित की गई है। प्लास्टीनेशन सुविधा की स्थापना के द्वारा, विभाग मृत शरीरों की कमी पर काबू पाने में सक्षम हुआ है जिनकी सकल शरीर रचना विज्ञान के व्यावहारिक शिक्षण हेतु आवश्यकता होती है। तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग द्वारा आई. आई. टी., दिल्ली के सहयोग से एक तंत्रिका शल्य चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण स्कूल (एन.ई.टी.एस.) तथा तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण सुविधा (एन.एस.टी.एफ.) की स्थापना की गई है जिससे केन्द्रीय नर्वस सिस्टम और अति – आधुनिक अनुसंधान संचालित करने के लिए रोगों के शल्यक उपचार के बारे में सूचना का प्रचार – प्रसार किया जाएगा। ये सुविधाएं कौशल प्रशिक्षण मॉड्यूल्स एवं पाठ्यचर्या, ग्लोबल ई–लर्निंग प्लैटफॉर्म, तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशलों और वर्चुवल वास्तविक अनुरूपण प्लेटफॉर्मों के कंप्यूटरीकृत मूल्यांकन पर केन्द्रित होंगी।

हमारे अनुसंधानकर्ता पिछले कई दशकों से भारत तथा विदेश में चिकित्सा, विज्ञान तथा शिक्षा संस्थानों और जैव चिकित्सीय प्रयोगशालाओं का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने स्वास्थ्य उपचार विषयों पर कई राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूहों में भी अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। यह रचनात्मकता, बौद्धिक कठोरता तथा व्यावसायिकता के साथ गतिशील नेतृत्व को विकसित करने के एकनिष्ठ समर्पण का ही परिणाम है कि संस्थान ने इंडिया टूडे के बेस्ट मेडिकल स्कूल सर्वेक्षण में अपने सर्वोच्च स्थान को बनाए रखा है। विशेषतः संस्थान टाइम्स हायर एजुकेशन इंडिया रेप्यूटेशन रैकिंग की सूची में आई. आई. एस. सी. बैंगलुरू तथा आई. आई. टी. मुम्बई के बाद तीसरे स्थान पर भी है। यह रैकिंग अध्यापन एवं अनुसंधान में वैश्विक शैक्षिक प्रतिष्ठा का सूचक है, और विश्व भर में 16,600 से भी अधिक शिक्षाविदों के सर्वेक्षण के परिणामों पर आधारित है। अतः यह आश्चर्यजनक नहीं है कि केंद्र सरकार ने अभी हाल ही में विभिन्न राज्यों में खुले छः नए एम्स में हमारे पाठ्यक्रम पर आधारित एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम खोले हैं। संस्थान द्वारा ऋषिकेश, भुवनेश्वर, भोपाल, रायपुर, जोधपुर तथा पटना में स्थापित इन छः नए एम्स में एम. बी. बी. एस. पाठ्यक्रम हेतु छात्रों के चयन हेतु प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। एम्स इन संस्थानों के पालन पोषण एवं मानीटरिंग में भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उदाहरणार्थ,

आपात चिकित्सा में तकनीकी प्लेटफॉर्म को मानकीकृत करने में सहायता करने के लिए आपात एवं ट्रॉमा उपचार में इन 6 नए एम्स के निदेशकों हेतु परामर्शदायी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
संस्थान द्वारा हजारों चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य देखभाल व्यावसायिकों को सतत् चिकित्सा शिक्षा प्रदान की गई। विविध विषयों के माध्यम से कौशलों को बनाए रखने एवं उसमें सुधार करने, ज्ञान में बढ़ोतरी करने और कार्य निष्पादन में सुधार करने के लिए असाधारण अवसर उपलब्ध कराए गए। संस्थान द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से 161 कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सम्मेलनों तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया / मेजबानी की गई। जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से भारत में बेसिक लाइफ स्पोर्ट तथा उन्नत ट्रॉमा लाइफ स्पोर्ट में क्षमता निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है। इसके साथ–साथ केंद्र नर्सों के ज्ञान और कौशल आधार का उन्नयन करने के लिए और नर्सिंग सूचना विज्ञान विशेषज्ञ, ट्रॉमा नर्स समन्वयक, अस्पताल संक्रमण नियंत्रण नर्स तथा घाव देखभाल नर्सों जैसे विशेष कैडरों के गठन के द्वारा उन्हें सशक्त स्थान प्रदान करने की बड़ी पहल में भी लगा हुआ है। इस पुनर्गठन से नैदानिक सुविधाओं के प्रभाव तथा दक्षता में सुधार हुआ और शैक्षिक क्षेत्र में नेतृत्व और नवीनताओं में सुधार हुआ जोकि इस तथ्य से सूचित होता है कि केंद्र की नर्सों ने पिछले 4 वर्षों में अनुसंधान हेतु अंतररष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय बैठकों में 70 से अधिक पुरस्कार जीते। शल्य चिकित्सा विभाग ने देशभर के 100 से अधिक शल्य चिकित्सकों को लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में मिनीमली इन्वेसिव सर्जरी ट्रैनिंग केंद्र में प्रशिक्षित किया। टेलीमेडिसन सुविधा को बृहद एवं अधिक विविध व्यावसायिक श्रेताओं को नए प्रस्तावों को प्रसारित करने के लिए नवीन तरीके विकसित करने का कार्य सौंपा गया।

एक ऐसी संस्कृति, जो मूल्यों को बढ़ावा देती है और विविधता के समावेश, संरक्षण तथा सेवा को उन्नत करने को प्रोत्साहित करने के प्रयास में, संस्थान द्वारा अपने विविध छात्र समुदाय के हितों की रक्षा करने के लिए एक अवतैनिक पद प्रभारी – आचार्य, छात्र कल्याण प्रारंभ किया गया है। संस्थान द्वारा नए दाखिल एम.बी.बी.एस. छात्रों हेतु एक समेकित स्वयं सवंर्धन अभिमुखीकरण कार्यक्रम सहित विभिन्न अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अनुसंधान

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के शोधकर्ताओं ने वर्ष 2012–13 में असंख्य वैज्ञानिक उन्नतियों में अपना योगदान दिया है। वर्ष 2012–13 में 508 से अधिक अनुसंधान परियोजनाएं संचालित की गई और संस्थान ने 65 करोड़ रुपये से अधिक के बाहरी अनुसंधान अनुदान प्राप्त किए गए जोकि गत वर्ष के अनुदान से 6 प्रतिशत से अधिक है। हमारे संकाय सदस्यों ने संरचनात्मक जैवविज्ञान, प्रतिरक्षाविज्ञान, जैवप्रौद्योगिकी, विषाणु विज्ञान, नवजात विज्ञान, भ्रूण चिकित्सा, जानपदिकरोगविज्ञान तथा कैंसर जैसे अग्रणीय तथा आधुनिक जैव – आयुर्विज्ञानी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान अनुदान प्राप्त किए। इस वर्ष 200 से अधिक अनुसंधान परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूर्ण की गईं। आशा है कि, इन परियोजनाओं से हमारे रोगियों को लाभ होगा। वर्ष के दौरान संस्थान के संकाय तथा वैज्ञानिकों द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 1600 से अधिक अनुसंधान पत्र तथा लगभग 250 मोनोग्राफ, पुस्तकों में अध्याय और पुस्तकें प्रकाशित की गईं। अनुसंधानवेत्ताओं, अनुसंधान एसोसिएट तथा पी–एच. डी. छात्रों जैसे विभिन्न स्तरों पर कार्यरत 500 से ज्यादा युवा वैज्ञानिक प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं में लगे हुए हैं।

नवीन स्वास्थ्य उपचार उत्पादों को वहन करने योग्य लागत पर उपलब्ध कराने वाली परियोजनाओं को विकसित करने एवं अनुसंधान में सहयोग प्रदान करने हेतु एम्स वैलकम ट्रस्ट, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, और भारत सरकार के साथ अपनी भागीदारी में लगातार सक्रिय है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित स्टेनफोर्ड–इंडिया बायोडिजाइन कार्यक्रम इस प्रकार का एक सफल प्रयास है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद जैसे राष्ट्रीय निकाय तथा भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों द्वारा नियमित रूप से एम्स के विभिन्न विभागों से राष्ट्रीय महत्व के जन स्वास्थ्य विषयों पर अध्ययन संचालित किए जाने का अनुरोध किया जाता है।

संस्थान ने जैव चिकित्सा तथा वैज्ञानिक सफलताओं में तेजी लाने वाले विषयों में एकीकरण और सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण पहल करने की जिम्मेदारी ली। कन्वर्जेस सेंटर भवन का निर्माण कार्य, जिसमें आधुनिक प्लेटफॉर्म पर आधारित अनुसंधान हेतु अति – आधुनिक प्रौद्योगिकी होगी, पूर्ण होने के निकट है। यह एक ज्ञान केंद्र के रूप में कार्य करेगा जोकि संस्थान को नैदानिक एवं अनुसंधान आंकड़ों के विशाल संग्रह का प्रबंधन व भंडारण करने व हमारी अनुसंधान क्षमता को बढ़ाने हेतु प्रबंध करेगा। उम्मीद है, यह रोगियों के लिए नए उपचारों में तेजी लाने के लिए तरीकों की पहचान की दिशा में व्यापक नैदानिक एवं

स्थानान्तरीय सहयोग को बढ़ावा देगा। तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग द्वारा राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर के सहयोग से अग्रवर्ती मिरगी हेतु एक डीबीटी उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की गई है।

संस्थान में उन्नत विज्ञान के महान कार्य के लिए परमावश्यक है कि नई पीढ़ी के वैज्ञानिकों को शिक्षित करने हेतु प्रभावी नई विधियों को विकसित करने के लिए लगातार अभियान चलाया जाए ताकि उन्हें तेजी से विकसित हो रहे स्वास्थ्य उपचार व्यवसाय की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता प्राप्त हो सके। इस प्रयास को आगे बढ़ाने के लिए, अनुसंधान अनुभाग को संकायाध्यक्ष तथा उप – संकायाध्यक्ष, अनुसंधान के तहत बढ़ाया गया है और पुनगर्ठित किया गया है। हृद विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, मूल कोशिका अध्ययन, औषध डिजाइनिंग, प्रोटीन अनुसंधान, आनुवंशिकी तथा प्रतिरक्षा विज्ञान सहित विविध विषयों में 58 नई अनुसंधान परियोजनाएं आरंभ करने के लिए प्रतिभाशाली युवा संकाय को 5 करोड रु. का आंतरिक अनुदान वितरित किया गया। संस्थान द्वारा 8 संकाय सदस्यों को स्वास्थ्य अनुसंधान में उनके उत्कृष्ट कार्य एवं योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वर्ष के दौरान, अनुसंधान अनुभाग द्वारा प्लेटफॉर्म आधारित प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए अनुसंधान तकनीकों में प्रशिक्षण देकर अनुसंधान क्षमता को बढ़ाने हेतु कई उपाय किए गए। लगभग 60 युवा संकाय सदस्यों को आणविक चिकित्सा के अति आधुनिक अनुसंधान क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया गया।

प्रोटीन एवं चिकित्सा में इसके अनुप्रयोग पर अपने कार्य हेतु वर्ष 1988 में नोबेल पुरस्कार प्राप्त जर्मन जैव रसायनज्ञ रॉबर्ट हूबर ने प्रथम संस्थान स्थापना दिवस व्याख्यान दिया। प्रोफेसर हूबर ने प्रोटीनों और उनकी संरचनाओं, तथा भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान के अंतररापृष्ठ पर उनकी स्थिति और भूमिका पर अपने पथप्रदर्शक अनुसंधान कार्य के बारे में वार्ता की।

नैदानिक उपचार

एम्स मुख्य अस्पताल एवं इसके केन्द्रों– हृद्‌वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केन्द्र (हृ.तं.कें.), जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र (जे.पी. एन.ए.टी.सी.), डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (डॉ. बी.आर.ए.आई.आर.सी.एच.), डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केन्द्र (आर.पी.सी.ओ.एस.), दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (सी.डी.ई.आर.), व्यवहारपरक विज्ञान केन्द्र (राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र, एन.डी.डी.टी.सी.) के बिस्तरों की संख्या दिवस उपचार बिस्तरों सहित कुल 2428 है। वर्ष 2012–2013 के दौरान, संस्थान में लगभग 28.8 लाख रोगियों को ओ.पी.डी. में तथा 2.1 लाख अंतरंग रोगियों को देखा गया और 1.5 लाख के करीब रोगियों के ऑपरेशन किए गए। रोगी उपचार सेवाओं के विभिन्न पैरामीटरों में यथा प्रदर्शित प्रभावी सेवा वितरण के कारण औसत बिस्तर अधिभोग लगभग 85 प्रतिशत, अस्पताल में रहने की औसत अवधि लगभग 5 दिन तथा सकल मृत्यु – दर 2 प्रतिशत से नीचे है। एम्स द्वारा भारत में विकसित स्वास्थ्य उपचार सेवाएं प्रदान करने के साथ – साथ, यह सारे विकासशील देशों में सेवाएं प्रदान करने में एक नेतृत्व की भूमिका भी निभा रहा है। संस्थान में उपचार हेतु आने वाले विदेशियों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है जोकि विशेषकर दक्षिण एवं दक्षिण–पूर्वी एशिया से आते हैं। यह प्रवृत्ति प्रमुख रूप से तंत्रिकाशल्य चिकित्सा विभाग, अस्थिरोग, अर्बुद विज्ञान एवं शल्यचिकित्सा विभाग में थी।

संस्थान द्वारा मुख्य अस्पताल में बढ़ते हुए रोगी प्रवाह को सेवाएं प्रदान करने के लिए अलग से बहिरंग रोगी सुविधा स्थापित की जा रही है। संस्थान सेवाओं को और अधिक रोगी एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए विस्तृत ऑनलाइन डाटा प्रबंधन प्रणाली (राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की सहायता से) बनाने की प्रक्रिया में है। इन प्रयासों से रोगी उपचार में सुधार होगा क्योंकि चिकित्सक सभी अस्पताल स्रोतों से तेजी से डाटा प्राप्त करने में सक्षम होंगे। संस्थान ने भारत सरकार की जन औषधि योजना के तहत रोगियों को निःशुल्क जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराने की भी योजना बनायी है। यह 24 घंटे चलने वाली उस फार्मेसी के अलावा होगी जिसमें संस्थान द्वारा निर्धारित दवाइयों एवं शल्यक उपभोज्य सामग्री को अधिकतम खुदरा मूल्य पर 56 प्रतिशत छूट पर उपलब्ध करवाया जाता है। अन्य राज्यों से आने वाले बहिरंग रोगियों की सुविधा के लिए 300 रोगी क्षमता वाले एक रैन बसैरे का निर्माण किया गया जिसमें सोने का क्षेत्र, स्नानागार एवं शौचालय जैसी मूलभूत सुविधा प्रदान की गई हैं।

इस वर्ष झज्जर में एम्स के दूसरे परिसर की आउटरीच ओ. पी. डी. का उद्घाटन किया गया। ओ. पी. डी. द्वारा सामान्य कायचिकित्सा, अस्थिरोग, प्रसूति एवं स्त्रीरोग, बाल चिकित्सा, नेत्र विज्ञान, ई. एन. टी., संवेदनाहरण तथा सामान्य शल्य चिकित्सा सेवाएं दी जाती है जिनके सहयोग के लिए नैदानिक एवं प्रयोगशालाएं सुविधा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त बहिरंग रोगियों को मुफ्त जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने का सिस्टम भी है। इस परिसर में एक राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एन. सी. आई.) और एक राष्ट्रीय हृद उपचार केंद्र (एन. सी. सी. सी.) भी स्थापित किए जाएंगे।

संस्थान के चिकित्सकों एवं स्टाफ द्वारा अपने ज्ञान एवं रचनात्मकता का आपस में आदान प्रदान बीमारी से पीड़ित लोगों के कष्टों को कम करने के लिए किया गया जो पहले कभी नहीं किया गया। काय चिकित्सा विभाग द्वारा मल्टी ड्रग प्रतिरोध तपेदिक के निदान हेतु एक अन्तवर्ती संदर्भ प्रयोगशाला की स्थापना तथा एच.आई.वी. एवं टी. बी. रोगियों के लिए विशिष्ट परीक्षण संचालित करने के लिए एक बायोसेफ्टी लेवल –3 प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। विभाग द्वारा जैव विज्ञानी कारक, नाड़ी चिकित्सा तथा संधि अंतः क्षेपण के रूप में समेकित उपचार सुविधा प्रदान करने के लिए 6 समर्पित बिस्तरों के साथ रूमेटोलॉजी दिवस उपचार केंद्र भी प्रारंभ किया गया है। तंत्रिका विज्ञान विभाग द्वारा ऑटोनोमिक फंक्शन एवं मात्रात्मक संवेदी परीक्षण जैसी नई प्रक्रियाएं प्रारंभ की गई हैं। अस्थिरोग शल्य चिकित्सकों द्वारा कूल्हे के जोड़ की क्षति से पीड़ित रोगियों का बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के लिए कंप्यूटर की सहायता से पूर्ण कूल्हा प्रतिरोपण ऑपरेशन करने प्रारंभ किए गए हैं। राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र द्वारा नेत्र प्रतिरोपण हेतु विंडो अवधि को 4 से 14 दिनों तक बढ़ाने के लिए कॉर्निया प्रतिश्रुति को संरक्षित रखने के लिए (मृत अथवा विक्षत कॉर्निया को दानदाता रोपण द्वारा बदलना) एक तरल घोल विकसित किया गया है। जे. पी. एन. ए. ट्रॉमा केंद्र अब 'ओ' आर्म नियंत्रण के अन्तर्गत स्पाइन फिक्सेशन तथा मोबाइल सी. टी. स्कैन से सुसज्जित है।

संस्थान के नीति विशेषज्ञों द्वारा देश के स्वास्थ्य उपचार के डिजाइन एवं डिलीवरी में गंभीर पूर्ण जानकारी उपलब्ध करायी जाती है। संस्थान का संपूर्ण बाल विकास सेवाएं, आयोडीन कमी रोग नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय अन्धता निवारण कार्यक्रम, प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य, अतिसार रोग, एड्स नियंत्रण तथा गैर संचारी रोग सहित राष्ट्रीय कार्यक्रमों में योगदान उल्लेखनीय है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र द्वारा एक ई–पोर्टल www.alcoholwebindia.in प्रारंभ किया गया है। यह पोर्टल मद्य प्रयोगकर्ताओं, परिवार के सदस्यों, नीति – निर्माताओं, पेशेवरों तथा आम जनता के लिए जानकारी प्रदान करता है। इस पोर्टल पर, उन लोगों के लिए जो शराब पीना कम करना अथवा बंद करना चाहते हैं, के लिए वेब आधारित एक स्वयं सहायता कार्यक्रम है।

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र द्वारा संयुक्त राष्ट्र औषध एवं अपराध कार्यालय (यू.एन.ओ.डी.सी.) के सहयोग से एक मेथाडोन अनुरक्षण उपचार (एम.एम.टी.) कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया गया है। इसके अलावा विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा एन.डी.डी.टी.सी. से अनुरोध किया गया कि वह स्लम एवं सड़कों पर रहने वाले बच्चों में मादक द्रव्यों के सेवन की बढ़ती प्रवृत्ति की जांच करे और देश में 15 गैर सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.) में जीवन कौशल प्रशिक्षण परियोजना संचालित करे।

सामुदायिक चिकित्सा केंद्र प्राथमिक उपचार एव स्वास्थ्य सिस्टम नवाचार, शिक्षा एवं नीति में नेतृत्व प्रदान करने वालों को प्रशिक्षण देने के अपने मिशन में सक्रियता से लगा हुआ है। केंद्र के संकाय द्वारा प्राथमिक उपचार, संक्रामक रोग, मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य, गैर संचारी रोग तथा स्वास्थ्य सिस्टम जैसे विषयों में कई नए अविष्कारों का श्रेय अपने नाम किया गया है। केंद्र 13 भारतीय शहरों में गरीब प्रवासियों की स्वास्थ्य सेवा में पहुंच संबंधी आई.सी.एम.आर. की राष्ट्रीय टास्क फोर्स परियोजना का एक हिस्सा है। इस अध्ययन से प्राप्त जानकारी देश में आगामी राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (एन.यू.एच.एम.) के कार्यान्वियन के लिए महत्वपूर्ण होगी।

हम, तंत्रिका शल्य चिकित्सा, हृद् शल्य चिकित्सा, अस्थिरोग, ई.एन.टी., सर्जिकल अर्बुदविज्ञान, विडियो ई. ई. जी. आदि विभिन्न इमेजिंग जांच एवं शल्यक प्रक्रियाओं हेतु लम्बी प्रतीक्षा सूची की समस्या से पूरी तरह से परिचित हैं। विभिन्न राज्यों में 7 एम्स की स्थापना से आने वाले समय में एम्स, नई दिल्ली में इसमें कमी आएगी। हम बिस्तर क्षमता और डे केयर प्रक्रियाओं तथा परिचालन समय में वृद्धि करके रोगियों के टर्नओवर को बढ़ाने का प्रयास भी कर रहे हैं।

संस्थान ने संसद द्वारा दिए गए शासनादेश पर खरा उतरने के लिए ईमानदारी से सतत् प्रयास किए हैं और अपने इस प्रयास में भारतीय जनता को गुणवत्ता स्वास्थ्य उपचार प्रदान करने के लिए सरकार के प्रयास में सहायता करने का प्रयत्न किया है। संस्थान परिवार अपनी इस प्रतिज्ञा की पुनः पुष्टि करता है कि यह अपनी प्रतिष्ठा पर विराम नहीं लेगा और चिकित्सा के भविष्य को आकार देने के लिए अपनी बुद्धि, उत्साह और आविष्कारशीलता को समन्वित करेगा।

आचार्य एम. सी. मिश्र
निदेशक, अ.भा.आ.सं.

2. संस्थान और इसकी समितियां

संस्थान निकाय

1.	**श्री गुलाम नबी आजाद** केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री निर्माण भवन, नई दिल्ली–110011	अध्यक्ष
2.	**श्रीमती सुषमा स्वराज, सांसद (लोक सभा)** 8, सफदरजंग लेन, नई दिल्ली–110011	सदस्य
3.	**श्री मोतीलाल वोरा, सांसद (राज्य सभा)** 33, लोधी एस्टेट, नई दिल्ली–110011	सदस्य
4.	**डॉ. ज्योति मिरधा, सांसद (लोक सभा)** 31, मीना बाग, नई दिल्ली 875, सेक्टर–17बी, गुड़गांव, हरियाणा 122001	सदस्य
5.	**प्रो दिनेश सिंह** कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 110007	सदस्य (पदेन)
6.	**श्री पी.के. प्रधान** सचिव (स्वास्थ्य), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली–110011	सदस्य (31 जनवरी, 2013 तक)
	श्री केशव एन. देसीराजू सचिव (स्वास्थ्य), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली–110011	सदस्य (20 मार्च, 2013 से)
7.	**डॉ. जगदीश प्रसाद** महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली–110011	सदस्य (पदेन)
8.	**डॉ. एम.के. भान** सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 7वां तल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सी जी ओ कॉम्प्लेक्स लोधी रोड, ब्लॉक 2, नई दिल्ली – 110003	सदस्य

9.	**डॉ. एस. पी. अग्रवाल** महा सचिव, इण्डियन रेड क्रोस सोसायटी, रफी मार्ग, नई दिल्ली	सदस्य
10.	**प्रो. के. सी. पांडे** प्राणी विज्ञान विभाग, लखनऊ यूनिवर्सिटी, लखनऊ 226007	सदस्य
11.	**सुश्री विभा पुरी दास** सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली – 110001	सदस्य (27 मई, 2012 तक)
	श्री अशोक ठाकुर सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली – 110001	सदस्य (27 जुलाई, 2012 से)
12.	**प्रो. के. के. तलवार** निदेशक, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली 110029	सदस्य
13.	**प्रो. आर. ए. बड़वे** निदेशक, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, डॉ. ई. बॉरजेस रोड लोवर पारेल, मुंबई	सदस्य
14.	**डॉ. रमाकांत पांडा** उपाध्यक्ष, एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट, बांद्रा ईस्ट मुंबई, महाराष्ट्र	सदस्य
15.	**डॉ. अब्दुल हामिद जरगर** निदेशक, शेर ए कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस सौरा, श्रीनगर– 190011, जम्मू और कश्मीर	सदस्य

16.	**श्री आर.के. जैन** अपर सचिव एवं वित्त सलाहकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली–110011	सदस्य (29 अगस्त, 2012 तक)
	श्री राजीव टकरू अपर सचिव एवं वित्त सलाहकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली–110011	सदस्य (8 अक्तूबर, 2012 से 31 जनवरी, 2013)
	श्री एस.के. श्रीवास्तव अपर सचिव एवं वित्त सलाहकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली–110011	सदस्य (20 मार्च, 2013 से)
17.	**प्रो. आर. सी. डेका** निदेशक, अ.भा.आ.सं.	सदस्य–सचिव
18.	**श्री देबाशीष पांडा** संयुक्त सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली–110011	विशेष आमंत्रित
	डॉ. विश्वास मेहता संयुक्त सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली–110011	विशेष आमंत्रित (14 अप्रैल, 2012 से 19 मार्च, 2013 तक)
	डॉ. संदीप कुमार नायक संयुक्त सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली–110011	विशेष आमंत्रित (20 मार्च, 2013 से)
19.	**डॉ. रानी कुमार** संकायाध्यक्ष, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली	विशेष आमंत्रित (30 अप्रैल, 2012 तक)

	डॉ. शशि वाधवा संकायाध्यक्ष, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली	विशेष आमंत्रित (1 मई, 2012 से)
20.	**डॉ. डी. के. शर्मा** चिकित्सा अधीक्षक अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली	विशेष आमंत्रित

शासी निकाय

1.	**श्री गुलाम नबी आजाद**	अध्यक्ष
2.	**श्रीमती सुषमा स्वराज, सांसद (लोक सभा)**	सदस्य
3.	**श्री मोतीलाल वोरा, सांसद (राज्य सभा)**	सदस्य
4.	**सुश्री विभा पुरी दास**	सदस्य (27 मई, 2012 तक)
	श्री अशोक ठाकुर	सदस्य (30 अगस्त, 2012 से)
5.	**श्री पी.के. प्रधान**	सदस्य (31 जनवरी, 2013 तक)
6.	**प्रो. के.के. तलवार**	सदस्य
7.	**डॉ. आर.ए. बडवे**	सदस्य
8.	**डॉ. जगदीश प्रसाद**	सदस्य
9.	**डॉ. एस.पी. अग्रवाल**	सदस्य
10.	**श्री आर.के. जैन**	सदस्य (29 अगस्त, 2012 तक)
	श्री राजीव टकरू	सदस्य (9 जनवरी, 2013 से 31 जनवरी, 2013 तक)
11.	**प्रो. आर. सी. डेका**	सदस्य–सचिव
12.	**श्री देबाशीष पांडा**	विशेष आमंत्रित (13 अप्रैल, 2012 तक)

	डॉ. विश्वास मेहता	विशेष आमंत्रित (14 अप्रैल, 2012 से 19 मार्च, 2013 तक)
	डॉ. संदीप कुमार नायक	विशेष आमंत्रित (20 मार्च, 2013 से)
13.	प्रो. रानी कुमार	विशेष आमंत्रित (30 अप्रैल, 2012 तक)
	डॉ. शशि वाधवा	विशेष आमंत्रित (1 मई, 2012 से)
14.	डॉ. डी. के. शर्मा	विशेष आमंत्रित

स्थायी वित्त समिति

1.	श्री पी.के. प्रधान	अध्यक्ष (31 जनवरी, 2013 से)
2.	श्री मोतीलाल वोरा, सांसद (राज्य सभा)	सदस्य
3.	डॉ. जगदीश प्रसाद	सदस्य
4.	श्री आर.के. जैन	सदस्य (29 अगस्त, 2012 तक)
	श्री राजीव टकरू	सदस्य (9 जनवरी, 2013 से 31 जनवरी, 2013)
5.	सुश्री विभा पुरी दास	सदस्य (27 मई, 2012 तक)
	श्री अशोक ठाकुर	सदस्य (30 अगस्त, 2012 से)
6.	डॉ. एस. पी अग्रवाल	सदस्य
7.	प्रो. दिनेश सिंह	सदस्य
8.	प्रो. आर. सी. डेका	सदस्य – सचिव
9.	डॉ. रानी कुमार	विशेष आमंत्रित (30 अप्रैल, 2012 तक)

	डॉ शशि वाधवा	विशेष आमंत्रित (1 मई, 2012 से)
10.	श्री देबाशीष पांडा	विशेष आमंत्रित (13 अप्रैल, 2012 तक)
	डॉ. विश्वास मेहता	विशेष आमंत्रित (14 अप्रैल, 2012 से 19 मार्च, 2013 तक)
	डॉ. संदीप कुमार नायक	विशेष आमंत्रित (20 मार्च, 2013 से)

स्थायी शैक्षिक समिति

1.	डॉ. जगदीश प्रसाद	अध्यक्ष (25 जुलाई, 2012 से)
2.	डॉ. ज्योति मिर्धा, सांसद (लोकसभा)	सदस्य
3.	प्रो. दिनेश सिंह	सदस्य
4.	डॉ. एम के भान	सदस्य
5.	सुश्री विभा पुरी दास	सदस्य (27 मई, 2012 तक)
	श्री अशोक ठाकुर	सदस्य (30 अगस्त, 2012 से)
6.	डॉ. रामाकांत पांडा	सदस्य
7.	प्रो. के. सी. पांडे	सदस्य
8.	डॉ. अब्दुल हमीद जरगर	सदस्य
9.	प्रो. आर. सी. डेका	सदस्य – सचिव

स्थायी चयन समिति

1.	डॉ. आर. ए. बडवे	अध्यक्ष
2.	डॉ. जगदीश प्रसाद	सदस्य

3.	सुश्री विभा पुरी दास	सदस्य (27 मई, 2012 तक)
	श्री अशोक ठाकुर	सदस्य (30 अगस्त, 2012 से)
4.	डॉ. एम.के. भान	सदस्य
5.	प्रो. के.के. तलवार	सदस्य
6.	डॉ. रामाकांत पांडा	सदस्य
7.	डॉ. अब्दुल हमीद जरगर	सदस्य
8.	प्रो. आर.सी. डेका	सदस्य – सचिव

स्थायी संपदा समिति

1.	डॉ. एस.पी. अग्रवाल	अध्यक्ष
2.	डॉ. ज्योति मिर्धा, संसद–सदस्य (लोक सभा)	सदस्य
3.	श्री आर.के. जैन	सदस्य (29 अगस्त, 2012 तक)
	श्री राजीव टकरू	सदस्य (9 जनवरी, 2012 से 31 जनवरी, 2013 तक)
4.	डॉ. एम.के. भान	सदस्य
5.	प्रो. आर.ए. बडवे	सदस्य
6.	डॉ. जगदीश प्रसाद	सदस्य
7.	प्रो. के.के. तलवार	सदस्य
8.	प्रो. आर.सी. डेका	सदस्य – सचिव

स्थायी अस्पताल प्रबंध समिति

1.	श्री मोती लाल बोरा, संसद सदस्य (राज्य सभा)	अध्यक्ष
2.	डॉ. ज्योति मिर्धा, संसद–सदस्य (लोक सभा)	सदस्य
3.	डॉ. आर.ए. बडवे	सदस्य
4.	प्रो. के.सी. पांडे	सदस्य
5.	डॉ. रामाकांत पांडा	सदस्य
6.	प्रो. के.के. तलवार	सदस्य
7.	डॉ. अब्दुल हमीद जरगर	सदस्य
8.	प्रो. आर.सी. डेका	सदस्य – सचिव

3. शैक्षिक अनुभाग

संकायाध्यक्ष

रानी कुमार (30 अप्रैल, 2012 तक) शशि वधवा (01 मई, 2012 से)

उप–संकायाध्यक्ष

राकेश यादव

कुल–सचिव

संजय कुमार आर्य

शैक्षिक अनुभाग नीतियां, योजनाएं विकसित करता है तथा शैक्षिक गतिविधियां कार्यान्वित करता है। इन गतिविधियों में चिकित्सा, नर्सिंग, तथा परा–चिकित्सा पाठ्यक्रमों हेतु स्नातक–पूर्व, स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरल कार्यक्रमों को सम्मिलित किया गया है। इन गतिविधियों का संचालन स्नातक–पूर्व, स्नातकोत्तर एवं परा–चिकित्सा प्रकोष्ठों द्वारा किया जाता है।

स्नातक–पूर्व शिक्षा

इस अनुभाग द्वारा नए छात्रों के लिए प्रवेश के उपरांत की औपचारिकताओं, पाठ्यक्रम विकसित करने एवं संशोधित करने तथा स्नातक–पूर्व छात्रों के लिए आंतरिक मूल्यांकन सहित शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रबंध किया जाता है। विभिन्न पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं :– एम.बी.बी.एस., बी.एस–सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी तथा नेत्र विज्ञान तकनीक, बी.एस–सी. नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट) तथा बी.एस–सी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम।

काय चिकित्सा स्नातक एवं शल्य चिकित्सा स्नातक (एम.बी.बी.एस.)

एम.बी.बी.एस. में शिक्षा के पैटर्न की समीक्षा की गयी तथा जुलाई 2004 से इसकी पुनर्संरचना की गयी। एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम की अवधि साढ़े पाँच वर्ष की ही है जिसमें 3 चरण और इंटर्नशिप सम्मिलित है। इसका विवरण निम्नानुसार हैः

चरण	अवधि (वर्षों में)	प्रशिक्षण
प्रथम	एक वर्ष	नैदानिक–पूर्व
द्वितीय	डेढ़ वर्ष	परा–नैदानिक
तृतीय	दो वर्ष	नैदानिक
इंटर्नशिप	एक वर्ष	विभिन्न विभागों में अनिवार्य रूप से रोटेशन

वर्तमान में, एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम में, प्रति वर्ष 72 भारतीय छात्रों को दाखिला दिया जाता है। वर्ष 2011 तक 5 विदेशी नागरिकों को दाखिला दिए जाने का प्रावधान था। तथापि, इस वर्ष विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की अनुशंसा पर केवल 3 विदेशी नागरिकों को ही दाखिला प्रदान किया गया। भारतीय नागरिकों की 72 सीटों के लिए विभिन्न श्रेणियों में निम्नानुसार दाखिला प्रदान किया गयाः–

सामान्य	अन्य पिछड़े वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति
37	19	11	05

ये चयन अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के आधार पर किए गए थे। अस्थिजन्य शारीरिक रूप से विकलांग (ओ पी एच) उम्मीदवारों हेतु समस्तर आधार पर 3 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया। इन 72 सीटों के लिए, 76014 आवेदन प्राप्त हुए तथा दिनांक 1 जून, 2012 को आयोजित प्रवेश परीक्षा में 58,002 उम्मीदवार उपस्थित हुए। दिनांक 31 मार्च 2013 तक पंजी पर 77 इंटर्न सहित एम.बी.बी.एस. छात्रों की कुल संख्या 390 थी।

इस वर्ष में, परीक्षा के प्रथम, द्वितीय तथा अंतिम चरण में प्रथम तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले 6 योग्य एम.बी.बी.एस. छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

परा–चिकित्सा तथा नर्सिंग शिक्षा

वर्ष 2012–13 में, बी.एस–सी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम में 74 छात्रों (39 सामान्य, 10 अ.जा., 6 अ.ज.जा. एवं 19 अ.पि.व.) को प्रवेश दिया गया। अन्य स्नातकपूर्व पाठ्यक्रमों हेतु अर्थात बी.एस–सी. (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक में 19 छात्रों (10 सामान्य, 3 अ.जा., 1 अ.ज.जा. एवं 5 अ.पि.व.) को तथा बी.एस–सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी में 9 छात्रों (5 सामान्य, 1 अ.जा., 1 अ.ज.जा. तथा 2 अ.पि.व.) को प्रवेश दिया गया। इस पाठ्यक्रमों में दिनांक 31 मार्च 2013 तक पंजी. पर छात्रों की संख्या निम्न प्रकार से थीः–

पाठ्यक्रम	छात्रों की संख्या
नर्सिंग	
बी.एस–सी. नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट)	47
बी.एस–सी. (ऑनर्स) नर्सिंग	255
परा–चिकित्सा	
बी.एस–सी. (ऑनर्स) नेत्रा विज्ञान तकनीक	40
बी.एस–सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी	25

स्नातकोत्तर शिक्षा

शैक्षिक अनुभाग द्वारा जूनियर तथा सीनियर रेजीडेंटों सहित स्नातकोत्तर छात्रों के प्रवेश तथा प्रशिक्षण संबंधी सभी गतिविधियोंका संचालन किया जाता है। इस अनुभाग द्वारा विभिन्न विषयों में पी–एच.डी., डी.एम., एम.सी–एच, एम.डी., एम.एस., एम.डी.एस., एम.एच.ए., एम. बायोटेक तथा एम.एस–सी. पाठ्यक्रमों से संबंधित सभी गतिविधियों का संचालन किया जाता है। भारतीय नागरिकों तथा प्रायोजित उम्मीदवारों को सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश एक अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के द्वारा दिया जाता है जो कि वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है, एम.एस–सी. तथा एम. बायोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए वर्ष में एक बार प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। प्रायोजित श्रेणी के अंतर्गत विदेशी नागरिकों को भी प्रवेश परीक्षा के द्वारा प्रवेश दिया जाता है। वर्ष 2012–13 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में 538 छात्रों (15 भारतीय प्रायोजित तथा 16 विदेशी नागरिकों सहित) को प्रवेश दिया गया। 31 मार्च, 2013 तक पंजी. पर स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरल छात्रों की कुल संख्या 1349 थी। वर्ष 2012–13 में

विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिलों का विवरणः

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	जुलाई 2012	जनवरी 2013	कुल
1.	एम–एस सी. / एम. बायोटेक / एम–एस सी नर्सिंग	**58**	**0***	**58**
2.	एम डी/एम एस / एम डी एस / एम एच ए	**175**	**129**	**304**
3.	डी एम / एम सी एच	**42**	**42**	**84**
4.	पी एच–डी.	**49**	**43**	**92**
	कुल	**324**	**214**	**538**

*दाखिले वर्ष में एक बार किए गए।

दिनांक 31.03.2013 तक पंजी पर स्नातकोत्तर छात्रों का विवरणः–

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	पंजीकृत छात्रों की संख्या
1.	पी एच–डी	403
2.	डी एम	142
3.	एम–सी एच	69
4.	एम डी / एच एच ए	556
5.	एम एस	82
6.	एम डी एस	39
7.	एम–एस सी / एम. बायोटेक / एम–एस सी. नर्सिंग	58
	कुल	**1349**

31 मई, 2013 तक पंजी पर पी.एच.डी. छात्रों का विषयवार विवरणः–

क्र. सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	शरीर रचना विज्ञान	22	0
2	जैव रसायन	42	0
3	जैव भौतिकी	39	0
4	जैव सांख्यिकी	4	0
5	जैव प्रौद्योगिकी	8	0
6	हृद् संवेदनाहरणविज्ञान	शून्य	1
7	हृद् जैव रसायन	1	0
8	हृद् विकिरण विज्ञान	1	0
9	हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	3	0
10	सामुदायिक चिकित्सा	1	0
11	सामुदायिक नेत्र विज्ञान (डॉ. रा.प्र. केन्द्र)	3	0
12	दन्त शल्य चिकित्सा	3	0
13	त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान	3	0

14	आपात चिकित्सा	2	0
15	अंतःस्राविकी एवं चयापचय	12	0
16	न्याय चिकित्सा	4	0
17	जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण एकक	5	1
18	जरा चिकित्सा	1	0
19	रुधिर विज्ञान	10	0
20	प्रयोगशाला चिकित्सा	15	0
21	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान (डॉ. बी.आर.अं.सं.रो.कैं.अ.)	3	0
22	चिकित्सा भौतिकी (डॉ. बी.आर.अं.सं.रो.कैं.अ.)	5	0
23	काय चिकित्सा	9	0
24	सूक्ष्म जैव विज्ञान	27	0
25	तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान	शून्य	1
26	तंत्रिका जैव रसायन	6	0
27	तंत्रिका मनोविज्ञान (तंत्रिका विज्ञान)	3	0
28	तंत्रिका विज्ञान	13	0
29	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	5	1
30	नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद	8	0
31	नाभिकीय चिकित्सा	4	0
32	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान	1	2
33	नेत्र जैवरसायन (डॉ. रा. प्र. केन्द्र)	3	0
34	नेत्र सूक्ष्मजैव विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केन्द्र)	2	0
35	नेत्र विकृति विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केन्द्र)	2	0
36	नेत्र भेषजगुण विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केन्द्र)	3	0
37	नेत्रविज्ञान (डॉ. रा. प्र. केन्द्र)	7	2
38	नाक, कान तथा गला रोग विज्ञान (ई. एन. टी.)	1	0
39	बाल शल्य चिकित्सा	1	0
40	बाल चिकित्सा	24	1
41	विकृति विज्ञान	12	0
42	भेषजगुण विज्ञान	14	0
43	शरीर क्रिया विज्ञान	26	1
44	मनोचिकित्सा	12	0
45	विकिरण अर्बुद विज्ञान	शून्य	3
46	प्रजनन जैव विज्ञान	4	0
47	शल्य चिकित्सा	शून्य	4
48	प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवांशिकी	11	1
	कुल	**385**	**18**

दिनांक 31 मार्च, 2013 तक पंजी पर डी. एम. छात्रों का विषयवार विवरणः–

क्रम सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	हृद संवेदनाहरण विज्ञान	6	3
2	हृद विज्ञान	16	3
3	नैदानिक रुधिर विज्ञान	6	2
4	अंतःस्त्राविकी	8	2
5	जठरांत्र रोग विज्ञान	10	3
6	रुधिर विकृति विज्ञान	4	1
7	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान	12	0
8	नवजात विज्ञान	4	2
9	वृक्क विज्ञान	8	5
10	तंत्रिका – संवेदनाहरण विज्ञान	8	3
11	तंत्रिका विज्ञान	15	3
12	तंत्रिका विकिरण विज्ञान	3	0
13	बाल तंत्रिका विज्ञान	6	2
14	नैदानिक भेषजगुण विज्ञान	2	1
15	फुफ्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार	4	0
	कुल	**112**	**30**

दिनांक 31 मार्च, 2013 तक पंजी पर एम.सी–एच. छात्रों का विषयवार विवरणः–

क्रम सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	हृद्वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	13	2
2	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	17	2
3	जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं वृक्क प्रतिरोपण	11	3
4	बाल शल्य चिकित्सा	4	3
5	मूत्र रोग विज्ञान	8	1
6	शल्यक अर्बुद विज्ञान	4	1
	कुल	**57**	**12**

दिनांक 31 मार्च, 2013 तक पंजी पर एम. डी. / एम. एस. / एम. डी. एस. छात्रों का विषयवार विवरणः–

क्रम सं.	विषय (एम डी)	सामान्य	प्रायोजित
1	संवेदनाहरण विज्ञान	36	2
2	शरीर रचना विज्ञान	18	0
3	जैव रसायन	14	0
4	जैव भौतिकी	12	0
5	सामुदायिक चिकित्सा	23	0

6	त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	14	3
7	न्याय चिकित्सा	9	0
8	अस्पताल प्रशासन (एम एच ए)	6	2
9	प्रयोगशाला चिकित्सा	9	0
10	काय चिकित्सा	55	3
11	सूक्ष्म जैव विज्ञान	14	0
12	नाभिकीय चिकित्सा	13	3
13	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान	37	3
14	नेत्र विज्ञान	110	1
15	बाल चिकित्सा	28	3
16	विकृति विज्ञान	22	1
17	भेषजगुण विज्ञान	13	0
18	भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	7	0
19	शरीरक्रिया विज्ञान	18	0
20	मनोचिकित्सा विज्ञान	30	2
21	विकिरण निदान	24	3
22	विकिरण चिकित्सा	9	0
23	जरा चिकित्सा	5	1
24	आपात चिकित्सा	3	0
	कुल	**529**	**27**
	विषय (एम.एस.)		
25	अस्थि रोग विज्ञान	18	2
26	कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान	14	2
27	शल्य चिकित्सा	44	2
	कुल	**76**	**6**
	विषय (एम.डी.एस.)		
28	कंजरवेटिव डेंटीस्ट्री एंड इंडोडोंटिक्स	9	1
29	ऑर्थोडोंटिक्स	9	3
30	प्रोस्थोडोंटिक्स	8	0
31	ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल शल्य चिकित्सा	8	1
	कुल	**34**	**5**
	कुल महायोग	**639**	**38**

दिनांक 31 मार्च, 2013 तक पंजी पर एम.एस.सी. छात्रों का विषयवार विवरणः–

क्रम सं.	एम.एस–सी.	सामान्य	प्रायोजित
1	शरीर रचना विज्ञान	4	–
2	जैव रसायन	3	1 (विदेशी नागरिक)
3	जैव भौतिकी	0	–
4	भेषजगुण विज्ञान	1	1 (विदेशी नागरिक)
5	शरीर क्रिया विज्ञान	3	–
6	प्रयूजन प्रौद्योगिकी	6	–
7	एम. जैव प्रौद्योगिकी	14	1 (विदेशी नागरिक)
8	नाभिकीय चिकित्सा प्रौद्योगिकी	0	–
	कुल	**31**	**3**

दिनांक 31 मार्च, 2013 तक पंजी पर एम. एस–सी. (नर्सिंग) का विषयवार विवरणः–

क्रम सं.	एम.एस–सी. (नर्सिंग)	सामान्य	प्रायोजित
1	हृद् विज्ञान/सी.टी.वी.एस. नर्सिंग	6	–
2	तंत्रिका विज्ञान नर्सिंग	6	–
3	बाल चिकित्सा नर्सिंग	7	–
4	मनोचिकित्सा नर्सिंग	4	1 (विदेशी नागरिक)
	कुल	23	1

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत तथा विदेश के विभिन्न संगठन के छात्रों और कर्मचारियों को अल्पावधिक, दीर्घावधिक एवं ऐच्छिक प्रशिक्षण प्रदान किए जाने का प्रावधान है। वर्ष 2012–13 के दौरान 851 व्यक्तियों को निम्नानुसार प्रशिक्षण प्रदान किया गयाः–

क्रम सं.	प्रशिक्षण	प्रशिक्षुओं की संख्या
1	अल्पावधिक प्रशिक्षण : भारतीय नागरिक	714
2	अल्पावधिक प्रशिक्षण : विदेशी नागरिक	47
3	दीर्घावधिक प्रशिक्षण : भारतीय नागरिक	12
4	ऐच्छिक प्रशिक्षण : विदेशी नागरिक (स्नातक पूर्व छात्रा)	54
5	वि.स्वा.सं. फैलो : भारतीय नागरिक	12
6	वि.स्वा.सं. फैलो : विदेशी नागरिक	12
	कुल	**851**

समिति बैठकें

शैक्षिक समिति, स्टाफ काउंसिल, संकायाध्यक्ष समिति, संकाय तथा अनुसंधान प्रस्तुतीकरण की बैठकें आयोजित करने का उत्तरदायित्व शैक्षिक अनुभाग का है। वर्ष 2012–13 के दौरान आयोजित हुई बैठकों का विवरण निम्नानुसार हैं:–

1	शैक्षिक समिति	1
2	स्टाफ काउंसिल	1
3	संकायाध्यक्ष समिति	1
4	संकाय (सामान्य चर्चा)	7
5	अनुसंधान प्रस्तुतिकरण	6

व्याख्यान

वर्ष 2012–2013 के दौरान शैक्षिक अनुभाग द्वारा निम्नलिखित व्याख्यानों का आयोजन किया गया।

क्र. सं.	व्याख्यान का नाम	व्याख्यानदाता का नाम	व्याख्यान की तिथि, समय तथा स्थान
1.	23वां सर्वेश्वरी मेमोरियल व्याख्यान	प्रो. जूहा एनिटरो हरनेसनिरमि, अध्यक्ष, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, हेलसिन्की विश्वविद्यालय	15 फरवरी, 2013, सायं 04.00 बजे, जवाहर लाल सभागार, अ.भा.आ.सं.

दीक्षांत समारोह

संस्थान का 40वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 16 अक्तूबर, 2012 को जवाहर लाल सभागार में आयोजित किया गया। भारत के महामहिम माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने विशिष्ट योग्य छात्रों को संस्थान पदक/ पुरस्कार प्रदान किए तथा उपस्थित जन–समूह को संबोधित किया। अध्यक्ष, एम्स एवं माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री गुलाम नबी आजाद द्वारा उपाधियां प्रदान की गईं।

4. परीक्षा अनुभाग

प्रभारी आचार्य (परीक्षा)
कौशल के वर्मा

उप–संकायाध्यक्ष (परीक्षा)
नन्द कुमार

सहायक परीक्षा नियंत्रक
ए.के. गिगू

लेखा अधिकारी
एस.के. टिक्कू

अनुभाग द्वारा 1 अप्रैल, 2012 से 31 मार्च, 2013 तक संचालित विभिन्न व्यावसायिक परीक्षाओं का विवरण निम्नानुसार हैः–

स्नातकोत्तर एवं स्नातक–पूर्व व्यावसायिक परीक्षाएं

क्र.सं.	माह एवं वर्ष	परीक्षा	छात्रों की संख्या			
			परीक्षा में बैठे	अनुपस्थित	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण
1	मई 2012	अंतिम स्नातकोत्तर / पोस्ट–डॉक्टरल (एमडी / एमएस / एमडीएस / डीएम / एम–सीएच / एमएचए)	158	-	148	10
2	–तदैव–	एम. एस–सी. (नर्सिंग), चरण I	19	-	19	-
3	–तदैव–	एम. एस–सी. (नर्सिंग), चरण II	19	-	19	-
4	–तदैव–	द्वितीय एम. बी., बी. एस. (पूरक)	16	02	09	05
5	–तदैव–	अंतिम एम. बी., बी. एस. (पूरक)	09	03	06	-
6	–तदैव–	बी. एस–सी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण IV	59	-	59	-
7	–तदैव–	बी. एस–सी. (पोस्ट–प्रमाणपत्र) नर्सिंग, चरण II	22	-	22	-
8	–तदैव–	बी. एस–सी. (पोस्ट–प्रमाणपत्र) नर्सिंग, चरण 1	23	-	22	01
9	–तदैव–	बी. एस–सी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण I	59	01	55	03
10	–तदैव–	बी. एस–सी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण III	56	-	56	-
11	–तदैव–	बी. एस–सी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण II	56	-	55	01
12	जुलाई 2012	बी. एस–सी. (ऑ.) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण III	11	-	08	03
13	–तदैव–	बी.एस–सी.(ऑ) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी चरण II	08	-	06	02
14	–तदैव–	बी.एस–सी.(ऑ) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी चरण III	05	-	05	-
15	–तदैव–	प्रथम एम.बी.बी.एस. व्यावसायिक	80	02	73	04 1 (,u bZ)
16	–तदैव–	बी.एस–सी. (ऑ) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी	08	-	06	02

		चरण I				
17	–तदैव–	बी. एस–सी. (ऑ.) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण II	14	-	10	04
18	–तदैव–	बी. एस–सी. (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण I	13	-	08	05
19	अगस्त 2012	प्रथम एम.बी.बी.एस. व्यावसायिक (पूरक)	07	-	05	02
20	नवम्बर 2012	बी.एस–सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चि. प्रौद्योगिकी चरण II (पूरक)	02	-	02	-
21	–तदैव–	बी.एस–सी. (ऑ) नेत्रविज्ञान तक. चरण III (पूरक)	03	-	03	-
22	–तदैव–	बी.एस–सी. (ऑ) रेडियोग्राफी में चि. प्रौद्योगिकी चरण I (पूरक)	02	-	02	-
23	–तदैव–	बी.एस–सी. (ऑनर्स) नेत्रविज्ञान तकनीक चरण III (पूरक)	01	-	01	-
24	–तदैव–	बी.एस–सी. (ऑ) नेत्रविज्ञान तक. चरण I (पूरक)	08	-	05	03
25	–तदैव–	बी.एस–सी. (ऑ) नेत्रविज्ञान तक. चरण II (पूरक)	05	-	04	01
26	दिसम्बर 2012	अंतिम स्नातकोत्तर/पोस्ट डॉक्टरल (एमडी/एमएस/एमडीएस/ डीएम/एम–सीएच/एमएचए)	150	0	143	07
27	–तदैव–	बी.एस–सी. (नर्सिंग) चरण II (पूरक)	08	-	08	-
28	–तदैव–	अंतिम एम.बी.बी.एस व्यावसायिक	73	02	68	03
29	–तदैव–	द्वितीय एम.बी.बी.एस व्यावसायिक	80	01	75	04
30	–तदैव–	बी.एस–सी. (पोस्ट–प्रमाणपत्र) नर्सिंग चरण I (पूरक)	01	-	01	-
31	–तदैव–	बी.एस–सी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण I (पूरक)	02	-	02	-
32	–तदैव–	बी.एस–सी. नर्सिंग (पोस्ट–प्रमाणपत्र) चरण II (पूरक)	01	-	01	-
33	–तदैव–	बी.एस–सी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण III (पूरक)	04	-	04	-
34	–तदैव–	बी.एस–सी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण IV (पूरक)	03	-	03	-
35	जनवरी 2013	अंतिम एम.बी.बी.एस. (कंपार्टमेंटल परीक्षा)	02	-	02	-
		महायोग	987	11	915	60 *1(,u bZ)

*** उपस्थिति में कमी के कारण योग्य नहीं।**

स्नातक–पूर्व तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों हेतु प्रवेश परीक्षाएं

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	परीक्षा की तिथि	उम्मीदवारों की संख्या	
			आवेदक	उपस्थित
1	एम.डी./एम.एस./एम.डी.एस. (एम्स) जुलाई 2012	06.05.2012	24369	21605
2	डी.एम./एम.सी–एच./एम.एच.ए. जुलाई 2012	20.05.2012	2107	1787
3	एम.बी.बी.एस. (एम्स) अगस्त, 2012	01.06.2013	76014	58002
4	बी.एस–सी. (ऑनर्स) नर्सिंग 2012	10.06.2012	1012	770
5	बी.एस–सी. नर्सिंग (पोस्ट प्रमाणपत्र) 2012	16.06.2012	78	58
6	बी.एस–सी. (ऑनर्स) परा–चिकित्सा पाठ्यक्रम 2012	03.06.2012	259	182
7	एम.एस–सी. पाठ्यक्रम 2012	07.07.2012	395	247
8	एम.एस–सी. नर्सिंग 2012	23.06.2012	833	673

9	एम. बायोटेक्नोलॉजी 2012	14.07.2012	734	438
10	सीनियर रेजीडेंट्स भर्ती परीक्षा, जुलाई 2012	17.06.2012	1287	960
11	पी.एच–डी. जुलाई 2012	30.06.2012	564	379
12	ऑन लाइनः सीनियर रेजीडेंट्स भर्ती परीक्षा, जनवरी 2013	06.01.2013	779	459
13	एमडी/एमएस/एम.सी–एच. (6 वर्षीय)/एमडीएस जनवरी 2013	18.11.2012	30636	25327
14	डी.एम./एम.सी–एच./एम.एच.ए. जनवरी 2013	16.12.2012	2414	2021
15	एम्स राष्ट्रीय योग्यता–सह–प्रवेश परीक्षा एम.डी.एस./पी.जी. डिप्लोमा 2013	13.01.13	16554	15172
16	पीएच. डी जनवरी 2013	20.01.2013	556	337
		महायोग	**158591**	**128413**

पीएच.डी. मौखिक परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारः 57

भर्ती हेतु परीक्षाएं

क्र. सं.	**परीक्षा का नाम**	**लिखित परीक्षा**	**साक्षात्कार**	**आवेदक**	**उपस्थित**	**परिणाम**
	निजी सचिवः कौशल परीक्षा	28.04.2012	-	31	31	13.06.2012
	वैयक्तिक सहायकः कौशल परीक्षा	29.04.2012	-	67	37	13.06.2012
	प्रबंधक (मानव संसाधन विकास)	29.04.2012	11.05.2012	40	23	14.05.2012
	ऑपरेशन थियेटर सहायक	28.07.2012	28.08.2012 **से** 30.08.2012	483	315	19.02.2012
	प्रयोगशाला परिचर	04.08.2012	-	127	-	परिणाम प्रतिक्षित
	बाल मनोचिकित्सक	12.08.2012	05.09.2012	110	63	06.09.2012
	सामान्य लिखित परीक्षा (अ.श्रे.लि./डा.ए.ऑ./आशुलिपिक)			अ.श्रे.लि.: 943 डा.ए.ऑ.: 1611 आशुलिपिकः 2702	अ.श्रे.लि.: 470 डा.ए.ऑ.: 343 आशुलिपिकः 56 (बाहरी आवेदक)	परिणाम प्रतिक्षित (परिणाम पर रोक)
			महायोग	**6114**	**1338**	

संचालित की गई प्रवेश परीक्षाएं :

1. **राष्ट्रीय योग्यता–सह–प्रवेश परीक्षा (एन.ई.ई.टी.):** एम.डी./पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 50 प्रतिशत ओपनमेरिट के कोटे हेतु दिनांक 13 जनवरी, 2013 को 5 शहरों में 33 केन्द्रों (12 स्थानीय, 21 बाहरी) में परीक्षा आयोजित की गई। अदालत में मामला होने के कारण परीक्षा परिणाम लम्बित है।
2. जुलाई, 2012 हेतु एम.डी./एम.एस./एम.डी.एस. पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एम्स स्नातकोत्तर प्रवेश दिनांक 6 मई, 2012 को 58 केन्द्रों (दिल्ली 22, बाहरी 36) पर तथा जनवरी 2013 सत्र हेतु 56 केन्द्रों (दिल्ली 18, बाहरी 38) पर 18 नवम्बर 2012 को आयोजित की गई। इनके परीक्षा परिणाम क्रमशः 29 मई, 2012 तथा 27 नवम्बर, 2012 को घोषित किए गए।
3. जुलाई 2012 तथा जनवरी 2013 के लिए डी.एम./एम.सी–एच. तथा अस्पताल प्रशासन में स्नातकोत्तर जैसे विभिन्न पोस्ट–डॉक्टरल (अति–विशिष्टता) पाठ्यक्रमों के लिए चयन द्वि–स्तरीय निष्पादन मूल्यांकन के आधार पर क्रमशः 20–26 मई, 2012 तथा 16–22 दिसंबर, 2012 को किया गया।
4. संस्थान द्वारा सीनियर रेजीडेंटों/सीनियर डेमोंस्ट्रेटरों के पद हेतु लिखित परीक्षा भी आयोजित की गई। यह परीक्षा जनवरी, 2013 में ऑन लाइन आयोजित की गई।

5. जुलाई, 2012 तथा जनवरी, 2013 सत्रों हेतु प्रारंभ होने वाले पी–एच.डी. कार्यक्रम में पंजीकरण हेतु उम्मीदवारों का चयन आयोजित किया गया। इनके परिणाम क्रमशः 7 जुलाई, 2012 तथा 30 जनवरी, 2013 को घोषित किए गए।

6. अगस्त 2012 सत्र के लिए एम्स जैसे 6 नए संस्थानों सहित एम्स के एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा दिनांक 01 जून, 2012 को 17 शहरों में 163 (स्थानीय 44 तथा बाहरी 119) केंद्रों पर आयोजित की गई।

7. बी.एस–सी. (ऑनर्स) नर्सिंग प्रवेश परीक्षा दिनांक 10 जून, 2012 को दिल्ली तथा तिरुवनंतपुरम में आयोजित की गई।

8. अगस्त, 2012 सत्र हेतु एम.एस–सी. तथा एम. बॉयोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा क्रमशः 7 तथा 14 जुलाई, 2012 को दिल्ली में आयोजित की गई।

9. एम.एस–सी. नर्सिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा सन् 2005 से आरंभ हुई थी। यह परीक्षा केवल दिल्ली में दिनांक 23 जून, 2012 को आयोजित की गई। दाखिला मेरिट आधार पर दिनांक 13 एवं 19 जुलाई, 2012 को आयोजित हुई काउंसलिंग के माध्यम से किया गया।

10. बी.एस–सी. नर्सिंग (पोस्ट प्रमाणपत्र) पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा दिल्ली में दिनांक 16 जून, 2012 को आयोजित की गई, तत्पश्चात दिनांक 20 जून, 2012 को उम्मीदवारों का वैयक्तिक मूल्यांकन किया गया।

11. परा–चिकित्सा पाठ्यक्रमों जैसेः– बी.एस–सी. (ऑनर्स) नेत्रविज्ञान तकनीक एवं बी.एस–सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्साप्रौद्योगिकी में अगस्त, 2012 सत्रा के लिए प्रवेश परीक्षा दिनांक 3 जून, 2012 को दिल्ली में एक केंद्र पर आयोजित की गई। इन दोनों पाठ्यक्रमों में दिनांक 2 जुलाई, 2012 और 18 जुलाई, 2012 को आयोजित काउंसलिंग के माध्यम से मेरिट आधार पर सीटों के आबंटन द्वारा प्रवेश प्रदान किया गया।

12. परीक्षा अनुभाग द्वारा संस्थान में निम्नलिखित पदों हेतु भर्ती के लिए लिखित/कौशल परीक्षा भी आयोजित की गईः–
   i) दिनांक 28 अप्रैल, 2012 को निजी सचिव के पद हेतु कौशल परीक्षा।
   ii) दिनांक 29 अप्रैल, 2012 को वैयक्तिक सहायक के पद हेतु कौशल परीक्षा।
   iii) प्रबंधक (मानव संसाधन विकास) के पद हेतु दिनांक 29 अप्रैल, 2012 को लिखित परीक्षा। दिनांक 11 मई, 2012 को साक्षात्कार आयोजित किया गया।
   iv) दिनांक 28 जुलाई 2012 को ऑपरेशन थियेटर सहायक के पद हेतु लिखित परीक्षा। दिनांक 28–30 अगस्त, 2012को साक्षात्कार आयोजित किया गया।
   v) प्रयोगशाला परिचर के पद हेतु दिनांक 4 अगस्त, 2012 को लिखित परीक्षा।
   vi) बाल मनोचिकित्सक के पद हेतु दिनांक 12 अगस्त, 2012 को लिखित परीक्षा। दिनांक 5 सितम्बर, 2012 को साक्षात्कार आयोजित किया गया।
   vii) सामान्य लिखित परीक्षा (अ.श्रे.लि./डा.ए.ऑ./आशुलिपिक), 26 अगस्त, 2012.

अन्य गतिविधियों में सहभागिताः

1. यह अनुभाग एम्स स्नातकोत्तर, बी.एस–सी. (ऑनर्स) परा चिकित्सा, एम.एस–सी. (नर्सिंग) पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु काउंसलिंग तथा बी.एस–सी. (नर्सिंग) पोस्ट प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम हेतु वैयक्तिक मूल्यांकन में सक्रिय रूप से भाग लेता है।

2. अनुभाग द्वारा बी.पी. कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, धरन, नेपाल के स्नातकोत्तर छात्रों के शोध (लगभग 71) के मूल्यांकन कार्य में सहायता की गई।

3. अनुभाग द्वारा वर्ष 2010 से उत्तर पूर्वी इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान संस्थान, शिलांग, मेघालय के लिए एम.बी.बी.एस. प्रवेश परीक्षा का भी आयोजन किया जाता रहा है और इस वर्ष यह परीक्षा दिनांक 22 जुलाई, 2012 को आयोजित की गई।

4. अनुभाग द्वारा भारत और विदेश में विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों को उनकी प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान की जाती है।

महत्त्वपूर्ण घटनाएं

परीक्षा अनुभाग द्वारा संचालित परीक्षा में और अधिक नियंत्रण एवं संतुलन बनाए रखने को प्रारम्भ करने के उपाय के रूप में परीक्षा व्यवस्था की पूर्ण गोपनीयता एवं सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए, बाहरी केंद्रों के लिए प्रश्न–पत्रों को अब अनुमोदित बैंकों में सुरक्षित रखा जाता है। छद्म व्यक्तित्व के किसी भी प्रकार के मामले से बचने के लिए प्रवेश परीक्षा के दौरान सभी उम्मीदवारों के अंगूठे का निशान लिया जाता है। इसके अलावा, वर्ष 2006 से मेटल डिटेक्टरों के प्रयोग द्वारा शारीरिक जांच आरंभ की गई।

अनुभाग जनवरी 2010 से सभी प्रवेश परीक्षाओं हेतु ऑन लाइन आवेदन आमंत्रित कर रहा है। उम्मीदवार अब ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और अपने प्रवेश पत्र भी डाउनलोड कर सकते हैं। यह प्रोस्पेक्ट्स तथा आवेदन पत्रा प्राप्त करने की कठिनाई को समाप्त करने के लिए किया गया है, जिसके बारे में समय समय पर प्रत्याशियों द्वारा सूचित किया गया। आवेदन पत्रों को जमा करने की ऑनलाइन विधि आरंभ होने के बाद अब प्रोस्पेक्ट्स–सह–आवेदन पत्र के उपलब्ध न होने की समस्या का पूरी तरह समाधान कर दिया गया है।

अनुभाग द्वारा वर्ष 2012 से आवेदन के शुल्क की राशि के भुगतान करने के तरीकों की समग्र प्रणाली (डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, ऑनलाइन स्थानांतरण आदि) को आरंभ किया गया।

अखिल भारतीय स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा में, प्रत्येक उम्मीदवार को लिखने के लिए पेन उपलब्ध करवाया गया। ऐसा इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों के प्रयोग के नकल को रोकने के लिए किया गया था।

परीक्षा के दौरान उम्मीदवार की पहचान की प्रामाणिकता में संदेह होने के मामले में अथवा उम्मीदवार द्वारा परीक्षा उद्देश्य हेतु फोटोग्राफ नहीं लाई जाती है तो उनकी फोटोग्राफी (स्नेपशॉट) की जा रही है।

परीक्षा के व्यय को पूरा करने के लिए नामित परीक्षा केंद्रों को अग्रिम में डिमांड ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक के माध्यम से 90 से 95 प्रतिशत राशि भेजकर एम्स प्रतिनिधि द्वारा किए जाने वाले नकद राशि के लेन–देन को कम कर दिया गया है।

बेहतर मार्किंग के लिए ओ.एम.आर. शीट की गुणवत्ता में सुधार किया गया है। पारदर्शिता हेतु ओ.एम.आर. शीट में (शब्दों एवं अंको में) अनुपयुक्त (बिना उत्तर दिए) प्रश्नों का उल्लेख करना आरंभ किया गया है।

5. सामान्य प्रशासन

उप–निदेशक (प्रशासन)

विनीत चौधरी (29.11.2012 तक) आर.एस. शुक्ल (30.11.2012 से)

उप सचिव / मुख्य सतर्कता अधिकारी

संजीव चतुर्वेदी (29.6.2012 से)

संस्थान के कार्मिक एवं स्थापना, सुरक्षा, संपदा, इंजीनियरी सेवा विभाग से संबंधित मामले, भंडार, सतर्कता एवं जनसंपर्क क्रियाकलापों सहित सामान्य प्रशासन का पर्यवेक्षण उप–निदेशक (प्रशासन) द्वारा किया जाता है। उपर्युक्त वर्णित क्षेत्रों की देखभाल करने के लिए विभिन्न शाखाएं हैं। प्रत्येक शाखा का नेतृत्व एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा सहायक अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों की सहायता से किया जाता है। इन शाखाओं की गतिविधियों का एक संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है।

मुख्य प्रशासन अधिकारी

अतर सिंह

अधीक्षण अभियंता

बी. एस. आनंद (30.09.2012 तक) मंजुल रस्तोगी (01.10.2012 से) (कार्यकारी)

अधिशासी अभियंता

एस. भास्कर वी.के. शर्मा (कार्यकारी)

मुख्य प्रापण अधिकारी

ए.के. कामरा

उप–मुख्य सुरक्षा अधिकारी

राजीव लोचन आर.एस. रावत

वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

के. के. वैद्य

प्रशासन अधिकारीगण

भर्ती, पी.आई.सी. प्रकोष्ठ एवं छात्रावास अनुभाग

रवि चौहान एस.के. गौतम (14.07.2012 तक) धीरज (31.07.2012 तक)

सामान्य, संपदा*, परिवहन अनुभाग एवं रा.प्र. केन्द्र

वी. वी. मिश्र' (26.06.2012 तक)

संकाय प्रकोष्ठ
ललित कुमार (31.08.2012 तक)

जे. पी. एन. ए. ट्रॉमा केंद्र
ए.के. निम

हृ.तं. केन्द्र
आर.के. शर्मा

विधिक / संपदा
रजी जावेद
(26.06.2012 से)

अस्पताल
संतोष कु. अग्रवाल
(20.06.2012 से)

भंडार अधिकारीगण

एस.एस.भदुरिया
प्रदीप कुमार गुप्ता

के.डी.शर्मा
राकेश कुमार शर्मा

सहायक प्रशासन अधिकारीगण

समन्वय प्रकोष्ठ / आर.टी.आई.
महेश कुमार शर्मा

शैक्षिक अनुभाग
रेनू भारद्वाज

अनुसंधान अनुभाग
नरेंद्र कुमार

वित्त प्रभाग
अशोक कुमार गुप्ता

स्था. अनुभाग–II / सी.डी.ई.आर. आर.टी.आई. प्रकोष्ठ
गोपाल दत्त

एस.सी. / एस.टी. प्रकोष्ठ / ई.एच.एस. प्रकोष्ठ / ए.सी.आर. प्रकोष्ठ
ललित ओरॉव

स्थापना अनुभाग (नि.का.)
अशोक कुमार शर्मा
(30.11.2012 से)

एन.डी.डी.टी.सी., गाजियाबाद
सुखराम (31.11.2012 से)

संकाय प्रकोष्ठ
राजेन्द्र पिल्लई (30.11.2012 से)

एन.डी.डी.टी.सी., गाजियाबाद सतर्कता प्रमोष्ठ
बी.एस. गिल (30.11.2012 से)

परीक्षा अनुभाग
राज कुमार
(01.12.2012 से)

स्टाफ की नियुक्ति, सांविधिक समितियों की बैठकों की व्यवस्था, संपदा एवं सम्पत्ति प्रबंधन, उपकरण, सामग्री एवं उपभोज्यों की खरीद, सुरक्षा व्यवस्था, कर्मचारियों के कल्याण आदि सहित स्थापना अनुभाग और सामान्य प्रशासन से संबद्ध सभी मामलों की देखभाल इस अनुभाग द्वारा की जाती है।

मुख्य अस्पताल, सभी केन्द्रों तथा प्रशासन सहित संस्थान की कुल स्वीकृत स्टाफ की संख्या 11,658 है। इनका विवरण निम्न प्रकार से है :–

क्र. सं.	श्रेणी/समूह	स्वीकृत संख्या	वर्तमान स्टाफ
1.	संकाय	823	507
2.	समूह 'क'	554	412
3.	समूह 'ख'	5,530	4,407
4.	समूह 'ग'	4,751	3,947
	कुल	**11,658**	**9,273**

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ

सम्पर्क अधिकारी

डॉ. के.सी. गोस्वामी

आचार्य, हृद रोग विज्ञान विभाग

सहायक प्रशासन अधिकारी

ललित ओरॉव

समीक्ष्य वर्ष के दौरान एस.सी./एस.टी. प्रकोष्ठ में एस.सी./एस.टी. श्रेणी के कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न प्रार्थना पत्रा प्राप्त हुए। इनका विवरण निम्न प्रकार है:–

प्रार्थना पत्रा प्राप्त किए गए	9
निपटाए/समाधान किए गए मामले	7
विचाराधीन मामले	2

मामलों का संक्षिप्त विवरण

1. श्री कुलदीप कुमार, महा सचिव, एस.सी. / एस.टी. मेडिकल एसोसिएशन, एम्स के एस.सी. / एस.टी. सदस्यों के विरूद्ध अत्याचार। जवाब/टिप्पणी को उक्त एसोसिएशन को भेज दिया गया है।
2. श्री अजय कुमार, प्रधान निजी सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा भेदभाव के संबंध में आवेदन। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को उत्तर भेज दिया गया है।
3. प्रयोगशाला तकनीशियन श्री राहुल द्वारा पदोन्नति के बारे में आवेदन। मामला विचाराधीन है।
4. एम्स के चिकित्सा भौतिक विज्ञानी डॉ. वी सुब्रामणि द्वारा उत्पीड़न के बारे में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग द्वारा प्राप्त श्री एम. राजेन्द्रन एवं श्री एम. ए. लवीराज, चिकित्सा भौतिक विज्ञानी का संयुक्त आवेदन।
5. एम्स के भौतिक विज्ञानी डॉ. वी सुब्रामणि द्वारा उत्पीड़न के बारे में लोकसभा में विपक्ष की नेता श्रीमती सुषमा स्वराज द्वारा प्राप्त श्री एम. राजेन्द्रन एवं श्री एम.ए. लवीराज, चिकित्सा भौतिक विज्ञानी का संयुक्त आवेदन।
6. डॉ. वी सुब्रामणि, वरिष्ठ चिकित्सा भौतिकविद, एम्स का जातिगत भेदभाव, हतोत्साहित एवं प्रताड़ित करने एवं एम्स प्रशासन द्वारा कार्रवाई न करने संबंधी आवेदन जो कि एस.एन. शर्मा, अवर सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के माध्यम से प्राप्त हुआ।

यद्यपि उपर्युक्त शिकायत/मामले पर क्र.सं. 4,5 एवं 6 पर जो कि आपस में एक–दूसरे से संबंधित है, इस संबंध में डॉ. वी. सुब्रामणि एवं श्री एम.ए. लविराज के व्यवहार की पड़ताल करने के लिए एक समिति का गठन किया गया, रिपोर्ट के आधार पर सक्षम प्राधिकारी ने निर्णय लिया गया है और उसे संबद्ध प्राधिकारी को आगे की कार्रवाई हेतु भेज दिया गया है।

7. नेशनल इंस्टीट्यूट आफ बायोलॉजिकल्स, नोएडा तथा उत्पीड़न से संबंधित प्रयोगशाला तकनीशियन श्री भूपेन्दर कुमार का आवेदन। एम्स प्रशासन द्वारा नेशनल इंस्टीट्यूट आफ बायोलॉजिकल्स, नोएडा को लिखित रूप में अनेक बार यह अनुरोध किया कि वे श्री भूपेन्दर कुमार से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट भेजे। तथापि, एन.आई.बी. नोएडा से रिपोर्ट की प्रतीक्षा है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को उत्तर भेज दिया गया है।
8. एम्स में खलासी के पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियमित करने संबंधी इंजीनियरी सेवा विभाग के पूर्व खलासी (तदर्थ) श्री अवध नारायण का आवेदन। मामला विचाराधीन है।
9. न्याय से संबंधित श्रीमती सरोज कुमार का आवेदन। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को उत्तर भेज दिया गया है। यह मामला एम्स से संबंधित नहीं है, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को उत्तर भेज दिया गया है।

6. अस्पताल

चिकित्सा अधीक्षक
डी. के. शर्मा

आचार्य
सिद्धार्थ सतपति

अपर आचार्य

आई. बी. सिंह
संजय आर्य

सहायक आचार्य

निरूपम मदान
अनूप डागा
अमित लथवाल
महेश आर.

अस्पताल कार्य निष्पादन विवरण	2012–13		2011–12		निष्कर्ष
	मुख्य अस्पताल	ह.तं.कें.	मुख्य अस्पताल	ह.तं.कें.	
अस्पताल में ठहरने की औसतन अवधि (दिनों में)	4.9	6.6	5.4	6.7	बिस्तरों का प्रभावी उपयोग दर्शित होता है।
औसत बिस्तर अधिभोग दर (प्रतिशत)	84.7	84.1	81.6	77.4	उचित अधिभोग दर्शाता है।
शुद्व मृत्यु दर (प्रतिशत)	1.9	3.6	2.2	3.6	अस्पताल में गंभीर रूप से बीमार रोगियों की अधिक संख्या में भर्ती के बावजूद निम्न मृत्य–दर को दर्शाते हैं।
संयुक्त अशोधित संक्रमण दर (प्रतिशत)	7.8	–	8.3	–	

कृपया विवरण हेतु तालिका 1 एवं 2 देखें।

6.1 चिकित्सा अभिलेख सेवाएं (अस्पताल)

मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी और उप – पंजीयक, जन्म एवं मृत्यु
एन. के. शर्मा

शिक्षा एवं प्रशिक्षण

1. नर्सिंग महाविद्यालय, अ. भा. आ. सं. के एम.एससी. नर्सिंग के द्वितीय वर्ष के 19 छात्रों के एक समूह ने दिनांक 20 अप्रैल 2012 को चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल) का दौरा किया और श्री एन.के. शर्मा, मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी द्वारा चिकित्सा अभिलेख प्रबंधन पर एक संक्षिप्त व्याख्यान दिया गया।
2. सेंट स्टीफन अस्पताल, नई दिल्ली के चिकित्सा अभिलेख प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के 7 छात्रों के एक समूह ने दिनांक 27 अप्रैल 2012 को चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल) और डॉ. राजकुमारी अमृत कौर ओपीडी का दौरा किया।
3. एस. एच. के. एम. गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, नलहर, मेवात, हरियाणा के डॉ. एस. दास ने अपने अधिकारियों के साथ दिनांक 12 सितंबर 2012 को चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल) का दौरा किया और नूहु जिला मेवात, हरियाणा में मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा अभिलेख अनुभाग स्थापित करने के लिए चिकित्सा अभिलेख अनुभाग के दिन प्रतिदिन के कार्य संबंधी एक संक्षिप्त व्याख्यान दिया गया।

बैठकें

1. डॉ. निरूपम मदान, सहायक आचार्य, अस्पताल प्रशासन एवं प्रभारी अधिकारी, चिकित्सा अभिलेख तथा श्री अशोक कुमार कनिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी ने महानिदेशालय, स्वास्थ्य सेवाएं एवं सेंट्रल ब्यूरो ऑफ हेल्थ इंटेलिजेंस द्वारा दिनांक 2 दिसंबर 2012 को निर्माण भवन में आयोजित दिल्ली में सभी केंद्रीय सरकारी अस्पतालों के चिकित्सा अभिलेखों का डिजिटलाइजेशन संबंधी बैठक में भाग लिया।
2. श्री एन. के. शर्मा, मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी तथा श्री अशोक कुमार, कनिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी ने दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, अ. भा. आ. सं. द्वारा संचालित रोगियों की पंजीकरण पद्धति पर कार्यशाला में भाग लिया, 12 जनवरी 2013.
3. मुख्य पंजीयक, जन्म एवं मृत्यु, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, के कार्यालय द्वारा जन्म एवं मृत्यु के पंजीकरण के कार्य में तैनात अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए एक प्रशिक्षण, दिनांक 17 जनवरी, 2013 को आयोजित किया गया। चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (अस्पताल) से निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों को नामित किया गया।

1. श्री एन. के. शर्मा, मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी
2. श्री अशोक कुमार, कनिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी
3. श्रीमती श्रीजा नायर, डाटा एंट्री ऑपरेटर

न्यायालय में उपस्थिति

दिल्ली तथा दिल्ली से बाहर विभिन्न न्यायालयों से चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल) में 973 सम्मन/नोटिस (औसतन 3–4 प्रतिदिन) प्राप्त हुए। संबंधित चिकित्सकों अथवा परामर्शदाताओं (केस के अनुसार) तथा चिकित्सा अभिलेख विभाग से स्टाफ सदस्यों को न्यायालय में उपस्थित होने के लिए तैनात किया गया।

चिकित्सा अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण

केंद्रीय भर्ती कार्यालय तथा मुख्य अस्पताल के पूछताछ कार्यालय का एनआईसी द्वारा कम्प्यूटरीकरण दिनांक 4 जून 2012 से किया गया। चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (अस्पताल) का कम्प्यूटरीकरण किया जाएगा और इसे केंद्रीय भर्ती कार्यालय तथा अस्पताल पूछताछ के साथ जोड़ा जाएगा।

मुख्य अस्पताल के विभिन्न वार्डों को भी कम्प्यूटरीकृत किया गया है और इन्हें एनआईसी के सॉफ्टवेयर के साथ आंतरिक रूप से जोड़ा गया जबकि शेष वार्ड भी कम्प्यूटरीकृत होने की प्रक्रिया में है।

अंतः रोगी सेवाएं

अ. भा. आ. सं. देश भर से तथा विदेश से आने वाले रोगियों की बढ़ती जनसंख्या के बावजूद रोगी उपचार सेवा तथा गुणवत्ता की परम्परा को बनाए हुए है। वर्ष के दौरान मुख्य अस्पताल तथा हृद तंत्रिका केंद्र की विभिन्न नैदानिक यूनिटों में कुल 1,05,728 रोगियों को भर्ती किया गया। विभाग–वार, राज्य–वार तथा लिंग–वार भर्ती का विवरण तालिका 3 तथा 4 में दिया गया है।

वर्ष के दौरान विभिन्न शल्यक विधाओं में निष्पादित किए गए ऑपरेशनों की कुल संख्या तालिका–5 में दी गई है।

शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण के उद्देश्य हेतु अंतः रंग रोगियों के चिकित्सा अभिलेखों को आसानी से खोजने के लिए उन्हें क्रमबद्ध तरीके से वर्गीकृत एवं श्रेणीबद्ध किया जाता है। इन अभिलेखों को कम्पेक्टर्स में रखा जाता है। हृद् तंत्रिका केंद्र के सभी अंतः रोगियों के रिकॉर्ड का रख–रखाव भी मुख्य अस्पताल के चिकित्सा अभिलेख अनुभाग द्वारा किया जाता है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, स्वास्थ्य उपचार सेवाओं के प्रावधान हेतु निम्नलिखित तीन विभागों में अंतरंग भर्तियां आरंभ की गई हैं।

क्रम सं.	विभाग	बिस्तरों की संख्या	स्थान	आरंभ करने की तिथि
1.	जरा चिकित्सा	24 (सामान्य)	नया प्राइवेट वार्ड	17 जुलाई 2012
2.	फुफ्फुसी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	18 (9 सामान्य तथा 9 आईसीयू)	पुराना नर्सिंग छात्रावास, तीसरी मंजिल	1 अगस्त 2012
3.	रुमेटोलॉजी दिवस उपचार	6 (सामान्य)	पुराना नर्सिंग छात्रावास, तीसरी मंजिल	17 सितंबर 2012

केंद्रीय भर्ती कार्यालय एवं अस्पताल पूछताछ

यह कार्यालय वर्ष भर चौबीसों घण्टे अर्थात् 365 दिन X 24 घण्टे अविराम कार्य करता है। इस कार्यालय द्वारा मुख्य अस्पताल एवं हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र के अंतरंग क्षेत्रों की सभी भर्तियां निष्पादित की जाती हैं। यह रोगी पंजीकरण, भर्ती पर्ची (फेस शीट) का सृजन, परिचर पास जारी करना, रोगी एवं एम्स के बारे में सही सूचना एवं तीव्रता से सामान्य जानकारी प्रदान करने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का निष्पादन करता है। यहां पर स्टाफ शिफ्ट ड्यूटी में कार्य करते हैं और इस कार्यालय में स्वागत अधिकारी, कनिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी, चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन तथा अन्य लिपिकीय एवं अस्पताल स्टाफ कार्यरत हैं।

बहिरंग रोगी विभाग एवं विशिष्टता निदानशालाएं

अ. भा. आ. सं. के सामान्य बहिरंग रोगी विभाग तथा विशिष्टता निदानशालाओं में कुल 16,69,789 रोगी उपचार हेतु आए (तालिका 6)।

ओपीडी ब्लॉक का कंप्यूटराइजेशन एवं आधुनिकीरण

डॉ. राजकुमारी अमृत कौर ओपीडी का ई.एच.एस. सहित केंद्रीय पंजीकरण क्षेत्र का पंजीकरण हेतु अद्यतन सुविधा के साथ आधुनिकीकरण कर दिया गया है। एनआईसी द्वारा विभिन्न विभागों की ओपीडी को कंप्यूटरीकृत कर दिया गया है। रोगियों के ओपीडी कार्डों को सभी उद्देश्यों तथा भविष्य में अन्य हवालों हेतु एक विशिष्ट यूएचआईडी संख्या के साथ बनाया जाता है।

तालिका 1 वार्षिक सांख्यिकी स्वास्थ्य बुलेटिन

क्र.सं.	विवरण	मुख्य अस्पताल	हृद् तंत्रिका केंद्र	कुल
1.	कुल भर्ती किए गए रोगी	85892	19836	105728
	क. वयस्क एवं बच्चे	83434	–	–
	ख. नवजात शिशु	2458	–	–
2.	अस्पताल से डिस्चार्ज हुए रोगियों की कुल सं.	81782	19044	100826
	क. वयस्क एवं बच्चे	79265	–	–
	ख. नवजात शिशु	2517	–	–
3.	उपचार के कुल दिन	402855	124749	527604
	क. वयस्क एवं बच्चे	387139	–	–
	ख. नवजात शिशु	15636	–	–
4.	ठहरने की औसत अवधि (एएलएस)	4.9	6.6	5.2

	क. वयस्क एवं बच्चे	4.9	–	–
	ख. नवजात शिशु	6.2	–	–
5.	अस्पताल में रोगियों की कुल संख्या (प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	333384	126120	459504
	क. वयस्क एवं बच्चे	331225	–	–
	ख. नवजात शिशु	2159	–	–
6.	रोगियों की दैनिक औसत संख्या (प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	10959	4148	15107
	क. वयस्क एवं बच्चे	10888	–	–
	ख. नवजात शिशु	71	–	–
7.	औसत बिस्तर अधिभोग (प्रतिशत)	84.7	84.1	84.5
	क. वयस्क एवं बच्चे	85.8	–	–
	ख. नवजात शिशु	29.6	–	–
8.	अस्पताल में जन्म	2458	–	–
	क. बालक शिशु	1319	–	–
	ख. बालिका शिशु	1139	–	–
9.	कुल मृत्यु (नवजात शिशु सहित)	2552	928	3480
	क. 48 घण्टे के भीतर मृत्यु	1020	256	1276
	ख. 48 घण्टे के बाद मृत्यु	1532	672	2204
	ग. सकल मृत्यु दर (प्रतिशत में)	3.1	4.9	3.5
	घ. शुद्ध मृत्यु दर (प्रतिशत में)	1.9	3.6	2.2
10.	आपातकालीन में रोगी उपस्थित	1,31,108	–	–
	आपातकालीन में मृत्यु	1,551	–	–
	आपातकालीन में पहले से मृत लाए गए रोगी	818	–	–

तालिका 2 विभाग वार भर्ती, छुट्टी और मृत्यु दर (मुख्य अस्पताल + हृद तंत्रिका केंद्र)

विभाग	भर्ती	अस्पताल से छुट्टी	उपचार के दिनों की अवधि	ठहरने की औसत अवधि	मृत्यु			शुद्ध मृत्यु दर (प्रतिशत)	
					कुल	48 घंटे के भीतर	48 घंटे के बाद	सकल	शुद्ध
कायचिकित्सा 1	1513	1423	13409	9.4	253	107	146	17.8	11.1
कायचिकित्सा 2	1093	1012	8979	8.9	253	124	129	25.0	14.5
कायचिकित्सा 3	1595	1527	11093	7.3	305	150	155	20.0	11.3
शल्यचिकित्सा 1	1322	1237	9122	7.4	33	10	23	2.7	1.9
शल्यचिकित्सा 2	1824	1684	11888	7.1	40	14	26	2.4	1.6
शल्यचिकित्सा 3	1311	1224	8746	7.1	13	4	9	1.1	0.7
शल्यचिकित्सा 4	2282	2045	11852	5.8	23	5	18	1.1	0.9
अस्थिरोगविज्ञान 1	2464	2271	16828	7.4	7	1	6	0.3	0.3
अस्थिरोगविज्ञान 2	2594	2285	18248	8.0	3	-	3	0.1	0.1
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 1	4549	4344	19141	4.4	6	3	3	0.1	0.1
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 2	3813	3654	15858	4.3	1	1	-	-	-
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 3	3996	3816	18477	4.8	5	1	4	0.1	0.1
वृक्कविज्ञान	6643	6171	21894	3.5	194	67	127	3.1	2.1

अंतःस्राविकी	567	549	8106	14.8	11	1	10	2.0	1.8
जठरांत्र रोग विज्ञान	2592	2477	19914	8.0	536	236	300	22.0	13.4
जरा चिकित्सा	483	440	4428	10.1	27	4	23	6.1	5.3
रुधिरविज्ञान	10059	9933	29691	3.0	251	82	169	2.5	1.7
मनोचिकित्सा	334	305	7642	25.1	-	-	-	-	-
मूत्ररोग विज्ञान	5818	5479	19264	3.5	14	8	6	0.3	0.1
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 1	1786	1668	6592	4.0	8	2	6	0.5	0.4
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 2	1389	1328	5521	4.2	5	2	3	0.4	0.2
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 3	1413	1312	5711	4.4	1	1	-	0.1	-
त्वचा रोग विज्ञान	5139	5068	15325	3.0	14	1	13	0.3	0.3
नवजातविज्ञान	2376	2393	15007	6.3	-	-	-	-	-
निओनेटल आई सी यू	228	124	629	5.1	52	26	26	42.0	26.5
कंगारू माता देखभाल वार्ड	77	68	420	6.2	-	-	-	-	-
बाल चिकित्सा 1	5437	5236	16162	3.1	69	23	46	1.3	0.9
बाल चिकित्सा 2	1609	1593	7867	4.9	61	20	41	3.8	2.6
बाल चिकित्सा 3	5419	5333	15642	2.9	62	16	46	1.2	0.9
बालशल्य चिकित्सा	2730	2565	17943	7.0	55	20	35	2.1	1.4
फुफ्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार	646	592	3827	6.5	62	11	51	10.5	8.8
विकिरण चिकित्सा	48	43	141	3.3	12	12	-	28.0	-
दंत शल्यचिकित्सा	181	161	1126	7.0	-	-	-	-	-
नाभिकीय चिकित्सा	518	512	728	1.4	-	-	-	-	-
जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं लिवर प्रतिरोपण	1056	989	11954	12.1	81	10	71	8.2	7.3
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	30	26	687	26.4	-	-	-	-	-
आई आर सी एच	547	522	2615	5.0	95	58	37	18.2	8.0
संवेदनाहरणविज्ञान	411	373	378	1.0	-	-	-	-	-
कुल (मुख्य)	**85892**	**81782**	**402855**	**4.9**	**2552**	**1020**	**1532**	**3.1**	**1.9**
हृद्विज्ञान	8268	8095	31739	3.9	237	112	125	3.0	1.6
हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	3600	3387	30373	9.0	255	31	224	7.5	6.7
तंत्रिकाविज्ञान 1	2013	1932	14247	7.4	108	41	67	5.6	3.5
तंत्रिकाविज्ञान 2	1509	1460	10780	7.4	94	20	74	6.4	5.1
तंत्रिकाविज्ञान 3*	160	126	724	5.7	4	-	4	3.2	3.2
तंत्रिका–शल्य चिकित्सा 1	2405	2254	20093	8.9	117	22	95	5.2	4.3
तंत्रिका–शल्य चिकित्सा 2	1877	1786	16786	9.4	113	30	83	6.3	4.7
तंत्रिका संवेदनाहरण	4	4	7	1.8	-	-	-	-	-
कुल (हृद् तंत्रिका केन्द्र)	**19836**	**19044**	**124749**	**6.6**	**928**	**256**	**672**	**4.9**	**3.6**
महायोग कुल (मुख्य + हृद् तं.केन्द्र)	**105728**	**100826**	**527604**	**5.2**	**3480**	**1276**	**2204**	**3.5**	**2.2**

* तंत्रिका विज्ञान 3 फरवरी 2013 से आरंभ की गई।

तालिका 3 अंतरंग रोगियों का राज्य–वार वर्गीकरण

राज्य	मुख्य अस्पताल	हृद् तंत्रिका केन्द्र	कुल
दिल्ली	40880	6228	47108
उत्तर प्रदेश	19147	4465	23612
हरियाणा	8371	1918	10289
बिहार	9278	3941	13219
राजस्थान	1258	579	1837
पंजाब	387	222	609
अन्य राज्य	6248	2441	8689
अन्य देश	323	42	365
कुल	**85892**	**19836**	**105728**

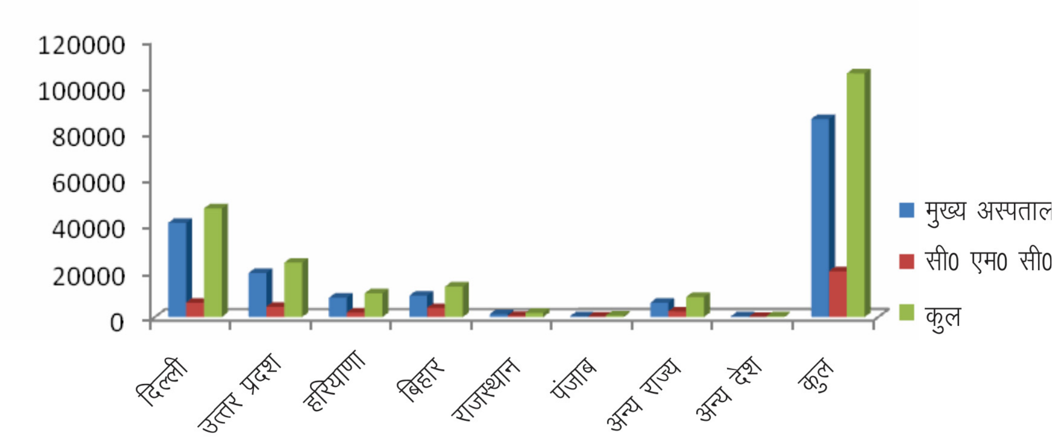

तालिका 4 अंतरंग रोगियों का लिंगवार वर्गीकरण (मुख्य अस्पताल और हृद् तं.केन्द्र)

स्थान	पुरुष	स्त्री	बालक शिशु	बालिका शिशु	कुल
मुख्य अस्पताल	32848	30779	15630	6635	85892
हृद् तंत्रिका केन्द्र	10240	5088	3115	1393	19836
कुल	**43088**	**35867**	**18745**	**8028**	**105728**

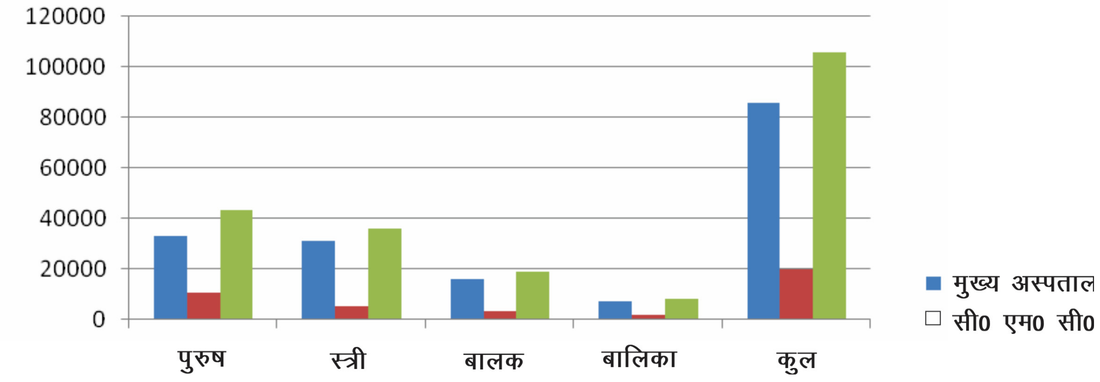

तालिका 5 ऑपरेशन

विभाग	बड़े	छोटे		कुल
		अंतरंग	बाह्य	
शल्यचिकित्सा 1	615	297	2959	3871
शल्यचिकित्सा 2	971	246	3073	4290
शल्यचिकित्सा 3	705	230	3088	4023
शल्यचिकित्सा 4	974	500	2962	4436
जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं लिवर प्रतिरोपण	644	2	-	646
मूत्ररोग विज्ञान	1388	453	11407	13248
प्रसूति विज्ञान	945	352	-	1297
स्त्रीरोग विज्ञान	1620	1580	-	3200
कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान	2526	1887	33930	38343
अस्थिरोग 1	1487	605	-	2092
अस्थिरोग 2	1233	793	-	2026
बाल शल्यचिकित्सा	1891	221	-	2112
दंत शल्यचिकित्सा	125	1	-	126
आपात विभाग	-	136	-	136
योग (मुख्य)	**15124**	**7303**	**57419**	**79846**
हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा	4098	-	-	**4098**
तंत्रिका शल्य चिकित्सा 1	1558	187	-	**1745**
तंत्रिका शल्य चिकित्सा 2	1513	118	-	**1631**
योग (हृद् तंत्रिका केन्द्र)	**7169**	**305**	**-**	**7474**
महायोग (मुख्य + हृद् तंत्रिका केन्द्र)	**22293**	**7608**	**57419**	**87320**

तालिका 6. ओ.पी.डी. एवं विशिष्टता निदानशालाओं में उपस्थिति

चिकित्सा विभाग	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
चिकित्सा विशिष्टताएं			
कायचिकित्सा			
1. सामान्य ओ पी डी	69401	67774	**137175**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
क) वक्ष	621	592	**1213**
ख) रुमेटोलॉजी	56	6156	**6212**
ग) जरा चिकित्सा	7763	10929	**18692**
घ) निद्रा संबंधी श्वास विकार	7697	11215	**18912**
ङ) नाभिकीय चिकित्सा	1854	6147	**8001**
च) अंतःस्राविकी	12126	31358	**43484**

छ) वृक्क	7346	28973	**36319**
ज) वृक्क प्रतिरोपण	161	5944	**6105**
झ) वृक्क प्रतिरोपण परामर्श	460	1673	**2133**
रुधिरविज्ञान	3377	24174	**27551**
जठरांत्र रोग विज्ञान	18729	47119	**65848**
बाल चिकित्सा			
1. सामान्य ओ पी डी	39212	41145	**80357**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
क) स्वस्थ शिशु	408	17	**425**
ख) फॉलोअप टी बी	306	2142	**2448**
ग) वृक्क	406	4114	**4520**
घ) बाल तंत्रिका विज्ञान	970	2058	**3028**
ङ) बाल वक्ष निदानशाला	473	3558	**4031**
च) उच्च जोखिम नवजात	285	1886	**2171**
छ) आनुवंशिक एवं जन्म दोष क्लिनिक	2873	1317	**4190**
ज) अर्बुदविज्ञान	247	1677	**1924**
झ) बाल विकास	189	146	**335**
ञ) अंतःस्राविकी	450	1367	**1817**
ट) न्यूरोसिस्टी सिरीकोसिस	329	1400	**1729**
ठ) बाल कैंसर उत्तरजीवी	67	654	**721**
ड) रुमेटोलॉजी	177	1771	**1948**
ढ) मायोपैथी	507	842	**1349**
त्वचा रोग विज्ञान			
1. सामान्य ओ पी डी	36527	44517	**81044**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
क) यौन संक्रमित रोग	790	535	**1325**
ख) एजर्ली	577	1458	**2035**
ग) कुष्ठ रोग	451	2760	**3211**
घ) पिगमेन्टेशन	494	2009	**2503**
ङ) त्वचा शल्य चिकित्सा	618	1015	**1633**
मनोचिकित्सा			
1. सामान्य ओ पी डी	14351	--	**14351**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
क) वॉक–इन–क्लिनिक	2335	33697	**36032**
ख) बाल–मार्गदर्शन	506	617	**1123**
शल्यचिकित्सा विशिष्टताएं			
शल्यक विभाग	44492	28915	73407
मूत्ररोग विज्ञान	14704	32344	47048
जी.आई. शल्य चिकित्सा एवं लिवर प्रतिरोपण	2464	6146	8610
बाल शल्य चिकित्सा			
1. सामान्य ओ पी डी	5783	13392	19175
2. विशिष्टता क्लिनिक			
क) हाइड्रोसेफालस	20	118	138
ख) इंटर सेक्स	-	61	61
ग) बाल मूत्ररोग विज्ञान	570	3129	3699
घ) क्रेनियोसाइनोस्टोसिस	-	4	4
संवेदनाहरण			
क) पीड़ा	1180	2145	3325

ख) संवेदनाहरण–पूर्व क्लिनिक	7133	753	7886
अस्थि रोग			
1. सामान्य ओ पी डी	50518	49389	99907
2. विशिष्टता क्लिनिक			
क) फिजियोथेरेपी	20567	39154	59721
ख) ऑक्यूपेशनल चिकित्सा	1495	6924	8419
ग) हाइड्रोथेरेपी	3386	8473	11859
घ) फोलोअप	-	9814	9814
ङ) ट्यूबरकुलोसिस	259	876	1135
च) पोलियो	-	-	-
छ) स्कोलियोसिस	742	1598	2340
ज) हाथ	1118	1570	2688
झ) सी टी ई वी	196	2517	2713
ञ) संधिशोथ	-	-	-
ट) खेल	235	224	459
नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान एवं आर यू ए एस			
1. सामान्य ओ पी डी	43064	44536	87600
2. विशिष्टता क्लिनिक			
क) श्रवणविज्ञान	110	51	161
ख) वाक	1265	1865	3130
ग) श्रवण	794	1347	2141
घ) वाणी	809	966	1775
ङ) वर्टिगो	92	53	145
च) नासाविज्ञान	61	44	105
प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान			
1. सामान्य ओ पी डी	33466	62306	95772
2. विशिष्टता क्लिनिक			
क) प्रसवोत्तर	-	-	-
ख) वन्ध्यता	-	-	-
ग) आई वी एफ	531	2337	2868
घ) परिवार कल्याण	8776	5673	14449
ङ) प्रसव पूर्व	773	4097	4870
च) अंतःस्राविकी स्त्रीरोग विज्ञान	46	70	116
छ) उच्च जोखिम सगर्भता	2303	12261	14564
ज) ऑपरेशन के बाद (स्त्री रोग)	-	-	-
झ) रजोनिवृत्ति	-	-	-
विकिरण चिकित्सा	473	31179	31652
अन्य			
आपात चिकित्सा	127375	3733	131108
ई.एच.एस.	100572	67050	167622
पोषण	3768	1553	5321
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	22361	91651	114012
यौन एवं विवाह परामर्श क्लिनिक	1755	2320	4075
कुल	**736395**	**933394**	**1669789**

6.2 अस्पताल आहार सेवाएं

मुख्य आहारविद्
डॉ. (श्रीमती) अलका मोहन चुटानी

अंतरंग रोगियों की संख्या, जिन्हें विभिन्न आहार परोसे गए (मुख्य अस्पताल एवं केन्द्र)

क्र. सं.	आहार का प्रकार	संख्या	प्रतिशत
1.	सामान्य आहार	357,015	53
2.	प्राइवेट वार्ड हेतु आहार	94,796	14
3.	अर्धठोस आहार	43,351	6
4.	चिकित्सीय आहार	153,003	22
5.	एन्टरल भोजन	34,645	5
6.	कुल	682,810	100

बहिरंग पोषण परामर्श (अंतः स्राविकी, बालचिकित्सा एवं केंद्रों के अतिरिक्त)

रोगी	कुल	पुरुष	महिला
नए	3768	1883	1885
पुराने	1553	820	733
कुल	5321	2703	2618

अंतरंग रोगी पोषण परामर्श 2956

6.3 कल्याण एकक

कल्याण अधिकारी
श्रीमती प्रीति आहलूवालिया

कल्याण एकक द्वारा रोगियों एवं कर्मचारियों की कल्याण सेवाओं का आयोजन किया गया।

रोगी कल्याण
रोगी उपचार : दान के रूप में रु. 48,54,000 – (लगभग) एकत्रित किए गए।

उद्देश्य	दान	दानकर्ता
मुख्य अस्पताल तथा केंद्रों में उपचार कराने वाले गरीब तथा जरूरतमंद रोगियों के उपचार एवं शल्य चिकित्सा हेतु।	3,08,000 रु.	जवाहर भवन ट्रस्ट
	2,26,035 रु.	साहू जैन ट्रस्ट
	40,000 रु.	इंडो ग्लोबल सोशल सर्विस सोसायटी
	28,386 रु.	बैज नाथ भंडारी पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट
	28,798 रु.	सेवा प्रकल्प महिला मंडल न्यास
	21,000 रु.	विजय गुजराल फाउंडेशन
	97,842 रु.	अन्य दानदाता
एम्स निर्धन रोगी निधि लेखा	1,00,000 रु.	श्री सुरजीत कुमार जयरथ
	1,50,000 रु.	श्रीमती द्वारका प्रसाद ट्रस्ट
	51,000 रु.	श्री जरनैल सिंह
	31,000 रु.	ले. कर्नल के. के. वर्मा
	30,000 रु.	कर्नल यश भटनागर
	30,000 रु.	श्रीमती महारानी प्रसाद
	11,000 रु.	श्रीमती दिलजीत कौर वर्मा
	12,000 रु.	सुश्री अंजना आहलूवालिया
	5,000 रु.	श्रीमती शकुंतला भाटिया
कैंसर रोगियों को कैंसर–रोधी दवाएं निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई।	34,53,759 रु.	गोपाल फाउंडेशन
	2,30,902 रु.	डॉ. चेतन मेमोरियल डिवाइन ट्रस्ट

उपर्युक्त के अतिरिक्त, गरीब रोगियों को, राष्ट्रीय आरोग्य निधि, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष, स्वास्थ्य मंत्री के विवेकाधीन अनुदान तथा अन्य सरकारी तथा गैर–सरकारी एजेंसियों से, उनके उपचार हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन दिया जा रहा है तथा उनकी सहायता की जा रही है। अस्पताल निर्धन रोगी निधि से निर्धन रोगियों को सहायता भी प्रदान की जाती है और उनकी दाखिले, लेवी प्रभारों में छूट, जांच प्रभारों आदि में छूट के लिए मार्गदर्शन तथा सहायता भी की जाती है।

धर्मशालाएं

कल्याण गतिविधि के रूप में, एम्स अस्पताल समाज कल्याण सोसायटी के तत्त्वावधान में राजगढ़िया विश्राम सदन, सुरेका विश्राम सदन तथा श्री साईं विश्राम सदन द्वारा संस्थान तथा इसके केंद्रों में उपचार करवा रहे 11,800 से भी अधिक रोगियों तथा उनके तीमारदारों को आश्रय प्रदान किया गया। विशेष मामलों में, विश्राम सदनों में रहने वाले जरूरतमंद तथा गरीब रोगियों के लिए दानकर्ताओं के माध्यम से भोजन का प्रबंध किया गया। संस्थान द्वारा रोगियों एवं उनके परिचरों की सहायता हेतु सदनों से अस्पताल तक आने–जाने के लिए वाहन सुविधा प्रदान की जा रही है।

सपना (गैर सरकारी संगठन) ने सप्ताह में एक बार राजगढ़िया विश्राम सदन के उन निवासियों को सूखे राशन के 60 पैकेट वितरित किए जो गरीबी रेखा से नीचे हैं। इसके अतिरिक्त, राजगढ़िया विश्राम सदन में रह रहे रोगियों को प्रति दिन 60 पैकेट आधा लीटर दूध भी वितरित किया गया। विश्राम सदन के निवासियों के लाभ हेतु कैंसर रोगी सहायता संघ के द्वारा सप्ताह में एक बार निःशुल्क योगा की कक्षाओं का आयोजन किया गया। कैंसर रोगी सहायता संघ द्वारा सदन के निवासियों के साथ होली तथा दीवाली का त्यौहार भी मनाया गया।

निःशुल्क शव वाहन सुविधा

संबंधियों द्वारा मृत शरीर को दिल्ली में अपने घर/शमशानघाट, आसानी से ले जाने के लिए श्री साईं भक्त समाज (पंजी) के माध्यम से निःशुल्क शव वाहन सेवा प्रदान की गई।

कर्मचारी कल्याण

अनुकम्पा आधार पर नियुक्ति

अनुकम्पा आधार पर नियुक्ति के मामलों पर विचार किया गया। परिवार के सदस्यों को हुई भारी क्षति को सहन करने तथा जो जिम्मेदारियां उन पर आ गई हैं, उन्हें निभाने में सक्षम बनाने के लिए सहायता प्रदान करने हेतु परामर्श सेवाएं तथा नैतिक सहायता प्रदान की गई।

परामर्श सेवाएं

कर्मचारियों, रोगियों तथा उनके संबंधियों को उनकी शारीरिक, सामाजिक, मानसिक, आर्थिक, पारिवरिक तथा वैवाहिक समस्याओं पर काबू पाने/समाधान करने के लिए उन्हें सक्षम बनाने हेतु परामर्श सेवाएं प्रदान की गई और इसके द्वारा उनकी सामाजिक गतिविधियों में वृद्धि हुई।

शिकायतों का निवारण

स्टाफ–सदस्यों तथा रोगियों की शिकायतों का समाधान करने के लिए सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

दीवाली समारोह

मेडिकल इस्टीट्यूट रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (एमआईआरडब्ल्यूए) द्वारा चलाए जा रहे नर्सरी एवं प्राथमिक विद्यालय में पढ़ रहे हमारे कर्मचारियों के बच्चों के साथ श्री सुनील भुटानी ने दीवाली का त्यौहार मनाया। इस अवसर पर स्वेटर, उपहार तथा मिठाइयां वितरित की गई।

विद्यालय के बच्चों के साथ दीवाली मनाई गई। डॉ. डी. के. शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक की मेडिकल इंस्टीट्यूट रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (एमआईआरडब्ल्यूए) द्वारा चलाए जा रहे नर्सरी एवं प्राथमिक विद्यालय में पढ़े रहे बच्चों को सामुदायिक हाल, अ. भा. आ. सं. में स्वेटर, उपहार तथा मिठाइयां बाटंते हुए तस्वीरें हैं। इनमें दानदाता श्री सुनील भुटानी तथा श्रीमती शकुंतला भाटिया की तस्वीरें भी दिखाई दीं।

6.4 अस्पताल बिलिंग अनुभाग

वर्ष 2012–13 के दौरान प्राप्त की गई दान की राशि तथा रोगियों को भुगतान की गई राशि का विवरण निम्नानुसार है:–

दानकर्ताओं से प्राप्त दान (बैंक ब्याज+दान + निर्धन निधि बॉक्स)	रु. 10,10,782
188 (137+51) रोगियों को किया गया भुगतान	रु. 87,269

(निर्धन रोगियों को राशि का वितरण वर्ष के दौरान दानकर्ताओं से प्राप्त दान – राशि तथा 'एम्स निर्धन निधि खाता' में पिछले वर्षों की बकाया पड़ी राशि में से किया गया है।)

6.5 नर्सिंग सेवाएं

नर्सिंग सेवाओं का संगठन

मुख्य परिचर्या अधिकारी (सी एन ओ)
↓
परिचर्या अधीक्षक
↓
उप परिचर्या अधीक्षक (डी एन एस)
↓
सहायक परिचर्या अधीक्षक (ए एन एस)
↓
स्टाफ नर्सेस ग्रेड 1
↓
स्टाफ नर्सेस ग्रेड 2

नर्सिंग सेवा एम्स का एक अभिन्न अंग है, जिसका उद्देश्य रोगी और समुदाय को उच्च गुणवत्ता नर्सिंग देखभाल प्रदान करना है। व्यावसायिक नर्सें एक ऐसे परिवेश में कार्य करती है जो कि अस्पताल में संबद्ध विभागों के अन्य सदस्यों के साथ व्यापक रोगी सेवाएं प्रदान करने में व्यावसायिकता और विशेषज्ञता को प्रोत्साहित करती है।

स्टाफ संख्या

अ. भा. अ. सं. में मुख्य नर्सिंग कार्यबल का गठन विभिन्न विभागों से प्रशिक्षित नर्सों को शामिल करते हुए किया जाता है। स्टाफिंग स्टाफ निरीक्षण एकक (एस आई यू) मानको पर आधारित होती है।

मुख्य अस्पताल में स्टाफ की संख्या

मुख्य परिचर्या अधिकारी	1 (कार्यकारी सी एन ओ)
परिचर्या अधीक्षक	1
उप परिचर्या अधीक्षक	14
सहायक परिचर्या अधीक्षक	75
सिस्टर ग्रेड 1	416
सिस्टर ग्रेड 2	1101
कुल	1606

अभिविन्यास/विवरण सत्र

नवीन ग्रेड–2 स्टाफ नर्सों की भर्ती के समय उन्हें समान्यतया अस्पताल की नीतियों एवं कार्य प्रणाली एवं विशेष रूप से नर्सिंग सेवा के परिप्रेक्ष्य से अवगत कराने के लिए पदनामित नर्सिंग कार्मिकों द्वारा एक योजनाबद्ध अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

पिछले वर्ष 297 नवीन भर्ती की गई नर्सों को 15–22 जनवरी तथा 16–19 अप्रैल के दौरान विभिन्न पहलुओं यथा अस्पताल अभिन्यास, विभिन्न विभाग, ओ पी डी सारणी और उनकी ड्यूटी एवं जिम्मेदारियों के संबद्ध में अभिविन्यास प्रदान किया गया।

भारत के बाहर के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों से आगंतुकों के लिए नर्सिंग सेवाओं के विशेषज्ञों द्वारा अभिविन्यास/विवरण सत्रों का संचालन किया गया।

सतत नर्सिंग शिक्षा

नर्सिंग स्टाफ शिक्षा, वर्षभर सेवाकाल के दौरान चलती रहती है और सतत शिक्षा कार्यक्रमों का उद्देश्य कार्यरत नर्सों के नैदानिक ज्ञान को अद्यतन करना होता है जिससे नर्सिंग केयर के मानकों में सुधार किया जा सके।

नर्सिंग सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम

एक कुशल संरचित सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम को जनवरी 2011 से आरंभ किया गया। आरंभ में इसके अंतर्गत एक सप्ताह में दो बार, एक–एक घंटे की कक्षाएं आयोजित की गईं, जिसे बाद में बढ़ाकर सप्ताह में तीन बार कर दिया गया। सप्ताह में कक्षाएं बेडसाइड नर्सों (सिस्टर ग्रेड 2 एवं सिस्टर ग्रेड 1) के लिए और सप्ताह में एक कक्षा वरिष्ठ नर्सों (प्रभारी सिस्टर तथा उससे ऊपर) के लिए आयोजित की जाती हैं।

सरलीकरणकर्ता :	श्रीमती बी. डी. प्रेमा एच कुमार, सी एन ओ (कार्यकारी) एम्स
परामर्शदाता :	श्रीमती अनसम्मा नीलकंटन, उप–परिचर्या अधीक्षक, फरवरी 2012 से
शिक्षक :	श्रीमती रिबाका जे. हेराल्ड, सिस्टर ग्रेड 1 (एचआर)
	श्रीमती मेरिन लीसा कुरियाकोसे, सिस्टर ग्रेड 2

जनवरी–दिसंबर 2012 के दौरान मुख्य अस्पताल में विभिन्न विभागों से कुल 3129 नर्सों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। निम्नलिखित व्याख्यान प्रदान किए गए।

1. प्रभारी अधिकारी/एएनएस/डीएनएस/ एनएस/सीएनओ के लिए कक्षाएं
    - नर्सिंग में मानवीय संबंध
    - उपकरण प्रबंधन
    - नैदानिक नर्सिंग में नीति विषयक एवं विधिक मामले
    - विरोध प्रबंधन
    - तनाव प्रबंधन
    - नर्सिंग प्रबंधन
2. बेडसाइड नर्सों के लिए कक्षाएं
    - रोगी सुरक्षा
    - नर्सिंग प्रक्रिया
    - नर्सिंग में मानवीय संबंध
    - नैदानिक नर्सिंग में नीति विषयक एवं विधिक मामले
    - ऑपरेशन पूर्व तथा पश्चात नर्सिंग प्रबंधन
    - तनाव प्रबंधन
    - चिकित्सा प्रबंधन सुरक्षा

विभिन्न शाखाओं में उपर्युक्त विषयों पर कुल 114 व्याख्यान दिए गए।

नर्सिंग कार्मिकों की संख्या जिन्होंने सेवाकालीन शैक्षिक कक्षाओं में भाग लिया

सीएओ/एनएस	डीएनएस	एएनएस	सिस्टर ग्रेड 1	सिस्टर ग्रेड 2	कुल
1	17	268	1023	1820	3129

नर्सिंग में उच्चतर शिक्षा

एम्स में नर्सिंग सेवाओं का उच्चतर अध्ययन के लिए सरलीकृत प्रचुर अवसरों द्वारा नर्सिंग केयर की गुणवत्ता को सुधारने पर मुख्यतः ध्यान केन्द्रित रहता है। पांच वर्ष की नियमित सेवा के पश्चात, नर्सें पूर्ण वेतन सहित उच्च अध्ययन को करने के योग्य हो जाती हैं। इस समय 7 नर्सें पोस्ट बेसिक बी एस सी नर्सिंग कार्यक्रम एवं 5 एम–एससी. नर्सिंग कार्यक्रम में अध्ययन कर रही हैं। नर्सों को जिन्होंने नर्सिंग में स्नातक किया है, उन्हें उच्चतर उपाधि भत्ता प्रदान किया जाता है।

सम्मेलनों एवं कार्यशालाओं में उपस्थिति

वर्ष के दौरान, मुख्य अस्पताल के विभिन्न विभागों से 279 नर्सों ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भाग लिया/इनमें सम्मिलित थीं :–

- 11–18 जनवरी, 'नर्सिंग एडमिनिस्ट्रेशन एंड सुपरविजन फॉर इफैक्टिव पेशेंट केयर' पर टीएनएआई कार्यशाला; टीएनएआई कार्यशाला; टीएनएआई मुख्यालय, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली, प्रतिभागी 2
- 21–28 फरवरी, स्किल अपडेट फॉर नर्सिंग पर्सोनल इन कार्डियेक नर्सिंग राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय, नई दिल्ली। प्रतिभागी 2
- 30 मार्च 2012, क्रॉनिक किडनी डिसीज : ए हिडन सुनामी 'गुलमोहर हॉल', भारतीय पर्यावास केंद्र, लोधी रोड, नई दिल्ली। प्रतिभागी 10
- 7–8 अप्रैल, नेशनल हेमेटोलॉजी अपडेट 9, जवाहर लाल नेहरू सभागार, अ. भा. आ. सं. नई दिल्ली। प्रतिभागी 9
- 24 अप्रैल, स्कूल चिल्ड्रन एजुकेशन प्रोग्राम, ज. ल. ने सभागार, अ. भा. आ. सं.। प्रतिभागी 9
- 18 अप्रैल, वूमैन्स हैल्थ – मेनापोज़ (पोषणव्याख्यानामाला), सीमेट, अ. भा. आ. सं., प्रतिभागी 45
- 17–19 अप्रैल साइको ऑन्कोलॉजी वालंटियर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम, सेमिनार कक्ष, शल्य चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं.। प्रतिभागी 1
- 26–27 मई संस्थान के आपात विभाग में आने वाले बलात्कार पीड़ितों के परीक्षण हेतु स्टाफ को प्रशिक्षण। प्रतिभागी 21
- 11–16 जून, एचआईवी / एड्स पर नर्सों को प्रशिक्षण देने हेतु जी एफ ए टी एम कार्यशाला, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर 62, नोएडा (उ. प्र.), प्रतिभागी 5
- 11–18 जून, स्किल अपडेट ऑन नर्सिंग एडिमिनिस्ट्रेशन, राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय, नई दिल्ली प्रतिभागी 1
- 18–23 जून, एचआईवी / एड्स पर नर्सों के प्रशिक्षण हेतु जीएफएटीएम कार्यशाला, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर – 62, नोएडा (उ. प्र.) प्रतिभागी 5
- 25–30 जून, एचआईवी / एड्स पर नर्सों के प्रशिक्षण हेतु जीएफएटीएम कार्यशाला, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर 62, नोएडा (उ. प्र.)। प्रतिभागी 5
- 3–10 जुलाई, स्किल अपडेट ऑन चाइल्ड हेल्थ केयर, राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय, नई दिल्ली। प्रतिभागी 3
- 9–20 जुलाई, वरिष्ठ नर्सिंग प्रशासकों हेतु प्रबंधन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, बाबा गंगानाथ मार्ग, मुनीरका, नई दिल्ली। प्रतिभागी 2
- 23–28 जुलाई, एचआईवी / एड्स पर नर्सों के प्रशिक्षण हेतु जी एफ ए टी एम कार्यशाला, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर 62, नोएडा (उ. प्र.) प्रतिभागी 5
- 1–8 अगस्त, प्रभावी तथा सक्षम रोगी उपचार हेतु मानवीय संबंध एवं सम्प्रेषण दक्षता पर कार्यशाला, टी एन ए आई मुख्यालय, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। प्रतिभागी 2
- 20–25 अगस्त, एचआईवी / एड्स पर नर्सों के प्रशिक्षण हेतु जी एफ ए टी एम कार्यशाला, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर – 62, नोएडा (उ. प्र.)। प्रतिभागी 5
- 27 अगस्त – 1 सितंबर, एचआईवी / एड्स पर नर्सों के प्रशिक्षण हेतु जी एफ ए टी एम कार्यशाला, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर – 62, नोएडा (उ. प्र.)। प्रतिभागी 5
- 4 सितंबर, रोग रोकथाम तथा स्वास्थ्य उन्नति के लिए कार्यात्मक आहार की भूमिका, सीमेट, अ. भा. आ. सं.। प्रतिभागी 30
- 3–8 सितंबर, एचआईवी / एड्स पर नर्सों के प्रशिक्षण हेतु जी एफ ए टी एम कार्यशाला, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर 62, नोएडा (उ. प्र.)। प्रतिभागी 5
- 17–22 सितंबर, एचआईवी / एड्स पर नर्सों के प्रशिक्षण हेतु जी एफ ए टी एम कार्यशाला, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर – 62, नोएडा (उ. प्र.)। प्रतिभागी 5

- 8–15 अक्टूबर, एम सी एच उपचार संबंधी गुणवत्ता सुधार। राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय, नई दिल्ली। प्रतिभागी 2
- 8–13 अक्टूबर, एचआईवी / एड्स पर नर्सों के प्रशिक्षण हेतु जी एफ ए टी एम कार्यशाला, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर – 62, नोएडा (उ. प्र.)। प्रतिभागी 5
- 26 अक्टूबर, मानव अधिकारों तथा नीति विषयकों पर संगोष्ठी, जवाहर लाल नेहरू सभागार, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली। प्रतिभागी 30
- 2 नवंबर, बेडसाइड केयर टू बेंचसाइड रिसर्च इन न्यूरो नर्सिंग। जवाहर लाल नेहरू सभागार, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली। प्रतिभागी 6
- 16–18 नवंबर, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ह्यूमनाइजेशन ऑफ हेल्थकेयर। जवाहर लाल नेहरू सभागार, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली, प्रतिभागी–28.
- 23–25 नवम्बर, इंटीग्रेटिड एप्रोच टू ट्रॉमा केयर। जवाहर लाल नेहरू सभागार, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली। प्रतिभागी 24.
- 26 नवंबर – 1 दिसंबर, एचआईवी / एड्स पर नर्सों के प्रशिक्षण हेतु जी एफ ए टी एम कार्यशाला, नाइटेंगल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर –62, नोएडा (उ. प्र.)। प्रतिभागी 5

विशेषज्ञों के रूप में परामर्श एवं सहभागिता

पिछले वर्ष विभिन्न विभागों की नर्सों ने स्किल स्टेशन एंव हैंडस ऑन ट्रेनिंग सत्रों हेतु समन्वयकों के रूप में भाग लिया एवं कार्य निष्पादन किया।

विभिन्न शैक्षिक संस्थानों से पधारे अतिथि

भारत के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों के समूहों के लिए एम्स के नर्सिंग एजुकेटर्स ने नीचे दी गई सूची अनुसार अभिविन्यास कार्यक्रम संचालित किए। विभिन्न अस्पतालों के कुल 477 आंगतुकों ने एम्स के बारे में अभिविन्यास प्राप्त किए।

- सिंघद कॉलेज ऑफ नर्सिंग, पुणे, 18 जनवरी 2012 (45, बी एस सी नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र एवं प्राचार्य)
- होली स्पिरिट इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एजुकेशन अंधेरी (पूर्वी), मुंबई, 2 फरवरी 2012 (30, बी एस सी नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र एवं प्राचार्य)।
- जसलोक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, 15 डॉ. जी देशमुख मार्ग, मुंबई, 2 फरवरी 2012 (21, बी एस सी नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र एवं प्राचार्य)।
- सेंट जॉन कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बैंगलोर, 6 फरवरी (35, बी एस सी नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र एवं प्राचार्य)।
- सेंट जॉन कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बैंगलोर, 5–8 फरवरी (34, बी एस सी नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र एवं प्राचार्य)।
- बेल एयर कॉलेज ऑफ नर्सिंग, पंचगनी, महाराष्ट्र, 22 फरवरी (48, बी एस सी नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र एवं प्राचार्य)।
- होली क्रॉस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, अंबिकापुर (सी. जी.), 27 फरवरी (53, बी एस सी नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र एवं प्राचार्य)।
- तरना नर्सिंग कॉलेज, नेरूल (पश्चिम), नवी मुम्बई, 29 फरवरी (10, बी एस सी नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र एवं पर्यवेक्षक)।
- कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सेंट मारथा हॉस्पिटल, बैंगलोर, 21 मार्च (52, बी एस सी नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र एवं प्राचार्य)।
- यशोदा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सरूर नगर, हैदराबाद, 23 मार्च (9, द्वितीय वर्ष एम एस सी नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र एवं प्राचार्य)।
- गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ नर्सिंग, वंदानाम मेडिकल कॉलेज कॉम्पलेक्स, अलापूज्हा, 19 अप्रैल (20 द्वितीय वर्ष एम एस सी नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र एवं प्राचार्य)।
- गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ नर्सिंग, फोर्ट, बैंगलोर, 25 अप्रैल (38, द्वितीय वर्ष एम एस सी नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र एवं प्राचार्य)।
- एश्वरी बाई मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग, वेस्ट मेरीडपल्ली, सिकंदराबाद, 30 जुलाई (38, बी एस सी नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र एवं प्राचार्य)।
- गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ नर्सिंग, विक्टोरिया हॉस्पिटल, फोर्ट, बैंगलोर, 9 अगस्त (40 बी एस सी नर्सिंग तृतीय वर्ष के छात्र एवं प्राचार्य)।
- कॉलेज ऑफ नर्सिंग, क्रिश्चयन मेडिकल कॉलेज, इडा स्कूडर रोड, वेल्लूर 4 सितंबर (28, एम एस सी नर्सिंग द्वितीय वर्ष के छात्र एवं प्राचार्य)।
- एस पी डी एस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, खाण्डवा रोड, इंदौर, 11 अक्टूबर (17, बी एस सी नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र एवं प्राचार्य)।
- मदर टेरेसा पी जी एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसिस, पांडेचेरी, 15 नवंबर (37, एम एस सी नर्सिंग के छात्र एवं प्राचार्य)।

7. नर्सिंग महाविद्यालय

प्राचार्या

मंजू वत्स

व्याख्याता

मीना अग्रवाल	संध्या गुप्ता	रेशेल एंड्रूज
आशिया कुरैशी	दीपिका सी. खाखा	कमलेश शर्मा
शशि मवार	पूनम जोशी	एल. गोपीचंद्रन

वरिष्ठ नर्सिंग व्याख्याता

गीता राज़दान

नर्सिंग व्याख्याता

किरण सिंह सिमक	गायत्री बत्रा	पूनम जोशी
सुचेता	शशि मवार	बबिता साहू
फिलोमिना थॉमस	मीना अरा	सीमा सचदेव
उज्जवल दहिया	अनुभा डी.	अदिति सिन्हा
नीलिमा	नेमखोलम	हंसाराम

उपलब्धियां

इस वर्ष 59 बी एस सी (ऑनर्स) नर्सिंग, 22 बी एस सी नर्सिंग (पी सी) तथा 19 एम एस सी नर्सिंग विद्यार्थियों ने कॉलेज से स्नातक उपाधि प्राप्त की। कॉलेज द्वारा 12 कार्यशालाएं / सम्मेलन आयोजित किए गए एवं 750 नर्सों को प्रशिक्षित किया गया।

शिक्षा

स्नातकपूर्व

- बी. एससी (ऑनर्स) नर्सिंग : चार वर्षीय पाठ्यक्रम में 59 विद्यार्थियों ने स्नातक उपाधि प्राप्त की।
- बी.एससी नर्सिंग (पोसट सर्टिफिकेट) : दो वर्षीय पाठ्यक्रम 22 विद्यार्थियों ने स्नातक उपाधि प्राप्त की।

स्नातकोत्तर

- एम. एससी नर्सिंग : एम. एससी नर्सिंग के दो वर्षीय पाठ्यक्रम में 19 विद्यार्थियों ने स्नातक उपाधि प्राप्त की, जबकि इस वर्ष आयोजित निम्नलिखित कार्यक्रमों में 24 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया :
  क) बाल चिकित्सा नर्सिंग
  ख) मनोरोग चिकित्सा नर्सिंग
  ग) हृदय रोग विज्ञान / सीटीवीएस नर्सिंग
  घ) तंत्रिका विज्ञान नर्सिंग
- नर्सिंग महाविद्यालय द्वारा भारत के विभिन्न शिक्षा संस्थानों के 5 सदस्यों के अतिथि दल को तथा विदेशों (आयरलैण्ड एवं स्वीडन) के 2 समूह के अतिथियों हेतु अभिमुखीकरण / सार सत्र का आयोजन किया गया।
- कॉलेज के संकाय सदस्यों ने 20 से अधिक कार्यशालाओं / सम्मेलनों में हिस्सा लिया तथा वर्ष के दौरान आयोजित क्रमिक नर्सिंग / आयुर्विज्ञान शिक्षा कार्यक्रम एवं कार्यशालाओं में व्याख्यान प्रस्तुत किए।
- भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में संकाय – सदस्यों को परीक्षक के तौर पर नियुक्त किया गया।

क्रमिक नर्सिंग शिक्षा (क्र. न. शि.)

नर्सिंग महाविद्यालय द्वारा क्रमिक नर्सिंग शिक्षा के क्षेत्र में निम्नलिखित अल्पकालिक पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

1. 21–23 फरवरी 2013 को मातृत्व देखरेख विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान की 28 परिचर्याओं ने भाग लिया। श्रीमती कमलेश शर्मा, व्याख्यात तथा सुश्री पूनम जोशी अनुदेशक इस आयोजन की सह संचालक थी।
2. 6–8 मार्च 2013 को सीटीवीएस नर्सिंग विषय पर अद्यतन नर्सिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान की 33 नर्सों ने हिस्सा लिया, श्रीमती रेशेल एंड्रूज़ इस आयोजन की सह संचालक थी।
3. 25–27 फरवरी 2013 को नर्सिंग में प्रभावी मानव संबंध एवं संप्रेषण योग्यता विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान की 24 नर्सों ने हिस्सा लिया; सुश्री आशिया कुरैशी व्याख्याता एवं सुश्री उज्जवल दहिया सहसंचालक थी।
4. नर्सिंग सेवाओं में व्यवस्थापन : लीडिंग लेडीज़ फोर्स विषय पर 11–13 फरवरी 2013 को कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान की 26 नर्सों ने हिस्सा लिया। सुश्री शशि मवार, व्याख्याता एवं सह संचालक थी।
5. दिनांक 26 अक्तूबर 2012 को स्वास्थ्य उपचार में मानवीय अधिकार एवं एथिक्स विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। नर्सिंग कॉलेज के वार्षिक दिवस पर संस्थान की 300 से अधिक नर्सों, विद्यार्थियों तथा अन्य व्यक्तियों द्वारा कार्यक्रम में हिस्सा लिया गया। सुश्री दीपिका खाखा, व्याख्याता ने कार्यक्रम का संचालन किया।
6. 13–15 मार्च 2013 को साइकेट्रिक इमरजेंसी विषय पर नर्सिंग अपडेट संबंधी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, संस्थान की 29 नर्सों ने कार्यशाला में हिस्सा लिया। सुश्री दीपिका खाखा, व्याख्याता एवं सह संचालक थी।
7. दिनांक 20–22 मार्च 2013 को तंत्रिका विज्ञान अद्यतन उपचार पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान की 31 नर्सें उपस्थित थी। सुश्री मीना अग्रवाल इस कार्यक्रम की व्याख्याता एवं सह संचालक थी।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन

1. इण्डियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्सिस का चौथा वार्षिक सम्मेलन भारती विद्यापीठ विश्वविद्यालय, पुणे में आयोजित किया गया। संपूर्ण भारत वर्ष से 200 से अधिक नर्सों ने इस सम्मेलन में हिस्सा लिया। डॉ. मंजू वत्स, प्राचार्या ने इस कार्यशाला का सह संचालन किया।
2. पुणे में इण्डियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्सिस के चतुर्थ वार्षिक सम्मेलन के पार्ट के तौर पर एविडेंस बेस्ड नार्सिंग प्रैक्टिस संबंधी कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें 40 से अधिक नर्सों ने हिस्सा लिया, डॉ. मंजु वत्स, प्राचार्या कार्यशाला की सह संचालक थी।
3. 15 दिसंबर 2012 को दिल्ली में नेशनल नियोनेटोलॉजी के 32वें वार्षिक सम्मेलन के एक पार्ट के नियोनेटल रिसेसिटेशन प्रोग्राम संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 60 से अधिक परिचर्चाओं ने हिस्सा लिया। डॉ. मंजु वत्स, प्राचार्य इस कार्यक्रम की सह संचालक थी।
4. 19–20 दिसंबर 2012 को गुड़गांव में सोसाइटी ऑफ इण्डिया न्यूरोसाइसं नर्सिंग ऑन एविडेंस बेस्ड प्रैक्टिसिस इन न्यूरोसाइंस नर्सिंग के वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सुश्री एम. अग्रवाल इसकी सह संचालक थी।
5. पुणे में इण्डियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्सिस के चौथे वार्षिक सम्मेलन के पार्ट के तौर पर सी पी ए पी कार्यशाला का आयोजन किया गया। 40 से अधिक नर्सों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। सुश्री पूनम जोशी इस कार्यशाला की व्याख्याता एवं सहसंचालक थी।

प्रदत्त व्याख्यान

मंजू वत्स : 15	**आशिया कुरैशी : 1**	**दीपिका सी. खाखा : 19**	**कमलेश शर्मा : 8**
शशि मवार : 2	**पूनम जोशी : 2**	**एल. गोपीचंद्रन 3**	**फिलोमिना थॉमस 4**
उज्जवल दहिया : 2			

अनुसंधान

वित्तपोषित अनुदान

1. भारत में नवजात शिशुओं में जोखिम तथा रोगावस्था उपचार में नर्सों की शिक्षा हेतु अवरोधों एवं सुविधाओं की पहचान। मंजू वत्स। इंडो शास्त्री ग्रांट, कनाडा एवं सीरो द्वारा वित्तपोषित।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. भारत में चुने हुए अस्पतालों से प्राप्त डिलीवरी आंकड़ों के आधार पर आवधिक प्रसूतियों की पहचान हेतु अध्ययन।
2. स्तनपान अभ्यास सुधार हेतु लाभकारी एंटीनेटल ब्रेस्ट फीडिंग एजुकेशन? प्रीमिग्रेवाइड पर एक संचालित अध्ययन।
3. भारत केस अध्ययन हेतु उच्च प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों का माइग्रेशन – कनाडियन अनुसंधान संस्थान ओटावा विश्वविद्यालय परियोजना।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 11 पुस्तकें : 1

रोगी उपचार

1. विभागीय संकाय एवं विद्यार्थियों द्वारा संस्थान के समस्त विभागों की रोगी उपचार संबंधी बाहरी एवं आंतरिक गतिविधियों में हिस्सा लिया गया।
2. संकायवर्ग एवं विद्यार्थियों द्वारा निम्न आयोजन किए गए :–
   क) दक्षिण दिल्ली के 6 केंद्रों में पल्स पोलियो कार्यक्रम के चार चक्रीय कार्यक्रम में हिस्सा लिया, इस कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली सरकार के एन सी टी विभाग द्वारा किया गया। सुश्री शशि मवार इस कार्यक्रम की सह संचालक तथा पर्यवेक्षक थी।
   ख) विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों जैसे उच्चरक्तदाब इम्यूनाइजेशन, नवजात उपचार पी एन सी देखरेख इत्यादि पर संस्थान के ओ. पी. डी. तथा 80 से ज्यादा शहरी स्लम क्षेत्रों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 85 स्वास्थ्य शिक्षा सत्रों का आयोजन किया गया।
   ग) विभागीय विद्यार्थियों द्वारा अंबेडकर नगर समुदाय क्षेत्र के विभिन्न ब्लॉक में 9 सर्वे संचालित किए गए जिसके अंतर्गत अपने स्वास्थ्य एवं सामाजिक आवश्यकताओं की पहचान हेतु जानकारी दी गई तथा नुक्कड़ नाटकों एवं प्रदर्शनियों के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए गए। इस कार्यक्रम की सह संचालक एवं पर्यवेक्षक सुश्री एस मवार थी।
   घ) स्वास्थ्य दिवस सहित : विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व मलेरिया दिवस, विश्व किडनी दिवस, विश्व तपेदिक दिवस, विश्व अस्थमा दिवस, स्तनपान सप्ताह, राष्ट्रीय पोषकता सप्ताह, विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, मोटापा दिवस, विश्व मधुमेह दिवस, विश्व सी ओ पी डी दिवस, विश्व एड्स दिवस तथा विश्व रोग सुरक्षा दिवस का आयोजन किया गया। संबंधित विषयों पर 12 प्रदर्शनियां एवं नुक्कड़ नाटक आयोजित किए गए। सुश्री एस. मवार इसकी सह संचालक तथा पर्यवेक्षक थी।

पुरस्कार, सम्मान एवं उल्लेखनीय घटनाएं

डॉ. मंजु वत्स को नर्सिंग में पी. एच. डी., एम. एम. विश्वविद्यालय, अंबाला की अध्ययन समिति का सदस्य मनोनीत किया गया; नर्सिंग में यू जी एवं पी जी बोर्ड, पी जी आई एम एस रोहतक, बी एच यू वाराणसी, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ. प्र. का सदस्य नामित किया गया; नेशनल एडिटोरियल एडवाइज़री बोर्ड, प्रिज़्मस नर्सिंग प्रैक्टिस – जनरल ऑफ क्लिनिकल नर्सिंग (पूर्व में जरनल ऑफ नर्सिंग के नाम से प्रसिद्ध) (2005 से प्रारंभ) की सदस्य; इंटरनेशनल जरनल ऑफ नर्सिंग एजुकेशन; इंटरनेशनल एडवाइज़री बोर्ड, जरनल ऑफ नियोनेटल नर्सिंग की नामित सदस्य चुना गया; 8 मार्च 2013 को आकाशवाणी से प्रसारित कार्यक्रम 'हमारी आवाज़' में साक्षात्कार; मुख्य अतिथि वेलिडिक्टरी फंक्शन ऑफ नेशनल कांफ्रेंस ऑफ नर्सिस लीग ऑफ क्रिश्चियन मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया; इलेक्टिड सेकेंड टाइम प्रेसिडेंट ऑफ इण्डियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्सिस; एन आई एच – यू एस एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय; जनरल बॉडी, एक्ज़िक्यूटिव एण्ड नर्सिंग एजुकेशन कमिटी मेम्बर ऑफ इण्डियन नर्सिंग कौंसिल; कोर ग्रुप मेंबर ऑफ आई एन सी पी एच डी कंसोर्टियम; पीयर टीम मेंबर हिंदूजा हॉस्पिटल, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मुंबई फॉर एन ए ए सी (नेशनल असेसमेंट एण्ड एक्रिडिएशन कौंसिल ऑफ यू जी सी); मेंबर वर्किंग गुप ऑन स्ट्रैन्थिंग हेल्थ सिस्टम एण्ड सर्विसिस – यू एस – इण्डिया हेल्थ इनिशिएटिव, एम ओ एच एफ डब्ल्यू; मेंबर कुरिकुलम कमेटी फॉर यू पी एस सी नई दिल्ली, निमहेंस बैंगलौर, आई जी आई एम एस पटना, हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी, आई एल बी एस (इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एण्ड बाइलरी साइंसिस – नई दिल्ली), बी एम एच आर सी (भोपाल मेमोरियल हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर) बी पी के आई एच एस धरण नेपाल की परीक्षक, आई सी एम आर दिल्ली द्वारा आमंत्रित कंसल्टेशन ऑन सेंटर इशू एण्ड इट्स रिलेशन विद् हेल्थकेयर, एम्स की विभिन्न समितियों में सहभागिता – कार्यस्थल पर यौन शोषण की रोकथाम एथिक्स – उप समिति, स्टाफ कौंसिल, दीक्षांत समारोह, संस्थान दिवस, चयन समिति इत्यादि, हिन्दी अनुभाग द्वारा संस्थान में हिंदी पखवाड़े के

आयोजन के दौरान हिंदी निबंध प्रतियोगिता हेतु निर्णायक के तौर पर आमंत्रित एम्स ओनियस की नामित कार्यकारी सदस्य; एम ओ एच एफ डब्ल्यू के विशेषज्ञ के तौर पर कार्यरत, ट्रेन्ड नर्सिस एसोसिएशन ऑफ इण्डिया, नेशनल मेडिकल लाइब्रेरी, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इण्डिया, दिल्ली नर्सिंग कौंसिल एण्ड नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम फॉर वेरियस कमेटी एण्ड मीटिंग्स।

मंजु वत्स एवं कमलेश शर्मा को लेख प्रस्तुतीकरण हेतु प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया – सितारा एस, शर्मा के. के., सक्सेना एम; वत्स मुंज ''स्तनपान संबंधी समस्याएं, एपिडिमियोलॉजी एण्ड इट्स इम्पैक्ट ऑन एक्सक्लूसिव ब्रेस्ट फीडिंग रेट एट सिक्स मंथस'' आई ए एन एन का पुणे में फरवरी 2013 में चौथा वार्षिक सम्मेलन।

एम. अग्रवाल ने उत्कृष्ट लेख हेतु पुरस्कार जीता; मंजु धंधापानी मीना अग्रवाल, ए के महापात्रा एण्ड अल्का चुटानी फॉर ए स्टडी टू असेस द न्यूट्रिशनल स्टेट्स इन पेशेंट्स ऑफ सीवियर हेड इंजरी ''ड्यूरिंग द नेशनल' एन्युल लीफ ऑफ द सोसाइटी ऑफ इण्डियन न्यूरोसाइंस नर्सिस, गुड़गांव, दिसंबर 2012; इश्तहार प्रस्तुति हेतु तीसरा पुरस्कार : बिजू एस; एम. अग्रवाल एवं गुरुदत्त सत्यारा, कंपेरिज़न ऑफ कंटीन्यूस वर्जन इंटरमिट नेसोगेस्ट्रिक ट्यूब फीडिंग इन हेड इंजरी पेशेंट्स एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। इंडो न्यूरोसाइंस नर्सिंग सोसाइटी का राष्ट्रीय सम्मेलन, दिसंबर 2012, गुड़गांव।

दिसंबर 2012 में रिम्स, इंफाल में नर्सिंग महाविद्यालय के चौथे स्थापना दिवस के दौरान ए. कुरैशी को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया तथा एविडेंस बेस्ड नर्सिंग प्रैक्टिस पर व्याख्यान दिया; 29 मई 2012 को रिम्स, इंफाल में चयन समिति की बैठक हेतु आमंत्रित किया गया।

दीपिका खाखा पी जी आई एम ई आर चण्डीगढ़ के जामिया हमदर्द की परीक्षक, बाबा चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस, एम्स की परीक्षक पी; बी. पी. कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस की एम एस सी थीसिस हेतु एमबीबीएस प्रवेश परीक्षा एवं एडजुडीकेटर की सुपरवाइजर रही; टेक्नोलॉजिस दैट इन्हेन्स्ड् नर्सिंग केयर डिलीवरी पर अघोषित दो सत्रों का सभापतित्व किया; एम्स के जे पी एन ए टी सी में सितंबर 2012 में आयोजित कोस्ट इफेक्टिव यूज ऑफ टेक्नोलॉजी इन इमरजेंसी हेल्थकेयर पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, नवंबर 2012 में न्यूरोपेडिकॉन पर मुक्त लेख प्रस्तुतीकरण हेतु अध्यक्षता की; सितंबर 2012 में इण्डियन न्यूरोसाइंस नर्सिस सोसाइटी के 53वें वार्षिक सम्मेलन तथा न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इण्डिया के 61वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के दो सत्रों की अध्यक्षता की; बाबा फरीद विश्वविद्यालय, नर्सिंग पत्रकारिता की समीक्षक रही; जी एफ ए टी एम, दिल्ली विश्वविद्यालय की एच आई वी काउंसलर हेतु काउंसलिंग सुपरवाइजर के तौर पर 3 दौरों का संचालन किया।

कमलेश शर्मा को जम्मू में अक्तूबर 2012 में नर्सिंग स्कूल के निरीक्षण हेतु इण्डियन नर्सिंग कौंसिल (आई एन सी) का तदर्थ निरीक्षक नियुक्त किया गया। उन्होंने इण्डियन नर्सिंग कौंसिल ए एन एम एस कुरिकुलम के रिवाइजिंग हेतु योगदान दिया; वह गुजरात विश्वविद्यालय की परीक्षक रही; तथा नाइन पी जी आई एम ई आर चण्डीगढ़, रुफैदा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, फ्लोरेंस नाइटिंगेल कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर एवं बाबा फरीद यूनिवर्सिटी, ऑफ हेल्थ साइंस की भी परीक्षक रही; नवंबर 2012 में एम्स में इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रामा एण्ड एक्यूट केयर (आई ए टी ए सी) की सी एम ई लाइव कार्यशाला एवं पांचवें सम्मेलन के तहत एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''वुंड मैनेजमेंट'' ट्रॉमा 2012 की अध्यक्षता की; 'ह्यमैन मिल्क इन एन आई सी यू एण्ड नियोनेटल मोराबिडिटिज : एविडेंस मैकेनिज्म एण्ड बेस्ट प्रैक्टिस, इम्पावरिंग नर्सिस टू हेंडल डिफीकल्ट पेरेंटल सिचुएशंस, डेवलपमेंट सर्पोटिव केयर पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की फरवरी 2013 में पुणे में इण्डियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्सिस (आई ए एन एन) के चौथे वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लिया।

एस. मवार ने अक्तूबर 2012 में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एण्ड फैमिली वेलफेयर के क्षेत्र में अस्पताल प्रशासन में एक वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूर्ण किया। अक्तूबर 2012 में माऊंट आबू एवं कार्सिकोजेनेसिस 2012, नई दिल्ली में डब्ल्यू सी सी पी आई के सत्र की अध्यक्षता की। वह 2012 में टेलीमेडिसिन फॉर वेन अफ्रीका परियोजना के रिसोर्स पर्सन रहे।

पूनम जोशी एम्स तथा यूनिसेफ द्वारा संचालित डेवलपमेंट ऑफ नियोनेटल हेल्थकेयर सर्विसिस डिलीवरी मॉडल फॉर कलर इण्डिया हेतु संचालित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पर आथारिटी राष्ट्रीय परियोजना की रिसोर्स पर्सन थी। वह जामिया हमदर्द, हमदर्द यूनिवर्सिटी एम्स एवं आई पी यूनिवर्सिटी की परीक्षक रही; उन्होंने चयनित टर्शरी लेवल केयर हॉस्पीटल के नियोनेटल इंटेसिव केयर में नवजातों के बीच नियोनेटल सेप्सिस, बैक्टीरियल आइसोलेट्स एवं एंटीबायोटिक ससेप्टिबेलिटी पैटर्नस पर तीन पोस्टर प्रस्तुत किए। द

प्रिवलैंस प्रोबेवल कॉसिस ऑफ स्ट्रैस, सिम्प्ट्म्स एसोसिएटिड एण्ड केपिंग स्ट्रैटिजिस अमंग नर्सिस वर्किंग इन वेरियस पीडिएट्रिक एण्ड नियोनेटल केयर यूनिटस एन एक्पलोरेटरी सर्वे, कांप्लीमेंटरी फीडिंग प्रैक्टिसिस अमंग चिल्ड्रन बिटविन 6 मंथ टू; दिसंबर 2012 में एक राष्ट्रीय नवजातशिशु रोग विज्ञान फोरम सम्मेलन में भाग लिया।

उज्जवल दहिया 24 – 26 सितंबर 2012 में आई एल पी एस, नई दिल्ली में प्रत्यारोपण सहयोग हेतु अंगदान प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में सम्मिलित थे।

8. अनुसंधान अनुभाग

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को प्रदत्त शासनादेश के अनुसार, अनुसंधान को एक महत्वपूर्ण घटक माना गया है। संस्थान, आधारभूत एवं अनुप्रयुक्त स्वास्थ्य विज्ञान दोनों क्षेत्राों में उच्च – गुणवत्ता अनुसंधान संचालन में सबसे अग्रणी है। समीक्ष्य वर्ष के दौरान संस्थान के संकाय वर्ग द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के लिए बाह्य अनुदान के तौर पर लगभग 69 करोड़ रुपए तथा संस्थान द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं हेतु 1.31 करोड़ रुपये प्राप्त किया गया। वर्तमान में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में 508 बाह्य तथा 51 आंतरिक वित्तपोषित परियोजनाएं चलाई जा रही है।

यह अनुभाग संस्थान में सभी बाह्य अनुसंधान सहित प्रशासन कार्य का संचालन करता है। निदेशक महोदय द्वारा गठित अनुसंधान सलाहकार परिषद् निम्नानुसार हैं :–

अनुसंधान सलाहकार परिषद (मूलभूत चिकित्सा / संबद्ध विज्ञान)

1.	आचार्य आर. सी. डेका, निदेशक, एम्स	अध्यक्ष
2.	आचार्य कृष्णा एन. गणेश, निदेशक भारतीय विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, पुणे	सदस्य
3.	डॉ. सैयद हसनैन, सम्मानित आचार्य, जैव विज्ञान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली	सदस्य
4.	आचार्य एन.आर. जगन्नाथ, प्रमुख, एन एम आर सुविधा, एम्स	सदस्य
5.	आचार्य एस.पी. थिगाराजन, पी–एच.डी., निदेशक और मुख्य सलाहकार, श्री रामचंद्रन यूनिवर्सिटी, पोरुर, चैन्नई	सदस्य
6.	आचार्य बलराम भार्गव, हश्द/जैव संकल्पना, एम्स	सदस्य
7.	आचार्य आनंद मोहन, पी–एच. डी., आचार्य, इलेक्ट्रोनिक तकनीकी संस्थान, बीएचयू, वाराणसी	सदस्य
8.	आचार्य मधु खुल्लर, प्रायोगिक कायचिकित्सा विभाग, पी जी आई एम ई आर, चण्डीगढ़	सदस्य
9.	आचार्य ए. बी. डे, संकायाध्यक्ष (अनुसंधान), एम्स	सदस्य–सचिव

अनुसंधान सलाहकार परिषद (क्लिनिकल)

1.	आचार्य, आर. सी. डेका, निदेशक, एम्स	अध्यक्ष
2.	आचार्य टी. एम. महापात्राा, भूतपूर्व निदेशक, आई एम एस–बी एच यू, वाराणसी	सदस्य
3.	आचार्य पी. सतीश चंद्रा, निदेशक, एनआईएमएचएएनएस, बैंगलोर	सदस्य

4.	आचार्य, एन.के. मेहरा, आचार्य एवं अध्यक्ष, टी.आई.आई., एम्स	सदस्य
5.	आचार्य एस. के. पांडा, विभागाध्यक्ष, विकृति विज्ञान, एम्स	सदस्य
6.	आचार्य, नरेंद्र के. अरोड़ा, कार्यकारी निदेशक, इनक्लेन ट्रस्ट इण्डिया, नई दिल्ली	सदस्य
7.	आचार्य, के.एम. श्याम प्रसाद, कुलपति, मार्टिन एल. क्रिश्चियन विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय	सदस्य
8.	आचार्य नीरज के. सेठ, अध्यक्ष (योजना एवं मूल्यांकन), राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एन आई एच एफ डब्ल्यू), नई दिल्ली	सदस्य
9.	डॉ. आर. गोस्वामी, अपर आचार्य, अंतःस्राविकी एवं चयापचय, उप संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)	सदस्य
10.	आचार्य, ए. बी. डे, संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)	सदस्य–सचिव

9.1 संवेदनाहरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

चन्द्रलेखा

आचार्य

महेश के. अरोड़ा	दिलीप के. पवार	रविन्द्र कुमार बत्रा
राजेश्वरी सुब्रह्मण्यम	अंजन त्रिखा	माया देहरान
लोकेश कश्यप	दिलीप शिन्दे (रा.प्र. केन्द्र)	गंगा प्रसाद

अपर आचार्य

वीरेन्द्र के. मोहन	विमी रिवाड़ी	वनलालंघका दारलोंग

सह–आचार्य

रेणू सिन्हा (रा.प्र. केन्द्र)	ज्योत्सना पुंज	रश्मि रामचन्द्रन
रविन्द्र पांडे	अंजोलि छाबड़ा	
रेणू सिन्हा (रा.प्र. केन्द्र)	ज्योत्सना पुंज	रश्मि रामचन्द्रन
रविन्द्र पांडे	अंजोलि छाबड़ा	

सहायक आचार्य

अमर पाल भल्ला

दालिम वैद्य (दंत चिकित्सा)	देवलीना गोस्वामी (दंत चिकित्सा)

विशिष्टताएं

विभाग द्वारा स्नातकोत्तर छात्रों हेतु प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक हाई फिडेलिटी ह्यूमैन पेशेंट सिमुलेशन की स्थापना की गई। विभाग द्वारा इस सिस्टम का प्रयोग करके चार कार्यशालाओं का आयोजन तथा संचालन किया गया। विभाग द्वारा विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों जैसे बालचिकित्सा, संवेदनाहरण, गहन चिकित्सा तथा पेन क्लीनिक में अल्प अवधि एवं दीर्घ अवधि प्रशिक्षण दिया। विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 5वां सार्क क्रिटिकल केयर कांग्रेस (एस सी सी सी) तथा संवेदनाहरण विज्ञान में वर्तमान आधुनिकताओं पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई एन सी आर ए ए) का आयोजन किया गया। पहली बार वर्ष 2012–13 के श्रेष्ठ प्रस्तुतिकरण तथा श्रेष्ठ नैदानिक बैठक हेतु विभाग को वर्ष 1987 में आई एस ए दिल्ली को दान की गई बक्शी मेमोरियल रोलिंग ट्रॉफी पुरस्कृत की गई।

शिक्षा

विभागीय संकाय स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर तथा नर्सिंग छात्रों (बी एस सी एवं एम एस सी) के शिक्षण तथा प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से सम्मिलिति रहे। स्नातकोत्तर हेतु विभागीय शिक्षण कार्यक्रम सप्ताह के चार दिन संचालित किया गया तथा उसने सेमिनार, केस प्रस्तुती, जरनल क्लब्स तथा ट्यूटोरियल्स सम्मिलित है।

विभाग द्वारा हाई फिडेलिटी पेशेंट सिमुलेशन सिस्टम पर नियमित स्नातकोत्तर प्रशिक्षण किया गया है तथा प्रति वर्ष 18–20 सत्रों का संचालन किया जा रहा है। सभी प्रथम सत्र स्नातकोत्तर को आधारभूत दक्षताओं जैसे इट्रावेनस केनुलेशन, लम्बर पंक्चर, एपिड्यूरल पंक्चर, सेन्ट्रल वेनस केनुलेशन तथा इंडोट्रेकियल इंट्यूबेशन प्राप्त करने हेतु मेनीकिन्स पर प्रशिक्षण दिया गया।

अल्प एवं दीर्घ अवधि प्रशिक्षण

- दीर्घ अवधि प्रशिक्षु : एक (आर्मी)
- अल्प अवधि प्रशिक्षु : तीन (आर्मी, जे एल एन अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र, भिलाई, हिन्दुराव अस्पताल, दिल्ली)
- पर्यवेक्षक : दो (अफगानिस्तान)
- डी एम प्रशिक्षु : एक (बाल तंत्रिका विज्ञान)
- डी एम प्रशिक्षु : तीन (विकिरणनिदान 2, आपात चिकित्सा)

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा 5वें सारक क्रिटिकल केयर कांग्रेस (एस सी सी सी) तथा संवेदनाहरण विज्ञान में वर्तमान आधुनिकताओं पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई एन सी आर ए ए), 5–7 अक्तूबर, 2012 को आयोजित किया गया तथा 500 राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वैज्ञानिक कार्यक्रम में विख्यात राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संकाय द्वारा 32 व्याख्यान दिए गए। सम्मेलन में विभिन्न देशों जैये यू.के., आयरलैंड, कनाडा, यू एस ए, आस्ट्रेलिया, जर्मनी, ईरान, सऊदी अरेबिया तथा सार्क देश (पाकिस्तान, नेपाल, मालद्वीव, अफगानिस्तान तथा बंग्लादेश) के 58 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यशालाएं

विभाग द्वारा एम्स, नई दिल्ली में 'हाई फिडलिटी ह्यूमैन पेशेंट सिमुलेशन सिस्टम' पर चार कार्यशालाएं दिनांक 29 सितम्बर 2012, 30 सितम्बर 2012, 5 अक्तूबर 2012 तथा 27 नवम्बर 2012 को संचालित की गईं। दिल्ली तथा दिल्ली के बाहर के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने इन कार्याशलाओं में भाग लिया तथा प्रशिक्षण प्रमाण–पत्र दिया गया। 5 अक्तूबर 2012 की कार्यशाला आस्ट्रेलिया तथा जर्मनी के तीन अंतर्राष्ट्रीय संकायों द्वारा सह–संचालित थी।

विभाग/विभहागीय संकायों द्वारा संचालित अन्य कार्याशालाओं सहित

1. अपने नैदानिक अभ्यास को सुरक्षित बनाने के लिए अनियमित बाल संवेदनाहरण विज्ञानीयों हेतु कार्यशाला, के.के. वुमैन्स एंड चिल्ड्रन्स हॉस्पीटल, सिंगापुर, 18 अगस्त 2012.
2. बाल संवेदनाहरण पर कार्यशाला एवं लाइव प्रदर्शन, ढाका मेडिकल कॉलेज, ढाका, बंग्लादेश, 22–24 फरवरी 2013.
3. बाल संवेदनाहरण में ट्रेनिंग द ट्रेनर कोर्स पर कार्यशाला, वेस्ट चाइना हॉस्पीटल, सिचुआन युनिवर्सिटी, चेंग्घु चाइना, 16–19 मार्च 2013.
4. संवेदनाहरण मशीन तथा वेपोराइजर्स पर कार्यशाला, रामचन्द्रा क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा 2013, चेन्नई, जनवरी 2013.
5. 'एडवांस्ड एयरवे डिवाइसिस' पर कार्यशाला, आर.एम.एल. जी जी आई एम ई आर अस्पताल, नई दिल्ली, 2012.
6. फंडामेंटल क्रिटिकल केयर सपोर्ट (एफ सी सी एस) के स्किल स्टेशन में 'एयरवे प्रबंधन' पर हैंड्स ऑन प्रदर्शन, ट्रॉमा केन्द्र, अ.भा.आ.सं., 2012.

प्रदत्त व्याख्यान

चन्द्रलेखाः 1	एम.के. अरोड़ाः 7	डी.के. पवारः 13	राजेश्वरी एस.: 15
अंजन त्रिखाः 14	माया देहरानः 1	विम्मी रिवाड़ीः 3	रेणू सिन्हाः 2
ज्योत्सना पुंजः 2	रश्मि रामचन्द्रनः 2		

पेपर प्रस्तुती

चन्द्रलेखा : 1 एम.के. अरोड़ा: 2 विम्मी रिवाड़ी: 3 रेणू सिन्हा: 6

ज्योत्सना पुंज: 2

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. स्किन कंडक्टेंस एलजेसीमीटर इंडैक्स तथा वी ए एस आधारित पेन थेरेपी के मध्य तुलनाः एक पायलट अध्ययन। चन्द्रलेखा, सी एस आई आर।
2. एन आई एम ई एम जी इंडोट्रेकियल ट्यूब के साथ इंट्यूबेशन के समय पेरालेसिस ऑफ लेरेनजियल एडक्टर बनाम एडक्टर पोलिसिस की तुलना। ज्योत्सना पुंज। अ.भा.आ.सं., इंट्राम्यूरल अनुदान। 5 लाख रू.।
3. रोबोटिक मूत्ररोग विज्ञानी शल्यचिकित्सा में तंत्रिका अंतःस्राविकी तनाव प्रतिक्रियाः डेक्समेडिटोमिडाइन आधारित बनाम फेंटाइल आधारित कुल इंट्रावेनस संवेदनाहरण। रश्मि रामचन्द्रन। अ.भा.आ.सं., 2012–13. 5 लाख रू.।
4. टी सी आई. टी आई वी ए के तहत लेरेनजियल सर्जरी करवा रहे वयस्कों में में टाइट्रेटिंग प्रोपोफोल अथवा प्रोपोफोल–डेक्समेडिटो मिडाइन अपेक्षाओं हेतु एंट्रोपी मॉनीटरिंग। ए. छाबडा। एम्स. 2011–13. 80,000 रू.।

पूर्ण

1. इलेक्टिव सर्जरी करवा रहे मधुमेह आटोनोमिक न्यूरोपैथी के बिना तथा उसके साथ मधुमेह रोगियों में आइसाक्लूटेंस एवं वैक्यूरोनियम की आवश्यकता, क्रमानुसार एंट्रोपी तथा न्यूरो मस्कुलर ट्रांसमिशन (एन एम टी) मॉनीटर द्वारा निर्धारित। डॉ. ज्योत्सना पुंज। आई सी एम आर। 2010–13. 15 लाख रू.।
2. अस्पताल में विसंदूषित मोबाइल फोन हेतु अल्ट्रावायलट विकिरण। डॉ. ज्योत्सना पुंज। आई सी एम आर। 2010–13. 17 लाख रू.।

विभागीय परियोजनाएं (शोध/शोध–निबंधों सहित)

जारी

1. गंभीर रूप से बीमार मेकेनिकली बेंटीलेटिड वयस्क रोगियों में पीडा निर्धारण, त्वचा कडक्टेंस एल्जेसीमीटर इंडैक्स, क्रिटिकल केयर पेन ऑब्जर्वेशन टूल तथा शरीरक्रिया विज्ञानी सूचकों के मध्य तुलना।
2. स्थानीय संवेदनाहरण के तहत ट्यूबल लाइजेशन करवा रहे रोगियों हेतु पीड़ा शून्यता में डेक्समेडिटोमिडाइन की प्रभाव क्षमता तथा सुरक्षा।
3. लेप्रोस्कोपिक इंम्यूनल हर्निया रिपेयर हेतु टी ए पी ब्लॉक की सुरक्षा तथा प्रभाव क्षमता।
4. टोटल लेप्रोस्कोपिक हिसट्रेक्टॉमी करवा रहे रोगियों में पेरी–ऑपरेटिव एनलजेसिया हेतु इंट्राथिकल मोर्फिन की सुरक्षा तथा प्रभावक्षमता।
5. आई वी एफ के पश्चात गर्भावस्था के परिणामों पर संवेदनाहरण के प्रभाव का रिट्रोस्पेक्टिव विश्लेषण।
6. आरथ्रोस्कोपिक नी सर्जरी में डेक्समेडिटोमिडाइन की सुरक्षा तथा प्रभाव क्षमता का अध्ययन करना।
7. टोटल नी रिप्लेसमेंट में ऑपरेशन के पश्चात पीडाशून्यताः 1 में तीन फेमोरेल नर्व ब्लॉक बनाम इंट्राआर्टिकुलर इनफिल्ट्रेशन की तुलना
8. लेट्रल वॉल सहित ब्लेडर ट्यूमर में ट्रांसयूरेथ्रल रिसेक्शन के दौरान एडक्टर मसल स्पेस्म के नियंत्रण में ओब्ट्यूरेटर नर्व ब्लॉक की प्रभावक्षमता का मूल्यांकन करना।

9.2 शरीर रचना विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
शशि वधवा

आचार्य

आर.डी.मेहरा		टी.एस.रॉय
ए. शरीफ	पुष्पा धर	एस.बी.रे

अपर आचार्य

टी.के.दास (इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपी)	रीमा दादा	अरुंधती शर्मा (आनुवंशिक)
रेणु ढींगरा	टी.सी.नाग (इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपी)	रीतू सहगल

सहायक आचार्य
सरोज कालेर

विशिष्टताएं
संपूर्ण शरीर रचना विज्ञान प्रयोगशाला में स्टेट ऑफ दि आर्ट ऑडियो विजुअल संस्थापित किए गए हैं जो कि सभी डिसेक्सन टेबल के लिए छत से लगे बडे स्क्रीन वाले हाई डेफिनेशन मॉनीटर के साथ वर्कस्टेशन के नेटवर्क से जुडे हुए हैं जिसे कि पूर्ण शरीररचना विज्ञान की प्रशिक्षण/शिक्षण हेतु इंटरनेट की तरह विभागों से संबंधित लर्निंग रिसोर्स मेटिरियल्स की प्रस्तुति हेतु ट्रेक पैड के साथ वायरलेस कीबोर्ड का प्रयोग करके प्रचालित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा मेडिकल कॉलेजों के संकाय तथा स्नातकोत्तर को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसने कई केडेवरिक कार्यशाला के आयोजन करने में मदद की है जिसमें विभिन्न विभागों जैसे तंत्रिका शल्यचिकित्सा, अस्थिरोग विज्ञान, पुलमोनरी चिकित्सा तथा निद्रा विकार, संवेदनाहरण विज्ञान इत्यादि के कार्मिकों को प्रशिक्षण के लिए प्रोत्साहित किया है। बहुत से सदस्य विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों से आगन्तुक संकाय के रूप में अपनी सेवाएं दीं तथा भारत एवं विदेश में अतिथि तथा आमंत्रित व्याख्यान दिए।

संकाय सदस्य तथा छात्रों ने विभिन्न राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय फोरम में उनका अनुसंधान कार्य प्रस्तुत किया तथा शरीर रचना के विभिन्न पहलूओं सहित तंत्रिका विज्ञान,एम्ब्रेयोलॉजी तथा आनुवंशिकी पुरस्कार जीता। संकाय सदस्य अंतः एवं बाहय एजेंसियों से अनुदान द्वारा वित्तपोषित अनुसंधान कार्य में संलग्न है तथा पीर समीक्ष्य पत्रिकाओं में स्मरणीय अनुसंधान प्रकाशन दिए। संकाय ने स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों हेतु कोर्स पाठयक्रमों के विकास सहित विभिन्न समितियों पर सदस्य के रूप में सेवा प्रदान की। उन्होंने राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय मंडल के रूप में तथा विभिन्न अंतः तथा बाह्य वित्त पोषित एजेंसियों से अनुसंधान परियोजनाओं हेतु समीक्षक के रूप में कार्य किया। विभाग द्वारा शव संलेपन सुविधा के रूप में अस्पताल सेवाएं तथा विभिन्न आनुवंशिक तथा चयापचयी विकारों हेतु नैदानिक तथा परामर्श सेवाओं के द्वारा रोगी उपचार सेवाएं प्रदान की।

शिक्षा
अभिनव शैक्षिक गतिविधियां
9 नेटवर्क से बने पूर्ण शरीररचना विज्ञान प्रयोगशाला में एक स्टेट–ऑफ–दि–आर्ट ऑडियोविजुअल सिस्टम स्थापित किया गया। अपनी अपनी रिसेक्टन टेबल के ट्यूटर तथा छात्र इन वर्कस्टेशनों तक ट्रेक पैड के साथ वायरलैस कीबोर्ड का प्रयोग करके पहुंच सकते हैं। इन सभी को पूर्ण शरीररचना विज्ञान की शिक्षण/प्रशिक्षण हेतु विडियो/पावर पॉइंट प्रस्तुती के लिए शिक्षण स्रोत सामग्रियों की प्रस्तुती हेतु प्रयोग किया जाता है। सभी वर्कस्टेशनों को छात्रों के एक अथवा अधिक समूह को पूर्ण शरीररचना विज्ञानी प्रस्तुतियों इत्यादि हेतु प्रभावकारी प्रस्तुती हेतु शिक्षकों की सांत्वना से भी नियंत्रित किया जाएगा। डिसेक्शन हॉल में गाइड तथा स्टीमुलेट शिक्षण हेतु वर्कस्टेशन पर एक चैनल के द्वारा निरन्तर विशेष शिक्षण ओबजेक्टिव्स तथा क्वीज प्रस्तुत किए गए। इस

ऑडियोविजुअल सिस्टम को स्नातकपूर्व छात्रों हेतु विभागीय सुविधा की वृद्धि के लिए ओवरसाइट (मोइली) समिति द्वारा अनुमोदित निधि से डॉ. ए.शरीफ द्वारा संकल्पिक एवं कार्यान्वित किया गया।

अल्प अवधि एवं दीर्घ अवधि प्रशिक्षण

विभिन्न विश्वविद्यालयों से 6 छात्र न्यूरोएनाटॉमीकल टेक्नीक्स, क्रायोसेक्शनिंग, इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री, वेस्टर्न ब्लोटिंग एनीमल हैंडलिंग तथा विभिन्न कोशिकानुवंशिकी तथा आण्विक आनुवंशिक तकनीकियों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। विभाग के संकायों द्वारा एम एस सी तंत्रिका विज्ञान तथा एम एस सी हयूमैन मोलिकूलर जेनेटिक छात्रों ब्यूरोएनाटॉमी एंड हयूमैन जेनेटिक्स पर व्याख्यान लिया, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर। संकाय सदस्यों ने जुलाई तथा नवम्बर 2012 में आयोजित टेक्नोलॉजी ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म पर व्याख्यान भी दिया तथा जनवरी 2013 में नए संकाय सदस्य जिन्होंने एम्स में कार्यभार संभाला उन्हें आण्विक जैवविज्ञान तथा उसकी तकनीकियों की भाषा से अवगत कराया गया। ए एफ एम सी, पुणे, गो. मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर एवं थ्रीसर से तीन संकाय सदस्य, नेपाल से एक संकाय सदस्य तथा अमेठी विश्वविद्यालय से दो बी टेक छात्र कोशिकानुवंशिकी तथा आण्विक जैवविज्ञान की विभिन्न तकनीकों में प्रशिक्षण पर रहे।

कर्मिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा विभिन्न शव संबंधी कार्यशालाओं के आयोजन में मदद प्रदान की गई जिससे विभिन्न विभागों जैसे संवेदनाहरण विज्ञान, तंत्रिकाविज्ञान, अस्थिरोग विज्ञान, पुलमोनरी मेडिसिन तथा निद्रा विकार इत्यादि के कार्मिकों के प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रदत्त व्याख्यान

एस. वधवाः 2	आर.डी.मेहराः 2	टी.एस.रॉयः 4	पी. धरः 1
एस.बी.रे.:2	रीमा दादाः 7	ए.शर्माः 1	आर. ढींगराः 1

पेपर/पोस्टर प्रस्तुतीः 37

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. फीमेल रेट हिप्पोकेम्पस में एस्ट्रोजन मेडिएटिड इम्यून रेगुलेशन एवं न्यूरोप्रोटेक्शन। आर.डी.मेहरा, आई सी एम आर, 2012–15,रू.18 लाख।
2. चूहा मस्तिष्क कॉम्पलीमेंट सिस्टम का एस्ट्रोजन प्रेरित नियमनः न्यूरोप्रोटेक्टिव पहुंच को समझना तथा हार्मोन की एंटी–इनफ्लेमेटरी भूमिका। आर.डी.मेहरा,आई सी एम आर, 2012–14, रू. 45 लाख।
3. विकासशील चूहा सेरिबेलम में सोडियम अर्सेनाइट प्रेरित तंत्रिकाविषाक्तता पर एंटीआक्सीडेंट का प्रभाव। पी.धर, डी एस टी प्रेरित, 2010–15, रू. 15 लाख।
4. सिलेक्टिव एस्ट्रोजन ग्राही मोड़यूलेटर प्रयोग अकेले अथवा पेरानेपेटिन के साथ संयोजन। ओवरीरेक्टोमाइज्ड चूहों में एक तुलनात्मक उत्तकविज्ञानी अध्ययन। रीतू सहगल,अ.भा.आ.सं., 2012–13, रू. 5 लाख।
5. एस्ट्रोजन रजोनिवृत्ति तथा एजिंग ब्रेनः मस्तिष्क के गैरःप्रजनन क्षेत्रों में रजोनिवृत्ति संबंधी प्रभावों को समझने हेतु प्रायोगिक तथा एस्ट्रोजन एवं जैसे संघटकों जैसेकि चिकित्सीय खोजों की संरक्षी प्रभावों तक पहुंचना। आर.डी.मेहरा,आई.सी.एम.आर.,2012–15,रू. 27 लाख।
6. मानव कोकोलियर न्यूक्लियस में आयु संबंधी मोर्फोलॉजिकल एवं न्यूरो कैमिकल परिवर्तनों का एक स्टीरियोलॉजिकल अध्ययन टी एस रॉय,आई सी एम आर, 2010–14, रू. 29.3 लाख।
7. चूहों में इंट्राथिकल प्रयोग के पश्चात लोपरमाइड, ए मूओपिओइड ग्राही एगोनिस्ट के साथ संयोजन में ऑपरेशन के पश्चात पीडा में आराम हेतु लक्ष्य रूप में चयनित न्यूरोट्रांसमीटर एवं न्यूरोपेप्टाइड ग्राही। एस.बी.रे,डी बी टी, 2011–14, रू. 80.1 लाख।
8. आर एस ए में स्पर्म फेक्टर (ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, डी एन ए क्षति) की भूमिका। आर.दादा,डी बी टी,2010–13, रू. 15 लाख।
9. पुरुष बांझपन में एक्स क्रोमोसोमल जीन्स (टी ई एक्स 11 एवं टी ए एफ 71) आर दादा,आई सी एम आर, 2011–13, रू. 14 लाख।
10. पुरुष बांझपन में ऑक्सीडेटिव तनाव तथा डी एन ए क्षति के साथ स्पर्म टेलोमेरी लम्बाई तथा इसके सह–संबंध। आर.दादा, डी बी टी, 2012–15, रू. 69 लाख।

11. बांझपन में स्पर्म आण्विक कारकों (81 पी तथा 8 ओक्सोजुनाइन) आकलन। आर.दादा,अ.भा.आ.सं., 2012–13, रू. 4 लाख।
12. जेनेटिक बेसिस अंडरलेइंग स्टीवन्स–जॉनसन सिंड्रोम (एस जे एस) की पहचान हेतु अध्ययन। ए. शर्मा,आई सी एम आर, 2011–14, रू. 22 लाख।
13. (पी ई टी/एस पी ई सी टी)एल्कोहल निर्भरता में मोनोएमिनेरजिक गाबार्जिक एवं ग्लूटामिनेर्जिक पाथवे जीन पोलिमोर्फिज्म के साथ ब्रेन इमेजिंग का आनुवंशिक एसोसिएशन तथा सह–संबंध पर अध्ययन करना। ए शर्मा आई सी एम आर., 2011–14, रू. 29 लाख।
14. पोस्टिरियर पोलर केटरेक्ट परिवारों का आण्विक आनुवंशिक विश्लेषण। ए.शर्मा, अ.भा.आ.सं., 2011–13, रू. 10 लाख।
15. प्रीक्लेम्पशिया के पेथोजेनसिस में इंडोप्लास्मिक रेटीकुलम तनाव। आर.ढींगरा, अ.भा.आ.सं., 2013–14, रू. 5 लाख।
16. वेरिएबल फोटोपेरियोइटस के प्रकटन के पश्चात नियोनेटल चिक रेटीना में मोर्फोलोजिकल एवं बायोकेमिकल परिवर्तन। टी.सी.नाग, डी एस टी, 2013–16, रू. 33.60 लाख।

पूर्ण

1. चिक्स में ब्रेन स्टेम ऑडिटरी न्यूक्लिी, हिप्पोकैम्पस एवं स्पेशियल मेमोरी पर प्रीनेटल क्रोनिक नॉइज एक्सपोजर का दवाब। शशि वधवा, डी बी टी, 2018–12, रू. 65.5 लाख।
2. प्रीनेटल क्रॉनिक नॉइज के डेवलपिंग चिक (गेलस डोमेस्टिक्स)प्रकटन में ऑडिटरी कोरटेक्स के एक्सीटेटरी एवं इनहिबिटेटरी स्नेपसिस का आण्विक अध्ययन। शशि वधवा, सी एस आई आर, 2011–13, रू. 13.2 लाख।
3. चूहा सेरिबेलम में एनाटॉमिको–केमिकल परिवर्तन प्रेरित ओवरी– एक्टॉमी पर अध्ययन तथा एस्ट्राडियोल एवं टेमोक्सिफेन उपचारों हेतु उनकी प्रतिक्रिया। आर.डी.मेहरा,आई सी एम आर, 2008–12, रू. 10 लाख।
4. पूर्वी भारतीय रोगी जनसंख्या में इंडोथेलियल डिस्ट्राफिज के आण्विक विश्लेषण पर एक अध्ययन। ए. शर्मा,एम्स, 2010–12, रू. 2 लाख।
5. एजिंग मानव रेटीना के वेस्कुलर नेटवर्क में संरचनात्मक तथा जैवरसायनिक परिवर्तन। टी.सी.नाग, एम्स, 2011–13, रू. 5 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. महिला चूहा हिप्पोकैम्पस में एस्ट्रोजन हार्मोन इंट्रेक्शन्स।
2. महिला चूहा हिप्पोकैम्पस में संपूरक प्रोटीनों का एस्ट्रोजन एवं टेमोक्सिफेन द्वारा नियमन की न्यूरोप्रोटेक्टिव एवं एंटी–इंफ्लेमेटरी भूमिका।
3. ओवरीएक्टोमाइज्ड चूहों में कार्डिएक मोर्फोलॉजी पर चूहा रेलोक्सिफेन का प्रभाव।
4. विकासशील चूहा गुर्दे में अरसेनिक प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव पर एक्सोजीनियस ए–लिपोइक का प्रभाव।
5. मानव ऑडिटरी प्रणाली की एजिंग तथा विकास।
6. मानव ट्रोकलियर, एब्डयूसेंट एवं कोकलियर नर्व में आयु परिवर्तन।
7. भ्रूण तथा वयस्क मानव पेंक्रिएटिक डक्ट प्रणाली की मोर्फोलाजी।
8. विकासशील चूहा सेरिबेलम में सोडियम अर्सेनाइट प्रेरित तंत्रिका विषाक्तता पर एंटीऑक्सिडेंटस का प्रभाव।
9. मानसिक फोरमेन का मोर्फोलॉजिकल एवं मोर्फोमीट्रिक फीचर्स का विकिरण विज्ञानी मूल्यांकन।
10. कोन बीम कंप्यूटिड टोमोग्राफी का प्रयोग करके मेंडिबुलर कोंडेल का मोर्फोमिट्रिक मूल्यांकन।
11. चूहे के गुर्दे पर आरंभिक पोस्ट नेटल अवधि के दौरान अर्सेनिक प्रकटन का प्रभाव।
12. प्रीएक्लेपशिया में इंडोपलास्मिक रेटीकुलम तनाव में एस–वी ई जी एफ आर की भूमिका।
13. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में पी पी ए आर एस तथा एंजियोजेनिक कारकों की अभिव्यक्ति पर हाइपोक्सिया का प्रभाव।
14. प्रकाश प्रेरित रेटिनल क्षति के एक चूहा मॉडल में हिस्टोन एसीटेल ट्रांसफिरेज तथा एस आई आर टी। अभिव्यक्ति का स्तर।

पूर्ण

1. विकासशील चूहा हिप्पोकैम्पस में अर्सेनिक प्रेरित विषाक्तता पर लाइपोइक एसिड के रूप में एंटीऑक्सीडेंट संपूरक का प्रभाव।

सहयोगी

जारी

1. हैंडस ऑन–स्किल्स प्रशिक्षण तथा इंट्रेक्टिव वर्चुअल प्रशिक्षण द्वारा तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता के विकास का मूल्यांकन (तंत्रिका शल्य चिकित्सा)
2. तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता प्रशिक्षण हेतु 3 डी वर्चुअल प्रशिक्षण मोडयूल्स का डी एस टी तथा डी बी टी प्रायोजित तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता प्रशिक्षण सुविधा तथा विकास का विस्तार (तंत्रिका शल्य चिकित्सा)
3. इंडोमेट्रियोसिस तथा पी सी ओ एस में फोलीकुलर तरल में ऑक्सिडेटिव तनाव निर्धारण (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)
4. अनएक्पलेन्ड फीटल मेलफोरमेशन्स में ऑक्सिडेटिव तनाव तथा डी एन ए क्षति की भूमिका (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)
5. आई वी एफ करवा रही पी सी ओ एस वाली महिलाओं में फोलिकुलर तरल में ऑक्सीडेटिव तनाव बायोमार्कर्स का स्तर तथा ए आर टी परिणामों के साथ इसके संबंध (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)
6. अल्ट्रासाउंड द्वारा नैदानित परम्परागत विकृत भ्रूणों में एम्नीओटिक तरल में ऑक्सीडेटिव तनाव का निर्धारण (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)
7. परम्परागत केटरेक्ट में ब्लीफेरोफिमोसिस, आण्विक विश्लेषण में नैदानिक, विकिरण विज्ञानी तथा आनुवंशिक अध्ययन (डॉ. रा.प्र.केन्द्र)
8. भारतीय दमा रोगियों में वाई के एल–40 उत्पादन का प्रभाव तथा सी एच 13 एल 1 में आनुवंशिक विभिन्नताओं की जांचः तनाव के मार्कर्स एवं सामान्य परम्परागत इम्पेयमेंट तथा डाइमेंशिया के साथ इनका सहयोग; एल जी एस में जी पी आर–65; की मुटेशन स्क्रीनिंग; लेनोक्स गेस्टूएट संलक्षणों वाले रोगियों में सहायक उपचार के रूप में रिफ्लैक्सोलॉजी का मूल्यांकन (जैव भौतिकी)
9. बांझ पुरुषों में ऑक्सिडेटिव स्तरों पर डाइक्लोफिनेक के संयोजन के साथ तथा केवल डॉक्सीसाइक्लीन की प्रभाव क्षमता की तुलना हेतु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान, एल एच एम सी, नई दिल्ली)
10. फिब्रोमायेलजिया रोगियों में दर्द के स्तर पर मेगनेटिक फिल्ड हेतु चिरकारी प्रकटन का एक अध्ययन (शरीर क्रिया विज्ञान)
11. इंट्रेक्टेबल एपिलेप्सी में आण्विक तथा नैदानिक प्रोफाइल (तंत्रिका शल्यचिकित्सा)
12. वृद्धि हार्मोन कमी वाले एशियाई भारतीयों में जीनोटाइप–फीनोटाइप पर अध्ययन (अंतःस्राविकी विज्ञान)
13. प्राथमिक हाइपरपैराथायरोडिज्म, पैक्रिएटिक ट्यूमरों एवं पिटूएट्री ट्यूमरों के रोगियों में मेन 1 जीन मुटेशन तथा इसकी नैदानिक जटिलताएं (अंतःस्राविकी विज्ञान विभाग)
14. परम्परागत एड्रेनल हाइपरप्लेशिया–जीनोटाइप फीनोटाइप सह–संबंध (अंतःस्राविकी विज्ञान विभाग)
15. आण्विक हेतु विज्ञान अंडरलेंइग स्केलटेल डिसप्लेशिया पर एक अध्ययन (अंतःस्राविकी विज्ञान विभाग)
16. मोनोएमिनर्जिक पाथवे जीनपोलिमोर्फिज्म एवं ओपिओइड निर्भरता के संबंध पर एक अध्ययन (एन डी डी टी सी)
17. ऊतकविज्ञानी सह–संबंधों के साथ विल्म्स ट्यूमर में 11 पी 13 तथा 11 पी 15 डिलिशन्स का स्पैक्ट्रम (विकृति विज्ञान)
18. न्यूरोब्लास्टोमा में आण्विक आनुवंशिक विश्लेषण हेतु फाइन नीडिल चूषण साइटोलॉजी का निर्धारण (बाल शल्य चिकित्सा)
19. भारतीय जनसंख्या में फुच्स इंडोथेलियल डिस्ट्रॉफी का नैदानिक तथा मुटेशनल स्पैक्ट्रम (रा.प्र.केन्द्र)
20. जुवेनाइल ओपन एंगल ग्लूकोमा में डिस्क मोर्फोमीटरी के निर्धारण (रा.प्र.केन्द्र)
21. एच एल ए एलिलेंस की पहचान तथा प्रक्रुति टाइपों के साथ सह–संबंध (एन एम आर)
22. आपातकालीन वाहिका एक्सेस हेतु एक नोवल इंट्राडोसिस एक्सेस डिवाइसिस का संभाव्यता अध्ययन (हृद् विकिरण विज्ञान, आई आई टी तथा सनफोर्ड विश्वविद्यालय)

23. विज्ञान एवं तकनीकी विज्ञान विभाग डी एस टी एफ आई एस टी का कार्यक्रम स्तर 2। कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग आई आई टी दिल्ली की तरह रेपोजिटरी–सेन्टर फॉर अर्चिवल ट्रांसमिशन एंड कंप्यूटिंग (तंत्रिका शल्यचिकित्सा)
24. चिक्स (गेलस डोमिस्टिक्स) में प्रिनेटल रेपीटेटिव ऑडिटरी स्टिमुलेशन के पश्चात् विजुअल कोर्टेक्स का प्रकार्यात्मक विकासः नोरड्रेनालाइल (शरीर क्रिया विज्ञान)

पूर्ण

1. प्रायोगिक गंभीर पेंक्रिएयसाइटिस के रोग जनन में टी एनएफ–ए की भूमिका तथा पेंक्रियाज के अनुवर्ती पुनः अपन्नता में तथा पेंक्रिएयसाइटिस की एटिन्यूऐटिंग गंभीरता में टी एन एफ–ए उपचार का प्रभाव। टी.एस.रॉय,आई सी एम आर, 2009–12, रू. 29.81 लाख (जठरांत्ररोग विज्ञान के साथ)।
2. चूहों में आघात के मीडिल सेरीब्रल आर्टरी ओक्लूजन मॉडल में मेलाटोनिन बनाम बी एम एम एन सी एस अकेले के साथ संयोजन में बोन मोनोन्यूक्लियर (बी एम एम एन सी एस) के प्रयोग की तुलना। टी. एस.रॉय, डी बी टी, 2009–12, रू. 29.7 लाख (तंत्रिका विज्ञान के साथ)।
3. मोलीकुलर एटियोलॉजी अंडरलेंइग स्केलटेल डिसप्लेसिया पर एक अध्ययन। ए.शर्मा,एम्स, 2010–12, रू. 2 लाख।

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 34 सारः 5 पुस्तकों में अध्यायः 3

रोगी उपचार

आनुवंशिक निदान एवं परामर्श सेवाएं

साइटोजेनेटिक विश्लेषण	341	पी सी आर द्वारा वाई क्यू माइक्रोडिलिशन का विश्लेषण	59
सेमिनल आर ओ एस आकलन	325	केरोटाइपिंग	490
आनुवंशिक विकारों का आण्विक निदान,जन्मपूर्व निदान तथा परामर्श			61

शवों का संलेपन

परिवहन हेतु	785	शिक्षण/अनुसंधान हेतु	19

फ्लूरोसिस नैदानिक प्रयोगशालाः फ्लूओराइड आकलन

मूत्र रक्त/सीरम	180	पीने का पानी	70

पुरस्कार सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. शशि वधवा को आई ए एन–2013 का प्रो.बी.के.बछावत मेमोरियल लाइफटाइम एचिवमेंट पुरस्कार के लिए नामित किया गया; नामित सदस्य,स्थायी शैक्षिक समिति, शेर ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिज, श्रीनगर; मुख्य अतिथि तथा इनोग्रेटिड डी एस टी स्पोंसर्ड इंस्पायर इंटर्नशिप कार्यक्रम, 8 जनवरी 2013, अमेठी विश्वविद्यालय परिसर, हरियाणा; विभिन्न स्कूलों के बारहवीं कक्षा के छात्रों को "एनवायरमेंट एंड दि डेवलपिंग" ब्रेन पर उद्घाटन व्याख्यान दिया "ह्यूमैन रिसोर्स डेवलपमेंट फॉर इंस्टीट्यूशन" पर विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लेने हेतु स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार द्वारा आमंत्रित;नई दिल्ली, 14 मार्च 2013;"इम्प्रूविंग कम्बेट एफिशियंशी एट हाई एंड एक्स्ट्रीन एल्टीट्यूड" पर ट्वेलफिफ्थ इयर प्लेन प्रोग्राम को अंतिम रूप देने के लिए समीक्षा समिति अध्यक्ष,डी आई पी ए एस,नई दिल्ली, 21 मार्च 2013; स्टेम सेल अनुसंधान एवं उपचार हेतु राष्ट्रीय एपेक्स समिति, सदस्य ; सदस्य, सी एस आई आर ट्रेवल ग्रांट कमेटी, एन बी आर सी में वैज्ञानिकों की पदोन्नति हेतु चयन समिति सदस्य,मानेसर, हरियाणा; लखनऊ विश्वविद्यालय की एम डी परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक; बाह्य परीक्षक, पी एच डी शोध, एस जी पी जी आई, लखनऊ, सी सी एम पी में इलैक्ट्रॉन माइकोस्कॉपी में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी का चयन, हैदराबाद, प्रभारी अधिकारी, इलैक्ट्रॉन माइकोस्कॉपी सुविधा (दिसम्बर 2012 तक), शरीर रचना विभाग के आर टीआई के तहत प्रकटीकरण हेतु केन्द्रीय जनसूचना अधिकारी (सी पी आई ओ); अध्यक्ष, संकायाध्यक्ष समिति; सदस्य, पेटेंट सेल,समिति स्टेम सेल अनुसंधान एवं उपचार हेतु सांस्थानिक समिति;सदस्य,संपादकीय मंडल जरनल एनाटॉमिकल सोसायटी ऑफ इंडिया;आई सी एम आर तथा डी बी टी हेतु तंत्रिका विज्ञान अनुसंधान परियोजनाएं तथा वार्षिक परियोजना रिपोर्ट की समीक्षा की; इंडियन अकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंस (आई ए एन)के 30वें वार्षिक सम्मेलन की अध्यक्षता की तथा "ट्रांसलेशनल

न्यूरोसाइंस : अनरेविलिंग मिस्ट्रीज ऑफ ब्रेन इन हैल्थ एंड डिजीज" पर संगोष्ठी, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, 27–30 अक्तूबर 2012.

प्रो.आर.डी.मेहरा शरीर रचना विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य के चयन हेतु चयन समिति के सदस्य थे; आमंत्रित विशेषज्ञ, वरिष्ठ अनुसंधान फेलो चयन, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज,आई पी विश्वविद्यालय, अक्तूबर 2012 में आई ए एन के ज्योत्सना रघुनाथ भट्टाचार्य पुरस्कार के चयन हेतु पैनल के सदस्य ; शरीर रचना विज्ञान में संकाय की नियुक्ति हेतु भारत सरकार के 6 एम्स जैसे संस्थानों के चयन मंडल के सदस्य ; एम्स में शरीर रचना विज्ञान में वरिष्ठ ट्यूटर के चयन हेतु विशेषज्ञ; संस्थान दिवस आयोजन हेतु एक्जीबिशन समिति तथा 15 अगस्त एवं संस्थान दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु सह संयोजक; आई सी एम आर, डी बी टी, सी एस आई आर हेतु तंत्रिका विज्ञान अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा की तथा मस्तिष्क अनुसंधान तंत्रिका विज्ञान पत्रों, इंटरनेशनल जरनल ऑफ साइंसिज एंड लाइफ साइंस में प्रकाशन हेतु पाण्डुलिपियां;विंडो ए सी समिति के नामित अध्यक्ष;सदस्य, क्रोनिक डिजीज बायोलॉजी (तंत्रिका विज्ञान, बायोमार्कर्स तथा तंत्रिका इंजीनियरी), डी बी टी के टास्क फोर्स; अध्यक्ष दीक्षान्त समारोह हेतु स्वागत समिति;चुनाव कमिश्नर,छात्र यूनियन चुनाव 2013; भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी के 30वें वार्षिक सम्मेलन में 'ब्रेन एजिंग तथा प्लास्टीसिटी' पर संगोष्ठी संयोजक तथा अध्यक्ष एवं "ट्रांजिशनल न्यूरोसाइंसः अनरेविलिंग मेस्ट्रीज ऑफ ब्रेन इन हेल्थ एंड डिजीज" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 27–30 अक्तूबर 2012, अमृतसर;सदस्य राष्ट्रीय समिति तथा अध्यक्ष, तंत्रिका विज्ञानी विकारों में आण्विक मेकेनिज्म में आधुनिक विकास पर सोसायटी फॉर न्यूरोकेमिस्ट्री (एस एम सी आई) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के 27वें सम्मेलन की वैज्ञानिक समिति, 21–23 फरवरी 2013,नई दिल्ली।

प्रो.टी.एस.रॉय को एसोसिएशनऑफ जीरेनेटोलॉजी के कार्यकारी एवं जीवन सदस्य नामित किया गया, भारत; सदस्य, संपादकीय मंडल,पैंक्रियाज, भारत में मेडिकल कॉलेजों के मूल्यांकन हेतु मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया विशेषज्ञ समिति के संयोजक तथा सदस्य;विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों हेतु संकाय चयन समिति एवं स्नातकोत्तर परीक्षा हेतु परीक्षक एवं विशेषज्ञ; सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, शरीररचना विज्ञान विभाग, अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ; दिल्ली (एम सी डी) में नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना में विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया; विभिन्न अनुसंधान संगठनों हेतु तंत्रिका विज्ञान पर परियोजनाओं की समीक्षा तथा जरनल, नैदानिक शरीररचना, पैंक्रियाज, नेशनल मेडिकल जरनल ऑफ इंडिया, इंडियन जरनल ऑफ मेडिकल रिसर्च, पी एल ओ एस वन, ब्रेन रिसर्च एंड न्यूसाइंस लेटर्स हेतु पाण्डुलिपि; सदस्य एम्स द्वारा वित्त पोषित बाह्य परियोजनाओं की समीक्षा समिति, एजिंग(आई एस ओ ए 2012) पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मेडिकल जीरोंटोलॉजी" पर सत्र की अध्यक्षता तथा एसोसिएशन ऑफ जीरोंटोलॉजी के 16वें बाइनीयल सम्मेलन, 1–3 अक्तूबर 2012, शिलोंग, भारत।

प्रो.पी.धर मेडिकल काउंसिलिंग ऑफ इंडिया के इंस्पेक्टर रहे; विभिन्न संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों में एम बी बी एस, एम डी (शरीर रचना) हेतु पेपर बनाया तथा परीक्षक; बी जे एम एम आर में पाण्डुलिपि प्रस्तुत करने हेतु समीक्षक; सदस्य, एम्स की शिक्षण समय सूची तथा रेगिंग विरोधी समिति; प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया, "प्रशिक्षण संस्थानों तथा स्वास्थ्य व्यावसायिकों के संकाय सदस्यों हेतु प्रशिक्षण कुशलता में वृद्धि" राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एन आई एच एफ डब्ल्यू)11–15 मार्च 2013,नई दिल्ली।

प्रो.एस.बी.रे द्वारा पहले व्यावसायी एम बी बी एस परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक के रूप में सेवा प्रदान की, दिल्ली विश्वविद्यालय; आगन्तुक संकाय, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर; मोलीकूलर मेडिसिन एंड इंडियन जरनल ऑफ एक्सपेरिमेंट बायोलॉजी हेतु पाण्डुलिपि की समीक्षा की।

डॉ.रीमा दादा को लालोर फाउंडेशन पुरस्कार तथा एरिजोना में उनकी वार्षिक बैठक में अमेरिकन सोसायटी ऑफ एंड्रोलॉजी द्वारा एन आई एच यात्रा अनुदान प्रदान किया गया, यू एस ए ; मेडिकल रिसर्च काउंसिलिंग फैलोशिप, एडिनबर्ग हेतु जुरी सदस्य तथा रिप्रोडक्टिव बायोमेडिसिन एंड स्टेम सेल्स में रोयान अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पुरस्कार, ईरान; जरनल ऑफ रिप्रोडक्शन एंड कंट्रासेप्शन पी एल ओ एस,अमेरिकन जे आफ ह्यूमैन जेनेटिक्स आर बी एम ऑन लाइन, इंडियन जरनल ऑफ मेडिकल रिसर्च, एंड्रोल्जिया, फर्टिलिटी एंड स्टीरिलिटी, मिटोक्रोनड्रियन, बी एम जे केस रिपोर्ट, एंड्रोल्जिया जे ऑफ पेडिएट्रिक्स न्यूरोलॉजी एंड जे ऑफ पेडिएट्रिक्स बायोकैमिस्ट्री, इंडियन जरनल ऑफ यूरोलॉजी जेनेटिक्स एंड मोलीकूलर रिसर्च, करंट पेडिएट्रिक रिसर्च, ह्यूमैन

रिप्रोडक्शन एक्सपर्ट हेतु प्रस्तुत लेखों की समीक्षा, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान, एशियन जे ऑफ एंड्रोलॉजी, इंडियन जरनल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इंडियन जे ऑफ यूरोलॉजी, इंडियन जे ऑफ बायोकैमिस्ट्री एंड बायोफिजिक्स, ब्रेस्ट कैंसर उपचार अनुसंधान तथा उपचार में विशेषज्ञ समीक्षा; डी बी टी, आई सी एम आर, इंडो यू एस टेक्नोलॉजी फोरम एंड वेलकम ट्रस्ट हेतु प्रस्तुत परियोजनाओं की समीक्षा; संपादकीय मंडल सदस्य, जे ऑफ पेडिएट्रिक न्यूरोलॉजी एंड जे ऑफ पेडिएट्रिक बायोकैमिस्ट्री, दि ओपन एंड्रोलॉजी जरनल इंटरनेशनल जरनल ऑफ मेडिसिन; अमेरिकन सोसायटी ऑफ एंड्रोलॉजी एंड दि इंडियन सोसायटी ऑफ फर्टिलिटी के सदस्य के रूप में नामित; पुरूष बांझपन पर आई सी एम आर टास्क फोर्स के सदस्य ; सदस्य, एम्स दीक्षांत समारोह की कोर समिति, एम्स संस्थान दिवस प्रदर्शन तथा सांस्कृतिक संध्या; रेगिंग विरोधी समिति तथा सदस्य,इंस्टीट्यूट बायोसेफ्टी कमेटी ऑन रिकम्बीनेंट डी एन ए रिसर्च; एंड्रोलॉजी के 9वें अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में भाग लिया; 23–26 फरवरी 2013, मेलबोर्न आस्ट्रेलिया तथा 2 पोस्टर भी प्रस्तुत किए, तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में भी भाग लिया।

डॉ. अरूंधती शर्मा को देश के उत्तरी भाग में विभिन्न आनुवंशिक रोगों से बचाव में मेपिंग हेतु मेटाबोलिज्म एंड मोलीकूलर रिसर्च सोसायटी हेतु विशेषज्ञ तथा इस क्षेत्र में सामान्य तथा बहुत ही कम परिवर्तनों का डेटाबेस तैयार करने पर नामित किया गया; एम्स प्रयोगशालाओं के एम बी एल एक्रीडिएशन हेतु विभाग का क्वालिटी मैनेजर नामित किया गया; एम एस सी मोलीकूलर ह्यूमैन जेनेटिक्स जीवाजी विश्वविद्यालय के छात्रों हेतु प्रेक्टिल तथा वाई वा वॉइस परीक्षाओं हेतु बाह्य परीक्षक ग्वालियर; विभिन्न संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों के पी एच डी,आई सी एम आर, एस आर एफ फैलोशिप तथा एम डी शोध हेतु बाह्य परीक्षक; जैवप्रौद्योगिकी विभाग (डी बी टी) वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी एस आई आर)की विभिन्न परियोजनाओं तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के विभिन्न पेपरों की समीक्षा की; संस्थान दिवस पोस्टर प्रदर्शनी में भाग लिया तथा आनुवंशिक जांच के महत्व को प्रचार करने के लिए स्वास्थ्य एवं मेडिकल अनुसंधान पर कार्यशाला में भाग लिया; आनुवंशिकी क्षेत्र में विभिन्न विश्वविद्यालयों से वरिष्ठ संकाय तथा एम बी बी एस छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया; वृद्धि हार्मोन कमी तथा मानकीकरण का जन्मपूर्व निदान पर टीम कार्य,एसिकॉन में पुरस्कार जीता,कोलकाता, डिपार्टमेंट ऑफ मोलीकूलर ह्यूमैन जेनेटिक्स में आनुवंशिकी हेतु बाह्य परीक्षक, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर; सी–कैम्प, डी बी टी का शैक्षिक एवं प्रशिक्षण प्लेटफार्म पर सूचना की सुविधाओं का विस्तार, भारत; "मेडिकल लेबोरेट्री क्वालिटी सिस्टम एंड इंटरनल ऑडिट एज पर आई एस/आई एस ओ 15189" पर ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टेंडर्डस एंड नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर टाइमिंग फॉर स्टेंडर्डाइजेशन द्वारा संचालित प्रशिक्षण करने संबंधी, 8–11अगस्त 2012, एम्स, नई दिल्ली; "टेक्नोलॉजी ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म फॉर रिसर्चः एडवांस्ड मोड्यूलः जीनोम वाइड एनालेसिस ऑफ एस्प्रेशन एररे" में भाग लिया, अनुसंधान अनुभाग, एम्स,16–18 फरवरी 2013, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. रेणु ढींगरा को बीजिंग में आयोजित आई सी पी 2012 हेतु अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक समिति का सदस्य नामित किया गया, चाइना; आई सी पी 2012 को सार कार्यवाही की समीक्षा की तथा एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्ष थीं; जरनल ऑफ इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ प्लास्टिनेशन हेतु पेपर की समीक्षा की; जरनल ऑफ इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ प्लास्टिनेशन के संपादकीय मंडल;सदस्य इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ प्लास्टिनेशन; सदस्य, प्रिमैच्योर प्लेसेंटास एंड एक्सक्यूटिव मेम्बर ऑफ डी ए एस एम ओ एस; आई सी एम आर की वार्षिक रिपोर्ट एवं अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा की; सदस्य टीचिंग शेड्यूल कमेटी, एम्स में वर्चुअल टीचिंग हेतु शैक्षिक सलाहकार समिति तथा कमेटी फॉर रूल्स फॉर स्टूडेंट कंडक्ट।

डॉ.टी.सी.नाग ने इंडियन जरनल ऑफ ओप्थेलमोलॉजी एक्सपेरिमेंटल आई रिसर्च हेतु पाण्डुलिपि की समीक्षा की; सदस्य, इंटरनेशनल सोसायटी फॉर आई रिसर्च (यू एस ए)

डॉ.एस.कालेर द्वारा के.एल.विग सीमेट द्वारा क्रमानुसार आयोजित नवम्बर 2012 तथा फरवरी 2013 में इफेक्टिव टीचिंग थ्रू माइक्रोटीचिंग तथा "एम सी क्यू एंड आयटम एनालेसिस" कार्यशालाओं में भाग लिया, एम्स, नई दिल्ली; इंडियन अकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंस (आई ए एन) की 30वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा "इंटरनेशनल सिम्पोजियम ट्रांसलेशनल न्यूरोसाइंस", 27–30 अक्तूबर 2012, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर।

9.3 जैव रसायन

आचार्य एवं अध्यक्ष
नीता सिंह

आचार्य

सुब्रत सिन्हा (प्रतिनियुक्ति पर)
डी. एन. राव
निभृति दास
एस. एस. चौहान
एम. आर. राजेश्वरी

अपर आचार्य

पी. पी. चट्टोपाध्याय
कल्पना लूथरा
अल्पना शर्मा
कुंजंगा चोसडॉल

सहायक आचार्य

सुदीप सेन
अर्चना सिंह

विशिष्टताएं

- विभाग में 30 अनुसंधान परियोजनाएं जारी हैं जो विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों यथा डी.बी.टी, डी.एस.टी, आई.सी.एम.आर, सी.एस.आई.आर, डी.आर.डी.ओ इंडो–कनाडियन तथा यू.के.आई.ई.आर.आई द्वारा 15.8 करोड़ रुपए की राशि वित्तपोषित की गई तथा इस वर्ष 15 अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा किया गया।
- इंडेक्स्ड राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय प्रकाशनों में 48 प्रकाशन तथा 13 सार प्रकाशित किए गए।
- संकाय द्वारा विभिन्न पुस्तकों में 2 पुस्तकों तथा 2 अध्यायों को प्रकाशित किया गया।
- उत्तम प्रकाशन के लिए तीन संकाय सदस्यों को संस्थान उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।
- विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सभाओं में विभाग के संकाय सदस्यों ने अपना अनुसंधान कार्य प्रस्तुत किया।
- विदेशों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों द्वारा विभाग में छः अतिथि व्याख्यान दिए गए।
- विभाग द्वारा ''रीसेंट एडवांसिस इन मॉलीक्यूलर मैकेनिज़्म ऑफ न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर'' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तथा 'इमर्जिंग ट्रेंड्स एण्ड मॉलीक्यूलर टारगेट्स इन कैंसर डायग्नोस्टिक्स एण्ड थिराप्यूटिक्स (आईएसीआर) पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- ट्यूमर के लक्षणों से पीड़ित बहुत से रोगियों को निःशुल्क रोगी उपचार सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

शिक्षा

स्नातक पूर्व

विभाग द्वारा स्नातक पूर्व शिक्षण कार्यक्रम के तहत एम.बी.बी.एस. (दो सेमिस्टर), नर्सिंग (एक सेमिस्टर) तथा बी.एस.सी (ऑनर्स) नर्सिंग (एक सेमिस्टर) पाठ्यक्रम को जारी रखा गया। जैव रसायन संकल्पनाओं के स्व–निदेशित तथा संदर्भगत अधिगम को सरल बनाने के लिए समूह चर्चाओं के लिए नए समस्या आधारित मॉड्यूल शामिल किए गए हैं। दो स्नातक पूर्व छात्रों को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

स्नातकोत्तर

इसमें 08 एम.एस.सी. तथा 12 एम.डी. विद्यार्थी शामिल हैं। विभाग में 31 पी.एच.डी. विद्यार्थी भी हैं।

आयोजित सम्मेलन

- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (www.snci2013.com) : वर्ष 2013 में 21 से 24 फरवरी के दौरान संस्थान में 'रीसेंट एडवांसिस इन मॉलीक्यूलर मैकेनिज़्म ऑफ न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा ''सोसाइटी फॉर न्यूरोकैमिस्ट्री, इण्डिया' की 27वीं वार्षिक समिति का आयोजन किया गया; डॉ. एम. आर. राजेश्वरी इसके आयोजन सचिव थे, इसमें भारत तथा विदेशों के 300 से अधिक सहभागियों ने हिस्सा लिया।

- 8 दिसंबर 2012 को दिल्ली चैप्टर ऑफ इण्डियन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च (आई.ए.सी.आर) के तहत संस्थान में 'इमर्जिंग ट्रेंड्स एण्ड मॉलीक्यूलर टारगेट इन कैंसर डायग्नोस्टिक एण्ड थिराप्यूटिक्स; विषय पर डॉ. नीता सिंह की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रदत्त व्याख्यान

नीता सिंह : 4 डी.एन.राव : 6 निभृति दास : 4 एम.आर. राजेश्वरी : 5
अल्पना शर्मा : 3 कुंज़ेंग चॉसडॉल : 3

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. विकसित कैंसर सर्विक्स के उपचार में हल्दी का मूल्यांकन नीता सिंह, डी.बी.टी, 2006–12, 59 लाख रुपए।
2. वाईएससीएफ एंटीजन के प्रयोग सहित प्लेग हेतु वैक्सीन का विकास, डी.एन. राव, आई.सी.एम.आर, 2010–12, 8.00 लाख रुपए।
3. दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सदमे से पीड़ित रोगियों के स्वास्थ्य सुधार में इम्यूनो, क्लीनिकल एवं साइटोकाइन जीन पॉलीमॉर्फिज़्म तथा उनका सह संबंध, डी.एन. राव, आई.सी.एम.आर, 2010–13, 24 लाख रुपए।
4. पुरुषों में एपिडिडिमल स्पर्मैटोज़ोआ की मार्फोलॉजी, कार्यात्मक तथा क्रोमेटिन स्तर पर एपिडिडिमस को दीर्घावधिक अवरोध के प्रभाव मूल्यांकन के लिए अध्ययन का निर्धारण : प्रजनन क्षमता की पुष्टि हेतु पुरुषों में स्खलित स्पर्म की तुलना, डी.एन. राव, आई.सी.एम.आर, 2008–12, 20 लाख रुपए।
5. चूहा मॉडल प्रणाली का प्रयोग करते हुए हेपाटोमा में एक ग्राही टाइरोसिन किनेस सी–मेट की अभिव्यक्ति पर डी.एन.ए बाईडिंग लिगेंड का प्रभाव संबंधी अध्ययन।
6. प्लाज़्मा में परिवर्ती रूप में अभिव्यक्त प्रोटीन की परिचालनकारी कोशिश युक्त एम आरएनए प्रजातियों का लाक्षणीकरण तथा फ्रेड्रिक के अटाजिया के आण्विक पैथोजेनेसिस के साथ उसे सह संबंधित करना। एम.आर. राजेश्वरी, आई.सी.एम.आर, 2010–13, 28.80 लाख रुपए।
7. एसीनेटोबेक्टर बऊमनी के कार्बापेनेम – प्रतिरोधी स्ट्रेनों में बी. लैक्टामेज की प्रभावोत्पादकता की पहचान तथा लाक्षणीकरण। एम.आर. राजेश्वरी, आई.सी.एम.आर, 2010–13, 27.14 लाख रुपए।
8. ग्लियल ट्यूमरों तथा कोशिश रेखाओं की स्टेमनेस में हाइफेक्सिया एवं पी–54–एचआईवी1 एक्सिस। पी. चट्टोपाध्याय, डी.बी.टी, 2009–12, 51.50 लाख रुपए।
9. संक्रामक एवं गंभीर बीमारियों की थेरेपी लक्षित जीन संचरण एवं दीर्घकालिक विशेष मॉड्यूलेशन के लिए जीन अभिव्यक्ति। पी. चट्टोपाध्याय, डी.बी.टी., 2009–12, 189.82 लाख रुपए।
10. स्वाभाविक संक्रमण में एचआईवी–1 एन्वेलप की विशेषताएं : इम्यून फोकसिंग वैक्सीन डेवलपमेंट, कल्पना लूथरा, आई.सी.एम.आर., 2010–12, 32 लाख रुपए।
11. एचआईवी1 (क्लेड सी) के ग्लाइकोप्रोटीन आवरण के विरुद्ध साइट – सिलेक्टेड मानव मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज़ का उत्पादन तथा विशिष्टताएं। कल्पना लूथरा, डी.बी.टी, 2010–12, 55 लाख रुपए।
12. पार्थेनियम अभिप्रेरित संपर्क त्वचा रोग के रोगियों की टी कोशिकाओं में टेलीमेरस क्रियाकलापों तथा टेलोमीर लेंथ एवं रोग की गंभीरता के साथ इसका सह संबंध। अल्पना शर्मा, डी.बी.टी, 2008–12, 38 लाख रुपए।
13. मल्टीपल मायलोमा में एंजियोजेनिक कारकों तथा साइक्लोक्सिजिनेस की भूमिका। अल्पना शर्मा, आई.सी.एम.आर, 2009–12, 30 लाख रुपए।
14. मानवीय ग्लायल ट्यूमेरीजेनेसिस में ड्रोसोफिला ट्यूमर सप्रेसर जीन होमोलॉग, एफ.ए.टी की भूमिका का इन–विट्रो अध्ययन। कुंजेंग चॉसडॉल, डीआरडीओ, 2008–12, 46.41 लाख रुपए।
15. ग्लियोब्लास्टोमा कोशिका रेखा के तहत हाईपॉक्सिया के लघु एवं दीर्घकालिक विस्तार में की सेल्यूलर रेगुलेटरी एवं एडेप्टिव पाथवे सहित जीन एक्सप्रेशन की तुलना। कुंज़ेंग चॉसडॉल, आई.सी.एम.आर, 2009–12, 30.50 लाख रुपए।

जारी

1. मानव स्वास्थ्य पर गैर आयनिक इलैक्ट्रोमैग्नेटिक क्षेत्र (ईएमएफ) का प्रभाव, नीता सिंह, आई.सी.एम.आर, 2010–15, 91.73 लाख रुपए।
2. एच.पी.वी 18 चिमेरिक टीका प्रत्याक्षी का विकास। नीता सिंह, डी.बी.टी 2011–13, 23.85 लाख रुपए।
3. वक्ष कैंसर के रोगियों में आक्रामक रोग की भविष्यवाणी के लिए कैंसर पूर्वानुमान परीक्षण का विकास नीता सिंह, इंडो – कनाडा, 2013–15, 40 लाख रुपए।
4. चिकनगुनिया के लिए नेनो पार्टिकल आधारित वैक्सीन। डी.एन राव, डी.एस.टी, 2013–16, 50 लाख रुपए।
5. सामान्य पुरुष तथा महिला स्वयंसेवकों के हीमेटोलॉजिकल एवं बायोकैमिकल पैरामीटर्स पर नॉन–आयोनाइजिंग इलैक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड (ईएमएफ) का प्रभाव। डी.एन. राव, आई.सी.एम.आर, 2012–15 लाख रुपए।
6. मानव स्वास्थ्य पर गैर आयनिक इलैक्ट्रो मैग्नेटिक फील्ड्स (ई.एम.एफ) का प्रभाव। डी.एन. राव, आई.सी.एम.आर, 2010–15, 26. 92 लाख रुपए।
7. कुष्ठ रोग अनुक्रम के दौरान कोमाटीन रीमॉडलिंग द्वारा फॉक्स पी.3 मेडिकेटिड इम्यून सप्रेशन मैकेनिज़्म का आकलन। डी.एन राव, आई.सी.एम.आर, 2011–13, 20 लाख रुपए।
8. चिकनगुनिया वायरस संक्रमण के लिए आई.जी.एम आधारित निदान का विकास 1 डी.एन. राव, सी.एस.आई.आर, 2010–12, 16 लाख रुपए।
9. चिकनगुनिया वायरस संक्रमण हेतु ई–1, ई–2 तथा ई–3 प्रोटीन का क्लोन तथा प्रस्तुतीकरण करना तथा सबयूनिट टीका विकसित।
10. लीवरपूल विश्वविद्यालय तथा अ.भा.आ.सं. के बीच एक नयी अनुसंधान सहभागिता, भारत निभृति दास, ब्रिटिश कौंसिल (अंतरराष्ट्रीय सहयोगी यू.के.आई.ई.आर.आई परियोजना), 2012–14, 20.34 लाख रुपए।
11. नैदानिक ऐसे में ट्रांसलेटिंग शीर्ष एवं ग्रीवा कैंसर मार्कर एस.एस. चौहान, डी.बी.टी (इंडो – कनाडा) 2010–13, 78.51 लाख रुपए।
12. जीन नियमन की एंटीजीन नीति : सेल लाइंस में एचएमजीएआई एक्सप्रेशन पर जीएनए ट्रिप्लेक्स एवं उनकी कैंसररोधी गतिविधि की संरचना एवं स्थायित्व। एम.आर. राजेश्वरी, डी.एस.टी, 2010–13, 53 लाख रुपए।
13. फेडरिक एटेक्सिया (एफ.ए) के मूल्यांकन में प्लाज़्मा सर्कुलेटिंग माइथोकांड्रियल डीएनए। एम.आर. राजेश्वरी, आई.सी.एम.आर, 2010–13, 46.27 लाख रुपए।
14. सइआरएनए मेडिकेटिड जीन स्लाइसिंग द्वारा प्रोमोटर मेडिकेटिड ट्यूमर सेल टारगेटिंग। पी. चट्टोपाध्याय, डीबीटी, 2011–13, 33.54 लाख रुपए।
15. बच्चों में एचआईवी–1 संक्रमण के विकृतिजन्य में क्रियात्मक विशेषताएं। कल्पना लूथरा, डी.बी.टी 2012 – 15, 37 लाख रुपए।
16. एचआईवी – 1 संक्रमण के द्रुमाकृतिक (डेनड्रिटिक्स) कोशिकाओं की क्रियात्मक विशेषताएं, कल्पना लूथरा, डी.एस.टी, 2012–15, 37 लाख रुपए।
17. एचआईवी वैक्सीन डिज़ाइन के लिए भारतीय तथा दक्षिण अफ्रीकीय एचआईवी – 1 सबटाइप सी वायरस पर न्यूट्रिलाइज़िंग एंटीबॉडी एपीटोप्स की पहचान। कल्पना लूथरा, डी.एस.टी, 2011–14, 68 लाख रुपए।
18. एचआईवी संक्रमित भारतीय बच्चों में जननिक असमानता तथा न्यूट्रिलाइजिंग प्रतिपिंड प्रतिक्रिया की विशेषता। कल्पना लूथरा, आई.सी.एम.आर, 2011 – 14, 29 लाख रुपए।
19. एचआईवी – 1 क्लेड सी एन्वेल्प से चिरकालिक संक्रमित भारतीय बाल रोगियों का मूल्यांकन, कल्पना लूथरा, अ.भा.आ.सं, 2012–13, 91.89 लाख रुपए।
20. भारतीय एचआईवी – 1 संक्रमित रोगियों में सूडोवायरस की उत्पत्ति तथा विशेषताएं, कल्पना लूथरा, अ.भा.आ.सं., 2012–13, 6 लाख रुपए।
21. ऑटोइम्यून त्वचा विकार की विकृतिजन्यता में $\gamma\delta$ टी सेल तथा उसके अपमार्जक ग्राही (एससीएआरटी) का अध्ययन : पेम्फीगस वल्गेरिस, अल्पना शर्मा, डीबीटी, 2011–14, 47.51 लाख रुपए।
22. पार्थेनियम अनुमानित संकर्पीय त्वचारोग सहित टीएच–1 तथा टीएच–2 टाइप साइटोकाइन जीन पॉलीमॉर्फिज़्म तथा उनके संबंध का अध्ययन 1 अल्पना शर्मा, आई.सी.एम.आर, 2010–13, 25.33 लाख रुपए।
23. पेम्फिगस वल्गेरिस की विकृतिजन्यता में टीएच – 17 तथा ट्रेग लिम्फोसाइट्स की भूमिका। अल्पना शर्मा, सी.एस.आई.आर, 2012–15, 28 लाख रुपए।
24. ट्रांसिशनल सेल कार्सिनोमा में एचएएस का मोलीक्युलर तथा प्रोटिओमिक प्रोफाइलिंग। अल्पना शर्मा, आई.सी.एम.आर, 2012–15, 29.59 लाख रुपए।

25. मल्टीपल मायलोमा में फिब्युलिन – 1 एवं निडोजिन (एक्सट्रासेल्युलर मेट्रिक्स प्रोटीन्स) के सर्कुलेटरी लेवल्स का अध्ययन। अल्पना शर्मा, अ.भा.आ.सं., 2011–13, 3.3 लाख रुपए।
26. एफएटीआई एवं साइक्लोऑक्सीजीन्स 2 (सीओएक्स 2) की अंतः प्रक्रिया संबंधी अध्ययन द्वारा कैंसर तथा प्रदाह का विश्लेषण एवं कोशिका विकास गुण तथा इनफ्लेमेटरी मॉड्युलेटर्स का उद्भवन। कुंजेंग चॉसडॉल, डीएसटी, 2011–14, 20.24 लाख रुपए।
27. ग्लाइब्लास्टोमा में हाइपोक्सिया एवं नॉच सिग्नलिंग : प्रतिकूल फीनोटाइप हेतु उपलक्षण। कुंजेंग चॉसडॉल, डीबीटी, 2011–14, 47.81 लाख रुपए।
28. मैलीग्नेंट कोशिकाओं की उत्पत्ति में सम्मिलित क्रिटिकल ट्रांसक्रिप्शनल मॉड्यूल्स पर समाकलनात्मक अन्वेषण। सुदीप सेन, डीबीटी 2012–15, 27 लाख रुपए।
29. कोलेरेक्टल कैंसर स्टेम कोशिकाओं की पृथकता एवं मॉलीक्यूलर विशेषताएं। सुदीप सेन, आ.भा.आ.सं., 2012–14, 5 लाख रुपए।
30. दक्षिण दिल्ली में आम तौर पर उपयुक्त भारतीय खाद्य तेल तथा तले हुए स्नैक्स में निहित ट्रांस फैटी एसिड पर ऊष्मा का प्रभाव। अर्चना सिंह, डीएसटी, 2011–14, 17.8 लाख रुपए।

विभागीय परियोजना

पूर्ण

1. हेपेटाइटिस बी वायरस के विरुद्ध रीकांबीनेंट इम्यून एंटीबॉडी न्यूट्रिलाइजिंग संभावनाओं का विकास।
2. ग्लायोब्लास्टोमा मल्टीफॉम में नॉच सिग्नलिंग मॉलीक्यूल्स एपीथिलियल एपीथिलियल मेसेनकेमल ट्रांसिशन (ईएमटी) मार्कर्स एवं एचआईएफआई अल्फा के उद्भवन का सह संबंध एवं अध्ययन।
3. मानव ग्लायल ट्यूमर्स में एफएटी (ट्यूमर सप्रेसर) पाथवे की विशेषता।
4. नॉच एवं संबंधित पाथवे : ग्लायल ट्यूमरजन्यता एवं हाइपोक्सिया में उनकी सहभागिता।
5. हाइपोक्सिया द्वारा हल्दी प्रतिक्रियात्मक पाथवे का मॉड्यूलेशन ग्लायल कोशिकाओं पर एक अध्ययन।
6. सर्वाइकल कैंसर कोशिकाओं में मोरिंडा सिट्रिफोलिया की क्रिया का इन्साइट् इंटू मॉलीक्यूलर मैकेनिज़्म।
7. सर्वाइकल कार्सिकोजन्यता के विकास में वन कार्बन मेटाबॉलिज़्म की गहन जानकारी संबंधी भूमिका।
8. एपीथिलियल गर्भाशय कैंसर में माइथोकांड्रिया की भूमिका – इन विवो एवं इन विट्रो अध्ययन।

जारी

1. एचपीवी 18 प्रत्याक्षी वैक्सीन प्रोटोटाइप का विकास।
2. सर्वाइकल कैंसर प्रगति से संबंधित एचपीवी में डीएनए रिपेयर जीनन तथा माइथोकांड्रियल डीएनए में जेनेटिक परिवर्तन का मूल्यांक्न।
3. मानव स्वास्थ्य पर गैर आयनिक इलैक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड्स (ईएमएफ) का प्रभाव।
4. एपिथिलियल गर्भाशय के कैंसर पर मेटफॉर्मिन के प्रभाव का मूल्यांकन।
5. रुमेटाइड आर्थराइटि्स से संबंधित रक्त कोशिकाओं में कांप्लीमेंट रिसेप्टर 1 एवं 2 (सीआर 1 तथ सीआर 2) के स्तर।
6. रुमेटाइड आर्थराइटि्स से संबंधित ल्यूकोसाइट कांप्लीमेंट रिसेप्टर 1 तथा सीडी59 (प्रोटेक्टिन) का उद्भवन एवं मॉड्यूलेशन।
7. रुमेटाइड अर्थराइटि्स के पेथोफिज़ियोलॉजी एवं नैदानिक डिज़ीज़ एक्टिविटी से संबंधित कांप्लीमेंट रेगुलेटरी प्रोटींस डीएएफ (सीडी55) तथा एमसीपी (सीडी46) का उद्भवन एवं मॉड्यूलेशन।
8. सिस्टेमिक ल्यूपस इराईथिमेटोसस की पेथोफिज़ियोलॉजी में कैलशियम स्पिनलिंग की भूमिका की व्याख्या तथा कांप्लीमेंटरी रेगुलेटरी प्रोटींस एमसीपी एवं सीडी 59 के एक्सप्रेशन के साथ उसका सह संबंध।
9. एचएमजीए1 जीन के विभिन्न क्षेत्र सहित ट्रिप्लेक्स फॉर्मिंग ऑलिगोन्यूक्लियोटाइड की बाइंडिंग की थर्मोडायनेमिक स्थिरता तथा एमएमजीए1 एक्सप्रेशन पर उनका प्रभाव।
10. फेडरिक एटेक्सिया (एफआरडीए) तथा उनकी पुनरावृत्ति से संबंधित स्पिनोसेरिबेलर एटेक्सिया (एससीए) में निहित (जीएए) अथवा (सीएजी) ट्राइन्यूक्लियोटाइड रिपीट्स तथा प्रोटिओमिक विश्लेषण संबंधी संरचनात्मक अध्ययन।
11. डीएनए ट्रिपल हेलीसिस, टारगेटिड टू एचएमजीबी1 की इन विट्रो स्टेबिलिटी एवं थर्मोडायनेमिक्स तथा कैंसर में एचएमजीबी 1 पर उनका प्रभाव।
12. बी–लैक्टम रेसिस्टेंट एसिनेटोबेक्टर बोम्मन्नी की उत्तरजीविता पर आयरन उपलब्धता का प्रभाव : एक प्रोटिओमिक एप्रोच।
13. एचआईवी – 1 क्लेड सी के एंवेल्प ग्लाइकोप्रोटीन के मानव प्रतिपिंडों के विरुद्ध उत्पादन तथा विशेषताएं।

14. इंसुलिन रेसिस्टेंस में आईआरएस–1, टीएनएफ–ए तथा पीपीएआर वाई का जेनेटिक पॉलीमॉर्फीज़्म तथा मेटाबॉलिक प्रोफाइल से उनका सहसंबंध।
15. सिंगल चेन वेरिएबल रीजन (एससीएफवी) एंटीबॉडी फेग्मेंट के विरुद्ध इन्वेलप जीपी 120 ऑफ एचआईवी–1, क्लेड सी की उत्पत्ति एवं विशेषताएं।
16. भारतीय एचआईवी 1 सबटाइप सी प्राइमरी आइसोलेट्स प्यूरिफिकेशन की मॉलीक्यूलर एवं इम्यूनोलॉजिकल विशेषताएं एवं एचआईवी – 1, एंटी वी 3 मानव एससीएफवी फेज लाइब्रेरी क्लोन की विशेषताएं।
17. पार्थेनियम अनुमानित कांटेक्ट त्वचाशोध में टीएच 1 एवं टीएच 2 साइटोकाइन जीन पॉलीमॉर्फिज़्म।
18. यूरोथिलियल कार्सिनोमा में हाईएल्यूरोनिक एसिड सिग्नलिंग कासकेड का अध्ययन।
19. साइटोफाइन्स, ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर्स, केमोकाइन ग्राहियों तथा पेम्फीगस वल्गेरिस में उनके लिजेंड्स टीएच 17तथा ट्रेग सेल्स का अध्ययन।
20. ब्लेडर के परिवर्ती कोशिका कार्सिनोमा के रोगियों में टीएच 17 कोशिकाओं के साइटोकाइन एवं परिवर्ती कारकों का उद्भवन।
21. मल्टीपल मायलोमा के भारतीय रोगियों में वर्सिकेन का प्रकटीकरण तथा उससे संबंधित मॉलीक्युल्स।
22. मूत्रवस्ति के परिवर्ती कार्सिनोमा में लघु–ल्यूसिन रिच प्रोटीयोग्लाइकेन का अध्ययन।
23. मल्टीपल मायलोमा में टीलोमिरेस एक्टिविटी एवं शेल्ट्रिन कॉम्प्लेक्स तथा उसके संबंधित कारकों का अध्ययन।
24. हेपेटाइटिस बी वायरस हेतु रिकांबीनेंट इम्यून एंटीबॉडी लाइब्रेरीज़ की उत्पत्ति तथा विशेषताएं।
25. ग्लायोमा में प्रदाह संबंधी पाथवे एवं एफएटी 1.
26. एफएटी 1 एवं वाईएपी 1 : ग्लायोमा कोशिका उत्तरजीविता एवं प्रोलाइफिरेशन में क्रियात्मक इंटरएक्शन।
27. ग्लायोमा में एफएटी 1 जीन एक्सप्रेशन का नियमन।
28. हाईपोक्सिया की विभिन्न डिग्रियों के तहत जीबीएम कोशिका में जीन एक्सप्रेशन का अध्ययन तथा गंभीर हाईपोक्सिक स्थिति के तहत पी53 में एचआईएफ1 की भूमिका।
29. कोलोरेक्टल स्टेम कोशिकाओं में जीन एक्सप्रेशन का विश्लेषण।
30. माइकोफिनोलेट मोफटिल (एमएमएफ) तथा बिवेकीज़ुमेब (बीवीसीजेड) इन विट्रो के प्रयोग द्वारा मानव ओरल म्यूकोसल एपीथिलीयल कोशिकाओं (ओएमईसी) में म्यूकिन्स एवं एंजियोजेनेसिस मार्कर्स का विश्लेषण।

सहयोगी परियोजना

पूर्ण

1. एमए 10 कोशिकाओं पर हाइपोक्सिया अनुमानित कोबाल्ट क्लोराइड की भूमिका (प्रजनन जीवविज्ञान)
2. आऊटर मेम्ब्रेन प्रोटीन्स बीटा लेक्टामेज़ ऑफ एसिनिटोबैक्टर बाकुमन्नी की पृथकता एवं विश्लेषण (सूक्ष्म जैवविज्ञान)।
3. कैनिन डिस्ट्रेक्शन एवं कैनिन रिफ्रेक्शन के दौरान जीसीएफ में इंटरल्यूकिन 1 बी के स्तरों का तुलनात्मक मूल्यांकन (दंत शल्यक्रिया)।
4. बाइट फोर्स एवं मेस्टिकेशन (चबाने की) क्षमता पर शॉर्टएनेड डेंटल आर्चस् के प्रभाव का मूल्यांकन :– एक मार्गदर्शी परियोजना (दंत शल्यक्रिया)।

जारी

1. लेवल 1 के हेमरेजिक शॉक रोगियों के उपचार हेतु थेराप्यूटिक एजेंट के तौर पर आईवी एस्ट्रोजन की सुरक्षा तथा प्रभावोत्पादकता का अध्ययन (ट्रॉमा केंद्र)
2. ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस मीडिएटिड दुष्क्रिया एवं आइडियोपेथिक पुनरावर्ती गर्भपात संबंधी को एंजाइम भूमिका अध्ययन (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)
3. फेडरिक एटेक्सिया एवं स्पिनोसेरिबेलर एटेक्सिया 2,3,12 न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर के माइबोकांड्रियल सीएनए, सीएनए एवं अन्य जैव रासायनिक पैरामीटर्स (तंत्रिका विज्ञान)।
4. गंभीर इस्चेमिक आघात हेतु रक्त बायोमार्कर के नैदानिक पैनल का विकास (तंत्रिका विज्ञान)
5. क्रिप्टोस्पोर्डियम के होस्ट पैरासाइट इंटरएक्टिव प्रोटींस का प्रोटियोमिक विश्लेषण (सूक्ष्मजैव विज्ञान)
6. दक्षिण भारत से सेल्मोनिला एंटेरिका सीरोटाइप टाइफी स्ट्रेन्स की विशेषताएं (सूक्ष्मजैव विज्ञान)
7. कैनिन डिस्ट्रेक्शन एवं कैनिन रिफ्रेक्शन के दौरान जीसीएफ में 1 – बी इंटरल्यूकिन के स्तरों का तुलनात्मक मूल्यांकन (दंत शल्यक्रिया)।
8. प्लास्मोडियम विवेक्स ट्रिप्टोफेन रिच एंटीजन्स की संरचनात्मक विशेषता (जैव प्रौद्योगिकी)

9. पेरी – इम्पेनिटिस एराऊंड टेम्पोरेरी एन्कोरेज डिवाइस (टेड) में एचएमजीबी1 प्रोटीन (दंत शल्यक्रिया)।
10. टॉर्की टेनो वायरस के एन – 22 रीजन से संबंधित अध्ययन इम्यूनोलॉजिक एवं प्रोटियोमिक विश्लेषण में क्लोनिंग, एक्सप्रेशन एवं पेप्टाइड्स का प्रयोग (प्रयोगशाला चिकित्सा)
11. घुलनशील वस्कुलर एंडोथिलियल वृद्धि कारक रिसेप्टर 1 संबंधी एंडोप्लास्मिक रेटिकुलम स्ट्रैस इन प्रि – एक्लेम्सिया : एक इन – विट्रो अध्ययन (शरीर रचना विज्ञान)
12. गैर – अल्कोहलिक फैटी यकृत रोग से पीड़ित एशियाई भारतीयों में हेपेटिक वसा पर प्रोग्रेसिस रेसिस्टेंस अभ्यास प्रशिक्षण (पीआरटी) का प्रभाव।
13. ट्रॉफोब्लास्ट सेल्स में पीपीएआरएस एवं एंजियोजेनिक फैक्टर्स के उद्भवन पर हाइपोक्सिया का प्रभाव।
14. त्वचा ऑटोइम्यून डिसऑर्डर पेम्फीगस वल्गेरिस में टी हेल्पर साइटोकाइंस की भूमिका (त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान)।
15. विटिलिगो के मेलेनोसाइट प्रत्यारोपित रोगियों में कैचेकोलेमाइन्स का अध्ययन (त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान)।
16. विटिलिगो में टी–रेगुलेटरी कोशिकाओं का अध्ययन (त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान)।
17. नेत्रपलक के कार्सिनोमा में एपीथिलियल मेसेनेकेमल ट्रांसिशन (ईएमटी) : एक इम्युनोहिस्टरोकैमिकल एवं मॉलीक्यूलर अध्ययन (डॉ. रा. प्र. केंद्र)।
18. स्वास्थ्य (इम्यूनोलॉजिकल एवं रोग दशा (रुमेटाइड आर्थराइटिस) पर जलवायु, वायु प्रदूषण एवं सामाजिक आर्थिक कारक संबंधी अध्ययन (काय–चिकित्सा)
19. विटिलिगो रोगियों में जारी मिलेनोसाइट प्रत्यारोपण में कैचेकोलायारन्स तथा उनके मेटाबोलाइट्स का निर्धारण (त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान)।
20. सक्रिय नॉन – सेग्मेंटल विटिलिगो में फॉक्स पी 3 एक्सप्रेशन एवं फॉक्स पी 3 प्रोमीटर मिथाइलेशन स्तर की व्याख्या (त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 48 सार : 13 पुस्तकों में अध्याय : 2 पुस्तकें : 2

रोगी उपचार

ट्यूमर मार्कर परीक्षण : 955 नमूने

पीएसए : 28 नमूने सीए 19.9 : 393 नमूने सीईए : 534 नमूने

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

श्री जाहिद अख्तर, पी एच डी विद्यार्थी को कैंसर अनुसंधान हेतु 13–16 फरवरी 2013 के लिए इण्डियन एसोसिएशन के उत्कृष्ट पोस्टर हेतु पुरस्कृत किया गया।

डॉ. अमरप्रीत कौर एम डी विद्यार्थी को 13–16 फरवरी 2013 के लिए कैंसर अनुसंधान हेतु इण्डियन एसोसिएशन में उत्कृष्ट ओरल प्रेसेन्टेशन हेतु एसीबीआर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आचार्य नीता सिंह एम्स के सदृश छठे संस्थान हेतु संकाय सदस्यों के चयन हेतु गठित चयन समिति की; कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी); राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस, लखनऊ; इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एण्ड बाइलरी साइंसिस, नई दिल्ली; पंडित बी.डी शर्मा, यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसिस, रोहतक की सदस्य थी, वह नई दिल्ली में दिनांक 1 से 16 फरवरी 2013 को संक्रमण तथा कैंसर विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी इमर्जिंग ट्रेंड्स इन कैंसर रिसर्च रोड टू प्रिवेंशन एंड क्यूर विषय पर 32वें वार्षिक सम्मेलन की संचालक समिति की सदस्य; एम्स की डीन्स कमेटी, बी.बी. दीक्षित लाइब्रेरी कमेटी; हॉस्पिटल मैनेजमेंट कमेटी एण्ड एंटीरेगिंग कमेटी की सदस्य; शिक्षण कार्यक्रम समिति की अध्यक्ष, इण्डियन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च की चयनित उप अध्यक्ष; इण्डियन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च की सचिव (दिल्ली अध्यक्ष); इण्डियन जरनल ऑफ क्लीनिकल बायोकैमिस्ट्री के संपादकीय बोर्ड की सदस्य; इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट कैंसर (यूआईसीसी) के सदस्य; अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च (एएसीआर); इण्डियन सोसाइटी ऑफ सेल बायोलॉजिस्ट; भारतीय महिला वैज्ञानिक संघ; इण्डियन सोसाइटी ऑफ लंग कैंसर एण्ड इंडियन सोसाइटी फॉर फ्री रेडिकल रिसर्च इन इण्डिया; एशिया ओशनिया रिसर्च आर्गेनाइजेशन इन जेनाइटल इंफेक्शन एण्ड नियोप्लासिया (एओजीआईएन); एसोसिएशन फॉर क्लीनिकल बायोकैमिस्ट्स ऑफ इण्डिया (एसीबीआई); सदस्य नेशनल अकादमी ऑफ मेडिकल साइंसिस, भारत; सब्जेक्ट विशेषज्ञ। समिति सदस्य, लाइफ साईंस

कमेटी ऑफ वूमैन साइंटिस्ट स्कीम ऑफ डीएसटी, फॉर आर एण्ड डी प्रोग्राम फॉर नॉर्थ ईस्टर्न रीजन 2012 – मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी कमेटी ऑफ डीबीटी; विशेषज्ञ, स्टाफ असेसमेंट, राजीव गांधी सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी, त्रिवेंद्रम; एमसीआई इंस्पेक्टर, मॉडरेटर एण्ड ऑनसाइट असेसर (निर्धारक) फॉर डीएनबी ऑफ एनबीई, नई दिल्ली; सदस्य; टेक्नीकल/स्पेसिफिकेशन कमेटी फॉर प्रॉक्योरमेंट ऑफ इक्वमेंट फॉर सिक्स एमन लाइक इंस्टीट्यूट्स बाई एचएलएल एण्ड वेरियस अदर कमेटी एट एम्स; अध्यक्ष, सिम्पोज़ियम ऑन इमर्जिंग ट्रेंड्स एण्ड मॉलीक्यूलर टारगेट्स इन कैंसर डायग्नोस्टिक्स एण्ड थिराप्यूटिक्स, एम्स, 8 दिसंबर 2012 अंडर दिल्ली चेप्टर ऑफ इण्डियन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च (आईएसीआर); गंगाराम हॉस्पिटल की डीबीटी, डीएसटी, आईसीएमआर, सीएसआईआर कौंसिल फॉर साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, उ.प्र. की परियोजना समीक्षक; इंडो–फ्रैंच, इंडो–यूएस रिसर्च प्रपोज़ल, समीक्षक, फॉर जे. ऑफ इंटरफेरॉन एण्ड साइटोकाइन रिसर्च, इंस्ट. जे. ऑफ कैंसर, इण्डियन जरनल ऑफ क्लीनिकल बायोकैमिस्ट्री करंट साइंस। वे मुंबई विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय एवं केरला विश्वविद्यालय की पीएच.डी. थीसिस की बाह्य परीक्षक भी रहीं।

आचार्य डी.एन राव ने वर्ष 2012 में एम्स उत्कृष्टता का प्रथम पुरस्कार अर्जित किया; वह एफआईएमएसए के उपाध्यक्ष; भारतीय इम्यूनोलॉजी संघ के सचिव; सीएएफ तथा दिल्ली की विभिन्न संस्थाओं की एथिक्स कमेटी सदस्यों के प्रभारी अधिकारी, विभिन्न बाहरी निधि एजेंसियों के परियोजना समीक्षक सदस्य; विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों की चयन समिति के सदस्य; स्मॉल एनिमल्स, एम्स की मानव एवं स्टेम सेल तथा दिल्ली में अन्य संस्थाओं में एथिक्स कमेटी के सदस्य रहे।

आचार्य निभृति दास ने एसोसिएशन ऑफ क्लीनिकल बायोकेमिस्ट ऑफ इण्डिया में 11–14 दिसंबर 2012 को डॉ. जी. पी. तलवार व्याख्यान प्रदान किया। एसीबीआईसीओएन 2012 रांची; वह फरवरी 2013 में लखनऊ में केजीएमयू के इम्यूनोलॉजी पर क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा के प्रारंभिक सत्र के माननीय अतिथि रहे; इण्डियन इम्यूनोलॉजी सोसाइटी के कोषाध्यक्ष; अमेरिकन ह्दय संघ के व्यावसायिक सदस्य; आईएआरएस की कार्यकारी समिति के सदस्य; ईएसआईएस चयन समिति, दिल्ली के सदस्य; छठें नए एम्स सदृश संस्थान एवं स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक के सदस्य; एमसीआई निरीक्षण का संचालन; डीएसटी, आई.सी.एम.आर इत्यादि हेतु परियोजना समीक्षक; राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन जैसे एनएमजेआई, ल्यूपस, ह्यूमैन जैनेटिक्स इत्यादि के प्रकाशन हेतु समीक्षक, पीजी शिक्षा समिति, जामिया हमदर्द के सदस्य।

आचार्य एस.एस. चौहान सेंट्रल रिक्रूटमैंट कमेटी ऑफ रिसर्च स्टाफ के सदस्य; एपेक्स कंडमनेशन कमेटी; इंस्टीट्यूट डे सेलिब्रेशन कमेटी; बायोटेक्नोलॉजी टीचिंग एडवाइज़री कमेटी तथा बायोसेफ्टी कमेटी ऑफ इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एण्ड इंटिग्रेटिव बायोलॉजी, दिल्ली के सदस्य रहे।

आचार्य एम. आर. राजेश्वरी को रॉयल सोसाइटी ऑफ कैमिस्ट्री, 2012 का सदस्य चुना गया; उन्हें पी.बी. रामा राव मेमोरियल अवार्ड सोसाइटी ऑफ बायोलोजिकल कैमिस्ट्स, इण्डिया द्वारा बायोमेडिकल साइंस 2012 में उनके योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया; अनुसंधान उत्कृष्ट पुरस्कार – अनुसंधान कार्य के मानकीकृत प्रमाणपत्र (2011–12) से सम्मानित; सिग्नी, ऑस्ट्रेलिया 2012 में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उत्कृष्ट व्याख्यान पुरस्कार से सम्मानित किया गया; इंटरनेशनल जरनल ऑफ इंटिग्रेटिड ओमिक्स के सह संपादक; बाल जैव रसायन पर अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन के बोर्ड सदस्य के समीक्षक; एक्जिक्यूटिव कौंसिल ऑफ सोसाइटी ऑफ न्यूरोकैमिस्ट्री ऑफ इंडिया (2012–15) के सक्रिय सदस्य; डीएनए सोसाइटी ऑफ इण्डिया के कार्यकारी समिति सदस्य; एनएमईआईसीटी ऑफ एमएचआरडी की स्थायी समिति के विशेषज्ञ सदस्य; परियोजना समीक्षा समिति (तंत्रिका रसायन विज्ञान) आईसीएमआर यूजीसी की कई समितियों के सदस्य; आईसीएमआर के प्लॉस वन, जे. मॉल. बायो रिपोर्ट, जे. फिजिक्स, कैमिस्ट्री, मॉलीक्यूलर बायोसिस्ट्मस, एम कैम. सोसाइटी, डीएनए एण्ड सेल कोशिका इत्यादि के प्रस्तुत अनुसंधान लेखों के समीक्षक; पीएचडी एवं एमएससी थीसिस के परीक्षक।

डॉ. पी. चट्टोपाध्याय ने वर्ष 2012 में एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार का द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. कल्पना लूथरा को शो क्रॉस क्लेड बाइंडिंग एण्ड न्यूट्रिलाइजेशन इण्डियन क्लेड सी ह्यूमैन इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस टाइप – 1 (एचआईवी–1) से संक्रमित रोगियों के लिए उत्पादित एंटी – वी 3 ह्यूमैन मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज़ एवं एससीएफवीएस के लिए उत्कृष्ट विज्ञापन पुरस्कार प्रदान किया गया; अंदरबी आर, कालरा आर, बाला एम., नायर ए., खान एल. मकधूमी एम, आशुतोष तिवारी, बिस्वास ए., विग एन., कुमार पी., सुब्रत सिन्हा, लूथरा के. ने 9–11 नवंबर 2012 को केरल, कोट्ायम में आयोजित एचआईवी एवं एड्स के (डब्ल्यूसीएचए – 2012) पर आयोजित विश्व सम्मेलन में हिस्सा लिया।

डॉ. अल्पना शर्मा एनई क्षेत्र (डीबीटी) के लिए आर एवं डी ट्विनिंग कार्यक्रम की परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य; इण्डियन इम्यूनोलॉजी सोसाइटी के कार्यकारी सदस्य; डीबीटी, डीएसटी एवं आईसीएमआर की परियोजनाओं के समीक्षक, विभिन्न विश्वविद्यालयों के पीएचडी, एमडी तथा एमबीबीएस की परीक्षाओं के बाह्य परीक्षक; कैंसर अनुसंधान एवं इंट स्त्री रोग कैंसर सभा के अमेरिकन संघ की सदस्य रही।

डॉ. सुदीप सेन कैंसर रिसर्च यूरोपियन संघ के (ईएसीआर) के सदस्य; एम्स के संकाय सदस्यों के लिए संचालित उन्नत अनुसंधान तकनीकी पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यक्रम संचालक, अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च (एएसीआर) के लिए सदस्य, इण्डियन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च (आईसीएमआर), एसोसिएशन फॉर क्लीनिकल बायोकैमिस्ट ऑफ इण्डिया (एसीबीआई) के सदस्य रहे; उन्होंने अगस्त 2012 में आयोजित मेडिकल लेबोरेटरी क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम एण्ड इंटरनल ऑडिट (आईसीएमआर 15189) पूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया तथा एनएबीएल प्रयोगशाला प्रत्यायन हेतु सक्षम आंतरिक ऑडिटर के तौर पर कार्य हेतु मनोनीत किया गया; आईएसीआर के दिल्ली अध्याय के तहत 8 दिसंबर 2012 को इमर्जिंग ट्रेंड्स एण्ड मॉलीक्यूलर टारगेट्स इन कैंसर डायग्नोस्टिक एण्ड थिराप्यूटिक्स' विषय पर आधारित संगोष्ठी का संचालक सचिव नियुक्त किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. आचार्य डेविड हूम, निदेशक रोसलीन इंस्टीट्यूट, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, यू. के. ने 'मार्कोफेज़'' फंक्शनल जीनोमिक्स' विषय पर 2 अगस्त 2012 को व्याख्यान दिया।
2. डॉ. नीलू पुरी, सहायक आचार्य, बायोमेडिकल साइंसिस, इलिनोसिस विश्वविद्यालय, शिकागो, यूएसए ऑन 'रोल ऑफ सी – मेट एण्ड ई जी एफ आर सिनर्जिस्म एण्ड आइडेंटिफिकेशन ऑफ टारगेट यूजिंग रेसिस्टेंस टू देयर इन्हिबिटर्स, विषय पर 30 अक्तूबर 2012 को व्याख्यान दिया।
3. आचार्य माधव भटिया, ओटागो विश्वविद्यालय, क्राइस्ट चर्च, न्यूजीलैण्ड में 'हाइड्रोजन सल्फाइड एण्ड सब्सटेंस जी इन इनफ्लेमेशन : व्हॉट्स गोइंग ऑन विषय पर 13 दिसंबर 2012 को व्याख्यान दिया।
4. डॉ. विजयालक्ष्मी, विकिरण विज्ञान विभाग, टैक्सस हेल्थ साइंसिस सेंटर विश्वविद्यालय में 'रेडियोफ्रीक्वेंसी फील्ड्स (मोबाइल फोन्स), जेनेटिक डेमेज एवं कैंसर : इवेल्यूएशन ऑफ द इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर विषय पर 4 फरवरी 2013 को व्याख्यान दिया।
5. डॉ. रश्मि गोपाल श्रीवास्तव, निदेशक एक्स्ट्राम्यूलर रिसर्च प्रोग्राम, ऑफिस ऑफ रेयर डिज़ीज रिसर्च, एनआईएच एट नेशनल सेंटर फॉर एडवांसिंग ट्रांसलेशनल साइंसिस (एनसीएटीएस), एनआईएच, यूएसए में 'कोलोब्रेशंस एण्ड एक्टिविटिज़ रिलेटिड टू रेयर डिज़ीज रिसर्च, विषय संबंधी व्याख्यान 8 मार्च 2013 को प्रस्तुत किया।
6. आचार्य अभय पंडित निदेशक साइंस फाऊंडेशन आयरलैंड स्ट्रैटिजिक रिसर्च क्लस्टर (एनएफबी), नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ आयरलैंड, गैलवे में 'डेवलपमेंट टिशू कंस्ट्रक्ट विद इंडक्टिव सिग्नल' विषय पर आधारित व्याख्यान 28 मार्च 2013 को दिया।

9.4 जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी

आचार्य एवं अध्यक्ष
स्नेह आनन्द

आचार्य

आलोक आर. रे — हरपाल सिंह — वीणा कौल

सह–आचार्य
निवेदिता के.गोहिल

वरिष्ठ डिजाइन अभियंता
एस.एम.के. रहमान

वैज्ञानिक
जे.सी.भारद्वाज

सेवामुक्त सदस्य
डी. मोहन

शिक्षा

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
प्रदत्त व्याख्यानः 3

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं

1. इन्डीजिनस नॉन इनवेसिव ब्लड ग्लूकोज मॉनीटरिंग तकनीकों का मूल्यांकन। स्नेह आनन्द, आई.सी.एम.आर. , 2012–14, रू.71.39 लाख।
2. न्यूरोसर्जरी के लिए कम कीमत वाले प्रभारी एन्डोस्कोपिक औजारों का विकास (वैन्ट्रिकुलर, इन्ट्रा–क्रानियल तथा स्कूल–आधारित सर्जरी)। स्नेह आनन्द, डी एस टी, 2012–15, रू.86.03 लाख।
3. स्टेनफोर्ड इंडिया बायोडिजाइन कार्यक्रम, ए.आर.रे, डी बी टी, 2007–13, रू. 1.64 करोड़।
4. जैव मिश्रित स्केफोल्ड पर अस्थि ऊतक इंजीनियरी के लिए ओस्टियोब्लास्ट में से काइमल स्टेमसे का 3 डी–एक्सपेंशन और डिफरेशिएशन। ए.आर.रे, आई सी एम आर, 2010–13, रू.20.12 लाख।
5. इंटेलिजेंट नेनोपार्टिकल्स का प्रयोग करते हुए लक्षित ड्रग डिलिवरी द्वारा कॉम्बैट कैंसर पर एक बहु आयामी (मल्टी डिसिप्लीनरी) दृष्टिकोण। वीणा कौल, डी बी टी, 2010–13, रू.59 लाख।
6. खाद्य जनक रोगाणुओं के तीव्र संसूचन के लिए क्रियात्मक पोलीमेरिक सामग्री का विकास। हरपाल सिंह, डी एस टी, 2011–14, रू.26.20 लाख।
7. कैंसर के निदान तथा उपचार के लिए बहुक्रियात्मक बायोग्रेडबल नेनोपार्टिकल्स (एन.पी. एस) नैनो क्रिस्टल्स का विकास। हरपाल सिंह, डी एस टी, 2011–14, रू.48.14 लाख।
8. खरगोशों की फैलोपियन ट्यूब में इम्प्लांट के रूप में आर आई एस यू जी के दीर्घकालीन प्रभाव। जे.सी. भारद्वाज, आई सी एम आर, 2012–15, रू.39.21 लाख।
9. सामान्य पुरूष तथा महिला वॉलेन्टीयरों (आई सी एम आर सेलफोन टास्ट फोर्स अध्ययन का भाग) के हेमेटोलॉजिकल तथा बायोकेमिकल पैरामीटर्स पर गैर–आयानिक इलेक्ट्रोमेग्नेटिक फील्ड (ई.एम.एफ.) का प्रभाव। जे.सी. भारद्वाज, आई.सी.एम.आर, 2012–15, रू. 49.98 लाख।

सहयोगी परियोजना

आपात चिकित्सा तथा गहन चिकित्सा सेटिंग में स्वास्थ्य चिकित्सा कार्यकर्त्ताओं की संज्ञान की मानीटरिंग एवं चिकित्सा–विसंगति के साथ उसका संबंध। स्नेह आनन्द, डी एस टी, 2011–14, रू.29.42 लाख। (आई आई टी, दिल्ली)।

1. पूर्ण कृत्रिम दंतावली रोगियों में सॉफ्ट लाइनर द्वारा देशी भोजन में प्रयुक्त दबाव मापन के लिए भोजन में अवशोषित दबाव मापन सेंसर का विकास (देत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र)।

तकनीकी प्रत्यारोपण एवं पेटेंट

1. आनन्द एस., सिंह यू., रिबेरो आर, श्रीवास्तव एस, मिश्रा ए, जोशी डी, सिंह आर। कंट्रालेटरल लिम्ब कन्ट्रोल्ड प्रोस्थेटिक नी ज्वाइंट। (398/डीईएल/2012)
2. आनंद ए, श्रीवास्तव ए। ए सर्जिकल स्टेप्लर। एप्लीकेशन सं. 242111 (5 जनवरी 2012)।
3. आनंद एस, भार्गव बी, जुनेजा आर, सरीन एम, अभिनव। वायरलेस ई सी जी पैच एंड सिस्टम फॉर आब्टेनिंग हाई डेफिनेशन मोबाइल ई सी जी (228/डीईएल/2012)।
4. आनंद एस., कौल वी। आईनटोफोरोसिस ट्रांसडर्मल ड्रग डिलीवरी एंड डिवाइस हेतु इलेक्ट्रॉनिक्स असेम्बली (फाइल्ड फॉर यू एस पेटेंट) एप्लीकेशन सं.–13/907, 768 (30 मई, 2013).

मुख्य सुविधाएं/संस्थापित उपकरण

अल्ट्रासेंट्रिफ्यूज, मेमेलियन उत्तक प्रयोगशाला एवं जैल प्रसारित क्रोमेटोग्राफी।

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 5 सारः 1 पुस्तकें: 1

9.5 जैव भौतिकी

प्रतिष्ठित जैवप्रौद्योगिकी विज्ञान अनुसंधान आचार्य
टी. पी. सिंह

अपर आचार्य एवं अध्यक्ष
पुनीत कौर

अपर आचार्य
ए. श्रीनिवासन सविता यादव सुजाता शर्मा

सह आचार्य
कृष्ण दलाल

सहायक आचार्य
शर्मिष्ठा डे जी. हरीप्रसाद राव

वैज्ञानिक
एस. बास्कर सिंह आशा भूषण

विशिष्टताएं
विभाग के पास 12 जारी अनुसंधान परियोजनाएं एवं 4 पूर्ण अनुसंधान परियोजनाएं थीं, इसने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी एस टी), भारत सरकार से हायर एजूकेशनल इंस्टीट्यूशनल (एफ आई एस टी) अनुदान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सुधार के लिए निधि प्राप्त की। पिछले एक वर्ष में संकाय एवं वैज्ञानिकों ने विभिन्न समकक्ष समीक्षित पत्रिकाओं में 38 अनुसंधान प्रकाशन किए। विभाग द्वारा वर्तमान एम एस सी,पी एच डी एवं एम डी छात्रों को स्नातकोत्तर शिक्षा एवं अल्पावधि तथा दीर्घावधि प्रशिक्षण देना जारी रखा हुआ है। देश के सभी भागों से संकाय सदस्यों एवं वैज्ञानिकों को व्याख्यान देने एवं सेमिनारों में आमंत्रित किया गया था।

शिक्षा
स्नातकोत्तर
जैवभौतिकी विभाग के संकाय एवं वैज्ञानिक पी एच डी डिग्री, एम एस सी (जैवभौतिकी) एवं एम डी (जैवभौतिकी) हेतु छात्रों को शिक्षा एवं मार्गदर्शन दे रहे हैं। स्नातकोत्तर शिक्षा में सिद्धान्त कक्षाएं, हैंड्स–ऑन व्यवहारिक कक्षाएं तथा शोध प्रबंध परियोजनाएं सम्मिलित हैं।

अल्पावधिक एवं दीर्घावधिक प्रशिक्षण
यह विभाग विभिन्न संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों के एम एस सी एवं एम टेक छात्रों को दीर्घावधिक एवं अल्पावधिक प्रशिक्षण भी देता है।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
प्रदत्त व्याख्यान
टी.पी.सिंहः 13 पुनीत कौरः 6 सविता यादवः 4 जी हरीप्रसाद रावः 6

अनुसंधान
वित्त पोषित परियोजनाएं
जारी
1. प्रोटीन संरचना निर्धारण एवं औषध डिजाएन, टी.पी.सिंह, डी बी टी ,2009–14,रू. 55 लाख।

2. एल्जीमर्स पेप्टाइड की प्रोटीन परस्परक्रियाः रोग विकृतिजनन से संगत को चुनना, ए. श्रीनिवासन,आई सी एम आर, 2011–14, रू. 28 लाख।
3. ऐंटी–फंगल प्रोटीनों को अलग एवं शुद्ध करने के लिए सिटसलस लेनाटस प्रोटियोम की स्क्रीनिंग : पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में सहायता हेतु बायो फुंगीसाइड्स के निर्माण हेतु एक कदम , सविता यादव, पर्यावरण वन मंत्रालय, 2012–15, रू. 20लाख,
4. एच ई 4 : मानव पुनः उत्पादन में एक संभाव्य बहुमुखी भूमिका, डी एस टी, 2012–15,रू. 29 लाख।
5. मानव सीरम एल्बुमिन– सेमिनल प्लाज्मा में प्रोलेक्टिव इंडुसिबल प्रोटीन (एच एस ए–पी आई पी) जटिलताः प्रजनता / बांझपन में भूमिका। सविता यादव, आई सी एम आर, 2012–15, रू. 44 लाख।
6. क्रासब्रीड बैलों में बन्ध्यताः प्रजनता की शीघ्र सूचना के लिए र्स्पमाटोजेनिक कोशिका मारकर्स हेतु खोज, सविता यादव, आई सी ए आर, 2012–16, रू. 96 लाख।
7. लेक्टोफेरिन की सी–टर्मिनल हॉफ (सी–लॉब) की संरचना एवं प्रकार्य एवं एन एस ए आई डी–प्रवृत्त गेस्ट्रोपेथी को कम करने के लिए एजेंट के रूप में इसका अनुप्रयोग, सुजाता शर्मा, डी बी टी, 2011–14,रू.41 लाख।
8. ऐंटी– एलर्जेनिक दवाइयों की खोज में : आण्विक संरचना प्लांट एलर्जीन्स का अंतःसंबंध एवं ऐंटी–एलर्जेनिक लाइगेंडस का संरचना–आधारित डिजाइन, सुजाता शर्मा, आई सी एम आर, 2011–14, रू. 30 लाख।
9. सी ओ एक्स–2 / एल ओ एक्स के विरूद्ध स्तन कैंसर–रोधी कारक के रूप में नोवल पेप्टिक इंहिबीटर का डिजाइन एवं मूल्यांकन, शर्मिष्ठा डे, सी एस आई आर, 2010–13, रू. 15 लाख.
10. मुखीय कैंसर में बायोमार्कर के रूप में पी 38 ए मिटोजीन सक्रिय प्रोटीन काइनेज का विकास, शर्मिष्ठा डे, आई सी एम आर, 2010–13,रू. 20 लाख।
11. ऐंटीमाइक्रोबाइल, ऐंटी–इंफ्लेमेटरी एवं ऐंटी–कैंसर विशेषताओं वाले प्लांट स्रोत से औषधीय प्रोटीनों का निष्कर्षण,शुद्धिकरण एवं लक्षण –वर्णन, शर्मिष्ठा डे, आई सी एम आर, 2012–14, रू. 5 लाख।
12. प्रथम पंक्ति कीमोथेरेपी हेतु रिस्पोंडर्स एवं नॉन–रिस्पोंडर्स का प्रोटीन प्रोफाइल को समझने के लिए अण्डाशय कैंसर ऊतक का तुलनात्मक प्रोटियोमिक विश्लेषण। हरीप्रसाद जी, अ.भा.आ.सं, 2013–16, रू. 10 लाख।

पूर्ण

1. आर आई एस यू जी इंजेक्शन लगे बनाम एन एस वी से उपचारित मानव रोगियों में स्पर्म प्रोटीन्स, लाइपिडस एवं स्पर्म प्रकार्यात्मक पैरामीटरों की अभिव्यक्तिः तुलनात्मक अध्ययन, ए श्रीनिवासन, आई सी एम आर, 2009–2012, रू. 17 लाख।
2. सेमिनल प्लाज्मा से नए प्रोटीनों का पार्थक्य, शुद्धिकरण एवं संरचनात्मक तथा प्रकार्यात्मक लक्षण –वर्णन, सविता यादव, डी एस टी, 2008–11,रू. 22 लाख।
3. मानव सेमिनल प्लाज्मा में हेपारिन बाइंडिंग प्रोटीनों का शुद्धिकरण, जैवरसायन एवं प्रकार्यात्मक लक्षण –वर्णन, सविता यादव, डी बी टी, 2008–11,रू. 27 लाख।
4. उच्च अण्डाशय कैंसर के विभेदन हेतु ऐस्टिक तरल का प्रोटियोमिक्स, हरीप्रसाद जी, डी एस टी, 2009–12, रू. 15 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

1. लैक्टोफेरीन एवं इसके अंशों तथा लाइगेंड डिजाइन का संरचनात्मक अध्ययन।
2. एसिनोटोबैक्टर बोमन्नी से औषध लक्ष्यों का संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक अध्ययन।
3. लैक्टोपरऑक्सीडेज एवं पेप्पटिडोग्लाइकेन पहचान प्रोटीनों का संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक अध्ययन।
4. प्रदाहक विकारों के विरूद्ध संरचना आधारित औषध डिजाइन।
5. प्लांट एलरजीन्स का संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक अध्ययन।
6. मानव शरीर तरलों से जेड ए जी–पी आई पी कॉम्प्लेक्स, पी एस ए एवं अन्य हेपारिन बाइंडिंग प्रोटीनों का जैवरसायन एवं संरचनात्मक अध्ययन।
7. एल्जीमर संबंधित प्रोटीनों का संरचना–प्रकार्य संबंध।
8. मानव सेलीवरी प्रोटीनों एवं एम्नीयोटिक तरल का प्रोटियोमिक अध्ययन।
9. आण्विक मॉडलिंग एवं लाइगेंड डिजाइन।

सहयोगी परियोजनाएं

1. सेराटिया प्रोटिमाकुलेन्स से चिटीनेज का संरचना निर्धारण ,वनस्पति विज्ञान विभाग, जीवविज्ञान विद्यालय, हैदराबाद विश्वविद्यालय।
2. विभिन्न स्रोतों से पेप्टीडोग्लाइसिन रिकग्नाइजेशन प्रोटीन का ऐंटीमाइक्रोबाइल विशेषताओं का मूल्यांकन। सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग,दिल्ली विश्वविद्यालय।
3. थर्मोमाइसिस लेनुजीनोज से फंगल लाइपेज की जटिलताओं का संरचना निर्धारण। रसायन विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली।

प्रकाशन

पत्रिकाएः 34

रोगी उपचार

विभाग द्वारा निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की जाती हैः

1. प्रोटीन एन–टर्मिनल सीक्वेंसिंग।
2. रीसेप्टर– लाइगेंड बाइंडिंग अध्ययन–बायकोर।
3. पेप्टाइड संश्लेषण।
4. लघु अणुओं के लिए एक्स–रे इंटेंसिटी डाटा संग्रहण।
5. सूक्ष्मअणुओं के लिए एक्स–रे इंटेंसिटी डाटा संग्रहण।

केंद्रीय सुविधाएं

औषध डिजाइनिंग के लिए बायोइंफोर्मेटिक्स सेंटर (आई सी एम आर समर्थित)।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्त्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य टी.पी.सिंह इंडियन बायोफिजिकल सोसाइटी के अध्यक्ष चुने गए थे, 2013–15, उन्होंने जीवविज्ञान के लिए भ्रामरास वाई.टी. थाथेचारी पुरस्कार प्राप्त किया, मैसूर–2012; डी एस टी–अगार्कर अनुसंधान संस्थान, पूणे, 2012 में 52वां अगार्कर मेमोरियल व्याख्यान प्रदान किया।

डॉ. पुनीत कौर ने 2–6 फरवरी 2013 को यू एस ए में 57वें वार्षिक बैठक में बायोफिजिकल सोसाइटी में सत्र की सह–अध्यक्षता की।

डॉ.सविता यादव ने "रीप्रोडक्शन एवं डिवेलपमेंट में रीप्रोमिक्स– ऑमिक्स" में सत्र की अध्यक्षता की, रीप्रोडक्शन एण्ड फर्टिलिटी के अध्ययन के लिए इण्डियन सोसाइटी की 23वीं वार्षिक बैठक (आर ई पी आर ओ एम आई सी एस/आई एस एस आर एफ–2013), आर जी आई बी,त्रिवंद्रम, केरला, 7–9 फरवरी 2013.

डॉ.सुजाता शर्मा 'संरचनात्मक जीवविज्ञान 2013 में वर्तमान प्रवृत्तियां' नामक एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया, 20 फरवरी 2013; उन्हें अ.भा.आ.सं. परमश्रेष्ठ पुरस्कार–2012 प्रदान किया; सदस्य,राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी,इण्डियन बायोफिजिकल सोसाइटी,यूरोपिएन पेप्टिक सोसाइटी एवं इण्डियन पेप्टाइड सोसाइटी।

डॉ. हरीप्रसाद जी. राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के सदस्य बने।

अतिथि वैज्ञानिक

निम्नलिखित प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं परिषद सदस्य वैज्ञानिक सहयोग में वृद्धि करने के लिए विभाग में आए एवं व्याख्यान दिए।

आचार्य सी.एच. बेटजेल, जर्मनी
आचार्य फेजन अहमद,नई दिल्ली
डॉ.अजय के.सक्सेना, नई दिल्ली
आचार्य एन.के.गुप्ता,नई दिल्ली
आचार्य आर.एन.किनी,सिंगापुर
डॉ. पुष्कर शर्मा, नई दिल्ली
आचार्य एम.एन.गुप्ता, नई दिल्ली

9.6 जैव सांख्यिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष
आर. एम. पाण्डे

आचार्य
एस. एन. द्विवेदी

अपर आचार्य
वी. श्रीनिवास

सहायक आचार्य
मेहरुफ अहमद खान

वैज्ञानिक
गुरेश कुमार एम. कलाइवानी

विशिष्टताएं

विभाग में 100 से भी अधिक जारी अनुसंधान परियोजनाएं थी जिनकी प्रकृति सामान्यतः सहयोगी परियोजना थी; तथा संस्थान में विभिन्न केंद्रों / विभागों के साथ 26 पूर्ण सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं की। संकाय सदस्यों एवं वैज्ञानिकों ने संस्थान में विभिन्न प्रशासनिक एवं वैज्ञानिक कमेटियों पर कार्य किया; आई सी एम आर, डी बी टी, डी एस टी, आयुष की विभिन्न वैज्ञानिक समितियों के आमंत्रित सदस्य; अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय क्लिनिकल परीक्षणों के डाटा सेफ्टी बोर्ड (डी एस एम बी) पर कार्य किया; अनुसंधान प्रणाली विज्ञान एवं जैव सांख्यिकी पर विभिन्न कार्यशाला के दौरान संपूर्ण देश में 30 से भी अधिक आमंत्रित व्याख्यान दिए; तथा, देश में विभिन्न विश्वविद्यालय के लिए परीक्षक। पिछले एक वर्ष में संकाय एवं वैज्ञानिकों ने विभिन्न समकक्ष समीक्षित पत्रिकाओं में 98 अनुसंधान प्रकाशन किए। संकाय एवं वैज्ञानिक देश में अधिकांश प्रमुख आयुर्विज्ञान पत्रिकाओं तथा विभिन्न आयुर्विज्ञान विशिष्टताओं से असंख्य अंतरराष्ट्रीय आयुर्विज्ञान पत्रिकाओं हेतु समीक्षक बने रहे।

शिक्षा

विभाग स्नातकपूर्व, पैरामेडीकल एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों अर्थात् एम बी बी एस, मेडीकल टेक्नोलॉजी इन रेडियोलॉजी में बी एस सी (ऑनर्स) एम बायोटेक, बी एस सी, एम एस सी (नर्सिंग) तथा एम डी कॉम्युनिटी मेडीसिन हेतु बायोस्टेटिक्स एवं एशेंशिएल्स ऑफ रिसर्च मेथड्स' शिक्षण का कार्य कर रहा है। पिछले वर्षों में अ. भा. आ. सं. में रेजीडेंटों, पी एच डी छात्रों एवं अन्य अनुसंधान स्टाफ के लिए एसेंन्सिएल्स ऑफ बायोस्टेटिकल मेथड्स एण्ड रिसर्च मेथोडोलॉजी' पर 14 सायंकालीन कक्षाएं आयोजित की गई थीं। अनुरोध पर संकाय सदस्यों ने रेजीडेंटों, पी एच डी छात्रों के लिए व्याख्यान दिए एवं संस्थान में अनेक विभागों में विभागीय वैज्ञानिक प्रस्तुतीकरणों में भाग लिया, विभाग में पी एच डी छात्रों को मार्गदर्शन देने के अतिरिक्त संकाय सदस्यों एवं वैज्ञानिकों ने सह – गाइड, पी एच डी, डी एम, एम सी एच एवं एम डी / एम एस छात्रों की डॉक्टरल समिति के रूप में अन्य विभागों की शैक्षिक गतिविधियों में योगदान दिया आंकड़े प्रबंधन एवं सांख्यिकीय विश्लेषण की क्षमता का निर्माण करने के लिए नए संकाय सदस्यों एवं पी एच डी छात्रों के लिए 3–6 दिनों की अवधि का 'हैण्ड्स ऑन ट्रैनिंग इन यूजिंग एस टी ए टी ए' पर तीन कार्यशालाओं का आयोजन किया था।

सी एम ई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

आर. एम. पाण्डे : 7 एस. एन. द्विवेदी : 10 वी. श्रीनिवास : 7
गुरेश कुमार : 2 एम. कलाइवानी : 2

प्रस्तुत किए गए पेपर : 1

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. अ. भा. आ. सं. के संकाय का अनुसंधान परिणाम को निर्धारित करने के लिए अध्ययन। वी. श्रीनिवास अ. भा. आ. सं., 2012–13, 5 लाख रुपए।

पूर्ण

1. हेपाटाइटिस सी – भारतीय पहलू (11 केंद्रों का राष्ट्रीय समन्वय)। वी. श्रीनिवास 1 ब्रिस्टॉल मायर्स स्क्यूब फाउण्डेशन, 2010–13, 16 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. इम्पावर्ड एक्शन ग्रुप राज्यों में नवजात शिशु एवं पांच वर्ष से कम आयु वाले शिशुओं की मृत्यु संख्या का प्रवाह, विभेदक एवं निर्धारण।
2. सिर की चोट वाले आघात रोगियों में जीवन गुणवत्ता एवं मृत्युदर का निर्धारण करने के लिए उपयुक्त स्टेटिकल मॉडलों पर अध्ययन।
3. भारत में नियोनेटल एवं पोस्ट नियोनिटल मृत्युदर से संबंधित कारकों की पहचान करने के लिए बहु स्तरीय मॉडलिंग।

पूर्ण
1. जन्मजात हायपोथोयराडिज्म एवं जन्मजात एर्डेनल हायपरप्लेसिया हेतु नवजात स्क्रीनिंग :बहु केन्द्रीय अध्ययन।

सहयोगात्मक परियोजनाएं
पूर्ण
1. पूर्व ओरीकूलर विस्तारित टेम्पोरल छेदन के द्वारा टी एम जे शल्यचिकित्साओं को करवाने वाले रोगियों में मुखीय नर्वस रूग्णता का मूल्यांगन (मुखीय एवं मैक्सिलोफेसियल शल्यचिकित्सा, सीडीईआर)
2. हीमोप्टाइसिस वाले रोगियों का क्लिनिकल, जांच संबंधी एवं चिकित्सीय प्रोफाइल (कायचिकित्सा)
3. फीमर पर अग्रवर्ती क्रूसिएट लिगामेंट पदचिह्न का 3डी सी डी स्कैन मूल्यांकन एवं एकल बंडल, एनाटॉमिकल ए सी एल ग्राफ्ट का फीमोरल टनल की स्थिति (अस्थिरोगविज्ञान)।
4. मैंडीबुलर एंगल अस्थिभंग के उपचार में 1.5 एम एम 3डी प्लेट बनाम 2 एम एम एकल मिनी प्लेट का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र)।
5. मैंडीबुलर तृतीय मोलर निष्कर्षण के मध्य प्लेसिबो बनाम एमोक्सिलिन + क्लेबुलाइनिक एसिड में संक्रमण की घटना की तुलना : एक गैर – अधीनता यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (ओरल एवं मैक्सिलोफेशिएल सर्जरी, सी डी ई आर)।
6. गंभीर सेप्सिस एवं सेप्टिक शॉक में सेप्सिस पुनरुज्जीवन बंडल को लागू करने की परिणाम जटिलताएं (कायचिकित्सा)।
7. गोनोरिया के प्रयोगशाला निदान में बायोसेंसर प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन (सूक्ष्मजैवविज्ञान)
8. ऑटिस्टिक बच्चों में निंद्रा आसामान्यताओं की व्यापकता : क्रॉस सेक्शनल अध्ययन (बालचिकित्सा)।
9. यांत्रिक वेंटीलेशन पर रोगियों में परिणाम पर वेंटीलेटर सहायता प्राप्त न्यूमोनिया (वी ए पी) निवारण बंडल को लागू करने का प्रभाव (कायचिकित्सा)।
10. एशियाई भारतीयों में बाधक निंद्रा एप्निया वाले गैर एल्कोहॉलिक फैटी लिवर रोग का संबंध (कायचिकित्सा)।
11. जेनीटल हर्पस वाले भारतीय रोगियों में जीवन गुणवत्ता (क्यू ओ एल) का निर्धारण (रतिज एवं त्वचारोगविज्ञान)।

12. दुश्किरत्स्य मिरगी वाले बच्चों में अल्प ग्लाइकेमिया इंडेक्स आहार थेरेपी की प्रभावोत्पादकता – यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (बाल – चिकित्सा)।
13. दिल्ली में स्कूल जाने वाले बच्चों में मायोपिया का परिमाण एवं वृद्धि का निर्धारण (डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र)।
14. एशियाई भारतीयों में गैर ऐल्कोहॉलिक फैटी लिवर एवं कोरोनेरी धमनी रोग का अध्ययन (कायचिकित्सा)।
15. वृक्क प्रतिरोप में ग्राफ्ट निराकरण हेतु स्टोकेस्टिक मॉडल्स (स्वास्थ्य सूचना विज्ञान विभाग, एस जी पी जी आई एम एस, लखनऊ)।
16. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में पेरोक्सिसम प्रोलिफीरेटर सक्रिय ग्राही (पी पी ए आर एस) एवं एंजियोजेनिक कारकों की अभिव्यक्ति पर हायपोक्सिया का प्रभाव इन विट्रो अध्ययन (शरीर रचना विज्ञान)।
17. प्रिऐक्लेम्पिसया में इण्डोप्लास्मिक रेटीकुलम तनाव पर सोल्युबल वास्कुलर इण्डोथेलियल वृद्धि कारक ग्राही – 1 (एसवीईजीएफआर–1/एसएफएलटी1) की भूमिका इन विट्रो अध्ययन शरीर रचना विज्ञान)।
18. बाल्यावस्था नेफ्रोटिक संलक्षण में वृक्क पेथोजेनेसिस पर फ्लुराइड विषाक्तता की भूमिका : अल्ट्रा संरचनात्मक, जैवरसायन एवं प्रोटियोमिक अध्ययन (शरीर रचना विज्ञान)।
19. इन – विट्रो निषेचन के परिणाम पर एनास्थेसिस के प्रभाव का पूर्वव्यापी विश्लेषण (संवेदनाहरणविज्ञान)।
20. गर्भावस्था के दौरान कठिन इंटुबेशन के पूर्वसूचकों में परिवर्तनों का अध्ययन करना (संवेदनाहरणविज्ञान)।
21. ग्रीवा कार्सिनोजेनेसिस की वृद्धि में एक कार्बन मेटाबोलिज्म की भूमिका का निरीक्षण (जैव रसायन)।
22. सल्फाडोक्साइन एवं पायरीमिथेमाइन प्रतिरोध से संबंधित प्लास्मोडिएम फाल्सीपेरम डाइहाइड्रोफोलेट रेडुकेटेज़ एवं डाइहाइड्रोपरीरोएट सिंथेज परिवर्तनों पर अध्ययन (जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान)।
23. दिल्ली के शहरी झुग्गियों में सामान्य नेत्र स्थितियों के संबंध में जागरुकता एवं स्वास्थ्य संबंधित प्रथाओं पर अध्ययन (सामुदायिक नेत्र विज्ञान)।
24. बाल्यावस्था स्थूलता हेतु जोखिम कारक (अंतः स्रावी एवं चयापचय विज्ञान)।
25. वृद्ध भारतीयों में कैंसर : व्यापक प्रकार्यात्मक निर्धारण एवं नोवल प्रोटीन मार्कर हेतु एक साधन का विकास (जरा चिकित्सा)।
26. कैंसर पीड़ित वृद्ध रोगियों का प्रकार्यात्मक एवं सह – रुग्णताएं (जराचिकित्सा)
27. 3–5 वर्ष की आयु वाले बच्चों के मध्य आयरन की कमी को सुधारने में दैनिक आयरन फोलिक एसिड अनुपूरक की प्रभावोत्पादकता (मानव पोषण)।
28. भारत के विभिन्न क्षेत्रों में 6 माह से 60 माह की आयु वाले बच्चों के मध्य जिंक की कमी का निर्धारण (मानव पोषण एकक, अ. भा. आ. सं.)।
29. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र में आयोडीन की कमी के विकारों के स्तर का निर्धारण (मानव पोषण एकक, अ. भा. आ. सं.)।
30. गंभीर डेंगू ज्वर में बायोमार्कर्स (कायचिकित्सा)।
31. बायो–मार्कर्स पार्किन्सन्स रोग के रूप में सर्टयून्स का मूल्यांकन (कायचिकित्सा)।
32. इंवेसिव एवं कॉमेंसल स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया के पार्थक्यों का आण्विक लक्षण – वर्णन (सूक्ष्मजैवविज्ञान)।
33. एचआईवी/एड्स वाले रोगियों में आन्त्र पैरासाइटिक सह – संक्रमण एवं सीडी4 गणना, वाइरल भार तथा ऐंटिरेट्रोवायरल औषध प्रतिरोध पर इसका प्रभाव (सूक्ष्मजैव विज्ञान)।
34. दिल्ली एवं आस – पास के क्षेत्र में रेडियोलेबल्ड ऐंटी सी डी 20 ऐंटीबॉडीस 131 आयोडीन रेटुजीमेब / 90 की चिकित्सीय प्रतिक्रिया का निर्धारण (सूक्ष्मजैव विज्ञान)।
35. दिल्ली एवं आस–पास के क्षेत्र में तीव्र बैक्टीरिएल मेनिनजाइटाइड्स के केसों से पृथक नीसेरिया मेनिनजाइटाइड्स का आण्विक लक्षण – वर्णन (सूक्ष्मजैव विज्ञान)।
36. बाल्यावस्था दुःसाध्य मिरगी में आरंभिक बनाम बिलम्ब शल्यचिकित्सा का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आर सी टी) (तंत्रिका विज्ञान)।
37. फंक्शनल मैग्नेटिक रेसोनेंस इमेजिंग (एफ एम आर आई) का प्रयोग करके चिरकारी दुःसाध्य मिरगी में संज्ञान एवं जीवन गुण का अध्ययन (तंत्रिका विज्ञान)।
38. स्पाइनल कोर्ड विक्षतियों वाले रोगियों में निद्रा की नियतकालिक अंग गतिविधियों की व्यापकता एवं पैटर्न का अध्ययन (तंत्रिकाशल्यचिकित्सा)।
39. संज्ञानात्मक व्यवहार एवं प्रकार्यात्मक चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग (एफ एम आर आई) द्वारा द्विभाषिक विकासात्मक डिस्लेक्सीस, अध्ययन पूर्व एवं पश्च थेरेपी का तंत्रिका मनोविज्ञानात्मक एवं तंत्रिका जैव विज्ञानात्मक आधार (एन एम आर)।
40. स्तन कैंसर के अध्ययन हेतु चुम्बकीय अनुनाद (एम आर) बहु–पैरामेट्रिक पहुंच एवं जैवविज्ञानात्मक मार्करों के साथ इसका सह – संबंध (एन एम आर)।

41. चुम्बकीय अनुनाद द्वारा बहुविध स्केलेरोसिस का प्रयोगात्मक मॉडल में डीमाइलीनेटिंग विक्षति का पैथोफिजियोलॉजी का सीक्वेंटिएल अध्ययन (एन एम आर)।
42. चुम्बकीय अनुवाद तकनीक द्वारा मानव स्तन कैंसर का अध्ययन (एन एम आर)।
43. स्तन कैंसर में गैर – इंवेसिव पहचान, उपचार प्रतिक्रिया एवं ट्यूमर मेटाबोलिज्म में चुम्बकीय रीसोनेंस स्पेक्ट्रोस्कॉपी इमेजिंग (एमआरएसआई) एवं डिफ्यूज़न वेटिड एन एम आई (एन एम आर)।
44. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में विभिन्न चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग एवं स्पेक्ट्रोस्कॉपिक पद्धतियों की भूमिका (एन एम आर)।
45. माइक्रोन्यूक्ली विश्लेषण का प्रयोग करके हाइपरथाइरॉइड रोगियों में अल्प डोज़ 1311 थेरेपी की साइटोजेनेटिक विषाक्तता पर अध्ययन (नाभिकीय चिकित्सा)।
46. 177 एल यू डी ओ टी ए – टी ए टी ई सहित न्यूरोइंडोक्राइन ट्यूमरों की रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी में डोसीमेट्रिक अध्ययन (नाभिकीय चिकित्सा)।
47. इंडक्शन के अंत में फ्लो साइटोमीटरी द्वारा बी – कोशिका लाइनेज़ तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया में अल्पतम अवशिष्ट रोग (एम आर डी) की पहचान (बालचिकित्सा)।
48. बाल न्यूप्लाज्म, न्यूरोब्लास्टोमा में एस सी एफ / सी – किट जीन का जीनोमिक एवं प्रोटियोमिक विश्लेषण (बाल शल्यचिकित्सा)।
49. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में काय चिकित्सा एवं वृक्क विज्ञान वार्डों में अवलोकित ए डी आर के पैटर्न का विश्लेषण एवं गहन प्रतिकूल औषध प्रतिक्रिया (ए डी आर) निगरानी (भेषजविज्ञान)।
50. स्पेस्टिसिटी में एल्प्रजोलम के प्रभाव पर प्रायोगिक अध्ययन (पी एम आर)।
51. स्थूल रोगियों में सी प्रतिक्रियाशील प्रोटीन स्तर पर व्यायाम का प्रभाव (पी एम आर)।
52. परिधीय धमनी रोग में बायोमार्कर्स (शल्य चिकित्सा विभाग)।
53. निचले अंगों के परिधीय धमनी रोग के रोगियों में जीवित व्यायाम प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन एवं उनके जीवन गुणवत्ता का मूल्यांकन करना (शल्य चिकित्सा विभाग)।
54. उच्च स्तर जेंटामायसिन प्रतिरोध इंटरोकोकस फेसिएम एवं इंटररोकोकस फेकेलिस तथा वेंकोमायसिन के क्लिनिकल पार्थक्यों का आण्विक टाइपिंग एवं अनुमानित विषाक्तता कारकों का विश्लेषण (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
55. बन्ध्यता एवं यूरोजेनिटल संक्रमणों वाले रोगियों में क्लैमाइडिया ट्रैकोमेटिस की व्यापकता तथा पी सी आर – प्रतिबंध फ्रैग्मेंट लैंथ पोलीमोर्फिज्म एवं ओ एम पी ए सीक्वैसिंग द्वारा जीनोटाइपिंग (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
56. आणिवक पद्धतियों द्वारा लेजियोनिला न्यूमोफिला संक्रमण का निदान तथा आण्विक मार्करों का प्रयोग करके लेजियोनिला न्यूमोफिला के क्लिनिकल एवं पर्यावरण संबंधी पार्थक्यों का विश्लेषण (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
57. क्लीबसिला न्यूमोनिया के आण्विक टाइपिंग से विशेष संदर्भ सहित नवजात सेप्सिस का शीघ्र निदान (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
58. विस्तारित स्पेक्ट्रम सिफेलोस्प्रोरिन्स हेतु घटती ग्रहणशीलता सहित निजेरिया गोनोरिया तनावों का आण्विक लक्षण वर्णन (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
59. एच आई वी संक्रमित भारतीय व्यक्तियों में सी डी 56 सी डी 16 + सी डी 3 – प्राकृतिक मारक कोशिकाओं की भूमिका (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
60. रोगियों में पैसासाइट का भविष्य संबंधी लक्षण वर्णन एवं क्रिप्टोस्पोरिडिएम सप्प. की पहचान के लिए आण्विक नैदानिक जांच का विकास (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
61. टाइफोयडल साल्मोनेला के विरुद्ध अल्ट्रनेट ऐंटीमाइक्रोबाइल कारकों पर अध्ययन (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
62. अल्सरेटिव कॉलाइटिस में साइटोमेगालोवाइरस हेतु क्वांटीटेटिव रिएल टाइम पी सी आर एवं जीनोटाइपिंग (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
63. तृतीयक उपचार अस्पताल में कोगुलेज़ नेगेटिव स्टेफिलोकोक्सी के कारण बैक्टेरिमिया का क्लिनिकल एवं सूक्ष्मजैवविज्ञानात्मक लक्षण – वर्णन (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
64. टी बी में टोल जैसे अभिग्राही।
65. तपेदिक में संभावित माइक्रो आर एन ए एस की अभिव्यक्ति विश्लेषण (कायचिकित्सा)।
66. एम डी आर टी बी रोगियों में दृढ़ कल्चर पद्धति एवं पंक्ति जांच विश्लेषण द्वारा एम. टी बी में तुलनात्मक औषध सुग्राह्यता जांच (कायचिकित्सा)।
67. तृतीयक उपचार केंद्र में बहुऔषध प्रतिरोध तपेदिक (एम डी आर –टी बी) में दृढ़, तरल एवं आण्विक जांचों की तुलना (कायचिकित्सा)।
68. एच आई वी – टी बी सह – संक्रमण में आई आर आई एस का इम्यूनो – पेथोजेनेसिस (कायचिकित्सा)।
69. डेगू ज्वर एवं डेंगू हीमोरेजिक ज्वर की गंभीरता हेतु जोखिम कारकों का मूल्यांकन (कायचिकित्सा)।

70. गंभीर मलेरिया में मृत्युदरों के पूर्वसूचकों का अध्ययन (कायचिकित्सा)।
71. वेट्रों मीडियल हायपोथेलेमिक प्रकार्यों पर पूर्ण स्पाइनल कोर्ड क्षति का प्रभाव : चुम्बकीय क्षेत्र की भूमिका (शरीर क्रिया विज्ञान)।
72. 3 जी फ्रीक्वेंसी बैंड से अनावृत चूहों में पीड़ा का व्यवहारात्मक, इलैक्ट्रोफिजियोलॉजिकल एवं तंत्रिकारसायन सह संबंध पर चुम्बकीय क्षेत्र का प्रभाव (शरीर क्रिया विज्ञान)
73. मृदु संज्ञानात्मक हानि एवं एल्जीमर्स रोग में संज्ञानात्मक कमी तथा तनाव पुनः सक्रियण का क्वांटीटेटिव ई ई जी सह संबंध (शरीर क्रिया विज्ञान)।
74. स्वस्थ वालंटियर्स में संज्ञानात्मक कार्यनिष्पादन में भाव प्रेरित परिवर्तनों का क्वांटिटेटिव ई ई जी सह संबंध (शरीर क्रिया विज्ञान)।
75. प्रदाहक आंत्र रोग एवं तपेदिक वाले रोगियों में विभेदीय टी – रेगुलेटरी कोशिका अभिव्यक्ति का गतिबोधक (जठरांत्र रोग विज्ञान)।
76. चूहों में ओपिएट आहरण पर नलबुफाइन का प्रभाव : व्यवहारात्मक, जैवरसायन एवं आण्विक अध्ययन (मनोचिकित्सा)।
77. स्कूल जाने वाले किशोरों के मध्य तंत्रिकासंज्ञानात्मक निष्पादन एवं व्यवहारात्मक पैटर्नों पर पूर्ण निद्रा का प्रभाव (मनोचिकित्सा)।
78. स्पोरेडिक आडियोपेथिक हाइपरपैराथायरोडिज्म वाले रोगियों में पैराथायरॉइड ऑटोइम्यूनिटी तथा इसका अन्य मेटाबॉलिक एवं ऑटोइम्यून इण्डोक्राइन विकारों से तुलना (अंतः स्राविकी विज्ञान)।
79. इम्यूनोलॉजिकल पैरामीटरों के मूल्यांकन के साथ वर्ग । फेफड़े संबंधी तपेदिक में एक सहायक थेरेपी के रूप में मुखीय विटामिन डी की भूमिका (दोहरा, यादृच्छिक, प्लेसिबो नियंत्रित क्लिनिकल परीक्षण) (अंतः स्राविकी विज्ञान)।
80. भारत में नवजात मृत्युदर के साथ संबंधित कारकों की पहचान करने के लिए बहुस्तरीय मॉडलिंग (जैवसांख्यिकीय)।
81. भारत में किशोर बच्चों के मध्य धूम्रपान, मद्यपान एवं तंबाकू चबाने के लिए आंकड़े संग्रहण पद्धतियों एवं संबंधित एपिडिमियोलॉजिकल मॉडल्स का तुलनात्मक मूल्यांकन (जैवसांख्यिकीय)।
82. विल्मस ट्यूमर में जीन विलोपन एवं परिवर्तन : ऊतकविकृतिविज्ञान एवं परिणाम के साथ सह संबंध (विकृतिविज्ञान)।
83. भारत में पांच वर्ष से कम आयु वाले बच्चों का इंफ्लुएंजा प्रतिरक्षण का आर्थिक मूल्यांकन (सी सी एम)।
84. चिकनगुनिया वाइरस जीनों की क्लोनिंग एवं अभिव्यक्ति तथा बच्चों एवं वयस्कों में चिकनगुनिया रोग जनन में उनकी भूमिका का मूल्यांकन (बालचिकित्सा / नवजातविज्ञान)।
85. भारत के बाल एवं वयस्क जनसंख्या में चिकनगुनिया एवं डेंगू ज्वर संक्रमण का मूल्यांकन (बालचिकित्सा / नवजातविज्ञान)।
86. ए एम एल रोगियों में डब्ल्यू एन टी / बी – केटानिन सिग्नेलिंग पाथवे की जीवविज्ञानात्मक एवं क्लिनिकल महत्ता का अध्ययन करना (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)।
87. मिटोकॉन्ड्रल डी एन ए में परिवर्तनों का क्लिनिकल एवं जैवविज्ञानात्मक महत्ता (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)।
88. न्यूरोब्लास्टोमा एवं पी एन ई टी के रोगियों में टी कोशिका काइनेटिक्स का मूल्यांकन –एक अग्रदर्शी अध्ययन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)।
89. नोसिसेप्शन पर लोपरमाइड एवं मोर्फिन के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन तथा शल्यचिकित्सा के पश्चात् चूहे के सिग्नल कोर्ड में ओपियोड रिसेप्टर एवं कैल्शियम चैनलों की अभिव्यक्ति (शरीर रचना विज्ञान)।
90. मानव स्पाइरल गैंग्लिएन में आयु संबंधित मोर्फोलॉजिकल एवं न्यूरोकैमिकल परिवर्तन (शरीर रचना विज्ञान)।
91. भारतीय परिवेश में स्तन कैंसर में सेंटीनल लसिका पर्व बायोप्सी एवं मूल्यांकन तकनीकों का ऑप्टीमाइजेशन (शल्यचिकित्सा)।
92. भारतीय जनसंख्या में एच एल ए की जीनोमिक भिन्नता (प्रतिरोप प्रतिरक्षाविज्ञान)।
93. उत्तर भारत में मधुमेह रेटिनोपेथी का जानपदिक रोग विज्ञान (समुदायिक नेत्र रोग विज्ञान)।
94. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के निदान एवं प्रोग्नोस्टिकेशन में रक्त मार्करों के नैदानिक पैनल का विकास (तंत्रिका विज्ञान)।
95. इम्यूनोसप्रेशन के मार्कर के रूप में एच आई वी में म्यूकसकुटेनिएस प्रकटीकरण (त्वचा रोग विज्ञान)।
96. विटिलिगो में मनोसमाज भार के मूल्यांकन करने में विटिलिगो प्रभाव मान का वैधीकरण एवं तुलनात्मक मूल्यांकन (त्वचा रोग विज्ञान)।
97. ग्राम बल्लभगढ़, हरियाणा में अधेड़ व्यक्तियों में प्रकार्यात्मक अशक्तता (सामुदायिक चिकित्सा केंद्र)।
98. ग्राम बल्लभगढ़, हरियाणा में अधेड़ व्यक्तियों में एंथ्रोपोमेट्रिक लक्षण वर्णन एवं पोषण की कमी (समुदायिक चिकित्सा केंद्र)।
99. नई दिल्ली में पुनःबसी हुई शहरी कलोनी में बाल्यावस्था क्षतियों का सामुदायिक आधारित अध्ययन (समुदायिक चिकित्सा केंद्र)।
100. आडियोपेथिक कम लंबाई हेतु विशेष ध्यान देने के साथ 4 – 16 वर्षीय बड़े बच्चों में कम लंबाई का क्लिनिकल एवं जैवरसायन लक्षण – वर्णन (बालचिकित्सा)।

पूर्ण

1. प्री एक्लेम्पेसिया के रोग जनन में सर्कुलेटिंग एंजियोजेनेटिक कारकों की भूमिका (शरीर रचना विज्ञान)।
2. बाह्य जनन संबंधी मस्सों के क्लिनिकल रेजुल्यूशन में मृत मायकोबैक्टेरिएम डब्ल्यू वैक्सीन एवं इमीक्यूमोड क्रीम के इंट्रालीशजन इंजेक्शन के साथ इम्यूनोथेरेपी की प्रभावकता का तुलनात्मक अध्ययन तथा वाइरल लोड में कमी : यादृच्छिक परीक्षण (त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान)।
3. टाइप – 2 डायबिटिस मेलीटस वाले परिवार के बच्चों में बीटा कोशिका प्रकार्य का मूल्यांकन (अंतः स्राविकी एवं चयापचयी)।
4. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र में आयोडीन की कमी के विकारों के स्तर का मूल्यांकन (मानव पोषण एकक)।
5. अस्पताल मृत्युदर से संबंधित जोखिम कारकों का मूल्यांकन : केस कंट्रोल अध्ययन (कायचिकित्सा)।
6. स्तन कैंसर के अध्ययन हेतु मल्टीपैरामैट्रिक पहुंच एवं आण्विक मार्करों के साथ इसका सह – संबंध (एन एम आर)।
7. मनोविज्ञानात्मक एवं हिरोइन आश्रित वयस्क ए डी एच डी के औषध – प्रयोग पर अन्वेषणात्मक अध्ययन (मनोचिकित्सा)।
8. चिरकारी पीड़ा संलक्षणों का तंत्रिकामनोविज्ञानात्मक एवं मनोसमाज पक्ष (मनोचिकित्सा)।
9. चिरकारी पीड़ा संलक्षणों का मनोसमाजिक पक्ष (मनोचिकित्सा)।
10. एल्कोहल आश्रित एवं ओपियोड – आश्रित (आई डी यू एस) वाले अंतः रोगियों में उच्च जोखिम व्यवहार : व्यक्तित्व के साथ संबंध (मनोचिकित्सा)।
11. स्थानीय रूप से उच्च स्तन कैंसर में क्लिनिको – विकृतिविज्ञानात्मक प्रतिक्रिया, ई आर, पी आर और एच ई आर 2 / एन ई यू स्तर हेतु वी ई जी एफ एवं टी जी एफ बीटल अभिव्यक्ति का सह संबंध : प्रायोगिक अध्ययन (विकिरण चिकित्सा)।
12. कोर्स मूल्यांकन सर्वेक्षण (सी ई एस) प्रश्नावली का ऑप्टीमाइजेशन एवं इसका ऑनलाइन कार्यान्वयन – ए प्रायोगिक अध्ययन (कॉलेज ऑफ मेडीसिन, एण्ड डीनशिप ऑफ क्वालिटी एवं एकेडमिक एक्रीडीटेशन, यूनीवर्सिटी ऑफ दमन)।
13. एच आई वी – टी बी सह संक्रमण में टोल सदृश्य प्रापकों की आनुवांशिक पोलीमोर्फिज्म एवं अभिव्यक्ति (कायचिकित्सा)।
14. एच आई वी एवं तपेदिक से सह – संक्रमित रोगियों में निवाइरापिन तथा रीफाम्पिसिन के कंकोमिटेंट प्रयोग की प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा का अध्ययन (कायचिकित्सा)।
15. फेफड़े संबंधी तपेदिक की गंभीरता एवं विकास हेतु सुग्राह्यता में विटामिन डी रीसेप्टर असंगतियों की भूमिका (कायचिकित्सा)।
16. सिस्टेमिक स्केलेरोसिस में इंटरस्टीरिएल फेफड़ा रोग की रोग सक्रियता के मूल्यांकन में ब्रोकोएल्वियोलर लेवाज़ तरल विश्लेषण की उपयोगिता (कायचिकित्सा)।
17. फिब्रोमायल्जिया के रोगियों की पीड़ा स्तर पर चुम्बकीय क्षेत्र से चिरकारी प्रकटन का अध्ययन (शरीर रचना विज्ञान)।
18. बच्चों में मनोविकृतिविज्ञान का मूल्यांकन करने के लिए माध्यम के रूप में व्यक्ति जांच करने का प्रयोग (मनोचिकित्सा)।
19. असामान्य एटेनेटल अम्बिकल धमनी डोप्पलर प्रवाह (ए आर ई डी एफ) वाले 35 सप्ताह के गर्भावधि से कम वाले समय पूर्व शिशुओं में परिणामों का वर्णन करने के लिए क्लिनिकल, जैवरसायन एवं रेडियोलॉजिकल मार्करों पर अध्ययन (बालचिकित्सा/नवजातविज्ञान)।
20. स्वस्थ नवजात शिशुओं में स्वचालित ऑडीटर ब्रैनस्टीम प्रतिक्रियाओं का प्रयोग करके दो अवस्था नवजातों का उसी समय पुनः स्क्रीन का नैदानिक निष्पादन (बालचिकित्सा/नवजातविज्ञान)।
21. समयपूर्व शिशुओं में विटामिन डी अनुपूरको की विभिन्न पद्धतियों की प्रभावोत्पादकता : यादृच्छिक दोहरा परीक्षण (बालचिकित्सा/नवजातविज्ञान)।
22. ब्रोंकोपल्मोनरी डिस्प्लेसिया के सहित एवं उसके बिना समयपूर्व शिशुओं में पेलाडाई फीडिंग का मूल्यांकन : पूर्व प्रभावी एवं अग्रदर्शी कोहर्ट अध्ययन (बालचिकित्सा/नवजातविज्ञान)।
23. इंडक्शन कीमोथेरेपी हेतु भर्ती तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया वाले हाल ही में उपचारित भारतीय बच्चों में पूर्वसूचकों का मूल्यांकन करने तथा ट्यूमर लाइसिस सिंड्रोम के प्रभाव को सुनिश्चित करना (बालचिकित्सा/नवजातविज्ञान)।
24. तीव्र मायलॉयड ल्यूकीमिया (ए एम एल) में प्रोलीफिरेशन एवं एपोप्टिक मार्करों का क्लिनिकल तथा प्रोग्नोस्टिक महत्ता (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)।
25. स्थानीय रूप से उच्च ग्रीवा कार्सिनोमा में कीमोरेडिएशन के पश्चात् साप्ताहिक पैक्लीटेक्सल एवं कार्बोप्लेटिन के साथ नवसहौषध कीमोथेरेपी : प्रायोगिक अध्ययन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)।
26. कीमोरेडिएशन के पश्चात नवसहौषध कीमोथेरेपी से उपचारित ग्रीवा के स्थानीय रूप से उच्च कार्सिनोमा में सीरम वी ई जी एफ एवं डिफ्यूजन वेटिड एम आर आई का मूल्यांकन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)।
27. फेन्कोनी एनीमिया में सीरम एल्फा फीटो प्रोटीन तथा एल्बुमिन स्तर (रूधिर विज्ञान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 76 **सार : 1**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

एस. एन. द्विवेदी ने मेटा – एनालाइसिस / कंबाइंड डेटा सोर्सिस पर सत्र की अध्यक्षता की, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर क्लिनिकल बायोस्टेटिस्टिक का सम्मेलन, जैव सांख्यिकीय विभाग, यूनीवर्सिटी ऑफ ओस्लो, नोर्वे, 19–23 अगस्त 2012; सह – अध्यक्ष, आर्गेनाइजिंग कमेटी, साक्ष्य आधारित चिकित्सा से संबंधित विषयों पर पूर्व सम्मेलन कार्यशालाएं तथा साक्ष्य – आधारित स्वास्थ्य उपचार पर प्रथम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, क्लिनिकल एपिडिमियोलॉजी एकक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, 6–8 अक्तूबर 2012 भारतीय अंतरराष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली।

वी. श्रीनिवास रिसर्च मेथोडोलॉजी एण्ड बायोस्टेटिस्टिक पर सी एम ई में सम्मानीय अतिथि थे, एल एल आर एम मेडीकल कॉलेज, मेरठ, 8–10 फरवरी 2013; 'स्वास्थ्य उपचार प्रैक्टिशनरों के लिए उपचार के मुद्दे पर साक्ष्य हेतु श्रेष्ठ स्रोत' पर सत्र की अध्यक्षता की, साक्ष्य – आधारित स्वास्थ्य उपचार पर प्रथम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन; क्लिनिकल एपिडिमियोलॉजी यूनिट, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, 7–8 अक्तूबर 2012; 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी : कंवर्जेन्स ऑफ थॉट, कार्रवाई एवं शिक्षा; पर सत्र की अध्यक्षता की, सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी, लिवर फाउण्डेशन पर सम्मेलन, पश्चिम बंगाल एवं ब्रिस्टॉल मायर्स क्यूब फाउण्डेशन, कलकत्ता, 6 नवंबर 2012।

मारुफ अहमद खान ने ऑप्टीमाइजेशन एण्ड स्टेटिस्टिक्स पर 7वां अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, स्टेटिस्टिक्स ऑपरेशंस रिसर्च विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, 21–23 दिसंबर 2012; इण्डियन क्लिनिकल एपिडिमियोलॉजी नेटवर्क कांफ्रेंस में भाग लिया, के जी एम यू, लखनऊ, 2–3 मार्च 2012।

9.7 जैव प्रौद्योगिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष

वाई.डी. शर्मा

आचार्य

जे.एस. त्यागी | एच.के. प्रसाद | एस.एन. दास

सह आचार्य

अनुश्री गुप्ता

विशेषताएं

विभाग चिकित्सा जैवप्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता के साथ–साथ जैवप्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम में स्नातकोत्तर कार्यक्रम चला रहा है जिसमें प्रति बैच 12–13 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। विभाग पी.एच.डी. कार्यक्रम भी चलाता है। प्रति वर्ष लगभग 45 छात्रों को एम.एस. सी. तथा पी.एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है। विभाग राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के फैलोशिप कार्यक्रम को भी समर्थन देता है। विभाग के संकाय द्वारा बड़ी संख्या में बाह्य अनुसंधान को अनुदान आकर्षित किया जाता है। संकाय द्वारा शिक्षण एवं अनुसंधान के विभिन्न पक्षों पर भारत सरकार तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों को विशेषज्ञ परामर्श प्रदान किया गया, अतिथि व्याख्यान तथा प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में शोध लेख प्रकाशित किए गए।

शिक्षा

स्नातकोत्तर शिक्षण

विभाग द्वारा चिकित्सा जैवप्रौद्योगिकी में 2 वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम में एम. बॉयोटेक की उपाधि प्रदान की जाती है। शिक्षण कार्यक्रम में चिकित्सा अनुसंधान के फ्रंटियर क्षेत्र में सिद्धांत एवं प्रायोगिक कक्षाएं, सेमीनार प्रस्तुतीकरण एवं अनुसंधान परियोजना (शोध प्रबंध) शामिल हैं। छात्रों पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान दिया जाता है तथा प्रायोगिक कक्षाओं में नवीनतम अनुभव प्रदान किया जाता है। छात्रों को जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान, बायोइंफोर्मेटिक्स, मॉलिक्यूलर मेडिसिन, जेनोमिक्स, प्रोटियोमिक्स आदि से संबंधित उनके अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र में जानकारी उपलब्ध कराने हेतु विभिन्न विशेषता प्राप्त विषयों के एम्स संकाय के अतिरिक्त विशेषज्ञों को जे.एन.यू. आई.जी.आई.बी, आई.सी.जी.ई.बी. एन.आई.आई. और एन.आई.आई.टी. से आमंत्रित किया जाता है। विभाग, चिकित्सा जैवप्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर पी.एच.डी. कार्यक्रम संचालित किया जाता है।

अल्पकालीन प्रशिक्षण

विभाग में तीन छात्रों को अल्पकालीन प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

आयोजित

दिनांक 25–27 फरवरी, 2013 को एम्स, नई दिल्ली में 'जोनोटिक मायकोबैक्टेरियम संक्रमण और उसका जन स्वास्थ्य पर प्रभाव' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

वाई.डी. शर्मा	:	5
जे.एस. त्यागी	:	6
एच.के. प्रसाद	:	1

एस.एन. दास : 1

पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 10

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. प्लास्मोडियम विवेक्स ट्राइप्टोफेन– समृद्ध प्रोटीनों संबंधी आण्विक अध्ययन। डॉ. वाई.डी. शर्मा, डी.बी.टी., 3 वर्ष (2010–14), रू.20.40 लाख।
2. बयोमेडिसिन के विशेष अनुप्रयोग के साथ जैवप्रौद्योगिकी में स्नात्तकोत्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम। वाई.डी. शर्मा, डी.बी.टी., 5 वर्ष (2009–14), रू.22.58 लाख प्रतिवर्ष।
3. जैव प्रौद्योगिकी सूचना विज्ञान प्रणाली। वाई.डी. शर्मा, डी.बी.टी., 5 वर्ष (2008–13), रू.3–5 लाख प्रतिवर्ष।
4. होस्ट तथा सुप्त एवं सक्रिय प्रतिवलनकारी माइकोबेक्टीरियम तपेदिक में इंटरसेप्ट का पता लगाने के लिए टेम्पोरल ट्रांसक्रिप्शन प्रोफाइल को एक्सप्लॉयट करना, कम्प्यूटेशनल विश्लेषण तथा पोस्ट– ट्रांसक्रिप्शनल जीन साइलेंसिंग। जे.एस. त्यागी, डी.बी.टी., 2011–13, रू.89–94 लाख।
5. एस वाई एस टी बीः टी.बी. संक्रमण में होस्ट पैथोजन इट्रैक्शनों का रिजोलविंग इंटरासेलुलर गतिविज्ञानी हेतु एक नेटवर्क कार्यक्रम। जे.एस. त्यागी, डी.बी.टी., 2011–16, रू.145–57 लाख।
6. ट्रांसलेशनल हेल्थ साईंस एंड टेक्नोलोजी इंस्टीट्यूट एवं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के बीच बायोडिजाइन एवं इन–विट्रो नैदानिकी हेतु राष्ट्रीय संगठन कार्यक्रम टीएचएसटीआई (डी बी टी), 2010–15, रू.100 लाख।
7. जे.सी. बोस फेलोसिप अनुसंधान निधि, जे.एस. त्यागी डी एस टी, 2009–12, रू. 68 लाख।
8. टी.एच.पी.–। मानव मैक्रोफेजिज़ के अंतर्गत सुप्त तथा प्रतिवलनकारी क्षय रोग रोगाणुओं के ट्रांसक्रिप्शनल प्रोफाइल का वर्णन। जे.एस. त्यागी, टाटा इनोवेशन फैलोशिप रिसर्च ग्रांट, डी.बी.टी., 2009–12, रू.22.20 लाख।
9. माइकोबैक्टीरियल क्षय रोग काम्पलेक्स के जिनोमिक परिवर्तियों का बड़े पैमाने पर समानांतर अनुक्रमण को विनियोजित करते हुए विश्लेषणः प्रारम्भिक अध्ययन। एच.के. प्रसाद, डी.बी.टी., 2010–13, रू.33.36 लाख।
10. क्षय रोग के प्रतिरोध अथवा रोग को संभवतः प्रारम्भ में ही प्रभावित करने वाले चुनिंदा होस्ट जीन म्यूटेशन एवं होस्ट पैथोजन इंटरेशन का कार्यात्मक लक्षणीकरण, एच.के. प्रसाद, बी.आर.एन.एस., 2011–14, रू.34.17 लाख।
11. ओरल शल्की सेल कार्सिनोमा के लिए ऑटोलोग्स एन.के.टी. सेल आधारित ट्रमाकृतिक सेल टीके का विकास एवं लक्षणीकरण, एस.एन. दास, डी.बी.टी., 3 वर्ष, रू.23.0 लाख।
12. मुखीय शल्की कोशिका कैंसर से पीड़ित रोगियों में टी. हेल्पर 17 (टी एच 17) कोशिकाओं का फिनोटाइपिक एवं कार्यात्मक लक्षण वर्णन एवं उसके ट्यूमर विरोधी गतिविधियों का मूल्यांकन करना। सत्य एन दास, डी.बी.टी., 3 वर्ष, रू.51.15 लाख।

पूर्ण

1. पुनर्निर्मित कोशिकीय नेटवर्कः दो अवयव नियामक प्रणाली। जे.एस. त्यागी, डी.बी.टी., 2007–11, रू.141.096 लाख।
2. क्षय रोग के उपचार हेतु इनहैबिटरों की कंप्यूटरीकृत डिजाइन एवं विकास। जे.एस. त्यागी। डी.बी.टी., 2008–11, रू.4.18 लाख।
3. बायोमार्कर खोज हेतु विभिन्न तंत्रिकाशोथ संक्रमणों के रोगियों से सी एस एफ प्रोटीनों का व्यापक प्रोटीनोमिक्स प्रोफाइलिंग। जे.एस. त्यागी, डी.बी.टी., 2008–11, रू.64.31 लाख।
4. प्रक्रियागत नैदानिक नमूनो एवं किट का उपयोग करके सीमर सूक्ष्मदर्शी, कल्चर एवं पोलीमियर्स वेन रिएक्शन द्वारा तपेदिक के निदान एवं वैक्टिरियल ड्रग रेजीसटेंस हेतु नैदानिक वैधता की विधियों का विकास करना। (प्रथम चरण), जे.एस. त्यागी, डी.बी.टी. (एस बी आई आर आई), 2009–11, रू.7.06 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. माइकोबैक्टीरियम क्षय रोग का अंतजति प्रतिरक्षण।
2. माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग के प्रति मानव प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया।
3. मानव एवं पशुओं में क्षयरोग का रोग निदान।
4. मुख के कैंसर में प्राकृतिक किलर टी सेलों तथा द्रामाकृतिक सेलो का कार्यात्मक तथा फिनोटाइपिक लक्षणीकरण।
5. मुख के स्क्वामस सेल कार्सिनोमा के रोगियों में टी.एच. 17 सेलों का फीनोटाइपिक तथा कार्यात्मक लक्षणीकरण।

6. मुख के स्क्वामस सेल कार्सिनोमा के रोगियों में सी.डी. 4 + सी.डी. 25 + फॉक्स पी. 3 + विनियामक टी. सेलों (टी. रेग) का फीनोटाइपिक तथा कार्यात्मक लक्षणीकरण।
7. मुखीय एवं ओटोफारेंजियल कार्सिनोमा में प्रोगनोस्टिक बायोमार्करों का अध्ययन करना।
8. कुछ चुने हुए औषधीय पौधों के कैंसर रोधी गतिविधियों की खोज एवं उनके मानव मुख कैंसर सेल लाइन पर आण्विक।

पूर्ण

1. मायोबैक्टिरियम ट्यूबरकुलोसिस का देव आर मुटेंट प्रोटीन्स का जनरेशन एवं इन विट्रो लक्षण वर्णन।
2. मायोबैक्टिरियम ट्यूबरकुलोसिस के देव एस एवं डोप टी की फास्फेट एविस विटी में कंजबर्ड रिसीड्यूस।
3. टी.बी. निदान के लिए प्रोटीन एवं एंटीबॉडी रिजेंटो का पता लगाना।
4. मुखीय कैंसर में वेक्लीन 1, एम टी ओ आर सिगनेलिंग एवं आटोफेगी पर अध्ययन।
5. मुख के कैंसर में प्राकृतिक किलर टी सेल एवं डेडरिटिक कोशिकाओं का कार्यात्मक एवं फिनोटाइपिक लक्षण वर्णन।
6. मुखीय कैंसर में कैपसेसिन की कैंसररोधी गतिविधियों का अध्ययन करना।
7. मुखीय कैंसर सेल नाइन्स पर प्लम्बेगिन की कैंसररोधी गतिविधियों का अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. मुख के कैंसर में प्रोटीन सिग्नलिंग सेल, पी 38 ए एम ए पी किनेस के नेबोलेवल एक्सप्रेशन ताा इसके विरूद्ध डिजाइन आफ स्ट्रक्चर आधारित पेप्टाइड प्रतिवेधनों का मूल्यांकन (जैवभौतिकी)।
2. स्तन कैंसर के भारीय रोगियों में ई.आर.पी.आर. एच ई आर 2, न्यू एम्सप्रेशन तथा बी आर सी ए। जीन म्यूटेशन्स का नैदानिक सह–संबंध (बी.आर.ए.आई. आर.सी.एच.)।

पूर्ण

1. **बच्चों में तपेदिक मस्तिष्कावरणशोथ के निदान में मायोबैक्टेरियम ट्यूबरकुलोसिस ग्लूबी अथवा एच एस पी एंटीजन्स या देव आर डी एन ए पड़ताल की भूमिका (सूक्ष्म जैवविज्ञान, बालचिकित्सा एम्स, डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल एवं एल एन जेपी अस्पताल)**

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 11 सारः 3

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य वाई.डी. शर्मा: सभी तीन राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों के फैलो हैं; सदस्य, आयुर्विज्ञान की विभागीय समिति, भारतीय विज्ञान अकादमी, बैंगलोर, सदस्य, डी.बी.टी. टास्क फोर्स, मानव–संसाधन विकास की उप–समिति; सदस्य, डी.बी.टी.– जे.आर.एफ. परीक्षा सीमिति; डी बी टी मलेरिया टीका परियोजना हेतु विशेष समिति; अध्यक्ष, मलेरिया पर डी.एस.आई.आर. परियोजना मॉनीटरिंग समिति; सदस्य बोर्ड बोर्ड ऑफ स्टडीज ऑफ बायोटैक्नोलॉजी, बायोसेफ्टी बोर्ड स्क्रीनिंग, फैकेल्टी पोजिशन एं सिलेक्शन समिति आफ टेकनीकल आफिसर्स एवं तकनीशियन, दक्षिण एशियन विश्वविद्यालय, दिल्ली; सदस्य, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के जैव प्रौद्योगिकी के अध्ययन मण्डल; यू.जी.सी.– विज्ञान सलाहकार सूची, जे.एन.यू., नई दिल्ली में आण्विक कायचिकित्सा केन्द्र; विशेषज्ञ सदस्य; वाराणसी विद्यापीठ के जैव प्रौद्योगिकी में पी.जी. अध्ययन परिषद; विशेष सदस्य, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी के शिक्षण सलाहकार समिति; सदस्य, हिमाचल यूनिवर्सिटी, शिमला; सदस्य, अध्ययन मण्डल, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दक्षिण परिसर, दिल्ली; सदस्य, अध्ययन मण्डल, मनीपाल सिक्किम चिकित्सा विज्ञान संस्थान गंगटोक; सदस्य, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में तंत्रिका विज्ञान अध्ययन बोर्ड, विशेषज्ञ, डॉक्टोरल कमेटी, फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड इंटरडिसिप्लिनीलरी साइंसेस, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; सदस्य, एम्स की भंडार क्रय समिति; अध्यक्ष, नेगोशिएशन समिति, एम्स; सदस्य, सतत आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी समिति, एम्स; अध्यक्ष, पेटेंट प्रकोष्ठ, एम्स; अध्यक्ष, एम्स में परियोजनाओं में अनुसंधान स्टाफ की केंद्रीय भर्ती समिति; सदस्य, एम्स की नैनो प्रोद्योगिकी सुविधा; एम्स कम्प्यूटरीकरण समिति के सदस्य; सदस्य, आयोजन समिति, संस्थान दिवस समारोह, एम्स; सदस्य, अनेक विश्वविद्यालयों तथा अनुसंधान संस्थानों में संकाय पदों के लिए चयन समिति; विशेष सदस्य, यूनिवर्सिटी कालेज आफ मेडिकल साईंसेस (यू.सी.एम.एस.), दिल्ली; सदस्य, यू.जी.सी. फैकेल्टी रिचार्ज कार्यक्रम के चयन समिति।

आचार्य जे.एस. त्यागीः जे.सी. बोस राष्ट्रीय फेलो हैं, सभी तीनों राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी फेलो (राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद, भारतीय विज्ञान अकादमी, बंगलोर, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान आकादमी, नई दिल्ली), सदस्य, गुहा अनुसंधान सम्मेलन; सदस्य, शासी निकाय, राष्ट्रीय तपेदिक अनुसंधान संस्थान, चेन्नई, जालमा कुष्ठ एवं अन्य मायकोबैक्टैरियल रोग संस्थान, आगरा; सदस्य वैज्ञानिक सलाहकार समिति, बोस संस्थान, कोलकाता एवं डी एन ए फिंगर प्रिंटिंग एवं निदान केन्द्र, हैदराबाद; सदस्य, चयन समिति–डी एस

टी– आई एन एस ए इनसपाएर, फैकेल्टी फेलोशिप, विशेषज्ञ, परियोजना मूल्यांकनकर्त्ता, स्वास्थ्य, इंडो–आस्ट्रेलिया ग्रांड चैलेंजेज कार्यक्रम; सदस्य, स्वास्थ्य में भारतीय विशेषज्ञ पैनल, सदस्य फैकेल्टी सिलेक्शन कमेटी, टी एच एस टी आई, सदस्य स्क्रीनिंग सिलेक्शन एंड इवालुएशन कमेटी फार इनोवेशन एवाडिस, टी एच एस टी आई; सदस्य, संकाय चयन समिति, आई एल एस, भुवनेश्वर, सदस्य, सी एस आई आर एनिमल साईंस एंड बायोटैक्नोलॉजी रिसर्च कमेटी एंड प्रोजेक्ट मानीटरिंग कमेटी, विशेषज्ञ, डी बी टी इंडो– स्वीडिस रिसर्च प्रोजेक्ट का मूल्यांकन करने हेतु टी बी रिव्यू मीटिंग, समीक्षक, डी बी टी, सी एस आई आर, डी एस टी, एम आर सी, यू.के. फोडाजिऑन कारिपोलो इटली को प्रस्तुत परियोजनाएं, मेंटर टी.बी. डायगनोस्टिक प्रोग्राम, सी बी जी, टी एच एच टी आई; सदस्य, एम्स पेटेंट कमेटी, सदस्य, एम्स रिव्यू कमेटी, आंतरिक परियोजना (पैरा एवं प्री–क्लिनिकल), सदस्य, कमेटी फार प्रपोज इंटर–डिजाइन, सेंटर (एम्स, आई आई टी, दिल्ली) एवं टी एच एस टी आई फरीदाबाद, विभाग के केन्द्रीय जन सूचना अधिकारी (सी पी आई ओ); अध्यक्ष, विभाग उपकरण क्रय समिति, निगोसिएशन कमेटी, एम्स, एन आई आई एवं आई आई टी, दिल्ली के छात्रों हेतु डॉक्टोरल कमेटी के सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं हेतु हस्तलिपि संवीक्षक, विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों, विश्वविद्यालयों एवं प्रयोगशालाओं से पी एच डी शोध के परीक्षक, सदस्य एन आई एच एलुमनी एसोसिएशन, आजीवन सदस्य, सोसायटी आफ बायोलोजी, एसोसिएशन आफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट आफ इंडिया।

आचार्य एच.के. प्रसादः विशेषज्ञ सदस्य, एन.आर.डी.एस. आई.सी.एम.आर. राष्ट्रीय जालमा कुष्ठ तथा अन्य माईकोबैक्टीरियल रोगों की तकनीकी समिति, आगरा; क्रय समिति, स्कूल आफ पर्यावरणीय विज्ञान, जे.एन.यू. एवं शरीर रचना विज्ञान, एम्स, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, लैप्रोसी मिशन स्टेनले ब्रोन लेबोरेट्रीज; सदस्य, मेडिकल बायोटैक्नोलॉजी सेक्शनल कमेटी (एम एच डी–20), ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैण्डर्स; इंस्टीट्यूशलन बायोसेफ्टी कमेटी, नेशलन जामला इंस्टीट्यूट फार लेप्रोसी एंड अदर इंडस्ट्रियल रिसर्च (एस आई आई आर), दिल्ली, सांस्थानिक पशु नीति विषयक समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर, चयन समिति, आई.सी.एम.आर. एल. आर.एस. इंस्टीट्यूट ऑफ ट्यूबरकुलोसि एंड रिस्पाइरेट्री डिजीजेज एंड जवाहर लाल नेहरू फेलोशिप, जे.एन.यू.; परियोजना मॉनीटरिंग समिति (पी.एम.सी.), एस.बी.आई.आर.आई.–बी.सी.आई.एल, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, जैव प्रौद्योगिकी अध्ययन परिषद, जीवाजी यूनिवर्सिटी, ग्वालियर; आई.सी.एम.आर. इम्यूनालॉजी टास्क फोर्स समिति; आई.सी.एम.आर., डी. बी.टी., डी.एस.टी. की परियोजना समीक्षा समिति, परीक्षकः विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों एवं उपप्रमुख पुस्तकालय बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय, एम्स।

आचार्य **एस.एन. दास** को नेशनल एकेडमी आफ मेडिकल साइंसेस, इंटरनेशनल अकादमी आफ बायोलाजीकल थेरेपी का फेलो चुना गया; आजीवन सदस्य, भारतीय इम्यूनालॉजी सोसाइटी;सदस्य, अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च, यू.एस.ए.; सदस्य, डी.के.एफ. जेड. एल्यूमनी एसोसिएशन, हीडनबर्ग, जर्मनी; सदस्य, अलेक्जेंडर वॉन हमबोल्ट फाउंडेशन एल्यूमनी एसोसिएशन, जर्मनी; सदस्य, दि सिटोमेट्री सोसाइटी, इंडिया, सदस्य, टास्क फोर्स ग्रुप ऑन कैंसर बायोलॉजी, डी.बी.टी., विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, तकनीकी समिति, पैथोलॉजी संस्थान (आई.सी.एम.आर.) नई दिल्ली; सदस्य, बायोएथिक्स कमेटी फार रीकाम्बीनेंट डी.एन.ए. रिसर्च, एम्स; एम्स की नेगोसिएशन समिति के हैं; एम्स की प्रायोजित परियोजनाओं के अंतर्गत पदों हेतु चयन समिति के सदस्य है; मेडिकल एलीमेंटालॉजी एवं टॉक्सीकोलोजी विभाग, जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, डॉक्टोरल समिति, जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, पांडीचेरी विश्वविद्यालय, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ पिलानी, राजस्थान, सम्पादकीय मण्डल, ओपन जरनल आफ टॉक्सीकालोजी, इंटरनेशनल जरनल आफ आस्टियोपरोसिस एंड मेटाबॉलिक डिस्टार्डरर्स; समीक्षक, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जरनल्स; ओरल ऑनकालॉजी, कैंसर इंवेस्टीगेशन्स, डी.एन.ए. एंड सेल बायोलॉजी, लाइफ सांइसेस, इंटरनेशनल जरनल आफ इम्यूनोजेनेटिक्स, यूरोपियन जर्नल आफ ओरल साइंसेस, इंटरनेशनल जर्नल आफ ह्यूमन जेनैटिक्स, इंटरनेशनल जर्नल आफ कैंसर, ओरल पैथोलॉजी ओरल मेडिसिन, पलोस वन, कैंसर लेटर्स, इंडियन जर्नल आफ मेडिकल रिसर्च, इंडियन जोनरल ऑफ कैंसर।

अन्य गतिविधियां

जैव सूचनाविज्ञान केन्द्र

विभाग द्वारा बायोइंफार्मेटिक्स संसाधन केंद्र, डाटाबेस और ग्रंथिविज्ञान खोज सुविधा, डी.एन.ए. एंव प्रोटीन क्रम , खोज एवं सुधार, ई–मेल, इंटरनेट सर्विस, प्रशिक्षण और छात्रों को ग्राफिक्स, सांख्यिकी और डाटा प्रस्तुतीकरण में सहायता प्रदान किया जाता है। इस सुविधा का छात्रों एवं इस संस्थान के संकाय के साथ–साथ अन्य पड़ोसी संस्थानों द्वारा व्यापक रूप से प्रयोग किया जा रहा है।

9.8 सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

आचार्य एवं अध्यक्ष
चंद्रकांत एस पाण्डे

आचार्य
शशि कांत | संजीव कुमार गुप्ता | किरन गोवस्वामी

अपर आचार्य
आनंद कृष्णन | बेरीडेलाइन नोंग्कायरिह
पुनीत मिश्रा | संजय कुमार राय

सह आचार्य
वाई. एस. कुसुमा कुमारी

सहायक आचार्य
कपिल यादव | अनिल गोस्वामी

शिक्षा

बी. एस. सी. नर्सिंग एवं पोस्ट सर्टिफिकेट नर्सिंग छात्र

बी एस सी नर्सिंग एवं पोस्ट सर्टिफिकेट नर्सिंग छात्र ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सी आर एच एस पी) बल्लभगढ़ में तैनात हैं। ग्रामीण तैनाती आवासीय है। उन्हें बल्लभगढ़ में एक माह तक रहना होता है। एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पी एच सी), दयालपुर में दो सप्ताह तक रहना होता है। उन्हें ऐंटीनेटल (ए एन सी) उपचार, वार्ड मैनेजमेंट एवं इम्यूनाइजेशन में प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्हें वार्डों में भी तैनात किया जाता है। वे ओ पी डी में एवं वार्ड में स्वास्थ्य संबंधी वार्ता एवं आई ई सी देते हैं। नर्सिंग महाविद्यालय, अ. भा. आ. सं. के संकाय द्वारा नर्सिंग छात्रों के प्रशिक्षण को पर्यवेक्षित किया जाता है।

स्नातक पूर्व

यह कार्यक्रम भी उक्त के समान है। उन्हें उनके सातवें सत्र के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में आवासीय तैनाती के रूप में पांच सप्ताह के लिए तथा उनके चौथे / पांचवें सत्रों के दौरान शहरी क्षेत्र में सात सप्ताह के लिए तैनात किया जाता है। केंद्र में दिनांक 17 जुलाई, 2012 को एम बी बी एस छात्रों के नए बैच के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना (एन एस एस) के ओरिएंटेशन कार्यक्रम का संचालन किया था।

इंटर्नस

इंटर्नस को तीन माह के लिए सी आर एच एस पी, बल्लभगढ़ में तैनात किया जाता है। उन्हें 6 सप्ताह के लिए रेफरल अस्पताल, बल्लभगढ़ एवं 3 सप्ताह के लिए दयालपुर तथा चैन्सा में पी एच सी में तैनात किया जाता है। रेफरल अस्पताल में, वे ओ पी डी एवं वार्ड में बेसिक क्लिनिकल दक्षताओं को सीखते हैं। उन्हें संबंधित विभाग के वरिष्ठ रेजीडेंटों के पर्यवेक्षण के तहत सभी क्लिनिकल विभागों में तैनात किया जाता है। पी एच सी तैनाती के दौरान, इंटर्नस प्रारंभिक उपचार स्तर में स्वास्थ्य उपचार प्रदान करने में भाग लिया। यह लोग स्वास्थ्य कर्मचारियों के पर्यवेक्षण, तपेदिक (टी बी) चूककर्ता, उप – केंद्र पर्यवेक्षण आदि जैसी सामुदायिक स्तर की गतिविधि में भाग लेते हैं। अपनी तैनाती के अंत में वह सी आर एच एस पी, बल्लभगढ़ में संकाय के पास अपनी तैनाती के दौरान की गई गतिविधियों के संबंध में प्रस्तुतीकरण करते हैं।

स्नातकोत्तर

विभाग के स्नातकोत्तर छात्र को शहरी क्षेत्र में 20 माह के लिए एवं ग्रामीण क्षेत्र में 16 माह के लिए तैनात किया जाता है। शहरी क्षेत्र में अपनी तैनाती के दौरान वे विभाग द्वारा संचालित विभिन्न क्लिनिकों में बाह्य रोगी सेवाएं प्रदान करते हैं। ग्रामीण क्षेत्र में वे बारी बारी से 5 माह एवं 10 दिन रेफरल अस्पताल एवं दो दिन पी एच सी में व्यतीत करते हैं। इससे उन्हें रेफरल अस्पताल एवं पी एच सी में अनुभव प्राप्त करने का समय मिलता है। उन्हें निर्णय लेने में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। कंप्यूटर सुविधा के सहयोग से स्नातकोत्तर छात्रों को उनके शोध प्रबंध हेतु एकत्रित आंकड़ों के विश्लेषण हेतु कंप्यूटर का प्रयोग

करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वे अपनी तैनाती के दौरान विभिन्न क्षेत्र आधारित व्यायाम भी करते हैं। नियमित शिक्षण कार्यों में सेमिनार, परिवार एवं केस प्रस्तुतीकरण, पत्रिका क्लब आदि भी सम्मिलित हैं।

विभाग द्वारा आयोजित सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

अतिथि व्याख्यान

1. जन स्वास्थ्य में आर्थिक मूल्यांकन की भूमिका। डॉ. सैम्यूल पीसाह, स्वास्थ्य अर्थशास्त्री, सी डी सी, एटलांटा, 16 अगस्त 2012।
2. समुदाय में बाल तंत्रिकाविज्ञानात्मक रोग का भार – कैनेडिएयन परिदृश्य। ए नारायण प्रसाद, 4 सितंबर 2012
3. एल्कोहॉलिक गुमनाम। एल्कोहॉलिक गुमनाम दल, 11 अक्तूबर 2012।
4. फिजिशिएन नेतृत्व शैली एवं नेतृत्व प्रभावोत्पादकता, सुधा जीरासागर, सह आचार्य, जन स्वास्थ्य विद्यालय, यूनीवर्सिटी ऑफ साउथर्न कैलीफोर्निया यू एस ए, 7 जनवरी 2013।

कार्यशाला

1. एस ई ए आर देशों के सहभागियों के लिए क्षेत्रीय स्टेप्स एन सी डी निगरानी प्रशिक्षण कार्यशाला, 11–14 जून 2012, क्लेरीड्ज़्स सुरजकुण्ड।

पोस्टर प्रस्तुतीकरण

1. इण्डियन विजन फंक्शनल प्रश्नावली वी एफ क्यू 33 का प्रयोग करके हाल ही में नैदानित ग्लूकोमा रोगियों में जीवन गुणवत्ता पर टॉपिकल मेडीकल थेरेपी के प्रभाव का मूल्यांकन, विजन एण्ड ओपथेल्मोलॉजी (ए आर वी ओ) में दि एसोसिएशन फॉर रिसर्च की वार्षिक बैठक, फ्लोरिडा, यू एस ए, दिनांक 6 से 9 मई 2012.

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारत में बच्चों को दिए गए इंफ्लुएंजा टीके द्वारा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सुरक्षा। शशि कांत रोग नियंत्रण केंद्र, यू एस ए। 1.5 करोड रुपए।
2. भारत में बच्चों एवं वयस्क व्यक्तियों में तीव्र श्वसन पथ संक्रमण में श्वसन विकृतिजीनों का जानपदिक रोग विज्ञानात्मक अध्ययन। आनंद कृष्णन, सी डी सी एटलांटा, 2011–16 (वर्ष 2011–12 के लिए 6 करोड़), रुपए 22.5 करोड।
3. ग्रामीण भारत हेतु नवजात स्वास्थ्य उपचार सेवा प्रसूति मॉडल का विकास। आनंद कृष्णन। यूनीसेफ, 2011–14, 1.6 करोड़ रुपए।
4. अल्प जन्म वज़न को कम करने के लिए इनोवेटिव कल्चर्ली उपयुक्त इंटरवेंशन पैकेज। डी एस टी, पुनीत मिश्रा, 23 लाख रुपए।
5. विटामिन डी सप्पलीमेंटेशन का प्रयोग करने वाली प्रिडायबिटिस वाली महिलाओं में टाइप 2 डायबिटिस का निवारण तथा उत्तर भारत में जीवनशैली इंटरवेंशन। पुनीत मिश्रा, डी एस टी, 3 वर्ष, 2012–15, 56 लाख रुपए।
6. भारत में उभरते हुए संक्रमित रोग के संबंध में : भारत में ग्रामीण समुदायों में इंफ्लुएंजा रोग भार। संजय राय, रोग नियंत्रण केंद्र, यू एस ए, 2009–13, 2.07 लाख रुपए।
7. गरीबों के लिए स्वास्थ्य बीमा : दिल्ली भारत में समाजिक आर्थिक रूप से अलाभकारी प्रवासियों में स्वास्थ्य बीमा की अदायगी करने हेतु इच्छा का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन करना। वाई. एस. कुसुम, आई. सी. एम. आर., 2010–13, 22 लाख रुपए।
8. प्रवास, निर्धनता एवं स्वास्थ्य उपचार हेतु पहुंच : दिल्ली में लोगों की पहुंच तथा स्वास्थ्य पद्धति की प्रतिक्रिया पर अध्ययन। आई सी एम आर टास्क फोर्स परियोजना, वाई. एस. कुसुम, आई सी एम आर, 2010–13, 42 लाख रुपए।

पूर्ण

1. भारत में गैर – संचालित रोगों का पता लगाने के लिए विद्यमान स्वास्थ्य पद्धति की क्षमता हेतु मॉडल का विकास – फेज II, आनंद कृष्णन, आई सी एम आर, 2010–12, 60.54 लाख रुपए।

2. कोरोनरी ह्दय रोग की व्यापकता एवं एन सी आर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों में इसके जोखिम कारक – दुबारा सर्वेक्षण। आनंद कृष्णन, आई सी एम आर, 2009–11, 98 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ग्राम बल्लभगढ़, हरियाणा में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में कम पोषण का मूल्यांक्न।
2. ग्राम बल्लभगढ़, हरियाणा में वयस्क व्यक्तियों में प्रकार्यात्मक अपंगता।
3. अखिल भारतीय आयुर्विान संस्थान में डेस्क जॉब कर्मचारियों में कार्य – संबंधित गले की पीड़ा की व्यापकता का अध्ययन।
4. बल्लभगढ़, हरियाणा क्षेत्र में वयस्क व्यक्तियों में तनाव पर अध्ययन।
5. नई दिल्ली में शहरी पुनर्वास कॉलोनी में बाल्यावस्था की क्षतियों का सामुदायिक आधारित अध्ययन।
6. बल्लभगढ़, हरियाणा के ग्रामीण समुदाय में रहने वाली गर्भवती महिलाओं में डायटेरी कैल्शियम लेना एवं सीरम कैल्शियम स्तर।
7. बल्लभगढ़, हरियाणा के ग्रामीण समृदाय में इंटरोबैक्टेरियासिए उत्पन्न करने वाले विस्तारित स्पेक्ट्रम बीटा लैक्टेमेस के यूरीनरी कैरिज की व्यापकता।
8. जिला फरीदाबाद में सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में प्रसूति वाली महिलाओं में स्तन पान प्रथाओं के निर्धारक।
9. ग्राम बल्लभगढ़ (ब्लॉक), जिला फरीदाबाद, हरियाणा, भारत के माध्यमिक विद्यालयों में गैर संचारित रोगों के निवारण हेतु इंप्लीमेंटिंग एवं निगरानी स्वास्थ्य व्यवस्था पहुंच।
10. ग्राम हरियाणा में हाइपरटेंशन एवं डायबिटिज मेलीटस वाले रोगियों में उपचार हेतु पालन : समुदाय आधारित अध्ययन।
11. फरीदाबाद में महिला फैक्टरी कर्मचारियों में यौन उच्च जोखिम व्यवहार का आकलन।

पूर्ण

1. ग्राम बल्लभगढ़, हरियाणा में वयस्क व्यक्तियों में ऐंथ्रोपोमेट्रिक लक्षण वर्णन एवं कम पोषण।
2. जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर (जे पी एन ए टी सी), अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली के आपात विभाग में आने वाले रोड़ ट्रैफिक क्षतियों (आर टी आई) के रोगियों का जानपदिकरोग विज्ञान अध्ययन।

सहयोग परियोजनाएं

जारी

1. कार्निएल विकारों पर सामुदायिक – आधारित जानपदिकरोग विज्ञान अध्ययन (सामुदायिक नेत्र रोग विज्ञान, डॉ. रा. प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र)।
2. दिल्ली की शहरी झुग्गियों में सामान्य नेत्र स्थितियों के संबंध में जागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी प्रथाओं पर अध्ययन (सामुदायिक नेत्र रोग विज्ञान, डॉ. रा. प्र. नेत्र रोग विज्ञान केंद्र)।
3. दिल्ली स्कूल के बच्चों में कार्डियोवास्कुलर का आकलन करने के लिए अध्ययन (नर्सिंग महाविद्यालय)।
4. बच्चों के अधिकारों के संबंध में बच्चों के माता–पिता के ज्ञान, प्रवृत्ति एवं कार्य प्रणालियों का आकलन करने के लिए अध्ययन (नर्सिंग महाविद्यालय)।
5. भारत पी एच – II कॉ – पी आई में मल्टीसाइट इंफ्लुएंजा निगरानी (रोग नियंत्रण केंद्र, यू एस ए; सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
6. ग्रामीण भारतीय जनसमुदाय में कोंजेनीटल साइटोमेगालोवाइरस संक्रमण एवं श्रवण हानि (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 49 **पुस्तकों में अध्याय : 1**

रोगी उपचार

बाह्य रोगी उपचार

स्थान	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
सिविल अस्पताल बल्लभगढ़	94,032	66,846	160,878
पी, एच, सी, छैन्सा	10,234	12,354	22,588
पी, एच, सी, दयालपुर	8,735	7,235	15,970
मोबाइल हेल्थ क्लिनिक	–	–	26,159
ऐंटीनेटल क्लिनिक, सिविल अस्पताल बल्लभगढ़	5,870	–	–

यौन एवं विवाह परामर्श केंद्र	1,755	2,320	4,075
कुल	**120,626**	**88,755**	**229,670**

अंतः रोग सेवाएं

स्थान	**संख्या**
सिविल अस्पताल बल्लभगढ़	8419
पी एच सी छैन्सा (प्रसूतियां)	407
पी एच सी दयालपुर (प्रसूतियां)	270

रेफरल अस्पताल बल्लभगढ़

बाह्य रोगी

निम्नलिखित बाह्य रोगी विभाग संचालित होते हैं :

क) वयस्कों के लिए सामान्य ओ पी डी – प्रतिदिन

ख) बच्चों के लिए बाल कल्याण केंद्र (बालचिकित्सा ओ पी डी) – प्रतिदिन

ग) नेत्र रोग विज्ञान ओ पी डी – प्रतिदिन

घ) ई एन टी – सप्ताह में दो बार

ङ) दंत बाह्य रोगी – प्रतिदिन

च) प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान ओ पी डी – प्रतिदिन

छ) शारीरिक चिकित्सा पुनर्वास (पी एम आर) ओ पी डी – सप्ताह में एक बार

ज) मनोचिकित्सा ओ पी डी – प्रतिदिन (सोमवार एवं वीरवार को छोड़कर)

झ) ए एन सी क्लिनिक – सप्ताह में तीन बार

ञ) बाल शल्य चिकित्सा ओ पी डी एवं शल्य चिकित्सा – सप्ताह में एक बार।

ट) एन सी डी क्लिनिक – सप्ताह में एक बार

ठ) होम्योपैथी (आयुष) ओ पी डी – प्रतिदिन

ओ पी डी भार

नए रोगी : 94,032 पुराने एवं नए रोगी : 160,878

ए एन सी पंजीकरण 5,870 इम्युनाइजेशन : 7,026

अंतःरोगी

बिस्तरों की संख्या में परिवर्तन नहीं हुआ : 50 + 1 (नर्सरी)

क) अस्पताल में जन्म लेने वाले बच्चों सहित भर्तियों की कुल संख्या : 8,419

ख) अस्पताल में जन्म लेने वालों की संख्या 2,277

ग) बिस्तर उपभोग दर : 70.1 प्रतिशत (नवजातों सहित); 51.1 प्रतिशत (नवजातों को छोड़कर)।

घ) ठहरने की औसत अवधि : 1.6 दिन

ङ) आपता के द्वारा भर्ती : 4,847 ओ पी डी के द्वारा 1,328 नवजात : 2,277

विशेषता द्वारा अंतःरोगियों का वितरण

रोगियों की विशेषता संख्या

काय चिकित्सा : 1,676 शल्य चिकित्सा : 352 प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान : 3,166

बाल चिकित्सा : 3,035 नेत्र रोग विज्ञान : 160 नवजात : 2,277

कुल 8,419

आपात

पंजीकृत किए गए रोगियों की संख्या : 2,788 मेडिको लीगल केसों की संख्या : 4,363

निष्पादित की गई नैदानिक जांचें

क) प्रयोगशाला जांचें (मलेरिया स्लाइडों सहित) 104,263

ख) एक्स – रे (कुल) 9,108 ग) अल्ट्रासोनोग्राफी (यू एस जी) 1,513

घ) मलेरिया स्लाइड्स 4,440 मलेरिया केसिस 15 *पी. विवेक्स* 15 *पी. फाल्सीपेरम शून्य*

की गई शल्यक प्रक्रियाओं की कुल संख्या

पुरुष : 467 महिला : 1,105 कुल : 1,572

संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम (आर एन टी सी पी)

बल्लभगढ़ अस्पताल आर एन टी सी पी के तहत एक उपचार एकक है तथा इसके अधीन 4 (चार) माइक्रोस्कॉपी केंद्र है। वर्ष 2012 में बल्लभगढ़ अस्पताल में कुल 547 केसों का उपचार हुआ।

बल्लभगढ़ माइक्रोस्कॉपी केंद्र में उपचारित केसों की समाप्ति

वर्ग I : 420 वर्ग II : 127 कुल : 547

सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएं

गहन क्षेत्र अभ्यास क्षेत्र (आई एफ पी ए)

इसमें दो पी एच सी हैं अर्थात दयालपुर एवं छैन्सा। बाह्य रोगी, आवासीय एवं रेफरल सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

सूचियां

क) जनसंख्या : 91,362 ख) प्रति 1000 में जन्म दर : 22.48

ग) प्रति 1000 में मृत्यु दर : 6.24

घ) प्रति 1000 जीवंत जन्म लेने वालों में नवजात मृत्यु दर : 28.7

ङ) प्रति 1000 जीवंत जन्म लेने वालों में शिशु मृत्यु दर : 40.4

च) प्रति 100,000 जीवंत जन्म लेने वालों में मातृक मृत्यु दर : 146

आई एफ पी ए में विभिन्न केंद्रों में ओ पी डी भार

पी एच सी	नए केस	पुन : आगमन	कुल
दयालपुर	8,735	7,235	15,970
छैन्सा	10,234	12,354	22,588

परिवार कल्याण एवं मातृक शिशु स्वास्थ्य

टीकों एवं अन्य वस्तुओं की आपूर्ति के लिए परियोजना क्षेत्र जिला परिवार कल्याण एवं प्रतिरक्षण कार्यालयों पर निर्भर हैं।

क) कुल जन्म पूर्व केस (नए पंजीकरण) : 2,259

ख) प्रसवपूर्व उपचार लेने वाली गर्भवती महिलाएं : 100 प्रतिशत

ग) पंजीकृत केसों का पूर्ण टी टी आवरण : 100 प्रतिशत

घ) संस्थागत प्रसूतियां : 88.6 प्रतिशत

ङ) प्रसूति कक्ष में कुल प्रसूतियां 677 पी एच सी छैन्सा : 407 पी एच सी दयालपुर : 270

च) योग्य दंपति सुरक्षा दर : 47.3 प्रतिशत

छ) उन व्यक्तियों की कुल संख्या जिन्होंने परिवार नियोजन पद्धतियां स्वीकार की है : 2,508

ट्यूबक्टोमी : 381 वेसेक्टोमी : 19 इंटरायूटेरिन यंत्र : 441

सी सी प्रयोक्ता : 1,257 मुखीय गोलियां : 410

प्रतिरक्षण पर विस्तारित कार्यक्रम

12 से 23 माह की आयु वाले बच्चे

बी.सी.जी	97.2 प्रतिशत	ओ.पी.वी (3 खुराक)	98.5 प्रतिशत
डी पी टी (3 खुराक)	98.0 प्रतिशत	खसरा	95.5 प्रतिशत

राष्ट्रीय कार्यक्रम

मलेरिया

आई एफ पी ए में सक्रिय एवं निष्क्रिय निगरानी द्वारा रक्त स्लाइडों को एकत्रित किया जाता है।

कुल एकत्रित की गई स्लाइडों की संख्या : 12,255 सकारात्मक केसों की संख्या : 222

सूचियां

क) वार्षिक रक्त जांच दर 13.41 प्रतिशत

ख) वार्षिक परजीवी प्रभाव दर 2.42 / 1000 जनसंख्या

ग) स्लाइड सकारात्मक दर 1.81 प्रतिशत

तपेदिक

आर एन टी सी पी को आई एफ ए पी में राष्ट्रीय पैटर्न पर निष्पादित किया जाता है। दयालपुर पी एच सी को माइक्रोस्कॉपी केंद्र के रूप में तैयार किया गया है तथा यह आई एफ पी ए के तहत सभी ग्रामों का प्रबंध करता है। कुल फील्ड प्रैक्टिस क्षेत्र में उपचारित रोगियों का विभाजन निम्नानुसार हैं :

वर्ग I : 102 वर्ग II : 29 कुल : 131

विशेष सेवाएं

पशु दंश उपचार क्लिनिक (पी एच सी छैन्सा)

ऐंटी रेबीज़ टीक लगवाने वाले रोगियों की संख्या : (ए आर वी) :660

परिवार कल्याण कैंप (पी एच सी छैन्सा)

ट्यूबेक्टॉमी की कुल संख्या : 230 वेसेक्टोमी की संख्या : 16

सी आर एच एस पी बल्लभगढ़ के तहत आई ई सी गतिविधियां

विश्व स्वास्थ्य दिवस समारोह

1.	विश्व टी. बी. दिवस	22 मार्च 2012	प्रदर्शनी एवं स्वास्थ्य वार्ता
2.	विश्व स्वास्थ्य दिवस	07 अप्रैल 2012	प्रदर्शनी एवं स्वास्थ्य वार्ता
3.	विश्व तंबाकू विहिन दिवस	31 मई 2012	प्रदर्शनी एवं स्वास्थ्य वार्ता
4.	विश्व जनसंख्या दिवस सप्ताहांत	11–24 जुलाई 2012	स्वास्थ्य वार्ता
5.	विश्व स्तन पान सप्ताह	1–7 अगस्त 2012	

गतिविधियां

1.	अगस्त 2012	स्वास्थ्य वार्ता, लघु फिल्म प्रदर्शनी एवं पोस्टर प्रदर्शन – 10
2.	अगस्त 2012	समूह वार्ता एवं व्यक्तिगत परामर्श
3.	अगस्त 2012	स्तन पान एवं स्वास्थ्य वार्ता पर लघु फिल्म प्रदर्शन
4.	अगस्त 2012	स्वास्थ्य वार्ता एवं पोस्टर प्रदर्शन
5.	अगस्त 2012	स्वास्थ्य वार्ता एवं पैम्फलेट वितरण
6.	अगस्त 2012	स्वास्थ्य वार्ता
7.	पोषण सप्ताह	स्वास्थ्य वार्ता एवं पोस्टर प्रदर्शन
8.	17 सितंबर 2012	*एच आई वी / एड्स पर नुकड़ नाटक, एन ए सी ओ एवं डी जी एचएस, हरियाणा*
9.1	दिसंबर 2012	विश्व एड्स दिवस : प्रदर्शनी, स्वास्थ्य वार्ता, पुस्तकों का वितरण, पैम्फलेट

समूह स्वास्थ्य वार्ता : 82

विषय : नवजात उपचार एवं कंगारु माता उपचार, स्तनपान एवं दुग्धपान छुड़ाना, ऐटेंनेटल उपचार, उच्च जोखिम गर्भावस्था, गर्भावस्था में एनीमिया, संस्थागत प्रसूति की महत्ता प्रतिरक्षण महिला भेदभाव, डायरिया, न्यूमोनिया, स्केबिस, तंबाकू – डी – एडीक्शन, मलेरिया एवं डेंगू, तपेदिक, बच्चों में एनीमिया, बच्चों में कुपोषण, विट – ए – अभाव, डायबिटिस, हायपरटेंशन, एच आई वी / एड्स बच्चों में घटनाएं, निजी स्वच्छता, परिवार नियोजन पद्धतियां पोस्ट – नेटल केयर एवं डाइट नवजात शिशुओं का उपचार, स्वाइन फ्लू, जेरियाट्रिक उपचार, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं आदि।

लघु फिल्म प्रदर्शन : शिशु कल्याण केंद्र : (समय 9.30 से 10.30 प्रतिदिन) महत्वपूर्ण विषय : स्तनपान, ऐटीनेंटल एवं शिशु उपचार, महिला भ्रूण हत्या, नेत्र उपचार, विट – ए अभाव, कुपोषण एवं डायरिया।

वार्ड में परामर्श	**विशिष्ट स्तनपान अनुभव**		
समय	सायं 2–4 बजे सायं	प्रतिदिन (सामेवार – शुक्रवार) एवं	
	अपराहन 12–1 बजे सायं	शनिवार	
प्रदान की गई सलाह		पोस्ट नेटल माताएं :	1,917
		ऐंटीनेटल माताएं :	852

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम : सामुदायिक चिकित्सा में स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों के प्रशिक्षण हेतु शहरी क्षेत्र अभ्यास क्षेत्र दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, डॉ. अम्बेडकर नगर, दिल्ली में स्थित है। इस क्षेत्र में लगभग 35,000 जन समुदाय को स्वास्थ्य उपचार सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इन सेवाओं में क्लिनिक – आधारित सेवाएं एवं आवासीय स्वास्थ्य सेवाएं सम्मिलित हैं।

I. क्लिनिक – आधारित सेवाएं – यह सेवाएं 7 जनवरी 2013 तक मोबाइल स्वास्थ्य क्लिनिक द्वारा प्रदान की गई थीं। दिनांक 15 मार्च 2013 से यह सेवाएं शहरी स्वास्थ्य केंद्र से प्रदान की जा रही हैं जो कि बस्ती विकास केंद्र, मिनि सुभाष कैंप, ब्लॉक 14 के पीछे, दक्षिण पुरी एक्सटेंशन, डॉ. अम्बेडकर नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं।

II. आवासीय स्वास्थ्य सेवाएं – यह सेवाएं जन स्वास्थ्य नर्स पर्यवेक्षक, चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी एवं स्वास्थ्य सहायकों द्वारा घर जाकर प्रदान की जाती हैं।

क. दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, डॉ. अम्बेडकर नगर में देखे गए कुल रोगी : 26159

ख रेफरेलों की कुल संख्या : 1141

ग. डॉ. अम्बेडकर नगर में विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर दी गई स्वास्थ्य वार्ताएं : 110

घ. प्रतिरक्षण

0 खुराक ओ पी वी	54	बी सी जी	154
डी पी टी I	484	डी पी टी I I	479
डी पी टी 3	485	डी पी टी बी	463
ओ पी वी 1	484	ओ पी वी 2	479
ओ पी वी 3	486	ओ पी वी बी	463
डी टी (बूस्टर)+ओपीवी	383	खसरा	428
एम एम आर	471	टी टी 1 (ए एन सी)	211
टी टी 2 (ए एन सी) एवं टी टी (बूस्टर)	246		
टी टी अन्य + 6 वर्ष से अधिक	182		

हेपाटाइटिस बी

0 खुराक	5	1 खुराक	494
I I खुराक	490	I I I खुराक	527
टायफाइड	541	विटामिन ए I खुराक	894
फोलीफर (वयस्क)	61035	फोलीफर (बाल चिकित्सा)	4975

परिवार नियोजन स्वीकार करने वाले

कॉन्ड्मस	3860	मुखीय गर्भ निरोधक गोलियां 112 चक्र	

<u>प्रयोगशाला सेवाएं</u>

मलेरिया हेतु शीघ्र जांच	154	हीमोग्लोबिन	450
यूरीन एल्बुमिन एवं शर्करा	44	रक्त शर्करा आकलन	977

यौन एवं विवाह परामर्श क्लिनिक

नए रोगी 1755 पुराने रोगी 2320

स्वास्थ्य प्रगति एवं स्वास्थ्य संचरण (एच पी एच सी) एकक

घटना / प्रदर्शनी का आयोजन करना

दिनांक	गतिविधि का नाम	सहभागियों की संख्या
16 अप्रैल 2012	ब्लॉक संख्या 2 दक्षिणपुरी, डॉ. अम्बेडकर नगर में छह स्थानों पर 'हाइपरटेंशन' पर परियोजना इंटरवेंशन	160
19 जुलाई 2012	ब्लॉक संख्या 3 दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, डॉ. अम्बेडकर नगर में छः स्थानों पर 'मुखीय स्वास्थ्य' पर परियोजना इंटरवेंशन	180
9 अगस्त 2012	दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, डॉ. अम्बेडकर नगर में स्तनपान सप्ताह के अवसर पर 'स्तनपान एवं दूध छुड़ाना' पर प्रदर्शनी	90
31 सितंबर 2012	'बड़े स्तर का परिवार, डायरिया पी ई एम, प्रतिरक्षण, स्थूलता, एल्कोहल एवं ह्दय आघात' पर आयोजित परिवार स्वास्थ्य परामर्श सेवा (एफ एच ए एस) इंटरवेंशन कार्यक्रम (रोल प्लेयर्स), ब्लॉक संख्या 5 पार्क, दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, डॉ. अम्बेडकर नगर	160
7 सितंबर 2012	ब्लॉक संख्या 06 दक्षिणपुरी एक्सटेंशन डॉ. अम्बेडकर नगर में छः स्थानों पर 'मलेरिया एवं डेंगू' पर परियोजना इंटरवेंशंस	210
10 सितंबर 2012	'बाल विवाह, टी बी, पी ई एम, ए एन सी, स्तन पान एवं दूध छुड़ाना तथा प्रतिरक्षण पर आयोजित परिवार स्वास्थ्य परामर्श सेवा (एफ एच ए एस) इंटरवेंशंस कार्यक्रम (रोल *प्लेयर्स),* दक्षिण पुरी एक्सटेंशन, डॉ. अम्बेडकर नगर।	200
25 – 27 सितंबर 2012	अ. भा. आ. सं. में 6 'संस्थान दिवस स्वास्थ्य प्रदर्शनी के अवसर पर जन स्वास्थ्य मुद्दों पर 4 पोस्टरों को दर्शाया गया एवं 12 फिल्म का प्रदर्शन हुआ।	–
1 दिसंबर 2012	दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, डॉ. अम्बेडकर नगर में 'विश्व एड्स दिवस' पर प्रदर्शनी।	140
14 फरवरी 2013	ब्लॉक संख्या 1 दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, डॉ. अम्बेडकर नगर में छह स्थानों पर 'हाइपरटेंशन' पर परियोजना इंटरवेंशंस।	260

क्रम संख्या	**निम्न विषय पर पोस्टर बनाए गए / संशोधित / तैयार किए गए**	संख्या
1.	स्वास्थ्य उपचार ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र हेतु शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम – योगदान	1 1
2.	स्वाइन फ्लू पर पोस्टर	2
3.	हाइपर टेंशन पर पोस्टर	2
4.	मेनिनजाइटिस पोस्टर	2
5.	प्रकाशित हुए लेखों के विवरणों पर पोस्टर	1

अ. भा. आ. सं. के सभी आवासीय क्षेत्रों में डेंगू पर 2000 पुस्तकों के वितरण द्वारा वेक्टर जनित रोगों पर सूचना का प्रसार किया गया था। अ. भा. आ. सं. में प्रमुख स्थानों में डेंगू, स्वाइन फ्लू एवं हाइपरटेंशन जैसे विभिन्न विषयों पर स्वास्थ्य को बढ़ाने के लिए पोस्टर प्रदर्शित किए गए थे। वर्ष 2012–13 के दौरान टेलीफोन के द्वारा 'डेंगू हेल्पलाइन' को कार्यशील किया गया था। लोगों को उचित जानकारी प्रदान की गई एवं उनके संदेह को दूर किया गया था।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

सामुदायिक आधारित गैर – संचारित रोग, निवारण एवं नियंत्रण में, क्षमता निर्माण एवं अनुसंधान क्षेत्र सामुदायिक चिकित्सा केंद्र को डब्ल्यू एच ओ सहयोगी केंद्र के रूप में पदनामित किया गया है।

आचार्य सी. एस. पाण्डव को साउथ – ईस्ट एशिएन रीजनल पब्लिक हेल्थ सम्मेलन एवं इण्डियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन के 57वें अखिल भारतीय वार्षिक सम्मेलन के दौरान डॉ. बी. सी. दासगुप्ता मेमोरियल ओरेशन प्रदान किया गया था, 1 – 3 फरवरी 2013, विज्ञान नगर, कलकत्ता; सदस्य नियुक्त किया गया, 12वें पांच वर्षीय योजना (2012–17) को सूत्रबद्ध करने के लिए रोग भार (संचरित एवं गैर – संचरित पर कार्यरत समूह;) गैर – संचरित रोग जीवनशैली संशोधन पर संगोष्ठी में भाग लिया, बंगलौर, 9–10 अप्रैल, 2012, भारतीय जन स्वास्थ्य संघ; सदस्य, चयन समिति, राष्ट्रीय एड्स अनुसंधान संस्थान (एन ए आर आई), आई सी एम आर, पुणे, 9–10 अगस्त 2012; भारत में नमक आयोडाइजेशन हेतु गुणवत्ता आश्वासन में सुधार पर कार्यशाला में भाग लिया, 24 – 25 अगस्त 2012, गांधीधाम, गुजरात; इण्डियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन का 57वां फाउण्डेशन डे सेलीब्रेशन में भाग लिया, 28–19 सितंबर 2012, कलकत्ता; आई पी एच ए एवं आई ए पी एस एम महाराष्ट्र चेप्टर का संयुक्त राज्य सम्मेलन में भाग लिया, 22–24 जनवरी 2013, नागपुर, महाराष्ट्र; साउथ ईस्ट एशिएन रीजनल पब्लिक हेल्थ कांफ्रेंस एवं भारतीय जन स्वास्थ्य संघ का 57वां अखिल भारतीय वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया, 1–3 फरवरी 2013, विज्ञान नगर, कलकत्ता : 6 वां वार्षिक राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मेला (स्व. श्री दिग्विजय सिंह मेमोरिएल हेल्थ मेला) का संचालन किया, बंका, विहार; 22–24 फरवरी 2013; अनेक लोगों के एकत्रित होने की जन स्वास्थ्य जटिलताओं का मूल्यांकन करने एवं इसके लिए मार्गदर्शन प्रस्तुत करने के लिए कुंभ मेला, इलाहाबाद गए, 18–20 फरवरी 2013, भारतीय जन स्वास्थ्य संघ; गैर – संचारित रोग पर संगोष्ठी में भाग लिया, बंगलौर, 9–12 मार्च 2013, भारतीय जन स्वास्थ्य संघ; 'नेपाल में गोयटर नियंत्रण कार्यक्रम की जांच तथा मूल्यांकन करने' के लिए 16–19 जनवरी 2013 को विशेषज्ञ के रूप में नेपाल गए, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, एम डी (सामुदायिक चिकित्सा / सामुदायिक दंतचिकित्सा) भाग 1 एवं भाग 2 परीक्षा का संचालन किया, 11 – 13 फरवरी 2013, कोलंबो श्री लंका; 13वां वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ पब्लिक हेल्थ में भाग लिया, 23–27 अप्रैल 2012, एडिस एबाबा, एथियोपिया; भारतीय जन स्वास्थ्य संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में आयोडीन हीनता विकारों हेतु वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय परिषद् (आई सी सी आई डी डी) में भाग लिया, बोर्ड मीटिंग, पीसा इटली, 6–8 सितंबर 2012; दिनांक 18–23 मार्च 2013 में बैंग्कॉग, थाइलैण्ड में आयोडीन हीनता विकारों का स्पष्ट निष्कासन पर संगोष्ठी एवं कार्यशाला में भाग लिया।

आचार्य शशि कांत को इण्डियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एवं सोशल मेडीसिन का फेलो प्रदान किया गया; सदस्य, गवर्निंग कॉन्सिल ऑफ आई ए पी एस एम, 2013–20; संकाय कोर्डिनेटर, केंद्रीय कार्यशाला, अ. भा. आ. सं. प्रभारी, टेलीमेडीसिन सुविधा, अ. भा. आ. सं. सदस्य, एथिक्स उप – समिति, अ. भा. आ. सं. सदस्य, डीन्स कमेटी एवं स्टाफ कॉन्सिल, अ. भा. आ. सं. सदस्य, हाउसिंग एडवाइजरी कमेटी, अ. भा. आ. सं. सदस्य, शरीर क्रिया विज्ञान एवं जैव सांख्यिकीय विभाग, अ. भा. आ. सं. में नामांकित पी एच डी छात्रों के लिए डॉक्टॉरल कमेटी; सदस्य, एथिक्स कमेटी / इंस्टीट्यूशनल रीव्यू बोर्ड ऑफ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडीकल स्टेटिस्टिक्स (नई दिल्ली), एवं इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट एण्ड रिसर्च (जयपुर); सदस्य, एन आई एम एस की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (नई दिल्ली); सदस्य विशेषज्ञ समिति, विभिन्न परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् (नई दिल्ली); पी एम एस एस वाई के तहत व्यवस्थित छः अ. भा. आ. सं. हेतु संकाय सदस्यों की भर्ती के लिए विशेषज्ञ; सदस्य स्टीरिंग कमेटी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल (नई दिल्ली) की स्थापना; इण्डियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडीसिन, इण्डियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ एवं नेशनल मेडीकल जर्नल ऑफ इण्डिया को प्रस्तुत समीक्षित अनुसंधान लेख; एड्स नियंत्रण विभाग, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित अनेक टेक्नीकल रिसोर्स ग्रुप (अर्थात एस टी आई / आर टी आई, एच आई वी सेंटीनल सर्विलेंस एच आई वी अनुसंधान एवं विकास आदि) के सदस्य; एच आई वी/ एड्स महामारी विश्लेषण पर बी एम जी एफ एवं इसके गारंटी संस्थानों के साथ सहयोगी कार्य हेतु टेक्नीकल कोर्डिनेशन कमेटी एवं एपेक्स कमेटी के सदस्य के रूप में भाग लिया; ग्लोबल पब्लिक हेल्थ 2012 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, कोलम्बो, श्री लंका; दि इंडेप्थ मृत्युदर आंकड़े विश्लेषण कार्यशाला, 2–6 जुलाई 2012 एकरा, घाना; इण्डियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एण्ड सोशल मेडीसिन का 40वां वार्षिक सम्मेलन, 22–24 जनवरी 2013, नागपुर।

आचार्य संजीव कुमार गुप्ता टास्क फोर्स प्रोजेक्ट 'डिवेपलपमेंट ऑफ इण्डियन ऐंजाइटी एण्ड पेनिक क्वैशचनेरी' के विशेषज्ञ सदस्य थे, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् रिसर्च, नई दिल्ली; विशेष आमंत्रित, परियोजना समीक्षा समूह बैठक, फर्टिलिटी रेगूलेशन एण्ड एक्सपेंडिंग कंट्रासेप्टिव चोएसिस, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद्, नई दिल्ली; सदस्य समीक्षा समिति, अ. भा. आ. सं. द्वारा वित्तपोषित इंट्राम्यूरल परियोजनाएं (2012–2013); सदस्य, भण्डार क्रय समिति, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र; सदस्य, डिजीज प्रिवेंटेशन एण्ड आउटब्रैक रिस्पोंस सैल (डी पी ओ आर सी) समिति, अ. भा. आ. सं., सदस्य, संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण

कार्यक्रम के तहत अ. भा. आ. सं., की कोर कमेटी; इण्डियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडीसिन, दि नेशनल मेडीकल जर्नल ऑफ इण्डिया, इण्डियन जर्नल ऑफ मेडीकल रिसर्च, बी एम सी पब्लिक हेल्थ हेतु समीक्षक; सदस्य, डॉक्टोरल कमेटी, सामुदायिक नेत्ररोग विज्ञान विभाग, डॉ. रा. प्र. केंद्र, अ. भा. आ. सं., में पी एच डी शोध प्रबंध, सदस्य, स्टाफ कॉन्सिल अ. भा. आ. सं., दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैम्पस हेतु एम डी (सामुदायिक चिकित्सा) के शोध प्रबंध हेतु परीक्षक; नवंबर 2012; सदस्य, एम डी (सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन) परीक्षण हेतु परीक्षकों का बोर्ड, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, मुनीरका, नई दिल्ली, 22–25 अप्रैल 2012 एवं 18 – 19 अक्तूबर 2012;

आचार्य किरन गोस्वामी ने हिंदी पखवाड़े में भाग लिया एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता (हिंदी भाषा – भाषी वर्ग) में प्रथम पुरस्कार जीता; इंक्लेन में केंद्रीय दल के सदस्य, निम्न परियोजनाओं का संचालन किया बच्चों में कम पोषण के निर्धारक एवं स्वास्थ्य उपचार के विभिन्न स्तर में प्रबंध का निर्धारण तथा तीन भारतीय राज्यों में कोल्ड चैन, टीका आपूर्ति तथा नैमिक प्रतिरक्षण हेतु लोजिस्टिक्स मैनेजमेंट का गहराई से विश्लेषण; 'चाइल्डहुड ओबेसिटी इन इण्डिया : ए मल्टीसेंटर स्टडी ऑन इट्स मैजरमैंट्स एण्ड डिटर्मिनेंट्स विद रेफरेंस टू कार्डियो – मेटाबॉलिक रिस्क फैक्टर्स के तहत श्रीनगर (जे एण्ड के) में आंकड़े एकत्रित करने के लिए एफ जी डी के गुजरात राज्य पर्यवेक्षण हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला एवं पर्यवेक्षण का संचालन किया; आई सी एम टास्कफोर्स अध्ययन; सदस्य, मेटर्नल न्यूबोर्न, चाइल्ड हेल्थ एण्ड न्यूट्रीशन (एम एन सी एच एन) में नेशनल स्टीरिंग ग्रुप फॉर रीसर्च प्रियोरिटी सेटिंग एक्सर्साइज़।

डॉ. आनंद कृष्णन ने माह पांच के लिए एन सी डी के क्षेत्र में अस्थाई अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय के रूप में डब्ल्यू एच ओ / एस ई ए आर ओ के साथ कार्य किया; अध्यक्ष, सामुदायिक आधारित एन सी डी पी सी में क्षमता विकास एवं अनुसंधान हेतु डब्ल्यू एच ओ सहयोगी केंद्र; पांच साउथ ईस्ट एशियन देशों की सहभागिता के साथ 11 – 14 जून 2012 तक डब्ल्यू एच ओ रीजनल स्टेप्स निगरानी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया; एन सी डी के निवारण नियंत्रण हेतु संकेतकों एवं लक्ष्यों के साथ क्षेत्रीय स्ट्रेटेजिक एक्शन योजना का विकास करने के लिए डब्ल्यू एच ओ परामर्श में भाग लिया, 25 – 27 फरवरी 2013; मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिकाविज्ञानात्मक विकारों सहित एन सी डी पर डब्ल्यू एच ओ क्षेत्रीय मीटिंग में भाग लिया, 24 – 26 अप्रैल 2012; पी एच सी पहुंच के द्वारा एन सी डी के निवारण एवं नियंत्रण हेतु प्रियोरीटाइज्ड अनुसंधान एजेंडा पर डब्ल्यू एच ओ क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग एवं उसमें मदद की, 8 से 10 अगस्त 2012; बी एस सी (सामुदायिक स्वास्थ्य) हेतु पाठ्यक्रम विकास से संबंधित तथा नेशनल हेल्थ सिस्टम रिसोर्सिस सेंटर (एन एच एस आर सी) में मीटिंग तथा एन सी डी निवारण एवं नियंत्रण में ए एस एच ए की भूमिका में भाग लिया, एन सी डी डिवीजन के इण्डियन कॉन्सिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ऑफ में परियोजना समीक्षा समिति बैठक में भाग लिया; इलैक्ट्रोनिक एंव सूचना प्रौद्योगिक विभाग की परियोजना समीक्षा समिति की बैठक में भाग लिया; लांसेट हेतु हस्तलिपि, बुलेटिन ऑफ डब्ल्यू एच ओ, ग्लोबल हेल्थ एक्शन, इण्डियन पेडियाट्रिक्स, नेशनल मेडीकल जर्नल ऑफ इण्डिया, इण्डियन जे मेड रिसर्च की समीक्षा की।

डॉ. बरीदालाइन नोंगकायरीहि रिसोस व्यक्ति थे, इण्डियन जर्नल ऑफ मेडीकल स्पेसिएलिटि्स द्वारा आयोजित रिसर्च मेथोडोलॉजी एण्ड बायोस्टेटिस्टिक्स पर वार्षिक सम्मेलन एवं कार्यशाला, 26 अगस्त 2012, लेडी होर्डिंग मेडीकल कॉलेज, नई दिल्ली; सदस्य, ई एन टी परियोजनाओं में परियोजना समिति आर आई एम एस मणिपुर हेतु आई सी एम आर बाह्य परीक्षक, 18 – 19 अप्रैल 2012 को एम डी परीक्षा; एन ई आई जी आर आई एच एम एस, शिलोंग में एम बी बी एस अंतिम परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक, 13 – 14 दिसंबर 2012; बी. पी. कोयराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसिस धरन नेपाल हेतु शोध प्रबंध मूल्यांकन; कम्युनिटी मेडीसिन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ पी जी आई एम ई आर चण्डीगढ़ हेतु शोध प्रबंध मूल्यांकन। इण्डियन जर्नल ऑफ कम्यूनिटी मेडीसिन, ग्लोबल हेल्थ एक्शन, इण्डियन जर्नल ऑफ मेटर्नल एण्ड चाइल्ड हेल्थ की भारतीय पत्रिकाओं के लिए समीक्षक।

डॉ. पुनीत मिश्रा इण्डियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एण्ड सोशल मेडीसिन (आई ए पी एस एम) के भारतीय संघ के निर्वाचित अध्यक्ष; आई ए पी एस एम की फेलोशिप प्रदान की गई; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एपिडिमियोलॉजी एण्ड इंडेप्थ द्वारा आयोजित कार्यशाला में भाग लिया, एक्करा, घाना; लोकसभा टी वी एवं ऑन इण्डिया रेडियो पर विश्व एड्स दिवस पर डेंगू एव एच आई वी के दौरान डेंगू पर सीधा प्रसारण में भाग लिया; नागपुर में आई पी एच ए एवं आई ए पी एस एम का राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया; प्रोग्राम एडवाइजरी कमेटी मीटिंग में भाग लिया तथा डी एस टी, भारत सरकार के अधीन कई अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा की।

डॉ. संजय राय, भारत में एच आई वी/ एड्स सेंटीनल निगरानी हेतु केंद्रीय जोन के लिए नोडल व्यक्ति; एन ए सी ओ द्वारा समर्थित, भारत के पांच केंद्रीय क्षेत्र राज्यों (बिहार, दिल्ली, झारखण्ड,उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश) की एच आई वी सेंटीनल निगरानी गतिविधि को समर्थन देने के लिए उत्तरदायी; 'जे ई पार्क मेमोरिएल ओरेशन दिया; कोची में आई पी एच ए की 56वीं अखिल

भारतीय वार्षिक सम्मेलन, 13 फरवरी 2012 'सामुदायिक चिकित्सा में पी जी पाठ्यक्रम का विकास करना' तथा भारतीय जन स्वास्थ्य संघ में 'प्रतिरक्षण' पर उप समिति का सदस्य; स्वास्थ्य एवं जनसंख्या परिदृश्य एवं मुद्दे भारतीय जन स्वास्थ्य पत्रिका, भारतीय सामुदायिक चिकित्सा पत्रिका आदि जैसे विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशन हेतु हस्तलिपि की समीक्षा की; बिहार के बंका जिले में एन आर एच एम के तहत स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया, 2–4 मार्च 2012 एच आई वी सेंटीनल सर्विलैंस ऑफ इण्डिया को निगरानी करने के लिए बिहार, झारखण्ड, दिल्ली एवं यू पी के अनेक निरीक्षणात्मक क्षेत्र विजिटों का संचालन किया।

डॉ. वाई. एस. कुसुम ने 'हेल्थकेयर एसेस टू माइग्रेट्स इन मेट्रोस / मेजर सिटिस पर आई सी एम आर टास्कफोर्स परियोजना की 'प्रमुख अन्वेषक' बैठक में भाग लिया, आई सी एम आर, नई दिल्ली 26 – 27 फरवरी 2013; एथनो मेडीसिन एण्ड एफ्रो एशियन जर्नल ऑफ एंथ्रोपोलॉजी एण्ड सोशल पॉलिसी पर अध्ययन हेतु एडिटोरिएल बोर्ड सदस्य; एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, एन्नलस ऑफ ह्यूमन बायोलॉजी, एशियन पैसिफिक जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल मेडीसिन, बी एम सी पब्लिक हेल्थ, वी एम सी फैमिली हेल्थ, बी एम जे ओपन, जर्नल ऑफ ह्यूमन हायरपरटेंशन, जर्नल ऑफ अर्बन हेल्थ, जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, मेटर्नल एण्ड चाइल्ड हेल्थ जर्नल, स्टडीज ऑन एथिनो मेडीसिन, जर्नल ऑफ ह्यूमन इकोलॉजी आदि जैसी अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय व्यवसायिक पत्रिकाओं हेतु समीक्षक; एम फिल शोध प्रबंधों / एम डी / पी एच डी शोध प्रबंध के लिए परीक्षक के रूप में सेवा की तथा आई सी एम आर के अनुसंधान प्रस्तावों हेतु समीक्षक रहे।

डॉ. कपिल यादव ने पी ओ एस एच ए एन (पार्टनरशिपस एण्ड ओपरचुनिटिस टू स्ट्रेंथन एण्ड हार्मोनाइज़) एक्शंस फॉर न्यूट्रीशन इन इण्डिया) आई एफ पी आर आई में भाग लिया, 19 जून 2012 नए अं. भा. आ. सं. के उपकरणों की प्राप्ति हेतु तकनीकी समिति के सदस्य; 'आयोडीन डेफीसेंसी डिसआर्डर्स – रीचिंग दी गोल्स इन दि ट्वेल्फ प्लान पीरिएड' पर व्याख्यान दिया, एन ए एम एस एन एफ आई सिम्पोजिएम ऑन माइक्रोन्यूट्रीएंट डेफीसेंसी, न्यूट्रीशन फाउण्डेशन ऑफ इण्डिया, 22 मार्च 2013।

डॉ. अनिल गोस्वामी ने डिजीज प्रिवेंशन एण्ड आउटब्रेक रिस्पोंस सैल (डी पी ओ आर टी), होर्टीकल्चर एण्ड सैनीटेशन एडवाइजरी कमेटी' में भाग लिया, अ. भा. आ. सं., 11 अक्तूबर 2012; 6 फैकल्टी डिवेलपमेंट वर्कशॉप' में भाग लिया, 1 नवंबर 2012, 3 दिसंबर 2013, तथा 7 फरवरी 2012, अ. भा. आ. सं., के एल विग सीमेट; दि इण्डियन सोसाइटी फॉर मलेरिया एण्ड अदर कॉम्युनिकेबल डिजीज (आई एस एम ओ सी डी) दि इण्डियन एसोसिएशन ऑफ एपिडेमियोलॉजी (आई ए ई) की नौवीं संयुक्त वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया, 2 – 4 नवंबर 2012, इण्डियन हैबिटेट सेंटर नई दिल्ली 'फैमिली वेल्फेयर प्रोग्राम – एडवाइजरी कमेटी ऑफ ऑल इण्डिया रेडियो' की मीटिंग में सदस्य के रूप में भाग लिया, नई दिल्ली 16 जनवरी 2013; 'डिजीज प्रिवेंशन आउटबैक कंट्रोल सैल (डी पी ओ आर सी)' हेतु नोडल अधिकारी अ. भा. आ. सं. इण्डियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एण्ड सोशल मेडीसिन की 40वीं वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन' में शामिल हुए, 22 – 24 जनवरी 2013, प्रिवेंटिव एवं सोशल मेडीसिन विभाग, गर्व मेडीकल कॉलेज, नागपुर, महाराष्ट्र; 'साउथ – ईस्ट रीजनल पब्लिक हेल्थ कांफ्रेंस तथा 'इण्डियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन' की 57वीं अखिल भारतीय वार्षिक सम्मेलन में सम्मिलित हुए, 1–3 फरवरी 2013 विज्ञान नगर, कलकत्ता' 'वेक्टर जनित रोगों का निवारण एवं नियंत्रण' पर कार्यशाला में भाग लिया, इण्डिया हैबिटेट सेंटर 20 फरवरी 2013, दक्षिण दिल्ली नगरपालिका; 'वेक्टर जनित रोगों के संबंध में जागरूकता पर जन व्याख्यान में स्रोत व्यक्ति के रूप में भाग लिया था अ. भा. सं. आ. सं., 28 फरवरी 2013 द्वितीय क्रमिक अवधि हेतु ट्रैजरर ऑफ इण्डियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव मेडीसिन (आई ए पी एस एम) (ए राष्ट्रीय निकाय)' बने हुए हैं; सोशल वर्क स्नातक छात्र, सामाजिक कार्य विभाग, डॉ. भीमराव, अम्बेडकर सामाजिक कार्य विभाग, डॉ. भीमराव अम्बेडकर कॉलेज के लिए 'सामुदायिक चिकित्सा में चिकित्सा सामाजिक कार्य की भूमिका पर व्याख्यान दिया, दिल्ली विश्वविद्यालय यमुना बिहार, 27 जुलाई 2012 'विक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम' पर सुग्राहीकरण सत्र का संचालन किया, 'डिजीज प्रिवेंशन आउटब्रैक कंट्रोल सैल (डी पी ओ आर सी) के बैनर के अधीन अ. भा. आ. सं. सुलभ स्टाफ, सफाई निरीक्षक एवं सफाई अधिकारी, अ. भा. आ. सं., 18 मई 2012, 17 अगस्त 2012 एवं 31 अगस्त 2012; 'श्री सरस्वती कॉलेज ऑफ सोशल वर्क', वाशिम (महाराष्ट्र) के सामाजिक कार्य के छात्रों के लिए 'सामुदायिक चिकित्सा में शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान गतिविधियां' पर व्याख्यान दिया, 11 दिसंबर 2012; नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता हेतु निर्णायक 'पल्स 2012' यह अ. भा. आ. सं. छात्रों का एक सांस्कृतिक समारोह होता है, 19 सितंबर 2012, जिसमें 21 नुक्कड़ नाटकों का निर्णय किया गया था; विगत के कार्यकलापों एवं भविष्य की योजनाओं की समीक्षा करने के लिए 26 मार्च 2013 को अ. भा. आ. सं. की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में भाग लिया।

9.9 त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

विनोद कुमार शर्मा

आचार्य

नीना खन्ना   कौशल कुमार वर्मा   एम.रामम

अपर आचार्य

विनोद के. खैतान   सुजय खांडपुर

जी. सेथुरमन   सेमेश गुप्ता

शिक्षा

तीन उम्मीदवारों ने एम.डी. त्वचारोग एवं रतिजरोग विज्ञान के एमडी प्रशिक्षण को पूर्ण किया, 5 उम्मीदवारों ने 2 से 4 हफ्ते तक चलने वाले अल्पावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

सम्मेलन, क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

प्रदत्त व्याख्यान

वी.के. शर्मा : 10   **एम. रामम** : 10   **सुजय खांडपुर** : 10   **जी. सेथुरमन** : 2

सोमेश गुप्ता : 4

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारत में सोराइसिस एवं सोराइटिक आर्थराइटि्स का आनुवंशिकी विश्लेषण, वी. के. शर्मा, 2010–2013, एन. आई. एच., यू.एस.ए, 68 लाख रूपए।
2. सक्रिय नॉन – सेग्मेंटल जरनलाइज्ड विटिलिगो में फॉक्स, प्रोमोटर डीएनए मिथाइलेशन लेवल की इल्यूसिडेटिंग भूमिका, वी.के. शर्मा, 2011–14, डीबीटी, 60 लाख रुपए।
3. त्वचा पिगमेंटेशन हेतु सहायक कार्यक्रम, वी.के. शर्मा, 2008–12, डीबीटी, 28 लाख रुपए।
4. चिरकालिक प्लॉक सोराइसिस के उपचार हेतु एज़िथियोप्राइन बनाम मेथोट्रेक्सेट साप्ताहिक प्लस का यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण। आई.सी.एम.आर., हेतु 3 वर्ष के लिए, 2010–2013, 16.80 लाख रूपए।
5. क्रोनिक साइक्लोफॉस्फेमाइड थेरेपी द्वारा त्वचा रोगी रोगियों के यूरोलॉजिकल मूल्यांकन। सुजय खांडपूर, अ. भा. आ. सं.। लाख रूपये।
6. एक्सटेंसिव क्रोनिक प्लॉक सोराइजिस में मेथोट्रेक्लेट बनाम इटेनक्रेप्ट की नैदानिक प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा की तुलना, सुजय खांडपुर, अ. भा. आ. सं., 3.30 लाख रुपए।
7. जन्मजात इचिओसिस एवं केरेटेनाइजिंग डिसऑर्डर से पीड़ित बच्चों में विटामिन डी की कमी से रिकेट्स की रोकथाम, जी. सेतुरामन, नवंबर 2010 – अक्तूबर 2013, आई.सी.एम.आर., 18 लाख रूपए।
8. इनफेंटाइल हीमेंगियोमा के उपचार में सिस्टेमिक स्टेरॉइड्स का यादृच्छिक परीक्षण, जी. सेतुरामन। आई सी एम आर, सितंबर 2012 – अक्तूबर 2014, 16 लाख रुपए।
9. एपिडर्मोलाइसिस का मॉलीक्यूलर विश्लेषण, जी. सेतुरामन, नवंबर 2012 – अक्तूबर 2015, आई सी एम आर, 30 लाख रुपए।
10. एपिडर्मोलाइसिस बुलोसा के निदान में इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री तथा इम्यूनोफ्लूरोसेंस एंटीजन मैपिंग की तुलना तथा डी एन ए आधारित नैदानिक परीक्षण के साथ इनका सह संबंध, जी – सेतुरामन, 2012 – 15, डी एस टी, 36 लाख रुपए।
11. विटिलिगो से पीड़ित रोगियों में प्लाज्मा तथा यूरीनरी लेवल्स में केथेकोलामाइन्स का निर्धारण तथा मिलेनोसाइट प्रत्यारोपण के स्थायित्व एवं परिणाम के साथ सहसंबंध। सोमेश गुप्ता, आई.सी.एम.आर., 2011–13, 10 लाख रुपए सहित अन्य स्टाफ।

12. 0 से 2 सप्ताह के लिए इम्यूनोसिस्टोकैमिकल मार्कर के सफलतापूर्वक एवं असफलतापूर्वक रि – पिगमेंटेशन के स्तरों की तुलना द्वारा पिगमेंटेशन के स्थायित्व निर्धारण में इम्यूनोलॉजिकल कारकों की भूमिका, सोमेश गुप्ता, 2012 – 13, अ. भा. आ. सं. , 5 लाख रुपए।

पूर्ण

1. बाह्य एनोजेनाइटल वार्ट्स एवं वायरल लेड के रिडक्शन के नैदानिक मूल्यांकन में माइकोबैक्टीरियम कारक वैक्सीन तथा इमिक्वीमोड क्रीम के इंटरालेशनल इंजेक्शन द्वारा इम्यूनोथेरेपी की प्रभावोत्पादकता का तुलनात्मक अध्ययन। एक यादृच्छिक परीक्षण। 3 वर्ष + 1 वर्ष विस्तार, डी बी टी, जुलाई 2008 जुलाई 2012, 49.3 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

1. संस्थान (एम्स) में फोटोडर्मेटोसिस की नैदानिक रूपरेखा।
2. एन. ओटा लेंटिजिन्स, मेलास्मा इत्यादि के उपचार में .एन. डी. याग लेज़र।
3. पी.डब्ल्यू.एस. हेतु प्लस डाई लेज़र।
4. व्यावसायिक डर्मेटोसिस।

5. 3 दिन के लिए खाने वाली एसाइक्लोवीर 1 ग्राम दिन में दो बार की जेनाइटल हर्पिस में 5 दिनों के लिए खाई जाने वाली एसाइक्लोवीर 1 ग्राम दिन में एक बार के सेवन की प्रभावकता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन।
6. जेनाइटल हर्पिस से पीड़ित भारतीय रोगियों में जीवन गुणवत्ता (क्यूओएल) का मूल्यांकन।
7. मध्यम से गंभीर एलोपिसिया एरेटा के उपचार में साप्ताहिक एज़ेथिप्राइन पल्स (डब्ल्यूएपी) चिकित्सा बनाम बीटामेथासोन ओरल मिनी पल्स चिकित्सा।
8. विटि्लिगो के साइको–सोशल प्रभाव के मूल्यांकन हेतु फरदर वेलिटेशन एण्ड रिसपोन्सिवनेस ऑफ ए रेटिंग स्केल।
9. ग्रेन्युलोमेटोस चेलाइट्स तथा ल्यूपस मिलिएटिस डिसेमिनेट्स फेशिई का नैदानिक – विकृति विज्ञान संबंधी अध्ययन।
10. इनफ्लेमेट्री लेग नोड्यूल्स के क्लीनिको – पेथोलॉजिकल अध्ययन।
11. पेल्मोप्लांट सोराइसिस का हिस्टोलॉजिकल मूल्यांकन।
12. सेग्मेंटल विटिलिगो के उपचार में टॉपीकल पी.यू.वी.ए सॉल एवं मोमेंटासोन फ्यूरोएट का कांबीनेशन रेजिमेन।
13. फेशियल पोर्टवाइन स्टेन्स में पस्ड डाइ लेज़र 595 एन.एम. की प्रभावकता।
14. पेल्मोप्लांटर सोराइसिस में तीन उपचार ऐजिम्स की तुलना।
15. एलोपेसिया में स्काल्प बायोप्सी के हॉरीज़ोन्टल सेक्शन की उपयोगिता।
16. ग्रेन्यूलोमेटोस चिलाइटि्स एवं ल्यूपस मिलिएरिस डिसिमिनेट्स फेशिई का नैदानिक विकृतिजन्य अध्ययन।
17. एलोपिसिया का डर्मोस्कोपिक अध्ययन।
18. मध्यम से गंभीर एलोपिसिया एरेटा के उपचार में साप्ताहिक एज़ाथियोप्राइन पल्स थेरेपी बनाम बीटामेथासोन ओरल मिनी पल्स थेरेपी।
19. साइटोकाइन्स, ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर्स, कैमोकाइन रिसेप्टर्स का अध्ययन तथा पेम्फीगस वल्गोरिस में टी एच 17 तथा ट्रेग सेल्स के लाइजेंट्स।

सहयोगी परियोजनाएं

1. हर्पिस सिम्पलैक्स वायरसिस हेतु रीयल टाइम पॉलीमर्स चेन प्रतिक्रिया (सूक्ष्म जैव विज्ञान)
2. बेसल सेल कार्सिनोमा एवं केलाइड्स के उपचार हेतु रेडियोएक्टिव स्किन पैचिस (नाभिकीय चिकित्सा)
3. पार्थेनियम इन्ड्यूस्ड कांटेक्ट डर्मेटिटि्स के साथ टीएच 1 तथा टीएच 2 साइटोकाइंस में जेनेटिक पॉलीमॉर्फिज़्म (जैव रसायन)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 21 **पुस्तकों में अध्याय : 3**

पुरस्कार, सम्मान एवं उल्लेखनीय घटनाएं

आचार्य वी. के. शर्मा द्वारा शिलोंग, मेघालय में दिनांक 2 फरवरी 2013 को सहायक आचार्य, त्वचारोग विज्ञान के पद हेतु एक साक्षात्कार का संचालन किया गया; वह 18 सितंबर 2012 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की राष्ट्रीय एड्स

नियंत्रण संगठन की एस टी आई / आर टी आई मैनेजमेंट हेतु अद्यतन राष्ट्रीय गाइडलाइंस की उपसमिति के विशेषज्ञ थे; 14 फरवरी 2013 को नई दिल्ली में इंट्रोड्यसिंग कीमोप्रोफाइलेक्सिस ऑफ कांटेक्ट्स विद् रिफेम्पिसिन की संभावनाओं तथा कुष्ठ रोग संबंधी मामलों के उपचार एवं वर्गीकरण समीक्षा हेतु डी जी एच एस द्वारा आयोजित समिति के सदस्य थे; डेर्माकोन 2013 में आयोजित इण्डियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलोजिस्ट्स एण्ड वेनेरोलॉजिस्ट्स के 41वें राष्ट्रीय सम्मेलन में उन्हें शिक्षण एवं अनुसंधान हेतु आचार्य एल. के. भूटानी मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वह इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ डर्मेटोलॉजी, नई दिल्ली के कांग्रेस प्रेसीडेंट चुने गए। वह अमेरिकन सोसाइटी ऑफ कांटेक्ट डर्मेटोलॉजीद्व नेम्ड 'डर्मेटाइटिस के प्रकाशन के संपादकीय दल के सदस्य रहे तथा 1 मार्च 2013 को उन्होंने संपादकीय समिति की बैठक में हिस्सा लिया; 24 – 27 जनवरी 2013 को अहमदाबाद में 'इण्डियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट्स वेनेरोलॉजिस्ट्स एण्ड लेप्रोलोजिस्ट्स (आई ए डी वी एल) डर्माकोन 2013, के 41वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एंटीमेटाबोलाइट्स' पर आमंत्रित वार्ता 'सिग' (एस आई जी) की अध्यक्षता की; 23 – 24 मार्च 2013 को पी जी आई एम ई आर चंडीगढ़ में आयोजित 'डर्मेटोलॉजी अपडेट' के स्वर्ग जयंती क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा सत्र की अध्यक्षता की; 3–4 नवंबर 2013 में नई दिल्ली में पिग्मेंट सेल रिसर्च कांग्रेस की 5वीं एशियन सोसाइटी के 'पेथोजेनेसिस एण्ड 'क्लीनिकल फीचर्स ऑफ विटिलिगो' सत्र की अध्यक्षता की।

आचार्य के. के. वर्मा को इंटरनेशनल मेडिकल साइंसिस अकेडमी (एक आई एम एस ए) की छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया; वह प्रभारी आचार्य (परीक्षा) अ. भा. आ. सं. अवैतनिक सचिव अंतर्राष्ट्रीय संघ विरुद्ध यौन संचारित संक्रमण – एशिया फेसिफिक (आई यू एस टी आई ए जी), 2008–12 रहे; अंतर्राष्ट्रीय संघ द्वारा उन्हें यौन संचारित संक्रमण – एशिया के पेसिफिक (आई यू एस टी आई ए पी) 2014 – 16 को अध्यक्ष चुना गया, इण्डियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट्स, वेनेरोलॉजिस्ट्स एण्ड लेप्रोलोजिस्ट्स, दिल्ली प्रदेश (आई ए डी वी एल – डी एस बी) – 2012 के अध्यक्ष रहे; पेम्फीगस एड पल्स थेरेपी फाउंडेशन 2011 – 13 के अध्यक्ष रहे; इण्डियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट्स, वेनेरोलॉजिस्ट एण्ड लेप्रोलोजिस्ट्स, दिल्ली स्टेट (आई ए डी वी एल – डी एस बी / –के विभिन्न संस्थानों ने मासिक शैक्षिक बैठकों का आयोजन एवं सह संचालन किया तथा उसके अध्यक्ष रहे; जून 13.16.2012 में माल्मो, स्वीडन में यूरोपियन सोसाइटी ऑफ कांटेक्ट डर्मेटिटिस के 11वें सम्मेलन में "ऑक्युलेशन"। डर्मेटोसिस इन इण्डियन सबकांटीनेंट' विषय पर विशेष आमंत्रित अतिथि के तौर पर की नोट व्याख्यान प्रदान किया; मेलबोर्न ऑस्ट्रेलिया में आयोजित विश्व सम्मेलन में दिनांक 15 – 17 अक्तूबर 2013 को 13वें अंतर्राष्ट्रीय यूनियन के द्वारा आयोजित यौन संचारित संक्रमण (आई यू एस टी आई) में इण्डियास रिसपोंस टू एस टी आई / एच आई वी एपिडेमिक : सक्सेस स्टोरी पर अतिथि व्याख्याता के तौर पर व्याख्यान दिया, उन्होंने ज्यूरिज अस्पताल विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैण्ड में 21 जून 2012 को "ट्रॉपिकल स्किन इंफेक्शनंस इन इण्डिया' पर अतिथि के तौर पर व्याख्यान दिया; 16 – 18 फरवरी 2013 को उदयपुर राजस्थान में ऑफिस बेयरर्स एण्ड लोकल ऑर्गेनाइज़िंग कमेटी के सहयोग से पेम्फीगस एण्ड पल्स थेरेपी फाउंडेशन के प्रेसीडेंट के तौर पर 'पेम्फीगस एण्ड अदर ऑटोइम्यून डिजीज इन डर्मेटोलॉजी पर क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा सह कार्यशाला का आयोजन किया; 14 – 15 जुलाई 2012 हैदराबाद में इण्डियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट्स, वेनेरोलॉजिस्ट्स एण्ड लेप्रोलोजिस्ट्स (आई ए डी वी एल), की सेंट्रल कौंसिल मीटिंग में हिस्सा लिया, वह आई ए डी वी एल, दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष रहे।

आचार्य एम. रामम को आई ए डी वी एल, पश्चिम बंगाल शाखा के प्रधान डॉ. बी. एन. बनर्जी व्याख्यान पुरस्कार से सम्मानित किया गया; वर्ष 2012 के यू सी एस एफ कम्युनिटी फैकल्टी अवार्ड; आई जे डी वी एल में उत्कृष्ट मूल लेखन हेतु डॉ. विष्णुप्रिया देवी पुरस्कार 2012 प्रदान किया गया; वह कैलिफोर्निया विश्व विद्यालय, सेन फ्रांसिस्कों में अतिथि आचार्य रहे; क्यूटेनियस पेथोलॉजी प्रकाशन के संपादकीय दल के सदस्य; इंटरनेशनल डर्मेटोलॉजी जरनल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; डर्मेटोपेथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इण्डिया के सचिव; इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ डर्मेटोपेथोलॉजी की कार्यकारी कौंसिल के सदस्य; आई जे डी वी एल के भारतीय प्रकाशन के संपादक चुने गए।

डॉ. सुजय खांडपूर इण्डियन एसोसिएशन ऑफ आई ए डी वी एल (दिल्ली शाखा) 2012 के अवैतनिक सचिव; डर्मेटोपेथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इण्डिया 2012 – 13 के संयुक्त सचिव; इण्डियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट्स, वेनेरोलॉजिस्ट्स एण्ड लेप्रोलोजिस्ट (दिल्ली ब्रांच) 2013 के उपाध्यक्ष इण्डियन एसोसिएशन ऑफ आई ए डी वी एल की सलाहकार समिति के सदस्य; पाठ्यपुस्तक त्वचारोगविज्ञान 2013; इण्डियन एसोसिएशन ऑफ आई ए डी वी एल 2013 के नैदानिक परीक्षणों से संबंधित विशेष रुचि दल के सदस्य; इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ डर्मेटोलॉजी 2013 के संयुक्त संचालक सचिव; इण्डियन पीडिएट्रिक्स, डर्मेटोलॉजी, आई जे डी वी एल, इण्डियन जनरल ऑफ डर्मेटोलॉजी, ए सी एस आई, ब्रिटिश जरनल ऑफ डर्मेटोलॉजी के समीक्षक रहे।

डॉ. जी. सेतुरामन इण्डियन जनरल ऑफ डर्मेटोलॉजी – इण्डियन सोसाइटी फॉर पीडिएट्रिक डर्मेटोलॉजी अवार्ड, फॉर द बेस्ट ओरिजनल अर्टिकल इन पीडिएट्रिक डर्मेटोलॉजी (सेतुरामन जी., शर्मा वी. के., पाहवा पी., खेतान पी. स्टडी ऑफ स्टीवन्स जॉनसन सिंड्रोम (एस जे एस), टॉक्सिक एपिडर्मल नेक्रोलाइसिस (टीईएन) एण्ड एस जे एस, टी ई एन ओपरलेप इन चिल्ड्रन; इंडो डर्मेटॉल 2012; 57 : 199–200)। उत्कृष्ट अनुसंधान परियोजना तथा 2012 में श्रेष्ठ मूल अनुसंधान लेख हेतु डॉ. प्रेमलता पुरस्कार से सम्मानित (चौहान के., सेतुरामन जी., गुप्ता एन., शर्मा वी. के. इत्यादि। बच्चों तथा किशोरावस्था में विटामिन डी की कमी एवं रिकेट्स से इचियोसिफोम इराइथ्रोडर्मा में टाइप 4 तथा 5 स्किन ब्र. जे. डर्मेटॉल 2012; 166 : 608 – 615; इण्डियन अकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी (एफ आई ए डी) आई ए डी वी एल 2012 की छात्रवृत्ति; बी जे डी, आर्च, डर्मेटॉल, आई जे डी, आई जे डी वी एल, एण्ड जे पीडिएट्रिक्स, जे कट एस सर्ज के समीक्षक।

डॉ. सोमेश गुप्ता को क्यूटेनियस एवं एसथेटिक सर्जरी प्रकाशन का संपादक एवं प्रमुख नामित किया गया। वह यौन स्वास्थ्य (ऑस्ट्रेलिया) प्रकाशन के सह संपादक पद पर बने रहे; विश्व स्तर पर एस टी आई नियंत्रण में प्रयास हेतु अंतर्राष्ट्रीय यूनियन यौन संचारित संक्रमण के क्षेत्र में कार्य हेतु उन्हें रजत पदक प्रदान किया गया; भारतीय एस टी डी तथा एड्स संघ द्वारा 2012 के उत्कृष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया; एसोसिएशन ऑफ क्यूटेनियस सर्जन्स ऑफ इण्डिया के दिनांक 12 – 15 अप्रैल 2012 में होटल लीला कैम्पिंसकी गुड़गांव में आयोजित 11वें राष्ट्रीय सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय सोसाइटी फॉर डर्मेटोलॉजिक सर्जरी (आई एस डी एस) के चौथे संयुक्त स्प्रिंग मीटिंग के अधिवेशन के अध्यक्ष रहे।

9.10 आपात चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
प्रवीण अग्रवाल

आचार्य
एल.आर. मुरमू

सहायक आचार्य
मोहम्मद ताहिर अंसारी

उपलब्धियां

आपात चिकित्सा विभाग द्वारा जुलाई 2012 में आपात चिकित्सा में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का प्रारंभ किया गया। तीन रेजिडेंट्स में से विभाग में क्रमशः एक ने जुलाई 2012 तथा दो ने जनवरी 2013 में कार्यग्रहण किया। संपूर्ण भारतवर्ष में यह कुछ विभागों में से एक है। विभागीय संकाय वर्ग द्वारा आपात चिकित्सा के क्षेत्र में भविष्य के संकाय वर्ग को सक्रियतापूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। विभाग द्वारा अमेरिका के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के माध्यम से आपात चिकित्सा संबंधी सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं जिनका उद्देश्य इस क्षेत्र में चिकित्सकों, नर्सों तथा पैरामेडिकल स्टाफ को प्रशिक्षित करना है।

शिक्षा

विभागीय संकाय द्वारा लाइफ सपोर्ट पाठ्यक्रमों के तहत स्नातक–पूर्व और स्नात्तकोत्तर पाठ्यक्रमों को संचालित किया गया। विभाग द्वारा सप्ताह में तीन बार आपात चिकित्सा के रेजिडेंट्स के लिए शैक्षिक गतिविधियों की सारणी (सेमीनार, जरलन क्लास, केस डिस्कशन) चलाई जा रही है इसके अलावा विभागीय संकायवर्ग द्वारा व्याख्यान और सेमिनार के माध्यम से स्नातक–पूर्व, स्नात्तकोत्तर और नर्सिंग विद्यार्थियों को प्रबोधक शिक्षा प्रदान की जा रही है।

विभाग द्वारा चलाए जा रहे अल्पकालिक प्रशिक्षण के तहत अमेरिका, इंग्लैंड, आयरलैंड, जर्मनी, आस्ट्रेलिया एवं आस्ट्रिया के 11 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञानी शिक्षा
सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशालाओं का आयोजन

1. इमरजेंसी मेडिसिन प्रैक्टिस और एडवांस नैदानिक उपचार, 24–28 जुलाई, 2012

2. 8वां इन्डो–यू.एस. इमरजेंसी मेडिसन समिट–2012 (इन्डस–इ.एम. 2012), नासिक, इन कोलोबरेशन महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसिस, 24–28 अक्तूबर, 2012. द इंटरनेशनल कोलेब्रेटिंग पार्टनर्स पर यूनिवर्सिटी ऑफ साऊथ फ्लोरिडा, यू एस ए एंड स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क, डाऊनस्टेट मेडिकल सेंटर, यू एस ए।

3. एडवांसड टॉक्सिकोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट वर्कशॉप, 8वां इंडो यू एस इमरजेंसी मेडिसिन समिट– 2014.

प्रस्तुत लेख

1. मेटाकार्पल के जाइंट सेल अर्बुद हेतु फाइबुलर ऑटोग्राफर तथा सिलीकोन इंप्लांट आर्थोप्लास्टी द्वाराप पुनसंरचना, एशिया पेसिफिक आर्थोपेडिक्स एसोसिएशन कांफ्रेंस, 3–6 अक्तूबर, 2012.
2. पोस्टिसाइड पोइजनिंग, 8वां इन्डो–यू.एस. इमरजेंसी मेडिसन समिट–2012, नासिक 24–28 अक्तूबर, 2012.
3. प्लांट पोइजनिंग, 8वां इन्डो–यू.एस. इमरजेंसी मेडिसन समिट–2012, नासिक 24–28 अक्तूबर, 2012.
4. सर्पदंश, 8वां इन्डो–यू.एस. इमरजेंसी मेडिसन समिट–2012, 24–28 अक्तूबर, 2012.
5. दिल्ली में सामान्य पोइजनिंग सिनेरियो, 23 वार्षिक सी एम ई ऑफ दिल्ली स्टेट चेप्टर, एसोसिएशन ऑफ फिजीशियन ऑफ इंडिया, दिल्ली, 17–18 नवम्बर, 2012.

प्रदत्त व्याख्यान

प्रवीण अग्रवालः 4 मोहम्मद ताहिर अंसारीः 1

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 8

रोगी उपचार

आपात चिकित्सा विभाग (2011–12) की विभिन्न गतिविधियों का विवरणः–

रोगियों की औसत संख्या : 11,281 / माह
रोगियों की कुल संख्या : 1,35,375 (जनवरी 2012 से दिसम्बर 2012 तक)

पुरस्कार, सम्मान तथा उल्लेखनीय घटनाएं

आचार्य प्रवीण अग्रवाल प्रमुख सह–संपादक, जरनल ऑफ इमरजेन्सिस, ट्रॉमा एंड शॉक, एन इंटरनेशलन जरनल, इंडेक्सड इन पब मेड, नामित सदस्य, पोस्टग्रेजुएट ब्रॉड–रचोशिलिटी कमेटी अपाइंटिड बाइ द बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, मेडिकल कौंसिल ऑफ इंडिया, स्वास्थ्य महानिदेशालय सेवाओं के तहत गठित समिति के नामित सदस्य श्री अमरनाथ धर्मस्थल यात्रा हेतु तीर्थयात्रियों के चिकित्सा प्रमाणपत्र के प्रपत्र निर्माण हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के तहत गठित समिति के नामित सदस्य थे, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के तहत हाई एटीट्यूड माऊंटेन मेडिसिन पर आधारित पाठ्यचर्या एवं प्रशिक्षण माड्यूल के विकास हेतु विशेषज्ञ समिति के नामित सदस्य रहे, वह शेडियन फार्माकोपिया कमीशन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की वैज्ञानिक समिति के सदस्य तथा संस्थान की एथिक्स कमेटी के सदस्य रहे।

आचार्य एल.आर. मुरमू आपात चिकित्साओं, अभिघात एवं आघात संबंधी प्रकाशन एन इंटरनेशलन जरनल, इंडेक्सड् इन पब मेड के प्रमुख सह–संपादक हैं।

9.11 अंतः स्राविकी एवं चयापचय

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए. सी. अम्मीनी

आचार्य

निखिल टंडन   नंदिता गुप्ता   रविन्द्र गोस्वामी

अपर आचार्य

राजेश खड़गावत

सह–आचार्य

विवेक पी. ज्योत्सना

सहायक–आचार्य

मो. अशरफ गनी

वैज्ञानिक ग्रेड 4

एम. एल. खुराना

उपलब्धियां

विभाग हार्मोन आमापन, चयापचय अध्ययन तथा अस्थि सघनता माप के लिए बहिरंग सुविधाओं, प्रयोगशाला सेवाओं का संचालन हर रोज़ करता है।

शिक्षा

स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर, पैरामेडिकल प्रशिक्षण

विभाग स्नातकपूर्व चिकित्सा छात्रों और नर्सिंग छात्रों के अध्यापन में सक्रिय रूप से शामिल रहा। विभाग में आंतरिक चिकित्सा और जरा चिकित्सा से स्नातकोत्तर छात्र (एम डी) क्रमशः एक और दो माह के लिए कार्य करते हैं।

दीर्घ कालीन और अल्प कालीन प्रशिक्षण

- चार अभ्यर्थियों ने अपना डी एम पूरा किया तथा तीन नए अभ्यर्थियों ने डी एम पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया।
- दो विद्यार्थियों ने पीएच. डी. (अंतः स्राविकी) में प्रवेश लिया है।
- चार विद्यार्थियों ने अल्पावधि प्रशिक्षण पूर्ण किया।

राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

ए. सी. अम्मीनी : 8   एन. टंडन : 12   आर. गोस्वामी : 1   आर. खड़गावत : 6
वी. पी. ज्योत्सना : 3   मो. अशरफ गनी : 3

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. विटामिन डी तथा कैल्शियम से उपचारित ओस्टियोपोरोटिक रजोनिवृत्ति पश्च महिलाओं में अस्थिभंग के जोखिम को कम करने के लिए ओडानासेटिव (एम के – 0822) की सुरक्षा तथा प्रभावात्मकता का आकलन करने के लिए एक चरण – 3 यादृच्छिक प्लेसेबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण। ए सी अम्मीनी, एम एस डी 2009–14, 40 लाख रु.

2. उपयुक्त रोग प्रबंधन स्थापित करने के लिए जन्मजात एड्रिनल हाइपर प्लासिया (सीएएच) से प्रभावित परिवारों में सी वाय पी 21 ए2 जीन के आण्विक निदान के लिए राष्ट्रीय संदर्भ केन्द्र। ए सी अम्मीनी, डी बी टी, 2013–15, 4.35 लाख रुपए

3. जन्म भार तथा विकास पथ के आनुवंशिक निर्धारक तथा इन एंथ्रोपोमीट्रिक संकेतकों पर माता पिता के जीनो टाइप का प्रभाव। एन टंडन, डी बी टी, 2012–2015, 3 वर्ष, 126.63 लाख रु.

4. बाल्यावस्था मोटापा : प्रज्वलनशील मार्कर, जीन अंतर तथा एपीजेनेटिक्स – उत्तरी भारत के ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में एक संबंध अध्ययन। एन टंडन। डी बी टी, 2011–14, 60.91 लाख रु.

5. सीएआरआरएस एक ट्रांसलेशन परीक्षण : दक्षिण एशिया में एकीकृत, बहुकारक हृद संवहनी जोखिम अपचयन कार्यनीतियों का विकास तथा परीक्षण। एन टंडन, एन आई एच, 2011–15, 33.14 लाख रु.

6. शहरी भारत में गेस्टेशनल मधुमेह वाली महिलाओं में टाइप 2 मधुमेह का निवारणात्मक व्यवहार्यता अध्ययन, एन. टंडन ब्रिजिज संयुक्त राज्य अमेरीका, 2010–13, 32.44 लाख रु.

7. स्पोरेडिक इडियोपैथिक हाइपोपैराथाइरॉइडिज्म वाले रोगियों में उपचार 1 तथा उपचार 2 अभिव्यक्ति पैटर्न तथा एच एल ए प्रीडिस्पोजिशन। आर गोस्वामी। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2011–14, 48 लाख रुपए।

8. चिरकालिक हाइपोविटामिनोसिस डी वाले एशियाई भारतीयों में मौखिक कोलेकाल्सीफेरोल अनुपूरक से पूर्व तथा पश्चात् स्केलरल मांसपेशी सशक्तता इसके ऊर्जा चयापचय तथा अस्थि मिनरल होमियोस्टेसिस के साथ : आर गोस्वामी, आईसीएमआर, 2010–13, 37 लाख रुपए।

9. चिरकालिक हाइपोविटामिनोसिस डी वाले एशियाई भारतीय लोगों में उपचार 1 तथा उपचार 2 साइटोकाइन्स अभिव्यक्ति का पैटर्न तथा मौखिक कोलेकैल्सीफिरोल अनुपूरण के पश्चात् इसमें परिवर्तन। आर. गोस्वामी। आई सी एम आर 2011–14 : 32 लाख रुपए।

10. 11–17 वर्षीय आयु के मोटे एशियाई भारतीय लोगों में इंसुलिन प्रतिरोध तथा बीटा कोशिका प्रकार्य पर विटामिन डी अनुपूरण के प्रभावों की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण। राजेश खड़गावत, आई सी एम आर, 2011–14 : 47 लाख रुपए।

11. एक चरण – 3 बहु केंद्रक यादृच्छिक समानांतर समूह अध्ययन सेफ्टी एंड एफीकेसी ऑफ दि एल बी 03002, ए न्यू सस्टेंड रिलीज फार्मुलेशन ऑफ ह्यूमन रिकम्बीनेंट ग्रोथ हारमोन एज कम्पेयर्ड टू सस्टेंड डेली थैरेपी विद जीनोट्रापिन इन ट्रीटमेंट नेव चिल्ड्रन विद ग्रोथ फेल्यूर डयू टू इन सफिशियंट सीक्रेशन ऑफ एंडोजीनस ग्रोथ हार्मोन। आर खड़गावत। एल जी फार्मा, यूरो 50,000

12. अस्थि पंजर डिस्प्लासिया में निहित आण्विक इटियोलॉजी पर अध्ययन। राजेश खड़गावत, आंतरिक निधिकरण, एम्स, 1 लाख रुपए

13. एक भविष्यलक्षी चरण 3, बहुकेन्द्रिक, यादृच्छिक, खुले लेबल वाले अध्ययन में वृद्धि हार्मोन की कमी वाले बच्चों (4 – 12) वर्ष के वयः संधिपूर्व आयु में उपचार के लिए यूट्रॉपिन के साथ पुनयोगज वृद्धि हार्मोन (एचजीएच) यूएसवी की तुलनात्मक निरापदता और दक्षता का मूल्यांकन। राजेश खड़गावत, यू एस बी, 10 लाख रुपए

14. बुजुर्ग एशियाई भारतीयों में 60 वर्ष से अधिक आयु में कूल्हे की हड्डी की भंगुरता के साथ इसके टूटने से जुड़े क्लिनिकल, एपिडेमियोलॉजिकल और पर्यावरण संबंधी जोखिम कारकों का अध्ययन। राजेश खड़गावत, आई सी एम आर, 2013 – 16, 33.5 लाख रु.

15. वृद्धि हार्मोन की कमी वाले रोगियों में जीनोटाइप फीनोटाइप सह संबंध। वीपी ज्योत्सना, डी बी डी, 21 लाख रुपए।

16. प्राथमिक हाइपर पैरा थाइरॉइडिज्म, पिट्यूटरी ट्यूमर और पैनक्रियाटिक ट्यूमर के रोगियों में एम ई एन 1 जीन उत्परिवर्तन। वी पी ज्योत्सना, एम्स, आंतरिक परियोजना, 5 लाख रुपए।

17. पॉली सिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली भारतीय महिलाओं में प्रज्जवलन की भूमिका और भोजन संबंधी कारकों द्वारा इसका मॉड्यूलेशन। अशरफ गनी, डी बी टी, 2013–15, 57 लाख रुपए।

18. कश्मीरी स्कूलों में बाल्यावस्था के मोटापे से चयापचय परिणाम। अशरफ गनी, डी एस टी, एस के आई एम एस, श्री नगर, 2011–14, 18 लाख रुपए।

19. भारतीय पीसीओएस महिलाओं में ओसीपी के प्रोइंफ्लेमेटरी तथा प्रो कोएगुलेंट प्रभाव, डीएसटी, 2013–15, 32 लाख रुपए

20. बेसल बोलस व्यवस्था बनाम बेसल इंसुलिन उपचार में एफआईएएसपी की दक्षता और निरापदता, दोनों प्रकार 2 मधुमेह के वयस्क व्यक्तियों में मेट फॉरमिन के संयोजन के साथ। अशरफ गनी, 2013–15, 16 लाख रुपए

21. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली महिलाओं में उप क्लिनिकल हाइपो थाइरॉइडिज्म (एससीएच) में क्लिनिकल, जैव रासायनिक, हार्मोनल और इंसुलिन संवेदनशीलता पैरामीटरों के लिवो थाइरॉक्सिन विस्थापन में सुधार। अशरफ गनी, 2013–14, 5 लाख रु.

पूर्ण

1. रेग्युलेट परीक्षण (सी एल 3 – 00780 – 148 : बेनफ्लूरेक्स बनाम पियोगिलटोज़ोन) में पहले शामिल मधुमेह रोगियों में जांच औषध उद्भासन के पश्चात् अंतरराष्ट्रीय अनुवर्तन अध्ययन। ए सी अम्मीनी, सर्दिया

2. भारत में युवावस्था के आरंभ में ही मधुमेह वाले रोगियों का पंजीकरण। एन टंडन भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) 2006–2012।

3. भारत में विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में अतिभार / मोटे, पूर्व मधुमेह / मधुमेह के रोगियों में हिपेटिक मोटापे तथा संगत चयापचय प्राचलों की स्वस्थ व्यक्तियों के साथ तुलना करने के लिए एक गैर हस्तक्षेपात्मक, बहुकेंद्रक अध्ययन। एन टंडन, टोरेंट फार्मा, 2011–12

4. यह निर्धारित करने के लिए एक यादृच्छिकृत, डब्ल ब्लाइंड प्लेसेबो नियंत्रित समानांतर समूह अध्ययन कि क्या कार्डियोवास्कुलर तथा रीनल विकारों के लिए उच्च जोखिमग्रस्त टाइप 2 मधुमेह रोगियों में, पारस्परिक उपचार के अलावा अलिस्केरिन कार्डियोवेस्कुलर तथा रीनल मर्त्यता तथा रूग्णता को कम करती है। एन टंडन नोवार्टिस भारत 2007–2012

5. ''प्रतिरक्षा विज्ञानी प्राचलों के आकलन के साथ श्रेणी 1 दीर्घ पल्मोनरी क्षय रोग में एक संबद्ध उपचार के रूप में मुखीय विटामिन डी की भूमिका'' यादृच्छिक डबल ब्लाइंड परीक्षण'' डॉ. आर गोस्वामी : जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2006–2012

6. एक चरण – 3 बहु केंद्रक यादृच्छिक समानांतर समूह अध्ययन सेफ्टी एंड एफीकेसी ऑफ दि एल बी 03002, ए न्यू सस्टेंड रिलीज फार्मुलेशन ऑफ ह्यूमन रिकॉम्बीनेंट ग्रोथ हारमोन एज कम्पेयर्ड टू सस्टेंड डेली थैरेपी विद जीनोट्रापिन इन ट्रीटमेंट नेव चिल्ड्रन विद ग्रोथ फेल्योर ड्यू टू इन सफिशियंट सीक्रेशन ऑफ एंडोजीनस ग्रोथ हार्मोन। आर खडगवत। एल जी लाइफ साइंस, 2007–12

7. मधुमेह के मानक उपचार के अलावा ताल मेल पर सांस लेने (सुदर्शन क्रिया योग और प्राणायाम) के साथ डायबिटीज़ मेलिटस के रोगियों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण, अवसाद और जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव। वी पी ज्योत्सना, आई सी एम आर, 2009–12

8. मिर्गी रोधी दवाओं पर जुवेनाइल मायोक्लोनिक मिर्गी के रोगियों की हड्डी का स्वास्थ्य एम्स, 2011–12

9. प्रकार 2 डायबिटीज मेलिटस के रोगियों में कार्डियोवेस्कुलर रोग की छानबीन के लिए एन – बी एन पी आमापन का विकास। एम एल खुराना। आई सी एम आर, 2009–12

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. भारत तथा डेनमार्क में आनुवंशिकी तथा सिस्टम्स जीव विज्ञान (बायो चाइल्ड)। एन टंडन, डी बी टी, 2012–15

2. भारत में बाल्यावस्था मोटापा : हृद चयापचय जोखिम कारकों के संदर्भ में इसके माप तथा निर्धारकों के संबंध में एक बहुकेंद्रक अध्ययन। एन टंडन, आईसीएमआर, 2010–12

3. एडवांस – ऑन – मधुमेह तथा संवहनी रोग में क्रिया का प्रीटेराक्स तथा डायमीक्रोन एम आर नियंत्रित मूल्यांकन पश्च परीक्षण अवलोकनात्मक अध्ययन। एन टंडन। जॉर्ज इंस्टीटयूट फॉर इंटरनेशनल हेल्थ, ऑस्ट्रेलिया, 2010–12

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 75 **पुस्तकों में अध्याय : 1**

रोगी उपचार

अंतः स्राविकी एवं चयापचय विभाग में सभी छः कार्य दिवसों पर ओपीडी संचालित की जाती है जिनमें दो विशेषज्ञता क्लिनिक भी चलाए जाते हैं। बाल चिकित्सा तथा किशोर एंडोक्राइनोलॉजी क्लिनिक, पी ए ई सी (प्रत्येक सोमवार 2–5 बजे अपराह्न) तथा डायबिटीज ऑफ यंग क्लिनिक, डी ओ वाई (प्रत्येक शनिवार प्रातः 9.00 से 1.00 बजे दोपहर तक)। अंतःस्रावी क्लिनिकल में आने वाले रोगियों के लिए हार्मोनल और जैव रासायनिक जांचें तथा अस्थि सघनता मापन बताए जाने पर कराई जाती हैं।

विचाराधीन वर्ष में कुल 72,600 हार्मोन परीक्षण किए गए जिनका ब्यौरा निम्नानुसार हैं :

रोगी देखभाल के लिए हार्मोन के प्रतिरक्षा आमापन हेतु प्रयोगशाला सेवाएं
(हार्मोन आमापन के लिए कुल नमूने = 72000)

संख्या	हार्मोन	किए गए ट्यूब आमापन
1.	टी 4	**11,363**
2.	टीएसएच	**15,610**
3.	टीपीओ	**1760**
4.	एलएच	**2625**
5.	एफएसएच	**2636**
6.	पीआरएल	**2241**
7.	कोरटिसोल	**5040**
8.	टेस्टोस्टीरोन	**2736**
9.	डीएचईए	**866**
10.	17 ओएचपी	**381**

11.	एसीटीएच	**2281**
12.	पीटीएच	**5798**
13.	विटामिन डी	**8463**
14.	इंसुलिन	**5437**
15.	सी पेप्टाइड	**2423**
16.	जीएच	**799**
17.	जीएडी	**245**
18.	एफटी 4	**1113**
19.	आईजीएफ 1	**292**
20.	आईए2	**491**
	कुल	**72, 600**

विचाराधीन वर्ष के दौरान रोगी उपचार के लिए चयापचय प्रयोगशाला में की गई जैव रसायनी जांच (अप्रैल 2012 से मार्च 2013 तक)

क्रम संख्या	जांच	नमूनों की संख्या
1.	रक्त शर्करा	14, 198
2.	ग्लाइकेटिड हीमोग्लोबिन	12, 016
3.	मूत्र की जांच (यूरिन पी एच)	699
4.	ओस्मोलेलिटी	609
5.	कोलेस्ट्रॉल	2114
6.	ट्राइग्लिसराइड	2114
7.	एचडीएल	2114

किए गए डेक्सा स्कैन की कुल संख्या : 3450

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. ए. के. अम्मीनी एनडीएसी (नई औषधियां और नैदानिक परीक्षणों को अनुमोदन देने संबंधी मामलों में डीसीजीआई को सलाह देने वाली विशेषज्ञ समिति), आरईसी हेतु इंटरनल मेडिसिन एंडोक्राइंटोलॉजी संबंधी कार्य समूह, प्राणी विज्ञान अनुसंधान बोर्ड, डी आर डी ओ के सदस्य हैं।

प्रो. एन. टंडन को डायबिटीज, सीवीडी, आघात और कैंसर की रोकथाम और नियंत्रण संबंधी राष्ट्रीय कार्यक्रम हेतु तकनीकी संसाधन समूह में नियुक्त किए गए। नैदानिक परीक्षणों के पर्यवेक्षण और निगरानी करने संबंधी तकनीकी समिति में नियुक्त किए गए; क्रोनिक डिज़ीज बॉयलोजी कार्यबल, डीबीटी के सह – अध्यक्ष नियुक्त किए गए; डीबीटी के कार्यक्रम एसबीआईआरआई की तकनीकी छानबीन करने की समिति के सदस्य हैं; क्रोनिक डिजीज बॉयलोजी, डीबीटी के कार्यबल के सह – अध्यक्ष हैं; राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के उपाध्यक्ष हैं।

प्रो. आर. गोस्वामी 2007 से अब तक आई सी एम आर द्वारा सीनियर रिसर्च फेलो और रिसर्च एसोसिएट के चयन संबंधी समिति के सदस्य हैं; 2009 से अब तक भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् द्वारा एम डी, डी एम और एम सी एच थीसिस अनुदान हेतु चयन समिति के सदस्य हैं; 2007 से अब तक डी बी टी के क्रोनिक डिजीज बायोलॉजी कार्यबल के सदस्य हैं; पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की 'समुद्र' से औषधि संचालन समिति के सदस्य हैं।

डॉ. आर. खड़गावत ने 13–15 दिसंबर, 2012 को कोलकाता में सोसायटी ऑफ इण्डिया (ई एस आई सी ओ एन) में भाग लिया; खड़गावत आर., मारवाह आर के, गर्ग एम के, रमोल आर, ओबेरॉय ए के, गुप्ता एन. 10–14 वर्ष के स्वस्थ दिखने वाले स्कूली बच्चों में विटामिन डी की स्थिति पर विटामिन डी का प्रभाव, कोलकाता में 15.12.2012 को एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इण्डिया (ई एस आई सी ओ एन) के वार्षिक सम्मेलन में बेस्ट पेपर (पोस्टर) अवार्ड; बिरला एस, कछवा जी, शर्मा ए, जोरा आर, खडगावत आर। कंबाइंड पिट्यूटरी हार्मोन डेफिशिएंसी के प्रीनेटल डायग्नोसिस और पी आर ओ पी आई का जीन विश्लेषण; एंडोक्राइन राइटिंग में उत्कृष्टता हेतु आई जे ई एम वार्षिक अवार्ड 2012, ई एस आई, खंडेलवाल डी, भट्टाचार्य एस, खडगावत आर, कौर एस, टंडन एन, अम्मीनी ए सी, हाइपोकैलीमिक पैटालिसिस एज़ अ प्रेजेंटिंग मैनिफेस्टेशन ऑफ प्राइमरी खोग्रेन्स सिंड्रोम : अ रिपोर्ट ऑफ टू केसेस। इण्डियन जर्नल ऑफ एंडोक्राइनल मेटा. 2012 सितंबर; 16 (5) : 853 – 5; द एम्स एक्सीलेंसी अवार्ड – 2012 – ये

पुरस्कार संस्थान द्वारा संस्थान से प्रकाशित होने वाले बेहतरीन मूल अनुसंधान कार्य के लिए शुरू किए गए; उन्हें इस श्रेणी में तीसरा पुरस्कार (सर्टिफिकेट और 10,000 रुपए) प्राप्त हुए। यह पुरस्कार नोबल पुरस्कार विजेता द्वारा उत्कृष्ट अनुसंधान हेतु दिए जाते हैं; उन्होंने यह पुरस्कार, सर्टिफिकेट और 10,000 रुपए का चेक संस्थान दिवस पर 25 सितंबर 2012 को नोबल पुरस्कार विजेता प्रो. राबर्ट हुबेर (1988 में रसायन शास्त्र का नोबल पुरस्कार जीता) द्वारा दिया गया। यह पुरस्कार 'गहलोत एम, खड़गावत आर, रमोट आर, यूनिस एम, अम्मीनी ए सी गुप्ता एन. कलाइवानी एम 'के. प्रकाशन हेतु दिया गया द इफेक्ट ऑफ ग्रोथ हार्मोन डेफिशिएंसी ऑन साइज करेक्टेड बोन मिनरल मेजर्स इन प्री – प्यूबर्टल चिल्ड्रेन। ऑस्टियोपोरोज़ इंट. 2012 अगस्त 23(8):2211–7; 'इण्डियन एकेडमी ऑफ पीडिएट्रिक्स (आई ए पी); राजस्थान राज्य इकाई, जोधपुर, राजस्थान के वार्षिक सम्मेलन में 'शार्ट स्टेचर – हाउ टू प्रोसीड? पर डॉ. परितोष बंसल मैमोरियल व्याख्यान; एंडोक्राइन वार्षिक सम्मेलन में बेस्ट पेपर (मौखिक) अवार्ड और प्रतिष्ठित ए आर सेठ अवार्ड जीता।

डॉ. मोहम्मद अशरफ गनी ने कोलकाता में 42वें वार्षिक ई एस आई सी ओ एन 2012 में आई जे ई एम वार्षिक पुरस्कारों में प्रस्तुत बेस्ट पेपर हेतु द्वितीय पुरस्कार जीता; 2012 से अब तक डी बी टी द्वारा भोजन और जलन' संबंधी समीक्षक समिति के सदस्य हैं' ए ई – पी सी ओ एस सोसाइटी द्वारा पी सी ओ एस हेतु भारतीय अनुसंधान दल के संयोजक चुने गए; एस के आई एम एस श्रीनगर में अनुसंधान वित्तीयन (आई सी एम आर, डी एस टी, डी बी टी) के समन्वयक थे; इण्डियन थायरॉयड एसोसिएशन की बंगलौर आई टी एस सी ओ एन 2013 में आयोजित वार्षिक बैठक में एसोसिएशन के कार्यकारी सदस्य चुने गए; ऑक्यूपेशनल स्टैंडर्ड्स इन अलाइड हेल्थ एण्ड पैरामेडिक्स की द्वितीय उद्योग विधिमान्यकरण बैठक के सदस्य; 2012 से ए ई – पी सी ओ एस न्यूजलैटर की संपादकीय टीम के सदस्य।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. मर्लिन थॉमस, प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ एपिडेमियोलॉजी एण्ड प्रीवेंटिव मेडिसिन, मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया ने 'अर्ली डिटेक्शन ऑफ वेस्कुलर काम्प्लीकेशंस इन टाइप टू डायबिटीज एण्ड मैनेजमेंट विद इमर्जिंग थेरेपीज' पर वार्ता प्रस्तुत की।

2. डॉ. के. एन. पाण्डे, प्रो., डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोलॉजी, टूलेन विश्वविद्यालय, न्यू ओरलियन्स, यू एस ए, ने 'फिजियोलॉजीकल जीनोमिक्स एण्ड मॉलीकूलर सिग्नलिंग ऑफ नेट्रीयूरेटिक पेप्टाइड्स रिसेप्टर इन हाइपरटेंशन एण्ड कार्डियोवेस्कुलर डिजीज स्टेट्स पर वार्ता प्रस्तुत की।

9.12 न्याय चिकित्सा और विष विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
सुधीर के. गुप्ता

आचार्य
डी.एन. भारद्वाज

अपर आचार्य
ओ.पी. मूर्ति
मइलो तबिन
संजीव लालवानी (ज.प्र.ना.ए.ट्रा.कें.)
आदर्श कुमार (ज.प्र.ना.ए.ट्रा.कें.)

सहायक आचार्य
चितरंजन बहेरा

वैज्ञानिक ग्रेड–II
अनुपमा रैना

कैमिस्ट
ए.के. जायसवाल

मुख्य–मुख्य बातें

विभाग द्वारा अनेक गतिविधियां निष्पादित की जाती हैं। यह शिक्षण, अनुसंधान, प्रशिक्षण, मेडिको–लीगल पोस्टमार्टम, शवलेपन सेवाएं, आपात कार्य, नैदानिक न्याय चिकित्सा सेवाएं एवं न्यायालय से संबंधित मामले में व्यस्त रहा। विभाग के पास न्यायालयों, एन एच आर सी, सी बी आई, अपराध शाखा, दिल्ली पुलिस और अन्य राज्यो से अन्वेषण एजेंसियों द्वारा भेजे गए मामलों को निष्पादित किया गया। विभाग द्वारा तीन प्रयोगशाला सेवाएं यथा– विष विज्ञान प्रयोगशाला, डी.एन.ए. फिंगर प्रिंटिंग और उत्तक विकृतिविज्ञान प्रयोगशाला चलायी जाती है।

शिक्षा

विभाग द्वारा स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर शिक्षण में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। वर्तमान में, 9 स्नातकोत्तर छात्र (एम.डी.) एवं 3 पीएच डी छात्र विभाग में पंजीकृत हैं। विभाग में भारत के अन्य विश्वविद्यालयों से बी एसी/एमएससी छात्रों के डी.एन.ए. फिंगरप्रिंटिंग एवं चिकित्सा विष–विज्ञान में प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/सम्मेलन

1. दिनांक 4 मई, 2012 के गुणवत्ता न्यायचिकित्सा सेवाएं विषय पर कार्यशाला।
2. दिनांक 7 नवम्बर, 2012 को गुणवत्ता फरेंसिक एवं प्रशिक्षण विषय पर कार्यशाला।

प्रदत्त व्याख्यान

आदर्श कुमारः 14 सी. बेहेराः 1, ए.के. जायसवालः 1,

शोध पत्र प्रस्तुति (मौखिक/पोस्टर): 7

अनुसंधान

पूर्ण

1. अचानक स्वाभाविक मृत्यु के मामले में हृदय की स्थिति की प्रणाली का ऊत्तक विकृति विज्ञान अध्ययन।
2. युवा भारतीय जनसंख्या में कोरोनरी ऐथरोस्केलेरोसिस की विद्यमानता– अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में एक ऑटोप्सी अध्ययन।
3. दक्षिण दिल्ली क्षेत्र में सी एस एफ और विटेरियस ह्यूमर के विश्लेषण से पोस्टमार्टम अंतराल के निर्धारण के लिए तुलनात्मक अध्ययन।
4. एक टेरटरी केयर हॉस्पिटल में मेडिकल लीगल मामले में फैक्टर्स एफेक्टिंग टीशू एवं अंगदान का अध्ययन करना।

जारी

1. विस्टार रैट्स में ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस संबंधी पैरामीटरों से संबंधित ट्राइऐजोफॉस और ब्यूटीलेटेड हाइड्रोजिनासाइड के मिश्रण के गंभीर और चिरकालिक प्रकटन का प्रभाव।
2. विस्टार रैट्स के विसरा में सब सेल्युलर परिवर्तनों के संबंध में पेस्टिसाइड्स साइपरमेथ्रिन और इंडोसल्फान के मिश्रण के लिए प्रकटन का प्रभाव।
3. अनिश्चित न्यायिक स्थितियों में एस टी आर मार्करों सहित वैयक्तिपरक हेतु न्याय प्रदशों के बीच चिह्नित विश्वसनीय स्रोत का पायलट अध्ययन।
4. दक्षिण दिल्ली की जनसंख्या में रक्त में लेड लेबल का आकलन करना– एक क्रॉस–सेक्शनल ऑटोप्सी आधारित अध्ययन।
5. रिगर मोरटिस का खुली आंखों से जांच करके पोस्टमार्टम इंटरवल का अनुमान लगाना।
6. फांसी के मामले में लिगेचर दबाव के कारण गले में विभिन्न चोटों का अध्ययन करना।
7. विकिरणविज्ञानी एवं शरीररचना विज्ञानी विधियों द्वारा ह्यूमन एवं नान ह्यूमन लांग बोन का तुलनात्मक अध्ययन करना।

सहयोगी परियोजना

1. आंतरिक कान का विभिन्न इंडोस्कोपिक पहलुओं का एक मूल्यांकन।

प्रकाशन

जर्नलः 30

रोगी उपचार

1. **आपात सेवाएंः** विभाग द्वारा चोट, यौन अपराध, विषायन और अन्य जटिल मामलों में कैजुअल्टी में चौबीस घंटे सेवा प्रदान की जाती है। विभाग द्वारा पुलिस और न्यायिक अभिरक्षा में चिकित्सा जांच के संबंध में बुलाए जाने पर हमेशा उपस्थित होता रहा है। वर्ष 2012–13 के दौरान विभाग द्वारा कुल 277 मेडिको लीगल मामलों में परीक्षण किया गया।
2. **मेडिकोलीगल पोस्टमार्टम सेवाएंः** विभाग द्वारा सप्ताह के सभी दिनों पर मेडिकोलीगल पोस्टमार्टम सेवाएं प्रदान की जाती है। इसमें मजिस्ट्रेट तहकीकात मामले, बोर्ड मामले एवं उत्खनन के मामले शामिल है। कुल 1712 पोस्टमार्टम को निष्पादित किया गया।
3. **नैदानिक न्याय चिकित्साः** विभाग द्वारा उम्र का अनुमान लगाने, चिकित्सा जांच करने, विवाह विवाद, पुरुषत्व, डी.एन.ए.–फिंगरप्रिंटिंग आदि के मामलों में जांच भी किया जाता है, जो कि उसे माननीय न्यायालयों, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और अन्य एजेंसियों द्वारा भेजे जाते हैं। वर्ष 2012–13 के दौरान कुल 41 मामलों का निष्पादन किया गया।
4. **डी.एन.ए. फिंगरप्रिंटिंगः** विभाग द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया और विशेष न्याय चिकित्सा मामलों में न्यायालयों एवं अन्य अन्वेषण एजेंसियों द्वारा भेजे गए मामलों में डी.एन.ए.–फिंगरप्रिंटिंग सेवाएं प्रदान की गई। कुल 46 नमूनो की पड़ताल की गई।
5. **चिकित्सा विष विज्ञानः** विभिन्न विषों हेतु परीक्षण जैसा कि हेवी मेटल्स, ओपिऐट्स, बेंजोडायजेपिन्स और ऐल्कोहॉल परीक्षण विष विज्ञान प्रयोगशाला में निष्पादित किया गया। यहाँ पर विभिन्न विश्वविद्यालयों से

उम्मीदवारों के अल्पकालीन प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। वर्ष 2012–13 के दौरान कुल 51 नमूनों की जाँच–पड़ताल की गई। 06 उम्मीदवारों को प्रयोगशाला में अल्पकालीन परीक्षण प्रदान किया गया।

6. **न्याय विकृति विज्ञानः** विभाग द्वारा एम्स एवं अनुसंधान उद्देश्य हेतु विधिक चिकित्सा ओटोप्सी मामलों के नमूनों के लिए ऊतकविकृति विज्ञानी सेवाएँ प्रदान की जा रही है। अनुसंधान करने के लिए यह विभाग हिस्टोपैथोलॉजी सेवा प्रदान करता है। वर्ष 2012–13 के दौरान कुल 134 नमूनों की जाँच–पड़ताल की गई।
7. **न्यायालय सम्मनः** विभाग द्वारा वर्ष 2012–13 के दौरान कुल 874 सम्मन प्राप्त किया और न्यायालय में उपस्थित हुए।
8. **सामुदायिक सेवाएँः** विभाग द्वारा पूरे देश से पधारे के केंद्रीय अन्वेशण ब्यूरो अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, चिकित्सा अधिकारियों, न्यायाधीशों, लोक अधिवक्ताओं एवं न्याय चिकित्सा विशेषज्ञों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया। यहाँ विष विज्ञान एवं डी.एन.ए. प्रयोगशाला में विभिन्न विश्वविद्यालयों से उम्मीदवारों को अल्पकालीन प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

पुरस्कार एवं सम्मान

कार्तिक कृष्ण ने चिकित्सा, अनुसंधान एवं न्याय चिकित्सा में संग्राहालय डिजाइनिंग के पहलुओं परः भारत में संभावित चुनौतियों पर शोधपत्र हेतु प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, दिनांक 1–3 फरवरी, 2013, न्याय चिकित्सा विभाग एवं विष विज्ञान, कस्तुरबा मेडिकल कॉलेज, मंगलोर में भारतीय न्याय चिकित्सा अकादमी के 34वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन एवं डुंडी विश्वविद्यालय, यू.के. द्वारा 'स्कोटिस्ट ट्रेवल ग्रांट' प्राप्त किया।

डॉ. आदर्श कुमार को वर्ष 2012 के लिए रोमानियन जोनरल आफ लीगल मेडिसीन, संपादकों के अंतर्राष्ट्रीय परिषद का सदस्य नामित किया गया, 'इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ पर्सनल इंनजुरी– 2012–14 हेतु बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया, दिनांक 26 जनवरी, 2013 को तिरूअनंतपुरम, केरल में इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल लिगल एक्सपर्ट की सदस्यता प्रदान की गई।

डॉ. सी. बेहरा को फैकेल्टी श्रेणी के पोस्टर 'फारेंसिक एप्रोच टू ए केस आफ एल्युमिनियम फास्फाइड पोवाइजनिंग इन्वालविंग ह्यूमन्स एंड डॉग्स– विषय पर 34वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, इंडियन एकेडमी ऑफ फारेंसिक मेडिसीन (फारेंसिक मेडिकॉल–2013) 1–3 फरवरी, 2013, न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग, कस्तुरबा मेडिकल कॉलेज, मैंगलोर में श्रेष्ठ पत्र पुरस्कार प्रदान किया गया। इंटरनेशनल मेडिकल साइंस अकादमी द्वारा फेलोसिप प्रदान किया गया, दि ट्रांसप्लांटेशन ऑफ ह्यूमन आरगनस एक्स (संशोधित) अधिनियम 2011 (टी एच ओ ए संशोधित 2011) एवं प्रारूप नियमावली के उद्देश्य हेतु नेशलन केसलेटेंशन टू डेवलप गाइडलाइन फार टीशू रिट्राइवल एंड टीशू ट्रेकिंग ऑरबो, एम्स, नई दिल्ली, तकनीकी समिति का सदस्य नामित किया गया।

9.13 जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण

आचार्य एवं अध्यक्ष
एस. के. आचार्य

आचार्य
उमेश कपिल
अनूप सराया

अपर आचार्य
प्रमोद गर्ग
विनीत आहूजा
गोविंद के मखारिया

सहायक आचार्य
बैबसवता नायक
शालीमार

वैज्ञानिक ग्रेड IV
श्याम प्रकाश

विशिष्टताएं

विभाग ने इन्फलेमेटरी बाऊल डिजीज के क्षेत्र में यू एस – इंडो फाउंडेशन फॉर रिसर्च एंड ट्रेनिंग द्वारा श्रेष्ठ केंद्र प्राप्त किया। डॉ. एस. के. आचार्य को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जे सी बोस नेशनल प्रोफेसरशिप पुरस्कार प्रदान किया गया। विभाग द्वारा दिनांक 28 जुलाई 2012 को विश्व हेपेटाइटिस दिवस आयोजित किया किया। इस अवसर पर, भारत में वायरल हेपेटाइटिस की जागरूकता बढ़ाने के लिए जन व्याख्यान का आयोजन किया गया। विभाग द्वारा अलग से इंडोसोनोग्राफी पर सी एम ई नामक जी आई इम्यूनोलॉजी तथा हैंड्स ऑन ट्रेनिंग वर्कशॉप आयोजित किया गया। विभाग द्वारा शिक्षा, अनुसंधान तथा कार्यक्रम के साथ राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय बोर्ड पर सुविधाएं प्रदान की जा रही है।

शिक्षा

विभाग द्वारा जठरांत्र रोग विज्ञान में डी एम, तथा जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण एकक में पी एच डी पर पाठ्यक्रम हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए जा रहे हैं। विभाग ने प्रशिक्षण में नामांकित स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर छात्रों के प्रशिक्षण में भी भाग लिया।

दीर्घ अवधि प्रशिक्षण : 13 डी एम छात्र 6 पी एच डी छात्र
अल्प अवधि प्रशिक्षण : वर्ष 2012–13 में 3–6 माह के लिए 10 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया।

आण्विक जठरांत्र रोग विज्ञान : इसमें शिक्षात्मक व्याख्यान तथा हैंड्स ऑन प्रशिक्षण सम्मिलित है।
1. सीरोलॉजिकल मार्करों को समझने के लिए आधुनिक एवं परंपरागत एलिसा।
2. वायरस हेतु आण्विक विश्लेषण / एन ए टी विश्लेषण।
3. जी आई रोग हेतु जेनेटिक एवं एपिजेनिक मार्कर्स
4. जैवरसायनिक मार्कर्स

विभाग द्वारा आयोजित सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां

1. भारत में वायरल हेपेटाइटिस की जागरूकता को बढ़ाने के लिए जन व्याख्यान। इस कार्यक्रम में 500 से ज्यादा रोगी तथा सामान्य लोगों ने भाग लिया तथा यह एक सफल कार्यक्रम था। हेपेटाइटिस बी तथा सी पर एक बड़ा संदेश दिया गया जो कि भारत में क्रिहोसिस तथा लीवर कैंसर का बड़ा कारण है तथा यह बचाव तथा उपचार योग्य हैं, 28 जुलाई 2012, एम्स, नई दिल्ली।
2. सी एम ई, जी आई इम्यूनोलॉजी, 12 – 13 जनवरी 2013, दि ओबरॉय, गुड़गांव।
3. इंडोस्कोपिक अल्ट्रासोनोग्राफी (ई यू एस) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, एम्स, 11–15 मार्च 2013।

सी एम ई, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान : 58 **मुखीय पेपर / पोस्टर प्रस्तुती : 2**

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. स्पोनटेनियस बैक्टीरियल पेरिटोनाइटिस हेतु प्रोबायोटिक्स एस. के. आचार्य, सी डी फार्मा, 4 वर्ष।
2. क्रॉनिक एच बी वी संक्रमण वाले रोगियों में इम्यूनोटोलेंट का प्राकृतिक कोर्स। एस. के. आचार्य, एम एस डी (फुलफोर्ड इंडिया), 3 वर्ष, 18,79,750 रुपए।
3. अनरिसेक्टेबल हेपाटासेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार में ट्रांसआर्टिरियल कीमोइम्बोलाइजेशन (टी ए सी ई) बनाम टी ए सी ई और मुखीय दवा चिकित्सा का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आर सी टी)। एस. के. आचार्य, आई सी एम आर (एच सी सी से स्वीकृत परियोजना) 3 वर्ष के लिए, 42,27,933 रुपए।
4. उन्नत हेपाटोसेल्यूलर कार्सिनोमा (बी सी एल सी अवस्था डी) के उपचार में मुखीय थैलीडोमाइड तथा कैपीसिटाबाइन बनाम सहायक चिकित्सा का यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (आर सी टी)। एस. के. आचार्य। आई सी एम आर (एच सी सी से स्वीकृत परियोजना), 3 वर्ष के लिए, 14,05,895 रुपए।
5. सिरोसिस के रोगियों में हेपाटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार हेतु रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन (आर एफ ए) तथा परक्यूटेनियस एसिटिक एसिड (पी ए आई) का यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (आर सी टी) एस. के. आचार्य, आई सी एम आर (एच सी सी से स्वीकृत परियोजना), 3 वर्ष के लिए, 22,98,821 रुपए।
6. अनरिसेक्टेबल हेपाटोसेल्यूलर कार्सिनोमा (बी सी एल सी सी) के उपचार में ट्रांसआर्टिरियल कीमोथेरेपी (टी ए सी) बनाम मुखीय थेलिडोमाइड एवं कैपीसिटाबाइन का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। एस. के. आचार्य, आई सी एम आर (एच सी सी से स्वीकृत परियोजना), 3 वर्ष के लिए। 31,51,663 रुपए।
7. भारतीय लोगों में नॉन एल्कोहलिक फेट्टी लीवर रोग में विकृतिरोग जनन का अध्ययन। एस. के. आचार्य, डी एस टी, 3 वर्ष (2013–15) 45 लाख रुपए।
8. प्रोटियोमिक्स का प्रयोग करते हुए इंटेस्टिनल ट्यूबरकुलोसिस से क्रोहन रोग के विभेदीकरण हेतु बायोमार्कर की पहचान। एस. के. आचार्य, डी बी टी 3 वर्ष, 43 लाख रुपए।
9. 6–59 माह की आयु के बच्चों में स्वर्णमान के रूप में प्रयोग करते हुए 3 एस डी – से कम लंबाई एवं वज़न के लिए गंभीर तीव्र कुपोषण की पहचान करने के लिए मिड अपर आर्म सरकमफिरेंस (एम यू ए सी) का वैधीकरण। उमेश कपिल, आई सी एम आर, 15 माह के लिए, 54 लाख रुपए।
10. उत्तराखण्ड राज्य, भारत के तीन क्षेत्रों में आयोडीन स्थिति, उमेश कपिल, आई सी एम आर, 2 वर्ष के लिए, 60 लाख रुपए।
11. हिमाचल प्रदेश, भारत के तीन क्षेत्रों में गर्भवती माताओं, विद्यालय जाने की आयु वाले बच्चों एवं नवजात थायरॉइड उद्दीपन हार्मोन कन्सनट्रैशन की आयोडीन स्थिति। उमेश कपिल, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2 वर्ष के लिए, 71 लाख रुपए।
12. भारत के उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र हिमाचल प्रदेश, केरल तथा राजस्थान राज्यों में जिंक डिस्पर्सिबल गोलियों, आई एफ ए गोलियों / तरल एवं वी ए संपूर्णों के प्रापण, वितरण तथा प्रबंधन पद्धति की स्थिति। उमेश कपिल, आई सी एम आर, 2 वर्ष के लिए, 29 लाख रुपए।
13. 'क्रॉनिक पैन्क्रियाटाइटिस का जिनोम वाइड संबंधित अध्ययन' प्रमोद गर्ग, आई सी एम आर, 3 वर्ष के लिए, 1.63 करोड़ रुपए।
14. 'तीव्र पैन्क्रिएटाइटिस से उत्प्रेरित गॉलस्टोन हेतु जोखिम कारकों के रूप में एस पी आई एन के – 1 कैथेप्सीन बी तथा सी एफ टी आर जीन म्यूटेशंस का एक अध्ययन'। प्रमोद गर्ग, आई सी एम आर, 3 वर्ष के लिए। 27 लाख रुपए।
15. अल्सरेटिव कोलाइटिस तथा क्रोहनस रोग में मूल्यांकित इंटीग्रेन इनहिबिटर हेतु फेज 3 बहुकेंद्रीय परीक्षण। मिलेनियम फार्मास्यूटिकल्स, बोस्टन, विनीत आहूजा, 7 वर्ष (2008–14) रुपए 14 लाख।
16. ह्यूमन अल्सेरो – कन्स्ट्रिक्टिव आइलोकेइकल रोग में मायकोबैक्टीरियम एवियम पेराट्यूबरोकुलोसिस (एम ए पी) का जूनोटिक संभाव्यता। विनीत आहूजा, आई सी एम आर, 2011–14, 57 लाख रुपए।
17. इन्फ्लेमेट्री बाउल डिजीज (अल्सरेटिव कोलाइटिस, क्रोहन्स रोग) से पीड़ित रोगियों में ट्रीगीरिंग रोग गतिविधि हेतु 'माइक्रोएनवायरमेंटल क्यू' विटामिन ए है। विनीत आहूजा, डी बी टी, 4 वर्ष, (2013 – 16), 86 लाख रुपए।
18. इनफ्लेमेटरी बाऊल डिजीज पर इंडो यू एस संयुक्त आर एण्ड डी नेटवर्क श्रेष्ठता केंद्र।
19. हारवर्ड मेडिकल स्कूल एवं जठरांत्र रोग विज्ञान। एम्स इंडो यू एस साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी फोरम, 2 वर्ष (2012 – 14), 60 लाख रुपए।
20. उदरीय तपेदिक (इन्टेस्टिनल अथवा पेरिटोनियल) के उपचार पर एक बहुकेंद्रीय अध्ययन : संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम के तहत उदरीय तपेदिक में केट 1 उपचार के 6 माह के साथ केट 1 उपचार का 9 माह (3 माह का विस्तार) की तुलना हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। गोविंद मखारिया, सेंट्रल टी बी डिविजन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 4 वर्ष के लिए, (2008–12), 57 लाख रुपए।
21. सिलिएक रोग से पीड़ित रोगियों में इन्टेरोपैथिक सिविरियटी तथा स्माल इन्टेस्टिनल सी वाई पी 3 ए 4 सक्रियता को सहसंबंधित करने हेतु प्रोटोकॉल। गोविंद के. मखारिया, फ्लेमेन्टिरा, ए जी (स्विट्जरलैण्ड), 2 वर्ष (2010 – 11) के लिए, 13 लाख रुपए।

22. सिलियक रोग से पीड़ित रोगियों के प्रथम श्रेणी के रिश्तेदारों में पैरासैल्यूलर परमिएबिल्टी और टाइट जंक्शनों का विकृतिशरीरक्रियाविज्ञान। गोविंद के. मखारिया, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 4 वर्ष के लिए, 43.82 लाख रुपए
23. सिलियक रोग से पीड़ित रोगियों, उनके प्रथम श्रेणी संबंधियों तथा नियंत्रणों में स्मॉल इन्टेस्टिनल तथा होल गट मीटाजीनोम। गोविंद के. मखारिया, डी बी टी, 3 वर्ष, 39.47 लाख रुपए।
24. भारत के दक्षिणी, उत्तरी तथा उत्तर–पूर्वी भागों की देशज लोगों में सिलियक रोग की व्यापकता और इसकी व्यापकता में भिन्नता के कारणों की पहचान। गोविंद के. मखारिया, आई सी एम आर, 3 वर्ष के लिए, 75.42 लाख रुपए।
25. विलियस एट्रोफी के मार्कर्स की खोज। गोविंद के. मखारिया, एम्स (आंतरिक अनुदान), (2012–13), 7.5 लाख रुपए।
26. भारतीय रोगियों में हेपेटाइटिस सी वायरस उपचार के परिणामों पर आई एल 28बी जीन पोलिमोर्फिज्म। बी. नायक 2012–13, 5 लाख रुपए (एम्स आंतरिक)।

पूर्ण

1. एच बी ई ए जी कंपनसेटिड क्रॉनिक हेपेटाइटिस बी वाले वयस्कों में टेलबीवुडाइन का एक ओपन लेबल रिसपोंस एडेपटिटेटिव अध्ययन। एस. के. आचार्य, नोवार्टिस, 1 जनवरी 2008–10, जनवरी 2011, 11.11 लाख रुपए।
2. एच बी ई ए जी नेगेटिव कंपनसेटिड 'क्रॉनिक हेपेटाइटिस बी वाले वयस्कों में टेलीवुडाइन का एक ओपन लेवल रिसपोंस एडेपटिटेटिव अध्ययन। एस. के. आचार्य, नोवार्टिस, 1 जनवरी 2008–10 जनवरी 2013, शून्य रुपए।
3. एच बी वी रिलेटिक डिकंम्पनसेटिक क्रिहोसिस में एडिफोवीर, एडिफोविर + लेमिवुडाइन और एडिफोविर तथा ग्लाइसिरिहिजन के संयोजन का बहुकेंद्रीय यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण। एस. के. आचार्य, आई सी एम आर, 15 जनवरी 2007–14 मार्च 2012, 18.47 लाख रुपए।
4. बिटोट्स स्पोर्ट के साथ 1–5 वर्ष की आयु वाले बच्चों में विटामिन ए कोहार्ट की मेगाडोज के प्रयोग के पश्चात बिटोट्स स्पोर्ट का रिसोल्यूशन। उमेश कपिल, आई सी एम आर, 2008–10, 16.58 लाख रुपए।
5. 'पैंक्रियाटाइटिस तथा पैंक्रियाज के अनुवर्ती रिजेनरेशन में एटिन्यूएटिंग गंभीरता में प्रायोगिक तीव्र पैंक्रियाटाइटिस तथा एंटी – टी एन एफ – ए उपचार का प्रभाव के विकृति रोग जनन में टी एन एफ – ए की भूमिका। आई सी एम आर, 2009–13, 29 लाख रुपए।
6. क्रोहन रोग तथा सिलिएक रोग वाले रोगियों में टाइट जंक्शन प्रोटीनों का लक्षण – वर्णन। गोविंद मखारिया, डी एस टी, 3 वर्ष (2009–11), 24.5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एच बी ई ए जी नेगेटिव क्रोनिक हेपेटाइटिस बी मेग्नीट्यूड, वायरल एवं होस्ट लक्षण वर्णन।
2. इम्यूनोटोलरेंट चिरकारिक एच बी वी संक्रमण : प्राकृतिक कोर्स।
3. पोर्टल हाइपरटेंशन में एच वी पी जी की भूमिका।
4. विश्व की विभिन्न भोगौलिक तथा नीतिपरक पृष्ठभूमि से क्रोनिक पैंक्रियाटाइटिस से पीड़ित युवा रोगियों की फीनोटाइप तथा जीनोटाइप की तुलना : इटियोपैथोजेनेसिस हेतु जटिलताएं।
5. मानवों में तीव्र नैक्रोटाइजिंग पैंक्रियाटाइटिस के विकृतिजनन में पैंक्रियाटाइटिस टिशू परफ्यूजन तथा वाहिका परिवर्तनों एवं उनके इंफ्लैमेटरी मीडिएटर्स का मूल्यांकन करना।
6. गंभीर पैंक्रियाटाइटिस में तीव्र तरल एकत्रिकरण की तीव्रता, प्राकृतिक कोर्स तथा पूर्वसूचक।
7. सिलियक रोग के रोगियों के प्रथम तथा द्वितीय श्रेणी के संबंधियों के बीच पारिवारिक व्यापकता।
8. सिलियक रोग से पीड़ित रोगियों में ग्लूटेन रहित आहार की जटिलताओं का निर्धारण।
9. चिरकारी लीवर फेलीयर में न्यूट्रोफिल प्रकार्य का अध्ययन करना।
10. प्रतिरक्षा विज्ञानी प्रोफाइल वाली गर्भवती महिलाओं में हेपेटाइटिस ई वायरस संक्रमण की गंभीरता का सह संबंध।
11. लीवर फेलियर के विकास में पूर्वसूचक के रूप में ट्रांसआर्ट्रियल कीमोइम्बोलाइजेशन करवा रहे हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों के निर्धारण में इंडोसिनाइन ग्रीन का प्रयोग।
12. गर्भावस्था में प्रतिरक्षा विज्ञानी परिवर्तन तथा ए एल एफ प्रेरित एच ई वी के परिणामों पर उनके प्रभाव।
13. चिरकारी डायरिया तथा मेलएब्जोरप्शन संलक्षण वाले रोगियों में इंटेस्टीनल कोकसिडिया तथा माइक्रोस्पोर्डिया की खोज, पहचान तथा आण्विक लक्षण वर्णन। (सूक्ष्म जैव विज्ञान, पी एच डी शोध के साथ)
14. रोगियों में पैरासाइट के क्रिप्टोस्पोस्पोरिडम प्रजाति तथा आगामी लक्षण वर्णन की खोज हेतु आण्विक नैदानिक प्रोब का विकास (सूक्ष्म जैव विज्ञान, पी एच डी शोध)।
15. इरिटेबल बाऊल सिंड्रोम के रोगियों में ब्लास्टोसिसटिस होमिनिस की खोज तथा उनके सबटाइपिंग (सूक्ष्म जैव विज्ञान, एम डी शोध)।
16. एन एम आर स्पैक्ट्रोस्कॉपी द्वारा सिलियक रोग का मेटोबोनोमिक्स अध्ययन (एन एम आर, पी एच डी शोध)

पूर्ण

1. चिरकारी हेपेटाइटिस बी से पीड़ित रोगियों में फिब्रोस्कैन की भूमिका।
2. गंभीर लीवर फैलियर में सेप्सिस के साथ आट्रियल अमोनिया का सह संबंध।
3. ओब्सट्रक्टिव जॉनडिस के साथ गॉलब्लैडर के इन ओपटेबल कैंसर से पीड़ित रोगियों का इंडोस्कोपिक बाइलरी ड्रेनेज बनाम परंपरागत उपचार : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
4. गंभीर पैंक्रियाटाइटिस में साइटोकाइन प्रोफाइल।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. गंभीर हेपेटाइटिस ई वायरस संक्रमण के रोगियों में सेल्यूलर तथा ह्यूमोरल इम्यूनिटी अध्ययन।
2. पैंक्रिएटिक स्यूडोसिस्ट का इंडोस्कॉपिक बनाम लेप्रोस्कोपिक ड्रेनेज का यादृच्छिक परीक्षण। (सहयोगी विभाग (शल्यचिकित्सा)
3. क्या पैंक्रिएटिक कैंसर के साथ अथवा बिना चिरकारी पैंक्रियाटाइटिस वाले रोगियों के जेनेटिक मुटेशन में कोई अंतर है? (इंस्टीट्यूट ऑफ साइटोलॉजी एण्ड प्रिवेंटिव ओंकोलॉजी, आई सी एम आर, नोएडा)।
4. चिरकारी पैंक्रियाटाइटिस के लिए शल्य चिकित्सा बनाम इंडोस्कोपिक उपचार का यादृच्छिक परीक्षण। सहयोगी विभाग (जी आई सर्जरी)।
5. संक्रमित पैंक्रिएटिक नेक्रोसिस हेतु कम आक्रामक शल्यचिकित्सा (वी ए आर डी)। (जी आई सर्जरी)।
6. तीव्र पैंक्रियाटाइटिस तथा पैंक्रिएटिक कैंसर में परफ्यूजन सी टी स्कैन की भूमिका (विकिरण विज्ञान)।
7. अस्पताल में बिस्तर पर पड़े रोगियों में फिकल इंकोंटिनेंस के प्रबंध हेतु नोवल डिजाइन तैयार करने के लिए संभाव्यता तथा अल्प अवधि प्रभावक्षमता अध्ययन (स्टेनफोर्ड बायो डिजाइन)
8. प्रोटियोमिक्स का प्रयोग करके सिलियक रोग हेतु बायोमार्कर की खोज हेतु अध्ययन (जैव भौतिकी)।
9. नॉन – एल्कोहलिक फेट्टी लीवर रोग (एन ए एफ एल डी) चिरकारी हेपेटाइटिस बी (सी एच बी) तथा सिलियक रोग की विभिन्न अवस्थाओं वाले रोगियों का मूल संविधान (प्रकृति) विश्लेषण। (इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एण्ड इटिग्रेटिव ब्रायोलॉजी के साथ सहयोग, दिल्ली)।
10. आईजीए नेफ्रोपैथी में सिलियक रोग की व्यापकता (वृक्क विज्ञान तथा विकृति विज्ञान)।
11. सिलियक रोग वाले रोगियों में ग्लूटैन सहित आहार के पश्चात् इंटेस्टीनल हिस्टोलॉजी परिवर्तन की रिकवरी (विकृति विज्ञान)।
12. शॉर्ट स्टेचर वाले रोगियों में सिलियक रोग की व्यापकता (अंतः स्राविकी विज्ञान)।
13. वाइलस अपसामान्यताओं की एंटी टिशू ट्रांसग्लूटामिनेज़ टाइटर तथा गंभीरता के मध्य एक सह संबंध (विकृति विज्ञान)।

पूर्ण

1. ओकल्ट हेपेटाइटिस बी वायरस संक्रमण में हेपेटाइटिस बी सरफेस एंटीजन प्रोडक्शन तथा सिक्रिएशन में सरफेस प्रोमोटर मुटेशन्स की भूमिका (विकृति विज्ञान)।
2. गाल स्टोन तथा सी बी डी स्टोंस वाले रोगियों में कॉमन बाइल डक्ट स्टोंस का इंडोस्कोपिक बनाम लेप्रोस्कोपिक रिमूवल का यादृच्छिक परीक्षण (शल्य चिकित्सा)।
3. पैरीएम्पूलरी ट्यूमर्स की एसेसिंग रिसेक्टिबिलिटी ई यू एस की भूमिका : नैदाानिक लेप्रोस्कोपी के साथ तुलना (शल्य चिकित्सा)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 45 पुस्तकों में अध्याय : 1 पुस्तकें : 1

रोगी उपचार

विशेष क्लिनिक

क्लिनिक का नाम	नए रोगी	पुराने रोगी
लीवर	1241	12189
पैंक्रियाज़	486	2020
आई बी डी तथा अल्सर	696	3570
इन्टरवेंशनल	315	270

नैमिक क्लिनिक

नए रोगी : 18,826

पुराने रोगी : 29,070

प्रक्रियाओं की सूची

नैदानिक एवं चिकित्सीय इंडोस्कोपी :	17100
नैदानिक एवं चिकित्सीय कोलोनोस्कॉपी :	2050
नैदानिक सिग्मोइडोस्कॉपी :	2550
ई. एस. टी. एवं ई वी एल :	4120
साइड व्यूइंग इंडोस्कॉपी :	600
इंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कॉलेनजियोपैंक्रिएटोग्राफी :	2245
इंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (नैदानिक एवं चिकित्सीय) :	600
फाइब्रो स्कैन	1850

विभाग में की गई जांच

एच बी वी (रीयल टाइम पी सी आर) :	5000	एच बी वी जीनोटाइपिंग (पी सी आर) :	10
एच बी वी (पी सी आर) :	187 (50+वीई)	एच सी वी आर एन ए रीयल टाइम पी सी आर :	1288
एच सी वी आर एन ए (पी सी आर) :	117	एच सी वी जीनोटाइपिंग :	25
एच ई वी आर एन ए (पी सी आर) :	89	लाइपिड पेरोऑक्सीडेशन :	450
फ्री रेडिकल एंटीऑक्सीडेंट पोटेन्शियल (एफ आर ए पी) :	450		
विटामिन सी :	450	सुपरऑक्साइड डिस्म्यूटेस :	450
कुल कॉलेस्ट्रोल :	450	ट्राईग्लाइसिरिड :	450
एच डी एल :	450	माइलोपीरोऑक्सीडेज सक्रियता :	200
इंडोटोक्सिन एस्से :	45	सीरम सिरुलोप्लाज्मिन :	782
सीरम कॉपर :	768	24 घण्टे यूरिनरी कॉपर :	765
एचसीवी (ईएलआईएसए) :	192	टीटीजी–आईजीए (ईएलआईएसए) :	5568
टीएनएफ–अल्फा (ईएलआईएसए) :	150	आईएल–6 (ईएलआईएसए) :	150
आईएल–1बीटा (ईएलआईएसए) :	150	एसजीओटी :	4100
एस जी पी टी :	4100	ग्लूकोज (आरबीएस) :	4100
हिमोग्लोबिन :	4100	प्लाज्मा एमिनो एसिड :	150
एच बी एस ए जी (एलिसा) :	192	एचबीई एजी (एलिसा) :	192
एच ई वी (ईएलआईएसए) :	192	क्लस्ट्रीन :	200
डी–एक्सीलोस :	540	फिकल किमोट्रीप्सिन :	150
फिकल फैट :	216	हाइड्रोजन ब्रीथ टेस्ट :	184
फिकल इलास्टेज :	280	टीजीएफ–बीटा :	80
पी डी जी एफ – एए :	80	सी आर पी :	80
सीरम टेरीफोइल फेक्टर :	160	यूरिनरी आइसोप्रोस्टेस :	80
सीरम केल्प्रोटेक्टिन :	80	रक्त एम्मोनिया :	325
प्रोथ्रोमबिन टाइम :	8600	आईएल 28बी – आर एस 12979860 जीनोटाइपिंग :	21
आईएल 28बी – आर एस 8099917 जीनोटाइपिंग :	21		

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. एस. के. आचार्य को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा वर्ष 2012 में जे. सी. बोस फैलोशिप प्रदान की गई।

प्रोफेसर उमेश कपिल को वि. स्वा. सं. की पोषण पर विशेषज्ञ सलाहकार पैनल द्वारा पोषण के क्षेत्र तकनीकी सूचना तथा परामर्श देने के लिए सदस्य नामित किया गया; भूटान सरकार द्वारा तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए वि. स्वा. सं. के अस्थायी सलाहकार के रूप में कार्य के लिए आमंत्रित किया गया। 'वर्तमान जानकारी पर आधारित वर्तमान सूक्ष्म पोषक आपूर्ति अथवा अन्य कार्यक्रमों पर आधारित कंटेंट्स तथा डिलिवरी को सुधारने हेतु आप्रेशनल तथा ट्रांसलेशनल अनुसंधान' पर कार्यकारी समूह पर आई सी एम आर टास्क फोर्स बैठक का सदस्य नामित किया गया; स्कूली बच्चों हेतु पोषण पर पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित समिति का सदस्य नामित किया गया; वर्ष 2012 हेतु अकादमी की फैलोशिप हेतु उम्मीदवारों के चयन में एडवाइंसिग क्रिडेंशियल कमेटी के पोषण विज्ञान में नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंस (एन ए एम) की सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया; वर्ष 2012 में एन ए एम एस की सदस्यता हेतु चुनाव के लिए उम्मीदवारों की उपयुक्तता के निर्धारण हेतु सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक एवं निरोधात्मक चिकित्सा विज्ञान में नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंस (एन ए एम) की सलाहकार पैनल के सदस्य के रूप में नामित किया गया।

डॉ. प्रमोद गर्ग इंटरनेशनल जरनल 'पेंक्रिएटोलॉजी' (5 वर्ष इमपैक्ट फेक्टर 2.39) के सह संपादक है : चयनित परिषद सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ पैंक्रिएटोलॉजी 2012; नामित संपादकीय मण्डल सदस्य; 'पैंक्रिएडिया' एन ऑनलाइन रिसोर्स वेबसाइट फॉर पैंक्रियाज रिसर्च।

डॉ. विनीत आहूजा नामित सदस्य, एशिया पेसिफिक कॉनसेंस ग्रुप ऑन इंफ्लेमेट्री बाऊल डिजीज, सिलियक रोग पर एशिया पेसिफिक कॉनसेंस समूह, आई बी डी हेतु आई एस जी टास्क फोर्स, एथिक्स कमेटी, टी एच एस टी आई, एथिक्स कमेटी, आर सी बी, संपादकीय मण्डल, जनरल ऑफ क्रोहन्स एण्ड कोलाइटिस, संपादकीय मण्डल, जरनल ऑफ गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी एण्ड हिपेटोलॉजी, सचिव, इण्डियन सोसायटी ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रिशन संपादक 'ट्रॉपिकल गेस्ट्रोएट्रोलॉजी' 2007 से, वर्ल्ड जरनल ऑफ गेस्ट्रो एंट्रोलॉजी (डब्ल्यू जे जी) के एसोसिएट्स एडिटस – इन चीफ में सहायता की, एशियन आई बी डी मीट, सीयोल 2012 में युवा अन्वेषक पेपर पुरस्कार हेतु कोरसपोंडिग ऑथर, एशियन पेसिफिक डाइजेस्टिव वीक, बैंकॉक 2012 में युवा अन्वेषक पुरस्कार पेपर, इण्डियन सोसायटी ऑफ गेस्ट्रोएंट्रेलॉजी के वार्षिक सम्मेलन में दो युवा अन्वेषक पुरस्कार पेपर, जयपुर 2012।

डॉ. गोविंद मखारिया को वर्ल्ड गेस्ट्रोएंटोलॉजी ओर्गनाइजेशन एण्ड एशिया पेसिफिक एसोसिएशन ऑफ गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी का अध्यक्ष नामित किया गया; सिलियक रोग पर कार्यकारी पार्टी : वर्ल्ड गेस्ट्रोएट्रोलॉजी संगठन द्वारा वर्ल्ड डाइजेस्टिव हेल्थ डे – 2012 की संचालन समिति सदस्य के रूप में नामित; कोलोरेक्टल कैंसर तथा पोलिप्स पर एशिया पेसिफिक वर्किंग पार्टी के सदस्य के रूप में है; इंफ्लेमेट्री ब्राऊल डिजीज पर एशिया पेसिफिक पार्टी के कोर सदस्य के रूप में जारी हैं; गेस्ट्रोएट्रोलॉजी एण्ड रिसर्च प्रैक्टिस द्वारा सिलियक रोग पर एक विशेष अंक के मुख्य संपादक के रूप में आमंत्रित किया गया; इण्डियन सोसायटी ऑफ गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी के कोषाध्यक्ष – नामित किए गए; इण्डियन सोसायटी ऑफ एविडेंस बेस्ड मेडिसिन के कोषाध्यक्ष के रूप में नामित; फंक्शनल डिजीज एण्ड मोटेलिटी डिसार्डर ऑफ इण्डिया के शासी परिषद् सदस्य; इण्डियन सोसायटी ऑफ गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी के संपादकीय मण्डल के सदस्य के रूप में है; संयोजक, इण्डियन सोसायटी ऑफ गेस्ट्रोएंटोलॉजी : युवा क्लीनिशियन कार्यक्रम; संयोजक इण्डियन सोसायटी ऑफ गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी : टास्क फोर्स ऑन इंफ्लेमेटरी बाऊल डिजीज; बी बी टी द्वारा सिलियक रोग पर ब्रेन स्ट्रोमिंग सत्र में भाग लेने हेतु आमंत्रित; हैदराबाद में आयोजित डी बी टी द्वारा इंफ्लेमेशन एण्ड न्यूट्रिशन पर ब्रेन स्टॉर्मिंग समिति में भाग लेने हेतु आमंत्रित; सिलियक रोग पर आई सी एम आर टास्क फोर्स के सदस्य के रूप में है; डी एस एम बी ऑफ कोलेरा वेक्सीन परीक्षण के सदस्य के रूप में डी बी टी द्वारा नामित; दवा चयन के समिति के सदस्य के रूप में नामित, अ. भा. आ. सं।

डॉ. बैबसवता नायक पत्रिकाओं के समीक्षक के रूप में नामित : इण्डियन जरनल ऑफ वीरोलॉजी, ट्रॉपिकल गेस्ट्रोएट्रोलॉजी, कांफ्रेंस पेपर्स इन माइक्रोबायोलॉजी, प्लांस वन, वायरस रिसर्च, वीरोलॉजी जरनल, वायरल इम्यूनोलॉजी।

9.14 जठरांत्रशल्य चिकित्सा यकृत प्रत्यारोपण

आचार्य एवं अध्यक्ष
पीयूष साहनी

अपर आचार्य
सुजॉय पाल निहार रंजन दाश

शिक्षा

विभाग के संकाय स्नातकपूर्व छात्रों, शल्यक स्नातकोत्तरों तथा पोस्टडॉक्टरल प्रशिक्षुओं हेतु शिक्षात्मक शिक्षण कार्यक्रम में संबद्ध रहे हैं। विभाग द्वारा जठारांत्रा शल्य चिकित्सा में एम.सी–एच. प्रदान करने के लिए 3 वर्षीय अति विशिष्टता प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किया जाता है। यह एक माह से तीन माह की अवधि (अपवाद स्वरूप एक वर्ष) हेतु अल्पकालीन ऑब्जर्वरशिप का प्रशिक्षण भी प्रदान करता है। विभाग में 13 एम.सी–एच. के छात्र हैं।

प्रदत्त व्याख्यानः 26

पीयूष साहनीः 12 सुजॉय पालः 8 निहार रंजन दाशः 6

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. असंयमी (फेकल/यूरीन टी) के नान–इवासिव उपचार हेतु कम कीमत की डिवाइस का विकास, पीयुष साहनी, डी.एस.टी., 2012–14, रू.21.6 लाख।
2. ईसोफैगस के कोरोसिव स्ट्रिक्चर के उपचार में रिसेक्शन बनाम बाइपास ऑपरेशन की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन, निहार रंजन दाश, एम्स द्वारा वित्तपोषित, 2012–13।
3. गैस्ट्रो–इंसोफेगियल जंक्शन के (एडिनोकार्सिनोमा हेतु नियोएडजुएंट कीमोथिरेपी का ट्यूमर प्रतिक्रिया का आकलन करनाः एक अग्रदर्शी अध्ययन, निहार रंजन दाश, एम्स, 2012–13।
4. शल्योपचार के उपरांत घाव संक्रमण दरों पर पोविडोन आयोडीन के उपयोग द्वारा क्लोरेक्सीडाइन–अल्कोहल बनाम क्लोरेक्सिडाइन– सेट्रीमाइड सहित आप्रेशनपूर्व त्वचा तैयारी का प्रभाव, पीयुष साहनी, 2011–13, एम्स, रू.1.5 लाख।
5. मस्तिष्क मृत्यु एवं शैक्षिक हस्तक्षेप पर भूमिका पर इसकी स्वीकारोक्ति एवं मृत्यु दान पर के संबंध में जागरूकता का सर्वेक्षण, सुजॉय पाल, 2012–13, एम्स, रू.1.5 लाख।

पूर्ण

1. देशी सीरिंज पम्प का डिजाइन विकास तथा वाणिज्यीकरण, पीयूष साहनी, सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित, 2009–12, निधियांः रू.28 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. गाल ब्लैडर रोगियों (स्टेज IV ए तक) के ऑपरेबल कार्सिनोमा में कंकरंट बनाम सिक्वेंशियल नियोएडजुवेंट कीमो रेडियोथेरेपी के पश्चात् शल्य चिकित्साः एक पायलट अध्ययन।
2. पेरिएम्पुलरी तथा पैन्क्रिएटिक हैड ट्यूमर के कारण ऑब्स्ट्रक्टिव जॉन्डिस में पेरिऑपरेटिव बाइलरी ड्रैनेज और शल्य चिकित्सा बनाम प्रारंभिक शल्य चिकित्साः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
3. ईसोफैगस के कोरोसिव स्ट्रिक्चर के उपचार में रिसेक्शन बनाम कीमो–रेडिएशन एवं सर्जरी का पूर्व ऑपरेशन– एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
4. पाइलोरिक रिंग रिसेक्टिंग पैन्क्रिएटिक्यो बनाम क्लासिकल व्हीपल्स पैन्क्रिएटिको– ड्यूडेनेक्टॉमी के पश्चात परिणामः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

5. प्री–ऑपरेटिव ई.यू.एस. इलैस्टोग्राफी का प्रयोग करके पैन्क्रिएटिक रिसेक्शन्स करवा रहे रोगियों में पैन्क्रिएटिक फिस्टूला का पूर्वानुमान : एक अग्रदर्शी अध्ययन।
6. मल्टीफेसिक कंप्यूटिड टोमोग्राफी स्कैन पर विभिन्न पैन्क्रियाटिक इंहान्समेंट पैटर्न का प्रयोग करके पैन्क्रिएटिक रिसेक्शंस करवा रहे रोगियों में पैन्क्रिएटिक फिस्टूला तथा पैन्क्रिएटिक फिब्रोसिस का पूर्वानुमान करनाः एक अग्रदर्शी अध्ययन।
7. पेट के कैंसर से पीड़ित रोगियों में बिलिरोथ–2 तथा रोक्स इन वाई गैस्ट्रोजीजूनोस्टोमी की तुलना करते हुए एक अग्रदर्शी अध्ययन करना।
8. एक्स्ट्रा हिपेटिक पोर्टल वेन ऑब्स्ट्रक्शन से पीड़ित रोगियों में लियनो रीनल शंट प्रोसीजर का दीर्घावधिक फोलोअप करना।
9. विभिन्न बाइलरी ट्रैक्ट डिसऑर्डर्स हेतु कॉलेडोकोस्कॉपी का अग्रदर्शी मूल्यांकन।
10. ऑब्स्क्यूर गेस्ट्रोइंटेस्टिनल ब्लीडिंग के उपचार में इंट्रा ऑपरेटिव इंटेरोस्कॉपी की भूमिका का अग्रदर्शी मूल्यांकन।
11. ईसोफैगस के स्कवामस सैल कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में केवल ऑपरेशन बनाम नव सह औषध कीमोरेडियोथेरेपी के बाद ऑपरेशनः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
12. पैन्क्रिएटिकोड्यूोडेनोक्टॉमी के बाद पैन्क्रिएटिको जीजूनोस्टॉमी की डक्ट टू मुकोसा तथा डंकिंग पद्धतियां : एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।
13. नॉन सिरोहटिक पोर्टल फिब्रोसिस में ऑपरेशन के दीर्घावधिक परिणाम।
14. मिनीमली इनवेसिव ईसोफैगाक्टॉमीः एक संभाव्य मूल्यांकन।
15. इनऑपरेबल ईसोफैगियल कार्सिनोमा हेतु कीमोरेडियोथेरेपी सहित पैलिएटिव स्टेन्टिंग बनाम कीमोरेडियोथेरेपी सहित स्टेन्टिंगः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

पूर्ण

1. पेरिएम्पुलरी कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में पॉस्टिरियर (एस एम ए फर्स्ट) एप्रोच बनाम स्टैण्डर्ड पैन्क्रिएटिको– ड्यूडेनेक्टॉमीः एक अग्रदर्शी तुलना।
2. सवंमित पेंक्रियाटिक मेक्रोसिस में एक उपचारिक विकल्प के रूप में विडियों की सहायता से रिट्रोपेरिटोनियल ड्रेनेज करनाः एक संभाव्य अध्ययन।

सहयोगी परियोजना

जारी

1. कार्सिनोमा गाल ब्लैडर से पीड़ित रोगियों में नव सह औषध चिकित्सा के पश्चात् अनुक्रिया मूल्यांकन में पी ई टी/सी टी की भूमिका तथा डिस्टेंट मेटास्टेसिस का मूल्यांकन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण चिकित्सा तथा नाभिकीय चिकित्सा के साथ)।
2. कार्सिनोमा ईसोफैगस से पीड़ित रोगियों में नव सह औषध कीमोरेडियोथेरेपी की मेटाबोलिक अनुक्रिया के मूल्यांकन में पी ईटी/सी टी की भूमिका (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण चिकित्सा तथा नाभिकीय चिकित्सा के साथ)।
3. एक्स्ट्रा हिपेटिक पोर्टल वीनस ऑब्स्ट्रक्शन से पीड़ित रोगियों हेतु प्रोक्सिमल लियनो रीनल शंट बनाम सिक्वेंशियल इंडोस्कोपिक वेरिसिएल लाइगेशन एवं इंडोस्कोपिक स्क्लीरोथेरेपी का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जठरांत्र रोग विज्ञान के साथ)।
4. मल असंयम हेतु उपकरण का विकास (स्टेनफोर्ड–इण्डिया बायो डिजाइन प्रोजेक्ट के साथ)।
5. पोर्टल हाइपरटेंसिव बिलियोपैथी के कारक पेरीकॉलेडोकल कोलेटिरल्स पर लियनोरीनल शंट के प्रभाव पर अग्रदर्शी अध्ययन (जठरांत्र रोग विज्ञान के साथ)।
6. पेरिएम्पूलरी कार्सिनोमा के कारण सर्जिकल ऑब्स्ट्रक्टिव जोन्डिस में प्री ऑपरेटिव कॉलेसिस्टो जीजू–नोस्टॉमी बनाम इंडोस्कोपिक स्टेन्टिंग का एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण (जठरांत्र रोग विज्ञान के साथ)।
7. क्रॉनिक पैन्क्रियाटाइटिस हेतु ऑपरेशन बनाम इंडोस्कोपिक उपचार की तुलना करना एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जठरांत्ररोग विज्ञान के साथ)।

8. नेक्रोटाइजिंग पैन्क्रियाटाइटिस के पश्चात् कार्यात्मक परिणाम। (जठरांत्र रोग विज्ञान के साथ)।
9. मिनिमली इनवेसिव पैन्क्रिएटिक नैक्रोसेक्टॉमी : एक अग्रदर्शी अध्ययन (जठरांत्र रोग विज्ञान के साथ)।

प्रकाशन

पत्रिकाएंः **06** पुस्तकेंः **1**

रोगी उपचार

ओ पी डी तथा विशिष्टता क्लिनिक

नए रोगीः 2464 पुराने रोगीः 6146

विभाग द्वारा स्टोमा रोगियों के लिए एक दैनिक निदानशाला आरंभ की गई है।

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं

एनल मोनोमिट्री, ईसोफेगियल मोनोमिट्री, 24 घण्टे एम्बूलेटरी ईसोफेगियल पी एच निगरानी, इंडोट्रेनिंग प्रयोगशाला।

कुल दाखिले : **797**

ऑपरेशन

कुल निष्पादित संख्या : 614

ऐच्छिकः	**431**	**आपातः**	**183**
बाइलरी ऑब्स्ट्रक्शन	106	पोर्टल हाइपरटेंशन	50
ईसोफैगियल कैंसर	39	कार्सिनोमा गाल ब्लैडर	77
अल्सरेटिव कोलाइटिस	34	अपर जी आई हैमरेज	10
लोअर जी आई हेमरज	17	तीव्र पैन्क्रियाटाइटिस	24
क्रोनिक पैन्क्रियाटाइटिस	16	बाइलरी स्ट्रिक्चर्स	10
पैन्क्रिएटो–ड्यूडेनेक्टॉमी	35	लीवर रिसेक्शंस	34

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर पीयुष साहनी इन्टरेनश्नल कमेटी ऑफ मेडिकल जर्नल एडिटर्स (आई सी एम जे ई) के वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एडिटर्स (डब्ल्यू ए एम ई) के प्रतिनिधि हैं। वह दि नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इण्डिया के संपादक तथा जी आई सर्जरी एनुवल के सह संपादक हैं। वह राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के विशिष्टता मण्डल (सर्जिकल गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी) के सदस्य भी हैं। वह इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी की कार्यकारी समिति के सदस्य एवं पूर्व सचिव भी हैं।

डॉ. निहार रंजन दाश को स्टोमा रोगियों के कल्याण हेतु एक पंजीकृत सोसायटी, ऑस्टोमी सोसायटी के अध्यक्ष के रूप में चौथी बार चयन किया गया।

9.15 रुधिरविज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
आर सक्सेना

आचार्य
एच पी पती

अपर आचार्य
एस. त्यागी
एम. महापात्रा

सह – आचार्य
तुलिका सेठ
प्रवास मिश्रा

वैज्ञानिक – 2
एस. सेजवाल

विशिष्टताएं

विभाग रुधिरविज्ञानी विकारों के निदान एवं उपचार हेतु रीयल टाइम पी सी आर/पी सी आर/फ्लोसाइटोमिट्री जैसी आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करने में संलग्न था। इसमें रुधिरविज्ञानी विकारों से पीड़ित रोगियों का नैमिक निदान एवं उपचार भी सम्मिलित था। अभी तक विभाग द्वारा एप्लास्टिक एनिमिया, थैलासीमिया, ल्यूकिमिया तथा माइलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों हेतु 140 एलोजेनिक रक्त तथा मज्जा प्रतिरोपण पूर्ण किए जा चके हैं। माइलोमास, एक्यूट माइलोइड ल्यूकिमियास, लिम्फोमास तथा मल्टीपल स्क्लीरोसिस के एक मामले के लिए ऑटोलोगस प्रतिरोपण भी किए गए। यूनिट के प्रतिरोपण के परिणाम विश्व के सर्वश्रेष्ठ प्रतिरोपणों से तुलना योग्य रहे हैं।

विभाग द्वारा आई सी एम आर के साथ लेंगरहेन्स हिस्टियोसाइटोसिस पर इन्टरनेशनल हिस्टोसाइट सोसाइटी के साथ मिलकर प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। इसमें उनका इस रोग पर बहु केंद्रीय सहयोगी परीक्षण आरंभ किए जाने और डॉ. तूलिका सेठ के नेतृत्व के अंतर्गत नए एल सी एच 4 अंतरराष्ट्रीय परीक्षण पर साझेदार देश के रूप में भाग लेने के लिए समूह हेतु मतैक्य रहा। संकाय सदस्यों तथा छात्रों ने आई एस एच टी एम, वार्षिक ए पी आई बैठक, पेडिकॉन, बी टी जी सिंगापुर सहित विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अ. भा. आ. सं. का प्रतिनिधित्व किया।

शिक्षा

विभाग द्वारा नैदानिक रुधिर विज्ञान और रुधिर विकृति विज्ञान में डी. एम. पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है। इस वर्ष, 4 अभ्यर्थियों ने डी एम नैदानिक रुधिर विज्ञान परीक्षा तथा 2 अभ्यर्थियों ने डी एम रुधिरविकृतिविज्ञान परीक्षा उत्तीर्ण की। वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के दौरान 6 रेजीडेंट डी एम नैदानिक रुधिरविज्ञान में तथा 7 डी एम रुधिर विकृतिविज्ञान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। रुधिरविज्ञान में पी एच डी के लिए 5 छात्र पंजीकृत हैं, जिनका शोध जारी है।

संकाय सदस्य द्वारा रुधिर विज्ञान तथा काय चिकित्सा में स्नातक पूर्व छात्रों और बाल चिकित्सा विभाग के छात्रों हेतु नैदानिक रोगी अध्ययनों की कक्षाएं लेना जारी रखा गया। उन्होंने रुधिर विज्ञान में एम डी विकृतिविज्ञान छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करना भी जारी रखा।

अल्प कालीन एवं दीर्घकालीन प्रशिक्षण

विभाग द्वारा अन्य संस्थानों के 9 डॉक्टरों को 1 से 6 माह की अलग अलग अवधि के लिए नैदानिक तथा प्रयोगशाला रुधिरविज्ञान के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस वर्ष के दौरान 1 से 6 माह की विभिन्न अवधि के लिए आण्विक रुधिरविज्ञान में 59 एम एस सी छात्रों ने भी अल्पकालीन प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सम्मेलन / सेमिनार / कार्यशालाएं

विभाग द्वारा आयोजित

1. विभाग द्वारा आई सी एम आर की सहायता से लेंगरहेन्स हिस्टियोसाइटोसिस पर इन्टरनेशनल हिस्टोसाइट सोसाइटी के साथ प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। इसमें उनका इस रोग पर बहु– केंद्रीय सहयोगी परीक्षण आरंभ किए जाने और नए एल सी एच 4 अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण पर साझेदार देश के रूप में भाग लेने के लिए समूह हेतु मतैक्य रहा।
2. राष्ट्रीय रुधिरविज्ञानी अपडेट : हैमेटोलॉजिकल एजुकेशन एण्ड रिसर्च सोसाइटी तथा रुधिरविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 9 एन एच यू 2012, अप्रैल 2012, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

आर. सक्सेना : 10 **एच पी पती : 9** **सीमा त्यागी : 3** **एम महापात्रा : 5**
तूलिका सेठ : 13 **प्रवास मिश्रा : 7**

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. भारत में क्रॉनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकिमिया के जीव विज्ञान को प्रभावित करता आण्विक पैरामीटरों का मूल्यांकन। आर. सक्सेना, आई सी एम आर, 2009–13, आई सी एम आर, 6 लाख रु. प्रति वर्ष।
2. हीमोग्राम में गुणवत्ता निर्धारण। आर. सक्सेना, आई एस एच टी एम, 2003–13, 1.5 लाख रु. प्रति वर्ष।
3. ए पी सी आर तथा एफ वी हीनता से पीड़ित भारतीय रोगियों में एफ वी का आण्विक लक्षण – वर्णन। आर. सक्सेना, आई सी एम आर, 2010–13, 27.62 लाख रु.।
4. क्रॉनिक माइलोइड ल्यूकिमिया रोगियों में अवस्था प्रोन्नति के जीव विज्ञान को समझने के लिए जीनों का मॉड्यूलेशन। आर. सक्सेना, आई सी एम आर, 2008–12, 8.90 लाख रु. प्रति वर्ष।
5. क्रॉनिक माइलोइड ल्यूकिमिया से पीड़ित रोगियों, जो पूर्व की मानक चिकित्सा में असफल हो चुके हैं तथा वैकल्पिक चिकित्सा के योग्य नहीं हैं, उनमें एन आर सी – ए एन – 019 की क्षमता तथा सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए चरण 2 नैदानिक अध्ययन। प्रवास मिश्रा, नाटको, 6 लाख रु.।
6. क्रॉनिक माइलोइड ल्यूकिमिया रोगियों में रोग की प्रगति में माइक्रोएरै द्वारा आण्विक परिवर्तनों की पहचान। सुधा सजवाल, अ. भा. आ. सं., 10 लाख रु.।
7. एपलास्टिक एनिमिया के रोगियों में साइटोकाईन जीन पॉलीमॉरफिज्म्स का विश्दिकरण और विभिन्न रोग फीनोटाइप्स के साथ इसका सहसंबंध, तूलिका सेठ, अ. भा. आ. सं.।
8. दिल्ली में कैंसरों के स्वास्थ्य संबंधी – व्यवहार और अवबोधन में परिवर्तन हेतु नियोजित इंटरवेंशन आधारित समुदाय। एक अग्रगामी अध्ययन। तूलिका सेठ, आई सी एम आर, 2009–2012, 11.18 लाख रु.।
9. प्लाज्मा प्राप्त वॉन लिवरब्रांड कारक सांद्र तथा रीकम्बीनेंट कारक 8 (आरएफ8) सांद्रो के प्रति उद्भासित होने पर पूर्व में अनुपचारित रोगियों (पीयूपी) अथवा न्यूनतम रक्त संघटक उपचारित रोगियों (एम बी सी टी पी) में प्रतिषिद्धात्मक विकास : एक स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय, बहु केंद्रीय, अग्रदर्शी, नियंत्रित, यादृच्छिक, ओपन लेबल, नैदानिक परीक्षण। बहुकेंद्रीय अध्ययन (25 देशों में 60 केंद्र)। तूलिका सेठ, फोंडाजियोन एंजिलो बिनाची बोनोमी, 2010–13, 6 लाख रु.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय रोगियों में पेथोजेनिसिस के आण्विक अध्ययनों। (एम डी एस) की भूमिका, 2005–2012.

2. मिनीमल रेजीड्यूल रोग के मूल्यांकन हेतु बी लाइनेज एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकिमिया के आण्विक तथा फ्लो साइटोमिट्रिक लक्षण–वर्णन।
3. भारतीय सी एम एल रोगियों में ग्लीवैक रेजीजटेन्स का स्पष्टीकरण और मूलभूत आण्विक क्रियाविधि का मूल्यांकन।
4. पी एन एच के निदान में सी डी 66 और सी डी 15 की भूमिका।
5. ए एम एल में ब्लास्ट्स में इनवेजीनेशन्स की भूमिका और एन पी एम म्यूटेशन्स के साथ उनका सहसंबंध।

पूर्ण

1. युवा भारतीयों में इस्कैमिक स्ट्रोक के विकास में निट्रिक ऑक्साइड की भूमिका और इसके स्तर को नियंत्रित करते एन्जाइम। 2007–12.
2. भारतीय रोगियों में माइलोडिस्प्लास्टिक संलक्षणों के पूर्वानुमान पर आण्विक अपसमान्यताएं और उनके प्रभाव।
3. क्रॉनिक माइलोइड ल्यूकिमिया से पीड़ित रोगियों, जिनली पहले मानक चिकित्सा असफल हो चुकी है और वे वैकल्पिक चिकित्सा के योग्य नहीं हैं, उनमें एन आर सी – ए एन – 019 की क्षमता तथा सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए चरण 1 नैदानिक अध्ययन।
4. रुधिरविज्ञानी दुर्दमताओं में थ्रोम्बोटिक जटिलताएं। पूर्वव्यापी अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सिस्टेमिक ल्यूपस इरेथ्रोमेटोसस में थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक पुरपुरा की व्यापकता (काय चिकित्सा)।
2. पेरीफेरेल आर्टिरियल रोग में निट्रिक ऑक्साइड की भूमिका (शल्य चिकित्सा)।
3. हरियाणा में ग्रामीण जनसंख्या में सगर्भता के दौरान प्रत्यक्ष पर्यवेक्षित आयरन सम्पूरण : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (सामुदायिक चिकित्सा)।

पूर्ण

1. कोरोनरी आर्टरी रोग से पीड़ित रोगियों में प्लेटलेट रिसेप्टर पॉलीमॉरफिज्म तथा थ्रोम्बोजेनिक म्यूटेशन का मूल्यांकन (हृद्विज्ञान)।
2. वेलपोरेट मोनोथेरेपी पर मिरगी वाले बच्चों में हेमोस्टेटिक अपसमान्यता की व्यापकता (बाल चिकित्सा)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 29 सार : 3 पुस्तकों में अध्याय : 9 पुस्तकें : 1

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

निम्नलिखित पत्र प्रदान किए गए।

1. रेखा चौबे, सुधा साजवाल, मनोरंजन महापात्रा, रेनू सक्सेना। 'डू मॉलिक्यूलर एबनोर्मिलिटिस अल्टर इट्स बायोलॉजी – एम्स एक्सपीरियंस?'' आई एस एच टी एम वार्षिक सम्मेलन में जे सी पटेल पुरस्कार प्रदान किया गया, पुरी 2012.
2. सुनील कुमार गुप्ता, तूलिका सेठ, मनोरंजन महापात्रा, आर. सक्सेना, डी. के. मित्रा, अंकित सक्सेना, उमा कांगा। टू इन्यूमिरेट दि इन–विट्रो फ्रीक्वेंसी एण्ड इफैक्टर फंक्शन ऑफ एलोस्पेसिफिक हैल्पर टी सेल्स इन पेशेन्ट्स अंडरगोइंग सिबलिंग मैचड एलोजेनिक पी बी एस सी टी एंड इट्स कोरिलेशन विद ग्राफ्ट वर्सिस होस्ट डिसीज। सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार। मूल कोशिका प्रतिरोपण : नए अग्रणी। आर आर अस्पताल, नई दिल्ली, 16–17 फरवरी 2013.

प्रोफेसर रेनू सक्सेना आई सी एम आर, डी बी टी तथा डी एस टी की पी ए सी समितियों की सदस्य बनी रहीं। वे आई एस एच टी एम – एम्स ई क्यू ए पी की समन्वयक तथा हीमोफीलिक फेडरेशन ऑफ इंडिया की चिकित्सा सलाहकार रहीं।

प्रोफेसर एच. पी. पती आई एस एच टी एम के उपाध्यक्ष बनाए गए।

डॉ. एम महापात्रा आई एस एच टी एम के महासचिव बनाए गए।

प्रयोगशाला सेवाएं

विभाग में एक पूर्ण विकसित प्रयोगशाला है और इसमें निम्नलिखित जांचें संचालित की गईं।

अरक्तता हेतु जांचें

जांच	संख्या
एच पी एल सी	1788
सिकलिंग	58
जी 6 पी डी	877
एस आयरन	2244
कूम्बस	397
पीएनएच जैल कार्ड सीडी55 / सीडी59	108
पी एन एच (हेम जांच)	31
प्लाज्मा हीमोग्लोबिन	116
मूत्र हेमोसिडेरिन	102
ओस्मोटिक फ्रैगिलिटी / इक्यूबेटिड ओस्मोटिक फ्रैगिलिटी	156
हीन्ज पिण्ड	07
एच बी इलेक्ट्रोफोरेसिस	14
एच इंसुलिन	03
आयरन स्टेन सीरम फेरिटिन मैथिमोग्लोबिन	438 1977 02

हेमोग्राम तथा जीवोति परीक्षा

हेमोग्राम	45245	रेटिक्यूलोसाइट काउंट	14890
अस्थि मज्जा चूषण	2586	बायोप्सी	2411
रेटिक्यूलिन विशेष स्टेन	255		

हेमोस्टेसिस हेतु जांच

शॉर्ट स्क्रीनिंग कोएगुलोग्राम	3970	फैक्टरी एस्से	400
इनहिबिटर्स स्क्रीनिंग	250	फैक्टर इनहिबिटर्स एस्सै	10
आईएनआर	2950	ल्यूपस एंटीकोएगुलेंट	1670
प्लेटलेट फंक्शन जांच	1200	डी. डाइमर	1200
फिब्रिनोजेन	600	प्रोग्लोब सी	818
प्रोटीन सी	800	प्रोटीन एस	800
ए पी सी आर	850	ए टी – 3	600
बीटा2जीपी	1400	एस. हीमोसिस्टिएन	300
वीडब्ल्यूडी	200	डीएनए पेरेंटल डिटेक्शन	12
डीएनए : कैरियर पहचान	44	एफ वी लियडेन	217
एमटीएचएफआर	28	क्लॉट सॉल्यूबिलिटी जांच	250
पी2010	24	थैलासीमिया मॉलिक्यूलर जांच	52
हेमोफिलिया बी	45	$\delta\beta$ थैलासीमिया	06

बीटा थैलासीमिया	02	आई वी लियडेन	217
प्रोथ्रोम्बिन	24		

ल्यूकिमिया हेतु जांच

आर टी पी सी आर			
सी एम एल	657	जे ए के – 2	163
ए पी एम एल	65	ए एल एल	62
एफ एल टी 3	44	साइटोकेमिस्ट्री	574
एल ए पी	291		

फ्लो साइटोमिट्री

तीव्र ल्यूकिमिया	सी एल पी डी	सी डी 34	पी एन एच	प्लेटलेट फंक्शन डिस्ऑर्ड्र्स	कुल
325	85	23	288	17	738

अंतरंग रोगी उपचार

रुधिरविज्ञान विभाग द्वारा ल्यूकिमिया, एप्लास्टिक एनिमिया, आइडियोपैथिक, थ्रोम्बोसाइटोपेनिक पुरपुरा, लिम्फोमास, माइलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम, हीमोफिलिया, बहु माइलोमा तथा विभिन्न अन्य रुधिरविज्ञानी विकारों से पीड़ित रोगियों की बढ़ती संख्या का अंतरंग रोगियों के रूप में उपचार किया गया है। पिछले वर्ष, 33 एलोजेनिक प्रतिरोपण सफलतापूर्वक निष्पादित किए गए। विभाग में रुधिरविज्ञानी रोगियों के लिए कीमोथेरेपी, ऑपरेशनों तथा रक्त उत्पाद आधानों हेतु दिवस उपचार केंद्र भी है।

रुधिरविज्ञान के अंतर्गत भर्ती किए गए अंतः रोगियों की कुल संख्या 696 थी (सी2/सी6/डी6 और नया आपातकालीन वार्ड, नए तथा पुराने प्राइवेट वार्ड)।

रुधिरविज्ञान दिवस उपचार केंद्र

माह 2012/2013	दाखिले	रक्त आधान	कीमो थेरेपी	आईटी	फिलिबो टॉमी	पीआरपी	एफएफपी	एसडीपी	क्रायो	बीएमबी बाई	अस्पताल से छुट्टी	कुल
अप्रैल	641	260	170	42	04	83	18	07	06	117	641	708
मई	756	367	175	54	15	120	16	03	02	133	756	850
जून	758	300	180	63	29	119	15	04	02	133	758	840
जुलाई	766	305	226	62	20	119	16		05	99	766	874
अगस्त	748	269	235	60	08	125	12		04	112	748	835
सितंबर	840	298	278	53	11	147	16		03	138	840	945
अक्तूबर	731	163	199	58	10	157	16		04	119	731	834
नवंबर	666	285	177	36	05	122	15	02	05	107	666	778
दिसंबर	754	294	215	44	09	147	13	03	07	115	754	837
जनवरी	519	284	173	58	13	110	16	01	04	109	519	778
फरवरी	720	284	204	56	15	115	17	02	04	107	720	804
मार्च	768	288	263	56	12	112	10	01	03	97	768	868
कुल	7986	3397	2495	652	151	1476	180	26	49	1386	7986	9951

बहिरंग रोगी विभाग

विभाग द्वारा मुख्य राजकुमारी अमृत कौर ओ पी डी ब्लॉक की तीसरी मंजिल पर बहिरंग रोगी विभाग चलाया जाना है। रुधिरविज्ञान की नियमित ओ पी डी सोमवार/बुधवार/शुक्रवार को प्रात : 9.30 बजे से सायं 6.00 बजे तक लगती है। अर्बुदविज्ञान के रोगी हेमाटो – ओंकोलॉजी क्लिनिक (एच ओ) में सोमवार को देखे जाते हैं। विशिष्टता उपचार क्लिनिक भी होते हैं जैसे :– मंगलवार को प्रातः काल को हेमाटोपोइटिक मूल कोशिका प्रतिरोपण क्लिनिक, बृहस्पतिवार को प्रातः काल को हेमोस्टेसिस क्लिनिक (एच सी) तथा शनिवार को प्रातः काल को लॉन्ग टर्म ल्यूकिमिया सर्ववाइवर क्लिनिक होता है।

रुधिरविज्ञान ओ पी डी गणना

	सामान्य रुधिरविज्ञान			विशिष्टता क्लिनिक						
	पुरुष	स्त्री	**कुल**							
				एचटी	एचएस	एचएल	एचए	एचसी	एचओ	एच
पुराने रोगी	14183	6392	**20575**	2000	4000	1000	2326	3473	7420	7356
	पुरुष	स्त्री	**कुल**	एचटी	एचएस	एचएल	एचए	एचसी		
नए रोगी	10,599	6400	**17099**	45	306	85	205	235		

बाह्य रुधिरविज्ञान दक्षता परीक्षण कार्यक्रम

रुधिर विज्ञान विभाग में एच बी, एच सी टी, डब्ल्यू बी सी, आर बी सी, रेटिक, एम सी वी, एम सी एच, एम सी एच सी तथा पी. एस. मूल्यांकन सहित प्लेटलेट नामक मूल पैरामीटरों में बाह्य गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। अप्रैल 2012 में इसमें भाग लेने वाली प्रयोगशालाओं की संख्या लगभग 1100 थी जो वर्ष 2013 में संगत अवधि में 1250 तक पहुंच गई है। पूरे भारत से भाग लेने वाली प्रयोगशालाओं की सटीकता और विश्वसनीयता को बनाए रखने में अपने योगदान के कारण इस कार्यक्रम को प्रमुख स्थान प्राप्त हुआ है।

सामुदायिक सेवाएं

रुधिरविज्ञान विभाग द्वारा थैलासीमिया के रोगियों को नेशनल थैलासीमिया वेलफेयर सोसायटी के समन्वय से परामर्श सेवाएं प्रदान की गई। हीमोफिलिया से पीड़ित रोगियों के हीमोफिलिया फेडरेशन ऑफ इण्डिया के समन्वय से देखभाल एवं उपचार प्रदान किया गया। इसके सक्रिय कार्यक्रमों में कैंसर की रोकथाम तथा कैंसर के प्रारंभिक चेतावनी लक्षणों की पहचान के लिए जन–व्याख्यान, अखिल भारतीय एन सी सी कैंसर जागरूकता प्रतियोगिता – 2013, 20 जनवरी 2013, एन सी सी कैम्प, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. तारीक मुजफ्फर, एम डी, सहायक आचार्य, रुधिर विकृति विज्ञान विभाग, रुधिरविकृति विज्ञानी, टेक्सास विश्वविद्यालय, एम डी एन्डरसन कैंसर सेंटर, हाउसटोन, यू एस ए ने सितंबर 2012 में 'डायग्नोजिंग माइलोडिप्लास्टिक सिंड्रोम्स : ए सिस्टेमेटिक एप्रोच' पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।
2. डॉ. रजत कुमार, डॉ. गिबसन तथा डॉ. जॉनस्टन, मेनिटोबा विश्वविद्यालय, कनाडा ने विभाग का दौरा किया और वार्ता प्रस्तुत की एवं डी एम छात्रों से बातचीत की।

9.16 अस्पताल प्रशासन

आचार्य एवं अध्यक्ष
शक्ति कुमार गुप्ता

चिकित्सा अधीक्षक, मुख्य अस्पताल
डी. के. शर्मा

आचार्य
सिद्धार्थ सतपति

अपर आचार्य

आई. बी. सिंह | संजय आर्य | आरती विज

सहायक आचार्य

निरूपम मदान | अनूप डागा
अमित लठवाल | महेश आर.

शिक्षा

अस्पताल प्रशासन विभाग द्वारा आयुर्विज्ञानी स्नातकों के लिए स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम अर्थात एम. एच. ए. (अस्पताल प्रशासन में निष्णात) कार्यक्रम चलाया जा रहा है जो कि इसके आरंभ होने के बाद से अब 47वें वर्ष में पहुंच गया है। इसे भारत में पहली बार फरवरी 1966 में आरंभ किया गया था और अब यह विशिष्ट स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के रूप में स्वीकार किया गया है। अस्पताल प्रशासन में रेजीडेंसी कार्यक्रम ''हैड्स ऑन'' प्रशिक्षण पर बल देता है, जहां रेजीडेंट प्रशासक अस्पताल के ''प्रशासकीय नियंत्रण कक्ष'' में रात–दिन ड्यूटी अधिकारी के रूप में कार्य करता है और ड्यूटी समय के बाद सभी अस्पताल कार्यकलापों को समन्वित करता है। यह अस्पताल का मुख्य केन्द्र भी होता है।

विभाग ने 1 जनवरी 2008 से अस्पताल प्रशासन विभाग के रेजीडेंटों के लिए एकीकृत शिक्षण मॉड्यूल चला कर शैक्षिक कार्यक्रम के निदर्शन शिफ्ट शुरू की है। इसमें व्याख्यान, चर्चाएं, समस्या आधारित शिक्षण, मामलों का अध्ययन, पत्रिका क्लब, मार्ग दर्शक मंच, सेमीनार आदि शामिल है। विभाग द्वारा विभिन्न अतिथि व्याख्यानों को आयोजित किया जाता हैं ताकि शिक्षण की सीमा को बढ़ाया जा सके।

संकाय सदस्यों ने विभिन्न संगठनों, जिसमें केन्द्र, राज्य सरकारे, अर्द्ध सैनिक बल और विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में जैसे कि आईआईसीएम, रांची और निजी क्षेत्र के प्रबंधन संस्थान भी शामिल है, में कार्य कर रहे डॉक्टरों के लिए कई शिक्षण कार्यक्रम संचालित किए हैं।

अल्पकालीन एवं दीर्घकालिक प्रशिक्षण

1. भारतीय स्वास्थ्य प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थान से नौ छात्र, जयपुर 9–31 मई 2012
2. सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय से चार छात्र, सिक्किम, 1 मार्च – 3 मई 2012
3. अस्पताल प्रशासन विभाग से दो एम एच ए छात्र, शेर – ए – कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान, श्रीनगर, 11–20 फरवरी 2013

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

सम्मेलन, सेमिनार एवं कार्यशालाएं
विभाग द्वारा आयोजित

1. अस्पताल संचालन, सामान एवं भंडार प्रबंधन में सर्वश्रेष्ठ व्यवहार पर एच एक्स एम डी पी, नई दिल्ली, 14–15 सितम्बर 2012
2. वरिष्ठ स्वास्थ्य उपचार चिकित्सकों के लिए स्वास्थ्य उपचार कार्यकारी प्रबंधन विकास कार्यक्रम, गोवा, 21 – 27 अक्तूबर 2012
3. चिकित्सा अधीक्षकों के लिए 'अस्पताल प्रबंधन एवं प्रशासन' पर विशेष कार्यक्र मजी डी एम ओ ऑफ कोल इंडिया लि., भारतीय कोयला प्रबधंन संसथान (आई आई सी एम), रांची, 4 फरवरी 2013, 9 मार्च 2013
4. ऊतक दानदाता जांच, ऊतक पुनः प्राप्ति तथा ऊतक खोज हेतु दिशा–निर्देश विकसित करेन के लिए राष्ट्रीय परामर्श, 18 अगस्त, 2012, नई दिल्ली (आरती विज)
5. शव अंग दान प्रक्रिया संबंधी नर्सों का प्रशिक्षण कार्यक्रम, 11–15 मार्च 2013, सीमेंट, अ. भा. आ. सं. (आरती विज)
6. भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम पर एक दिन का प्रशिक्षण, 7 मई 2013, अ. भा. आ. सं. (महेश आर)

प्रदत्त व्याख्यान

शक्ति कुमार गुप्ता : 7	**डी. के. शर्मा : 1**	**सिद्धार्थ सतपति : 12**	**आरती विज : 4**
अनूप डागा : 1	**निरूपम मदान : 6**	**अमित लठवाल : 3**	**महेश आर : 4**

मुखीय / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 1

अनुसंधान

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. एम्स, नई दिल्ली में चिकित्सा उपस्करों एवं उपकरणों के विसंक्रमण एवं रोगाणुनाशन प्रक्रियाओं का अध्ययन करना और मानकों के अनुसार पद्धतियां में सुधार लाने के लिए उपायो का सुझाव देना।
2. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान मुख्य अस्पताल में रोगी उपचार क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुरक्षा कर्मियों में मध्य चिकित्सा उपकरणों से संबंधित प्रतिकूल घटनाओं के संबंधित ज्ञान, विचार एवं प्रक्रियाओं का अध्ययन करना।
3. स्थापित मानकों के प्रति संरचना, प्रक्रिया और परिणाम के संबंध में एम्स के मुख्य अस्पताल में मौजूदा काय चिकित्सा, और बाल गहन चिकित्सा एककों का मूल्यांकन करना।
4. एनएबीएच मानकों के संदर्भ में एम्स में विभिन्न समितियों की मिली जुली भूमिका एवं कार्यकलापों का अध्ययन और इसके कार्य–कलापों की तुलना में मूल्यांकन मॉडल का प्रस्ताव करना।
5. एम्स के बाल गहन चिकित्सा एककों में स्वास्थ्य उपचार संबंधी संक्रमणों की लागत का अध्ययन करना।
6. एम्स में बजटीय आबंटन और इसके उपयोग की पद्धति का अध्ययन करना।

जारी

1. एम्स, नई दिल्ली में स्वास्थ्य उपचार कर्मियों में मध्य नीडल स्टीक इंजूरी की व्यापकता और परिस्थितियों का निर्धारण करने के लिए अध्ययन करना।
2. जय प्रकाश नारायण ट्रॉमा केंद्र, एम्स में चिकित्सा विधिक कागजात का अध्ययन एवं इलेक्ट्रॉनिक चिकित्सा विधिक कागजात हेतु एक मानक टेम्प्लेट को विकसित करना।
3. एम्स के नर्सिंग कार्मिकों को प्रशिक्षण की आवश्यकताओं पर अध्ययन करना एवं कार्य निष्पादन सुधार के लिए अधिमानित दृष्टिकोण का पता लगाना।
4. बढ़ते हुए जोखिमों और असुरक्षाओं को ध्यान में रखते हुए एम्स के आपदा प्रबंधन योजना का अध्ययन एवं मूल्यांकन करना और आंतरिक और बाह्य दोनों को सम्मिलित करते हुए एक व्यापक आपदा प्रबंधन योजना के एक मसौदा का सुझाव देना।

5. स्वास्थ्य उपचार कर्मियों हेतु नेतृत्व विकास कार्यक्रम हेतु प्रशिक्षण आवश्यकताओं और टेम्पलेट को विकसित करने संबंधी मूल्यांकन करना।
6. एम्स में कर्मचारी स्वास्थ्य योजना के क्रियाकलापों को गहनता से अध्ययन करना और कर्मचारियों के लिए इसी प्रकार की अन्य योजनाओं के साथ इसकी तुलना करना, अंतरों की पहचान करना तथा एम्स के लिए एम माध्यम योजना को प्रस्तावित करना।
7. एम्स में रोगी शिकायत निवारण पद्धति का अध्ययन करना और श्रेष्ठ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं के साथ इसकी तुलना करना, अंतरों की पहचान करना और एम्स में शिकायत निवारण पद्धति के लिए एक मॉडल प्रस्तावित करना।
8. डॉ. रा. प्र. केन्द्र, एम्स में रोगी प्रक्रियाओं में सुधार करने के लिए ऑपरेशन अनुसंधान तकनीकों का अनुप्रयोग करना।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 1 **सार : 7** **पुस्तकों में अध्याय : 1** **पुस्तकें : 1**

रोगी उपचार

विभाग, अस्पताल सेवाओं में लागतों के नियंत्रण और रोगी उपचार प्रदान करने हेतु विभिन्न विभागों को प्रशासनिक सहायता के प्रावधान से बारीकी से जुड़ा है। विभाग एम्स में रोगी उपचार सेवाओं में गुणवत्ता उपचार मानक लाने के लिए जिम्मेदार है।

विभाग गुणवत्ता क्लिनिक सेवा की व्यवस्था में सहायता के लिए सहायक सेवाओं को जोड़ करके रोगी उपचार सेवाओं में सुधार लाने में सक्रिय रूप से संबद्ध रहा है।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य शक्ति कुमार गुप्ता को इंस्टीट्यूट ऑफ रेस्क्यू इंजीनियरिंग एण्ड सिविल प्रोटेक्शन, कोलोजन, यूनिविर्सटी ऑफ एप्लाइड साइंसिज, जर्मनी द्वारा वर्ष 2012 के अंतरराष्ट्रीय साझेदार के रूप में सम्मानित किया गया; उन्हें सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत देश हेतु राष्ट्रीय एम्बुलेंस कोड के सूत्रीकरण के लिए समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। मसौदे को अनुमोदन प्रदान किया गया और सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कोड को अधिसूचित किया गया; उन्हें स्टूंडेंट्स यूनिवर्सिटी स्पीयर्स स्कूल ऑफ बिजनेस ओकलाहामा, यूएसए में ओकलाहामों में स्वास्थ्य पद्धति इनोवेशन्स के लिए केन्द्र के परामर्श मंडल का सदस्य; पी एम एस एस वाई के अंतर्गत भोपाल, भुवनेश्वर, जोधपुर, पटना, रायपुर और ऋषिकेश में बनाए जा रहे छः नए एम्स हेतु नेत्र विज्ञान संबंधी विशेषज्ञ सलाहकार समिति का सदस्य; गोवा में स्वास्थ्य पद्धति का अध्ययन करने के लिए तथा सुधार हेत उपाय सुझाने के लिए गोवा सरकार के मानद परामर्शदाता; राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा गठित अस्पताल सुरक्षा हेतु राष्ट्रीय कार्य योजना के विकास के लिए कार्यकारी समूह का सदस्य नियुक्त किया गया; उन्हें, भारत में विशिष्टता अस्पतालों में इलैक्ट्रॉनिक चिकित्सा अभिलेखों के क्रियान्वयन हेतु मॉड्यूल की तैयार हेतु वि. स्वा. सं. परामर्शदाता; एन ए बी एच, भारतीय गुणवत्ता परिषद की शासी परिषद का नामित सदस्य; एम्स हेतु रिजल्ट्स फ्रेमवर्क डॉक्यूमेंट्स (आर एफ डी) की तैयार हेतु समिति का सदस्य नियुक्त किया गया। मसौदे को अंतिम रूप दे दिया गया है और एम्स में प्रस्तुत किया गया है; इंस्टीट्यूट ऑफ लाइवरी एण्ड बाइलरी साइंसिज, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार, के ऑपरेशन के उपायक्ष के चयन के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया; 11–12 अप्रैल 2012 को जयपुर, राजस्थान में सुरक्षित करने के लिए परामर्श के सत्र की अध्यक्षता थी; दिनांक 25 अप्रैल 2012, एन डी एम ए भवन, नई दिल्ली में अस्पताल आपदा प्रबंधन योजना संबंधी उप समूह की प्रथम बैठक में भाग लिया; 7वीं नेशनल क्वालिटी कनक्लेवद्ध 27–28 अप्रैल 2012, नई दिल्ली में भाग लिया; कृषि के कन्वर्जेंस के पथ में उच्च स्तरीय सम्मेलन में समूह के अगुवा के रूप में भाग लिया, हैल्थ एण्ड वैल्थ, 22 – 24 जून 2012, नई दिल्ली, 'स्वास्थ्य उपचार उपलब्धता, पहुंच और वहन करने की क्षमता' पर पूर्ण सत्र में भाग लिया और इसकी अध्यक्षता की, 24वां ए आई एम एस, वार्षिक प्रबंधन शिक्षा सम्मेलन 2012, 25–27 अगस्त 2012, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश; 'साक्ष्य आधारित स्वास्थ्य उपचार' पर सम्मेलन – पूर्व कार्यशाला और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। 5–8 अक्तूबर 2012, नई दिल्ली; वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ डिजास्टर एण्ड इमरजेंसी मेडिसिन के 4 थे। पी ए एन अमेरिकिन रीजनल सम्मेलन में भाग लिया, 15–17 अक्तूबर 2012, विर्जिनिया, यू एस ए; 'क्वालिटी एश्योरेंस पेशेंट सेफ्टी पर संयुक्त अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, 28–30 नवम्बर 2012, पांडीचेरी; उन्होंने 'स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन (एचटीए) पर प्रथम अंतरराष्ट्रीय फैलोशिप' में भाग लिया; 13–14 दिसम्बर 2012, कोच्चि, केरल; उन्होंने 10वें ज्ञान सहस्राब्दी शिखर सम्मेलन – 2013 'क्योरिंग दि इंक्योरेबल्स : शेयरिंग ऑफ इनोवेशन्स' में भाग

लिया, 16 जनवरी 2013, नई दिल्ली; अस्पताल प्रशासन एवंज न स्वास्थ्य मेडालियन – 2013 में वर्तमान प्रवृत्तियों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया; 15–16 फरवरी 2013, कोट्टायाम, केरल; जम्मू और कश्मीर में स्वास्थ्य क्षेत्र के सुधारों पर टास्क फोर्स की बैठक में भाग लिया, 4 फरवरी 2013, जम्मू और कश्मीर; वेलींगकर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट डेवलपमेंट एण्ड रिसर्च की 4 थे, परामर्श मडल की बैठक में भाग लिया, 22 फरवरी, 2013 मुम्बई; अस्पताल प्रशासन पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन मंथन – 2013 में भाग लिया, 16–17 मार्च 2013, बरेली, उत्तर प्रदेश।

डॉ. डी. के. शर्मा ने इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, शेखपीरा, पटना में 9 मई 2012 को सहायक आचार्य, अस्पताल प्रशासन के पद हेतु विशेषज्ञ के रूप में चयन समिति की बैठक में भाग लिया; बी. पी. एस. गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज फॉर वूमैन, खानपुर कलां एवं कल्पना चावला गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, करनाल, प. बी. डी. शर्मा, यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसिज, रोहतक, हरियाणा हेतु चिकित्सा अधीक्षक के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में चयन समिति की बैठक में भाग लिया; स्वास्थ्य उपचार अनुसंधान संस्थान (आई एच एम आर), जयपुर में शैक्षिक सलाहकार परिषद की बैठक में भाग लिया; पं. बी. डी. शर्मा, यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसिज, रोहतक, हरियाणा में चयन समिति की बैठक में भाग लिया; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार आदि सहित एक्स एवं अन्य संगठनों की विभिन्न आंतरिक एवं बाह्य नीतियों के निर्माण तथा निर्णय लेने वाली समितियों के अध्यक्ष / सदस्य के रूप में सेवाएं प्रदान की। राज्य जन – सेवा आयोगों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, चिकित्सा संस्थानों, आई. आई. टी. आदि सहित विभिन्न संगठनों की चयन समिति के विशेष एवं सदस्य के रूप में, विभिन्न पदों जैसे चिकित्सा अधीक्षक, उप – निदेशक (प्रशासन), अस्पताल प्रशासन के संकाय सदस्य, चिकित्सा अधिकारियों, नर्सिंग एवं समूह 'क' तथा 'ख' स्टाफ सदस्यगण की अन्य श्रेणियों के साक्षात्कार / चयन के लिए, अपनी सेवाएं प्रदान कीं; भारतीय मानक ब्यूरो (बी आई एस), भारत की अस्पताल योजना, चिकित्सा उपकरणों, शल्यक उपकरणों, डिस्पोजेबल एवं ड्रेसिंग की विभिन्न समितियों के अध्यक्ष / प्रधान सदस्य के रूप में नामित किया गया; एम्स जैसे छः संस्थानों को स्थापित करने की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पी एम एस एस वाई) के स्थायी विशेष आमंत्रित सदस्य हैं, इंस्टीट्यूट ऑफ हैल्थ मैनेजमेंट रिसर्च, जयपुर द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु छात्रों का चयन करने के लिए इंटरव्यू पैनल में भाग लिया; 'होरिजॉन – 2012' राष्ट्रीय सम्मेलन, मैंगलोर में सफल मार्केटिंग की एक कहानी में भाग लिया; अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स द्वारा आमंत्रित विशेष संकाय के रूप में एच एक्स एम डी पी के सम्मेलन में भाग लिया, गोवा; गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, पोंडिचेरी, चिकित्सा अधीक्षक हेतु 'अस्पताल प्रबंधन एवं प्रशासन' पर विशेष कार्यक्रम में भाग लिया, जी डी एम ओ ऑफ कोल इंडिया लि., रांची, झारखण्ड; मार्केटिंग – चैलेंजिग मैनेजमेंट पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओएम – 2013) में भाग लिया, कोलम्बो, श्रीलंका।

आचार्य सिद्धार्थ सतपति एकडेमी ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन (ए एच ए) द्वारा प्रकाशित जर्नल ऑफ एकेडमी ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन के संपादक; राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केन्द्र – जैव प्रौद्योगिकी विभाग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त शासी संस्थान की भवन समिति के सदस्य; भारतीय मानक ब्यूरो (बी आई एस), नई दिल्ली में बी एम डब्ल्यू (एम एच डी – 22) पर चयन समिति के सदस्य; इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक, मध्य प्रदेश में मई – जून 2012 को मेडिकल कॉलेज तथा अस्पताल की स्थापना हे डी पी आर को अंतिम रूप देने के लिए ई डी सी आई एल की तकनीकी समिति के सदस्य; ए एच ए में अप्रैल 2012 में हेल्थ केयर संगठन के गुणवत्ता प्रबंधन एवं प्रत्यायन (क्यू एम ए एच ओ) हेतु बाह्य परीक्षक थे; वर्ष 2012 के दौरान नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन (एन टी पी सी) में स्वर्ण शक्ति पुरस्कार (श्रेष्ठ स्वास्थ्य उपचार सेवा पुरस्कार) हेतु अस्पतालों के चयन हेतु समिति के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में एन टी पी सी परियोजना अस्पतालों का दौरा किया; वे हरियाणा में विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में अस्पताल प्रशासन विभाग के चिकित्सा अधीक्षक और संकाय सदस्य के पद हेतु चयन समिति के विशेष सदस्य; संबद्ध स्वास्थ्य उपचार प्रदाताओं हेतु राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों के विकास हेतु हैल्थ केयर सैक्टर स्किल्स काउंसिल (एच एस एस सी) राष्ट्रीय पाठ्यक्रम अनुमोदन समिति के सदस्य थे; उन्होंने इंटरनेशनल कॉन्ग्रेस, सी एम ई तथा कार्यशाला ट्रॉमा 2012, नई दिल्ली, 25 नवम्बर 2012 को 'इमरजेंसी मेडिकल सर्विसिस – ए सिस्टम एप्रोच' पर पूर्ण सत्र – 3 की अध्यक्षता की।

डॉ. आई. बी. सिंह, सूचीकरण के संशोधन (सी जी एच एस एवं एम एस ओ हेतु दवा सूत्रीकरण में सम्मिलित स्वामित्व वाली दवाइयां) हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे और उन्होंने अपर सचिव तथा महानिदेशक (सी जी एच एस), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अध्यक्षता में दिनांक 19 जून 2012 तथा 6 नवम्बर 2012 को समिति की बैठकों में हिस्सा लिया और सूत्रीकरण को विकसित करने में सक्रिय रूप में सम्मिलित हुए; वे एन आई पी एस, नजफगढ़, आर आई पी एस, चंडीगढ़ एवं कोयम्बटूर हेतु योजनाओं को अनुमोदन प्रदान करने के लिए विशेषज्ञ तकनीकी समिति के

सदस्य थे और उन्होंने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, 6 नवम्बर 2012 को आयोजित बैठक में भाग लिया; वे 30 बिस्तरों वाले अस्पतालों के 'अस्पताल योजना भाग–। हेतु मूल आवश्यकताओं' पर मसौदा कागजात के लिए चयन समिति, एम एच डी 14, भारतीय मानक ब्यूरो के सदस्य थे; वे 'निजी अस्पतालों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को निःशुल्क चिकित्सा उपचार के प्रावधान को बढ़ाने हेतु कार्यशाला' नोडल अधिकारी के रूप में थे, 5 जनवरी 2013, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, दिल्ली सरकार, दिल्ली सचिवालय।

डॉ. आरती विज, एच एल एल लाइफ केयर लि., भारत सरकार इंटर प्राइज के बोर्ड की स्वतंत्र निदेशक (गैर–अधिकारिक अंश कालिक) थीं; वे महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार को अंतर्गत राष्ट्रीय अंग प्रतिरोपण कार्यक्रम में सलाहकार समूह की सदस्य; वे राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रतिरोपण संगठन, महानिदेशालय, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार हेतु वेबसाइट के विकसित के लिए गठित समिति में विशेषज्ञ थी; वे वर्ष 2012–14 से इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन (आई एस ओ टी) की कार्यकारी सदस्य पुनर्निर्वाचित हुई; वे एम्स के लिए रिजल्ट्स फ्रेमवर्क डॉक्यूमेंट्स (आर एफ डी) की तैयारी हेतु समिति की सदस्य; रिसर्च फाउंडेशन ऑफ हॉस्पिटल एण्ड हैल्थ केयर एडमिनिस्ट्रैशन (आर एफ एच एच ए) के सहयोग से अस्पताल प्रशासन विभाग द्वारा आयोजित अस्पताल सामान, माल – सूची एवं भंडार प्रबंधन में श्रेष्ठ प्रक्रिया में 'भंडार में गुणवत्ता में निरंतर सुधार' पर सत्र की अध्यक्षता की, 14–15 सितम्बर 2012, अ. भा. आ. सं.।

डॉ. अनूप डागा पी एम एस एस वाय परियोजना : जून 2012 के दौरान पी एम एस एस वाई के अंतर्गत बी. आर. डी. मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) के उन्नतीकरण के लिए टीम के सदस्य थे; वे स्वास्थ्य पद्धति मूल्यांकन : गोवा में स्वास्थ्य पद्धति के मूल्यांकन हेतु टीम के सदस्य थे, अक्तूबर 2012।

डॉक्टर निरूपम मदान ने अस्पताल प्रशासन विभाग, अ. भा. आ. सं., आई एच सी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'अस्पताल माल सूची, भंडार एवं सामान सूची प्रबंधन में 'एच एक्स एम डी पी' पर सी एम ई में भाग लिया; उन्होंने इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मार्केटिंग आई सी ओ एम 2013, कोलम्बो, श्रीलंका, 19–20 फरवरी 2013 मेडिकल प्रैक्टिस में विधिक चिकित्सा, चिकित्सीय लापरवाही तथा मुकद्मे पर चौथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, आई ए एम एल ई 2013, कोवालाम, केरल, 25 – 27 जनवरी 2013 में भाग लिया और जरगर ए एच के साथ एक पत्र ऑप्टीमाइजिंग रूरल अर्बन हैल्थ केयर डिलीवरी सिस्टम बाय एफिशियंट नेटवर्किंग एण्ड मैनेजमेंट – टेक्नोलॉजी विजन 2035 का लेखन किया, मेडिकल साइंसिज एण्ड हैल्थ केयर – टी आई एफ ए सी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा क्षेत्रीय रौडमैप।

डॉक्टर अमित लठवाल ने मेडिकल प्रैक्टिस में विधिक चिकित्सा, चिकित्सीय लापरवाही तथा मुकदमेबाजी पर चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, 25 – 27 जनवरी 2013, कोवालाम, तिरुवनंतपुरम; विपणन : – चुनौतीपूर्ण वातावरण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 19–20 फरवरी 2013 कोलम्बो, श्रीलंका।

डॉक्टर महेश आर. ने मेडिकल प्रैक्टिस में विधिक चिकित्सा, चिकित्सीय लापरवाही तथा मुकदमेबाजी पर चौथे अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, 25 – 27 जनवरी 2013, कोवालाम, तिरुवनंतपुरम, भारत।

9.17 प्रयोगशाला चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए. के. मुखोपाध्याय

आचार्य

एम. इरशाद | सरमन सिंह

अपर आचार्य

सुभद्रा शर्मा

वैज्ञानिक

ए. के. श्रीवास्तव | वंदिता वासुदेव एस

उपलब्धियां

प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग में हमेशा की तरह संकाय, छात्र तथा कर्मचारियों द्वारा सेवाओं, शिक्षा और अनुसंधान में गतिशीलता बनी रही। प्रकाशन, पुरस्कारों और सम्मानों के संबंधित अनुभाग में अलग अलग उपलब्धि देखी जा सकती है।

जैव रसायन प्रभाग रोगी देखभाल, शैक्षिक और अनुसंधान सहित अनेक गतिविधियों में संलग्न संपूर्ण काय व्यवस्था है। इसमें नियमित और विशेष रोगी जांचों (34–35 लाख प्रति वर्ष)। सहित अस्पताल की सेवाएं, स्नातकपूर्व / स्नातकोत्तर स्तर पर अध्यापन, अनुसंधान परियोजनाओं के आयोजन और पीएच.डी कार्यक्रम चलाना शामिल है। यह बाहरी संस्थानों से आने वाले छात्रों को अनुसंधान तथा विश्लेषण प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण भी प्रदान करता है। यह प्रभाग सभी क्षेत्रों में गुणवत्ता कार्यों का उच्च स्तर रखता है और रोगी देखभाल, शैक्षिक और अनुसंधान कार्यों में अनेक उन्नतियों के लिए प्रक्रियाधीन है।

शिक्षा

अल्पकालीन प्रशिक्षण

जम्मू और कश्मीर विश्वविद्यालय से सुश्री सामा मुगलू ने 6 माह का प्रशिक्षण पूरा किया और लघु शोध प्रबंध जमा किया है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/ कार्यशाला/ संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

ए. के. मुखोपाध्याय : 2

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. अवसादग्रस्त युवाओं की नैदानिक अभिव्यक्ति में न्यूरोट्राफिन्स, साइटोकिन्स तथा जेनेटिक पॉलीमॉर्फिज्म की भूमिका। डॉ. ए के मुखोपाध्याय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2010–13, 36.03 लाख रु.
2. पार्किन्सन रोग में माइटोकॉड्रिंयल म्यूटेशन्स, माइटोकांड्रियल फंक्शन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस का अध्ययन करना। डॉ. ए के मुखोपाध्याय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2011–14, 37 लाख रु.
3. रोगियों के रक्त में ए जी हिपेटाइटिस वायरल संक्रमणों का पता लगाने के लिए एक सिंगल स्टेप मल्टीप्लेक्स रियल टाइम पी सी आर (आर टी–पी सी आर) को विकसित करना। डॉ. एम. इरशाद, आई सी एम आर, 2012–13, 16.30 लाख रु.
4. एंटी–टी टी वी एंटी बॉडीज़ के लिए टोर्क टेनो वायरस (टी टी वी) एवं विकसित ई आई ए सिस्टम के एन–22 रीजन की क्लोनिग एवं एक्सप्रेशन। डॉ. एम इरशाद, सी एस आई आर, 2011–14, 19.92 लाख रु.।

पूर्ण

1. उदासी से पीड़ित किशोरों में सीरम इंटरल्यूकिन लेवल्स पर योग का प्रभाव डॉ. ए के मुखोपाध्याय, सी सी आर वाई एन, 2008–11, 21.24 लाख रु.
2. जेरियाट्रिक रोगियों में अल्जाइमर रोग और वेस्कुलर डिमेंशिया में ऑक्सीडेटिव तनाव जोखिम कारकों का अध्ययन करना। डॉ. ए. के. मुखोपाध्याय, आई सी एम आर, 18.51 लाख रु.
3. जीनो टाइप्स एवं एच सी वी कोर एक्सप्रेशन के बीच संबंध स्थापित करने एवं एच सी वी जीनो टाइपिंग हेतु विकसित जांच करना। एम. इरशाद, यू जी सी, 2008–13, 14 लाख रु.

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. यकृत रोगों में इंसुलिन प्रतिरोध
2. भारतीय समुदायों में सी आर एफ पर महामारी वैज्ञानिक अध्ययन
3. पॉली पेप्टाइड संबद्ध टी टी वी की क्लोनिंग और अभिव्यक्ति
4. भारतीय जनसंख्या में टी टी वी की जीनोटाइपिंग
5. एच सी वी जीनोटाइप्स की सीरो पहचान के लिए तत्समय पी सी आर
6. सिरोसिस/ एच सी वी में एच सी वी– जीनोटाइप्स का महत्व
7. हिपेटाइटिस वायरसों हेतु मल्टीप्लेक्सिंग आकलन करना

सहयोगी परियोजनाएं

1. तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम में साइटोकाइन टीएनएफ–अल्फा, आईएल–6, आईएल–10 और आईएल–18 की संबद्धता (जे पी एन टी ए सी, कार्डियोलॉजी)
2. सगर्भता में जेस्टेटाइनल डायबिटीज मेलिटस के विकास सहित प्रथम ट्राइमिस्टर स्क्रीनिंग और सीरम इंसुलिन लेवलों के बीच सह संबंध (अंतःस्राविकी एवं चयापचय)।
3. भारतीय आबादी में क्रोनिक वृक्कपात (सी आर एफ) पर एक बहुकेंद्रीय अध्ययन। (वृक्क विज्ञान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 10 **सार : 5** **पुस्तकों में अध्याय : 3** **पुस्तकें : 1**

रोगी उपचार

केन्द्रीयकृत रक्त संग्रह सुविधा : 80,76,888

i. **शिराच्छेदन**

कुल शिराच्छेदन एवं नमूनों (प्राइमरी एवं पोस्ट प्राडियल) की संख्या : 81,416

ii. **रक्त नमूनों का वितरण**

प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग को

नैदानिक रसायन अनुभाग :	80,734	नैदानिक रुधिर विज्ञान अनुभाग :	57,225
नैदानिक सूक्ष्मजैव विज्ञान अनुभाग :	710	अन्य :	404

प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग के बाहर प्रयोगशालाओं को

हृ. त. कें. :	9,891		
सूक्ष्मजैव विज्ञान :	9,891	ट्रांसयूजन मेडिसिन :	2,433
अन्य प्रयोगशालाएं (साइकियाट्री, एनएचयू, आईआरसीएच) :	179		

iii. **निष्पादित जांच**

ब्लीडिंग समय, क्लॉटिंग समय :	639	प्रोथोम्बीन समय :	3,250
कुल :	3,889		

आपात प्रयोगशाला सेवाएं (रात–दिन)

नैदानिक जैव रसायन		**हीमोग्राम एवं शरीर तरल**	
जांच	**संख्या**	**जांच**	**संख्या**
ग्लूकोज :	43,932	हिमोग्लोबिन :	1,17,865
यूरिया :	1,12,118	टी एल सी :	1,17,865
क्रिएटिनिन :	1,11,627	प्लेटलेट :	1,17,865
बिलरुबिन :	75,920	प्रोथ्रोम्बिन समय :	39,757
एमाइलेस :	43,932	मलेरियल परजीवी :	18,313
सीएसए प्रोटीन :	5,757	सी एस एफ सेल्स :	10,693
		मूत्र :	3,344
इलेक्ट्रोलाइटिस		माइक्रो ब्लड कल्चर :	11,566
सोडियम :	1,11913	माइक्रो सी एस एफ :	10,693
पोटेशियम :	1,11,913	ग्राम स्टेन :	
आयनीकृत कैल्शियम :	62,805	स्लाइड स्टेन जिम्सा :	12,289
क्लोराइड :	54,039	स्टूल हैंगिग ड्राप :	1,099
		एम सी वी :	1,17,865
इलेक्ट्रोलाइटिस के साथ एबीजी :	201,103	एम सी एच :	1,17,865
		एम सी एच सी :	1,17,865
कुल :	**7,54,059**	पी सी वी :	1,17,865
		आर बी सी :	1,17,865
		अन्य :	32,500
		कुल :	**11,09,622**

टिप्पणी : एच बी, टी एल सी, एम सी वी, एच सी एच सी, पी सी वी ए एन डी आर बी सी को एक ही समय में एकल जांच के रूप में मापा जाता है।

महायोग : **18,63,681**

नैदानिक जैव रसायन अनुभाग

जांच	**रक्त**	**मूत्र**	**तरल**
शर्करा :	1,37,214	401	1,050
यूरिया :	2,57,925	320	–
टी. प्रोटीन :	2,46,107	–	1,050
एल्युमिनियम :	2,49,591	–	1,050
24 घंटे एल्युमिनियम :	–	42,115	–
बिलिरुबिन			
कुल :	2,46,304	–	–
कंजुगेट :	1,39,215	–	–
एल्के. फॉस्फेट :	2,45,960	–	–
कोलेस्टेरॉल :	82,115	–	–
सोडियम :	2,44,235	4,100	–
पोटेशियम :	2,44,235	4,100	–
कैल्शियम :	2,06,439	4,800	–

फॉस्फेट :	1,72,401	4,800	–
यूरिक एसिड :	2,03,502	4,800	–
एमाइलेज :		–	–
क्रिएटिनिन :	2,32,119	9,302	–
एस जी ओ टी :	2,48,212	–	–
ए जी पी टी :	2,48,212	–	–
ए बी जी :	302	–	–
पी सी ओ2 :	302	–	–
पी एच :	302	–	–
पी ओ2 :	302	–	–
एच सी ओ3	302	–	–
सी ओ2	302	–	–
ए एस डी ओ2	302	–	–
ओ2 सैट	302	–	–
एस ए टी	302	–	–
बी ई	302	–	–
कुल :	**34, 06, 806**	**74, 738**	**3,150**

अन्य अन्वेषक

जांच	**संख्या**	**जांच**	**संख्या**
एच बी एस ए जी :	600	आईजीएम एंटी एच बी सी :	600
एच बी एस ए जी :	600	एंटी एच सी वी :	20
आईजीएम एंटी एच ई बी :	1000	आईजीएम एंटी एच बी सी :	100
आईजीएम एंटी एच बी सी :	300	एच सी वी – आर एन ए :	1000
टी टी वी– डी एन ए :	2000	सुपरऑक्सीडेंट डिसम्यूटेस :	100
टी. एंटीऑक्सीडेंट :	100	ए प्रोटीन ए :	100
ए प्रोटीन बी :	100	एल पी (ए) :	100
सी के :	100		
एल डी एच :	100	जी जी टी :	100
टी जी :	100	एच डी एल सी :	200
एल डी एल सी :	200		
योग :	9,500		
महायोग :	**34, 94, 194**		

कमरा नं. 18 से सेवाएं

एडिनोसाइन डी एमिनेज जांच (ए डी ए) :	1930	न्यूरोसिस्टीसरकोसिस :	47
कुल	**1977**		

विविध

नए जांच

विटामिन बी	781	फोलेट	759
फेरीटिन	427		

ट्यूमर मार्कर

आई पी टी एच	362	सी ई ए	354
सी ए 19–9	296	सी ए 15–3	300

योग	**3279**		

डी आई सी अध्ययन

पी टी	20485	ए पी टी टी	3916
टी टी	1218	डी. डीमर	760
कुल	**26379**		
महायोग	**31635**		

रुधिर विज्ञान अनुभाग

जांच	**ओ पी डी**	**वार्ड**			
एच बी	93684	84117	टी एल सी	93684	84117
पी सी वी	93684	84117	डी एल सी	93684	84117
ई एस आर	61051	23585	डी/एम	93684	84117
पी एल टी	93684	84117	रेटिक संख्या	10831	4072
परम	93684	84117	एम पी जांच	33028	329
इयोसिनोफिल संख्या					
आर डी डब्ल्यू	93684	84117	एम सी वी	93684	84117
एम सी एच	93684	84117	एच सी एच सी	93684	84117
आर बी सी	93684	84117	ए एन सी	93684	84117
एम पी वी	93684	84117	अन्य*	35000	26379
कुल	**1451486**	**1232003**			

महायोग : 26,83,489

* परीक्षण दोहराना, परीक्षण जांच, गुणवत्ता नियंत्रण नमूना, आंतरिक क्यूसी आदि।

टिप्पणी : एच बी, टी एल सी, पी सी वी, डी एल सी, पलेटनेट, एम सी वी, एच सी एच सी, आर बी सी को एक ही समय में एकल जांच के रूप में मापा जाता है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रो. ए. के. मुखोपाध्याय को नामीनेटिंग काउंसिल फॉर 2012 बी बी वी ए फाउंडेशन फ्रंटियर्स ऑफ नॉलेज अवार्ड्स, स्पेन का सदस्य चुना गया; नॉमीनेटिंग काउंसिल फॉर इन्फोसिस साइंस फाउंडेशन अवार्ड, 2012 के सदस्य चुने गए। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बंगलौर में साइंस स्प्रिचुअल क्वेस्ट में प्रस्तुत पत्र – 'फ्राम गॉड पार्टिकल टू कांशियसनेस : लाइफ साइंस, न्यूरोसाइंस एण्ड नॉनलोकल साइंस होल्ड द की' ने विश्वभर का ध्यान अपनी ओर खींचा; 24 सितंबर 2012 से अब तक यह गूगल सर्च में पहले पृष्ठ पर शीर्ष स्थान पर है; अपोलो – 14 एस्ट्रोनॉट, चांद पर चलने वाला छठा आदमी, एडगर मिचेल ने व्यक्तिगत रूप से ई–मेल से कार्यक्रम पर बातचीत की और उन्होंने विज्ञान के प्रसार के लिए सहयोग की इच्छा व्यक्त की; एडगर मिचेल के क्वांट्रेक टीम के प्रख्यात वैज्ञानिकों ने पेपर में दिए गए नए विचारों की अत्यधिक प्रशंसा की, कैम्ब्रिज के ब्रायन जोसेफसन, स्विटजरलैण्ड के वर्न अर्बर ने पेपर पर सकारात्मक टिप्पणियां की। आई आई टी कानपुर के छात्र द्वारा प्रो. मुखोपाध्याय के कार्य द मिलेनियम ब्रिज को थॉमस कैम्पबल के कार्य 'माई बिग टो' से तुलना की गई। यह इंटरनेट पर उपलब्ध है। 23 सितंबर 2012 को इण्डियन एकेडमी ऑफ पीडिएट्रिक्स (दिल्ली और एन सी आर इकाई) नई दिल्ली में 'संक्रामक रोगों' पर बैठक में सामान्य प्रयोगशाला परीक्षणों की व्याख्या में नैदानिक दुविधा : टी बी, मलेरिया और टायफॉयड में नैदानिक समस्याएं पर सत्र की अध्यक्षता की।

प्रो. एम. इरशाद मार्च 2013 से वर्ल्ड जर्नल ऑफ हिपेटोलॉजी के संपादकीय बोर्ड के नामित सदस्य; जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी एण्ड हिपेटोलॉजी के प्रमुख संपादक द्वारा जर्नल में प्रस्तुत पेपर को 'उत्कृष्ट पेपर' कहा गया। इंटरनेशनल रिव्यूज़ ऑफ इम्युनोलॉजी में प्रकाशित समीक्षा लेख को विश्व के एक प्रतिशत बेहतरीन पेपरों में से एक माना गया।

9.18 काय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
एस. के. शर्मा

आचार्य
रीता सूद
ए.बी.डे

अपर आचार्य
नवीत विग
आशुतोष बिस्वास
उमा कुमार
संजीव सिन्हा

सह आचार्य
नवल के. विक्रम

सहायक आचार्य
मनीष सोनेजा
पीयूष रंजन

शिक्षा

विभाग द्वारा व्यापक स्नातक पूर्व और स्नातकोत्तर अध्यापन कार्यक्रम चलाया जाता है, जिसमें समेकित व्याख्यान, गोष्ठियां शय्यागत नैदानिक मामलों पर चर्चा और जर्नल क्लब शामिल हैं। स्नातक पूर्व छात्रों का आकलन प्रत्येक क्लीनिक तैनाती के अंत में नियमित रूप से किया जाता है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

विभाग द्वारा आयोजित

1. एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इण्डिया (एपीआई, के साथ संयुक्त रूप से दिल्ली स्टेट चेप्टर, 9–10 फरवरी 2013 में अद्यतन काय चिकित्सा का आयोजन।
2. डॉ. रीता सूद द्वारा साउथ ईस्ट एशियन इंटरनेशनल एण्ड नेशनल हेल्थ प्रोफेशनल एजुकेशन कांफ्रेंस, सीरेम, एन सी एच पी ई 2012 हेतु सह अध्यक्ष के तौर पर "सोशल अकाऊंटेबेलिटी" का आयोजन रिसपोंडिंग टू सोशिटल नीड्स थ्रू क्वालिटी एश्यूरेंस एण्ड एक्रिडिटेशन इन हेल्थ प्रोफेशन एजुकेशन एट पी एस जी आई एम आर, कोयंबतूर, 5 – 8 सितंबर 2012 आर्गेनाइज्ड ए सीरिज़ वाइ 14 प्री– कांफ्रेंस वर्कशॉप रिलेटिड टू द थीम ऑफ द कांफ्रेंस।

अल्प–कालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

समीक्षा वर्ष के दौरान काय चिकित्सा विभाग द्वारा यू.एस.ए., यू. के., सिंगापुर, आस्ट्रेलिया तथा जर्मनी के 56 स्नातकोत्तर एवं स्नातकपूर्व छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विभागीय संकाय ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 35 व्याख्यान प्रस्तुत किए।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. प्रतिरक्षा विज्ञानात्मक पैरामीटरों (डबल ब्लाइंड यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण) के आकलन सहित कैटेगरी I फुफ्फसीय तपेदिक रोग में ओरल विटामिन डी के तौर पर अनुषंगी चिकित्सा की भूमिका। एस. के. शर्मा, डी बी टी, 5 वर्ष, 2006–12, 90.90 लाख रुपए।
2. प्रतिरक्षा विज्ञान पैरामीटरों (डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसिबो नियंत्रित, प्लेसिबो नियंत्रित, बहुकेंद्रीय नैदानिक परीक्षण) के आकलन सहित कैटेगरी – I फुफ्फुसीय क्षयरोग में एक अनुषंगी चिकित्सा के रूप में मुखीय रूप से जिंक देने की प्रभावोत्पादकता। एस. के. शर्मा, डी बी टी, 5 वर्ष 2006–12, 63.38 लाख रुपए।

3. सस्टेनिंग रिसर्च मोमेंटम ओवर द कमिंग डिकेड्स : मीनटोरिंग द नेक्स्ट जनरेशन ऑफ रिसर्चर्स् फॉर ट्यूबरकुलोसिस। एस. के. शर्मा, यूरोपियन यूनियन फ्रेम प्रोग्राम 7 वर्ष, 3 वर्ष 2008–12, 67.84 लाख रुपए।

जारी

1. आब्स्ट्रक्टिव स्लीप एप्निया के रोगियों में बायोमार्कर्स पर कंटिन्यूस पॉज़ीटिव एयरवे प्रेशर का प्रभाव। एस. के. शर्मा, डी बी टी, 2012 – 15, 64.50 लाख रुपए।
2. एच ए आर टी प्राप्त करने वाले एच आई वी / एड्स रोगियों में तपेदिक सह संक्रमण (तपेदिक) के सहित प्रतिरक्षी पुनर्गठन प्रज्जवलकारी सिंड्रोम। एस. के. शर्मा, आई सी एम आर, 2011–14, 45.48 लाख रुपए।
3. तपेदिक के शीघ्र तथा स्पष्ट निदान के लिए गए संभावित बायोमार्कर्स की पहचान हेतु ट्यूबरकुलोसिस प्लूरल फ्लूड का प्रोटिओमिक अध्ययन। एस. के. शर्मा, आई सी एम आर, 2011–12, 35 लाख रुपए।
4. केंद्रीय तपेदिक विभाग द्वारा काय चिकित्सा विभाग में इंटरमीडिएट संदर्भित प्रयोगशाला का प्रोफेशिएंसी परीक्षण एवं प्रभागीकरण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार। उप भोज्यकारी, रासायनिक एवं अन्य प्रयोज्यकारी उपलब्ध। गैर – वित्तपोषित।
5. मेटाबोलिक सिंड्रोम, इंसुलिन रेसिस्टेंस एवं टी एन एफ – अल्फा, आई एल 6 एवं ए सी ई पॉलीमोफ़िज्म के साथ ओ एस ए का संबंध। एस. के. शर्मा, आई सी एम आर, 2010–13, 46.67 लाख रुपए।
6. एच आई वी / एड्स रोगियों (राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एन ए सी ओ) के निःशुल्क उपचार हेतु एंटीरेट्रोवायरल उपचार (ए आर टी) केंद्र, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार)। एस. के. शर्मा, दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण समिति, 2005 से आज तक, 4.50 लाख रुपए।
7. तपेदिक के निःशुल्क उपचार हेतु नोडल केंद्र। रिवाइज्ड नेशनल टी वी कंट्रोल प्रोग्राम ऑफ एन सी टी ऑफ दिल्ली द्वारा जिला डिस्ट्रिक्ट टी बी सेंटर, 2005 से आज तक, 4.32 लाख रुपए।
8. मलेरिया में बायोमार्कर्स् प्रिडिक्टिंग गंभीरता एवं परिणाम। इंट्रामूरल, 2013, 5 लाख रुपए।
9. ब्रिस्टॉल मेयर्स स्किब आईएम 101174 अध्ययन – ए फेज़ III बी मल्टीसेंटर, रेंडोमाइज़्ड, डबल डमी स्टडी टू कंपेयर द एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ ऐबेटासेप्ट एडमिनिस्टर्ड एबकुटेनियसली एण्ड इंट्राविनसली इन सब्जेक्ट्स विद् रुमेटॉइड आर्थराइटि्स रिसिविंग बैकग्राऊंड मेथोट्रेक्सेट एण्ड एक्सपीरिएंसिंग एन इन एडिक्वेट रिसपोंस टू मेथोट्रेक्सेट, उमा कुमार, ब्रिस्टॉल मेयर्स स्किब इण्डिया, 2008 – 13, 25 लाख रुपए।
10. जीनोम साइंसिस एण्ड प्रिडिक्टिव मेडिसिन। उमा कुमार, डी बी टी, 2009–13, 32.75 लाख रुपए।
11. एफेक्टर एवं रेगुलेट्री टी सेल्स की रिप्रेजेंटेशन ट्रैफिकिंग एवं क्रियात्मक संयोजन। उमा कुमार, डी एस टी, 2012 – 15, 18.70 लाख रुपए।
12. स्वास्थ्य (इम्यूनोलॉजिकल) एवं रोग स्थिति (रुमेटॉइड आर्थराइटिस) पर वातावरण एवं सामाजिक कारकों का प्रभाव। उमा कुमार, 2013–16, 54 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. पाइरोक्सिया की उत्पत्ति के अज्ञात कारणों में एफ – 18 एफ डी जी पी ई टी / सी टी का नैदानिक प्रयोग (नाभिकीय चिकित्सा, विकिरण निदान)।
2. रेटिना तथा ऑप्टिक नर्व की इथेम्बुटॉल विषाक्तता की शीघ्र पहचान हेतु विभिन्न पैरामीटर्स का मूल्यांकन (नेत्ररोगविज्ञान)।
3. मलेरिया के निदान में ऑटोमेटिड हाई ओपुट फ्लोसाइटोमिट्री आधारित तकनीक का मूल्यांकन (सूक्ष्मजैवविज्ञान)।
4. एंथ्रोपोमेट्रिक एण्ड बायोकैमिकल पैरामीटर्स द्वारा एडियो साइट के एसोसिएशन का अध्ययन।
5. सी ओ पी डी के रोगियों में मेटाबोलिक सिंड्रोम की प्रभावोत्पादकता का अध्ययन।
6. गंभीर रूप से अस्वस्थ किडनी अभिघात के रोगियों में प्रभाव संबंधी अध्ययन।

जारी

1. गंभीर मलेरिया में बहुलता की प्रिडिक्टर्स का अध्ययन (सूक्ष्म जैव विज्ञान, आघात चिकित्सा)
2. मैकेनिकल वेन्टिलेशन के रोगियों में निमोनिया निवारण से संबंधित इम्पलीमेंटिंग वेंटिलेटर के जटिलता परिणाम (आघात चिकित्सा)।
3. हीमोप्टाइसिस से पीड़ित रोगियों की नैदानिक जांच एवं उपचारित प्रोफाइल (फुफ्फुसीय चिकित्सा, विकिरण निदान)।

4. प्लूरल एण्ड लिम्फनोड तपेदिक के निदान में जीन एक्पर्ट की नैदानिक उपयोगिता का अध्ययन (प्रयोगशाला चिकित्सा)।
5. एशियाई भारतीयों में नॉन एल्कोहलिक फैटी लीवर रोग सहित स्लीप एपनिया का संबंध।
6. एशियाई भारतीयों में नॉन एल्कोहलिक फैटी लीवर रोग एवं कोरोनरी धमनी रोग का अध्ययन।
7. वृद्धावस्था में भंगुरता : निदान हेतु नवीन नैदानिक उपकरण एवं बायोमार्कर्स का विकास।
8. एन ए एफ एल डी के रोगियों में एडिपोसिटी एडियोसिटी एवं संबंधित मेटाबोलिक अनियमितताओं के इंडिकेटर के तौर पर हेपेटिक लेफ्ट लॉब वॉल्यूम।
9. चिरकारी किडनी रोग में नॉन एल्कोहलिक फैटी लीवर रोग एवं मेटाबोलिक सिंड्रोम।,
10. एडिपोसिटी एवं अस्थि खनिज सघनता के साथ एन ए एफ एल डी का संबंध।
11. हरियाणा के ग्रामीण समुदाय में रहने वाले वयस्क जनसमुदाय में नॉन एल्कोहलिक फैटी लीवर डिज़ीज का प्रभाव (सामुदायिक चिकित्सा विभाग)।
12. तपेदिक के शीघ्र तथा सुनिश्चित निदान के लिए पहचाने गए संभावित बायोमार्कर्स के ट्यूबरकुलोसिस प्लूरल तरल का प्रोटिओमेटिक अध्ययन।
13. मधुमेह शर्करा से पीड़ित तपेदिक के रोगियों में तपेदिक तथा उपचार परिणामों पर हाइपरग्लाइसीमिया का प्रभाव।
14. अतिरिक्त पुलमोनरी तपेदिक में जीन एक्सर्प्ट का मूल्यांकन।
15. दिल्ली में एक्स / एम डी आर – टी बी में सॉलिड मीडिया एवं लाइन प्रॅाब ऐसे का प्रभाव। (एल पी ए)।
16. दिल्ली राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में लिक्विड कल्चर एवं स्पोलिगोटाइपिंग तकनीक में प्रयुक्त ड्रग सेंसिटिव एवं ड्रग रेसिस्टेंट तपेदिक की पहचान तथा स्ट्रेन आइडेन्टिफिकेशन।
17. इम्यून रिकंस्टीट्यूशन प्रदाहक सिंड्रोम से संबद्ध एच आई वी ट्यूबरकुलोसिस के प्रिडिक्टर्स के तौर पर संचारित प्रवाहक बायोमार्कर्स (आई आर आई एस)।
18. सारकोडोसिस के रोगियों में रिलैप्स के प्रिडिक्टर्स का अध्ययन।
19. मध्यम से गंभीर ओ एस ए के रोगियों में न्यूरोकोगनिटिव क्षति संबंधी सतत सकारात्मक एयरवे प्रैशर थेरेपी का प्रभाव।
20. गंभीर अवरोधक स्लीप एप्निया सिंड्रोम में एंडोथिलियल दुष्क्रिया का प्रभाव।
21. आब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया से पीड़ित रोगियों में टेरटियरी केयर सेंटर एम्बुलेटरी रक्तदान मॉनीटरिंग एवं मूत्रीय प्रोटिओम विश्लेषण में गंभीर रूप से बीमार रोगियों में निद्रा में बाधा।
22. अ. भा. अ. सं. के काय चिकित्सा विभाग में सेप्सिस रिसक्सिटेशन बंडल के परिणाम संबंधी जटिलताएं।
23. सी पी आर इंप्लीमेंटिंग गाइडलाइन कंप्लेंट की करंट प्रैक्टिसिस एवं प्रभाव का मूल्यांकन।
24. गंभीर मलेरिया से संबंधित एक्यूट किडनी अभिघात का प्रभावन एवं परिणाम।
25. तृतीयक उपचार केंद्र में मौजूद क्रियान्वित गाइडलाइंस के परिणाम तथा चिरकारी ऑब्स्ट्रक्टिव पुलमोनरी डिजीज की करंट उपचार प्रक्रियाएं एवं मूल्यांकन।
26. रूमेटॉइड ऑर्थराइट्सि में मेथोट्रेक्सेट की प्रिडिक्टर्स प्रतिक्रिया।
27. आर ए में एम टी एक्स की डिडिक्टिंग प्रतिक्रिया में एम टी एच एफ म्यूटेशन एवं सीरम विटामिन डी लेवल की भूमिका।
28. कनेक्टिव टिश्यू डिजीज के रोगियों में इंटरस्टिशियल लंग डिजीज की रोग क्रिया के मूल्यांकन में पी ई टी / सी टी / एच आर सी टी चेस्ट का प्रयोग।
29. साइक्लोफॉस्फेमाइड प्राप्त रोगियों में गोनाडल फेलियर।
30. रुमेटॉइड आर्थराइटिस में रिसेप्टर 1 तथा सी डी 59 (प्रोटेक्शन) के ल्यूकोसाइट्स कांप्लीमेंट का उद्भवन एवं मॉड्यूलेशन (जैव रसायनिक विज्ञान)।
31. रूमेटॉइड आर्थराइटिस के पेथोफिजियोलॉजी एवं क्लीनिकल डिजीज एक्टिविटी में ल्यूकोसाइट सी आर 1 एवं सी आर 2 (कांप्लीमेंट रिसेप्टर! एवं 2) का उद्भवन एवं उसकी विशेषता।
32. रूमेटॉइड आर्थराइट्सि के पेथोफिजियोलॉजी एवं नैदानिक डिसीस एक्टिविटी के संबंध में कॉम्प्लीमेंट रेगुलेटरी प्रोटीन्स डी ए एफ (सी डी 55) एवं एम सी पी (सी डी 46) का उद्भवन एवं मोड्यूलेशन (जैव रसायन विज्ञान)।
33. भारतीयों में सोराइसिस एवं सोराइटिक आर्थराइट्सि का जेनेटिक विश्लेषण (रतिजरोग विज्ञान)
34. थक्का के निदान में ड्यूल एनर्जी कंप्यूटिड टोमोग्राफी की भूमिका (विकिरण निदान)
35. भारतीय जनसमुदाय में आर्थराइट्सि रोगियों में टी एच 17 सेल्स की भूमिका का अध्ययन।
36. रिफ्रैक्टरी इंफ्लेमेट्री आर्थराइट्सि के लिए 188रि – लेबल्ड टिन कोलोइड की तैयारी एवं गुणवत्ता नियंत्रण (नाभिकीय चिकित्सा)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : – 45 पुस्तकों में अध्यय : 12 पुस्तक : 1

रोगी उपचार

संक्रामक रोग क्लीनिक (सोमवार सायं 2 बजे)

नए मामले 213 पुराने मामले 120

निद्रा संबंधी श्वास रोग (एस आर डी बी) क्लीनिक (सोमवार सायं 2 बजे)

नए मामले 358 पुराने मामले 329

चेस्ट क्लीनिक (शुक्रवार सायं 2 बजे)

नए मामले 294 पुराने मामले 770

एंटीरिट्रोवायरल सेंटर

मार्च 2013 तक कुल पंजीकृत मामले 7442 मार्च 2013 तक प्रारंभ ए आर टी 3090

मार्च 2013 तक नियमित जांच 1629 2012 – 13 में प्रारंभ ए आर टी 388

अ. भा. आ. सं. डॉट्स केंद्र

डॉट्स के (अप्रैल 2012 – मार्च 2013) कुल रोगी 1710

कैट I 1268 कैट II 442

रूमेटोलॉजी क्लीनिक (बुधवार सायं 2 बजे)

नए पंजीकृत मामले 42 जांच दौरों की संख्या 6565

कुल 6607

प्रयोगशालाएं

निद्रा प्रयोगशाला निद्रा प्रयोगशाला 254

पी एफ टी प्रयोगाशाला

निद्रा अध्ययन 934 6 मिनट का वॉक टेस्ट = 150

ए डी ए / ए सी ई प्रयोगशाला

एडिनोसाइन डिमिनेस परीक्षण 940 ए सी ई परीक्षण : 101

आर एन टी सी पी सेवाएं

निष्पादित बलगम जांच 2890

डॉट्स प्लस

ड्रग ससेप्टिबिलिटी परीक्षण सहित लाइन प्रोब ऐसै, लिक्विड कल्चर 1213

क्लीनिकल इम्यूनोलॉजी प्रयोगशाला

प्राप्त रक्त नमूनों की संख्या 10558 निष्पादित परीक्षण संख्या 27426

परीक्षण	**संख्या**		
आर एफ	5696	एन एन ए	7027
एंटी – डी एस डी एन ए	2205	सी 3	1927

सीरम आई जी जी, आई जी ए और आई जी एम	2620	क्रायोग्लोबुलिंस	169
ए एन सी ए	2640	ए सी एल	3414
एंटी – एल के एम – 1	881	ए एस एम ए	847
साइनोवायल फ्लूड परीक्षण (पोलराइजिंग लाइट साइकोस्कोपी सहित)			150

पुरस्कार, सम्मान एवं उल्लेखनीय घटनाएं

आचार्य एस. के. शर्मा को इण्डियन स्लीप डिसऑर्डर एसोसिएशन (आई एस डी ए) फिलिप्स रेसपाइरोनिक्स व्याख्यान 2012 में प्रतिष्ठा पुरस्कार प्रदान किया। उन्हें इण्डियन पेस्ट सोसाइटी (आई सी एम) 2012 के डॉ. के. जी. आर. मूर्ति व्याख्यान पुरस्कार तथा जरनल लंग इंडिया 2012 के प्रोम्पट रिफ्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 2012 से उन्होंने नेशनल अकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसिस (एन ए एम एस) नई दिल्ली (इण्डिया) की छात्रवृत्ति तथा इण्डियन नेशनल साइंस अकेडमी (आई एन एस ए), नई दिल्ली, जनवरी 2013 में छात्रवृत्ति प्राप्त की। वह न्यू ड्रग एडवाइजरी कमेटी (एन डी ए सी) – एंटीमाइक्रोबायल, एंटीपैरासिटिक एण्ड एंटीफंगल टू एडवाइज़ ड्रग्स कंट्रोलर जनरल (इण्डिया) (डीसीजी (1)) के न्यू ड्रग्स एण्ड क्लीनिकल ट्रायल्स के एप्लिकेशन की समीक्षा हेतु गठित समिति के 2011 से विशेषज्ञ सदस्य हैं। वह 2010 से अन्य देशों में प्रतिबंधित अथवा निषिद्ध पाई गई सुनिश्चित औषधि संरचनाओं की लगातार मार्केटिंग निरीक्षण के लिए गठित ड्रग्स टेकनीकल एडवाइजरी बोर्ड (डी टी ए बी) के विशेषज्ञ सदस्य बने रहे।

आचार्य रीता सूद को बैंकाक में 13 से 15 जून 2012 को 'रोल ऑफ मेडिकल एजुकेशन टू एड्रेस द करंट हेल्थ चैलेंजिस' पर वि. स्था. सं. सीरो क्षेत्रीय बैठक के विशेषज्ञ के तौर पर आमंत्रित किया गया। वह अक्तूबर 2012 में भारतीय चिकित्सा परिषद् की शिक्षा समिति की नामित सदस्य रही। उन्हें संघ लोक सेवा आयोग द्वारा कम्बाइंड मेडिकल सर्विसिस एग्जाइमिनेशन द्वारा सलाहकार के तौर पर आमंत्रित किया गया; उन्होंने 'कम्यूनिटी पार्टिसिपेशन इन एजुकेशन, रिसर्च एण्ड सर्विस एट थंडर के, ओंटारियो, कनाडा में आयोजित रेनडेज़ वोस 2012 सम्मेलन में सम्मिलित होने हेतु यात्रा अनुदान प्राप्त किया; उन्होंने एम यू एच एस के प्रोजेक्ट दल संकाय के तौर पर यू एस ए एवं भारत में मास्टर डिग्री इन एजुकेशन फॉर फैकल्टी के संयुक्त विकास हेतु ओबामा सिंह 21वीं सदी नॉलेज इनिशिएटिव प्रोजेक्ट में भाग लिया; उन्होंने गुजरात में प्रमुख स्वामी मेडिकल कॉलेज, कर्मासद में 'टीचिंग ऑफ प्रोफेशनलिज़्म इन हेल्थ प्रोफेशन एजुकेशन' में हिस्सा लिया; उन्हें दिसंबर 12 में वेल्लोर सी एम सी के सहयोग से प्रशासनिक सुधार मंत्रालय में 'लिंकिंग मेडिकल स्कूल टू सेकेण्डरी एण्ड प्राइमरी हेल्थ केयर सिस्टम' पर विचार हेतु हैदराबाद में सेंटर फॉर इनोवेशन इन पब्लिक सिस्टम (सी आई पी एस) में आमंत्रित किया गया।

डॉ. नवीत विग आई सी एम आर टेकनीकल रिसोर्स ग्रुप ऑन एच आई वी / एड्स के सदस्य तथा आई सी एम आर की एच आई वी / एड्स प्रोजेक्ट की समीक्षा समिति (पी आर सी) के सदस्य हैं। वह एंटीमाइक्रोबायल रेसिस्टेंस सर्विलेंस नेटवर्क के स्थापना संबंधी आई सी एम आर के विशेषज्ञ दल के भी सदस्य हैं, वह इण्डियन क्लेन प्रोग्राम इवेल्यूशन ग्रुप के भी सदस्य बने रहे।

डॉ. उमा कुमार ने आर्थराइट्सि पर रोगी जागरूकता अभियान आयोजित किया; सम्मेलन हॉल, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली। उन्हें इण्डियन रूमेटोलॉजी एसोसिएशन द्वारा ज़ाइडस व्याख्यान हेतु पुरस्कृत किया गया तथा इण्डियन एसोसिएशन ऑफ क्लीनिकल मेडिसिन की छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।

डॉ. नवल के विक्रम को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा 'नेशनल बायोसाइंस अवार्ड फॉर कैरियर डेवलपमेंट' से पुरस्कृत किया गया।

डॉ. मनीष सोनेजा को एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इण्डिया द्वारा उत्कृष्ट लेख हेतु डॉ. जे. सी. पटेल तथा डॉ. बी. सी. मेहता पुरस्कार प्रदान किया गया तथा 'एक्टीनोमायोसिस एण्ड नोकार्डियोसिस इन क्रॉनिक ग्रेन्युलोमेट्स डिज़ीज' बेस्ट केरन हेतु द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया, मनीष सोनेजा, अतुल बत्रा, नवल के. विक्रम, अरविंद आहुजा, अनंत मोहन, रीता सूद, जे. एसोस. फिजिशिन्स इण्डिया, 2012; 60 (04) : 66–68।

9.19 सूक्ष्म जैव विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
जे. सी. सामंत रे

आचार्य

रमा चौधरी	आरती कपिल	ललित धर
बिमल दास		बी. आर. मिर्धा

अपर आचार्य

इमाकुलाता जैस	बेनु धवन
मधु वाजपेयी	सीमा सूद

सह आचार्य
उर्वशी बी. सिंह

विशेषताएं

डॉ. बी. आर. मिर्धा के निरीक्षण में देश में पहली बार रोगी उपचार हेतु नैदानिक नमूनों में पी. जिरोवेकी की मॉलीक्यूलर पहचान हेतु मॉलीक्यूलर जानपदिक रोग विज्ञान संबंधी प्रारंभ व्यापक अध्ययन के तहत निमोसिस्टिस जिरोवेकी संक्रमण (निमोसिस्टिस कैरिनी निमोनिया) (पीसीवी) की पहचान सुनिश्चिल की गई। भारत में पी. जिरोवेकी के विभिन्न परिसंचारी उपभेदो को जीनोटाइपिक विश्लेषण में चित्रित किया गया है।

डॉ. मिर्धा के प्रत्यक्ष निरीक्षण में इंटेस्टाइनल कोकिडियन पेथोजन्स के प्रभाव के अध्ययन हेतु अन्य महत्वपूर्ण प्रयोगशाला हित संबंधी अनुसंधान चलाए जा रहे हैं। प्रयोगशाला में जारी कार्यों में इंटेस्टाइनल कोकिडियल (क्रिप्टोस्पोर्डियम सप्ल ...., साइक्लोस्पोरा केईटेंन्सिस एण्ड आइसोस्पोरा बेली) संक्रमण तथा माइकोस्पोर्डिया एवं इनके आइसोलेट्स की विशेषताओं पर फोकस किया जा रहा है। भारत के उत्तरी हिस्से में रहने वाले लोगों में क्रिप्टोस्पोरिडिओसिस के जोनोटिक संचरण तथा एंथ्रोजोनोटिक दोनों में इन सूक्ष्म जीवाणुओं का मल्टीलोकस सीकवेंस विश्लेषण प्रदर्शित किया गया है।

शिक्षा

1. डॉ. उर्वशी सिंह द्वारा दिनांक 26 मार्च 2013 को अ. भा. आ. सं. में "स्टॉप ट्यूबरकुलोसिस इन आई लाइफटाइम" नामक विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी (सी एम ई) का आयोजन किया गया।
2. 16–18 अगस्त 2012 को संस्थान में "आइसोलेशन एण्ड एंटीमाइकोबायल ससेप्टीबिलिटी टेस्टिंग ऑफ नेजिरिया शोनोरिया' विषय पर।

अल्प एवं दीर्घ कालिक प्रशिक्षण

15 विद्यार्थियों को सूक्ष्म जैव विज्ञान में एम एस सी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

जे. सी. सामंत रे : 1	**रमा चौधरी : 3**	**आरती कपिल : 8**	**ललित धर : 1**
बी आर मिर्धा : 2	**सीमा सूद : 1**	**उर्वशी बी. सिंह : 1**	

प्रस्तुत लेख : 10

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. नोबल बैक्टिरियोसिस के पृथक्कीकरण हेतु मॉलीक्यूलर पद्धतियों तथा मीटाजीनोमिक्स के एप्लीकेशन द्वारा मानव जठरांत्रीय माइक्रोबायल डायवर्सिटी का विश्लेषण। आर चौधरी। डी बी टी, 2011–14, 51.72 लाख रुपए।
2. डायरिया से संबंधित एंटीबायोटिक के मल नमूनों से पी एफ जी ई तथा एम एल एस टी द्वारा सी. डेफिसील एवं सी परफ्रिंजेस का जीनोटाइपिंग / आर. चौधरी, आई सी एम आर, 2009–13, 39 लाख रुपए।
3. मॉलीक्यूलर ऐसे द्वारा श्वसनी पथ संक्रमण में माइकोप्लाज्मा निमोनी एवं लेजियोनेला निमोफिलिया की पहचान; एक बहुकेंद्रीय अध्ययन। आर चौधरी, आई सी एम आर, 2011–14, 49 लाख रुपए।
4. एक संभावित औषधि टारगेट, माइकोप्लाज्मा निमोनी से पुटेटिव प्रोलिपोप्रोटीन सिग्नल पेप्टीडेज़ जीन की विशेषताएं। आर. चौधरी, आई सी एम आर, 2012–14, 30 लाख रुपए।
5. संस्थान में 5 वर्षों के दौरान एकत्रित क्रिप्टोकोकस के नैदानिक आइसोलेट्स की डी एन ए फिंगरप्रिटिंग। I जेस, अ. भा. आ. सं., 2011–13, 5 लाख रुपए।
6. सब क्लीनिकल क्रिप्टोकोकोसिस के निदान हेतु इम्यूनोब्लॉट ऐसे का विकास। I जेस, डी बी टी, 2012–14, 40.93 लाख रुपए।
7. दिल्ली तथा देश के अन्य भागों से किप्टोकोकल पृथकता की एंटीफंगल संदेहास्पदता जांच एवं जीनोटाइपिंग। I जेस, डी बी टी, 2012–14, 79.84 लाख रुपए।
8. गोनोरिया हेतु पाइंट ऑफ केयर परीक्षण के तौर पर एल ए एम पी, बी. एस. सूद, डी बी टी, 2009–12, 44 लाख रुपए।
9. भारत में नेजिरिया गोनोरिया निगरानी हेतु नेटवर्किंग की स्थापना। एस. सूद, डी बी टी, 2010–13, 32 लाख रुपए।
10. नेजिरिया गोनोरिया के लिए संभावित एंटीमाइक्रोबायल्स का इन विट्रो मूल्यांकन। एस. सूद, अ. भा. आ. सं, 2012–13, 5 लाख रुपए।
11. एक्स्ट्रा पुलमोनरी ट्यूबरकुलोसिस के उपचार में गाइडिंग उपचार संबंधी नीतियों में औषधि रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस के शीघ्र निदान की भूमिका। यू सिंह, आई सी एम आर, 2012–15, 45 लाख रुपए।
12. फुफ्फुसीया एवं अतिरिक्त फुफ्फुसीय तपेदिक के रोगियों के नैदानिक नमूनों के तौर पर माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस एंटीजन बायोमार्कर्स का मूल्यांकन तथा पहचान। यू. सिंह, आई सी एम आर, 2012–15, 41 लाख रुपए।
13. बांझ महिलाओं में (आई सी एम आर टास्क फोर्स अध्ययन) प्रजनन तपेदिक की पहचान में परंपरागत पद्धतियों (हिस्टोपेथोलॉजी, कल्चर, ए एफ बी, स्टेनिंग इन एंडोमिट्रियल सेम्पल्स) तथा लेप्रोस्कोपिक के विरुद्ध मॉलीक्यूलर पद्धतियों (पी सी आर, इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री) का मूल्यांकन। यू. सिंह, आई सी एम आर, 2012–15, 40 लाख रुपए।
14. तृतीयक उपचार अस्पताल से माइकोबैक्टीरिया ट्यूबर कुलोसिस पृथक्कता के एम डी आर तथा एक्स डी आर दवाब का मॉलीक्यूलर विश्लेषण। यू. सिंह, आई सी एम आर, 2010–13, 40 लाख रुपए।
15. उच्च स्तरीय जेन्टामाइसिन रेसिस्टेंट एंटरोकोकस फेसियम एवं एंटेरोफोकस फैशलिस के नैदानिक आइसोलेट्स की मॉलीक्यूलर विशेषता। बी. धवन, आई सी एम आर, 2012–15, 33.88 लाख रुपए।
16. भारत में ह्यूमैन इंफ्लूएंजा वायरस की मल्टीसाइट मॉनीटरिंग फेस II एस. ब्रूर (31 जनवरी 2013 तक) एवं एल. दर (1 फरवरी 2013 तक) आई सी एम आर, 2009–13, 1.09 लाख रुपए।
17. शहरी भारतीय जनसमुदाय में कंजेनाइटल साइटोमेगालो वायरस संक्रमण एवं श्रवण क्षति। एल. दर, आई सी एम आर, 2010–13, 70 लाख रुपए।
18. डी एन ए पी सी आर द्वारा शीघ्र नवजात निदान हेतु रेफरल केंद्र। एल. दर, एन ए सी ओ 2012 (जारी), 4.05 लाख रुपए।
19. एन वी बी डी सी पी के डेंगू एवं चिकनगुनिया निदान हेतु शीर्ष प्रयोगशाला। एस. ब्रूर (31 जनवरी 2013 तक) एवं एल. दर (1 फरवरी 2013), 2011, 1 लाख रुपए।
20. इम्यूनोलॉजिकल पैरामीटर्स के मूल्यांकन द्वारा कैटेगरी – I फुफ्फुसीय तपेदिक में संयुक्त चिकित्सा के तौर पर ओरल विटामिन डी की भूमिका। यू. बी. सिंह, डी बी टी, 2008–12, 50 लाख रुपए।
21. नवजातों में संक्रमण की निगरानी – एन आई सी एम आर टास्क फोर्स स्टडी। ए. कपिल, आई सी एम आर, 2011–15, 20 लाख रुपए।

पूर्ण

1. भारतीय गणतंत्र में इमर्जिंग संक्रमण रोग : इंफ्लूएंजा डिज़िज बर्डन। एस. ब्रूर, सी डी सी, 2009–13, 207.31 लाख रुपए।
2. भारतीय बच्चों में इंफ्लूएंजा के टीकाकरण द्वारा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष संरक्षण। एस. ब्रूर, सी डी सी, 2008–13, 1036.26 लाख रुपए।
3. भारत में बच्चों का इंफ्लूएंजा प्रतिरक्षण। एस. ब्रूर। सी डी सी, 2011–13, 657.32 लाख रुपए।

4. चिकनगुनिया वायरस रोग का मैकेनिज़्म : माऊस मॉडल, वायरलैंस एंड नॉवल थिराप्यूटिक्स। एस. ब्रूर, डी बी टी, 2010–13, 96.06 लाख रुपए।
5. सेल्मोनेला टाइफी एवं सेल्मोनेला पैराटाइफी के एंटी माइक्रोबायल रेसिस्टेंस में बहुकेंद्रीय अध्ययन। ए. कपिल, आई सी एम आर, 2010–13, 30 लाख रुपए।
6. निमोसाइस्टिस जिरोवेकी आइसोलेट्स में डिहाइड्रोपिटियोरेट सिंथेस (डी एच पी एस) का जेनेटिक पॉलीमॉर्फिज़्म अध्ययन एवं उपचार सफलता के साथ इसका सह संबंध तथा निमोसाइस्टिस केरिनी निमोनिया के रोगियों में नैदानिक परिणाम तथा उपचार असफलता के साथ इसका सह संबंध। बी. सार. मिर्धार, डी एस टी, 2009–14, 31 लाख रुपए।
7. नेजिरिया फॉलरी संक्रमण के इम्यूनोलॉजिकल आधारित निदान की मॉलीक्यूलर विशेषताएं एवं विकास। बी. आर. मिर्धा, डिफेंस रिसर्च डेवलपमेंट आर्गेनाइजेशन (डी आर डी ओ), 2010–13, 24 लाख रुपए।
8. क्रिप्टोस्पोंडियम स्पीशीज़ एवं एंटरोसाइटोजॉन बिनुसी के विशेष संदर्भ सहित कोकिडियन का जन संख्या जेनेटिक अध्ययन तथा जयरिया के रोगियों में रोग की संचरण पहचान तथा जोखिम कारकों के साथ इसका सह संबंध। बी. आर. मिर्धा, आई सी एम आर, 2013–15, 18 लाख रुपए।
9. मानव इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (एच आई वी) संक्रमित तथा असंक्रमित व्यक्तियों में निमोसाइटिस केरिनी निमोनिया (पी सी पी) के नैदानिक उपचार हेतु रियल टाइप पी सी आर द्वारा प्राप्त श्वसनी नमूनों में निमोसिस्टिस सिरोवेकी की पहचान तथा परिमाणन। बी आर मिर्धा, आई सी एम आर, 2009–13, 15 लाख रुपए।
10. नैदानिक नमूनों में नेफिरिया गोनोरिया की पहचान – 1 हेतु की एन ए बायोसेंसर का विकास। एस. सूद, डी बी टी, 2007–11, 67 लाख रुपए।
11. भारतीय बांझ महिलाओं में कैलमाइडिया ट्रेकोमेटिस की पहचान हेतु पी सी आर ऐसे रियल टाइम का विकास एवं नैदानिक मूल्यांकन। बी. धवन, आई सी एम आर, 2010–13, 19.53 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. माइकोप्लाज़्मा निमोनि के साइटेडिहिरेन्स रीज़न (स) की क्लोनिंग तथा लक्षण वर्णन।
2. टायफोडियल सेलमोनिला के विरुद्ध अल्टरनेट एंटीमाइक्रोबायल एजेंट्स का अध्ययन।
3. अति गंभीर तथा नेक्रोटाइज़िंग पेनक्रिएटाइटिस में इन्वेसिव फंगल संक्रमण का शीघ्र प्रिडक्शन : प्रोस्पेक्टिव ऑब्ज़र्व – वेशनल स्टडी।
4. इम्यूनोकंप्रोमाइज़्ड रोगियों में एस्परगिलोसिस की औषधि ऐसिस्टेंस तथा एपिडिमियोलॉजी।
5. विस्तारित स्पैक्ट्रम सिफेलोस्पोरिन्स के लिए नेजिरिया गोनोरिया स्ट्रैन्स में डिक्रिस्ड ससेप्टिबिलिटी की मॉलीक्यूलर विशेषताएं।

पूर्ण

1. पीडिएट्रिक आई सी यू (पी आई सी यू) में सेंट्रल लाइन एसोसिएटिड ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन (सी एल ए बी एस आई) हेतु घटनाओं तथा जोखिम कारकों के लिए एक अग्रदर्शी कोहार्ट अध्ययन।
2. इरिटेबल बाऊल सिंड्रोम के रोगियों में ब्लास्टोसिस्टिस होमिनिस एवं उनके मॉलीक्यूलर टाइपिंग की पहचान : एक क्रॉस – सेक्शनल अध्ययन।
3. हर्पिस सिम्पलैक्स वायरसिस हेतु रीयल टाइम पी सी आर
4. बॉन मैरो प्रत्यारोपण ग्राहियों के मानव साइटोमेगालोवायरस की पहचान तथा जीनोटाइपिंग।
5. सिर एवं गले के कैंसर में पी सी आर एवं रिवर्स हाई ब्राइडाइज़ेशन द्वारा 37 मानव पैपीलोमावायरस की पहचान एवं टाइपिंग।
6. दिल्ली में डेंगू तथा चिकनगुनिया की सीक्वेंसिंग एवं फाइलोजेनेटिक विश्लेषण।

सहयोगी परियोजना

जारी

1. भारत में जाइगोमाइसीटस की पहचान; वर्गीकरण तथा मॉलीक्युलर टाइपिंग : जाइगोमायोसिस का बहुकेंद्रीय एपिडिमियोलॉजी अध्ययन।

पूर्ण

1. भारतीय जनसंख्या में क्लोस्ट्रिडियम डिफिसाइल संक्रमण एवं उत्तरवर्ती डायरिया की रोकथाम तथा उपचार के लिए लैक्टोबेसिलस रेमनोसस सी जी का प्रदेशन। आर. चौधरी, डी बी टी एवं टी ई आर आई, 2007–2012.
2. ओरल रेटिनोइड्स द्वारा एडोलोजेंट एवं पेरी एडोलोसेंट में एक्ने के पूर्व तथा उपचार के बाद एंटीबायोटिक रेसिस्टेंट प्रोपिनोबैक्टीरियम एक्ने का प्रभाव। (आर. चौधरी, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान, 2009–13)।
3. बायोमेडिकल एप्लीकेशंस के नैनोसिल्वर नैनोहाइड्रोजेल्स का विकास। (ए. कपिल, आई आई टी, दिल्ली, 2010–13)।
4. महीने तक आर एन टी सी पी कैटेगरी I उपचार (यू. बी. सिंह, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान, 2009–12) के 6 महीने लगातार अथवा 9 महीने के बाद आरंभिक प्रतिक्रिया का यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण – जेनाइटल ट्यूबरकुलोसिस के उपचार हेतु अध्ययन।
5. बायोमार्कर डिस्कवरी हेतु विभिन्न मेनिनजाइटिस के रोगियों में सी एस एफ प्रोटीन्स की कांप्रिहेंसिव प्रोरिओमिक्स प्रोफाइलिंग (टी सी जी ए, दिल्ली)। (ए. कपिल, यू. बी. सिंह, 2008–11)।
6. क्रोहन डिज़िज रोगियों में माइकोबैक्टीरियल पेथोजन्स की पहचान। (यू. बी. सिंह, काय – चिकित्सा, 2007–11, 4.09 लाख रुपए)।
7. भारत के रिवाइज़्ड नेशनल टी बी कंट्रोल प्रोग्राम (आर एन टी सी पी) के तहत केट – II फुफ्फुसीय क्षयरोग के बीच उपचार परिणाम तथा औषधि प्रतिक्रिया (यू. बी. सिंह, काय चिकित्सा, 2007–11, 4.09 लाख रुपए)।
8. भारतीय सेटिंग में बांझ रोगियों में प्रजनन परिणाम में सकारात्मक एंडोमिट्रियल चूषण डी एन ए पी सी आर के लिए ए टी टी की भूमिका। (यू. बी. सिंह, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान, 2010–13)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 30 **पुस्तकों में अध्याय : 3**

रोगी उपचार

बैक्टीरियोलॉजी सेक्शन

नमूने	**कुल**	**सकारात्मक / संवेदनशीलता**
पस	22,205	11,882
मूत्र	35,630	10,250
रक्त	45,899	4920
बलगम/गला/थ्रैचल स्वैब	20,015	11,318
सी एस एफ	10,050	300
मल	1820	50
कुल	**1,35,619**	

सीरोलॉजी प्रयोगशाला

नमूने	**कुल**	**सकारात्मक**
विडाल	4438	1460
वी.डी.आर.एल.	7698	36
टी.पी.एच.ए	88	32
ए. एस. ओ.	42	9

एच आई वी प्रयोगशाला

नमूने 20,151 जल नमूने 1112 कुल 21,263

माइकोलॉजी एवं आई सी पी प्रयोगशाला

बी ए एल	2072	मूत्र	2122
सी एस एफ	744	बलगम	478
स्वैब	227	मवाद	562

विविध	1433	ऊतक / बायोप्सी	351
नाक / बाल / त्वचा	113	अस्थि मज्जा	245
रक्त	1854	बी ए सी टी ई सी	38
क्रिप्टोकोकस सीरोलॉजी	332	एस्परगिलस सीरोलॉजी	140
हिस्टोप्लाज़्मा सीरोलॉजी	54		
ज्वजंस	**10,769**		

सीरोलॉजी जांच

1. एमिओबिक सीरोलॉजी ऑफ एंटी एमिओबिक I जी जी एंटीबोडिज़ बाइ एलिसा 115
2. हाइडेडिट डिजीज सीरोलॉजी बाई इंडायरेक्ट हीमागुलिटिनेशन परीक्षण 126
3. टॉक्सोप्लास्मोसिस सीरोलॉजी बाइ I जी जी एंटीबोडिज़ बाइ एलिसा 018

मलरिया हेतु जांच

1. फ्लूरोसेंट स्टेनिंग (एक्रिडाइन ओरेंज) 3923
2. गीमसा स्टेनिंग 3923
3. क्वान्टिएटिव बुफी कोट (क्यू बी सी) ऐसे 1759
4. एच आर पी – II एंटीजन डिटेक्शन टैस्ट 0726

काला–अज़ार हेतु जांच

1. फ्लूरोसेंट स्टेनिंग (एक्रिडाइन ऑरेंज) 0192
2. गीमसा स्टेनिंग 0192
3. क्वान्टिएटिव बुफी कोट (क्यू बी सी) ऐसे 0192
4. काला– अज़ार सीरोलॉजी (आर के – 39) 0735
5. एल्डीहाइड टैस्ट 0073

आंत्रीय पैरासाइड्स हेतु मल नमूनों का परीक्षण

1. डायरेक्ट एंड कंसंट्रेशन टैक्नीक्स 3344
2. इन – विट्रो कल्चर 30
3. मेडिफाइड एसिड फास्ट एण्ड स्पेशल स्टेनिंग फॉर इंटेरन्टाइनल कोकिडिया 3344
4. टिश्यू स्पेसिमैन (होमोजिनेट्स) 25

चूषण परीक्षण

1. बलगम, मवाद एवं अन्य 76

फिलेरिएसिस हेतु जांच

1. डायरेक्ट एवं कंसंट्रेशन 77
2. एकिडाइन ऑरेंज 77
3. थिन एण्ड थिक स्मियर 77

अन्य जांच

1. इंवेस्टिगेशन फॉर निमोसिस्टिस जिरोवेकी इंफेक्शन (पी सी पी) 204
2. सेरिब्रोस्पिनल फ्लूड इक्ज़ामिनेशन फॉर फ्री लीबिंग अमीबा (एफ एल ए) 130

कुल **19,358**

एनारोबिक बैक्टीरिओलॉजी

एनारोबिक संवर्धन 674

स्टूल कल्चर फॉर क्लोस्ट्रिडियक फिफिशिल 294
एलिसाफॉर सी. डिफिशिल टॉक्सिन ए एंड टॉक्सिन बी 294
एंटीबायोटिक एसेप्टिबिलिटी टेस्टिंग ऑफ एनारोटिक आइसोलेट्स
कल्चर फॉर प्रोपिनोबैक्टीरियम एक्लेस 129
एंटीबायोटिक ससेप्टिबिलिटी टेसिंग ऑफ 9
प्रोपिनो बैक्टीरियम सप्प : 59
कल्चर फॉर बार्टोनिला 59
आई एफ ए फॉर बार्टोनिला आई जी एम एंटीबॉडीज़ 189
कल्चर फॉर लैप्टोस्पिरा सप्प 212
एलिसा फॉर लेप्सोस्पिरा आई जी एम एंटीबॉडीज़
एलिसा फॉर लेजियोनिला निमोफिला आई जी एम एंटीबॉडीज 107
एलिसा फॉर लेजियोनिला निमोफिला आई जी एम एंटीबॉडीज 84
रिकांबीनेंट एलिसा फॉर सालमोनिला टाइफी आई जी एम एंटीबॉडीज़ 12

माइकोप्लाज़्मा निमोनी

एलिसा फॉर आई जी एस एंटीबॉडीज 221 एलिसा फॉर आई जी जी एंटीबॉडीज़ 164
एलिसा फॉर आई जी एम एंटीबॉडीज 111 कल्चर 148
यूरिदाप्लाज्मा यूरिलेक्टियम कल्चर 342
एंटीबायोटिक ससेप्टिबिलिटी
फॉर माइकोप्लाज्मा होमिनिस 7
फॉर यूरियाप्लाज्मा यूरियालेटिकम 28

एलिसा फॉर कैलमाइडिया निमोनी आई जी एम एंटीबॉडीज़ 117
एलिसा फॉर कैलमाइडिया निमोनी आई जी जी एंटीबॉडीज 97
एलिसा फॉर कैलमाइडिया निमोनी आई जी ए एंटीबॉडीज 111
पॉलीमर्स चेन रिएक्शन
फॉर माइकोप्लाज्मा निमोनिया 128 फॉर माइकोप्लाज्मा होमिनिस 342
फॉर यूरियाप्लाज्मा यूरियालेटिकम 342 फॉर सी ट्रेकोमेटिस 352
कुल 4702

यौन संचारित रोग

नैदानिक नमूने	**कुल**	**एंटीमाइक्रोबायल ससेप्टिबिलिटी परीक्षण**
हाई वेजाइनल स्वैब (एच वी एस)	280	62
सीमन	764	73
एक्सप्रैस्ड प्रोस्टेटिक सीकेशंस (ई पी एस)	45	08
यूरेथ्रल डिस्चार्ज	27	10
वेजाइनल डिस्चार्ज	62	0
सर्विकल डिस्चार्ज	10	0
कुल	**1188**	**153**

ट्यूबर कुलोसिस प्रयोगशाला

सेम्पल्स प्रोसेस्ड फॉर ज़ेड एन स्मियर एंड कल्चर ऑन एल ले मीडियम 15,542
सेम्पल्स इन ऑक्युलेटिड फॉर रेपिड कल्चर ऑन एम जी आई टी 960 3,475
एंटी ट्यूबरकुलर ड्रग सेंसिटिविटी इन ऑन एम जी आई टी 960 585
पी सी आर फॉर माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस 5,091

जेनएक्पर्ट डायग्नोसिस फॉर माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस एण्ड रिफेम्पिसिन ड्रग रेसिस्टेंट		1,509	
कुल		**26,202**	

वायरल कल्चर एण्ड पहचान		134	
(एच एस वी, डेंगू इत्यादि)			
वायरल एंटीबॉडी डिटेक्शन			
खसरा सी एफ टी (सीरम एण्ड सी एस एफ)	269	डेंगू आई जी एम एंटीबॉडी एलिसा	1589
चिकनगुनिया एलिसा	148		

वायरल एंटीजन डिटेक्शन एण्ड क्वालिटेटिव पी सी आर

डेंगू एन एस आई एंटीजन	221	सी एम वी / पी सी आर / पी पी 15 एंटीजन	317
एच एस बी पी सी आर	236	एच आई वी पी सी आर	1329

वायरल टियल टाइम पी सी आर

इंफ्लूएंजा (नैदानिक एवं सर्विलैंस, नॉवल एच 1 एन 1 सहित)	1936
विविध (टीज़ेंक स्मियर इत्यादि)	34
कुल	**6233**

पुरस्कार, सम्मान एवं उल्लेखनीय घटनाएं

आचार्य रमा चौधरी को फरवरी 2013 में इण्डिया इंटरनेशनल फ्रैंडशिप सोसाइटी (आई आई एफ एस) द्वारा भारत ज्योति अवार्ड से सम्मानित किया गया; स्पैक्ट्रम एण्ड रेसिस्टेंस पैटर्न ऑफ प्रोपिओनिबैक्टीरियम स्पीशीज़ इन एसीएनई वल्गरिस पेशंट एट इण्डियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइकोबाइलोजिस्ट्स दिल्ली चेप्टर पुरस्कार 28, जुलाई 2012 की एल के सुपर स्पेशलिटी हॉस्पीटल, नई दिल्ली में उत्कृष्ट विज्ञापन पुरस्कार; मेघना के बाबेजा को इण्डियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइकोबायोलॉजिस्ट्स दिल्ली में "इम्यूनोमोडुलेशन बाइ प्रोबायोटिक्स यूज़िंग नॉन इन्वेंसिव टेकनोलॉजी पीडिएट्रिक इंफेक्शियस डिजीज के लिए पुरस्कृत किया गया। बेसिक साइंस रिसर्च ऑफ नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन एन्वायरमेंट हेल्थ (एन आई आर ई एच) भोपाल के विशेषज्ञ दल के सदस्य, 40वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की (एस ए सी) एन आई सी ई डी, कोलकाता में आयोजित बैठक में विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया।

आचार्य आरती कपिल मेडिकल माइकोबायलोजी के भारतीय प्रकाशन की संपादक रही; नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एण्ड केलीब्रेशन लेबोरेटोरिज़ (एन ए बी एल) की कोर समिति की सदस्य; एम ओ ई एस प्रोजेक्ट : ड्रग्स फ्रॉम द सी, सी आर डी आई, लखनऊ, 17 – 18 सितंबर 2012 को स्टीरिंग समिति की सदस्य रही, रक्षा मंत्रालय, ग्वालियर में वेलिडेशन कमेटी फॉर हाई कंटेंमेंट फैसिलिटी, डी आर डी ई की वेलिडेशन समिति के सदस्य, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार के तहत प्लानिंग ऑफ नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन इन्वायरमेंटल हेतु (एन आई आर ई एच) भोपाल के विशेषज्ञ दल के सदस्य रहे।

आचार्य ललित धर : नेशनल एड्स कंट्रोल आर्गेनाइजेशन (एम ए सी ओ) के एच आई वी टेक्नीकल रिसोर्स ग्रुप (लेबेरेटरीज़) के सदस्य थे, नॉर्थ ईस्ट ट्विनिंग प्रोजेक्ट्स ऑफ डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, भारत सरकार की परियोजना मूल्यांकन समिति के सदस्य; नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एण्ड केलीब्रेशन लेबोरेटोरिज़ (एन ए बी एल) की कोर समिति के सदस्य; इण्डियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आई सी एम आर) की वीरोलॉजी हेतु गठित परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य; राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संस्थान की एथिक्स समिति के सदस्य रहे।

आचार्य बी आर मिर्धा इण्डियन अकेडमी ऑफ ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजी (आई ए टी पी), 2013 – 15 के संयुक्त सचिव रहे, इण्डियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइकोबायोलॉजिस्ट्स (आई ए एम एम) दिल्ली एवं एन सी आर चेप्टर, 2011 – 14 के सचिव रहे; इण्डियन जरनल ऑफ ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजी (आई जे टी पी) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, न्यू जरनल ऑफ साइंस, (माइकोबायलॉजी) हिन्दवी पब्लिकेशंस (यू एस ए) के संपादकीय बोर्ड सदस्य रहे।

डॉ. सीमा सूद को अक्तूबर 2012 में मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया में 13वें आई यू एम टी आई विश्व सम्मेलन में उपस्थिति हेतु छात्रवृत्ति प्रदान की गई। उन्हें इण्डियन जनरल ऑफ मेडिकल माइकोबायलॉजी के सहायक संपादक पद पर नियुक्त किया गया।

डॉ. उर्वशी बी. सिंह ने वर्ष 2012 के दौरान माइकोबैक्टीरियोलॉजी में उत्कृष्ट लेख प्रकाशन हेतु आचार्य ए. एन. चक्रवर्ती मेमोरियल पुरस्कार प्राप्त किया। वाराणसी में इण्डियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइकोबायोलोजिस्ट्स (आई ए एम एम) के वार्षिक सम्मेलन में स्वर्ण पदक से पुरस्कृत किया गया; डॉ. एस. एस. केलकर मेमोरियल प्राइज 2012 आई ए एम एम, दिल्ली डॉ. एस. आर. सेनगुप्ता, ए. एम., साओजी मेमोरियल प्राइज़ 2012, आई ए एम एम, दिल्ली, मुंबई – बेलगाम अवार्ड 2012 आई ए एम एम, दिल्ली मुंबई – बेलगाम अवार्ड 2012 आई ए एम एम, दिल्ली टास्क फोर्स ऑन फीमेल जेनाइटल ट्रेक्ट ट्यूबरकुलोसिस आई सी एम आर; एक्सर्प्ट स्कीनिंग कमेटी ऑफ द एन ई आर ट्विनिंग आर एण्ड डी प्रोग्राम (मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग 2012, एम्स प्रोजेक्ट रिव्यू कमेटी फॉर इंट्राम्यूरल फंडिंग, नेशनल एक्सपर्ट कमेटी ऑन डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेंट ऑफ टी बी अंडर आर एन टी सी पी, 2012 से, आर एन टी सी पी नेशनल वर्कशॉप ऑन स्टैण्डर्ड ऑफ टी बी केयर 2012, नेशनल डॉट्स प्लस कमेटी 2011 से नेशनल लैब कमेटी ऑफ द रिवाइज्ड नेशनल टी बी कंट्रोल प्रोग्राम 2011 से; हाई लेवल मीटिंग ऑन प्रिवेंशन एण्ड मैनेजमेंट ऑफ ड्रग रेसिस्टेंट टी बी (डी आर – टी बी) 2012 आर. एन. टी. सी. पी. उप समिति, एल ई डी एफ एम माइकोस्कोपी स्पोसिफिकेशन्स; कमेटी फॉर सपोर्टिंग आर एन टी सी पी फॉर प्रोग्रामेटिक मैनेजमेंट ऑफ ड्रग रेसिस्टेंट टी बी।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डा. वाइने सुलेन्डर, आचार्य बाल चिकित्सा एवं संक्रमण रोग विभाग, कोलोरानो विश्वविद्यालय, यू एस ए, वेरियस ओकेजन्स इन 2012–13 फॉर कोलोबोरेटिव प्रोजेक्ट्स इन वीरोलॉजी।
2. डॉ. सुरेश बोपन्ना, आचार्य बाल चिकित्सा एवं संक्रमण रोग विभाग, अलाबामा विश्वविद्यालय, बर्मिंघम, यू एस ए इन 2012 – 13 फॉर कोलोबोरेटिव प्रोजेक्ट इन वीरोलॉजी।

9.20 वृक्क विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
संजय के. अग्रवाल

अपर आचार्य
संजय गुप्ता   संदीप महाजन   दीपांकर एम. भौमिक

सहायक आचार्य
सोमिता के. बागची

विशेषताएं

विभाग द्वारा 24 घंटे हिमोडायलेसिस सुविधाओं को चलाने के लिए हिमोडायलेसिस यूनिट की क्षमता को बढ़ा दिया गया। विभाग द्वारा 19 से 21 अक्टूबर 2012 को ब्रिघम एंड वूमैन हॉस्पीटल बोस्टन के सहयोग के साथ नई दिल्ली में वृक्क विज्ञान में एम्स–ब्रिघम सीएमई आयोजित की गई। बोस्टन से अंतरराष्ट्रीय संकाय, मायो क्लीनिक तथा सिनसिनेती तथा बहुत से राष्ट्रीय संकाय इस सीएमई में सक्रिय रूप से सम्मिलित रहे। हमने किडनी रोग की रोकथाम पर एक दिन का स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम भी आयोजित किया। विभाग इग्नू के हिमोडायलेसिस पाठ्यक्रम के प्रशिक्षु डॉक्टरों हेतु पंजीकृत केंद्र है। विभाग द्वारा इस अवधि के दौरान 5 वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं को पूर्ण किया गया।

शिक्षा

दीर्घकालिक प्रशिक्षण

विभाग द्वारा एम.डी. वृक्क विज्ञान में अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा द्वारा चयनित पोस्ट–एम–डी (मेडिसिन) हेतु 3 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। इस अवधि के दौरान 5 अभ्यर्थियों को डी.एम पाठ्यक्रम में दाखिला दिया गया। आंतरिक चिकित्सा में स्नातकोत्तरों को एक से दो माह की अल्पावधि के लिए बारी–बारी से इसमें तैनात किया जाता है। वर्तमान में विभाग में 6 माह के लिए 3 कनिष्ठ रेजीडेंट हैं।

अल्पकालिक प्रशिक्षण

विभाग द्वारा निम्नलिखित अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किए जाते हैं :

1. निकिता अग्रवाल, केम्ब्रिज विश्वविद्यालय, 3 माह के लिए चयनित, 14 जुलाई से 3 अगस्त 2012, बेचलर ऑफ मेडिसिन डिग्री को पूर्ण करने के लिए अपने विश्वविद्यालय के एक भाग के रूप में।
2. श्री अमन यादव, आयरलैण्ड, 12 दिन के लिए चयनित, 9–20 जुलाई, 2012.
3. उनके पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में विभाग द्वारा बारी–बारी से एमसीएच मूत्र रोग विज्ञान हेतु वरिष्ठ रेजीडेंटों को नामांकित किया जाता है।
4. बाल चिकित्सा वृक्क विज्ञान के रेजीडेंट्स भी वृक्क–विकृति विज्ञान सम्मेलनों में नियमित रूप से विचार–विमर्श में भाग लेते हैं।

विभाग द्वारा आयोजित सी एम ई/ कार्यशाला /संगोष्ठियां /राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

- वृक्क विज्ञान में एम्स–ब्रिघम सीएमई (एबीसी), नई दिल्ली दिनांक 19–21 अक्तूबर, 2012, ब्रिघम तथा वूमैन हॉस्पीटल, बोस्टन के सहयोग के साथ।
- वृक्क रोक की रोकथाम हेतु स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम, 24 अप्रैल 2012.

प्रदत्त व्याख्यान

एस. के. अग्रवाल : 5,   संजय गुप्ता : 2,   डी. भौमिक : 8,   संदीप महाजन : 9

पेपर प्रस्तुति : 6

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. एस एल ई संबंधित वृक्क रोग के इतिवृत्त वाले रोगियों में प्लासिबो के साप्ताहिक इंटरविनस देने के लिए एविटाइम्स के साप्ताहिक इंटरवेनस देने में चार आर्म पैरेलियल ग्रुप मल्टी सेंटरिक मल्टीनेशनल ट्रायल द्वारा नियंत्रित यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसिबो नियंत्रित। एस के अग्रवाल, लजोला फार्मास्यूटिकल, केलिफोर्निया, यूएसए, 2007–12, रु. 12 लाख।
2. प्रोलिफेरेटिव ल्यूपस नेफ्राइटिस हेतु इंडक्शन उपचार के रूप में टेक्रोलाइमस/संजय गुप्ता, एम्स, 3 वर्ष, 2010–12, रु. 1 लाख।

जारी

1. चिरकालिक गुरदा फेलियर की वृद्धि का सप्रेशन पर क्रीमीजिन की नैदानिक प्रभाव क्षमता तथा सुरक्षा के मूल्यांकन हेतु एक यादृच्छिक बहु केन्द्रीय, पैरेलियल, ओपन लेबल, सक्रिय नियंत्रित फेज–।।। अध्ययन, एस के अग्रवाल, एल जी लाइफ साइंसिज इंडिया, 2010–13, रु. 11.6 लाख।
2. भारतीय शहरी जनसंख्या में वयस्कों में चिरकालिक गुरदा रोग की व्यापकता का पता लगाने के लिए बहु–केन्द्रीय अध्ययन। एस.के. अग्रवाल, आई सी एम आर, 2012–15, रु. 90 लाख।
3. कंट्रास्ट प्रेरित नेफ्रोपैथी के निदान में यूरिनरी एनजीएएल की भूमिका। संजय गुप्ता, एम्स, 2012–13, रु. 5 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. वृक्क प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ता तथा प्रोटिन्यूरिया एवं ऊतक विकृति विज्ञान में सहसंबंध।
2. प्रोलिफेरेटिव ल्यूपस नेफ्राइटिस हेतु इंडक्शन थेरेपी के रूप में टेक्रोलाइमस।
3. ईएसआरडी तथा प्रत्यारोपण रोगियों में निद्रा विकास।

जारी

1. सी के डी वाले रोगियों में हाइपरटेंशन पर रिफेम्पीसिन आधारित एंटी–ट्यूबुलर थेरेपी के प्रभाव का निर्धारण करना।
2. भारत में चिरकालिक गुरदा उपचार के कोर्स का निर्धारण करना।
3. वृक्क पुनःस्थापन उपचार पर रोगियों में एचबीवी तथा एचसीवी संक्रमण का नैदानिक विकृति विज्ञानी सह–संबंध।
4. जीवित संबंधी गुरदा प्रत्यारोपण के परिणामों के संबंध में सीएसए तथा टेक्रोलाइमस का प्रभाव।
5. प्रोलिफेरेटिव ल्यूपस नेफ्राइटिस में इंडक्शन थेरेपी के रूप में टेक्रोलाइमस तथा माइकोफेमोलेट मोफिटिल की तुलना।
6. कंट्रास्ट प्रेरित नेफ्रोपैथी के निदान में यूरीनरी न्यूट्रोफिल जिलेटिनेस संबंधी की भूमिका।
7. भारतीय जनसंख्या में गुरदा प्रत्यारोपण से पहले तथा बाद में रोगियों में एम्बुलेटरी ब्लड प्रेशर तथा घर आधारित ब्लड प्रेशर आकलन का अध्ययन करना तथा प्रदाहक के साथ यदि कोई है, तो उनके मार्कर्स के साथ संबंध।
8. जीवित गुरदा दाताओं में पहले तथा बाद में नेफ्रेक्टोमी में एम्बुलेटरी ब्लड प्रेशर तथा क्लीनिक आधारित ब्लड प्रेशर आकलन –एक अल्प अवधि फोलो–अप अध्ययन।
9. चिरकालिक गुरदा रोग के रोगी जोकि डायलेसिस पर नहीं है उनमें कारटोइड आरट्री इंटीमल मीडिया थिकनैस की वृद्धि का मूल्यांकन तथा इंडोथेलियल दुष्क्रिया तथा जैव रासायनिक पैरामीटरों के साथ इसका सह–संबंध।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. वृक्क प्रत्यारोपण करवा रहे रोगियों में एलोरिएक्टिव टी कोशिका की आरंभिक खोज (प्रतिरक्षा प्रतिरोपण एवं प्रतिरक्षानुवंशिकी)

जारी

1. वृक्क तथा यकृत रोग में रक्त में एंटी–ऑक्सिडेंट का आकलन (प्रयोगशाला चिकित्सा)
2. नवजात तथा गुरदा प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं से मानव साइटो–मेगालोवायरस की खोज तथा जीनोटापइपिंग (सूक्ष्म जैव विज्ञान)

3. संदिग्ध इंटरस्टीशियल न्यूनोनिया एवं अन्य चिरकालिक फेफड़ा रोग वाले इम्यूनो कम्प्रोमाइज्ड के साथ–साथ इम्यूनोकॉम्पीटेंट दोनों रोगियों में श्वसन नमूनों में न्यूमोसिस्टिक जीरोवेसी की आण्विक खोज तथा लक्षण–वर्णण (सूक्ष्म जैव विज्ञान)
4. चिरकालिक एलोग्राफ्ट दुष्क्रिया के साथ प्रोटिन्यूरिया में पोडोसाइट एपिथेलियल मेसनचायमल ट्रांजिशन : नैदानिक विकृति विज्ञानी सह–संबंधनों के साथ एक प्रतिरक्षा ऊतक रासायनिक तथा इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी अध्ययन (विकृति विज्ञान)।
5. भारतीय गुरदा प्रत्यारोपण रोगियों में गेनसाइक्लोवीर नॉन रिसपोंडर विस–ए–विस रिसपोंडर में यूएल 97 जीन मुटेशन की व्यापकता का अध्ययन (प्रयोगशाला चिकित्सा)
6. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में ए के आई की व्यापकता (काय–चिकित्सा)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 18

रोगी उपचार

क्र. सं.	क्षेत्र	मद	संख्या
1.	हिमोडायलिसिस से संबंधित	हमोडायलिसिस के कुल नए रोगी	907
		हिमोडायलिसिस के आपात कालीन रोगी	530
		कुल हमोडायलिसिस	10024
		प्लाज्माफेरेसिस	192
		फिमोरल वेन कैथेराइजेशन	589
		जुगुलर/सबक्लेवाइन कैथेटराइजेशन	292
		ए वी शंट्स	3
		ए वी फिस्टुला	42
		परमाकैथ इंसर्टेशन	22
2.	आई सी यू से संबंधित	सी आर आर टी/एस एल ई डी	68
3.	पेरिटोनियल डायलिसिस	गंभीर पी डी	125
		सी ए पी डी	38
4.	इनडोर से संबंधित	किडनी बायोप्सी	512
		लिवर बायोप्सी	12
		इनडोर एडमिशन	1287
		नेफ्रोलॉजी कंसलटेशन	3501
		अल्ट्रासाउंड एब्डोमेन	486
5.	दिवस देखभाल उपचार	पल्स मिथाइलप्रीडनीसोलन चिकित्सा	42
		IV आयरन चिकित्सा	166
		IV साइक्लोफोसफैमाइड चिकित्सा	18
6.	गुरदा प्रत्यारोपण	एल आर आर टी का मूल्यांकन	483
		कैडेवर प्रापकों का मूल्यांकन	17
		किया गया जीवंत गुरदा प्रत्यारोपण	125
		किया गया कैडेवर गुरदा प्रत्यारोपण	10
7.	रीनल प्रयोगशाला से संबंधित	ब्लड सैम्पलिंग	39155
		बायोकेमिस्ट्री (यूरिया, सीआर, एनए, के)	64024
		यूरिन ऑस्मोललिटी	442
		24 घंटे यूरिन जांच	8705
		गुरदा प्रत्यारोपण रोगियों के लिए हिमोग्राम	11769
		कार्बन डाइऑक्साइड 2	9523
		सीरम आयरन	7991
		टी आई बी सी	8123

		यू आई बी सी	8089
		टी सैचुरेशन	7949
		सीरम फेरिटिन	4238
8.	ओ पी डी से संबंधित	रीनल क्लिनिक नए रोगी	6564
		रीनल क्लिनिक पुराने रोगी	28973
		गुरदा प्रत्यारोपण परामर्श क्लिनिक तीन दिन/सप्ताह)	2613
		आर टी के नए मामले	200
		आर टी के पुराने मामले	4535

सामुदायिक सेवाएं

1. सामुदायिक सेवा कैम्प, रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम में, वृंदावन।
2. स्वास्थ्य मेला, बंका, बिहार।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्त्वपूर्ण घटानाएं

प्रो. संजय के अग्रवाल को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चिरकालिक गुरदा रोग, अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण के संबंध में नीति एवं तकनीकी विषयों पर दिशानिर्देश बनाने में मदद के लिए गैर–संचरित रोग के संबंध में टेक्नीकल रिसोर्स ग्रुप–I फॉर लाइफ स्टाइल डिजीज के सदस्य के रूप में नामित किया गया। भारत सहित विभिन्न देशों में सीकेडी की एडवोकेसी हेतु डॉक्यूमेंट बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय वृक्कविज्ञान सोसायटी द्वारा स्वीकृत क्रॉनिक किडनी ग्रुप टास्क फोर्स की शुरूआत की। इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के संस्थापक सदस्य तथा अमेरिकन नेफ्रोलॉजिस्ट ऑफ इंडियन ओरिजिन कमेटी फॉर प्रोमोटिंग नेफ्रोलॉजी केयर इन इंडिया। भारतीय उप–महाद्वीप से दि एजुकेशन वेबसाइट ऑफ इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी हेतु विषय विशेषज्ञ के रूप में सम्मिलित किया। एनआईआरईएच/ आईसीएनआर, नई दिल्ली द्वारा प्राप्त नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च इन इंवारमेंटल हेल्थ (एनआईआरईएच) के तहत आंतरिक एवं बाह्य अनुसंधान परियोजनाओं को अंतिम रूप देने तथा समीक्षा हेतु समिति सदस्य। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा नियुक्त मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया की एड–हॉक पोस्टग्रेजुएट सुपर स्पेशिलिटी कमेटी के सदस्य। माननीय न्यायालय के निर्देशानुसार 'ई कंसिडर मेकिंग दि भोपाल मेमोरियल हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर, भोपाल, ए टीचिंग इंस्टीट्यूशन के तहत गठित उच्च शक्ति समिति के सदस्य। श्री वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिज, तिरुपति में नेफ्रालॉजी चेयर बालाजी गोल्ड मेडल प्रदाता।

डॉ. संजय गुप्ता को इंडियन सोसाइटी फॉर आर्गन ट्रांसप्लांट और दिल्ली नेफ्रोलॉजी सोसाइटी द्वारा शासी निकाय का सदस्य चुना गया।

डॉ. दीपांकर एम भौमिक को दिल्ली नेफ्रोलॉजी सोसाइटी का संयुक्त सचिव तथा कोषाध्यक्ष के रूप में चुना गया।

आगंतुक वैज्ञानिक

1. डॉ. संजीव सेठी, वरिष्ठ परामर्शदाता तथा सह–आचार्य सीनियर, मायो क्लिनिक, डिपार्टमेंट ऑफ लैब मेडिसिन एंड पैथोलॉजी, रोचेस्टर, यूएसए से 19 से 21 अक्तूबर, 2012 को विभाग में आए तथा एम्स ब्रिघम कोर्स में प्रतिनिधियों से संपर्क किया और वार्ता दी।
2. इस्टर जे कुजवेनहूल्स, डायलेसिस नर्स, ओनजे लाइव्व ब्राउवि गेस्दूइज, एम्सटर्डम, दि नीदरलैण्ड; संस्थान में उपलब्ध डायलेसिस सुविधा के अल्प एक्सपोजर हेतु विभाग में आए, 4 सितंबर, 2012.
3. डॉ. राजीव सरन, आचार्य, काय चिकित्सक, वृक्क विज्ञान प्रभाग तथा सह–निदेशक, यूनिवर्सिटी ऑफ मिचिगन किडनी एपिडेमियोलॉजी एंड कोस्ट सेंटर, दिनांक 4 दिसम्बर, 2012 को विभाग में आए तथा 'दि इम्पोर्टेंस ऑफ ओबजरवेशनल स्टडीज इन दि इरा ऑफ कम्पेरिटिव इफैक्टिवनैस रिसर्च' पर अतिथि व्याख्यान दिया।
4. जापानी प्रतिनिधि मण्डल, सुश्री मुरामत्सु टेटसुनोरी नाकाशिमा, प्रो. शोऊची फुजीमोटो भारत में डायलेसिस उपचार पर विशेष ध्यान के साथ गैर–संचरित रोग (एनसीडीएस) पर जापान अंतरराष्ट्रीय कारपोरेशन एजेंसी द्वारा सहायता प्राप्त पॉलिसी ओरिएटिंड रिसर्च के संबंध में विभाग में आए।

9.21 नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद

आचार्य एवं अध्यक्ष
एन.आर. जगन्नाथन

अपर आचार्य
रमा जयासुन्दर

सह – आचार्य
एस. सेंथिल कुमारन

सहायक आचार्य

उमा शर्मा | वीरेंद्र कुमार

वैज्ञानिक –I

सुजीत कुमार मेवाड़ | पवन कुमार

स्नातकोत्तर

विभाग के संकाय तथा वज्ञानिकों ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के एम. बायोटेक कार्यक्रम में भाग लिया तथा ''संरचनात्मक जैव विज्ञान तथा एनएमआर प्रौद्योगिकी'' तथा ''आण्विक चिकित्सा'' विषयक पाठ्यक्रम पर व्याख्यान दिए।

स्नातकोत्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम, शरीर क्रिया विज्ञान हेतु संकाय सदस्यों ने ''उच्च मानसिक कार्य : तकनीक (एफ एम आर आई) प्रयोग और विधिविज्ञान'' विषय पर पाठ्यक्रम की थ्योरी तथा प्रदर्शन में भाग लिया।

अल्पकालिक/दीर्घकालिक प्रशिक्षण

भारत और अफगानिस्तान के विभिन्न संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों से चिकित्सा एवं विज्ञान विधाओं से आठ व्यक्तियों तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के बी एससी रेडियोग्राफी छात्र एम आर आई, एफ एम आर आई तथा एम आर एस तकनीकियों में प्रशिक्षण पर हैं।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

संकाय द्वारा 'वर्कशॉप ऑन इन विवो एम आर स्पैक्ट्रोस्कॉपी'' का आयोजन किया, 15–16 सितंबर 2012।

प्रो. एन. आर. जगन्नाथन ''नवीन जैव विज्ञान'' पर अनुभागीय अध्यक्ष थे तथा ''नवीन जैव विज्ञान'' पर तीन दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया, 100वां राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन, कोलकाता, 3–7 जनवरी 2013।

संकाय सदस्यों ने समीक्ष्य वर्ष के दौरान क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, संगोष्ठी, कार्यशालाओं तथा सम्मेलनों में भाग लिया तथा व्याख्यान दिए।

प्रदत्त व्याख्यान

एन. आर. जगन्नाथन : 8 **रमा जयासुन्दर** : 5 **एस. सेंथिल कुमारन : 2** **उमा शर्मा : 3**
वीरेंद्र कुमार : 2

संगोष्ठियां/राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

मुखीय प्रस्तुती : 10 पोस्टर प्रस्तुती : 23

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. चिकित्सीय पौधों का स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण, डॉ. रमा जयासुंदर, आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2010–2013, 96.9 लाख रुपए।
2. प्रकार्यात्मक चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग (एफ एम आर आई) का प्रयोग करके विजुअली चैलेंजड सबजैक्ट्स में प्रिसेप्सन, स्पेटियल, ओरिएंटेशन, स्पीच एवं भाषा प्रक्रिया के साथ न्यूरोकोगनिटिव परिवर्तन, एस. सेंथिल कुमारन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (कॉगनिटिव साइंस इनिशिएटिव) 2010 – 2013, 22.1 लाख रुपए।
3. इन–विट्रो एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कॉपी का प्रयोग करते हुए सिलियक रोग का मेटाबोनोमिक्स, उमा शर्मा, तथा एन. आर. जगन्नाथन जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2011–2014, 33.63 लाख रुपए।
4. स्तन कैंसर में अर्बुद चयापचय तथा उपचार प्रतिक्रिया के आकलन तथा गैर–आक्रामक पहचान में चुम्बकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपिक इमेजिंग (एम आर एस आई) तथा डिफ्यूजन – वेटिड एम आर आई (डी डब्ल्यू–एम आर आई), एन. आर. जगन्नाथन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 2008 – 2012, 20.29 लाख रुपए।
5. जैव चिकित्सीय अनुसंधान हेतु 700 एम एच जैड एन एम आर स्पेक्ट्रोमीटर, एन. आर. जगन्नाथन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 2008 – 2013, 842.6 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. 3 टी में स्तन कैंसर रोगियों में पानी तथा वसा के इन विवो साइमलटेनियस सप्रेशन हेतु पल्स सीक्वेंस का विकास।
2. एम आर का प्रयोग करके शारीरिक संघटन विश्लेषण।
3. चिकित्सीय पौधों का एम आर स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. प्रोस्टेट कैंसर के टिशू एक्सट्रेक्ट्स का इन विवो तथा इन विट्रो एम आर स्पेक्ट्रोस्कोपी अध्ययन (मूत्ररोग विज्ञान एवं कृिति विज्ञान)।
2. आई बी डी (जी आई सर्जरी) के रोगियों में कोलोन टिशू का इन–विट्रो एम आर स्पेक्ट्रोस्कोपी (जी आई शल्य चिकित्सा)।
3. मानव स्तन कार्सिनोमा का इन–विवो एम आर स्पेक्ट्रोस्कोपी अध्ययन (शल्य चिकित्सा, विकिरण चिकित्सा तथा विकृति विज्ञान)।
4. ह्दय आघात के एक चूहा मॉडल में आयरन ऑक्साइड लेबल्ड एमब्रोमल स्टेम कोशिकाओं की इन–विवो ट्रेकिंग हेतु एम आर आई (ह्द विज्ञान, ह्द विकिरण विज्ञान, शरीर क्रिया विज्ञान तथा स्टेम सेल सुविधा)।
5. आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल फोरमुलेशन की एम आर आई (इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसिज, भुवनेश्वर)।
6. ऑबसेसिव कंपलसिव डिसॉर्डर वाले रोगियों में ब्रेन मेटाबोलिज्म आकलन हेतु एम आर आई/एम आर एस अध्ययन (मनोचिकित्सा)।
7. सिलियक रोग से पीड़ित रोगियों में इंटेस्टिनल म्युकोसा का इन–विट्रो एम आर स्पेक्ट्रोस्कोपी (जठरांत्र रोग विज्ञान तथा मानव पोषण)।
8. तीव्र आघात के चूहा मॉडलों में दवाओं की तंत्रिकासंरक्षी गतिविधि के मूल्यांकन हेतु एम आर इमेजिंग (भेजज गुण विज्ञान)।
9. कंट्रास्ट कारकों तथा लक्षित दवा डिलिवरी के रूप में नेनोपार्टिकल के मूल्यांकन में एम आर इमेजिंग अध्ययन (आई आई टी, दिल्ली)।
10. एक्सट्रिमिज के कैंसर के निदान में एम आर स्पेक्ट्रोस्कोपी की भूमिका (अस्थिरोग विज्ञान)।
11. एम आर आई, डेक्सा तथा बी आई ए का प्रयोग करके बॉडी कम्पोजिशन विश्लेषण तथा मधुमेह जोखिम कारकों के साथ सह–संबंध। (अंतः स्राविकी एवं प्रयोगशाला चिकित्सा)।
12. एन एम आर, यू वी तथा एफ टी–आई आर प्रयोग करके चिकित्सीय पौधों का स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण (नेत्र भेषजगुण विज्ञान, डॉ. रा. प्र. केंद्र)।
13. चिकित्सीय पौधों की एंटी–ऑक्सिडेंट प्रोपर्टीज का स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण तथा मूल्यांकन (नेत्र भेषजगुण विज्ञान, डॉ. रा. प्र. केंद्र)।
14. गंभीर आघात के बाद प्रकार्यात्मक परिणामों का अनुमान लगाना : एशियाई भारतीयों में नैदानिक विकिरण विज्ञानी पैरामीटरों और वृद्धि कारकों के मॉड्यूल का मूल्यांकन (तंत्रिकाविज्ञान, डी एस टी वित्तपोषित)।

15. योगा से संबंधित एटेंशनल प्रक्रिया में मेपिंग तंत्रिका शरीर क्रिया विज्ञानी, तंत्रिका रसायनिक तथा प्रमस्तिष्क रक्त फ्लो परिवर्तन (एस – वी वाई ए एस ए विश्वविद्यालय, बेंगलोर, डी एस टी – सी एस आई वित्त पोषित)।
16. इंट्रेक्टेबल एपिलेप्सी से पीड़ित रोगियों में ऑपरेशन से पूर्व मूल्यांकन के रूप में भाषा तथा याद्दाश्त का कांगिनिटिव एक्टिवेशन अध्ययन – जांच के लिए एक नांवल गैर–आक्रामक विधि (तंत्रिका विज्ञान तथा तंत्रिका शल्य चिकित्सा डी एस टी – सी एस आई वित्त पोषित)।
17. न्यूरोनल रिजनरेशन और फंक्शनल रेस्टोरशन में मानव अम्बेलिकल कोर्ड रक्त स्टेम कोशिकओं तथा न्यूरल स्टेम कोशिकाओं की भूमिका : गंभीर स्पाइनल कोर्ड क्षतियों वाले वयस्क पुरुष चूहों में एक तुलनात्मक अध्ययन, (तंत्रिका शल्य चिकित्सा, डीबीटी वित्तपोषित)।
18. विकलांगता परिणाम आकलन तथा प्रकार्यात्मक इमेजिंग पर चिरकालिक आघात वाले रोगियों हेतु कंस्ट्रेंड प्रेरित गतिविधि उपचार तथा इलैक्ट्रिकल सिमुलेशन की तुलना (तंत्रिका विज्ञान आई सी एम आर वित्त पोषित)।
19. बायोफंक्शनल मार्करों का प्रयोग करके चिरकारी इश्केमिक आघात में आटोलोगस मोनोयूक्लीयर स्टेम कोशिका का पेराक्राइन मेकेनिज्म का अध्ययन (तंत्रिका विज्ञान तथा तंत्रिका शल्य चिकित्सा, सी एस आई आर वित्त पोषित)।
20. ऑबसेसिव कंपलसिव विकारों से पीड़ित रोगियों में मस्तिष्क मेटाबोलिज्म मूल्यांकन हेतु एम आर आई/एम आर एस अध्ययन (मनोचिकित्सा)।
21. सिलियक रोग से पीड़ित रोगियों में इंटेस्टाइनल म्युकोसा का इन –विट्रो एम आर स्पेक्ट्रोस्कोपी (जठरांत्र रोग विज्ञान तथा मानव पोषण एकक)।
22. मानव स्तन कार्सिनोमा का इन–विवो एम आर स्पेक्ट्रोस्कोपी अध्ययन (शल्य चिकित्सा)।
23. तीव्र आघात के पशु मॉडलों में दवाओं की तंत्रिका संरक्षी गतिविधि मूल्यांकन हेतु एम आर इमेजिंग (भेषज गुण विज्ञान)।
24. सॉफ्ट टिशू सारकोमा का एम आर एस अध्ययन (शल्यक अर्बुद विज्ञान, सं. रो. कैं. अ.)।
25. मानव मोनोसाइट्स के मेटाबोलिक प्रोफाइल में तनाव प्रेरित विकल्प (जैव प्रौद्योगिकी)।
26. क्रोनिक हाई डेसिबल नॉइंस हेतु चिक्स एक्सपोज्ड का विकसित ऑडिटरी कोरटेक्स का प्रोटीन एन एम आर आधारित मेटाबोनोमिक अध्ययन (शरीर रचना विज्ञान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 22 **पुस्तकों में अध्याय : 1**

रोगी उपचार

विभाग में रोगी उपचार एवं अनुसंधान के लिए तीन होल बॉडी एम आर आई स्केनर्स (दो 1.5 टेसला तथा एक 3.0 टेसला) हैं। विभाग द्वारा रोगी उपचार एम आर आई सेवाओं को प्रतिदिन 12 घंटे से अधिक समय प्रदान किया जाता है। अप्रैल 2012 से मार्च 2013 के दौरान स्कैन किए गए रोगियों की संख्या का विवरण निम्नानुसार है :

नैदानिक एम आर आई स्कैन	6014 रोगी	अनुसंधान	563 रोगी तथा व्यक्ति

अन्य प्रयोगात्मक सुविधाएं

विभाग में एक 16.4 टेसला हाई रेजोल्यूशन एन एम आर स्पेक्ट्रोमीटर है। सीरम / प्लाज्मा /सी एस एफ / ऊतक के 1,000 से ज्यादा नमूनों पर अध्ययन किया गया है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. एन. आर. जगन्नाथन एशियन बायोफिजिक्स एसोसिएशन (ए बी ए) के वर्तमान में अध्यक्ष हैं; अनुभागीय अध्यक्ष 'नवीन जैव विज्ञान' सेक्शन फॉर 100 इण्डियन साइंस कांग्रेस, कोलकाता, जनवरी 2013; नेशनल अकेडमी ऑफ मेडिकल साइंस के कैंसर के नाभिकीय चुम्बकीय इमेजिंग के क्षेत्र में सराहनीय योगदान के लिए अंचता लक्ष्मीपति व्याख्यान पुरस्कार प्रदान किया गया, भारत, अक्तूबर 2012; निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय जरनल के संपादकीय मण्डल के सदस्य : (1) एम ए जी एम ए (भौतिकी, जैव विज्ञान तथा काय चिकित्सा में नाभिकीय चुम्बकीय सामग्री); (2) मेग्नेटिक रेसोनेंस इनसाइट; (3) उप – संपादक, तंत्रिका विज्ञान इमेजिंग (4) एन एम आर बायोमेडिसिन; (5) मेगनेटिक रेसोनेंस इमेजिंग; (6) बायोमेडिकल स्पैक्ट्रोस्कोपी एण्ड इमेजिंग; (7) बायोफिजिकल रिव्यू। जरनल ऑफ मेगनेटिक रेसोनेंस इमेजिंग (विली इंटरनेशनल) के विख्यात समीक्षक, 2012; चयनित सदस्य, एक्सक्यूटिव

काउंसिल, इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एण्ड एप्लाइड बायोफिजिक्स (आई यू पी ए बी) (2008–14); सदस्य, संचालन समिति, एशियन बायोफिजिक्स एसोसिएशन (ए बी ए); दि इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन मेगनेटिक रेसोनेंस इन बायोलॉजिकल सिस्टम (आई सी एम आर बी एस) के परिषद सदस्य, यू एस ए; प्रोग्राम एडवाइजरी कमेटी (पी ए सी) के सदस्य, सेक्शन फॉर बायोकेमिस्ट्री बायोफिजिक्स एवं मोलिकूलर बायोलॉजी, डी एस टी, भारत सरकार; स्टीरिंग कमेटी ऑफ दि सोफिस्टिकेटिड इंस्ट्रूमेंट फेसिलिटिज (एस ए आई एफ एस) ऑफ डी एस टी भारत सरकार के सदस्य; सदस्य, एफ आई एस टी कमेटी ऑफ डी एस टी भारत सरकार; पी यू आर एस ई डी एस टी कमेटी के सदस्य; संयोजक, 'बायोमेडिकल डिवाइस एण्ड बायोइंजीनियरिंग', लाइफ साइंस रिसर्च बोर्ड (एल एस आर बी) डी आर डी ओ पर विशेषज्ञ पैनल; सदस्य, आई एन एस ए कमेटी फॉर इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एण्ड एप्लाइड बायोफिजिक्स (आई यू ए पी बी), सदस्य; सदस्य, मेनेजमेंट एडवाइजरी कमेटी (एम ए सी) ऑफ सोफिस्टिकेटिड इंसट्रूमेंट फेसिलिटी, सी डी आर आई, लखनऊ; सदस्य, एम ए सी, सोफस्टिकेटिड इंस्ट्रूमेंट्स फेसिलिटी (एस ए आई एफ), इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलोर; सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार सदस्य, बायोसाइंस एवं बायोइंजीनियरिंग (बी एस बी ई) समूह, इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंदौर (आई आई टी), इंदौर; सदस्य, रिसर्च काउंसिल (आर सी), इंस्टीट्यूट फॉर न्यूक्लियर मेडिसिन एण्ड एलाइड साइंसिस, इनमास, डी आर डी ओ, सदस्य, विज्ञान सलाहकार समिति (एस ए सी), नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर (एन बी आर सी), मानेसर, हरियाणा।

डॉ रमा जयासुन्दर को जी सी आई एम व्याख्यान पुरस्कार प्रदान किया गया, श्री रामचंद्रा मेडिकल विश्वविद्यालय, चैन्नई, भारत 2012; 'कॉम्प्लैक्स एण्ड एनालॉजी इन साइंस' पर प्लीनरी सत्र में लेख हेतु सहयोग के लिए आमंत्रित, पोटिंफिशिया एकेडमिया साइंटेरियम, वेटीकन 2012।

डॉ. वीरेंद्र कुमार बायोमेडिसिन में तथा कंप्यूटर एसिस्टिड रेडियोलॉजी तथा सर्जरी की अंतरर्राष्ट्रीय पत्रिका में एन एम आर हेतु समीक्षक हैं।

9.22 नाभिकीय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
ए. मल्होत्रा

आचार्य
सी. एस. बाल   राकेश कुमार

अपर आचार्य
चेतन डी. पटेल (हृ. तं. कें.)

सहायक आचार्य
माधवी त्रिपाठी   अनिल के. पाण्डे

शिक्षा

विभागीय संकाय ने वर्ष के दौरान जारी आयुर्विज्ञानी शिक्षा कार्यक्रम, कार्यशाला, संगोष्ठी और वार्षिक सम्मेलनों में भाग लिया और 30 व्याख्यान दिए।

अनुसंधान

पूर्ण

1. रेडियो फार्मास्युटिकल आधारित पी ई टी जनरेटर का इस्तेमाल करते हुए फेंफड़े के कैंसर में लागत प्रभावी अवकलन निदान। राकेश कुमार, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), विएना, ऑस्ट्रिया, 2008–11

जारी

1. स्थानीय उन्नत वक्ष कैंसर के रोगियों में नियो–एडजुवेंट कीमोथेरेपी पी ई टी – सी टी एवं सी डी 34 के सह संबंध तथा वी ई जी एफ उद्भासन के प्रयोग द्वारा नियो एडजुवेंट कीमोथेरेपी की उपचार प्रतिक्रिया का शीघ्र मूल्यांकन। राकेश कुमार, आई. सी. एम. आर., 2010–13।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 53   **पुस्तकों में अध्याय : 4**

रोगी उपचार

रेडियोन्यूक्लाइड जांच

जांच	संख्या	जांच	संख्या
आयोडीन अपटेक (आरएआईयू)	3043	परक्लोरेड डिस्चार्ज टेस्ट	95
आई–131डीएक्स संपूर्ण बॉडी स्कैन	250	डायमकैप्टोएक्सिनिक एसिड स्कैन	914
सीए–थाइरॉयड आई–131 पूर्ण बॉडी	250	थाइरोटोक्सिकोसिस	277
डीटीपीए/एलएलईसीटी99 एम टी सी रीनल डायनेमिक स्कैन	2002	गेस्ट्रो इसोफेगस रिफ्लक्स	279
प्रत्यक्ष रेडियोन्यूक्लाइड सिस्टोयूरेथ्रोग्राफी	333	ग्लोमेरूलर फिल्टरेशन रेट	406
बोन स्कैन	2327	99एम टी सी एचआईडीए (हीपेटोबाइलरी)	283

थाइरॉयड स्कैन	293	लीवर स्कैन	13
मेक्कल्स अध्ययन	20	गेस्ट्रो इंटेस्टाइनल ब्लीड	16
लिम्फोसिंटीग्राफी	54	एमआईबीजी (डायग्नोस्टिक एवं थेराप्यूटिक)	287
^{153}सेमेरियम बोन पेन पैलिएशन	35	पैराथाइरॉयड स्कैन	100
एसपीईसीटी–सीटी / सीटी	746	सेंटीनल लिम्फनोड	118
कार्डियक इंवेस्टिगेशन	3039	ब्रेन एसपीईसीटी	483
पीईटी–सीटी संपूर्ण बॉडी (जीए सहित)	6456	ब्रेन ग्लूकोफिटोनेट (जीएचए)	27
आंतरिक रोगी (नए रोगी)	506	(कुल उपचार)	680
नई जांचें आरंभ :			
टीसी – 99एम – एच वाय एन आई सी – टी ओ सी सिंशियोग्राफी	5	टीसी – 99एम – टी आर ओ डी ए टी सिंशियोग्राफी	30

पुरस्कार सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर राकेश कुमार अनुसंधान शोधपत्र जिसका शीर्षक ''रोल ऑफ ^{68}जीए – डी ओ टी ए टी ओ सी पी ई टी – सी ओ इन द डायग्नोसिस एण्ड स्टेगिंग ऑफ पैनक्रिएटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर्स. इयू रेडियोल. 2011; 21 : 2408 – 16'' के लिए एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार 2012 प्रदान किया गया।

9.23 प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

अलका कृपलानी

आचार्य

सुनेश कुमार, दीपिका डेका, नीरजा भाटला, के. के.रॉय, नीना मल्होत्रा, वत्सला डडवाल, नूतन अग्रवाल

अपर आचार्य

जे. बी. शर्मा, नीता सिंह

सहायक आचार्य

अपर्णा शर्मा, रीता माही, गरिमा कछवा, पी. वनमाली

वैज्ञानिक

रोहिणी सहगल, ए. चंद्रा तिवारी

शिक्षा

स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर, पैरामेडिकल

दिल्ली पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन फोरम (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग) वर्ष 2001 से प्रतिमाह स्नातकोत्तर प्रशिक्षण हेतु बैठकों का आयोजन कर रहा है। ये बैठकें नैदानिक एवं शल्यक चिकित्सा कौशल, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान के प्रति समस्या अभिमुखी दृष्टिकोण, प्रोटोकॉल एवं दिशानिर्देश केस प्रस्तुतीकरण तथा विचार – विमर्श में स्नातकोत्तरों को पूरक प्रशिक्षण देने के लिए आयोजित की जाती है। दिल्ली के विभिन्न शैक्षिक तथा अध्यापन संस्थानों से आमंत्रित संकाय तथा अंतरराष्ट्रीय संकाय, स्नातकोत्तरों के प्रशिक्षण में सहयोग देते हैं।

अल्प कालीन एवं दीर्घ कालिन प्रशिक्षण

विभाग ''स्त्री रोग विज्ञान इंडोस्कोपी सर्जरी' 'उच्च जोखिम सगर्भता'' ''स्त्री रोग विज्ञानी अर्बुद विज्ञान'' तथा ''प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान अल्ट्रासोनोग्राफी'' एवं बांझपन जैसे विभिन्न उपविशिष्टता विषयों में अल्प तथा दीर्घकालीन प्रशिक्षण प्रदान करता है। वर्ष के दौरान विभिन्न विशिष्टता युक्त विषयों के तहत डॉ. अप्रतिम मोहन देबरमा एवं डॉ. स्मिता पूनिया, ए जी एम सी, अगरतला (1 मार्च से 30 अप्रैल 2013), सुश्री अनिता मोहन, पाकिस्तान (27 मार्च 2012 से 26 मार्च 2013), डॉ. रुचि टंडन (कपूर)/, बांझपन / आई वी एफ (1–28 जनवरी 2013), एफ ओ जी एस आई एथिकॉन ट्रैवलिंग फेलोशिप, डॉ. पूनम कुमारी, नई दिल्ली को प्रसूतिरोग अर्बुद विज्ञान में (3 अक्तूबर से 1 नवंबर 2012), अल्पकालिक प्रशिक्षण ले. कर्नल मधुसूदन डे को मेटेरनोफेटल मेडिसिन में दीर्घकालिक प्रशिक्षण (9 अप्रैल 2012 से 8 अप्रैल 2013), डॉ. अंजुमन आरा बेगम, बांग्लादेश को प्रजनन चिकित्सा एवं बांझपन सी वी एफ (ए आर टी) तथा एंगेस्कोपी में प्रशिक्षण (1 अक्तूबर 2012 से 31 जुलाई 2013), डॉ. निघत फिरदौस, श्रीनगर (3 फरवरी से 9 मार्च 2013) को ऑपरेटिव लेप्रोस्कोपी में, डॉ. प्रबती जायसवाल को आई वी एफ में (21 मार्च से 6 अप्रैल 2012) डॉ. स्वाति अग्रवाल, एण्डोस्कॉपी (9 अप्रैल से 6 अप्रैल 2012) एवं डॉ. तन्ना एस. दास, दिल्ली को (2 जुलाई से 30 सितंबर 2012) बांझपन के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

वैकल्पिक प्रशिक्षण

1. सुश्री मेनन जेबॉयएडोफ, 1–28 फरवरी 2013
2. श्री ईसाबेले ब्यूकेट, 1–28 फरवरी 2013
3. श्री हे फेलिक्स, विएना चिकित्सा विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रिया, 3–23 दिसंबर 2012

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं सम्मेलन, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा आयोजित

1. प्रिकांफ्रेंस वर्कशॉप 'कंडक्टिंग एण्ड पब्लिशिंग क्लीनिकल एण्ड रिसर्च ट्रायल्स : एनी वन केन डू इट, सितंबर 2012, अपोलो हॉस्पिटल, नई दिल्ली।
2. मामूली इन्वेसिव सर्जरी पर आधारित 18वां डब्ल्यूएचआई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
3. प्रजनन चिकित्सा ब्रिस्टोल केंद्र द्वारा संस्थान दल के सहयोग से ए आर टी केंद्र में 7 दिवसीय इंटरएक्टिव लाइव कार्यशाला, यू के, 29 अक्तूबर – 4 अक्तूबर 2012।

प्रदत्त व्याख्यान

अलका कृपलानी : 37	**सुनेश कुमार : 3**	**दीपिका डेका : 9**	**नीरजा भाटला : 15**
के. के. रॉय : 5	**वत्सला डडवाल : 7**	**नूतन अग्रवाल : 2**	**जे. बी. शर्मा : 15**
नीता सिंह : 3	**मीना मल्होत्रा : 15**	**पी. वनमाली : 1**	**लेखा प्रस्तुति : 30**

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. इण्डियन सेटिंग में बांझ रोगियों में प्रजनन परिणामों पर सकारात्मक एस्पिरेट डी एन ए पी सी आर के एंटीट्यूबरकुलर की भूमिका एक यादृच्छिक परीक्षण। अलका कृपलानी, आई सी एम आर, 2010 – 13, 8.9 लाख रुपए।
2. बैक्टीरियल वैजिनोसिस की उत्पत्ति के विरुद्ध प्रोबायोटिक लेक्टोबेसिली पैक्ड टेबलेट की कोलोनाइज़ेशन संभाव्यता तथा प्रभावकता के चयनित दबाव पर फेज़ II बी नैदानिक परीक्षण। अलका कल्पलानी, डी बी टी, 2009 – 13, 11.8 लाख रुपए।
3. प्रिवेंटिंग सर्वाइकल कैंसर में एच पी वी वैक्सीन के 2 बनाम 3 खुराकों की प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा : एक भारतीय बहु केंद्रीय यादृच्छिक परीक्षण। नीरजा भाटला, वि. स्वा. सं. आई ए आर सी, 2009–14, US $65,000।
4. 16 से 26 वर्षीय युवा महिलाओं की तुलना में 9 से 15 वर्षीय पूर्व किशोरावय एवं किशोरवय महिलाओं में वी 503 (ए मल्टीवेलेंट ह्यूमेन पैपिलोमा – वायरस (एच वी वी) एल 1 वायरस लाइक पार्टिकल (वीएलपी) वैक्सीन की इम्यूनोजेनिसिटी, सहनशीलता एवं निर्माण कांसिसेंटसी का एक फेज 3 नैदानिक परीक्षण, नीरजा भाटला, एम एस डी फार्मास्युटिकल्स, 2010–13, 8.8 लाख रुपए।
5. स्वयं तथा चिकित्सक द्वारा एकत्रित मेथोडोलॉजी द्वारा विजुअल स्क्रीनिंग एवं हाइब्रिड कैप्चर परीक्षण द्वारा सर्वाइकल नियोप्लासिया की शीघ्र पहचान – ग्रामीण क्षेत्र में समुदाय आधारित अध्ययन। नीरजा भाटला, क्वेगेन इण्डिया, 2010–13, 5,46,327 रुपए।
6. फीटल (भ्रूण) अवस्था से बाल्यावस्था तक मानक वृद्धि के विकास हेतु वि. स्वा. सं. – अ. भा. आ. सं. अध्ययन : भ्रूण घटक : वत्सला डडवाल, वि. स्वा. सं.
7. सामान्य भ्रूण तथा भ्रूण में जन्मजात विसंगतियों के एमनिओटिक फ्लूड ऑक्सिडेटिव स्टेट्स एवं क्रियात्मक जीनोमिक विश्लेषण, वत्सला डडवाल, अ. भा. आ. सं., 1 वर्ष, 5 लाख रुपए।
8. जननिक तपेदिक के उपचार का अध्ययन : 6 माह आर एन टी सी पी श्रेणी I उपचार की प्रारंभिक प्रतिक्रिया के बाद 6 महीने तक असतत अथवा 9 महीने तक सतत यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, जे. बी. शर्मा, सेंट्रल टी बी डिविज़न, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार, 5 वर्ष 4.2 लाख रुपए।
9. मानव स्वास्थ्य पर गैर – आयोनाइजिंग इलैक्ट्रो मैग्नेटिक फील्ड (डीएमएफ) का प्रभाव, आई सी एम आर, 5 वर्ष, जे. बी. शर्मा, 32.4 लाख रुपए।
10. सगर्भता मधुमेह से पीड़ित एशियाई महिलाओं में मेटफॉर्मिन एवं अवत्वचीय इंसुलिन की सुरक्षा एवं प्रभावकता का एक यादृच्छिक ओपन लेबल तुलनात्मक अध्ययन। नीता सिंह, आई सी एम आर, 29.53 लाख रुपए।
11. एशरमैन सिंड्रोम से पीड़ित महिलाओं में ऑटोलोगस स्टेम सेल्स के सब एंडोमिट्रियल इप्लांटेशन की भूमिका। नीता सिंह, अ. भा. आ. सं., 5 लाख रुपए।
12. पूर्व प्रत्यारोपण असफलता से ग्रासित महिलाओं में आई वी एफ के परिणाम पर स्थानीय एंडोमिट्रियल ट्रामा का प्रभाव। नीता सिंह, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 5 लाख रुपए।
13. एंटी फॉस्फोलिपिड मेडिएटिड / आइडियोपेथिक पुनरावर्तक गर्भपात संबंधी ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस मार्कर्स एवं प्रोडनफ्लेमेटरी मार्कर्स पर कोएंजाइम क्यू 10 की भूमिका का अध्ययन। अपर्णा शर्मा, अ. भा. आ. सं. 10 लाख रुपए।
14. महिलाओं में प्रिएक्लोप्सिया बनाम सामान्य स्वस्थ गर्भावस्थाओं में फिज़ियोलॉजिकल एवं बायोकैमिकल मार्कर्स द्वारा वस्कुलर

एंडोबिलियल क्रिया का मूल्यांक्न। गरिमा कछवा, अ. भा. आ. सं., 2 वर्ष, 2012–14, 5 लाख रुपए।

पूर्ण

1. प्रदाहक पैप स्मियर द्वारा महिलाओं में प्लैसेंट्रक्स टी एम की एंटी इनफ्लैमेट्री क्रिया एवं प्रभावकता का मूल्यांक्न। नीरजा भाटला, अल्बर्ट डेविड, 3 वर्ष, 2010–13, 3.75 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. एलिसा तकनीक एवं दो पद्धतियों की तुलना द्वारा क्विक चैक आर एफ एफ एन टेस्ट परीक्षण द्वारा सर्विकोवेजाइनल स्राव में फीटल फाइबरोनेक्टिव की पहचान द्वारा समयपूर्व प्रसूति की संभावना।
2. पारिवारिक एवं गैर पारिवारिक एपिथिलियल ओवरियन कैंसर में उपचार परिणाम की तुलना।

जारी

1. अंतिम दो सीज़ेरियन सेक्शंस बनाम प्रारंभिक एक सीज़ेरियन सेक्शन लेबल के परीक्षण के परिणाम की तुलना।
2. कोलपोस्कोपिक गाइडिड बायोप्सी में ऊतकविज्ञान द्वारा रीड्स कोलपोस्कोपिक इंडेक्स बनाम स्वीड स्कोर के सह संबंध की स्ट्रैन्थ की तुलना।
3. गर्भावस्था के दौरान सर्वाइकल स्क्रीनिंग की स्वीकार्यता फीज़िबिलिटी एवं प्रभावकता का अध्ययन।
4. तत्काल एवं मध्यांतर इसर्शन में आई यू सी डी के उद्भवन तथा जटिलता दरों की तुलना।
5. जन्मजात विसंगतियों में एमनिओटिक तरल ऑक्सीडेटिव दबाव की भूमिका।
6. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम से पीड़ित युवा एशियाई भारतीय महिलाओं में वस्कुलर क्रिया पर एथिनाइल इस्ट्रेडियोल ड्रॉसपिरिन्न कॉम्बीनोश्न प्लस प्लेसिबो बनाम एथिनॉयल इस्ट्रेडियॉल ड्रॉसपिरिनॅन कांबीनेशन प्लस मेटफॉर्मिन की प्रभावकता का एक भविष्य सापेक्ष यादृच्छिक नैदानिक अध्ययन।
7. देरी से हुई गर्भावस्था में प्रिक्लोम्प्सिया के विकास के साथ शीघ्र गर्भावस्था के बायोफिजिकल एवं बायोकैमिकल मार्करों का सह संबंध तथा वस्कुलर एंडोथिलियल फंक्शन का मूल्यांकन।
8. लेप्रोस्कोपिक एंडोमिट्रिओटिक सिस्टेकटॉमी के बाद ओवरियन सुधार तथा प्रजनन परिणामों पर पोस्ट सिस्टेकटॉमी ओवरियन एप्रेशन का अध्ययन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. उन्नत एपिथिलियल ओवरियन कैंसर हेतु कार्बोप्लेटिन के प्रति 3 सप्ताह तक कांबिनेशन में साप्ताहिक पेक्लीटेक्सल : एक फेज़ 3 यादृच्छिक अध्ययन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, सं. रो. कैं. अ.)।
2. सगर्भता हेतु उपयुक्त आयु एवं सगर्भता हेतु लघु आयु अवधि में कॉर्ड रक्त मार्कस्र का क्रॉस – सेक्शनल अध्ययन (बाल चिकित्सा)।
3. साइटोलॉजी स्मियर से प्राप्त डी एन ए पर हाइब्रिड कैप्चर – II द्वारा एच बी वी खोज का विकासशील देशों हेतु उपयुक्त पद्धति (विकृतिविज्ञान)।
4. एपिथिलियल ओवरियन कैंसर से पीड़ित रोगियों को प्रदान की गई कीमोथेरेपी चिकित्सा में मेटफॉर्मिन बनाम प्लेसिबो के तौर पर प्रदत्त चिकित्सा के प्रभाव का मूल्यांकन : एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, सं. रो. कैं. अ.)।
5. भारत में गर्भाशय के कैंसर की उपचार प्रणाली (विकिरण अर्बुदविज्ञान, सं. रो. कैं. अ.)।
6. मातृत्व, पेरिनेटल एवं नवजात विज्ञान (बालचिकित्सा)
7. प्रिक्लेम्पसिया में एंडोप्लास्मिक रेटिकुलम : एक इन विट्रो अध्ययन (शरीर रचना विज्ञान)।
8. शहरी भारत में सगर्भता मधुमेह शर्करा से पीड़ित महिलाओं में टाइप II डायबिटीज़ की रोकथाम (अंतः स्राविकी एवं चयापचयज)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 64 **पुस्तकों में अध्याय : 8** **पुस्तकें : 1**

प्रसवोत्तर कार्यक्रम

प्रसवोत्तर कार्यक्रम (पीपीपी) अस्पताल के आसपास के क्षेत्रों एवं फील्ड प्रैक्टिस क्षेत्रों में आरसीएच पैकेज प्रदान करके एवं परिवार कल्याण सेवाएं प्रदान करते हुए परिवार कल्याण मंत्रालय कार्यक्रम के प्रति एक मातृत्व केंद्रित अस्पताल आधारित अभिगम है। इसे

एकीकृत बहुविषयक प्रयोग के रूप में चलाया जाता है जिसमें प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग बाल चिकित्सा विभाग, सामुदायिक चिकित्सा, शल्य चिकित्सा तथा संवेदनाहरण विज्ञान विभाग के साथ मिलकर नाम करता है।

तालिका I प्रसवोत्तर कार्यक्रम के तहत विभिन्न परिवार नियोजना पद्धतियों की उपलब्धियां –

पद्धतियां	**प्रारंभिक वर्ष (2011–12)**	**वर्तमान वर्ष (2011–13)**	**उपलब्धियों में सुधार करना**
सीयूटी	514	587	14
ओरल पिल्स	420 पैकेट	682 पैकेट	62
परंपरागत गर्भनिरोधक	1,20,000 पीस	1,20,000 पीस	–
बंध्याकरण			
नसबंदी	875	940	7
नलबंदी	27	14	–

तालिका II मातृ तथा बाल स्वास्थ्य (एमसीएच) निष्पादन

सेवाएं	**प्रारंभिक निष्पादन (2011–12)**	**वर्तमान निष्पादन (2011–13)**	**सुधार प्रतिशत**
गर्भवती महिलाएं			
टिटनेस की पहली खुराक	2011	1601	–
टिटनेस की दो खुराक	1987	1302	–
बच्चे (0–1 वर्ष) प्रतिरक्षण			
डी पी टी की तीसरी खुराक			
बालक	584	632	8.2
बालिकाएं	471	486	3.2
पोलियो की तीसरी खुराक			
बालक	584	632	8.2
बालिकाएं	471	486	3.2
बी सी जी			
बालक	1470	1565	6.5
बालिकाएं	1248	1277	2.3
खसरा			
बालक	731	766	4.8
बालिकाएं	534	534	–
डीटी (5 वर्ष से कम)	प्रदान नहीं किया गया	प्रदान नहीं किया गया	–

क्लीनिक	**समय / सप्ताह की संख्या**	**रोगी उपस्थिति**	
		नए रोगी	पुराने रोगी
सामान्य ओ पी डी	6	33373	62132
उच्च जोखिम गर्भावस्था क्लीनिक	3	2992	18186
स्त्रीरोग अंतः स्राविकी क्लीनिक	3	56	83
स्त्री रोग कैंसर विभाग क्लीनिक	2	687	2876
प्रसवोत्तर क्लीनिक	3	–	–
चिकित्सीय गर्भपात क्लीनिक	6	787	–
परिवार कल्याण क्लीनिक	6	8776	5673

वर्ष के दौरान निष्पादित ऑपरेशनों की संख्या

स्त्रीरोग विज्ञान

बड़े ऑपरेशन

सुदम्य रोगों हेतु शल्य चिकित्सा 1580 अर्बुदविज्ञान शल्य चिकित्सा 287

बांझपन	975		
एंडोस्कोपी शल्य चिकित्सा : लैप्रोस्कोपी + हिस्टिरियोस्कॉपी		762	
प्लास्टिक सर्जरी	39		

छोटे ऑपरेशन

डी एवं सी / ई ए	1248	कोल्पोस्कॉपी/क्रायो/लीप (एल ई ई पी)	274
नैदानिक हिस्टिरियोस्कोपी	1315	एम टी पी	787
पैप स्मियर	4206	सर्विकल बायोप्सी	320

प्रसूति

बड़े ऑपरेशन

एल एस सी एस 945

छोटे ऑपरेशन

ऑपरेशन से हुई योनि प्रसूतियां :	126	योनि प्रसूतियां : सामान्य	1282

भ्रूण चिकित्सा

कोर्डोसेन्टेसिस	78	कोरियोनिक विलस सेंपलिंग	216
एमनियोसेंटेसिस	24	इन यूटेरो इंफ्यूज़न	138

उच्च जोखिम प्रसूतियां

प्रसूति अल्ट्रासाउंड	3621	एन एस टी	2746
बी पी पी	1500		
गायनी अल्ट्रासाऊंड	8033		
ओवेरियन सिस्ट चूषण	19		

प्रयोगशाला जांच

मूत्र सगर्भता जांच	2992	हीमोग्लोबिन	2992
रक्त समूह	2393	मूत्र एल्बुमिन/शर्कर	2992

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य अलका कृपलानी, वि. स्वा. सं. एच आर सी सी एवं परिवार योजना की प्रभारी निदेशक, जी ई एस आई (गायनकिलोनिकल एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इण्डिया) की अध्यक्ष रही, 2011; ए ओ जी डी (एसोसिएशन) ऑफ ऑबस्ट्रिशियन एण्ड गायनोकोलोजिस्ट ऑफ देहली) 2013 – 14 की अध्यक्ष; गवर्निंग कौंसिल आई सी ओ जी (इण्डियन कॉलेज ऑफ ऑबस्ट्रिशियनस एण्ड गायनोकोलोजिस्ट्स) की सदस्य 2008 एशियन जरनल ऑफ ऑबस्ट्रिप्स एण्ड गायनोकोलोजी प्रैक्टिस 1999 की सदस्य बनी रही; वह इंडोस्कोपी प्रशिक्षण कार्यक्रम, अ. भा. आ. सं. की सभापति भी रही; उन्हें अनुसंधान कार्य के लिए सह लेखक के पुरस्कार से सम्मानित किया गया; वह थीसिस ग्लेबेनक्लेमाइड (ग्लाइबुरिड) की तुलना तथा गर्भावस्था के दौरान मधुमेह शर्करा से पीड़ित रोगियों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण, प्रसूति एवं पेरिनेटल परिणामों की सह निर्देशक रही। प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान 2012 के क्षेत्र में उत्कृष्ट अनुसंधान के लिए उनके जूनियर रेज़िडेंट को (स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में) श्रीमती लीलावती सलवान पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आचार्य सुनेश कुमार ने (1) 18 – 19 अगस्त 2012 को चण्डीगढ़ में आयोजित 'गायनी अर्बुदविज्ञान' पर आधारित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं प्रत्यक्ष कार्यशाला में हिस्सा लिया; (2) उन्होंने 7 अक्तूबर 2012 को नई दिल्ली में प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान में क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं 15 प्रैक्टिकल पाठ्यक्रम में (3) 20 जून 2012 को हैदराबाद में सर्विक्स कैंसर पर गठित आई सी एम आर उप समिति की द्वितीय बैठक; (4) 22 जून 2012 को नई दिल्ली में क्यूक्यूमिन ट्रायल इन सी ए सी एक्स कैंसर, डी बी टी डी एस एम बी की चौथी बैठक (5) 28 अगस्त 2012 को स्वास्थ्स विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक के संकाय वर्ग (प्रसूति एवं स्त्रीरोग) के चयन हेतु चयन समिति की बैठक में सम्मिलित (6) 20 नवंबर 2012 को सुश्री सलाम ज्ञानेश्वरी देवी, एम ए एम सी, नई दिल्ली के पी एच डी विद्यार्थियों की चिकित्सक समिति की बैठक में सम्मिलित (7) 26 नवंबर 2012 को कौंसिल कमेटी मीटिंग अ. भा. आ. सं. (8) 30 नवंबर 2012 को आई सी एम आर में पोषण विभाग की फेलोशिप मीटिंग (9) 16 दिसंबर 2012 को पी जी आई एम ई आर,

चण्डीगढ़ में स्थायी चयन समिति की बैठक के विशेषज्ञ (10) मुनिरका में एन आई एच एफ डब्ल्यू में पी ए म एस एस वाई के तहत अ. भा. आ. सं. में 6 न्यूज़ हेतु चयन समिति की बैठक।

आचार्य नीरजा भाटला ने हांग कांग में एशिया ओशेनिया रिसर्च आर्गेनाइजेशन ऑफ जेनाइटल इंफेक्शनस एण्ड नियोप्लासिया (ए ओ जी आई एन 2012) के 2012 के सम्मेलन में व्याख्यान हेतु युवा वैज्ञानिक ट्रेवल पुरस्कार प्राप्त किया जिसका विषय था एफीकेसी ऑफ ह्यूमैन प्लैसेंटल एक्सट्रेक्ट एण्ड लाइकोपिन इन क्लीयरिंग इंफ्लैमेटरी पैप स्मियर्स एण्ड सर्वाइकल एक्ट्रोपियन; सचिव, एम्सओनियन, 2012 – 14; चयनित सदस्य, नोमिनेटिंग कमेटी ऑफ इंटरनेशनल गायनीकोलोजिक कैंसर सोसाइटी (आई जी सी एस), 2012 – 14 चयनित सदस्य, गायनी ओनकोलॉजी कमेटी, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ गायनीकोलोजी एण्ड ऑब्स्ट्रिक्स (एफ आई जी ओ), 2012 – 15; उप. अध्यक्ष, ए ओ जी डी 2013 – 14, 15 सितंबर 2012 को नई दिल्ली में प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य पर 19वां भारतीय सम्मेलन एवं 11वां विश्व कांग्रेस एन ए आर सी एच आई 2012 में प्रिवेंटिव ऑनकोलॉजी सत्र की अध्यक्षता; 23–24 मार्च 2013 को मुंबई में इण्डियन सोसाइटी ऑफ कोलपोस्कोपी एण्ड सर्वाइकल पेथोलॉजी (आई एस सी सी पी – 2013) के 8वें राष्ट्रीय सम्मेलन में संकाय सदस्य; 3 दिसंबर 2012 को दूरदर्शन पर प्रसारित स्वस्थ भारत दर्शन कार्यक्रम में विशेषज्ञ के तौर पर आमंत्रित एवं निम्नलिखित जन व्याख्यान प्रदान किए, रजोनिवृत्ति समस्याएं एवं सर्वाइकल कैंसर रोकथाम, लेक्चर फॉर शेल्री क्लब ऑफ बॉम्बे हार्बर, इनर व्हील क्लब मुंबई, 18 जनवरी 2013; 3 जनवरी 2013 को दूरदर्शन पर यूट्रिन कैंसर पर वार्ता; 11 फरवरी 2013 को ब्लूमबर्ग न्यूज़ पर मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता; 8 मार्च 2013 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सर्वाइकल कैंसर पर वैबचेट प्रस्तुत की।

आचार्य के. के. रॉय ने कोलकाता में 22 – 23 दिसंबर 2012 को बंगाल प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान सोसाइटी के 38वें वार्षिक सम्मेलन के सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. नूतन अग्रवाल को उत्कृष्ट शोध उम्मीदवार (राजगोपाल) के लिए चीफ गाइड के तौर पर लीलावती पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. जे. बी. शर्मा , मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में डी जी ओ परीक्षा के परीक्षक थे; एम आर सी ओ जी के पार्ट 1 तथा पार्ट 2 परीक्षा का संचालन किया, 24 नवंबर 2012 को नई दिल्ली में एंटीनेटल केयर फॉर जरनल आडियंस पर ट्रेड फेयर प्रदर्शनी का आयोजन; 3 नवंबर 2012 को बी. एल. कपूर अस्पताल नई दिल्ली में चेजिंग ट्रेंड्स।

डॉ. गारिमा कछवा ने पी ओ यू 1 एफ 1 एवं पी आर ओ पी 1 के जीन विश्लेषण तथा संयुक्त पिट्यूटरी हार्मोन डेफिशिएंसी में प्रिनेटल डायग्नोसिस हेतु उत्कृष्ट विज्ञान प्रस्तुति के लिए डी एस एल पुरस्कार जीता। बिरला श्वेता, कछवा गरिमा, शर्मा अरुंधती, जोरा राकेश, खड़गवत राजेश। 13 – 15 दिसंबर 2012 एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इण्डिया (ई एस आई सी ओ एन – 2012) को 13 – 15 दिसंबर कोलकाता में वार्षिक सम्मेलन; सीनियर फुलब्राइट नेहरु रिसर्च स्कोलरशिप 2012 से पुरस्कृत, गर्भवती मधुमेह पीड़ितों में 'मेटाबोलिक तथा हीमोडायनेमिक स्टेट्स का मूल्यांकन तथा भारत में गर्भावस्था परिणामों से उसका संबंध तथा नॉन डायबेटिक कोहर्ट के साथ इनकी तुलना।

9.24 अस्थिरोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
प्रकाश पी. कोतवाल

आचार्य
शिशिर रस्तोगी
राजेश मल्होत्रा
अरविंद जायसवाल
हीरा लाल नाग

अपर आचार्य
रवि मित्तल
चंद्रशेखर यादव
शाह आलम खान

सह आचार्य
विजय कुमार

सहायक आचार्य
भावुक गर्ग

शिक्षा
अस्थि रोग विज्ञान विभाग में 'स्पोर्ट मेडिसिन एंड आर्थोस्कोपी' में प्रशिक्षण।

आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. वर्कशॉप ऑन एडवांस स्पाइन एट द गोल्डन जुबली कॉन्ग्रेस ऑफ द एशिया पेसिफिक आर्थोपेडिक्स एसोसिएशन (एओपीए), 3–6 अक्टूबर, 2012, नई दिल्ली (अरविंद जायसवाल)।
2. कॉम्प्लेक्स प्राइमरी हिप वर्कशॉप, 8 जून 2012, दिल्ली (राजेश मल्होत्रा)।
3. एम्स ऑस्टेयोपोरोसिस अपडेट, 28 जुलाई, 2012, नई दिल्ली (राजेश मल्होत्रा)।
4. बोन एंड जॉइंट डे। 4 अगस्त 2012, नई दिल्ली (राजेश मल्होत्रा)।
5. सीएमई – मस्कुलसस्केलेटल इमेजिंग, 5 अगस्त 2012, नई दिल्ली (राजेश मल्होत्रा)।
6. नेविगेटेड टीएचए कैडवेरिक वर्कशॉप 2012 17 अगस्त, 2012, नई दिल्ली (राजेश मल्होत्रा)।
7. करंट कॉन्सेप्ट्स इन आर्थोप्लास्टी 2012, 18–19 अगस्त, 2012, नई दिल्ली (राजेश मल्होत्रा)।
8. वर्कशॉप ऑन रिविज हिप रिप्लेसेमेंट, 3–8 अक्टूबर, 2012, नई दिल्ली (राजेश मल्होत्रा)।
9. ऑक्सफॉर्ड पार्शियल नी रिप्लेसमेंट – इंस्ट्रक्शनल कोर्स, 7 दिसंबर 2012, नई दिल्ली (राजेश मल्होत्रा)।
10. फस्ट एम्स आर्थोप्लास्टी अपडेट, 30 दिसंबर 2012, नई दिल्ली (सी. एस. यादव)।
11. एम्स केडेवर आर्थ्रोप्लास्टी कोर्स ऑन टोटल हिप आर्थोप्लास्टी 31 मार्च और 1 अप्रैल 2012, नई दिल्ली (सी. एस. यादव)।
12. दिल्ली ऑर्थोपीडिक एसोसिएशन पीजी टीचिंग कोर्स, जनवरी 2013, नई दिल्ली (भावुक गर्ग)।

प्रदत्त व्याख्यान

पी पी कोतवाल : 30	**शिशिर रस्तोगी : 16**	**अरविंद जायसवाल : 26**
राजेश मल्होत्रा : 26	**एच. एल. नाग : 10**	**सी. एस. यादव : 22**
रवि मित्तल : 28	**शाह आलम खान : 33**	**भावुक गर्ग : 6**

मौखिक / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 14
अनुसंधान
वित्त पोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. वृद्ध भारतीय आबादी में प्राक्सीमल फीवर की अकारिकी हेतु उपयुक्त फिमोरल स्टेम डिजाइन पर आधारित एक नया हिप हेमीआर्थोफ्लास्टी विकल्प। राजेश मल्होत्राा। सी एस आई आर, 2005–12, 30.33 लाख रुपए।

जारी

1. स्कोलियोसिस रोगियों के डेटाबेस। अरविंद जायसवाल, आई सी एम आर, 2010–14, 17.65 लाख रु.।
2. टोटल हिप प्रतिस्थापन करवा रहे रोगियों में साइटोकिन्स का मूल्यांकन तथा ओस्टियोलेसिस के साथ उनका संबंध। राजेश मल्होत्रा, आई सी एम आर, 2009–13, 20 लाख रुपए।
3. बिरमिंघम मिड हेड रिसेक्शन आर्थोप्लास्टी की तुलना तथा क्रमिक डेक्सा स्कैन द्वारा प्रोक्सिमल फेमोरल बोन मिनरल डेनसिटी पर बिरमिंघम मिड हेतु रिसेक्शन आर्थोप्लास्टी के इंफ्लूऐंस का निर्धारण। राजेश मल्होत्रा, आई सी एम आर, 2011–14, 27.5 लाख रुपए।
4. एब्डोमेन / थोरेक्स मोडल बिल्ड / वेलीडेशन। राजेश मल्होत्रा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, 5 लाख रुपए।
5. टेरीपेराटाइड बनाम एंटीरेस्पोरटिव के साथ उपचरित गंभीर ओस्टियोपोरोसिस से पीड़ित रोगियों में बेक पेन के निर्धारण हेतु एक पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन। राजेश मल्होत्रा, इली. लिली कंपनी, 2008–13, 4.20 लाख रुपए।
6. एक नई एशियाई विशिष्ट घुटने कृत्रिम अंग का मानवशास्त्रीय मूल्यांकन – द जेनेसिस ।। स्लिम। राजेश मल्होत्रा, स्मिथ एंड नेफ्यू, 2011–13, 14 लाख रु.।
7. एक कुल कूल्हे प्रतिस्थापन की आवश्यकता विषयों में डेल्ट मोशन कप प्रणाली के अस्तित्व और प्रदर्शन की निगरानी के लिए एक बहु–केंद्र, भावी, अनियंत्रित पद बाजार नैदानिकी का अनुपालन अध्ययन। राजेश मल्होत्रा, जॉनसन एंड जॉनसन मेडिकल, 2012–15, 15.50 लाख रु.।
8. अतिरिक्त रीढ़ की ऑस्टियोआर्टिकुलर टीबी में 6 माह बनाम 9 माह डॉट्स की प्रभावकारिता और सुरक्षा की भावी यादृच्छिक परीक्षण, सी. एस. यादव, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. रुमेटॉइड आर्थराइटिस में आथ्रोस्कोपिक एल्बो दो वर्ष से अधिक का दीर्घावधिक फोलोअप।
2. आवर्तक और आक्रामक जीसीटी में एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी की भूमिका – एक नैदानिक रोग और रेडियोलॉजिकल सहसंबंध।

जारी

1. एसीएल के फेमोरल फुटप्रिंट और फेमोरल टनल का मूल्यांकन।
2. आर्थराइटिस के प्रयोगात्मक मॉडल में लोसोनिया, इंटर्मिस, कॉलचिकम लुटेयम, टर्मिनल चेबुला की प्रभावकारिता और सुरक्षा।
3. एशियाई भारतीय आर्थराइटिस रोगियों में टी–हेल्पर (टीएच–17) की भूमिका की स्थापना का अध्ययन।
4. आर्थराइटिस चूहों के प्रयोगात्मक मॉडलों में ग्लोरियोसा सुपब्रा, बैरबैरिस अराइस्टेट, किसूस क्वाड्रगुलरिस की प्रभावकारिता और सुरक्षा।

सहयोगी परियोजनाएं

1. माइक्रो सेल्युलर इंजेक्शन मोल्ड तकनीक द्वारा जैव डिग्रीडेबल पॉलीमर कम्पोसाइड बोन स्कैफोल्ड्स। शाह आलम खान, डीएसटी (आईआईटी, दिल्ली के साथ)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 23 पुस्तकों में अध्याय : 26 पुस्तकें : 3

रोगी उपचार

एच एल नाग

1. घायल एथलीटों और खेल कर्मियों की जरूरतों को पूरा करने क लिए आर्थोपीडिक्स विभाग की ओपीडी में गुरुवार दोपहर को सप्ताह में एक बार 'स्पॉट क्लिनिक' का आयोजन किया जाता है।

2. मेडिकल सेंटर, स्पॉर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया, जे एल नेहरू स्टेडियम में सोमवार दोपहर को एक सप्ताह में एक बार एथलीटों और खेल कर्मियों के लिए उपस्थिति हैं।

भावुक गर्ग

1. शिवपुरी (मध्य प्रदेश) में 22–25 मार्च 2013 को लाइफ लाइन एक्सप्रेस ट्रेन पर 3 दिवसीय शिविर के दौरान रोगियों को आर्थोपेडिक शल्य चिकित्सा देखभाल वितरित करना।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रो. पी. पी. कोतवाल 2012 में एम्स में सेंटर फॉर इमरजेंसी मेडिसिन एंड एक्यूट केयर (सीईएमएसी) के निर्माण संबंधी समिति; केंद्रीय विद्यालय, आईएनए कॉलोनी, नई दिल्ली की विद्यालय प्रबंधन समिति; अंटाकर्टिका के लिए भारतीय दल के लिए मेडिकल अधिकारियों के चयन हेतु नेशनल सेंटर फॉर अंटाकर्टिक एंड ओशिएन रिसर्च के निदेशक द्वारा गठित चयन समिति के **चेयरमेन** थे; इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल सर्जरी ऑफ द हैंड के **उपाध्यक्ष** चुने गए; डिपार्टमेंट ऑफ ऑर्थोपेडिक्स एंड फिजकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन हेतु फैकल्टी के चयन हेतु राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के निदेशक द्वारा गठित चयन समिति, पंडित बी. डी. शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज रोहतक में एसोसिएट प्रोफेसर के पद हेतु चयन समिति; 2011–12 में नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज की फेलोशिप / सदस्यता हेतु उम्मीदवारों की रेटिंग हेतु सलाहकार पैनल; एम एंड आरसी स्मार्टीच 'हेल्थकेयर ई – लर्निंग सोल्यूशन' परियोजना की समीक्षा हेतु डीएसटी, नई दिल्ली के अधीन प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) द्वारा गठित परियोजना समीक्षा और निगरानी समिति (पीआरएमसी); इंडियन सोसाइटी फॉर बोन एंड मिनरल रिसर्च, 2012; एम्स में ट्रॉमा और एक्यूट केयर सर्जरी में एमएस कोर्स आरंभ करने संबंधी समिति; मल्टीसेंट्रिक ट्रायल टू स्टडी द इफेक्ट ऑफ अर्ली एक्टिव मोबिलाइजेशन एज कम्पेयर्ड टू थ्री वीक्स इमोबिलाइजेशन फालोइंग टेंडन ट्रांसफर प्रोजीजर्स फॉर क्लॉ हैंड' नामक परियोजना पर चर्चा करने और उनकी निगरानी करने हेतु आईसीएमआर के विशेषज्ञ दल; भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के विशेष मेडिकल बोर्ड के **सदस्य**; 2 मार्च 2013 पर स्वस्थ भारत कार्यक्रम में 'जाइंट पेन एंड स्यूमोटिक प्रॉब्लम्स' पर रेडियो वार्ता प्रस्तुत की; ए.ओ. फाउंडेशन, स्विटजरलैंड के न्यासी हैं; भारत के ए.ओ. न्यासी के रूप में डावोस, स्विट्रलैंड में ए.ओ. न्यासियों की बैठक में भाग लिया।

प्रो. शिशिर रस्तोगी छह नए एम्स में संकाय चयन में, छत्रपति साहू जी महाराज मेडिकल कॉलेज, लखनऊ में किए एनसीआई आकलन में विषय विशेषज्ञ थे; पीजीआईएमएस, रोहतक में अंडरग्रेजुएट बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य थे; (1) अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (2) इलाहाबाद विश्वविद्यालय (3) लखनऊ मेडिकल कॉलेज (4) सुभारती मेडिकल कॉलेज, मेरठ (5) एमजीआरएम यूनिवर्सिटी, चेन्नै (6) सीएमसी, वैलोर और (7) गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, चेन्नै में पीजी पाठ्यक्रमों के परीक्षक थे।

प्रो. अरविंद जायसवाल को स्पाइनल कोर्ड सोसायटी द्वारा नई दिल्ली में स्पाइन सर्जरी में लाइफ टाइम अचीवमेंट से सम्मानित किया गया; वर्ल्ड सोसायटी फॉर एंडोस्कोपिक, नेवीगेटेड एंड मिनिमली इनवेसिव स्पाइन सर्जरी के अध्यक्ष (2011–13); एशिया पैसेफिक आर्थोपेडिक्स एसोसिएशन (एपीओए) के स्पाइन सेक्शन के वाइस चेयरमेन (2011–13); इंजीनियरिंग सेंटर फॉर आर्थोपेडिक्स रिसर्च एक्सीलेंस (ई–कोर) और डिपार्टमेंट ऑफ बायोइंजीनियरिंग एंड आर्थोपेडिक्स सर्जरी, यूनिवर्सिटी ऑफ टोलेटो, ओहायो, अमेरिका में विजिटिंग प्रोफेसर, इंटरनेशनल स्पाइन कान्फ्रेंसेज फुकोका, जापान, कुवालालंपुर, मलेशिया; बांडंको इडोनेशिया; कोलंबो, श्रीलंका; आइची, जापान में फैकल्टी के रूप में आमंत्रित किया गया और कई व्याख्यान दिए; बैंगलोर बांडुंग, इंडोनेशिया; कोलंबो, श्रीलंका में स्पेशिएलाइज्ड स्पाइन सर्जरी लाइव दिखाई; मलेशिया के सभी विश्वविद्यालयों के लिए मास्टर्स ऑफ मेडिसिन (आर्थोपेडिक्स) की कंबाइन्ड प्रोफेशनल परीक्षा हेतु कुवालालंपुर, मलेशिया में बाह्य विदेशी परीक्षक; ओएएसएसी 2012 की 7वें द्विवार्षिक सम्मेलन में इडियोपैथिक स्कोलियोसिस का प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी तथा श्रीलंका आर्थोपेडिक्स एसोसिएशन, कोलंबो, श्रीलंका के वार्षिक शैक्षणिक सत्रों के आयोजन हेतु संसाधन व्यक्ति; पास्चीरियर करेक्शन ऑफ एडोलोसेंट इडियोपैथिक स्कोलियोसिस पर सम्मेलन पूर्व कार्यशाला, पूर्वोत्तर आर्थोपेडिक्स सर्जन एसोसिएशन (एनईओएससीओएन 2013), डिब्रूगढ़, असम के वार्षिक सम्मेलन के समन्वयक और संसाधन व्यक्ति; एक्सटेंडिंग द बाउंडरीज इन मिनिमली इन्वेसिव स्पाइन सर्जरी, डॉ. दीनू भाई पटेल व्याख्यान 2012, एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जन्स ऑफ गुजरात का वार्षिक सम्मेलन अहमदाबाद।

प्रो. राजेश मल्होत्रा को रायल कालेज ऑफ फिजीशियन्स एंड सर्जन्स ऑफ ग्लासगो, यूके, एफआरसीएस (ग्लास.) की फेलोशिप प्रदान की गई; यूनिवर्सिटी ऑफ लूकास – क्रेन्कोन्हास बुंडे, जर्मनी में विजिटिंग प्रोफेसर थे; चेन्नै में आईओएसीओएन 2012 के दौरान – 'ओस्टियोपोरोटिक हिप फ्रैक्चर्स – आरवी हैंडिंग फॉर द डिजास्टर?' पर के. साहा, इपोनीमस (शीर्षक संबंधी) व्याख्यान

दिया, अंतरराष्ट्रीय सहयोग : एमटीयू (मिशीगन टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी) के साथ कम लागत का ऊर्जाक्षम न्यूमेटिक प्रोस्थेटिक नी ज्वाइंट का डिजाइन तैयार किया और यह डिजाइन अनुमोदित हो गया है और अप्रैल 2013 में उपयोग हेतु तैयार है; राष्ट्रीय सहयोग : वृद्धों में ओस्टियोपोरोटिक हिप फ्रैक्चर की रोकथाम हेतु हिप प्रोटेक्टर का डिजाइन तैयार करने में शामिल; 2012 में एम्स में हिन्दी सप्ताह के दौरान हिन्दी वाद–विवाद में तृतीय पुरस्कार जीता; सितंबर 2013 में एम्स, नई दिल्ली में हिंदी सप्ताह के दौरान हिंदी कविता प्रतियोगिता में निर्णायक थे; मस्कुलोस्केलेटल हेल्थ हेतु पंचवर्षीय योजना संबंधी स्वास्थ्य मंत्रालय, नई दिल्ली की समिति के सहयोजित सदस्य थे; समिति द्वारा ऑस्टियोसारकोमा तथा इविंग्स सारकोमा हेतु दिशानिर्देश तैयार करने संबंधी उप समिति के चेयरमेन समिति द्वारा मस्कुलोस्कोलेटल कैंसर हेतु गठित कार्यबल ने सफलतापूर्वक दिशानिर्देश तैयार किए और आईसीएमआर को भेजे; फ्लूरोसिस फाउंडेशन ऑफ इंडिया, सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ न्यूट्रीशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग द्वारा विशेष रूप से पूर्वोत्तर, जनजातीय और दुर्गम क्षेत्रों में रह रही जनसंख्या पर ध्यान केंद्रित करते हुए सेंटर फॉर एक्सीलेंस फॉर फ्लूरोसिस रिसर्च एंड मिटीगेशन आईसीएमआर, नई दिल्ली को भेजे गए रोगों हेतु विशेषज्ञ; इंडियन आर्थोपेडिक एसोसिएशन की गवर्नमेंट रिलेशन्स कमेटी के चेयरमेन; एमबीबीएस के दौरान आर्थोपेडिक प्रशिक्षण में सुधार हेतु आईओए अध्यक्ष द्वारा गठित समिति के चेयरमेन, दिल्ली आर्थोपेडिक एसोसिएशन के कार्यकारी सदस्य; इंडियन सोसायटी फॉर बोन एंड मिनरल रिसर्च में आर्थोपेडिक इनिशिएटिव के संयोजक; इंडियन आर्थोपेडिक एसोसिएशन के कार्यकारी सदस्य और 2011–12 में डीओए के अध्यक्ष थे।

प्रो एच एल नाग एम्स में ऑपरेशन थिएटर असिस्टेंट के पद पर भर्ती हेतु चयन समिति के सदस्य थे; दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल, नई दिल्ली में डीएनबी प्रशिक्षुओं के मध्यावधि मूल्यांकन हेतु राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा नामनिर्दिष्ट किए गए; 2012–13 में स्टाफ काउंसिल के सदस्य थे; एम्स में फैकल्टी, ग्रुप क, ख, ग और घ कर्मचारियों की शारीरिक स्वस्थता की जांच हेतु 3 वर्ष के लिए मेडिकल बोर्ड के सदस्य नामनिर्दिष्ट किए गए; एम्स, आई–आई टी डी ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट फरीदाबाद एम्स में इंटरनेशनल इंस्ट्रूमेंटेशन बायोडिजाइन सेंटर के सदस्य; अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति के सदस्य; पंडित बी डी शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, रोहतक, हरियाणा में फैकल्टी पदों पर भर्ती हेतु चयन समिति में विशेषज्ञ थे; पीएमएसएसवाई द्वारा छह नए एम्स में फैकल्टी के इंटरव्यू हेतु चयन समिति में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किए गए; नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी द्वारा दो वर्ष के लिए थेरेप्टीक यूज एक्सजेंपशन कमेटी हेतु विशेषज्ञ सदस्य; एनआईजीआरआईएमएस, शिलांग में फैकल्टी पदों के साक्षात्कार हेतु स्थायी चयन समिति के सदस्य; सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नति हेतु विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में सदस्य; फार्मासिस्ट के पद पर पदोन्नति हेतु विभागीय पदोन्नति समिति के सदस्य थे।

डॉ. रवि मित्तल ने 2012 में संत परमानंद अस्पताल में छात्रों का डीएनबी मूल्यांकन किया; एपीओएसीओएन 2012 के आयोजक दल के सदस्य थे; 2013 में आईओए में दिल्ली के राज्य प्रतिनिधि थे; दिसंबर 2012 में एम्स में एमएस आर्थोपेडिक्स परीक्षा हेतु आंतरिक परीक्षक थे; जयपुर में सीएएसएम में मुक्त शोधपत्र सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. सी एस यादव ने डीएसटी, भारत सरकार की परियोजनाओं की समीक्षा की; अलीगढ़ में यूपी अर्थोकान 2013 में पीजी गोल्ड मेडल सत्र की निर्णायक थे; बीओए सीओएन – 2013, मुजफ्फरपुर, बिहार में टीएचए पर सम्मेलन – पूर्व कार्यशाला के संयोजक थे।

डॉ. शाह आलम खान इंडियन आर्थोपेडिक एसोसिएशन के संयुक्त सचिव नामनिर्दिष्ट किए गए; इंडियन जर्नल ऑफ आर्थोपेडिक्स के एसोसिएट एडिटर चुने गए; पोनसेटी इंटरनेशनल एसोसिएशन के भारतीय क्षेत्र के फाउंडिंग मेम्बर (संस्थापक सदस्य) चुने गए; द बोन एंड ज्वाइंट जर्नल (पूर्व का जेबीजेएस) के अंतरराष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य चुने गए; जर्नल ऑफ क्लिनिकल रिहैबिलिटेटिव टिश्यू इंजीनियरिंग रिसर्च (चीन) के अंतरराष्ट्रीय संपादक मंडल के सदस्य चुने गए; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् सारकोमा प्रबंधन संबंधी दिशानिर्देश तैयार करने संबंधी कार्यबल के सदस्य नामनिर्दिष्ट किए गए; सारकोमा के समीक्षक सदस्य चुने गए; जर्नल ऑफ आर्थोपेडिक सर्जरी एंड रिसर्च के समीक्षक सदस्य चुने गए।

9.25 कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान, सिर एवं ग्रीवा सर्जरी

आचार्य एवं अध्यक्ष
सुरेश चंद शर्मा

अपर आचार्य
आलोक ठक्कर

सह–आचार्य
राकेश कुमार

सहायक आचार्य
कपिल सिक्का | चिरोम अमित सिंह | हुकम सिंह

विशिष्टताएं

भारत में यह एक श्रेष्ठ विभाग है और इसमें कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान में नवीनतम विशिष्टताओं में विशेषज्ञता को विकसित किया गया है। विभागीय गतिविधियों में पेरानेसल साइनस एवं कपाल आधारित सर्जरी में इंडोस्कोप के उपयोग हेतु एक्सपेंडिग हॉरिजंस सम्मिलित किये गए हैं। विभाग में कपाल आधारित एवं उन्नत इंडोस्कॉपिक साइनस सर्जरी के दौरान नाविगेशन हेतु नाविगेशन प्रणाली भी है। विभाग के संकाय सदस्य मुखीय एवं ओरोफेरीनजियल कैंसर के लिए नियमित रूप से ट्रांसोरल रोबोटिक सर्जरी निष्पादित करता है। इस प्रकार की भारत में यह तकनीक प्रथम है। विभाग में ऑटोलॉजिक निष्पादन एवं न्यूरो – ऑटोलॉजिक ऑपरेशनों में स्नतकोत्तर प्रशिक्षण के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु अत्याधुनिक टेम्पोरल अस्थि उच्छेदन प्रयोगशाला भी स्थापित की गई है। विभाग द्वारा जटिल सिर एवं ग्रीवा त्रुटियों हेतु फ्लैप मुक्त पुनर्गठन माइक्रो – वास्कूलर प्रारंभ किया गया है।

शिक्षा

एम. बी. बी. एस. छात्रों के लिए फोर्मल व्याख्यान छठे और आठवें सत्रों में होते हैं तथा व्याख्यान एक घंटे का होता है। स्नातकपूर्व छात्रों को ओपीडी में और 2 महीने के लिए बारी – बारी से वार्ड में तैनात किया जाता है। यहां उनको मूल ई. एन. टी. जांच सामान्य ई. एन. टी. विकारों का निदान करने के साथ–साथ फेमिलियर बनना सिखाते हैं तथा एलिमेंटरी उपचार सिखाते हुए संप्रेषण दक्षता भी सम्मिलित हैं।

स्नातकोत्तर हेतु, बड़े लक्ष्यों में रोगी उपचार योग्यता, शिक्षण योग्यता, अनुसंधान योग्यता एवं टीम कार्य, सेमिनार / लेख की प्रस्तुति, अनुसंधान लेखन, पहलू रोकथाम, ज्ञानात्मक जानकारी एवं नैदानिक निर्णय लेने की योग्यता तथा उपचार विशेषज्ञता हैं। स्नातकोत्तर छात्र संकाय सदस्यों / वरिष्ठ रेजीडेंट के पर्यवेक्षणाधीन के अतिरिक्त स्वतंत्र रूप से बड़े और छोटे ऑपरेशन निष्पादित करते हैं।

वे बहुत से बड़े ऑपरेशन स्वतंत्र रूप से निष्पादित करने में प्रशिक्षित हैं। प्रशिक्षण के दौरान उनको ऑडियोलॉजी सेक्शन तथा वेस्टिबुलर प्रयोगशाला में एक्स्पोजर सम्मिलित करते हुए ऑरिएंटेशन प्रोग्राम में तैनात किया गया। विभाग भी समय समय पर विभिन्न वर्तमान विषयों पर राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लाभ हेतु कार्यशालाओं एवं सम्मेलनों को आयोजित करता है। विभाग में विभागीय गतिविधियां, विशेष निदानशालाएं, सेमिनारों एवं ऑपरेशन प्रक्रियाओं का अवलोकन के लिए उनके आतिथेय में देश – विदेश से पर्यवेक्षकता के लिए प्रतिनिधियों का स्वागत भी करता है।

विभाग द्वारा आयोजित सी एम ई एवं सम्मेलन

- भारतीय न्यूरो – ऑटोलॉजिकल एवं इक्वलीब्रियोमिट्रिक सोसायटी का 32वां वार्षिक सम्मेलन, 19–21 अप्रैल 2012, इंडिया हेबिटेट सेंटर एवं एम्स, नई दिल्ली।

- भारतीय नाक, कान, गला रोग विज्ञानी एसोसिएशन की मासिक बैठक, ए ओ आई, दिल्ली शाखा, 23 जुलाई 2012, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली।
- श्रवण विज्ञानियों के लिए कोकिलियर इम्प्लांट प्रशिक्षण, 3–6 सितंबर, 2012, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली।
- एम्स टेम्पोरल बोन डिजेक्शन कोर्स, 6–7 अक्तूबर, 2012, एम्स, नई दिल्ली।
- डॉ. जी. एस. कालरा, आचार्य एवं अध्यक्ष, प्लास्टिक सर्जरी विभाग, एस. एम. एस. मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा अतिथि व्याख्यान तथा प्लास्टिक सर्जिकल प्रक्रियाओं का सर्जिकल प्रदर्शन (फ्लैप मुक्त पुनर्गठन एवं रिनोप्लास्टी) (अतिथि परामर्शदाता 5 से 9 फरवरी, 2013 तक।
- एम्स हैण्ड्स ऑन कैडेवेरिक रिहनोप्लास्टी डिजेक्शन कोर्स – 2013; 10 मार्च, 2013

सी. एम. ई. एस. राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

एस. सी. शर्मा : 5 आलोक ठक्कर : 16 राकेश कुमार : 5 कपिल सिक्का : 8
चिरोम अमित सिंह : 4

प्रस्तुत किये गए मौखिक पत्र / पोस्टर्स : 11

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. श्वसनीय पेपिलोमेटोसिस की पुनरावृत्ति में घटती गंभीरता एवं घटती हुई सर्जिकल पुनरावृत्ति के बाद होम्योपैथिक मेडिकेशन थुजा (आर्बोर विटे) के साथ एडजुवेंट उपचार की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए डबल ब्लाईंड, प्लेसिबो नियंत्रित, यादृच्छिक नियंत्रित जांच। आलोक ठक्कर, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 50 लाख रुपये लगभग।
2. मुखीय स्कुआमस कोशिका कैंसर की उच्छेदन योग्य तीसरी और चौथी अवस्था में कुरकुमिन की दूसरी / तीसरी चरण की यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित नैदानिक जांच / आलोक ठक्कर। डीबीटी, 5 वर्ष 2008–13, 71 लाख रुपये।
3. मानव स्वास्थ्य पर गैर – आयोनाइजिंग इलैक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड का प्रभाव : ऑडिटरी और वेस्टिबुलर सिस्टम पर प्रभाव। राकेश कुमार। आईसीएमआर, 5 वर्ष, 50 लाख रुपये।
4. चिरकारी रिहनोसिनुसिटिस के रोगियों में इंटरानेसल कोर्टिकोस्टेरॉयड स्प्रे वाले मेक्रोलिड बनाम इंटरानेसल कोर्टिकोस्टेरॉयड स्प्रे वाले मोनोथिरेपी की कम खुराक का दीर्घावधि उपयोग का प्रभाव। राकेश कुमार आईसीएमआर, 3 वर्ष, 25 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. चिरकारी टिन्नीटस रोगियों में आरटीएमएस थिरेपी।
2. एक तरफा वी सी लकवा से पीड़ित रोगियों में ऑटोलोगस फेट के इंटराकोर्डल इंजेक्शन के पहले और बाद की वॉयस का मूल्यांकन।
3. टाइटेनियम और हाइड्रोक्सिल – एपेटाइट प्रोस्थेसिस के उपयोग से टाइमपेनो–प्लोस्टि के परिणाम की तुलना।
4. मुख लकवा में ऊपरी आईलिड गोल्ड वेट प्रतिरोपण की दीर्घावधि तथा अल्पावधि परिणाम।
5. सामान्य और विकृति विज्ञानी कान के अंदर का सीटी माप।
6. ओएसएएस के उपचार में नेसल, ओरोफेरिनजियल, प्लेटल अथवा रिटरो–ग्लोसल की उन्नत सर्जरी द्वारा निर्दिष्ट शल्यक उपचार स्थान का निर्धारण।
7. सालिवरी ग्लैंड विकृति विज्ञान वाले रोगियों में क्लिनिकल एवं रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल तथा सैलेंडोस्कॉपी की भूमिका का मूल्यांकन।
8. मुख केविटी कैंसर तथा इसके नैदानिक महत्व में पोडोप्लेनिन अभिव्यक्ति
9. ट्रामेटिक एवं इंटरोजिनिक मुखीय तंत्रिका पाल्सी वाले रोगियों में मेडिकल एवं सर्जिकल उपचार की इंजुरी पैटर्न और परिणामों का मूल्यांकन।

जारी

1. मुख केविटी स्क्वामस कौशिका कर्कट रोग में सीरम वीईजीएफ तथा इसके क्लिनिको पैथिलॉजिकल सह संबंध का अध्ययन
2. पीएनएस सर्जरी में इमेज मार्गदर्शन की भूमिका : एक तुलनात्मक अध्ययन
3. पूर्ण एक तरफा वेस्टिबुलर क्षति वाले सामान्य व्यक्तियों एवं रोगियों में ओटोलिथ तथा सेमिसर्कुलर केनाल फंक्शन टेस्ट की नार्मेटिव और पैथोलॉजिकल रेंज।
4. रिहनोप्लास्टि करवाने वाले रोगियों का क्लिनिकोसाइकोलॉजिकल प्रभाव
5. टी1 – टी3 सीए मध्य एक तिहाई जिह्वा और ओरोफेरींक्स के उपचार में ट्रांसोरल रोबोटिक सर्जरी का उपयोग।
6. ट्रांसोरल रोबोटिक सर्जरी – इंटराऑपरेटिव कठिनाई, विकार निकासी तथा कार्यात्मक परिणामों का मूल्यांकन।
7. ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन का ऑडियो वेस्टिबुलर प्रभाव
8. मुख केविटी के कैंसरस क्षति पूर्व एवं कैंसर में विभिन्न जोखिम घटकों के एसोसिएशन का मूल्यांकन करना।
9. इंटराक्रेनियल प्रैसर पर व्यापक ग्रीवा उच्छेदन के दौरान आईजेवी लिगेशन का प्रभाव।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. भारत अमेरिका संयुक्त परियोजना हेतु ''सिर एवं ग्रीवा कैंसर में नेनो – मेडिसिन हेतु श्रेष्ठ केंद्र'' 2012 उत्तर पूर्वी विश्वविद्यालय तथा हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, अमेरिका, सीएसआईआर, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, भारतीय विष अनुसंधान संस्थान, लखनऊ और एम्स, नई दिल्ली सहित, आचार्य एस. सी. शर्मा।
2. भारत में ''क्लेफ्ट लिप और प्लेट अनियमितता विषय पर इंडि–क्लेफ्ट परियोजना : क्लिनिकल प्रोफाइल, जोखिम घटक एवं उपचार का करंट स्टेटस – एक बहु – केंद्रीक अस्पताल आधारित अध्ययन'', एस. सी. शर्मा, आईसीएमआर परियोजना।
3. भारतीय ग्रामीण जनसंख्या में कॉनजेनिटल साइटोमेगालोवायरस संक्रमण एवं श्रवण क्षति (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
4. नैदानिक विश्लेषण में ट्रांसलेटिंग सिर एवं ग्रीवा कैंसर मार्कर। इंडो–कनेडियन संयुक्त परियोजना (जैव रसायन)।
5. मुख कार्सिनोजिनेसिस में ट्रांसलेशन या डिरेगुलेटिड इनिशिएशन (जैवरसायन) आयु संबद्ध आकृति मूलक और मानव कोकिलियर न्यूक्लियस का एक स्टिरियोलॉजिकल अध्ययन। ए. ठक्कर, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद।

पूर्ण

1. प्रभावोत्पादकता, सुरक्षा एवं नियोवास्कूलर ऐज–रिलेटिड मेक्यूलर डिजिनरेशन (एएमडी) वाले रोगियों में इंटरा – विटरीयल वीईजीएफ ट्रेप–आई की दोहराई गई खुराकों की टोलरेब्लिटी का एक यादृच्छिक, डबल मास्कड, एक्टिव नियंत्रित चरण –3 अध्ययन (नेत्र रोग विज्ञान)।
2. थायरॉयडिक्टॉमी का विस्तार : भेद किये गए थायरॉयड कैंसर की चिकित्सा में टोटल वेर्सिस नियर टोटल थायरॉयडिक्टॉमी : एक यादृच्छिक नियंत्रित जांच (सर्जरी)।

प्रकाशन :

पत्रिकाएं : 13 **सार : 1** **पुस्तक में अध्याय : 1**

रोगी उपचार

अंतः रोगी उपचार / सूचना संबंधी सहायक गतिविधियां सम्मिलित : (क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष निदानशालाएं और / अथवा विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं सम्मिलित हैं (ख) सामुदायिक सेवाएं / शिविर आदि।

ऑपरेशन किये गये रोगियों की संख्या

बड़े ऑपरेशन : 2506 छोटे ऑपरेशन : 1681 लघु ओ. टी. ऑपरेशन : 32,634

ओ. पी. डी. में देखे गए रोगियों की संख्या

नये रोगी : 42526 पुराने पंजीकरण : 44568

वार्ड और लघु दाखिले की कुल संख्या : 4588

विशेष निदानशाला

वर्टिगो	145	ऑडियोलॉजी और स्कल बेस क्लिनिक	159
रिहनोलॉजी	105	आरयूएएस वाक् एवं श्रवण	3138 और 2168, क्रमशः
वाणी	1738		

अर्बुद क्लिनिक (सिर और ग्रीवा क्लिनिक बी)

पुराने रोगी : 4162 नये रोगी : 1004 कुल : 5166

सामुदायिक सेवा क्लिनिक

सामुदायिक अस्पताल, बल्लभगढ़ में दो बार साप्ताहिक क्लिनिक।
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, गुड़गांव में साप्ताहिक क्लिनिक।
आईआईटी दिल्ली में सामुदायिक अस्पताल में साप्ताहिक क्लिनिक।

विभाग आऊटरीच ओ. पी. डी. झज्जर में दैनिक ओ. पी. डी. सेवाएं प्रदान करता है। आगे सेवाओं में सुधार करने के लिए संकाय सदस्य को झज्जर में भी और बल्लभगढ़ में भी सप्ताह में एक बार तैनात किया गया है।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य एस. सी. शर्मा द्वारा डॉ. अबीर लाल मुखर्जी व्याख्यान, मिड ए ओ आई सी ओ एन, चंदन नगर, पश्चिम बंगाल में प्रदान किया गया; शेर – ए – कश्मीर शेख मोहम्मद अब्दुला व्याख्यान पुरस्कार 2011, प्रदान किया गया; 1 अक्तूबर, 2012, एस एम एस मेडिकल कॉलेज, जयपुर; प्रो. वाई. एन. मेहरा व्याख्यान दिया, पी जी आई एम ई आर चण्डीगढ़, 30 नवंबर 2012; बाह्य परीक्षक, आयुर्विज्ञान संस्थान काठमाण्डू, नेपाल; आई एन ओ एस ए मार्गदर्शन 2013 के सर्जिकल उपचार मार्गदर्शन फॉर्मूलेशन के अध्यक्ष (इंडियन इनिशिएटिव ऑन ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एप्निया गाइडलाइन्स); ''सिर एवं ग्रीवा कैंसर में सूक्ष्मदर्शी लेजर सर्जरी का भूमिका'' विषय पर सत्र की अध्यक्षता की, आई एफ एन ओ एस 2012 विश्व भ्रमण और एफ एच एन ओ एस की वार्षिक बैठक 11–14 अक्तूबर 2012 अहमदाबाद।

डॉ. आलोक ठक्कर द्वारा तीसरा लक्ष्मी प्रसाद नारायण मेमोरियल व्याख्यान दिया, नेपाल के नाक, कान एवं गला रोग विज्ञानी सोसायटी की वार्षिक बैठक तथा एम. एल. भाटिया अतिथि व्याख्यान, भारतीय नाक, कान एवं गला रोग विज्ञानी एसोसिएशन की उत्तर प्रदेश राज्य बैठक, न्यूरो – ओटोलॉजिकल और भारतीय इक्वलिबिरियोमीट्रिक सोसायटी की अध्यक्ष के रूप में सेवा की, 2011–12 तथा दिल्ली में अप्रैल 2012 में इसकी वार्षिक बैठक में अध्यक्ष बने थे; भारतीय स्कल बेस सोसायटी के अवैतनिक खजांची चुने गए; एम्स सोनियन्स की कार्यकारी समिति में सेवा की; ई. एन. टी. मास्टर क्लास (यू.के.) की संपादकीय बोर्ड में, नाक कान एवं गला रोग विज्ञानी (यू.के.) नाक, कान एवं गला विज्ञान क्लिनिक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, भारतीय ऑटोलॉजी (भारतीय ओटोलॉजी सोसायटी की पत्रिका) तथा भारतीय ओटोलॉजी पत्रिका; (1) जिह्वा कैंसर के उपचार में राष्ट्रीय मार्गदर्शन (2) लरींक्स और हाइपोफेरीक्स कैंसर के उपचार में राष्ट्रीय मार्गदर्शन तथा (3) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के तत्त्वाधान में ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया में राष्ट्रीय मार्गदर्शन के विकास के विशेषज्ञ सदस्य; सदस्य, डीबीटी विशेषज्ञ समूह बैठक और कैंसर थिरेपी में नेनोटेक्नोलॉजी के उपयोग में ब्रेन स्टोर्मिंग, मार्च 2013; प्रशिक्षक, उन्नत लरिंजियल और हाइपोफेरिंयजियल कैंसर के लिए ट्रांस ओरल लेजर माइक्रो सर्जरी, इंस्ट्रक्शनल कोर्स, ओटोलरिंगोलॉजी में 14वां ब्रिटिश एकेडेमिक सम्मेलन, 4–6 जुलाई 2012, ग्लास गोव, यू. के.

डॉ. राकेश कुमार डीआईटी भारत सरकार की देशी डिजिटल श्रवण मशीन (हियरिंग ऐड) परियोजना समिति के विशेषज्ञ सदस्य थे; भारत में ईएनटी उपकरणों के मानकों की बीआईएस देखभाल समिति के सह–सदस्य; कुटेनियस और एस्थेटिक सर्जरी की पत्रिका तथा लरिंगोलॉजी एवं वायस की पत्रिका हेतु समीक्षक बने। टेम्पोरल बोन डिजेक्शन कोर्स तथा हैण्ड्स ऑन केडेविरिक रिनोप्लास्टी का आयोजन किया गया; डिजेक्शन कोर्स, अ.भा.आ.सं.; पंजाब विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के परीक्षक बने।

डॉ. कपिल सिक्का बहरापन की राष्ट्रीय रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम हेतु अ.भा.आ.सं. के नोडल अधिकारी हैं; भारतीय ऑटोलॉजी पत्रिका के संपादक और संपादकीय बोर्ड के सदस्य एवं पत्रिका हेतु समीक्षक बने; भारतीय ऑटोलरिंगोलॉजी, हैड एंड नैक सर्जरी पत्रिका के समीक्षक; आयोजन सह–सचिव, भारतीय न्यूरो ऑटोलॉजिक एवं इक्वलिबिरियोमिट्रिक सोसायटी के 32वें वार्षिक सम्मेलन, एम्स टेम्पोरल बोन डिजेक्शन कोर्स और एम्स हैण्ड्स ऑन कैडेविरिक रिनोप्लास्टि डिजेक्शन कोर्स विभाग द्वारा आयोजित किये गए।

9.26 बाल चिकित्सा विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

विनोद के. पाल
(नवजात विज्ञान)

आचार्य

एम.के. भान
(जठरांत्र विज्ञान, हिपेटोलॉजी और पोषण प्रतिनियुक्ति पर)

अशोक के. देवरारी
(नवजात विज्ञान)

सुशील के. काबरा
(पल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार, तपेदिक तथा रुमेटोलॉजी)

अरविंद बग्गा
(वृक्कविज्ञान)

मधुलिका काबरा
(आनुवंशिकी)

अपर आचार्य

पंकज हरी
वृक्कविज्ञान

शैफाली गुलाटी
तंत्रिका विज्ञान

सह आचार्य

रमेश अग्रवाल
नवजात विज्ञान

रचना सेठ
अर्बुद विज्ञान

वंदना जैन
अंतःस्राविकी विज्ञान

राकेश लोधा
(पुल्मोनोलॉजी एवं सघन उपचार तपेदिक एवं रुमेटोलॉजी)

वैज्ञानिक

शिंजनी भटनागर (प्रतिनियुक्ति पर)
मधुमिता रॉय चौधरी

प्रतिमा रे
मंजू सक्सेना

नैदानिक मनोवैज्ञानिक
सविता सपरा

आहार विज्ञानी
अनुजा अग्रवाला

भौतिक चिकित्सा विज्ञानी
सुमिता गुप्ता

चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी
डी. यादव

उपलब्धियां

- जीवन – समर्थक और अन्य विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए वार्ड में उच्च निर्भरता इकाई (एचडीयू) शुरू की गई। एचडीयू के नर्सिंग स्टाफ को अपेक्षित कौशलों के बारे में व्यवस्थित प्रशिक्षण दिया गया। एचडीयू में रेजीडेन्ट्स की एक टीम भी नियुक्त की गई है।

- डॉक्टरों और नर्सों के लिए एक प्रतिक्रियात्मक नवजात स्वास्थ्य (शीर्ष पर) संबंधी ऑनलाइन अधिगम कार्यक्रम विकसित किया गया। 5 देशों में कुल 1500 प्रतिभागियों ने इस पाठ्यक्रम को किया।

- स्मार्ट फोनों में छोटे अस्पतालों में कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए देखभाल के उपकरण के रूप में रुग्ण नवजात की सहायतार्थ आईओएस सिस्टम में (रुग्ण नवजात के रूप में आईट्यून से डाउनलोड करें) और एंड्रायड गूगल प्ले (एम्स डब्ल्यू एच ओ सी सी एस टी पी के रूप में डाउनलोड करें) एप्लीकेशन तैयार किए गए।

- विश्व स्वास्थ्य संगठन के दो प्रतिष्ठित सहायता केंद्रों नामत : डब्ल्यू एच ओ कोलेबोरेटिंग सेंटर फॉर ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च इन न्यूबॉर्न केयर और डब्ल्यू एच ओ कोलेबोरेटिंग सेंटर फॉर क्लिनिकल एण्ड लेबोरेटरी जेनेटिक्स की मेजबानी की।

- विभाग के आई सी एम आर सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च इन न्यूबॉर्न हेल्थ ने एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोधता का व्यापक विवरण तैयार किया।

- बहुत से उच्च प्राथमिकता क्षेत्रों में बेंच – टू – बेड संबंधी नए अध्ययनों को शुरू कर ट्रांसलेशनल अनुसंधान में अंतर – शाखीय कार्यक्रम को गहन बनाया गया।

- विभाग द्वारा विकसित रोटावायरस टीके ने तीसरे चरण के परीक्षण पूरे कर लिए और इसे बच्चों में डायरिया की निवारक रोकथाम में प्रभावी पाया गया।

- सिलिएक रोग के निदान हेतु एलाइसा (ई एल आई एस ए) आधारित देसी किट उद्योग को अंतरित किए जाने के चरण में है।

- वैज्ञानिक चर्चाओं हेतु मंच के रूप में पी एच डी स्कॉलरों और वैज्ञानिकों का एक बाल विज्ञान समूह बनाया गया।

- महत्वपूर्ण बाल विकारों के 12 विषयों पर रोगी शिक्षा सामग्री (बुकलेट पैमफ्लेट) तैयार किए गए और बांटे गए।

- रोगी देखभाल में महत्वपूर्ण सुधार करते हुए थोड़े थोड़े अंतर के साथ बाह्य आंतरिक रोगी विभाग में स्पेशियलिटी आधारित प्रणाली को सरल बनाया गया और बाल विज्ञान की विशेषज्ञताओं के अनुसार सीनियर रेजीडेंसी प्रोग्राम को पुनर्गठित किया गया।

शिक्षा

स्नातकपूर्व,

विभाग में एम बी बी एस के छात्रों को पढ़ाया जाता है। यहां पर प्रैक्टिकल एजुकेशन कार्यक्रम चलाया जाता है जिसमें बेडसाइड सेशन, कक्षाएं और नवजात पुनरुज्जीवन कार्यशालाएं शामिल हैं। इसमें बालक की वृद्धि, विकास और आहार पर बल दिया जाता है। नियोनेटोलॉजी कक्षा के अधिकांश व्याख्यान एम्स में उपयोग हेतु भारत और विश्व भर में वेबिनार के रूप में www.newbornwhocc.org पर उपलब्ध हैं।

स्नातकोत्तर

विभाग ने एम डी छात्रों के लिए एक व्यापक शिक्षण कार्यक्रम चलाया जिसमें दैनिक शिक्षण सत्र, वेबसाइट शिक्षण, क्लिनिक आधारित शिक्षण, नए रेजीडेंट के लिए प्रबोधन कार्यक्रम, संगोष्ठियां और लघु कार्यशालाएं शामिल थी। नेफ्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी, नियोनेटोलॉजी, पल्मोनोलॉजी और इंटेंसिव केयर में प्रत्येक सप्ताह स्पेशियलिटी आधारित शिक्षण सत्र आयोजित किए जाते हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में लॉग बुक अनुरक्षित की जाती हैं और नियमित रूप से आकलन किया जाता है। इसके साथ – साथ, नए बैच के लिए नैदानिक विधियों में आकलन किया जाता है जिसमें पास अंक 70 प्रतिशत हैं। विभाग ने इस वर्ष निम्नलिखित विशिष्ट संगोष्ठियां आयोजित की : 'एंटीबायोटिक थेरेपी इन चिल्ड्रेन', और कटिंग एज एडवांसेज इन पीडिएट्रिक थेरेप्टिक्स, अप्रैल 2012।

पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के लिए निम्नलिखित विशेष शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए – 1. 'यौन विकास संबंधी विकार' लघु संगोष्ठी जिसमें एंडोक्राइन और पीडिएट्रिक सर्जरी विभाग ने भाग लिया, 2. 'नियोनेटल वेंटीलेशन और 3. 'पीडिएट्रिक ओंकोलॉजी में व्यावहारिक मुद्दे' पर लघु संगोष्ठी।

विभाग के संकाय द्वारा बायोटेक्नोलॉजी विभाग के पी एच डी छात्रों और एम एस सी छात्रों को पढ़ाने का कार्य भी किया जाता है।

परा चिकित्सा

विभाग में बी एस सी और एम एस सी नर्सिंग के छात्रों को नियमित रूप से पढ़ाया जाता है। संकाय सदस्य एम एस सी छात्रों पीडिएट्रिक्स नर्सिंग को व्याख्यान देते हैं और उनकी थीसिस में उनका मार्गदर्शन करते हैं। हमने नर्सों के लिए 'संक्रमण नियंत्रण' पर कार्यशाला का आयोजन किया।

बाल तंत्रिका विज्ञान एवं नवजात विज्ञान में डी एम कार्यक्रम

प्रत्येक वर्ष 8 डी एम छात्रों को दाखिला दिया जाता है। डी एम शिक्षण कार्यक्रमों में संबंधित विशेषज्ञताओं में भावी विशेषज्ञ तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। डी एम कार्यक्रम में नैदानिक देखभाल, शिक्षण, अनुसंधान और जन स्वास्थ्य पर बल दिया जाता है। छात्र अनुसंधान विधियों, क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी में प्रशिक्षण दिया जाता है और शिक्षण अनुभव दिया जाता है।

पी एच डी कार्यक्रम

विभाग संस्थान में सर्वाधिक व्यापक पी एच डी कार्यक्रम चलाता है। इस वर्ष विभाग के विभिन्न प्रभागों में कुल 22 छात्रों ने पी एच डी कार्यक्रमों में नामांकन कराया। हम विशेष पत्रिका क्लब चलाने के साथ – साथ एक औपचारिक फाउंडेशन कोर्स भी करते हैं। इस वर्ष छात्रों और वैज्ञानिकों का एक जीवंत पीडिएट्रिक विज्ञान समूह गठित किया गया।

लघु अवधि तथा दीर्घ अवधि प्रशिक्षु (59)

नियोनेटोलॉजी (24), न्यूरोलॉजी (3), जेनेटिक्स (19), पल्मोनोलॉजी (2), नेफ्रोलॉजी (6) और मेडिकल छात्र (4)

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

अंतःस्राविकी विज्ञान

- भ्रूण विकास प्रतिबंधित करने संबंधी विज्ञान। जन्म संबंधी जीव विज्ञान : समय पूर्व जन्म, भ्रूण विकास को प्रतिबंधित करना और मृत शिशु का जन्म में अनुसंधान हेतु संकल्पनात्मक रूपरेखा का विकास करने हेतु डी बी टी की बैठक, 23 अप्रैल 2012, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

- डी बी टी / गेट्स फाउंडेशन, ट्रांसलेशनल रिसर्च मीटिंग, भ्रूण विकास को प्रतिबंधित करने और इसके परिणामों के क्षेत्र में अनुसंधान कार्यसूची 24 मई 2012 नई दिल्ली।

- शैशवकालीन डायबिटीज, बच्चों में डायबिटीज कीटोएसिडोसिस का प्रबंधन पर आई एस पी ए ई, सी एम ई, 4 – 5 नवंबर 2012, एम्स, नई दिल्ली।

- सी ए एच में एंडोक्राइनोलॉजी और प्रबंधन संबंधी मुद्दे, सेक्स विकास के विकारों पर चर्चा सत्र, इण्डियन सोसाइटी फॉर पीडिएट्रिक यूरोलॉजी और एशिएटिक सोसाइटी फॉर पीडिएट्रिक यूरोलॉजी, 15 दिसंबर 2012, एम्स, नई दिल्ली।

नवजात विज्ञान

- डब्ल्यू एच ओ सी सी एम्स ने आई ए एन एन के सहयोग से देश में नर्सिंग प्रोफेशनल्स की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं को साझा करने हेतु सहयोगियों के लिए 29 – 30 को इंडो कैनेडियन शास्त्री ग्रांट और डब्ल्यू एच ओ एस ई ए आर ओ की सहायता से एक कार्यशाला का आयोजन किया।

- आई सी एम आर एडवांस्ड सेंटर फॉर न्यूबॉर्न हेल्थ रिसर्च की सहायता से 21 – 24 मार्च 2013 को बंगलौर में अनुसंधान क्षमता का उन्नयन पर 5वीं संकाय विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- पीडिएट्रिक्स (बाल रोग विज्ञान) विभाग द्वारा दो पाठ्यक्रम शुरू किए गए और इसमें ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (www.ontop-in.org पर संपर्क किया जा सकता है) के उपयोग द्वारा सहयोगी संस्थानों में कौशल अधिगम सहित अनिवार्य नवजात देखभाल (ईएनसी) और रुग्ण नवजात देखभाल पाठ्यक्रम में विभिन्न पाठ्यक्रमों में लगभग 1500 छात्रों और डॉक्टरों ने नामांकन कराया। ये पाठ्यक्रम मालदीव, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल, पाकिस्तान, मॉरीशस और भारत में उपलब्ध हैं।

- एन एन एफ त्रिपुरा राज्य शाखा, अगरतला में 21 – 22 जुलाई, 2012 और एन एन एफ पश्चिम बंगाल शाखा, कलकत्ता में 4 – 5 अक्तूबर 2012 को समन्वित कार्यशालाएं आयोजित की गई।

- राज्य राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन हेतु 20 – 23 सितंबर 2012 को औरंगाबाद में, 25 – 27 फरवरी 2013 को कलकत्ता, पश्चिम बंगाल में नियोनेटल वेंटिलेशन कार्यशालाएं आयोजित की गई।

- 7 अप्रैल 2012 को गुवाहाटी, असम में, 11 मई 2012 को भुवनेश्वर, ओडिशा में और 2 मार्च 2012 को पुणे में सी पी ए पी कार्यशालाएं आयोजित की गई।

- वेंटिलेशन वर्कशॉप, राज नियोकॉन, जयपुर, 4 – 6 अक्तूबर 2013

वृक्क विज्ञान

- इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी – कॉमगेन (सी ओ एम जी ए एन), के सहयोग से पीडिएट्रिक नेफ्रोलॉजी में छठा वार्षिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, एम्स, नई दिल्ली, 9 –10 फरवरी 2013।

- 23 मार्च 2013 को 'कम्प्लीमेंट मीडिएटेड किडनी डिजीज' पर अपडेट।

पल्मोनोलॉजी एवं सघन उपचार

- 5वां के सी चौधरी व्याख्यान, आई जे पी, कम्पीटीटिव क्लिनिकल ग्रांड राउंड और सर्वोत्तम थीसिस पुरस्कार, एम्स, 9 सितंबर 2012।

- आई ए पी रेस्पिरेंटरी दिल्ली क्षेत्र की बैठक, 2.2.2013, एम्स, नई दिल्ली।

- स्लीप डिसऑर्डर्ड ब्रीदिंग सिम्पोज़ियम, 7 जनवरी 2013, एम्स, नई दिल्ली।

रोगी शिक्षा कार्यक्रम

आनुवंशिकी

- रेट सिंड्रोम हेतु अभिभावक बैठक, 20 अक्तूबर 2012, एम्स, नई दिल्ली

- गोचर रोग दिवस, 15 मई 2012, एम्स, नई दिल्ली

तंत्रिका विज्ञान

- माता–पिता के लिए आत्म विमोह जागरूकता अभियान, 26 अप्रैल 2011, एम्स, नई दिल्ली

वृक्क विज्ञान

- विश्व गुर्दा रोग के अवसर, 17 अप्रैल 2013 पर "न्यूट्रिशन इन क्रोनिक किडनी डिजीज" पर रोगी और माता पिता शिक्षा पर बातचीत।

अर्बुद विज्ञान

- बाल्यावस्था कैंसर जागरूकता सम्मेलन : बाल्यावस्था कैंसर में माता–पिता शिक्षा कार्यक्रम, अप्रैल 2013, एम्स
- बाल्यावस्था कैंसर दिवस का आयोजन 10 नवंबर 2012 को जेएलएन ऑडिटोरियम में किया गया : इसमें सार्वजनिक पैनल चर्चा, बाल्यावस्था कैंसर पर एक प्रदर्शनी, प्रस्तावित सेवाएं, गैर सरकारी संगठन इंटरफेस और अनुभव बांटना तथा प्रेस सम्मेलन शामिल है।

पल्मोनोलॉजी एवं सघन उपचार

- माता – पिता के लिए सिस्टिक फिब्रोसिस पर शिक्षा कार्यक्रम, 24 फरवरी 2013

व्याख्यान प्रदत्त

वी के पॉल : 20	**ए के देवरारी : 6**	**अरविंद बग्गा : 11**	**एस के काबरा : 31**
मधुलिका काबरा : 22	**पंकज हरी : 4**	**शैफाली गुलाटी : 13**	**रमेश अग्रवाल : 4**
रचना सेठ : 3	**वंदना जैन : 4**	**राकेश लोधा : 12**	**मधुमिता रॉय चौधरी : 1**
नीरजा गुप्ता : 10	**रश्मि शुक्ला : 1**	**सविता सप्रा : 2**	

मौखिक पेपर / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 43

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. ग्लू अनुदान परियोजना, 'शिशु स्वास्थ्य में रूपांतरण स्वास्थ्य अनुसंधान हेतु दीर्घ अवधि साझीदार विकसित करना', विनोद के पॉल, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2010–15, 4 करोड़ रुपए।
2. एडिपोसिटी और जैव रासायनिक मार्करों के साथ जुड़े हृदय चयापचय जोखिम की प्रोग्रामिंग पर आरंभिक शिशु अवस्था में वसा पिण्ड में वृद्धि की भूमिका। वंदना जैन, डीबीटी, 2012–13, 69 लाख रुपये।
3. भारतीय अधिक वजन वाले किशोर में गैर एल्कोहलिक वसा यकृत रोग में संवेदनशीलता के निर्धारण के लिए आनुवंशिक बहुरूपता, क्लीनिकल और जैव रासायनिक पैरामीटरों का प्रभाव। वंदना जैन, आईसीएमआर 2012–13, 48 लाख रुपये।
4. इडियोपैथिक छोटी काठी वाले बच्चों में जीएचआर जीन उत्परिवर्तन। वंदना जैन, एम्स, 2011–12, 1 लाख रुपये।
5. उत्तर भारत में हिन तानिका शोध सेंटीनल निगरानी। शिंजनी भटनागर जॉन्स हॉपकिन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, यूएसए और इंक्लेन, 2008–12, 1.96 करोड़ रुपए।
6. सिलियक रोग के निदान के लिए शीघ्र नैदानिक जांच का विकास। शिंजनी भटनागर, डी बी टी, 2010–14, 1.29 करोड़ रुपए।
7. अखिल भारतीय अयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में राष्ट्रीय अस्पताल आधारित रोटा वायरस निगरानी नेटवर्क। प्रतिमा रे, आईसीएमआर, 2013–17, 1.03 करोड़ रुपये।
8. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और ट्रांसलेशनल हैल्थ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट के बीच बायोडिजाइन और पात्रे नैदानिकी के लिए राष्ट्रीय गठबंधन कार्यक्रम। प्रतिमा रे, डीबीटी, 2010–15, 1.1 करोड़ रुपये।
9. बच्चों और बड़ों में चिकनगुनिया संक्रमण का मूल्यांकन। प्रतिमा रे, डीबीटी, 2010–15, 1.43 करोड़ रुपये।

10. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में दाखिल डायरिया से प्रभावित बच्चों और अस्पताल में जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं में संक्रामक रोटावायरस विभेदों का आण्विक लाक्षणीकरण। प्रतिमा रे, आईसीएमआर, 2009–12, 33.7 लाख़ रुपये।
11. जन्मजात हाइपोथायरॉइडिज्म एवं जन्मजात एड्रेनल हाइपरप्लेसिया हेतु नवजात जांच – एक बहुकेंद्रीय अध्ययन, मधुलिका काबरा, आई सी एम आर, 2009–13, 20 लाख रुपए।
12. टाइप 1 गोचर रोग वाले रोगियों में जीन एक्टिवेटिड आर ह्यूमन ग्लुकोसेरेब्रोसिडेस (जी ए जी सी बी) एंजाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी का ओपन लेबल विस्तार अध्ययन, शादर ह्यूमन जेनेटिक थेरेपिज़, यू एस ए। मधुलिका काबरा, 2010–12, 15 लाख रुपए।
13. मृतजात के आनुवांशिक मूल्यांकन में एर्रे आधारित तुलनात्मक हाइब्रिडाइजेशन (एरे सी पी एच) का क्लिनिकल अनुप्रयोग। मधुलिका काबरा, डी बी टी, 2012–14, 85 लाख रुपए।
14. डॉउन सिंड्रोम के गैर इंवेसिव जन्मपूर्व निदान के लिए मैटर्नल सर्कुलेशन में मानव क्रोमोजोम – 21 डिराइव्ड एम आई आर एन ए, मधुलिका काबरा, डी बी टी, 2012–13, 18 लाख रुपए।
15. ट्यूबेरस स्क्लेरोसिस वाले भारतीय रोगियों में आण्विक आनुवंशिक अध्ययन। मधुलिका काबरा, आईसीएमआर, 2013–15, 50 लाख रुपये।
16. भारतीय रोगियों में माइटोकॉन्ड्रियल इंसिफेलोमाइलोपैथिज के लिए विस्तृत पहुंच। मधुमिता रॉय चौधरी, एम्स, 2012–14, 5 लाख रुपए प्रति वर्ष।
17. रिएल टाइम पी सी आर का प्रयोग करके आइडियोपेथिक मानसिक मंदन वाले बच्चों में सब्टेलोमेरिक असंतुलनताओं का अध्ययन। मधुमिता रॉय चौधरी, आई सी एम आर, 2011–13, विद्यार्थी का वेतन प्लस 20,000 रुपए आकस्मिक व्यय प्रति वर्ष।
18. सामान्य ऑर्गेनिक एसिड्यूरिएस वाले भारतीय रोगियों के उत्परिवर्तन प्रोफाइल का अध्ययन करना। मधुलिका काबरा, आई सी एम आर अध्येतावृत्ति, 2011–13, विद्यार्थी का वेतन प्लस 20,000 रुपए आकस्मिक व्यय प्रति वर्ष।
19. एम पी एस आई आई वाले भारतीय रोगियों में आण्विक आनुवांशिक अध्ययन। मधुलिका काबरा, आई सी एम आर अध्येतावृत्ति, 2012–12, विद्यार्थी का वेतन प्लस 20,000 रुपए। आकस्मिक व्यय प्रति वर्ष।
20. क्लासिकल रेट सिंड्रोम रोगियों के फिनोटाइप पर एम ई सी पी 2 जीनोटाइप, एक्स क्रोमोजोम इंएक्टिवेशन पैटर्न एवं सामान्य बी डी एन एफ पोलीमोर्फिज्म का प्रभाव। मधुलिका काबरा, आई सी एम आर अध्येतावृत्ति, विद्यार्थी का वेतन प्लस 20,000 रुपए। आकस्मिक व्यय प्रति वर्ष।
21. इक्टोडर्मल डिस्प्लेसिया वाले भारतीय रोगियों में आण्विक आनुवांशिक अध्ययन। मधुलिका काबरा, आई सी एम आर, 2012–14, विद्यार्थी का वेतन प्लस 20,000 रुपए। आकस्मिक व्यय प्रति वर्ष।
22. नवजात स्वास्थ्य में उन्नत अनुसंधान के लिए केंद्र (अनसुंधान और क्षमता निर्माण गतिविधियां)। विनोद के पाल एवं अशोक देवरारी, आई सी एम आर, 2010–15, 9.5 करोड़ रुपए।
23. भारत में नवजात देखभाल पर आधारित सुविधा में योगदान के लिए नर्सिंग व्यावसायिकों हेतु प्रशिक्षण की जरूरतों का विश्लेषण। अशोक देवरारी, इंडो कैनेडियन शास्त्री फाउण्डेशन और डब्ल्यूएचओ–एसईएसआरओ 3 माह के लिए, 4 लाख रुपये + 8,000 कैनेडियन डॉलर।
24. प्रोटिनुरिक नेफ्रोपेथिज़ में मुखीय कैल्सिट्रियोल का एंटीप्रोटिनुरिक प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। पंकज हरी, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2010–13, 19 लाख रुपए।
25. स्टेरॉयड प्रतिरोध नेफ्रोटिक सिंड्रोम में कैरोटिड इंटिमा मीडिया गाढ़ापन के हायपरलिपिडेमिया एवं वृद्धि पर एरोर्वेस्टेटिन का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, पंकज हरी, आई सी एम आर, 2011–14, 1 लाख रुपए
26. बच्चों में आइडियोपेथिक नेफ्रोटिक संलक्षण के प्रथम एपिसोड के लिए प्रिडनीसोलन के साथ तीन माह बनाम छः माह थेरेपी की प्रभावोत्पादकता की तुलना करने के लिए यादृच्छिक दोहरा प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण। अरविंद बग्गा, आई सी एम आर, 2011–14, 14 लाख रुपए।
27. कठिन नेफ्रोटिक संलक्षण वाले बच्चों में लिम्फोसाइट सब्सेट्स पर रीतुक्सिसेब का प्रभाव। अरविंद बग्गा, आई सी एम आर, 2011–14 15 लाख रुपए।
28. बार बार होने वाली या स्टीरॉयड पर आधारित नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में माइकोफीनोलेट मोफेटिल बनाम लेवामीसोल की दक्षता और निरापदता की तुलना के लिए यादृच्छित नियंत्रित परीक्षण। अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 2012–15, 8 लाख रुपये।
29. हीमोलाइटिक यूरेमिक संलक्षण में ऐंटी कंप्लीमेट फैक्टर एच आटोएंटीबॉडीज़ का कार्यात्मक लक्षण वर्णन तथा आनुवांशिक आधार। अरविंद बग्गा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2011–14, 41 लाख रुपए।

30. बाल्यावस्था के आडियोपेथिक नेफ्रोटिक संलक्षण के रोगजनन : ओडियोपेथिक नेफ्रोटिक संलक्षण वाले रोगियों में नेव टी कोशिकाओं का टी एच 1 टी एच 2 पोलाराइजेशन तथा रोग क्रम के साथ इसका संबंध। अरविंद बग्गा, डी बी टी, 2010–13, 21 लाख रुपए।
31. फोकल सेग्मेंटल ग्लोमेरुलोस्केलेरोसिस तथा स्टेरॉयड प्रतिरोध नेफ्रोटिक संलक्षण वाले बच्चों में प्यूटेटिव परमिएबिलिटी कारक के रूप में सीरम सुल्युबल यूरोकाइनेज ग्राही। अरविंद बग्गा, डी बी टी, 2012–15, 41 लाख रुपए।
32. एंटी फैक्टर एच ऑटो एंटी बॉडी से संबद्ध हीमोलाइटिक यूरेमिक सिंड्रोम। अरविंद बग्गा, इंडो–फ्रेंच सेंटर फॉर द प्रमोशन ऑफ एंडवांस्ड रिसर्च, 2012–15, 17 लाख रुपए।
33. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित 2–15 वर्ष की आयु वाले बच्चों में वाल्प्रोएट एवं लिवोकारनिटाइन का यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण। शेफाली गुलाटी, एम्स, 2012–14, 5 लाख रुपए प्रति वर्ष।
34. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के लिए उपचार करवाने वाले बच्चों में न्यूरोइमेजिंग तथा प्रमस्तिष्कीय मेटाबोलाइट परिवर्तन : एक प्रायोगिक अध्ययन, रचना सेठ, एम्स, 2011–13, 1 लाख रुपए।
35. रोगमुक्ति हेतु कीमो 1 'सी से सी' : बाल्यावस्था कैंसर सर्वाइवरशिप का अध्ययन, जीव दया फाउण्डेशन, 2011–14, 20 लाख रुपए।
36. दिल्ली भारत में बाल्यावस्था तपेदिक वाले रोगियों में जिंक सप्प्लीमेंटेशन एस के काबरा, नोर्विजिएन प्रोग्राम फॉर डिवलेपमेंट, रिसर्च एण्ड एजुकेशन (एन यू एफ यू) 2007–12, 1.53 करोड़ रुपए
37. एकीकृत ओमिक्स पहुंच का प्रयोग करते हुए अस्थमा में बायोमार्कर खोज। राकेश लोधा, एस के काबरा, आई जी आई बी, 2009–14, 96 लाख रुपए।
38. बच्चों में तपेदिक रोधी दवाओं की भेषजिक गतिकी पर कुपोषण और एचआईवी संक्रमण के प्रभाव। राकेश लोधा, आईसीएमआर, 2012–15, 48 लाख रुपये।
39. दिल्ली में डेंगू के बाल रोगियों में रोग की गंभीरता के सहसंबंधों की पहचान। एस के काबरा, डीबीटी, 2012–15, 46 लाख रुपये।
40. अत्यधिक सक्रिय एंटीरेट्रो वायरस उपचार पाने वाले एचआईवी से संक्रमित बच्चों में ज़िंक पूरकता के प्रतिरक्षी प्रभाव : एक यादृच्छिक दोहरा ब्लाइंड, प्लासेबो नियंत्रित परीक्षण। राकेश लोधा, आईसीएमआर, 2009–12, 31 लाख रुपये।
41. सिस्टिक फिब्रोसिस वाले बच्चों में जिंक सपलीमेंटेशन की भूमिका : यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। एस के काबरा, आई सी एम आर 2011–13, 20 लाख रुपए।
42. एच आई वी संक्रमित बच्चों में बी सेल सब–पोपुलेशंस पर उच्च सक्रिय ऐंटीरिट्रोवाइरल थेरेपी के प्रभाव का अध्ययन करना। राकेश लोधा, आई सी एम आर, 2011–14, 39.87 लाख रुपए।
43. बच्चों में गंभीर निमोनिया के इलाज के लिए मौखिक एंटीबायोटिक : व्यवस्थित समीक्षा, बच्चों में निमोनिया के निदान में बुखार की उपयोगिता। एस के काबरा, डब्ल्यू एच ओ, मई से नवंबर 2012, 4.9 लाख रुपये।
44. बालकपन के दौरान तीव्र श्वसन संक्रमण क्यों बाल्यावस्था के समय चिरकारी वायुपथ रोग बन जाते हैं : लघुतम वायुपथ एवं इम्यून इंबैलेंस की अंतरीय भूमिका। एस के काबरा, राकेश लोधा, डी बी टी, 2012–2015, 1.24 करोड़ रुपए।

पूर्ण

1. जन्म के समय और कम और सामान्य वजन वाले शिशुओं के जीवन के पहले वर्ष के दौरान वृद्धि और शरीर की संरचना का तुलनात्मक आकलन। वंदना जैन, एम्स, 2011–12, 1 लाख रुपये।
2. के आई जी एस बहुराष्ट्रीय वृद्धि सर्वेक्षण, वंदना जैन, फाइज़र अनुसंधान प्रभाग, 2011–12, 1.2 लाख रुपए।
3. डीबीटी कार्यक्रम समर्थन (कोर परियोजना)। मधुलिका काबरा, डीबीटी, 2007–12, 4 लाख रु.
4. प्रसव के बाद की देखभाल वाले दिशानिर्देश तैयार करने के लिए बैठक के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली व्यवस्थित समीक्षाएं। विनोद के. पॉल, डब्ल्यू एचओ, 6 माह, 2012, 5 लाख रुपये।
5. नवजात देखभाल और जन्म के दोषों को दूर करने पर क्षेत्रीय नेटवर्क की बैठक, डब्ल्यू एच ओ, 4 माह, 2012, 4.6 लाख रुपये।
6. नवजात बच्चों में क्लोरहैक्सीडिन के साथ आंवल की सफाई– एक व्यवस्थित समीक्षा। विनोद के. पॉल, डब्ल्यू एचओ, 4 माह, 2012, 5 लाख रुपये।

7. स्टेरॉयड प्रतिरोध नेफ्रोटिक संलक्षण वाले रोगियों के लिए अंतः शिरा साइक्लोफॉस्फेमाइड एवं वैकल्पिक दिवस प्रिड्नीसोलन बनाम टेक्रोलिमस एवं वैकल्पिक दिवस प्रिडनीसोलन की प्रभावोत्पादकता की तुलना करते हुए एक अग्रदर्शी, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। अरविंद बग्गा, आई सी एम आर, 2009–12, 25 रुपए रु.।
8. स्टेरॉयड संवेदी नेफ्रोटिक संलक्षण वाले बच्चों के लिए लिवामिसोल उपचार : बहुकेंद्रीय दोहरा प्लेसिबो नियंत्रित यादृच्छिक परीक्षण। अरविंद बग्गा, ए सी ई फार्मास्युटिकल्स, नीदरलैण्ड्स, 2008–12, 34 लाख रुपए।
9. फ्लोसाइटोमीटरी द्वारा इंडक्शन के अंत में बी कोशिका लाइनेज़ तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया (ए एल एल) में अल्पतम अवशिष्ट रोग (एम आर डी) की पहचान, रचना सेठ, आई सी एम आर, 2009–12, 34.8 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. तीव्र उत्तेजित अस्थमा वाले भारतीय बच्चों में बीटा 2 एडरेनेर्जिक रिसेप्टर की आनुवांशिक पोलीमोर्फिज्म्स की व्यापकता का अध्ययन करना एवं उनका साल्बुटेमोल से प्रतिक्रिया के साथ संबंध।
2. इक्टोडर्मल डिस्प्लेसिया एवं इचथोसिस वाले भारतीय रोगियों में आण्विक आनुवांशिक अध्ययन।
3. फीटल आर एच एवं बीटा थैलेसेमिया का गैर – इंवेसिव जन्मपूर्व निदान।
4. ऑटोसोमल रिसीव गैर संलक्षणात्मक श्रवण हानि वाले भारतीय परिवारों में आण्विक आनुवांशिक अध्ययन।
5. संपूर्ण जीनोम सी जी एच एरे का प्रयोग करके ओडियोपेथिक एम आर वाले भारतीय बच्चों में जिनोमिक पुनःव्यवस्थाओं का अध्ययन।
6. म्यूकोपोलीसेचीरिडीसिस प्रकार 1, 2 एवं 3 वाले रोगियों में बायोमार्कर्स का उत्परिवर्तन विश्लेषण एवं संबंध।
7. गर्भावस्था की आयु के अनुसार छोटे समय पूर्व पैदा होने वाले बच्चों में एम्प्लीट्यूड इंटीग्रेटिड इलैक्ट्रॉन एनसिफेलोग्राफी (एईईजी) का प्रसव पश्चात परिपक्वन : एक भविष्य लक्षी संक्षिप्त अध्ययन।
8. गर्भावस्था के 34 सप्ताह के आस पास जन्म लेने वाले गर्भावस्था की आयु के अनुसार उपयुक्त नवजाब बच्चों और गर्भावस्था की आयु से छोटे बच्चों में आयरन के भंडार के मार्करों के रूप में हैप्सीडिन।
9. असाध्य मिरगी से पीड़ित बच्चों में अल्प ग्लाइसेमिक इंडेक्स आहार थेरेपी की प्रभावोत्पादकता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
10. ब्रोंकोपल्मोनरी डिस्प्लासिया के साथ और इसके बिना समय पूर्व जन्म लेने वाले शिशुओं में पीएएलएडीएआई फीडिंग का मूल्यांकन : एक भविष्य लक्षी और भूत लक्षी आसंजित अध्ययन।
11. एक नैदानिक साधन के रूप में प्रकाश उपचार मूल्यांकन पाने वाले नवजातों में शील्डयुक्त त्वचा के हिस्से से ट्रांसक्यूटेनियस बिलीरूबीनो मैट्री।
12. लंबित समय पूर्व और सही समय पर जन्म लेने वाले शिशुओं में गैर हीमोलाइटिक हाईपरबिलीरूबीनेमिया के प्रबंधन में प्रकाश उपचार के दौरान स्थिति बदलने की भूमिका –यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
13. लंबित समय पूर्व और सही समय पर जन्म लेने वाले शिशुओं में गैर हीमोलाइटिक हाईपरबिलीरूबीनेमिया के इलाज के लिए लगातार और समय अंतराल पर प्रकाश उपचार की प्रभावशीलता की तुलना –खुले लेबल वाला यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
14. गर्भावस्था की आयु से छोटे बच्चों में एडीपोनेक्टिन, लैप्टिन और लिपिड प्रोफाइल : एक विषम अनुभाग अध्ययन।
15. स्टेरॉयड प्रतिरोधक नेफ्रोटिक संलक्षण वाले बच्चों में विटामिन डी की अपर्याप्तता एवं कोलीकैल्सिफेरोल की प्रभावोत्पादकता की व्यापकता।
16. विटामिन डी की कमी वाले बच्चों में सीकेडी के साथ एफजीएफ 23 स्तरों पर कोलीकैल्सीफैरॉल पूरकता के प्रभाव।
17. स्टीरॉइड प्रतिरोधक गुर्दा रोग के रोगियों में इसके दोबारा होने के अनुरक्षण के लिए माइकोफीनोलेट मोफेटिल और टैक्रोलिमस की दक्षता और निरापदता की तुलना के लिए खुले लेबल वाला यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
18. बार बार नेफ्रोटिक संलक्षण होने वाले बच्चों में संचारी रक्त दबाव निगरानी।
19. बच्चों में रिफ्रैक्टरी रिकेट्स के अवकल निदान में एफजीएफ– 23 की भूमिका।

20. वाल्प्रोएट मोनोथेरेपी पर मिर्गी के दौरे वाले बच्चों में हीमोस्टेटिक अपसामान्यताओं की व्यापकता : एक क्रास सेक्शनल अध्ययन।

21. चिरकारी किडनी रोग अवस्था 4 से 5 वाले बच्चों में इलैक्ट्रोफिजियोलॉजिकल रूप से परिभाषित परीसरिए न्यूरोपैथी की व्यापकता : एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
22. टाइपिकली रूप से विकसित हो रहे बच्चों की तुलना में ओटिस्टिक बच्चों में निद्रा समस्याओं की व्यापकता का आकलन।
23. बाल्यावस्था पेशीय डिस्ट्रोफिज़ में त्वचा बायोप्सी की भूमिका।
24. 6–16 वर्ष की आयु वाले बच्चों में साइकोजेनिक गैर मिरगी वाली घटनाओं का क्लिनिकल स्पेक्ट्रम।
25. घाव (नॉनकैल्सीफाइड) भार सहित पैरनकाइमल न्यूरोसिस्टीसरकोसिस के रोगियों में स्टीरॉइड के साथ 7 दिन बनाव 28 दिन तक एलबैंडाजॉल उपचपार के रेडियोलॉजिक परिणाम की तुलना : यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
26. तीव्र बाल्यावस्था ल्यूकेमिया के नवीन नैदानित हाइपर ल्यूकोसिटोसिस के उपचार में हाइपरहायड्रेशन बनाम हापरहाइड्रेशन एवं हाइड्रोक्सियूरेया के प्रभाव का अध्ययन करना।
27. बाल्यावस्था में बीलिनिएज चिरकालिक लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के परिणाम में जेएके उत्परिवर्तन और सीआरएलएफ 2 की भूमिका।
28. बाल्यावस्था लेंजर हंस कोशिका हिस्टीयोसिटोसिस के परिणाम का अध्ययन।
29. बाल्यावस्था तीव्र मायलॉयड ल्यूकीमिया का परिणाम।
30. बाल्यावस्था कैंसर सर्ववाइवरशिप का देर में प्रभाव।
31. बाल्यावस्था कैंसरों में फैब्राइल न्यूट्रोपेनिक घटनाओं में भेदक कवक संक्रमण।
32. बाल्यावस्था कैंसरों में मेडियास्टिनल पिण्ड की क्लिनिको पैथोलॉजीकल रूपरेखा।
33. आंख के बाहर रेटीनोब्लास्टोमा, मेटास्टेसिस के लिए परिणाम और जोखिम कारक (आरसीटी)।
34. चिरकालिक लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया से प्रभावित बच्चों में कुल ल्यूकोसाइट का स्तर गिरने में हाइड्रोक्सी यूरिया और हाईपरहाइड्रेशन बनाम हाईपररीहाईड्रेशन की भूमिका की तुलना करना : एक यादृच्छिक परीक्षण।
35. चिकनगुनिया वायरस जीनों की क्लोनिंग और अभिव्यक्ति तथा बच्चों और बच्चों में चिकनगुनियां रोगाणु जनन में इनकी भूमिका का मूल्यांकन करना।
36. सिस्टिक फिब्रोसिस से पीड़ित बच्चों एवं नवयुवकों में अस्थि खनिज वृद्धि पर व्यायाम हस्तक्षेप कार्यक्रम का प्रभाव।
37. बच्चों में ऐंटीट्यूबरकुलर चिकित्सकों का फार्माको काइनेटिक्स।
38. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में हाइपोफॉस्फेटेमिया की व्यापकता।
39. 6 माह तक विटामिन ई (सिफाइश की गई खुराक से दो गुना पर) सिस्टिक फाइब्रोसिस वाले 3 से 18 वर्ष की आयु वाले रागियों में आस–पास की न्यूरोपैथी की दर
40. गोमोरी मिथेनेमाइन सिल्वर स्टेन तथा पोलीमिरेज चेन प्रतिक्रिया द्वारा < 15 वर्ष इम्यूनोकंप्रोमाइड बच्चों के प्रेरित स्पुटम पर न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी की व्यापकता।
41. आयु समूह वाले बच्चों में अनियंत्रित अस्थमा की पहचान में एफ ई एन ओ की भूमिका।
42. सीरम में विटामिन डी के स्तर और बाल्यावस्था में अस्थमा के नियंत्रण के स्तर के साथ इसका संबंध।
43. बी कोशिका उप आबादी पर अत्यधिक सक्रिय एंटी रेट्रो वायरस उपचार के प्रभाव का अध्ययन और एचआईवी–1 से संक्रमित बच्चों में इनके सहउद्दीपक ग्राही।
44. तपेदिक : भारतीय बच्चों में ट्यूब टेस्ट में क्वांटीफेरन गोल्ड नैदानिक मान का मूल्यांकन।
45. बाल गहन उपचार एकक में वेंटीलेटर सह न्यूमोनिया : प्रभाव, जोखिम कारक एवं हेतु विज्ञानात्मक कारक।
46. सिस्टिक फाइब्रोसिस वाले बच्चों में पल्मोनरी विच्छेदन की इटियोलॉजी।

पूर्ण

1. जन्म के समय कम वज़न वाले शिशुओं के संदर्भ में कैच अप वृद्धि।
2. भारतीय शहरी किशोरों में स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर महसूस की गई चिंता की पहचान और जागरूकता स्तर।
3. नवजात गर्भावधि काल (ए जी ए) हेतु उपयुक्त तथा टर्म एवं लेट प्रिटर्म लघु गर्भावधि काल (एस जी ए) में आयरन संचय।

4. उच्च जोखिम नवजातों में श्रवण हानि का पता लगाने के लिए ऑटोमेटिड श्रवण ब्रैनस्टीम प्रतिक्रियाएं (ए ए बी आर) तथा श्रवण ब्रैनस्टीम प्रतिक्रियाओं की तुलना।
5. नवजात शिशु में आरएच हीमोलाइटिक रोग होने पर नवजाब शिशुओं में फीनोबार्बिटोन की दक्षता : दोहरा ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लासेबो नियंत्रित परीक्षण।

6. एन आई सी यू उपचार का माइक्रो – लागत आधारित आर्थिक विश्लेषण : इंसुरेस मोडल्स हेतु आशय।
7. वॉल्प्रोएट मोनोथेरेपी पर बच्चों में यू जी टी 1 ए 6 की आनुवांशिक पोलिमोर्फिज्म्स की व्यापकता का अध्ययन एवं सीरम वाल्प्रोएट स्तरों के साथ उनका संबंध।
8. नवजात शिशु के आर एच होमोलाइटिक रोग वाले नवजातों में फिनोबार्बिटोन की प्रभावोत्पादकता : एक यादृच्छिक दोहरा, प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण।
9. रोग के आरंभ होने के एक अथवा अधिक वर्ष के पश्चात् इंफेंटाइल स्पेस्म्स वाले एक से पांच वर्ष की आयु वाले बच्चों में न्यूरोडिवेलपमेंट परिणाम – एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
10. सिस्टिक फिब्रोसिस वाले 3 से 15 वर्ष वाले रोगियों में इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकली परिभाषित परीसरीए न्यूरोपेथी की व्यापकता : एक क्रास सेक्शनल अध्ययन।
11. विंक्रिस्टाइन कीमोथेरेपी आधारित प्राप्त कर चुके 5–18 वर्ष की आयु वाले बाल्यावस्था ए एल एल (तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया) वाले उत्तरजीवितों में विक्रिस्टाइन प्रेरित न्यूरोपैथी की व्यापकता एवं इलैक्ट्रोफिजियोलॉजिकल लक्षण वर्णन का अध्ययन।
12. बच्चों एवं नवयुवकों में चिरकारी न्यूरोमस्कुलर रोग के लिए अंतःश्वसन पेशी प्रशिक्षण – व्यवस्थित समीक्षा।
13. ओटिस्म अथवा ए डी एच डी से ग्रस्त बच्चों में रक्त भारी धातु स्तरः एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। बाल्यावस्था पेशीय डिस्ट्रोफिस का निदान करने में त्वचा बायोप्सी की भूमिका।
14. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के नवीन रूप से नैदानित बच्चों में ट्यूमर लाइसिस संलक्षण का प्रभाव एवं पूर्व सूचकों का मूल्यांकन।
15. फेबराइल न्यूट्रोपेनिया के एपिसोड वाले बच्चों में संवेदनशीलता के प्रोफाइल के साथ पूर्वसूचक एवं अवयवी।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. जन्मजात इकथियोसिस के रोगियों में विटामिन डी की पूरकता (त्वचा रोग)
2. आई सी एम आर यंग डायबिटिक्स रजिस्ट्री (अंतःस्राविकी एवं चयापचय)।
3. आई सी एम आर बाल्यावस्था स्थूलता टास्क फोर्स, इंक्लेन, इण्डिया (अंतःस्राविकी एवं चयापचय)।
4. अधिक वजन एवं छोटे मोटे बच्चों में मनोविकृति विज्ञान तथा शरीर के आकर की चिंता (मनोचिकित्सा)।
5. हिमाचल प्रदेश, भारत के तीन क्षेत्रों में गर्भवती माताओं, विद्यालय जाने वाले बच्चों का आयोडिन स्तर तथा नवजात थायरॉयड स्टीमुलेटिंग हार्मोन कसंट्रेशन (मानव पोषण एकक)।
6. बायोकॉपोजिट स्केफॉल्ड पर अस्थि ऊतक इंजीनियरिंग के लिए ओस्टियोब्लास्ट में मेसनचेमल मूल कोशिका का 3डी – विस्तार विभेदन (समुदाय चिकित्सा)।
7. ग्रामीण भारत, फरीदाबाद में नजवात शिशु स्वास्थ्य देखभाल सेवा प्रसव मॉडल का विकास (सामुदायिक चिकित्सा)।
8. एनएनसीएचयूएल : शहरी बस्तियां में पूर्व प्रसव और बाल देखभाल (पीएचएफआई)।
9. नेटवर्क सह – समन्वयक और प्रधानाचार्य स्थल, भारत में बच्चों के बीच तंत्रिका विकासात्मक विकलांगता – एक आईएनसीएलआईएनई अध्ययन (आईएनसीएलआईएनई)
10. ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी रोग विकसित होने के लिए विशिष्ट प्लूरीपोटेंट स्टेम कोशिकाओं में वयस्क कोशिशओं की पुनः प्रोग्रामिंग (स्टेम सैल सुविधा)।
11. रिफ्लेक्सोलॉजी के क्षेत्र में प्रशिक्षित जनशक्ति तैयार करना और इस प्रकार बहुकेन्द्र यादृच्छिक क्लीनिकल परीक्षण में मिर्गी के प्रबंधन के लिए रिफ्लेक्सोलॉजी का सत्यापन –पूर्वोत्तर राज्य के मैडिकल कॉलेज के सहयोग से (जैव भौतिकी)
12. मस्तिष्क पक्षाघात से प्रभावित बच्चों में लैड और मर्करी के जहरीलेपन से प्रभावित प्लूमॉर्फिज़्म की आवृत्ति का मूल्यांकन (फारमेकोलॉजी)।
13. नीगलेरिया फोवलेरी के लिए प्रतिरक्षा आधारित नैदानिकी का आण्विक लाक्षणीकरण और विकास (सूक्ष्म जैव विज्ञान)
14. भारत में बाल्यावस्था दुःसाध्य मिरगी के रोगियों में प्रारंभिक बनाम देर में शल्यचिकित्सा का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (तंत्रिका विज्ञान)।
15. स्पेस्टिक सेरेब्रेल पाल्सी वाले बच्चों में अनुबद्ध थेरेपी के रूप में रीफ्लेक्सोलॉजी का मूल्यांकन (जैवभौतिकी)।
16. वेस्ट संलक्षण सहित दुःसाध्य मिरगी वाले बच्चों में अनुबद्ध थेरेपी के रूप में रीफ्लेक्सोलॉजी का मूल्यांकन (जैव भौतिकी)।

17. मिर्गीरोधी दवाइयों के साथ आयुर्वेदिक चिकित्सा का फार्माकोकाइनेटिक एवं फार्माकोडायनामिक परस्पर क्रिया : एक प्रायोगिक एवं क्लिनिकल अध्ययन (फार्मेकोलॉजी)।
18. मिर्गी से प्रभावित बच्चों में जीवन की गुणवत्ता से संबंधित स्वास्थ्य, बच्चे और माता पिता की अवधारणाएं, ज्ञान और मनोवृत्ति (नर्सिंग कॉलेज)
19. मिर्गी के रोगियों के लक्षण तत्व स्तर पर परंपरागत मिर्गी रोधी दवाई की तुलना में नई मिर्गी रोधी दवाइयों का प्रभाव (भेषजगुण विज्ञान)।
20. आत्म विमोह स्पैक्ट्रम विकारों वाले बच्चों की माताओं में अवसाद की दर पता लगाने के लिए अध्ययन। (नर्सिंग कॉलेज)
21. स्पास्टिक मस्तिष्क पक्षाघात वाले बच्चों में बोटूलीनम टॉक्सिन इंजेक्शन तथा एक बार बहुस्तरीय सर्जरी (एसईएमएलएस) के उपयोग के बीच एक यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन (अस्थि रोग)।
22. बाल्यावस्था के कैंसरों में फेब्राइल न्यूट्रोपेनिक घटनाओं की संवेदनशीलता के पैटर्न और जीवन रूपरेखा (सूक्ष्म जीव विज्ञान)।
23. बचपन के हॉजकिन लिम्फोमा में मंचन और उपचार की प्रतिक्रिया आकलन की सीईसीटी बनाम पीईटी सीटी की भूमिका (रेडियो डायग्नोसिस और नाभिकीय चिकित्सा)।
24. इम्यून कम्प्रोमाइज्ड के बच्चों में एस्परग्लिुअस संक्रमण (सूक्ष्म जीव विज्ञान)।
25. बाल्यावस्था के चिरकालिक लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेनिया में ल्यूकेमो जेनेसिस, उत्परिवर्तन विश्लेषण और जीन अभिव्यक्ति रूपरेखा में भूमिका : नॉच सिगनलिंग मार्ग (प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान तथा इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एण्ड इंटीग्रेटिव बायलॉजी)।
26. तीव्र मायलॉयड ल्यूकीमिया में न्यूक्लियोफॉस्मिन उत्परिवर्तन : इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री द्वारा जांच का मूल्यांकन – आण्विक विश्लेषण हेतु एक साधारण फ्रंट लाइन सेरोगेट (प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान)।
27. मशीन से जुड़े संक्रमणों के विशेष संदर्भ सहित बच्चों की उच्च जोखिम इकाई में नोसोकोमियल संक्रमणों पर एक भविष्य लक्षी अध्ययन (सूक्ष्म जीव विज्ञान)।
28. बाल ऐस्थेमेटिक्स में प्रयोग होने वाले मीटरड डोज़ इंहेलर के दौरान ज्वारीय रूप से श्वास लेने पर गहरे श्वास की प्रभावोत्पादकता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (नर्सिंग महाविद्यालय)।
29. टाइफोडल साल्मोनेला के विरूद्ध वैकल्पिक एंटी माइक्रोबाइल कारक पर अध्ययन (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
30. बाल चिकित्सा के रोगियों में थेरोक्टॉमी के बाद मस्कुलोकेटल और पल्मोनरी कार्य की असामान्यताओं का एक सर्वेक्षण (बाल चिकित्सा सर्जरी)।
31. तीव्र श्वसन संक्रमण से इंफ्लुएंजा वायरस उपभेदों के प्रतिजनी और आण्विक लक्षण वर्णन (सूक्ष्म जीव विज्ञान)।
32. एचआईवी – 1 संक्रमित भारतीय बच्चों में आनुवंशिक विविधता की विशेषता और निष्क्रिय प्रतिरक्षी प्रतिक्रिया (जैव रसायन)।
33. अति फुफ्फुसीय तपेदिक वाले रोगियों में माइको बैक्टीरिया की पहचान (प्रयोग चिकित्सा)।
34. न्यूमोसिस्टिस कारिनी / जिरोवेकी न्यूमोनिया की पहचान के लिए टेक्मेन आधारित रिएल टाइम क्वांटीटेटिव पोलीमिरेज चेन प्रतिक्रिया जांच का विकास (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
35. स्वाइन ओरिजिन लाइनेज के महामारी एच 1 एन 1 (पी एच 1 एन 1) के लिए परिष्कृत निगरानी : एक बहु केंद्रीय अध्ययन भारत में चिरस्थायी इंफ्लुएंजा निगरानी नेटवर्क को विकसित करने के लिए इण्डिया सप्लीमेंटल परियोजना (सूक्ष्मजैवविज्ञान)।
36. चिरकालिक संक्रमित भारतीय बाल चिकित्सा रोगियों में एचआईवी – 1 क्लेड सी लिफाफे के विकास (जैव रसायन)।
37. बाल चिकित्सा एचआईवी – 1 संक्रमण के रोगजनन में प्रतिरक्षण नेटवर्क (जैव रसायन)।
38. भारत में बच्चों में एचआईवी–1 संक्रमण के रोग प्रतिरक्षण लक्षण वर्णन (जैव रसायन)।
39. विषाणुजनित के आच्छादन के विरुद्ध मोनोक्लोनल ऐंटीबॉडिज़ की उत्पत्ति एवं बाल एच आई वी–1 संक्रमण का इम्यूनोपेथोजेनेसिस, (जैव रसायन)
40. एचआईवी संक्रमण वाले बच्चों में दृष्टि संबंधी आविर्भाव (नेत्ररोग विज्ञान, आर पी केन्द्र)।

41. बाल जनसंख्या : इंट्राथोरेसिक तपेदिक तथा औषध प्रतिरोधी तपेदिक के निदान को शीघ्र करना (सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
42. नाबालिग रुमेटॉयड आर्थेराइटिस में यूविटिस की व्यापकता का अध्ययन करना (नेत्र रोग विज्ञान, आर पी केन्द्र)।
43. इनवेसिव और कमेन्साल स्ट्रेप्टोकोकस निमोनिया के वियोजन का आण्विक लक्षण वर्णन (सूक्ष्म जीव विज्ञान)।

पूर्ण

1. बच्चों में रीकेट्स के उपचार में एकल डोज़ 6 लेक आई यू आर्चिटॉल की प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा (अंतःस्राविकी एवं चयापचय)
2. फैनोकोनी एनीमिया के साथ भारतीय रोगियों की रूपरेखा (रुधिर विज्ञान)।
3. हीमोग्लोबिनोपैथिस के गैर इंवेसिव जन्मपूर्व निदान के लिए कोशिका मुक्त फीटल डी एन ए संचारी का अलगाव एवं आनुवांशिक लक्षण वर्णन तथा प्री–एक्लेम्पसिया की निगरानी (प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान)।
4. अंतःचाक्षुष रेटिनोब्लास्टोमा के प्रबंधन में समेकन और प्रणालीगत कीमो कमी का मूल्यांकन (नेत्र विज्ञान)।
5. बचपन में तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया से जीवित बचे लोगों में वीसीआर तंत्रिका विकृति (चिकित्सा कैंसर विज्ञान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 96 **सार : 11** **पुस्तकों में अध्याय : 34** **पुस्तकें :10**

रोगी उपचार

बाह्य रोगी सेवाएं

विभाग प्रतिदिन बाल चिकित्सा ओ पी डी में सामान्य ओ पी डी सेवाएं प्रदान करता है। इस वर्ष 1 लाख बाह्य रोगी परामर्श दिए गए हैं। विभाग द्वारा 15 अतिविशिष्ट क्लिनिक चलाए जाते हैं।

सेवा का नाम	नए मामले	पुराने मामले	कुल उपस्थिति
सामान्य ओ पी डी	39501	40740	80241
तंत्रिका विज्ञान क्लिनिक	970	2058	3028
मायोपेथी क्लिनिक	115	1200	1315
जठरांत्र विज्ञान हिपाटोलॉजी एवं पोषण	942	2990	3932
स्वस्थ शिशु क्लिनिक	290	135	425
उच्च जोखिम नवजात विज्ञान क्लिनिक	285	1889	2174
यकृत विज्ञान क्लिनिक	406	4024	4430
चेस्ट क्लिनिक	515	4530	5054
तपेदिक क्लिनिक	370	2139	2509
रुमेटोलॉजी क्लिनिक	215	1771	1948
आनुवंशिकी एवं जन्म दोष क्लिनिक	2873	1317	4190
अर्बुद विज्ञान क्लिनिक	250	1677	1927
कैंसर उत्तरजीविता क्लिनिक	65	669	734
अंतःस्रावी एवं चयापचय क्लिनिक	1100	1600	2700
विकास क्लिनिक	123	182	305
न्यूरोसिस्टिसर्कोसिस क्लिनिक	73	1440	1513
आत्मकेन्द्रित क्लिनिक	43	180	223
महायोग	**48136**	**68941**	**116648**

इसके अतिरिक्त सिस्टिक फिब्रोसिस एवं बाल चिकित्सा एच आई वी सेवाएं भी बाल छाती क्लिनिक में प्रदान की गई थीं। तंत्रिकाविज्ञान क्लिनिक, मायोपेथी क्लिनिक, आनुवंशिकी क्लिनिक, उच्च जोखिम, इण्डो, विकास क्लिनिक, बाल छाती क्लिनिक रुमेटोलॉजी क्लिनिक एवं ओ पी डी सेवाओं में रोगियों को भौतिकी चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई थीं। वर्ष 2012–13 के दौरान कुल प्रदान की गई भौतिक चिकित्सा सत्र लगभग 5000 थे।

आंतरिक सेवाएं

- अंतरंग सेवाओं में जनरल दर्द वॉर्ड में भर्ती सुविधाएं, दिवस उपचार सुविधाएं, नियोनेटल यूनिट (एनआईसीएच ए और बी), कंगारू मदर केयर यूनिट और बाल गहन उपचार सुविधा सम्मिलित है।
- विभाग में 8 बिस्तर वाली उच्च निर्भरता इकाई का प्रचालन बच्चों के वॉर्ड में किया जाता है जो बाल रोगियों को जीवन सर्मन तथा अन्य विशेष जरूरतें पूरी करता है। एचडीयू की नर्सों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
- अल्प प्रक्रियाओं या इंटरवेंशन की आवश्यकता वाले बच्चों को सी 5 वॉर्ड में स्थित दिवस उपचार में दिन भर के लिए भर्ती किया जाता है।

कुल आंतरिक भर्ती	**12,326**		
बाल वार्डो में लंबे समय तक भर्ती	1,715	दिवस उपचार सुविधा में भर्ती	10,611
पी आई सी यू में भर्ती रोगी	300	मैकेनिकल वेंटीलेशन	235
भेजे गए नवजात की संख्या	**2439**	**एनआईसीयू में भर्ती किए गए नवजात**	**716**
बाहरी भर्ती	**65**		

प्रयोगशाला सेवाएं

विभाग की विभिन्न प्रयोगशालाओं द्वारा 50 से अधिक विशिष्ट नैदानिक जांचें कराई जाती हैं, जिनमें में अनेक दुर्लभ विकारों के लिए हैं, जो देश में आसानी से उपलबध नहीं हैं।

केन्द्रीय प्रयोगशाला			
सीडी सीरोलॉजी	580	टीटीजी टेस्ला	1208
बायोकार्ड	1208		
सेलियाक रोग के निदान के लिए आईएफए (एईए)	182		
क्रोनिक ग्रेन्यूलोमेटोस रोग के लिए एनबीटी			
सुपर ऑक्साइड निर्धारण के लिए केमील्यूमिनिसेंस आमापन			182
सूक्ष्म पोषक परख			
सीरम जिंक	1587	कॉपर	1591
अंतःस्रावि‍की विज्ञान			
पानी का अभाव जांच	10	वेसोप्रोसिन चुनौती जांच	10
ए सी टी एच स्टीमुलेशन जांच	20	एच सी जी स्टीमुलेशन जांच	30
जी एन आर एच स्टीमुलेशन जांच	30	डेक्सामिथेसोन दबाव जांच	10
संशोधित मुखीय ग्लुकोज़ सहज जांच	100	एम्बुलेटरी बी पी रिकोर्डिंग	05
जी एच स्टीमुलेशन जांच	50	एच बी ए ए 1सी (उपचार जांच का बिन्दु)	275
निरंतर रक्त ग्लूकोज़ निगरानी	02	17 हाइड्रोक्सिप्रोगेस्ट्रेरॉन जांच	50
मूत्रीय माइक्रोएल्बुमिन (उपचार जांच का बिन्दु)	107	एचबीए1सी	275
मूत्र एल्बुमिन	107	17–ओएचपी	40
हार्मोन वृद्धि			
निरंतर त्वचीय इंसुलिन इंफ्यूजन			
वृक्क विज्ञान			
कम्प्लीट फेक्टर ‘एच’	121	एंटी – सीएफएच – एंटीबॉडी	351

जठरांत्र विज्ञान हिपाटोलॉजी एवं पोषण

ऊपरी जठरांत्र इण्डोस्कॉपी एवं कोलोनस्कोपी	995		
नैदानिक यू जी आई ई	481	छोटी आंत बायोप्सी	146
स्ट्रीक्चर डाइलेशन	33	ईवीएल	198
ईएसटी	66	सेलियाक सीरोलॉजी	926

आनुवंशिकी

आण्विक आनुवंशिक			
बीटा थैलासेमिक (बीटा थैल) म्यूटेशन विश्लेषण	136 परिवार		
बीटा थैल के लिए प्रसव पूर्व निदान			
स्पानल मस्कुलर एट्रॉफी म्यूटेशन विश्लेषण	105 परिवार		
एसएमए के लिए प्रसव पूर्व निदान	19 परिवार	एल्बिनिजम म्यूटशेन	6 मामले
ड्यूचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी) म्यूटेशन विश्लेषण	437 परिवार		
डीएमडी के लिए प्रसव पूर्व निदान	16 परिवार	हिमोफिलिया ए लिंकेज विश्लेषण	8
हिमोफिलिया ए के लिए प्रसव पूर्व निदान	1	हिमोफिलिया बी लिंकेज विश्लेषण	4
हिमोफिलिया बी के लिए प्रस्तावित	163		
फ्रेंजियल एक्स स्क्रीनिंग के लिए प्रसव पूर्व निदान	परिवार		
रेट सिंड्रोम (एमईसीपी2) म्यूटेशन विश्लेषण	20 मामले		
रेट सिंड्रोम के लिए प्रसव पूर्व निदान	4 मामले		
एकोंडोप्लसिया म्यूटेशन विश्लेषण	12 मामले		
हाइपोकॉन्ड्रोप्लसिया म्यूटेशन विश्लेषण	3 मामले		
गैर–सिंड्रोमिक श्रवण क्षति (कनेक्सिंग 26) स्क्रीनिंग	56 मामले		

अनुसंधान के आधार पर किए गए परीक्षण

एक्टोडर्मल डायप्लसिया म्यूटेशन विश्लेषण	7 परिवार
लेमेलर इथायोसिस म्यूटेशन विश्लेषण	6 परिवार
लेमेलर इथायोसिस के लिए प्रसव पूर्व निदान	1 परिवार
इथायोसिस वुलगारिस म्यूटेशन विश्लेषण	3 परिवार
ग्लूटेरिक एसिडेमिया टाइप 1 म्यूटेशन विश्लेषण	10 मामले
मैथिलमेलोनिक एसिडेमिया (एमएमए) म्यूटेशन विश्लेषण	4 मामले
बायोटिनीडेस डेफिशिएंसी म्यूटेशन विश्लेषण	3 मामले
बौद्धिक विकलांगता के लिए स्क्रीनिंग	109 मामले
बौद्धिक विकलांगता के लिए प्रसव पूर्व निदान	3 परिवार
स्मॉल माइक्रो डिलीशन सिंड्रोम के लिए स्क्रीनिंग	85 मामले

मेगलइंसेफिलिक ल्यूकोइंसेफैलोपैथी (एमएलसी) म्यूटेशन विश्लेषण			
एमएलसी के लिए प्रसव पूर्व निदान			
ग्लोबल डेवलपमेंट डीले (जीडीडी) के साथ मामलों में एमईसीपी2 परीक्षण	25 मामले		
आत्म विमोह स्पैक्ट्रम विकार (एएसडी) के साथ मिर्गी	25 मामले		
गचर सिंड्रोम म्यूटेशन विश्लेषण	18 मामले		
जन्मजात एड्रेनल हाइपप्लासिया (सीएएच) म्यूटेशन विश्लेषण	24 परिवार		
सीएएच के लिए प्रसव पूर्व निदान	3 परिवार		

जैव रासायनिक प्रयोगशाला

ट्रिपल मार्कर	1729	एमएसएएफपी एलॉन	61
बीटा एचसीजी एलॉन	12	ई–3	01
एमिनो एसिड मेटाबोलिज्म के रोगों के लिए टीएलसी	228	ड्यूल मार्कर परीक्षण	526
म्यूकोपॉलीसेकेराइडोसिस के विकार (मूत्र बिन्दु परीक्षण)	38		
होमोसिस्टेन्यूरिया जांच	55	यूरिन में रिड्यूसिंग सबस्टेंस	178
डीएनपीएच	337	एफईईएल3	341
यूरीन पॉर्फिरिया	33	ओलिगोसेकेराइड्स	37
ब्लड एमोनिया	667		

इंबोर्न ऑफ मेटाबोलिज्म के लिए एंजाइम परख

एंजाइम परख के लिए रोगी	529	सिंगल एंजाइम परख के साथ संख्या	281
मल्टीपल एंजाइम परख के साथ सख्या	248	ऐरिल सल्फेट ए	76
बीटा ग्लूकोसोडेस	55	अल्फा – आइड्यूरोनीडेस	36
आइड्यूरोनेट सल्फेट	26	बीटा – ग्लेक्टोसिडेस	56
गेलोक्टोस – 6 – सल्फेट	16	एरीसफेटेस बी	11
बीटा – ग्लूक्यूरोनिडेस	13	हेक्सोसैमीओनिडेस ए	50
जीएएलटी	48	बायोटिनिडेस एसे	52
कीटोट्रिसिडेस (प्लाज्मा)	66	बीटा–गैलेक्रोसैरेब्रोसीडेस (क्रेब्स)	21
सीवीएस (एएसए)	16	सीवीएस (एनआईएच)	6
सीवीएस (एमपीएस–4 ए)	3	सीवीएस (जीएम1)	1
सीवीएस (केआरबी)	2	सीवीएस (हेक्स –ए)	3

साइटोजैनेटिक्ट्स प्रयोगशाला

एम्नियोटिक तरल संवर्धन	373	पैरीफेरल रक्त संवर्धन	646
आंवलरक्त नमूने + केबीटी	40	सीवी संवर्धन	26
क्यू एफ –पीसीआर	190		

बाल रोग अर्बुद विज्ञान

इम्यूनोफीनोटाइप लाक्षणीकरण तथा चिरकालिक लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेनिया का	200

न्यूनतम अवशेष रोग आंकलन।

वृक्क विज्ञान

हीमोडायलेसिस	1362		
तीव्र पेरीटोनिएल (ऑटोमेटिड पेरीटोनिएल डायलेसिस सहित)	135		
निरंतर चल पेरीटोनिएल डायलेसिस	28	प्लास्माफेरीसिस सत्र	405
अस्थायी हीमोडायलेसिस कैथेटर स्थापन (आंतरिक जुगुलर, सबक्लेविएन, फीमोरल)	165		
रीनल बायोप्सी	128	रीनल प्रतिरोपण	10

तंत्रिका विज्ञान

ई पी एस प्रयोग : एन सी वी	216	ई एम जी	
आर एन एस टी	8	नियमित ई ई जी	55
एम्बुलेटरी ई ई जी	87	विडियो ई ई जी	1968
पेशी बायोप्सीज़	169	त्वचा बायोप्सीज	162
तंत्रिका बायोप्सीज	10	धमनी लेक्टेट	285
सी एस एफ लैक्टेट	170	फोरआर्म इस्चेमिक टेस्ट	10
नियोस्टिग्माइन चैलेंज टेस्ट	5		

पल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार

स्वेट क्लोराइड आकलन	456	फाइबर ओप्टिक ब्रोंकोस्कॉपी	196
स्पिरोमीटरी	2450	इंप्लस ओसीलोमीटरी	1340
शिशु पी एफ टी	432	धमनी रक्त गैस विश्लेषण	20,263
इलेक्ट्रोलाइट आकलन	20,263	ओस्मोलेलिटी	220
हीमोग्राम	624		

सेवाएं पमरार्श

विकास और व्यवहार मूल्यांकन तथा हसतक्षेप

डीक्यू / आई क्यू आकलन	943	व्यावहारिक समस्याएं	943
आत्मकेंद्रित	154	कार्यात्मक समस्याएं	412
ध्यान की कमी से अत्यधिक गतिविधि का विकार	45	अधिगम विकलांगता	62
स्यूडो दौरे, रूपांतरण प्रतिक्रियाएं	64	वॉर्ड परामर्श	55

चिकित्सा, सामाजिक सेवाएं

रोगियों को दी गई सूचना और मार्गदर्शन	3500	परामर्श और मनोचिकित्सा	2100
रेलवे रियायतें जारी करने वाले	1500	आवास में सहायता करना	250
जांच के लिए शुल्क की छूट	2700	गरीब रोगियों के लिए वित्तीय सहायता	700
अविवाहित माताओं के अज्ञात बच्चों का पुनर्वास	7		
सामाजिक कार्य प्रशिक्षुओं का पर्यवेक्षण	4	विविध आवश्यकताएं	6

बाल कैंसर रोगी को सहायता

- एन जी ओ जैसे सी ए एन के आई डी एस (कैनकिड्स) और सी पी एस की सहायता से दवाएं उपलब्ध कराने के द्वारा राष्ट्रीय आरोग्य निधि, प्रधानमंत्री राहत कोष के माध्यम से इन रोगियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता : 48

- 'संभव' नाम से पीडिएट्रिक ऑंकोलॉजी हेतु एक सहायता समूह गठित किया गया है। ई – मेल हेल्पलाइन 3csambhav@gmail.com संख्या 1 / प्रति माह 15 – 20 अभिभावक (प्रत्येक माह के पहले सप्ताह)।
- रोगी शिक्षा कार्यक्रम/ये कार्यक्रम प्रत्येक 3 – 4 महीने में एक बार आयोजित किए जाते हैं जिसमें डॉक्टर, सामाजिक कार्यकर्ता, डाइटिशियन, उपचार करा रहे बच्चों के अभिभावक और एन जी ओ के प्रतिनिधि भाग लेते हैं (150 – 250 अभिभावक) /सत्र (3)।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

- विभाग स्टैनफोर्ड इण्डिया बायोडिजाइन प्रोग्राम के फेलोशिप कार्यक्रम का मुख्य सहयोगी है। यह कार्यक्रम के फेलो और इंटर्न का नैदानिक मार्गदर्शन करता है।
- विभाग ने इस वर्ष 7 रोगी शिक्षा कार्यक्रमों और अभिभावक बैठकों का आयोजन किया।
- विभाग ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा प्रायोजित बाल स्वास्थ्य में ट्रांसलेशनल रिसर्च संबंधी अंतर – शाखीय कार्यक्रम को जारी रखा।
- विभाग ने डॉ. वंदना जैन के मार्गदर्शन में प्रस्तुत एक एंडोक्राइनोलॉजी के मामले के लिए बेस्ट क्लिनिकल ग्रांड राउंड, 2012 के लिए इण्डियन जर्नल पीडिएट्रिक्स गोल्ड मेडल जीता।
- डीबीटी प्रायोजित परियोजना 'डेवलपमेंट ऑफ अ रेपिड डायग्नास्टिक किट फॉर द डायग्नोसिस ऑफ सिलिएक डिजीज' के एक के रूप में मार्च 2012 में संभावित सीलिएक डिजीज से ग्रस्त बच्चों की छानबीन के लिए एक देसी 'एलिसा किट' सीलिएक माइक्रोएलाइसा तैयार की। बायोलॉजी पार्टनर आई सी जी ई बी द्वारा तैयार क्लोन डी बी टी के प्रोटोकॉल के अनुसार औद्योगिक भागीदार को अंतरित किए जाने के लिए तैयार है।

नियोनेटोलॉजी

- 'विटामिन डी सप्लीमेंटेशन विद 800 आई यू वसैस 400 आई यू पर डे इन प्रीटर्म इंफैंट्स ऑफ 28 टू 34 गेस्टेशन : रैंडमाइज्ड डबल ब्लाइंड ट्रायल' के लिए बेस्ट रिसर्च पेपर का एन एन एफ गोल्ड मेडल। एन चंद्रा कुमर, एम. जीवा शंकर, रमेश अग्रवाल। एन एन एफ वार्षिक बैठक, दिसंबर 2012, नई दिल्ली।
- नियोनेटोलॉजी में बेस्ट पेपर के लिए डॉ. एस. एस. मनचंदा अवार्ड : ''ट्रांसक्यूटेनियस बिलिरुबिनोमीट्री फ्राम अ शील्डेड स्किन पैच इन नियर टर्म एण्ड टर्म नियोनेट्स रिसीविंग फोटोथेरेपी : इज़ इट यूजफूल'' लक्ष्मीमुरली अनु ठुकराल, जीवा शंकर, अग्रवाल पेडिकॉन 2013, जनवरी 2013 कोलकाता।
- सुश्री गीता जॉर्ज (ए एन एस, सी 3, एन आई सी यू) और सुश्री वीना बाहरी (नर्सिंग इंचार्ज, एन आई सी यू – बी) को रोटरी क्लब, दिल्ली द्वारा उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- डॉक्टरों और नर्सों के लिए नवजात स्वास्थ्य (शीर्ष पर) एक प्रतिक्रियात्मक ऑनलाइन अधिगम कार्यक्रम तैयार किया। इस पाठ्यक्रम को 05 देशों में कुल 1500 प्रतिभागियों ने किया।
- छोटे अस्पतालों में कार्यरत स्वास्थ्यकर्ताओं के लिए देखभाल के उपकरण के रूप में रुग्ण नवजात के प्रबंधन के बारे में स्मार्ट फोन पर आई ओ एस सिस्टम और एंड्रायड गूगल प्ले पर एप्स निर्मित किए।
- आईसीएमआर, नई दिल्ली द्वारा तृतीय वर्ष हेतु आई सी एम आर एडवांस्ड सेंटर फॉर न्यूबार्न हेल्थ रिसर्च का अनुमोदन किया गया।
- डब्ल्यू एच ओ सी सी ने स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े प्रोफेशनलों के लिए उपकरणों पर वे विचार बनाए जिन्हें। www.newbornwhocc.org पर देखा जा सकता है।
- नियोनेटोलॉजी प्रभाग ने पी जी आई, चण्डीगढ़ और एस जी पी पी आई, लखनऊ के सहयोग से प्रत्येक दो सप्ताह में नियमित आधार पर डी एम नियोनेटोलॉजी अध्येताओं के लिए नियमित टेली – शिक्षा शुरू की।
- प्रतिक्रियात्मक ऑनलाइन अधिगम हेतु नवजात देखभाल संबंधी शिक्षणा अधिगम पैकेज तैयार किया। यह कार्यक्रम वेब पर निःशुल्क उपलब्ध है ताकि दूरस्थ स्थानों पर सहयोगी संस्थानों में कार्यरत स्वास्थ्य प्रोफेशनलों को कौशल अधिगम में शिक्षित किया जा सके।
- छोटे अस्पतालों में स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने वालों के लिए देखभाल उपकरण के बिंदु के रूप में जन्मजात बीमार शिशुओं के प्रबंधन के लिए आई ओ एस प्रणाली और एण्ड्रोइड गूगल प्ले द्वारा स्मार्ट फोन पर एप का विकास किया है।
- रुग्ण नवजात देखभाल के बारे में 12 वेबिनार तैयार किए। ये www.newbornwhocc.org पर उपलब्ध हैं।
- नवजात स्वास्थ्य और जन्मजात विकारों संबंधी डेटाबेस नेटवर्क तैयार करने में नेपाल और बंगलादेश की सहायता की।

- नियोनेटोलाजी प्रभाग कंगारु मदर केयर पर दो वेबसाइटों www.newbornwhocc.org (इसके 1,60,000 से अधिक हिट्स थे) और www.kmcindia.org पर सेवाएं उपलब्ध कराता है।

प्रो. विनोद पॉल को रोटरी इंटरनेशनल, दिल्ली डिस्ट्रिक्ट द्वारा वोकेशन एक्सीलेंस अवार्ड दिया गया; उन्होंने एन एन एफ राजस्थान का डॉ. पुनीत शर्मा व्याख्यान दिया; नेपाल में 16वीं नेपालीज कांग्रेस ऑफ पीडिएट्रिक्स में अम्बिका मैमोरियल व्याख्यान दिया; बाल उत्तरजीविता पर वैश्विक उच्च स्तरीय बैठक में आमंत्रित किए गए; अमेरिकी सरकार द्वारा वाशिंगटन डी सी में आयोजित कॉल टू एक्शन में आमंत्रित किए गए; 1. नवजात शिशु की देखभाल हेतु होम विजिट करने 2. रुग्ण शिशु का उपचार करने और 3. नवजात शिशु के स्वास्थ्य संबंधी प्राथमिकताएं पर वैश्विक स्तर पर पहल करने हेतु डब्ल्यू एच ओ के तकनीकी सलाहकार; इंडोनेशिया को नवजात शिशु के स्वास्थ्य के संबंध में तकनीकी सहायता प्रदान करने हेतु इंडोनेशिया सरकार और यू एस ए डी द्वारा आमंत्रित किया गया; सदस्य, इंटरनेशनल डेटा सेफ्टी मॉनीटरिंग बोर्ड, नियोनेटल विटामिन ए स्टडी इन अफ्रीका एण्ड एशिया; चेयरमेन, मेडिकल काउंसिल ऑफ इण्डिया कमेटी ऑन बीएससी कम्युनिटी हेल्थ (पूर्व में बैचलर ऑफ रुरल हेल्थ केयर) 2011 – 2013। नए मिड लेवल पब्लिक हेल्थ प्रोफेशनल जिसके ग्रेजुएट छात्रों को उप केंद्रों में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स नियुक्त किया जाएगा, के लिए पाठ्यचर्या तैयार की; बाल स्वास्थ्य संबंधी तकनीकी संसाधन समूह, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; मंत्रालय; बाल स्वास्थ्य नीति संबंधी समिति, पंजाब सरकार; इण्डिया चाइल्ड हेल्थ लिस्ट (एल आई एस टी) ग्रुप (2012–2013), कलावती सरन बाल अस्पताल में बच्चों की उच्च मृत्यु दर की जांच करने संबंधी डी जी एच एस समिति; समय पूर्व जन्म अनुसंधान संबंधी आई सी एम आर परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य अति गंभीर कुपोषण संबंधी डी बी टी – डब्ल्यू एच ओ अध्ययन के डी एस एम बी; उपचार समिति, फ्यूचर्स ग्रुप; सी डी एस ए टी एच एस टी आई (डी बी टी) के प्रोग्राम हेतु डायरेक्टर के पद हेतु चयन समिति के सदस्य समन्वयक, एम्स नोड ऑफ द नेशनल बायोडिजाइन अलायंस (डी बी टी); सह – अध्यक्ष, नियोनेटल सर्विस एक्शन ग्रुप, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; आर एम एन सी एच + ए = रणनीति हेतु तकनीकी सहायता सहयोगकर्ता, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय। लोक स्वास्थ्य संबंधी विशेषज्ञता सलाहकार बोर्ड (एसएबी), राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, वैज्ञानिक सलाहकार समूह, हार्वर्डे – डब्ल्यू एच ओ बैटर बर्थ प्रोग्राम अध्ययन; महिला और बाल विकास मंत्रालय की कोडेक्स समिति, केमेटी ऑन फूड फोर्टिफिकेशन, स्वास्थ्य कार्यबल, पंजाब सरकार सुधार आयोग, पंजाब सरकार; इंडो – यू एस स्वास्थ्य पहल के अधीन मातृत्व और बाल स्वास्थ्य संबंधी कार्य समूह; केंद्रीय पर्यवेक्षण बोर्ड (पी सी एण्ड पी एन डी टी एक्ट) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; टीका संबंधी नव औषध सलाहकार समिति (एन डी ए सी), सी डी एस सी ओ, डी सी जी आई, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण; ग्रामीण क्षेत्रों में मेडिकल ग्रेजुएट तैनात करने संबंधी भारतीय चिकित्सा परिषद् की समिति, मातृत्व और बाल स्वास्थ्य अनुसंधान संबंधी इंडो – यू एस संयुक्त (जी ओ आई – आई सी एम आर / एन आई एच); आई सी एम आर की निमोनिया इटियोलॉजी अध्ययन संबंधी संचालन समिति; सेलफोन / टावर विकिरणों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव संबंधी डी एस टी का विशेषज्ञ समूह; आई सी एम आर के कार्य निष्पादन का स्वतंत्र मूल्य करने संबंधी उच्च स्तरीय समिति; सेंटर फॉर डेजर्ट मेडीसिन और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन के निदेशक तथा वरिष्ठ वैज्ञानिकों के चयन संबंधी समितियां; गर्भावस्था भ्रूण जीवन; नवजात और आरंभिक वर्ष तथा वृद्धावस्था से संबंधित विकासात्मक और रोग जानकारी संबंधी डी बी टी के विशेषज्ञ समूह, महिला और स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण कार्यक्रमों संबंधी डी बी टी समिति; नवजात शिशु में संक्रमण की निगरानी संबंधी आई सी एम आर के तकनीकी समूह; आई सी एम आर की भोपाल गैस त्रासदी संबंधी वैज्ञानिक सलाहकार समिति; संस्थागत आचार समिति, भारतीय जन स्वास्थ्य प्रतिष्ठान के सदस्य, पूर्व जन्म संबंधी डी वी टी के अंतर संस्थागत अनुसंधान कार्यक्रम, राष्ट्रीय पर्यावरणीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, भोपाल की वैज्ञानिक सलाहकार समिति में सहयोगी, कॉल टू एक्शन – चाइल्ड सर्वाइकल मीटिंग चेन्नै में मुख्य वक्ता; लोकसभा टी वी, डी डी नेशनल और डी डी न्यूज़ पर कई कार्यक्रमों में भाग लिया।

प्रो. ए. के. देवरारी को नवंबर 2012 में मनीला, फिलीपीन्स में एशिया पैसेफिक लीडरशिप एण्ड पॉलिसी डायलॉग फॉर वुमेंस एण्ड चिल्ड्रेन्स हेल्थ मीटिंग में आमंत्रित किया गया जहां पर नवजात शिशु की देखभाल संबंधी ई–लर्निंग पैकेज जारी किया गया; विजिटिंग प्रोफेसर, फैकल्टी ऑफ मेडिसिन, यूनिवर्सिटी ऑफ गडज़ा मदा, योग्याकर्ता, इण्डोनेशिया, दिसंबर 2012; फैकल्टी फॉर नियोनेटल ऑनलाइन ट्रेनिंग इन यूरोप ई–लर्निंग प्रोग्राम फॉर नियोनेटोलॉजिस्ट्स 2012 – 13; सदस्य, विशेषज्ञ समूह नियोनेटल एक्शन ग्रुप, भारत सरकार, बाह्य समीक्षक, ग्लोबल अलायंस फॉर हेल्पिंग बेबीज सर्वाइल एण्ड हेल्पिंग बेबीज बर्न सून प्रोग्राम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज 2012–13; सदस्य, एन एच आर एस सी के अंतगर्त उपकरणों हेतु तकनीकी विनिर्देशन, तकनीकी विनिर्देशन, एन आर एच एम, भारत सरकार, 2013।

प्रो. अरविंद बग्गा रियो डि जेनेरो में 2016 में होने वाली 17वीं अंतर्राष्ट्रीय पीडिएट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन की वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष; 2012 में बेस्ट रिसर्च पेपर के लिए चीफ ऑफ नेवल स्टाफ अवार्ड; इण्डियन पीडिएट्रिक्स के एसोसिएट एडिटर और इण्डियन जर्नल ऑफ पीडिएट्रिक्स, करंट पीडिएट्रिक्स और वर्ल्ड जर्नल ऑफ पीडिएट्रिक्स के संपादक मंडल में शामिल।

प्रो. एस. के. काबरा इण्डियन जर्नल ऑफ पीडिएट्रिक्स के संपादक थे, वर्ल्ड जर्नल ऑफ पीडिएट्रिक्स के संपादक मंडल में थे; जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा कार्यान्वित भारत सरकार की वैक्सीन, ग्रांड चैलेंज प्रोग्राम संबंधी सर्वोच्च तकनीकी समिति में नामनिर्दिष्ट, सदस्य, पीडिएट्रिक्स ट्यूबरकुलोसिस संबंधी राष्ट्रीय तकनीकी कार्य समूह; डॉ. पोहोवाला और डॉ. श्रीवास्तव अवार्ड के लिए सम्मेलन में प्रस्तुत पेपरों के मूल्यांकन हेतु निर्णायक एम पी इण्डियन एकेडमी ऑफ पीडिएट्रिक्स के वार्षिक सम्मेलन जिसका आयोजन इण्डियन एकेडमी ऑफ पीडिएट्रिक्स, एम पी द्वारा 3 – 4 नवंबर 2012 को किया गया में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्युदर को कम करने के लिए उपाय संबंधी पूर्ण सत्र की अध्यक्षता की। 26–28 अक्तूबर 2012 को चण्डीगढ़ में आयोजित रेस्पीरेटरी चैप्टर ऑफ इण्डियन एकेडमी ऑफ पीडिएट्रिक्स के 24वें सम्मेलन में बच्चों में नेज़ल वेटीलेशन, ब्रांकाइकटेसिस, निद्रा विकारों संबंधी सत्रों की अध्यक्षता की।

डॉ. पंकज हरि को 2012 में बेस्ट रिसर्च पेपर के लिए चीफ ऑफ नेवल स्टाफ अवार्ड दिया गया; पीडिएट्रिक नेफ्रोलॉजी, जर्नल ऑफ इंटरनेशनल पीडिएट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन के समीक्षक।

डॉ. शेफाली गुलाटी को इण्डियन एकेडमी ऑफ पीडिएट्रिक्स का फेलो चुना गया, एफ आई ए पी (जून 2012); इन्क्लेन (आई एन सी एल ई एन) प्रोग्राम के तहत समुदाय में 10 विकारों के न्यूरोडेवलपमेंटल आकलन हेतु स्क्रीनिंग टूल के विकास में शामिल। इन उपकरणों को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम जो राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अधीन है, में उपयोग हेतु चुना गया है, राष्ट्रीय मिरगी नियंत्रण कार्यक्रम के विकास हेतु विशेषज्ञ के रूप में चुना गया; सदस्य, स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम संबंधी तकनीकी समिति (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण); सदस्य, निशक्त और विकास संबंधी विकारों से पीड़ित बच्चों के लिए विकासात्मक स्क्रीनिंग और प्रारंभिक उपाय संबंधी प्रचालनात्मक दिशानिर्देश तैयार करने संबंधी विशेषज्ञ समूह (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय); आटिज्म ऑफ द नेशनल ट्रस्ट संबंधी राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह की सदस्य; इण्डियन एपिलेप्सी सोसाइटी की छमाही ई ई जी कार्यशालाओं हेतु संकाय सदस्य; एपिलेप्सी कानक्लेव्स – इण्डियन एपिलेप्सी सोसाइटी के एपिलेप्सी शिक्षण कार्यक्रम का एडवांस स्तर, की सदस्य; एन आई पी सी सी डी में एडवांस डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एण्ड काउंसलिंग के नियमित छात्रों हेतु एपिलेप्सी ट्रेनिंग सत्र हेतु संकाय सदस्य; नेशनल ट्रस्ट द्वारा आयोजित मास्टर ट्रेनर्स प्रोग्राम इन अर्ली इंटरवेंशन हेतु विशेषज्ञ; ब्रिटिश साइक्लोजीकल सोसाइटी, द टायल कॉलेज ऑफ साइकिएट्रिस्ट्स और बी एम जे पब्लिशिंग ग्रुप द्वारा प्रकाशित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका एविडेंस बेस्ड मेंटल हेल्थ हेतु कमेंटेटर चुना गया; फ्रंटियर्स इन चाइल्ड एंड न्यूरोडेवलपमेंटल साइकिएट्री के लिए समीक्षा संपादक (2011 से); इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पीडिएट्रिक्स न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर्स के विशेषांक हेतु प्रमुख अतिथि संपादक; जर्नल ऑफ स्पेशल एजुकेशनल एण्ड रिहैबिलिटेशन (2013 से); इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एपिलेप्सी स्कूल सेक्शन के संपादक मंडल की सदस्य; संपादक – पीडिएट्रिक एपिलेप्सी (2013 से); जर्नल ऑफ पीडिएट्रिक न्यूरोसाइंस (2013 से); नेशनल प्रोग्राम ऑन एजुकेशनल न्यूरोसाइंस हेतु विशेषज्ञ (सितंबर 2012) (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग); सदस्य, स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम संबंधी तकनीकी समिति (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण) (अक्तूबर 2012); नेशनल ट्रस्ट द्वारा आयोजित मास्टर ट्रेनर्स प्रोग्राम इन अर्ली इंटरवेंशन हेतु विशेषज्ञ; साउथ एशियन ऑटिज्म नेटवर्क में विशेषज्ञ के रूप में चुना गया और उन्होंने इस संबंध में ढाका तथा दिल्ली दोनों ही स्थानों पर आयोजित सम्मेलनों में भाग लिया (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय); सदस्य, नेशनल फार्मूलरी ऑफ इण्डिया के पांचवां संस्करण का प्रारूपण करने संबंधी समिति, भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; फैकल्टी, एपिलेप्सी टीचिंग प्रोग्राम; इण्डियन एपिलेप्सी सोसाइटी; आई सी एम आर, नेशनल ट्रस्ट, डी बी टी और डी एस टी को प्रस्तुत शोध परियोजनाओं हेतु समीक्षक; यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ कैंपस, दिल्ली; पी जी आई, चण्डीगढ़; बी पी कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज, धारण नेपाल, और छत्रपति शाहूजी महाराज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में परीक्षक।

डॉ. राकेश लोधा इण्डियन पीडिएट्रिक्स के एसोसिएट एडिटर; इण्डियन जर्नल ऑफ पीडिएट्रिक्स के सेक्शन एडिटर; तकनीकी सलाहकार समूह, इंटर मिनिस्ट्रीयल अलायंस फॉस मेडिकल मैनेजमेंट ऑफ चिल्ड्रेन सफरिंग फ्राम सीवियर एक्यूट मैल न्यूट्रीशन की सदस्य; टेक्नीकल रेफरेंस ग्रुप ऑन पीडिएट्रिक एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी, नाको की सदस्य; और आचार समिति, ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंसेज एण्ड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट के सभापति रहे।

डॉ. रचना सेठ को लंदन में 'लैंगरहेंस सेल हिस्टीयोसाइटोसिस : अवर्सेटाइल मिमिकर' पत्र के लिए इंटरनेशनल हिस्टीयोसाइट सोसाइटी स्कॉलरशिप दी गई; रिस्क आर्गन इन्वोल्वमेंट एंड लेट सीक्वीले ऑफ लैंगरहेन्स' सेल हिस्टीयोसाइटोसिस : अरेट्रोस्पेक्टिव स्टडी ऑफ एलसीएच सर्वाइवर्स एट आ टर्शियरी केयर हॉस्पीटल इन इण्डिया कार्य के लिए सेंट जूड वीवा फोरम फेलोशिप; इण्डियन कैंसर कांग्रेस के सलाहकार बोर्ड में नामनिर्दिष्ट।

डॉ. वंदना जैन महिला और बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन स्वायत्त निकाय सेंट्रल एडोप्शन रिसोर्स एजेंसी में एम्स की प्रतिनिधि और एन ओ सी कमेटी की चेयरमेन, टीचिंग शेड्यूल एंड करीक्यूलन कमेटी, एम्स की सदस्य; इण्डियन जर्नल ऑफ पीडिएट्रिक्स, जनवरी – दिसंबर 2012 की सेक्शन एडिटर (एंडोक्राइनोलॉजी, मेटाबॉलिज्म, ग्रोथ एण्ड डेवलपमेंट); फीटल ग्रोथ रेस्ट्रीक्शन पर विशेषांक, रिव्यूज इन एंडोक्राइन एण्ड मेटाबालिक डिस्ऑर्डर्स की गेस्ट एडिटर (जून 2012 अंक); जर्नल ऑफ पीडिएट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी एण्ड मेटाबॉलिज्म, एशिया पैरेफिक जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रीशन, इण्डियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इण्डियन पीडिएट्रिक्स और इण्डियन जर्नल ऑफ पीडिएट्रिक्स की समीक्षक; आई सी एम आर और विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद् हेतु अनुसंधान अनुदान हेतु आवेदनों की समीक्षक थी।

डॉ. रमेश अग्रवाल ने रेडियो पर आम जनता के लिए आर एच आइसोइम्युनाइजेशन पर वार्ता प्रस्तुत की।

डॉ. प्रतिभा रे को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चालू ट्रिवनिंग (मैप एण्ड ड्रग डेवलपमेंट) परियोजनाओं की निगरानी और मार्गदर्शन हेतु बैठक में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया; फेडरेशन ऑफ इम्युनोलॉजीकल सोसाइटीज़ ऑफ एशिया ओशियानिया की 5वीं बैठक में 'वैक्सीन' सत्र की अध्यक्षता की।

धनेश्वर यादव, एम एस एस ओ ने दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा आयोजित सेमिनार 'बाल यौन शोषण की रोकथाम हेतु दिशानिर्देश तैयार करना' में भाग लिया; बौद्धिक और विकास संबंधी निशक्तताओं से पीड़ित व्यक्तियों हेतु इग्नू का कम्युनिटी कॉलेज मनोविकास के पहले दीक्षांत समारोह में भाग लिया; समर्थ, राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, नई दिल्ली द्वारा इण्डियन सोशल, दिल्ली में आयोजित सम्मेलन – 'एच आई वी ग्रस्त / संक्रमित बच्चों के लिए नीतियां, कार्यक्रम और योजनाएं' में वक्ता के रूप में भाग लिया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. चित्रा प्रसाद, सह आचार्य, आनुवंशिकी, चयापचय और बाल रोग लंदन
2. सीयारा ओसुलिवन, आई सी आर ई ए अनुसंधान अचार्य, नैनो जैव प्रौद्योगिकी और जैव विश्लेषण समूह, रासायनिक इंजीनियरिंग विभाग, यूनिवर्सिटी रोविरा आई विरगिली, अविनगुडा पैसोस, केटालांस, स्पैन
3. रश्मि गोपाल – श्रीवास्तव, पीएच.डी, निदेशक, बाह्य अनुसंधान कार्यक्रम, प्रोग्राम डायरेक्टर फॉर रेर डिजीज क्लिनिक रिसर्च नेटवर्क (आरडीसीआरएन), कार्यालय ऑफ रेरे डिजीज रिसर्च (ओआरडीआर), नेशनल सेंटर फॉर एडवांसिंग ट्रांसलेशन साइंस (एनसीएटीएस), एनआईएच, यूएसए
4. डॉ. जॉय सेनीजेक, एमडी, एमपीएच, मुख्य, प्रीवेंशन रिसर्च ब्रांच, कैश्टन, यूएसपीएचएस, डिविजन ऑफ बर्थ डिफेक्ट्स एण्ड डेवलपमेंटल डिसेबिलिटीज़, नेशनल सेंटर फॉर बर्थ डिफेक्ट्स एण्ड डेवलपमेंटल डिसेबिलिटी, सीडीसी।
5. डॉ. सरोजिनी बुद्देन, डेलवपमेंटल पीडियाट्रिशियन एण्ड एर्मिटस प्रोफेसर ऑफ कम्युनिटी हेल्थ सिस्टम एण्ड फैमिली नर्सिंग, ऑर्गन हेल्थ एण्ड साइंस यूनिवर्सिटी, ऑर्गन, यूएसए।
6. प्रो. जुलियो फ्रेंक, अध्यक्ष, हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, कैम्ब्रिज, यएसए।
7. प्रो. डौग मैकमिलन, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलगरी, कनाडा।
8. प्रो. नलिनी सिंघल, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलगरी, कनाडा।
9. डॉ. मर्शा कैम्पबेल – यिओ, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलगरी, कनाडा।
10. सुश्री जेनने एल. स्कॉटलैंड, एल्बर्ट, कनाडा।
11. सुश्री देबरा ऐलवार्ड, ओटावा, कनाडा।
12. प्रो. विनोद भूटानी, स्टैंफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए।
13. प्रो. त्रिनाद चक्रबर्ती, सीएमएमवी, जर्मनी।
14. डॉ. मेरी जेन्स ड्रेगन ड्यूरी, इम्यूनोलॉजी में वरिष्ठ व्याख्याता, डेस्कार्ट्स यूनिवर्सिटी फैकल्टी ऑफ मेडिसिन, पेरिस।
15. डॉ. उमाकांथ कटवा, निदेशक, स्लीप लेबोरिटरीज़, बूस्टन चिल्ड्रन हॉस्पीटल, सेंटर फॉर पीडियाट्रिक स्लीप डिस्ऑर्डर्स, एण्ड इंस्ट्रक्टर इन पीडियाट्रिक्स, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, यूएसए।

9.27 बाल शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

वी. भटनागर

आचार्य

डी. के. गुप्ता (पुनर्ग्रहणाधिकार पर)

एम. बाजपेयी

अपर आचार्य

एस. अग्रवाल

एम. श्रीनिवास

विशिष्टताएं

एम सी एच पाठ्यक्रम के अतिरिक्त, विभाग भारतीय तथा विदेशी बाल शल्य चिकित्सकों हेतु अल्पकालीन प्रशिक्षण के लिए एक प्रमुख स्थल बन चुका है। विभाग ने तीन सम्मेलनों का आयोजन किया और संकाय सदस्यों ने देश के विभिन्न भागों में 40 अतिथि व्याख्यान तथा लाइव ऑपरेशन प्रदर्शन निष्पादित किए। विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में संकाय सदस्यों तथा रेजीडेंटों द्वारा कुल 44 वैज्ञानिक पत्र पढ़े गए। संकाय सदस्य 55 अनुसंधान परियोजनाओं में सम्मिलित हैं और बाहरी अनुदानों के माध्यम से कुल 1.08 करोड़ रुपए जनित किए। प्रकाशनों में प्रमुख समीक्षित तथा सूचीबद्ध पत्रिकाओं में 16 पत्र तथा 6 सार और 3 पुस्तक अध्याय सम्मिलित हैं। रोगी उपचार सुविधाओं के अंतर्गत लगभग सभी क्षेत्रों; जिसमें विभाग संलग्न है, में गुणात्मक तथा परिमाणात्मक प्राप्ति पूंजीबद्ध हैं। संकाय सदस्यों को उनके सर्वश्रेष्ठ कार्य तथा विशेषज्ञता के लिए पर्याप्त रूप से सम्मानित किया गया।

शिक्षा

क. नवजात शिशु विज्ञान में डी. एम उम्मीदवारों हेतु विशेष कक्षाएं आरंभ की गई।

ख. बाल शल्य चिकित्सा में निम्नलिखित उम्मीदवारों को अल्पावधिक प्रशिक्षण हेतु भेजा गया।

1. डॉ. मोनिका भगत, आर एवं आर आर्मी अस्पताल, नई दिल्ली
2. डॉ. बाहुबली जी, बैंगलोर मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर
3. डॉ. ममता बी, बैंगलोर मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर
4. डॉ. पारितोषा ठाकर, बैंगलोर मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर
5. कुमारी शीन भट्ट, मैलबोर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया

सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा आयोजित

1. बाल शल्य चिकित्सा में अस्पताल उपचार सहचारी संक्रमण, 28 मई, 2012
2. भारतीय शल्य चिकित्सक संघ के दिल्ली चैप्टर का वार्षिक सम्मेलन उद्घाटन, 8–9 सितम्बर, 2012
3. एम्स के रामालिंगास्वामी हॉल में बाल मूत्ररोग विज्ञान हेतु भारतीय एवं एशियन सोसायटी के तत्वावधान के अंतर्गत ''शिशुओं में लिंग का विकास'' विषय पर ब्रेन स्टोर्मिंग सत्र, 12 दिसम्बर, 2012

प्रदत्त व्याख्यान

वी. भटनागर : 13 एम. बाजपेयी : 10 एस. अग्रवाल : 8 एम. श्रीनिवास : 9

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर : 44

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. कनजेनिटल यूनिलेटरल यूरीटेरोपेल्विक जंक्शन ऑब्स्ट्रक्शन (गैर आनुवांशिकी मार्कर) में चिरकालिक इंटरस्टिशियल नैफ्रोपैथी के नैदानिक तथा आण्विक मार्कर विषय पर एक अध्ययन। एम. बाजपेयी। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर), 2011 – 14; 38 लाख रुपए।
2. पास्ट्रेरियर यूरेथ्रल वॉल्वों (पी यू वी) के निदान एवं उपचार में आण्विकीय मार्करों (गैर आनुवांशिक) की भूमिका का अध्ययन। बाजपेयी, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर) : 2011 – 14; 37 लाख रुपए।
3. फीनोटाइपिक लक्षण वर्णन, इमेजिंग तथा स्यूचरल हिस्टोमोर्फोलॉजी के संबंध में क्रेनियोसाइनोस्टोसिस के एटियोपैथोजिनेसिस का एक अध्ययन। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर), 2010–13, 28 लाख रुपए।
4. कॉलोस्टॉमी परिवर्तन पश्चात् कोलन के डिस्टल लूप में काजल के आन्त्र तंत्रिका प्रणाली एवं इंटरस्टिशियल कोशिकाओं में परिवर्तन/श्री निवास एम. एम्स अनुसंधान अनुदान 2012–13, 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी
1. प्राइमरी वेसिकोयूरेटेरिक रीफ्लस्क हेतु ऑपरेशन किए गए रोगियों का दीर्घावधिक फोलोअप।
2. विभिन्न ओर्चिडोपेक्सी तकनीकियाँ एवं नवजात चूहों में टेस्टिकूलर हिस्टोलॉजी तथा स्पर्मरोधी प्रतिपिण्ड प्रवर्धन पर इसका प्रभाव।
3. हाइपोस्पाडियास वाले क्रिप्टोचिडिज्म की गंभीरता के संबंध में टेस्टीकूलर दुष्क्रिया के निर्धारकों के रूप में बायोसिंथैटिक पैराक्राइन एवं इंडोक्राइन त्रुटियों का अध्ययन करना।
4. लिंग विकास के विकारों की नैदानिक प्रोफाइल एवं एटियोपैथोजिनेसिस का अध्ययन करना।
5. रीनल स्वास्थ्य लाभ पर प्रायोगिक रूप से उत्प्रेरित यूनिलेटरल पार्शियल यूरेटरिक ऑब्स्ट्रक्शन तथा रीनिन एंजियोटेन्सिन ब्लोकेड के प्रभावों के पश्चात् रीनल इंजूरी के प्रारंभिक, गैर – आक्रामक मार्कर के रूप में चूहे के मूत्र में टी जी एफ बी 1 तथा टी जी एफ बी – 1 एम आर एन ए में परिवर्तनों का अध्ययन करना (ए टी ।। ब्लॉकर, ए सी ई इनहिबिटर तथा एंटी रीनिन ड्रग, एलिसकेरिन द्वारा उत्प्रेरित आर ए एस ब्लोकेड)
6. इसोफेजियल आर्टिसिया – ट्रेकियाईसोफेजियल फिस्टूला हेतु ऑपरेशन करवाने के बाद पहले वर्ष के दौरान रोगियों की नैदानिक प्रोफाइल का अध्ययन करना।
7. भारतीय प्रीपबरटल लड़कों की नोमोग्राम आयु के लिए पीनिल लैंग्थ तथा हाइपोस्पाडियास की तुलना में नोमोग्राम वाले लड़कों में पीनिल लैंग्थ की तुलना।
8. हिर्सचुपरांग के विकार के ऑपरेशन किये गए रोगियों में दीर्घावधि कार्यात्मक परिणाम एवं जीवन की गुणवत्ता।
9. वेस्कूलर कुरचना में इंटरालिजनल सोडियम टेटरा डिसिल सल्फेट (एस टी एस) इंजेक्शन स्कलेरोथिरेपी का मूल्यांकन।

पूर्ण
1. हाइपोस्पेडियास हेतु द्वि अवस्था मरम्मत का दीर्घावधिक परिणाम।

2. चूहों में कोलोनिक एनास्टामोसिस के ठीक होने पर इस्चेमिक / रीपरफ्यूजन इंज्यूरी के डिलिट्रीयस प्रभावों को रोकने के लिए एमिनोगोनिडाइन की भूमिका।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी
1. एशियाई भारतीय बच्चों में क्रेनियोसाइनोस्टोसिस तथा इसके लक्षण वर्णन का जीनोटाइपिक एवं फीनोटाइपिक अध्ययन (नाभिकीय चिकित्सा)।

2. विभिन्न हेपाटोबाइलरी रोग वाले राज्यों में पित्त का विश्लेषण : एक अग्रदर्शी अध्ययन (प्रयोगशाला चिकित्सा, जठरांत्र रोग विज्ञान)

3. कॉलीडोकल सिस्ट के रोगियों में यकृत, सामान्य चैनल की लंबाई तथा मात्रा में पित्त, ऊतक विकृति विज्ञानी परिवर्तनों में जैव रासायनिक परिवर्तनों के साथ इंट्रासिस्टिक दबाव को सहसंबंध करना। (विकिरण निदान, विकृति विज्ञान)।

4. न्यूरोजेनिक ब्लैडर : जोखिम समूहों की पहचान और उनकी चिकित्सीय जटिलताओं पर एक अध्ययन (विकिरण निदान, नाभिकीय चिकित्सा)।

5. चूहे में एंटेरिक तंत्रिका प्रणाली और कोलोस्टॉमी परिवर्तन के पश्चात कॉलन के डिस्टल लूप में काजल के इंटरस्टिशियल कोशिकाओं में परिवर्तन (शरीर रचना विज्ञान)

6. बच्चों में अर्बुद के इविंग सारकोमा परिवार में एंजियोजेनिक फीनोटाइप्स (वी ई जी एफ और माइको वैसल डेंसिटी) की अभिव्यक्ति (बाल अर्बुद विज्ञान, विकिरण निदान, विकृति विज्ञान)।

7. पोर्टल हाइपरटेंशन और यकृत ऊत्तक विज्ञान के साथ पेरीफेरल रक्त में सीरम नाइट्रिक ऑक्साइड स्तर के सह संबंध और कोलेडोकल सिस्ट के रोगियों में पोर्टल हाइपरटेंशन के प्रभाव का मूल्यांकन करना। (जैव रसायन, विकृति विज्ञान)

8. हिर्चसप्रंग विकार वाले बच्चों में जी डी एन एफ और जी एफ आर – ए 1 (शरीर रचना विज्ञान, विकृति विज्ञान)।

9. ई एच बी ए के रोगियों में पोर्टल हाइपरटेंशन का प्रभाव और पेरीफेरल रक्त में सीरम नाइट्रिक ऑक्साइड स्तर के माप द्वारा कसाइ पोर्टोएंट्रोस्टॉमी के बाद मॉनिटर इसकी प्रगति का मूल्यांकन करना (जैव रसायन, विकृति विज्ञान)।

10. एंटीनेटल अल्ट्रासोनोग्राफी और पोस्टेरियर यूरेथ्रल वाल्वों में प्रीडिक्टिंग विकार की गंभीरता में रीनिन एंजियोटेंसिन सिस्टम एक्टिवेशन की प्रोग्नोस्टिक सिग्निफिकेंस का अध्ययन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान, बाल रोग विज्ञान, नाभिकीय चिकित्सा)

11. पोर्टल प्रेशर, सीरम नाइट्रिक ऑक्साइड लेवल एवं यकृत ऊत्तक विकृति विज्ञान के साथ बिलयरी एट्रेशिया के रोगियों में हैपेटिक डुपलेक्स सोनोग्राफी का सहसंबंध (विकिरण विज्ञान, जैव रसायन, विकृति विज्ञान)

12. पेल्वियूरेट्रिक जंक्शन ऑब्स्ट्रक्शन (पी यू जे ओ) हेतु पाइलोप्लास्टी करवाने वाले बच्चों में दीर्घावधिक डी जे स्टंट और अल्पावधिक बाहरी यूरेटिक ट्रांस – एनेस्टामोटिक स्टंट तथा एक नेफ्रोस्टॉमी की तुलना में यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (विकिरण निदान, नाभिकीय चिकित्सा)।

13. गैर–ए आर टी उत्प्रेरित सगर्भताओं तथा ए आर टी उत्प्रेरित सगर्भताओं के बीच सर्जकली कुरेक्टेबल बर्थ त्रुटियों में इनहेरिटेंस के जोखिम कारकों एवं पद्धतियों पर एक तुलनात्मक अध्ययन। (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)।

14. नवजात चूहों में प्रायोगिक डाइवर्जन (शरीर रचना विज्ञान)।

15. नवजात में लोकल एनस्थिसिया सहित तथा बिना इनफिल्ट्रेशन सर्जरी पश्चात् हाइपर ग्लिसिमिक प्रतिक्रिया का अध्ययन करना (जठरांत्र रोग विज्ञान, संवेदनाहरण विज्ञान)

16. महिलाओं में निम्न एनोरेक्टल कुरचना के उपचार हेतु प्राथमिक डिफिनिटिव प्रक्रिया बनाम रूढ़िगत तीसरी अवस्था प्रक्रिया : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जैव सांख्यिकी)।

17. ब्लैडर एक्स्ट्रोफी – एपिस्पेडियास कॉम्पलेक्स : ऊपरी तथा निचले यूरिनरी ट्रेक्ट परिणामों से संबद्ध ब्लैडर वृद्धि के संबंध में डिटरूसर की हिस्टोमोर्फोलॉजी पर एक अध्ययन (विकृतिविज्ञान)।

18. बेसिकोरिट्रिक रीफलस्क के विभिन्न ग्रेडों में रीनल आरक्षण (नाभिकीय चिकित्सा)।

19. हेपेटोब्लास्टोमा रोगियों में प्रीडिक्टिंग प्रोग्नोसिस में डी एन ए प्लोइडी की भूमिका का मूल्यांकन (विकृति विज्ञान)।

20. कॉनजेनिटल डायफ्राग्मेटिक हर्निया के रोगियों में न्यूरोबिहेवियरल परिणाम का मूल्यांकन (मनोचिकित्सा विज्ञान)।

21. रोगियों के समग्र नैदानिक परिणाम के साथ इसका सह संबंध तथा हेपेटोब्लास्टोमा में सी टी एन एन बी। जीन परिवर्तनों की बारम्बारता का अध्ययन करना (विकृति विज्ञान)।

22. एपेडिसेक्टॉमी और शिशु आयु के पार आर्चियोपेक्सी तथा साइज स्पेक्ट्रम के लिए लेपरोस्कॉपिक एप्रोच की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन (संवेदनाहरण विज्ञान, विकिरण विज्ञान)।

23. विल्मस अर्बुद में माइक्रोएनवायरमेंट अर्बुद में टी रेगुलेटरी कोशिकाओं तथा साइटोकिन्स की भूमिका निरूपण (विकृति विज्ञान)।

24. बिलियरी एट्रेसिया में यकृत के प्रतिरक्षा ऊत्तक रसायन के साथ ऑटोइम्यून इंफ्लेमेशन के सीरीलॉजिकल मार्करों का एक तुलनात्मक सह संबंध (विकृति विज्ञान, जैव रसायन)।

25. शिशु निओप्लाज्मा, न्यूरोब्लास्टोमा में एस सी एफ / सी – किट जीन का जिनोमिक एवं प्रोटियोमिक विश्लेषण (विकृति विज्ञान, जैव रसायन)।

26. विल्म्स अर्बुद में जीन अल्पता तथा उत्परिवर्तन : ऊतक विकृति विज्ञान एवं परिणाम के साथ सह संबंध (विकृति विज्ञान)।

27. न्यूरोब्लास्टोमा तथा पी एन ई टी के रोगियों में रेगुलेटरी टी कोशिका काइनेटिक्स का मूल्यांकन – एक अग्रदर्शी अध्ययन (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)।

28. एविंग के सारकोमा/पी एन ई टी वाले रोगियों के क्लिनिक विकृति विज्ञानी करेक्टरस्टिक्स, प्रोग्नोस्टिक कारकों एवं उपचार परिणामों का मूल्यांकन (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)

पूर्ण

1. कॉलीडोकल सिस्ट हेतु सर्जरी के बाद यकृत ऊतक विज्ञान में परिवर्तनों का अध्ययन करना (विकिरण निदान, विकृति विज्ञान)।

2. ऊपरी यूरेट्रिक ऑब्स्ट्रक्शन के चूहा नमूने में स्टेम सेल के प्रभाव का अध्ययन करना (विकृति विज्ञान, मूल कोशिका सुविधा)।

3. न्यूरोब्लास्टोमा में मोलेक्यूलर जिनेटिक विश्लेषण के लिए सूक्ष्म सूई चूषण साइटोलॉजी का मूल्यांकन (विकृति विज्ञान, शरीर रचना विज्ञान)।

4. पोस्टेरियर यूरेथ्रल वाल्वों में मॉनिटरिंग चिकित्सा के लिए मूत्र में प्रोफिब्रोटिक साइटोकिन्स टी जी एफ – बी 1, टी एन एफ – अल्फा और आई एल 6 का एक अध्ययन (विकिरण निदान, नाभिकीय चिकित्सा)।

5. बाल रोगियों में थोरेकोटॉमी के पश्चात् मुस्कुलोस्केल्टल तथा पुल्मोनरी फंक्शन की अपसामान्यताओं का एक सर्वे (विकिरण निदान, अस्थिरोग विज्ञान, बाल चिकित्सा विज्ञान)।
6. अतिरिक्त हेपेटिक बिलियरी कोलेस्टासिस वाले रोगियों के यकृत टिशू में मानव साइटोमेगालोवाइरस डीएन ए का अध्ययन (सूक्ष्म जैव विज्ञान, विकृति विज्ञान)।

7. बिलियरी एट्रेसिया के रोगियों में विटामिन डी और ट्रेस तत्वों के विशेष संदर्भ में वृद्धि एवं पौषणिक स्थिति का मूल्यांकन (बाल रोग विज्ञान, अंतःस्राविकी, विकृति विज्ञान)।

8. ब्लैडर एक्सट्रॉफी – एपिस्पेडियास कॉम्प्लेक्स में एम टी एच एफ आर पॉलीमारफिज्म सी 677 टी के एसोसिएशन का अध्ययन करना (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)।

9. एनोरेक्टल कुरचना के रोगियों में जीवन के दीर्घावधि कार्यात्मक परिणाम एवं गुणवत्ता (विकिरण निदान)

10. कंटरालेटरल किडनी और प्रायोगिक रूप से उत्प्रेरित यूनिलेटरल यूरेटेरिक ऑब्स्ट्रक्शन – ए मोर्फोमीट्रिक विश्लेषण में रीनल रिकवरी पर रिनिन एजियोटेंसिन सिस्टम ब्लोकेड की भूमिका पर इपसिलेटरल यूरेटेरिक ऑब्स्ट्रक्शन के प्रभाव का अध्ययन करना (विकृति विज्ञान)।

11. प्रायेगिक रूप से उत्प्रेरित यूनिलेटरल यूरेट्रिक ऑब्स्ट्रक्शन– एक मॉर्फोमिट्रिक विश्लेषण में रीनल रिकवरी पर रिनिन एंजियोटेसिन सिस्टम ब्लोकेड की भूमिका का अध्ययन करना (विकृति विज्ञान)

12. पाइलोप्लास्टी करवाने वाले रोगियों में रीनल फंक्शन की रिकवरी (नाभिकीय चिकित्सा)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 17 **सार : 6** **पुस्तकों में अध्याय : 3**

रोगी उपचार

उपलब्ध सुविधाएं

- नवजात शल्यक रोगियों हेतु गहन उपचार यूनिट।
- बाल शल्य चिकित्सा विभाग के अंतर्गत ऑपरेशन किए गए रोगियों हेतु उच्च निर्भरता क्षेत्र।
- कंप्यूटर आधारित यूरोडायनेमिक अध्ययन।
- कंप्यूटर आधारित एनोरेक्टल मेनोमिटरी।
- कंप्यूटर आधारित इसोफेजियल मेनोमिटरी।
- गैस्ट्रो इसोफेजियल रीफलक्स हेतु 24 घण्टे पी एच मॉनिटरिंग

विशेष क्लिनिक

- जलशीर्ष क्लिनिक
- क्रेनियोसिनोस्टोसिस क्लिनिक
- बाल मूत्ररोग विज्ञान क्लिनिक
- उभयलिंगी क्लिनिक
- बाल ठोस अर्बुद क्लिनिक

प्रयोगशालाएं

- विभागीय अनुसंधान प्रयोगशाला
- यूरोडायनेमिक, इसोफेजियल तथा एनोरेक्टल मेनोमिटरी हेतु प्रयोगशाला

समुदाय सेवाएं

- सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में साप्ताहिक बहिरंग रोगी क्लिनिक तथा शल्यक सत्र।

ओ पी डी तथा विशेष क्लिनिकों मे उपस्थिति

	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
सामान्य ओ पी डी	5769	13394	19163
जल शीर्ष क्लिनिक	19	119	138
क्रेनियोसिनोस्टोसिस क्लिनिक	02	02	04
बाल मूत्र रोग विज्ञान क्लिनिक	572	2873	3445
उभयलिंगी क्लिनिक	0	61	61

बाल ठोस अर्बुद क्लिनिक	148	1641	1789
सी आर एच एस पी बल्लभगढ़ ओ पी डी	–	–	1628

दाखिलें

ए बी 5 वार्ड	1308	ए बी 5 आई सी यू	173

ऑपरेशन

कुल	2103		
बड़े	1578	लघु	525
ओ पी डी में छोटे ऑपरेशन	1357	सी आर एच एस पी बल्लभगढ़	268

विशेष जांचे

यूरोडायनेमिक मूल्यांकन	463	यूरोफ्लोमीटरी	715
इसोफैजियल मेनोमीटरी	1	एनोरेक्टल मेनोमीटरी	103

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

'पेरीफेरली इंसर्टिड सेंटरल वीनस बनाम शल्यक नवजात में सेंटरल लाइन – एक तुलना प्रकाशित लेख हेतु आई ए पी एस, 2012 का पुरुशोत्तम उपाध्याय अनुसंधान पुरस्कार। एम राघवन, एस. गजुला, डी. के. यादव, एस. अग्रवाल, एम. श्री निवास, एम. बाजपेयी, वी. भटनागर, डी. के. गुप्ता, इंडियन जर्नल ऑफ पेडिएट्रिक्स 2010; 77 : 171 – 174'

प्रोफेसर वी. भटनागर को संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के नए सृजित बाल शल्य चिकित्सा विभाग हेतु अध्ययन बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया, फरवरी 2011; चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय, नई दिल्ली की शासी परिषद के सदस्य, वर्ष 2012, बाल शल्य चिकित्सा, ई एस आई अस्पतालों हेतु चयन समिति के सदस्य बनें, वर्ष 2012, यू पी एस सी में बाल शल्य चिकित्सा हेतु चयन समिति के सदस्य बनें, वर्ष 2013, पं. बी डी शर्मा विश्वविद्यालय, रोहतक में बाल शल्य चिकित्सा हेतु चयन समिति के सदस्य बने, वर्ष 2013; संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में बाल शल्य चिकित्सा हेतु चयन समिति के सदस्य बने, वर्ष 2013।

आचार्य एम बाजपेयी, को भोपाल में आई ए पी एस के आयोजित वार्षिक सम्मेलन में भारतीय बाल शल्य चिकित्सक एसोसिएशन के एम एस आर व्याख्यान में पुरस्कृत किया गया, नवम्बर, 2012; पुनरीक्षण न्यायालय मामलों में महा निदेशक, आई सी एम आर द्वारा निर्माण भवन में यौन विकास के विकारों के विषय पर तकनीकी विशेषज्ञ नियुक्त किये गए, एथिलिट्स की चिकित्सा जांच : खेल मंत्रालय – तकनीकी विशेषज्ञ समिति के सदस्य।

डॉ. एस. अग्रवाल को एशियाई बाल शल्य चिकित्सक एसोसिएशन का कार्यकारी बोर्ड सदस्य नामित किया गया; अंतरारष्ट्रीय बाल शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान (आई पी एस ओ) का कार्यकारी बोर्ड का सदस्य नामित किया गया; भारतीय बाल चिकित्सा जर्नल का सेक्शन एडिटर; चाल्इड हुड एवं बाल शल्यक अर्बुद विज्ञान मास्टर कक्षाओं के कैंसर एवं रक्त विकारों के चौथे क्षेत्रीय सम्मेलन हेतु कोर्स इंस्ट्रक्टर, 7–9 नवम्बर 2012, अमान, जोर्डन। ई यू पी एस ए के 13वें सम्मेलन और बी ए पी एस के 59वें सम्मेलन के दौरान बाल शल्यक अर्बुद विज्ञान हेतु कोर्स इंस्ट्रक्टर की मास्टर कक्षाएं चलायी गई, 13–16 जून 2012, रोम, इटली।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. गुलाम मुस्तफा जीमेरे, बाल रोग सर्जरी के प्रमुख, इंदिरा गांधी शिशु स्वास्थ्य संस्थान, काबूल, अफगानिस्तान।
2. डॉ. हबीब – उर – रहमान कासिम, बाल रोग सर्जन परामर्शदाता, इंदिरा गांधी शिशु स्वास्थ्य संस्थान, काबूल, अफगानिस्तान।
3. डॉ. फैजा हैदर, बाल रोग सर्जन परामर्शदाता, सल्मानिया मेडिकल कॉम्प्लेक्स किंगडम ऑफ बैहरीन।

9.28 विकृति विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
सुब्रत के. पाण्डा

आचार्य
चित्रा सरकार, मनोज कु. सिंह, एस. दत्ता गुप्ता, रजनी सफाया, रुमा रे, ए. के. करक, ए. के. डिंडा

अपर आचार्य
एम. सी. शर्मा, वेंकटेश्वरन के. अय्यर

सह आचार्य
संदीप आर. माथुर, वैशाली सूरी

सहायक आचार्य
सुधीर अरावा, गीतिका सिंह, असित रंजन मिरधा, दीपाली जैन, प्रसनजीत दास

समूह ए अधिकारी
भारत भूषण खुराना, हिमेंदर सिंह तोमर

शिक्षा

स्नातकोत्तर

वरिष्ठ रेजीडेंट : 18; एम डी छात्र : 22; पी एच डी छात्र : 11

अल्पकालीन प्रशिक्षण

1. बी पी के आई एच एस, धरण से 1 से 31 मार्च 2013 के बीच एक माह के लिए पांच प्रशिक्षु।
2. डॉ. रंजना सोलंकी और दीपिका हेमराजानी ने गुर्दा और प्रतिरोपण विकृति विज्ञान में 19 नवम्बर 2012 से 9 दिसम्बर 2012 तक 3 सप्ताह के लिए।
3. डॉ. सैयद बेसिरा यासिन ने 18 जून 2012 से 12 अगस्त 2012 तक 8 सप्ताह के लिए।
4. के आई आई टी विश्वविद्यालय के दो छात्र 3 अगस्त 2012 से 2 फरवरी 2013 के बीच 6 माह के लिए।
5. ओमान से विकृति विज्ञान में तीन माह के लिए सुश्री नजत मुबारक अल दैरी ने दिसम्बर 2012 से फरवरी 2013 तक।
6. डॉ. प्रकाश पाण्डे, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया से हिस्टोपैथोलॉजी और साइटोपैथोलॉजी में 5 अप्रैल 2012 से 4 मई 2012 तक एक माह के लिए।
7. प्रो. चंदा दत्ता गुर्दा विकृति विज्ञान में 10 से 15 दिसम्बर 2012 तक एक सप्ताह के लिए।

दीर्घकालीन प्रशिक्षण

1. मेजर रिचा रंजन 4 जून 2012 से 3 जून 2014 तक 2 वर्ष के लिए ।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

विभाग द्वारा आयोजित

1. डीएपीसीओएन–2013, दिल्ली चैप्टर ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट और माइक्रोबायोलॉजिस्ट (आई ए पी एम), 23–24 फरवरी 2013 की वार्षिक बैठक आयोजित।

2. एप्लीकेशन्स ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी इन कैंसर थैरेपी, 3–4 मार्च 2013, कॉन्फ्रेंस हॉल, एम्स पर विशेषज्ञ समिति बैठक और विचार मंथन।

प्रदत्त व्याख्यान

एस. के. पांडा : 1 **सी. सरकार : 12** **एस. दत्ता गुप्ता : 13** **ए. के. डिंडा : 6**
एम. सी. शर्मा : 7 **वी. के. अय्यर : 4** **संदीप माथुर : 3** **वी सूरी : 7**
सुधीर अरावा : 3 **गीतिका सिंह : 4** **ए. आर. मिरधा : 3** **डी. जैन : 5**
प्रसेनजीत दास : 1

मौखिक पोस्टरों / पत्रों की प्रस्तुतीकरण : 37

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. मस्तिष्क के एस्ट्रोसाइटिक अर्बुदों में एंजियोजेनेसिस : वेस्कूलर इंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर (वी ई जी एफ) तथा हाइपोक्सिया उत्प्रेरित फैक्टर (एच आई एफ) – 1 एल्फा की अभिव्यक्ति के विशेष संदर्भ के साथ एक लाक्षणिक विकृति विज्ञानी अध्ययन तथा वैस्क्यूलर मोर्फोमिट्रिक पैरामीटर्स और ट्यूमर इंफिलट्रैटिंग इंफ्लैमैटरी सेल्स के साथ सह संबंध। चित्रा सरकार। आई सी एम आर, 2009–12। 21 लाख रुपए।

2. ग्लियल अर्बुदों तथा कोशिका रेखाओं के स्टेमनेस में हाइपोक्सिया तथा पी53 एच 1 सी 1 एक्सिस। चित्रा सरकार। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2009–12। 50.5 लाख रुपए।

3. भारत में विल्म्स अर्बुद के वर्गीकरण तथा पूर्वानुमान में आण्विक आनुवंशिक परिवर्तनों की भूमिका : डब्ल्यू टी – 1 तथा डब्ल्यू टी – 2 क्षेत्र एवं बीटा केटेनिन पाथवे का एक मूल्यांकन। वी के अय्यर। एम्स, 2012–13, 10 लाख रुपए।

4. स्तन कैंसर में फाइन नीडल एस्पिरेशन साइटोलॉजी स्मीयर्स पर हर – 2 / नीयू स्टेट्स का विश्लेषण तथा हॉर्मोन रिसेप्टर स्टेट्स प्रोलीफिरेशन मार्करों और एपॉप्टॉसिस के साथ इसका सह संबंध : एक फ्लूरोसेंट इन – सीटू हाइब्रीडाइजेशन (एफ आई एस एच) तथा इम्यूनोसाइटोकैमिस्ट्री अध्ययन, सी एस आई आर, 2009–12, 14 लाख रुपए।

जारी

1. हिपेटाइटिस ई वायरस की गैर संरचनात्मक पॉलीप्रोटीन (पी ओ आर एफ आई) प्रोसेसिंग। एस के पाण्डा। डी बी टी, 2008–13, 66 लाख रुपए।
2. क्रॉनिक हिपेटाइटिस बी से जुड़े यकृत रोग संबंधी हिपेटाइटिस ई वायरस (एच ई वी) अति संक्रमण। एस के पांडा। डी बी टी, 2011–14, 87 लाख रुपए।

3. उप जीनोमिक आर एन ए के निर्माण के लिए जिम्मेदार हिपेटाइटिस ई वायरस में इंटरजेनिक सिस के रूप में कार्यरत तत्वों का विश्लेषण। एस के पांडा, डी बी टी, 2012 – 15, 78 लाख रुपए।

4. गैर एल्कोहलिक वसा यकृत रोग (एन ए एफ एल डी) और गैर एल्कोहलिक इस्टीटो हिपेटाइटिस (एन ए एस एच) के विकृति शरीर क्रिया विज्ञान अध्ययन हेतु एक पात्रे प्रणाली का विकास। एस के पांडा, आई सी एम आर, 2012 – 15, 48 लाख रुपए

5. ग्लियोब्लास्टोमा मल्टी फॉर्म में बड़े इमप्रिंटिड एम आई आर एन ए समूह की भूमिका समझने के लिए जीनोमिक और कार्यात्मक मार्ग। चित्रा सरकार, डी बी टी, 2012–14, 50 लाख रु.।

6. ग्लियोमास में पॉलीकोम्ब रीप्रैसिव कॉम्प्लेक्सिस का एक लाक्षणिकविकृति विज्ञानी तथा आण्विक आनुवंशिक अध्ययन। चित्रा सरकार। आई सी एम आर, 2012–15, 50 लाख रुपए।

7. बच्चों तथा वयस्कों में ग्लियोब्लास्टोमास : मॉलीक्यूलर पाथवेस तथा एम जी एस टी मैथीलेशन स्टेट्स के विशेष संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन। वैशाली सूरी। आई सी एम आर, 2010–13, 24 लाख रुपए।

8. ''मिर्गी के उपचार में कठिनाई'' पर विशेष संदर्भ सहित मिर्गी में अनुसंधान हेतु केन्द्र । चित्रा सरकार। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2010–15, 34.86 लाख रुपए।

9. ग्लियोब्लास्टोमा में हाइपोक्सिया तथा नोच सिगनलिंग : प्रतिकूल फीनोटाइप हेतु जटिलताएं। चित्रा सरकार। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2011–14, 48 लाख रुपए।

10. ग्लियोब्लास्टोमा में हाइपोक्सिया रेजीजटेंस की आण्विक क्रियाविधियां : माइक्रो आर एन ए की भूमिका। चित्रा सरकार। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2011–14, 65 लाख रुपए।

11. मृत जन्मों के आनुवंशिक मूल्यांकन में एरे आधारित तुलनात्मक जिनोमिक हाइब्रिडाइजेशन (एरे सी जी एच) का नैदानिक अनुप्रयोग। चित्रा सरकार तथा एम सी शर्मा। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2012–15, 85 लाख रुपए।

12. अल्ट्रा फाइन गोल्ड नैनोपार्टिकल्स नोवल एक्स रे कंट्रास्ट एजेंट के रूप में उनकी उपयोगिता और सुरक्षा का सिंथेसिस और लक्षण वर्णन : पशु मॉडल में एक इन वीवो अध्ययन। ए. के. डिंडा। आई सी एम आर, 2011–13, 30 लाख रुपए।

13. ह्यूमन कॉर्नियल कंस्ट्रक्ट एसैम्बलिंग हेतु सेल शीट इंजीनियरिंग। ए. के. डिंडा। आई आई टी दिल्ली, 2011–15 रुपए, 1 करोड़।

14. विसरल लिशमानियासिस के इलाज के लिए एम्फोटेरिसिन बी की औषधि प्रदायगी प्रणाली आधारित लागत प्रभावी नैनो कण का विकास। ए के डिंडा, डी बी टी, 2012– 15, 89 लाख रुपए।

15. स्तन कैंसर में भावी मार्कर के तौर पर एम आई आर एन ए वि–विनियमन और आई एल–10 अभिव्यक्ति का अध्ययन। ए के डिंडा, सी एस आई आर, 2012–15, 25 लाख रुपए।

16. इनमास जैव चिकित्सा उत्पादों की आविष विज्ञान रूपरेखा और मानव फॉर्मेकोलॉजी। ए के डिंडा, डी आर डी ओ, 2012 – 15, 19 लाख रुपए।

17. कोशिका विज्ञान स्मीयरों से निकाले गए डी एन ए पर प्रयोग हेतु हाइब्रिड कैप्चर II द्वारा एच पी वी पहचान का ऑप्टीमाइजेशन : विकासशील देशों हेतु एक उपयुक्त पद्धति। वी. के. अय्यर। आई सी एम आर, 2012–15। 19.8 लाख रुपए।

18. महिला प्रजनन तंत्र तपेदिक पर आई सी एम आर कार्यबल अध्ययन : पारंपरिक विधियों (हिस्टोपैथोलॉजी, संवर्धन, एंडोमेट्रीयल नमूनों में ए एफ बी अभिरंजन) और बच्चे ने पैदा करने वाली महिलाओं में प्रजनन अंगों के तपेदिक का पता लगाने में लेपेरोस्कोपी। वी के अय्यर (इम्यूनो हिस्टोकैमिस्ट्री संदर्भ प्रयोगशाला), आई सी एम आर, 2012–15, 35.24 लाख रुपए

19. विल्म ट्यूमर के आण्विक रोगाणुजनन में ग्लाइपीकन 3 की भूमिका और पूर्वानुमान तथा उपचार प्रतिक्रिया में इसका महत्व। वी के अय्यर, डी बी टी, 2013–16, 19.55 लाख रुपए।

20. बी के पॉलियोमा वायरस और यूरोथिलियल कार्सिनोमा का संबंध : भारतीय आबादी में एक अध्ययन। गीतिका सिंह, एम्स, 2012–13, 4.98 लाख रुपए।

21. भारतीय रोगियों में सेलियाक रोगों के निदान और अनुवर्तन के लिए वस्तु प्रकाश सूक्ष्मदर्शी और आकरिकी मानदण्डों का विकास। प्रसेनजीत दास, एम्स, 2013–14, 10 लाख रुपए।

22. एविग सार्कोमा में सी एक्स सीआर4, एस डी एफ– 1, सी एक्स सीआर7 अभिव्यक्ति का इम्यूनोहिस्टोकैमिकल विश्लेषण, पी53 उत्परिवर्तन और के आई 67 लेबलिंग इंडेक्स (एल आई) के साथ इसका सह संबंध तथा भावी निहितार्थ। ए आर मिरधा, एम्स, 2013–14, 10 लाख रुपए।

23. इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री और स्व स्थाने हाइब्रिडाइजेशन तकनीक का उपयोग करते हुए नॉन स्मॉल कोशिका फेंफड़े के कैंसर में ईजीएफआर उत्परिवर्तन का विश्लेषण। दीपाली जेन, एम्स, 2013–14, 10 लाख रुपए।

24. इंडोमेटरियल हाइपरप्लासिया और कार्सिनोमा में बायोमार्करों की अभिव्यक्ति का अध्ययन। एस. आर. माथुर, एम्स, एक वर्ष, 4.6 लाख रुपए।

25. थोरेसिक एरोसिक एन्यूरिज्म में मेट्रिक्स मेटेलो प्रोटीनेस – 2, मेट्रिक्स मेटेलो प्रोटीनेस – 9, ऊतक संदमक मेटेलो प्रोटीनेस – 1, ऊतक संदमक मेटेलो प्रोटीनेस – 2, कोलेजन 1 और 4 की अभिव्यक्ति। सुधीर कुमार ए, एम्स, 2013–14, 10 लाख रुपए।

26. चिकित्सा और विज्ञान अध्यापन के लिए आभासी चिकित्सा कक्षाकक्ष का उभरता हुआ साधन। एम के सिंह, राष्ट्रीय ज्ञान आयोग, 2011–13, 92.70 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. सी एन एस ए टी / आर टी का लाक्षणिक विकृति विज्ञानी अध्ययन।

2. पाइनियल अर्बुदों का लाक्षणिक विकृति विज्ञानी अध्ययन।

3. हाइपरग्लिसेमिक तथा हाइपरनेट्रामिक स्थिति में वृक्क कोशिका रेखाओं में आयरन मेटाबॉलिज्म के साथ जुड़े प्रोटीनों का अध्ययन।

4. सी डी 5+बी कोशिका लिम्फोमास : एक मोर्फोलॉजी तथा प्रतिरक्षा ऊतक रासायनिक अध्ययन।

5. नॉन हॉडकिन लिम्फोमा में सीडी 68 अभिव्यक्ति की स्थिति तथा चिकित्सीय प्रतिक्रिया और पूर्वानुमान के संदर्भ में इसका क्लिनिकल महत्व।

6. इंडोमटीरियल इंडोमर्टियॉइड कार्सिनोमा में डी के के 1 की अभिव्यक्ति तथा डब्ल्यू एन टी / बीटा कैटानिन सिग्नलिंग पाथवे के साथ इसका सह संबंध।

7. पोस्ट – नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी एडवांस्ड स्टेज ओवेरियन सिरयस सिस्टेडिनाकार्सिनोमास में कीमोथेरेपी से उत्प्रेरित मोर्फोलॉजिक परिवर्तनों तथा प्रोग्नोस्टिक मार्करों की अभिव्यक्ति का विश्लेषण।

जारी

1. इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री द्वारा मैड्यूलो ब्लास्टोमा की सब टाइपिंग।

2. हैमेंजियोपेरीसाइटोमास में एम जी एम टी मेथिलेशन।

3. ग्लियोमास में हिस्टोन मार्कर की अभिव्यक्ति।

4. ग्लियोसार्कोमा में एम जी एम टी मेथिलेशन।

5. कैल्पीन – 3, डिस्फरलीनेंड सारकोग्लाइकेन प्रोटीन विश्लेषण का प्रयोग करके भारतीय आबादी में लिम्ब गिरडल मस्क्यूलर डिटस्ट्रोफी (एल डी एम डी) रोगियों का अध्ययन।

6. लिम्ब गर्डल मस्क्यूलर डिटस्ट्रोफी (एल जी एम डी) के भारतीय रोगियों का उत्परिवर्तन विश्लेषण।

7. सबएपिन्डाइमल जायंट सैल एस्ट्रोसाइटोमास तथा कोर्टिकल डिस्प्लेसिया में डब्ल्यू एन टी पाथवे का ट्यूबर्स स्कलीरोसिस कॉम्प्लेक्स और अपरेगुलेशन का अध्ययन।

8. एपेडिमोमास में ह्यूमन टिलोमिरेस रीवर्स ट्रांसक्रिप्टेस (एच टी ई आर टी) तथा मूल कोशिका मार्करों की अभिव्यक्ति का अध्ययन – एपॉप्टॉटिक और प्रोलीफिरेटिव मार्करों के साथ सह संबंध।

9. बाल ग्लियोमास का आण्विक आनुवंशिक अध्ययन।

10. मेनिनजियोमास में आनुवंशिक परिवर्तनों का विश्लेषण।

11. इंडोसाइटोसिस और कैल्शियम फॉस्फेट आधारित फेट एवं गोल्ड नैनो पार्टिकल का अध्ययन।

12. नैनो पार्टिकल मेडिएटिड एंटीजन प्रस्तुतीकरण और मैक्रोफेज द्वारा संसाधित एंटीजन का मॉड्यूलेशन।

13. कैंसर टारगेटिंग हेतु धातु नैनो पार्टिकल का विकास।

14. विलम्स अर्बुदों में जीनों की अपूर्णता और उत्परिवर्तन : ऊतक विकृति विज्ञान तथा परिणाम के साथ सह संबंध।

15. विच्छेदित करके निकाले गए गैस्ट्रोइंस्टेटाइनल नमूनों में लिम्फ नोड की प्राप्ति : विभिन्न तकनीकों में एक तुलनात्मक अध्ययन।

16. कोलोरेक्टल कार्सिनोजेनेसिस के दौरान कोलोन म्यूकोसा में अनोखे हिस्टोलॉजिकल प्री नियोप्लास्टिक घावों की पहचान।

17. आंत में म्यूरोनल डिस्प्लासिया : विकृति वैज्ञानिक द्वारा दुर्लभ रूप से रिपोर्ट की गई घटना।

18. कम्प्यूटर समर्थित इमेज विश्लेषण प्रणाली द्वारा एन ए एस एच रोगियों की यकृत बायोप्सी में स्टीटोसिस और फाइब्रोसिस के विस्तार की गैर सिरोटिक पोर्टल हाइपरटेंशन वस्तुनिष्ठ स्कोरिंग प्रणाली वाले रोगियों की हिस्टोपैथोलॉजी।

19. गैर सिरोटिक पोर्टल फाइब्रोसिस बनाम एक्स्ट्रा हिपेटिक पोर्टल फाइब्रोसिस के हिस्टोपैथोलॉजिकल स्पैक्ट्रम – हम इनके निदान तक किस प्रकार पहुंचें?

20. हिपेटिक वेनस आउटफ्लो ट्रेक्ट रुकावट पर दोबारा नजर डालने पर हिस्टोपैथोलॉजी : 143 मामलों का एक विश्लेषण।

21. फीनोटाइपिक लाक्षणीकरण द्वारा मृत जन्म में आभासी और पारंपरिक शव विच्छेदन का तुलनात्मक अध्ययन।

22. फाइब्रोसिस, केशिका घनत्व, आर्टीओलर घनत्व और कोलेजन 4 वितरण के पैटर्न का हिस्टोपैथोलॉजिक तथा मोर्फोमेट्रिक विश्लेषण करने के विशेष संदर्भ सहित विस्तारित कार्डियोमायोपैथी का विकृति विज्ञान मूल्यांकन – एंडोमायोकार्डियल बायोप्सी तथा एक्सप्लांटिड नेटिव हृदय का अध्ययन।

23. रिह्यूमेटिक हृदय रोग के कारण एट्रियल फाइब्रिलेशन के रोगियों में सर्जरी द्वारा निकाले गए बाएं एट्रियल एपेंडेज की प्रकाश सूक्ष्मदर्शी और अति संरचनात्मक विशेषताओं का हिस्टोपैथोलॉजिकल विश्लेषण।

24. कोरोनरी आर्टरी बाइपास के लिए एक गली के तौर पर प्रयुक्त रेडियल और बाईं आंतरिक मेमरी धमनियों में पेपावेरिन इंजेक्शनों के बाद एंडोथिलियल चोट और अन्य हिस्टोपैथोलॉजिकल बदलाव।

25. सीटी स्कैनर की दोहरी ऊर्जा तकनीक की तुलना में कोरोनरी एथिरोस्केलेरोसिस में एथिरोस्केरोटिक प्लाक का हिस्टोपैथोलॉजिकल और जैव रासायनिक विश्लेषण।

26. लिम्फ नोड मेटास्टेसिस के साथ और इसके बिना तथा वेरुकोस कार्सिनोमा में मुंह के स्केवमस कोशिका कार्सिनोमा में जैक – पी, स्टैट–3 और बी सी एल – 2 की इम्यूनोहिस्टोकैमिकल अभिव्यक्ति।

27. सर्वाइकल लिम्फनोड में मेटास्टेटिक स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा की तुलना में वेरुकोस कार्सिनोमा और मुंह के स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा में ई–कैढेरीन, बीटा – कैटेनिन और विमेंटिन का इम्यूनोहिस्टोकैमिकल अध्ययन।

28. इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री पर विशेष बल सहित क्यूटेनियस तपेदिक का क्लिनिको मॉर्फोलॉजिकल अध्ययन।

29. बाइकस्पिड एरोटिक वॉल्व वाले रोगियों में एरोटिक एन्यूरिज्म का हिस्टोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन।

30. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कार्सिनोमा में नियोएडजुवेंट कीमोथैरेपी से पहले और इसके बाद हार्मोन तथा एचईआर – 2 / एन ई यू ग्राही स्थिति का अध्ययन करना।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. ग्लियल अर्बुद कोशिका रेखाओं का ऑक्सीजन कन्सनट्रेशन, पी 53 एक्सिस एवं स्टेमनेस विशेषताएं (जैव रसायन)।

2. ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफोरम में नॉच सिग्नलिंग मॉलीक्यूल्स एपिथेलियल मेसिनकाइमल ट्रांजीशन (ई एम टी) मार्कर और एच आई एफ एल्फा की अभिव्यक्ति (जैवरसायन)

3. सिर की चोट में थैलेमस का लाक्षणिक विकृति विज्ञानी अध्ययन (तंत्रिकाशल्य)।

4. एयरवे रीमॉडलिंग में मैक्रोफेज तथा ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस की भूमिका (आई जी आई बी, दिल्ली)।

5. हाइड्रोजेल आधारित घाव की मरहम पट्टी का विकास और प्रयोगात्मक मॉडल में इसकी क्षमता का अध्ययन। (जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी केंद्र, आई आई टी, दिल्ली)।

6. पेरियाम्पुलरी कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में पास्टीरियर एप्रोच बनाम मानक पैन्क्रियाटिकोड्यू – डिनेक्टॉमी : एक अग्रदर्शी तुलना (जठरांत्र शल्य चिकित्सा)।

7. सिस्टेमिक स्क्लीरोसिस से पीड़ित रोगियों में इंटरस्टीशियल फेफड़े रोग की रोग सक्रियता के मूल्यांकन में ब्रोंकोएल्वियोलर लैवेज फ्लूड विश्लेषण की उपयोगिता (काय चिकित्सा)।

8. एथमोइडाल पॉलीपी से पीड़ित रोगियों में एंट्रल मुकोसल परिवर्तनों का लाक्षणिक – विकृति विज्ञानी अध्ययन (कान, नाक एवं गला रोग)।

9. कार्सिनोमा सर्विक्स की स्टेजिंग तथा उपचार में कंप्यूटराइज्ड टोमोग्राफी की भूमिका। (विकिरण निदान)।

10. इंफ्लैमैटरी सर्विकल स्मीयर्स को स्पष्ट करने में ह्यूमन प्लेसेंटल एक्सट्रैक्ट तथा लाइकोपीन की क्षमता का मूल्यांकन (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)।

11. प्रोस्टेटिक कैंसर की पहचान हेतु ट्रांसरेक्टल अल्ट्रासाउंड इलास्टोग्राफी तथा कंट्रास्ट इनहांस्ड सोनोग्राफी का मूल्यांकन (विकिरण निदान)।

12. मेलिगनेंट आइ लिड ट्यूमर्स में सेंटीनेल लिम्फ नोड बायोप्सी (ऑफ्थेल्मोलॉजी, रा. प्र. केंद्र)।

13. इंडोमेटरियल कैंसर के ऑपरेशन पूर्व मूल्यांकन में डायनेमिक कंट्रास्ट इनहांस्ड तथा डिफ्यूज्ड वेटिड 3टी – एम आर आई की भूमिका (विकिरण निदान विभाग)।

पूर्ण

1. बाल जी बी एम की मैथीलेशन प्रोफाइलिंग (इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलोर)।

2. ग्लियोमास में सी एच आई पी सिक्वेंसिंग (आई जी आई बी, दिल्ली)।

3. मैक्रोफ़ेज इंडोसाइटोसिस और आर ओ एस के जनरेशन पर एच आई एफ 1 ए जीन एक्सप्रैशन की ब्लॉकिंग का प्रभाव। (जे एन यू, दिल्ली)।

4. डाइलेटिड कार्डियोमायोपैथी में फिब्रोसिस का मूल्यांकन।

5. रियूमेटिक हृदय रोग के कारण आर्टियल फाइब्रीलेशन से पीड़ित रोगियों में शल्यक रूप से चीरे लगाए गए बांयी आर्टरी एपेंडेज की लाइट माइक्रोस्कोपिकल तथा अल्ट्रास्ट्रक्चरल विशेषताओं का ऊतक विकृति विज्ञानी विश्लेषण।

6. डॉपलर टिशू इकोकार्डियोग्राफी तथा इंट्राकार्डियक रिपेयर के बाद फैलो के टैट्रालॉजी के रोगियों में ऊतक विकृति विज्ञानी परिवर्तनों के साथ इसका सह संबंध।

7. कोरोनरी आर्टरी बाइपास हेतु कांड्यूट के रूप में प्रयुक्त रेडियल तथा लेफ्ट इंटरनल मैमोरी आर्टरिज़ में पेपावेरिन इंजेक्शनों के बाद इंडोथेलियल चोट और अन्य ऊतक विकृति विज्ञानी परिवर्तन।

8. सी टी स्कैनर का ड्यूल एनर्जी तकनीक की तुलना में कोरोनरी एथिरोस्क्लीरोसिस में एथिरोस्क्लीरोटिक प्लेक का ऊतक विकृति विज्ञानी तथा जैव रासायनिक विश्लेषण (चिकित्सा भौतिकी विभाग)।

9. साइक्लोफोस्फामाइड चिकित्सा पर त्वचा विज्ञानी रोगियों का मूत्र रोग विज्ञानी मूल्यांकन।

10. अनरिसेक्टेबल गाल ब्लैडर कैंसर के उपचार में मॉडीफाइड जिमासिटाबाइन. ऑक्सीलाप्लेटिन (एम जीमोक्स) से जीमासिटाबाइन . सिसप्लेटिन से तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग)।

11. रुकावटपूर्ण रिनोपैथी में गुर्दा के परिरक्षण में अस्थि मज्जा एकल नाभिक कोशिकाओं और गुर्दा स्टेम कोशिकाओं की भूमिका – चूहों में एक प्रायोगिक अध्ययन (बाल रोग शल्य चिकित्सा, ट्रॉमा सेंटर)।

12. डीडब्ल्यू एम आर आई और परफ्यूजन सीटी द्वारा गुर्दा कोशिका कार्सिनोमा में ट्यूमर एंजियोजेनेसिस का ऑपरेशन से पहले पूर्वानुमान और उन्नत गुर्दा कोशिका कार्सिनोमा में इन बायोमार्करों का उपयोग तथा ट्यूमर ग्रेड का अनुमान लगाना (रेडियोलॉजी)।

13. रेडियोलॉजिकल आकलन की उभरती तकनीकों के साथ हिपेटिक फाइब्रोसिस और इनकी तुलना करते हुए कम्प्यूटर सहायता से इमेज विश्लेषण आकलन और आकरिकी हेतु रेडियोलॉजी विभाग के साथ सहयोगात्मक परियोजना।

14. प्रतिदिन बनाम साप्ताहिक आयरन पूरकता लेने वाली गर्भवती महिलाओं में ऑक्सीडेटिव तनाव स्थिति के लिए आंवल का अध्ययन : एक आईसीएमआर कार्यबल अध्ययन।

15. किशोर बालिकाओं में 10 से 18 वर्ष की आयु के बीच एच पी वी टीके की दो बनाम 3 खुराकों की निरापदता और दक्षता (स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान)।

16. जाइगोमाइकोसिस का बहु केन्द्रीय एपिडेमियोलॉजिकल अध्ययन, भारत में जाइकोमाइसिटीज़ की पहचान, वर्गीकरण तथा आण्विक टाइपिंग (सूक्ष्मजीव विज्ञान, ई एन टी)

17. वी जी एक्स – 3100 (एच पी वी 16ई6 / ई 7, एच पी वी 18ई 6 / ई7 डी एन ए टीका) का एच पी वी – 003, तीसरे चरण का प्लासेबो नियंत्रित अध्ययन जिसमें सेलेक्ट्रा – 5 पी के साथ इलेक्ट्रोपोरेशन (ईपी) के बाद आई एम द्वारा बायोप्सी के इलाज हेतु प्रदायगी – एच पी वी 16 या 18 के साथ प्रलेखित सी आई एन 2 / 3 या सी आई एन 3 सिद्ध (स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान)।

18. एंड्रोजन पर आधारित प्रोस्टेटिक कार्सिनोमा के इलाज के लिए दो मोनोक्लोनल एंटी बॉडी की संभाव्यता का मूल्यांकन (तलवार रिसर्च फाउंडेशन)।

19. प्रज्जवलनकारी पैप स्मीयर वाली महिलाओं में प्लासेंट्रेक्स की दक्षता और प्रज्जवलनरोधी और गतिविधि का मूल्यांकन (स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान)।

20. खरगोश की फैलोपियन नली में इम्प्लांट के तौर पर आई आर एस यू जी के दीर्घ अवधि प्रभाव (जैव चिकित्सा इंजीनियरी)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 85 **पुस्तकों में अध्याय : 6**

जमा किए गए पेंटेंट

एम्स – डीबीटी ने संयुक्त रूप से ''म्यूकोसल मार्ग द्वारा न्यूक्लिक एसिड की प्रदायगी के लिए गैर वायरल वाहक की निर्मिति हेतु एक प्रक्रिया'' पर पेटेंट जमा किया, भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या 3256 / डीईएल / 2012 दिनांक 22.10.2012।

रोगी उपचार

प्रयोगशाला सेवाएं

शल्यक विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

संसाधित नमूने	40546	विशेष स्टेन	30477

कोशिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

कुल नमूने	20918	एफ एन ए सी (बाहरी रोग)	8774
नियमित एक्सफोलिएटिव्स	8124	सर्विकल स्मीयर्स (पैप स्मीयर्स)	4020

की गई शव परीक्षाएं	14		
इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपी		संसाधित नमूने	982
प्रतिरक्षा ऊतक रसायन प्रयोगशाला			
नैदानिक	32622	अनुसंधान	6309

तंत्रिका विकृति विज्ञान सेवाएं

तंत्रिका विकृति विज्ञान शल्यक नमूने	2356	हिमांकित छेदन	243
प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	6472		
मांसपेशी बायोप्सी :			
कुल संख्या प्राप्त	374	एंजाइम मांसपेशी ऊतक रसायन	1266
मांसपेशी प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	2281	नैदानिक एफ आई एस एच	180

ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला

एच और ई स्टेनिंग	3435	विशेष स्टेन	180
इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री	500	हिमांकित छेदन	900
गैर अभिरंजित	1188	कोटिड स्लाइड	10401

वृक्क विकृति विज्ञानी सेवाएं

मूत्र तलछट विश्लेषण	6392	गुर्दा बायोप्सी का इम्यूनोफ्लोरसेंस	678
गुर्दा बायोप्सी की इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपी	681		

हृद विकृतिविज्ञान सेवाएं

नमूने

नियमित	288	अनुसंधान	101
कोटिड स्लाइड			
ए पी ई एस	28547		
अन्य कार्य			
इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री	124	विशेष स्टेन	205
हाथ द्वारा संसाधित : हृदय प्रतिरोपण पश्चात् बायोप्सी 3			
त्वचा बायोप्सी कटिंग	**135**	**गुर्दा बायोप्सी कटिंग**	**721**
कोटिड स्लाइड	4800		

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर एस के पाण्डा को 25–26 अप्रैल 2012; 8–9 जुलाई 2012 को भुवनेश्वर में डीएसटी, भारत के इंस्पायर / आईएनएसपीआरई इंटर्नशिप प्रोग्राम का निर्देशन करने हेतु नामित किया गया; डीएसटी इंस्पायर प्रोग्राम को पुनः अनुसूचित करने हेतु नामित किया गया; डीएसटी, भारत सरकार, भुवनेश्वर, 29–30 जुलाई 2012; ''आइडेंटिफिकेशन ऑफ नोवेल विरुलेंस जीन एण्ड डेवलपमेंट ऑफ सेफ लीवर एटेन्यूटेड साल्मोनेला टाइफिम्यूरियम वैक्सीन'' विषयक पीएच. डी थीसिस की जांच हेतु परीक्षक, भुवनेश्वर, 4 सितम्बर 2012।

प्रो. चित्रा सरकार ने शोध में उल्लेखनीय योगदान हेतु ''मॉलीक्यूर प्रोफाइल ऑफ ओलिगो डेंड्रोग्लियोमास इन यंग पेशेंट्स पत्र के लिए एम्स एक्सीलेंस एवॉर्ड जीता, न्यूरो ओंको 2011;13:1099–106; एशियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो ओंकोलॉजी के वार्षिक सम्मेलन में अध्यक्षीय भाषण दिया; निमहांस, बैंगलोर में 28 मार्च 2013 को अनरेवलिंग द जीनोमिक कॉम्प्लेक्सिटी ऑफ पीडियाट्रिक ग्लियोमास पर डॉ. सुभद्रा दयानंद राव ने व्याख्यान दिया; 2013 से 15 तक तीन वर्ष के लिए काउंसिल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेज की नामित सदस्य; करंट साइंस पत्रिका की समीक्षा समिति की सदस्य; निमहांस, बैंगलोर की चयन समिति की सदस्य; आईएसीआर में न्यूरो–ओंकोलॉजी संगोष्ठी हेतु संगोष्ठी समन्वयक, एएसएनओ में न्यूरोपैथोलॉजी संगोष्ठी के संगोष्ठी समन्वयक थे।

प्रो. ए. के. डिंडा को भारत में नैनो सुरक्षा विनियमन संबंधी दिशानिर्देश तैयार करने हेतु भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की विशेषज्ञ समिति का सदस्य नामित किया गया; इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो साइंसेज एण्ड टेक्नोलॉजी (आईएनएसटी), मोहाली (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का एक स्वायत्त संस्थान) की अनुसंधान और शैक्षिक परिषद का सदस्य नामित किया गया।

डॉ. प्रसेनजीत दास को दिसम्बर 2012 जामनगर, गुजरात में इंडिया सोसाइटी ऑफ पैथोलॉजिस्ट्स एण्ड माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स के वार्षिक सम्मेलन में उत्कृष्ट शोध पत्र हेतु ''प्रो. के. सी. बासु मलिक एवॉर्ड'' किया गया; आईएपीएम द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों हेतु ऑनलाइन क्विजों की सीरीज के माध्यम से आयोजित ऑनलाइन नेशनल पैथोलॉजी क्विज 2013' का विजेता बनने पर पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रो. एस. दत्ता गुप्ता : एक पत्र सह लेखक के रूप में प्रकाशित हुआ (मखारिया जी. के., वर्मा ए के, अमरचंद आर, भटनागर एस., दास पी; गोस्वामी ए., भाटिया वी, आहुजा वी, दत्ता गुप्ता एस., आनंद के., प्रीवेलेंस ऑफ सीलियाक डिजीज इन द नॉर्दन पार्ट ऑफ इंडिया : ए कम्युनिटी बेस्ड स्टडी, जे. गेस्ट्रोइंटेरोल हीपेटोल 2011;26 : 894–900) एम्स एक्सीलेंस एवॉर्ड 2012 में तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ जो कि इसके पहले लेखक डॉ. जी. के. मखारिया, गेस्ट्रोइंटेरोल विभाग को दिया गया; इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट्स एण्ड माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स (डीएपीसीओएन 2013) की दिल्ली में 23–24 फरवरी 2013 को आयोजित 28वें वार्षिक सम्मेलन में वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष।

9.29 भेषजगुण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

वाई. के. गुप्ता

आचार्यगण

वी. एल. कुमार
कमल किशोर
एन. आर. विश्वास
एस. के. मौलिक

अपर आचार्यगण

डी. एस. आर्य
जतिन्दर कत्याल

सह आचार्य

सुरेन्दर सिंह
के. एच. रीता
जागृति भाटिया

वैज्ञानिक

श्रद्धा एस. पेशिन
थॉमस कालीकल
अमिता श्रीवास्तव
सुन्दर सिंह सैमुअल
माधुरी गुप्ता

शिक्षा

विभाग द्वारा एम. बी. बी. एस. (तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम सीमेस्टर), बी.एससी. नार्सिंग (आनर्स), एमएससी, एम. डी., पीएच – डी एवं डी एम. (नैदानिक भेषजगुण विज्ञान) पाठ्यक्रम के शिक्षण कार्यक्रम में संबद्ध रहा है। विभाग द्वारा 15 अल्पकालीन प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

'मरकरी फ्री हेल्थकेयर' विषय पर एम्स, नई दिल्ली में 23 जून 2012 को एक विशेषज्ञ समूह की बैठक का आयोजन किया गया। करीब 19 विशेषज्ञों ने इसमें भाग लिया जो कि आई. आई. टी. आर. लखनऊ, एन. आई. ओ. एच, अहमदाबाद, पीजीआईएमईआर चंड़ीगढ़, एम्स, नई दिल्ली, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण परिषद, नई दिल्ली, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली एवं गैर सरकारी संगठनों से संबंधित विशेषज्ञो की सिफारिशों को मरकरी फ्री हेल्थ केयर' वाई एंड हाऊ?' (प्रिंट वर्जन, नई दिल्ली 2012) शीर्षक से पुस्तक के रूप में एवं 'मरकरी के बारे में जाने' तथा पारे से सावधान' शीर्षक से दो पोस्टरों को सार्वजनिक जागरूकता हेतु जारी किया गया। पुस्तिका एवं पोस्टर को भारत में विभिन्न अस्पतालों से सूचना के प्रसार हेतु भेज दिया गया है।

प्रदत्त व्याख्यान

वाई. के. गुप्ता : 9 कमल किशोर : 2, एन. आर. विश्वास : 4
एस. के. मौलिक : 4 जागृति भाटिया : 1

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुती : 11

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. क्वांटिटेटिव डिटेक्शन ऑफ हेवी मेटल्ज़ एंड थैलेट्स इन टॉयज़। वाई. के. गुप्ता, आईसीएमआर, 2009–13, 19.6 लाख रुपए।
2. चूहों में प्रयोगात्मक मॉडल में यूनानी सम्मिश्रण के मोटापा–रोधी गुण संबंधी प्रारंभिक अध्ययन। वाई. के. गुप्ता, सीसीआरयूएम, 2009–13, 6.9 लाख रुपए।
3. रीनल और हेपाटिक क्रियाओं के संबंध में पारंपरिक रूप से प्रयुक्त आयुर्वेदिक रस औषधियों का प्रभाव, वाई. के. गुप्ता, आयुष, 2009–13, 27.6 लाख रुपए।
4. माइग्रेन के उपचार में प्रयुक्त पांच आयुर्वेदिक दवाइयों के मिश्रण का भेषजगुण–विज्ञान संबंधी मूल्यांकन, वाई. के. गुप्ता, आईपीसीए लैबोरेट्रीज लिमिटेड, मुंबई, 2010–13, 29.6 लाख रुपए।
5. प्रमस्तिष्काघात वाले बच्चों में सीसे और पारे की विषाक्तता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले पॉलिमोरफिज्म की आवृत्ति का मूल्यांकन। वाई. के. गुप्ता, रक्षा अनुसंधान और विकास स्थापना (डीआरडीई), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, 2011–13, 9 लाख रुपए।
6. घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस (कम से मध्यम) रोग से पीड़ित रोगियों में एस– एडिनोसिल एल. मेथिनोन (एसएएमई) का नैदानिक परीक्षण। वाई. के. गुप्ता, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2009–14, 14.5 लाख रु.।
7. टाइप – 2 मधुमेही, स्मेटाइड आर्थराइटिस एवं मिरगी के उपचार में प्रयोग होने वाली चुनी हुई हर्बल एवं एलोपैथिक औषधि का हर्ब – औषधि अंत:क्रिया अध्ययन करना। वाई. के. गुप्ता, आई. सी. एम. आर. 2012–14, 18.2 लाख रु.।
8. फार्मोकोविजिलेंस हेतु नैदानिक अनुसंधान केंद्र (सीआरआरसी) की स्थापना। वाई. के. गुप्ता, पथ / वन, वि. स्वा. सं. 59.01 लाख रु.।
9. होम्योपैथिक ड्रग्स के प्रारंभिक भेषजगुण विज्ञानी एवं सुरक्षा अध्ययन। वाई. के. गुप्ता। केंद्रीय होमोपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 2011–13, 19.3 लाख रु.।
10. आर टी सुनेट के एंटी – इंनफलेमेट्री एवं एंटी आर्थराइटिस गुणों का अध्ययन। पी. एल. कुमार, एम्स इंस्टीट्यूट रिसर्च ग्रांट, 2012–13, 2 लाख रु.।
11. पहले से ही मानक औषधि रिजिम प्रापत कर रहे दाएं बेट्रीकुलर दुष्क्रिय से पीड़ित रोगियों के टर्मिनेलिया अर्जुन के जल स्राव के मानक प्रीपरेशन की पृथक्कता का डबल ब्लाइड, यादृच्छिक प्लासेबो नियंत्रण नैदानिक परीक्षण करना। एस. के. मौलिक, डीबीटी, 2012–13, 50 लाख रु.
12. चिरकालिक पीड़ा के प्रयोगात्मक मॉडल में ओमेगा – 3 फैटी एसिड में प्लांट लिपिड रिच के रोग आशोधन क्रियाकलापों का मूल्यांकन करना। सुरेंद्र सिंह आईसीएमआर, 2011–14, 29.7 लाख रु.।
13. प्रायोगिक मेटाबोलिक सिंड्रोम में बायो एक्टिव फाइटोकांस्टिचुएंट का प्रभाव। के एच रीता, आईसीएमआर, 2010–13, 29.3 लाख रु.।
14. चूहों में एल्जीमर रोग के स्पोरिडिक मॉडल में उसके सम्मिश्रण और इडावटोन, टोरिन की विभवता का मूल्यांकन करना। के एच रीता, डीएसटी, 2012–15, 28.6 लाख रु.।
15. चूहों में सिस्लेटिन इनड्यूस्ड नेक्रोटॉक्सिटी में इपिकेटेकनी गालेटी, नोबिलेटिन और हेसपेरिडिन के रेनोप्रोटैक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन करना। जागृति भाटिया, डीबीटी, 2012–15, 37.7 लाख रु.।
16. चूहों में सिसप्लेटिन इनड्यूस्ड नेफ्रोटोक्टिसिटी में टेलमिराटन के नेफ्रो प्रोटेक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन जागृति भाटिया, एम्स संस्थान अनुसंधान निधि, 2012–13, 5 लाख रु.।

पूर्ण

1. विटिलिगो के उपचार में प्रयुक्त यूनानी औषधियों (यूएनआईएम – 004 एवं यूएनआईएम एवं स्थानीय) का सुरक्षा संबंधी अध्ययन। वाई. के. गुप्ता, सीसीआर यूएम, आयुष, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 2011–12, 9.9 लाख रु.।
2. जन औषधि ड्रग स्टोरों से खरीदी जा रही दवाओं की गुणवत्ता का निर्धारण करने संबंधी वैज्ञानिक अध्ययन, वाई. के. गुप्ता, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, 2010–13, 13.6 लाख रु.।
3. स्वास्थ्य उपचार प्रणाली में पर्यावरणीय पारा प्रदूषण की जागरूकता का आकलन : रोकथाम के लिए निदान एवं रणनीति। वाई. के. गुप्ता, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, 2008–12, 20.5 लाख रु.।
4. चूहों में पेटीलेंटट्रा जोल – इनड्यूस्ड काइंडलिंग में मेटालो प्रोटीनेस – 9, आरएचओ किनेस (राक – ।।) ग्लाइकोजीन सिथेंल काइनेज – 3 और एमटोर के प्रभाव का मूल्यांकन। के एच रीता, एम्स, 2011–12, 4 लाख रु.।
5. मिर्गी के प्रयोगात्मक मॉडल में हिपेटाइटिस के एंटीएपिलेप्टिक प्रभाव में एन एम. डी ए और जी ए बी ए आर्जिक तंत्र की भूमिका। के एच रीता, एम्स, 2011–12 1 लाख रु.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मिर्गी रोधी औषधि सहित एक आयुवैदिक मेडिसीस को फार्मोकोकाइनेटिक एवं फार्माकोडायनामिक अंतःक्रिया : एक प्रायोगिक एवं नैदानिक परीक्षण।
2. चिरकालिक माइलॉड ल्यूकेमिया के विभिन्न स्तरों पर रोगियो से माइक्रो आरएनएएस का एक्सप्रेशन प्रोफाइल और इसका इमाटिनिब थिरेपी रिस्पोंस के साथ सह संबंध।
3. क्रोनिक माइलोड ल्यूकेमिया में इमातिनिब का उपचारिक प्रभाव : पी–ग्लाइकोप्रोटीन की भूमिका।
4. चूहों में आघात के मिडल सेरीब्रल आर्टीओकुल्जन मॉडल में लरकानीजीपाइन और सिटालोपरन का न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रोटेशियल करना।
5. अलजाइमर रोग के लिए फार्मूले के विकास हेतु परामारागन हर्बल इनग्रेडिएंट का आशक्ति होना इन विट्रो एवं इन विवो अध्ययन।
6. परम्परागत एंटी इपिलेप्टिक एवं ओरल हाइपोग्लाइसिमिक एजेंट्स सहित चुने हुए औषधीय पादपों का अंतःक्रिया प्रोफाइल का मूल्यांकन करना।
7. हाइपर ब्लूरुबिनिमिया हेतु अवयस्क के उपचाररत में फोटोथिरेपी का आशाविन आधारित फार्मोकोकाइनेटिकस।
8. आर्थराइटिस में कैलोट्रॉपिसप्रोसेटा लेटेक्स फ्रेक्शंस का फाइटोथेराप्यूटिक महत्व।
9. कैलोट्रोपिस प्रोसेरा का मूल प्रोटीनों के एंटी– इनफ्लेमिट्री एवं एंटी आर्थराइटिस गुणों का अध्ययन करना।
10. कैलोट्रोपिस प्रोसेरा का कैलस प्रोटीनों के एंटी – इनफ्लेमिट्री एवं एंटी आर्थटाइटिस गुणों का अध्ययन करना।
11. कोलोरेक्टल कैसर के प्रायोगिक मॉडल में आर्टीसुमेट की सुरक्षा एवं प्रभावकता का अध्ययन।

पूर्ण

1. चुने हुए भारतीय औषधि पौधों का मिरगीरोधी गुणों का मूल्यांकन और उनकी क्रिया का मैकेनिज्म।
2. चूहों में कोगनिटिव कमी के लिए क्लिटोरेयोटेसिटा एवं इवोल्युसजक नॉड्स का मूल्यांकन करना।
3. वृक्क एवं हिपेटिक क्रिया पर पारंपरिक रूप से प्रयुक्त आयुर्वेदिक रस औषधियों का प्रभाव : नैदानिक एवं प्रायोगिक अध्ययन।
4. चूहों में ट्रांसिएंट फोकल प्रमस्तिष्क इश्चेमिया पर इम्युनोसप्रेसिव एजेंटों (माइको फेनोलैटेमोफिलिट और रैपामाइसिन) का अध्ययन।
5. मिर्गी से पीड़ित बच्चों में बोन मिनरल की सघनता और विटामिन डी की स्थिति संबंधी एंटी ऐपिलेप्टिक औषधि उपचार का प्रभाव।
6. भारत के औषधि विनियामक दिशानिर्देशों सहित आईएनडी अनुप्रयोगों का मूल्यांकन
7. टरटरी उपचार अस्पताल में भारतीय आबादी में ट्रैस एलिमेंट स्थिति पर एंटी – एपिलेप्टिक उपचार का प्रभाव।
8. दौरा के पशु मॉडल में सोडियम वालप्रोट एवं फिनोटोन सहित जिंक की अंतःक्रिया।
9. विभिन्न सॉफ्ट ड्रिंक्स में आथ्रोडोक्टिक तारों से धातु मेटल का लिपिंग।
10. कैलोट्रोपिस प्रोसेरा लेटेक्स के प्रोटीन्स फ्रैक्शन का एंटी पाइटेटिक एवं एंटी इन्फ्लेमिट्री पर अध्ययन।
11. कैलोट्रोपिस प्रोसेरा लेटेक्स फ्रैक्शंस का प्रदाहकरोधी गुणों का अध्ययन करना।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. भारत में एचआईवी एवं तपेदिक से एक साथ संक्रमित रोगियों में नेविरापाइन एवं रिफेमपेसिस के (मिश्रित) उपयोग की प्रभावकता एवं सुरक्षा का अध्ययन (कायचिकित्सा)।
2. मुखीय श्वसन मार्ग के मध्यम से विशेष लक्ष्य करते हुए मेक्रोकेज रिसेप्टर हेतु नेनो पार्टिकुलेट एंटी टी.बी. ड्रग डिलीवरी सिस्टम का विकास। (विकृति विज्ञान)
3. भारत में एचआईवी एवं तपेदिक से पीड़ित रोगियों में एंटी रिट्रोवायरल नेटिव में एंटी रिट्रोवायरल थिरेपी – रिज्मो में उच्च क्रिया आधारित नेविरापाइन (400 एमजी) की प्रतिदिन एक खुराक बनाम मेविरापाइन की (200 एमजी) की प्रतिदिन दो खुराक। (कायचिकित्सा)।
4. कैंसर को लक्षित हेतु बहुक्रियात्मक धात्विक नैनोपार्टिकल्स का विकास। (विकृति विज्ञान)।

5. काला – जार के उपचार हेतु नैनोपार्टिकल्स आधारित औषधि डिलीवरी प्रणाली को लक्ष्य करते हुए विकास। (विकृति विज्ञान)।
6. वृक्क रोग के रोगियों में अपेक्षित एंटी हाइपर टेंसिव औषधि पर एंटी ट्यूबर कुलर थिरेपी के एक भाग के रूप में रिफाम्पीसिन का प्रभाव। (वृक्क विज्ञान)।

पूर्ण

1. सीरम एवं सालिवा मुक्त एंटी – एपिलेप्सी ड्रग लेवल्स बराबर है, का आकलन करना (तंत्रिका विज्ञान)।
2. आईटोन एवं अन्य हर्बल हाइसोलेट्स की कैट्रेक्ट रोधी क्रिया (नेत्रभेषजगुण विज्ञान, रा. प्र. केंद्र डेज मेडिकल)।
3. वालपोरेट मोनोथिरेपी पर मिरगी से पीड़ित बच्चों में हेमोस्टेटिक – असमानताओं की रोकथाम : एक क्रास सेक्शनल अध्ययन (बाल रोग चिकित्सा)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 15, सार : 12, पुस्तकों में अध्याय : 11 पुस्तकें : 1

रोगी उपचार

नैदानिक भेषजगुण विज्ञान सुविधा

इस सुविधा में स्वस्थ वालंटियरों पर अध्ययन का आयोजन करने के लिए यह सुसज्जित है। विभाग विभिन्न सहयोगी अध्ययन के लिए जैविक नमूनों में जैसेकि हेवी मेट्ल्स एवं ट्रेस मेटल्स / माइक्रो न्यूट्राएंट का आकलन में भी संबद्ध रहा है।

उपचारिक औषधि मॉनीटरिंग सुविधा

इस सुविधा में रोगी नमूनों में औषधि स्तर हेतु परामर्श प्रदान किया जाता है। सामान्यतया अनुमानित औषधियों में एंटी ऐपिलेप्टिक औषधि (फिनाइटॉइन), फिनोबारबियोटोन, कार्बमाजेपाइन और सोडियम वालप्रोऐट), कैंसर रोधी एंटी – रूमेटिक औषधि (मैथोट्रेक्सेट) और इम्यूनोसप्रेसैंट (माइक्रोफेनोलिक एसिड) आदि शामिल है।

राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र (टोल फ्री नंबर 1800116117)

राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र द्वारा विभिन्न विषाक्तता के प्रबंधन संबंधी सूचनाएं प्रदान की जाती है। इस सुविधा द्वारा चौबीसों घंटे (365 दिन) चिकित्सा व्यावसायिक फिजिशियनों, पैरा मेडिकल कार्मिकों एवं आम जनता को फर्स्ट एड द्वारा विभिन्न विषायनों का उपचार करने के संबंध में अद्यतन सूक्ष्म एवं सटीक सूचना प्रदान की जाती है। विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों से विषाक्तता के विभिन्न पहलुओं पर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर भी दिया जाता है। केंद्र द्वारा प्राप्त डेटा को संग्रह एवं विश्लेषण किया जाता है। विष की सूचना से संबंधित प्रश्नों का उत्तर टोल फ्री नं. 1800116117 के माध्यम से प्रदान किया जाता है।

राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र द्वारा प्राप्त कॉल (अप्रैल 2012 – मार्च 2013)

मदें	**संख्या**	**प्रतिशत**
विषायन की कुल कॉल संख्या	1941	–
विष संबंधी कॉल	1885	97
सूचना कॉल	56	3
लिंग		
पुरुष	1179	63
महिला	706	37
श्रेणी		
घरेलू उत्पाद	881	47.0
उद्योग संबंधी रसायन	126	6.7
कृषि कीटनाशी	277	14.7
औषधि	422	22.3

काटना एवं डंक मारना	69	3.6
पादप	38	2.0
विविध	32	1.7
अज्ञात	40	2.0

भारत में फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम

प्रतिकूल औषध प्रतिक्रिया (एडीआर) के आंकड़े एकत्र, संकलित किया जाता है, उनका मूल्यांकन किया जाता है और उसके बाद उन्हें राष्ट्रीय प्रतिकूल औषध प्रतिक्रिया मॉनीटरिंग केंद्र को भेज दिया जाता है। एडीआर मानीटरिंग केंद्र द्वारा निम्नलिखित परियोजनाओं को आयोजित किया जा रहा है :

- एम्स के ओपीडी में विभिन्न नुसखों की नुसखा प्रणाली विश्लेषण। एक अनुक्रमाणीय पर्यवेक्षणीय अध्ययन।
- एम्स में ओपीडी नुसखों में हस्तलिपि का विश्लेषण एवं खराब लिखित नुसखों का संभावित निदान का आकलन।
- एम्स में रिट्फ्सीमॉब का फोकस्ड फार्मेकोविजिलेंस।
- एम्स मिर्गी के रोगियों में निंद्रा, मूड एवं व्यवहार पर अन्य ए.ई.डी. सहित लेविटिरेसटम के प्रभाव का अध्ययन करना।

पुरस्कार, सम्मान एवं वैज्ञानिक घटनाएं

आचार्य कमल किशोर शरीर किया विज्ञान की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका के राष्ट्रीय सलाहकार संपादकीय मंडल के सदस्य है।

आचार्य एन. आर. विश्वास ने स्नाकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान और सुखलाल कासानी मेमोरियल हॉस्पिटल, कोलकाता में 24 चुन्नी लाल स्मारक संभाषण जारी किया, (13 अप्रैल 2012); सुरक्षित एवं प्रभावी उपचार के बारे में नेवीगेटिंग फार्माकोलॉजी पर भारतीय भेषजगुण विज्ञानी समाज एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के 45वें वार्षिक सम्मेलन में बी एम घोष सम्भाषण प्रदान किया (नागपुर, 5–7 जनवरी 2013)।

आचार्य एस. के. मौलिक केंद्रीय आयुर्वेदिक अनुसंधान परिषद, आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, भारत सरकार के वैज्ञानिक सलाहकार परिषद के सदस्य हैं।

डॉ. सुरेंद्र सिंह भारत सरकार, डीएसटी, नेशनल जीएलपी मानीटरिंग कम्पाइलेंस अथारिटी हेतु एक इंस्पेक्टर है; फार्माकोपिया कमेटी (यूनानी) एंड प्रोजेक्ट वैलुएशंस कमेटी, सीसीआरयूएम, आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य, बोर्ड ऑफ रिसर्च स्टडीज, जीजीएस इन्द्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, जामिया हमदर्द एवं उत्तर प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय के सदस्य, प्रोग्राम विशेषज्ञ समिति, इग्नू, नई दिल्ली।

9.30 भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास

आचार्य एवं अध्यक्ष
यू. सिंह

आचार्य
संजय वाधवा

अपर आचार्य

एस एल यादव | गीता हाण्डा

प्रमुख एम एस एस ओ
किरण बाला सिंह

मुख्य भौतिक चिकित्साविद्
अविनाश धारगव

वरिष्ठ भौतिक चिकित्साविद्
ओ. पी. यादव

वरिष्ठ व्यावसायिक चिकित्साविद्
रमन कुमार सिंह | लिली फरहत प्रवीन

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी
अजय बब्बर

मुख्य बातें

विभाग भारत में पुनर्वास सेवाओं के विकास के मार्गदर्शन में सक्रिय रहा है इसके लिए वह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय केन्द्रों के साथ सहयोगी सम्पर्क विकसित करता है। विभाग के संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों में कुल 30 से अधिक अनुसंधान पर आधारित शोध पत्र प्रस्तुत किए गए इसमें एक राष्ट्रीय एवं दो अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए। विकलांग व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता को सुधार करने हेतु आई.आई.टी. अन्य इंजीनियरी संस्थानों, सैनफोर्ड इंडिया बायोडिजाइन एवं सी. आई.एस.ओं. इत्यादि के सहयोग से बेहतर तकनीकी विकल्पों के द्वारा विकसित किए गए हैं। विभाग शारीरिक चिकित्सा एवं अनुसंधान क्षमताओं को अपग्रेडेशन करने में भी सतत संलिप्त रहा है।

शिक्षा

स्नातक पूर्व प्रशिक्षण

08 व्याख्यानों/सेमिनारों का आयोजन किया गया। इंटर्न एवं छात्रों को आवश्यकतानुसार विभाग में नैदानिक प्रदर्शन भी प्रदान किया जाता है।

स्नातकोत्तर प्रशिक्षण

इस अवधि के दौरान एम डी (पी एम आर) में 10 छात्रों को प्रशिक्षित किया गया। हमारे विभाग में समय–समय पर एम डी (सामुदायिक चिकित्सा, बाल चिकित्सा, कायचिकित्सा, जराचिकित्सा), एम एस (अस्थिरोग विज्ञान), डी एम (तंत्रिका विज्ञान एवं बाल तंत्रिका विज्ञान), एम एच ए एवं स्नातकोत्तर नर्सिंग छात्रों की तैनाती की गई और इन्हे प्रशिक्षण प्रदान किया गया। आर्म सेना से एक दीर्घावधिक प्रशिक्षु (2 वर्ष) विभाग में दिनांक 10 अप्रैल, 2012 से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा कार्यक्रम/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा आयोजित

- इन्द्रप्रस्थ एसोसिएशन आफ रिनहैबिलीटेशन मेडिसीन, एम्स, नई दिल्ली, 17 नवम्बर, 2012 को नैदानिक मीटिंग।

प्रदत्त व्याख्यान

यू. सिंहः 6 संजय वाधवाः 4 गीता हांडाः 5 रेजीडेंट/स्टाफ द्वारा शोध पत्र प्रस्तुतिः 17

अनुसंधान

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. प्लांटर फैस्सिटिस के उपचार के लिए प्रोलोथैरेपी बनाम कोर्टिकोस्टेरॉइड इंजैक्शनः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
2. यूनिलेटरल ट्रांस्टिबियल एम्पुटी में स्टूम्प लेंथ, गेट परामीटर एवं डायनामिक बैलेंस के बीच संबंध।
3. लेटरल इपिकोनडिलोसिस के उपचार के लिए प्रोलोथिरेपी बनाम कार्टिकोस्टीटायड इंजैक्शन। एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
4. पुनर्वास उपचार के अंतर्गत स्पाइनल कार्ड इंजूरी से पीड़ित रोगियों में ऊपरी जठरांत्रीय विकारों का अध्ययन।
5. तीव्र प्रोलैब्ड इंटरवर्टेवल डिस्क के कंजवेरिवली उपचारित रोगियों में विभिन्न अशक्तता पैमानों की तुलना का अध्ययन करना।
6. स्पाईनल कोर्ड इंजूरी में ऑटोनोमिक दुष्क्रियाओं के मूल्यांकन हेतु क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
7. चूहों में स्पाईनल कोर्ड इंजूरी द्वारा प्रवृत्त आस्टियोपोरोसिस पर चुम्बकीय क्षेत्र का प्रभाव।
8. एक स्कूल बैग का औद्योगिक डिजाइन एवं इरगोनोमिक अध्ययन करना।

पूर्ण

1. कंट्रा लेटरल लिम्ब नियंत्रित प्रोस्थिटिक नी ज्वाइंट।
2. आस्टियो आर्थराइटिस नी से पीड़ित रोगियों में पाद दाब और विकिरण विज्ञानी विश्लेषण पर जूतों में लेटरल विडिंग इनसोल का प्रभाव।
3. फूट ड्रॉप रोगियों में इंटीरियर सपोर्ट एंकल फूट आर्थोसिस और पोस्टिरियर एंकल फूट ओर्थोसिस का तुलनात्मक अध्ययन।
4. सेरिब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों के मामले में देखभालप्रदाताओं में देखभाल कर्ता का भार एवं तनाव का अध्ययन।
5. एम्स के डेस्क जाब वर्कर में 'कार्य आधारित गर्दन पीड़ा' की रोकथाम।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए स्मार्ट फंक्शलन इलेक्ट्रिकल स्टीमुलेटर का डिजाइन (बायोमेडिकल इंजीनियरी, सी आर यू एस टी मुरथाल, सोनीपत)

पूर्ण

1. मुखीय कोलेकैलीफिरोल संपूरक से पूर्व एवं पश्चात् क्रोनिक हाइपो– विटामिनोसिस से पीड़ित एशियन इंडियन में टीएच 1/टीएच 2 साइटोकाइन एक्सप्रेशन एवं इसकी इनर्जी मेटाबोलिज्म, बोन मिनरल होम्योस्टेसिस सहित कपालीय मसल शक्ति। (अंत स्राविकी एवं चयापचय)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 1 सार : 4 प्रस्तकों में अध्याय : 4

एक टीम सदस्य के रूप में पेटेंट फाइल किया।

- **यू.सिंह– फाइलिंग ऑफ कंप्लीट स्पेसिफिकेशनः कंट्रालेटरल लिम्ब कंट्रोल्ड प्रोस्थेटिक नी ज्वाइंट।**
- **गीता हांडा– प्रोविजनल पेटेंट– ए डिवाइस एडिंग एडर्ली पिपल और पेशेंट फार सिटिंग या राइजिंग फ्राम सिटिंग।**

रोगी उपचार

रोगी	रोगी उपचार क्षेत्र	रोगियों की संख्या
नए रोगी	ओपीडी	14,533
	प्रोस्थेटिक एवं आर्थोटिक	5,159
	बल्लभगढ़ पीएमआर ओपीडी	2,669
कुल नए रोगी		**22,361**
पुराने रोगी	ओपीडी	14,935
	ओपीडी विजिट आए पी टी सेक्शन	20,862
	ओपीडी में आए ओ टी सेक्शन	26,714
	ओपीडी में आए एम एस डब्ल्यू	7,535
	अशक्तता मूल्यांकन क्लिनिक	299
	रेलवे रियायत प्रमाण पत्र	413
	प्रोस्थेटिक एवं ओर्थोटिक	18,863
	लघु ऑपरेशन कक्ष ऑपरेशन	2,030
कुल पुराने रोगी		**91,651**

सामुदायिक सेवाएं/शिविर

विभाग के संकाय सदस्यों एवं रेजीडेंटों के द्वारा मथुरा एवं आगरा में विकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास हेतु अनेक शिविरों में भाग लिया।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

रंजीनी पी, वाधवा एस, सिंह यू, कुमार यू, पाण्डे आर एम, द्वारा पत्र। 18वीं यूरोपियन सोसायटी आफ क्लिनिकल मेडिसीन एंड रिहैबिलिटेशन, थीसालोनिकी, ग्रीस में दिनांक 28 मई–1 जून, 2012 के दौरान यू ई एम एस सेक्सन एवं भौतिक चिकित्सा एवं पुर्नवास चिकित्सा की जूरी द्वारा विशेष रूप से उल्लिखित एंकियोएनूजिंग स्पोंडिल्पाइसिस (प्रीलिमिनरी स्टडी) से पीड़ित रोगियों में स्पाइनल मोबिल्टी, डिजीज एक्टिविटी, कार्यात्मक क्षमता, फटिंग एवं जीवन की गुणवत्ता पर घरेलु व्यायाम का प्रभाव।

आचार्य यू. सिंह इंडियन एसोसिएशन आफ फिजिकल मेडिसीन एंड रिहैबलीटेंशन की शैक्षिक समिति के अध्यक्ष हैं एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारतीय पुनर्वास परिषद के लोकोमीटर, लैप्रोसी इत्यादि पर उप–समिति के सदस्य; अनुसंधान समिति, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर; शैक्षिक समिति, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर दि ऑर्थोपेडिकली हैण्डीकैप्ड, कोलकाता; बी आई एस, रीहैबलीटेशन एपलाइंसिस एण्ड इक्यूपमेंट फॉर डिसैबल्ड सैक्शनल समिति (एम एच डी 10); सदस्य, प्रीवेंसन कमेटी फार स्पाईनल कोर्ड इंजरी, इंटरनेशनल स्पाईनल कॉर्ड सोसायटी; इंटरनेशनल स्पाईनल कार्ड सोसायटी की सहायता के अंतर्गत ई–लर्निंग टूल डेवलपमेंट आफ दि कंप्रीहैसिव मैनेजमेंट आफ स्पाइनल कार्ड इंजूरी (अर्ली एंड लेट कंपलीकेसंस आफ स्पाइलन कार्ड इंजूरी विषय पर ई–लर्निंग टूल पर उपसमिति, फिजिकल मेडिसिन एण्ड रीहैबलीटेशन के भारतीय पत्रिका के अवकाश प्राप्त संपादक (2011 के बाद); रीहैबलीटेशन काउंसिल ऑफ इण्डिया लोकोमीटर एण्ड एसोसिएटिड डिसैबिलिटस की पत्रिका के परामर्शी संपादक एवं इण्डियन जरनल ऑफ फिजियोथेरेपी एण्ड ऑक्यूलेशन थेरेपी एवं इंटरनेशनल जरनल आफ बायो साइंस एंड टैक्नोलॉजी के संपादकीय मंडल के सदस्य, इंडियन एकेडमी आफ यूरोलॉजी के पत्रिका एवं जरलन आफ अमेरिकन एकेडमी आफ फिजिकल मेडिसीन एंड रिहैबलीटेंशन हेतु पीर रिव्यूवर, इंडियन एसोसिएशन आफ फिजिकल मेडिसीन एंड रिहैबिलीटेंशन (बेंगलूरू, 31 जनवरी 2013) को वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान स्ट्रोक एवं पुनर्वास विषय पर सम्मेलन पूर्व कार्यशाला में वैज्ञानिक सत्रों हेतु अध्यक्षता, विकलांग व्यक्तियों के जीवन में सुधार के उद्देश्य से श्रेष्ठ उपकरण में अनुसंधान/नवीनता/उत्पाद विकास हेतु एक राष्ट्रीय पुरस्कार में सहयोग प्रदान किया, प्रदत्त लोक व्याख्यानः दिनांक 2 दिसम्बर 2012 को डी डी न्यूज, टोटल हेल्थ कार्यक्रमः फोन–इन–प्रोग्राम, पीठ में दर्द, फोन–इन–प्रोग्रामः टोटल हेल्थ, डी डी न्यूज, 10 फरवरी, 2013.

आचार्य संजय वाधवा राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के अवैतनिक सचिव एवं राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) की पत्रिका के संपादक एवं इंडियन जरनल आफ फिजिकल मेडिसीन एंड रिहैबिलीटेंशन (आई जे पी एम आर) के सह संपादक है, इंदप्रस्थ एसोसिएशन आफ रिहैबिलीटेशन मेडिसीन (आई जी ए आर एम) के अध्यक्ष के पद पर सेवाएं की, पी एम आर के विशेषता

सलाहकार परिषद के सदस्य, राष्ट्रीय परीक्षा परिषद, के सदस्य, भारत आयुर्विज्ञान परिषद के अंतर्गत उप समिति (चिकित्सा पाठ्यक्रमों में विकलांगता से पीड़ित छात्रों को प्रवेश का निर्णय हेतु विचार विमर्श), अनुसंधान एवं नीति विषयक समिति, मदर टेरेसा साकेत कालेज आफ फिजियोथिरेपी (चडीमंदिर, पंचकुला, हरियाणा), दक्षिण एशियाई आटिज्म नेटवर्क (एस ए ए एन) (नई दिल्ली, 11 फरवरी, 2013), सी जी एच एस लाभार्थियों हेतु एड्स एंड अप्लाएंस हेतु गाइड लाइन बनाने संबंधी समिति (स्पेशल डी जी एच एस, भारत सरकार), राष्ट्रीय पराचिकित्सा संस्थान (एन आई पी एस) एवं क्षेत्रीय पराचिकित्सा संस्थान (आर आई पी एस), (डी डी जी, (एम) भारत सरकार) की स्थापना हेतु समिति, अनेक राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों हेतु परीक्षक, एड्स एंड अप्लाएंसेस विषय पर बी. आई.सी. समूह की बैठक की अध्यक्षता की (ब्यूरो आफ इंडिया, स्टेण्डर्ड, नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 2012), इंडियन एसोसिएशन आफ फिजिकल मेडिसीन एंड रिहैबिलीटेंशन मिड–टर्म सी एम ई कार्यक्रम में सत्रों की अध्यक्षता (हैदराबाद, 8 सितम्बर, 2012), एन ए एम एस–पी जी आई संगोष्ठी (चंडीगढ़, 10 मार्च, 2013), इन्द्रप्रस्थ एसोसिएशन आफ रिहैबिलीटेशन मेडिसीन के वार्षिक सम्मेलन (नई दिल्ली, 17 मार्च, 2013), 'दि कलर्स आफ कैरियर डेवलपमेंट' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य भाषण जारी किया (मानव रचना अतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, फरीदाबाद, 29 मार्च, 2013)।

डॉ. गीता हाण्डा ने इंडियन एसोसिएशन आफ फिजिकल मेडिसीन एंड रिहैबलीटेशन के कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में सेवा अर्पित की, इंडियन जरनल फार फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी हेतु पीर रिव्यूवर के रूप में कार्यक्रम एवं इंडियन एसोसिएशन आफ फिजिकल मेडिसीन एंड रिहैबलीटेशन (बैंगलुरू, 31 जनवरी, 3 फरवरी, 2013) एवं श्रेष्ठ पेपर प्रस्तुतीकरण सत्र हेतु स्पाइनल सोसायटी गोल्ड मेडल एवार्ड (स्पाइनल कार्ड सोसायटी की 12 वीं वार्षिक वैज्ञानिक बैठक, नई दिल्ली, 12–14 अक्तूबर, 2012) सत्रों की अध्यक्षता की।

अतिथि वैज्ञानिक

विभाग द्वारा 'मास्कुलरोस्केटल एंड पेन रिहैबलीटेंशन' में सहयोगी कार्य के क्षेत्रों में अनुसंधान हेतु सिडनी विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया से पधारी एक टीम की मेजबानी की।

9.31 शरीर क्रिया विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

रश्मि माथुर

आचार्य

किशोर कुमार दीपक
हरुदानंदा मल्लिक
देबब्रत घोष
सुशील सी महापात्रा (दिनांक 14.9.2012 तक)
कंवल प्रीत कोच्चर

अपर आचार्य

रत्ना शर्मा
नलिन मेहता
सुमन जैन
अशोक कुमार जरयाल
राजकुमार यादव

सह–आचार्य

अंजना तलवार
संजय कुमार सूद (दिनांक 22.08.2012 तक)

सहायक आचार्य

अस्मिता पाटिल (दिनांक 29.05.2012 से प्रभावी)
रेणु भाटिया (दिनांक 23.03.2013 से प्रभावी)

विशेषताएं

शरीर क्रिया विज्ञान विभाग डॉक्टोरल कार्यक्रमों के अतिरिक्त स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर प्रशिक्षण में सम्मिलित रहा है। संकाय सदस्यों ने भी इन हाउस अथवा अ. भा. आ. सं. और अन्य संस्थानों में कार्यशालाएं और संगोष्ठियां आयोजित करके स्नातकपूर्व, तथा स्नातकोत्तर प्रशिक्षण तथा अनुसंधान तकनीकियों में कार्मिकों को प्रशिक्षित किया। संकाय सदस्यों ने तंत्रिका विज्ञान (ऑटोनोमिक नर्वस सिस्टम), पोषण, संवहनी शरीर क्रिया विज्ञान, रिप्रोडक्शन तथा योगा सहित विभिन्न क्षेत्रों में 24 बाह्य तथा आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं को निष्पादित किया। अनुसंधान परिणामों को दोनों राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक फोरम में प्रस्तुत किया गया / तथा इंडैक्स पत्रिकाओं में प्रकाशित किया गया। उनके मूल अनुसंधान के आधार पर विभाग द्वारा ऑटोनोमिक तथा वाहिका प्रकार्य निर्धारण, करेक्टिव सर्जरी के दौरान इंट्रा – ओपरेटिव निगरानी तथा योगिक हस्तक्षेप में नवीनतम तकनिकियों का प्रयोग करके रोगी उपचार में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की है। विभाग के संकाय सदस्यों / तथा छात्रों द्वारा शरीर क्रिया विज्ञान अनुसंधान तथा आयुर्विज्ञान शिक्षा में उनके नए योगदान के सम्मान में कई पुरस्कार तथा सम्मान प्राप्त किए गए।

शिक्षा

स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर तथा परा–चिकित्सा

विभाग द्वारा एम बी बी एस प्रथम वर्ष के छात्रों को लगभग 400 घण्टे का बी एस सी नर्सिंग तथा संबद्ध पाठ्यक्रमों के छात्रों को लगभग 60 घण्टे का शिक्षण प्रदान किया गया। विभाग द्वारा शरीर क्रिया विज्ञान में एम डी और एम एस सी पाठ्यक्रम तथा पी एच डी अध्ययन का संचालन किया जा रहा है। कुल छात्रों ने पी एच डी, 7 छात्रों ने एम डी तथा 3 छात्रों ने एम एस सी पाठ्यक्रम पूर्ण किया।

अल्प अवधि प्रशिक्षण

इंस्ट्रूमेंटेशन एण्ड कंट्रोल इंजीनियरिंग से 2 पी एच डी छात्रों को ऑटोनोमिक प्रकार्य प्रयोगशाला द्वारा अल्प अवधि प्रशिक्षण प्रदान किया गया, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर एन आई टी, जालंधर (16–28 अप्रैल 2013); शरीर क्रिया विज्ञान से 2 सहायक आचार्य, सवाई मानसिंह मेडिकल यूनिवर्सिटी, जयपुर (1–30 सितंबर 2012); शरीर क्रिया विज्ञान विभाग से 1 सहायक आचार्य वी एम एम सी (16 जुलाई 16 सितंबर 2012); तथा शरीर क्रिया विज्ञान विभाग से 1 सहायक आचार्य, चैन्नई मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर, तिरची (8–20 अक्तूबर 2012); जैव रसायन विभाग से 1 एम एस सी छात्र, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली से आण्विक जैव विज्ञान तकनीकियों में प्रशिक्षण हेतु आए (26 जून 10 जुलाई 2012)।

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/सम्मेलन

1. इनोवेटिव प्रैक्टिकल्स इन टिचिंग फिजियोलॉजी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (संयोजक : के पी कोच्चर) शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली; 22 सितंबर 2012
2. कारक जो निद्रा को प्रभावित करते हैं विषय पर संगोष्ठी (संयोजक : एच एन मल्लिक) 7वां एशियन स्लीप रिसर्च सोसायटी कांग्रेस (ए एस आर एस), ताईपाई, ताईवान; 1 दिसंबर 2012
3. पहली निद्रा तकनीशियन कार्यशाला (संयोजक : एच एम मल्लिक) नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एण्ड न्यूरोसाइंस (निमहान्स), बैंगलोर 9 दिसंबर 2012
4. ऑटोनोमिक प्रकार्य जांच : सिद्धांत एवं विधियों पर कार्यशाला (संयोजक) के. के. दीपक, ए. के. जरयाल) एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स एण्ड फार्माकोलॉजिस्ट्स ऑफ इण्डिया (ए पी पी आई) का 58वां वार्षिक सम्मेलन। मेरठ; 17–20 दिसंबर 2012
5. मेन्यूस्क्रीप्ट राइटिंग एण्ड रिव्यूइंग पर संगोष्ठी (संयोजक के. के. दीपक, ए के जरयाल) ए पी पी आई का 58वां वार्षिक सम्मेलन, मेरठ, 17–20 दिसंबर 2012
6. प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण प्लेटफॉर्म : आधुनिक मोड्यूल पर कार्यशाला (भाग – 1 विषय जीनोम वाइड एनालेसिस ऑफ एक्सप्रेशन एरेज) (संयोजक : डी घोष) शरीर क्रिया विज्ञान विभाग एवं अनुसंधान अनुभाग, एस : 16 – 18 फरवरी 2013।

प्रदत्त व्याख्यान

आर माथुर : 2	**के. के. दीपक : 11**	**एच. एन. मल्लिक : 4**	**डी. घोष : 1**
एस. सी. महापात्रा : 1	**आर. शर्मा : 2**	**एन. मेहता : 9**	**एस. जैन : 3**
ए. के. जरयाल : 6	**आर. के. यादव : 2**		

मुखीय / पोस्टर प्रस्तुति : 3

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. मेरुदण्ड क्षतिग्रस्त रोगियों में सेंसर मोटर रिकवरी पर रिपिटिड मेगनेटिक स्टीमुलेशन के प्रभाव का अध्ययन करना। आर. माथुर, एम्स अनुसंधान अनुदान, 4 वर्ष 2008–12, 20 लाख रुपए।
2. ओस्टियोपोरोसिस प्रेरित मेरुदण्ड क्षति में चुम्बकीय फिल्ड की भूमिका कौशिकी मुखर्जी (मेंटर : आर. माथुर) डी एस टी, 3 वर्ष, 2012–15, 25 लाख रुपए।
3. चूहों में थर्मोजेनसिस तथा निद्रा पर आहार ग्लूटामेट की भूमिका। एच. एन. मल्लिक, अजिनोमोटो को इंक. जापान, 3 वर्ष 2011–14, यू एस 30,000 डॉलर।
4. मानव प्लेसेंटल साइटोट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं पर केटियोनिक ए–हेलिकल एंटीमाइक्रोबायल पेप्टाइड के कार्य का कोशिकीय तथा आण्विक आधार। देबब्रत घोष, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012–15, 42 लाख रुपए।
5. प्राइमेट में ब्लास्टोसिस्ट इंमप्लांटेशन हेतु इंडोमेटरियल सुग्राहयता : सिस्टम बायोलॉजी एप्रोच। देबब्रत घोष, डी एस टी, 4 वर्ष, 2009–13, 34 लाख रुपए।
6. हाई थ्रूपुट प्रोटियोमिक्स स्ट्रेटिजी का प्रयोग करके इंडोमेट्रियोसिस को समझना। देबब्रत घोष, डी एस टी, 3 वर्ष, 2010 – 13, 35 लाख रुपए।

7. साधारण कांगनिटिव इमपेयरमेट तथा अल्जाइमर्स रोग में क्वांटिटेटिव ई ई जी परिवर्तनों, कांगनिटिव प्रकार्य तथा तनाव का एक अध्ययन।
8. पारकिंसन रोग में जन्मजात दोषों के क्वांटिटिव ई ई जी सह–संबंध। रत्ना शर्मा, 2011–14, 22 लाख रुपए।
9. चूजों में प्रसव पूर्व आवृतिमूलक श्रवण उद्दीपन के पश्चात् विजुअल कॉरटेक्स का कार्यात्मक विकास (गेलस डोमेस्टिकस) : नोरेड्रिनालाइन की भूमिका। सुमन जैन, डी एस टी, 3 वर्ष, 2011–14, 23 लाख रुपए।
10. चुम्बकीय क्षेत्र एक्सपोजर तथा फैरोमेगनेटिक नेनोपारटिकल्स के प्रतिरोपण के पश्चात पारकिन्सन रोग के 6 हाइड्रेक्सिडोपाइन (6 ओ एच डी ए) वयस्क चूहा मॉडल में प्रेरक तथा संज्ञानात्मक व्यवहार। सुमन जैन, डी एस टी, 3 वर्ष, 2009–12, 26 लाख रुपए।
11. स्थूल रोगियों में बायोमार्करों का प्रयोक करके ग्लूकोज मेटाबोलिज्म पर बेरियाट्रिक सर्जरी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अग्रदर्शी अध्ययन। राजकुमार यादव, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012 – 15, 29 लाख रुपए।
12. अंतः कला दुष्क्रिया, स्थूलता तथा मधुमेह मार्करों के संबंध में सेंडीनेट्री अधिक वज़न वाले रोगियों में योग तथा आहार संबंधी प्रबंधन की प्रभाव क्षमता। राजकुमार यादव, सी सी वाई आर एन, स्वा. एवं. परि. क. मंत्रालय, 3 वर्ष, 2009–11, 23 लाख रुपए।
13. पेल्विक इन्डोमैट्रियोसिस की विकृति शरीर क्रिया विज्ञान में एडिपोकाइन मेडिएटिड इन्फ्लेमेशन एंजियोजेनेसिस तथा प्रोटियोनिक्स एप्रोच। राजकुमार यादव, एम्स अनुसंधान अनुदान, 1 वर्ष, 2012–13, 5 लाख रुपए।
14. स्थिर सी ओ पी डी रोगियों में श्वसन पथ मेक्रोफेजिस का एरेर आधारित कम्पेरिटिव जीनोमिक हाइब्रिडाइजेशन तथा ग्लोबल जीन ट्रांसक्रिप्ट प्रोफाइलिंग का प्रयोग करके जीनोम वाइड जीन प्रोफाइलिंग। अंजना तलवार, डी एस टी, 3 वर्ष, 2013 – 16, 50 लाख रुपए।
15. स्थिर सी ओ पी डी वाले रोगियों में प्लाज्मा बायोमार्कर्स का मल्टी एनालेट प्रोफाइलिंग तथा नैदानिक पैरामीटरों के साथ उनका सह – संबंध एक प्राणायम आधारित अध्ययन। अंजना तलवार, एस आई आर, 3 वर्ष, 2013–16, 24 लाख रुपए।
16. सी ओ पी डी तथा अस्थमा में एयरवे इन्फ्लेमेशन तथा रिमोडिलिंग का गैर आक्रामक निर्धारण। अंजना तलवार, एम्स अनुसंधान अनुदान। 1 वर्ष, 2012–13, 4 लाख रुपए।

पूर्ण

1. ओरथोस्टेटिक हाइपोटेंशन के रोगियों में सेरिब्रल ऑटो रेगुलेशन तथा रेरिब्रल वेस्कुलर रिएक्टिविटी का निर्धारण। के. के. दीपक, एम्स अनुसंधान अनुभाग, 2 वर्ष, 2010 – 12, 2 लाख रुपए।
2. सगर्भावस्था स्थापना हेतु मानव कोरियोनिक गोनडोट्रोपिन इंडोमेटिरियल सुग्राह्यता की भूमिका, देबब्रत कोष, डी एस टी, 4 वर्ष 2008–12, 34 लाख रुपए।
3. स्पाइनलाइज्ड चूहों की सेंसरी मोटर रिकवरी पर अस्थि मज्जा स्ट्रोमल कोशिकाओं तथा मेगनेटिक स्टीमुलेशन का प्रभाव। सुमन जैन, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2008 – 11, 17 लाख रुपए।
4. घरेलू चूजों (गैलस डॅमेस्टिक्स) के विज्युअल वल्सट में साइनेस्टिक प्रोटीनों की अभिव्यक्ति पर प्रसव पूर्व चिरकारी ऑडिटरी उद्दीपन का प्रभाव। सुमन जैन, एम्स अनुसंधान अनुदान, 1 वर्ष, 2011 – 12, 1 लाख रुपए।
5. योग पर मनोतंत्रिकाप्रतिरक्षा प्रभाव : पी ई टी द्वारा एक मूल्यांकन तथा जैव रसायनिक मार्कर्स। राजकुमार यादव, डी बी टी, 3 वर्ष, 2008 – 11, 14 लाख रुपए।
6. चूहों में मेडिकल प्रिओप्टिक एरिया स्टीमुलेशन द्वारा न्यूक्लियस ट्रेक्टस सोलिटेरियस में बेरोसेंसिटिव तथा कीनोसेंसेटिव न्यूरोन्स की गतिविधि का मोड्यूलेशन। ए. के. जरयाल, डी एस टी, 3 वर्ष, 2009 – 12, 35 लाख रुपए।
7. चिरकारी अवरोधक पुलमोनरी रोग तथा अवरोधक निद्रा एपेनिया में ओवरलेप संलक्षणों वाले रोगियों में इंडोथेलियल प्रकार्य का अध्ययन करना। अंजना तलवार, एम्स अनुसंधान अनुदान, 1 वर्ष, 2011–12, 1 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. फिब्रोमायेल्जिया रोगियों में पीड़ा मोड्यूलेशन स्तर पर ट्रांसक्रेनियल चुम्बकीय उद्दीपन का प्रभाव।
2. इलैक्ट्रोमेगनेटिक उद्दीपन तथा अस्थि मज्जा स्ट्रोमल कोशिकाओं के प्रत्यारोपण के पश्चात् स्पाइनलाइज्ड चूहों में सेंसरीमोटर निर्धारण।
3. वेंट्रोमेडिकल हाइपोथेलेमिक प्रकार्य पर पूर्व स्पाइनल कोई क्षति का दबाव : चुम्बकीय क्षेत्र की भूमिका।

4. 3 जी फ्रिक्वैंसी बैंड से प्रकटित चूहों में पीड़ा का व्यावहारिक इलैक्ट्रोफिजियोलॉजिकल तथा न्यूरोकेमिकल सह – संबंधों पर मेगनेटिक फिल्ड का प्रभाव।
5. चूहा पारकिन्स मॉडल में ऑक्सिडेटिव तनाव पर मेगनेटिक फिल्ड का प्रभाव।
6. चूहों में स्पाइनल कोर्ड की माइक्रोगलिया प्रेरित सेकेंडरी क्षति पर मेगनेटिक फिल्ड का प्रभाव।
7. पारकिन्स रोग तथा एम एस ए पी में ओरथोस्टेसिस हेतु छद संवहनी प्रतिक्रिया का तुलनात्मक अध्ययन।
8. चूहों में थर्मोरेगुलेशन में प्रिओप्टिक एरिया थर्मो टी आर पी वी चेनलो ंकी भूमिका।
9. गट तथा प्रिओप्टिक क्षेत्र में ग्लूटामेट द्वारा प्रेरित थ्रोम्बोजेनसिस की क्रियाविधि।
10. 'योग निद्रा' का इलैक्ट्रोफिजियोलॉजिकल लक्षण वर्णन तथा प्राथमिक इन्सोमनिया रोगियों में इसकी भूमिका।
11. निद्रा के दौरान शरीर, पेशी तथा मस्तिष्क तापमान के मध्य अंतःसंबंध।
12. चयापचयी संलक्षणों पर आहार हस्तक्षेप की तुलना में योग आधारित जीवनशैली हस्तक्षेप : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
13. प्रोटीन प्रोफाइलिंग द्वारा इंडोमेट्रोसिस के विकृति शरीर क्रिया विज्ञान को समझना तथा मनाव के साथ इसका सह संबंध।
14. इंडोमेट्रोसिस वाले रोगियों में पेरीटोनियल तरल में लेप्टिन तथा ग्रेलिन : वी ई जी एफ तथा आई एल 6 के साथ सह – संबंध।
15. अति भार / स्थूल व्यक्तियों में संज्ञानात्मक प्रकार्यों में तनाव प्रेरित परिवर्तनों पर अल्प अवधि मेडिटेशन के प्रभाव का अध्ययन : तंत्रिका शरीर क्रिया विज्ञानी तथा जैव रसायनिक साक्ष्य।
16. सामान्य व्यक्तियों तथा पारकिन्स रोग के रोगियों में सैकेडिक नेत्र गतिविधि का संज्ञानात्मक नियंत्रण एक व्यावहारिक, घटना संबंधी संभावित तथा कार्यात्मक इमेजिंग अध्ययन।
17. स्वस्थ वॉलेंटियरों में संज्ञानात्मक निष्पादन में भावात्मक प्रेरित परिवर्तनों का मात्रात्मक ई ई जी सह संबंध।
18. वलसल्वा मेनीयूवर के ह्रद संवहनी प्रतिक्रिया पर प्रिलोड रिडक्शन का प्रभाव।

पूर्ण

1. वलसल्वा मेनीयूवर के दौरान फोटोप्लेथीस्मोग्राफिक पेरीफेरल पल्स वेवफॉर्म का लक्षण वर्णन।
2. प्राणायाम पर आधारित पैटर्न श्वसन वाली तकनीकों का प्रयोग करके ह्रद तथा वाहिका ओस्कीलेशंस का श्वसनीय मोड्यूलेशन।
3. पारकिन्सन रोग में बेरीटस्काफ्ट्स पोंटेंशियल पर सबथेलमिक न्यूक्लियस का डीप ब्रेन स्टीमुलेशन का प्रभाव।
4. ध्यान के मनोतंत्रिका प्रतिरक्षा प्रभाव : पी ई टी तथा जैव रसायनिक मार्करों द्वारा मूल्यांकन।
5. स्थूलता में मधुमेह जोखिम कारकों पर अल्प अवधि हस्तक्षेप का प्रभाव।
6. सिलियक रोग से पीड़ित बाल रोगियों में हेतु ग्लूटेन थ्रसहोल्ड के निर्धारण हेतु ए आर सी टी।
7. साधारण संज्ञानात्मक त्रुटियों तथा एल्जाइमर्स रोग में संज्ञानात्मक विकारों तथा तनाव रिएक्टिविटी का मात्रात्मक ई ई जी सह संबंध।
8. पारकिन्सन रोग में संज्ञानात्मक त्रुटियों का मात्रात्मक ई ई जी सह संबंध।
9. मात्रात्मक ई ई जी द्वारा निर्धारित विजुओसपेशल टास्क निष्पादन पर कार्यात्मक मेमोरी का प्रभाव।
10. प्राणायाम पर आधारित श्वसन मेनीयूवर्स पद्धति का प्रयोग करके ह्रद तथा संवहनी ओस्कीलेसन पर श्वसन मोड्य
11. स्टार्टल रिफ्लैक्स के प्रिपल्स मॉड्यूलेशन पर सिलेक्टिव तथा ऑटोमेटिक अटेनशन का प्रभाव।
12. सामान्य व्यक्तियों तथा पारकिन्सन रोग में स्केडिक आई मूवमेंट्स का संज्ञानात्मक नियंत्रण : एक व्यावहारिक घटना संबंधी संभावित तथा प्रकार्यात्मक चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग अध्ययन।
13. प्रकार्यात्मक इमेजिंग का प्रयोग करके फेस वर्ल्ड स्ट्रूप टास्क में प्राइमिंग का न्यूरल सह – संबंध।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. प्रिनेटल ऑडिटरी साउंड स्टीमुलेशन : चिक हिप्पोकैम्स में सिनेप्टिक प्रोटीनों की स्पेशियल मेमोरी तथा अभिव्यक्ति पर प्रभाव शरीर रचना।
2. पारकिन्सन रोग के 6 ओ एच डी ए लीजन्ड चूहा मॉडल में मानव रेटीनल पिगमेंट एपिथेलियल (एच आर पी ई) कोशिकाओं का प्रत्यारोपण (तंत्रिका विज्ञान)
3. न्यूरोनल रिजेनरेशन तथा फंक्शनल रेस्टोरेशन में मानव अम्बेलिकल कोर्ड ब्लड स्टेम सेल्स तथा न्यूरल स्टेम सेल्स की भूमिका : गंभीर स्पाइनल कोर्ड इंजुरी वाले पुरुष वयस्क चूहों में एक तुलनात्मक अध्ययन (तंत्रिका शल्य चिकित्सा एवं जे पी एन ए ट्रॉमा केंद्र)।

4. प्रिएक्लेम्पशिया बनाम सामान्य स्वस्थ सगर्भताओं वाली महिलाओं में जैव रसायनिक तथा जैव भौतिकी मार्करों द्वारा संवहनी इंडोथेलियल प्रकार्य का मूल्यांकन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)
5. टाइप 2 मधुमेह मेलिट्स में डिफ्यूजिंग क्षमता का पोस्चुरल वेरिएशन : लंग माइक्रोएंजियोपैथी के मार्कर (अंतः स्राविकी विज्ञान)।
6. 6–18 वर्ष की आयु वाले सिस्टिक फिब्रोसिस रोगियों में बोन मिनरल सघनता पर अभ्यास हस्तक्षेप का प्रभाव (बाल चिकित्सा)।
7. 6–18 वर्ष की आयु वाले सिस्टिक फिब्रोसिस रोगियों में एयरवे इन्फ्लेमेशन के मार्कर के रूप में एक्सहेल्ड ब्रीथ तापमान (बाल चिकित्सा)।
8. वयस्क भारतीय स्थूल रोगियों में वेट लॉस, बॉडी फेट, वितरण तथा इंसुलिन प्रतिरोधकता पर अवलोकित आहार तथा जीवन शैली परिवर्तनों का प्रभाव (शल्य चिकित्सा)।
9. बी एम आई 25–29.9 कि. ग्रा. / एम2 बनाम 30–34.9 कि. ग्रा. / एम2 में वाले व्यक्तियों में पोषण तथा जीवन शैली परिवर्तनों का प्रभाव तथा बी एम आई >35 कि. ग्रा. / एम2 में बेरियाट्रिक सर्जरी के प्रभाव का निर्धारण करना (शल्यचिकित्सा)।
10. सेंन्ट्रल सेरस कोरियोरेटिनोपैथी में सिस्टेमिक वेस्कुलर आटोनोमिक टोन, स्ट्रक्चर्ल तथा फंक्शनल परिणामों का निर्धारण (रा. प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र)।
11. स्पाइन की करक्टिव सर्जरी के तहत रोगियों में मेरुदण्ड प्रकार्य का माल्टीमॉडल, इंट्राओपरेटिव मॉनिटरिंग (अस्थि रोग विज्ञान)
12. मेसेस्टर तथा टेम्पोरेलिस मसल्स से पहले तथा बाद में टी एम जे एंकिलोसिस सर्जरी में लांगिट्यूडिनल परिवर्तन : एक ई एम जी अध्ययन (दंत शल्य एवं अनुसंधान केंद्र)
13. प्रि आरिकुलर एक्सटेंडिक टेम्पोरल इनशिजन के साथ टेम्पोरोमेंडीबुलर जॉइंट सर्जरी करवा रहे रोगियों में फेशियल नर्व मोर्बिडिटी का मूल्यांकन (दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र)।

पूर्ण

1. ओपन एंटीग्रेड फ्लो के साथ वह रोगी जो टोटल केवो पुलमोनरी कनेक्शन तथा अथवा सुपिरियर केवोपुलमोनरी एनेस्टोमेसिस करवा रहे हैं, के मध्य एक्ससाइज़ टेस्टिंग पैरामीटरों की तुलना (सी टी वी एस
2. चिरकारी पुलमोनरी रोग में संशोधित बी ओ डी एक्स इंडैक्स का निर्धारण तथा इंफ्लैमेट्री मार्करों के साथ इसका सह संबंध (पुलमोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार)।
3. चिरकारी अवरोधक पुलमोनरी रोग तथा अवरोधक निद्रा अपेनिया के ओवर लैप संलक्षण वाले रोगियों में इंडोथेलियल प्रकार्य का निर्धारण (पुलमोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार)।
4. योग का मनोतंत्रिका प्रतिरक्षा प्रभाव : पी ई टी तथा जैव रसायनिक मार्करों द्वारा एक मूल्यांकन (नाभिकीय चिकित्सा)।
5. मैक्सीलरी प्रोट्रेक्शन उपचार के दौरान मिडफेस कमी वाले बच्चों के एक समूह में मेसेस्टर तथा टेम्पोरेलिस पेशी ई एम जी गतिविधि का मूल्यांकन (ओरथोडोंटिक्स दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र)।
6. टाइप 2 मधुमेह मेलिटस पर लेप्रोस्कोपिक स्लीव गेस्ट्रेक्टॉमी के प्रभाव का अग्रदर्शी मूल्यांकन (शल्य चिकित्सा)।
7. प्रिमेच्चौर एंजिंग में ओवलेशन इंडक्शन हेतु गोंडोट्रॉफिन्स के सहायक उपचार के रूप में डिहाइड्रोपिएंड्रोस्टीरोन (डी एच ई ए) का मूल्यांकन (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)।
8. सरवाइकोवेजीनल सिक्रिशन्स में फिटल फिब्रोनेक्टिन की खोज द्वारा समय से पहले प्रसव की पूर्वसूचना (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)
9. टाइप – 2 मधुमेह में इंसुलिन रेसिटेंस के साथ सेरिब्रोवेस्कुलर रिएक्टिविटी तथा सिस्टेमेटिक वेस्कुलर रिएक्टिविटी का मूल्यांकन तथा सह – संबंध (अंतः स्राविकी विज्ञान)।
10. गुलाऐन बेररे संलक्षण की उपस्थिति वाले 2 से 15 वर्ष की आयु बच्चों में हृदय दर विभिन्नता में क्रम परिवर्तन का अध्ययन (बाल चिकित्सा)।
11. पहले तथा गुरदा प्रत्यारोपण के पश्चात वाहिका प्रकार्य का निर्धारण (वृक्क विज्ञान)
12. मोटे बच्चों में आट्रियल स्टीफनेस इंडिक्स का निर्धारण (अंतः स्राविकी विज्ञान)।
13. पोलिसिस्टिक ओवेरियन रोग से पीड़ित महिलाओं में आट्रियल स्टीफनेस इंडिक्स का निर्धारण (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)।
14. मेरु रज्जु क्षतिग्रस्त रोगियों में सेंसरीमोटर रिकवरी पर आवर्ती चुम्बकीय उद्दीपन के प्रभाव का मूल्यांकन करना (स्टेम सेल सुविधा एवं नेत्र भेषजगुण विज्ञान)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 21 **सार : 16** **पुस्तकों में अध्याय : 2** **पुस्तक : 1**

रोगी उपचार

तंत्रिका शरीर क्रिया विज्ञान अनुसंधान प्रयोगशाला द्वारा पुराने दर्द से पीड़ित चुनिंदा, रैफर किए गए रोगियों हेतु विद्युत शरीर क्रिया विज्ञानी बैटरी तथा बायोकैमिकल बायों द्वारा उनकी पीड़ा और पीड़ा मॉड्यूलेशन का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन प्रस्तावित किया गया। वर्ष के दौरान 40 रोगियों (फिब्रोमायेलजिया) का मूल्यांकन किया गया। ट्रांसक्रेनियल मेगनेटो थेरेपी के द्वारा पीड़ा में सफलतापूर्वक राहत पहुंचाई गई।
ऑटोनोमिक प्रकार्य प्रयोगशाला तथा वाहिका प्रकार्य प्रयोगशाला द्वारा रैफर रोगियों हेतु नैदानिक सुविधा प्रदान की गई। यह प्रयोगशालाएं ऑटोनोमिक टोन क्वांटिफिकेशन तथा मॉटेलिटी (इलैक्ट्रोगैस्ट्रोग्राफी) की नॉन इन्वेसिव रिकॉर्डिंग के साथ ऑटोनोमिक रिएक्टिविटी की नैमिक जांच प्रदान की जाती है। इस वर्ष 797 लोगों की ऑटोनोमिक फंक्शन जांच की गई जिसमें 745 रोगी सम्मिलित थे।

स्पाइन की संशोधात्मक शल्य चिकित्सा करवाने वाले रोगियों में स्पाइनल कोर्ड फंक्शन की मल्टीमॉडल इंट्राऑपरेटिव निगरानी प्रदान की गई (अस्थिरोग विभाग, अ. भा. आ. सं. नई दिल्ली)।

स्पाइन की अस्थिरोग शल्यचिकित्सा के दौरान उत्पन्न प्रक्रिया की रिकॉर्डिंग के द्वारा सोमेटोमीटर प्रतिक्रिया की जांच की गई। कुल 47 रोगियों को तंत्रिका शरीर क्रिया विज्ञानी मॉनीटरिंग सहायता दी गई।

संपूर्ण स्वास्थ्य क्लीनिक (आई एच सी) एक मन शरीर चिकित्सा का एक केंद्र है। आई एच सी एक बहिरंग रोग सुविधा है जिसका उपयोग चिकित्सीय लाभों के लिए होता है तथा साथ ही साथ स्वास्थ्य चेतना भी विकसित होती है। तनाव रहित केंद्र के रूप में यह एम्स कर्मचारियों सहित संकाय, छात्रों, रेजीडेंट्स तथा स्टाफ को तनाव रहित होने में लाभदायक है, समीक्ष्य वर्ष के दौरान आई एच सी में कुल 222 (दो सौ बाइस) व्यक्तियों को योग सिखाया गया। इसमें एम्स के विभिन्न विभागों से रेफर चिरकारी रोग जैसे मधुमेह, स्थूलता तनाव इत्यादि के चिरकारी रोग से पीड़ित रोगी सम्मिलित थे।

विभाग ने निम्नलिखित केंद्रीय सुविधाएं प्रदान की :–
1) ऑटोनोमिक प्रकार्य तथा वाहिका प्रकार्य
2) जैव रसायनिक विश्लेषण
3) कॉनफोकल माइक्रोस्कॉपी
4) संपूर्ण स्वास्थ्य क्लीनिक
5) आण्विक जैव विज्ञान
6) चिरकारी पीड़ा वाले रोगियों हेतु पेन मोड्यूलेशन तथा ट्रांसक्रेनियल मेगनेटो थेरेपी

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

श्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार : अंसारी ए एच, जैन एस, कुमार यू भट्टाचारजी एम, माथुर आर। फिब्रोमायेल्जिया रोगियों में ट्रांसक्रेनियल मेगनेटिक स्टीमुलेशन रिलिव्स : पीड़ा निर्धारण में एक विद्युत शरीर क्रिया विज्ञानी पहुंच। द्वितीय आईबीआरओ स्कूल ऑफ न्यूरोसाइंस, तेहरान, ईरान। मई 12–23, 2012।

तीन मिनट शोध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार : कुमार एस, जैन एस, मोहंती एस, बिहारी जे, माथुर आर। पूर्ण स्पाइनल कोर्ड ट्रांसजेक्शन क्षतिग्रस्त चूहों में नोक्सियस तथा नॉन – नोक्सियस की सेंसरीमीटर प्रतिक्रिया पर अस्थि मज्जा स्ट्रोमल सेल्स प्रतिरोपण का प्रभाव। आस्ट्रेलियन न्यूरोसाइंस सोसायटी की 33वीं वार्षिक बैठक, मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया; 3–6 फरवरी, 2013 :

प्रो. आर. माथुर 12वें एफ वी पी कार्यक्रम, डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एण्ड स्लाइड साइंसिज हेतु विषय विशेषज्ञ के रूप में सेवा प्रदान की, दिल्ली; सदस्य बोर्ड ऑफ स्टडीज़ इन फिजियोलॉजी, फॉर प्रिंट. बी. डी. शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसिज (रोहतक) तथा बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, (वाराणसी); छत्रपति साहूजी महाराज मेडिकल यूनिवर्सिटी हेतु संकाय चयन। पदोन्नति

हेतु विशेषज्ञ (लखनऊ); भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् हेतु शरीर क्रिया विज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु मानक निर्धारण की समीक्षा (नई दिल्ली)।

प्रो. के. के. दीपक को नेशनल अकेदमी ऑफ मेडिकल साइंसिज द्वारा डॉ. बी. के. आनंद व्याख्यान (2011–12) पुरस्कार प्रदान किया गया : सदस्य, शिक्षा समिति, इंटरनेशनल यूनियन ऑफ फिजियोलॉजिकल साइंसिज; ब्रेन स्ट्रोमिंग सेशन – नेशनल पोर्टल ऑफ हार्ट रेट वेरिएबिल्टी (एच आर वी) एनालेसिस' हेतु अध्यक्ष, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली (27 जुलाई 2012); तथा पीररिव्यू कमेटी ऑफ रिसर्च प्रोपोजल विद रेफ्रेंस सेंटर टू किरगिज इण्डियन माउंटेन बायोमेडिकल रिसर्च सेंटर; इक्वीलेंस सब कमेटी ऑफ एम सी आई के संयोजक (नई दिल्ली) तथा निम्नलिखित एम सी आई समितियों के सदस्य : एडहॉक अंडरग्रेज्यूएट असेसमेंट स्क्रीनिंग कमेटी, डिसकोन्टिन्यूएशन ऑफ डिसेक्शन एण्ड एनीमल एक्सपेरिमेंट इन दि टीचिंग ऑफ मेडिकल कोर्सिस एण्ड डेवलेपमेंट ऑफ अल्टरनेटिव कमेटी, मिनिमम स्टेडर्ड्स रिक्वायरमेंट्स पर शैक्षिक परिषद की उप समिति एम सी आई में क्षेत्रीय केंद्रों के संकायों हेतु पाठ्यक्रम कार्यान्वयन सहायता कार्यक्रम' पर कार्यशाला हेतु सह संयोजक; सदस्य, सलाहकार समिति, ऑल इण्डिया प्री. मेडिकल / प्रि – डेंटल प्रदेश परीक्षा (सी बी एस ई) : परीक्षक किंग जॉर्जस मेडिकल यूनिवर्सिटी (लखनऊ) तथा बल्लभ भाई पटेल / चेस्ट इंस्टीट्यूट एण्ड दि डिपार्टमेंटल ऑफ एनवायरमेंटल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय; सदस्य, मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योगा में शरीर क्रिया विज्ञान प्रयोगशाला की सेटिंग हेतु विशेषज्ञ समिति; स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान विश्वविद्यालय की अनुसंधान सलाहकार समिति (बेंगलोर) : तथा एडवाइजरी बोर्ड ऑफ डि फिजियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ नेपाल; नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एन के एन) में नोडल अधिकारी, जी ओ आई; कार्यकारी संपादक इण्डियन जरनल ऑफ फिजियोलॉजी एण्ड फार्माकोलॉजी (आई जे पी पी), सदस्य, निम्नलिखित पत्रिकाओं के सलाहकार/संपादकीय बोर्ड : हेल्थ रिनेसनेंस, एण्ड ए 1 – एमिन जरनल ऑफ मेडिकल साइंसिज। वह निम्नलिखित पत्रिकाओं हेतु पीर समीक्षक हैं : इण्डियन जरनल ऑफ मेडिकल रिसर्च, जरनल ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिसिन, तथा इंटरनेशनल जरनल ऑफ योगा; सदस्य, एडवाइजरी बोर्ड फॉर इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एण्ड एसिसटिव टेक्नोलॉजीस, जालंधर (6 – 7 दिसंबर 2012) तथा ए पी पी आई की 58वीं वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान सत्रों की अध्यक्षता की, मेरठ (17 – 20 दिसंबर 2012)।

प्रो. एच. एन मलिक को ए पी पी आई के 58वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान 'निद्रा का महत्व' पर एस एल भाटिया व्याख्यान पुरस्कार दिया गया मेरठ (17 – 20 दिसंबर 2012); एशियन रिसर्च सोसायटी (2013–16) के अध्यक्ष के रूप में चयनित तथा इण्डियन सोसायटी ऑफ स्लीप रिसर्च के अध्यक्ष के रूप में सेवा प्रदान की; ए पी पी आई हेतु वित्तीय सचिव; ताइपाई ताइवान में 7वें ए एस आर एस सम्मेलन के दौरान शीर्षक 'फेक्टर देट इफेक्ट स्लीप संगोष्ठी की अध्यक्षता की (1 दिसंबर 2012) तथा नेशनल स्लीप मेडिसिन कोर्स 2012, निमहंस हेतु कोर्ल निदेशक थे, बेंगलोर (10 – 11 दिसंबर 2012)।

प्रो. डी. घोष एडवांसमेंट ऑफ फिजियोलॉजिकल साइंसिज (आई सी ए पी एस) पर आई सी एम आर कार्यशाला हेतु कोर समिति सदस्य।

प्रो. एस. सी. महापात्रा ने एम बी बी एस हेतु परीक्षक के रूप में सेवा दी, दिल्ली विश्वविद्यालय; हेल्थ फिटनैस एण्ड स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजिस पर राष्ट्रीय सेमिनार में अतिथि सम्मान, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (12 अक्तूबर 2012); तथा शरीरक्रिया विज्ञान में 26वें वार्षिक सम्मेलन, हाई टेक मेडिकल कॉलेज, भुवनेश्वर (9 दिसंबर 2012); ए पी पी आई के 58वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 2 सत्रों की अध्यक्षता की, मेरठ (17 – 20 दिसंबर 2012); तथा एम्स जोधपुर में वर्कशॉप ऑन यू जी एण्ड पी जी केरिकुलम इन मेडिकल फिजियोलॉजी के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता (26 फरवरी 2013); सदस्य, नेशनल एडवाइजरी बोर्ड ऑफ इंटरनेशनल जरनल ऑफ फिजियोलॉजी।

डॉ. रत्ना शर्मा तंत्रिका विज्ञानी विकारों की आण्विक क्रियाविधि में वर्तमान आधुनिकताओं पर सोसायटी फॉर न्यूरोकैमिस्ट्री एण्ड इंटर नेशनल कांफ्रेंस की 27वीं वार्षिक बैठक, आयोजक समिति की सदस्य, एम्स, नई दिल्ली, 21–23 फरवरी 2013

डॉ. नलिन मेहता मेट्रो हॉस्पीटल एण्ड हार्ट इंस्टीट्यूट की एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष हैं (नोएडा); विभिन्न एथिक्स कमेटी के सदस्य है डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल एवं पी जी आई एम ई आर (नई दिल्ली); इंटर नेशनल क्लीनिकल एपिडिमियोलॉजी नेटवर्क (नई दिल्ली); प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (पी ई एफ – ए एस ई आर) सेंटर (नई दिल्ली); सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज़ ऑफ स्कूल ऑफ मेडिसिन एण्ड पेरामेडिकल हेल्थ साइंसिज, गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ

विश्वविद्यालय (नई दिल्ली); तथा अमेठी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एण्ड एलाइड साइंसिज अमेठी विश्वविद्यालय (नोएडा); इंटरनेशनल काउंसिल फॉर कंट्रोल ऑफ आयोडीन डेफिसेंसी डिसऑर्डर (आई सी सी आई डी डी) की ओर से गुणवत्ता नियंत्रण संबंधी माइक्रोन्यूट्रिएंट सॉल्ट आयोडाइजेशन एस्टीमेशन लेबोरेट्रीज की प्रशिक्षण तकनीकियों हेतु मुख्य व्यक्ति के रूप में सेवा प्रदान की।

डॉ. आर. के. यादव ने एम्स मेडिकल क्वीज़ में मुख्य सह – संयोजक के रूप में सेवा प्रदान की; एम्स जोधपुर में शरीरक्रिया विज्ञान में पाठ्यक्रम विकास पर बैठक हेतु विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित (25 – 26 फरवरी 2012); सदस्य, संपादकीय बोर्ड, प्रोसिडिंग्स ऑफ सेकेंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन मेडिसिन एण्ड न्यूट्रासियूटिकल प्लांट्स (एक्टा हॉर्टिकल्चर द्वारा प्रकाशित, 2013)।

डॉ. अंजना तलवार को नेशनल हार्ट एण्ड लंग इंस्टीट्यूट में यूरोपीयन रेस्पाइरेट्री सोसायटी द्वारा तीन माह के लिए अल्प अवधि अनुसंधान प्रशिक्षण फैलोशिप प्रदान की गई, इम्पीरियल कॉलेज लंदन (1 सितंबर 30 नवंबर 2012)।

सामाजिक योगदान

- विभाग (डॉ. अस्मिता पाटिल, के. पी. कोच्चर तथा विभाग के रेजीडेंट्स) द्वारा संस्थान दिवस पर आयोजित स्वास्थ्य प्रदर्शनी में 'पोषक आहार तथा जीवन शैली संबंधी रोग की रोकथाम हेतु शरीर क्रिया विज्ञान तथा पोषण का महत्व' विषय पर हिंदी नाटक का आयोजन किया गया, 25 – 26 सितंबर 2012
- विभाग (डॉ. के. पी. कोच्चर, विवेकानंद तथा अन्य रेजीडेंट्स) द्वारा संस्थान दिवस पर आयोजित स्वास्थ्य प्रदर्शनी में 'कांग्निटिव फिजियोलॉजी बेस्ड इंट्राक्टिव ऑन लाइन साइकोमिट्रिक पर्सनेलिटी असेसमेंट' आयोजित किया गया 25 – 26 सितंबर 2012

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. राजीव यादव, पी एच डी, अनुसंधान वैज्ञानिक, कनाडा, ने 'मॉडल बेस्ड सिग्नल प्रोसेसिंग इन एपिलेप्सी : न्यूरोफिजियोलॉजिकल इम्प्लीकेशन्स', 28 अगस्त 2012

9.32 मनोचिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष
रजत रे

आचार्य

एस. के. खण्डेलवाल	मंजू मेहता
आर. के. चड्डा	प्रताप शरण

अपर आचार्य
राजेश सागर

सह – आचार्य

नंद कुमार	ममता सूद	सुजाता सतपथी

विशिष्टताएं

विभाग सामान्य अस्पतालों तथा समुदायों में मानसिक स्वास्थ्य तथा सेवाएं प्रदान करने में अग्रसर रहा है। विभाग द्वारा सामान्य वयस्क मनोचिकित्सा, बच्चे एवं किशोर मनोचिकित्सा, परामर्श संपर्क मनोचिकित्सा तथा सामुदायिक सेवाओं के क्षेत्र में बहु विषयक सेवाएं प्रदान की गई। विभाग द्वारा प्रतिदिन वॉक–इन क्लिनिक, प्रदान की गई। विभाग द्वारा प्रतिदिन वॉक–इन क्लिनिक, साप्ताहिक बच्चे एवं वयस्क एवं ड्यूल–डायगनोसिस क्लिनिक एवं चौबीसों घंटे आपात सेवाएं प्रदान की जाती है। जनवरी 2013 से विभाग द्वारा चार नई विशिष्टता निदानशालाएं, साइको सोमेटिक क्लिनिक सोमवार को, सामान्य मानसिक विकार निदानशाला, गुरूवार, एवं तीव्र मानसिक विकार निदानशाला एवं आरटीएमएस (रिपीटेड ट्रांसक्रेनियल मैगनेटिक स्टीमुर्लशन) निदानशाला, शुक्रवार आरंभ की गई। विभाग द्वारा दयालपुर एवं छैंसा में स्थित प्राथमिक स्वस्थ केंद्र पर हरेक दिन सहित सप्ताह में 6 दिने के लिए सामुदायिक आउटरीच सेवाओं के विस्तार भी किया गया। विभाग द्वारा झज्जर में एम्स कैम्पस में एक साप्ताहिक निदानशाला को भी आरंभ किया किया गया है। इनमें भेषजगुणविज्ञानी – एवं इतर – भेषजगुणविज्ञान दोनों ही उपचार का उपयोग किया जाता है। उपचार का निष्पादन करने के लिए बहुविषयक टीम जिसमें मनोरोगविज्ञानी, नैदानिक मनोरोगविज्ञानी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं मनोचिकित्सा नर्स शामिल होनी है। सहायक मनोचिकित्सा, मनोशिक्षा, ज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा, व्यवहार चिकित्सा एवं चयनित पहलुओं जैसे मनोरोगविज्ञानी उपचारों का उपयोग किया जाता है सप्ताह में दो बार संशोधित इलेक्ट्रो कनवलिसिव थिरेपी प्रदान की जाती है। दो परामर्शदाता, एक वरिष्ठ रेजीडेंट एवं दो कनष्ठि रेजीडेंटों को मिलाकर एक दल द्वारा परामर्शी संपर्क सेवाएं चलाई जाती है।

शिक्षा

स्नातक पूर्व शिक्षण

तृतीय सीमेस्टर : 24 घण्टे, 6वां सीमेस्टर : 14 घण्टे, 8वां सीमेस्टर : 6 घण्टे

नैदानिक पोस्टिंग

4 – 5 सीमेस्टर : 20 दिन, 6–8 सीमेस्टर : 40 दिन

सी आर एच एस पी बल्लभगढ़ में स्नातकपूर्ण शिक्षण
7 सीमेस्टर : 10 घण्टे (सामुदायिक मनोचिकित्सा)

बी एस सी नार्सिंग

2 सत्र में कुल मिलाकर 38 घण्टे

पी एच डी तथा स्नातकोत्तर प्रशिक्षण

- पत्रिका विचार विमर्श : प्रत्येक सप्ताह में एक बार
- शोध प्रोटोकॉल, बीच सत्र में प्रस्तुती : सप्ताह में एक बार

- शिक्षकीय : सप्ताह में दो बार
- सेमिनार : प्रत्यके सप्ताह एक बार
- केस सम्मेलन : प्रत्येक सप्ताह एक बार
- स्टाफ प्रस्तुतीकरण : प्रत्येक सप्ताह एक बार
- मनोचिकित्सा पयर्वेक्षण : स्नातकोत्तर मनोरोग विज्ञान तथा डॉक्टर स्तर के नैदानिक मनोविज्ञान छात्रों हेतु
- परामर्श का सर्वेक्षण : मनोचिकित्सा में जूनियर रेजीडेंट्स हेतु संपर्क प्रशिक्षण
- संकाय / स्टाफ प्रस्तुती : प्रत्येक सीमेस्टर में सी सी आर तथा सी जी आर के प्रत्येक सप्ताह में एक बार

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी

विभाग द्वारा आयोजित

- दिनाक 10 अक्टूबर 2012 (समन्वयक राकेश चड्ढा) के विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर कॉलेज के छात्रों के लिए ''अवसाद'' विषय पर संगोष्ठी।
- दिनांक 23–25 नवंबर 2012 को इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकेट्री, चडीगढ़ के 19वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ग्रांट राइटिंग फॉर विसिग प्रपोजल' नामक विषय पर कार्यशाला (समन्वयक – सुमन सिन्हा, प्रताप शरण)।
- दिनांक 10–13 जनवरी 2013 को भारतीय मनोविज्ञानी समाज, बैंगलोर के 65वें वाष्रिक राष्ट्रीय सम्मेलन में ''बेसिक्स ऑफ रिसर्च मैथजेलॉजी''? विषय पर कार्यशाला (समन्वयक : राकेश चड्ढ़ा)।
- दिनांक 10–13 जनवरी 2013 को इंडियन राइकेट्री सोसायटी, बैंगलोर के 65वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में ''वि.स्वा.सं. – सीरो में देशो हेतु अवसाद पहचान यंत्र के विकास'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया (समन्वयक : प्रताप शरण, राजेश सागर)।
- दिनांक 24 मार्च 2013 के ''सरकारी कॉलेज एवं अस्पताल के 'इंटरनेशनल पर्सनाल्टी डिसऑर्डर इगजामिनेश्स' विषय पर कार्यशाला का आयोजन (समन्वयक : प्राप्त शरण)।
- दिनांक 10–13 जनवरी 2013 को इंडियन राइकेट्री सोसायटी के 65वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में ''इंटीग्रेटिंग मेंटल हेल्थ इन अंडरग्रेजुएट्स ट्रेनिंग'' विषय पर संगोष्ठी (समन्वयक : ममता सूद)।

प्रदत्त व्याख्यान

मंजू मेहता : 7	**एस. के. खण्डेलवाल : 8**	**आर. के. चड्ढ़ा : 15**	**प्रताप शरण : 13**
राजेश सागर : 17	**ममता सूद : 4**	**सुजाता सतपथी : 1**	

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. सिजोफेटेनिया (ह्यूमन कॉम्पलेक्स डिसऑर्डर) हेतु डेसिफेयरिंग जीनोटाइप फीनोटाइप सह–संबंध में एक संपूर्ण जैव विज्ञानी एप्रोच। आर. के. चड्डा, सीएसआईआर, 2010–15। (इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेडिट बायोलॉजी) एवं एम्स, नई दिल्ली ।
2. प्राथमिक फिब्रोमायलजिया संलक्षण में किशोर के साथ नवयुवकों में ड्यूलोक्सिटिन 30/60 मि. ग्र. दिन में एक बार बनाम प्लेसिबो का प्रभाव (प्रोटोकोल एफ 1 जे – एम सी – एच एम जी डब्ल्यू) पी शरण, आर सागर, इली लिली, 2011–14, रुपए 20 लाख।
3. प्राथमिक उपचार आबादी में सीरो के लिए तनाव पहचान यंत्र के कार्यानिष्पादन का परीक्षण। पी शरण, आर सागर, विश्व स्वास्थ्य संगठन – साउथ ईस्ट एशिया रिजनल ऑफिस, 2012–13, रुपए 9 लाख।
4. वि. स्वा. सं. सीरो के लिए साइकोसिस पहचान यंत्र का विकास। आर सागर, पी शरण, वि. स्वा. सं. – सीरो, 2012–13, रुपए 6 लाख।
5. बृहत डिप्रेसिव विकार तथा मेनिया वाले रोगियों में प्रकार्यात्मक चुम्बकीय अनुवाद इमेजिंग (एफ एम आर आई) का प्रयोग तथा न्यूरो कांगिनिटिव। आर सागर, डी एस टी, 2010–13, रुपए 39 लाख।
6. बायपोलर विकार में कांगिनिटिव प्रकार्य तथा सीरम ब्रेन ड्राइब्ड न्यूरोट्रॉफिक कारक का निर्धारण। एक वर्षीय नेचुरलाइस्टिक फालो–अप अध्ययन। सागर आर., डी एस टी, 2012–14, रुपए 25 लाख।
7. विशिष्ट शिक्षण विकार : भारतीय प्रतिप्रेक्ष्य। सागर आर. डीएसटी, 2012–13 रुपए 5 लाख।

8. अटेंटशन डिफिक्ट / हाइपर एक्टिविटी विकार (ए डी एच डी) में एक नोवल न्यूरोप्लास्टिसिटी आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम में रेमिडिएट कांगिनिटिव कंट्रोल डिफिक्टस का मूल्यांकन। आर सागर, ब्रेन प्लास्टिसिटी इंस्टीट्यूट, सेन फ्रांसिको, 2012–14, रुपए 5 लाख।

पूर्ण

1. सीरो हेतु एक तनाव पहचान यंत्र का क्रॉस कल्चरल विकास। पी शरण, आर सागर, वि. स्वा. सं. – सीरो, 2010–12, रुपए 10 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

1. अल्कोहल निर्भरता एवं ओपिओएड निर्भर आई डी यू एस से पीड़ित रोगियों में उच्च जोखिम व्यवहार : व्यक्तित्व सहित संबंध।
2. बच्चों में साइटोपैथोलॉजी का आकलन करने में दरो –ए–पर्सन परीक्षण का उपयोग।
3. अवसाद से पीड़ित रोगियों में वैवाहिक गुणवत्ता एवं कापिंग स्ट्रेटजीज।
4. सोमाटोफार्म डिसऑर्डर्स से पीड़ित बच्चों के परिवारिक मनोविकृति विज्ञान का अध्ययन करना। हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास।
5. अटैंसन डेफिसिट हाइपर एक्टिविटी डिसऑर्डर से ग्रस्ति बच्चों में निंद्रा बाधाएं।
6. बाल्यावस्था स्थूलता का तंत्रिका – संज्ञानात्मक एवं मनो सामाजिक पहलु।
7. अवसाद से पीड़ित किशोर के लिए कंप्यूअर द्वारा संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा।
8. किशोरावस्था में क्रोध : मनोविकृति विज्ञान एवं प्रबंधन।
9. चिंता एवं सिरदर्द से पीड़ित किशोरों में व्यक्तिगत बनाम समूह ट्रांसडायगनोस्टिक संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा की प्रभावकता।
10. ओ.सी.डी. के उपचार में स्वयं – सहायता मैनुअल एप्रोच।
11. भारत में मानसिक स्वास्थ्य व्यावसायिक के बीच एकांत एवं आत्मसंयम का अध्ययन। एक वेब आधारित अध्ययन।
12. डेमेनिया विकरों से पीड़ित रोगियों में लागत आकलन।
13. विशिष्ट रीडिंग विकारों (डायलेक्सिया) का पारिवारिक एवं आनुवंशिक अध्ययन।
14. अटैंसन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर से पीड़ित बच्चों के कारक प्रभावित परिणाम (ए.डी.एच.डी.) : एक 2–वर्षीय दीर्घावधिक अनुवर्ती उपचार अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

1. वयस्कों में हिमेटोलॉजिकल मैलिगनेंसीज में मनोविज्ञानी अवस्थता दर एवं जीवन की गुणवत्ता पर हिमेटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपरण का अल्पकालीन प्रभाव। (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)।
2. ओ.सी.डी. रोगियों और उनके निकटम संबंधियों में एचआई– एमआरएस अध्ययन। (नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद)।
3. बायोपोलर विकृतियों से पीड़ित रोगियों एवं सामान्य स्वास्थ्य नियंत्रित में पश्चत सिंगुलेट कोरटेक्स पत्र संरचनात्मक एवं आपतनात्मक विश्लेषण का एक केस नियंत्रित एमआरआई अध्ययन (तंत्रिका विकिरण विज्ञान)।
4. एक प्रशिक्षण मॉडल के विकास को ध्यान में रखते हुए सुसाइडल क्लेंट से संबंधित नार्सिंग कार्मिक की ज्ञान एवं व्यवहार का आकलन करने संबंधी अध्ययन।
5. तनावरोधी पर मेजर डिप्रेशन से पीड़ित रोगियों में आरईएम निंद्रा व्यवहार विकार : सिटालोप्रम बनाम ब्रुप्रोपियन का एक यादृच्छिक नियंत्रित ओपन – लेबल तुलनात्मक अध्ययन। (तंत्रिका विज्ञान)।
6. बल्लभगढ़, हरियाणा में ग्रामीण क्षेत्र में वृहद व्यक्तियों के बीच अवसाद का अध्ययन। (सामुदायिक चिकित्सा केंद्र)।
7. हाइपोपैराथ्राराडोज्म से पीड़ित रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यात्मक एवं जीवन की गुणवत्ता का आकलन करना। (अंतस्रावी)।
8. खंडित मनष्किता के फार्मोकोजेनेटिक्स पर बहु–केंद्रीय परियोजना (तंत्रिका रसायन)।
9. प्रीपल्स इनहिबिसस, पैरामिड, मिसमैच एंड लॉग लेटेंसी संबंधी संभाव्यताओं का प्रयोग डिसलेक्सिम बच्चों में फोनेम्स तथा टोन्स के एटेंटिव तथा एटेंटिव प्रक्रिया का अध्ययन। शरीर क्रिया विज्ञान।
10. किशोरो में तनाव के नैदानिक मेनीफेस्टेशन में न्यूरोट्रॉफिन, सायकोकाइंस तथा आनुवंशिक पोलिमोर्फिज्म की भूमिका। (प्रयोगशाला चिकित्सा)।
11. मेश फिक्सेशन की विभिन्न तकनीकों वाले छेदन तथा पेंट्रल हार्निया के लेप्रोस्कोपिक उपचार के पश्चात दीर्घ अवधि परिणाम, चिरकारी दर्द, जीवन की गुणवत्ता तथा लागत प्रभावक्ता की तुलना करने हेतु एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, एक पायलट अध्ययन। (शल्य चिकित्सा)।
12. टेलोमियर लेंथ एवं डीएनए क्वालिटीपर लाइफस्टाइल फैक्टर एवं साइकोलॉजिकल स्टैस का प्रभाव (शरीर रचना विज्ञान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 37 **सार :** 4 **पुस्तकों में अध्याय :** 4 **पुस्तकें :** 3

रोगी उपचार

ओ पी डी तथा विशिष्ट क्लीनिक्स उपस्थिति	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
सामान्य ओ पी डी			
वॉक – इन क्लिनिक	14356	33691	48047
विस्तृत आकलन	2335	–	2335
विशिष्ट क्लीनिक			
बाल मार्गदर्शन क्लिनिक	506	617	1123
औषध व्यसन क्लिनिक	96	1410	1506
कुल	**17293**	**35718**	**53011**

कुल दाखिला : 293 **कुल डिस्चार्ज :** 314

रोगी उपचार हेतु प्रयोगशाला जांच
सीरम लिथियम लेवल्स की कुल संख्या : 1204

नवीन सेवाएं
विभाग द्वारा जनवरी 2013 से चार नई विशिष्ट क्लिनिक यथा : सोमवार को सारकोसोमेटिक क्लिनिक; गुरूवार को सामान्य मानसिक विकार क्लिनिक एवं शुक्रवार को तीव्र मानसिक विकार क्लिनिक एवं आर.टी.एम.एस (रिपीटेड ट्रांसक्राइनल मैगनेटिक स्टीमुलेशन) आरंभ की है। विभाग द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, दयालपुर एवं छैंसा में हरेक प्रतिदिन सहित अपनी सामुदायिक आउटरीच सेवाओं का एक सप्ताह में 6 दिन तक विस्तार भी किया गया है। विभाग द्वारा झज्जर में एम्स कैम्पस में एक साप्ताहिक क्लिनिक भी आरंभ किया है।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं
आचार्य मंजू मेहता ने पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ एवं 6 नये एम्स एवं एनसीएओआर, गोवा में संकाय चयन हेतु एक बाह्य विशेषज्ञ के रूप में सेवा प्रदान की; आरसीआई की ओर से एम.फिल (नैदानिक मनोविज्ञान) प्रशिक्षण संस्थानों के लिए इस्पेक्टर के रू में कार्य किया; व्यावहारिक एवं संज्ञानात्मक केंद्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय की सलाहकार समिति के एक सदस्य के रूप में कार्य किया; निमहांस, बैंगलोर का योजना एवं मानीटरिंग बोर्ड एवं पटना विश्वविद्यालय की शैक्षिक समिति में सेवाएं प्रदान की।

आचार्य एस. के. खण्डेलवाल ने पब्लिक सर्विस ब्रॉडकास्टिंग ट्रस्ट हेतु 'माइंड एट दि सेवेन्थ कंटीनेट' नामक डाकुमेंट्री फिल्म को बनाने में पर्यवेक्षण किया।

आचार्य आर. के. चड्ढ़ा यू. के. रॉयल कॉलेज ऑफ साइकेट्रिक्स के चयनित फेलो थे। यह इंटरनेशनल साइकेट्री के संपादकीय मण्डल के सदस्य के रूप में भी सेवाएं की (2011–14); इण्डियन एसोसिएशन फॉर सोशल सायकेट्री (नवंबर 2011 से आगे) के अध्यक्ष है और (23 नवंबर से 25 नवंबर 2012) के इण्डियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकेट्री के 19वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 'समसामयिक भारतीय समाज में सामाजिक मनोनिदान हेतु चुनौतियां' विषय पर अध्यक्षीय भाषाण दिया; इण्डियन साइकेट्री टास्क फोर्स, स्नातकपूर्व चिकित्सा शिक्षा के (वर्ष 2012–13) हेतु सह अध्यक्ष के रूप में सेवाएं प्रदान की और वर्ष (2013–14) हेतु अध्यक्ष के रूप में कार्य किया; विभिन्न बोर्ड विशिष्टताओं में एमसीआई निरीक्षणों का आयोजन हेतु न्यूनतम मानक आवश्यकताएं एवं मानक आकलन हेतु रिवीजन के लिए मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के विशिष्अ समूह के सदस्य; सांस्थानिक परिसरों में मानसिक स्वास्थ्य एम्स के लिए महिला एवं बाल स्वास्थ्य विभाग, दिल्ली सरकार के चलाने के लिए विशेष समूह का सदस्य एवं बी. डी. शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्व विद्यालय, रोहतक में मनोविज्ञान पर अनुसंधान अध्ययन के परिषद के सदस्य के रूप में कार्य किया।

आचार्य प्रताप शरण आई सी डी – 10 मानसिक एवं व्यावहारिक विकारों की समीक्षा हेतु अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समूह के सदस्य हैं। वह इण्डियन एसोसिएशन फॉर चाइल्ड एण्ड एडोलसेंट मेंटल हेल्थ के अध्यक्ष (2011–13) है; इण्डियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकेट्री के अनुसंधान पर कार्य दल के कार्यकारी समिति के सदस्य एवं चेयरपर्सन है; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के परियोजना रिव्यू कमेटी के सदस्य; मनोविज्ञान, नैदानिक मनोचिकित्सा एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र, एडवांस अनुसंधान, निमहांस, बैंगलोर की आईसीएमआर के तहत परियोजना की उपसमिति के संवीक्षक; सदस्य, संपादकीय मण्डल, इटिंग डिसऑर्डर हेतु पत्रिका के कार्यकारी समिति, नेशनल मेडिकल जरनल ऑफ इंडिया, दि इंडियन जनरल ऑफ सोशल साइकेट्री; एवं जनरल ऑफ मेंटल हेल्थ

एंड ह्यूमन विहैवियर। वह भारतीय तकनीकी संस्थान एवं अन्य केंद्रीकृत वित्त पोषित तकनीकी संस्थानों के छात्रों के द्वारा आत्महत्या की घटनाओं को रोकने के उपायों को सुझाने के लिए कार्यबल के सदस्य हैं; सह अध्यक्ष, एशियन सोसायटी फॉर चाइल्ड एंड एडोल्सेंट साइकेट्री एंड एलाइड प्रोफेशंस की 7वीं कांग्रेस एवं इंडियन एसोसिएशन फॉर चाइल्ड एंड एडोल्सेंट मेंटल हेल्थ की 12वीं बाइनियल काकेंस; पेशेंट रिपोर्टड आउटकम एंड पर्सस सेंटरड केयर इन मेंटल हेल्थ विषय पर सम्मेलन हेतु अंतरराष्ट्रीय सलाहकार परिषद के सदस्य के रूप में कार्य किया; समीक्ष्य वर्ष के दौरान निम्नलिखित पत्रिकाओं के प्रीरिव्यूवर के रूप में कार्य किया : बीएमसी साइकेट्री, बीएमसी पब्लिक हेल्थ, बुलेटिन ऑफ द वर्ल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन, कंप्रीहैसिव साइकेट्री, इमोशन, इंडियन जनरल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इंडियन जनरल ऑफ पालिएटिव केयर, इंडियन जनरल ऑफ साइकेट्री इन क्लिनिकल प्रैक्टिस, इंटरनेशनल साइकेट्री, जनरल ऑफ एफेक्टिव डिसऑर्डर, जनरल आफ इटिंग डिसऑर्डर, जनरल ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट 'मेडिसीन' एजुकेश्स एंड रिसर्च, लानसेट, नेशनल मेडिकल जनरल ऑफ इंडिया, एंड पीएलओएस मेडिसीन; विभिन्न विश्वविद्यालयों / बोर्डो हेतु मनोविज्ञान में एम.डी. स्तर की परीक्षा हेतु एक बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया; इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकेट्री के 19वें राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिष्ठित बालियंट एवार्ड सत्र की अध्यक्षता की एवं इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के 39वें राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में प्रो. गोरदन कैलटिज (आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यू. के.) द्वारा अतिथि व्याख्यान दिया गया।

डॉ. राजेश सागर ने सह–लेखक चेस्ट पेपर हेतु 4 एवार्ड प्राप्त किए एम्स एक्सलेंस रिसर्च एवार्ड, सिंगापुर में एशियन कैडरेशन ऑफ साइकेट्री एंड मेंटल हेल्थ के 13वीं कांग्रेस; कोरिसियो पर पहला इंडो – यूरोपीयन संगोष्ठी एवं सीएनएस समिट एवार्ड; सचिव, केंद्रीय मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण, भारत सरकार, विशेष सदस्य (महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं नामिनी) मानसिक स्वास्थ्य नीति समूह, स्वा. एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, अवैतनिक सलाहकार, डीजीएचएस हेतु राष्ट्रीय मेंटल हेल्थ प्रोग्राम; मुख्य संपादक, जनरल ऑफ मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन विहैवियर; समन्वयक साइकेट्री फॉर नेशनल बोर्ड इग्जामिनेशन, में विशिष्ट सलाहकार परिषद, भारतीय मनोरोगी समाज के संस्दीय समिति में कार्य किया। उन्होंने इंटनेशनल एडोप्शन फॉर सेंट्रल एडोप्सस रेगुलेटरी एथोरिटी, महिला एवं बाल मंत्रालय, भारत सरकार में एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया; इचिक्स कमेटी, सेंट्रल काउंसिल ऑफ होम्योपैथिक रिसर्च, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार; नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंट्रल के इंस्टीट्यूशनल ड्यूमन इचिक्स कमेटी – गुड़गांव, दिल्ली कमीशन ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (डीसीपीसीआर) द्वारा बाल नशा दुर्यापयोग को रोकने हेतु गाइडलाइन के बनाने की समिति, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए अवरोधी स्लिप एपनिया पर राष्ट्रीय गाइडलाइन के विकसित करने की समिति के सदस्य है। अध्यक्ष, तकनीकी समिति, महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं हेतु सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य विकास परियोजना, एवं सलाहकार, भारत सरकार, डी.एस.टी. हेतु एस एल उी परियोजना। वह नई दिल्ली जन्म कोहेट स्टडी समूह के मानसिक स्वास्थ्य हेतु एक सलाहकार के रूप में कार्यरत है। वह केंद्रीय समन्वयक टीम पर एक विशेषज्ञ सदस्य एवं बच्चों में तंत्रिका – विकास विकलांगता (ऑस्टिम स्पीक, इन क्लिन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय) पर बहु केंद्रीय अनुसंधान परियोजना हेतु तकनीकी सलाहकार समूह के सदस्य के रूप में भी कार्य किया है। डी.एस.टी. (हैदराबाद, 10–12 अक्टूबर 2012) द्वारा संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल (सीएसआइ) के तहत अभिकल्पना नोट्स की संवीक्षा एवं मानीटरिंग हेतु विशेषज्ञ समिति के सदस्य के पद पर; परियोजना मूल्यांकन समिति, केंद्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद् एवं सीआरपी एक कार्मिकों में मनोविज्ञानी विषयों को संबोधित करने हेतु आईसीएमआर की विशेषज्ञ समूह के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। उन्हें बीएमजे – इंडिया (नई दिल्ली, 4 फरवरी 2013) के लंच के अक्सर पर एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया; एवं संज्ञानात्मक अनुसंधान विभाग पहल (सीएसआई) पर कार्यदल की छठी बैठक में उपस्थित हुए (नई दिल्ली, 6–7 फरवरी, 2013) है दि इक्वल राइट्स ट्रस्ट (ईआरटी), यू. के. एवं ह्यूमन राइट्स लॉ नेटवर्क (नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2013) द्वारा आयोजित विकलांगता सहित तृतीय उपचार, कूवल, इन ह्यूमन एवं डिग्रेडिंग ट्रीटमेंट ऑफ पर्सस की रोकथाम पर 'राउंडटेबल' हेतु एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। वह मनोविज्ञान / मानसिक स्वास्थ्य पर अनेक पत्रिकाओं और अनुसंधान परियोजनाओं के समीक्षक है। उन्होंने डॉ. रा. प्र. केंद्र, एम्स नई दिल्ली के रेजीडेंट डॉक्टरों के लिए मनोविज्ञानी विषयों पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. सुजाता सतपथी सदस्य, राष्ट्रीय पुनरीक्षण कार्यकारी समिति, यूनाइटेड नेशंस पापूलेशन फंड एंड राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकारी हेतु भारतीय संदर्भ में स्वीकार हेतु न्यूनतम आरंभिक सेवा पैकेज कैसिलीटेटा मैनुअल को अंतिम रूप दिया। उन्हें शार्क एवं पूर्व एशिया क्षेत्र हेतु आपात मनोविज्ञानी सहायता एवं मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं पर एक मास्टर ट्रेनर प्रोग्राम के लिए एक कंट्री रिप्रेजन्टेटिव के रूप में यूनिसेफ – आईएएससी द्वारा आमंत्रित किया गया।

9.33 पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार

आचार्य एवं अध्यक्ष
रणदीप गुलेरिया

आचार्य
जी. सी. खिलनानी

सह–आचार्य
अनंत मोहन

सहायक आचार्य
विजय हांडा करण मदान

शिक्षा

विभाग द्वारा व्यापक रूप से स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर शैक्षिक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिसमें संपूर्ण व्याख्यान, सेमिनार, बेडसाइड पर नैदानिक केस विचार–विमर्श तथा पत्रिका क्लब सम्मिलित हैं। स्नातकपूर्व छात्रों को प्रत्येक नैदानिक पोस्टिंग के अंत में नियमित रूप से मूल्यांकित किया जाता है।

सीएमई / कार्यशालाएं

1. एम्स पुल्मोक्रिट 2012 – पुल्मोनरी गंभीर उपचार तथा निद्रा चिकित्सा में अद्यतन, अमेरिकन कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन के साथ सहयोगी (ए सी सी पी), एम्स, नई दिल्ली; 15–16 दिसम्बर 2012 (संयोजक : आर गुलेरिया)।

2. एम्स – ए सी सी पी पुल्मोनरी एवं गंभीर उपचार अल्ट्रासाउंड कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली; 12–14 दिसम्बर 2012 (संयोजक : आर गुलेरिया)।

3. "पुल्मोनरी संक्रमणों तथा तपेदिक श्वसन अद्यतन – 2012" पर विशेषज्ञ सेमिनार बैठक, इंडियन चेस्ट सोसायटी (वेस्टर्न चेप्टर), गोवा; 27–29 जुलाई 2012 (संयोजक : जी सी खिलनानी)

4. एम्स पी जी पुल्मोनरी अपडेट, एम्स, नई दिल्ली; सितम्बर 2012 (संयोजक : ए मोहन)

5. 26वां वार्षिक पुल्मोनरी एवं गंभीर उपचार अद्यतन। पी जी आई एम ई आर, चंडीगढ़, 14 अक्तूबर, 2012 (संयोजक : के. मदान)

राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

रणदीप गुलेरिया : 11 जी.सी. खिलनानी : 19 अनंत मोहन : 4 करण मदान : 1

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. अवरोधक निद्रा अपेनिया संलक्षण (ओ एस ए एस) तथा गैर–एल्कोहलिक फैट्टी लीवर रोग (एन ए एफ एल डी) में मारकोफेज माइग्रेशन इनहिबिटरी फेक्टर (एम आई एफ) पेरोक्सिसम प्रोलिफिरेटर–एक्टिवेटिड, रिसेप्टर–बाय (पी पी ए आर वाय) इंटरल्यूकिन– 6 (आई एल– 6), सीरिएक्टिव प्रोटीन (सी आर पी), इन्सुलिन रिसेप्टर सब्सट्रेट (आई आर एस) इंसुलिन रिसेप्टर सबसट्रेट (आई आर एस) तथा लेप्टिन रिसेप्टर जीनों को साइटोकाइन तथा हार्मोन स्तरों के साथ सह–संबंध तथा आनुवंशिक पोलिमोर्फिज्म का अध्ययन करना। रणदीप गुलेरिया, परियोजना 2015 तक।

2. अल्प से साधारण हाइपरटेंशन वाले रोगियों में हर्बल कम्पाउंड एम ए 305 का नैदानिक परीक्षण : एक पायलट अध्ययन। रणदीप गुलेरिया, महर्षि आयुर्वेद, सितम्बर 2014 तक।

3. उत्तर भारतीय लोगों में चिरकारी ऑब्स्ट्रक्टिव पुल्मोनरी रोग तथा उसके उपायों से संबंधित पोलिमोर्फिज्म का आनुवंशिक संबंधी अध्ययन। रणदीप गुलेरिया, सी ओ पी डी जेनेटिक कॉनसॉर्टिम 2015 तक।

4. फेंफड़ा कैंसर रोगियों के ट्यूमर तथा सीरम में ट्यूमर सप्रेशन जीन्स तथा ओंकोजीन्स के एबरेंट प्रोमोटर मेथीलेशन की खोज। रणदीप गुलेरिया, परियोजना 2015 तक।

5. अवरोधक निद्रा अपेनिया में गंभीर क्षति बायोमार्कर जीन पोलिमोर्फिज्म की भूमिका। रणदीप गुलेरिया, आई सी एम आर, परियोजना 2015 तक।

6. मोटापा तथा चयापचयी संलक्षण : पोषण, शारीरिक गतिविधि तथा प्रदाहक की भूमिका। रणदीप गुलेरिया, डी बी टी, 2016 तक।

7. धुम्रपान तथा गैर धुम्रपान संबंधी कारणों के कारण चिरकारी अवरोधक पुल्मोनरी रोग से पीड़ित रोगियों में सिस्टेमेटिक प्रदाहक में विभिन्नताओं का अध्ययन। अनंत मोहन, आई सी एम आर, 2009–12, 28 लाख रु.।

8. प्रगत नॉन–स्मॉल सेल लंग कैंसर में ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस, न्यूट्रिशनल प्रोफाइल तथा नैदानिक प्रतिक्रिया पर प्लेटिनम आधारित कीमोथेरेपी का प्रभाव। अनंत मोहन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2011–14, 9.4 लाख रु.।

9. चिरकारी अवरोधक पुल्मोनरी रोग तथा सीरम रोग की गंभीरता के साथ उसका सह–संबंध के विकास हेतु जोखिम कारक के रूप में इंटरल्यूकिन– 6, आई एल– 13, तथा आई एल– 10 में आनुवंशिक पोलिमोर्फिज्म का अध्ययन। अनंत मोहन, आई सी एम आर, 2011–14, 29.3 लाख रु.।

10. जोखिम वाले लोगों में न्यूमोसिसटिस जिरोवेक्की न्यूमोनिया के ब्रोंकोएल्वोलर एवं सिस्टेमिक साइटोकाइन प्रोफाइल का अध्ययन तथा इसके परिणामों की पूर्वसूचना में सह–संबंध। अनंत मोहन, आई सी एम आर, 20 लाख रु.।

11. लंग कैंसर रोगियों के ट्यूमर तथा सीरम में ट्यूमर सप्रेसर जीन्स तथा ओंकोजीन्स का एबरेंट प्रोमोटर मेथीलेशन की खोज। अनंत मोहन, आई सी एम आर, 2012–15, 36.3 लाख रु.।

12. एक्स्ट्रा पुल्मोनरी ट्यूबरोकुलोसिस के उपचार में गाइडिंग थेराप्यूटिक नीतियों में दवा रेसिसटेंट ट्यूबरोकुलोसिस के आरंभिक निदान की भूमिका, आई सी एम आर, 2012–15, 49.5 लाख रु.।

पूर्ण

1. चिरकारी अवरोधक पुल्मोनरी रोग से पीड़ित रोगियों में योग तथा डिस्पेनिया पर पुल्मोनरी पुनर्वास, पेशी मजबूती, प्रदाहक मार्करों की प्रभाव क्षमता का मूल्यांकन करना। रणदीप गुलेरिया, आई सी एम आर, जुलाई 2012 तक।

2. अल्प से साधारण ब्रोंकियल अस्थमा से पीड़ित रोगियों में हर्बल संघटक एम ए – 364 का डबल ब्लाइंड यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण। रणदीप गुलेरिया, महर्षि आयुर्वेद, सितम्बर 2012 तक।

3. अस्थमा की गंभीरता के संबंध में सूक्ष्मपोषण का आहार लेना तथा उनके सीरम / प्लाज्मा स्तर। रणदीप गुलेरिया, आई सी एम आर, अक्तूबर 2012 तक
4. चिरकारी अवरोधक पुल्मोनरी रोग से पीड़ित रोगियों में योग तथा डिस्पेनिया पर पुल्मोनरी पुनर्वास, पेशी मजबूती प्रदाहक मार्कर्स तथा जीवन की गुणवत्ता की प्रभाव क्षमता की तुलना करना। अनंत मोहन, आई सी एम आर, 2009–12।

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. लंग कैंसर में पौषणिक स्तर।

2. सरकोइडोसिस से पीड़ित रोगियों में ब्रोंकोएल्वोकोलर लेवेज फ्लूड में लेक्टेट डिहाइड्रोजीन्स तथा एल्कालाइन फोसफेट स्तर।

3. सी ओ पी डी में जीवन की गुणवत्ता का निर्धारण

4. मेडिकल छात्रों में धुम्रपान की आदतें।

5. स्थिर सी ओ पी डी रोगियों को पौषणिक स्तर तथा जीवन की गुणवत्ता का निर्धारण।

6. अस्थमा के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का निर्धारण।

7. वेंटीलेटर से जुड़े न्यूमोनिया के भविष्यसूचक कारक ओरगेनिज्म में सीरियल इंडोट्रेकियल एस्पाइरेट्स की भूमिका।

8. गंभीर सेप्सिस से पीड़ित रोगियों में अवाप्त इलैक्ट्रोफिजियोलॉजिकल अपसामान्यताएं तथा परिणाम पर उसका प्रभावः एक अग्रदर्शी अध्ययन।

पूर्ण

1. लंग कैंसर से पीड़ित अंतःरंग रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का निर्धारण।

2. दिल्ली के शहरी स्लम क्षेत्रों में धुम्रपान की आदतें।

3. सी ओ पी डी गंभीर एक्जबेशन से पीड़ित भर्ती रोगियों में रोगदर तथा मत्युदर की पूर्वसूचना।

4. विटामिन डी स्तर तथा बोन मिनरल डेनसिटी (बी एम डी) का अध्ययन करना तथा सी ओ पी डी की गंभीरता से इसका संबंध : एक अग्रदर्शी अध्ययन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 25 **सार : 5** **पुस्तकों में अध्याय : 12** **पुस्तक : 1**

रोगी उपचार

पुल्मोनरी चिकित्सा ओ पी डी

नए रोगी	7621	पुराने रोगी	11805
इंजैक्शन	663	प्रक्रियाएं	288
कीमोथेरेपी प्रक्रिया	270		

फेफड़ा कैंसर क्लीनिक

नए रोगी	41	पुराने रोगी	279

निद्रा विकार क्लीनिक

नए रोगी	36	पुराने रोगी	99

प्रयोगशालाएं

श्वसन प्रयोगशाला

स्पाइरोमीटरी प्रक्रियाएं	9684	डिफ्यूजन क्षमता आकलन	1648
बॉडी बॉक्स (प्लीथिस्मोग्राफी) माप	592	ऑक्सिमेट्रिस	2473
अधिकतम स्वैच्छिक वेंटीलेशन	644		

ब्रोंकोस्कॉपी प्रयोगशाला

फाइब्रोप्टिक ब्रोंकोस्कॉपी प्रक्रियाएं	1227

निद्रा प्रयोगशाला

पोलीसोम्नोग्राफी अध्ययन	363

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. रणदीप गुलेरिया को डी एम (पुल्मोनरी एवं गहन उपचार) हेतु बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया, पी जी आई एम ई आर, चंडीगढ़। उन्हें तमिलनाडु सरकार द्वारा ुलाने पर 27 अप्रैल 2012, को चेन्नई में एच1एन1 फ्लू आउटब्रीक हेतु विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लेने की लिए भारत सरकार द्वारा नामित किया गया; एम डी (चिकित्सा) परीक्षा बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया, शेरे कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिज, श्री नागर, जे एण्ड के। वह आई सी एम आर के 'ट्यूबरोकुलोसिस लेप्रोसी तथा अन्य छाती रोग' पर परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य नामित किए गए; उन्हें स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्रा में डी एस टी की कार्यक्रम सलाहकार समिति (पी ए सी) का सदस्य नामित किया गया तथा अस्पतालों में चिकित्सा प्रबंधन पर एशियन रिजनल ट्रेनिंग कोर्स : दवा एवं उपचारार्थ समिति की भूमिका हेतु कोर समूह का भी सदस्य नामित किया गया, नई दिल्ली; उन्हें एम डी (इंटरनल मेडिसिन) नेशनल अकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसिज हेतु बाह्य परीक्षक नियुक्त किया गया, वीर अस्पताल, काठमांडू, नेपाल। इंडियन जरनल ऑफ चेस्ट डिजीज एण्ड एलाइड साइंसिज के संपादकीय मण्डल का सदस्य नामित किया गया। डी जी एच एस द्वारा हाइ एल्टीट्यूड माउंटेन मेडिसिन पर पाठ्यक्रम तथा प्रशिक्षण मॉड्यूल के विकास के लिए

विशेषज्ञ समिति का सदस्य नियुक्त किया गया; बोन्न, जर्मनी में आयोजित रेडिएशन प्रोटेक्शन इन मेडिसिन : सेटिंग दि स्कैन फॉर दि नेक्सट डिकेड पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में वार्ता दी। उन्हें वि. स्वा. सं. के इंफ्लुएंजा वैक्सीन तथा प्रतिरक्षाकरण पर कार्यकारी समूह वैज्ञानिक विशेषज्ञ सलाहकार समूह का सदस्य नामित किया गया। उन्होंने अपनी बैठक में नियमित रूप से भाग लिया।

प्रो. जी. सी. खिलनानी को नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिलिशियन्स (भारत) में अध्यक्ष 2012–13 नियुक्ति किया गया; इंडियन सोसायटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन 2012–13 की अध्यक्ष क्रिडिएंशियल कमेटी के रूप में चयनित; काउंसिल ऑफ गर्वनर्स एण्ड रिजेंट्स अमेरिकन कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशयन्स 2012–13 में गवर्नर (उत्तरी भारत) के रूप में नियुक्त किया गया : नियुक्त सदस्य, एक्सक्यूटिव इस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलॉन्ग, मेघालय; इन्वोलवमेंट ऑफ कोरपोरेट हॉस्पीटल्स एण्ड इंस्टीट्यूशन्स ओफरिंग डी एन बी अंडर आर एन टी सी पी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, भारत सरकार हेतु नेशनल टास्क फोर्स के नामित सदस्य (केन्द्रीय टी बी प्रभाग), नियुक्त सदस्य, नियुक्त सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज इन दि ट्यूबरकुलोसिस एण्ड चेस्ट डिजीज, 2 वर्ष हेतु अप्रैल 2012 से मार्च 2014 तक बनारस हिंदू विश्वविद्यालय; नियुक्त सदस्य, एक्सीक्यूटिव कमेटी ऑफ इंफ्लुएंजा फाउंडेशन ऑफ इंडिया, 2 वर्ष के लिए; प्रेसिडेंशियल साइटेशन पुरस्कार 2012–14 प्राप्त किया, इंडियन सोसायटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन।

9. 34 विकिरण निदान

आचार्य एवं अध्यक्ष

अरुण कुमार गुप्ता

आचार्य

दीप नारायण श्रीवास्तव

राजू शर्मा

अपर आचार्य

संजय थुलकर (आई आर सी एच)

संजय शर्मा (आर. पी. सी.)

आशु सेठ भल्ला

सह आचार्य

स्मृति हरि

शिवानंद गामनगाटी (ट्रॉमा सेंटर)

अतिन कुमार (ट्रॉमा सेंटर)

सहायक आचार्य

चंदन जे दास

मधुसूदन केएस

सुरभी व्यास

मनीष जाना (आई आर सी एच)

चंद्रशेखर एसएच (आई आर सी एच)

देवासनाथीपाथी कंडासामी (आई आर सी एच)

वैज्ञानिक–4

शशि बी. पॉल

उपलब्धियां

विभाग सक्रिय रूप से रोगी उपचार, शिक्षा और अनुसंधान में कार्यरत था। हमने दो क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा का आयोजन किया और विभिन्न क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा में लगभग 45 व्याख्यान दिए। हमने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में 20 से अधिक व्याख्यान भी दिए हैं। पूरी दुनिया में विभिन्न सम्मेलनों में लगभग 25 पोस्टर और मौखिक प्रस्तुतीकरण स्वीकार किए गए थे। हम राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क द्वारा निधिकृत एक बहुकेन्द्रिक परियोजना और दो आंतरिक निधिकृत अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल रही थी। इसके अलावा हम 100 से अधिक पूर्ण की गई और जारी विभागीय तथा सहयोगी परियोजनाओं में भी शामिल रहे। हमारे संकाय सदस्य अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल रहे एवं विभिन्न सूचीबद्ध राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 60 से अधिक शोध पत्रों का प्रकाशन किया। हमने विभिन्न पुस्तकों में 8 अध्यायों का योगदान दिया और एक पाठ्यपुस्तक का संपादन किया।

शिक्षा

स्नातक–पूर्व

विभाग के संकाय सदस्य स्नातकपूर्व छात्रों के अध्यापन में सक्रिय रूप से शामिल थे। इस अवधि में संकाय द्वारा कुल 55 व्याख्यान दिए गए।

स्नातकोत्तर

एम डी : इसमें कुल 28 जूनियर रेजीडेंट हैं। स्नात्तकोत्तर छात्रों की अकादमिक गतिविधियों में प्रतिवर्ष 35 सेमिनार, 35 जर्नल क्लब, 70 केस चर्चाएं, 70 दिलचस्प फिल्म सत्र एवं 80 व्याख्यान कक्षाएं शामिल थीं।

विभाग द्वारा इस अवधि के दौरान देशभर में 6 विकिरण विज्ञानियों को अल्पकालीन प्रशिक्षण दिया गया और इसमें सिंगापुर के दो इंटर्न थे।

रेडियोग्राफी में बीएस. सी (ऑनर्स) चिकित्सा प्रौद्योगिकी (एमटीआर)

वर्ष 2012–13 में इस पाठ्यक्रम में 9 छात्रों के बैच को प्रवेश दिया गया था। यह पाठ्यक्रम तीन वर्ष की अवधि का था। इस पाठ्यक्रम में कुल 26 छात्रों का नामांकन किया गया था।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा आयोजित

1. स्तन बायोप्सी शिक्षा कार्यक्रम। 9–10 अक्तूबर 2012, एम्स, नई दिल्ली

2. 'रिसेंट एडवांस्ड इन इमेजिंग एण्ड एप्लाइड फिजिक्स', 29–30 मार्च 2013, एम्स, नई दिल्ली पर तीसरा एम्स – एमएएमसी – पीजीआई इमेजिंग सीरिज, सातवां पाठ्यक्रम

दिए गए व्याख्यान

डी. एन. श्रीवास्तव : 5 राजू शर्मा : 14 संजय शर्मा : 4 आशु सेठ भल्ला : 15
स्मृति हरि : 3 शिवानंद गामनगाटी : 10 अतिन कुमार : 8 चंदन जे. दास : 5
शशि पॉल : 2 पवन पोपली : 1

मौखिक प्रस्तुतीकरण / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 27

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी
1. एन. के. एन. मॉडल परियोजना : एक्स–रे के प्रयोग से स्केलटल इमेजिंग में नेटवर्क एनेबल्ड मेडिकल डायग्नोजिज एवं शिक्षा। राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क द्वारा निधिकरण, ए. के. गुप्ता, 50 लाख रुपए।
2. नैदानिक लक्षणों और पल्मोनरी कार्यों के साथ पल्मोनरी तपेदिक के रोगियों में क्रमिक रूप से सीटी प्राप्तियों का सह संबंध। आशु सेठ भल्ला, एम्स
3. सीटी स्कैन पर अनिर्धारणीय गुर्दा पिंडों के मूल्यांकन में कंट्रास्ट उन्नत अल्ट्रासाउंड, सोनोइलास्टोग्राफी और एमआरआई (कंट्रास्ट उन्नत, डीडब्ल्यूआई और बी ओ एल डी) की भूमिका – एक भविष्यलक्षी अध्ययन। चंदन जे दास, एम्स, 2012–13, 5 लाख रु.।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण
1. एंडोविनस लेजर एबलेशन तथा रेडियो फ्रीक्वेंसी एबलेशन का तुलनात्मक मूल्यांकन और निचले अंगों के लाक्षणिक वैरिकोसिटी के उपचार में सर्जरी।
2. डिस्कोजेनिक निचले पीठ के दर्द के लिए परक्युटेनियस रेडियोलॉजिकल हस्तक्षेप की भूमिका।
3. सिर की हल्की चोट में सी. टी. परफ्यूजन की भूमिका।
4. सीमित एम. आर. आई. सह–संबंध सहित पेट की ब्लंट चोट में ठोस रेट्रोपेरीटोनियल अंग चोटों का एम. डी. सी. टी. मूल्यांकन।
5. एम. आर. इमेजिंग का उपयोग करते हुए वर्टेब्रल पैथोलॉजी का मूल्यांकन।
6. एंडोमेट्रियल कैंसर की ऑपरेशन–पूर्व स्टेजिंग में डायनामिक कंट्रास्ट एनहेंस्ड और डिफ्यूज़न वेटेड एम. आर. आई. की भूमिका।
7. एडवांस कैंसर लैरिंजियल और हाइपो–लेरिंजियल के रोगियों में इंट्रा आर्टिरियल कीमोथैरपी (नियोएडजुवेंट)।
8. रेनल केल्कुली के आकलन में दोहरी एनर्जी सी.टी. की भूमिका।

जारी

1. इमेजिंग आफ रेटिनोब्लास्टोमा में डिफ्यूजन वेटेड एम. आर. आई. की भूमिका।
2. ट्रॉमेटिक लिवर चोटों के मूल्यांकन में एम. डी. सी. टी. की भूमिका।
3. वयस्क ट्रॉमेटिक ब्रेकियल प्लेक्सस चोट का चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग मूल्यांकन।
4. डिफ्यूजन वेटेड एम. आर. इमेजिंग तथा अल्ट्रासाउंड इलेस्टोग्राफी का प्रयोग करते हुए नेक मास का मूल्यांक्न।
5. गठिया की पहचान में दोहरी एनर्जी सी. टी. की भूमिका।
6. हड्डी के ट्यूमर का आपरेशन–पूर्व एम्बोलाइजेशन।
7. ऊपरी एक्सट्रीमिटी के पेरिफेरल न्यूरोपेथिस का यू. एस. एवं एम. आर. मूल्यांकन।
8. पेनक्रियेटिक पैथोलॉजी में परफ्यूजन सी. टी. की भूमिका।
9. कूल्हे के पुराने दर्द का एम. आर. आई. मूल्यांकन।
10. स्तन लेजियन के मूल्यांकन में पूर्ण फील्ड डिजिटल मैमोग्राफी (एफ. एफ. डी. एम.) के रूप में डिजिटल स्तन टोमोसिंथेसिस की भूमिका।
11. स्तन संरक्षण सर्जरी (बी. सी. एस.) के लिए अंतः ऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड (आई. ओ. यू. एस.) का उपयोग– एक व्यवहार्य अध्ययन।
12. स्तन पिंडों के लाक्षणीकरण में बी – विधि अल्ट्रोसोनोग्राफी के एडजंक्ट के रूप में शीयर वेव इलास्टोग्राफी की भूमिका सुनिश्चित करना।
13. फेफड़े के कैंसर में परफ्यूजन अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण
1. कोरोनरी एथरोस्लेरॉटिक प्लाक का मूल्यांकन (चिकित्सा भौतिकी)

2. कॉनजेनिटल न्यूरोपेथिक स्ट्रेबिस्मस में इमेजिंग फाइंडिंग्स का क्लिनिकल सह–संबंध (ऑफ्थलेमोलॉजी)

3. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी करवा रहे एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसर के रोगियों में इमेजिंग मॉडेलिटिस की भूमिका (सर्जरी)

4. अंतिम अवस्था के स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम के रोगियों में ऑस्टियो–ओडोंटो किरेटो प्रोस्थोसिस हेतु आपरेशन पूर्व योजना तथा जांच हेतु सहायक रूप में सी. टी. की भूमिका। (ऑफ्थलेमोलॉजी)।

5. बिलियरी एट्रेसिया के लिए पोर्टोएंटेरोस्टोमी के रोगियों में एम. आर. सी. पी. (बाल रोग सर्जरी)

6. कोलेडोकल सिस्ट के रोगियों में विषम पेनक्रियेटोबिलियरी डक्टल यूनियन का निर्धारण (बाल रोग सर्जरी)

7. हाइपोपैराथायरॉइडिज़्म में अवबोधात्मक शिथिलता (एंडोक्रिनोलॉजी)

8. स्पाइनल तपेदिक में तपेदिक रोधी उपचार की अवधि के भविष्यलक्षी और भूतलक्षी मूल्यांकन – क्लिनिक रेडियोलॉजिकल अध्ययन (आर्थोपेडिक्स)

9. कोलेडोकल सिस्ट के रोगियों में पोर्टल हाइपरटेंशन (बालरोग सर्जरी)

10. स्तन की लिपो मॉडलिंग (सर्जरी)।

11. कम्प्रेशन अल्ट्रासाउंड पर आधारित गहन शिरा थ्रोम्बोसिस के रोगियों में एंटीकोएगुलेशन की अवधि का अध्ययन (रूधिर विज्ञान क्लिनिक)

12. हिमेटोलॉजिकल रोगों वाले रोगियों में इंट्रा क्रेनियल हेमरेज, क्लिनिकल रूपरेखा और परिणाम का मूल्यांकन (क्लिनिकल हिमेटोलॉजी)।

13. मेलिग्नेंट और तीव्र अस्थि ट्यूमर की सर्जरी के बाद घुटने के ऑर्थोडेसिस बनाम ऑर्थोप्लास्टी में क्लिनिकल तथा रेडियोलॉजिकल परिणामों का तुलनात्मक भविष्यलक्षी और भूतलक्षी अध्ययन (ऑर्थोपेडिक्स)।

14. संपूर्ण कूल्हा और घुटना ऑर्थोप्लास्टी कराने वाले भारतीय रोगियों में कम आण्विक भार के हिपेरिन बनाम एस्पीरिन के साथ रूक रूक कर संपीड़न युक्ति सहित थ्रोम्बोप्रोफाइलेक्सिस की भूमिका का भविष्यलक्षी यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (ऑर्थोपेडिक्स)।

15. नियोएडजुवेंट कीमोथैरेपी के बाद कीमोरेडिएशन से स्थानीय रूप से बढ़े सर्वाइकली कार्सिनोमा में सीरम वीईजीएफ और डिफ्यूजन वेटिड एमआरआई का मूल्यांकन (स्त्री रोग और प्रसूती विज्ञान)

16. असामान्य प्रसव पूर्व आंवल की धमनी के डॉपलर बहाव (ए / आर ई डी एफ) के साथ 35 सप्ताह से कम प्रसव अवधि वाले प्रसव पूर्व शिशुओं में परिणाम दर्शाने के लिए क्लिनिकल, जैव रासायनिक और रेडियोलॉजिकल मार्करों का अध्ययन।

17. हिमोडाइलिसिस के दौरान रक्त के आयतन और इनफेरियर वेना केवा के व्यास में बदलावों की निगरानी द्वारा शुष्क भार का आकलन (नेफ्रोलॉजी)।

18. पैनक्रियास के स्यूडोसिस्ट के लेपरोस्कोपिक और एंडोस्कोपिक ड्रेनेज की तुलना हेतु एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (सर्जरी)

19. अभिघात और चेहरे की एंट्रोजेनिक तंत्रिका की चोट के मामलों में चिकित्सा और सर्जरी उपचार के परिणाम तथा चोट के पैटर्न का मूल्यांकन (ऑटोराइनोलेरिंजोलॉजी)।

20. एथमॉइडल पॉलिपी के रोगियों में एंट्रल म्यूकोसल बदलावों का क्लीनिको–पैथोलॉजिकल अध्ययन (ऑटोराइनोलेरिंजोलॉजी)।

21. एशियाई भारतीयों में गैर–एल्कोहलिक फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) के साथ हिपेटिक वसा पर प्रगामी प्रतिरोध व्यायाम प्रशिक्षण का प्रभाव (मेडिसिन)।

22. रुकावटपूर्ण नींद एपनिया सिंड्रोम के साथ रेट्रोग्नेथिक टी. एम. जे. एंकीलॉसिस रोगियों में ऑस्टियोजेनेसिस डिस्ट्रक्शन के बाद संरचनात्मक एवं कार्यात्मक रेसपिरेट्री पैरामीटर के मूल्यांकन हेतु नैदानिक अध्ययन (ऑटोराइनोलेरिंजोलॉजी) विधियों की भूमिका (एन. एम. आर.)

23. स्लाइवरी ग्लैंड रुकावटपूर्ण पैथोलॉजी के रोगियों में क्लिनिकल, रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल और सियलेडोस्कोपी की भूमिका का आकलन (ऑटोराइनोलेरिंजोलॉजी)

24. सी. ओ. पी. डी. के रोगियों में मेटाबॉलिक सिंड्रोम की व्यापकता का अनुमान (मेडिसिन)

25. अज्ञात ओरिजन के पाइरेक्सिया में एफ. डी. जी. –पी. ई. टी. /सी. टी. की नैदानिक उपयोगिता (मेडिसिन)

26. सिस्टेमेटिक सिरोसिस के रोगियों में इंटरस्टीशियल फेफड़े के रोग की सक्रियता के आकलन में ब्रोंकोलविलर लेवेज फ्ल्यूड विश्लेषण की उपयोगिता।

27. रुकावटपूर्ण नींद एपनिया सिंड्रोम के प्रबंधन में नेज़ल ओरोफेरिंजियल, पेलेटल अथवा रेट्रोग्लोसल एडवांस सर्जरी द्वारा साइट निर्देशित सर्जिकल उपचार का आकलन (ऑटोराइनोलेरिंजोलॉजी)

28. सामान्य और पैथोलॉजिकल अंदरूनी कान का कम्प्यूटेड टोमोग्राफी मेज़रमेंट (ऑटोराइनोलेरिंजोलॉजी)

जारी

1. कार्सिनोमा मलाशय में नियोएडजुवेंट कीमोथैरेपी की उपयोगिता (शल्य चिकित्सा)

2. ट्रांसवेजाइनल अल्ट्रासाउंड और एमआरआई का उपयोग करते हुए निचले खण्ड के सीजेरियन धब्बे का आकलन (स्त्री रोग विज्ञान)।

3. मलाशय कैंसर के लिए सर्जरी के बाद आरंभिक और मध्यावधि मूत्र संबंधी और यौन अकार्यात्मकता : एक भविष्यलक्षी और अवलोकन अध्ययन (सर्जरी)।

4. चिरकालिक अभिक्रियात्मक आर्थराइटिस का त्वचा विज्ञान संबंधी प्रकटन (त्वचा विज्ञान)।

5. विलंबित सी टी आधार पर पैनक्रिएटिकोजेजुनोस्टॉमी के बाद रिसाव का पूर्वानुमान (गेस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी)।

6. कार्सिनोमा इसोफेगस के मूल्यांकन में सीटी इसोफैगोग्राफी की भूमिका (गेस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी)।

7. डायबिटीज मेलिटस के विकास के साथ विपल्स सर्जरी के बाद पैनक्रियास के शेष आयतन का सह संबंध (गेस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी)।

8. अंतिम चरण के गुर्दा रोग वाले रोगियों में अल्ट्रा सोनोग्राफी से यकृत के वसा का मूल्यांकन (काय चिकित्सा)।

9. मोटे रोगियों में इको तथा शरीर के द्रव्यमान सूचकांक के साथ एमआरआई उपयोग करते हुए एपिकार्डियल वसा, यकृत के वसा और असामान्य वसा का सहसंबंध (काय चिकित्सा)।

10. एसिटेबुलर हड्डी टूटने में एम डी सी टी (ऑर्थोपेडिक्स)।

11. ए सी एल पुनः निर्माण में एम डी सी टी (ऑर्थोपेडिक्स)।
12. सामान्य बाइल डक्ट पथरी और गॉल ब्लेडर की पथरी के रोगियों में एकल स्टेज बनाम दो स्टेज उपचार की तुलना – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (सर्जरी)

13. स्तर 1 ट्रॉमा केन्द्र में हिपेटोबिलियरी और पेनक्रियाटिक चोट के परिमाण, गंभीरता और परिणाम का भूतलक्षी तथा भविष्यलक्षी मूल्यांकन (सर्जरी जेपीएनएटीसी)

14. गंभीर पेरिटोनियल डायलिसिस रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव, एंडोथिलियल अकार्यात्मकता और कैरोटिड इंटिमल मीडिया थिकनेस पर एन–एसिटिलसिस्टीन के प्रभाव– एक खुला यादृच्छिक परीक्षण (नेफ्रोलॉजी)।

15. चिरकालिक गुर्दा रोग के रोगी जो डायलिसिस पर नहीं है, उनकी कैरोटिड आर्टरी की इंटीमल मीडिया मोटाई के आगे बढ़ने का मूल्यांकन तथा एंडोथिलियल अकार्यात्मकता और जैव रासायनिक पैरामीटरों के साथ इसका सह संबंध (नेफ्रोलॉजी) ।

16. मेरुरज्जु की चोट वाले रोगियों में ऊपरी गेस्ट्रोइंटेस्टाइनल विकारों की दर जानने के लिए एक विषम खंडीय अध्ययन (भौतिक काय चिकित्सा तथा पुनर्वास)।

17. एंथ्रोपोमेट्रिक और जैव रासायनिक पैरामीटरों के साथ एडिपोसाइट आकार के संबंध का अध्ययन (काय चिकित्सा)।

18. पैरानेजल साइनस की एंडोस्कोपिक सर्जरी में इमेज गाइडिड नेवीगेशन की भूमिका (ऑटोराइनोलेरिंजोलॉजी)।

19. बॉयोएक्टिव सिन्थेटिक बोन ग्राफ्ट पुटी के प्रयोग से साइनस ऑगमेंटेशन में निर्मित हड्डी की मात्रा एवं गुणक्ता के आकलन का प्री–पोस्ट इंटरवेंशन (दंत विज्ञान)

20. शिशुओं, बच्चों और किशोरों में कैरोटिड आर्टरी के संदर्भ में आंतरिक जुगुलर नस का अल्ट्रासाउंड निर्देशित स्थानीयकरण। (एनसथीसिया)

21. एशियन भारतीयों में रुकावटपूर्ण नींद एपनिया (ओ एस ए) के सथ गैर–एल्कोहलिक फैटी लिवर रोग (एन ए एफ एल डी) का संबंध (मेडिसिन)

22. हेमोटाइसिस के रोगियों में क्लिनिकल, अन्वेषणात्मक और चिकित्सीय रूपरेखा (कार्य चिकित्सा)।

23. बचपन के प्रारम्भिक विकास हारमोन कमी के साथ एशियाई भारतीयो में जीनोटाइप–फीनोटाइप सह–संबंध पर अध्ययन। (एंडोक्राइनोलॉजी)

24. कुशिंग के सिंड्रोम रोगियों का निदान एवं विभेदक निदान। (एंडोक्राइनोलॉजी)।

25. शरीर रचनात्मक और रेडियोलॉजिकल विधियों द्वारा मानव और गैर मानव लंबी हड्डियों का तुलनात्मक अध्ययन (विधि विज्ञान काय चिकित्सा)।

26. इंट्राक्रेनियल दबाव पर गर्दन के व्यापक विच्छेदन के दौरान आई जे वी लाइगेशन के प्रभाव (ऑटोराइनोलेरिंजोलॉजी)

27. अस्थि मिनरल घनत्व और एडिपोसिटी के साथ गैर एल्कोहलिक यकृत वसा रोग का सह संबंध (काय चिकित्सा)

28. सीटी स्कैन का उपयोग करते हुए एलवेओलर रिज से साइनस के तल तक पोस्ट केनाइन मेक्सिला की अस्थित ऊंचाई का मापन (शरीर रचना विज्ञान)।

29. फंगल ओरबिटल संक्रमण के उपचार में वोरिकोनेजोल (ऑफ्थेलमोलॉजी)

30. एक्स्ट्रा–ऑक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा के लिए मल्टीमोडल उपचार उपागम का मूल्यांकनः एक यादृच्छिक अध्ययन (ऑफ्थेलमोलॉजी)

31. कार्यात्मक एम.आर.आई. एवं डी.टी.आई. द्वारा गम्भीर ऑप्टिक न्यूरिटिस के मामलों में कॉरटिकल मस्तिष्क सक्रियता तथा विजुअल पाथवे का मूल्यांकन (ऑफ्थेलमोलॉजी)

32. स्ट्रेबिसमस में इंजेक्शन ब्यूपीवेकेन की भूमिका का मूल्यांकन (ऑफ्थेलमोलॉजी)।

33. प्रोस्टेट कैंसर का शीघ्र पता लगाने के मूल्यांकन में चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग एवं स्पेक्ट्रास्कोपिक विधियों की भूमिका (एन.एम. आर.)

34. एशियाई भारतीयों में कोरोनरी धमनी रोग में गैर–एल्कोहलिक फैटी लिवर रोग (एन ए एफ एल डी) का अध्ययन (मेडिसिन)

35. एन ए एफ एल डी एम डी के रोगियों में एडिपोसिटी के संकेतक के रूप में यकृत के बाएं हिपेटिक लोब का आयतन और संबंधित चयापचय असामान्यता (काय चिकित्सा)।

36. डीप वेन थ्रोम्बोसिस के रोगियों में थ्रोम्बोसिस सिंड्रोम के बाद विकास के जोखिम कारकों का मूल्यांकन (हिमेटोलॉजी)।

37. लेक्राइमल ग्रंथि नियोप्लाज्म के मूल्यांकन में पीईटी सीटी की भूमिका (ऑफ्थेलमोलॉजी)।

38. स्प्लेनेक्टॉमी नमूने की तुलना में सोनोग्राफी द्वारा मापे गए स्क्लेनिक आयतन की शुद्धता (सर्जरी)।

39. महिला के प्रजनन अंगों के तपेदिक का एक क्लिनिकल, इमेजिंग, एंडोस्कोपिक और प्रयोगशाला मूल्यांकन (स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान)।

40. हिस्टोलॉजिकल पोस्ट–ऑपरेटिव मूल्यांकन द्वारा तथा ब्रेस्ट अल्ट्रासाउंड द्वारा टर्मिनल डक्टोलोबुलर यूनिट प्रीओपरेटिव की गहनता को मापना (सर्जरी)

41. एंडोमेट्रियल कार्सिनोमा के मामलों का ऑपरेशन पूर्व आकलन करने में पीईटी स्कैन का मूल्यांकन(स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान)।

42. प्रजनन परिणाम के साथ एंडोमेट्रियोसिस की इमेजिंग तथा चरण का सह संबंध (स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान)।

43. स्टीरॉइड प्रतिरोधक नेफ्रीटिक सिंड्रोम में कॉलीकेल्सीफेरॉल की भूमिका (बाल रोग)।

44. स्मॉल हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार हेतु रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन बनाम परकुटेनियस एसिटिक थेरेपी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी)

45. अनउच्छेदनीय हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार में ट्रांसआट्रिय कीमोथेरेपी (टी ए. सी. ई.) बनाम ओरल कीमोथेरेपी टी. ए. सी. ई. प्लस का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी)

46. अनउछेदनीय हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार में ट्रांसआट्रिय कीमोथेरीपी (टी. ए. सी) बनाम ओरल कीमोथेरेपी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी)

47. ट्रासआर्टियल कीमोथेरेपी तथा ट्रासआर्टियल कीमोइम्बोलाइजेशन करवा रहे हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के रोगियों में रेनल फेलियर रोकथाम में एन–एसिटिलसिस्टेन का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी)

48. अनउछेदनीय हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार में ओरल कीमोथेरेपी बनाम सहायक थेरेपी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी)

49. गुर्दे में पथरी के गुणों का मूल्यांकन (मूत्र विज्ञान और चिकित्सा भौतिकी)।

50. एन ए एफ एल डी एम डी के रोगियों में एडिपोसिटी के संकेतक के रूप में यकृत के बाएं हिपेटिक लोब का आयतन और संबंधित चयापचय असामान्यता (काय चिकित्सा)।

51. कार्सिनोमा प्रोस्टेट में स्केलटल मेटास्टेसिस के मूल्यांकन के लिए पृष्ठभूमि संदमन (डी डब्ल्यू आई बी एस) और फ्लोराइड पी ई टी के साथ डी डब्ल्यू आई एम आर आई की तुलना (नाभिकीय चिकित्सा)।

52. बिस्तर पर अल्ट्रासोनोग्राफी इस्तेमाल करने वाले यांत्रिक वेंटीलेशन पर रखे गए रोगियों में केन्द्रीय शिरा दबाव का गैर भेदक आकलन : दो तकनीकों की तुलना (एनेस्थिसियोलॉजी)।

53. भारत में तृतीयक देखभाल वाले अस्पताल में जेरियाट्रिक विभाग के प्रीफ्रेल रोगियों में आरंभिक और विलंबित पुनर्वास, पोषणिक पूरकता का प्रभाव (जेरियाट्रिक काय चिकित्सा)।

54. शंकास्पद तीव्र एपेंडिसाइटिस के रोगियों में नैदानिक स्कोरिंग प्रणालियों का मूल्यांकन (आपातकालीन काय चिकित्सा)।

55. हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के रोगियों में थेराप्यूटिक रिस्पॉन्स के आकलन तथा डायग्नॉसिस में कंट्रास्ट एनहेंस्ड अल्ट्रासाउंड की भूमिका (गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी)

56. चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग द्वारा ट्रांस अर्टिरियल कीमोएबोलाइजेशन के बाद हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा प्रतिक्रिया का आकलन (गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी)

57. चिरकालिक गंभीर लिम्ब इश्केमिया के रोगियों में एम्प्यूटेशन की रोकथाम में ऑटोलोगस स्टेम कोशिकाओं की सुरक्षा तथा प्रभावकता (सर्जरी)

58. ब्लंट चेस्ट ट्रॉमा : भविष्यलक्षी तथा भूतलक्षी समीक्षा (सर्जरी)

59. हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के रोगियों में लोकोरीजनल थेरेपी के बाद थेराप्यूटिक प्रतिक्रिया के आकलन के लिए कंट्रास्ट एनहेंस्ड अल्ट्रासाउंड (गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी)

60. हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा का पता लगाने के लिए सिरोसिस के रोगियों की देखरेख– एक सम्मिलित अध्ययन (गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 56 **पुस्तकों में अध्याय** : 9 **पुस्तकें** : 1

रोगी उपचार :

विभाग के पास इमेजिंग के लिए आधुनिकतम सुविधाएं है। हमारे पास वर्तमान में सात डिजिटल रेडियोग्राफी यूनिट, आठ डिजिटल पोर्टल रेडियोग्राफी यूनिट, चार कन्वेंशनल पोर्टेबल रेडियोग्राफी यूनिट, दो डिजिटल फ्लूरोस्कोपी यूनिट, दो कनवेंशनल फ्लूरोस्कोपी यूनिट, एक फ्लैट पैनल डी. एस. ए. लैब, कलर डॉपलर के साथ तेरह अल्ट्रासाउंड स्कैनर, चार पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड यूनिट, तीन सीटी स्कैनर, जिनमें से एक डुअल एनर्जी स्कैनर है, एक 1.5 तेस्ला एम आर स्कैनर, एक फुल फील्ड डिजिटल मैमोग्राफी यूनिट एवं बोन डेनसिटोमेट्री के लिए डेक्सा यूनिट शामिल है। विभाग मुख्य अस्पताल में सभी क्लीनिकल विभागों की एमरजेंसी डायग्लॉस्टिक एवं इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं सहित बड़ी संख्या में डायग्लॉस्टिक एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी प्रक्रियाएं निष्पादित करता है। यह आपातकालीन नैदानिकी तथा हस्तक्षेप प्रक्रियाओं के लिए 24 घण्टे का कवरेज प्रदान करता है। सप्ताह में 20 से अधिक क्लीनिक–रेडियोलॉजिकल सम्मेलन अयोजित किए गए जिनमें क्लीनिकल सहयोगियों के साथ इमेजिंग अन्वेषणों पर चर्चा की गई। हम इलेक्ट्रॉनिक रिपोर्टिंग के लिए सम्मिलित प्रयास कर रहे हैं तथा उसका लक्ष्य क्षमता संग्रहित करने एवं प्रतिवर्तन समय कम करने पर है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, विभाग में निम्नलिखित उपकरण सम्मिलित किए गए। दो मोबाइल रेडियोग्राफी यूनिट, एक 1.5 तेस्ला एम आर स्कैनर, एक डिजिटल फ्लैट पैनल रेडियोग्राफी सिस्टम, एक डिजिटल मोबाइल रेडियोग्राफी सिस्टम तथा दो हाइ एंड अल्ट्रासाउंड सिस्टम। 1 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2013 की अवधि के लिए प्रक्रियाओं के विवरण तालिका के रूप में आगे दिए गए हैं :

जांच

अन्वेषण का नाम / विशेष प्रक्रियाएं	कुल सं.
नियमित एक्स–रे	
ओ. पी. डी.	99,367
आंतरिक	22,789
आपात	48,833
पोर्टेबल	35,273
कुल	**2,06,262**
विशेष जांच	
बेरियम अध्ययन	2,111
इंट्रावीनस पायलोग्राफी	1,660
मिक्चुरेटिंग सिस्टूरेथोग्राफी	1,894
हिस्टीरोसालपिंगोग्राफी	461
ऑपरेशन थियेटर अध्ययन	117
अन्य कंट्रास्ट अध्ययन	1054
कुल	**7,297**
मैमोग्राफी	**1,907**
अल्ट्रासाउंड	
आंतरिक	31,111
आपातकालीन	18,800
डॉपलर (नियमित + आपात)	3,447
कुल	**53,358**
सीटी	
शरीर	14,283
सिर	5,938
कुल	**20,221**
वेस्कुलर अध्ययन	
डिजिटल सबट्रेक्शन एनजियोग्राफी (डी. एस. ए.)	2,432
वेनोग्राफी	6
कुल	**2,438**
एम. आर. आई	**4,072**
इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं	
अल्ट्रासाउंड–गाइड	3,161
सी. टी. गाइड	631
मैमोग्राफी बायोप्सी / एफ. एन. ए. सी.	49
कुल	**3,841**
कुल विशेष अन्वेषण	**89,061**
महायोग (नियमित + विशेष)	**2,99,395**

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर अरुण कुमार गुप्ता राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (भारत) के चयनित अध्येता।

प्रोफेसर दीप एन. श्रीवास्तव राष्ट्रीय चिकित्स विज्ञान अकादमी (भारत) के चयनित अध्येता।

डॉ. संजय शर्मा आई आर आई ए, 2012 के दिल्ली चैप्टर के उपाध्यक्ष चुने गए थे, उन्हें इंडियन सोसाइटी फॉर वेस्कुलर एण्ड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (आई एस वी आई आर) के कोषाध्यक्ष निर्वाचित, नवम्बर 2011 – फरवरी 2013।

डॉ. आशु सेठ भल्ला इंडियन सोसाइटी ऑफ वेस्कुलर एण्ड इंटरवेशनल रेडियोलॉजी 2012 – 13 के चयनित संयुक्त सचिव।

डॉ. चंदन जे. दास यूरोपियन कॉन्फ्रेंस ऑफ रेडियोलॉजी 2013, विएना, ऑस्ट्रिया ने 7 – 11 मार्च 2013 के दौरान यूथ एवॉर्ड 2013 में ईसीआर इनवेस्ट प्राप्त किया।

9.35 प्रजनन जैव विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

आनंद कुमार

अपर आचार्य

आशुतोष हल्दर

सह आचार्य

पी. के. चतुर्वेदी

विशेषताएं

प्रो. आनंद कुमार को एम एल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के प्राणी विज्ञान में यूजीसी – एस एपी कार्यक्रम की सलाहकार समिति का सदस्य नियुक्त किया गया था। वे ओपन एंड्रोलॉजी जर्नल (बेंथम) के संपादकीय मंडल के सदस्य नियुक्त किए गए थे। उन्हें विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं का समीक्षक भी नियुक्त किया गया था। उन्हें मोनोक्रोटोफोस, कृषि मंत्रालय, कृषि और सहकारिता विभाग, पादप संरक्षण संगरोध और भंडारण निदेशालय, एन एच आई वी, फरीदाबाद के एंडोक्राइन के विघटन पर गहराई से अध्ययन के लिए प्रारूप प्रोटोकॉल पर चर्चा के लिए सदस्य (प्रजनन जीव वैज्ञानिक) मनोनीत किया गया था (बाद में त्यागपत्र दे दिया)। उन्हें एन आई एच एफ डब्ल्यू के संस्थागत समीक्षा बोर्ड (आई आर बी) का सदस्य और एन आई एच एफ डब्ल्यू, नई दिल्ली की चयन समिति का सदस्य नियुक्त किया गया था। डॉ. आशुतोष हल्दर को 2012 में राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी का अध्येता नियुक्त किया गया था। उन्हें स्टेम कोशिका अनुसंधान और उपचार (आई सी – एस सी आर टी) सहित राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 2012 के दौरान विभिन्न संस्थागत समितियों एवं विशेषज्ञ समूहों के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में चुना गया था। उन्हें आनुवंशिकी और साइटोजेनेटिक्स (2011 से) एन ए बी एल (राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड), ''प्रजनन स्वास्थ्य और जीव विज्ञान'' पर डी बी टी विशेषज्ञ समूह (2012) कृषि मंत्रालय की एंडोक्राइन विघटन समिति (2013 में), आई सी एम आर वैज्ञानिकों की पदोन्नति के लिए आकलन बोर्ड (2013 में) चुना गया। उन्होंने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय मंडल सदस्य और समीक्षक के रूप में भी कार्य किया है। डॉ. पी. के. चतुर्वेदी को जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डी बी टी) की परियोजनाओं का समीक्षक और आई सी एम आर की परियोजनाओं के लिए चयन समिति का सदस्य नियुक्त किया गया।

शिक्षा

पी.एचडी : 4 छात्र, 1 पोस्ट डॉक्टरल

एम. डी. : केन्द्रीय आर आई ए सुविधा में एम डी प्रयोगशाला चिकित्सा और जैव रसायन छात्र

सह–पर्यवेक्षक एम डी / एम एस : सात   डी एम : दो

अल्प अवधि प्रशिक्षण : एक प्रशिक्षु को प्रदान किया गया (1 माह)

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

आयोजित

1. आण्विक कोशिका आनुवांशिकी पर राष्ट्रीय कार्यशाला : पुरुष प्रजनन, एम्स, 26 नवम्बर – 1 दिसम्बर 2013

प्रदत्त व्याख्यान

आनंद कुमार : 2 **आशुतोष हल्दर : 1**

मौखिक पेपर/ पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 3

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. एक इमोरटल माउस लेडिग कोशिका लाइन में वेस्कुलर इंडोथेलियल वृद्धि कारक अभिव्यक्ति पर हाइपोक्सिया इंड्यूसिबलफेक्टर 1 अलफा की मेडिएट्री भूमिका। आनंद कुमार, डी एस टी, 3 वर्ष, लगभग 17.69 लाख रु.।

2. एफ आई एस एच नेगेटिव नैदानिक रूप से संदेहास्पद 22 क्यू 11.2 माइक्रोडिलिशन संलक्षणों में एरे तुलनात्मक जीनोमिक हाइब्रिडाइजेशन (ए सी जी एच) द्वारा उप–माइक्रोस्कोपिक क्रोमोसोमल इमबेलेंस तथा यूनिपेरेंटल डिसॉमी हेतु एक जांच। आशुतोष हल्दर, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2011 – 2014, 39 लाख रु.।

3. टेस्टीकुलर जर्मकोशिका प्रतिबंध (परिपक्वता पर प्रतिबंध) : फीनोटाइप – जीनोटाइप सह संबंध की जांच, एम्स, 2 वर्ष, 10 लाख रुपए।
4. एच एल एल लाइफ केयर लिमिटेड, गुडगांव द्वारा अधिप्राप्त एच सी जी किट्स हेतु गुणवत्ता नियंत्रण। पी के चतुर्वेदी, एच एल एल लाइफ केयर, 4.20 लाख रु. / वर्ष।

5. सीमन गुणवत्ता पर सी वाई पी 450ए1, जी एस टी टी1, जी एस टी एम1 तथा वातावरणीय पॉल्यूटेंट्स के मध्य जीन–वातावरण अन्योन्यक्रिया का संभावित प्रभाव। पी. के. चतुर्वेदी, डी एस टी महिला वैज्ञानिक कार्यक्रम, 2011–2014, 23.76 लाख रु.।

पूर्ण

1. प्राइम्ड इन सिटू लेबलिंग द्वारा क्रोमोसोम 13 तथा 21 एन्यूप्लॉइडी की तीव्र खोज। एस आर एफ परियोजना। आशुतोष हल्दर, आई सी एम आर, 3 वर्ष, मार्च 2010 से मार्च 2013, 6 लाख रु.।

विभागीय परियाजनाएं

जारी

1. मोटाइल तथा गैर मोटाइल स्पर्मेटोजोआ में प्रोटीनों की विभिन्न अभिव्यक्तियों का विश्लेषण।

2. लिंग अनुपात के डायनामिक्स को समझना।

3. टेस्टीकुलर जर्म सेल एरेस्ट (मेचुरेशन अरेस्ट): फीनोटाइप– जीनोटाइप सह–संबंध की जांच।

पूर्ण

1. प्राइमरी टेस्टीकुलर फेलियर पर आनुवंशिक तथा अंतःस्रविकी अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. फेनकोनी एनिमिया में सीरम एल्फा फेटोप्रोटीन तथा एल्बुमिन स्तर (रुधिर विज्ञान क्लिनिक)

2. टेस्टीकुलर कार्य, यौन कार्य और जीवन की गुणवत्ता पर लेपेरोस्कोपिक टी ई पी तथा टी ए पी इनग्विनल हर्निया सुधार के बाद भविष्यलक्षी यादृच्छिक तुलना (सर्जरी)
3. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम के क्लिनिकल, चयापचय और हार्मोनल पैरामीटरों पर मैटफॉर्मिन के साथ मायोइनोसिटॉल की दक्षता के आकलन हेतु यादृच्छिक क्लिनिकल परीक्षण (स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान)।

4. मध्यम से गंभीर रुकावटपूर्ण नींद एपनिया के रोगियों में तंत्रिका बोधात्मक क्षति पर निरंतर धनात्मक वायुमार्ग दबाव उपचार के प्रभाव (काय चिकित्सा)।
5. जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों में क्लीनिको डिसमोर्फिक प्रोफाइल तथा उससे जुड़ी कुरचनाओं का अध्ययन (एमएएमसी, बाल रोग विज्ञान विभाग)।
6. बहुविद मायलोमा के आण्विक जैव विज्ञान पर एक अध्ययन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

7. एंडोमेट्रियोसिस की प्रोटियोमिक्स का अध्ययन (शरीर क्रिया विज्ञान)।

8. प्रवर्धनकारी ल्यूपस नेफ्राइटिस के लिए प्रेरण उपचार के रूप में टेक्रोलिमस (नेफ्रोलॉजी)।

पूर्ण

1. प्राइम्ड इन सिटू लेबलिंग द्वारा क्रोमोसोम 13 तथा 21 एन्यूप्लॉइडी की तीव्र खोज। एस आर एफ परियोजना, आई सी एम आर, 2011–2013

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 5 **पुस्तकों में अध्याय : 3** **पुस्तकें : 2**

रोगी उपचार

केन्द्रीय आर आई ए सुविधा (सी आर आई ए, कमरा नम्बर 5010)

आर आई ए सुविधा में अंतरंग रोगियों तथा बाह्य रोगियों के रक्त नमूनों में एल एच, एफ एस एच, प्रोलेक्टिन, टी3, टी4, टी एस एच, टेस्टोस्टेरोन, एस्ट्राडियोल, प्रोगेस्टेरोन, एल्फा फीटो प्रोटीन, प्रोस्टेट स्पेसिफिक एंटीन (पी एस ए), बीटा एच सी जी, सी ए 125 तथा कोर्टिसोल की नैमिक जांचें की गई।

जांच का नाम	संख्या	जांच का नाम	संख्या
एफ एस एच	4560	एल एच	4253
प्रोलेक्टिन	3799	डी एच ई ए एस	136

टी3	10292	टी4	12041
टी एस एच	20951	टेस्टोस्टेरॉन	1577
एस्ट्राडियोल	1069	प्रोजेस्टेरॉन	314
ए एफ पी	4363	पी एस ए	1989
बीटा एच सी जी	1147	सीए – 125	1955
कोर्टिसॉल	373		
कुल	68819		

निष्पादित की गई जांचों की संख्या पिछले वर्ष 54272 से बढ़कर इस वर्ष 68819 हो गई है।

एंड्रोलाजिकल परीक्षण : सीमन परीक्षण : 332, सेमिनल फ्रूक्टोज 332

मानक बाह्य रोगी सेवा के भाग के रूप में नहीं, जबकि दिल्ली / भारत के विभिन्न अस्पतालों से 50 से अधिक मामले यहां पुरुष प्राथमिक हाइपोगोनेडिज्म तथा जन्मजात विकृति में प्रजनन आनुवंशिकी से संबंधित परामर्श / सलाह के लिए भेजे गए थे।

बांझपन, चिकित्सा एंड्रोलॉजी, विकृति, सूक्ष्म विलोपन सिंड्रोम आदि पर ई–मेल द्वारा परामर्श भी दिया जाता है।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर आनंद कुमार ने वर्ष 2012 के लिए कोलकाता में 13–15 दिसम्बर 2012 के दौरान एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया के लिए सुभाष मुखर्जी स्मृति व्याख्यान दिया।

डॉ. आशुतोष हल्दर अध्येता, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी निर्वाचित किए गए थे (2012 में)।

डॉ. पी. के. चतुर्वेदी सदस्य, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी निर्वाचित किए गए थे (2012 में)।

9.36 शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

एम. सी. मिश्र

आचार्य

अनुराग श्रीवास्तव | सुनील चुम्बर | राजेंद्र प्रसाद

अपर आचार्य

वी. सीनू | संदीप अग्रवाल | विरेंद्र कुमार बंसल

सह–आचार्य

अनीता धर | अमित गुप्ता | बिप्लब मिश्रा

मनीष सिंघल | सुबोध कुमार | सुषमा सागर

सहायक आचार्य

हिमांग के. भट्टाचार्जी | रेहान नबी खान (संविदा पर)

शिक्षा

अल्पावधिक प्रशिक्षण

1. डॉ. नितिन अग्रवाल, दिनांक 20 मार्च 2012 से 19 अप्रैल 2012 तक (एक माह)
2. कैप्टन राकेश कुमार दिनांक 1 अगस्त 2012 से 31 अगस्त 2012 तक (एक माह)
3. श्री शैलेश कुमार, दिनांक 1 सितंबर 2012 से 28 फरवरी 2013 तक (छः माह)

एच्छिक प्रशिक्षण

1. डॉ. सोंग ऊंग कांग, डी पी आर कोरिया से दिनांक 9 अप्रैल 2012 से 1 जून 2012 (8 सप्ताह)
2. डॉ. योंग जिन किम, डी पी आर कोरिया से दिनांक 9 अप्रैल 2012 से 1 जून 2012 तक
3. डॉ. सून गिल किम, डी पी आर कोरिया में दिनांक 9 अप्रैल 2012 से 1 जून 2012 तक
4. सुश्री मोएकोव हुक एलैक्जेंडर, ऑस्ट्रेलिया से दिनांक 1 फरवरी से 30 अप्रैल 2012 (3 माह)
5. श्री लेहमान ल्यूकस, ऑस्ट्रेलिया से दिनांक 5 मार्च 2012 से 27 अप्रैल 2012 (4 सप्ताह)
6. सुश्री विक्टोरिया रीडर, ऑस्ट्रिया दिनांक 5 मार्च 2012 से 27 अप्रैल 2012 (4 सप्ताह)
7. सुश्री ली वेन, सिंगापुर से दिनांक 21 मई 2012 से 1 जून 2012 (2 सप्ताह)
8. मोहम्मद खालिद, अफगानिस्तान से दिनांक 5 मई 2012 से 5 अगस्त 2012 (3 सप्ताह)
9. सुश्री दिव्य आर्य, हंगरी से दिनांक 21 फरवरी 2013 से 20 मार्च 2013 तक
10. मोहम्मद नसीर, अफगानिस्तान से दिनांक 8 जून 2012 से 7 सितंबर 2012 तक
11. श्री टिम वी लून, सिंगापुर से दिनांक 21 मई 2012 से 1 जून 2012 तक
12. श्री एंग दून योंग, सिंगापुर से दिनांक 21 मई 2012 से 1 जून 2012 तक
13. सुश्री संजना शर्मा, ऑस्ट्रेलिया से दिनांक 17 से 30 दिसंबर 2012 (2 सप्ताह)
14. श्री पोह यू केई, सिंगापुर से दिनांक 9 जून 2012 से 15 जून 2012 (1 सप्ताह)
15. श्री टेन शीन वुई, मलेशिया से दिनांक 8 सितंबर 2012 से 20 सितंबर 2012 तक
16. सुश्री जोलिन चिंग मलेशिया से दिनांक 8 सितंबर 2012 से 23 सितंबर 2012 तक
17. सुश्री सराह इस्थर, वूल्फ, जर्मनी से दिनांक 18 फरवरी 2013 से 17 अप्रैल 2013 (2 माह)

18. सुश्री हना मिंकर, जर्मनी से दिनांक 20 अगस्त 2012 से 4 अक्तूबर 2012 (6 सप्ताह)
19. सुश्री निधि महाजन, ऑस्ट्रेलिया से दिनांक 28 जनवरी 2013 से 22 फरवरी 2013 (4 सप्ताह)
20. सुश्री बेउचेत इसाबिले, स्विजरलैण्ड से दिनांक 1 मार्च 2013 से 31 मार्च 2013 (1 माह)
21. सुश्री मैरी गारलैंड, अमेरिका से दिनांक 4 फरवरी 2013 से 1 मार्च 2013 (4 सप्ताह)
22. सुश्री अनीषा खेत्रपाल, अमेरिका से दिनांक 04.02.13 से 01.03.13 (4 सप्ताह)
23. डॉ. जसनीत सिंह भुल्लर, अमेरिका से दिनांक 1 अक्तूबर 2012 से 31 अक्तूबर 2012
24. सुश्री मेनन जेबोयडोफ, स्विजरलैंड से दिनांक 1 मार्च 2013 से 31 मार्च 2013 (1 माह)
25. सुश्री एलैक्जेंडर मोस्कोवचुक, वियना से दिनांक 11 फरवरी 2013 से 6 अप्रैल 2013
26. श्री लिओंग कोक किओंग, मलेसिया से दिनांक 4 मार्च 2013 से 29 मार्च 2013 (4 माह)
27. सुश्री आशा जे शाह, अमेरिका से दिनांक 1 मार्च 2013 से 31 मार्च 2013 (1 माह)
28. डॉ. योंग सिक सो, डी पी आर कोरिया से दिनांक 22 अप्रैल 2013 से 14 जून 2013 (8 सप्ताह)
29. डॉ. मयोंग मिन हवांग, डी पी आर कोरिया से दिनांक 22 अप्रैल 2013 से 14 जून 2013 (8 सप्ताह)
30. डॉ. क्वांग चोल जो, डी पी आर कोरिया से दिनांक 22 अप्रैल 2013 से 14 जून 2013 (8 सप्ताह)
31. डॉ. चोल हिऑन ओम, डी पी आर कोरिया से दिनांक 22 अप्रैल 2013 से 14 जून 2013 (8 सप्ताह)
32. सुश्री अमीनाथ शहनाज, मालद्वीप से दिनांक 28 अप्रैल 2013 से 28 जुलाई 2013 (3 माह)
33. सुश्री, शूरा फातिमा, मालद्वीप से दिनांक 28 अप्रैल 2013 से 28 जुलाई 2013 (3 माह)
34. श्री डेविड थोमसन, यू. के. से दिनांक 25 मार्च 2013 से 18 अप्रैल 2013

आब्जर्वरशिप

1. डॉ. तुर्की एटिया एल कुरैशी, साऊदी से दिनांक 1 जनवरी 2012 से 31 दिसंबर 2012 तक (1 साल)
2. डॉ. कुलदीप सिंह रावत, अमेरिका से दिनांक 12 दिसंबर 2011 से 11 मार्च 2012 तक (12 सप्ताह)
3. डॉ. चितरंजन दास, बंगलादेश से दिनांक 1 मार्च 2012 से 30 सितंबर 2012 तक (6 माह)
4. डॉ. लोरिन स्मिथसन, कनाडा से दिनांक 1 से 31 दिसंबर 2012 (एक माह)
5. डॉ. ऋषि नय्यर, आर एम एल अस्पताल से दिनांक 1 फरवरी 2013 से 30 जून 2013 (6 माह)

विभाग द्वारा आयोजित सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. 7वां अ. भा. आ. सं. शल्य चिकित्सा सप्ताह – इंडोसर्ज 2013 – अंतरराष्ट्रीय सी एम ई एवं सम्मेलन का लाईव प्रचालन, एम्स, 15–17 मार्च 2013।
2. ब्रेस्ट एवं इंडोक्राईन शल्य चिकित्सा कार्यशाला, एम्स 15 मार्च 2012.
3. उन्नत ओंकोप्लास्टि मीटिंग, एम्स, 9–10 अक्तूबर 2012.

एम. सी. मिश्र

1. 7वां अ. भा. आ. सं. शल्य चिकित्सा सप्ताह – इंडोसर्ज 2013 – अंतरराष्ट्रीय सी एम ई एवं सम्मेलन का लाईव प्रचालन, एम्स, 16–18 मार्च 2013.
2. अध्यक्ष, भारतीय सर्जन एसोसिएशन के दिल्ली राज्य अध्याय 'सर्जिकोन 2012' का वार्षिक सम्मेलन, 23 – 25 नवंबर 2012. गर्दन ट्रॉमा, जिनिटूरिनरी ट्रॉमा और पॉलिट्रॉमा के उपचार पर पैनल डिसकसन आधारित सिनेरियो मामले के आयोजक, 24 नवंबर 2012।
3. अध्यक्ष, भारतीय ट्रॉमा और एक्यूट केयर सोसायटी का 5वां वार्षिक सम्मेलन (आई. एस. टी. ए. सी.), अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं कार्यशाला 'ट्रॉमा 2012', 22 – 25 नवंबर 2012. 2012 में ट्रॉमा उपचार में उन्नति एवं बियोंड विषय पर मुख्य भाषण दिया गया तथा एक पैनेलिस्ट के रूप में केस सिनेरियो डिसकसन के दौरान भाग लिया, 23 नवंबर 2012।
4. प्रोग्राम एवं कोर्स डायरेक्टर, उन्नत ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट (ए टी एल एस) कोर्स का उद्घाटन, एल टी एम मेडिकल कॉलेज एवं सिओन अस्पताल, मुंबई, 11 – 13 अक्तूबर 2012.
5. आयोजक अध्यक्ष, दूसरा अंतरराष्ट्रीय शिखर तथा आपात स्वास्थ्य उपचार में प्रौद्योगिकी का प्रभावी लागत एवं अर्थपूर्ण उपयोग विषय पर कार्यशाला (सी ई यू टी ई सी एच – 2012) 28 – 30 सितंबर 2012, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग एवं आपात एवं आपात विभाग, जे पी एन ए टी सी, एम्स द्वारा आयोजि। प्लेनरी अध्यक्ष एवं वैज्ञानिक सत्र 28 – 29 और 30 सितंबर 2012

तथा विश्व स्तरीय ई डी रखने वालों में संकीर्ण स्थान विषय पर पेनेलिस्ट स्पीकर और उनको कैसे नियंत्रित करें : जे पी एन ए टी सी का अनुभव।

6. आपात चिकित्सा विभाग की स्थापना करने के लिए 6 एम्स निदेशकों हेतु एक कंसलटेटिव कार्यशाला के दौरान संयोजक एवं मोडरेटर तथा संस्थानों का कंप्यूट्रीकरण, जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा केंद्र एम्स, नई दिल्ली; 22 सितंबर, 2012।

अनुराग श्रीवास्तव

1. वक्ष एवं इंडोकाइन शल्य चिकित्सा कार्यशाला, 15 मार्च 2012, अ. भा. आ. सं.।
2. उन्नत ओंकोप्लास्टी मीटिंग, 9–10 अक्तूबर 2012, अ. भा. आ. सं.।
3. बिनाईन ब्रस्ट डिजिज विषय पर संगोष्ठी। भारतीय सर्जन एसोसिएशन की वार्षिक बैठक ए एस आई सी ओ एन 2012 कोलकाता, 27 दिसंबर 2012।

राजेंद्र प्रसाद

1. एएसआई के दिल्ली राज्य चैप्टर की मासिक बैठक, 23 फरवरी 2013, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।

वी. के. बंसल

1. आयोजक सचिव 7वां एम्स शल्य चिकित्सा सप्ताह, इंडोसर्ज 2013 – लाइव ऑपरेटिव इंटरनेशनल सी एम ई सहित सम्मेलन, एम्स, 15–17 मार्च 2013.
2. आयोजक सचिव, लेपरोस्कॉपिक डोनर नेफ्रैक्टॉमी विषय पर 2 दिवसीय लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 17–18 दिसंबर 2012.
3. 'ऑपरेटिव लेपरोस्कॉपिक बेसिक एवं उन्नत' में 10 प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों हेतु पाठ्यक्रम संयोजक।
4. 'लेपरोस्कॉपिक स्युचरिंग स्किल्स' में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
5. 'लेपरोस्कॉपिक कोलोरेक्टल सर्जरी' में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
6. 'लेपरोस्कॉपिक हर्निया सर्जरी में' प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

अनीता धर

1. संयुक्त आयोजक सचिव, छठा अ. भा. आ. सं. शल्य चिकित्सा सप्ताह – इंडोसर्ज 2012 – अंतरराष्ट्रीय सी एम ई तथा सम्मेलन, एम्स का लाइव ऑपरेटिव, 16–18 मार्च, 2012.

सुषमा सागर

1. जे. पी. एन. ए. टी. सी., एम्स में दिल्ली सरकार के चिकित्सकों हेतु कोर्स डायरेक्टर डी. ई. एम. ई. एम्स (दिल्ली आपात उपचार प्रयोग), 29 नवंबर से 1 दिसंबर 2012।
2. वैज्ञानिक अध्यक्ष, ट्रॉमा 2012, अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई तथा लाइव कार्यशाला तथा भारतीय ट्रॉमा एवं एक्यूट सोसायटी का चौथा वार्षिक सम्मेलन (आई एस टी ए सी) 23 – 25 नवंबर 2012
3. आयोजक सचिव, छठा अ. भा. आ. सं. शल्य चिकित्सा सप्ताह और इंडोसर्ज – 2013, अंतरराष्ट्रीय सी एम ई सहित लाईव कार्यशाला, 15 – 17 मार्च, 2013।

सुबोध कुमार

1. वित्त सचिव, ट्रॉमा 2012, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई सहित लाइव कार्यशाला तथा भारतीय ट्रॉमा एवं एक्यूट उपचार सोसायटी का चौथा वार्षिक सम्मेलन (आई एस टी ए सी), 23 – 25 नवंबर 2012।
2. आयोजक सचिव, छठा अ. भा. आ. सं. शल्य चिकित्सा सप्ताह और इंडोसर्ज – 2013, अंतरराष्ट्रीय सी एम ई सहित लाईव कार्यशाला, 15 – 17 मार्च 2013।

बिप्लब मिश्रा

1. क्षति मूल्यांकन एवं उपचार दक्षता (डब्ल्यू ई टी एस) कोर्स हेतु आयोजक दल का भाग, 2 – 3 अप्रैल 2013, जे पी एन ए टी सी, एम्स नई दिल्ली।

2. आयोजक एवं कोर्स डायरेक्टर ई डी में तीव्र क्षति का उपचार एम ए डब्ल्यू ई विषय पर कार्यशाला 19 अप्रैल 2012, जे पी एन ए टी सी एम्स नई दिल्ली।
3. संकाय, जी आर ओ एस 2012, दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और रोबोटिक सर्जरी एवं उन्नत लेपरोस्कॉपी विषय पर लाईव शल्य चिकित्सा कार्यशाला, 27 – 29 अप्रैल 2012, ग्लैक्सी केयर लेपरोस्कॉपी संस्थान पुणे।
4. आयोजक एवं कोर्स डायरेक्टर, 'ई डी में तीव्र क्षति का उपचार' (एम ए डब्ल्यू ई) कार्यशाला, 4 मई 2012 जे पी एन ए टी सी, एम्स नई दिल्ली।
5. आयोजक एवं कोर्स डायरेक्टर ई डी में तीव्र क्षति का उपचार (एम ए डब्ल्यू ई) विषय पर कार्यशाला। 15 मई 2012, जे पी एन ए टी सी, एम्स, नई दिल्ली।
6. कोर्स डायरेक्टर, 'उन्नत ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट (ए टी एल एस) कोर्स 31 मई 2012 से 2 जून 2012 तक एपेक्स में मेडिकल एकेडमी, अहमदाबाद गुजरात।
7. आयोजक एवं कोर्स डायरेक्टर ई डी में तीव्र क्षति का उपचार (एम ए डब्ल्यू ई) विषय पर कार्यशाला 27 जुलाई 2012 जे पी एन ए टी सी एम्स, नई दिल्ली।
8. कोर्स डायरेक्टर 'उन्नत ट्रॉमा लाईफ सपोर्ट (ए टी एल एस) कोर्स 7 – 9 अगस्त 2012, भारतीय आपात चिकित्सा सेवा संस्थान, कोट्टयम, केरल।
9. आयोजक एवं कोर्स डायरेक्टर ई डी में तीव्र क्षति का उपचार (एम ए डब्ल्यू ई) विषय पर कार्यशाला 31 अगस्त 2012, जे पी एन ए टी सी, एम्स, नई दिल्ली।
10. आयोजक एवं कोर्स डायरेक्टर, ई डी में तीव्र क्षति का उपचार (एम ए डब्ल्यू ई) विषय पर कार्यशाला, 28 सितंबर 2012, जे पी एन ए टी सी, एम्स नई दिल्ली।
11. आयोजक एवं कोर्स डायरेक्टर ई डी में तीव्र क्षति का उपचार (एम. ए. डब्ल्यू. ई.) विषय पर कार्यशाला, 9 अक्तूबर 2012, जे पी एन ए टी सी, एम्स नई दिल्ली।
12. आयोजक सचिव एवं संकाय, पांचवां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई सहित ट्रॉमा 2012 लाईव कार्यशाला, 22 – 25 नवंबर 2012। एम्स, नई दिल्ली।

मनीष सिंघल

1. वैज्ञानिक अध्यक्ष, ट्रॉमा 2012, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सी एम ई सहित लाईव कार्यशाला तथा भारतीय ट्रॉमा एवं एक्यूट केयर सोसायटी (आई एस टी ए सी) का पांचवां वार्षिक सम्मेलन, 23 – 25 नवंबर 2012।
2. संयुक्त आयोजक समिति : छठा अ. भा. आ. सं. शल्य चिकित्सा सप्ताह एवं इंडोसर्ज – 2013, अंतरराष्ट्रीय सी एम ई सहित लाईव कार्यशाला। 15 – 17 मार्च 2013।

अमित गुप्ता

1. संयुक्त आयोजक सचिव : 7वां अ. भा. आ. सं. शल्य चिकित्सा सप्ताह एवं इंडोसर्ज 2013, अंतरराष्ट्रीय सी एम ई सहित लाईव कार्यशाला। अ. भा. आ. सं. और भारतीय हर्निया सोसायटी एवं एस ई एल एस आई मार्च 2013।
2. सदस्य आयोजक समिति : ट्रॉमा 2012, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई सहित लाईव कार्यशाला तथा भारतीय ट्रॉमा एवं तीव्र उपचार सोसायटी का पांचवां वार्षिक सम्मेलन (आई एस टी ए सी) 23 – 25 नवंबर 2012।

प्रदत्त व्याख्यान

एम. सी. मिश्र : 41	**अनुराग श्रीवास्तव : 4**	**राजेंद्र प्रसाद : 6**	**वी सीनू : 9**
संदीप अग्रवाल : 9	**वी. के. बंसल : 25**	**अनीता धर : 2**	**सुषमा सागर : 13**
सुबोध कुमार : 11	**बिप्लब मिश्रा : 1**	**अमित गुप्ता : 8**	

प्रस्तुत किए गए मौखिक पेपर / पोस्टर्स : 22

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. वक्ष कैंसर के रोगियों के लिए एडजुवेंट ट्रॅामोक्सिफिन दीर्घ के विरुद्ध लघु (ए टी एल ए एस), अनुराग श्रीवास्तव, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यू. के.।
2. इंटरावेसल अंतःक्षेपणयुक्त पुरुष गर्भनिरोधक – आर आई एस यू जी सहित चरण 2 का नैदानिक परीक्षण। बहु केंद्रक अध्ययन। वी सीनू। आई सी एम आर।
3. ऑपरेशन के समय जैविक अवशेष्य स्टेपल लाईन रीइनफोर्समेंट के उपयोग का इम्पैक्ट तथा लेपरोस्कॉपिक स्लीव गेस्ट्रक्टॉमी कराने वाले सुपर मोटे रोगियों में (बी एम आई > 50 के. जी. / एम2) ऑपरेशन के पश्चात् रक्तस्राव, संदीप अग्रवाल, अ. भा. आ. सं., 2012–2014, 5 लाख रुपए।
4. अग्न्याशय के पीस्यूडोसिस्ट के लेपरोस्कॉपिक बनाम इंडोस्कॉपिक निकास क्षेत्र का एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण विरेंद्र कुमार बंसल, आई सी एम आर 2011 – 13, 15 लाख रुपए।
5. ग्राफ्ट फंक्शन पर टेकरोलिमुस रक्त स्तरों और रीनल प्रतिरोपण के बाद रोगियों में समग्र जीवन की गुणवत्ता को इसमें ढूंसने के प्रभाव के सह संबंध का एक अग्रदर्शी अध्ययन, विरेंद्र कुमार बंसल, अनुसंधान अनुदान संस्थान, जनवरी 2013 से, 2.50 लाख रुपए।
6. चिरकारी नाजुक अंग इस्चेमिया वाले रोगियों में अंगच्छेद की रोकथाम में सदृश स्टेम सेलों की सुरक्षा एवं प्रभावोत्पादकता, अनीता धर, बहुकेंद्रीयक परियोजना, डी बी टी, 1 करोड़ रुपए।
7. बुरजिर रोग के कारण इस्चेमिक नाजुक अंग वाले रोगियों में स्टेम – पिउसेल – सी एल आई (ऐक्स विवो कलचर्ड व्यस्क बोन मेरो से व्युत्पन्न एलोजिकिन मिसेन्चिमल स्टेम सेल) का अंतः मांसपेशी में देने के प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा को एक गैर यादृच्छिक, लेबल मुक्त बहुकेंद्रीक, खुराक रेंजिंग, चरण – 2 का अध्ययन निर्धारित करना, अनीता धर, ए – श्रीवास्तव, बहु केंद्रीक परियोजना, स्टेम प्यूटिक्स रिसर्च प्रा. लि., 70 लाख रुपए।
8. अंगच्छेद स्टम्प के परंपरागम उपचार के लिए वी ए सी (वैक्यूम एसेस्टिड क्लोजर) चिकित्सा के प्रभावीपन की तुलना करना, सुषमा सागर, एम. सिंघल, एस. कुमार, बी. मिश्रा, ए. गुप्ता, अ. भा. आ. सं., 01 करोड़ रुपए।
9. टेक्सटाईल विभाग, आई. आई. टी. दिल्ली के साथ सहयोग में मेडिकल गार्मेंट्स और स्पोर्टस्वीयर हेतु सिरिसिन आधारित फिनिशिज़ सम्मलित वेल्यु, सुषमा सागर, एम. सिंघल, एस. कुमार, बी. मिश्रा, ए. गुप्ता, डी. बी. टी. रुपए 34 लाख रुपए।
10. टेक्सटाईल विभाग, आई आई टी दिल्ली के साथ सहयोग में प्रौढ़ हेतु दबावी वस्त्र, सुषमा सागर, एम. सिंघल, डी एस टी
11. भारत में उन्नत ट्रॉमा जीवन सहायता के लिए क्षमता निर्माण (पी पी सी बी – ए टी एल एस आई) विषय पर मार्गदर्शी परियोजना 2012, अमित गुप्ता, एस. कुमार, एम. सिंघल, सुषमा सागर, बी. मिश्रा, राष्ट्रीय घोर संकट प्रबंधन प्राधिकरण, 1.18 करोड़ रुपए।
12. ट्रॉमा केंद्र, अ. भा. आ. सं. में क्षति रजिस्ट्री का विकास। मनीष सिंघल, एस. सागर, एस. कुमार, बी. मिश्रा, ए. गुप्ता, अ. भा. आ. सं., 01 करोड़ रुपए।
13. ट्रॉमा केंद्र के लैवल – में जानपदिक रोग विज्ञान और महत्व, गंभीरता, जटिल कोमल उत्तक क्षतियों के परिणामों का पूर्वव्यापी एवं अग्रदर्शी मूल्यांकन, एस. सागर, एम. सिंघल, एस. कुमार, बी. मिश्रा, ए. गुप्ता।

जारी

1. एन एम आर विभाग के चुम्बकीय अनुनाद प्रतिबिम्ब तकनीकी द्वारा मानव वक्ष कैंसर का अध्ययन, वी. सीनू।
2. स्थूल रोगियों में बायोमार्करों का प्रयोग करके ग्लूकोज मेटाबोलिज्म पर बेरियाट्रिक सर्जरी के प्रभाव के मूल्यांकन हेतु अग्रदर्शी अध्ययन, राजकुमार यादव, संदीप अग्रवाल, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2012 – 15. 29 लाख रुपए।
3. ऑटोलोगस बोन मेरो ड्राइब्ड स्टेम सेल की इंट्रा – आट्रियल डिलीवरी द्वारा लिम्ब इश्केमिया में थेरेप्यूटिक एंजियोजेनसिस का इंडक्शन। संजीव शर्मा, विरेंद्र कुमार, बंसल, सुजाता, बलराम भार्गव, गुरप्रीत सिंह, डी बी टी, 30 लाख रुपए।
4. ऑटोलोगस बोन मैरो ड्राइब्ड स्टेम सेल्स की इंट्रा आट्रियल डिलीवरी द्वारा अपर लिम्ब क्रिटिकल इश्केमिया में थेरेप्यूटिक एंजियोजेनसिस का इंडक्शन, संजीव शर्मा, प्रिया जगिया, गुरप्रीत गुलाटी, सुजाता मोहंती, विरेंद्र बंसल, अनीता धर, राकेश यादव, आर एम पाण्डे।
5. नॉन कार्डिएक सर्जरी में संवहनी घटनाओं की पूर्वसूचना हेतु कोरोनरी सी टी एंजियोग्राफी। जी कार्तिक, अनीता धर।
6. भारत में क्लैफ्ट लिप तथा प्लेटे अपसामान्यता : नैदानिक प्रोफाइल जोखिम कारक तथा उपचार का वर्तमान स्तर अस्पताल आधारित सर्वे। सुषमा सागर तथा मनीष सिंघल, आई सी एम आर टास्क फोर्से, 54 लाख रु.
7. थोरेसिक ट्रॉमा में दो विभिन्न संकेंद्रणों बनाम अंतशिश दो दवा एनलजेसिया में थोरेसिक एपिड्यूल एनलजेसिया के साथ बुपीवैक्सीन की प्रभाव क्षमता तथा सुरक्षा का अग्रदर्शी, यादृच्छिक तुलनात्मक। एम. सिंघल, एस सागर, एस कुमार, बी मिश्रा, ए गुप्ता, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग के साथ संयोजन में

8. भारत के तृतीयक उपचार अस्पताल में अस्पताल अवाप्त संक्रमणों हेतु ऑटोमेटिड इलैक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का विकास तथा कार्यान्वयन अमित गुप्ता, सुबोध कुमार, आदि सी एम आर, 16 लाख रुपए।
9. अंग दुष्क्रिया सेपसिया के आरंभिक निदान हेतु मोनोसाइट्स के पोस्ट ट्रॉमा सायटोकाइन प्रोड्यूसिंग पोटेंशियल का निर्धारण। अमित गुप्ता, डी बी टी।
10. जे पी एन ए ट्रॉमा केंद्र में केडेवरिक स्कील्स लेबोरेट्री की स्थापना हेतु प्रस्ताव, अमित गुप्ता, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् मानव संसाधन निदेशालय (आई सी एम आर – डी एच आर)
11. कोलोबरेटिव हेतु इंजुरी एण्ड अदेहरेंस टू गाइडलाइन्स स्टडी (चिराग), अमित गुप्ता, डी बी टी, हार्बरवियू इंजुरी प्रिवेंशन एण्ड रिसर्च सेंटर (एच आई जी आर सी), वॉशिंगटन विश्वविद्यालय के साथ सहयोगी।
12. ट्रॉमा के पश्चात् शॉक से पीड़ित रोगियों में स्वास्थ्य लाभ के साथ प्रतिरक्षा नैदानिक तथा साइटोकाइन जीन पोलिमोर्फिज्म सह संबंध की भूमिका, अमित गुप्ता, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद।
13. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र के आपात कालीन विभाग में हेमोरेजिक शॉक वाले रोगियों के उपचार हेतु थेरेप्यूटिक सहायक के रूप में अंतः शिरा एस्ट्रोजन की सुरक्षा तथा प्रभावकता का अध्ययन करना। एस कुमार, आई सी एम आर, 2012, 36.36 लाख रुपए।
14. अंग दुष्क्रिया तथा सेपसिस के आरंभिक निदान हेतु मोनोसाइट्स के ट्रॉमा पश्चात् साइटोकाइन प्रोड्यूसिंग पोटेंशियल का निर्धारण। अमित गुप्ता, सुबोध कुमार, डी बी टी।
15. सर्जिकल गहन उपचार एकक में ट्रॉमा रोगियों में ए के आई की पूर्व सूचना में आरंभिक मार्करों के रूप में प्लाज्मा तथा यूरिन न्यूट्रोफिल जिलेटिनेज़ एसोसिएटिड लिपोकेलिन (एन सी ए एल) का मूल्यांकन। आई सी एम आर, 2012, 20.23 लाख रुपए।
16. जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र में एक केडेवरिक डिससेक्शन सुविधा की स्थापना का प्रस्ताव, एम्स, नई दिल्ली, भारत, अमित गुप्ता, सुबोध कुमार, आई सी एम आर, 2012, 5.36 करोड़ रुपए।
17. ट्रॉमेटिक लीवर क्षतियों के मूल्यांकन में एम डी सी टी की भूमिका। एस. कुमार
18. गुरदा प्रत्यारोपण के पश्चात रोगियों में जीवन की पूर्ण गुणवत्ता पर इसके प्रभाव तथा ग्राफ्ट प्रकार्य पर टेक्रोलाइमस रक्त स्तरों के प्रभाव के सह संबंध का अग्रदर्शी अध्ययन। एस कुमार।
19. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में पेरीफेरल वेस्कुलर क्षतियों का मेग्नीट्यूड, गंभीरता परिणामों का अध्ययन। एम सिंघल, एस सागर, एस कुमार, बी मिश्रा, ए गुप्ता।

पूर्ण

1. कनकोमिनेंट गॉल स्टोन रोग तथा कॉमन बाइल डक्ट स्टोन्स के रोगियों में उपचार में एकल अवस्था बनाम दो अवस्था उपचार की लागत प्रभावकता विश्लेषण तथा तुलना एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। विरेंद्र कुमार बंसल, एस ए जी ई एस अनुसंधान पुरस्कार, 2009–12।
2. भारी वज़न बनाम हल्का वज़न मेसस का प्रयोग करके लेप्रोस्कोपिक इन्यूनिल हार्निया उपचार के पश्चात् चिरकारी ग्रोइन दर्द तथा जीवन की गुणवत्ता में तुलना का एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण विरेंद्र कुमार बंसल, एम्स अनुसंधान अनुदान, 1. 40 लाख रुपए, 2010–12।
3. इंटरकोस्टल बुन्ड्रेनेज ट्यूब के बिना ओकल्ट न्यूमोथोएसिस के उपचार की संभाव्यता। बिप्लब मिश्रा।

विभागीय तथा सहयोगी अनुसंधान
जारी

1. कोनकोमिनेंट गॉल स्टोन्स तथा कॉमन बाइल डक्ट स्टोन से पीड़ित रोगियों में एलाइड इंडोस्कोपिक स्टोन एक्सेट्रक्शन के पश्चात् कॉमन बाइल डक्ट एण्ड लेप्रोस्कोपिक एक्सप्लोरेशन के प्राइमरी लेप्रोस्कोपिक एक्सप्लोरेशन के पश्चात् परिणामों की तुलना का अग्रदर्शी अध्ययन (सामुदायिक चिकित्सा, विकिरण निदान तथा जठरांत्र विज्ञान)।
2. स्तन कैंसर से पीड़ित रोगियों में इंटरल्यूकिन 10 भी अभिव्यक्ति का अध्ययन तथा अवस्था, उत्तक विज्ञानी ग्रेडिंग तथा हार्मोन ग्राही स्तर के साथ इसका सह–संबंध (विकृति विज्ञान)।
3. गुरदा प्रत्यारोपण के पश्चात् रोगियों में टेक्रोलाइमस का ग्राफ्ट प्रकार्य तथा प्रतिकूल प्रभावों का टेक्रोमाइमस के रक्त स्तरों की जीवन की गुणवत्ता तथा सह – संबंधों का अध्ययन (वृक्क विज्ञान तथा मनोचिकित्सा)।
4. स्तर 1 के ट्रॉमा केंद्र में जटिल सॉफ्ट टिशू क्षतियों का मेग्नीट्यूड, गंभीरता तथा परिणामों का रेट्रोस्पैक्टिव तथा अग्रदर्शी मूल्यांकन।

5. इनसिजोना लेंड वेंट्रल हर्निया लेप्रोस्कोपिक मेश उपचार हेतु मेश फिक्सेशन नॉन एब्जोरेबल ऐकर्स बनाम एब्जोरेबल टेकर्स की दो तकनीकियों के पश्चात् दीर्घ अवधि परिणाम, चिरकारी पीड़ा, जीवन की गुणवत्ता तथा लागत प्रभावकता की तुलना हेतु अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (संवेदनाहरण तथा मनोचिकित्सा)।
6. मानक 4 पोर्टलेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी के साथ गॉल स्टोन रोग बनाम एकल इनसिजन लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी के उपचार की दो विधाओं की तुलना के लिए एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षक (संवेदनाहरण तथा विकिरण विज्ञान)।
7. लेप्रोस्कोपिक टोटली एक्सट्रापेरिटोनियल रिपेयर (टी ई पी) तथा ट्रांसएब्डोमिनल प्रीपेरिटोनियल (टी ए पी पी) इंग्यूनल हर्निया उपचार के पश्चात् यौन प्रकार्य, टेस्टीकुलर प्रकार्य तथा जीवन की गुणवत्ता का एक अग्रदर्शी यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन (विकिरण विज्ञान, मनोचिकित्सा तथा प्रजनन काय चिकित्सा)।
8. लेप्रोस्कोपिक डोनर नेफ्रेक्टॉमी बनाम ओपन डोनर नेफ्रेक्टॉमी के पश्चात् परिणामों तथा जीवन की गुणवत्ता का तुलनात्मक अग्रदर्शी अध्ययन (विकिरण निदान, मनोचिकित्सा तथा वृक्क विज्ञान)।
9. कोनकोमिनेंट गॉल स्टोन्स तथा कॉमन ब्राइल डक्ट स्टोन्स से पीड़ित रोगियों का एकल अवस्था उपचार के पश्चात् जीवन की गुणवत्ता की तुलना एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (विकिरण विज्ञान, जठरांत्र रोग विज्ञान, मनोचिकित्सा तथा सामुदायिक चिकित्सा)।
10. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में पेट की आघात से पीड़ित रोगियों में लेप्रोस्कोपी की भूमिका के मूल्यांकन हेतु रेट्रोस्पेक्टिव तथा अग्रदर्शी अध्ययन।
11. आरंभिक स्पेलिनिक आर्टरी लाइजेशन करवा रहे रोगियों में स्पेलेनेक्टॉमी की जटिलता का अध्ययन करना।
12. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में जटिल सॉफ्ट टिशू क्षति की एपिडिमियोलॉजी तथा मेग्नीट्यूड, गंभीरता, परिणामों का रेट्रोस्पेक्टिव तथा अग्रदर्शी मूल्यांकन।
13. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में परीसरीय संवहनी क्षतियों के मेग्नीट्यूड, गंभीरता, परिणामों का अध्ययन।
14. जीवन संबंधी दाता गुरदा प्रत्यारोपण में प्रतिरक्षा से जुड़े मोलिक्यूल्स का नैदानिक संबंध (वृक्क विज्ञान तथा प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान)।
15. सामान्य सर्जरी रेजीडेंट्स के ओपरेटिव कक्ष निष्पादन पर पशु मॉडलों / उत्तकों वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन।
16. वयस्क रोगियों में लेप्रोस्कोपिक इंग्यूनल हर्निया उपचार हेतु ट्रांस बनाम एब्डोमिनल प्लेन ब्लॉक की पीड़ा शून्यता प्रभावकता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (संवेदनाहरण विज्ञान)।,
17. हिमोडायलेसिस हेतु आर्ट्रियोवेनस फिस्टुला में इमेजिंग तथा हस्तक्षेप (विकिरण विज्ञान तथा वृक्क विज्ञान)
18. उत्तरी भारत में तृतीयक उपचार अस्पताल में सी के डी रोगियों में ए वी फिस्टुला सृजन के परिणाम की अध्ययन एक अवलोकनात्मक अग्रदर्शी कोहार्ट अध्ययन (वृक्क विज्ञान तथा विकिरण विज्ञान)
19. लोअर लिम्ब के क्रोनिक इश्केमिया के उपचार में किलेस्टोजोल की भूमिका।
20. तृतीयक उपचार शल्यक अभ्यास में परिसरीय आर्ट्रियल रोग की पद्धति का अध्ययन करना : भारतीय परिदृश्य
21. निप्पल डिसचार्ज (बिनाइन स्तन रोग) हेतु रेडिकल डक्ट एक्सीजन दीर्घ अवधि फॉलोअप।
22. लेप्रोस्कोपिक कार्डियोमायोटॉमी के पश्चात् अचलसिया कार्डिया में एंटी रिफ्लैक्स प्रक्रिया की भूमिका।
23. रेक्टल कैंसर हेतु आरंभिक मिड अवधि मूत्रीय तथा यौन दुष्क्रिया शल्य चिकित्सा।
24. वयस्क भारतीय स्थूल रोगियों में वज़न घटाना, शारीरिक वसा वितरण तथा इंसुलिन रेसिसटेंस पर सुपरवाइज्ड आहार तथा जीवन शैली संशोधनों का प्रभाव।
25. स्तन कैंसर में नव सहायक कीमोथेरेपी के पूर्वसूचक आरंभिक प्रतिक्रिया में 18 एफ एफ डी जी पी ई टी – सी टी की भूमिका।
26. एक वर्ष की अवधि के लिए बी एम आई 25 – 29 कि. ग्रा. / एम2 की तुलना में बी एम आई $\geq$ 30 – 34.9 कि. ग्रा. / एम2 से पीड़ित रोगियों में वज़न घटाने पर पौषणिक परामर्श तथा जीवन शैली सुधार की देखरेख कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन करना तथा एक वर्ष की अवधि के लिए गैर शल्यक खोज की तुलना में बी एम आई $\geq$ 30 – 35 कि. ग्रा. / एम2 में बेरिएट्रिक सर्जरी के प्रभाव का निर्धारण करना।
27. लेप्रोस्कोपिक स्लीव गेस्ट्रेक्टॉमी करवा रहे रुग्ण स्थूल रोगियों में पोषणिक उपचार तथा अस्थि स्वास्थ्य।
28. दंपत्ति गुरदा प्रतिरोपण समूह में दाता तथा प्राप्तकर्ता की जीवन की गुणवत्ता पर गुरदा प्रत्यारोपण के प्रभाव का अध्ययन।
29. अवरोधक निद्रा अपेनिया पर बेरिएट्रिक सर्जरी के प्रभाव के मूल्यांकन हेतु अग्रदर्शी अध्ययन।
30. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में श्रोणि फ्रेक्चर के परिणाम में मेग्नीट्यूड गंभीरता का रेट्रोस्पेक्टिव तथा अग्रदर्शी विश्लेषण।
31. गैर – आघातिक शल्यक गंभीर उदरीय (एम टी एस ए ए एस) में आपात कालीन सामान्य शल्यक दाखिला अग्रदर्शी सांस्थानिक अनुभव।

32. स्तन कैंसर के अध्ययन हेतु मल्टीपैरामैट्रिक पहुंच तथा आण्विक मार्करों के साथ इसका सह संबंध (एन एम आर, विकिरण निदान, विकिरण चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग)
33. विभिन्न विकृतिविज्ञानी स्थितियों में सिन्यूक्लिन पर अध्ययन (जैव भौतिकी, जैव प्रौद्योगिकी तथा नेत्र भेषजगुण विज्ञान)।
34. समवर्ती गॉल स्टोन्स तथा सामान्य बाइल डक्ट स्टोन्स पीड़ित रोगियों में असफल इंडोस्कोपिक स्टोन निष्काषन के पश्चात सामान्य बाइल डक्ट तथा लेप्रोस्कोपिक एक्सप्लोटेशन के पश्चात परिणामों की तुलना हेतु एक अग्रदर्शी अध्ययन (सामुदायिक चिकित्सा, विकिरण निदान की तुलना हेतु एक अग्रदर्शी अध्ययन (सामुदायिक चिकित्सा, विकिरण निदान तथा जठरांत्र रोग विज्ञान)
35. स्तन कैंसर से पीड़ित रोगियों में इंटरल्यूकिन 10 की अभिव्यक्ति का अध्ययन तथा अवस्था, हिस्टोलॉजिकल ग्रेडिंग तथा हार्मोन ग्राही स्तर के साथ इसका सह संबंध (विकृति विज्ञान)
36. गुरदा प्रत्यारोपण के पश्चात् रोगियों में टेक्रोलाइमस के ग्राफ्ट प्रकार्य तथा प्रतिकूल प्रभावों से टेकोलाइमस के रक्त स्तरों का सह संबंध तथा जीवन की गुणवत्ता का अग्रदर्शी अध्ययन (वृक्क विज्ञान तथा मनोचिकित्सा)।
37. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में जटिल सॉफ्ट टिशू क्षतियों के मेग्नीट्यूड, गंभीरता तथा परिणामों का रेट्रोस्पेक्टिव तथा अग्रदर्शी अध्ययन।
38. इनसिजनल तथा वेंट्रल हर्निया के लेप्रोस्कोपिक मेश उपचार हेतु मेश – फिक्सेशन नॉन एब्जोरेबल टेकर्स बनाम एब्जोरेबल टेकर्स की दो तकनीकियों के पश्चात् दीर्घ अवधि परिणाम, चिरकालिक पीड़ा, जीवन की गुणवत्ता तथा लागत प्रभावकता की तुलना हेतु अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (संवेदनाहरण विज्ञान तथा मनोचिकित्सा)।
39. मानक 4 पोर्ट लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी से पीड़ित गॉल स्टोन रोग बनाम एकता इनसिजन लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी के उपचार की दो विधाओं के परिणामों की तुलना हेतु एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (संवेदनाहरण विज्ञान तथा विकिरण विज्ञान)।
40. लेप्रोस्कोपिक टोटली एक्सट्रापेरिटोनियल उपचार (टी ई पी) तथा ट्रांसएब्डोमिनल पेरीटोनियल (टी ए पी पी) इन्ग्यूनल हर्निया उपचार के पश्चात् यौन प्रकार्य, टेस्टीकुलर प्रकार्य तथा जीवन की गुणवत्ता का अग्रदर्शी यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन (विकिरण विज्ञान, मनोचिकित्सा तथा प्रजनन चिकित्सा)।
41. लेप्रोस्कोपिक दाता नेफ्रेक्टॉमी बनाम ओपन दाता नेफ्रेक्टॉमी के पश्चात अग्रदर्शी अध्ययन, तुलनात्मक परिणाम तथा जीवन की गुणवत्ता (विकिरण विज्ञान, मनोचिकित्सा तथा वृक्क विज्ञान)।
42. समवर्ती गॉल स्टोन्स तथा कॉमन बाइल डक्ट स्टोन्स से पीड़ित रोगियों का एकल अवस्था बनाम दो अवस्था उपचार के पश्चात् जीवन की गुणवत्ता की तुलना (विकिरण विज्ञान, जठरांत्र विज्ञान, मनोचिकित्सा तथा सामुदायिक चिकित्सा)
43. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में उदरीय ट्रॉमा वाले रोगियों में लेप्रोस्कोपी की भूमिका के मूल्यांकन हेतु रेट्रोस्पेक्टिव तथा अग्रदर्शी अध्ययन
44. आरंभिक सप्लेनिक आर्ट्री लाइजेशन करवा रहे रोगियों में सप्लीनेक्टॉमी की जटिलताओं का अध्ययन।
45. जीवन संबंधी दाता गुरदा प्रत्यारोपण में इम्यून एसोसिएटिड मोलिक्यूल्स का नैदानिक संबंध (वृक्क विज्ञान तथा प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान)।
46. सामान्य शल्यचिकित्सा रेजीडेंट्स के ओपरेटिव कक्ष निष्पादन पर पशु /मॉडलों /उत्तकों संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन अध्ययन।
47. हिमोडायलोसिस हेतु आर्ट्रियोवेनस फिस्टुला में इमेजिंग तथा हस्तक्षेप (विकिरण विज्ञान तथा वृक्क विज्ञान)।
48. उत्तरी भारत में तृतीयक उपचार अस्पताल में सी के डी रोगियों में की फिस्टुला सृजन के परिणामों का अध्ययन : एक अवलोकनात्मक अग्रदर्शी कोहार्ट अध्ययन (वृक्क विज्ञान तथा विकिरण विज्ञान)
49. आघातिक मृत्यु के कारण तथा विकृति विज्ञानी फीचर्स।
50. पोस्टमार्टम सी टी स्कैन तथा परंपरागत शव परीक्षा की खोजों की तुलना के द्वारा ट्रॉमा रोगियों में मृत्यु के कारणों की पूर्वसूचना में विरटॉप्सी की भूमिका।
51. आपातकालीन सामान्य शल्यक दाखिला : नॉन ट्रॉमेटिक सर्जीकल एक्यूट एब्डोमन (एन टी एस ए ए) में अग्रदर्शी सांस्थानिक अनुभव।
52. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में श्रोणि फ्रेक्चर के मेग्नीट्यूड तथा गंभीरता एवं परिणामों का रेट्रोस्पेक्टिव तथा अग्रदर्शी विश्लेषण।
53. सामान्य शल्य चिकित्सा रेजीडेंट्स के ओपरेटिव कक्ष निष्पादन पर पशु उत्तक /मॉडल सम्मिलित बेंच प्रशिक्षण के प्रभाव का मूल्यांकन का अध्ययन।
54. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में जटिल सॉफ्ट टिशू क्षतियों का हेतु विज्ञान तथा मेग्नीट्यूड, गंभीरता परिणामों का रेट्रोस्पेक्टिव तथा अग्रदर्शी मूल्यांकन।
55. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में चेस्ट ट्रॉमा के मेग्नीट्यूड, गंभीरता तथा परिणामों का मूल्यांकन।
56. सीमित एम आर आई सह संबंध वाले रेट्रोपेरिटोनियल सॉलिड अंग क्षति का मल्टीडिटेक्टर सी टी स्कैन मूल्यांकन।

पूर्ण

1. सर्जरी रेजीडेंटस के ओपरेटिव कक्ष निष्पादन पर लेप्रोस्कोपी में अल्प अवधि केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव के मूल्यांकन हेतु अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित ब्लाइडिड अध्ययन।
2. पैंक्रियाज के स्यूडोसिस्ट के लेप्रोस्कोपिक बनाम इंडोस्कोपिक ड्रेनेज का एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (विकिरण विज्ञान तथा जठरांत्र रोग विज्ञान)।
3. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में चेस्ट ट्रॉमा के मेग्नीट्यूड, गंभीरता तथा परिणामों का रेट्रोस्पेक्टिव तथा अग्रदर्शी विश्लेषण।
4. स्तन मैसिस में यू एस जी इलैस्टोग्राफी, सोनोग्राफी तथा मेमोग्राफी की तुलना।
5. स्थानीय रूप से प्रगत स्तन कैंसर में मूल्यांकित नव सहायक कीमोथेरेपी प्रक्रिया में एम आर आई तथा ग्रे स्केल तथा डोप्लर अल्ट्रासाउंड की भूमिका की तुलना (विकिरण विज्ञान, काय चिकित्सा तथा नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद)।
6. नैदानिक नोड नेगेटिव स्तन कैंसर में सेंटीनल लिम्फ नोड बायोप्सी अकेले बनाम एक्सीलरी लिम्फ नोड डिसेक्शन के पश्चात् अल्प अवधि रुग्णतादर की तुलना हेतु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (विकिरण चिकित्सा, नाभिकीय चिकित्सा, विकृति विज्ञान तथा पी एम आर)।
7. कम आक्रामक कोलोरेक्टल सर्जरी की संभाव्यता तथा अर्बुदविज्ञानी परिणामों का निर्धारण (विकिरण निदान, विकृति विज्ञान तथा जठरांत्र रोग विज्ञान)।
8. लेप्रोस्कोपिक इंग्यूनल हर्निया उपचार के दौरान नेत्र कोंट्रालेट्रल इंग्यूनल हर्निया की व्यापकता।
9. पेरिडक्टल मेस्टीटिस। मेमरी डक्ट इक्टेसिया वाली महिलाओं में मेजर डक्ट्स का विस्तृत अल्ट्रा स्ट्रकचर्ल अध्ययन।
10. स्तन कंजरवेटिव सर्जरी के पश्चात् वोल्यूम पुनः स्थापन हेतु मसल स्पेरिंग लेटिसिमस डोरिसि फ्लैप का प्रयोग करके स्तन पुनः संरचना : कोसमेसिस तथा रिसेक्टिड मार्जिन स्तर का अध्ययन।
11. स्तन कंजरवेटिव सर्जरी के पश्चात् स्तन की लिपोमोडलिंग
12. चुम्बकीय अनुनाद तकनीकियों द्वारा मानव स्तन कैंसर का अध्ययन।
13. बी एम आई 30 – 35 कि. / एम2 वाले रोगियों में टाइप 2 मधुमेह मेलिटस पर लेप्रोस्कोपिक स्लीव गेस्ट्रेक्टॉमी के प्रभाव के मूल्यांकन हेतु अग्रदर्शी अध्ययन।
14. लेप्रोस्कोपिक स्लीव गेस्ट्रेक्टॉमी से पहले तथा बाद में रिफ्लैक्स संलक्षणों का मूल्यांकन।
15. लेप्रोस्कोपिक रोक्स एन वाई गेस्ट्रिक बायपास तथा लेप्रोस्कोपिक स्लीव गेस्ट्रेक्टॉमी के ग्लूकोज मेटाबोलिज्म तुलना पर बेरिएट्रिक सर्जरी के प्रभाव के मूल्यांकन हेतु अग्रदर्शी अध्ययन।
16. डायलेसिस पर अंतिम अवस्था वृक्क रोग के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता तथा चिंता तनाव पर वृक्क प्रत्यारोपण पर प्रभाव।
17. लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी करवा रहे रोगियों में पीड़ा शून्यता रेजीमेनों की प्रभावकता का मूल्यांकन।
18. आई आर एस – 1 जीन विभिन्नताओं के मूल्यांकन हेतु अध्ययन तथा एशियाई भारतीयों में रुग्ण स्थूलता तथा इंसुलिन प्रतिरोधकता में यदि कोई है, तो उसकी भूमिका (जैव रसायन)।
19. स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में ट्रॉमेटिक हिपेटोबाइलरी पैंक्रिएटिक क्षति के मेग्नीट्यूड, गंभीरता तथा परिणामों का रेट्रोस्पेक्टिव तथा अग्रदर्शी अध्ययन (जठरांत्र रोग विज्ञान तथा विकिरण विज्ञान)।
20. जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र में आपातकालीन विभाग में देखें जा रहे सड़क यातायात क्षतियों (आर टी आई) के रोगियों का हेतु विज्ञानी अध्ययन (जे पी एन ए टी सी), एम्स, नई दिल्ली।
21. जे पी एन ए ट्रॉमा केंद्र में सी एस एस डी तथा लॉड्री सेवाओं की लागत (अस्पताल प्रशासन)
22. सीमित एम आर आई सह संबंध वाले रेट्रोपेरिटोनियल सोलिड अंग क्षति का मल्टीडिटेक्टर सी टी स्कैन मूल्यांकन।
23. समवर्ती गॉल स्टोन्स तथा सामान्य बाइल डक्ट स्टोन्स से पीड़ित रोगियों में असफल इंडोस्कोपिक स्टोन निष्काषन के पश्चात सामान्य बाइल डक्ट तथा लेप्रोस्कोपिक एक्सप्लोटेशन के पश्चात् परिणामों की तुलना हेतु एक अग्रदर्शी अध्ययन।
24. जे पी एन ए ट्रॉमा केंद्र में ओ टी सेवाओं की लागत (अस्पताल प्रशासन)।
25. आई आर एस – 1 जीन मूल्यांकन का अध्ययन तथा एशियाई भारतीयों में रुग्ण स्थूल तथा इंसुलिन प्रतिरोधकता में यदि कोई है, तो उसकी भूमिका (जैव रसायन)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 43 **सार : 44** **पुस्तकों में अध्याय : 2**

रोगी उपचार तथा सामुदायिक / जन सेवाएं

एम. सी. मिश्र

1. 'दूरदर्शन भवन में कार्यक्रम हेतु विशेषज्ञ के रूप में दूरदर्शन समाचार' द्वारा आमंत्रित, नई दिल्ली, 8 जनवरी 2013, 'सड़क दुर्घटना' पर विचार विमर्श हेतु, लाइव फोन इन कार्यक्रम, 'टोटल हेल्थ'।
2. दूरदर्शन भवन में कार्यक्रम हेतु विशेषज्ञ के रूप में भाग लेने हेतु 'दूरदर्शन समाचार' द्वारा आमंत्रित, नई दिल्ली, 30 दिसंबर 2012, लाइव समाचार कार्यक्रम के दौरान 'दिल्ली गेंग रेप तथा महिलाओं की सुरक्षा संबंधी विषय'।
3. 'लोक सभा टी वी' द्वारा आमंत्रित, नई दिल्ली, 'लोक मंच' शीर्षक लाइव कार्यक्रम हेतु अतिथि विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया, 'लोक सभा टी वी स्टूडियो' नई दिल्ली 29 दिसंबर 2012, महिलाओं की सुरक्षा तथा सम्मान हेतु विचार विमर्श के लिए।
4. 'दूरदर्शन समाचार' नई दिल्ली द्वारा आमंत्रित, 'दिल्ली गेंग रेप पीड़ित का स्वास्थ्य' पर लाइव समाचार कार्यक्रम के दौरान विचार विमर्श हेतु 27 दिसंबर 2012, को दूरदर्शन भवन, नई दिल्ली में कार्यक्रम हेतु विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
5. 'दूरदर्शन राष्ट्रीय' द्वारा आमंत्रित, नई दिल्ली, स्वस्थ भारत (हेल्दी इण्डिया), 'गॉलब्लेडर स्टोन' पर लाइव विचार विमर्श के लिए विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया, दूरदर्शन भवन, नई दिल्ली, 8 नवंबर 2012।
6. 'दूरदर्शन समाचार' नई दिल्ली द्वारा आमंत्रित, 'टोटल हेल्थ' कार्यक्रम में लाइव फोन के दौरान 'स्तन कैंसर' पर विचार विमर्श हेतु 21 अक्तूबर 2012 को दूरदर्शन भवन में कार्यक्रम हेतु विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
7. 'एफ एम रेनबो, ऑल इण्डिया रेडियो 102.6 मेगाहर्स' द्वारा रेडियो पर वार्ता के लिए आमंत्रित, नई दिल्ली, विश्व ट्रॉमा दिवस के अवसर पर 'दुर्घटना तथा आपातकालीन' पर विचार विमर्श हेतु 17 अक्तूबर 2012, को प्रसारित कार्यक्रम में तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
8. 'लोक सभा टी वी' द्वारा आमंत्रित, नई दिल्ली 'हेल्थकेयर फॉर ऑल, क्लीनिकल ट्रायल्स हेल्थकेयर रिसोर्सिज, रेगुलेशन ऑन प्राइवेट हॉस्पीटल फॉर डिसप्लेइंग रेट्स ऑफ वेरियस प्रोसिजर्स एण्ड कोस्ट इन रिसपोंस टू ए लिटिगेशन एण्ड ओब्जरवेशन बाई सुप्रीम कोर्ट' पर विचार विमर्श हेतु 9 अक्तूबर 2012 को 'लोक सभा टी वी स्टूडियो' 'इनसाइट' शीर्षक कार्यक्रम हेतु अतिथि विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया, यह कार्यक्रम 9 अक्तूबर 2012 को प्रसारित किया गया।
9. लाइव प्रसारण के दौरान 'स्नोरिंग (खराटे)' की समस्या पर विचार विमर्श हेतु इण्डिया न्यूज (हिंदी) द्वारा अतिथि विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित, 30 सितंबर 2012
10. 'दूरदर्शन नेशनल' द्वारा आमंत्रित दूरदर्शन भवन में दि कंट्री टू फुलफिल दि एस्पाइरेशन ऑफ दि पब्लिक में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की भूमिका के बारे में विचार विमर्श हेतु 57 वें संस्थान दिवस पर विचार विमर्श हेतु विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित, मण्डी हाऊस, नई दिल्ली, 25 दिसंबर 2012 लाइव नेशनल न्यूज समय : रात्रि 9.30 बजे।
11. 'दूरदर्शन नेशनल' द्वारा आमंत्रित, नई दिल्ली, दूरदर्शन भवन में 'स्वस्थ भारत', दुर्घटना में मेडिकल सहायता' पर विचार विमर्श हेतु विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया, नई दिल्ली 18 अगस्त 2012.
12. 'लोक सभी टी वी' द्वारा आमंत्रित, नई दिल्ली 'भारत में महिलाओं 'द्वारा रक्तदान' विषय पर विचार विमर्श हेतु 'जेंडर डिसकोर्स', 'लोकसभा टी वी स्टूडियोज' शीर्षक कार्यक्रम में लाइव फोन हेतु विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया यह कार्यक्रम 14 जून 2012 को प्रसारित किया गया।
13. 'दूरदर्शन समाचार' द्वारा आमंत्रित, नई दिल्ली, 'टोटल हेल्थ' कार्यक्रम में लाइव फोन इन के दौरान 'बढ़ते हुए सड़क' हादसे विषय पर विचार विमर्श हेतु 10 जून 2012 की दूरदर्शन भवन, नई दिल्ली में कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
14. 'लोक सभी टी वी' द्वारा आमंत्रित, नई दिल्ली, 'वन ईयर कम्पलसरी रुरल पोस्टिंग ऑफ यंग मेडिकल ग्रेजुएटस' विषय पर विचार विमर्श हेतु 22 अप्रैल 2012 को 'लोक सभी टी वी स्टूडियोज' में 'इनसाइट' शीर्षक कार्यक्रम में अतिथि विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया, यह कार्यक्रम 22 अप्रैल 2012 की प्रसारित किया गया।
15. 'लोक सभा टी वी' द्वारा आमंत्रित, नई दिल्ली लोक 'सभा टी वी स्टूडियोज' में 'लोक मंच' शीर्षक में लाइव कार्यक्रम हेतु अतिथि विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया, नई दिल्ली, 27 अप्रैल 2012 विषय 'ग्रामीण स्वास्थ्य (रुरल हेल्थ) पर विचार विमर्श हेतु।

अनुराग श्रीवास्तव

1. कैंसर जागरूकता पर जन व्याख्यान, देहरादून, 14 अप्रैल 2012

राजेंद्र प्रसाद

1. विशेष स्तन कैंसर क्लीनिक के प्रभारी, प्रत्येक शनिवार पुराने रोगियों का फॉलोअप, कीमोथेरेपी तथा नए रोगी पंजीकरण सहित।
2. फॉलोअप क्लीनिक, शुक्रवार।

संदीप अग्रवाल

1. स्थूलता के लिए बेरिएट्रिक सर्जरी

2. गुरदा प्रत्यारोपण

अनीता धर

1. ए पी जे स्कूल के शिक्षकों तथा अन्य व्यावसायियों के लिए रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली, सफदरजंग द्वारा आयोजित स्तन स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम। 25 अगस्त 2012 को व्याख्यान दिया।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. एम. सी. मिश्र सर्जिकल ड्रेसिंग तथा डिस्पोजिबल प्रोडक्ट्स सेक्शनल कमेटी एम एच डी 16, भारतीय मानक ब्यूरो के अध्यक्ष थे। 17 जनवरी 2013 को बैठक आयोजित हुई, नई दिल्ली, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में सर्जरी में दिसंबर 2012 में एम बी बी एस सर्जरी परीक्षा हेतु पैनल के अध्यक्ष, नई दिल्ली; 10 – 11 दिसंबर 2012 की नैदानिक परीक्षा आयोजित की गई; दिसंबर 2012 के एम एस सर्जरी परीक्षा हेतु पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एण्ड रिसर्च, चण्डीगढ़ द्वारा बाह्य परीक्षक नियुक्त किए गए; 17 जुलाई 2012 को क्रश इंजुरी के पश्चात् पी जी आई एम ई आर, चण्डीगढ़ में रोगी की मृत्यु को देखने के लिए कमेटी हेतु निदेशक, पी जी आई एम ई आर, चण्डीगढ़ द्वारा नामित; रोगी गेस गेंग्रीन 6 दिन के बाद मर गए; अध्यक्ष, अनरिलेटिड किडनी ट्रांसप्लांटेशन हेतु प्राधिकरण समिति, अक्तूबर 2012 में तमिलनाडु डॉ. एम जी आर मेडिकल यूनिवर्सिटी, चैन्नई के अतिथि प्रोफेसर (राष्ट्रीय) अध्यक्ष, निदेशक, एम्स द्वारा गठित विभागीय पदोन्नति समिति (डी पी सी); अध्यक्ष, निदेशक, एम्स द्वारा गठित चयन समिति; 'कनेक्टिड विद ट्रॉमा : रिसपोंस, रिकवरी तथा रिसर्च' पर सी एम ई के उद्घाटन समारोह के दौरान विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, 4 अगस्त 2012; रोटरी क्लब सफदरजंग, नई दिल्ली के अध्यक्ष की संस्थापन समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित, 20 जुलाई 2012, इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर एनैकजर; बाह्य परीक्षक कश्मीर विश्वविद्यालय, श्री नगर, जे एण्ड के, एम एस सर्जरी परीक्षा, जुलाई 2012; अतिथि प्रोफेसर, मिकिघन विश्वविद्यालय जून 24 – 27, 2012 बाह्य परीक्षक, मई 2012 में एम एस सर्जरी क्लीनिकल एण्ड प्रैक्टिकल परीक्षा के संचालन हेतु अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय; बाह्य परीक्षक, दयानंद मेडिकल कॉलेज, लुधियाना (बाबा फरीद मेडिकल विश्वविद्यालय) मई 2012 में एम एस सर्जरी क्लीनिकल एण्ड प्रैक्टिकल परीक्षा संचालन हेतु। परीक्षा 26 मई 2012 को आयोजित हुई, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; बाह्य परीक्षक मई 2012 के एम एस सर्जरी परीक्षा हेतु पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट मेडिकल एजुकेशन एण्ड रिसर्च, चण्डीगढ़; इण्डियन सोसायटी ऑफ कुटेनियस सर्जरी, इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ डर्मेटोलॉजिकल सर्जरी के सहयोग से 15 अप्रैल 2012 को जे पी एन ए ट्रॉमा केंद्र लाइव वर्कशॉप के उद्घाटन समारोह के विशेष अतिथि; एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इण्डिया, गाजियाबाद शाखा, सी एम ई, 15 अप्रैल 2012, गाजियाबाद। 'आई ऑलवेज डू टी ई पी रिपेयर' पर वार्ता की; मुख्य अतिथि, उद्घाटन समारोह, 'इंट्राक्रेनियल प्रेशर मॉनीटरिंग पर पहली राष्ट्रीय सी एम ई तथा हैंड्स ऑन कार्यशाला, जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, 15 अप्रैल 2012; बाह्य परीक्षक, अप्रैल 2012 के एम एस सर्जरी परीक्षा हेतु शेरे कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिज, श्रीनगर, जे एण्ड के; वर्ष 2012 हेतु अकादमी की सदस्यता के उम्मीदवारों के चयन में नेशनल अकेडमी ऑफ मेडिकल साइसिंज नई दिल्ली की क्रिडेंशियल कमेटी के परामर्श हेतु शल्य चिकित्सा विभाग में सदस्यता परामर्श पैनल हेतु नामित, मुख्य अतिथि एसोसिएशन्स ऑफ इण्डिया, नागपुर चेप्टर, संस्थान समारोह 2012 – 13, तथा सी एम ई, 8 अप्रैल 2012; एम्स में सर्जरी के सहायक आचार्य के चयन हेतु आंतरिक विशेषज्ञ पैनल के रूप में चयन समिति के सदस्य; हिप आर्थ्रोप्लास्टी पर चौथी केडेवरिक कार्यशाला के उद्घाटन समारोह पर विशेष अतिथि, अस्थिरोग विभाग, एम्स, 31 मार्च – 1 अप्रैल 2012.

डॉ. राजेंद्र प्रसाद को 6 नए एम्स हेतु साक्षात्कार संचालन के लिए पैनल में विशेषज्ञ के रूप में नामित, 5 – 7 फरवरी तथा 12 फरवरी 2012, नई दिल्ली; सदस्य, एम्स हेतु प्रिपेरेशन ऑफ रिजल्ट फ्रेमवर्क डोक्यूमेंट्स (आर एम डी एस); स्टाफ काउंसिल कमेटी में सदस्य; सदस्य कमेटी फॉर नेगोशिएशन ऑफ डि इक्वीपमेंट फॉर दि सर्जिकल डिसीप्लींस; शल्य चिकित्सा विभाग में कंप्यूटर एण्ड पेरीफेरलस प्रोकुरमेंट; सदस्य, सर्जरी में सीनियर रेजीडेंट्स साक्षात्कार हेतु विभागीय समिति; सदस्य, मेडिकल बोर्ड; सदस्य, एंटी रेगिंग कमेटी, पी एच डी छात्रों की डॉक्टोरल समिति के सदस्य; सदस्य, स्पेसिफिकेशन कमेटी ऑफ मशीनरी एण्ड इक्वीपमेंट (प्लान)।

डॉ. वी. शीनू स्तन कैंसर में अतिथि सर्जन्स प्रशिक्षण में सम्मिलित रहे; गुरदा प्रत्यारोपण तथा वेस्कुलर एक्सेस प्रक्रियाओं में सरकारी संस्थानों के प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण का भाग रहे; ट्रॉपिकल गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी, नेशनल मेडिकल जरनल ऑफ इण्डिया, तथा ओमान मेडिकल जरनल के समीक्षक; कोक्रेन हिपेटोबाइलरी ग्रुप के समीक्षक।

डॉ. संदीप अग्रवाल स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के तहत दि नेशनल गाइडलाइन्स (भारतीय आरंभ) ऑन ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपेनिया आई एन ओ एस ए गाइडलाइन्स 2013 के विकास हेतु सर्जिकल समिति सह – अध्यक्ष थे।

डॉ. वी. के. बंसल ने वर्ष 2011 – 12 में प्रकाशित अनुसंधान कार्य हेतु एम्स विशिष्टता पुरस्कार प्राप्त किया; उन्हें इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ लेप्रोस्कोपिक सर्जन्स फैलोशिप प्रदान की गई; यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ इंडोस्कोपिक सर्जन्स (ई ए ई एस) ट्रेबल फेलोशिप 2012; माननीय सचिव, इण्डियन हार्निया सोसायटी माननीय सचिव, सोसायटी ऑफ इंडोस्कोपिक एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन्स ऑफ इण्डिया; माननीय सचिव, इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ लेप्रोस्कॉपिक सर्जन्स; बाह्य परीक्षक, नेशनल बोर्ड ऑफ एक्जामिनेशन्स (फेलोशिप इन मिनिमल एक्सेस सर्जरी); संपादक आई एच एस/एस ई एल एस आई न्यूजलेटर। सर्जिकल लेप्रोस्कोपिक एक इंडोस्कोपी एण्ड परकुटेनियस टेक्नीक्स (एस एल ई पी टी) हेतु तदर्थ समीक्षक; इण्डियन जरनल ऑफ गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी, ब्रिट्रिश जरनल ऑफ सर्जरी, सर्जिकल इंडोस्कोपी तथा सऊदी जरनल ऑफ सर्जरी हेतु समीक्षक।

डॉ. अनीता धर ने जयपुर में विसिकॉन 2012 में पोस्टर प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता। 'संगम ऑफ रेयर स्यूडोएन्यूरियम; कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित एम. एस. (सर्जरी) परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक नियुक्त किया गया; कॉलेज ऑफ लेप्रोस्कोपिक सर्जन्स सोसायटी (एफ सी एल एस) 2012 भी फैलोशिप प्रदान की गई; एम्स समूह की डॉटस कमेटी की सदस्य; विभिन्न मेडिकल बोर्ड की सदस्य; कमेटी फॉर प्रोकुरमेंट ऑफ डिसइंफैक्टैंट्स एण्ड एंटीसेपसिस की सदस्य; ब्यूरो ऑफ स्डेंड्र्स एण्ड मिजरमेंट्स की सदस्य।

डॉ. सुषमा सागर के अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स, यू एस ए (एफ ए सी एस) 2012 की फैलोशिप पुरस्कृत की गई; कॉलेज ऑफ लेप्रोस्कोपिक सर्जन्स सोसायटी (एफ सी एल एस) 2012 की फैलोशिप प्रदान की गई; पवर्तिया सांस्कृतिक संस्थान दिल्ली, द्वारा 8 मार्च 2013 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर वूमैन ऑफ सब्सटेंस अवार्ड प्रदान किया गया; एस ए डब्ल्यू सी फॉल 2012 (सिम्पोजियम ऑन एडवांसमेंट ऑफ वुड केयर, बाल्टीमोर, यू एस ए, 12 – 14 सितंबर 2012) में पेपर प्रस्तुती हेतु डी एस टी ट्रेवल फैलोशिप प्रदान किया गया; उन्हें पोस्टर के लिए एडवांस्ड वुंड केयर फॉल 2012, बाल्टीमोर सितंबर 2012 को संगोष्ठी में रिसर्च पोस्टर रिव्यू तथा क्रिटिक्यू के साथ पुरस्कृत किया गया; क्या घाव परिचर्या में जुड़ने से रोगी की संतुष्टि तथा घाव के भरने में सुधार होता है : स्तर 1 के ट्रॉमा केंद्र में एक अनुभव, भारत; कार्यकारी सदस्य, इण्डियन सोसायटी ऑफ पेरिफेरल नर्व सर्जरी; सदस्य, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एन आई डी एम) के कोर फैकल्टी ग्रुप; सदस्य, राष्ट्रीय स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम एन आई डी एम हेतु कमेटी फॉर फार्मूलेटिंग फर्स्ट रिसपोंडर गाइडलाइन्स, एन आई डी एम 2012.

डॉ. सुबोध कुमार की अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स, यू एस ए (एफ ए सी एस) 2012 की फैलोशिप प्रदान की गई; कॉलेज ऑफ लेप्रोस्कोपिक सर्जन्स सोसायटी (एफ सी एल एस) 2012 की फैलोशिप प्रदान की गई; नेशनल गाइडलाइन्स फॉर प्रि – हॉस्पीटल ट्रॉमा केयर एण्ड मैनेजमेंट ऑफ ट्रॉमा विक्टिम्स – विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा भारत सरकार के तहत विकसित को तैयार करने के लिए कोर समूह के सदस्य; म्यांमार में अस्पतालों के अप ग्रेडेशन हेतु एच एस सी सी, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नामित, तकनीकी विशेषज्ञ, 2012; भारत नेपाल मैत्री के आरंभ के रूप में काठमाण्डु में बनने, वाले ट्रॉमा केंद्र हेतु एच एस सी सी, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नामित, तकनीकी विशेषज्ञ, 2012; कोर कमेटी (प्रशिक्षण) : अस्पताल पूर्व जीवन सहायता कोर्स 2012 – 13 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (एन सी टी) सेंट्रलाइज्ड एक्सिडेंट एण्ड ट्रॉमा सर्विसिज़ (सी ए टी एस) के न्यूली रिक्रूटिड पैरामेडिक्स में प्रशिक्षण।

डॉ. मनीष सिंघल ने शिक्षण के क्षेत्र में सहयोग हेतु 5 सितंबर, को डॉ. राधा कृष्णन मेडिकल टीचर्स पुरस्कार प्राप्त किया : कॉलेज ऑफ लेप्रोस्कोपिक सर्जन्स सोसायटी (एफ सी एल एस) की फैलोशिप प्रदान की गई; 2012; फैलोशिप : भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद हेतु चयनित (आई सी एम आर) : मिकिघन यू एस ए में फैलोशिप के लिए वर्ष 2012 – 13 हेतु यंग बायोमेडिकल साइंटिस्ट हेतु अंतरराष्ट्रीय फैलोशिप; टू स्टडी एडवांस्ड वुंड केयर प्रैक्टिस विद यूज ऑफ स्किन सब्सीट्यूट्स टिशू इंजीनियरिंग एण्ड रिजेनरेटिव मेडिसिन टेक्नीक्स; इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ लेप्रोस्कोपिक सर्जन्स (एफ सी एल एस) की फैलोशिप प्राप्त की, मार्च 2012; व्यावसायिक निकायों की सदस्य : संस्थापक सदस्य तथा संयुक्त सचिव, इण्डियन सोसायटी ऑफ पेरिफेरल नर्व सर्जरी; सदस्य तथा कोषाध्यक्ष, इण्डियन सोसायटी ऑफ ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर (आई एस टी ए सी); सूचीबद्ध अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय मण्डलों की सदस्यता : एडवांसिज इन वुंड केयर; समीक्षक : जरनल्स ऑफ कुटेनियस एण्ड एसथेटिक सर्जरी; राष्ट्रीय

निकायों तथा संस्थानों में समीक्षा समिति; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन नियमित रूप से कोर्स आयोजित होते हैं तथा विभिन्न मेडिकल व्यावसायियों के लिए परीक्षाएं संचालित होती हैं; वह मेडिकल बोर्ड की विभिन्न गतिविधियों में सम्मिलित थे जिसमें सम्मिलित है : प्रश्न पत्र की सेटिंग्स, विभिन्न शहरों में नेशनल बोर्ड ऑफ मेडिकल एब्जामिनेशन के संचालन में परीक्षकों की मूल्यांकन, पुराने केंद्रों की वैधता तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों के अनुमोदन हेतु नए केंद्रों की इंस्पैक्शन; डी एन बी उम्मीदवारों के मिड टर्म परीक्षाओं हेतु बाह्य परीक्षक।

डॉ. अमित गुप्ता की इण्डियन एसोसिएशन ऑफ ट्रॉमेटोलॉजी एण्ड क्रिटिकल केयर (ए सेक्शन ऑफ एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स इण्डिया) के डॉ. किनी मेमोरियल व्याख्यान – 2012 पुरस्कार प्रदान किया गया; एफ ए सी एस – फैलोशिप ऑफ अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स, यू एस ए पुरस्कार प्रदान किया गया, सितंबर 2012 यूनिवर्सिटी ऑफ मिकिघन मेडिकल स्कूल तथा जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स के मध्य सहयोगात्मक के रूप में ट्रॉमा उपचार में आधुनिकताओं हेतु मिकिघन विश्वविद्यालय, एन्न आरबर, एम आई, यू एस ए से अल्प अवधि अतिथि फैलोशिप प्रदान की गई जून – जुलाई 2012; इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ लेप्रोस्कोपिक सर्जन्स (एफ सी एल एस) की फैलोशिप प्रदान की गई, 2012; मेम्बर बोर्ड ऑफ स्टडीज, डपार्टमेंट ऑफ सिमुलेशन मेडिसिन, एस आर एम विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, 2012; सदस्य, वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ डिजास्टर एण्ड इमरजैंसी मेडिसिन (डब्ल्यू ए डी ई एम) 2012–13; कार्यकारी सदस्य, अकेडमिक काउंसिल फॉर इमरजैंसी एण्ड ट्रॉमा (ए सी ई टी), इण्डो यू एस इमरजैंसी एण्ड ट्रॉमा कोलेबरेटिव; आपातकालीन चिकित्सा विभाग के मध्य एक सहयोग एम्स; आपातकालीन विभाग यू एस एफ, यू एस ए तथा स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू यॉर्क डाउनस्टेट, न्यूयॉर्क, यू एस ए, 2012–15.

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. मेल फोबी, इंटर नेशनल फेडरेशन फॉर डि सर्जरी ऑफ ओबेसिटी एक मेटाबोलिक डिसऑर्डर (आई एफ एस ओ) के पूर्व अध्यक्ष तथा मेडिकल निदेशक, सेंटर फॉर सर्जिकल ट्रीटमेंट ऑफ ओबेसिटी, लॉस एंजिलस, यू एस ए।

9.37 प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष
एन. के. मेहरा

अपर आचार्य
डी. के. मित्रा

वैज्ञानिक

उमा कांगा,	गुरविंदर कौर
सुनील कुमार	संजीव गोस्वामी

विशिष्टताएं

विभाग ने प्रयोगशाला जांचों से संबंधित शिक्षण, अनुसंधान एवं अस्पताल सेवाओं में अपनी गतिविधि को जारी रखा है। वृक्क प्रतिरोपण हेतु दाता चयन हेतु विभाग से रेफर्ड रोगियों के लिए दाता विशेष एंटीबॉडीज़ (डी एस ए) तथा वर्चुअल क्रास मैच पर सुरक्षा जानकारी प्रदान करने के लिए एच एल ए जांच हेतु लुमिनेक्स व्यवस्था का प्रयोग करके यथार्थ अवस्था विश्लेषण (एस पी ए) की स्थापना की गई है। एम्स प्रयोगशाला देश में अन्य प्रतिरोपण केंद्रों के लिए एस पी ए आधारित डी एस ए निर्धारण तथा प्रतिरोपण पश्चात एंटीबॉडी जांच हेतु राष्ट्रीय केंद्र के रूप में कार्यरत है। आगे, डी एन ए एच एल ए टाइपिंग तथा एंटीबॉडी निर्धारण विश्लेषण प्रणाली हेतु एक राष्ट्रीय स्तर गुणवत्ता नियंत्रण तथा गुणवत्ता विश्वसनीयता (क्यूसी/क्यूए) सेवा प्रस्तुत की गई है। सेवाएं गैर एच एल ए एंटीबॉडीज़, विशेषतः वह जो विशेष केसों में इंडोथेलियल कोशिकाओं पर एम एच सी क्लास संबंधी एंटीजन (एम आई सी ए) प्रणाली से प्रत्यक्ष संबंधित है, के लिए भी सेवाएं प्रस्तुत की गई हैं। उसी प्रकार चयनित केसों में अनेक साइटोकाइंस तथा कीमोकाइंस जीनों का एस एन पी आधारित सिस्टम जेनेटिक पोलिमोफिज्म का प्रयोग किया गया। बहुत महत्वपूर्ण है कि एच एल ए मैचिंग हेतु उच्च प्रवाह क्षमता डी एन ए आधारित प्रौद्योगिकियों के द्वारा स्थापना के क्षेत्र में विस्तार के साथ कदम रखा है।

विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधि पर ध्यान केंद्रित किया है जिसमें सम्मिलित हैं : (i) वृक्क प्रतिरोपण में एच एल ए तथा गैर एच एल ए विशिष्ट एंटीबॉडीज़ के नैदानिक संबंध (ii) टाइप 1 मधुमेह तथा अन्य आटोइम्यून रोगों का आनुवंशिक – रोबस्ट बायोमार्कर्स का विकास ;पपपद्ध एच आई वी संक्रमण का जेनेटिक आर्किटेक्चर : वैक्सीन डिजाइन तथा उपचार में जटिलताएं, (iv) मेरो अनरिलेटिड डोनर ट्रांसप्लांटेशन : चैलेंजिस फॉर द डेवलपिंग नेशन ट्वार्डस डोनर रजिस्ट्रीज, (v) डाइवर्स एथेनिक समूहों में एच एल ए रिजन जीन्स की जीनोमिक डाइवर्सिटी, (vi) एम एच सी लक्षित वैक्सीनों के विकास के दीर्घ अवधि लक्ष्यों के साथ एम एच सी पेप्टाइड इंट्रेक्शन को समझना, (vii) ट्यूबरकुलोसिस, लिशमेनियासिस, एचआईवी जैसे संक्रमित रोग के प्रतिरक्षा विज्ञानी आधारों को समझना (viii) ग्राफ्ट रिजेक्शन, प्रतिरोपण के पश्चात् मॉनीटरिंग के साथ – साथ चिमेरिज्म अध्ययनों के प्रतिरक्षा पूर्वसूचक (ix) ल्यूकिमिया के रोगों तथा नोवल प्रतिरक्षा विज्ञानी यंत्रों के विकास का इम्यूनोफिनोटाइपिंग तथा (x) हिमेटोपोइटिक स्टेम सेल प्रतिरोपण में एच एल ए – जी की नैदानिक महत्ता।

शिक्षा

प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षानुवंशिकी में तकनीकियों पर प्रशिक्षण

अल्प अवधि प्रशिक्षण विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों 25 से ज्यादा छात्रों में तथा दिल्ली में तथा दिल्ली से अस्पतालों से डॉक्टरों ने एच एल ए जांचों तथा अन्य प्रतिरक्षा विज्ञानी जांचों में प्रयोगशाला तकनीकियों हेतु अल्प अवधि प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, 3 एम बी बी एस छात्रों को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आई सी एम आर) की किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (के वी पी वाय) के अधीन प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

एम डी / डी एम छात्रों हेतु प्रशिक्षण एम्स के विकृति विज्ञान (4) चिकित्सा अर्बुदविज्ञान (2) प्रयोगशाला चिकित्सा (1) तथा रुधिर विज्ञान (5) विभाग से अनेक एम डी / डी एम छात्रों को तथा वृक्क विज्ञान विभाग, मोलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली (2) एच

एल ए जांच तथा अन्य प्रतिरक्षा विज्ञानी जांचों से संबंधित तकनीकियों को सिखाया गया तथा विभाग में प्रशिक्षण दिया गया। विभाग द्वारा स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर छात्रों संस्थान में तथा उन्हें जो अन्य विश्वविद्यालयों तथा अनुसंधान केंद्रों से आते हैं, दोनों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

विभाग द्वारा आयोजित सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन :

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन :

1. एम्स के तकनीकी स्टाफ के एन ए बी एल स्क्रीडिएशन जागरूकता सेमिनार, 26 नवंबर 2012 (संयोजक : प्रो. एन. के. मेहरा)
2. 'गेन्स ऑफ जिनोमिक रिसर्च इन बायोलॉजी एण्ड मेडिसिन' पर रैनबैक्सी साइंस फाउंडेशन संगोष्ठी फाउंडेशन संगोष्ठी, फरवरी 2013 (अध्यक्ष प्रो. एन. के. मेहरा) प्रो. देवेंद्र कुमार, यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू केसल अपोन टाइप, यू. के., मुख्य भाषण दिया तथा प्रो. समीर ब्रह्मचारी, महा निदेशक, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, मुख्य अतिथि स्पीकर थे।

प्रदत्त व्याख्यान

एन. के. मेहरा : 25 डी. के. मिश्रा : 4 उमा कांगा : 3 गुरविंदर कौर : 1

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. टाइप 1 डायबिटीज जेनेटिक्स कनसोर्टिम : एक अंतर्राष्ट्रीय प्रयास। एन. के. मेहरा, एन आई एच, यू एस ए, 2005 – 12, यू एस 25,000 अमेरिकी डॉलर।
2. हिमेटोपोइटिक स्टेम सेल प्रतिरोपण तथा एच आई वी संक्रमण की आनुवंशिकी। टाटा इनोवेशन फैलोशिप। एन. के. मेहरा, डी बी टी, 2007–2012। 22.20 लाख रुपए।
3. कुरकुमिन अथवा अन्य औषधियों से संबंधित बी एच सी जी के विरुद्ध उच्च विशिष्ट रिकम्बीनेंट किमेरिक एंटीबॉडी द्वारा एच सी जी या सब्यूनिटों की अभिव्यक्ति करते हुए दुश्चिकित्सीय ल्यूकिमिया एवं लिम्बोमस में औषधियों की इम्यूनोथेरेपी। एन. के. मेहरा, डी बी टी, 2007 – जारी, 8.10 लाख।
4. इवोल्यूशनल मेडिकल साइंस : उपचारार्थ तथा निरोधात्मक नीतियों के विकार में एचआईवी / एड्स संबंधित जीनों की पहचान। एन. के. मेहरा, डी एस टी, 2 वर्ष, 2009–11, 5.46 लाख।
5. एचआईवी – 1 संचरण, प्रतिरोधकता तथा रोग वृद्धि हेतु आनुवंशिक आधार : एम एच सी कीमोइन / साइटोकाइन तथा उनके ग्राही जीनों में पोलिमोर्फिज्म (एन. के. मेहरा, डी बी टी तथा आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2008–11, 89.8 लाख।
6. श्रेणी 1 पुलमोनरी ट्यूबरकुलोसिस के साथ प्रतिरक्षा विज्ञानी पैरामीटरों में सहायक थेरेपी के रूप में मुखीय जिंक प्रयोग की प्रमुखता (डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसिबो नियंत्रित, बहुत केंद्र नैदानिक परीक्षण) डी. के. मित्रा, डी बी टी, 2007–12, 30 रुपए लाख।
7. एच आई वी टी बी सह संक्रमण वाले लेटेंट टी बी रोगियों में एच आई वी संक्रमण का प्रभाव। डी के मित्रा, आई सी एम आर, 2007–11, 134 लाख रुपए।

जारी

1. टाइप 1 मधुमेह जेनेटिक्स कनसोर्टिम : एक अंतर्राष्ट्रीय प्रयास। एन. के. मेहरा, एन आई एच, यू एस ए, 2005–12, 25,000 अमेरिकी डॉलर।
2. एशियाई भारतीय दाता मज्जा रजीस्ट्री (ए आई डी एम आर) : हिमेटोपोइटिक स्टेम सेल दाताओं की एक राष्ट्रीय रजिस्ट्री। एन. के. मेहरा, डी बी टी, 2010–13, 1505 लाख रुपए।
3. वृक्क प्रतिरोपण में एम आई सी ए तथा एन के जी 2 डी आनुवंशिकी की रोग विषयक संबद्धता एवं फीनोटायपिक विविधता। एन. के. मेहरा, आई सी एम आर, 2010–12, 44 लाख रुपए।
4. इंटरफेरॉन प्रणाली की जटिलताएं तथा एच आई वी – 1 संक्रमण तथा रोग वृद्धि की प्रतिरोधकता का प्रतिरक्षानुवंशिकी आधार। एन. के. मेहरा तथा गुरविंदर कौर, आई सी एम आर, 2010–14, 58.62
5. आणविक चिकित्सा केन्द्र की स्थापना (सीईएमएम), एम्स, एन के मेहरा, गुरूविंदर कौर, उमा कांगा, आई सी एम आर,2012–17, रू 2.19 करोड़ रूपये
6. लेप्रोसी रोगियों में पोलराइज्ड इम्यूनिटी में फॉक्स पी3+की भूमिका। डी. के. मित्रा, आई सी एम आर, 2010–13, 75.20 लाख रुपए।

7. सी डी 26 मेडिएटिड कीमोकाइन एक्टिवेशन : विसेरल लिशमेनियासिस रोगियों में इम्यूनिटी के सप्रेशन में भूमिका। डी. के. मिश्रा, डी बी टी, 2010–13, 92.78 लाख रुपए।
8. एच आई वी – टी बी सह – संक्रमित रोगियों में मेजबान इम्यून प्रतिक्रिया पर फॉक्स पी 3 + ट्रेग कोशिकाओं का प्रभाव : बहु औषध प्रतिरोध ट्यूबरकुलोसिस (एम डी आर टी बी) में संबंध। डी. के. मित्रा, आई सी एम आर, 2011–13, 49.40 लाख रुपए।
9. प्रभावक तथा नियामक टी कोशिकाओं की पुनः प्रस्तुती ट्रेफिकिंग तथा कार्यात्मक इटेरक्शन : रुमेटॉइड आर्थ्राइटिस में स्थानीय इम्यून प्रतिक्रिया पर प्रभाव। डी. के. मित्रा, डी एस टी, 2012–15, 49.98 लाख रुपए।
10. हिमेटोपोइटिक स्टेम सेल प्रतिरोपण में एच एल ए जी की नैदानिक महत्ता। उमा कांगा, एम्स, 2011–13, 10 लाख रुपए।
11. भारत के उत्तर पश्चिम समुदाय में नेसोफरेंजियल कार्सिनोमा (एन पी सी) की व्यापकता को समझना। एन. के. मेहरा, संजीव गोस्वामी, डी बी टी, 2011–14, 64.0 लाख रुपए।
12. मानव ट्यूबरकुलोसिस में मेजबान प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर एच एल ए – जी का प्रभाव। उमा कांगा, आई सी एम आर, नई दिल्ली, 2012–14, 44 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. ट्यूबरकुलोसिस में कोस्टीमुलेटरी मोलिक्यूल्स की प्रतिरक्षा नियामक भूमिका (अमर सिंह)।
2. वृक्क प्रत्यारोपण में टी कोशिका मेडिएटिड रिएक्टिविटी पर कीमोकाइन की भूमिका पर अध्ययन (अंकित सक्सेना)।

जारी

1. वृक्क प्रत्यारोपण में एच एल ए, एम आई सी ए और एन के जी 2 डी ग्राही मोलिक्यूल्स की नैदानिक संबंध (दीपाली कृष्ण)।
2. मानव लेप्रोसी में पोलराइज्ड इम्यूनिटी : शेपिंग होस्ट इम्यून रिसपोंस में इफेक्टर तथा नियमक टी कोशिका की भूमिका (सोमी साधु)।
3. भारतीय लोगों में एच एल ए जीनों की जीनोमिक डाइवर्सिटी (अभिश्वेता सक्सेना)।
4. हिमोपोइटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण में एच एल ए – जी की नैदानिक महत्ता (मनीष मोर्या)
5. एच आई वी – 1 संक्रमण के विरुद्ध 1 ईटरफेरॉन प्रणाली की एंटीवायरल प्रतिक्रिया का विश्लेषण (मृणाली हाकिम)।
6. टी बी वाले वृद्ध रोगियों में टी कोशिका प्रतिक्रिया का अध्ययन (मंजू नमोदेव)।
7. मानव ट्यूबरोकुलोसिस में मेजबान टी सेल प्रतिक्रिया हेतु इम्यूनोरेगूलेटरी मेकेनिज्म पर अध्ययन (दिव्या कम्बोज)
8. रुमेटाइड आर्थ्राइटिस के रोगजनन में डिसटिंक्ट टी सेल सब्सेट्रस का अध्ययन (कोस्तव चौधरी)
9. सरकोइडोसिस में विभिन्न टी सेल सबसेट्स का फीनोटाइपिक तथा कार्यात्मक लक्षण – वर्णन (रिंकी कुमारी)।
10. लाइव रिलेटिड डोनर रीनल ट्रासप्लांटेशन में इम्यून संबंधित मोलिकूल्स का नैदानिक संबंध (लेफ्ट कर्नल डॉ. अजय बरनवाल)।
11. उत्तर पश्चिमी भारतीय समुदाय में नोसोफेंरेजियल कार्सिनोमा का प्रतिरक्षानुवंशिकी विश्लेषण (छात्र : रेनी नेल्सन)।

सहयोगी परियोजनाएं

1. उत्तरी मध्य प्रदेश की दो जनजातियों में एच एल ए की आनुवंशिक डाइवर्सिटी : पुलमोनरी ट्यूबरकुलोसिस के संबंध। 2009 – 12 (सेंटर फॉर जीनोमिक्स, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के साथ सहयोगी)।
2. लेप्रोसी रोगियों में पोलराइज्ड इम्यूनिटी में फॉक्स पी 3 + नियामक टी कोशिकाओं की भूमिका भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आई सी एम आर), (त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान एम्स तथा सेंट्रल जे एल एम ए इंस्टीट्यूट फॉर लेप्रोसी एंड अदर माइकोबैक्टीरियल डिजीज, ताजगंज, आगरा)।
3. सी डी 26 मेडिएटिड कीमोकाइन एक्टिवेशन : विसेरल लिशमेनियासिस रोगियों में इम्यूनिटी की सप्रेशन में भूमिका। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार (बालाजी उत्थान संस्थान फ्रेजर रोड, पटना)।
4. एच आई वी – टी बी सह संक्रमित रोगियों में मेजबान प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर फॉक्स पी 3 + ट्रेग सेल्स का प्रभाव : बहु औषध प्रतिरोधकता ट्यूबरकुलोसिस (एम डी आर – टी बी) में संबंध। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आई सी एम आर) (डॉ. सी बी रॉय पोस्ट ग्रेज्यूएट इंस्टीट्यूट ऑफ बेसिक मेडिकल साइंसिज (आई पी जी एम ई आर एवं आर), 244 बी ए जे सी बोस रोड़, कोलकाता।
5. वृद्ध पुलमोनरी ट्यूबरकुलोसिस रोगियों में मेजबान प्रतिरक्षा पर नियामक टी कोशिकाओं का प्रभाव (आई सी एम आर) (मेडीसिन)

6. एलोजेनिक पेरीफेरल ब्लड स्टेम सैल ट्रांसप्लांट करवा रहे रोगियों में एलोस्वेसिफिक टी कोशिकाओं की इन विट्रो फिक्वैंसी एन्यूमेरेट करना तथा ग्राफ्ट बनाम होस्ट रोग के साथ सह – संबंध (रुधिर विज्ञान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 18 पुस्तकों में अध्याय : 3

रोगी उपचार

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं 1. एच एल ए मैचिंग 2. एंटीबॉडी पहचान, 3. वर्चुअल क्रॉस मैच विश्लेषण, 4. फ्लो साइटोमीटरी, 5. टिशू कल्चर, 6. एलिसा, 7. चिमेरिज्म विश्लेषण, 8. सिक्वेंसिंग, 9. आर टी पी सी आर तथा 10. एस एन पी विश्लेषण हैं।
ल्यूकिमिया फिनोटाइपिंग तथा प्राइमरी इम्यूनोडेफिशेंसी रोग के लिए फीनोटाइपिंग हेतु निःशुल्क सेवा प्रदान की जाती है।

प्रतिरोपण

एच एल ए मैचिंग

रोगी	प्रापक	दाता	कुल
हिमोपोइटिक स्टेम सेल प्रतिरोपण			
एप्लास्टिक एनिमिया	86	260	346
तीव्र मायलोइड ल्यूकिमिया	22	58	80
तीव्र लिम्फोसाइटिकल्यूकिमिया	20	55	75
थैलासिमिया	30	60	90
अन्य	42	130	172
कुल	200	563	763

नैदानिक

स्पोंडिलोआरथ्रोपैथीज़, एच एल ए– बी 27 जांच 535
अन्य रोग (बीहेक्ट्स रोग / नार्कोलेप्सी / सिलियक रोग) 25
बी एम टी हेतु गैर संबंधी दाता खोज 198

समीक्ष्य वर्ष के दौरान अस्थि मज्जा प्रतिरोपण (बी एम टी) के लिए 'एशियाई भारतीय दाता मज्जा रजिस्ट्री' से गैर संबंधी एच एल ए मेज्ड दाता हेतु कुल 198 अनुरोध प्राप्त किए गए । इसमें यू एस ए से 77, यूरोप से 51, विभिन्न एशियाई देशों से 45 तथा भारत से 25 सम्मिलित थे।

वृक्क प्रतिरोपण प्रापकों हेतु रोगी सेवा डेटा

1. किए गए एच एल ए जांच : 611
2. सी डी सी क्रॉस मेचिस : 858
3. फ्लोसाइटोमीटरी क्रॉस मेचिस : 225
4. पी आर ए जांच 546
5. शव दाता 4
6. शव प्रापकों की जांच 55

पुरस्कार सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. एन. के. मेहरा ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोहिमेटोलॉजी (एन आई आई एम) द्वारा पुरस्कृत डॉ. एच. एम. भाटिया, स्मारक भाषण दिया, मुंबई, 27 फरवरी 2013; नामित सदस्य, इंटरनेशनल सिलेक्शन बोर्ड फॉर एल्स क्रोनर फ्रेसिनियस इंटरनेशनल इम्यूनोलॉजी अवार्ड; सदस्य, शिक्षण संकाय, ईएफआईएस स्पोंसोरेड साउथ इस्टर्न यूरोपियन इम्युनोलॉजी स्कूल, साराजेवो, बोसनिया (सितंबर 2012); सदस्य, रिसर्च एडवाइजरी कमेटी ऑफ दि सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब, भटिंडा; सदस्य,

रिसर्च एडवाइजरी कमेटी ऑफ दि किंग जॉर्ज्स मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ (यूपी); चयनित सदस्य, कार्यकारी समिति, इण्डियन सोसायटी ऑफ प्राइमरी इम्यूनो डेफिसेंसी डिजीज; नेशनल एक्रीडिएशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एण्ड केलिब्रेशन लेबोटेट्रीज (एन ए बी एल) के लेबोरेट्री एसेसर कोर्स को सफलतापूर्वक पूर्ण किया, दिसंबर 2012; अध्यक्ष, एशिया पेसिफिक हिस्टोकम्पेटिबिलटी एण्ड इम्यूनोजेनेटिक एसोसिएशन (ए पी एच आई ए); जेंडर इक्वेलिटी एण्ड केरियर डेवलपमेंट पर इंटरनेशनल यूनियन ऑफ इम्यूनोलॉजिकल सोसायटीज़ (आई यू आई एस) के सह अध्यक्ष।

निम्नलिखित समितियों के अध्यक्ष हैं : 1. स्टेम सेल अनुसंधान तथा उपचार, राष्ट्रीय विकृति विज्ञान संस्थान, दिल्ली हेतु सांस्थानिक समिति 2. इविनिंग अनुसंधान परियोजनाओं पर डी बी टी एन ई आर; 3. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च इन इनवायरमेंटल हेल्थ (एन आई आर ई एच) की अनुसंधान परियोजनाओं हेतु आई सी एम आर समिति, भोपाल 4. व्यापक नैदानिक सेवाएं प्रदान करने के लिए रुरल सेंटर्स ऑफ जीनोम रिसर्च की स्थापना हेतु आई सी एम आर विशेषज्ञ समूह 5. जोधपुर साइंटिफिक कोंकलेव, डिसर्ट मेडिकल रिसर्च सेंटर जोधपुर; 6. अध्यक्ष, एन आई आर ई एच, भोपाल में संरचना तथा सत्रों को प्रदान करने के लिए आई सी एम आर समिति : 7. भारत में प्राइमरी इम्यूनोडेफिसेंसी रोग पर आधुनिक विकास विकसित केंद्रों हेतु आई सी एम आर विशेषज्ञ समूह 8. हाई एण्ड इक्यूपमेंट्स फॉर वेरियस इंस्टीट्यूशन हेतु आई सी एम आर नेगोशिएशन समिति; 9. राष्ट्रीय एड्स अनुसंधान संस्थान की चयन समिति; पुणे; 10. प्री – एस ए सी ऑफ नेशनल जे ए एल एम ए इंस्टीट्यूट फॉर लेप्रोसी एण्ड अदर मायकोबैक्टीरियल डिजीज, आगर 11. परियोजना मॉनीटरिंग तथा मॉनिटरिंग समिति (पी एम सी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार 12. सी एस आई आर हेतु आयुर्विज्ञान अनुसंधान समिति 13. आई सी जी ई बी में मेनटेनेश ओपरेशन ऑफ टी बी एरोजल चैलेंजिस फेसिलिटी हेतु डी बी टी विशेषज्ञ समूह 14. दि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोहिमेटोलॉजी की वैज्ञानिक सलाहकार समिति, मुंबई तथा 15. साइंटिफिक कमेटी ऑफ दि डिजर्ट मेडिकल रिसर्च सेंटर, जोधपुर।

निम्नलिखित समितियों के सदस्य; क. राष्ट्रीय विकृति विज्ञान संस्थान की वैज्ञानिक सलाहकार समिति, दिल्ली ख. नेशनल जे ए एल एम ए इंस्टीट्यूट ऑफ लेप्रोसी एण्ड अदर मायकोबैक्टीरियल डिजीज की वैज्ञानिक सलाहकार समिति, आगरा ग. रिसर्च काउंसिल ऑफ दि इंस्टीट्यूट ऑफ माइक्रोबायल टेक्नोलॉजी (सी एस आई आर), चण्डीगढ़ घ. दि इंस्टीट्यूट ऑफ सायटोलॉजी एण्ड प्रिवेंटिव ओंकोलॉजी की वैज्ञानिक सलाहकार समिति, नोएडा ङ आयुर्विज्ञान में अनुसंधान परियोजनाओं हेतु डी बी टी एन ई आर समिति; च. इंडो आई एस टी पी (कनाडा) तथा डी बी टी हॉलैंड अनुसंधान परियोजनाओं हेतु डी बी टी विशेषज्ञ समूह (छ) उपचारार्थ मोएब्स के विकास हेतु सी एस आई आर ए एम आई एल टी आई मॉनिटरिंग समिति; ज. नेशनल रिसर्च एसोसिएटशिप हेतु डी बी टी समिति झ. ट्रस्टी इम्यूनोलॉजी फाउंडेशन ऑफ इण्डिया; ञ इण्डियन इम्यूनोलॉजी सोसायटी की कार्यकारी समिति के विशेष आमंत्रित ट. जम्मू के डोडा जिले में परंपरागत बहरेपन पर आई सी एम आर विशेषज्ञ समूह; ठ. आई सी एम आर डी बी टी ड्राफ्टिंग कमेटी फॉर स्टेम सेल गाईडेंस, नई दिल्ली ढ. सी एस आई आर यात्रा अनुदान समिति; ण. प्रतिरक्षा विज्ञान पर आई सी एम आर टास्क फोर्स; त. एच आई वी तथा टी बी के उपचार हेतु सामर्थ्य अनुसार जांच के लिए नवीन नैदानिक प्रणाली में विकास के लिए सी एस आई आर एन एम आई टी एल आई सलाहकार तथा मॉनीटरिंग समिति; त्र. मधुमेह पर आई सी एम आर परियोजना अनुसंधान समूह; थ. टी बी में अनुसंधान पर डी बी टी विशेषज्ञ समूह द. स्टेम सेल उपचार परियोजनाओं पर डी सी जी आई समिति; ध. नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ इम्यूनोलॉजी की चयन समिति; न. नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ कोलेरा एण्ड एंट्रिक डिजीज की वैज्ञानिक सलाहकार समिति, कोलकाता प. ड्राफ्ट ट्रांसप्लांटेशन ऑफ ह्यूमैन ओर्गन्स रुल्स 2012 पर डी जी एच एस समिति, फ. आई सी एम आर की एन ए सी एस सी आर टी ब. गैर संचरित रोग प्रभाग की वैज्ञानिक सलाहकार समिति, आई सी एम आर भ. शरीर क्रिया विज्ञान तथा अंग प्रत्यारोपण पर आई सी एम आर परियोजना अनुसंधान समिति म. एम्स अनुसंधान पुरस्कार हेतु स्क्रीनिंग समिति, तथा य. रिसर्च काउंसिल ऑफ इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसिज, भुवनेश्वर।

बी. पी. कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिज हेतु बाह्य परीक्षक, देहरादून, नेपाल, रैनबैक्सी साइंस फाउंडेशन पुरस्कार चयन हेतु जुड़ी सदस्य; सदस्य संपादकीय मण्डल, दि प्रोसिडिंगंस ऑफ इंडियन नेशनल साइंसिज अकेडमी। समीक्षा वर्ष के दौरान उन्होंने अतिथि। आमंत्रित व्याख्यान दिए क. वियना मेडिकल अकेडमी, आस्ट्रिया ख. हॉस्पिटल सैंट ल्यूइस, पेरिस अंडर दि आई सी एम आर आई एन एस ई आर एम कार्यक्रम (अक्तूबर 2012) ग. एशियन पेसिफिक हिस्टोकाम्पैटिबिलटी एण्ड इम्यूनोजेनेटिक्स एसोसिएशन (ए पी एच आई ए) की वार्षिक वैज्ञानिक बैठक, एडिलाइड, ऑस्ट्रेलिया (नवंबर 2012) घ. इण्डियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा आयोजित संगोष्ठी ङ एसिलिरेटिंग इण्डियाज़ रिसपोंस टू रिसर्च फॉर ए प्रिवेंटिव एच आई वी वैक्सीन पर डी बी टी संगोष्ठी च. गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर छ. पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एण्ड रिसर्च, चण्डीगढ़ ज. प्राइमरी इम्यूनोडेफिसेंसी रोग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मुंबई झ. ग्रामीण क्षेत्रों में हाई स्कूल छात्रों हेतु आई एन एस ए इंस्पायर कार्यक्रम, अमृतसर झ. जे एन मेडिकल कॉलेज, स्वांगी, महाराष्ट्र ञ. मिरांडा हाउस नई दिल्ली में विज्ञान के छात्रों हेतु व्याख्यान श्रृंखला ट. मधुमेह प्रबंधन में इनोवेटिव एप्रोच तथा प्रौद्योगिकी पर इंडो यू एस कार्यशाला, नई दिल्ली ठ. इण्डियन इम्यूनोलॉजी सोसायटी की वार्षिक वैज्ञानिक सम्मेलन वाराणसी ड. जठरांत्रिय प्रतिरक्षा विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, गुड़गांव ढ.

नेशनल जे एल एम ए इंस्टीट्यूट ऑफ लेप्रोसी एण्ड अदर माइकोबैक्टीरियल डिजीज द्वारा आयोजित विश्व टी बी दिवस, आगरा ण. बेंगलोर में प्रोबायोटिक संगोष्ठी तथा कुछ अन्य।

डॉ. उमा कांगा एशिया पैसिफिक हिस्टोकम्पेटिबिलटी एण्ड इम्यूनोजेनेटिक्स एसोसिएशनर (ए पी एच आई ए) के लिए समासड है; चिरकारी रोग जैव विज्ञान पर डी बी टी टास्क फोर्स के सदस्य।

डॉ. गुरविंदर कौर एशिया पेसिफिक हिस्टोकम्फेटिबिलटी एण्ड इम्यूनोजेनेटिक्स (ए पी एच आई ए) की सचिव तथा इसके सामाचार पत्र की सह संपादक हैं।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. विजय काचरु, आचार्य, तंत्रिका विज्ञान, सेंटर फॉर न्यूरोलॉजिक डिजीज। ब्रिघम तथा वूमैन्स हॉस्पीटल, बोस्टन, यू एस ए से हमारे विभाग में आए तथा 'रोल ऑफ दि 17 सेल्स इन दि इंडक्शन ऑफ दि टिशू इन्फ्लेमेशन एण्ड आटोइम्यूनिटी' विषय पर व्याख्यान दिया, 12 जुलाई 2012।
2. डॉ. मनिनदर कहलों, पी एच डी, उप निदेशक एवं सी आई ओ, क्लीनिकल एण्ड ट्रांसलेशनल साइंस, इंस्टीट्यूट (सी टी एस आई) कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सेन फ्रंसिसकों, यू एस ए से हमारे विभाग में आए तथा 'एसिलिरेटिंग बायोमेडिकल रिसर्च टू इम्प्रूव हेल्थ डि यू एस एप्रोच एण्ड इंडो यू एस कोलेबरेशन' विषय पर व्याख्यान दिया।
3. डॉ. ऐषा एन. हसन एम टी सहायक आचार्य, बाल चिकित्सा पेडिएट्रिक बोन मेरो ट्रांसप्लांटेशन सर्विस, मेमोरियल स्लोन केटिरिंग केंसर सेंटर, एन वाई प्रेसब्राइटेरियन हॉस्पीटल, वियेल कोर्नेल मेडिकल कॉलेज, न्यूयॉर्क, एन वाई हमारे विभाग में आए तथा 'एडोप्टिव इम्यूनोथेरेपी फॉर टारगेटिड इरेडिकेशन ऑफ वायरल इंफैक्शन एण्ड रिलेप्सड हिमेटोलॉजीकल मेलिगनेनसिज़ इन रेसिपेंट्स ऑफ हिमेटोपोइटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांट्स (एच एस सी टी), विषस पर व्याख्यान दिया, 21 जनवरी 2013।

9.38 मूत्ररोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
पी.एन.डोगरा

आचार्य
अमलेश सेठ

अपर आचार्य
राजीव कुमार

सहायक आचार्य
प्रभजोत सिंह | आशीष कुमार सैनी (जे पी एन ए टी सी)

शिक्षा

विभाग के संकायों ने समीक्ष्य वर्ष के दौरान आयुर्विज्ञान शिक्षा कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया तथा व्याख्यान दिए।

विभाग के स्नातकपूर्व तथा नर्सिंग छात्रों के लिए व्याख्यान दिए। विभाग द्वारा तीन वर्षों की अवधि में मूत्ररोग विज्ञान में एम सी एच डिग्री के लिए 11 स्नातकोत्तर छात्रों को प्रशिक्षित किया गया।

विभाग द्वारा मूत्ररोग विज्ञान में रोबोटिक्स इंडोयूरोलॉजी,लेप्रोस्कॉपी, ओपन सर्जरी तथा माइक्रोसर्जरी को देखने तथा सीखने के लिए विभिन्न भारतीय/विदेशी आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालयों से फेलो तथा अतिथि संकायों का स्वागत किया गया।

विभाग के संकाय विभिन्न विश्वविद्यालयों में एन बी ई तथा मूत्ररोग विज्ञान में परीक्षक के रूप में रहे तथा मूत्ररोग विज्ञान स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षण तथा प्रशिक्षण एवं सुविधाओं के मानकों की मान्यता के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद तथा राष्ट्रीय बोर्ड के निरीक्षक बने रहे।

विभाग के संकायों ने मूत्ररोग विज्ञान में एम सी एच तथा डी एन बी के पाठ्यक्रम में पुनः गठन तथा नवीनीकरण में सक्रिय रूप से भाग लिया।

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. अन्तर्राष्ट्रीय प्रोस्टेट कैंसर संगोष्ठी तथा लाइव ओपरेटिव रोबोटिक कार्यशाला आर जी कॉन–2012 तथा पुरुष स्वास्थ्य पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन, 5–8 अप्रैल 2012,पी जी आई एम ई आर, आर एम एल अस्पताल, नई दिल्ली।
2. रोबोटिक सर्जरी के वर्तमान तथा भविष्य टेंड पर लाइव ओपरेटिव रोबोटिक मूत्ररोग विज्ञान सर्जरी कार्यशाला, 4 जुलाई 2012.

प्रदत्त व्याख्यान

पी.एन.डोगरा : 10 राजीव कुमार : 24 प्रभजोत सिंह : 2 आशीष कुमार सैनी : 2

मुखीय पेपर/पोस्टर प्रस्तुतीः 17

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. ट्रस गाइडिड प्रोस्टेट बायोप्सी करवा रहे पुरुषों में रेक्टल स्वेब कल्चर का प्रयोग करके टारगेटिड एंटीमाइकोबायल प्रोफाइलैक्सिसः फ्लूरोक्विनोलोन रेसिटेंट की संक्रमित जटिलताएं एवं व्यापकता की घटनाओं का विश्लेषण। ई कोलि.प्रभजोत सिंह, एम्स,2012–13,रू. 4.5 लाख।

जारी

1. बांझपन मूल्यांकन करवा रहे लाक्षणिक पुरुषों ट्यूबरोकुलोसिस हेतु पॉजिटिव सीमन पी सी आर की महत्ता का मूल्यांकन।
2. फियोक्रोमोसिस्टोमास तथा पेरागेंगलियोमास की तैयारी तथा प्रबंधन।
3. स्मॉल रीनल मेसस में इन–विवो एम आर एस की वैधयता।
4. परकुटेनियस नेफ्रोलिथोटॉमी के पश्चात् बुखार तथा सिस्टेमेटिक इन्फलेमेटरी रिसपोंस सिंड्रोम (एस आई आर एसः) जोखिम कारकों का निर्धारण तथा रोगी परिणामों पर उनके प्रभाव।
5. पेरिओपरेटिव परिणामों के पश्चात् ओपन बनाम रोबोट सहायता प्राप्त लेप्रोस्कोपिक रेडिकल सिस्टेक्टॉमी की तुलना।
6. मेटास्टेटिक प्रोस्टेट कैंसर हेतु एंड्रोजन डिपेरिवेशन उपचार प्राप्त कर रहे रोगियों में स्वास्थ्य संबंधित जीवन की गुणवत्ता तथा अस्थि स्वास्थ्य।
7. मानक वाइट लाइट सिस्टोस्कॉपी की तुलना में गैर–पेशीय आक्रामक ब्लेडर कैंसर के निदान तथा उपचार में नेरो बैंड इमेजिंग की भूमिका।
8. बाधक एजूसपर्मिया के साथ बांझ एजूसपर्मिक में ट्यूबरोकुलोसिस हेतु स्क्रीनिंग तथा उपचार की भूमिका।
9. पेल्विक फ्रेक्चर यूरेथ्रल डिसट्रेक्शन विकारों के रोगियों इटियोपेथोजेनसिस, डेमोग्रेफिक प्रोफाइल इरेक्टाइल फंक्शन, सोशियोइकोनोमिक इम्पैक्ट तथा जीवन की गुणवत्ता।
10. आंतरिक यूरेथ्रल निकोयन के उपचार में शल्यचिकित्साओं के विभिन्न प्रकारों का परिणाम मूल्यांकन।
11. श्रोणि फ्रेक्चर यूरेथ्रल डिट्रेक्शन विकारों में होल्मीमम लेजर कोर के द्वारा दीर्घ अवधि परिणाम।
12. बालचिकित्सा नेफ्रोलिथियासिस के उपचार में ई एस डब्ल्यू एल।
13. रोबोटिक रेडिकल प्रोस्टेक्टॉमी का परिणाम विश्लेषण।
14. रोबोटिक पायलोप्लास्टी का परिणाम विश्लेषण : दीर्घ अवधि फालो–अप।
15. यूरेटिक केलकुलस के लिए रोबोटिक यूरेटेरोलिथोटॉमी।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. प्रोस्टेल कैंसर में संपूर्ण शरीर 18 एफ–एन ए एफ पी ई टी– सी टी इमेजिंग के साथ संपूर्ण शरीर डियूजन वेटिड मेगनेटिक रेसोनेंस इमेजिंग की तुलना (नाभिकीय चिकित्सा)
2. आइडियोपैथिक पुरुष बांझपन में टेलोमेयर स्टेटस तथा डी एन ए रिपेयर मेकेनिज्म (शरीर रचना)
3. पुरुष बांझपन में मिटोकोंड्रियल जीन्स तथा वाई क्रोमोसोम्स डिलिशन्स (शरीर रचना)
4. कार्सिनोमा प्रोस्टेट के निदान में प्रोटोन एम आर एस का प्रयोग करके 3 डाइमेंशियल केमिकल शिफ्ट इमेजिंग तथा डिफ्यूजन वेटिड इमेजिंग (नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद)
5. आइडियोपैथिक रिकरंट स्पोनटेनियस एबोरशन्स में स्पर्म मोलिकुलर कारकों का अध्ययन (शरीर रचना)
6. रोबोटिक यूरोलॉजिकल सर्जरी में न्यूरोइंडोक्राइन तनाव प्रतिक्रियाः डेक्समेडिटोमिडाइन आधारित बनाम फेनटाइल–आधारित कुल अंतःशिरा संवेदनाहरण (संवेदनाहरण)
7. प्रोस्टेट कैंसर में संपूर्ण शरीर 18 एफ–एन ए एफ पी ई टी–सी टी के साथ संपूर्ण शरीर डिफ्यूजन वेटिड एम आर आई की तुलना (नाभिकीय चिकित्सा)
8. रोबोटिक प्रक्रियाओं में स्टीप ट्रेडेलेनबर्ग पॉजिशन के दौरान हिमोडायनेमिक परिवर्तन (संवेदनाहरण)
9. लेटरल वाल–नर्व स्टीमुलेटर गाइडिड बनाम अल्ट्रासाउण्ड गाइडिड एप्रोच में सम्मिलित ब्लेडर ट्यूमरों के ट्रांसयूरेथ्रल रिसेक्शन के दौरान कंट्रोलिंग एडक्टर मसल स्पैस्म में ओट्यूरेटर नर्व ब्लॉक की प्रभावक्षमता का मूल्यांकन (संवेदनाहरण)

पूर्ण

1. लगातार मूत्र के उपचार में ई एम टी।
2. टेस्टीकुलर ट्यूमर्स तथा अनडिसेंडिड जांचों वाले रोगियों का परिणाम विश्लेषण।

3. बाल चिकित्सा पी सी एन एलः परिणाम विश्लेषण।
4. पी सी एन एल एस के दौरान पेरावर्टेब्रल ब्लॉक (संवेदनाहरण)

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 25 **सारः 12** **पुस्तकों में अध्यायः 1**

रोगी उपचार

मुख्य ओ टी शल्यक प्रक्रियाएं 1809

ओपन सर्जरी 391 बड़ी 264 लघु 127

रेडिकल सिस्टेकटॉमी	29	रेडिकल नेफ्रेक्टॉमी	41
साधारण नेफ्रेक्टॉमी	24	पार्टिकल नेफ्रेक्टॉमी	11
ई–ई यूरेथ्रोप्लास्टी	16	ग्राफ्ट यूरेथ्रोप्लास्टी	14
एंटीरियर ले ओपन	11	सेकेंड स्टेज क्लोजर	8
ट्रांसप्यूबिक यूरेथ्रोप्लास्टी	2	पाइलोप्लास्टी	11
ऑगमेंटेशन सिस्टोप्लास्टी	5	कोंटिनेंट केथेट्राइजेबल पाउच	2
एड्रिनलेक्टॉमी	8	बोएरी फ्लैप	5
यूरेट्रिक रिइम्प्लांटेशन	4	रेडिकल नेफ्रोयूरेटेक्टॉमी	3
वी वी एफ रिपेयर	16	कुल पेनेक्टॉमी	4
ओर्चियोपेक्सी	11	प्रोस्टेक्टॉमी	2
ए यू एस इंप्लांटेशन	2	ब्लेडर नेक रिकंस्ट्रक्शन	1
सिस्टोलिथोटॉमी	4	हाइपोस्पेडियास रिपेयर	3
आईलियोइंग्यूनल एल एन डिसेक्शन	2	अन्य	25

इंडोयूरोलॉजी 1135

ऊपरी क्षेत्र 342	**निचला क्षेत्र 798**

पी सी एन एल	204	टी यू आर पी	82	सी एल टी	35	डी जे स्टेंटिंग	160
यू आर एस	121	टी यू आर बी टी	211	एच ओ एल ए पी	3	डी जे आर	85
आर आई आर एस	17	पी वी पी	18	एच ओ एल सी टी	10	सी पी ई ओ +आई यू	27
		सी पी ई (एल ए+ जी ए)	65	इंडोडाइलेशन	32	टी यू आर फुलगुरेशन	26
		क्लोट इवेकुएशन	5	यूरेटेरोसेल इनसिजन	3	लेजर वेलडिंग	3
		इंडोस्कोपिक मूल्यांकन	18	अन्य	15		

लेप्रोस्कोपिक शल्यचिकित्सा 125

रेडिकल नेफ्रेक्टॉमी	35	पार्टिकल नेफ्रेक्टॉमी	5
साधारण नेफ्रेक्टॉमी	46	एड्रिनलेक्टॉमी	16
पाइलोप्लास्टी	9	रेडिकल सिस्टेक्टॉमी	3
डायगनोस्टिक लेप	8	अन्य	3

रोबोटिक शल्यचिकित्सा 102

रेडिकल प्रोस्टेक्टॉमी	20	रेडिकल सिस्टेक्टॉमी	5	पाइलोप्लास्टी	44
यूरेटेरोलिथोटॉमी	10	वी वी एफ रिपेयर	4	रेडिकल नेफ्रेक्टॉमी	1

साधारण नेफ्रेक्टॉमी	2	पार्टिकल नेफ्रेक्टॉमी	4	यूरेट्रिक रिइम्पलांटेशन	2
पाइलोलिथोटॉमी	5	एड्रिनलेक्टॉमी	3		
रेडिकल नेफ्रोयूरेट्रेक्टॉमी	1	अन्य	1		

माइक्रोसर्जरी 51

वी ई ए	25	वी वी ए	5	एम वी एल	5	स्क्रोटल एक्सप्लोटेशन	16

माइनर ओ टी

सिस्टोस्कॉपी, डी जे स्टेंट रिमूवल, ओ आई यू	2097
ओपन केसिस (ओरचिडेक्टॉमी सरकमसिजन)	72
माइनर केस (कैथेटर परिवर्तन इत्यादि)	4523

एक्सट्राकोरपोरियल शॉक बेव लिथोट्रिप्सी (ईएसडब्ल्यूएल)

नए केस	318	पुनः किए गए केस	863

यूरोडायनेमिक प्रक्रियाएं

यूरोफ्लोमीटरी	4154	सिस्टोमीटरोग्राम सी एम जी	244

अल्ट्रासाउंड प्रक्रियाएं 250

टी आर यू एस/प्रोस्टेट बायोप्सी	180	एस पी सी	30
पी सी एन	3	अल्ट्रासाउण्ड के यू बी	37

पथरी विश्लेषण 311 ई एम टी (इलैक्ट्रॉमेगनेटिक उपचार) 218

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो.पी.एन.डोगरा ने मरुधरा जोधपुर ट्रस्ट व्याख्यान दियाः प्रीपेरिटोनियल रोबोटिक एसिसटिड रेडिकल प्रोस्टेक्टॉमी, 22 एन जेड यू एस आई सी ओ एन, जम्मू, 16–18 नवम्बर 2012; मूत्ररोग विज्ञान विभाग, एस एम एस मेडिकल कॉलेज द्वारा आयोजित रिकंसट्रक्टिव यूरोलॉजी पर मिड टर्म सी यू ई में पी एफ यू डी डी में (क) लाइव ओपरेटिव ट्रांसप्यूबिक यूरेथ्रोप्लास्टी में लीवर सर्जरी प्रदर्शन किया, जयपुर, 28–29 अप्रैल 2012; करंट एंड फ्यूचर ट्रेंड ऑफ रोबोटिक सर्जरी पर यूरोलॉजिकल सर्जरी कार्यशाला में (ख) लाइव ओपरेटिव रोबोटिक एक्सट्रापेरिटोनियल रोबोटिक प्रोस्टेक्टॉमी, 4जुलाई 2012, एम्स; (ग) लीवर लेप्रोस्कोपिक ट्रांसपेरिटोनियल नेफ्रेक्टॉमी, सेल्सीकॉन–2012, 2–4 नवम्बर, 2012, पी जी आई, चण्डीगढ़; (घ) लेजर प्रोस्टेक्टॉमी बाय ग्रीन लाइट लेजर; 9 अक्तूबर 2012, गवर्मेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, चण्डीगढ़; (ड़) लेजर प्रोस्टेक्टॉमी बाय ग्रीन लाइट लेजरः संकाय के रूप में आमंत्रित, 27 सितंबर 2012, ई एस आई अस्पताल, बसंई दारापुर, नई दिल्ली; (च) आर्टिफिशियल यूरिनरी स्फींकटर एंड स्लिंग सर्जरी फॉर यूरिनरी इनकोटिनेंसः अध्यक्ष, 25 अगस्त 2012, सिप्ला द्वारा आयोजित, नई दिल्ली; पुरसुट ऑफ एक्सिलेंस लेप्रो यूरोलॉजी सर्जरी में अध्यक्षः यूरोलॉजी में प्रगत लेप्रोस्कॉपी पर सी एम ई एवं कार्यशाला पर मुख्य भाषण, 13–14 अक्तूबर 2012 मूत्ररोग विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित, आर्मी अस्पताल (रिसर्च एवं रेफ्रल), दिल्ली कैंट; अध्यक्ष, लाइव लेप्रोस्कोपिक रीनल ट्रांसप्लांटेशन सर्जरी इन सी एम ई एंड वर्कशॉप ऑन एडवांस्ड लेप्रोस्कोपी, 13–14 अक्तूबर 2012, मूत्ररोग विज्ञान विभाग, आर्मी अस्पताल (रिसर्च एवं रेफ्रल), दिल्ली कैंट; भारत में मिराबिग्रॉन के स्कोप संबंधी सलाहकार मण्डल बैठकः विशेषज्ञ संकाय, 24 जून 2012, एस्टिलाज फार्मा (भारत) प्राइवेट लिमि. द्वारा आयोजित, नई दिल्ली।

डॉ. राजीव कुमार डॉ. रॉय चेली व्याख्यानः प्रोस्टेट कैंसर निदान में चुम्बकीय अनुनाद मेथड्स–ए न्यू टूल पर व्याख्यान दिया। यूरोलोजिकल एसोसिएशन ऑफ केरल की वार्षिक बैठक, 26–28 अक्तूबर 2012, कन्नुर; मेडिकल राइटिंग पर एक पूर्ण दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, 11वां एशियन कांग्रेस ऑफ यूरोलॉजी, 22–26 अगस्त 2012, पटाया, थाइलैंड; 3 घंटे की कार्यशाला आयोजित की गई–वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता

की। यूरोलोजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया की वार्षिक बैठक, 17–20 जनवरी 2013, पुणे; 6 घंटे की सोलो कार्यशाला का संचालनः बायोस्टेटिक्स एंड एंड्रोलॉजी। बंगाल यूरोलॉजिकल एसोसिएशन, 29 मार्च 2013, कोलकाता; साइंटिफिक राइटिंग फॉर रेजीडेंट्स एंड रिसर्चर्स पर सी एम ई टी– एन एम जे आई कार्यशाला हेतु संकाय, 9–10 फरवरी 2013, एम्स; लाइव लेप्रोस्कोपिक एडिरिनेलेक्टॉमी का प्रदर्शन। बी ए यू एस की आठवीं अन्तर्राष्ट्रीय बैठक, 14–16 फरवरी 2013, ढ़ाका, बांग्लादेश; पी सी एन एल (5 केस) एंड ट्रांसपेरीटोनियल लेप्रोस्कोपिक पाइलोप्लास्टी विद पाइलोलिथोटॉमी। एस एल ए यू एस मेंटोरशिप प्रोग्राम ऑन पी सी एन एल, 1–4 दिसंबर 2012, कोलम्बो, श्रीलंका; लेप्रोस्कोपिक एडरिनलेक्टॉमी। नार्थ जोन चेप्टर ऑफ यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया का 22 वां वार्षिक सम्मेलन, 16–18 नवम्बर 2012, जम्मू।

डॉ. प्रभजोत सिंह एच आई वी दंपत्तियों के लिए मनोयौन परामर्श सत्र की अध्यक्षता की, संयुक्त एंड्रोलॉजी कार्यशाला, अप्रैल 2012, जी जी आई एम ई आर, आर एम एल अस्पताल, नई दिल्ली।

डॉ. आशीष कुमार सैनी ट्रॉमा 2012 की आयोजक समिति के सदस्य रहे, 23–24 नवम्बर 2012, एम्स, नई दिल्ली; यूसीकॉन 2013 में रोबोट एसिसटिड इन्गयूनल लिम्फ नोड डिसेक्शन हेतु चंडीगढ़ बेस्ट वीडियो (द्वितीय पुरस्कार) पुरस्कार दिया गया, पुणे; सेक्चुअल हेल्थ– एंसिएंट कांसेप्ट की अध्यक्षता की, संयुक्त एंड्रोलॉजी कार्यशाला, अप्रैल 2012, पी जी आई एम ई आर, आर एम एल अस्पताल, नई दिल्ली।

10.1 हृदय वक्ष विज्ञान केंद्र

प्रमुख
बलराम ऐरन

हृदय वक्ष संवहनी सर्जरी

आचार्य एवं प्रमुख
बलराम ऐरन

आचार्य
यू. के. चौधरी
एस. के. चौधरी
ए. के. बिसोई

अपर आचार्य
मिलिंद होते
सचिन तलवार
वी. देवागौरु

सहायक आचार्य
पी. राजशेखर
मनोज कुमार शाहू

हृदय विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
वी. के. बहल

आचार्य
अनिता सक्सेना
एस. एस. कोठारी
बलराम भार्गव
के. सी. गोस्वामी
आर. जुनेजा
आर. नारंग

अपर आचार्य
एस. मिश्रा
एस. सेठ
राकेश यादव
एन. नायक
जी. कार्तिकेयन
गौतम शर्मा
एस. सिंह

सह–आचार्य
अम्बुज रॉय
एस. रामाकृष्णन

सहायक आचार्य
सौरभ के. गुप्ता
सुनील के. वर्मा

हृदय संवेदनाहरण

आचार्य एवं अध्यक्ष
ऊषा किरन

आचार्य
संदीप चौहान

अपर आचार्य

नीति मखीजा पूनम मल्होत्रा कपूर मिनाती चौधरी

सह–आचार्य

शम्भू नाथ दास पराग घारडे विश्वास मलिक

सहायक आचार्य

सुरुचि हजिजा अरींदम चौधरी

हृदय विकिरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
संजीव शर्मा

अपर आचार्य
गुरप्रीत सिंह गुलाटी

सह–आचार्य
प्रिया जगिया

नाभिकीय चिकित्सा

अपर आचार्य
चेतन डी. पटेल

स्टेम सेल सुविधा

अपर आचार्य
सुजाता मोहंती

हृदय विकृति विज्ञान

आचार्य
रूमा रे

सहायक आचार्य
सुधीर आरव

हृदय जैव रसायन

अपर आचार्य
आर. लक्ष्मी

अंग पुनः प्राप्ति बैंकिंग संस्था (ओआरबीओ)

अपर आचार्य
आरती विज

अस्पताल प्रशासन

अपर आचार्य
आरती विज

रक्ताधान सेवाएं

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
अंजली हजारिका

अपर आचार्य
आर. लक्ष्मी

विशेषताएं

सीटीवीएस विभाग रोगी उपचार, शिक्षण एवं अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणीय है। सभी प्रकार की जन्मजात एवं अर्जित हृदवाहिका रोगों वाले असंख्य रोगियों का प्रबंध करने के साथ–ही–साथ यह विभाग अनुसंधान एवं प्रकाशन के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर अनुसंधान तथा सहयोग में सक्रिय रूप से संबद्ध है। विभाग के संकाय ने राष्ट्रीय एवं अंतररष्ट्रीय सम्मेलनों में व्याख्यान दिए तथा महत्वपूर्ण अनुसंधान पेपर प्रस्तुत किए।

इस वर्ष आचार्य ऐरन ने 25 अनुसंधान लेख प्रकाशित किए तथा कोयराला संस्थान, काठमाण्डू, नेपाल में सीटीवीएस परीक्षा का संचालन करने के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त हुए। वह यू के सरकार द्वारा कॉमनवेल्थ फेलोशिप प्लान, 2013 के पुरस्कार हेतु उम्मीदवारों के चयन, लेक्चरर सीटीवीएस के चयन, भोपाल मेमोरियल हॉस्पीटल एंड रिसर्च, भोपाल में संकाय के चयन हेतु आईसीएमआर साक्षात्कार बोर्ड, यूनियन हेल्थ मिनीस्ट्री / डीपीएचएस, भारत सरकार द्वारा कार्डियोथोरेसिक विषय से संबंधित नीति मामले हेतु विभिन्न चयन समितियों में नामित सदस्य रहे हैं।

इस वर्ष उनके नेतृत्व में विभाग ने लगभग 4191 ऑपरेशन निष्पादित किए। अभी ओपीडी अनुभाग में लगभग 42,000 रोगियों को देखा तथा उपचारित किया गया है।

हृद्विज्ञान विभाग ने क्लिनिकल उपचार हेतु सर्वश्रेष्ठ सुविधाओं तथा वयस्क एवं बाल इंटरवेंशन्स के लिए पूर्ण विकसित सुविधाओं का विकास किया है। प्रयोगशाला जांच सुविधाओं में ट्रेडमिल जांच, होल्टर रिकॉर्डिंग, इकोकार्डियोग्राफी आदि जांच सम्मिलित हैं। विभाग ने रूमेटिक ज्वर एवं रूमेटिक हृद् रोग में अग्रणीय कार्य किया है। विभाग ने सम्मेलनों का आयोजन किया तथा संकायों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में अनेक व्याख्यान तथा 51 अनुसंधान लेख प्रकाशित किए।

हृद संवेदनाहरण ने कुल 19 प्रकाशन एवं 62 वार्ता प्रस्तुत की एवं हृद संवेदनाहरण विभाग के संकाय एवं रेजीडेंटों द्वारा अनुसंधान पेपर प्रस्तुत किए गए थे। विभिन्न सम्मेलन एवं कार्यशालाओं में चार पेपरों को 'बेहतर प्रस्तुतीकरण पुरस्कार' प्रदान किया गया था।

हृद विकिरण विज्ञान नैमिक क्लिनिकल उपचार कार्यक्रमों से पृथक अनुसंधान परियोजनाओं में सम्मिलित है। संकाय विभिन्न समितियों के सदस्य हैं तथा उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में व्याख्यान दिए। की जा रही अनेक अनुसंधान परियोजनाओं पर आधारित कई अनुसंधान पेपरों को प्रकाशित किया है।

नाभिकीय चिकित्सा (सीटीसी) केंद्र में एक विशेष नाभिकीय हृद् विज्ञान एकक है जहां पर नैदानिक नाभिकीय हृद विज्ञान प्रक्रियाएं निष्पादित की जाती हैं। यह ऐसा एकक भी है जहां पर नाभिकीय चिकित्सा छात्र तथा प्रौद्योगिकी विदों को नाभिकीय हृदविज्ञान तकनीकों में चक्रानुक्रम आधार पर प्रशिक्षण दिया जाता है।

मूल कोशिका सुविधा बेसिक पूर्व क्लिनिकल एवं क्लिनिकल मूल कोशिका अनुसंधान से संबंधित कार्य करती है। इस सुविधा में डी बी टी, आई सी एम आर, यू जी सी आदि जैसी विभिन्न वित्तपोषित एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित 25 से भी अधिक चालू परियोजनाएं हैं। संकाय भारत एवं विदेश में विभिन्न संस्थानों से स्नातकोत्तरों एवं व्यावसायिकों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। यह सुविधा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र के समकक्ष – समीक्षित पत्रिकाओं में निरंतर अनुसंधान पेपर प्रकाशित कर रहा है।

हृद विकृतिविज्ञान विभाग में इम्यूनो – हिस्टोकैमिस्ट्री के 124 केस एच एवं ई स्टेंनिंग के 3 केस एवं अन्य हस्त प्रोसेसिंग जैसे 3 पोस्ट – कार्डिएक ट्रांसप्लांट बायोप्सियां की जाती हैं।

हृद जैव रसायन विभाग वयस्क चिरकारी रोग के विकासात्मक मूल के पीछे भारतीय बायोलॉजिकल मैकेनिज्म में सीएडी हेतु टेलोमेर बायोलॉजी, इंडो थेलिएल फंक्शन आनुवंशिक प्रिडिस्पोजीशन पर आधारित अनुसंधान में सम्मिलित है। हृद जैव रसायन लैब में किए जा रहे जांचों में नैमिक रसायन, नैमिक रूधिरविज्ञान एवं कोगुलेशन आदि सम्मिलित हैं।

ओ आर बी ओ ने मानव अंग नियमावली 2012 के प्रतिरोपण करने में योगदान दिया है। विभाग ने प्रतिरोपण हेतु 157 अंगों एवं ऊतकों को प्राप्त किया है। विगत एक वर्ष में चिकित्सा शिक्षा को सहज बनाने के लिए ओ आर बी ओ के द्वारा 15 संपूर्ण शरीर का दान भी किया गया था एवं ओ आर बी ओ के प्रोत्साहित करने पर 1480 व्यक्तियों ने अंग दान हेतु प्रतिज्ञा की। अब तक कुल रजिस्ट्री की संख्या 17500 से अधिक है।

अस्पताल प्रशासन हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र – 411 बिस्तर वाला अति विशिष्ट केंद्र के प्रबंधन एवं प्रशासन में सम्मिलित है। यह नर्सिंग, सफाई, सुरक्षा, प्रशासन, भण्डार एवं रक्त कोष हेतु अन्य सहायक स्टाफ, लैवस मैनीफोल्ड, रिशेप्शन, लॉण्ड्री, सी एस एस डी आदि का पर्यवेक्षण करता है। विभिन्न रोगी उपचार क्षेत्रों को भी नवीनीकृत किया गया था। सी एन केंद्र के कैफेटेरिया को नवीनीकृत एवं अपग्रेडिड किया गया।

सी एन केंद्र की रक्ताधान सेवा रक्त गुणवत्ता एवं रक्त घटकों को एकत्रित करके उन्हें प्रोसेसिंग एवं सुरक्षित रूप से प्रदान करके अ. भा. आ. सं. के सी एन केंद्र में चौबीस घण्टे रोगियों की आधान की आवश्यकताओं का प्रबंध करता है। इसकी गतिविधियों में आंतरिक एवं बाहरी रक्त संग्रहण, रक्त दाता प्रोत्साहन एवं पूर्ण दान एवं पश्च – दान परामर्श रक्त घटक तैयारी एवं विभिन्न सीरोलॉजिकल जांचे सम्मिलित हैं। एकत्रित रक्त की प्रत्येक यूनिट की ट्रांसफ्यूजन ट्रांसमिसेबल संक्रामण जैसे हिपेटाइटिस बी, हिपेटाइटिस सी, एचआईबी 1 एवं 2, सिफलिस मलेरिया हेतु जांच की जाती है। इसके अतिरिक्त हृद प्रतिरोप केसो हेतु सी एम बी के लिए जांच की जाती है।

आहारविद् विभाग सी एन केंद्र एवं सी एन टावर प्राइवेट बोर्डों में आहारविज्ञान संबंधी सेवाएं प्रदान करता है। यह विभाग अस्पताल के रोगी उपचार सेवाओं में एक एकीकृत भाग के रूप में सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। यह विभाग चिकित्सा पोषण थेरेपी, प्रशासन एवं आहार सेवाओं, शिक्षण तथा अनुसंधान में सम्मिलित है।

<u>शिक्षा</u>

हृद – वक्ष वाहिका शल्य चिकित्सा

सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. अल्पतम आक्रामक हृद शल्य चिकित्सा पर ऑपरेटिव कार्यशाला, 17 जनवरी 2013, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली। ऑर्गेनाइजिंग संकाय : एस के चौधरी, वी देवागुरू, मिलिंद होते।
2. बी देवागुरू द्वारा संचालित माइट्रल एवं एरोटिक वाल्व मरम्मत पर कार्यशाला, बी एस अस्पताल अहमदाबाद, मई 2012.
3. अंतरराष्ट्रीय माइट्रल वाल्व मरम्मत कार्यशाला, 4–5 अगस्त 2012, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली। आर्गेनाइजिंग संकाय : एस के चौधरी, वी देवागुरू, सचिन तलवार, मिलिंद होते।
4. बेंटल्स प्रक्रिया पर कार्यशाला, 16 सितंबर 2012, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली आर्गेनाइजिंग संकाय : एस के चौधरी, वी देवागुरू।
5. प्रोक्सिमल एरोटा पर कार्यशाला, 27–28 अक्टूबर, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली। आर्गेनाइजिंग संकाय : एस के चौधरी।

6. फैलोट के टेट्रालॉजी पर कार्यशाला, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली, 2–3 फरवरी, 2013 आर्गेनाइजिंग संकाय : एस के चौधरी, सचिन तलवार, वी देवागुरू।

प्रदत्त व्याख्यान

बलराम ऐरन : 5 **एस के चौधरी : 16** **सचिन तलवार : 17** **वी. देवागौरु : 4**
मिलिन्द होते : 1 **मनोज शाहू : 1**

मौखिक पेपर / पोस्टर प्रस्तुत किए गए : 7

हृदय विज्ञान

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का विभाग द्वारा आयोजन किया गया।

1. तीसरा अ. भा. आ. सं. बाल हृद कार्डिएक सीएमई, अ. भा. आ. सं., 2012
2. दिल्ली सी एस आई 2013 की वार्षिक बैठक, 16–17 मार्च, 2013, आचार्य के सी गोस्वामी।

हृदय संवेदनाहरण

आर्मी तथा संवेदनाहरण विभाग के 8 अन्य एम डी कनिष्ठ रेजीडेंट डॉक्टरों द्वारा आयोजित हृद वक्ष संवेदनाहरण में तीन लेफ्ट. कर्नल सहित 9डी एम उम्मीदवारों ने अति विशिष्टता प्रशिक्षण प्राप्त किया। लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज की दस एम डी उम्मीदवारों को हृद – संवेदनाहरण की विशिष्टता में अल्पावधिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। श्री चित्रा तिरूनल संस्थान के दो डी एम उम्मीदवारों को अल्पावधिक प्रशिक्षण दिया गया।

सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन हुआ

1. संदीप चौहान ने 1 अ. आ. आ. सं. ई सी एम ओ कार्यशाला का आयोजन किया, 29 सितंबर 2012 अ. भा. आ. सं.।

प्रदत्त व्याख्यान

ऊषा किरन : 24 **नीति मखीजा : 2** **पूनम मल्होत्रा : 13** **मिनाती चौधरी : 5**
पराग गारडे : 1 **विश्वास मलिक : 1** **अरिंदम चौधरी : 1**

मौखिक पेपर / पोस्टर प्रस्तुत किए गए : 11

हृदय विकिरण विज्ञान

सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. गुरप्रीत एस. गुलाटी ने कार्यशाला का आयोजन किया : सी टी एवं एम आर आई सहित कार्डियक इमेजिंग, इंडियन रेडियोलॉजिकल एण्ड इमेजिंग एसोसिएशन का 66वां वार्षिक सम्मेलन, 3–4 जनवरी 2013, इंदौर।
2. गुरप्रीत एस. गुलाटी द्वारा संचालित कार्यशाला : वीनस एसेस : पी आई सी एस, पी ई आर एम एस एवं पी ओ आर टी एस, इंडियन सोसाइटी ऑफ वास्कुलर एण्ड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी की वार्षिक बैठक, 14–17 फरवरी 2013, कोयम्बटूर।

प्रदत्त व्याख्यान

संजीव शर्मा : 8 **गुरप्रीत एस. गुलाटी : 10** **प्रिया जागिया : 6**

नाभिकीय चिकित्सा

स्नातकोत्तर छात्र : 10 (नाभिकीय हृद विज्ञान में चक्रानुक्रम के आधार पर एम डी छात्रों को नाभिकीय चिकित्सा का प्रशिक्षण)।
शोध प्रबंध /अनुसंधान पेपर पूर्ण किए : 5 (चार शोध प्रबंध एवं एक एम सी एच अनुसंधान पेपर)
जर्नल क्लब / सेमिनार में मोडेरेटर : 6

नए शोध प्रबंध आरंभ किए गए : 4

मौखिक पेपर / पोस्टर प्रस्तुत किए गए : 3

मूल कोशिका सुविधा

स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर, पैरामेडिकल

विभाग ने पी एच डी, डी एम एवं एम डी कार्यक्रमों में भाग लिया : 15

अल्प एवं दीर्घावधिक प्रशिक्षण

एक स्नातक छात्र एवं कोरिया के चार डब्ल्यू एच ओ फेलो ने अल्पावधिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया

1. कॉलोनी फोर्मिंग यूनिट एस्से द्वारा हीमाटोपोयटिक मूल कोशिकाओं का इन विट्रो लक्षण – वर्णन पर कार्यशाला, मूल कोशिका सुविधा, अ. भा. आ. सं., 11–13 मार्च, 2013.

प्रदत्त व्याख्यान

सुजाता मोहंती : 8

हृद जैव रसायन

दो छात्र (तारिक मोहम्मद एवं विनीत शाह) विभाग में पी एच डी कर रहे हैं।

दो छात्रों (क्रांति कुमार विम्पराला एवं रासी एना अब्राहम) को डॉक्टरेट डिग्री प्रदान की गई थीं।

एन डी डी टी सी के एक छात्र (अर्पिता शर्मा) हेतु सह – गाइड।

सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

मौखिक / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 2

अंग पुनः प्राप्ति बैंकिंग संस्था (ओ आर बी ओ)

आयोजित सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. ऊतक दाता स्क्रीनिंग, ऊतक पुनः प्राप्ति एवं ऊतक ट्रैकिंग हेतु गाइडलाइन्स का विकास करने के लिए राष्ट्रीय परामर्श, 18 अगस्त, 2012 डॉ. रामालिंगास्वामी सभागार, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली।
2. शव अंग दान प्रक्रिया पर नर्सिंस प्रशिक्षण कार्यक्रम, 11–15 मार्च 2013, सीमेट, अ. भा. आ. सं., अ. भा. आ. सं. 280 नर्सों को प्रशिक्षित किया गया था।

प्रदत्त व्याख्यान

आरती विज : 4

मौखिक पेपर / पोस्टर प्रस्तुत किए गए : 3

रक्ताधान सेवाएं

सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

अंजली हजारिका : 4

अनुसंधान

हृद – वक्ष वाहिका शल्य चिकित्सा

1. कोरोनरी – पम्प बनाम ऑफ पम्प सी ए बी जी पर 5 वर्ष का फॉलो अप (अंतरराष्ट्रीय बहुकेंद्रीय परीक्षण)।
2. सीरम ओस्टियोपोंटिन – कोरोनरी धमनी रोग की गंभीरता हेतु मार्कर।
3. डायस्टोलिक डिस्फंक्शन वाले कोरोनरी आर्टरी रोग के पीड़ित रोगियों में लिवोसिमेंडन के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन।
4. पूर्ण डी बी टी वित्तपोषित परियोजना – इस्केमिक हृद रोग के शल्यक उपचार में मेसेंकेमल मूल कोशिका की भूमिका।
5. मायोकार्डिएल इंफ्रेक्शन एवं हृदपात के रेट मॉडल में डी ए पी आई लेवल्ल मेसेंकेमल मूल कोशिका का अध्ययन।
6. एस आई आर एस परीक्षण – कार्डिएक शल्य चिकित्सा में स्टेरॉयड्स : ओपन कार्डिएक शल्य चिकित्सा में स्टेरॉयड्स की प्रभावोत्पादकता का अध्ययन करने के लिए यादृच्छिक परीक्षण।
7. रिमोट इंपेक्ट – कार्डिएक शल्य चिकित्सा में रिमोट इस्केमिक प्रिंकडीशनिंग।
8. कैन्नुलेशन स्थल के पैच मरम्मत के पश्चात फीमोरल आर्टरी में डोप्पलर ग्रेडिएंट्स का अध्ययन।
9. एल आई एम ए हार्वेस्टिंग – स्केलेटोनाइज्ड बनाम पेडीक्लेड एल आई एम ए हार्वेस्टिंग तकनीक के पश्चात परिणाम में अंतरो को निर्धारित करने के लिए स्टेर्नल अस्थि स्कैन।
10. माइट्रल वाल्व शल्य चिकित्सा करवाने वाले चिरकारी आर्टेरिएल फिब्रीलेशन वाले रोगियों में हिस्टोपेथोलॉजिकल एवं क्लिनिकल सह संबंध का अध्ययन।
11. वेंट्रीकुलर सेप्टल दोषों के यूनीडाइरेक्शनल वाल्वड पैच क्लोजर के पश्चात हीमोडायनामिक परिणाम।
12. मायोकार्डियल प्रोटेक्शन हेतु डेल – निडो बनाम कोल्ड ब्लड कार्डियोप्लेजिया।
13. आर वी ओ टी रीकंस्ट्रक्शन हेतु पेरीकार्डिएल पैच बनाम पी टी एफ ई पैच।
14. कार्डियोपल्मोनरी बायपास पर ऑफ पम्प टी सी पी सी बनाम टी सी पी सी।
15. बायकुस्पिड एरोटिक वाल्व से ग्रस्त रोगियों के एसेंडिंग एरोटा में डीजेनेरेटिव परिवर्तनों का विस्तार (बी ए वी)।
16. फिनोक्सीबेजामिन बनाम पापावाइरिन सहित रेडिएल आर्टरी ग्राफ्ट पूर्व उपचारित वाले ऑन पम्प सी ए बी जी करवाने वाले रोगियों में क्लिनिकल एवं एंजियोग्राफिक परिणाम की तुलना।
17. सायनोटिक जन्मजात हृद रोगों के लिए शुद्धीकरण शल्य चिकित्सा करवाने वाले रोगियों में हिस्टोपैथोलॉजिकल स्थितियों एवं एरोटिक डाइलेशन से संबंधित जोखिम कारकों एवं एसेंडिंग एरोटा का हिस्टोपैथोलॉजी।
18. चिरकारी कंस्ट्रिक्टिव पेरीकाडाइटिस हेतु पेरीकार्डिक्टॉमी के पश्चात विशिष्ट मुद्दे : प्रिऑपरेटिव माइट्रल एवं ट्रिकुस्पिड रीगुर्जिटेशन, वेंट्रीकुलर फंक्शन, पुनः ऑपरेशन एवं अन्य, घटनाओं से मुक्त का एक्चुएरियल सर्ववाइवल भाग्य।
19. फेलोट का टेट्रालॉजी के इंट्राकार्डिएक मरम्मत के पश्चात एरोटिक रूट का भाग्य।
20. चिरकारी कंस्ट्रीक्टिव पेरीकार्डिडाइटिस हेतु पेरीकार्डिक्टॉमी करवाने वाले रोगियों में सीरिएल गैर – आक्रामक हीमोडायनामिक मॉनीटरिंग : दो शल्यक पद्धतियों का तुलनात्मक इंट्राऑपरेटिव एवं पश्च ऑपरेटिव मूल्यांकन।
21. फैलोट के टेट्रालॉजी के इंट्रा – कार्डिएक मरम्मत के पश्चात क्या अवशिष्ट कोरेक्टीबल शल्यक विक्षति की अनुपस्थिति में पोस्टर ऑपरेटिव राइट – टू – लेक्ट वेंट्रीकुलर दबाव रेशियों पोस्ट ऑपरेटिव परिणाम को सुनिश्चित करता है।
22. फैलोट के ट्रेटालॉजी की इंट्राकार्डिएक मरम्मत करवाने वाले रोगियों में राइट वेंट्रीकुलर फंक्शन का डोप्पलर ऊतक इमेजिंग मूल्यांकन तथा राइट वेंट्रीकुलर आउटफ्लो पथ के हिस्टोपैथोलॉजी से इसका संबंध।
23. फैलोट के ट्रेटालॉजी की मरम्मत के पश्चात दाएं वेंट्रीकुलर फंक्शन पर मायोकार्डिएल हिस्टोपैथोलॉजी का प्रभाव।
24. फैलोट के ट्रेटालॉजी की मरम्मत के पश्चात रोगियों में विश्राम तथा डूब्यूटेमाइन इंफ्यूजन के समय दाएं वेंट्रीकुलर फंक्शन का डोप्पर ऊतक इमेजिंग मूल्यांकन।
25. केरीनरी आर्टेरी बायपास ग्राफ्टिंग के दौरान रेडियल आर्टेरी कंड्यूट हेतु प्रयोग होने वाले फिनोक्सीबेंजामाइन बनाम पापावीराइव का हिस्टोपैथोलॉजिकल तुलना।

हृदय विज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. ऐंटीबॉडीज एवं ऐंटीजन एरें द्वारा तीव्र कोरोनरी घटनाओं में सी बी डी बायोमार्कर प्रोफाइलिंग। बी के बहल, आई सी एम आर।

2. डोप्पलर सहित इकोकार्डियोग्राफी का प्रयोग करते हुए बल्लभगढ़, हरियाणा में 5–15 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों में रूमेटिक हृद रोग की व्यापकता का अध्ययन करना। अनीता सक्सेना, आई सी एम आर, 2010–13, 30 लाख रु.।
3. बच्चों में रूमेटिक हृद रोग – अ. भा. आ. सं. अग्रदर्शी रजिस्ट्री। अनीता सक्सेना, आई सी एम आर, 2012–15, 28 लाख रु. लगभग।
4. जन्मजात हृद रोगों में गंभीर पल्मोनरी आर्टेरी हाइपरटेंशन हेतु इंट्रावास्कुलर अल्ट्रासाउंड। आर जुनेजा, डी एस टी।
5. डायलेटिड कार्डियोमायोपैथी में मूल कोशिका थेरेपी। संदीप सेठ, डी बी टी।
6. ग्लोबल रूमेटिक हृदय रोग रजिस्ट्री (रेमिडी)। जी कार्तिकेयन, सी ए एन एन ई सी टी आई एन (कैनेडिएन नेटवर्क ऑफ क्लिनिकल ट्रायल्स इंटरनेशनली) के द्वारा कैनेडिएन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च।
7. मैकेनिकल हृद वाल्वों वाले रोगियों में वी के ए मेटाबोलिज्म को प्रभावित करने वाले जीन पोलीमोर्फिज्मस की व्यापकता, इंट्राम्यूरल अनुदान, अ. भा. आ. सं.।
8. बाएं आंतरिक मेम्मरी ग्राफ्ट प्रवेशन से बाएं ऐंटीरियर डिसेंडिंग आर्टेरी प्रोक्सिमल के ट्रैशरी में मायोकार्डियल पर्फ्युजन का निर्धारण, इंट्राम्यूरल अनुदान, अ. भा. आ. सं.।
9. आई ई वाले रोगियों में थ्रोम्बोइम्बोलिज्म की सूचना देने में इण्डोथेलियल माइक्रोपार्टिकल्स एवं ई पी सी। अ. भा. आ. सं. इंट्राम्यूरल अनुदान।

पूर्ण

1. नवजातों में जन्मजात हृद रोग की घटना को परिभाषित करना। अनीता सक्सेना, आई सी एम आर, 2009–12, 29 लाख रु.।
2. आडियोपेथिक पल्मोनरी धमनी हाइपरटेंशन में प्लेटलेट्स का मोर्फोलॉजी एवं प्रकार्य। डी एस टी।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. साइनस रिदम में रूमेटिक एम एस के रोगियों में आघात एवं दैहिक इंबोलिज्म का भार।
2. पी टी एम सी के पश्चात आर्टेरिएल फिब्रीलेशन वाले रूमेटिक एम एस से ग्रस्त रोगियों में रिद्म कंट्रोल।
3. रूमेटिक एम एस में ए एफ का चिरकारी अल्प ग्रेड प्रदाहक एवं जोखिम।
4. ऐसेमेंगर संलक्षण में हीमोप्टाइसिस की घटना के दौरान सीटी एंजियोग्राफी निष्कर्ष।
5. ए वी बी डी की सफलता के 3 डी इको पूर्वासूचक।
6. ऐसेमेंगर संलक्षण में प्रयत्न सीमा का अध्ययन।
7. कोरोनरी माइक्रोवास्कुलर एवं हीमोडायनामिक्स पर तंबाकू चबाने का प्रभाव।
8. पी टी एम सी के पूर्व सूचक तीव्र परिणाम में 2 डी बनाम 3 डी ईको।
9. एन एस ए ए वाले बच्चों का अग्रदर्शी मूल्यांकन।
10. उच्च खुराक डाययूरेटिक्स पर हृद पात रोगियों में थेमाइन स्तर।
11. पश्च रूमेटिक हृद वाल्व शल्य चिकित्सा वाले रोगियों में नए ऑनसेट ए एफ का भार।

पूर्ण

1. तीव्र रूमेटिक ज्वर के दौरान एम आर आई।
2. इब्स्टिनस एनोमेली में 3 डी इको एवं एम आर आई पैरामीटरों की तुलना।
3. आर बी ओ टी बनाम एपेक्स में पेसमेकर लीड प्लेसमेंट – सी टी द्वारा वैधीकरण।
4. प्रोस्थेटिक हृद वाल्व थ्रोम्बोसिस की सफलता के पूर्वसूचक के रूप में ऐंटी स्ट्रेप्टोकोकल ऐंटीबॉडीज।
5. जन्मजात हृद रोग इंटरबेंशन्स में वास्कुलर प्लग का इंडिकेशन एवं प्रभावकता।

सहयोगी परियोजनाएं

1. आर ई डी एच एफ अध्यपन – सिंप्टोमेटिक बाएं वेंट्रीकुलर सिस्टोलिक डिस्फंक्शन एवं एनीमिया से ग्रस्त हृद पात (एच एफ) वाले रोगियों में मृत्युदर एवं अस्वस्थता दर पर डार्बिपोटिनेल्फ उपचार की प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए दोहरा, यादृच्छिक, प्लेसिबो – नियंत्रित बहुकेंद्रीय अध्ययन। वी के बहल, एम्जन टेक्नोलॉजी प्रा. लिमि.।

2. हृद शल्यचिकित्सा (एस आई आर एस) परीक्षण में स्टेरॉयड्स का राष्ट्रीय नेता एवं सह– अन्वेषक परीक्षण। जी. कार्तिकेयन, कैनेडिएन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च।
3. रीमोट इस्केमिक प्रिकंडीशनिंग पाइलट परीक्षण (रीमोट इम्पेक्ट), जी कार्तिकेयन, कैनेडिएन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च।
4. कोरोनरी घटनाओं के इंटरमिडिएट जोखिम में रोगियों के मूल्यांकन में कोरोनरी सी टी एंजियोग्राफी की तुलना में रेस्ट – तनाव एम आई बी आई – स्पेक्ट का ग्लोबल पी आई एवं कोर्डिनेटर – पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जी. कार्तिकेयन, आई ए ई ए।
5. विजन रजिस्ट्री – गैर हृद शल्यचिकित्सा करवाने वाले रोगियों की अंतरराष्ट्रीय रजिस्ट्री जो कि शल्य चिकित्सा के पश्चात प्रथम 30 दिन में पेरीऑपरेटिव इस्केमिक हृद घटनाओं के पूर्व सूचकों एवं प्रभाव का अवलोकन कर रहा है। इस रजिस्ट्री में विश्व भर के 10 से भी अधिक देशों के सहभागियों ने भाग लिया है।
6. यू के आई ई आर आई परियोजना – इम्पेरिएल कॉलेज लंदन एवं हृद विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं. का सहयोग – अनुपचारित हृद पात में प्रदाहक एवं नोबल बायोमार्कर्स। यू के आई ई आर आई पहल द्वारा वित्तपोषित।

हृद संवेदनाहरण

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. जटिल जन्मजात हृद शल्य चिकित्सा में प्रोग्नोस्टिक मार्कर्स की भूमिका। पूनम मल्होत्रा कपूर, 2009–12, 24 लाख रु.।
2. गंभीर वेंट्रीकुलर डिस्फंक्शन वाले रोगियों में कोरोनरी धमनी रोग में प्रदाहक तथा ओस्टियोपोंटिन के मध्य संबंध। मिनाती चौधरी। अ. भा. आ. सं. इंट्राम्यूरल अनुसंधान, 2011–13, 2 लाख रु.।
3. कार्डियो – पल्मोनरी बायपास का प्रयोग करके कोरोनरी धमनी बायपास शल्य चिकित्सा के पश्चात प्रदाहक प्रतिक्रिया एवं तंत्रिका – संज्ञानात्मक ह्रास को कम करने में पेंटोक्सिपीलाइन की भूमिका। संभुनाथ दास, 2010–12 2 लाख रु.।
4. डायस्टोलिक डिस्फंक्शन वाले कोरोनरी धमनी रोग से ग्रस्त रोगियों में लिवोसिमेंडन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन। विस्वास मलिक, अ. भा. आ. सं. इंट्राम्यूरल अनुसंधान 2012–13, 2.77 लाख रु.।
5. कोरोनरी धमनी बायपास शल्यचिकित्सा करवाने वाले कोरोनरी धमनी रोग के कारण बाएं वेंट्रीकुलर डिस्फंक्शन से ग्रस्त रोगियों में हीमोडायनामिक प्रतिक्रिया पर इटोमिडेट, थिओपिंटॉन या केटामाइन सहित इंडक्शन का प्रभाव। अरिंदम चौधरी, अ. भा. आ. सं. इंट्राक्यूरल अनुसंधान, 2012–13, 4.63 लाख रु.।

पूर्ण

1. एनियूरिस्मल शल्य चिकित्सा में इप्सिलोन एमिनोकेप्रोइक एसिड एवं ट्रैनएम्जामिक एसिड की तुलना : सुरक्षा एवं क्लिनिकल प्रभावोत्पादकता। नीति माखिजा। अनुसंधान अनुदान, 2010–12, 2 लाख रु.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

इलेक्ट्रीकल विलोसिमेट्री आधारित हृद् आउटपुट मॉनीटरिंग के मॉडल का प्रयोग करके इंडक्शन एजेंट्स इटोमिटेड, केटामाइन एवं सिवोफ्लुरेन के हीमोडायनामिक प्रभावों की तुलना।

1. हृद शल्यचिकित्सा करवाने वाले बाल रोगियों में मायोकार्डिएल सुरक्षा पर इसोफ्लुरेन, सिवोफ्लुरेन एवं डिस्फ्लुरेन के प्रभाव की तुलना।
2. कारोनरी अर्टिरी बायपास ग्राफ्ट शल्य चिकित्सा करवाने वाले रोगियों में एड्रेंकोर्टियल दबाव पर इटोमिडेट एवं प्रोपाफॉल सहित इंडक्शन की तुलना।
3. फैलॉट के ट्रेट्रोलॉजी करवाने वाले रोगियों में एड्रेंकोर्टिकल दबाव पर इटोमिटेड एवं केटामाइन सहित इंडक्शन की तुलना।
4. कायनेटिक एवं एक्यानोटिक बच्चों में सोनोक्लॉट की भूमिका की तुलना। हृद शल्य चिकित्सा करवाने वाले कायनोटिक रोगियों में सोनोक्लॉट बनाम टीईजी।
5. टी ओ एफ रोगियों में एस सी वी ओ 2 की भूमिका।
6. सेरेब्रेल ओक्सीजीनेशन में परिवर्तन तथा कार्डियोपल्मोनरी बायपास की सहायता से सी ए बी जी करवाने वाले रोगियों में हेमाटोर्सिट, एम ए पी एवं पी ए ओ 2 के साथ इसका संबंध।
7. सी ए बी जी के पश्चात प्रारंभ में ही ऐंजियोटेंसिन कंवर्टिंग एंजाइम इंहिबीटर्स देने पर उसका प्रभाव।

8. हृद – कैथेटाराइजेशन करवाने वाले रोगियों में इलेक्ट्रिक कार्डियोमीट्री।

पूर्ण

1. फैलोट के टेट्रालॉजी में करेक्टिव शल्यचिकित्सा करवाने वाले रोगियों में इप्सिलॉन एमिनोकैप्रोइक एसिड की विभिन्न खुराकों की तुलना।
2. कार्डियोपल्मोनरी बाईपास के दौरान आर्टेरिएल स्विच ऑपरेशन करवाने वाले रोगियों में फिनोक्सिवेंजामाइन का प्रभाव।
3. हृद कैथेटेराइजेशन करवाने वाले कंजेनीटल हृद रोग बाल रोगियों में डेक्समिडिटोमाइडाइन प्लस केटामाइन अथवा मिडाजोमल की तुलना में इट्रानेजल डेक्समिडेटोमाइडाइन की हीमोडायनामिक प्रभाव।
4. फैलोट रोगियों के ट्रेटालॉजी में इंटूबेशन के प्रिमेडिकेशन, सेडेशन एवं हीमोडायनामिक्स पर इंट्रानेजल डेक्मिडिटोमिडायन का प्रभाव।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ऑफ पम्प बनाम ऑन पम्प फोंटन ऑपरेशन की तुलना (सी टी वी एस)।
2. फैलोट शल्य चिकित्सा का टेट्रालॉजी करवाने वाले बाल रोगियों में डेल–निडो बनाम कस्टोडायल कार्डियोप्लिजिया समाधान की तुलना (सी टी वी एस)।
3. घुटना प्रतिस्थापन हेतु परम्परागत शल्यक तकनीकों के रूप में कंप्यूटर सहायता प्राप्त नेविगेशन में सिस्टेमिक इम्बोली की तुलना करने के लिए अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन (अस्थिरोग)।

पूर्ण

1. हाइपोथर्मिक सर्कुलेटरी एर्रेस्ट के बिना एओर्टिक आर्च प्रतिस्थापन शल्य चिकित्साओं में तंत्रिका विज्ञानात्मक परिणाम (सी टी वी एस)।
2. बायकुस्पिड महाधमनी वाल्व वाले रोगियों के ऐसेंडिंग महाधमनी में डिजेनेरेटिव परिवर्तनों का हिस्टोपेथोलॉजिकल अध्ययन (सी टी वी एस)।
3. कायनोटिक कंजेनीटल हृदय रोग हेतु शंट प्रक्रियाओं में डिस्फ्लुरेन एवं टी आई वी ए (फ्लोरिड विश्वविद्यालय)।

हृद विकिरणविज्ञान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. आटोलोगस अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मूल कोशिका का इंट्राआर्टिरिएल डिलीवरी द्वारा क्रिटिकल अंग इस्केमिया में चिकित्सीय ऐंजियोजेनेसिस का इंडक्शन। संजीव शर्मा, डी बी टी, 2009–14, 60 लाख रु.।
2. कोरोनरी धमनी रोग (सी ए डी) के मध्यवर्ती जोखिम में रोगियों का व्यापक हृद निर्धारण में दोहरी ऊर्जा, दोहरी स्रोत सी टी। गुरप्रीत एस गुलाटी, अ.भा.आ.सं. अनुसंधान अनुदान 1 वर्ष 6 माह, 2012–23, रू.4 लाख।

पूर्ण

1. हृद पात के चूहा मॉडल में आयरन ऑक्साइड लेवल्ड मेसेकेमल मूल कोशिकाओं का इन विवो ट्रैकिंग हेतु एम आर आई। गुरुप्रीत एस गुलाटी, डी बी टी, 2008–13, 67 लाख रु.।
2. तकायासु के आर्टेराइटिस में इम्यूनोसप्रेस्सेंट थेरेपी से प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करने में 3 टेल्सा एम आर आई की उपयोगिता। गुरप्रीत एस गुलाटी, अ. भा. आ. सं. अनुसंधान अनुदान, 2011–13, 2 लाख रु.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. पैंक्रियास में आटोलोगस अस्थि मज्जा व्युत्पन्न वयस्क मूल कोशिकाओं की स्थानीय इंट्रा – आर्टेरिएल आपूर्ति द्वारा डायबिटिस मेलीटस के उपचार हेतु कोशिका बेस थेरेपी की व्यवहार्यता, सुरक्षा एवं दक्षता का मूल्यांकन करना।

पूर्ण

1. गेटिड सी टी ऐंजियोग्राफी के साथ ऐरोटिकान्यूरोसिज्म आकार का वोल्यूमेट्रिक विश्लेषण एवं डायनामिक निर्धारण।
2. तीव्र रूमेटिक ज्वर वाले रोगियों में हृद मोर्फोलॉजिकल परिवर्तनों का मूल्यांकन हेतु एम आर आई।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. गैर – हृद शल्य चिकित्सा वाले रोगियों कोहार्ट मूल्यांकन अध्ययन में वाहिका घटनाओं की पूर्व सूचना देने के लिए कोरोनरी सी टी ऐंजियोग्राफी (कोरोनरी सी टी ए विजन) (हृदविज्ञान)।

नाभिकीय चिकित्सा

सहयोगी परियोजनाएं

1. मायोकार्डिएम रीजेनेरेशन हेतु ओटोलोगस अस्थि मज्जा मूल कोशिकाओं का प्रयोग।
2. इंट्रा – कोरोनरी इंजेक्शन के पश्चात मायोकार्डिएम में मूल कोशिकाओं की होमिंग की पहचान करने तथा टेक्नेटिएम–99 एम हेक्सामिथेलिनी – प्रोपायलिन एमिनिओक्सजाइन (टीसी 99 एम एच एम पी ए ओ) के साथ मूल कोशिकाओं की लेबलिंग।
3. तीव्र मायोकार्डिएल इंफ्रैक्शन वाले रोगियों में बाएं वेंट्रीकुलर फंक्शन के सुधार में मूल कोशिकाओं की प्रभावोत्पादकता।
4. कोरोनरी घटनाओं के मध्यवर्ती जोखिम में रोगियों के निर्धारण में एस ई सी टी – एम पी आई एवं सी टी ऐंजियोग्राफी की भूमिका – पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
5. कोरोनरी धमनी रोग हेतु मध्यवर्ती जोखिम में रोगियों का व्यापक हृद निर्धारण में दोहरी ऊर्जा, दोहरी स्रोत कंप्यूटिड टोमोग्राफी (डीईडीएससीटी)।
6. इंफ्रैक्ट संबंधित धमनी के विलंब प्रकटाव के पश्चात मूल कोशिकाओं की भूमिका (सीओएटी परीक्षण)।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. स्ट्रैस – रेस्ट टी सी 99 एम टेट्रोफोस्मिन मायोकार्डियल पर्फुशन स्पेक्ट पर पेसमेकर्स वाले रोगियों में पर्फुशन असामान्यताओं की पहचान : दाएं वेंट्रीकुलर आउटफ्लो ट्रैक सेप्टम बनाम एपिकल पैसिंग के मध्य तुलना।
2. डायलेटिड कार्डियोमायोपैथी के रोगियों में वेंट्रीकुलर डायसिनक्रानि में इक्वीलीब्रीएम रेडियोन्यक्लाइड ऐंजियोकार्डियोग्राफी पर फेज़ विश्लेषण की भूमिका। इकोकार्डियोग्राफी के साथ तुलना।
3. प्रारंभिक एन एस सी फेफड़ा कैंसर वाले रोगियों में उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन में पी ई टी – सी टी।
4. रीकईंट ग्रीवा कैंसर के उपचार मूल्यांकन में पी ई टी – सी टी।
5. सी ए बी जी करवाने वाले रोगियों में बाएं आंतरिक थोरोसिक धमनी का स्केलेटोनाइज्ड बनाम पेडीक्लेड हार्वेस्ट : पोस्टर ऑपरेटिव स्टेर्ना वास्कुलेरिटी, पीड़ा एवं डिस्इस्थेसिया पर प्रभाव – अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन।

जारी

1. टी सी – 99 एम एम आई बी आई मायोकार्डियल पर्फ़ुज़न इमेजिंग का प्रयोग करके हृद रिसेनक्रोनोइजेशन थेरेपी करवाने वाले गैर – इस्केमिक डाइलेटिड कार्डियोमायोपेथी वाले रोगियों में हृद डिस्सायंक्रोनी का निर्धारण। रेडियोन्यूक्लाइड वेंट्रीकुलोग्राफी के साथ तुलना।
2. भेदीय थायरॉयड कैंसर का इमेजिंग एवं आण्विक लक्षण – वर्णन।
3. उच्च थायरॉयड कैंसर का साइटोकेराटिन फ्रैग्मेंट 19 एक डिडीफेरेंशिएसन मार्कर।
4. इंफैक्टिव इण्डोकार्डाटिस के निदान में एफ–18 एफ डी जी की व्यवहार्यता।

तना कोशिका सुविधा

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. मानव अस्थि मज्जा मेसेंकेमल मूल कोशिका से व्युत्पन्न प्रकार्यात्मक रूप से सक्रिय कार्डियोमायोसाइटिस के वंश की ओर हृद विशेष जीनों के संबंध का अध्ययन करना, सुजाता मोहंती, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 49.9 लाख रु.।

2. मायोकार्डियल इंफ्रैक्शन एवं पार्किन्सन्स विकार के पशु मॉडलों में मेसेंकेमल मूल कोशिका का प्रतिरोपण, सुजाता मोहंती, डी बी टी, 5 वर्ष, 45 लाख रु.।
3. इंब्रोनिक मूल कोशिकाओं के स्व नवीनीकरण के अनुरक्षण में माउस इंब्रोनिक फिब्रोब्लास्ट एवं मानव फोरस्कीन फिब्रोब्लास्ट फीडर कोशिकाओं की भूमिका : टी जी एफ – बीटा एवं आई जी एफ – ।। की भूमिका, सुजाता मोहंती, यू जी सी, 2 वर्ष, 4.95 लाख रु.।
4. बायोकंपोजिट स्काफफोल्ड पर अस्थि ऊतक इंजीनियरिंग हेतु ओस्टियोब्लास्ट में मेसेंकेमल मूल कोशिका का 3डी विस्तार एवं विभेदन, सुजाता मोहंती, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 24.83 लाख रु.।

पूर्ण

1. मानव बी एम (बी एम) / अम्बीलिकम कोर्ड रक्त (यू सी बी) से मैसेकैमल मूल कोशिकाओं (एम.एस.सी.) का पार्थक्य एवं विस्तार तथा इसके कार्डियोमायोजेनिक एवं न्यूरोजेनिक विभेदीय संभावना का मूल्यांकन, सुजाता मोहंती, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 29.33 लाख रु.।
2. भारत में तीव्र कोरोनरी घटनाओं के मेगा अध्ययन से एकत्रित जैव विज्ञानात्मक नमूनों हेतु बायोबैंक को डिजाइन करना, सुजाता मोहंती, डी बी टी, 1 वर्ष, रू.5.35 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. नोवल इंड्यूसर – टी जी एफ – बीटा1 का प्रयोग करके कार्डियोमायोसाइटिस में बी एम – एम एस जी की भेदीय संभावना को ऑप्टीमाइज करना।

पूर्ण

1. दंत पल्प एवं अस्थि मज्जा से व्युत्पन्न एम एस सी के विस्तार एवं भेदीय संभावना का तुलनात्मक विश्लेषण।
2. अभेदीय एवं भेदीय मेसेंकेमल मूल कोशिकाओं (एम एस सी) पर एच एल ए अणुओं का अभिव्यक्ति स्तर – इन विट्रो अध्ययन।
3. विटिलिगो रोगियों में प्रतिरोपण हेतु सीरम मुक्त पद्धति में मेलानोसाइट कल्चर की स्थापना।
4. नोवल इंड्यूसर का प्रयोग करके कार्डियोमायोसाइटिस में बी एम एस सी की भेदीय संभावना को आप्टिमाइज करना।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. मूल कोशिका अनुसंधान हेतु सर्वश्रेष्ठता का डी बी टी केंद्र : बेसिक एवं प्रतिरोपण (आई आई टी, दिल्ली)।
2. आटोलोगस अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मूल कोशिकाओं के इंट्रा – आर्टेरिएल आपूर्ति द्वारा गंभीर अंग इस्केमिया थेराप्यूटिक ऐंजियोजेनेसिस का इंडक्शन (शल्यचिकित्सा)।

पूर्ण

1. मायकार्डिएम रीजेनेरेशन हेतु आटोलोगस अस्थि मज्जा मूल कोश्किाओं का प्रयोग (सी टी वी एस)।
2. तीव्र मायोकार्डिएल रोधगलन से पीड़ित रोगियों में बाएं वेंट्रीकुलर प्रकार्य के सुधार में मूल कोशिका की प्रभावोत्पादकता (हृद विज्ञान)।
3. मूल कोशिका कमी विकार में ऑकुलर सतह पुनः संरचना हेतु लिम्बल मूल कोशिका का कल्चर (डॉ. रा. प्र. केंद्र)।
4. शुष्क आयु संबंधित मेकुलर डिजेनेरेशन एवं रेटीनाइटिस पिग्मेंटोसा वाले रोगियों के पुनर्वास हेतु आटोलोगस अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मूल कोशिकाओं का प्रयोग : फेज –। क्लिनिकल परीक्षण (डॉ. रा. प्र. केंद्र)।
5. चिरकारी गंभीर अंग इस्केमिया वाले रोगियों में अंगच्छेदन के निवारण में ऑटोलोगस मूल कोशिका की सुरक्षा एवं प्रभावोत्पादकता (शल्य चिकित्सा)।
6. हृद पात के चूहा मॉडल में आयरन ऑक्साइड लेबल्ड मेसेंकेमल मूल कोशिकाओं का इन – विवो से एम आर आई (हृद विकिरण विज्ञान)।
7. कोर्नियल एपीथेलिएल कोशिका के एक्स – विवो विस्तार हेतु मानव एम्नियोटिक कला के वैकल्पिक सब्सट्रैट के रूप में सेवा करने के लिए संभाव्य बायोपोलीमर का विकास (डॉ. रा. प्र. केंद्र)।

8. ग्लियोमा मूल कोशिकाओं के इम्यून बचाव तंत्र में एम एच सी एवं को – स्टीमुलेटरी अणुओं की भूमिका की खोज करना (तंत्रिका जैव रसायन)।

हृद विकृति विज्ञान

सहयोगी परियोजनाएं

1. फ्रिबोसिस, कैपीलेरी सघनता, आर्टेरियोलर सघनता एवं कोलाजेन 4 वितरण का पैटर्न का मोर्फोमेट्रिक विश्लेषण हिस्टोलॉजिकल से विशेष संदर्भ के साथ डायलेटिड कार्डियोमायोपेथी का विकृति विज्ञानात्मक मूल्यांकन – इण्डोमायोकार्डिएल बायोप्सियां एवं एक्सप्लेंटिड नेटिव हृदय पर अध्ययन।
2. रूमेटिक हृदय रोग के कारण आर्टेरिएल फिब्रीलेशन वाले रोगियों में शल्यक रूप से एक्साइड लेफ्ट अर्टिरिएल ऐप्पेंडेज का हल्का माइक्रोस्कोपिकल एवं अति संरचनात्मक विशेषताओं का हिस्टोपैथोलॉजिकल विश्लेषण।
3. केरोनरी धमनी बायपास हेतु वाहकनल के रूप में प्रयुक्त रेडिएल एवं बाएं आंतरिक मेम्मरी धमनियों में पापावेराइन इंजेक्शनों के पश्चात इण्डोथेलियल क्षति एवं अन्य हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तन।
4. सी टी स्कैनर की दोहरी ऊर्जा तकनीक की तुलना में कोरोनरी ऐथिरोस्क्लेरोसिस में ऐथिरोस्क्लेरोसिस फ्लैक्यू का हिस्टोपैथोलॉजिकल एवं बायोकैमिकल विश्लेषण।
5. शिक्षण चिकित्सा एवं विज्ञान हेतु उभरते साधन के रूप में वास्तविक चिकित्सा कक्षा (राष्ट्रीय ज्ञान आयोग द्वारा वित्तपोषित)।
6. मुखीय स्क्वामाउस कोशिका कार्सिनोमा लसीका पर्व विक्षेपी के सहित एवं रहित एवं वीरुकोअस कार्सिनोमा में जाक – पी, स्टेट –3 एव ंबी सी एल –2 का इम्यूनोहिस्टोकैमिकल अभिव्यक्ति।
7. ग्रीवा लसीका पर्व में विक्षेपी स्क्वैमाउस कोशिका कार्सिनोमा की तुलना में मुखीय स्क्वामाउस कोशिका कार्सिनोमा, वीरुकोउस कार्सिनोमा में ई – केडहेरिन, बीटा – केटेनिन एवं विमेंटिन का इम्यूनोहिस्टोकैमिकल अध्ययन।
8. इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री पर विशेष बल सहित त्वचा तपेदिक का क्लिनिको मोर्फोलॉजिकल अध्ययन।
9. वक्ष एरोटिक ऐन्यूरिज्मस में मेट्रिक्स मेटालोप्रोटिनेज–2, मेट्रिक्स मेटेलोप्रोटिनेज–9, ऊतक इंहिबीटर मेटलोप्रोटिनेज–1, ऊतक इंहिबीटर मेटेलोप्रोटीनेज–2, कोलाजेन 1 एवं 4 अभिव्यक्ति की अभिव्यक्ति।
10. बायकुस्पिड एरोटिक वाल्व से पीड़ित रोगियों में एरोटिक ऐन्यूरिज्मस का हिस्टोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन।

हृद जैव रसायन

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. वयस्क होने में टेलोमेर लंबाई एवं टेलोमिरेज गतिविधि पर जन्म आकार, शिशु एवं बाल्यावस्था वृद्धि का संबंध। आर. लक्ष्मी, डी बी टी, 2012–15, 70.87 लाख रु.।

पूर्ण

1. बृहत भारतीय औद्योगिक जनसमुदाय में एच डी एल2, एच डी एल3 एवं एपोलीपोप्रोटीन ए। स्तरों का मूल्यांकन : सी ई टी पी, एल सी ए टी, हेपाटिक लाइपेज एवं एल पी एल जीन में आनुवांशिक भिन्नताओं के साथ संबंध। आर लक्ष्मी, डी एस टी, 2008–12, 65 लाख रु.।
2. ट्रांसक्रिप्शन कारकों, पी पी ए आर वाई एवं एस आर ई बी पी। सी की अभिव्यक्ति पर ट्रांस फैटी एसिडों का प्रभाव। संस्थान वित्तपोषित, आर. लक्ष्मी, इंट्राम्यूरल, 2011–12, 1.80 लाख रु.।
3. सामान्य चुने हुए भारतीय फास्ट फूड वस्तुओं में ट्रांस फैटी एसिड तत्व का आकलन। आर. लक्ष्मी एस आर एफ फैलोशिप आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित, 2009–12.

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. वयस्क अवस्था में टेलोमेर लंबाई एवं ऑक्सीडेटिव तनाव मार्करों पर जन्म आकार, शिशु एवं बाल्यावस्था कैचअप वृद्धि का संबंध।
2. इस्कैमिक अथवा डायलेटिड काडियोमायोपेथी से ग्रस्त रोगियों में परिसंचरित इण्डोथेलियल प्रोजेनीटर कोशिका संख्या टेलोमेर लंबाई के साथ विटामिन डी हीनता का संबंध।

पूर्ण

1. सी ए डी के रोगियों में परिसंचारी इण्डोथेलियम प्रोजेनीटर कोशिकाएं (ईपीसी) : ईपीसी सेनेसेंस में टेलोमेर लंबाई एवं टेलोमिरेज गतिविधि की भूमिका।
2. ट्रांस फैटी एसिड ग्रहण के माप के लिए साधारण पद्धति का विकास एवं वैधीकरण तथा ट्रांस फैटी एसिड एवं सी ए डी के मध्य संबंध का अध्ययन करना।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. चिरकारी अग्न्याशयशोथ में फिब्रोसिस के मार्कर्स एवं पैंक्रियाटिक प्रकार्य पर ऐंटीऑक्सीडेंट संपूरण का प्रभाव : यादृच्छिक नियंत्रित दोहरा परीक्षण (जठरांत्ररोग विज्ञान)।
2. डॉ. समीर के साथ फॉलो अप पर बाल तीव्र ल्यूकीमिया के रोगियों में पौषणिक स्तर (सं. रो. कैं. अ.)।
3. उत्तर भारतीय जनसमुदाय में सगर्भता जटिलताओं की तुलना में ग्लोबल एवं एम टी एच एफ आर जीन विशेष मेथीलेशन का केस कंट्रोल अध्ययन (दिल्ली विश्वविद्यालय)।
4. हिमाचल प्रदेश, भारत के तीन उच्च एल्टीट्यूट क्षेत्रों (1000 मीटर एवं ऊपर) से 6–18 वर्ष के आयु समूह में बच्चों में विटामिन डी हीनता एवं संबंधित कारकों की व्यापकता का मूल्यांकन (मानव पोषण एकक)।
5. 60 वर्ष एवं अधिक आयु के अधेड़ जन समुदाय में पोषणिक स्तर, आहार संबंधित रूग्णता एवं स्वास्थ्य उपचार सुविधाओं के प्रयोग का मूल्यांकन (मानव पोषण एकक)।
6. भारतीय अधिक आयु वाले नवयुवकों में गैर – एल्कोहॉलिक फैटी लिवर रोग से सुग्राहिता को सुनिश्चित करने में जेनेटिकपोलीमोर्फिज्मस, क्लिनिकल एवं बायोकैमिकल पैरामीटर्स का प्रभाव (बाल चिकित्सा)।
7. रोबोटिक यूरोलॉजिकल स्ट्रैटेजी में न्यूरोइण्डोक्राइन तनाव प्रतिक्रिया : डेक्समेडेटोमाइडाइन आधारित बनाम फेंटेनी। आधारित कुल इंट्रावीनस एनेस्थिसिया (हृद संवेदनाहरण)।
8. सार्वभौमिक नमक आयोडाइनेशन के युग में रेडियोआयोडाइन ग्रहण मानों के सामान्य संदर्भ श्रेणी की पुनः स्थापना (नाभिकीय चिकित्सा)।
9. उत्तर भारत में विटामिन डी संपूरण एवं जीवनशैली हस्तक्षेप का प्रयोग करके प्रिडायबिटिस से ग्रस्त महिलाओं में टाइप 2 डायबिटिस का निवारण (प्रिवेंट – विन अध्ययन) (सामुदायिक चिकित्सा)।
10. जन्म वजन एवं वृद्धि ट्रेजेक्टरी के आनुवांशिक निर्धारक एवं इन एंथ्रोपोमेट्रिक संसूचकों पर अभिभावकीय जीनोटाइप का प्रभाव (अंतः स्राविकी विज्ञान)।
11. भारतीयों में स्वास्थ्य एवं रोग के अंतः पीढ़ी प्रोग्रामिंग को समझना (अंतः स्राविकी विज्ञान)।
12. भारत में बाल्यावस्था स्थूलतः इसके मापन एवं निर्धारकों पर बहुकेंद्रीय अध्ययन (अंतः स्राविकी विज्ञान)।

पूर्ण

1. रीनल प्रतिरोप प्रापकों में ऑक्सीडेटिव तनाव, केरोटिडिनटिमा मीडिया थिकनेस एवं इण्डोथेलियम डिस्फंक्शन तथा एन एसिटी। सिस्टियन के साथ थेरेपी का प्रभाव (वृक्कविज्ञान)।
2. अधिक वजन वाले बच्चों एवं किशोरों में एडीपोनेक्टिन सी रीएक्टिव प्रोटीन एवं इंटरल्यूकीन–6 तथा डिस्लाइपिडेमिया एवं इंसुलिन प्रतिरोध के साथ उनका संबंध (बाल चिकित्सा)।
3. एल्जीमर्स रोग एवं वाहिका डिमेंसिया में ऑक्सीडेटिव तनाव जोखिम कारकों का अध्ययन (प्रयोग चिकित्सा)।
4. कोरोनरी हृद रोग की व्यापकता तथा एन सी आर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों में इसके जोखिम कारक पुनः सर्वेक्षण (सामुदायिक चिकित्सा)।
5. स्टेरॉयड प्रतिरोध नेफ्रोटिकसिंड्रोम में केरोटिड इंटिमा मीडिया थिकनेस का हायपर लिपिडेमिया एवं वृद्धि में एटोर्वेस्टेटिन का प्रभाव (बाल चिकित्सा)।

अंग पुनः प्राप्ति बैंकिंग संस्थान (ओ आर बी ओ)

विभागीय परियोजनाएं

1. हरियाणा के ग्रामीण जनसमुदाय में अंग दान के संबंध में जागरूकता का अध्ययन।

2. तृतीयक उपचार अस्पताल में मेडिको – लीगल केसों में ऊतक एवं अंग दान को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन।
3. संरक्षण समय हेतु मृत्यु का अध्ययन एवं दाता कोर्नियास के उपयोगिता पर इसका प्रभाव।

सहयोगी परियोजनाएं

1. तीव्र इस्केमिक आघात वाले रोगियों हेतु अंतःशिरा आटोलोगस अस्थि मज्जा मोनोन्यूक्लियर कोशिकाएं (बी एम एम सी) (तंत्रिका विज्ञान)।
2. तीव्र इस्केमिक आघात वाले रोगियों के लिए अंतःशिरा आटोलोगस अस्थि मज्जा मोनोन्यूक्लियर कोशिकाएं (बी एम एम सी) (तंत्रिका विज्ञान)।
3. संस्थागत सेटिंग एवं ऑपरेशनल अनुसंधान में नेत्र दान में सुधार एवं उसे संपोषित करने में संतप परामर्शदाता बनाम प्रशिक्षित नर्सों का प्रभाव (डॉ. रा. प्र. केंद्र)।
4. मस्तिष्क मृत्यु के संबंध में जागरूकता एवं विश्वास का सर्वेक्षण एवं इसकी स्वीकृति एवं मृत दान दरों पर शैक्षिक इंटरवेंशन की भूमिका (जी. आई. शल्य चिकित्सा)।

अस्पताल प्रशासन (सी टी सी)

विभागीय परियोजनाएं

1. अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली के सी एन केंद्र एवं मुख्य अस्पताल में किसी भी शल्यक इंटरवेंशन से पूर्व निर्णय लेने में रोगी / संबंधियों के सम्मिलित होने की पद्धति का अध्ययन।
2. अ. भा. आ. सं. में चिकित्सा प्रमाण पत्रों के जारी करने की पद्धति, पहचान अंतर एवं चिकित्सा प्रमाणपत्रों को जारी करने के लिए एस ओ पी (प्रोटोकॉल) के विकास पद्धति का अध्ययन।
3. अ. भा. आ. सं. में स्वास्थ्य कर्मचारियों के मध्य नीडल स्टिक क्षति (एन एस आई) की व्यापकता एवं परिस्थितियों की जांच करने के लिए अध्ययन तथा विद्यमान नियंत्रण उपायों एवं मानक सावधानियों की प्रभावोत्पादकता को सुनिश्चित करना।
4. अ. भा. आ. सं. में जन्म एवं मृत्यु प्रमाणपत्र के जारी करने के लिए नीतियों एवं प्रक्रियाओं का अध्ययन, अंतरों की पहचान करना एवं उक्त के लिए एस ओ पी का सुझाव देना।
5. अ. भा. आ. सं. में ओ टी एवं आई सी यू में एच वी ए सी पद्धति की गुणवत्ता एवं प्रभावोत्पादकता का अध्ययन करना।

रक्त आधान सेवाएं

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. चिरकारी गंभीर अंग इस्केमिया वाले रोगियों में अंगच्छेन रोकने में ओटोलोगस मूल कोशिका की सुरक्षा एवं प्रभावोत्पादकता (शल्य चिकित्सा)।
2. एच आई वी –1 क्लैड सी के इंविलप जी पी 120 के विरुद्ध एकल चैन परिवर्ती क्षेत्र (एस सी एफ बी) एंटीबॉडी का प्रजनन एवं लक्षण वर्णन (जैव रसायन)।
3. एच आई वी – 1 (क्लैड – सी) के इंविलप ग्याकोप्रोटीन के विरुद्ध स्थान चयनित मानव मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज़ का उत्पादन एवं लक्षण वर्णन (जैव रसायन)।
4. एचआईवी – 1 संक्रमण में एस डी एफ–1 एवं डी सी – एस आई जी एन आर पोलीमोर्फिज्म एवं अभिव्यक्ति (जैव रसायन)।
5. बच्चों में एच आई वी– 1 संक्रमण का इम्यूनोलॉजिकल लक्षण वर्णन (जैव रसायन)।
6. एच आई वी– 1 संक्रमण में डेंड्रिटिक कोशिकाओं का प्रकार्यात्मक लक्षण – वर्णन (जैव रसायन)।
7. एच आई वी– 1 संक्रमण में डेड्रिटिक कोशिका गणना एवं साइटोकाइन स्तर (जैव रसायन)।
8. स्वस्थ भारतीय वयस्कों में सीरम मुक्त लाइट चेयर्स की सामान्य संदर्भ श्रेणी को संस्थापित करना (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)।
9. भारतीय सर्वमिक रोगियों में एच आई वी– 1 हेतु सूडोवाइरस का प्रजनन एवं लक्षण वर्णन (जैव रसायन)।
10. चिरकालिक रूप से संक्रमिक भारतीय बाल रोगियों में एचआईवी – 1 क्लैड सी इंविलप का विकास (जैव रसायन)।

<u>प्रकाशन</u>

हृद वक्ष वाहिका शल्य चिकित्सा

पत्रिकाएं : 34

हृद विज्ञान

पत्रिकाएं : 51

हृद संवेदनाहरण
पत्रिकाएं : 15 सार :3 पुस्तकों में अध्याय : 2 पुस्तक : 1

हृद विकिरण विज्ञान
पत्रिकाएं : 10 सार : 5

हृद नाभिकीय चिकित्सा
पत्रिकाएं : 2

मूल कोशिका सुविधा
पत्रिकाएं : 8 सार : 5

हृद विकृति विज्ञान
पत्रिकाएं : 4 पुस्तकों में अध्याय : 2

हृद जैव रसायन
पत्रिकाएं : 8 सार : 3

रक्त आधान सेवाएं
पत्रिकाएं : 2

<u>रोगी उपचार</u>

हृद वक्ष वाहिका शल्य चिकित्सा

कुल निष्पादित ऑपरेशन 4191 ओपन हार्ट शल्य चिकित्सा 3206 बंद हार्ट शल्य चिकित्सा 985
बहिरंग उपस्थिति : 41923 रोगी

हृद विज्ञान

नए ओ पी डी केस	30,820	पुराने हृद विज्ञान केस	78,746

रोगी सेवाएं

टी एम टी	2,229	होल्टर	2,813
इकोकार्डियोग्राफी	34,270	फेटल इकोकार्डियोग्राफी	378
टी ई ई	48	ई सी जी (अंतरंग)	34,796
ई सी जी (ओपीडी)	34,676	एम्बुलेटरी बीपी	45
इवेंट रिकॉर्ड्र	21	हेड अप टिल्ट टेस्ट	94

कैथ लैब सेवाएं

रोगनिदान

कोरोनरी एंजियो एवं कैथ	1489+1426

इंटरवेन्शस

कोरोनरी इंटरवेशंस	1098	मिट्रल वॉल्व डिलेटेशन	454
डिवाइस क्लोजर्स	120	पेस मेकर्स	166
आईसीडी/बीआईवी/कोम्बो	74	ईपीएस / आरएफए	41
अन्य इंटरवेंशंस	210		

हृदय संवेदनाहरण

हृद संवेदनाहरण विभाग के संकाय एवं रेजीडेंट 8 ऑपरेशन थिएटर, 5 कैथेटराइजेशन लैबो, सी टी ऐंजियोग्राफी एवं एम आर आई हृद में संवेदनाहरण उपचार देने में सम्मिलित रहे हैं। संवेदनाहरण विभाग सी टी वी एस – आई सी यू – ए तथा वी आई सी सी यू सभी सामान्य वार्डों एवं सी एन टावर में पुनरुज्जीवन एवं वेंटीलेटरी उपचार में भी सम्मिलित रहे हैं।

कार्डियो – न्यूरो रोगी उपचार एवं अ. भा. आ. सं. के स्टाफ हेतु विभाग द्वारा तनाव उपचार क्लिनिक की देख रेख की जाती है।

हृदय विकिरण विज्ञान

की गई जांचें

साइन फ्लूरोस्कोपी	73671	एक्स–रे	8400
डीएसए	930	एम आर आई	377
सी टी	2840	यू एस / डॉप्लर	3668
कैथेटर प्रक्रियाएं	6071		

नाभिकीय चिकित्सा

नाभिकीय हृद विज्ञान एकक द्विमुखी स्पेक्ट – सीटी गामा कैमरा से सुसज्जित है। नाभिकीय हृद विज्ञान एकक सी एन केंद्र एवं अस्पताल के अन्य विभागों से हृद अध्ययनों के लिए रेफर किए गए रोगियों का प्रबंध करता है। पेसमेकर पर रोगियों के मूल्यांकन एवं कीमोथेरेपी लेने वाले रोगियों में हृद मूल्यांकन हेतु सं. रो. कैं. अ. एवं केंद्र से रेफर किए गए सी ए डी रोगियों में बाएं वेंट्रीकुलर प्रकार्य के मूल्यांकन के लिए एम यू जी ए अध्ययन को भी निष्पादित करता है। हम मायोकार्डियल जीवन क्षमता के मूल्यांकन के लिए एफ–18 एफ डी जी ग्लूकोज मेटाबॉलिक अध्ययन तथा एन– 13 एन एच 3 परफ्यूजन के साथ हृद पी ई टी इमेजिंग को भी निष्पादित करते हैं।

निष्पादित किए गए अध्ययनों की कुल संख्या 2578

मायोकार्डियल परफ्यूजन अध्ययन	1629	एम यू जी ए अध्ययन	864
हृद पी ई टी	43	विविध (वी/क्यू स्कैन, प्रथम उत्तीर्ण)	42

मूल कोशिक सुविधा

विभिन्न क्लिनिकल जांचों के तहत मूल सुविधा प्रतिरोपण : 100

कोर्नियल सतह पुनर्निर्माण

लिम्बल मूल कोशिका प्रतिरोपण	5	मुखीय मुकोसल प्रतिरोपण	12

क्रायोप्रिजर्वेशन

कोर्ड रक्त मूल कोशिका	8	अस्थि मज्जा स्टेम	12

उपलब्ध सुविधाएं

मोनोन्यूक्लियर कोशिका पृथकीकरण, फ्लो साइटोमीटर द्वारा मूल कोशिका गणना, मूल कोशिकाओं का क्रायोप्रिजर्वेशन।

हृद विकृति विज्ञान

नमूने

नैमिक	288 केस	अनुसंधान	101 केस
कोटिड स्लाइडें	पीईपीएस : 28,547	स्लाइडें	

अन्य कार्य

इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री	124	एच एवं ई स्लाइडें	3		
मैन्यूअल प्रोसेसिंग (पश्च हृद प्रतिरोप बायोप्सिया)			3	फ्रोजन सेक्शन	2

हृदय जैव रसायन

जांच

<u>नैमिक रसायन</u> : प्लाज्मा ग्लूकोस, यूरिया क्रिटिनाइन, यूरिक एसिड, कैल्सियम, फॉरस्फोरम, कुल प्रोटीन, एल्बुमिन, एस जी ओ टी, एस जी पी टी, एल्कालाइन फॉस्फेटेज, एमिलेज, इलेक्ट्रोलाइटिस।

<u>नैमिक हीमोटोलॉजी</u> : हीमोग्लोबिन, डब्ल्यू बी सी, विभिन्न गणनाएं, प्लेटलेट्स एवं ई एस आर।

<u>कोगुलेशन</u> : पी टी, ए पी टी टी, एफ डी पी, फाइब्रोजेन।

<u>हृद मार्कर्स</u> : सी के, सी के – एम बी, एल डी एच, ट्रोपोनिन 1 एवं बी एन पी।

लाइपिड्स : कोलेस्ट्रॉल – कुल, कोलेस्ट्रॉल – एच डी एल, कोलेस्ट्रॉल – एल डी एल, कोलेस्ट्रॉल – वी एल डी एल, ट्राइग्लिसराइड्स, लिपोप्रोटीन (क), एपो (क) एपो (ख)।

दवाइयां : डिगोजिन, साइक्लोस्पोराइन।

थायरॉयड हार्मोन्स : टी 3, टी 4, टी एस एच।

ए एस एल ओ, सी आर पी, हीमोसिस्टीन, विटामिन बी 12 एवं फोलेट, आर ए फैक्टर, कैथेकोलेमाइन (प्लाज्मा एवं यूरिन), वी एम ए, ग्लाइकोसाइलेटिड हीमोग्लोबिन इंसुलिन।

अंग पुनः प्राप्ति बैंकिंग संस्था (ओ आर बी ओ)

- फेफड़ा एवं हृदय – फेफड़ा प्रतिरोपण हेतु अ. भा. आ. सं. का पंजीकरण आरंभ किया।
- मानव अंग नियम 2012 के प्रतिरोपण कराने में योगदान दिया।
- अंग दान प्रपत्र को डाउनलोड करने की सुविधा के साथ रीयल टाइम एवं अनुनादी ओरबो वेबसाइट (www.orbo.org.in) को तैयार किया एवं अद्यतन किया।
- प्रतिरोपण हेतु 137 अंगो एवं ऊतकों को प्राप्त किया।
- विगत एक वर्ष में चिकित्सा शिक्षा को सुगम्य बनाने के लिए ओरबो के द्वारा 15 संपूर्ण शरीर का भी दान किया था।
- डोनर रजिस्ट्री : ओरबो के प्रोत्साहित करने पर अंग दान हेतु 1480 व्यक्तियों ने प्रतिज्ञा की। अब तक पंजीकरण की कुल संख्या 17500 से भी अधिक है।
- अंग एवं ऊतक दान के अच्छे कार्य को बढ़ाने के लिए विभिन्न एन जी ओ के साथ सहयोग।

सामुदायिक सेवाएं / कैम्प

- भारत अंतरराष्ट्रीय केंद्र में अंग दान पर आई ई सी गतिविधि, 5 दिसंबर 2012 श्रीमती ब्रिंदा कारत, सी पी आई – एम नेता ने ओरबो के साथ अंग दान के लिए प्रतिज्ञा की।
- अंग दान पर आई ई सी गतिविधि आयोजित की, 25–27 सितंबर 2012. जिन व्यक्तियों ने अंग एवं ऊतक दान के कारण को समर्थन दिया उनकी फोटो खींची गई एवं उसी समय दे दी गई थी।
- 26 सितंबर 2012 को देश के विभिन्न चिकित्सा कॉलेजों के चिकित्सा स्नातकों के लिए अंग दान पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- अमेरिकन एक्सप्रैस, गुडगांव में अंग दान पर जागरूकता कैंप, 25–27 सितंबर 2012. ओरबो के साथ 500 से भी अधिक व्यक्तियों ने प्रतिज्ञा की।
- अ. भा. आ. सं. एवं ट्रामा केंद्र के प्रमुख स्थानों में ओरबो के बड़े होर्डिंग का डिजाइन बनाया एवं प्रदर्शित किया (पब्लिक सैक्टर में पहली बार)।
- अ. भा. आ. सं. एवं ट्रामा केंद्र के प्रमुख स्थानों में ओरबो के इलैक्ट्रॉनिक बोर्डों का डिजाइन बनाया एवं उन्हें प्रदर्शित किया (पब्लिक सैक्टर में पहली बार)।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित स्टाल में भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2012, प्रगति मैदान में आई ई सी गतिविधि।
- तीसरे भारतीय अंग दान दिवस में आई ई सी गतिविधि, 30 नवंबर 2012, सफदरजंग अस्पताल।
- भगत अस्पताल प्राइ. लिमि. जनकपुरी, नई दिल्ली में अंग दान पर जागरूकता कैंप, 2 अक्टूबर 2012.
- अंग दान पर नजफगढ़ में ओल्ड ऐज होम में आई ई सी गतिविधि, 18 अक्टूबर 2012
- डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली में अंग दान पर जागरूकता कैंप, 12 जनवरी, 2013.
- बोस्को पब्लिक स्कूल, पश्चिम विहार, नई दिल्ली में अंग दान पर जागरूकता कैंप, 23 फरवरी 2013.
- राम लाल आनंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, धौला कुंआ, नई दिल्ली में आई ई सी गतिविधि, 24 फरवरी, 2013.
- मयूर विहार फेज 3, दिल्ली में अंग दान पर जागरूकता कैंप, 3 मार्च 2013.

अस्पताल प्रशासन (सी टी सी)

- हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र का प्रबंध एवं प्रशासन – 411 बिस्तरों वाला अति विशिष्ट केंद्र। 15 ऑपरेशन थिएटर जिसमें इंट्रा – ओ पी एम आर आई सुविधा शामिल है, 107 आई सी यू बिस्तर सर्वोत्कृष्ट गामा नाइफ सुविधा के साथ 7 कैथ लैब।
- मानव संसाधन प्रबंधन, रोगी उपचार का एकीकरण एवं समन्वयन, क्लिनिकल नैदानिक एवं सहायता सेवाएं।

- रक्त कोष, प्रयोग. मैनीफोल्ड, रिसेप्शन, लॉउण्ड्री, सी एस एस डी आदि हेतु नर्सिंग, सफाई, सुरक्षा, प्रशासन, भण्डार एवं अन्य सहायक स्टाफ का निरीक्षण।
- रोगी शिकायत एवं निवारण।
- अस्पताल आपूर्ति एवं प्राप्ति।
- विभिन्न रोगी उपचार क्षेत्रों को नवीनीकृत किया गया। (एन एस – 5 तंत्रिका विज्ञान वार्ड, सी टी – 3, हृद विज्ञान वार्ड, बाल हृद विज्ञान वार्ड, ओरबो, इंट्रा – ऑपरेटिव एम आर आई तंत्रिका शल्य चिकित्सा ऑपरेशन थिएटर)।
- सी. एन. केंद्र के कैफेटेरिया को नवीनीकृत एवं उन्नत किया गया।
- सी एन केंद्र में प्रिपेड कैश कार्ड पद्धतियों को लागू किया गया जो कि किसी भी सरकारी अस्पताल में पहली बार है।
- सी एन केंद्र के लिए एम आई एस के साथ–साथ सी सी टी वी निगरानी एवं मॉनीटरिंग पद्धति को लागू किया।
- बाल हृद विज्ञान वार्ड ने अ. भा. आ. सं. में श्रेष्ठ अनुरक्षित वार्ड हेतु पुरस्कार प्राप्त किया।
- रक्त कोष, ओ पी डी एवं सी एन केंद्र के भंडार को कंप्यूटरीकृत किया गया।
- सी एन केंद्र ओ पी डी में रोगी कॉल हेतु एल ई डी पद्धति को संस्थापित किया।
- सी एन केंद्र में वी वी आई पी उपचार हेतु समन्वयन।

रक्त आधान सेवाएं

एकत्रित रक्त यूनिटें

विभाग में स्वैच्छिक दाता	259	प्रतिस्थापन दाता	12774
रक्त मोबाइलों के जरिए स्वैच्छिक दाता	186	आई आर सी एस से प्राप्त रक्त	28
रक्त कोष, एम्स से प्राप्त रक्त	225	परिवार का स्वैच्छिक दाता	8393
अन्य अस्पतालों से प्राप्त रक्त	365	ऑटोलोगस	1
एकत्रित की गई रक्त यूनिटों की कुल संख्या	22231		

जारी रक्त यूनिट

सी टी वी एस / एन एस से	26163	रक्त कोष, अ. भा. आ. सं. से	1626
जे पी एन ए टी सी से	326	आई आर सी एस से	29
अन्य अस्पतालों से	1350		
एच आई वी/एच बी वी/एच सी वी/वी डी आर एल रिएक्शन यूनिट डिस्कॉर्डिड	551		
जारी किए गए रक्त यूनिट की कुल संख्या	30045		

प्रयोगशाला प्रक्रियाएं

कुल रक्त समूह (ए बी ओ / आर एच)	89553	कुल किए गए क्रॉस मैचिंग	106964

संक्रमण मार्कर

एच आई वी	26482	एच बी वी	26345
एच सी वी	26128	वी डी आर एल	23170
एम पी	24170	सी एम वी	112
कुल	126407		

रक्त घटकों की कुल संख्या

फ्रेस फ्रोजन प्लाज्मा (एफ एफ पी)	17418	प्लेटलेट सांद्र	18753
पुनः प्राप्त प्लाज्मा	1367	क्रीयोप्रेसीपिटेट	1261
पैक्ड लाल रक्त सेल्स	20245		
कुल	59044		

विशेष प्रक्रियाएं

एकल दाता प्लेटलेटफेरेसिस

आहारविद्

सामान्य एवं प्राइवेट वार्डों में देखे गए रोगियों की कुल संख्या एवं उन्हें दी गई चिकित्सीय आहार :

क. सामान्य वार्डों में आहार

सामान्य आहार	77400	खिचड़ी / अर्धकठोर आहार	10590
भोजन	12960		

ख. सामान्य वार्डों में चिकित्सीय आहार

मधुमेह आहार	4000	रीनल आहार	740
उच्च प्रोटीन आहार	22000	उच्च कार्बोहाइड्रेड आहार	2200
हल्का आहार	360		
कुल	30000		

ग. चिकित्सीय भोजन

विशेष भोजन	4000	संशोधित भोजन	7000
मधुमेह भोजन	5600	दही भोजन	5000
चार्ट भोजन	400	मूंगदाल / हेपाटिक भोजन	400
रीनल भोजन	400		
कुल	22800		

घ. टावर प्राइवेट वार्ड में आहार

ङ. आंतरिक एवं बाहय रोगियों को दी गई आहार परामर्श की संख्या

माह	रोगियों की संख्या	माह	रोगियों की संख्या
अप्रैल	237	अक्टूबर	286
मई	265	नवंबर	230
जून	145	दिसंबर	260
जुलाई	405	जनवरी	286
अगस्त	340	फरवरी	216
सितंबर	304	मार्च	281
कुल	**3255**		

पुरस्कार / सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

हृद – वक्ष वाहिका शल्य चिकित्सा

आचार्य बलराम ऐरन को टी एच ओ ए के संदर्भ में हृदय, फेफड़ा एवं हृदय–फेफड़ा प्रतिरोपण निष्पादित करने के लिए पंजीकरण हेतु अस्पताल की उपयुक्तता के कारण पी जी आई एम ई आर, चड़ीगढ़ में जांच कार्य को निष्पादित करने के लिए डी जी एच एस द्वारा जांच करने हेतु टीम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, 1994; टी एच ओ ए के संदर्भ में हृदय एवं फेफड़ा प्रतिरोपण को निष्पादित करने के लिए पंजीकरण के नवीनीकरण हेतु सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली की जांच को निष्पादित करने के लिए डी जी एच एस द्वारा जांच हेतु टीम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, 1994; कोयराला इंस्टीट्यूट, काठमांडू, नेपाल में एम सी एच सी टी बी एस परीक्षा हेतु बाहय परीक्षक; स्टेम सेल्स एवं कैंसर (आई सी एस सी सी – 2012) पर तीसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया : प्रसरण, विभदेन एवं एपोप्टोसिस, पी जी आई एम ई आर, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली; भोपाल एक शिक्षण

संस्थान, भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र को बनाने के लिए आई सी एम आर द्वारा गठित हाई पाउरड कमेटी के सदस्य नियुक्त हुए; एच आर डी मंत्रालय द्वारा हृद विज्ञान में यूनाइटिड किंगडम सरकार द्वारा कॉमनवेल्थ स्कोलरशिप / फेलोशिप के पुरस्कार हेतु उम्मीदवार चुनने के लिए नियुक्त हुए; भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवं अनुसंधान अनुभाग में संकाय के चयन हेतु आई सी एम आर द्वारा साक्षात्कार बोर्ड के सदस्य; यूनियन हेल्थ मिनिस्ट्री / डी जी एच एस, भारत सरकार द्वारा हृद वक्ष विभाग से संबंधित नीति मामलों की विभिन्न समितियों में विशेषज्ञ / सदस्य नियुक्त हुए; यू पी मेडिकल शिक्षा विभाग में सी टी वी एस के लेक्चरर के चयन हेतु यू पी लोक सेवा आयोग द्वारा चयन समिति, इलाहाबाद के सदस्य (परामर्श) नियुक्त हुए; 'एडवांस्ड हार्ट फेलियर एण्ड मैकेनिकल असीस्ट मीट – 2013' चेन्नई के प्रथम बैठक में भाग लिया; पेडियाट्रिक कार्डिएक सोसाइटी ऑफ इंडिया, चेन्नई के 14वां वार्षिक सम्मेलन, 4–7 अक्टूबर 2012 तथा सम्मेलन में संकाय एवं डॉ. बी. एम. रेड्डी स्टेंफोर्ड विश्वविद्यालय, यू एस ए तथा डॉ. पी. कुष्णन, मायो क्लिनिक, यू एस ए द्वारा प्रदत्त 'आमंत्रित अतिथि व्याख्यान' पर सत्र की अध्यक्षता की। 'इनोवेशन्स इन पेडियाट्रिक कार्डिएक सर्जरी / ऐनेस्थिसिया / आई सी यू मैनेजमेंट' पर सत्र पर जजों के पेनल के सदस्य भी हैं।

आचार्य एस. के. चौधरी पी जी आई एम ई आर, चंडीगढ़ में एम सी एच (सी टी वी एस) परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक नियुक्त हुए; परफ्यूजन टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम हेतु अंतिम परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली; सहायक आचार्य के पद हेतु उम्मीदवारों के चयन हेतु राजस्थान पब्लिक सर्विस कमीशन (अजमेर) राजस्थान को सहायता करने के लिए विशेषज्ञ; ऊतक दाता स्क्रीनिंग, ऊतक पुनः प्राप्ति एवं ऊतक ट्रैकिंग हेतु मार्गदर्शी सिद्धांत विकासित करने के लिए 'नेशनल कंसल्टेशन' हेतु विशेषज्ञ समूह के नामांकित सदस्य; पी जी आई एम ई आर, चंडीगढ़ में एम सी एच (सी टी वी एस) व्यवहारिक परीक्षा को संचालित करने के लिए बाह्य परीक्षक नियुक्त हुए; डॉ. राम मनोहर लोहिया संस्थान, लखनऊ के सी टी वी एस विभाग में आचार्य के चयन के लिए विशेषज्ञ; संजय गांधी आयुर्विज्ञान स्नातकोत्तर संस्थान, लखनऊ, सी टी वी एस विभाग में आचार्य के चयन हेतु विशेषज्ञ नियुक्त; में आचार्य के चयन हेतु विशेषज्ञ नियुक्त; ऊजक दाता स्क्रीनिंग, ऊतक पुनः प्राप्ति एवं ऊतक ट्रैकिंग हेतु गाइडलाइन्स विकसित करने के लिए 'राष्ट्रीय परामर्श' हेतु हृदय वाल्वों पर विशेषज्ञ समिति के नामांकित सदस्य; नेशनल रूमेटिक हार्ट कंसोंटियम (एन आर एच सी) के सदस्य नामांकित।

हृद विज्ञान

आचार्य वी के बहल ने सी एस आई वार्षिक मीटिंग के दौरान प्रतिष्ठित डॉ. वी वी शाह (एन एस पी एच ई आर ई) ओरेशन दिया; हार्ट एशिया, बी एम जे समूह का प्रकाशन के सह संपादक।

आचार्य अनिता सक्सेना : रुमेटिक हृद रोग में ईकोकार्डियोग्राफी हेतु वर्ल्ड हार्ट फेडरेशन वर्कग्रुप की सदस्य थी; श्रेष्ठ पोस्टर अवार्ड ए सी सी (अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी) 2013; पेडियाट्रिक कार्डियोलॉजी, वैराइटी चिर्ल्डनस हार्ड सेंटर विन्नीपेग के अतिथि आचार्य।

आचार्य एस एस कोठारी पेडियाट्रिक कार्डियाक सोसायटी ऑफ इण्डिया के अध्यक्ष; सम्पादक, एन्नलूस ऑफ पेडियाट्रिक कार्डियोलॉजी।

आचार्य बलराम भार्गव वेलकम ट्रस्ट, अफोर्डेबल हेल्थ केयर फॉर इंडिया हेतु आर एवं डी पर डी बी टी इनिशिएटिव।

आचार्य के सी गोस्वामी सचिव थे, कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली शाखा।

डॉ. एस मिश्रा राष्ट्रीय इंटरवेंशनल परिषद् कार्डियोलॉजीकल सोसायटी ऑफ इण्डिया के अध्यक्ष थे; निर्वाचित सदस्य कार्यकारी समिति, कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इण्डिया।

डॉ. एस रामाकृष्णन श्रेष्ठ पेपर पुरस्कार ए पी पी सी एस 12 (एशिया पैसिफिक पेडियाट्रिक कार्डिएक सोसाइटी), ताइवान; एन्नल्स ऑफ पेडियाट्रिक कार्डियोलॉजी के सहायक सम्पादक; पेडियाट्रिक कार्डियक सोसायटी ऑफ इण्डिया के कोषाध्यक्ष।

डॉ. सौरभ के गुप्ता ने श्रेष्ठ इंटरवेंशनल केस पुरस्कार जीता, पी सी एस आई 2012, चेन्नई; सुजॉय बी रॉय पुरस्कार 2013, श्रेष्ठ पेपर दिल्ली सी एस आई।

हृद संवेदना हरण

सारुप्रिय ए, मखिजा एन, लक्ष्मी आर, किरन यू द्वारा पेपर प्रस्तुत किए गए। फैलोट शल्य चिकित्सा के टेट्रालॉजी हेतु बच्चों में एप्सिलॉन एमिनोकैप्रोएक एसिड की विभिन्न डोज़ों की तुलना : क्लिनिकल प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा। सोसाइटी ऑफ कार्डिएक एनेस्थिसियोलॉजी मीटिंग में पन्नोज़ युवा वैज्ञानिक पुरस्कार उपस्थित रहे, द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया तथा डॉ. अरुण, वरिष्ठ रेजीडेंट ने शोध प्रबंध पेपर प्रस्तुतीकरण हेतु श्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त किया।

आचार्य ऊषा किरन को इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी का फेलो प्रदान किया गया; ट्रांस्ईसोफेगिल इकोकार्डियोग्राफी की पत्रिका का समीक्षा बोर्ड सदस्य; पी जी आई में प्रथम वार जारी होने पर सम्मानित हुए; 'पी आर ए एन' के अध्यक्ष; समीक्षा बोर्ड सदस्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोसाइंसिस।

डॉ. नीति मखिजा को पेपर पर मुक्त पेपर सत्र में प्रस्तुतीकरण हेतु प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया, 'थोरेसिक एरोटिक सर्जरी में एप्सिलॉन एमिनोकेप्रोएक एसिड एवं ट्रेनेक्समिक एसिड की तुलना : क्लिनिकल प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा'। दिल्ली शाखा में 51वें एनुएल कांफ्रेंस ऑफ एनेस्थिसियोलॉजिस्ट में मखिजा एन, सारुप्रिय ए, चौधरी एस के, दास एस एन, लक्ष्मी आर, किरन यू; इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डिएक एवं थोरेसिक एनेस्थिसिया (आई ए सी टी ए) के कार्यकारी परिषद के सदस्य निर्वाचित हुए; सदस्य एडिटोरियल बोर्ड ऑफ 'ऑपन जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी; पेरीऑपरेटिव इकोकार्डियोग्राफी (ऑफिसियल पे ऑफ सोसाइटी ऑफ ट्रांसइसोफेगिल इकोकार्डियोग्राफी) के जे के एडिटोरियल सदस्य; जे ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी क्लिनिकल फार्माकोलॉजी (पम्बड इंडेक्सड जर्नल) में सदस्य समीक्षक बोर्ड / जे ऑफ क्लिनिकल एनेस्थिसिया (इंटरनेशनल इंडेक्सड जर्नल) तथा अन्य कई पत्रिकाओं से आमंत्रित समीक्षाएं।

डॉ. पूनम मल्होत्रा कपूर शिक्षा समिति, इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डिएक एनेस्थिसियोलॉजिस्ट, जो कि 10 वर्षों के लिए 7 सदस्य का पैनल है, की सदस्य थीं; इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डिएक एनेस्थिसियोलॉजिस्ट, 2011–12 के एफ आई ए सी टी ए की पुनरावर्ती हेतु उप समिति के सदस्य; अनुसंधान सहयोग के लिए सेंट्रल फ्लोरिडा विश्वविद्यालय मेडिसिन कॉलेज में संवेदनाहरणविज्ञान विभाग में 'सहायक आचार्य'; अल्बामा, यू एस ए में 'इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कार्डियोवेस्कुलर अल्ट्रासाउंड' के सदस्य; आई ए सी टी ए पेरीऑपरेटिव टी ई ई परीक्षा हेतु परीक्षा के समन्वयकर्ता; छठवें एफ आई ए सी टी ए परीक्षा, के परीक्षा समन्वयकर्ता, मेदांता मेडिसिटी, गुड़गांव; तृतीय वर्ष हेतु ई सी एम ओ सोसाइटी ऑफ इंडिया के निर्वाचित अध्यक्ष, 2012–13; निम्न के एडवाइजरी बोर्ड में बने हुए हैं (क) इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बाइलेरी साइंसिस (आई एल बी एस) में सोनोक्लॉट कॉगुलेशन टेस्टिंग (ख) बैंगलोर में नारायण ह्रुदयालया का पेरीऑपरेटिव टी आई आई कार्यशाला; एडिटोरियल बोर्ड – (क) एन्नलस ऑफ कार्डिएक ऐनेस्थिसिया (ए सी ए), (ख) जर्नल ऑफ एनेस्थिसियालॉजी एवं क्लिनिकल फार्माकोलॉजी (जे ओ सी ए पी); समीक्षा समिति : (क) कार्डियोथोरेसिक एवं वाहिका एनेस्थिसियोलॉजिस्ट का भारतीय संघ (आई ए सी टी ए), (ख) संवेदनाहरण विज्ञान एवं क्लिनिकल भेषजगुणविज्ञान के अनुसंधान सोसाइटी (आर एस ए सी पी), (ग) जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थिसियोलॉजिस्ट (जे सी ए), (घ) हृद वाहिका एवं वक्ष शल्य चिकित्सा की भारतीय पत्रिका (आइ जे सी टी वी एस), इंडियन अकेडमी ऑफ इकोकार्डियोग्राफी, दिल्ली शाखा के नामांकित कार्यकारी सदस्य (आई ए ई)।

डॉ. मिनाती चौधरी एडिटोरियल बोर्ड सदस्य थी, एन्नलस ऑफ कार्डियाक एनेस्थिसिया; समीक्षा बोर्ड सदस्या : (क) इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थिसिया, तथा (ख) जर्नल ऑफ एनेस्थिसियालॉजी एवं क्लिनिकल फार्माकोलॉजी।

डॉ. विस्वास मलिक 'एन्नलस ऑफ कार्डिएक एनेस्थिसिया' के एडिटोरियल बोर्ड के सदस्य के रूप में नामांकित थे; इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियोथोरेसिक एनेस्थिसियालॉजिस्ट (2011–13) के कार्यकारी समिति के नामांकित सदस्य।

डॉ. अरुणदम चौधरी ने पी जी आई एम ई आर, चंडीगढ़ में आयोजित हुए वार्षिक पेरीऑपरेटिव टी ई ई कार्यशाला में 'हूज दि बेस्ट' रुचिकर लेख भाग में 'बेस्ट पेपर आवर्डिड' प्राप्त किया।

हृदय विकिरण विज्ञान

आचार्य संजीव शर्मा अध्यक्ष थे, ए ओ आर टी ए 2013 (एरोटिक ऑपन एवं इण्डोवास्कुलर मरम्मत, तकनीक, परिणाम एवं विश्लेषण; विकिरण विज्ञान में स्नातकोत्तर परीक्षा हेतु परीक्षक, बी. पी. कोयराला स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, धरन, नेपाल; विकिरण निदान एवं शेष अस्पताल के लिए पी ए सी एस एवं आर आई एस पद्धति की खरीद हेतु डी पी जी आई द्वारा गठित कमेटी की बैठक में बाह्य विशेषज्ञ, पी जी आई एम ई आर, चंडीगढ़; टी आई एफ ए सी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जे एन सी एम, वार्धा में इंटरवेशनल रेडियोलॉजी में टी आई एफ ए सी –सेंटर ऑफ रेलीवेंस एण्ड एक्सीलेंसी के तकनीकी समीक्षा एवं मूल्यांकन के विशेषज्ञ; कार्डियोवास्कुलर एण्ड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (यूरोपियन सोसाइटी का ऑफिशियल जर्नल) की एडिटोरियल बोर्ड मीटिंग; (इम्बोलोथेरेपी पर सत्र की अध्यक्षता की) एवं निम्न नी गंभीर अंग इस्कैमिया हेतु मूल कोशिका तथा जीन के वर्तमान स्तर पर व्याख्यान दिया; सलाहकार : उभरते हुए विश्व में इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी हेतु आवश्यकताओं पर इंटरनेशनल एटोमिक एजेंसी (आई ए ई ए) की तकनीक समिति की बैठक, वियना में आई ए ई ए मुख्यालय; बाह्य परीक्षक : एम डी (विकिरण – निदान) – पी जी आई, चंडीगढ़, दिसंबर 12–13 2012 बाह्य विशेषज्ञ : संकाय चयन बैठक हेतु स्थायी चयन समिति को सहायता करना, पी जी आई एम ई आर, चंडीगढ़; राष्ट्रीय संकाय, थोरेसिक एन्यूरिज्म में प्रोक्सिमल नेक वृद्धि करना, आई एस वी आई आर – एरोटिक सम्मिट, जनवरी 11–12, 2013, चेन्नई।

डॉ. गुरप्रीत एस गुलाटी आयोजक सचिव थे, ए ओ आर टी ए 2013 (एरोटिक ओपन एवं इण्डोवास्कुलर रिपेयर, टेक्नीक्स, परिणाम एवं विश्लेषण); अनुभाग संपादक के रूप में नियुक्त हुए, इमेजिंग, इंडियन हार्ट जर्नल 2012 एडिटोरिएल बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त हुए : जर्नल ऑफ कार्डियोवास्कुलर मैग्नेटिक रीसोनेंस, 2013

डॉ. प्रिया जागिया सह – आयोजक सचिव थे, ए ओ आर टी ए 2013 (एरोटिक ओपन एवं इंडोवास्कुलर मरम्मत – तकनीक, परिणाम एवं विश्लेषण।

मूल कोशिका सुविधा

डॉ. सुजाता मोहंती ने रीकॉग्नाइजेशन ऑफ नोटेबल पब्लिसड रिसर्च वर्क में अ. भा. आ. सं. एक्सीलेंसी अवार्ड 2012 प्राप्त किया; फेडरेशन ऑफ इम्नोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ एशिया – ओसिनिया (एफ आइ एम एस ए) का 5वां महासभा में भाग लिया, नई दिल्ली, 14–17 मार्च 2012; बायोटेक्नोलॉजी कैरियर एडवांस्मेंट एंड री–ओरिंटेशन प्रोग्राम की तीसरी बैठक, डी बी टी, नई दिल्ली, 26 अप्रैल 2012; इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर स्टेम सेल रिसर्च की 10वीं वार्षिक बैठक, योकोहामा, जापान, 13–16 जून 2012; इंडियन आई रिसर्च ग्रुप – ए आर वी ओ की 20वीं वार्षिक बैठक, इंडिया चेप्टर, हैदराबाद, 27–29 जुलाई 2012; महिला वैज्ञानिकों (बायो – केयर) के लिए 'बायोटेक्नोलॉजी कैरियर एडवांस्मेंट एण्ड री– ओरिंटेंशन' कार्यक्रम की विशेषज्ञ समिति की चौथी बैठक, डी बी टी, नई दिल्ली, 9 अगस्त 2012; महिला वैज्ञानिकों (बायो – केयर) के लिए 'बायोटेक्नोलॉजी कैरियर एडवांस्मेंट एंड री–ओरिंटेंशन' कार्यक्रम की विशेषज्ञ समिति की पांचवीं बैठक, डी बी टी, नई दिल्ली, 20 फरवरी 2013; अनुसंधान सलाहकार परिषद बैठक, अ. भा. आ. सं., 4 मार्च 2013; एक दिन का प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम – इंडेक्सिंग ऑफ इंडियन मेडिकल जर्नल्स एंड इंडेक्सड इंडियन मेडिकल जर्नल्स की पूर्ण टेक्स लेखो को आयोजित करना, एन आई सी, एच क्यू, सी जी ओ कॉम्पलेक्स, 5 अप्रैल 2013; लिवर रोग में रीजेनेटिव मेडिसिन पर इंडो जर्मन कार्यशाला लिवर रीजेनेरेशन में अस्थि मज्जा मूल कोशिका थेरेपी में सभापति, आई एल बी एस, नई दिल्ली, 15 फरवरी 2013.

हृद जैव रसायन

डॉ. आर. लक्ष्मी सदस्य, गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी के क्षेत्र में आई सी एम आर की परियोजना समीक्षा समिति; स्थूलता एवं मेटाबोलिक संलक्षण के लक्षण में आई सी एम आर की परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य; वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ कार्डियोलॉजी (डब्ल्यू सी सी 2012) हेतु सारों की समीक्षा की।

अंग पुनः प्राप्ति बैंकिंग संस्था (ओआरबीओ)

डॉ. आरती विज बोर्ड ऑफ एच एल एल लाइफ केयर लिमि., भारत सरकार का उपक्रम में स्वतंत्र (गैर – ऑफिशियल अंश कालिक) निदेशक थीं; सदस्य, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत राष्ट्रीय अंग प्रतिरोप कार्यक्रम; राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रतिरोपण संस्था, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार हेतु वेबसाइट के विकास के लिए समिति में विशेषज्ञ; वर्ष 2012–14 से इंडियन सोसाइटी ऑफ आर्गेन ट्रांस्प्लांटेशन (आई एस ओ

टी) की पुनः निर्वाचित कार्यकारी सदस्य; अ. भा. आ. सं. हेतु परिणाम फ्रेमवर्क दस्तावेजों (आर एफ डी) की तैयारी के लिए समिति के सदस्य।

श्री मुकेश कुमार एम एस एस ओ, ओरबो, 'जर्नल ऑफ एडवांसिस इन मेडिसिन' – एन इंटरनेशनल पीर रीव्यूड जर्नल के संपादकीय मण्डल के सदस्य थे : डब्ल्यू एच ओ के साथ सरकारी संबंधी संस्था, प्रतिरोपण सोसाइटी के तहत स्कूलो हेतु अंग दान एवं प्रतिरोपण पर शिक्षा (ई ओ डी टी एस) पर कार्यकारी समूह के सदस्य।

रक्त आधान सेवाएं

सात प्रौद्योगिकी विदों ने अ. भा. आ. सं. में एन ए बी एल पर सेमिनार में भाग लिया, 26 नवंबर 2012. सुश्री लुसी जोसेफ सिस्टर ग्रेड ।। एवं श्रीमती रूपा देवनाथ, सि. ग्रेड । ने आर एम एल अस्पताल में नाको द्वारा आयोजित रक्त सुरक्षा में प्रशिक्षण में भाग लिया, पी जी आई, 14–16 फरवरी 2013.

डॉ. अंजली हजारिका वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज, दिल्ली में 4थे सत्र एम एल टी पाठ्यक्रम के प्रयोगात्मक एवं मौखिक साक्षात्कार के लिए बाह्य परीक्षक थे; आर एम एल अस्पताल पी जी आई, दिल्ली में नाको द्वारा रक्त कोष चिकित्सा अधिकारियों तकनीशियनों एवं नर्सों के लिए आयोजित रक्त सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान स्रोत व्यक्ति; इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी एच क्यू रक्त कोष के उन्नतीकरण हेतु तकनीकी विशेषज्ञ : 5 वें सत्र एम एल टी पाठ्यक्रम के प्रायोगिक एवं मौखिक साक्षात्कार हेतु बाह्य परीक्षक, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज, दिल्ली; फॉलोइंग कार्यशाला में भाग लिया; राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संस्था, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'रक्त कोषों में गुणवत्ता प्रबंध पद्धति का कार्यान्वयन' पर कार्यशाला में भाग लिया, 22–25 मई 2012; प्रबंध, प्राप्ति एवं खरीद पर कार्यशाला, सीमेट, अ. भा. आ. सं., 29 नवंबर 2012; स्टेट द्वारा 'पैथोजेन रीडक्शन सिस्टम' पर कार्यशाला दिल्ली में रक्त आधान परिषद 18 जनवरी 2013; 1 फरवरी 2013 पर सीमेट अ. भा. आ. सं. में पावरमेंट में एनिमेशन पर कार्यशाला।

बी. माझी, वरि. तकनीकी अधिकारी ने प्रौद्योगिकीविद् परिदृश्य, 'कंपोनेंट प्रिपेरेशन – लेपसिस इन बी टी एस' पर प्रस्तुतीकरण दिया, 22 फरवरी 2013

जी चौहान ने प्रौद्योगिकीविद् परिदृश्य, 'ट्रांसफ्यूजन ट्रांस्मिसीबल इंफेक्शन टेस्टिंग – लेपसिस इन बी टी एस' पर प्रस्तुतीकरण दिया, 22 फरवरी 2013.

श्री जी मेहता, तकनीकी अधिकारी ने 'रक्त कोष में गुणवत्ता प्रबंध पद्धति का कार्यान्वयन' पर कार्यशाला में भाग लिया, नाको, भारत सरकार, 22–25 मई 2012

अस्पताल प्रशासन

डॉ. आरती विज 'नेहरू अस्पताल, पी जी आई एम ई आर, चंडीगढ़ में अस्पताल बिस्तर उपयोगिता के संबंध में स्वास्थ्य उपचार प्रदान करने वालों का प्रत्यक्ष ज्ञान' शोध प्रबंध के मूल्यांकन हेतु बाह्य परीक्षक।

अतिथि वैज्ञानिक

हृद वक्ष वाहिका शल्य चिकित्सा

निम्नलिखित सर्जनों, फिजियोथेरेपिस्ट, नर्सों ने सी टी वी एस विभाग में अल्पावधिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

1. केन्या से डॉ. जेम्स जोर्ज केरिथि
2. जे एवं के, श्रीनगर से डॉ. मोह. लतीफ मनी एवं डॉ. बबर रशीद जर्मर।
3. जे एवं के, श्रीनगर से डॉ. हेफुजुल्लाह लोन एवं डॉ. फारूख अहमद गैन।
4. केन्या से डॉ. ।। चोल जेंग, डॉ. योंग एस ओ के एवं डॉ. इन सु जो।
5. सी टी वी एस मूल कोशिका सुविधा केन्या से डॉ. टोंग चोल चोई, डॉ. आई एल सन जोंग एवं डॉ. हाक सी ओम तथा डॉ. क्वांग बिन कैंग।

10.2 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

प्रमुख

नसीम शाह

आचार्य

ओ. पी. खरबंदा | रितु दुग्गल

अपर आचार्य

अजय रॉयचौधरी | वीना जैन | ओंकिला भूटिया

सह आचार्य

विजय प्रकाश माथुर | अजय लोगानी

शिक्षा

स्नातक पूर्व /

केंद्र द्वारा एमबीबीएस विद्यार्थियों के उनके क्लीनिकल पोस्टिंग के दौरान शिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाता है।

स्नातकोत्तर

केंद्र चार विशिष्ट विषयों में, नामतः आर्थोडोंटिक्स, प्रोस्थोडोंटिक्स, एंडोडोंटिक्स सह कन्जर्वेटिव डेंटिस्ट्री और ऑरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम चला रहा है। इसके अलावा आर्थोडोंटिक्स, कन्जर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडोंटिक्स तथा ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी में पीएच. डी छात्रों को प्रवेश दिया गया था।

पराचिकित्सा शिक्षण

केंद्र द्वारा व्याख्यानों और अभिविन्यास कार्यक्रमों के रूप में नर्सिंग छात्रों के लिए अध्यापन कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है।

अल्पावधिक प्रशिक्षण

केन्द्र द्वारा दिल्ली सरकार के सशस्त्र बलों के डॉक्टरों और भारत सरकार के कर्मचारियों को 2 से 8 सप्ताह का अल्पावधिक प्रशिक्षण दिया गया। इस वर्ष के दौरान कुल 40 दंत चिकित्सा स्नातको को केंद्र में लघु अवधि प्रशिक्षु के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

विभाग द्वारा आयोजित

1. ''रोगी सुरक्षा पर डब्ल्यूएचओ पाठ्यचर्या मार्गदर्शिका, केन्द्र के सीनियर और जूनियर रेसीडेंट डॉक्टरों के लिए अगस्त 2012 में चार कार्यशालाओं का आयोजन किया गया था।
2. आस पास के दंत चिकित्सा संस्थानों के लिए नई दिल्ली में 31 मार्च 2012 को स्नातकोत्तर तथा संकाय सदस्यों के लिए एंडोडोंटिक्स सह कन्जर्वेटिव डेंटिस्ट्री में क्रमिक दंत शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया।
3. के एल विग सी–मेट और इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्स (आई सी डी) भारत और श्रीलंका के सहयोग से नई दिल्ली में 15 सितम्बर 2012 को ''अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम (टी टी पी) पर एक दिवसीय कार्यशाला।
4. ऑर्थोडॉन्टिक स्टडी ग्रूप ऑफ दिल्ली के सहयोग से नई दिल्ली में चार अक्तूबर 2012 को एक दिवसीय ''रियलिटी चैक'' सीडीई का आयोजन किया गया।
5. रामचंद्र मेडिकल कॉलेज और एम्स, नई दिल्ली के बीच तीन दिसम्बर 2012 को टेली कॉन्फ्रेंस के जरिए क्लेफ्ट, होंठ और तालु पर सी एम ई।

6. स्पष्ट एलाइनर्स के साथ वर्ग 2 मेलऑक्ल्यूशन के इलाज की ऑर्थोडॉन्टिक प्रथा में डिजिटल प्रौद्योगिकियां तथा विभिन्न तरीके, सी एम ई, सी डी ई आर, नई दिल्ली, 11 जनवरी 2013। यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी, ऑस्ट्रेलिया के ऑर्थोडॉन्टिक्स विभाग के डॉ. मोरिस रेपापोर्ट मुख्य वक्ता था।

7. भारतीय दंत चिकित्सा संघ, नई दिल्ली के सहयोग से 15 अप्रैल 2012 और 9 जून 2012 को दंत चिकित्सकों के लिए तम्बाकू का उपयोग रोकने पर परामर्श के लिए विशेष बल सहित क्रमिक दंत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम।

8. दंत चिकित्सकों के लिए बाल रोगियों में स्टेनलेस स्टील के क्राउन के उपयोग पर दंत चिकित्सकों के लिए व्याख्यान सह स्वयं कार्य करने का कार्यक्रम (29 सितम्बर 2012)।

9. दिल्ली और एन सी आर के बाल दंत चिकित्सकों के लिए ''बाल दंत चिकित्सा में कोमल ऊतक लेजर का उपयोग'' पर नई दिल्ली में 2 सितम्बर 2012 को व्याख्यान सह स्वयं कार्य करने का कार्यक्रम।

10. दसवें पीडोपीजी सम्मेलन में नई दिल्ली में 13 मार्च 2013 को ''बाल दंत चिकित्सा में कोमल ऊतक लेजर के उपयोग'' पर पूर्व सम्मेलन पाठ्यक्रम (डाइडेक्टिक सह स्वयं कार्य)।

11. हॉन्गकॉन्ग विश्वविद्यालय के प्रो. नाइगल किंग द्वारा 1800 सितम्बर 2013 को नई दिल्ली में श्री रामचंद्र दंत चिकित्सा कॉलेज, चेन्नई में आयोजित टेलीमेडिसिन द्वारा ''आरंभिक बाल्यावस्था की कैविटी और एम टी ए'' पर क्रमिक शिक्षा कार्यक्रम।

दिए गए व्याख्यान

नसीम शाह : 8 **ओ. पी. खरबंदा : 20** **रितु दुग्गल : 20** **वीना जैन : 2**
ओंकिला भूटिया : 2 **विजय प्रकाश माथुर : 6** **अजय लोगानी : 7**

मौखिक लेख / पोस्टर प्रस्तुत किए गए : 7

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. परिपक्व, स्थायी, गैर जीवंत दांतों में रूट कैनाल ऑब्ट्यूरेशन से पारम्परिक एंडोडॉन्टिक उपचार की तुलना में एक नवाचारी, गैर ऑप्ट्यूरेशन एंडोस्कोपिक उपचार प्रोटोकॉल ''सील बायो'' की दक्षता के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक समकक्ष क्लिनिकल परीक्षण। नसीम शाह, आई सी एम आर , 2012 – 14, प्रथम वर्ष के लिए 7.17 लाख रुपए।

2. ''भारत में क्लेफ्ट लिप एवं पेलेट एनोमली : उपचार की क्लीनिकल प्रोफाइल जोखिम के कारक और वर्तमान स्थिति – एक अस्पताल आधारित अध्ययन।'' तदर्थ कार्यबल परियोजना (); डॉ. ओ. पी. खरबंदा, आई सी एम आर, 2012–14, 22.38 लाख रु. ।

3. एन एवेलुएशन ऑफ डेंटल प्रोस्थेसिस नीड, इट्स रिलेशन टू न्यूट्रीशनल स्टेटस एण्ड क्वालिटी ऑफ लाइफ ऑफ एड्रेली पोपुलेशन : ए हॉस्पिटल बेस स्टडी। वीना जैन, आई सी एम आर, 2011–13, 30 लाख रुपए।

4. बोन रिसोर्पशन एसेसमेंट इन केसिस ऑफ मैंडिबुलर एण्ड मैक्सीलरी इम्प्लांट सपोर्टिड ओवरडेंटरिस विद डिफ्रेंट अटेचमेंट सिस्टम्स। वीना जैन, डी एस टी, 2012–15 वर्ष, 71 लाख रुपए

5. एवेलुएशन ऑफ सक्सेस ऑफ इंडायरेक्ट पल्प कैपिंग यूजिंग थ्री डिफ्रेंट मेटीरियल्स : ए क्लिनिकल स्टडी यूजिंग सीबीसीटी। विजय पी माथुर, डी बी टी, 2011–13, 12.33 लाख रुपए।

6. एज एस्टीमेशन इन लिविंग एडल्ट्स बेस्ड ऑन एस्पाटिक एसिड रिसेमिजेशन फ्रोम टूथ बायोप्सी स्पेसिमन, अजय लोगानी, डीबीटी, 2010, मूल्य 19 लाख रुपए।

पूर्ण

1. आई आई टी, नई दिल्ली के सहयोग से श्रेणी – 2 क्लोक्नूशन के उपचार हेतु एक गतिशील कैलीबरेटेड निश्चित क्रेटोफेसियल कोररेक्टर; डॉ. ओ. पी. खरबन्दा; आई सी एम आर, 2010–12, 3.32 लाख रुपए।

2. ट्विन ब्लॉक थैरेपी का पालन करते हुए मानव मेंडीबल में दाब संवितरण के विश्लेषण हेतु फिनाइट तत्व अध्ययन, रितू दुग्गल, राजू शर्मा, आई सी एम आर, 2.5 वर्ष, 23 लाख रुपए।

3. कोन बीम कंप्यूटिड टोमोग्राफी एसेस्मेंट ऑफ रूट कैनाल मोर्फोलॉजी इन एन इण्डियन पॉपुलेशन : ए रेस्टोस्पेक्टिव 3डी रेडियोग्राफिक स्टडी। अजय लोगानी और राधिका एम नायक, आई सी एम आर, 2011–13, 7 लाख रुपए।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 27 **पुस्तकों में अध्याय : 1** **पुस्तक : 1**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य नसीम शाह इंडियन एंडोडोंटिक सोसाइटी के अध्यक्ष (2012–13), इंडियन सोसाइटी फॉर डेंटल रिसर्च की प्रेसीडेंट इलेक्ट (2013–15) 'रोगी सुरक्षा' पर डब्ल्यूएचओ कार्यक्रम हेतु समन्वयक थे; पीजीआईएमईआर, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में डेटा सुरक्षा निगरानी बोर्ड के चेयरपर्सन नामित किए गए; गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल, मुम्बई में अक्तूबर 2012 में भारतीय दंच चिकित्सा परिषद के एमडीएस पाठ्यक्रम विनियम, 2007 में पाठ्यचर्या सुधार संबंधी राष्ट्रीय कार्यशाला के सदस्य; नए चिकित्सा यंत्रों और नैदानिक परीक्षणा के अनुप्रयोग की समीक्षा संबंधी मामले में औषध महानियंत्रक (भारत) को सलाह देने हेतु मेडिकल डिवाइस एडवाइजरी कमेटी (एमडीएसी) के सदस्य थे; जीवनशैली से जुड़े रोगों संबंधी तकनीकी संसाधन समूह (टीआरजी) एक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एनसीडी प्रभाग), भारत सरकार के नामित सदस्य थे; एनआरडीसी, आईसीएमआर, डीबीटी इत्यादि के परियोजना मूल्यांकन थे; जेसीडी, जेएफओ, डेंटिस्ट्री, जीरोडोंटोलॉजी इत्यादि में केस रिपोर्ट के संपादकीय बोर्ड में शामिल थे; पंडित बी डी शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, रोहतक संकाय पदों हेतु चयन समिति के सदस्य थे; आईटीएस डेंटल कॉलेज, हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर, ग्रेटर नोएडा में 24 जनवरी, 2013 को 'लेजर एण्ड अल्ट्रासोनिक इन एंडोडोंटिक विद मैग्नीफिकेशन' पर आयोजित कार्यशाला में गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में आमांत्रित किए गए; 29 जनवरी 2013 को सरदार पटेल पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल एण्ड मेडिकल साइंसेज में एमडीएस कोर्स की यूनिवर्सिटी संबद्धता हेतु विशेषज्ञ थे।

प्रो. ओ. पी. खरबंदा को यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया पर्थ और यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी, ऑस्ट्रेलिया के पोस्टग्रेजुएट छात्रों को क्लेफ्ट लिप एण्ड पैलेट पर मॉड्यूल प्रस्तुत करने हेतु विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित किया गया; भारतीय दंत चिकित्सा परिषद की सिफारिशों की समीक्षा करने हेतु स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित समिति के विशेष सदस्य; ओरल हेल्थ के क्षेत्र में शोध परियोजनाओं की समीक्षा करने हेतु आईसीएमआर के विशेषज्ञ और पोस्ट–ग्रेजुएट अनुसंधान अनुदान समिति के सलाहकार; पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के डेंटल कॉलेजों, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, दिल्ली विश्वविद्यालया की चयन समिति के विशेष सदस्य; जामिया मिलिया इस्लामिया के चासलर्स नामिति थे; एनडीएमडी की चयन समिति की बैठक में 'तकनीकी
विषय विशेषज्ञ' के रूप में कार्य किया। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय और मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज (नई दिल्ली) में पी जी परीक्षक के रूप में भी कार्य किया; 29–31 मार्च 2013 को नई दिल्ली में 'स्लीपकॉन 2013' में 'स्लीप डिस्ऑर्डर ब्रीथिंग ब्रेसिक' सत्र की अध्यक्षता की; 19–21 अप्रैल 2012 को टीएमयू, ताइपेई, ताइवान में संबंधित विभागों के साथ शिक्षा और अनुसंधान सहयोग की संभावनाओं को खोजने के लिए ताइपेई मेडिकल यूनिवर्सिटी (टीएमयू) द्वारा आमंत्रित किए गए।

प्रो. रितु दुग्गल को विभिन्न डेंटल कॉलेजों में एमडीएस पाठ्यक्रमों के अनुमोदन हेतु डेंटल काउंसिल इंस्पेक्टर द्वारा नियुक्त किया गया; पीजी बोर्ड ऑफ स्टडीज़, डेंटल कॉलेज रोहतक द्वारा विशेषज्ञ नियुक्त किया गया; डब्ल्यूएचओ रोगी सुरक्षा पाठ्यचर्या गाइड का मूल्यांकन हेतु कार्यान्वयन समन्वयक नियुक्त किया गया जिसमें सीडीईआर प्रायोगिक स्थलों में से एक था।

डॉ. वीना जैन को एमडीएस प्रोस्थोडोंटिक्स का पाठ्यक्रम चला रहे संस्थान के मानकों और प्रोस्थोडोंटिक्स में एमडीएस शुरू करने हेतु मूल संरचना और अन्य सुविधाओं का मूल्यांकन करने हेतु डीसीआई निरीक्षक नियुक्त किया गया; इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्स की अध्येतावृत्ति प्राप्त की; पंडित बी.डी शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, रोहतक में पीजी बोर्ड ऑफ स्टडीज इन डेंटल साइंसेज का मानद सदस्य नियुक्त किया गया।

डॉ. ओंकिला भूटिया को 2012–13 में स्टाफ काउंसिल, एम्स का सदस्य नियुक्त किया गया।

डॉ. विजय प्रकाश माथुर दो वर्ष (2012–14) के लिए डिपार्टमेंट ऑफ पीडोडोंटिक्स, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के बोर्ड ऑफ स्टडीज के सहयोजित सदस्य थे; 2012–13 में इंडियन डेंटल एसोसिएशन – दक्षिणी दिल्ली शाखा की सतत् डेंटल शिक्षा के प्रतिनिधि चुने गए; 2012–13 में इंडियन डेंटल एसोसिएशन, दिल्ली राज्य शाखा के कार्यकारी सदस्य चुने गए।

रोगी उपचार

केन्द्र द्वारा डेंटल सेंटर में आने वाले रोगियों का व्यापक दंत उपचार किया जाता है। इन उपचारों में ओरल डायग्नोसिस, डेंटल एक्स्ट्रेक्शन, सिस्ट, ट्यूमर प्रबंधन और अन्य पैथोलॉजी, ट्रॉमा टू ओरो–फेशियल रीजन और टीएन ज्वाइंट्स, सिस्टोरेशन ऑफ टीथ, रूट कैनाल ट्रीटमेंट, क्राउन्स, रिमूवेबल और फिक्स्ड डेंचर्स, इम्प्लांट्स, ऑर्थोडोंटिक ट्रीटमेंट, क्लेफ्ट लिप और पैलेट मैनेजमेंट, बच्चों में दांतों की देखभाल इत्यादि शामिल हैं। केन्द्र में रोगी देखभाल हेतु नवीनतम अत्याधुनिक सुविधाएं जैसे माइक्रो सर्जरी, सॉफ्ट टिश्यू लेजर्स, कम्प्यूटराइज्ड सिफेलोमीट्री और रेडियोविजियोग्राफी इत्यादि भी उपलब्ध है। यहां पर कार्यात्मक स्थिर और रिमूवेबल प्रोस्थोडोनिक लैब्स और ऑर्थोडोंटिक लैब भी है। केन्द्र द्वारा एम्स रोटरी मिड टाउन हॉस्पीटल, त्रिलोकपुरी में दंत चिकित्सा प्रदान कर संस्थान के सामुदायिक आउटरीच कार्यकलाप में सहायता की जाती है।

ओपीडी / सर्जरी / विशिष्ट क्लिनिक डेटा

क्र. सं.	क्लिनिक	नए	पुराने	कुल
1.	ट्राइजेमिनल न्यूरलेजिया	35	278	313
2.	कंबाइन क्लेफ्ट पेलेट	60	312	372
3.	ओरल प्रोफीलेक्सिस	8680	7045	15725
4.	ऑर्थोडोंटिक्स	1542	13250	14792
5.	प्रोस्थोडोंटिक्स	4525	9416	13941
6.	रेस्ट्रोरेटिव – सह – एंडोडोंटिक	4978	19742	24720
7.	ओरल एण्ड मैक्सीलोफेशियल सर्जरी	10738	13686	24424
8.	पिडोडोंटिक्स एण्ड प्रीवेंटिव	3172	9848	13020
9.	ओपीडी रोगी	33073	4704	37777

कुल ऑपरेशन 11084 बड़े 488 छोटे 10596

अतिथि वैज्ञानिक

ऑर्थोडोंटिक्स, सिडनी यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया में डॉ. मॉरिस रेपापोर्ट, व्याख्याता

डॉ. जैक्स वेरे एक स्वयंसेवी दंत सर्जन फ्रांस

10.3 डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

आचार्य एवं अध्यक्ष

जी. के. रथ
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

आचार्य

पी. के. जुल्का
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

एन. के. शुक्ला
(शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

सुभाष चंदर
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

राजीव कुमार
(प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)

ललित कुमार
(चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

सिद्धार्थ सतपति
(अस्पताल प्रशासन)

अपर आचार्य

एस. वी. एस. देव
(शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

संजय थुलकर
(विकिरण निदान)

सुषमा भटनागर
(संवेदनाहरण विज्ञान)

अतुल शर्मा
(चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

समीर बक्शी
(चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

सीमा मिश्रा
(संवेदनाहरणविज्ञान)

प्रतीक कुमार
(चिकित्सा भौतिकी)

डी. एन. शर्मा
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

सुमन भास्कर
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

रितु गुप्ता
(प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)

स्ह–आचार्य

सुष्मिता पथि
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

सहायक आचार्य

हरेश के. पी.
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

मनीषा जेना
(विकिरण निदान)

देवेसेनाथीपथी के
(विकिरण निदान)

चंद्रशेखर एस. एच.
(प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)

अनीता चोपड़ा
(विकिरण निदान)

सुभाष गुप्ता
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

प्रणय तंवर
(प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)

संजीव कुमार गुप्ता
(प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)

अमर रंजन सिंह
(प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)

सुनील कुमार
(शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

एम. डी. रे
(शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

दुर्गातोष पांडेय
(शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)

सचिदानंद जी भारती
(संवेदनाहरणविज्ञान)

विनोद कुमार
(संवेदनाहरणविज्ञान)

राकेश गर्ग
(संवेदनाहरणविज्ञान)

निष्कर्ष गुप्ता

(संवेदनाहरणविज्ञान)	
एन. मनोहरन	सुनील कुमार वर्मा
चिकित्सा भौतिकीविद्	
एम. ए. लविराज	कुमारी सीमा शर्मा
राजेंद्रन एम	आशीष विंजोला
मुख्य तकनीकी अधिकारी	
श्री गोपाल	सिलास जॉर्ज

विशिष्टताएं

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री एक जनसंख्या आधारित कैंसर रजिस्ट्री है जो 167 से भी अधिक सरकारी अथवा निजी अस्पतालों / केंद्रों तथा 250 नर्सिंग होमों एवं एम सी डी एवं एन डी एम सी के वाइटल स्टेटिस्टिक्स डिवीजन से कैंसर रोगियों के आंकड़े तथा दिल्ली के शहरी नागरिकों में विभिन्न कैंसरों की रिपोर्ट को एकत्रित करते हैं। वर्ष 2009 में कुल 15244 कैंसर के केसों को पंजीकृत किया गया था जिसमें 8122 पुरुष एवं 7122 महिलाएं थीं, प्रति 100,000 जनसंख्या में पुरुषों एवं महिलाओं की अशोधित कैंसर की दर क्रमशः 80.4 एवं 86.5 है। पुरुषों में सामान्यतः फेफड़ा, प्रोस्टेट, जीफ, मुंह एवं लेरिंक्स कैंसर होता है जबकि महिलाओं में स्तन, ग्रीवा पित्त की थैली, अण्डाशय एवं कोरपस यूटेरी कैंसर होता है। रजिस्ट्री इन आंकड़ों को इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर, लॉयन फ्रांस द्वारा 'इंटरनेशनल इंसीडेंस ऑफ चाइल्डहुड कैंसर, वोल्यूम 3', में प्रकाशन के लिए भेजती है। रजिस्ट्री द्वारा कैंसर घटनाओं एवं मृत्युदर पर तैयार की गई रिपोर्ट को अनुसंधानकर्ताओं, सरकार एवं कॉर्पोरेट आदि द्वारा विस्तृत रूप से उपयोग किया जा रहा है।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

अ. भा. आ. सं. के अन्य विभागों के साथ साथ सं. रो. कैं. सं. में उपचारित किए जा रहे ल्यूकीमिया एवं बहुविध मायलोमा के रोगियों के लिए प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान एकक अभी भी उच्च नैदानिक सुविधा प्रदान कर रही है।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान में एक गतिशील अध्यापन कार्यक्रम है, जहां नियमित डीएम और पीएचडी तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिकाओं में 50 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित किए गए थे तथा अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय बैठकों में 30 व्याखान दिए गए। चिकित्सा अर्बुदविज्ञान संकाय को भारत के अनेक विश्वविद्यालयों में डीएम आर पीएचडी के लिए प्रशिक्षकों के तौर पर आमंत्रित किया गया था। विभाग में अत्यंत सक्रिय अनुसंधान कार्यक्रम भी है, वर्तमान में 20 से अधिक अनुसंधान परियोजनाएं विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय तथा सरकारी और गैर सरकारी एजेंसियों द्वारा निधिकृत की जा रही हैं। विभाग में नियमित प्रयोगशाला सेवाएं रोगी देखभाल हेतु प्रदान की जाती हैं। इनमें सीएमएल रोगियों के लिए साइटोजेनेटिक तथा पीसीआर सुविधाएं, स्टेम सेल ग्रहण करने वालों के लिए सीडी34 गणना और हिमशीतन सुविधाएं हैं। इसके अलावा 85 रोगियों में स्टेम कोशिका प्रतिरोपण किया गया (28 एलोजेनिक और 57 ऑटोलॉगस)। यह सभी विभाग के सभी सदस्यों के कठिन परिश्रम और ईमानदारी से किए गए प्रयासों के कारण संभव हुआ।

चिकित्सा भौतिकी

विभाग में रेडिएशन सुरक्षा, रेडिएशन खुराक मापन, रेडिएशन खुराक अनुकूलन, रेडियोलॉजिकल उपकरणों का गुणवत्ता आकलन, चिकित्सा इमेज, इमेजिंग प्रक्रियाओं और रेडिएशन शिक्षा पर कार्य किया जाता है। इसकी सेवाओं में डॉ. बी. आर. ए. आई. आर. सी. एच., सीएन सेंटर, दंत चिकित्सा केंद्र, डॉ. रा. प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र, रेडियोलॉजी विभाग, अस्थि रोग विज्ञान, यूरोलॉजी, संवेदनाहरण, ट्रॉमा सेंटर और न्यूरोसर्जरी को दी जाने वाली सेवाएं शामिल हैं। हमने 2012–13 के दौरान 3901 मापन, परीक्षण, प्रयोग, उद्भाषण और रक्त बैग इरेडिएशन किए। संकाय और कर्मचारियों को अन्य विभागों तथा अस्तपालों द्वारा समय समय पर विशेषज्ञ सलाह देने और रेडिएशन संबंधी कौशलों पर शैक्षिक प्रस्तुतीकरण हेतु आमंत्रित किया गया था। हमने अन्य अस्पतालों से वयस्कों को प्रशिक्षण दिया है और यहां चिकित्सा भौतिकी में पीएचडी पाठ्यक्रम भी है।

विकिरणनिदान

विभाग में 3 नए संकाय सदस्यों और 4 विकिरण विज्ञान विशेषज्ञों ने कार्य भार संभाला है। अब हर समय एक्स–रे सेवा सहित पोर्टबल एक्स–रे की सुविधा आरंभ की गई है। विभिन्न हस्तक्षेप प्रक्रियाएं जैसे इमेज द्वारा मार्गदर्शित बायोप्सी, परक्यूटेनियस कैथेटर ड्रेनेज, परक्यूटेनिय स नैफ्रोस्टोमी, बाइलरी स्टेंटिंग, आरएफ एबलेशन पिछले एक वर्ष में उल्लेखनीय रूप से बढ़ गई हैं।

शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

विभाग के सभी संकाय सदस्यों ने शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान के 12 वरिष्ठ रेजीडेंटों के स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर शिक्षण एवं संरचनात्मक प्रशिक्षण में भाग लिया। विभाग ने जुलाई 2012 से शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान में एमसीएच पाठ्यक्रम आरंभ किया। अब तक अध्यापक और प्रशिक्षण में विभाग के सदस्य शामिल रहें हैं और 5 छात्रों ने एमसीएच पाठ्यक्रम में भाग लिया। संकाय सदस्य विकिरण अर्बुदविज्ञान चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, जैवरसायन, जैवप्रौद्योगिकी एवं जरा चिकित्सा आदि सहित विभिन्न विभागों के शोध प्रबंध में सह – मार्गदर्शक रहे थे। उन्होंने 11 सी एम ई कार्यक्रम में भाग लिया एवं व्याख्यान दिया, पैनल परिचर्या में भाग लिया एवं शैक्षिक विडियो प्रस्तुत किया। विभाग के संकाय द्वारा अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सम्मेलन में 12 व्याख्यान दिए। विभाग के संकाय एवं रेजीडेंटों ने राष्ट्रीय सम्मेलनों में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 6 अनुसंधान लेख और राष्ट्रीय सम्मेलनों में 5 अनुसंधान लेख प्रस्तुत किए। यह विभाग 7 अनुसंधान परियोजनाओं एवं 17 सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं में सम्मिलित है। वर्ष के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में 26 अनुसंधान लेख प्रकाशित किए गए। विभाग ने 3 नए क्लिनिक आरंभ किए – थोरेसिक अर्बुदविज्ञान, हिपेटो बाइलरी पैनक्रियाटिक और जेनिटोयूरिनरी। गुरूवार की सुबह एक नया बाह्य रोगी विभाग आरंभ किया गया है। यह विभाग कैंसर के रोगियों को प्रमुख एवं लघु ऑपरेशन सुविधाएं प्रदान करता है। संकाय सदस्यों ने समुदाय को ओस्टोमेट्स हेतु सलाह देकर सामुदायिक सेवाओं में भाग लिया, सार्वजनिक व्याख्यान दिए और ऑल इंडिया रेडियो तथा दूरदर्शन जैसे मीडिया में प्रस्तुतीकरण किए। संकाय के सदस्य राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय निकायों के अनुसंधान पत्रों के समीक्षक और सदस्य तथा संपादकीय मण्डल के सदस्य के रूप में सम्मिलित रहे थे।

शिक्षा

संवेदनाहरणविज्ञान

सं. रो. कैं. अ. सेमिनार : प्रत्येक सोमवार और गुरूवार, 8.15 प्रातः
एकक सेमिनार : प्रत्येक सोमवार, 8–9 प्रातः
एकक जरनल क्लब : प्रत्येक शनिवार, 11.00 प्रातः
एकक रेडियो कांफ्रेंस : प्रत्येक शनिवार, 9.00 प्रातः

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान द्वारा विकृति विज्ञान तथा प्रयोगशाला काय चिकित्सा में रेजीडेंट को आकारिकी, मायलोमा और फ्लोसाइटोमेटी प्रशिक्षण दिए जाते हैं। इसके अलावा चिकित्सा अर्बुदविज्ञान और बाल रोग विज्ञान से आने वाले रेजीडेंट को भी प्रशिक्षण दिया जाता है। भारत के विभिन्न कॉलेजों से आने वाले एम एससी छात्रों को अल्पावधि प्रशिक्षण दिया जाता है।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

स्नातकपूर्व : आबंटित व्याख्यान / सेमिनार और क्लिनिकल अध्यापन / प्रदर्शन / ट्यूटोरियल में लगाए गए प्रति सप्ताह / वर्ष समय	सेमिनार – 2, व्याख्यान – 2 6 घंटे प्रति सेमीस्टर 6 घंटे प्रति सेमीस्टर
स्नातककोत्तर : क्लिनिकल अध्यापन, सम्मेलन, पत्रिका क्लब आदि में प्रति सप्ताह लगाया गया समय इनके अंदर लिखने वाले स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या	मुख्य मार्गदर्शक : 3 (डीएम), सह–मार्गदर्शक : 6 (एमडी) 12 (एमडी)

डी एम कार्यक्रम

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान में एक डी एम कार्यक्रम चल रहा है जिसमें 13 नियमित विद्यार्थी हैं।

पी एच डी प्रशिक्षण

दो पी एच डी विद्यार्थी के विभिन्न पक्षों में अपना कार्य कर रहे हैं। इस वर्ष दो विद्यार्थियों को पी एच डी प्रदान कर दिया गया एवं वर्तमान में एक विद्यार्थी नामांकित है।

चिकित्सा भौतिकी

चिकित्सा भौतिकी विभाग एम डी रेडियोलॉजी, एम बी बी एस, बी एस सी (ऑनर्स) नर्सिंग एवं बी एस सी (ऑनर्स) रेडियोग्राफी कर रहे विद्यार्थियों के लिए विकिरण सुरक्षा, विकिरण भौतिकी एवं विकिरण विज्ञानात्मक इमेजिंग में गुणवत्ता के क्षेत्र में शिक्षा प्रदान करने में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। विभाग ने सुश्री दीपा अत्री, ई एस आई अस्पताल, बसाईदारापुर में एक माह के लिए प्रशिक्षण दिया। इसके अतिरिक्त, चिकित्सा भौतिकी एकक में 4 पी एच डी के छात्र प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

विकिरण निदान

विभाग द्वारा स्नातकोत्तर अध्यापन सत्रों, रेडियो सम्मेलन, क्लिनिक से जुड़े दौरों और अन्य अंतर विभागीय दल बैठकों सहित विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों पर चर्चा हो जाती है, जहां कनिष्ठ और वरिष्ठ रेजीडेंस उत्साह पूर्वक भाग लेते हैं।

विकिरण चिकित्सा

यह विभाग स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर, बी. एस. सी. नर्सिंग एवं पीएच. डी शिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित है। डॉ. जी. के. रथ ने गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया के पेन – अफ्रीकन टेलीमेडिसिन परियोजना के लिए अ. भा. आ. सं. के संकाय के रूप में कार्य किया एवं अफ्रीकन देशों के लिए दो टेलीमेडिसिन व्याख्यानों का संचालन किया। देश के विभिन्न केंद्रों के 23 डॉक्टरों को अल्पावधि प्रशिक्षण दिया गया।

शल्यचिकित्सा अर्बुदविज्ञान

स्नातकपूर्व शिक्षण : संकाय अर्बुदविज्ञानात्मक विषयों पर शिक्षात्मक व्याख्यान एवं सम्मेलनों में भाग लेकर / उसका संचालन करके इसमें सम्मिलित रहे।

स्नातकोत्तर शिक्षण : संकाय शिक्षात्मक व्याख्यानों, सेमिनारों जरनल क्लबों आदि का संचालन करके 12 शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान वरिष्ठ रेजिडेंटों, 5 एमसीएच शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान छात्रों, डीएम चिकित्सा अर्बुदविज्ञान रेजीडेंट तथा सं. रो कै. अं. के विशेष कैंसर क्लिनिकों में एवं वार्ड राउण्ड के दौरान क्लिनिकल शिक्षण में सम्मिलित रहे थे। डॉ. शुक्ला और डॉ. देव ने डीएम चिकित्सा अर्बुदविज्ञान शोध प्रबंध, एमडी विकिरण अर्बुदविज्ञान शोध प्रबंध तथा डॉ. भी. रा. अ. सं. रो. कैं. अ. एवं अ. भा. आ. सं. के विभिन्न विभागों के पीएच. डी विद्यार्थियों के लिए सह गाइड एवं पर्यवेक्षक के रूप में कार्य किया।

पैरा–नैदानिक शिक्षण / प्रशिक्षण : संकाय बीएस सी नर्सिंग विद्यार्थियों के शिक्षण में सम्मिलित रहे थे।

विभाग ने 2 अल्पावधि प्रशिक्षुओं ने विभाग में कार्य किया, डॉ. समिता चटर्जी, कोलकाता से दो सप्ताह की अवधि के लिए स्तन कैंसर शल्य चिकित्सा और डॉ. नितिन लिखा ने तिरुवनंतपुरम से 1 फरवरी, 2013 से एक माह की अवधि तक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

लंबी अवधि की प्रशिक्षु, डॉ. मंजू गोविल ने 1 फरवरी, 2013 से एक वर्ष की अवधि हेतु विभाग में कार्य किया।

विभाग द्वारा क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए गए

संवेदनाहरणविज्ञान

1. दिल्ली में तथा उसके आस पास कैंसर रोगियों का उपचार कर रहे मेडीकल प्रैक्टीशनर्स एवं नर्सिंग स्टाफ के लिए फरवरी 2013 में डॉ. भी. रा. अ. सं. रो. कैं. अ. के प्रशामक उपचार पर 12वां मूल सिद्धांत पाठ्यक्रम आयोजित किया।
2. जून एवं नवम्बर 2012 में डॉ. भी. रा. अं. सं. रो. कैं. अ., अ. भा. आ. सं. नई दिल्ली, भारत में प्रशामक उपचार में आई ए पी सी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और 2–26 अगस्त 2012, अ. भा. आ. सं. नई दिल्ली, भारत में "इंटरवेंशनल पैन मैनेजमेंट पर दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

1. एम्स, नई दिल्ली में कैंसर पंजीकरण प्रणाली पर 12 जनवरी, 2013 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया और एक सत्र का समन्वय किया गया (एन मनोहरन)

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

1. हिमेटोलॉजिकल मैलीगनेंसी पर चौथी उन्नत टीसीएस फ्लोसाइटोमेट्री कार्यशाला का आयोजन किया गया, 22 –25 जनवरी 2013, दिल्ली – एनसीआर (रितु गुप्ता)।

रेडियोथैरेपी

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 12 जनवरी, 2013 को ''कैंसर पंजीकरण पर कार्यशाला'' का आयोजन किया गया।
2. डीबीटी द्वारा 4–5 मार्च, 2013 के बीच कैंसर उपचार में नैनो तकनीकी के अनुप्रयोग पर विशेष समूह बैठक और विचार मंथन का आयोजन किया गया। रामालिंगास्वामी बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

संवेदनाहरणविज्ञान

सुषमा भटनागर : 4 सीमा मिश्रा : 4 निष्कर्ष गुप्ता : 6 राकेश गर्ग : 6
सचिदानंद जी भारती : 3

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

राजीव कुमार : 2 रितु गुप्ता : 3 संजीव कुमार गुप्ता : 2
चिकित्सा अर्बुदविज्ञानललित कुमार : 7 अतुल शर्मा : 10 समीर बक्शी : 13

चिकित्सा भौतिकी

प्रतीक कुमार : 7

रेडियोथैरेपी

जी. के. रथ : 17 पी. के. जुल्का : 11 डी. एन. शर्मा : 6 सुभाष गुप्ता : 1

विकिरण निदान

संजय थुलकर : 4 चंद्रशेखर एस एच : 1 मनीषा जेना : 3 देवेसेनाथीपथी कांडासामी : 1

शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

एन. के. शुक्ला : 3 एस. वी. एस. देव : 8 एम. डी. रे : 1
मौखिक लेख / पोस्टर प्रस्तुत किए गए : 33

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

संवेदनाहरणविज्ञान

जारी

1. लयबद्ध श्वास प्रक्रिया के प्रभाव का मूल्यांकन – पीड़ा वाले उच्च अवस्था के कैंसर रोगियों में पीड़ा बोध पर सुदर्शन क्रिया एवं प्राणायाम (एस के पी) केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् आयुष विभाग, 2010–12, 20 लाख रु.।
2. कैंसर रोगियों में ओपिओडस हेतु प्रतिक्रिया के आण्विक निर्धारक : भारतीय परिदृश्य, सुषमा भटनागर, आई सी एम आर, 2012–15, 28.14 लाख रु.।
3. भेदन पीड़ा वाले रोगियों में मुखीय ट्रास्मुकोरूल फेंटेनिल सिटरेट बनाम मुखीय मोर्फिन की प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, तुलनात्मक, नैदानिक अध्ययन। सुषमा भटनागर। ट्रोयका फार्मास्यूटिकल्स। 6 माह, 2012, 0.50 लाख रु.।
4. फेज़–1 में डॉ. भी. रा. अ. सं. रो. कैं. अ., अ. भा आ. सं. में प्रयोग किए जाने वाले कैंसर पीड़ा उपचार एप्लीकेशन हेतु प्रोटोकॉल का विकास। सुषमा भटनागर। आई सी एम आर, 2013–15, 28.85 लाख रु.।

पूर्ण

1. लम्बोसाक्ररल रेडीकुलर पीड़ा हेतु एपिड्यूरल ट्राइम्सिनोलॉन एवं बीटामिथासोन की तुलना : एक अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन।

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

जारी

1. भारत में जनसंख्या आधारित कैंसर रजिस्ट्रियों की कार्य प्रणाली पर अध्ययन – इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर का एक सहयोगी अनुसंधान परियोजना, लॉयन, फ्रांस (आई ए आर सी) एवं इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ कैंसर रजिस्ट्रीज़ (आई ए सी आर) तथा टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई।
2. कैंसर रजिस्ट्री आधारित अस्पताल।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

जारी

1. चिरकारी लिम्फोसाइटिक ल्यूकीमिया में डी एन ए मिथिलेशन की पूर्वानुमानिक संगति। रीतु गुप्ता। डी बी टी, 3 वर्ष, 50.25 लाख रुपए।
2. बहुविथ मायलोमा का पैथोबायोलॉजी में टी एच 17 कोशिकाएं। रीतु गुप्ता, डी एस टी, 2 वर्ष, 20.23 लाख रुपए।
3. 3. चिरकारी लिम्फोसाइटिक ल्यूकीमिया में बायोलॉजीकल हीटरोजेनिटी का आण्विक एवं प्रतिरक्षाविज्ञानात्मक आधार। रीतु गुप्ता, डी बी टी, 3 वर्ष, 19.46 लाख रुपए।
4. सीएलएल में एक व्यापक आणविक स्कोर की ओर। रितु गुप्ता, एम्स, 10 लाख रुपए।
5. बहुविथ मायलोमा में नेचुरल किलर एवं टी – लिम्फोसाइट सब्सेट विश्लेषण। डॉ. रीतु गुप्ता। आई सी एम आर।
6. क्लोनल टी–सेल रिसेप्टर जीन पुनर्निर्माण की एक कम लागत वाली पीसीआर विश्लेषण द्वारा टी –लिनिएज तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया में अल्पतम अवशिष्ट रोग की जांच। अनीता चोपड़ा, एम्स, 9.85 लाख रुपए।

पूर्ण

1. आई सी एम आर द्वारा निधिकृत बहुविथ मायलोमा में ऐंजियोजेनेसिस के रेगुलेटर के रूप में एच आई एफ – 1अल्फा। बहुविथ मायलोमा में नेचुरल किलर एवं टी – लिम्फोसाइट सब्सेट विश्लेषण। डॉ. रीतु गुप्ता। आई सी एम आर।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

जारी

1. बहुविध मायलोमा हेतु लिनालिडोमाइड सहित अल्प डोज़ डेक्सामिथेसोन बनाम थैलिडमाइड बनाम अल्प डोज़ डेक्सामिथोसॉन : एक यादृच्छिक फेज III अध्ययन। ललित कुमार। डॉ. रेड्डीज लैब। 2008–13.
2. प्रथम आवर्ती में प्लेटिनम सेंसिटिव अण्डाशय कैंसर वाले रोगी में कार्बोप्लेटिन एवं टेक्सेन के मिश्रण के साथ साप्ताहिक फर्लेटुजुमेब (एम ओ आर ए बी – 003) की प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा का निर्धारण करने के लिए एक यादृच्छिक, दोहरा, प्लेसिबो नियंत्रित फेज 3 अध्ययन। ललित कुमार, मोर्फोटेक यू एस ए। 2010–13.
3. नॉन हॉजकिन्स लिम्फोमा में रीतुक्सिमेब (जिनोटिक) की सुरक्षा एवं प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए एक बहुकेंद्रीक ओपन लेबल फेज़ III अध्ययन। ललित कुमार। रैनबैक्सी, गुड़गांव। 2009–14.
4. एपिथेलियल अण्डाशय कैंसर फैलोपियन ट्यूब कार्सिनोमा अथवा प्रारंभिक पेरीटोनियल कार्सिनोमा के प्रथम पंक्ति उपचार के रूप में कार्बोप्लेटिनंद पैक्लीटेक्सल में बेबासिजुमेब के सम्मिलन का मूल्यांकन करना। ललित कुमार। आर ओ एस आई ए अध्ययन (रोशे)। 2011–2014.
5. कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले आवर्ती एपिथेलियल अण्डाशय कैंसर वाले रोगियों में एड ऑन थेरेपी के रूप में मेटफोर्मिन बनाम प्लेसिबो के प्रभाव का मूल्यांकन करना : दोहरा यादृच्छिक नियंत्रित क्लिनिकल परीक्षण। ललित कुमार। 2012–13.
6. उन्नत डिम्बग्रंथि के कैंसर में टी–रेगुलेटरी कोशिकाओं का प्रोग्नोस्टिक महत्व। ललित कुमार, आई सी एम आर, नई दिल्ली, 2012–13.
7. उच्च एपिथेलियल अण्डाशय कैंसर हेतु प्रत्येक 3 सप्ताह में कार्बोप्लेटिन के सम्मिश्रण के साथ साप्ताहिक पेक्लीटिक्सल : एक फेज 3 यादृच्छिक अध्ययन। ललित कुमार। डी बी टी। 2010–14.
8. मानव स्वास्थ्य पर गैर आयोनाइजिंग इलेक्ट्रोमेग्नेटिक क्षेत्र के प्रभाव का अध्ययन करना। ललित कुमार। आई सी एम आर, 2012–2017.
9. मल्टीपल माइलोमा में अस्थि मज्जा सूक्ष्म परिवेश का अध्ययन। ललित कुमार, एम्स, 2013–14.
10. चिरकारी मायलेजिनियस ल्यूकीमिया वाले रोगियों में निलोटिनिब की तुलना में इमेटिनिब डोज़ ऑप्टीमाइजेशन का यादृच्छिक फेज 3 अध्ययन एवं मानक डोज़ हेतु सबोप्टीमल प्रतिक्रिया। ललित कुमार। नोवार्टिस इण्डिया 2011–16.

11. इंओपरेबल गैस्ट्रिक एवं गैस्ट्रो – इसोफेगिल कैंसर वाले रोगियों में कीमोथेरेपी के साथ बनाम कीमोथेरेपी एकल दिए जा रहे एनोजेपेरिन (अल्प मोलीक्यूलर वेट हेपेरिन) का यादृच्छिक, फेज़ 3 बी, बहु केंद्र, ओपन लेबल, सामांतर अध्ययन। अतुल शर्मा। केरीटेरिएम, पुणे। 2008 – अब तक की तिथि।
12. लेपाटिनिब के साथ अथवा उसके बिना कैपिसिटेबाइन प्लस ऑक्सलिप्लेटिन से उपचारित ई आर बी बी2 सकारात्मक उच्च अथवा मेटास्टेटिक या ईसोफेगिल या गैस्ट्रोईसोफेगिल जंक्शन एडिनोकार्सिनोमा का फेज़ 3 अध्ययन। अतुल शर्मा ग्लेक्सोस्मिथक्लिन फार्माश्यूटीकल्स। 2009–12.
13. फ्लूरोपेरीमिडाइन्स / इरीनोटिकन प्राप्त करने वाले कैंसर रोगियों में कीमोथेरेपी प्रवृत्त डायरिया पर प्रोबायोटिक वी एल एल संख्या 3® की प्रभावोत्पादकता की जांच करने के लिए एक फेज 3, यादृच्छिक, दोहरा, प्लेसिबो नियंत्रित अध्ययन। अतुल शर्मा। सी डी फार्मा इण्डिया। 2010–13.
14. अनुच्छेदनीय गाल ब्लैडर कैंसर के उपचार में जेमिसिटेबाइन. सिस्प्लेटिन से संशोधित जेमिसिटेबाइन. ऑक्सलिप्लेटिन (एम जी ई एम ओ एक्स) की तुलना करते हुए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। अतुल शर्मा, 2010 – अब तक की तिथि।
15. उन्नत पित्ताशय कैंसर के जीन की अभिव्यक्ति प्रोफाइल का अध्ययन करना। अतुल शर्मा, एम्स, 2011.
16. बच्चों, नवयुवकों तथा जवान वयस्कों में तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया का उपचार एवं लक्षण वर्णन। समीर बक्शी (कॉ– 1) नेटवर्क ऑफ कैंसर ट्रिटमेंट एण्ड रिसर्च एवं सर रतन टाटा ट्रस्ट। ऑनगोइंग (2005 से आगे)।
17. उच्च डोज़ मेथोट्रिजेट का फार्माकोकाइनेटिक एवं टोक्सिसिटी प्रोफाइल : भारतीय बच्चों में सीरम क्रिएटिनाइन एवं एम टी एच एफ आर पोलीमोर्फिज्मस के साथ संबंध। समीर बक्शी। जे आई वी डी ए वाई ए फाउण्डेशन। अक्टूबर 2008 के बाद।
18. कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले बच्चों एवं नवयुवक में एड ऑन थेरेपी के रूप में एप्रीपिटेंट बनाम प्लेसिबो का ऐंटी ऐमिटिक प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन : एक यादृच्छिक दोहरा नियंत्रित परीक्षण। समीर बक्शी। डॉ. रेड्डीस लैबोरेट्रीज़ जारी 2011 से आगे।
19. फॉलोअप पर बाल तीव्र ल्यूकीमिया वाले रोगियों में पौषणिक स्तर। समीर बक्शी। आई सी एम आर, 2011 से आगे।
20. बाल चिकित्सा गैर हॉडगकिन लिंफोमा में टी विनियामक कोशिकाओं और टी सहायक 17 कोशिकाओं की श्रृंखला मूल्यांकन – एक भावी अध्ययन। समीर बक्शी, एम्स 2012–13.

पूर्ण

1. सी एम एल रजिस्ट्री : एक अवलोकनात्मक अध्ययन (बहु राष्ट्रीय, बहु केंद्रित अध्ययन)। ललित कुमार। नोवार्टिस इण्डिया लिमिटेड। इंटरनेशनल, 2008–13.
2. कीमो रेडिएशन के पश्चात् नियोएजुवेंट कीमोथेरेपी से उपचारित लोकली एडवांस्ड कार्सिनोमा सर्विक्स में सीरम बी ई जी एफ एवं डिफ्यूजन वेटिड एम आर आई का मूल्यांकन। ललित कुमार। अ. भा. आ. सं., 2012–13.
3. हिमेटोपाइटिक स्टेम कोशिका प्रत्यारोपण से गुजर रहे रोगियों में उच्च खुराक कीमोथेरेपी प्रेरित मौखिक म्यूकोसाइटिस की रोकथाम में लैक्टोबेसिलस सीडी2 लोजेंजीस की प्रभावकारिता का पायलट अध्ययन। अतुल शर्मा।
4. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया के रोगियों में टी–रेगुलेटरी कोशिकाओं के कार्यात्मक महत्व। समीर बक्शी, एम्स, 2011–12.
5. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में मात्रात्मक बीएएक्स और बीसीएल–2 जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन करना।

चिकित्सा भौतिकी

जारी

1. विकिरण डोज़ निर्धारण हेतु थर्मो ल्यूमिनेसेंट सामग्रियों का विकास तथा विकिरणविज्ञानात्मक चिकित्सा इमेजिंग में उनका डोसीमेट्रिक अनुप्रयोग। प्रतीक कुमार, आई सी एम आर। 2009–12, 12.10 लाख रुपए।
2. कोरोनरी धमनी प्लैक्यू का मूल्यांकन। प्रतीक कुमार। आई सी एम आर। 2012–15, 17.54 लाख रुपए।

विकिरण निदान

जारी

1. बाल चिकित्सा लिंफोमा : स्टेजिंग और उपचार के बाद मूल्यांकन के लिए 18 एफ एफडीजी /सीटी बनाम संपूर्ण शरीर का एमआरआई। मनीषा जाना, अनुसंधान अनुभाग, एम्स।

रेडियोथेरेपी

जारी

1. सहायक कीमोथेरेपी / रेडियोथेरेपी से उपचारित गैर मेटास्टेटिक स्तन कैंसर वाले रोगियों में आयुष क्यू ओ एल – 2 सी के साथ जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन एवं आणविक मार्कर्स के साथ इसका सह संबंध। जी. के. रथ। सेंट्रल कॉन्सिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद एवं सिद्ध। 2010, 51.45 लाख रुपए।
2. बी सी आई आर जी 006 – एच ई आर 2 परिवर्तन वाले ऑपरेबल स्तन कैंसर से पीड़ित नोड पॉजिटिव एवं उच्च जोखिम नोड नेगेटिव वाले रोगियों के सहायक उपचार में डोसीडेक्सल एवं ट्रास्टुजुमेब (हर्सेप्टिन) (ए सी → टी एच) का डोसीटेक्सल, कार्बोप्लेटिन एवं ट्रास्टुजुमेब (टी सी एच) के साथ तुलना के पश्चात् डोक्सीटेक्सल (ए सी → टी) की डोक्सोरुबिसिन एवं साइक्लोफोस्फेमाइड के साथ तुलना के पश्चात् डोक्सोरुबिसिन एवं साइक्लोफोस्फेमाइड की तुलना करते हुए एक बहु केंद्रीय फेज़ III यादृच्छिक परीक्षण। पी. के. जुल्का। एवेंटिस। 2004। 1.62 लाख रुपए।
3. विगत में अनुपचारित एच ई आर 2 सकारात्मक मेटास्टेटिक स्तन कैंसर वाले रोगियों में टास्टुजुमेब से संयुक्त आई एन सी बी 007839 की चिकित्सीय प्रभाव एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए एक फेज़ 1/2, संशोधित डोज़ वृद्धि, ओपन लेबल परीक्षण। पी के जुल्का, सीरो। 2008। 15 लाख रुपए।
4. हार्मोन दुश्चिकित्स्य प्रोस्टेट कैंसर वाले पुरुषों में विस्तारित अस्थि मेटास्टेटिस मुक्त सर्वावाइवल पर डीनोसुमेब का यादृच्छिक, दोहरा, प्लेसिबो नियंत्रित, बहु केंद्र फेज़ 3 अध्ययन। पी के जुल्का। क्वींनटाइल्स। 2007। 9 लाख रुपए।
5. स्थानीय रूप से उच्च स्तन कैंसर के रोगियों में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं की पूर्वानुमानिक महत्ता। पी. के. जुल्का, 2011। डी एस टी। 23 लाख रुपए।
6. एडजुवेंट टेमोक्सीफेन लॉन्ग एगेंस्ट शॉर्ट (एटलास) – बहु केंद्र अंतरराष्ट्रीय परीक्षण, ऑक्सफोर्ड ब्रिटेन, यूके। (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑनकोलॉजी, और रेडिऐशन ऑन्कोलॉजी) – एटलास।
7. स्थानीय रूप से उन्नत ग्रीवा कार्सिनोमा के प्रबंधन में इंटरस्टिशियल ब्रैकीथेरेपी पीईटी–सीटी निर्देशित। डी एन शर्मा। इंस्टीट्यूट इंटरम्यूरल ग्रांट स्कीम।
8. एचपीवी पॉजिटिव कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा सेल लाइनों में रेडियोथेरेपी के अतिरिक्त एंटीवायरल एजेंट और हर्बल फार्मूलों की ट्यूमरिसिडल प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट अध्ययन। हरेष के पी, एम्स, इंटरम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2013 के बाद से, 5 लाख रुपए।

पूर्ण

1. प्लाज्मा कोशिका मायलोमा में टी कोशिका रेपर्टवर। अतुल शर्मा, डी बी टी, 2007 –2012, 13. लाख रुपए।
2. ए एम एल में बहु औषध प्रतिरोध पैटर्न का मूल्यांकन तथा थेरेपी से प्रतिक्रिया। अतुल शर्मा, अ. भा. आ. सं., 1.9 लाख रुपए।
3. सी एल एल के रोगियों में जेड ए पी 70 तथा सी डी 38 की अभिव्यक्ति। अतुल शर्मा, 2008–11

विभागीय परियोजनाएं

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

पूर्ण

1. तीव्र मायलॉयड ल्यूकीमिया के रोगियों में क्लिनिकल लक्षण वर्णन, पूर्वानुमानिक कारक एवं उपचार परिणाम का विश्लेषण।

चिकित्सा भौतिकी

जारी

1. मेडीकल इमेज लेज़र प्रिंटर के गुणवत्ता आश्वासन के लिए प्रोटोकॉल का विकास।
2. इंटरवेशनल फ्लूरोस्कॉपी में विकिरण डोज़ का मापन।
3. डोज़मीटर प्रयोजन के लिए नए ल्यूमिनिसेंस सामग्री का विकास।
4. दृष्टिगत रूप से उत्तेजित ल्यूमिनिसेंस डोसीमीटर का कैलीब्रेशन एवं उपयोग।
5. सी टी स्कैन का प्रयोग करके एथ्रोस्केलरोटिक प्लैक्यू का लक्षण वर्णन।

विकिरणनिदान

जारी

1. स्तन संरक्षण शल्यचिकित्सा (बी सी एस) के लिए इंट्रा ऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड (आई ओ यू एस) की उपयोगिता : एक व्यवहार्यता अध्ययन।

2. आवर्ती / दुर्दम्य असाध्य प्लूरल इफ्यूज़न्स के उपशमन में प्लियूरोडेसिस के साथ अथवा उसके बिना पिग्टेल कैथेटर का प्रयोग करके अल्ट्रासाउण्ड गाइडिड थोराकोसेंटेसिस।
3. ब्रेस्ट मैसेस के बी–मोड अल्ट्रासोनोग्राफी करने के लिए एक सहायक के रूप में शेयर वेव इलास्टोग्राफी की भूमिका।
4. पेनक्रियेटिक पैथोलॉजी में परफ्यूजन सी.टी. की भूमिका।
5. कीमोथेरेपी के दौर से गुजर रहे रोगियों में गैर छोटी कोशिका लंग कार्सिनोमा के मूल्यांकन में परफ्यूजन – सीटी की भूमिका।
6. बेरिएट्रिक सर्जरी (एलएसजी) के लिए माध्यमिक वजन घटाने की देखरेख का प्रभाव और / या भारतीय वयस्क मोटापे से ग्रस्त रोगियों की वसा वितरण जीवन शैली संशोधन।
7. पित्ताशय कार्सिनोमा में कीमो–रेडियोथेरेपी की प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में प्रसार भारित इमेजिंग के साथ सीटी और एमआरआई की तुलना।
8. हिमोडायलिसिस के लिए धमनी फिस्टूलस में इमेजिंग और हस्तक्षेप।
9. अपर लिम्ब परिफेरल न्यूरोपेथीस में एमआर न्यूरोग्राफी।
10. रेटिनोब्लास्टोमा में प्रसार भारित एमआरआई।

पूर्ण

1. जन्मजात अधिवृक्क हाइपरप्लासिया के साथ लड़कियों में बाह्य जननांग की उपस्थिति पर प्रसव के बाद स्टेरॉयड थेरेपी का प्रभाव।

रेडियोथेरेपी

जारी

1. स्थानीय रूप से उच्च सीए सर्विक्स, ए फेज 2 अध्ययन में लक्षित थेरेपी द्वारा नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी और समसामयिक कीमोरेडियोथेरेपी का पालन करना।
2. एडिनोकार्सिनोमा को छोड़कर स्थानीय रूप से उच्च गैर लघु कोशिका फेफड़ा कैंसर में सहयोगी कीमोथेरेपी के साथ रेडिकल रेडियोथेरेपी बनाम नवसहौषध कीमोथेरेपी एवं हाइपोफ्रैक्शनेटिड रेडियोथेरेपी के पश्चात् नवसहौषध कीमोथेरेपी की तुलना करते हुए फेज़ II यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
3. स्तन कंजरवेशन शल्यचिकित्सा के पश्चात् शीघ्र स्तन कैंसर में हाइपोफ्रैक्शनेशन बनाम मानक फ्रैक्शनेशन नियम सहित उपचार परिणाम का तुलनात्मक अध्ययन।

पूर्ण

1. स्थानीय रूप से उच्च सिर एवं गले के स्क्वामाउस कोशिका कार्सिनोमा में तीव्र प्रभावन रेडियोथेरेपी (प्रति सप्ताह 6 विखण्डन) बनाम सहयोगी कीमोरेडियोथेरेपी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
2. रेडियोथेरेपी के पश्चात् कार्सिनोमा ग्रीवा में शीघ्र क्लिनिकल परिणाम की तुलना : परंपरागत बनाम इंटेंसिटी मोड्यूलेटिड रेडियोथेरेपी (आई एम आर टी)।
3. कार्सिनोमा ग्रीवा में उच्च डोज़ दर बनाम पल्स दर ब्रैकीथेरेपी।
4. स्थानीय रूप से उच्च कार्सिनोमा इसोफेगस में कीमोरेडिएशन के पश्चात् सहयोगी कीमोरेडियोथेरेपी बनाम नवसहौषध कीमोथेरेपी की तुलना करते हैं फेज़ 2 यादृच्छिक अध्ययन।
5. मुखीय कैविटी कार्सिनोमा में ऑपरेशन के पश्चात् रेडियोथेरेपी बनाम ऑपरेशन के पश्चात् कीमोरेडिएशन की तुलना करते हुए यादृच्छिक परीक्षण।
6. ई जी एफ आर, एम आई बी – 1 पी 53 उत्परिवर्तनों पर आधारित प्रतिरोध के टीमोजुलोमाइड एवं आण्विक आधार के साथ सहौषध कीमोथेरेपी के 12 चक्र बनाम नवसहौषध कीमोथेरेपी के 6 चक्र वाले ग्लियोब्लास्टोमा वाले रोगियों में उपचार परिणाम का तुलनात्मक अध्ययन।

सर्जरी अर्बुदविज्ञान

जारी

1. रेडिकल सर्जरी एवं विकिरण चिकित्सा के बाद मुखीय कैंसर रोगियों का कार्यात्मक आकलन।
2. ऑनको प्लास्टिक वक्ष सर्जरी रोगी प्रोफाइल एवं निष्कर्ष का अग्रदर्शी मूल्यांकन।
3. टी 4बी लेजन्स से पीडित वक्ष कैंसर के रोगियों में त्वचा संबंधों का आकलन।
4. सर्जिकल ऑनकोलॉजी रोगियों में प्रोफेलेक्टिक एंटीबायोटिक्स।
5. डाई एवं गामा प्रोब का उपयोग करके मुखीय कैंसर से पीडित रोगियों का सेंटीनल लिम्फ नोड बायोप्सी।

6. स्त्रीरोगविज्ञानी एवं निचले जी आई कैंसर के रोगियों में डीप वेन थ्रोम्बोसिस का अध्ययन।
7. पेल्विक मालिग्ना के रोगियों में रोगनिरोधक लो मालिकुलर हिपेटिन के प्रभाव के आकलन का अध्ययन करना।

सहयोगी परियोजनाएं

संवेदनाहरणविज्ञान

1. कैंसर रोगियों में ओपियोड्स से प्रतिक्रिया के आण्विक निर्धारक : भारतीय परिदृश्य। आई सी एम आर। (हिमेटोलॉजी)।
2. दर्द नैदानिकी के रोगियों के सामने आने वाली आध्यात्मिक समस्याओं और चिंताओं की प्रकृति और आवृत्ति। (थियोलॉजी विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ गेन्ट, बेल्जियम)।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

जारी

1. चिरकारी लिम्फोसाइटिक ल्यूकीमिया में डी एन ए मिथिलेशन की पूर्वानुमानिक संगति (जैव प्रौद्योगिकी)।
2. तीव्र मायलॉयड ल्यूकीमिया में बहु औषध प्रतिरोध पैटर्न का निर्धारण एवं थेरेपी हेतु प्रतिक्रिया।
3. सीएलएल में बायोलॉजीकल हीटरोजेनिटी का आण्विक एवं प्रतिरक्षाविज्ञानात्मक आधार (जैव प्रौद्योगिकी)।
4. बहुविध मायलोमा में रोग गतिविधि के बायोमार्कर के रूप में ई पी सी (जैव प्रौद्योगिकी)।
5. बहुविध मायलोमा के आण्विक जैव विज्ञान का अध्ययन करना (जैव प्रौद्योगिकी)।

पूर्ण

1. बहुविध मायलोमा में रोग सक्रियता के बायोमार्कर के रूप में ई पी सी। अतुल शर्मा, डीबीटी (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)।
2. बहुविध मायलोमा के आण्विक जैव विज्ञान का अध्ययन करना। अतुल शर्मा, डीबीटी (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)।
3. एक मुख्य रूप से उत्तरी भारतीय आबादी में ओरोफरयांजियल कैंसर में मानव पैपिलोमा वायरस का प्रसार और रुझान। अतुल शर्मा (रेडियो–डायग्नोसिस, ईएनटी और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी)।
4. उच्च लेरिंजिल तथा हाइपोफेरिनजिल कैंसर वाले रोगियों में इंट्रा – आर्टेरियल कीमोथेरेपी (नवसहौषध)। अतुल शर्मा (रेडियो–डायग्नोसिस, ईएनटी और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी)।

चिकित्सा भौतिकी

जारी

1. दाता कार्निया ऊतकों की विस्तारित उपयोग के लिए कार्यनीतियों का पता लगाने के लिए इन विट्रो अध्ययन (चिकित्सा भौतिकी एवं रा. प्र. कें. नेत्र विज्ञान)।

पूर्ण

1. टैकीकार्डिया हेतु आर एफ उच्छेदन प्रक्रिया में रोगी विकिरण डोज़ निर्धारक (चिकित्सा भौतिकी, हृद विज्ञान एवं हृदय विकिरणविज्ञान)।
2. एकल फुप्फुसीय ग्रंथिकाओं के मूल्यांकन में आंशिक वोल्यूम प्रभाव शुद्धियों का प्रभाव (चिकित्सा भौतिकी एवं नाभिकीय चिकित्सा)।

विकिरणनिदान

जारी

1. एडिनोकार्सिनोमा को छोड़कर स्थानीय रूप से उच्च गैर लघु कोशिका फेफड़ा कैंसर में सहयोगी कीमोथेरेपी के साथ रेडिकल रेडियोथेरेपी बनाम नवसहौषध कीमोथेरेपी एवं हाइपोफ्रैक्शनेटिड रेडियोथेरेपी के पश्चात् नवसहौषध कीमोथेरेपी की तुलना करते हुए फेज़ 2 यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। (रेडियोथेरेपी)।
2. इविंग सारकोमा फैमिली ऑफ ट्यूमर (ईएसएफटी) में एंजियोजेनिक फीनोटाइप्स (वी ई जी एफ तथा सूक्ष्म वाहिका सघनता) की अभिव्यक्ति (बाल शल्य चिकित्सा)।
3. प्रोस्टेट कैंसर का शीघ्र पता लगाने के मूल्यांकन में चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग एवं स्पेक्ट्रास्कोपिक विधियों की भूमिका (एन.एम. आर.)।
4. विसरित बड़ी बी कोशिक नॉन हड्गकिन लिम्फोमा में रेडियोलेबल्ड एंटी सी.डी. ^{20}एंटीबॉडीज ^{131}आयोडीन रिटक्सीमाब और/या ^{90}अट्रियम रिटक्सीमाब की थेराप्यूटिक प्रतिक्रिया का मूल्यांकन (परमाणु चिकित्सा)।
5. थर्मोल्यूमिनिसेंट फॉसफर का लाक्षणीकरण और डोजीमेट्रिक मूल्यांकन (चिकित्सा भौतिकी)।

6. रेडियोथेरेपी उपचार योजना में उपयोग के लिए फेफड़ों की विकृति और आंतरिक गति की मॉडलिंग हेतु 4डी इमेजिंग का अनुप्रयोग (रेडियोथेरेपी)।
7. प्रथम आवर्ती में प्लेटिनम सेंसिटिव अण्डाशय कैंसर वाले रोगी में कार्बोप्लेटिन एवं टेक्सेन के मिश्रण के साथ साप्ताहिक फर्लेटुजुमेब (एम ओ आर ए बी – 003) की प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा का निर्धारण करने के लिए एक यादृच्छिक, दोहरा, प्लेसिबो नियंत्रित फेज 3 अध्ययन। (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)।
8. सिर और गर्दन के कैंसर के लिए कीमोथेरेपी के साथ सघन मॉड्यूलित समवर्ती रेडियो थेरेपी से उपचार पाने वाले रोगियों में भोजन की नली पर निर्भरता तथा डिफेजिया के साथ क्लिनिकल और डोजीमेट्रिक कारकों का सह संबंध। (रेडियोथेरेपी)।
9. सिर और गर्दन के कैंसर के लिए कीमोथेरेपी के साथ सघन मॉड्यूलित समवर्ती रेडियो थेरेपी से उपचार पाने वाले रोगियों में भोजन की नली पर निर्भरता तथा डिफेजिया के साथ क्लिनिकल और डोजीमेट्रिक कारकों का सह संबंध (रेडियोथेरेपी)।
10. नर्म ऊतक सरकोमा के रोगियों में क्लिनिको पैथोलॉजिक मूल्यांकन, उपचार के परिणाम और पूर्वानुमान कारक (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)।
11. ओस्टियो सरकोमा के रोगियों में क्लिनिको पैथोलॉजिक विशेषताओं मूल्यांकन, उपचार के परिणाम और पूर्वानुमान कारक (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)।
12. बाइलरी एटरेसिया के रोगियों में हिपेटिक ड्यूप्लेक्स सोनोग्राफी के साथ पोर्टल दबाव सीरम नाइट्रिक ऑक्साइड स्तर और यकृत हिस्टोपैथोलॉजी का सह संबंध (बाल शल्य चिकित्सा)।
13. कम खुराक की कीमोथेरेपी (मैट्रोनोमिक उपचार) बनाम प्रगतिशील और / या रिफ्रेक्टरी बाल रोग मैलिगनेंसी में सर्वोत्तम समर्थक देखभाल : एक दोहरा ब्लाइंड प्लासेबो नियंत्रित अध्ययन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)।
14. बच्चों की आयु और स्पेक्ट्रम के आकार पर एपेंडीसेक्टोमी तथा ओर्कीपेक्सी के लिए लेपेरोस्कोपिक मार्ग की दक्षता का आकलन (बाल शल्य चिकित्सा)।
15. भारतीय अधिक वजन के किशोरों में गैर एल्कोहलिक वसा यकृत रोग की संवेदनशीलता के निर्धारण में अनुवांशिक बहुरूपता, क्लिनिकल और जैव रसायनिक पैरामीटरों का प्रभाव (बाल शल्य चिकित्सा)।
16. जन्म के समय कम वजन वाले शिशुओं तथा दो वर्ष की आयु पर पैरिनेटल एस्फिक्सिया के तंत्रिका बोधात्मक और शारीरिक परिणाम।

रेडियोथेरेपी

जारी

1. पीड़ादायक बोन लेशन्स में परक्यूटैनियस रेडियोफ्रेक्वेंसी अबलेशन (विकिरणनिदान और रेडियोथेरेपी)।
2. विकसित कैंसर सर्विक्स के प्रबंधन में कुरकुमिन का आंकलन (रेडियोथेरेपी, गायनेकोलॉजी, बायोकैमिस्ट्री, और पैथोलॉजी)।
3. गुर्दा कैंसर में शल्यचिकित्सा के पश्चात् प्रिऑपेरटिव लघु क्रम रेडियोथेरेपी (25 गे) बनाम प्रिऑपरेटिव सहयोगी रेडियोथेरेपी (45 गे) तथा कीमोथेरेपी का यादृच्छिक अध्ययन (विकिरण अर्बुदविज्ञान, शल्यक अर्बुदविज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकृतिविज्ञान, विकिरणनिदान)।
4. नेशनल रेटिनोब्लास्टोमा रजिस्ट्री – दिल्ली स्थल, डॉ. आर पी केंद्र, अ. भा. आ. सं, आई सी एम आर नई दिल्ली, भारत के तहत एक सहयोगी अध्ययन।

शल्यचिकित्सा अर्बुदविज्ञान

जारी

1. मुखीय कैंसर में आण्विक मार्करों के मूल्यांकन एवं वैधीकरण पर बहुकेंद्रीय राष्ट्रीय कार्यक्रम : एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन (जैव रसायन एवं शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग)।
2. भारतीय महिला स्तन कैंसर रोगियों में विभिन्न क्रोमोजोमों में माइक्रोसेटेलाइट अस्थिरताओं का मूल्यांकन करना (शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग तथा जैवविज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली)।
3. भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर के रोगियों में इम्प्रिंटिंग साइट (बोरिस) और सीटीसीएफ जीन का नियमित स्तन आणविक विश्लेषण (बायोसाइंस, जामिया मिलिया इस्लामिया और शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग)।
4. मुख के स्क्वामस सेल कार्सिनोमा के रोगियों में टी हेल्पर–17 (टी.एच. 17) सेलों का फीनोटाइपिक तथा कार्यात्मक लक्षणीकरण और उनके एंटीट्यूमर गतिविधि का मूल्यांकन (जैव प्रौद्योगिकी और शल्यचिकित्सा अर्बुदविज्ञान)।
5. ऑपरेशन योग्य स्तन कैंसर में लिम्फानोड मेटास्टेसिस के साथ डी डाइमर और अन्य कोएगुलेशन रूपरेखा की भूमिका (प्रयोगशाला चिकित्सा और शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग)।
6. स्थानीय रूप से उच्च मुखीय कैंसर के मूल्यांकन में सी टी स्कैन तथा एम आर आई की भूमिका। (शल्यक अर्बुदविज्ञान तथा विकिरण निदान)।

7. भारतीय महिला स्तन कैंसर रोगियों में पी 21 डब्ल्यू ए एफ – 1 जीन का आण्विक मूल्यांकन (शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग तथा जैवविज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इसलामिया)।
8. तंबाकू सहयोगी मुखीय कार्सिनोजेनेसिस का आण्विक आधार (जैवरसायन तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान)।
9. उच्च इसोफेगिल एवं गैस्ट्रिक एडिनोकार्सिनोमा प्रोटोकॉल 0701 में ऑक्सिप्लेटिन, डोसीटेक्सल तथा कैपिक्टियाबाइन का एक ओपन लेबल, गैर यादृच्छिक फेज 2 परीक्षण (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, शल्यक अर्बुदविज्ञान तथा विकिरण अर्बुदविज्ञान)।
10. आहार नियम के साथ जेमसिटेबाइन से विगत में उपचारित उच्च अग्न्याशाय कैंसर वाले रोगियों के उपचार हेतु 5 – एफ यू को निरंतर देने की तुलना में प्रत्येक 3 सप्ताह 90 एम जी / एम 2 पर एक यादृच्छिक, ओपन लेबल, बहुकेंद्र अध्ययन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान)।
11. मुखीय कैंसर में टी सी 21 / आर आर ए एस2 की अभिव्यक्ति की क्लिनिकल महत्ता (जैव रसायन तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान)।
12. मेटास्टेटिक मृदु ऊतक या अस्थि सार्कोमास वाले रोगियों हेतु अनुरक्षण थेरेपी के रूप में देने पर ए पी 23573 की प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए निर्णायक परीक्षण (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान)।
13. के आर ए एस प्रचंड प्रकार का मेटास्टेटिक कोलोरेक्टल कैंसर वाले रोगियों में एफ ओ एल एफ आई आई प्लस सिटुजिमेब (इरबिटुक्स) अथवा एफ ओ एल एफ ओ एक्स प्लस सिटुजिमेब की सुरक्षा एवं प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए एशिया पैसिफिक गैर यादृच्छिक, ओपन लेबल फेज़ ᴵᴵ अध्ययन (ए पी ई सी अध्ययन) (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान)।
14. मुखीय कैंसर में प्राकृतिक मारक टी कोशिका एवं डेंट्रिक कोशिकाओं का कार्यात्मक एवं फीनोटाइपिक लक्षण – वर्णन (जैव प्रौद्योगिकी, शल्यक अर्बुदविज्ञान)।
15. सिर एवं गले के कैंसर में भिन्न रूप में अभिव्यक्त प्रोटीनों का कार्यात्मक लक्षण वर्णन (जैव रसायन तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान)।
16. नैदानिक विश्लेषणों में सिर एवं गले के कैंसर मार्करों की व्याख्या करना – एक इण्डो कैनेडिएन अनुसंधान परियोजना (जैव रसायन अ. भा. आ. सं. शल्यक अर्बुदविज्ञान तथा रसायन विभाग योर्क यूनीवर्सिटी कनाडा)।

पूर्ण

1. इंडियन फिमेल ब्रेस्ट कैंसर रोगियों में काइटोकाइन जीनों का मॉलीकुलर एनालसिस (शल्यचिकित्सा अर्बुदविज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी जमिया मिलिया इस्लामिया)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 125 सार : 38 पुस्तकों में अध्याय : 12

रोगी उपचार

कुल बिस्तर क्षमता 182

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान	78	विकिरण अर्बुदविज्ञान	37
शल्यक अर्बुदविज्ञान	61	प्रशामक उपचार एकक	6

कुल ओ पी डी उपस्थिति 91100

पंजीकृत किए गए नए रोगी 9059 पुनःआगमन 82041

विभिन्न ओपीडी / क्लिनिक के विवरण

संख्या	ओपीडी क्लिनिक का नाम	पंजीकृत नए रोगी			पुनःआगमन		
		पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
1.	वयस्क चिकित्सा अर्बुदविज्ञान	527	405	932	11486	13664	25150
2.	वयस्क लिम्फोमा ल्यूकीमिया	17	08	25	2588	1359	3947
3.	ए एम एल/ एच एल	57	30	87	975	344	1319
4.	एएलएल/सीएमएल	121	67	188	1347	667	2014
5.	स्तर कैंसर	27	504	531	92	4812	4904
6.	अस्थि एवं मृदु (ऊतक)	137	80	217	501	277	778
7.	कीमोथेरेपी मूल्यांकन	03	–	03	07	03	10

8.	पारिवारिक कैंसर	–	01	01	–	–	–
9.	जठरांत्र	371	280	651	775	520	1295
10.	स्त्रीरोगविज्ञान ए	–	142	142	–	685	685
11.	स्त्रीरोगविज्ञान बी	–	354	354	–	1652	1652
12.	स्त्रीरोगविज्ञान सी	–	190	190	–	539	539
13.	प्रजनन मूत्र और स्त्री रोग	12	27	39	17	33	50
14.	सिर एवं गला (शल्य चिकित्सा) ए	271	67	338	1334	280	1614
15.	सिर एवं गला (ई एन टी) बी	856	148	1004	3547	615	4162
16.	हिपेटो बाइलरी तथा पैनक्रिएटिक	59	44	103	86	65	151
17.	फेफड़ा कैंसर	95	40	135	320	95	415
18.	एन एच एल / एम एम / सी एल एल	124	69	193	957	393	1350
19.	नेत्र ट्यूमर	06	02	08	100	45	145
20.	बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान	245	108	353	6359	2470	8829
21.	बाल लिम्फोमा ल्यूकीमिया	122	33	155	3187	1015	4202
22.	बाल (शल्यचिकित्सा)	69	44	113	1360	675	2035
23.	पीड़ा राहत	231	179	410	3209	2411	5620
24.	पीड़ा एवं प्रशामक – उपचार (आर टी – II)	–	01	01	–	01	01
25.	बाल रोग पेलिएटिव देखभाल	02	01	03	03	–	03
26.	विकिरणचिकित्सा	1044	886	1930	3670	4376	8046
27.	पुनर्वास	09	08	17	08	06	14
28.	शल्यक अर्बुदविज्ञान	224	235	459	399	412	811
29.	वक्ष अर्बुदविज्ञान	113	70	183	134	73	207
30.	प्रतिरोप	21	10	31	373	123	496
31.	मूत्ररोगविज्ञान असाध्यता	248	15	263	517	80	1597
	कुल	5011	4048	9059	44351	37690	82041

कुल दाखिले **30009** नियमित 5853 अल्प / दिवस उपचार 24156

कुल अस्पताल से छुट्टी **29506** नियमित 5514 अल्प / दिवस उपचार, 23992

कुल मृत्यु **321**

ऑपरेशन थिएटर सेवा **6825** बड़े 1014 छोटे 5811

इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफ (ईसीजी) 2821

ओपीडी प्रक्रियाएं (उपचार कक्ष 15) 4230

ओपीडी कीमोथेरेपी (सीटी) सेवाएं (उपचार कक्ष सं. 15) 11553

पुरुष 8083 महिला 3164 पुरुष शिशु 228 महिला शिशु 78

निवास स्थान के अनुसार रोगियों का भौगोलिक वितरण (8610)

स्थान	**कुल**	**स्थान**	**कुल**
आंध्र प्रदेश	7	असम	35
अरूणाचल प्रदेश	4	बिहार	1234
चण्डीगढ़	6	छत्तीसगढ़	21
दिल्ली	2829	दमन और द्वीप (संघ राज्य क्षेत्र)	5
गुजरात	2	गोवा	1
हरियाणा	954	हिमाचल प्रदेश	39
जम्मू और कश्मीर	115	झारखण्ड	111
केरल	7	कर्नाटक	2
मध्य प्रदेश	117	महाराष्ट्र	8

मेघालय	2	मणिपुर	24
मिजोरम	4	नागालैण्ड	6
उड़ीसा	94	पंजाब	64
पाण्डीचेरी	2	राजस्थान	219
सिक्किम	20	त्रिपुरा	4
उत्तर प्रदेश	2666	उत्तरांचल	358
पश्चिम बंगाल	53	अन्य देश	37

महायोग = 9059

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान सेवाएं

प्रत्येक हीमोग्राम (एचबी, टीएलसी, प्लेटलेट्स)	55565
पेरिफेरल रक्त लेप (पी बी एस)	6319
अस्थि मज्जा चूषण (बी एम)	3107
साइटो कैमिस्ट्री	835
सीरम प्रोटीन (एस पी ई)	3123
इम्यूनोफिक्सेशन (आई एफ एक्स)	212
यूरीन इलेक्ट्रोपोरेसिस (यू ई)	469
ए पी ए ए पी	43
फाइन नीडल एस्पेरेशन साइटोलॉजी (लिम्फ नोड)	9
साइटो स्पिन (सस)	480
ईएसआर	1700
सीरम फ्री लाइट चेन (एसएफएलसी)	354
महायोग	**89644**

चिकित्सा भौतिकी सेवाएं

1. इरेडिएटिड रक्त बैगों की संख्या	392
2. एक्स रे मशीनों पर की गई गुणवत्ता गारंटी जांच	2018
3. डॉ. भी. रा. अ. सं. रो. कैं. अ., अ. भा. आ. सं. में फिल्म प्रोसेसर पर गुणवत्ता गारंटी जांच	271
4. विकिरणविज्ञान (मुख्य) में फिल्म प्रोसेसर पर गुणवत्ता गारंटी जांच	569
5. एक्स रे एककों में विकिरण आउटपुट माप	372
6. अ. भा. आ. सं. में फिल्म प्रोसेसर पर किया गया गुणवत्ता जांच	256
7. विकिरण सुरक्षा सर्वेक्षण माप	15
8. सगर्भता हेतु असावधानीवश अनावरण में सलाह	8
कुल	**3901**

विकिरणनिदान सेवाएं

सी टी स्कैन	5419	विशेष जांच (बीए. आई)	**270**
डोप्लर	275	अल्ट्रासाउण्ड	**5878**
इंटरवेंशन	970	एक्स–रे (नैमिक)	**13860**
मेमोग्राफी	1298		
महायोग	**27970**		

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

नए केस (सी टी ई. एल एल)	1936	पुराने केस (सी टी ई. एल एल)	46821
कुल	**48757**		
दिवस उपचार में कुल कीमोथेरेपी	24156	ओ पी डी कीमोथेरेपी	11553

भर्ती (वार्ड) 5853

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान नैदानिक एवं चिकित्सीय प्रक्रियाएं

अस्थि मज्जा बायोप्सी	936	अस्थि मज्जा चूषण	1889
प्लीयूरल टेपिंग	90	स्किन बायोप्सी	3
सीएसएफ के साथ इंट्राथिकल थेरेपी	1968	कैथेटराइजेशन/निष्कासन	31
अन्य सहायक सेवाए	567	सीवन/निष्कासन	22
कुल ओपीडी प्रक्रियाएं	**5506**		

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान प्रयोगशाला सेवाएं

हीमोग्राम 12829

एकल दाता प्लेटलेट (एसडीपी) 1533

एस डी पी संग्रहित 3032

निष्पादित इंफ्यूशंस की संख्या 143

साइटोजेनेटिक्स

फिलोडेल्फिया क्रोमोजोम की पहचान 497

केमिरिज्म हेतु 4

पी बी एस सी का क्रायोप्रिजर्वेशन 36

मोनोन्यूक्लियर कोशिका गणना 133

मूल कोशिकाओं की व्यावहारिकता 125

मूल कोशिकाओं की सी डी 34 गणना 84

मूल कोशिकाओं की सी डी 3 गणना 18

पोलीमिरेज़ चेन रिएक्शन

सी एम एल (गुण संबंधी) में पी 210 तथा पी 190 ट्रांस्लोकेशन की पहचान हेतु आर टी – पी सी आर 294

सी एम एल (परिमाण संबंधी) में 210 तथा पी 190 ट्रांस्लोकेशन की पहचान हेतु आर क्यू पी सी आर 285

ए एम एल में एफ एल टी – 3 प्रत्यावर्तनों की स्क्रीनिंग 69

पसीसरिए रक्त मूल कोशिका हार्वेस्ट 111

40 सी में पसीसरिए रक्त मूल कोशिकाओं का संग्रहण 107

ऐस्परगिलोसिस पहचान हेतु एलिसा 232

ग्रेनुलोसाइट हार्वेस्ट 8

प्लाज्मा परिवर्तन 1

विकिरणचिकित्सा सेवाएं

कुल विकिरणचिकित्सा पर केस 63677

विकिरणचिकित्सा पर कुल क्षेत्र 172058

ब्रैकीथेरेपी पर केस 609

उपचार योजना एवं अनुरूपण 4111

दो एवं तीन डायमेंशनल डोज़ वितरण 975

कंपेंसेटर्स 317

शिल्डिंग ब्लॉक्स इम्मोबिलाइजेशन डिवाइसिस एवं ओरेफिट्स 2262

विकिरण समीक्षा क्लिनिक 3767

कीमोथेरेपी के मामलों की संख्या 11535

इंजेक्शन की संख्या 67340

आरएफए 7

संवेदनाहरण विज्ञान सेवाएं

विभाग में सुविधाएं उपलब्ध हैं

1. पश्च ऑपरेटिव रोगियों के लिए आईसीयू सुविधाएं।
2. संवेदनाहरण विज्ञान संबंधी कार्य के अतिरिक्त एक सप्ताह में चार बार पी ए सी तथा पीड़ा एवं प्रशामक क्लिनिक चलाया जाता है।
3. एन जी ओ द्वारा उच्च असाध्यताओं वाले रोगियों को गृह आश्रय देना तथा फॉलो–अप रिपोर्टों को जानने के लिए उनके साथ मासिक बैठक का आयोजन करना।
4. रेडियो थेरेपी, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान तथा शल्यक अर्बुदविज्ञान के रोगियों के लिए क्रिटिकल उपचार प्रदान करना।
5. बाल विकिरणचिकित्सा हेतु सुविधा।
6. अस्थि मज्जा बायोप्सी, लेट्रल लाइन प्रवेशन अस्थि मज्जा हार्वेस्टिंग तथा अन्य जैसी अल्प बाल अर्बुदविज्ञान प्रक्रियाओं के लिए संवेदनाहरण।

7. लिवर, फेफड़ा एवं स्तन कार्सिनोमा हेतु संवेदनाहरण, रेडियो फ्रिक्वेंसी उच्छेदन के तहत बाल विकिरणविज्ञानात्मक प्रक्रियाओं के लिए सुविधा।
8. स्क्रैम्बलर थेरेपी

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान नैदानिक सेवाएं

- एक सप्ताह में दो वयस्क मेडिकल ऑन्कोलॉजी क्लिनिक और एक एल एल क्लिनिक चल रहा है। (प्रोफेसर ललित कुमार)।
- एक सप्ताह में दो वयस्क मेडिकल ऑन्कोलॉजी क्लिनिक और एक जी आई सी, एक एल एल क्लिनिक तथा दो सिर और गर्दन क्लिनिक (डॉ. अतुल शर्मा)।
- एक सप्ताह में दो वयस्क बाल चिकित्सा कैंसर विज्ञान, एक बाल चिकित्सा सर्जरी क्लिनिक, हड्डी / नर्म ऊतक, ऑथ्म ट्यूमर क्लिनिक तथा पेड एल एल क्लिनिक। (डॉ. समीर बक्शी)।

एक सप्ताह में दो वयस्क मेडिकल ऑन्कोलॉजी क्लिनिक, दो स्तन कैंसर क्लिनिक और एक एल एल तथा फेफड़ों के कैंसर क्लिनिक। (डॉ. अजय जॉजिया)।

समुदायिक सेवाएं

डॉ. जी के रथ ने राजस्थान पत्रिका अक्टूबर 2012 पर एक लेख लिखा था। और 10 नवंबर 2012 पर दूरदर्शन में कैंसर से संबंधित समस्याओं पर स्वस्थ भारत कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. पी. के. जुल्का ने निम्नलिखित टेलीविजन / रेडियो कार्यक्रमों में भाग लिया।

1. टोबेको एंड कैंसर, स्वस्थ भारत लाइव शो, दिल्ली दूरदर्शन, 7 फरवरी 2013.
2. ब्रेन ट्यूमर, टोटल हेल्थ लाइव शो, दिल्ली दूरदर्शन न्यूज, 9 दिसंबर 2012.
3. कैंसर यूटरस, स्वस्थ भारत लाइव शो, दिल्ली दूरदर्शन, 3 दिसंबर 2012.
4. ब्रेस्ट कैंसर, टोटल हेल्थ लाइव शो, दिल्ली दूरदर्शन न्यूज, 21 दिसंबर 2012.
5. ऑल इंडिया रेडियो में कैंसर के कारणों, रोकथाम और उपचार, 7 नवंबर 2012.
6. ब्रेस्ट कैंसर – जागरूकता, रोकथाम और उपचार, दिल्ली दूरदर्शन, 3 नवंबर 2012.
7. एफ एम रैनबो में ब्रेन ट्यूमर के कारणों, लक्षणों और उपचार, 8 जून 2012.
8. टोबेको एंड कैंसर, टोटल हेल्थ लाइव शो, दिल्ली दूरदर्शन न्यूज, 27 मई 2012.
9. हैड एंड नेक कैंसर, स्वस्थ भारत लाइव शो, दिल्ली दूरदर्शन, 22 मई 2012.

शल्यक अर्बुदविज्ञान सेवाएं

सुविधाएं उपलब्ध

छोटा ऑपरेशन थिएटर : लघु ओ टी में लसीका पर्व बायोप्सी, पंच / ट्रूकट बायोप्सी, त्वचा / मुखीय ट्यूमर्स का उच्छेदन, मृदु ऊतक ट्यूमर्स, फीडिंग जेजुनोस्टॉमी, कोलोस्टॉमी, दीर्घ अवधि कीमोथेरेपी के लिए हिकमेन्स कैथेटर / कीमो पोर्ट्स के प्रवेश सहित नैदानिक एवं लघु चिकित्सीय प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं।

1. इण्डोस्कॉपी सेवाएं (नैदानिक एवं चिकित्सीय नैदानिक इण्डोस्कॉपी : फाइबर ऑप्टिक ऊपरी जी. आई. इण्डोस्कॉपी, एक तरफ दृष्टिगत डयूडिनो – स्कॉपी, कोलोनोस्कॉपी, सिग्मॉडोस्कोपी, ब्रोंकोस्कॉपी, सिस्टोस्कॉपी, नेसोफेरिंगो लैरिंगोस्कॉपी तथा लैप्रोस्कॉपी। चिकित्सीय इण्डोस्कॉपी : स्ट्रिक्चर डिलाटेशन, इंट्राल्यूमिनल रेडियोथेरेपी, स्टेंटिंग तथा त्वचीय इण्डोस्कोपिक गैस्ट्रोस्टॉमी।
2. बड़ा ऑपरेशन थिएटर : सिर एवं गला, जी आई पथ, स्तन, अस्थि एवं मृदु ऊतक, स्त्रीरोगविज्ञानात्मक दुर्दमताएं एवं वक्ष ट्यूमर्स सहित ट्यूमरों के रेडीकल रिसेक्शन एवं रीकंस्ट्रक्शन समेत सभी प्रमुख कैंसर शल्यचिकित्साओं हेतु सुविधाएं उपलब्ध हैं।

उच्च पुनः संरचनात्मक शल्यक प्रक्रियाएं भी उपलब्ध हैं इसके अतिरिक्त लेज़र, कुसा, हार्मोनिक, स्केल्पल, सर्जिबोन, वेसालियस एवं इंट्रा ऑपरेटिव रेडियोथेरेपी जैसी उच्च श्रेष्ठ प्रौद्योगिकियां भी इसमें हैं।

सामुदायिक सेवाएं

1. एन के शुक्ला ने 11 दिसंबर 2012 को ऑल इंडिया रेडियो द्वारा एक रेडियो टॉक आयोजित किया।
2. एस. वी. एस. देव ने दूरदर्शन कार्यक्रम – 'हेल्थ शो ऑन कैंसर एवेयरनेस' और पैन – अफ्रीका नेटवर्क के लिए टेलीमेडिसिन शिक्षा गतिविधि में भाग लिया।

स्टाफ/संकाय	संख्या

संकाय	36
रेजीडेंट डॉक्टर	66
तकनीकी स्टाफ (विकिरणचिकित्सा, प्रयोग, अर्बुदविज्ञान, एम आर टी, ओ टी, विकिरण विज्ञान आदि)	143
नर्सिंग स्टाफ	196
भण्डार स्टाफ	6
मंत्रालयी स्टाफ	21
सचिवीय स्टाफ	5
समूह 'घ' स्टाफ	79
दैनिक वेतन भोगी	2
पी टी एस जी	7
बाह्य स्रोत सफाई स्टाफ	129
बाह्य स्रोत सुरक्षा स्टाफ	76
बाह्य स्रोत डेटा ऐंट्री ऑपरेटर	15

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

संवेदनाहरण विज्ञान

डॉ. सुषमा भटनागर को डब्ल्यूएचओ द्वारा खारतूम, सूडान के इम्पैक्ट मिशन हेतु विशेषज्ञ के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया; 14वें पीड़ा संबंधी विश्व सम्मेलन में 'एक्सीलैंस इन क्लिनिकल रिसर्च और प्रैक्टिस एंड / और पॉलिसी चेन्जेज इन पेन मैनेजमेंट इन द डेवलपिंग वर्ल्ड के लिए आईएएसपी पुरस्कार प्राप्त किया; नवंबर 2012 में एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर ह्यूसटन, टेक्सास में पेरिऑपरेटिव केयर संबंधी पहले वैश्विक सम्मेलन में उत्कृष्ट यादृच्छिक प्रस्तुतीकरण हेतु पुरस्कार प्राप्त किया; बास्टन, अमेरिका में ओपियॉइड्स पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की आयोजक समिति की सदस्य थी; भारत में पैलिटिव केयर हेतु कार्यान्वयनकारी रूपरेखा के विकास हेतु सदस्य; इनकी नियुक्ति स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई; एशिया पैसिफिक हास्पाइन पैलिएटिव केयर नेटवर्क के पैलिएटिव केयर कार्यक्रम में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु फैकल्टी थी; वर्ल्ड जर्नल ऑफ एनेस्थी सियोलॉजी के संपादक मंडल में 2012–15 तक और एन्नल्स ऑफ पैलिएटिव मेडिसिन्स के संपादक मंडल में 2012–15 तक सदस्य हैं। इण्डियन जर्नल ऑफ पैलिएटिव केयर की मुख्य संपादक; इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर हॉस्पीटल, एम्स, नई दिल्ली में कैडेवेरिक वर्कशॉप सहित द्वितीय इंटरवेंशनल पेन मैनेजमेंट इंटरनेशनल कांफ्रेंस और एफआईपीपी रिव्यू कोर्स के आयोजक चेयरमेन थे।

डॉ. सीमा मिश्रा को 1–3 फरवरी 2013 को नागपुर, महाराष्ट्र में आईएसएसपीसीओएन में कैंसर पीड़ा पर सत्र की अध्यक्षता करने हेतु आमंत्रित किया गया; 17–20 अक्तूबर 2012 को पुणे; भारत में ए एफ एम सी (आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज) में डीएनवी प्रैक्टिकल परीक्षा के परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. निष्कर्ष गुप्ता को 'कम्पैरेटिव इवेलुएशन ऑफ इंटरापेरिटोनियल बुपिवेकेन : पेथीडीन कम्बीनेशन एण्ड बुपिवेकेन फार पोस्टऑपरेटिव पेन रिलीफ आफ्टर लैपरोस्कोपिक कोलासिस्टेकटोमी' पेपर के लिए उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। यह पेपर 2012 के दौरान 'द गंगा राम जर्नल' में प्रकाशित तीन सर्वोत्तम पेपरों में से एक पेपर भी माना गया था।

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

डॉ. राजीव कुमार को निम्न कार्य के लिए एम्स एक्सीलेंस अवार्ड, 2012 दिया गया : चोपड़ा ए, पति एच., महापात्र एम., मिश्रा पी, कुमार एस., सिंह एस., पांडे एस, कुमार आर. 'फ्लो' साइटोमीट्री इन माइलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम : एनालिसिस ऑफ डायग्नास्टिक यूटिलिटी यूजिंग मैज्योरेशन पैटर्न बेस्ड एण्ड क्वान्टिटेटिव अप्रोचेज एन. हीमेटोल; 2012 : 91 : 1351 – 62

रितु गुप्ता ने एम्स, नई दिल्ली, भारत में नेशनल हिमेटोलॉजी अपडेट – 9 (8 अप्रैल, 2012) में क्रोनिक लिंफोप्रीलोफरेटिव डिसऑर्डर्स पर सत्र की अध्यक्षता की।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

प्रो. ललित कुमार ने 30 अक्तूबर 2012 को स्टेम सेल और कैंसर संबंधी तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'मॉलीक्यूलर बायोलॉजी ऑफ स्टेम सेल्स एण्ड कैंसर' पर सत्र की अध्यक्षता की; 27 जनवरी 2013 को डॉ. आर एम एल अस्पताल, नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय

सम्मेलन में 'नेक्स्ट रिवोल्यूशन इन जेनेटिक्स एण्ड जीनोमिक्स एप्लीकेशंस इन हेल्थ एण्ड डिजीज' पर सत्र की अध्यक्षता की; कैंसर संबंधी कार्यदल, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; नैनोमेडिसिन संबंधी विशेषज्ञ समिति आईसीएमआर परियोजना समीक्षा समिति, सीएसआईआर; कीन समिति, एम्स; ओन्कोलॉजी से संबंधित परियोजनाओं की समीक्षा करने संबंधी आचरण समिति, धर्मशिला समिति हॉस्पीटल, दिल्ली; स्टेम सेल अनुसंधान संबंधी आचरण समिति सीसीएमएम (केजीएमसी) यूनिवर्सिटी, लखनऊ; वैज्ञानिक सलाहकार समिति, कैंसर इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआईए), अय्यर, चेन्नै के सदस्य; द तमिल नाडु डॉ एमजीआर मेडिकल यूनिवर्सिटी चेन्नै में डीएससी हेतु (2012 में) एनआईएमएस, हैदराबाद में पीएचडी हेतु तमिलनाडु डॉ. एनजीआर मेडिकल यूनिवर्सिटी, चेन्नै (मद्रास) में डीएम, मेडिकल ओन्कोलॉजी हेतु निजाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद में मेडिकल ओन्कोलॉजी में राष्ट्रीय बोर्ड (डीएनबी) हेतु परीक्षक; जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एण्ड एक्सपेरिमेंटल ओन्कोलॉजी (जेसीआरईओ) : एक अंतरराष्ट्रीय मुक्त पहुंच पत्रिका के संपादक; कैंसर मेडिसिन, के संपादक मंडल (क्लिनिकल कैंसर रिसर्च सेक्शन) के सदस्य।

समीर बक्शी 7–8 जून 2012 को हैदराबाद में नैनो बायोटेक्नोलॉजी की संकल्पनाओं संबंधी स्क्रीनिंग समिति, जैव प्रौद्योगिकी की विभाग, भारत सरकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के, आईसीएमआर सारकोमा कार्यदल, आईसीएमआर, आईसीएमआर मुख्यालय, नई दिल्ली, 03 अगस्त 2012 के सदस्य थे; द इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑफ कैंसर (आईएआरसी), विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा ल्योन, फ्रांस में 20–22 फरवरी 2013 को आयोजित चाइल्डहुड ल्युकेमिया मीटिंग हेतु विशेषज्ञ थे; जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा 4–5 मार्च 2013 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित कैंसर थेरेपी में नैनोटेक्नोलॉजी के अनुप्रयोग संबंधी बैठक और चर्चा सत्र में भाग लेने वाले डीबीटी विशेषज्ञ समूह के सदस्य थे; इण्डियन जर्नल ऑफ पीडिएट्रिक 2011 के सेक्शन एडिटर; नेशनल हिमेटोलॉजी अपडेटा 9, डिपार्टमेंट ऑफ हिमेटोलॉजी, एम्स 7–8 अप्रैल 2012 में 'सिम्पोजियम ऑन लिम्फोमा' पर सत्र की अध्यक्षता की।

चिकित्सा भौतिकी

प्रतीक कुमार को पी एम एस एस वाई के अंतर्गत छह एम्स जैसे संस्थानों में डिपार्टमेंट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन की स्थापना हेतु एईआरबी द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने हेतु नामित किया गया; राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर में चिकित्सा भौतिकी संकाय का चयन करने हेतु विशेषज्ञ; दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा यूसीएमएस, नई दिल्ली में एम एस सी मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी कोर्स की थ्योरी और प्रैक्टिकल का निरीक्षक नियुक्त किया गया; तकनीकी सलाहकार समिति, दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (डी एस सी आई), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, दिल्ली के सदस्य; जे आर एफ से एस आर एफ में पदोन्नति हेतु डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स एण्ड एस्ट्रोफिजिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालयों में बाह्य विशेषज्ञ; आयोनाइजिंग रेडिएशन इमेजिंग एण्ड रेडियोथेरेपी इक्विपमेंट्स सेक्शनल कमेटी एम एच डी – 18, भारतीय मानक ब्यूरो के सदस्य; भारत सरकार के एक उपक्रम बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (बी आई आर ए सी) और जैव प्रौद्योगिकी विभाग को भेजे गए प्रस्तावों हेतु रेफरी; पी जी डिप्लोमा कोर्स इन रेडियोलॉजीकल फिजिक्स, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली हेतु गेस्ट फैकल्टी; लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में आर टी इक्विपमेंट संबंधी विनिर्देशन समिति के सदस्य; डी एस सी आई, दिल्ली में चिकित्सा भौतिकी के एसोसिएट प्रोफेसर के चयन हेतु तकनीकी विशेषज्ञ थे; ओ एच एस – एम सी एस और डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन, एमएएमसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित आक्यूपेशनल एण्ड एनवायरनमेंटल हेल्थ संबंधी पहले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की; जी जी एस आई पी यूनिवर्सिटी में पी जी डिप्लोमा आर पी परीक्षा हेतु प्रैक्टिकल और वाइवा (मौखिक परीक्षा) के लिए बाह्य परीक्षक; आर टी निविदा चयन समिति हेतु इण्डियन रेलवे कैंसर इंस्टीट्यूट, वाराणसी हेतु बाह्य विशेषज्ञ; पेशेंट डोज आप्टीमाईजेशन इन फ्लूरोस्कोपिकली गाइडेड इंटरवेंशनल प्रोसीजर्स पर आई ए ई ए टेकडाक रिपोर्ट संख्या 1641 के सदस्य; मेडिकल फिजिक्स क्रॉनिकल के संपादक; जर्नल ऑफ मेडिकल फिजिक्स के संपादक मंडल के सदस्य; बी आई एस, नई दिल्ली की इलेक्ट्रोमेडिकल इक्विपमेंट सेक्शनल कमेटी के सदस्य; जर्नल ऑफ मेडिकल फिजिक्स हेतु रेफरी; बी एस सी इन मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम हेतु इग्नू, नई दिल्ली में प्रश्न पत्र निर्माता; एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजिसिस्ट्स ऑफ इण्डिया (ए एम पी आई) के न्यासी बोर्ड के सदस्य।

रेडियोथेरेपी

प्रो. जी. के. रथ को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आई ए आर सी गवर्निंग काउंसिल, ल्योन, फ्रांस के लिए भारत सरकार के मुख्य प्रतिनिधि के रूप में नामित किया गया; परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा परमाणु ऊर्जा विनियामक बोर्ड, भारत सरकार के सदस्य के रूप में नामित किया गया; ओडिशा प्लेटिनम जुबली अवार्ड 2012 दिया गया। रोटरी फाउंडेशन ऑफ रोटरी इंटरनेशनल के पाल हैरिस फेलो; वियना, ऑस्ट्रिया में आई सी ओ एन – ई एस एम ओ बैठक हेतु फैकल्टी; वैज्ञानिक सलाहकार समिति, आई सी ओ एन के सदस्य; एन पी सी डी सी एस संबंधी तकनीकी संसाधन समूह (सलाहकार समूह), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, भारत सरकार के सदस्य; एन सी डी आई आर, आई सी एम आर, बैंगलोर में वैज्ञानिक 'डी' के पद हेतु चयन समिति के चेयरमेन;

आर सी सी, तिरुवनंतपुरम में सीनियर एक्सलेरेटर खरीदने हेतु तकनीकी समिति के चेयरमेन; एन सी डी आई आर, आई सी एम आर में कैंसर संबंधी संचालन समिति सह अनुसंधान क्षेत्र पैनल के चेयरमेन; एन सी डी आई आर, बैंगलोर की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के चेयरमेन; डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट ऑफ मल्टीलीफ कोलीमेटर फॉर यूज़ इन सीनियर एक्सेलेटर्स' परियोजना हेतु सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की परियोजना समीक्षा और संचालक समूह के चेयरमेन; सी डैक, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही परियोजना डेवलपमेंट ऑफ ओन्कोलॉजी मैनेजमेंट सिस्टम फॉर आर सी सी तिरुवनंतपुरम हेतु परियोजना समीक्षा और संचालन समूह (पी आर एस जी) के चेयरमेन; सी एस आई ओ, चण्डीगढ़ और टी एस सी इंटीग्रेशन नई दिल्ली द्वारा कार्यान्वित की जा रही परियोजना 'डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक पोर्टल इमेजिंग डिवाइस फॉर रेडिएशन थेरेपी' के संबंध में डीआईटी की पीआरएसजी के चेयरमेन; ब्रेस्ट कैंसर एण्ड मैलिग्नेंट ब्रेन ट्यूमर्स' संबंधी आईसीएमआर कार्यबल परियोजना के चेयरमेन एन सी आर पी आई सी एम आर की संचालन समिति के चेयरमेन; 'कैंसर मैनेजमेंट गाइडलाइंस' संबंधी आई सी एम आर कार्यबल के चेयरमेन; इंस्टीट्यूट ऑफ साइटोलॉजी एण्ड प्रीवेंटिव ओन्कोलॉजी, आई सी एम आर की आचार समिति के चेयरमेन; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; भारत सरकार द्वारा एम्स के अंतर्गत झज्जर हरियाणा में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान की स्थापना हेतु गठित विशेषज्ञ समिति के चेयरमेन।

निम्नलिखित विशेषज्ञ समितियों / निकायों की सदस्य भारत सरकार द्वारा मिजोरम कैंसर इंस्टीट्यूट की अवसंरचना में सुधार करने के प्रयासों में उनकी सहायता हेतु इंस्टीट्यूट का निरीक्षण करने का कार्य सौंपा गया; डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ में रेडिएशन ओन्कोलॉजी के प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के चयन हेतु समिति के विशेषज्ञ; कैंसर केयर सेंटर, सिद्धपुर, गुजरात हेतु ब्रेकीथेरेपी मशीन खरीदने हेतु बाह्य तकनीकी विशेषज्ञ; डेवलपमेंट ऑफ एन एटलस ऑफ कैंसर इन पंजाब स्टेट एण्ड आल्सो हॉस्पीटल बेस्ड कैंसर रजिस्ट्री 'संबंधी परियोजना पर चर्चा करते हुए आचार्य तुलसी रीजनल कैंसर ट्रीटमेंट एण्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट, बीकानेर का दौरा किया; मणिपाल विश्वविद्यालय में पीएचडी वाइवा के परीक्षक; इण्डियन एसोसिएशन ऑफ कैंसर रिसर्च 2013 के वार्षिक सम्मेलन में राष्ट्रीय सलाहकार समिति के सदस्य; नवी मुंबई में 'मल्टी इंस्टीट्यूशनल पायलट स्टडी टू इवेलुएट कैपेबिलिटी ऑफ इंफ्रारेट थर्मोग्राफी ऑफ ब्रेस्ट टू डेमोन्सट्रेट ब्रेस्ट कैंसर्स विद क्लिनिकल, मैमोग्राफिक एण्ड पैथोलॉजीकल कोरीलेशन' हेतु प्रोटोकोल तैयार करने संबंधी समिति के सदस्य; बेंगलुरु में इसोफेगल कैंसर पर बैठक में आई सी एम आर कार्यबल के सदस्य; टाटा मैमोरियल सेंटर, मुंबई में नेशनल कैंसर ग्रिड मीटिंग के सदस्य; डॉ. बी. बरुआ कैंसर इंस्टीट्यूट, गुवाहाटी में उपकरणों के खरीद हेतु तकनीकी आलकन समिति के सदस्य; नई दिल्ली में डी बी टी की कैंसर बायोलॉजी पर कार्यबल की बैठक हेतु विशेष आमंत्रित; रीजनल कैंसर सेंटर, तिरुवनंतपुरम की वैज्ञानिक समिति के सदस्य; कार्सिनोजेनेसिस फाउंडेशन ऑफ इण्डिया के सदस्य; आई सी एम आर, नई दिल्ली की परियोजना 'स्क्रीनिंग ऑफ कैंसर इन थ्री डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ हिमाचल प्रदेश' पर कार्यबल के सदस्य; सी डी ए सी, तिरुवंनतपुरम, आर सी सी, तिरुवनंतपुरम, और आई आई टी, खड़गपुर द्वारा प्रस्तुत परियोजना 'मेडिकल इमेज एनालाइजर फॉर सर्वाइकल कैंसर' की प्रगति की समीक्षा करने हेतु पी आर एस जी बैठक के चेयरमेन; 6 एम वी मेडिकल लिनेक और निम्नलिखित लिनेक संबंधी परियोजनाओं की समीक्षा हेतु प्रौद्योगिकी अंतरण हेतु पी आर एस जी बैठक के सदस्य एस्टाब्लिशमेंट ऑफ फैसिलिटी फॉर बैच फैब्रिकेशन ऑफ लिनेक ट्यूब एण्ड लीनियर एक्सीलेटर मशीन; डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट ऑफ ड्यूल फोटोन एनर्जी एण्ड मल्टीपल इलेक्ट्रॉन एनर्जी; डेवलपमेंट एण्ड डिप्लायमेंट ऑफ 6 एम वी मेडिकल लिनेक फॉर कैंसर ट्रीटमेंट (चरण दो) जो कि समीर (एस ए एम ई ई आर), मुंबई में कार्यान्वित की जा रही हैं; समीर, मुंबई की जेवी चरण दो परियोजना में चौथी मशीन हेतु प्रयोक्ता अस्पताल की पहचान करने हेतु बैठक के सदस्य; रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर, डिब्रूगढ़ की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य; डी एस सी आई, एन सी टी सरकार, दिल्ली हेतु उपकरणों के तकनीकी विनिर्देशन को अंतिम रूप देने हेतु तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य; आई सी एम आर की पूर्वोत्तर की परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य; टाटा मैमोरियल हॉस्पीटल मुंबई में एम डी (रेडियोथेरेपी) हेतु बाह्य परीक्षक; एन आई एम एस, हैदराबाद में एम डी (रेडियो थेरेपी) हेतु बाह्य परीक्षक; चार क्षेत्रीय कैंसर केंद्रों (आचार्य तुलसी क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, बीकानेर, कमला नेहरु मैमोरियल कैंसर केंद्र, इलाहाबाद, आचार्य हरिहर क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, कटक और क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, अगरतला) की गवर्निंग बाडी; दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट, एन सी टी सरकार नई दिल्ली की गवर्निंग बॉडी; भगवान महावीर कैंसर सेंटर, पटना की गवर्निंग बॉडी; सेफ्टी रिव्यू कमेटी फॉर एप्लीकेशन ऑफ रेडिएशन, परमाणु ऊर्जा विनियामक बोर्ड, अणुशक्ति नगर, मुंबई, भारत सरकार; एकेडमिक सीनेट मणिपाल विश्वविद्यालय, मणिपाल; कैंसर रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इण्डिया के अध्यक्ष; इण्डियन कैंसर विनर्स एसोसिएशन के सदस्य; परियोजना समीक्षा समिति, ओन्कोलॉजी (पी आर सी ओन्कोलॉजी), भारत चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सदस्य; रेडियोथेरेपी विकास कार्यक्रम संबंधी स्थायी समिति, जी एच एस विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य; एस ए जी, आई सी एम आर के सदस्य; इंडो – अमेरिकन कैंसर एसोसिएशन के सदस्य; फोरम फॉर ब्रेस्ट प्रोटेक्शन के सदस्य; एंटी कैंसर ट्रस्ट के सदस्य; संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की 6 एम वी मेडिकल लीनियक एक्सलेरेटर के विकास ओर संस्थापन संबंध जय विज्ञान परियोजना की प्रगति की समीक्षा करने हेतु सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के उप – समूह के सदस्य; कैंसर फाउंडेशन, दिल्ली के सदस्य; सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स के कार्यकारी समूह संबंधित परियोजना समीक्षा समिति; तीन संस्थानों क. गुजरात कैंसर एण्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट,

अहमदाबाद ख. इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी, आई सी एम आर और ग. इंस्टीट्यूट ऑफ साइटोलॉजी एण्ड प्रीवेंटिव ओंकोलॉजी, आई सी एम आर की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य।

इन्होंने निम्नलिखित संपादकीय दायित्वों को भी संभाला : जर्नल एकेडमी ऑफ हास्पीटल एडमिनिस्ट्रेशन के सलाहकार संपादक; इण्डियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीजेज एण्ड एलाइड साइंसेज इण्डियन जर्नल ऑफ कैंसर; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज एण्ड टेक्नोलॉजी; जर्नल ऑफ कंटेंपररी ब्रेकीथेरेपी; साउथ एशियन जर्नल ऑफ कैंसर के संपादक मंडल के सदस्य; जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एण्ड थेरेपरिक्स के परामर्शदाता संपादक; क्लिनिकल ओन्कोलॉजी के समीक्षक; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ओटोलारेंगोलॉजी; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज एण्ड टेक्नोलॉजी; इस्टर्न जर्नल ऑफ मेडिसिन; जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एण्ड थेरेप्टिक्स; आई सी एम आर को ओन्कोलॉजी पर भेजी गई परियोजनाओं हेतु परामर्शदाता संपादक। 4 – 6 मई 2012 को जी वी राजा कन्वेंशन सेंटर, तिरुवनंतपुरम में आयोजित मल्टीडिसीप्लीनरी मैनेजमेंट ऑफ कामन कैंसर्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन; 'एप्रोच टू अ पेशेंट विद मेटास्टेटिक एडेनोकार्सिनोमा ऑफ लीवर; मैनेजमेंट पैराडाइम्स फॉर हिपेटोसेलुलर कार्सिनोमा : करंट एण्ड फ्यूचर पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एण्ड बाइलियरी साइंसेज, नई दिल्ली, 7–8 अप्रैल 2012; मॉलीक्यूलर रेडिएशन बायोलॉजी ऑफ फ्रैक्शंड डोज़, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन रेडिएशन बायोलॉजी (आई सी आर बी 2012) और इण्डियन सोसाइटी फॉर रेडिएशन बायोलॉजी : कास्मिक रेडिएशन टू कैंसर थेरेपी की 11वीं द्विवार्षिक बैठक, ए सी टी आर ई सी 22 – 24 नवंबर 2012; 'ट्रांसलेशनल रेडिएशन बायोलॉजी; इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन रेडिएशन बायोलॉजी (आई सी आर – 2012) और इण्डियन सोसाइटी ऑफ रेडिएशन बायोलॉजी : कॉस्मिक रेडिएशन टू कैंसर थेरेपी की 11वीं द्विवार्षिक बैठक, ए सी टी आर ई सी, टाटा मैमोरियल सेंटर, 7वीं मुंबई, 22–24 नवंबर 2012 में और कार्सिनोजेनेसिस 2012, इंटरनेशनल कांफ्रेंस नई दिल्ली 19–21 नवंबर 2012 में पूर्ण व्याख्यान पांचवें द्विवार्षिक के सम्मेलन कैंसर केयर एजुकेशन एण्ड रिसर्च कांफ्रेंस, इंटरनेशनल कैंसर सी आई – 2013, हैदराबाद, 9 फरवरी 2013 में 'एन सी सी एन गाइडलाइन्स ऑफ हेड एण्ड नेक कैंसर्स पर पैनल चर्चा की; और 6–7 दिसंबर 2012 को तिरुवनंतपुरम में एन सी आर पी की 27 वार्षिक समीक्षा बैठक में दो सत्रों की अध्यक्षता की।

प्रो. पी. के. जुल्का ने पद्मश्री पुरस्कार 2013 प्राप्त किया; नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम के अधीन दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री के प्रमुख, डॉ. बीआरए – आईआरसीएच, नई दिल्ली में रिकॉर्डों के प्रशासनिक प्रभारी, डॉ. बी आर ए, आई आर सी एच, नई दिल्ली में केंद्रीय जन सूचना अधिकारी; डॉ. बी आर ए – आई आर सी एच नई दिल्ली में केंद्रीय जन सूचना अधिकारी; डॉ. बी आर ए – आई आर सी एच नई दिल्ली में स्टोर पर्चेज कमेटी के चेयरमेन।

आई सी एम आर नई दिल्ली की उच्च स्तरीय समिति की बैठक के सदस्य; बारहवीं योजना हेतु कैंसर परियोजनाओं संबंधी आई सी एम आर उच्च स्तरीय समिति की बैठक के सदस्य; आई सी एम आर की अनुसंधान परियोजनाओं का मूल्यांकन करने हेतु उच्च स्तरीय समिति की बैठक, नई दिल्ली के सदस्य, ब्रेस्ट कैंसर में नए विकास कारकों संबंधी पी एच डी डॉक्टोरल समिति, नई दिल्ली के सदस्य; दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री बैठक, एम्स, नई दिल्ली के सदस्य; राम मनोहर लोहिया अस्पताल नई दिल्ली के स्टाफ के डॉक्टरों को समकक्ष शिक्षण पदनाम प्रदान करने संबंधी जी जी एस आई पी यूनिवर्सिटी की बैठक के सदस्य; सफदरजंग और राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली को समकक्ष शिक्षण पदनाम देने संबंधी जी जी एस आई पी यूनिवर्सिटी की बैठक के सदस्य; सफदरजंग और राम मनोहर लोहिया से संबद्ध अस्पतालों को समकक्ष शिक्षण पदनाम देने संबंधी चयन समिति की बैठक में सदस्य, जी जी एस आई पी यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली; चित्तरंजन कैंसर इंस्टीट्यूट, कोलकाता की एम ओ एच एफ डब्ल्यू नई दिल्ली में सलाहकार निकाय की बैठक के सदस्य, आई सी एम आर, उच्च स्तरीय एन एच एल गाइडलाइन समिति की बैठक के सदस्य, एम्स, नई दिल्ली जी जी एस आई पी यूनिवर्सिटी मेडिकल दाखिले की बैठक हेतु चेयरपर्सन; कोलोरेक्टल कैंसर संबंधी आई सी एम आर गाइडलाइंस तैयार करने हेतु कार्यबल की बैठक के सदस्य टाटा मैमोरियल हॉस्पीटल, मुंबई, जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एण्ड थेरेपटिक्स के संपादक मंडल के सदस्य।

एनईआईजीआरईएमएस, शिलांग में रेडियोथेरेपी के प्रोफेसर और असिसटेंट प्रोफेसर के चयन; सीनियर रिसर्च एसोसिएट, नई दिल्ली हेतु सीएसआईआर इंटरव्यू; एम्स, नई दिल्ली में सीनियर रेजीडेंट – आरटी के चयन हेतु विशेषज्ञ; दिल्ली कैंसर इंस्टीट्यूट, जीटीबी हस्पीटल, नई दिल्ली में चयन समिति की बैठक में नामित सदस्य; आईएलबीएस, नई दिल्ली में लीनियर एक्सेलेरेटर, सीटी स्टीमुलेटर और ब्रेकीथेरेपी की खरीद हेतु विनिर्देशन समिति की बैठक के सदस्य; आईएलबीएस, नई दिल्ली में लीनियर एक्सेलेरेटर, सीटी स्टीमुलेटर और ब्रेकीथेरेपी के विनिर्देशन को अंतिम रूप देने हेतु विशेषज्ञ समिति के सदस्य; जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में पीजी डिप्लोमा इन रेडियोलॉजीकल फिजिक्स हेतु उम्मीद्वारों के चयन हेतु विशेषज्ञ।

एम्स, नई दिल्ली में चेयरमेन, एमडी रेडियोथेरेपी परीक्षा हेतु परीक्षक; एमडी रेडियोथेरेपी हेतु एम्स एमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर में परीक्षक; एमडी रेडियोथेरेपी हेतु एमडी यूनिवर्सिटी, रोहतक में परीक्षक; एमडी रेडियोथेरेपी हेतु सफदरजंग हॉस्पीटल, जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में परीक्षक।

एमएलटी – रेडियोथेरेपी कोर्स हेतु बाड़ा हिन्दुराव हॉस्पीटल और राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली का निरीक्षण किया। मौलाना आजाद मेडिकल ओल्ड स्टूडेंट्स (एमएएमसीओएस) नई दिल्ली द्वारा 31 मार्च 2013 को पद्म पुरस्कार विजेता के रूप में सम्मानित किया गया।

लंग कैंसर सिम्पोजियम ऑन टारगेटेड थेरेपीज, नई दिल्ली, 30 मार्च 2013; एशिया पैसेफिक न्यूरोओन्कोलॉजी बैठक मुंबई, 23 मार्च 2013 में पूर्ण सत्र; थोरेसिक एंड जीआई कैंसर्स पर इंडो – यूएस मीटिंग, आईएलबीएस, नई दिल्ली 6 मार्च 2013; डॉ. बीआरए – आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली में एसपीसी बैठक, 19 फरवरी 2013; ऑन रेक्टल रिसर्च पर वैज्ञानिक संगोष्ठी, आरजीसीओएन, नई दिल्ली 17.02.2013 क्लिनिकल कैंसर रिसर्च, पर वैज्ञानिक संगोष्ठी, आईसीएमआर कैंसर कॉन्फ्रेंस, पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली, 13.02.2013; आरसीसी पर वैज्ञानिक संगोष्ठी, नई दिल्ली, 8.02.2013 हेतु चेयर पर्सन; एनएससीएलसी पर वैज्ञानिक संगोष्ठी नई दिल्ली, 19 मई 2012; जीन एक्सप्रेशन प्रोफाइल इन हेड एंड नेक कैंसर पर सेमिनार, नई दिल्ली 2 फरवरी, 2013; आईजीआरटी पर चर्चा एस्ट्रो कोर्स, नई दिल्ली, 14 अक्तूबर, 2012; आईसीओएन बैठक, ईएसएमओ, विएना, 29 सितंबर 2012; एडजुवेंट थेरेपी इन ब्रेस्ट कैंसर पर वैज्ञानिक संगोष्ठी, नई दिल्ली, 14 जुलाई 2012, में चेयरपर्सन; जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में 3 दिसंबर 2012 को एकेडमिक काउंसिल के सदस्य के रूप में भाग लिया; ईएसएमओ बैठक, विएना, 4 फरवरी 2013 में भाग लिया; 4 फरवरी 2013 को विश्व कैंसर दिवस कार्यक्रम, नई दिल्ली में मुख्य अतिथि; 20 मई 2012 को मीरपुर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, रेवाड़ी में कैंसर जागरुकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि।

डॉ. डी एन शर्मा को इंडियन ब्रेकीथेरेपी सोसायटी का संयुक्त सचिव चुना गया।

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

प्रो. एन के शुक्ला जर्नल ऑफ इंडिया एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एंड पीडिएट्रिक ऑन्कोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी, इंडियन जर्नल ऑफ कैंसर, ओटोराइनोलैरिंगोलॉजी, के समीक्षक थे; उन्होंने 19–20 जनवरी 2013 को धर्मशिला हॉस्पीटल, नई दिल्ली में नेशनल कैंसर कांग्रेस में भाग लिया और ब्रेस्ट कैंसर पर सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. एस वी एस देव को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, यू के द्वारा ब्रेस्ट कैंसर परीक्षणों हेतु अंतरराष्ट्रीय सहयोगी संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया; एम डी एंडरसन कैंसर सेंटर ह्यूस्टन, अमेरिका द्वारा विस्तृत राउंड लेक्चर (गोलमेज व्याख्यान) देने हेतु आमंत्रित किया गया; एनईआईजीआरआई – एमएस, शिलांग के लिए संकाय चयन हेतु चयन समिति के विशेषज्ञ सदस्य और बीएचयू, वाराणासी में एमसीएच परीक्षा के रूप में आमंत्रित किया गया; टाटा मैमोरियल हॉस्पीटल, मुंबई में नेशनल कैंसर ग्रिड मीटिंग के दौरान ब्रेस्ट कैंसर परीक्षण हेतु अध्यक्ष नियुक्त किया गया; इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ सर्जरी, स्विट्जरलैंड के ब्रेस्ट सर्जरी इंटरनेशनल के काउंसिल मेम्बर और शिक्षण संकाय के रूप में चुना गया।

डॉ. दुर्गातोष पांडे को लंग कैंसर कंसोर्टियम एशिया का संस्थापक सदस्य बनने हेतु आमंत्रित किया गया; लंग कैंसर उप समिति में 'कैंसर प्रबंध हेतु दिशानिर्देशों की समीक्षा' संबंधी आईसीएमआर कार्यबल की सदस्य।

डॉ. दिलीप मृदुले को यूरोपियन ब्रेस्ट कैंसर कांग्रेस की आयोजक समिति द्वारा विएना में 8वीं ईबीसीसी बैठक में भाग लेने हेतु यात्रा अनुदान दिया गया; ईएमएमओ; गैस्ट्रोइंस्टाइनल कैंसर संबंधी 14वीं वर्ल्ड कांग्रेस, 27–30 जून, 2012 बार्सीलोना, स्पेन हेतु डेवलपिंग नेशनन्स ट्रैवल अवार्ड दिया गया।

10.4 डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र

प्रमुख

राजवर्धन आज़ाद

आचार्य

एस. घोष (30.11.2012 को सेवानिवृत्त)	रसिक बी. वाजपेयी	विमला मेनन
एस. पी. गर्ग (31.10.2012 को सेवानिवृत्त)	अनिता पांडा (31.08.2012 को सेवानिवृत्त)	वाई. आर. शर्मा
अतुल कुमार	प्रदीप शर्मा	रमनजीत सिहोटा
गीता सत्पथी	जे. एस. टिटियाल	राधिका टंडन
एस. के. खोखर	शक्ति कुमार गुप्ता (चिकित्सा अधीक्षक)	महेश चंद्रा
दिलीप आर. शिंदे	मनदीप सिंह बजाज	राज पाल
	निरंजन नायक (नेत्र सूक्ष्म जैव विज्ञान)	

अपर आचार्य

सीमा सेन (नेत्र विकृति विज्ञान)	संजय शर्मा (विकिरण निदान)	सीमा कश्यप (नेत्र विकृति विज्ञान)
नम्रता शर्मा	तनुज दादा	प्रदीप वेंकटेश
नीलम पुष्कर (नेत्र भेषजगुण विज्ञान)	टी. वेलपंडियन (सामुदायिक नेत्र विज्ञान)	प्रवीण वशिष्ट
	जसबीर कौर (नेत्र जैव रसायन विज्ञान)	

सह–आचार्य

रोहित सक्सेना	विनय गुप्ता	रेनू सिन्हा (नेत्र संवेदनाहरण विज्ञान)
तुषार अग्रवाल	एम. वनाथी	राजेश सिन्हा
भावना चावला	परिजात चंद्रा	

सहायक आचार्य

सेनजाम सूरज सिंह	सुमित मल्होत्रा	आलोक कुमार रवि
	नबनिता हल्दर	

उपलब्धियां

डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र 1973 से दक्षिण पूर्वी एशियाई क्षेत्र में डब्ल्यूएचओ के अंधत्व निवारण सहयोगी केन्द्र (पीबीएल) के तौर पर पहला प्रमुख पुनः प्रत्यायित केन्द्र बना हुआ है। प्रो. राजवर्धन आजाद को एशियाई पैसिफिक अकादमी ऑफ ऑफ्थेलमोलॉजी का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। हमने ''एंडोइल्युमिनेटर की सहायता से स्क्लेरा बकलिंग सर्जरी'' और ''वोर्टेक्स लाइगेशन के साथ कोरॉइडल मेलेनोमा का एंडोविट्रियल रीसेक्शन'' के लिए नए उन्नत नवाचारी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं का विकास किया है। राष्ट्रीय नेत्र बैंक, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली की सहायता से दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में एक नया नेत्रदान केन्द्र शुरू किया गया है। इस केन्द्र को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा भारत के सभी सरकारी नेत्र बैंकों में कॉर्नियल संरक्षणात्मक मीडिया प्रदान करने की मान्यता दी गई है। दो समुदाय आधारित प्रमुख परियोजनाएं, जो हैं विजन दिल्ली परियोजना और साइट सेवर्स इनोवेशन परियोजना, जिन्हें आरंभ किया गया है। अनुसंधान के लिए इन–विट्रो और इन विवो मल्टीस्पेक्ट्रल ऑप्टिकल इमेजिंग प्रणाली (फोटॉन इमेजर) की स्थापना नेत्र जीव रसायन विभाग में की गई है। नेत्र फार्मेकोलॉजी विभाग में एक नई फार्मास्युटिकल और फार्मेकोलॉजी अनुसंधान प्रयोगशाला की सुविधाएं स्थापित की गई हैं। केन्द्र के संकाय सदस्यों को विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में अनेक अतिथि व्याख्यान देने और पैनल सदस्य एवं अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया गया गया था। केन्द्र क्लिनिकल देखभाल, रेजीडेंट डॉक्टरों, प्रशिक्षुओं और अध्येताओं के अध्यापन में सक्रिय रहा था। इस अवधि के दौरान पीएच.डी अध्येताओं, रेजीडेंट तथा संकाय सदस्यों ने अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलनों में अनुसंधान शोधपत्र प्रस्तुत किए तथा अनेक अनुसंधान गतिविधियां की।

शिक्षा

स्नातकपूर्व	स्नातकोत्तर	परा नैदानिक
एम. बी. बी. एस. : 42	एम. डी. : 30 (उत्तीर्ण)	बी. एस. सी. (ऑनर्स) नेत्रविज्ञान : 36
पीएच. डी. : 23	जे. आर. नेत्र विज्ञान : 111	12 छात्र उत्तीर्ण

अल्प एवं दीर्घ कालिक प्रशिक्षण

देश के विभिन्न भागों से आए 11 अल्पकालिक प्रशिक्षणर्थियों तथा 11 नेत्र विज्ञानियों को विशिष्टता के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

सी एम ई

केन्द्र के संकाय सदस्यों ने विभिन्न वैज्ञानिक मंचों में भाग लिया, मुख्य टिप्पणी भाषण सहित 192 व्याख्यान दिए गए और 119 शोध पत्र / पोस्टर प्रस्तुत किए गए। वर्ष के दौरान केन्द्र ने निम्नलिखित सम्मेलन / सेमिनार / कार्यशाला आयोजित की।

1.	आरपीसी अपडेट 2012	28–29 अप्रैल 2012
2.	अखिल भारतीय नेत्र विज्ञानी सोसायटी का 71वां वार्षिक सम्मेलन और हैदराबाद इंटरनेशनल कंवेंशन सेंटर (एच आई सी सी), हैदराबाद इंटरनेशनल ट्रेड एक्जिबिशन (एच आई टी ई एक्स), हैदराबाद में 28वां एशिया – पैसिफिक नेत्र विज्ञान कॉन्ग्रेस अकादमी कॉन्ग्रेस	15–20 जनवरी 2013
3.	आरपीसी अपडेट 2012	10 मार्च 2013
4.	ग्लूकोमा जागरूक शिविर	16 मार्च 2013
5.	ट्राइकोमा सर्वेक्षण के आयोजन पर प्रशिक्षण	28 मार्च 2013
6.	ट्राइकोमा शीघ्र मूल्यांकन और ट्राइकोमा प्रसार सर्वेक्षण	

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारत में 8 केंद्रों में निर्मित आर ओ पी क्षमता हेतु साइटसेवर फेज 2 आरपीसी राष्ट्रीय परियोजना।
2. मेक्यूलर एडिमा द्वितीयक से शाखा शिरा ऑक्ल्यूशन (बीआरवीओ) के कारण दृष्टि में खराबी वाले रोगियों में केवल ओजेडयूआरबीईएक्स इम्प्लांट की तुलना में ओजेडयूआरबीईएक्स इम्प्लांट के साथ लेजर की निरापदता और दक्षता के आकलन हेतु एक विस्तृत यादृच्छिक अध्ययन।

3. ''राष्ट्रीय रेटिनोब्लास्टोमा रजिस्ट्री नामक आईसीएमआर कार्य बल परियोजना।

4. बिहार के चुने हुए क्षेत्रों में 0 से 5 वर्ष के बच्चों में एनोफ्थेलमिया तथा / अथवा माइक्रोफ्थेलमिया के जानपदिक रोग विज्ञान संबंधी आई सी एम आर टास्क फोर्स परियोजना।

5. कोरोलाइडल नियोवस्कुलराइजेशन तथा पेथोलॉजिकल मायोपिया के कारण दृष्टिहीन रोगियों में 0.5 एम. जी रेनिबिजुमेब बनाम बर्टिप्रोफिन पी डी टी के दो विभिन्न खुराक रेजिमन की प्रभावोत्पादकता एवं सुरक्षा संबंधी एक 12 माह, फेज 3, यादृच्छिक, डबल मास्कड, बहुकेंद्रीय, सक्रिय नियंत्रित अध्ययन।

6. स्टेम सेल – आई सी एम आर परियोजना : ''आयु से संबंधित शुष्क मैक्यूलर खराबी और रेटिनाइटिस पिगमेंटोसा के रोगियों के पुनर्वास हेतु ऑटोलोगस अस्थिमज्जा से प्राप्त स्टेम कोशिका का उपयोग''।

7. एम्निओटिक केरेटाइटिस एवं सी एन एस संक्रमण तथा पी सी आर ऐसे में शीघ्र निदान हेतु परंपरागत पद्धतियों का जीनोटाइप निर्धारण।

8. भारतीय नेत्र कोषों के लिए कॉर्नियल प्रत्यारोपण संरक्षण हेतु गुणवत्ता नियंत्रित पैरामीटर्स तथा डिस्पेन्सिंग एम के मीडिया का विकास।

9. रेटिनोब्लास्टोमा के उपचार में खरगोशों में कैंसर प्रतिरोधी एजेंट के नेत्रीय काइनेटिक्स का प्रभाव तथा संभावित बहुलताओं पर उसके प्रयोग का मूल्यांकन।

10. कॉर्निया के अल्सर का उपचार करने में नेटामाइसिन (नेटासोल) के नए ऊपरी सूत्रण का विकास और पूर्व क्लिनिकल अध्ययन।

11. भारत में वयस्क तथा किशोरों में प्रारंभिक ग्लूकोमा (काला मोतिया) के रोगियों के बीच माइटोमाइसिन ऑग्मेंटिड ट्रेबिकुलेक्टॉमी की सफलता से संबंधित कारकों का मूल्यांकन।

12. ब्राइमोनिडिन टारट्रेट से पिछले खण्ड में औषधि प्रदायगी प्रणाली के जैव निम्नीकरण का मूल्यांकन करने हेतु एक बहु केन्द्रिक रोगी मास्क युक्त सुरक्षा विस्तार अध्ययन।

13. ऑक्यूलर मेलिग्नेंसी में माइक्रो आर एन ए – 200 परिवार की भूमिका।

14. सेंटिनेल निगरानी इकाई परियोजना।

15. पश्चिमी दिल्ली में प्राथमिक आंख देखभाल सुविधाओं के लिए राष्ट्रीय निगरानी इकाई परियोजना।

16. आंखों के स्वास्थ्य पर यूवी रेडिएशन और पर्यावरण के बदलावों का प्रभाव।

17. कार्यक्रम में पहुंच।

18. दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्राथमिक आंख की देखभाल सेवाएं।

19. दिल्ली की शहरी झोंपड़ियों में डायबेटिक रेटिनोपैथी की छानबीन पर आधारित समुदाय के लिए एक लागत प्रभावी मॉडल के विकास हेतु नेत्र संबंधी त्रुटि पर विजन दिल्ली परियोजना।

20. गंभीर नेत्र ज्वलन संबंधी तुलनात्मक एम्नियोटिक मेम्ब्रेन प्रत्यारोपण के रोगियों में कल्टीवेटिड एपिथिलियल कोशिका प्रत्यारोपण की प्रभावकता का मूल्यांकन।

21. आंख में कवक के संक्रमणों के इलाज के लिए वोरिकोनेजॉल।

22. ओएसएसएन में स्ट्रेटीफिन की भूमिका तथा अन्य ट्यूमर संदमकों के साथ इसका सह संबंध।

23. उन्नत रेटिनोब्लास्टोमा में मल्टी मोडल उपचार विधियों की निरापदता और दक्षता का मूल्यांकन।

24. भारत में प्रारंभिक ग्लूकोमा रोगियों के बीच एम एम सी ऑग्मेंटिड ट्रेबिकुलेक्टॉमी की सफलता द्वारा संबंधित नैदानिक एवं हिस्टोपैथ कारकों का मूल्यांकन।

25. द्विपार्श्वीय रूप से आंख में बहुत अधिक जल जाने पर एम्नियोटिक झिल्ली प्रतिरोपण की तुलना में संवर्धित मौखिक म्यूकोसल एपिथिलियल कोशिकाओं की भूमिका मूल्यांकन। बहु संस्थागत परियोजना, एम्स और पीजीआईएमईआर (चंडीगढ़)।

26. किशोरावस्था में प्रारंभिक ओपन एंगल ग्लोकोमा के निवारण में गंभीरता संबंधी संबंद कारक।

27. प्राथमिक खुले कोण वाले ग्लूकोमा के आरंभ होने पर किशोरों में अन्य रोगियों की तुलना में फीनोटाइप – जीनोटाइप सह संबंध।

28. खुले कोण वाले ग्लूकोमा की शुरूआत पर किशोरों में नए और कारण पैदा करने वाले उत्परिवर्तनों का पता लगाने पर आधारित एक्सोम सिक्वेंसिंग।
29. ऑक्यूलर ग्राफ्ट बनाम मेजबान के रोग में आंसू का विश्लेषण।

30. समयपूर्व पैदा होने वाले शिशुओं में स्टेमकोशिकाओं का परिचालन : समय से पहले रेटिनोपैथी के विकास के साथ इसका सह संबंध।

31. समयपूर्व पैदा होने वाले शिशुओं में वेस्कुलर एंडोथिलियल वृद्धिकारक और इंसुलिन के समान वृद्धिकारक – 1 के स्तर : समयपूर्व रेटिनोपैथी के साथ इसका सह संबंध।

32. साइटोक्रोम 450 और ग्लूटोथियॉन – एस – ट्रांसफरेस की आनुवंशिक बहुरूपता तथा प्राथमिक खुले कोण वाले ग्लूकोमा और प्राथमिक बंद कोण वाले ग्लूकोमा का उत्तरी भारत की आबादी में जोखिम।

33. रेटिनोब्लास्टोमा में सेल डिविज़न चक्र (सी डी सी 25) की इम्यूनोहिस्टोकेमिकल पहचान।
34. इंट्राऑक्युलर मेलिग्नेंट बाल्यावस्था अर्बुद में एच. एम. जी. प्रोटीन्स की भूमिका।

35. ऑक्युलर सेल नियोप्लासिया तथा अन्य ट्यूमर सप्रेसर्स् के साथ उसके सह संबंध में स्टार्टिफेन की भूमिका।

36. आइलिड के सिबेसियस सेल कार्सिनोमा में आस्ट्रोजन तथा प्रोजेस्टेरॉन रिसेप्टर्स की इम्यूनोहिस्टोकेमिकल पहचान।

37. ऑक्युलर एडनेक्सल लिम्फोमा एवं फेलामाइडिया : एक इम्यूनोफिनोटाइपिक एव ंमॉलीक्यूलर अध्ययन।

पूर्ण

1. गंभीर हेमरेजिक कंजक्टिवाइटिसिस के लिए उत्तरदायी एंट्रो वायरस 70 एवं कॉक्सेकिवायरस ए 24 वायरल के लिए स्मॉल इंटरफेरिंग आर एन ए (साइ आर एन ए एस) का विकास।

2. डिवाइस रिलेटिड संक्रमण में कोगुलेस नेगेटिव स्टेफाइलोक्रोकी एवं उनके बायोफिल्मस का फीनोटाइपिक मॉलीक्यूलर एवं अल्ट्रा स्ट्रक्चरल अध्ययन।

3. विभिन्न ऑक्यूलर फार्मास्युटिकल परिस्थितियों के लिए कैल्शियम डोबेसिलेट का मूल्यांकन।

4. मिनोपॉज के बाद आंखों के सूखेपन वाले प्रायोगिक मॉडल में इसकी ऑक्यूलर फार्मेकोलॉजिकल गतिविधि के लिए इन सिलिको मार्ग और निर्धारण का उपयोग करते हुए नए पानी में घुलने योग्य आइसोफ्लेवोन व्युत्पन्नों का विकास।

5. एक तीन वर्षीय, चरण 3, बहुकेन्द्र, मास्कयुक्त यादृच्छिक, शैम नियंत्रित परीक्षण से 700 मा. ग्रा. डेक्सामेथेसॉन पिछले खण्ड की निरापदता और दक्षता के आकलन से औषधि प्रदायगी प्रणाली (डेक्स पीएस डी डी एस) एप्लीकेटर प्रणाली द्वारा डायबेटिक मैक्यूलर एडिमा के रोगियों का इलाज।

6. चिरकारी राइनोसाइटिसिस एवं ऑर्बिटल सेल्यूलाइट्स में माइक्रोबायल बायोफिल्मस की विवक्षा।

7. कॉर्नियल एपिथिलियल स्टेम कोशिकाओं के एक्स विवो विस्तार के लिए मानव एम्नियोटिक झिल्ली के वैकल्पिक सबस्ट्रेट के रूप में कार्य करने हेतु एक संभावित बायोपॉलीमर का विकास।

8. मेलीग्नेंट ट्यूमर हेतु नेत्र तथा ऑर्बिट भिन्न क्लिनिकल रूपरेखा, प्रबंधन में ट्यूमर मार्कर्स की भूमिका।

9. अनिंद्रा से पीड़ित रोगियों में सी ए एक्स 6 जीन्स का म्यूटेशनल विश्लेषण।

10. रेटिनोब्लोस्टामा में पोलो के समान काइनेस प्रोटीनों की भूमिका – एक इम्यूनोहिस्टोकैमिकल अध्ययन। उन्नत इंट्रा ऑक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा में क्लिनिकल विशेषताओं, इमेजिंग लक्षणों और हिस्टोपैथोलॉजिकल प्राप्तियों के बीच सह सहसंबंध।

11. ब्लेफेरोफिमोसिस टोसिस एपिकेंथस इन वर्सेस सिंड्रोम (बी पी ई एस) में साइटोजेनेटिक तथा एफ ओ एक्स एल 2 जीन उत्परिवर्तन विश्लेषण।

12. एम्नियोटिक झिल्ली पर लिम्बल एपिथिलियल कोशिका संवर्धन का फीनोटाइपिक लाक्षणीकरण।

13. संस्थानीय सेटिंग में इनक्रिसिंग एवं सस्टेनिंग नेत्र दान में ग्रीफ काउंसलर बनाम प्रशिक्षित नर्सों का प्रभाव।

14. दीर्घ अवधि चिकित्सा उपचार पर चिरकालिक ग्लूकोमा रोगियों में कॉर्निया का कनफोकल माइक्रोस्कोपिक विश्लेषण।

15. दिल्ली में स्कूल जाने वाले बच्चों में मायोपिया के प्रसार और प्रवर्धन का आकलन।

16. एम्बिलोपिया उपचार के समाप्त होने के बाद एम्बिलोपिया के दोबारा होने की दर और निर्धारकों का मूल्यांकन।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. प्रोलाइफिरेटिव डायबेटिक रेटिनोपेथी में एंगल नियोवस्कुलराइजेशन की शीघ्र पहचान के लिए रैटकेम एसीटेड फ्लूरेसेइन एंजियोग्राफी बनाम गोनियोस्कॉपी की तुलना।

2. डायबेटिक मैक्यूलर एडेमा के रोगियों में प्रयुक्त एस डी ओ सी टी एवं मल्टीफोकल ई आर जी का प्रयोग करते हुए फोबीयल फोटोरिसेप्टर लेयर की इंटिग्रिटी में विजुअल एक्यूटी का पारस्परिक संबंध।

3. रेबिट मॉडल में एंजियोजेनेसिस में एंटी वी ई जी एफ एजेंटों की तुलना।

4. रेटिना संबंधी गड़बड़ी में स्टैण्डर्ड एंजियोग्राफी द्वारा वीडियो एंजियोग्राफी की तुलना।

5. डायबेटिक विट्रियो रेटिनल सर्जरी में इंट्राऑपरेटिव विवेकी जुमेंब के एनोटॉमिकल एवं फंक्शनल परिणाम।

6. डायबेटिक ट्रेक्शनल रेटिनल डिटेचमेंट के उपचार में 23 जी एवं 25 जी माइक्रोइनसीजन विटरेक्टॉमी का तुलनात्मक मूल्यांकन।

7. समयपूर्व रेटिनोपैथी के उपचार के लिए लॉर्ज स्पॉट लेजर बनाम स्टैंडर्ड स्पॉट लेजर की तुलना।

8. मिनिमल गॉज डाइ इन्हेंसड मैनेजिंग हेतु मैक्यूलर होल सर्जरी वेरिंग गैस मिक्सचर (18 प्रतिशत सी 3 एफ 8, 25 प्रतिशत एस एफ 6) में सफलता हेतु प्रिडिक्टर्स का तुलनात्मक अध्ययन।

9. समयपूर्व रेटिनोपेथी के उपचार में पोस्टिरियर लेज़र बैरेज की भूमिका।

10. पोस्टिरियर सेग्मेंट ट्रॉमा विट्रोरेटिनल सर्जरी का एनाटॉमिकल एवं विजुअल परिणाम।

11. रेटिनाइटिस पिगमेंटोसा और आयु से संबंधित मैक्यूलर डी जनरेशन में ऑटोलोगस अस्थिमज्जा से उत्पन्न स्टेम कोशिका की भूमिका।

12. फैको इमलसीफिकेशन में जटिलताओं और 23जी विट्रियोरेटिनल सर्जरी तथा सर्जरी की कठिनाइयों के बाद मोतियाबिंद की अकारिकी।

13. मैक्यूलर एडिमा में शाखा रेटिनल शिरा ऑक्ल्यूशन के प्रति द्वितीयक पारंपरिक (532 नैनोमीटर) लेजर बनाम सिक्वेंशियल लेजर (लेजर के बाद पोस्टीरियर सबटेनन ट्राइमेसिनोलोन)।

14. आरओपी में एलेनियम और ग्लूटाथियॉन स्तर।

15. इंट्राऑक्युलर पेनेट्रेशन ऑफ ड्रग्स के लिए केटिओनिक ट्रांसपोर्टर्स का मॉड्यूलेशन।

16. मेरिन ओरिजिन (एंटी एंजियोजेनिक गुण के विशेष संदर्भ सहित) द्वारा बायोएक्टिव कंपाउंड का आइसोलेशन एवं मूल्यांकन।

17. गोल्ड फिश में ओ एम आर पैराडाइम्स के प्रयोग द्वारा ऑक्युलर विषाक्तता की प्रिडिक्शन।

18. कंप्यूटर सहायक ड्रग डिजाइन में प्रयुक्त पोस्ट मीनोपोज़ल के लिए टॉपिकल एस्ट्रोजन अथवा एंड्रोजन रिसेप्टर मॉड्यूलेटर का विकास।

19. ऑक्यूलर नियोवेस्कुलर परिस्थितियों के लिए पॉलीहर्बल सूत्रण का मूल्यांकन।

20. ग्लूकोमेटस आंखों में आईओपी के नियंत्रण के बाद और आधारभूत स्तर की क्लिनिकल विशेषताओं का सह संबंध।

21. जेओएजी रोगियों में दृष्टिहीनता के जीवनभर के प्रक्षेपित जोखिम और इसके आगे बढ़ने की दर का आकलन।

22. जेओएजी रोगियों में ऑप्टिक डिस्क मोर्फोमेट्री के निर्धारक।

23. ऑप्टिक तंत्रिका सिरे और स्वचालित पेरीमेट्री का रेटिनोटॉपिक सह संबंध।

24. बी आर वी ओ के साथ आंखों में ऑप्टिक डिस्क मोर्फोमेट्री।

25. कंफोकल स्कैनिंग लेजर ऑफ्थेलमोस्कोप का उपयोग करते हुए बी आर वी ओ आंखों में डिस्क का मोर्फोमेट्रिक मूल्यांकन।

26. डायबेटिक मैक्यूलर एडिमा के समेकन के साथ दृष्टि शुद्धता का सह संबंध।

27. एंडोथैलमाइटिस की रूपरेखा और परिणाम।

28. बच्चों में रेटिना के अलग हो जाने पर विट्रियो रेटिनल सर्जरी के कारण और आकारिकी – दृष्टि परिणाम।

29. विट्रियोमेक्यूलर ट्रेक्शन सर्जरी के परिणाम।

30. फोवियल गैंगलियॉन कोशिका पर्त और विट्रियोरेटिनल इंटरफेस पर इंट्राविट्रियल एंटी वीईजीएफ एजेंटों तथा स्टीरॉइड के इंजेक्शन के प्रभाव का अध्ययन करना।

31. जन्मजात टोसिस के लिए सिलिकॉन स्लिंग सर्जरी : टार्सल टनल तकनीक बनाम सिलाई से स्थिर बनाना।

32. ऑप्टिकल कोहरेंस टोमोग्राफी का उपयोग करते हुए रेटिनल तंत्रिका तंतु पर्त तथा पास्कल पैन रेटिनल फोटो कोएगुलेशन से ऑप्टिक तंत्रिका शीर्ष के बदलावों का मूल्यांकन करना।

33. रेटिनोब्लोस्टामा में कीमोरिडक्शन असफलता – एक क्लिनिकल और हिस्टोपैथोलॉजिकल जोखिम कारक।
34. शुष्क नेत्र के उपचार में ओरल रिबेपिमाइड का अध्ययन।

35. ऑक्युलर सरफेज़ स्किवेमस नियोप्लासिया में कोशिका चक्र रेगुलेटरी प्रोटींस का एक्सप्रेशन।

36. रेटिनोब्लास्टोमा में ट्यूमरजन्यता से संबंधित मिथोकांड्रियल जीन एसोसिएटिड का मॉलीक्यूलर विश्लेषण।

37. आइलिड के सिबेसियस कार्सिनोमा में एपीथिलियल मिसेनकिमल ट्रांसमिशन (ई एम टी) – एक इम्युनोहिस्टोकैमिकल और आण्विक अध्ययन।

38. एस्क्ट्रा ऑक्युलर रेटिनोब्लास्टोमा हेतु मल्टीमॉडल ट्रीटमेंट एप्रोच का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक अध्ययन।

39. आरबी में स्टेम कोशिका मार्करों की अभिव्यक्ति और इनके क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सह संबंध।

40. मानव यूविअल मेलानोमा की जीन एक्सप्रेशन प्रोत्साहन।

41. आरबी में डिफ्यूजनवेटिड एम आर आई की भूमिका।

42. टेरीजियम में अल्ट्रावायलेट रेडिएशन का सामना करने के मार्कर के तौर पर कंजक्टाइवल ऑटोफ्लोरसेंस।

43. दिल्ली के शहरी स्लम में सामान्य नेत्रा अवस्था के बारे में स्वास्थ्य संबंधी प्रैक्टिस एवं जागरूकता संबंधी अध्ययन।

44. कॉर्नियल ओपेसिटिज पर समुदाय आधारित जानपदिक रोग विज्ञान अध्ययन।

45. उत्तर भारत में डायबेटिक रेटिनोपैथी का जनसांख्यिकी अध्ययन।

46. चिरकालिक कूल्हे के दर्द का एमआरआई मूल्यांकन।

47. स्तन के घावों का निदान करने में पूरे क्षेत्र की डिजिटल मैमोग्राफी (एफएफडीएम) के साथ डिजिटल स्तन टोमोसंश्लेषण की भूमिका।

48. स्तन पिंडो के लाक्षणीकरण में बी मोड अल्ट्रासोनोग्राफी के सहायक के रूप में शीयरवेव इलास्टोग्राफी की भूमिका सुनिश्चित करना।

49. एनोथैलेमिक कॉन्ट्रेक्टिड सॉकेट की पुनः निर्माण में संवर्धित म्यूकस झिल्ली का मूल्यांकन।

50. तृतीयक नेत्र केन्द्र में थाइरॉइड से जुड़ी ऑफ्थेलमोपैथी के रोगियों की क्लिनिक – जांच रूपरेखा।

51. ऑक्युलर सरफेस स्केमस नियोप्लासिया में कोशिका चक्र रेगुलेटरी प्रोटींस का मॉलीक्यूलर अध्ययन एवं प्रभावन।

52. सिकाट्राइशियल एक्ट्रोपियन में त्वचा ग्राफ्टिंग – सूचर बनाम फाइब्रिन ग्लू। ऑर्बिटल एवं पेरीऑर्बिटल विक्षति में सूक्ष्म निडिल बायोप्सी की भूमिका।

53. तृतीयक नेत्र देखभाल केन्द्र में बच्चों में होने वाले एपिफोरा के लिए रोगियों की क्लिनिकल रूपरेखा।

54. ऑर्बिटल और पेरीऑर्बिटल घावों के निदान में एफएनएसी की भूमिका।

55. एक्स्ट्रा ऑक्युलर रेटिनोब्लास्टोमा के लिए मल्टीमॉडल उपचार का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक अध्ययन।

56. इंट्रा ऑक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा के प्रबंधन में फोकल समेकन तथा कायिक कीमोरिडक्शन का मूल्यांकन।

57. ऑर्बिटल और / या पेरीऑर्बिटल घावों के साथ तृतीयक देखभाल केन्द्र में आने वाले रोगियों की नैदानिक – जनसांख्यिकी रूपरेखा।

58. आंख निकलवाने वाले रोगियों में सिलिकॉन तथा छिद्रमय पॉली एथेलिन ऑर्बिटल इम्प्लांट की तुलना।

59. गैर भेदक आयोनोफोरेटिक तकनीक का उपयोग करते हुए रेटिनोब्लास्टोमा में प्रयुक्त दवाओं के आंख में भेदन पर प्रायोगिक अध्ययन।

60. साइट लाइफ दिल्ली आई बैंकिंग पायलट परियोजना।

61. मृत्यु संबंधी प्रिवेंट टाइम का अध्ययन तथा डोनर कॉर्निया के इस्तेमाल पर उसका प्रभाव।

62. मैकेनिकली वेन्टिलेटिड ट्रॉमा रोगियों में कॉर्नियल परिवर्तनों का अध्ययन।

63. चुने हुए ऑक्युलर सरफेज डिसऑर्डर में अश्रु फिल्म लिपिडोमिक्स का मूल्यांकन।

64. माइकोफिनोलेट मोफेटिल (एम एम एफ) और बेवेसिजूमेब (बी वी सी जेड) पात्रे इस्तेमाल करते हुए मानव मौखिक म्यूकोसल एपिथिलियल कोशिकाओं (ओ एम ई सी) ने म्यूसिल तथा एंटी एंजियोजेनेसिस मार्करों की अभिव्यक्ति का विश्लेषण।

65. स्टीवन जॉन्सन सिंड्रोम ऑक्यूलर सिक्वेल का आण्विक लाक्षणीकरण।

66. कॉर्नियल लिम्बल एपीथिलियल कोशिकाओं का आइसोलेशन, एक्सपेंशन एवं विशेषताएं।
67. चिरकालिक ग्लूकोमा में आंख की सतह का मूल्यांकन।
68. फाइब्रिन ग्लू और ऑटोलोगस रक्त के साथ टेरीजियम निष्कासन और कंजक्टाइवल ऑटोग्राफ्ट की दक्षता की तुलना के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

69. क्रोनिक पीएजीजी में स्पष्ट लेंस निष्कर्षण।

पूर्ण

1. रेगमेटोजिनियस आर डी के लिए 20जी और 25जी पी पी वी की तुलना।

2. पास्कल फोटो कोएगुलेशन तथा डायोड लेजर से डायबेटिक रेटिनोपैथी के उपचार की तुलना।

3. मैक्यूलर होल सर्जरी में सफलता के लिए पूर्व संकेतकों का मूल्यांकन।

4. डाइबेटिक टीआरडी में 23 जी बनाम 25 जी एमआईवीएस के तुलनात्मक परिणाम – एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक परीक्षण।

5. एलोजेनिक हीमेटोपोयटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण रोगियों में ऑक्युलर सरफेज़ मूल्यांकन।

6. मेलीग्नेंट आइलिड ट्यूमर्स में सेंटाइनल लिम्फोनोड बायोप्सी।

7. डेबिकुलर मेशवर्क का बेसलाइन इंट्राऑक्युलर प्रेशर तथा हिस्टोपेथोलॉजी के बीच सह संबंध।

8. कॉर्नियल एंडोथिलियल डायस्ट्रोफी की नैदानिक, उत्तक विकृति विज्ञानी एवं जेनेटिक विशेषताएं।

9. स्कूल जाने वाले बच्चों में मायोपिया की दर और इसके आगे बढ़ने का आकलन।

10. लाक्षणिक लोअर लिम्ब वेरिकोसाइटिस के उपचार में एंडोवीनस लेज़र एब्लेशन, रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन एण्ड शल्यक्रिया का तुलनात्मक मूल्यांकन।

11. पीठ में नीचे दर्द वाले रोगियों में परक्यूटेनियस लेजर डिस्क डिकम्प्रेशन की भूमिका।

12. कंजेनाइटल सीवियर प्टोसिस हेतु मोडिफाइड लेवेटर प्लीकेशन बनाम फेशिया लता स्लिंग का मूल्यांकन।

13. फुल थिकनेस आईलिड खराबी के पुनः संरचना हेतु लेटरल आईलिड रोटेशन फ्लैप।

14. ऑर्बिटल और पेरीऑर्बिटल घावों में सूक्ष्म सुई की बायोप्सी की भूमिका।

15. आइलिड के सिबेसियस कोशिका कार्सिनोमा में डब्ल्यू एन टी / बीटा केटनिन का हिस्टो इम्यूनोहिस्टोकैमिकल एवं मॉलीक्यूलर अध्ययन।

16. मानव रेटिनोब्लास्टोमा में अवकल रूप से अभिव्यक्त जीनों की पहचान और लाक्षणीकरण।

17. मानव रेटिनोब्लास्टोमा में एपॉप्टॉसिस का विनियमन।

18. मेड पोर कोटिड ट्यूब का उपयोग करते हुए कंजक्टाइवल डीसीआर।

19. कॉर्नियल ग्राफ्ट रजिस्ट्री के डोनर ट्रेकिंग प्रोटोकॉल एवं स्थापना की वैधता एवं विकास।

20. कैथेमोएबा केराटिटिस में पी सी आर।

21. ग्लू के साथ कंजक्ट ऑटो ग्राफ्ट सहित टेरिजियम निष्कासन के बाद कॉर्नियोस्केलरल स्तर की पॉलिशिंग में मोटर युक्त डायमंड बर की दक्षता का मूल्यांकन।

22. इंफेक्शस केराटिटिस में कोलेजन क्रॉसिलिंकिंग।

23. प्टेरीजियम में कॉर्नियल टोमोग्राफी।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. बच्चों की आबादी में प्लाज्मा तपेदिकरोधी दवा के स्तरों की मात्रा ज्ञात करना।

2. कैंसर रोगियों के दर्द उपचार हेतु सुदर्शन क्रिया प्राणायाम की रिद्‌मिक प्रक्रिया का मूल्यांकन
3. चूहों में मस्तिष्क माइक्रोडाइलाइसेट से न्यूरो ट्रांसमीटर की मात्रा का पता लगाने की विधि का विकास।

4. डाइबेटिक रेटिनोपैथी से पीड़ित रोगियों में लिपिड के निर्धारण के लिए नई एलसी – एमएस / एमएस विधि का विकास।

5. मृत शरीर की आंखों से ए2 ई की मात्रा ज्ञात करना।
6. अस्थि मज्जा डिराइवड् स्टेम सेल थेरेपी तथा ट्रेबिकुलर मेशवर्क : एक प्रायोगिक अध्ययन।

7. कॉर्नियल प्रत्यारोपण हेतु कॉर्नियल उत्तक दाताओं के एक्सटेंडिंग यूटिलाइजेशन में हार्मोनिंग द्वारा पूर्ण नैदानिक संभाव्यताओं की नीतियां।

8. भारत में आंखों के स्वास्थ्य पर वैश्विक गर्मी और पराबैंगनी विकिरण (यू वी आर) का सामना करने के प्रभाव पर बहुकेन्द्रित सहयोगात्मक अध्ययन।

9. कार्यात्मक एमआरआई और डीटीआई द्वारा तीव्र ऑप्टिक न्यूराइटिस के मामलों में कॉर्टिकल मस्तिष्क सक्रियण तथा दृष्टि मार्गों का मूल्यांकन।

10. प्रारंभिक प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग तथा स्पैक्ट्रोस्कोपिक पद्धतियों की भूमिका।

11. एन ए एफ एल डी एमडी वाले रोगियों में एडिपोसिटी तथा संबंधित चयापचय असामान्यता वाले रोगियों में संकेतक के तौर पर यकृत का बायां हिपेटिक लोब आयतन।

12. एशियाई भारतीयों में नॉन–एल्कोहलिक फैटी यकृत रोग तथा कोरोनरी धमनी रोग का अध्ययन

13. डीप वेन थ्रोम्बोसिस के रोगियों में थ्रोम्बोटिक सिंड्रोम के बाद विकास के लिए जोखिम कारकों का मूल्यांकन।
14. कायिक स्क्लेरोसिस में इंटर्स स्टीशियल फेंफड़ा रोग की गतिविधि का आकलन करने वाले बायोमार्कर।

15. लेक्राइमल ग्रंथि के नियोप्लाज्म के मूल्यांकन में पीईटी – सीटी की भूमिका।

16. स्प्लेनेक्टॉमी नमूनों की तुलना में में सोनोग्राफी द्वारा मापे गए स्पीलिन के आयतन की शुद्धता।

17. रेटिनोब्लास्टोमा के उपचार में खरगोशों में कैंसर प्रतिरोधी एजेंट के नेत्रीय काइनेटिक्स का प्रभाव तथा संभावित बहुलताओं पर उसके प्रयोग का मूल्यांकन।

18. असेम्बलिंग मानव कॉर्नियल निर्माण हेतु सेल शीट इंजीनियरिंग।

19. टेरीटरी केयर अस्पताल में मेडिको लीगल मामलों में प्रभावित उत्तक एवं अंग दान के कारकों का अध्ययन।

पूर्ण

1. समयपूर्व रेटिनोपैथी थ्रेशहोल्ड के वस्कुलर एंडोथिलियल विकास कारक तथा जोखिम का जेनेटिक पॉलीमॉर्फिज्म।
2. भारत में ए फ्लेवस संक्रमणों की जनसांख्यिकी, पैथोजिनोमिक्स और कायिक जीव विज्ञान – एक समेकित मार्ग।

3. मॉर्फीन के प्लाज्मा लेवल का निर्धारण तथा उसके फेमेकोडायनेमिक्स के साथ उसके मेटाबोलाइट्स तथा सह संबंध

4. ऑटोप्सी ड्रग लेवल विश्लेषण में मार्कर फ्लूड के तौर पर विट्रीयस ह्यूमन का मूल्यांकन

5. कैंसर रोगियों में दर्द उपचार के लिए मॉर्फीन के सीरम स्तर तथा उसके मेटाबोलिस के सह संबंध का मूल्यांकन।

6. एंटी एचआईवी उपचार कराने वाले रोगियों में, जिन्हें तपेदिक का सह संक्रमण है, नेवीरेपिन और एटीटी दवाओं का आकलन।

7. एलगी द्वारा बायोएक्टिव कम्पोनेंट का मूल्यांकन।
8. स्टेम कोशिका कमी वाले रोगों में आंख की सतह के पुनः निर्माण के लिए लिम्बल स्टेम कोशिकाओं का संवर्धन।

9. हिमोरिडक्शन और फोकस उपचार या आंख निकलवाने वाले रोगियों में रेटिनोब्लास्टोमा का क्रमिक अल्ट्रा साउंड मूल्यांकन और इसका क्लिनिको पैथोलॉजिकल सह संबंध।

10. रेटिनोब्लास्टोमा की स्टेज 3 का अंतरराष्ट्रीय रेटिनोब्लास्टोमा स्टेजिंग प्रणाली के साथ कीमोथेरेपी मूल्यांकन संबंधी उपचार अध्ययन।

11. जन्मजात तंत्रिका विकृति बहंगापन में इमेजिंग निष्कर्षों के नैदानिक सह संबंध।

12. गहन वीनस थ्रोम्बोसिस आधारित कंप्रेशन अल्ट्रासाउंड के रोगियों में एंटीकोगुलेशन की अवधि का अध्ययन।

13. हिमेटोलॉजिकल रोगों के साथ रोगियों में इंट्राक्रेनियल हिमोरेज, क्लिनिकल प्रोफाइल और आउटकम का मूल्यांकन।

14. कोरोनरी एथेरोस्फेलिरोटिक प्लॉक का मूल्यांकन।

15. समूह 'ग' एवं 'घ' रेटिनोब्लास्टोमा में नेत्र सॉल्वेज हेतु प्रयुक्त कार्बोप्लेटिन 50 एम जी / एम$_2$ एवं 560 एम जी / एम$_2$ का यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

16. कॉर्नियल लिम्बल एपीथिलियल कोशिकाओं का आइसोलेशन, एक्सपेंशन एवं विशेषताएं।

17. फ्लो साइटोमिट्री द्वारा रेटिनोब्लास्टोमा में कैंसर स्टेम कोशिकाओं का पता लगाना।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 93 **सारांश : 4** **पुस्तकों में अध्याय : 27** **पुस्तकें : 3**

रोगी उपचार

	नए मामले	**पुराने मामले**	**कुल**
सामान्य ओ पी डी	135818	79620	215438
आपातकालीन	9728	7198	16926
कुल मामले	145546	86818	232364
विशिष्टता वाले क्लीनिक			
कॉर्निया	5736	15814	21550
लैंस	920	2388	3308
यूविआ	993	4281	5274
कांटेक्ट लैंस	1212	2355	3567
ग्लोकोमा	2871	7360	10231
ऑफ्थेलमोप्लास्टी	3146	1956	5102
बाल नेत्र विज्ञान	492	266	758
ट्रॉमा	197	172	369
रेटिना	2739	6002	8741
तंत्रिका नेत्र विज्ञान	2241	2095	4336
मेडिकल ऑफ्थेलमोलॉजी	439	1501	1940
विट्रियो रेटिनल	1265	756	2021
नेत्र सरफेस डिसऑर्डर	24	47	71
रेटिनोब्लास्टोमा	236	811	1047
क) आर्थोप्टिक	5388	26126	31514
ख) भेंगापन	6802	28138	34940
रिफ्रेक्शन	–	36308	36308
कुल मामले	**34701**	**136376**	**171077**
महा योग	**180247**	**223194**	**403441**

अंतरंग दाखिले	**मामलों की संख्या**
सामान्य	15397
आपातकालीन	2548
निजी	1388
अल्पकालिक	6110
दिवस उपचार	9737
कुल	**35180**

ऑपरेशन

बड़े	17482
दिवस उपचार	9259
कुल बड़े	26741
छोट	8284
महा योग	35025
मृत्यु	01

अन्य आंकड़े

औसत बिस्तर अधिग्रहण दर	79%
ठहरने की औसत अवधि	4.7 दिन
प्रति कार्य दिवस औसत ओ. पी. डी. उपचार	1358
प्रति कार्य दिवस आंतरिक प्रवेश की औसत संख्या	96
प्रति कार्य दिवस सर्जरियों की संख्या	95

अनुसंधानात्मक प्रयोगशालाएं

एफए	2688	ओ सी टी	8555
एंजियोग्राफी	24	ई सी जी	2677
यू एस जी बी – स्कैन	195	लेज़र	1173
आर ओ पी नए	411	आर ओ पी पुराने	875
आर ओ पी लेज़र	86	एल वी ए क्लिनिक	1916
एम एफ ई आर जी	243	माइक्रोपेरीमिट्री	69
पी डी टी	70	रिफ्रेक्शन	3721
ए आर / रेटिनोस्कोपी	3343	पी ओ जी	4740
एन सी टी	4791	जी ए टी	3396
टोनो पेन / पार्किन्स ए टी	2759	केरोटोमिट्री	434
सी सी टी / एन. सी सी टी	3088	एच वी एफ	5001
डी आर पी पी टी	93	एच आर टी – 3	4322
जी डी एक्स ई सी सी / वी सी सी	2023	फंडस फोटो	1806
एच डी – ओ सी टी	1898	एंट. सेग. फोट	575
यू बी एम	9	जिनोस्कोपी / जिनियो फोटो	411
एंट. सर्ज. ओ सी टी	525	यांग लेजर	112
विज़ुअल इवोक्ड रिसपॉन्स	5020	इलेक्ट्रो राइनो ग्राम	492
इलेक्ट्रो ओक्यूलो ग्राम	41	इलेक्ट्रो निस्टेग्मोग्राफी	49
जी वी एफ + एच वी एफ	1664	कलर विजन	1864
ऑटो रिफ्रेक्शन	670	पी ओ जी	266
कंट्रास्ट सेंस्टिविटी	1182	ऑटो रिफ्रेक्शन	49,086
एक्सेल लेंथ	28,040	केरेटोमेट्री	31813
पी ओ जी	10080	एच वी एफ	5275
जी वी एफ	1728	अल्ट्रोसोनोग्राफी	20629
ई यू ए	103	ए एल	6308
के एम	6067	ए आर	5617
आई ओ एल मास्टर	1679	सी पी	372

नेत्र सूक्ष्म जैव विज्ञान

नमूनों पर कार्रवाई

बैक्टीरियल संवर्धन एवं संवेदनशीलता	10142
फंगल संवर्धन	3240
साइटोलॉजी हेतु स्पेसिमेन प्रोसेस्ड	820
पी सी आर एण्ड डिटेक्शन हेतु स्पोसिमेन प्रोसेस्ड	80
केलामाइडिया एंटीजन डिटेक्शन हेतु स्पेसिमेन प्रोसेस्ड	221
एकेनथेमोबिया हेतु संवर्धन	73
एकेनहेमोबिया पी सी आर हेतु स्पेसिमैन प्रोसेस्ड	52

कंजक्टिवाइटिस हेतु स्पेसिमैन प्रोसेस्ड	18
माइक्रोस्पोरिडिया हेतु स्पेसिमैन प्रोसेस्ड	3
मायोबैक्टीरिया हेतु स्पेसिमैन प्रोसेस्ड	11
महा योग	14660

नेत्र विकृति विज्ञान

जांच की कुल संख्या	69825
रक्त : कुल ल्यूकोसाइट काउंट, विविध ल्यूकोसाइट काउंट, पेरीफेरल रक्त स्मियर, एरिथ्रोसाइटिस सेडीमेंटेशन दर रक्तस्राव समय /क्लोटिंग टाइम	40852
मूत्र	10296
हिस्टोपेरोलॉजी, साइटोपेथोलॉजी एवं अनुसंधान	18677

नेत्र जैव रसायन (नैदानिक रसायन विज्ञान)

नमूनों की कुल संख्या (अनुसंधान से भिन्न)	11050
आंतरिक	9612
बाह्य	

1438

नेत्र भेषण गुण विज्ञान एवं फार्मैसी

मीडिया सहित ऑक्यूलर फार्मेसी के माध्यम से दी गई मुफ्त दवाएं (बोतलें)	1,61,812

समुदाय नेत्र उपचार

1. मलिन बस्तियों में नेत्र उपचार सेवाएं

प्राइमरी नेत्र उपचार क्लीनिक	17
प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाओं के लिए झुग्गी बस्तियां	36
झुग्गी झोपड़ी बस्तियों में पी ई सी केंद्रों में परिचर	27959
झुग्गी झोपड़ी बस्तियों में पी ई सी केंद्रों में पूरे किए गए रिफ्रेक्शन	13608
रा. प्र. केंद्र को भेजे गए रोगी	4404
उपचारित रोगी	1145
झुग्गी बस्तियों में वितरित छूट प्राप्त चश्मे	4353

2. प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम

आयोजित स्वयंसेवी प्रशिक्षण कार्यक्रम	25
प्रशिक्षित स्वयंसेवक	250
नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम	43
स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम में भागीदार	1275

3. ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में मोतियाबिंद सर्जरी के लिए रीच इन कार्यक्रम

आयोजित प्रौढ़ स्क्रीनिंग शिविर	19
जांच किए गए लोगों की संख्या	5143
रा. प्र. केंद्र को भेजे गए रोगी	751
रा. प्र. केंद्र में उपचारित रोगी	722
आयोजित अनुवर्ती शिविर	33
अनुवर्ती शिविरों में उपचारित रोगी	1065

4. स्कूल नेत्र स्क्रीनिंग कार्यक्रम

एसईएस कार्यक्रम के तहत सम्मिलित विद्यालय	13
स्कूल विज़न स्क्रीनिंग कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित अध्यापक	10
चुने गए बच्चे	5080
बच्चों को चश्मे की सिफारिश	467
बच्चों को चश्मे दिए गए	256

पुनर्वास सेवाएं

अन्य गतिविधियों के साथ पुनर्वास सेवाओं के लिए दृष्टिहीन रोगियों को सलाह 40

राष्ट्रीय नेत्र बैंक

श्रेणी	नए रोगी पंजीकृत	31.03.3013 को प्रतीक्षा सूची
6 वर्ष से कम आयु के बच्चे	88	0
6 से 12 वर्ष तक आयु के बच्चे और वयस्क जो दोनों आंखों से दृष्टिहीन है	462	0
दोनों आंखों से दृष्टि की खराबी वाले वयस्क	83	0
एक आंख में दृष्टिहीनता वाले वयस्क	565	311

पुरस्कार सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य राजवर्धन आजाद, 2013 में भारत के राष्ट्रपति के मानद फिजिशियन; एशिया पैसेफिक एकेडमी ऑफ ऑफ्थेल्मोलॉजी, 2013 के अध्यक्ष हैं, एल वी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट, बंजारा हिल्स, हैदराबाद 2013 में आर्ट, साइंस और कॉमर्स ऑफ मेडिकल एजुकेशन (भारत) पर चौथा नवाब अरस्तु चार जंग बहादुर मैमोरियल व्याख्यान दिया; मार्च 2013 में दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल, दिल्ली में अपडेट ऑन रोल ऑफ एंटी वीईजीएफ इन डायबिटीक मैकुलर इडीमा में मुख्य अतिथि थे; अलर्गन एकेडमिक अचीवर्स एवार्ड और इरुडियो 2012, जनवरी 2013 में मुख्य अतिथि थे; एशिया पैसेफिक ऑफ्थेलमिक ट्रॉमा सोसाइटी, 2012 के अध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय सलाहकार, स्टेट की लेबोरेटरी इन ऑफ्थेलमोलॉजी (एसकेएलओ) झोंगशान ऑफ्थैलमिक सेंट, गुआंगझू, चीन, 2012, मानद प्रोफेसर, सन येट सेन यूनिवर्सिटी, गुआंगझू, चीन, 2012; सलाहकार, (ऑफ्थेलमोलॉजी) – स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, भारत सरकार, 2012; चेयरमेन – इंटरनेशनल रिलेशन कमेटी, ऑल इंडिया ऑफ्थेल्मोलॉजिकल सोसाइटी, 2012; बैंगलोर ऑफ्थैल्मिक सोसाइटी ओरेशन, बैंगलोर, 24 जून 2012; मुख्य अतिथि नेशनल सीएमई 2012, उ. प्र. राज्य ऑफ्थेलमोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया द्वारा एच. वी. देसाई आई हॉस्पीटल, पुणे में नवम्बर 2012 में डॉ. अनूप मिद्या और डॉ. मीनाक्षी मिद्या मैमोरियल एसीओआईएन एवार्ड 2011 दिया गया; गेस्ट ऑफ ऑनर, उद्घाटन समारोह, बिहार ऑफ्थेल्मोलॉजिकल सोसाइटी, पटना, का वार्षिक गोल्डन जुबली सम्मेलन, 2012; चेयर एग्जीक्यूटिव, चेयरमेन और आमंत्रित वक्ता, तृतीय वर्ल्ड आरओपी कॉन्ग्रेस, शंघाई, चीन, अक्तूबर, 2012; अध्यक्ष, ऑफ्थेल्मिक रिसर्च एसोसिएशन (2011 से), निदेशक डब्ल्यूएचओ कोलेबोरेटिंग सेंटर फॉर प्रीवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस (अक्तूबर 2011 से), चेयरमेन, राजेन्द्र नगर सुपर–स्पेशियलिटी आई हॉस्पीटल, पटना, बिहार के उन्नयन हेतु तकनीकी समिति, 16–18 मई 2012; बाह्य परीक्षक – गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में 22 मई 2012 को एमडी / एमएस की प्रैक्टिकल परीक्षा कराई; 2009–12 तक फैकल्टी ऑफ मेडिसिन, आईएमएस (डिपार्टमेंट ऑफ ऑफ्थेल्मोलॉजी) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी का सदस्य नियुक्त किया गया, नवम्बर 2012 में भोपाल मैमोरियल हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर, नई दिल्ली में फैकल्टी पदों के इंटरव्यू हेतु विशेषज्ञ; 30 अगस्त 2011 से भारतीय चिकित्सा परिषद, नई दिल्ली के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा गठित पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन कमेटी के को – चेयरमेन; ऑफ्थेल्मिक एजुकेशन एण्ड सर्टिफिकेशन कमेटी, एशिया पैसेफिक एकेडमी ऑफ ऑफ्थेल्मोलॉजी के चेयरमेन (2010 से) आईसीएमआर की समीक्षा समिति के सदस्य; समीक्षक – बायोमेड सेंट्रल ऑफ्थेल्मोलॉजी, लंदन; ऑफ्थेल्मिक सर्जरी लेजर एण्ड इमेजिंग; इंडियन जर्नल ऑफ ऑफ्थेल्मोलॉजी; जर्नल ऑफ अमेरिकन एसोसिएशन पीडियाट्रिक ऑफ्थेल्मोलॉजी; ब्रिटिश मेडिकल जर्नल ऑफ्थेल्मोलॉजी; इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स; एक्टा ऑफ्थेलमोलॉजिक; सलाहकार, संपादक मंडल, दिल्ली जर्नल ऑफ ऑफ्थेल्मोलॉजी, 2012; सेक्शन एडिटर; रेटिना – इंडियन जर्नल ऑफ ऑफ्थेल्मोलॉजी; सेक्शन एडिटर – सर्जिकल रेटिना – एशिया पैसेफिक जर्नल ऑफ ऑफ्थेल्मोलॉजी (2011 से); संपादक – ओपन जर्नल ऑफ्थेल्मोलॉजी, 2012; संपादक – इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मा मेडिसिन एण्ड बायोलॉजीकल साइंसेज,

2012; संपादक – ऑक्यूलर सर्जरी न्यूज एपीएओ (ओएसएन), 2012; मुख्य कार्यकारी संपादक – ऑफ्थेल्मोलॉजी वर्ल्ड रिपोर्ट; चेयरमेन, भारत में मेडिकल स्कूलों के यूजी और पीजी छात्रों हेतु राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता आयोजित करने का विचार करने और तत्संबंधी योजना बनाने संबंधी समिति (2011 से); चेयरमेन, जे. एल ऑडिटोरियम, फोयर, चतुर्भुज लॉन, बायोफिजिक्स लॉन इत्यादि का सफाई प्रभार निर्धारित करने संबंधी समिति; चेयरमेन, एम्स, नई दिल्ली में अस्पताल के मामलों संबंधी समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्ताव प्रस्तुत करने संबंधी उप–समिति (2011 से); चेयरमेन, एम्स आवास आबंटन समिति, एम्स, नई दिल्ली (2009 से); सदस्य, डीन्स कमेटी, एम्स, नई दिल्ली; क्षेत्रीय सचिव, सार्क एकेडमी ऑफ ऑफ्थेल्मोलॉजी (2006 से); चेयरमेन, राज्य स्वास्थ्य सोसाइटी बिहार द्वारा राजेन्द्र नगर सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पीटल फॉर आई हेतु गठित विशेषज्ञ समिति (2008 से); चेयरमेन, क्रेडेंशियल कमेटी और काउंसिल मेम्बर, एशिया पैसेफिक विट्रियोरेटिनल सोसाइटी (2009 से)।

प्रो. वाई आर शर्मा (2006 से) ऑफ्थेल्मोलॉजी (एएओ) के (2007 से) अमेरिकन जर्नल ऑफ ऑफ्थेल्मोलॉजी के; (1990 से) इंडियन जर्नल ऑफ ऑफ्थेल्मोलॉजी के, 2012 से जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑफ्थेल्मोलॉजी एण्ड रिसर्च के वैज्ञानिक समीक्षक थे। फ्री पेपर्स ऑन रेटिना, एपीएओ – एआईओएस, 2012 के वैज्ञानिक समीक्षक; डीबीटी, 2012 के वैज्ञानिक समीक्षक; डीबीटी (बायोटेक कंसोर्शियम इंडिया लिमिटेड बीसीआईएल), योजना की, मैनेजमेंट एजेंसी (एसएमए) के विशेषज्ञ।

प्रो. अतुल कुमार को 2012 में एनएफएमएस के ऑफ्थेल्मोलॉजी शाखा के सलाहकार पैनल (सालहकार पैनल, विशेषज्ञ सदस्य) में विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया; जुलाई, 2012 में ऑफ्थेल्मिक सेवाओं में उत्कृष्टता हेतु डीएमए एवार्ड – 'विशिष्ट चिकित्सा रतन एवॉर्ड' दिया गया; सितम्बर 2012 में गुजरात ऑफ्थेल्मिक सोसाइटी की बैठक में 'रेटिना फाउंडेशन व्याख्यान' दिया; नवम्बर 2012 में बिहार ऑफ्थेल्मिक सोसाइटी कॉन्फ्रेंस के स्वर्ण जयंती समारोह पर 'स्वर्ण ज्योति' में डॉ. पी. एन सिन्हा गोल्ड मेडल ओरेशन एवार्ड दिया गया; दिसम्बर 2012 में एशिया पैसेफिक विट्रियोरेटिनल सोसाइटी की बैठक में मुख्य वक्ता थे।

प्रो. जे. एस. टिटियाल को दिसम्बर 2012 में रांची में झारखण्ड ऑफ्थेल्मोलॉजिकल सोसाइटी कॉन्फ्रेंस (जेएसओएसजीओएन) में प्रो. बी. पी. कश्यप ओरेशन एवार्ड (एक्स्ट्राम्यूरल लेक्चर) दिया गया; अक्तूबर, 2012 में आंध्र प्रदेश ऑफ्थेल्मोलॉजिकल सोसाइटी, गुंटूर (आ. प्र.) के 36वें वार्षिक सम्मेलन में ऑफ्थेल्मोलॉजी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, 'पास्ट, प्रेजेंट एण्ड फ्यूजर ऑफ लैमलर कीरेटोप्लास्टी' के लिए डॉ. रुस्तम रणजी ओरेशन एवार्ड दिया गया; जैव प्रौद्योगिकी विभाग और नेशनल आई इंस्टीट्यूट, यूएसए के साथ इंडो यूएस विजन रिसर्च प्रोग्राम के संयुक्त कार्यकारी समूह के चयनित सदस्य हैं; यह भारत सरकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान किया गया है।

प्रो. राधिका टंडन कार्निया ट्रांसप्लांटेशन सुविधा प्रदान करने हे हॉस्पीटल रजिस्ट्रेशन संबंधी सलाह देने हेतु निरीक्षण करने के लिए गठित समिति, डीजीएचएस, निर्माण भवन, नई दिल्ली; सरोज हॉस्पीटल एण्ड हार्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली; वासन आई केयर हॉस्पीटल, पूसा रोड, नई दिल्ली; गुरु तेग बहादुर हॉस्पीटल, दिलशाद गार्डन, नई दिल्ली की सदस्य हैं; जुलाई 2012 में कॉम्प्लीमेंटरी सर्टिफिकेट ऑफ रिकगॉनिशन, हूज हू इन द वर्ल्ड पुरस्कार दिया गया; उत्कृष्ट हेल्थ प्रोफेशनल हेतु कैम्ब्रिज सर्टिफिकेट दिया गया और वह इसके लिए सुपात्र हैं, अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑफ्थेल्मोलॉजी, कैलीफोर्निया की अंतरराष्ट्रीय सदस्य चुनी गई; फरवरी, 2013 में स्ट्रेबिस्मोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की सदस्य; एम्स में रिजल्ट फ्रेमवर्क डॉक्यूमेट्स तैयार करने हेतु गठित शिक्षा संबंधी उपसमिति की सदस्य; फाउंडेशन डे कमेटी, डॉ. आर. पी. सेंटर, एम्स, की सदस्य, 10 मार्च 2013; 4 मार्च 2013 को समिति कक्ष, निर्माण भवन, डीजीएच एस, नई दिल्ली में राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन तथा विभिन्न अंगों और ऊतकों हेतु राष्ट्रीय रजिस्ट्री के लिए प्रपत्र हेतु वेबसाइट के संबंध में समिति की बैठक में सदस्य; पेपरों के बारे में निर्णय करने हेतु सत्र में निर्णायक (फ्री–पेपर–कॉर्निया) (डॉ. टी. पी. अग्रवाल ट्राफी), 64वां वार्षिक सम्मेलन, डीओएस, 12–14 अप्रैल 2013, नई दिल्ली।

डॉ. संजय शर्मा आईआरआईए दिल्ली क्षेत्र के उपाध्यक्ष, 2012 कोषाध्यक्ष, इंडियन सोसाइटी ऑफ वेस्कुलर एण्ड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (आईएसवीआईआर), नवम्बर 2011 – फरवरी 2013; 29–30 मार्च 2013 को रिसेंट एडवांसेज एण्ड एप्लाइड फिजिक्स इन इमेजिंग पर एम्स – एमएएमसी – पीजीआई सीएमई कोर्स के संयोजक सचिव; कोषाध्यक्ष एम्स, द्वारा 9–10 अक्तूबर 2012 को आयोजित ब्रेस्ट बायोप्सी एजुकेशन प्रोग्राम; बाह्य विशेषज्ञ; सदस्य, डीजीएचएस, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा फरवरी 2013 में मानक उपचार दिशानिर्देश तैयार करके संबंधी विशेषज्ञ समिति; सदस्य, 28 जून 2012 को एनबीई ऑफिस, द्वारिका, नई दिल्ली में डीएनबी (रेडियोडायग्नोसिस) परीक्षा (एमसीक्यू समीक्षा और विधिमान्यकरण) हेतु कार्यशाला आयोजित करने संबंधी विशेषज्ञ समिति; दिसम्बर 2012 से मार्च 2013 तक आरएमएल हॉस्पीटल में 3.0 टी एमआरआई एम / सी और 800 मी. ए × रे एम / सी प्रापण हेतु डीजीएचएस में बाह्य विशेषज्ञ; 31 अक्तूबर से 3 नवम्बर, 2012 तक नॉनझिंग, चीन में चोझीज सोसाइटी ऑफ

इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (सीएसआईआर 2012) और ग्लोबल एम्बोलाइजेशन सिम्पोजियम एण्ड टेक्नीक्स (जीईएसटी 2012 प्लस) की 10वीं वैज्ञानिक बैठक हेतु इंडियन सोसाइटी ऑफ वेस्कुलर एण्ड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्य।

डॉ. तनुज दादा को इंटरनेशनल सोसाइटी ग्लूकोमा सर्जरी का महासचिव; एडवाइजरी बोर्ड, वर्ल्ड ग्लूकोमा एसोसिएशन का एसोसिएट नियुक्त किया गया।

डॉ. रोहित सक्सेना को ऑफ्थेल्मोलॉजी के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए इंट्रा ऑक्यूलर इम्प्लांट एण्ड रिफ्रेक्टिव सोसाइटी ऑफ इंडिया (आईआईआरएसआई) गोल्ड मेडल, 2012 दिया गया; दिल्ली ऑफ्थेल्मोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा 2011 – 12 में सर्टिफिकेट ऑफ एकेडमिक एक्सीलेंस दिया गया; दिल्ली ऑफ्थेल्मोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा 2011–12 में सर्टिफिकेट ऑफ 'एस्टीम्ड रिसोर्स टीचर' प्रदान किया गया।

डॉ. भावना चावला को वर्ल्ड ऑफ्थेल्मोलॉजी कॉन्ग्रेस, 2012 में संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया; अनुसंधान में एम्स एक्सीलेंस एवार्ड, 2012 दिया गया; ऑल इंडिया ऑफ्थेल्मोलॉजी सोसाइटी द्वारा 2012 का नर्सिंग ए. राव एवार्ड और गोल्ड मेडल प्रदान किया गया।

डॉ. परिजात चन्द्रा जर्नल ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिसिन के (2004 से), इंडियन जर्नल ऑफ ऑफ्थेल्मोलॉजी के (2005 से); आई के (2009 से); जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑफ्थेल्मोलॉजी एण्ड रिसर्च के (2012 से) समीक्षक थे; करंट मैनेजमेंट ऑफ डायबिटिक रेटिनोपैथी सेशन दिल्ली ऑफ्थेल्मोलॉजिकल सोसाइटी वार्षिक सम्मेलन, 6–8 अप्रैल 2012 में मॉडरेटर (संयोजक) थे; दिल्ली ऑफ्थेल्मिक सोसाइटी 27–28 अक्तूबर 2012 को आयोजित मध्यावधि सम्मेलन में वीडियो सत्र के निर्णायक थे; जुलाई 2012 में दिल्ली में आरपीसी –साइट सेवर्स नेशनल आरओपी समिट के आयोजक थे तथा वैज्ञानिक कार्यक्रम समन्वयक; सदस्य, इंटरनेशनल प्रोग्राम कमेटी तथा सदस्य, इंटरनेशनल साइंटिफिक कमेटी, वर्ल्ड आरओपी कॉन्ग्रेस, शंघाई, 14–16 अक्तूबर 2012।

अतिथि वैज्ञानिक

1. सुश्री कारोलीन हरपर, सीईओ, साइटसेवर्स।
2. मि. मार्टिन, ट्रस्टी, साइटसेवर्स, इंटरनेशलन।
3. प्रो. जेम्स चोडोस, नेत्रविज्ञानी, हारवर्ड मेडिकल स्कूल।
4. डॉ. साहर, डाइरेक्टर आफ कार्निया एवं रिफरेक्टिव सर्जरी सर्विसेज।
5. टीम चोटमैन, चीफ ग्लोबल आफिसर, साइट लाइफ।
6. डॉ. आद्रे रोस्टोव, कार्नियल सर्जन्स, सीटेल, यूएसए।
7. मिस्टर मनोज गुलाटी, कंट्री डायरेक्टर, साइट लाइफ, एएसए।

10.5 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

अध्यक्ष
एम. सी. मिश्र

अपर चिकित्सा अधीक्षक
संजीव के भोई

अपर आचार्य
कामरान फारूकी (अस्थिरोगविज्ञान)

सह–आचार्य

संवेदनाहरण
बबिता गुप्ता
छवि साहनी

आपात चिकित्सा
संजीव भोई

न्याय चिकित्सा
संजीव लालवानी
आदर्श कुमार

प्रयोगशाला चिकित्सा
एस. अरुल सेल्वी
पूर्वा माथुर
विवेक त्रिखा

तंत्रिका शल्यचिकित्सा
दीपक अग्रवाल दीपक के. गुप्ता
सुमित सिन्हा जी. डी. सत्यार्थी

अस्थिरोगविज्ञान
विजय शर्मा
बुद्धदेव चौधरी

विकिरण निदान
शिवानंद जी.
अतिन कुमार

शल्य चिकित्सा
बिप्लव मिश्रा सुषमा
सुबोध कुमार
अमित गुप्ता
मनीष सिंघल

सहायक आचार्य

संवेदनाहरण विज्ञान
नवीन यादव

हृद विज्ञान
नीरज परख

क्रिटिकल केयर
कपिल देव सोनी
रिचा गर्ग

वृक्क विज्ञान
सौमिता बागची

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान
केशव गोयल, आशीष बिंद्रा
नवदीप सोकल, ज्ञानेन्द्र पाल सिंह
नीरज कुमार

तंत्रिका शल्य चिकित्सा
पंकज के सिंह

प्रसूति एवं स्त्री तंत्र विज्ञान
गरिमा कवाचा

बाल शल्य चिकित्सा
शिल्पा शर्मा

मूत्र रोग विज्ञान
आशीष सैनी

विशिष्टताएं

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र एम्स ने उत्कृष्ट रोगी देखभाल सेवाओं, अनुसंधान, अध्यापन तथा प्रशिक्षण प्रदान करने में स्वयं को एक नेता के रूप में अवस्थपित किया है। स्टॉफ के सभी संकाय तथा सदस्य ट्रॉमा के पीड़ितों के उत्कृष्ट देखभाल प्रदान करने में सक्रियता से कार्यरत है। वर्ष 2012–13 में कुल 57004 रोगी कैजुएलटी में आए। इनमें से 5254 रोगियों को दाखिल किया गया। कुल 37,216 रोगियों अनुवर्ती ओ पी डी में आए। कुल 5773 रोगियों का आपरेशन किया गया। संकाय एवं स्टाफ की स्वीकृत संख्या में वृद्धि के साथ साथ ज. प्र. ना. ए. ट्रॉ. केन्द्र में रोगियों की संख्या में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि हुई है।

एम्स में स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर अध्यापन में शामिल होने के अतिरिक्त, संकाय सदस्य देश के विभिन्न अस्पतालों तथा एजेंसियों के चिकित्सीय तथा अर्ध चिकित्सीय स्टॉक को अल्पावधि तथा दीर्घावधि प्रशिक्षण प्रदान करने में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। उन्हें ए

टी एल एम प्रोटोकॉलों बी ई सी सी, ए यू टी एल एस, इत्यादि सहित ट्रॉमा रोगियों के प्रबंधन के लिए नवीनतर प्रविधियों संबंधी प्रशिक्षण दिया जाता है। जानकारी को अद्यतन करने के लिए, अंतरक्रियात्मक संगोष्ठियों, सी एम ई, संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

केन्द्र के संकाय द्वारा कुल 78 अनुसंधान लेख राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। संकाय सदस्य विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं में भी लगे हुए हैं तथा उन्होंने अपने द्वारा संचालित अनुसंधान पर आधारित दस्तावेज / शोधपत्र विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों में प्रस्तुत किए हैं। अनुसंधान के आधार पर, ट्रॉमा मर्त्यता तथा रुग्णता की घटनाओं को कम करने की ओर लक्षित अनेक निविष्टियों का सुझाव नीति निर्माताओं को प्रदान किया गया।

रोगी देखभाल संबंधित सेवाओं में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग, रोगी देखभाल से जुड़े नवीनतम उपकरण, डायलेसिस की सुविधा का संस्थान, एडीयू. पी एसी. क्लिनिक आदि अल्प नवीनतम विशिष्टताएं जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र में शामिल हैं।

शिक्षा

प्रशिक्षण

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र के संकाय सदस्य भारत एवं विदेश से पधारे छात्रों के लिए अल्पावधिक / चयनित प्रशिक्षण / नैदानिक पर्यवेक्षक में नियमित रूप से संबद्ध रहे। वर्ष 2012 – 13 के दौरान जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र में प्रशिक्षण के लिए पधारे छात्रों की संख्या निम्नानुसार है :

अल्पावधिक प्रशिक्षण : 3 छात्र

चयनित प्रशिक्षण : 34 छात्र, कोरिया, ऑस्ट्रिया, अफगानिस्तान, हंगरी, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, यू. एस. ए., मलेशिया, यू. के., मालदीप एवं स्वीट्जरलैंड।

नैदानिक पर्यवेक्षक : 5 छात्र, कनाडा, बंगलादेश, यू एस ए एवं यू ए ई।

शिक्षण

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र के संकाय सदस्यगण स्नातकपूर्ण छात्रों, स्नातकोत्तर छात्रों, सीनियर रेजीडेंट, नर्सेज, पैरा मेडिकल स्टाफ, एवं ओ. टी. तकनीशियनों के लिए शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के नियमित रूप से आयोजित करने में संबद्ध रहे।

नवीनतम शैक्षणिक गतिविधियां

1. दिनांक 27 जुलाई 2012 को 'एब्डोमिनल एण्ड थोरेसिक ट्रॉमा' विषय पर सी आर पी एफ कर्मिकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
2. 'ऑपरेटिव लेपेरोस्कोपिक – बेसिक एण्ड एडवांस्ड' (10 संख्या) 'लेपेरोस्कोपिक सुटटिंग स्किल' (तीन), 'लेपेरोस्कोपिक कोलेटेक्टल सर्जरी' (दो), 'लेपेरोस्कोपिक हर्निया सर्जरी' (छः) (कार्यक्रम निदेशक) – एम सी मिश्रा, विषयों पर विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के आयोजित किया गया।

   'जख्म का मूल्यांकन एवं उपचार निपुणता' (वेट्स), 2–3 अप्रैल 2012, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स, नई दिल्ली।
3. दिनांक 19 अप्रैल 2012, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स, नई दिल्ली में 'मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट वुड्स इन ई.डी (एमएडब्ल्यूई) (आयोजक एवं पाठ्यक्रम निदेशक – डॉ. बिप्लब मिश्रा)।
4. दिनांक 4 मई 2012, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स, नई दिल्ली में 'मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट वुड्स इन ई.डी (एमएडब्ल्यूई) (आयोजक एवं पाठ्यक्रम निदेशक – डॉ. बिप्लब मिश्रा)।
5. दिनांक 15 मई 2012, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स, नई दिल्ली में 'मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट वुड्स इन ई.डी (एमएडब्ल्यूई) (आयोजक एवं पाठ्यक्रम निदेशक – डॉ. बिप्लब मिश्रा)।
6. दिनांक 31 मई से 2 जून 2012, एपेक्स मेडिकल अकेडमी, अहमदाबाद, गुजरात में 'एडवांस्ड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट (एटीएलएस)' (डॉ. बिप्लब मिश्रा, पाठ्यक्रम निदेशक)
7. दिनांक 27 जुलाई 2012, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स, नई दिल्ली में 'मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट वुड्स इन ई.डी (एमएडब्ल्यूई) (आयोजक एवं पाठ्यक्रम निदेशक – डॉ. बिप्लब मिश्रा)।

8. दिनांक 7–9 अगस्त 2012, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एमर्जेंसी मेडिकल सर्विस, कोट्टायाम, केरल में 'एडवांस्ड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट (एटीएलएस)' (डॉ. बिप्लब मिश्रा, पाठ्यक्रम निदेशक)
9. दिनांक 31 अगस्त 2012, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स, नई दिल्ली में 'मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट वुड्स इन ई.डी (एमएडब्ल्यूई) (आयोजक एवं पाठ्यक्रम निदेशक – डॉ. बिप्लब मिश्रा)।
10. दिनांक 28 सितम्बर 2012, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स, नई दिल्ली में 'मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट वुड्स इन ई. डी (एमएडब्ल्यूई) (आयोजक एवं पाठ्यक्रम निदेशक – डॉ. बिप्लब मिश्रा)।
11. दिनांक 9 अक्तूबर 2012, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स, नई दिल्ली में 'मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट वुड्स इन ई.डी (एमएडब्ल्यूई) (आयोजक एवं पाठ्यक्रम निदेशक – डॉ. बिप्लब मिश्रा)।
12. दिनांक 29 नवम्बर से 1 नवम्बर 2012 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स में दिल्ली सरकार के डॉक्टर हेतु डी ई एम ई एम्स (दिल्ली आपात प्रबंधन अभ्यास) (कार्यक्रम निदेशक – डॉ. सूषमा सागर)।
13. एम्स किस (कीप इट्स सिम्पल सोनोग्राफी) न्यूरो सर्जन के लिए दिल्ली में (दिसम्बर 2012) और नेपाल में (नवम्बर 2012) आयोजित किया गया (कार्यक्रम निदेशक – डॉ. दीपक अग्रवाल)।
14. वर्ष 2012–13 के दौरान भगत के विभिन्न भागों एवं विदेशों में (नेपाल और ईरान) एम्स अल्ट्रासाउंड ट्रॉमा पाठ्यक्रम (एयूटीएलएस) आयोजित किया गया (कार्यक्रम निदेशक – डॉ. दीपक अग्रवाल)।
15. एम्स बीईसीसी पाठ्यक्रम और एनएचआरएम (राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन) के साथ साझेदारी में 2012–13 के दौरान भारत में विभिन्न भागों में आयोजित की (कार्यक्रम निदेशक – डॉ. दीपक अग्रवाल)।
16. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में ब्रेन जागरूकता विषय पर सार्वजनिक जागरूकता व्याख्यान अप्रैल 2012 में दिए (डॉ. दीपक गुप्ता)।
17. एम्स में बाल तंत्रिका शल्य चिकित्सा विकारों विषय पर 1 नवम्बर 2012 सार्वजनिक जागरूकता व्याख्यान (डॉ. दीपक गुप्ता)।
18. श्रीलंका के लिए एम्स बीईसीसी कार्यक्रम, दिनांक 03–13 दिसम्बर 2012 तक आयोजित किए गए (कार्यक्रम निदेशक – डॉ. डॉ. संजीव भोई)।
19. उन्नत अल्ट्रासाउंड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट कोर्स (एयूटीएलएस), जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स, 9 – 10 दिसम्बर (कार्यक्रम निदेशक – डॉ. संजीव भोई)।
20. उन्नत अल्ट्रासाउंड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट कोर्स (एयूटीएलएस), जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स, 14 – 15 दिसम्बर (कार्यक्रम निदेशक – डॉ. संजीव भोई)।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. सातवीं एम्स सर्जिकल वीक इंडो–सर्ज 2013, सजीव ऑपरेटिव अंतरराष्ट्रीय सी एम ई कम सम्मेलन, एम्स, 16–18 मार्च 2013 (डॉ. एम सी मिश्रा – आयोजक अध्यक्ष)।
2. वार्षिक सम्मेलन, दिल्ली स्टेट चैप्टर एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया 'सर्जिकॉन 2012' 23–35 नवम्बर 2012। गर्दन, ट्रॉमा, जेनेटोयूरिनरी ट्रॉमा एण्ड पोलीट्रॉमा के उपचार पर पैनल विचार विमर्श आधारित एक केस आधारित 24 नवम्बर 2012 (डॉ. एम सी मिश्रा – आयोजक अध्यक्ष)।
3. इंडियन एसोसिएशन ऑफ ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर की सातवीं वार्षिक सम्मेलन (आई एस टी 8 सी), अंतरराष्ट्रीय सम्म्लेन एवं कार्यशाला 'ट्रॉमा 2012', 22–35 नवम्बर 2012। 23 नवम्बर 2012 को केस आधारित पैनल वार्ता के दौरान भाग लिया एवं 'एडवासेस इन ट्रॉमा मैनेजमेंट इन 2012 एण्ड बीयांड' विषय पर अध्यक्षीय भाषण दिया (डॉ. एम सी मिश्रा – आयोजक अध्यक्ष)।
4. एलटीएम मेडिकल कॉलेज और सायन अस्पताल मुम्बई में, दिनांक 11–13 अक्तूबर 2012 को उन्नत ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट (एटीएलएस) कोर्स का उद्घाटन (डॉ. एम सी मिश्रा – कार्यक्रम और पाठ्यक्रम निदेशक)।
5. एम्स में सूचना प्रौद्योगिकी एवं आपात विभाग, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, 'आपात स्वास्थ्य सेवाओं में प्रौद्योगिकी के उपयोग में 'लागत प्रभावी एवं सार्थक' विषय पर द्वितीय अंतरराष्ट्रीय समिट एवं कार्यशाला का दिनांक 28–30 सितम्बर 2012 के आयोजन किया गया। दिनांक 28, 29 एवं 30 सितम्बर 2012 के 'बोतलनेक इन हैविंग ए वर्ल्ड क्लॉस ईडी एंड हाउ टू ओवर कम देम : जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, अनुभव विषय पर पैनल वार्ता आयोजित की गई (डॉ. एम सी मिश्रा – आयोजक अध्यक्ष)।

6. दिनांक 22 सितम्बर 2012 को जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित आपातकालीन चिकित्स विभाग की स्थापना और संस्थाओं के कम्प्यूटरीकरण के लिए छः एम्स निदेशकों की सलाहकार कार्यशाला। (डॉ. एम सी मिश्रा – संयोजक एवं मध्यस्थ)।
7. कॉम्प्लेक्स स्पाइनल ट्रॉमा विषय पर द्वितीय लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला एवं संगोष्ठी का आयोजन, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, एम्स, मई 2013 (आयोजक सचिव – डॉ. दीपक अग्रवाल)।
8. न्यूरोपिडिकोन 2012 (बाल चिकित्सा न्यूरोसर्जरी की भारतीय सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन) और आईएसपीएन (बाल चिकित्सा न्यूरोसर्जरी के इंटरनेशनल सोसाइटी), सीएमई कोर्स, 1 – 3 नवम्बर 2012, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (आयोजक – डॉ. दीपक गुप्ता)।
9. आईसीपी निगरानी कार्यशाला : 16 अप्रैल 2012, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (आयोजक – डॉ. दीपक गुप्ता)।
10. मासिक डीएनए (दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन मासिक एम्स में बैठक) : मई 2012 (आयोजक – दीपक गुप्ता)।
11. ब्राकीलकॉन – एम्स 2012, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, 8–10 मार्च 2013 (संगठन सचिव – डॉ. सुमित सिन्हा)।
12. प्रसूति एवं स्त्री रोग, फोरेंसिक मेडिसिन और अस्पताल प्रशासन के रेजीडेंटों के लिए 'यौन अपराध का प्रबंधन, विषय पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, मई 2012 को कार्यशाला (समन्वयक आयोजन – डॉ. संजीव लालवानी)।
13. सह आयोजक, स्टेम सेल और कैंसर विषय पर तृतीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएससीसी–2012) : प्रसार भेदभाव और एपॉप्टॉसिस। दिनांक 27 – 30 अक्तूबर 2012, पीजीआईएमईआर सभागार, डॉ. आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली, भारत (सह आयोजक – डॉ. शिल्पा शर्मा)।
14. कारसिनोजेनेसिस फाउंडेशन का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (यूएसए) दिनांक 19–22 नवम्बर, 2012 : आयोजक समिति सदस्य, कारसिनोजेनेसिस – 2012 का आयोजन। पीजीआईएमईआर सभागार, डॉ. आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली। (सदस्य, आयोजन समिति, डॉ. शिल्पा शर्मा)।
15. एम्स अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्षेत्रीय संज्ञाहरण कार्यशाला, 8 अक्तूबर 2012 (सह आयोजन सचिव : डॉ. नवीन यादव)
16. 24 – 26 अगस्त 2012, इंटरवेंशनल पैन मैनजमेंट पर द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन। (सदस्य आयोजन समिति : डॉ. नवीन यादव)।

पत्रों (मौखिक / पोस्टर) सम्मेलनों / सीएमई और कार्यशालाएं में प्रस्तुत किया : 118

प्रदत्त व्याख्यान

एम. सी. मिश्रा : 40	छवि साहनी : 1	रिचा शर्मा : 2	सुमित सिन्हा : 11
विजय शर्मा : 9	विवेक त्रिखा : 8	बिप्लब मिश्रा : 4	सुषमा सागर : 13
अमित गुप्ता : 8	सुबोध कुमार : 11	संजीव लालवानी : 10	शिवानंद जी : 10
अतिन कुमार : 8	शिल्पा शर्मा : 6	कपिल देव सोनी : 12	आशीष बिंद्रा : 6
केशव गोयल : 2			

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. स्टेबुलाइजर पर पेल्विक एक्टाबुलर इंजरी से पीड़ित रेगियों में अंतः ऑपरेटिव इंटराथिकल मॉर्फिन के बाद रिकवरी की गुणवत्ता एवं आप्रेसन के पूर्व एवं पश्चात एनलजेरिया की अवस्थाओं और सभी का अध्ययन करना। छवि साहनी, 2012–13, एम्स, निधि : 3.20 लाख रु.
2. मिर्गी सर्जरी के दौर से गुजरे रोगियों में डेक्समिडिटोमाइडिन का सेरब्रोप्रोटेक्टिव प्रभावों का अध्ययन करना : एक बायोमार्कर निर्देशित अध्ययन. आशीष बिंद्रा, एम्स, 2013, 3 लाख रु.।
3. थ्रोम्बोइलास्टोमिट्री (टीईजी) : स्थापित बायोमार्करों की तुलना में तंत्रिका शल्य चिकित्सा सघन उपचार एम्स (एनआईसीयू) में संक्रमण के निदान में उपयोगिता एवं लागत प्रभावकता। दीपक अग्रवाल, एम्स, 2012–13, 3 लाख रु.।
4. आघात रोगियों में डीआईसी के शीघ्र भविष्यवाणी मार्करों का मूल्यांकन, अरूलसेल्वी एस, एम्स, 2012–13, 4.20 लाख रु.।
5. थ्रोम्बोइलोस्टोग्राफी एवं पारंपरिक विधियों का प्रयोग करते हुए उत्तर भारतीय दाताओं में को एगुलेशन स्थिति का मूल्यांकन। डॉ. एस. अरुलसेल्वी, एम्स, 2011–12, 20,000 रु.
6. जमावट और सदमे के बाद फ्रैक्चर शाफ्ट फीमर इंट्रा दिमागी श्रेष्ठ के दौर से गुजर रहे रोगियों में सूजन परिवर्तन का अध्ययन। एस. अरुल सेल्वी, एम्स, 2012–2014, 9.25 लाख रु.

7. लेवल – 1 ट्रॉमा सेंटर के आपातकालीन विभाग में आने वाले हैमोरेजिक आघात के रोगियों के उपचार हेतु चिकित्सा से उपरांत एडजंट (संयोजन) के रूप में अंतः शिरा एस्ट्रोजेट की सुरक्षा तथा प्रभावकता का अध्ययन करना। 2012, संजीव भोई, आई सी एम आर, 36.36 लाख रु.।
8. ट्रॉमा सेंटर एम्स में घाव रजिस्ट्री का विकास मनीष सिंघल, एम्स, 2012–13, 2012–13, 1 लाख रु.
9. विच्छेदन स्टंप के पारंपरिक इलाज के लिए वीएसी (वैक्यूम असिस्टेड क्लोजर) चिकित्सा की प्रभावशीलता की तुलना करना। सुषमा सागर. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2012–13, 1 लाख रु.।
10. सर्जिकल इंटेंसिव केयर यूनिट में ट्रॉमा रोगियों में एक प्रारंभिक मार्कर के रूप में एकेआई की भविष्यवाणी में प्लाज्मा और मूत्र न्यूट्रोफिल जिलेटिनेज से जुड़े लिपोकेलिन (एनजीएएल) का मूल्यांकन. बीबीता गुप्ता, आईसीएमआर, 2012–15, 20,23,950 रु. ।
11. जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, भारत में एक शव का विच्छेदन सुविधा की स्थापना के लिए प्रस्ताव। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 2012–17, 5.36 करोड़ रु.
12. गभीर घाव मस्तिष्क की चोट के साथ रोगियों में प्रोजेस्टेरॉन की प्रभावकारिता की जांच के लिए एक यादृच्छिक, प्लेसबो – नियंत्रित अध्ययन। सुमित सिन्हा, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान। 2010–12, 10 लाख रु.
13. एन्यूरिज्मल सब – आरकाइड हैमरेज के बाद बासोपसम एवं सुधारात्मक कार्य परिणाम की रोकथाम में सिमबास्टिन की भूमिका : एक भावी यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण। सुमित सिन्हा, एम्स, 2012–13, एक लाख रुपए।
14. भारत में स्ट्रेप्टोकोकस पाइओजेनस का आण्विक एवं जानपदिकरोगविज्ञानी अध्ययन (आईसीएमआर) 2009–2012, 17.06 लाख रु.।
15. भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल में अस्पताल अधिग्रहित संक्रमणों के लिए ऑटोमेटेड इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का विकास एवं क्रियान्वयन। आई सी एम आर, 2011–14, 15.26 लाख रु.।
16. उत्तर भारत से स्ट्रेप्टोकोकस पायोजिन्स के रेजीस्टेंट क्लिनिकल आइसोलेट्स का आण्विक लक्षण वर्णन। पूर्वा माथुर आई सी एम आर, 2011–14, 9.02 लाख रु.
17. भारत में बीटा – लेक्टामॉस प्रोड्रसिंग ग्राम निगेटिव नासोकोटियल पैथोजीन्स का आण्विक एवं जानपदिकरोगविज्ञानी अध्ययन। पूर्वा माथुर, आई सी एम आर 2012 – 15, 35.11 लाख रु.
18. अंग दुष्क्रिया एवं स्पेशिस के शीघ्र निदान हेतु मोनोसाइट्स के पोस्ट ट्रॉमा – साइटोफाइन प्रोड्यूसिंग पोटेशियल का आकलन। पूर्वा माथुर, डीबीटी, 2012–15, 36.96 लाख रु.
19. भारत में लेवल एक ट्रॉमा सेंटर पर आण्विक जानपादिक रोग विज्ञान। पूर्वा माथुर, डी एस टी, 2012–15, 23.58 लाख रु.
20. पोलिया संक्रमण के कारण तंत्रिका विज्ञानी विकारों सहित बच्चों में ऑटोलोगस बोन मैरो मोनोन्यूक्लियर स्टेम सेल की भूमिका। शिल्पा शर्मा, डीबीटी, 2009–12, 15.36 लाख रु.
21. ट्रामेटिक ब्रेन इंजरी के बाद उपचारिक हाइपोथर्निया (32–35 सी) का सघन उपचार चिकित्सा की यूरोपीय समाज। बहुकेन्द्रीय परीक्षण – वित्त पोषित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च हेल्थ टेक्नोलॉजी असेस्टमेंट प्रोग्राम द्वारा। परीक्षण आयोजन : यूनिवर्सिटी ऑफ इडेनबर्ग एवं एन एच एस लोथियन (यूके)। दीपक गुप्ता, एन आई एच, यू एस ए, 2013 – 16, 35 लाख रु.
22. ग्लियोब्लास्टोमा मल्टोफोर्म (प्रथम पतन पर) के उपचार के लिए इनटस्टीयल ।[131] सीएचटीएनटी 1 बी एमओएबी (कोटारा) का द्वितीय चरण, बहुकेन्द्रीय ओपन लेवल खुराक पुष्टि अध्ययन। पिटीग्रेन फार्मास्युटिकल्स; टैक्सेस, अमेरिका, दीपक गुप्ता, 2007–14, 30 लाख रु.।
23. भारत अमेरिकी ट्रामाटिक मस्तिष्क क्षति परिणामों में सुधार सहयोगात्मक सिर क्षति तथा दिशानिर्देश का पालन (सीएचआईआरएजी) दीपक गुप्ता, एन आई एच, एन आई एन डी एस – डीबीटी, 2013–15, 30 लाख रु.।
24. डिस्ट्रीब्यूटिड कोगनिशन एण्ड मॉडलिंग कम्प्लेक्सिटी : ए बायो इंफोर्मेटिक्स एप्रोच फॉर डिक्रोडिंग मेडिकल एटर्स। दीपक अग्रवाल, डी एस टी, 2011–13, 1.2 करोड़ रु.।
25. काइनेक्ट कैमरा का उपयोग के हैडवासिंग कम्पलाएन का आकलन करना। दीपक अग्रवाल, डी बी टी, 2013–15, 22.5 लाख रु.
26. ट्रामेटिक ब्रेन इंजरी से पीड़ित रोगियों में इम्यून एक्टिवेशन के एक मार्कर के रूप में प्लाज्मा में स्तर, सेटिब्रोस्पाइनल फ्ल्यूड, एवं कंटूस्ड ब्रेन टीयू का नावेल चीमोकाइनरेंटेस का अध्ययन। अरुल सेल्वी एस, आई सी एम आर, 2010–13, 6.32 लाख रु.
27. तीव्र कोरोनरी संलक्षण में साइटोकाइन आईएल6 आईएल 10, आईएल 18, एवं टी एन एफ का संगठन। अरुल सेल्वी एस, आई सी एम आर, 2010–12, 17.33 लाख रु.

28. भारत में उन्नत ट्रॉमा जीवन रक्षक हेतु क्षमता निर्माण (पीपीसीबी – एटीएलएसआई)। एम सी मिश्रा, अनिल गुप्ता / सुबोध कुमार, राष्ट्रीय अथवा प्रबंधन प्रौद्योगिकी, 2012–13, 1.18 करोड़ रु.
29. भारत में क्लेफ्ट लिप एवं सलेट अनोमली : नैदानिक प्रोफाइल, जोखिम कारक एवं उपचार की वर्तमान स्थिति – अस्पताल आधारित सर्वेक्षण; आई सी एम आर, 2011–14, 54 लाख रु.
30. चिकित्सा वेशभूषा एवं स्पोर्टवियर हेतु सेरीसिन आधारित मूल्य सहित फिनिसेस। सुषमा सागर, डीबीटी, 2012 – 15, 45 लाख रु.।
31. क्लोपिंग, आई आई टी एवं कपड़ा विभाग केवल सहयोग में बुजुर्ग के लिए संपीड़न। सुषमा सागर, डी एस टी, 2012–15, 35 लाख रु.
32. न्यूरोनल उत्थान और कार्यात्मक बहाली में मानव गर्भनाल रक्त स्टेम कोशिकाओं और तंत्रिका स्टेम सेल की भूमिका : तीव्र रीढ़ की हड्डी की चोट सहित सेल चूहों में एक तुलनात्मक अध्ययन (तीव्र युवा अन्वेषक योजना 2011), डीबीटी, 2011–14, 30.20 लाख रु.
33. एक्यूट सिवियर ट्रामेटिक मस्तिष्क क्षति वाले रोगियों में हाइपोथर्गिया के साथ या उसके बिना प्रोजेस्ट्रोन का एक यादृच्छिक प्लासेबो नियंत्रित परीक्षण (फैक्टोरियल डिजाइन), डीबीटी, 2011–2014, 25.87 लाख रु.

विभागीय परियोजनाएं

जारी

सर्जरी

1. आपात सामान्य शल्यक दाखिलाः नॉन ट्रेमेटिक सर्जिकल एक्यूट एब्डोमिनल में अग्रदर्शी सांस्थनिक अनुभव (एन टी एस ए ए)।
2. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर पर पेल्विक फैक्चर के मात्रा एवं तीव्रता एवं परिणाम का रिट्रोसपेक्टिव एवं प्रोस्पेक्टिव विश्लेषण।
3. सीमित एम आर आई करेक्शन सहित रिट्रोपेटिटोनियल सोलिड इंजरी का मल्टी डिडक्टर सी टी स्कैन मूल्यांकन।
4. एक लेवल 1 ट्रॉमा केन्द्र पर पेरीफेरल वेस्कुलर इंजरी की मात्रा, तीव्रता परिणाम का अध्ययन करना।
5. कुछ सीने में चोट वाले रोगियों में पसली फैक्चर स्थिरीकरण के लिए जबड़े निर्धारण प्लेटो की भूमिका का मूल्यांकन।
6. गंभीर रूप से बीमार आघात रोगियों में देर ट्रोचेगस्टोमी बनाम जल्दी का भावी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

विकिरण निदान

1. ट्रॉमेटिक लिवर क्षतियों के मूल्यांकन में एमडीबीटी की भूमिका।
2. वयस्क ट्रॉमेटिक ब्रोंचियल प्लेक्सस चोटों का एम आर आई मूल्यांकन।
3. डिफ्यूजन वेटेड एम आर इमेजिंग एवं अल्ट्रासाउंड – इलास्टोग्राफी का उपयोग करके नेक मासेस का मूल्यांकन।
4. अस्थि ट्यूमरों को आप्रेसन पूर्व इम्बोलाइजेशन।
5. ऊपरी स्मिर के परिधीय न्यूरोपैथी का अल्ट्रा साउंड एवं एम आर मूल्यांकन।
6. अग्नाशय विकृति को परफ्यूजन सीटी की भूमिका।

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

1. इंडोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में हिमोडायनामिक एवं रिकवरी पर लिडोकेन अर्क का प्रभाव : एक बहुकेन्द्रीय, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
2. दर्दनाक रीढ़ की हड्डी में चोट के बाद हृदवाहिक जटिलताएं।

प्रयोगशाला चिकित्सा (विकृति विज्ञान एवं रक्त कोष)

1. जल्दी आघात प्रोटीन तीव्र कोगुलोपैथी के विकास में घाव मस्तिष्क की चोट के रोगियों एवं उनकी भागीदारी में परिसंचारी प्रोकोगुलेंट की पहचान।

सूक्ष्म जैव विज्ञान (प्रयोगशाला चिकित्सा)

1. आधातोत्तर जटिलताओं के शीघ्र निदान के लिए मोनोसाइट के बाद आघात साइटोकाइन उत्पादन क्षमता का आकलन।

तंत्रिका शल्य चिकित्सा

1. पृथक सिर पर चोट के रोगियों में इंट्राक्रेनियल दबाब ऊचाई हेतु संभावित जैव मार्कर के रूप में सीरम आई एल. 6।
2. माइल्ड ट्रामेटिक ब्रेन इंजरी में ऑक्सीडेटिव डीएनए डैमेज एवं टोटल ऑक्सीडेंट स्टेटस।
3. भारत में एंटीग्रेटेड लेवल 1 ट्रॉमा केन्द्र पर हैड इंजरी एवं स्पाइनल कार्ड इंजरी का इपिडिमियोलॉजी।
4. एम्स ट्रॉमा केन्द्र हेतु एकीकृत ऑनलाइन पोर्टल : मरीज की संतुष्टि में सुधार लाने और जमीन पर संभावित देखभाल।
5. ब्राक्रियल प्लेक्सेस क्षति के पश्चात कार्टिकल पुनर्गठन का एक कार्यात्मक एम आर आई अध्ययन।
6. ट्रामेटिक मस्तिष्क क्षतियों के लिए एक्स वाई – 2405 का एक उपचार की सुरक्षा एवं टालरेबिलिटी का एक द्वितीय चरण यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित खुराक निष्कर्ष।
7. मस्तिष्क परीक्षण (न्यूरोट्रॉमा में ब्राडीकीनिन बी2 रिसेप्टर एंटागोनिस्ट) लदन स्कूल ऑफ हाइजीन एण्ड ट्रोपिकल मेडिसीन द्वारा एक बहुकेन्द्रीय यादृच्छिक परीक्षण।
8. डीईसीआरए परीक्षण (तीव्र हैड इंजरी में डीकम्प्रेसिव क्रेनिक्टॉमी) : अमेरिका में एक बहु केन्द्रीय यादृच्छिक परीक्षण किया गया।
9. क्रैश 2 परीक्षण : लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एण्ड ट्रॉपिकल मेडिसीन द्वारा एक बहुकेन्द्रीय यादृच्छिक परीक्षण।
10. इंटरा क्रेनियल प्रेशर के अनकंट्रोल लेबल एलिवेशन हेतु केनिक्टोमी सहित सर्जरी का यादृच्छिक मूल्यांकन –तीव्र ट्रामेटिक ब्रेन क्षति के प्रबंधन में डिकम्प्रेसिव केनिक्टोमी की भूमिका का अंतरराष्ट्रीय, बहुकेन्द्रीय, अग्रदर्शी, यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण।
11. सर्वाइकल स्पाइन क्षति से पीड़ित रोगियों में एवैक फाइब्रोटिक इनटूबेशन हेतु ट्रोपिकल एयर वे एनसथिसिया। नर्वस ब्लॉक एवं निबुलाइज्ड 4 प्रतिशत लिडोकेन के बीच तुलना करना।
12. अंग दुष्क्रिया एवं स्पेशिस के शीघ्र निदान हेतु मोनोसाइट्स के पोस्ट ट्रामा साइटोकाइन प्रोडयूसिंग पोटेंशियल का आकलन करना।
13. भारत में एक टेरटरी केयर हॉस्पिटल में अस्पताल अर्जित संक्रमणें हेतु एक स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का विकास एवं कार्यान्वयन।
14. लेवल 1 ट्रॉमा केयर सेंटर पर सघन उपचार कक्ष में कारबेपिनेम रिजीस्टेंट एसीनेटोबैक्टर बाउमनी के कारण वेंटीलेटर संबंधित निमोनिया की स्वचालित ट्रैकिंग एवं आण्विक जानपदिक रोगविज्ञानी अध्ययन।
15. तीव्र रीढ़ की हड्डी की चोट में ट्रैमेटिक हाइ सवाईकल स्पानल कार्ड क्षति हेतु शीघ्र बनाम विलंबित डिकम्प्रेशन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

पूर्ण
सर्जरी

1. सर्जरी रेजीडेंट के ऑपरेटिव कक्ष निष्पादन पर लेपेरोस्कोपी में अल्प अवधि फोकस्ड प्रशिक्षण प्रोग्राम के प्रभाव के मूल्यांकन हेतु उत्तरव्यापी यादृच्छिक नियंत्रित ब्लाइंडेड अध्ययन।
2. लेवल – 1 ट्रॉमा केन्द्र में जटिल मृदु ऊतक क्षतियों परिणाम, गंभीरता तथा परिणाम का पूर्वदर्शी तथा अग्रदर्शी विश्लेषण।
3. लेवल – 1 ट्रॉमा केन्द्र पर उदरीय आघात से पीड़ित रोगियों में लेपेरोस्कोपी की भूमिका का मूल्यांकन करने हेतु पूर्वव्यापी अग्रदर्शी अध्ययन।
4. जल्दी प्लीहा धमनी बंघाव के दौर से गुजर रहे रोगियों में प्लीहा उच्छेदन की जटिलताओं का अध्ययन करना।
5. सामान्य शल्य चिकित्सा रेजीडेंटों के ऑपरेटिव कक्ष प्रदर्शन पर पशु मॉडल। ऊतकों के शामिल कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु अध्ययन।
6. जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली के आपातकालीन विभाग में सड़क यातायात चोटों (आरटीई) के रोगियों का जानपदिक रोग विज्ञानी अध्ययन।
7. पसलियों के बीच जल निकासी ट्यूब के बिना मनोगत निमोथोक्सेस के प्रबंधन की व्यवहार्यता।

न्याय चिकित्सा

1. अंगवस को बढ़ावा देने के चिकित्सा प्रविधिक कारकों का आयोजन।

विकिरण निदान

1. माइल्ड हैड इंजूरी में परिणाम की भविष्यवाणी करने में परफ्यूजन सीटी की भूमिका।
2. सीमित एमआरआई संबंध के साथ कुंद पेट दर्द में ठोस रिट्रोपेरिटोसियल अंग चोटों के एमडीसीटी का मूल्यांकन।

3. उन्नत लेरिंजियस एवं हाइपो फेरिजिएल कैंसर के रोगों में अंतर धमनी कीमोथैरेपी (नियोएड्जुएंट)।

प्रयोगशाला चिकित्सा (विकृति विज्ञान एवं रक्त कोष)

1. एमओएफ / पीएपी पी1 के विकास के कारक के रूप में प्रवेश के दिन कोलेस्टेरूल का स्तर।
2. आघात के नैदानिक निदान के रोगियों में सी. के. सी. के एम बी, मूत्रीय मायोग्लोबिन का पता लगाने की भूमिका का मूल्यांकन।
3. ट्रॉमा के मरीजों के आधार आवश्यकता का निर्धारण करने में आधान स्कोर की प्रयोज्यता।
4. एक टेरटरी केयर ट्रॉमा सेंटर में सिर पर चोट के मरीजों के बीच ऑडिटिंग प्लेटलेट का उपयोग और घटना एवं प्लेटलेट को दुराग्रह को प्रभावित करने वाले नैदानिक कारकों का अध्ययन।

तंत्रिका शल्य चिकित्सा

1. ट्रॅामाटिक ब्रेचियल प्लेक्सो इंजरी – शल्यक परिणामों का विश्लेषण।
2. गंभीर घाव मस्तिष्क की चोट के बाद कार्यात्मक एवं संज्ञानात्मक रिकवरी : एक तृतीयक आधान केयर केन्द्र में क्रास सेक्शनल अध्ययन।
3. एनुरिज्मल सब आर्चोनोड हैमरेज के बाद कार्यात्मक परिणाम में सुधार एवं दासोसपम की रोकथाम में सिमवोस्टिन की भूमिका : एक अगद्रर्शी, यादृच्छिक डब्ल ब्लाइंड प्लेस बेड नियंत्रित परीक्षण।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. लेवल – 1 ट्रॉमा सेंटर में चेस्ट ट्रॉमा के परिणाम, कठोरता एवं परिणाम का पूर्णव्यापी तथा अग्रदर्शी अध्ययन (सर्जरी, विकिरण निदान, संवेदनाहरण)।
2. लेवल – 1 ट्रॉमा सेंटर में ट्रॅामेटिक – हिपेटोबिलिटी और पैनक्रिएटिक जख्म परिणामों की कठोरता एवं परिणाम का पूर्वव्यापी एवं उत्तरव्यापी मूल्यांकन (सर्जरी, विकिरण निदान एवं जठरांत्र रोग विज्ञान)।
3. पैन्क्रियाज के स्यूडोसिस्ट का लेपेरोस्कोपिक बनाम इंडोस्कोपिक डेरेनेज की तुलना करते हुए उत्तरव्यापी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (सर्जरी, विकिरण निदान एवं जठरांत्र रोग विज्ञान)।
4. वयस्क रोगियों में लेपेरोस्कोपिक वंक्षण हर्निया की मरम्मत के लिए ट्रांसवर्सेस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक के एनालजेसिक प्रभावकारिता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (सर्जरी और अनेस्थेसिया)।
5. हिमोडायलेसिस के लिए आर्टियोवेनस फिशटूला में इमेजिंग एवं इंटरवेंशन (सर्जरी, विकिरण निदान, वृक्क विज्ञान)।
6. एक टेरटरी केयर में सीकेडी रोगियों में एवी फिस्टूला क्रिएशन के परिणाम का अध्ययन (सर्जरी, वृक्क विज्ञान, विकिरण निदान)।
7. लाइव संबंधित दाता गुर्दा प्रत्यारोपण में इम्यून से जुड़े अणुओं का नैदानिक प्रासंगिकता (सर्जरी, वृक्क विज्ञान, प्रत्यारोपण प्रतिरक्षा विज्ञान)।
8. इनसिजनल और उदर हर्निया का लेपेरोस्कोपिक जाल रिपेयर हेतु एबसेटिकल ट्रैकर बनाम गैर एबसोरबल टैकर–भावी यादृच्छिक नियंत्रण दीर्घकालिक, परिणाम, पुराने दर्द, जाल निर्धारण केन्द्रों के दो तकनीकों के बाद जीवन और लागत प्रभावशीलता की गुणवत्ता की तुलना करने के लिए अध्ययन (सर्जरी, संवदेनाहरण एवं मनोरोग)।
9. पित्त पथरी रोग के उपचार के दो तौर तरीकों के साथ मानक 4 पोर्ट लेपेरोस्कोपिक कोलेस्मिस्टोमी के साथ एकल चीरा लेपेरोस्कोपिक कोलेक्टोमी का परिणाम की तुलना भावी यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (सर्जरी, संवेदनाहरण और विकिरण विज्ञान)।
10. लेपेरोस्कोपिक संपूर्ण एक्स्ट्रापेरिटोरियल रिपेयर (टीईपी) तथा ट्रांसएब्डोमिनल प्रीपेटीटोनियल (टीएपीपी) इगुनल हर्निया रिपेयर करवा रहे रोगियों के लैगिक कार्यक्षमता, वक्षण कार्य, एवं जीवन की गुणवत्ता का एक अग्रदर्शी यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन (सर्जरी, विकिरण विज्ञान, मनोचिकित्सा, एवं प्रजनन जैव विज्ञान)।
11. लेपेरोस्कोपिक वृक्क उच्छेदन बनाम ओपन डोनर वृक्क उच्छेदन के बाद जीवन की गुणवत्ता का तुलनात्मक परिणाम का एक अग्रदर्शी अध्ययन (सर्जरी, विकिरण विज्ञान, मनो चिकित्सा, वृक्क विज्ञान)।

12. कनकोमिटेंट गाल स्टोन्स और कामन बाइल डक्ट स्टोन्स से पीड़ित रोगियों के सिगल स्टोन्स बनाम दो स्तरीय प्रबंधन के बाद जीवन की गुणवत्ता की तुलना करना – एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (सर्जरी, विकिरण विज्ञान, जठरांत्र रोग विज्ञान, मनो चिकित्सा, सामुदायिक चिकित्सा)।
13. कॉनकमिटेंट गॉल स्टोन्स तथा कामन बाइल डक्ट स्टोन के रोगियों में विफल एंडोस्कोपिक स्टोन निष्कर्षण के पश्चात लेपेरोस्कोपिक अन्वेषण तथा कॉमन बाइल डक्ट के प्राथमिक लेपेरोस्कोपिक अन्वेषण के पश्चात परिणामों की तुलना का एक अग्रदर्शी अध्ययन (सर्जरी, सामुदायिक चिकित्सा, विकिरण विज्ञान एवं जठरांत्र रोग विज्ञान)।
14. वक्ष कैंसर से पीड़ित रोगियों में इंटरल्यूकिन 10 के प्रसार का अध्ययन करना और इसका स्तर, ऊतक विज्ञानी ग्रेडिंग और हारमोन रिसेप्टर स्टेट के साथ संबंध (सर्जरी, विकृति विज्ञान)।
15. गुरदा प्रतिरोपण रोगियों में ट्रैकरोलिमस के प्रतिकूल प्रभावों और ग्राफ्ट फंक्शन के टाटकोलिमस के रक्त स्तरों का सह संबंध और जीवन की गुणवत्ता का एक अग्रदर्शी अध्ययन।
16. टीईजी उपयोग करके कोगुलेशन प्रोफाइल पर इंटरा ऑपरेटिव अवधि के दौरान इंटरावेनश फ्लूड का उपयोग के प्रभाव का अध्ययन करना (संवेदनाहरण, प्रयोग शाला चिकित्सा)।
17. जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र में सीएसएसडी और लॉन्ड्री सेवाओं की लागत (सर्जरी और अस्पताल प्रशासन)।
18. घातक और आक्रामक हड्डी के ट्यूमर के आर्थोडिसेस ऑफ नी बनाम ऑर्थोप्लास्टी में नैदानिक और विकिरण विज्ञार परिणामों का तुलनात्मक अग्रदर्शी एवं भूतलक्षी अध्ययन (विकिरण निदान एवं अस्थि रोग विज्ञान)।
19. कुल कूल्हें और घुटने संधि संधान के दौर से गुजर रहे भारतीय रोगियों में एस्पिटिन के साथ – साथ रूक रूक कर संपीड़न डिवाइस बनाम हिपरिन कम आण्विक वज़न के साथ थ्रोम्बोप्रोफिलेक्सिस की भूमिका का अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (विकिरण विज्ञान एवं अस्थि रोग विज्ञान)।
20. ट्रामेटिक एवं चिकित्साजनिक चेहरे के तंत्रिका चोट के साथ मामलों में चोट पैटर्न और दर्दनाक मेडिकल सर्जिकल उपचार के परिणाम का मूल्यांकन (विकिरण निदान एवं नाक, कान एवं गला रोग)।
21. इथियोडल पोल्पी से पीड़ित रोगियों में एट्रल मुकोसल परिवर्तनों का नैदानिक विकृति विज्ञानी अध्ययन (विकिरण निदान एवं नाक, कान एवं गला रोग)।

जारी

1. एसिटाबुलर भंग में एमडीसीटी
2. एसीएल पुनर्निमाण में एमडीसीटी
3. कामन वित्त वाहिनी पथरी और गाल स्टोन से पीड़ित रोगियों में सिंगल स्टेज बनाम द्वितीय स्टेज उपचार की तुलना करना एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (विकिरण निदान एवं सर्जरी)।
4. एक लेवल 1 ट्रॉमा केन्द्र में ट्रॉमेटिक हिपेटोबाइलरी एवं अग्नाशय चोटों के परिणाम और परिणाम और तीव्रता का पूर्वव्यापी और भावी मूल्यांकन (विकिरण निदान, सर्जरी, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र)।
5. क्रोनिक पेरीटोनियल डायलेसिस रोगियों में कारोटिड इनटिमल मीडिया थिकनेस और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, इंडोथिलियल दुष्क्रिया पर एन – एसिटीस्टेन का प्रभाव – एक खुला लेब्लड यादृच्छिक परीक्षण (विकिरण निदान, वृक्क विज्ञान)।
6. चिरकारी गुरदा रोग के मरीजों जो कि डायलेसिस पर नही है, मेकारोटिड आर्टी इनटीमल मीडिया थिकनेस की प्रगति का मूल्यांकन और इंडोथिलियल दुष्क्रिया और जैव रसायन पैरामीटरों के साथ इसका संबंध (विकिरण निदान एवं वृक्क विज्ञान)।
7. रीढ़ की हड्डी में चोट के रोगियों में ऊपरी गेस्टोइंटेस्टाइनल विकारों की व्यापकता का पता लगाने के लिए एक क्रॉस – सेक्शनल अध्ययन (विकिरण निदान, भौतिक चिकित्सा एवं पुर्नवास)।
8. छोटे हिपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा के उपचार के लिए परकुटेनियस एसिटिक एसिड चिकित्सा बनाम रेडियोफ्रिक्वेंसी पृथक के बेतरतीब नियंत्रित परीक्षण (विकिरण निदान, जठरांत्र रोग विज्ञान)।
9. अनुच्छेदनीय हिपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा के उपचार में ट्रांस आर्टेरियल कोमोइम्बोलाइजेशन (टीएसीई) बनाम टीएसीई प्लस ओरल कीमोथैरेपी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (विकिरण निदान, जठरांत्र रोग विज्ञान)।
10. अनुच्छेदनीय हिपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा के उपचार में मौखिक कीमोथैरेपी बनाम ट्रांस धमनी कीमोथैरेपी (टीएसी) के नियंत्रण यादृच्छिक परीक्षण (विकिरण निदान, जठरांत्र रोग विज्ञान)।
11. ट्रांस धमनी कीमोथैरेपी और ट्रांस धमनी कीमोइंबोलाइजेशन के दौर से गुजर रहे हिपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा रोगियों में गुर्दे की विफलता की रोकथाम में एन एसिटिल का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (विकिरण निदान, जठरात्र रोग विज्ञान)।
12. अनुच्छेदनीय हिपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा के उपचार में सहायक चिकित्सा बनाम मौखिक कीमोथैरेपी के नियंत्रण यादृच्छिक परीक्षण (विकिरण निदान, जठरांत्र रोग विज्ञान)।

13. बुल्बार मोटा न्यूरॉन रोग के लिए गर्भनाल रक्त स्टेम सेल कोशिका एकल रोगी परीक्षण (बाल शल्य चिकित्सा, स्टेम सेल सुविधा, प्रत्यारोपण प्रतिरक्षा विज्ञान, तंत्रिका संवदेनाहरण, तंत्रिका विज्ञान सामान्य शल्यक)।
14. मल्टीपल ट्रॉमा विकटिम सहित और हैड क्षति के रोगियों में क्रमानुसार अनुमानित सीरम प्रोकालसिटोनीन के प्रोगनेस्टिक वेल्यू मापना (सूक्ष्मजैव विज्ञान एवं तंत्रिका संवेदनाहरण)।
15. वक्ष आघात में नसों में दो दवा पीड़कनाश बनाम दो अल्फा सांद्रता में बुपिवैक्सिन और ओपिआएड के साथ वक्ष एपीड्यूल एनलजिया की प्रभावकता और सुरक्षा का यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन (सर्जरी, संवदेनाहरण)।
16. जय प्रकाश नारायाण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र पर ओ.टी. सेवाओं की लागत निकालना (सर्जरी, अस्पताल प्रशासन)।
17. ट्रामेटिक लिवर क्षतियों के मूल्यांकन में एम डी सी टी की भूमिका (विकिरण निदान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 73 **सार : 3** **पुस्तकों में अध्याय : 4**

रोगी उपचार

विकिरण विज्ञान

जांच का विवरण

जांच / विशेष प्रक्रियाओं का नाम	**संख्या**
रूटीन एक्स – रे	
• ओ. पी. डी. • इनडोर • आपात • पोर्टेबल **कुल**	7774 3721 47,742 22,297 **81,534**
फ्लोरोस्कोपिक अध्ययन	**219**
अल्ट्रा साउंड	**15,454**
सी.टी.	**17632**
डिजीटल सबट्रैक्शन रजियोग्राफी (डीएसए)	**112**
एम आर आई	**1044**
कुल योग	**1,15,995**

प्रयोगशाला चिकित्सा

प्रयोगशाला चिकित्सा में कुल निष्पादित परीक्षण = 10,38,694

हिमेटोलॉजी

हीमोग्लोबीन	43,124	टी एल सी	43,124
विभेदी काउंट	28,534	एच सी टी	43,124
आर बी सी	43,124	एम सी एच	43,124
एम सी एच सी	43,124	एम सी वी	43,124
आर डी डब्ल्यू	43,124	प्लेटलेट काउंट	43,124
रेटिकुलोसाईट काउंट	13,173	ई एस आर	6,013
आर बी सी मोर्फोलॉजी	1883	ब्लड पैरासाइट	4,315
कुल	**4,42,034**		

कोएगुलेशन

पी टी	29,825	ए पी टी टी	29,180
टी टी	923	फाइब्रीनोजेन	853
थ्रोम्बोइलास्टोग्राफी (टी ई जी)	2234	डी–डाइमर	678
कुल	**63,733**		

क्लीनिकल पैथोलॉजी

यूरीन रूटीन एवं माइक्रोस्कॉपी	4,374	यूरीन माइयोग्लेबीन	623
सी एस एफ माइक्रोस्कॉपी	2,483	फैट ग्लोब्यूल्स	86
कुल	10,466		
हिमैटोलॉजी सेक्शन में किए गए कुल जांच	5,13,193		

बायोकैमिस्ट्री

शर्करा	9770	यूरिया	38,045
क्रीएटीनाइन	38,045	कैल्शियम	24,620
फोसफोरस	25,100	यूरिक एसिड	23,827
सोडियम	37,924	पोटेशियम	37,863
कुल बिलीरुबिन	25,417	प्रत्यक्ष बिलीरुबिन	25,386
कुल प्रोटीन	22,113	एल्बुमिन	22,110
एस जी ओ टी	21,175	एस जी पी टी	21,159
ए एल पी	20,768	कोलेस्ट्रोल	5,062
एमीलेज	4,668	एच डी एल डी	1,418
एल डी एल डी	1,418	टी जी	1,452
वी एल डी एल	1,418	जी के	469
सी आर पी	4	एम जी	1,374
लीपेज	11	सी के – एम बी	20
सी एस एफ शर्कर	1,618	सी एस एफ प्रोटीन	1,618
पेरीटोनीयल फ्ल्यूड शर्कर	112	पेरीटोनीयल फ्ल्यूड शर्कर	108
यूरीन प्रोटीन	115	यूरिन प्रोटीन	112
ड्रेन फ्ल्यूड एमीलेज	27	यूरिनरी सोडियम	10
यूरिनरी पोटेशियम	10	यूरिनरी कैल्शियम	80
यूरिनरी क्रीएटीनाइन	80	सीरम ओस्मोलेलिटी	20

ए बी जी

पी ओ2	10,535	पी सी ओ 2	10,535
पी एच	10,535	एच प्लस	10,535
पोटेशियम (के)	10,535	सोडियम (एन ए)	10,535
कैल्शियम (सीए)	10,535	सीआई	10,535
बायोकैमिस्ट्री सेक्शन में किए गए कुल	**4,98,599**		

माइक्रोबायोलॉजी

कल्चर	12198	बैक्टीरियल पहचान	3408
एंटीबॉडीज सेंसिटीविटी	3408	एच आई वी सिरोलॉजी	944
हिपाटाइटिस बी सिरोलॉजी	932	हिपेटाइटिस सी सिरोलॉजी	931

अस्पताल संक्रमण निगरानी कल्चर	3389	सीरम प्रोकैलकिटोनिन	137
माइक्रोबायोलॉजी सेक्शन में किए गए कुल	**25,347**		

हिस्टोपैथेलॉजी

संसाधित नमूने	688	ब्लॉकों की संख्या	1117
स्लाइडों की कुल संख्या	1585		
स्टेन			
हिमेटोटोक्सिलीन एवं ओसिनन	1337	एसिड फास्ट बासिली स्टेनिंग	130
पिरीयाडिक एस्डि एवं चिम स्टेनिंग	44	सिल्वर मिथेमाइन स्टेनिंग	33
पीएटी स्टेगिंग	30	वी वी जी स्टेन	7
मासून ट्राइक्रोम	4		
कुल स्टेंस डन	1585		

न्यायिक चिकित्सा

1. जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र में निष्पादित चिकित्सा विधिका पोस्टमार्टम्स : 937
2. आपात सेवाएं : विभाग द्वारा जटिल चिकित्साविधिक मामलों के लिए कैजुएल्टी में दिन रात सेवाएं प्रदान की।
3. विशेषज्ञ साक्षी के रूप में विभाग के संकाय / रेजीडेंट द्वारा न्यायालय उपस्थित हुए।
4. नैदानिक न्यायिक चिकित्सा : माननीय न्यायालयों, सी बी आई तथा अन्य जांच एजेंसियों द्वारा संदर्भित मामलों में शामिल।
5. चिकित्सीय विषाक्तता : विषाक्तता सुविधाएं विकसित की जा रही है।

चिकित्सा सामाजिक कार्य एकाई

। कुल 322 अज्ञात, अनअटैंडेंट, निर्धन रोगियों जिनके पास बीपीएल राशन कार्ड था, एवं निर्धन रोगी जिनके पास बीपीएल राशन कार्ड नहीं था, हेतु छूट प्रदान की गई।

विभाग	आंतरिक रोगी		बाहर रोगी	
तंत्रिका शल्य चिकित्सा	101	7,21,492	6	17060
ऑथ्रोपेडिक	19	2,68,575	3	8500
सर्जरी	18	5,18,000	2	1000
तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान	1	1,500	0	0
कुल	139	15,09,567	10	26,560

1. निर्धन रोगियों (बीपीएल कार्डधारक नहीं) हेतु भुगतान की छूट प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने के लिए एक 'सामाजिक आर्थिक आकलन' हेतु प्रारूप को विकसित किया गया।
2. 281 अज्ञान / बेसहारा रोगियों का पुनर्वास किया गया। इनमें से 242 को उनके घर और 39 को विभिन्न शेल्टर होम्स में पुनर्वास किया गया।
3. अज्ञात / बेसहारा रोगियों के पुनर्वास की प्रक्रिया का अंकन करने हेतु एम एस डब्ल्यू एकक तथा एक प्रारूप के सेट का डिजाइन किया गया है जो कि एम एस डब्ल्यू एकक और वार्ड के बीच के संचार तथा पुल का कार्य कर रहा है।
4. अगस्त 2012 से मार्च 2013 के बीच एम एस डब्ल्यू एकक द्वारा 66 हर्निया के दान में समन्वय किया गया।
5. एम एस डब्ल्यू एकक के सौजन्य से रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया और 321 यूनिट रक्त को संग्रहित किया गया। जेडीएसकेएस गैर सरकारी संगठन के कौंसलर के सहयोग के साथ एमएसडब्ल्यू एकक था। रक्त प्रतिस्थापन कौंसिलिंग का आयोजन किया गया।
6. छूट की प्रक्रिया को मानकीकृत करने के लिए प्रारूप छूट मार्गदर्शन का विकास किया गया।
7. एम एस डब्ल्यू एकक द्वारा अभी हाल ही में एम्पुटेशन क्लीनिक के बहु उद्देशीय दल के द्वारा एम्पटी पेशेंट के पुनर्वास रोगियों के लिए फंड की व्यवस्था हेतु तथा आवश्यकतानुसार व्यावसायिक प्रशिक्षण की व्यवस्था करने में एक चुनौतिपूर्ण कार्य किया
8. कुल 12 रोगियों को परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया अर्थात् ग्रीफ एंड बीनिपरमेंट काउंसिलिंग। गेरिटल डिकार्ड एवं वोकेशनल काउंसिलिंग आदि।

9. बिलों की प्रतिपूर्ति के लिए सत्यापन की प्रक्रिया को सरल और कारगर बनाने में एम एस एस ओ की भूमिका महत्वपूर्ण है। 120 रोगियों के बिलों का सत्यापन किया गया।
10. एमएसडब्ल्यू यूनिट गरीब मरीजों के लिए धन की व्यवस्था के लिए विभिन्न सरकारी एजेंसियों /योजनाओं जैसे कि राष्ट्रीय रोगी सहायता निधि, स्वास्थ्य मंत्री के विवेकाधीन अनुदान, प्रधानमंत्री राहत कोष आदि के साथ समन्वय कर रहे हैं।
11. बेहतर रोगी कल्याण गतिविधियों के लिए विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संगठनों यथा दीन दयाल उपाध्याय विकलांग संस्थान, भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, डीनिप केयर, किवासिस कृत्रिम अंग केन्द्र आदि के साथ समन्वय किया गया।
12. निःशुल्क दवाओं एवं सहायता / उपकरणों के निर्धय रोगियों के प्रदान किया गया जैसे कि पहिया कुर्सिया (40), चलने फिरने से सहायक यंत्र / उपकरण (18), सक्शन मशीन (23), एयर / वाटर मैट्रस (1), कम्मोड चेयर्स (5), स्टीम इनहेलर (3), पट्टी (2) और सपना एनजीओ की सहायता से मेटेलिक ट्यूब (10)।

चिकित्सा अभिलेख अनुभाग, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र

पूर्ण सांख्यिकीय डेटा निम्नानुसार हैं

1.	**कुल बिस्तर क्षमता**	**186**		
	वार्ड वेड	120	आईसीयू वेड द्वितीय तल	16
	आईसीयू वेड तृतीय तल	20	ट्राइएज	30
	कुल उपयोगरत बिस्तर	**176**		
	वार्ड वेड	144	आईसीयू वेड द्वितीय तल	20
	आईसीयू वेड तृतीय तल	12		
2.	**सांख्यिकी एक नजर में**			
	कुल कैजुएल्टी उपस्थिति	57004	औसत प्रतिदिन	156
	कुल प्रवेश	5254	औसत प्रवेश प्रतिदिन	14
	ठहरने की औसत अवधि	11 दिन	कुल फॉलोअप ओपीडी रोगी	31216
3.	**कैजुएल्टी में कुल रोगी**	**57004**		
	पुरुष	43430	महिलाएं	13574
	एमएलसी	25993	गैर एमएलसी	31011
4.	**कुल अनवुर्तन उपचार ओपीडी रोगी**	**31216**		
	नए रोगी	12455	पुराने (पुनःदौरा)	18761
	पुरुष	24548	महिलाएं	6668
	विशिष्ठतावार विवरण			
	अस्थिरोग	17868	सर्जरी	7221
	तंत्रिका शल्यचिकित्सा	6127		
5.	**कुल प्रवेश**	**5254**		
	विशिष्ठतावार विवरण			
	अस्थिरोग	1691	सर्जरी	1870
	तंत्रिका शल्यचिकित्सा	1686	आपात चिकित्सा	7
6.	**कुल निष्पादित ऑपरेशन**	**5773**		
	बड़े	5290	छोटे	483
	विषयवार विवरण			
	अस्थिरोग	2240	सर्जरी	2137
	न्यूरोसर्जरी	1339	मूत्र रोग विज्ञान	57
7.	**कुल मृत्यु**	**959**		
	मृत्यु रोगी संख्या	328		
	48 घण्टे के बाद मृत्यु	287	48 घण्टे के अंदर मृत्यु	344
	शुद्ध मृत्युदर	6 प्रतिशत	सकल मृत्युदर	12 प्रतिशत

बिस्तर उपभोग दर	86 प्रतिशत	बिस्तर टर्न ओवर दर	30 रोगी / बिस्तर

ंद्रीय पंजीकरण और आपात पटल

अपनी अवस्थिति के कारण सीआरसी ने जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र में आपात सेवा का कार्य शुरू किया है। जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र के पटल पर लगभग 400 से 500 रोगियों को पहली बार देखा और पड़ताल किया जाता है और इसमें से 90 प्रतिशत की इस स्तर पर छंटाई की जाती है। यह रोगी उपचार, अनुवर्ती संगठनात्मक ढांचे, अस्पताल प्रशासन और संबंधित सेवाओं के संबंध में मरीजों, संबंधित / परिचरों, पुलिस, मीडिया और आम जनता को जानकारी उपलब्ध करा रहा है। इस स्तर पर अधिकांश मामलों के सफल निपटान का परिणाम यह है कि दूसरे सेक्शन इस प्रकार अपना कीमती जनशक्ति; जन घण्टे और कार्य के विघटन से बचते हुए सीधे इन मामलों का सामना करने से बचे हैं जिससे संपूर्ण कार्य सामान्य दिशा में हो रहा हो। प्रवेश के समय ही बहुत सारे विजिटरों के प्रश्न की संतुष्टि अपने आप संपूर्ण मौजूदा सुविधाओं के बेहतर प्रबंधन में मदद करते हुए ट्रॉमा सेंटर के भीतर भीड़ और भाड़ को कम करती है। वर्तमान में, केन्द्रीय पंजीकरण पटल पर तीन अलग समर्पित काउंटरों वाले बहुकार्यात्मक इमर्जेंसी रिसेप्शन के रूप में निम्नलिखित कार्यों का निष्पादन किया जाता रहा हैं :– (क) दिन – रात आपात पंजीकरण (ख) रात–दिन वार्ड / आई सी यू दाखिला। (ग) जांच पड़ताल कागजात मंजूरी काउंटर।

अनुवर्ती ओ. पी. डी. पंजीकरण काउंटर

पंक्ति प्रबंधन प्रणाली के संबंध में विगत वर्ष शुरू किए गए सुधारों के अतिरिक्त चिकित्सा / फिटनेस तथा प्रतिपूर्ति दावों के प्रमाणन के लिए एकल स्थल निपटान प्रणाली शुरू की गई थी। सभी संबंधित विशेषताओं के लिए सायंकालीन ओ. पी. डी. की शुरूआत की रिपोर्टिंग वर्तमान वर्ष में की गई।

मुख्य मेडिकल रिकॉर्ड विभाग

उपर्युक्त के अलावा, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र का चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (एम आर एस) पहला सरकारी अस्पताल है, जिसने वर्ष 2008 में एनडीएमसी में मृत्यु का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू किया गया था तथा यह सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है और निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के बाद मृतक से संबंधित को समन्वित भी कर रहा है। इस वर्ष एमआरएस ने जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र में सभी सूचित मृत्यु को आईसीडी 10 कोडिंग को आरंभ किया गया है। बैकलॉग सहित करबी 6000 केसशीट / रिकॉर्ड को कोडिंग किया गया। जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र द्वारा दिल्ली के साथ साथ अन्य पड़ोसी राज्यों में विभिन्न माननीय न्यायालयों से समनों पर नियमित रूप से कार्यवाही कर रहा है। पिछले वर्ष से सूचना की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई इस अवधि के दौरान कुल 1979 (दिल्ली के अंदर 1830, एवं दिल्ली के बाहर 149) समनों का निष्पादित किया गया। जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र द्वारा दोनों मामलों में, चाहे जीवित हो अथवा मृत, मरीजों के विभिन्न बीमा पॉलीसी के मामलों को भी निपटा रहा है, जो यहां पर भर्ती हुए थे। इस अवधि के दौरान ऐसे कुल 69 मामलों का संपादन किया गया। पिछले वर्षों के दौरान एम आर एस ने एक्स रे जारी करने के लिए और विकिरण निदान से एक्स रे एकत्र करने हेतु सहयोग करने तथा उन्हें पुलिस को सौंपने के लिए पुलिस अनुरोधों पर विचार किया। इस अवधि के दौरान कुल 938 ऐसे मामलों का निपटान किया गया था। एस आर एस दिल्ली राज्य / केंद्र सरकार को वर्ष के दौरान ट्रॉमा केन्द्र में भर्ती हुए मरीजों / पीड़ितों से संबंधित सूचना (सहायता / क्षतिपूर्ण आदि के लिए) जारी करने में शामिल हैं। विभिन्न आवेदकों द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत उठाए गए प्रश्नों के उत्तर भी एम आर एस द्वारा 35 मामलों में उपलब्ध कराए गए थे। एम आर एस ने आधारभूत ढांचे के साथ साथ निरंतर कंप्यूटर सुविधा के लिए इनपुट उपलब्ध कराए हैं; ताकि संपूर्ण पंजीकरण की प्रक्रिया के चरणबद्ध रूप से कंप्यूटरीकृत किया जा सके। जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र में पुलिस पोस्ट में पड़े 16000 इलेक्ट्रॉपिक एम एल सी रजिस्टरों की अभिरक्षा के एक चरणबद्ध तरीके से निष्पादित किया जा रहा है। लगभग 15,126 मामलों के लिए संकाय / रेजीडेंट / स्टाफ / प्रयोगशाला स्टाफ / कंप्यूटर सुविधा सहित केस फाइलें (3615 अनुसंधान + 11511 स्केनिंग) पुनः प्राप्त की गई।

ब्लड बैंक

रक्तदान कॉम्प्लेक्स

माह	संवीक्षित दाता	रक्तदान वाले दाता	प्रतिस्थापक दाता			स्वैच्छिक दाता			स्वैच्छिक दाता	
			महिला	पुरुष	कुल	महिला	पुरुष	कुल	अंतरंग	बहिरंग शिविर
अप्रैल	939	816	13	710	723	3	90	93	93	0
मई	910	804	1	719	720	3	81	84	84	0
जून	792	715	4	603	607	4	104	108	108	0
जुलाई	854	763	5	660	665	1	98	99	99	0
अगस्त	1121	1005	2	620	622	26	357	383	142	241
सितम्बर	981	910	2	653	655	4	251	255	94	161
अक्तूबर	1022	879	0	610	610	40	229	269	148	121
नवम्बर	786	709	2	622	624	2	83	85	85	0
दिसम्बर	1021	917	1	617	618	32	267	299	134	165
जनवरी	606	590	3	478	481	3	106	109	109	शून्य
फरवरी	727	656	3	559	562	2	92	94	94	शून्य
मार्च	737	646	3	506	509	5	131	136	118	18
कुल	**10496**	**9410**	**39**	**7357**	**7396**	**125**	**1889**	**2014**	**1308**	**706**

स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों की संख्या : 7

स्वैच्छिक रक्तदान दाता : 201

संघटक पृथक्करण प्रयोगशाला

माह	तैयार किया गया आरबीसी पैक	तैयारकृत ताजा आर बी सी प्लाज्मा	तैयार प्लेटलेट	तैयार किया गया क्रायोप्रेसीपिटेंट
अप्रैल	816	764	625	59
मई	802	727	645	67
जून	715	678	631	55
जुलाई	763	734	690	14
अगस्त	1005	943	694	22
सितम्बर	910	899	625	31
अक्तूबर	894	861	682	26
नवम्बर	709	686	621	31
दिसम्बर	917	820	720	22
जनवरी	590	542	512	26
फरवरी	656	598	542	41
मार्च	646	586	528	57
कुल	**9410**	**8838**	**7515**	**451**

रक्त तथा संघटकों का गुणवत्ता नियंत्रण : सभी यूनिटों का 1 प्रतिशत

संक्रामक मार्कर प्रयोगशाला तथा दाता परामर्श

माह	एचआईवी		एचबीएसएजी		एचवीसी		वीडीआरएल		एमपी	
	निष्पादित	रिएक्टिव	निष्पादित	रिएक्टिव	निष्पादित	रिएक्टिव	निष्पादित	रिएक्टिव	निष्पादित	रिएक्टिव
अप्रैल	814	3	844	10	813	4	832	4	801	शून्य
मई	830	3	852	15	853	8	867	3	835	शून्य
जून	753	2	755	16	757	4	773	4	739	शून्य

जुलाई	772	4	772	13	768	18	784	3	745	शून्य
अगस्त	1044	5	1040	8	1034	6	1064	6	1013	शून्य
सितम्बर	944	शून्य	945	15	944	6	962	7	908	शून्य
अक्तूबर	914	2	915	18	909	3	941	6	892	1
नवम्बर	727	3	731	9	736	7	749	4	708	शून्य
दिसम्बर	950	3	954	14	954	6	975	7	926	शून्य
जनवरी	608	0	609	7	609	6	619	2	588	शून्य
फरवरी	660	4	659	7	658	2	685	2	642	शून्य
मार्च	680	1	682	13	678	8	708	3	658	शून्य
कुल	**9696**	**30**	**9758**	**145**	**9713**	**78**	**9959**	**51**	**9455**	**1**

सूचित और परामर्शित कुलदाता – 61 वीसीटीसी को भेजे गए कुलदाता – 7

समूहीकरण प्रयोगशाला

माह	दाता समूहीकरण	रोगी समूहीकरण	कुल
अप्रैल	816	913	1729
मई	802	1071	1873
जून	715	1107	1822
जुलाई	763	1082	1845
अगस्त	1005	1021	1026
सितम्बर	910	986	996
अक्तूबर	879	1057	1936
नवम्बर	709	976	1685
दिसम्बर	917	902	1819
जनवरी	590	741	1331
फरवरी	656	855	1511
मार्च	646	951	1597
कुल	**9410**	**11662**	**21072**

आपातकालीन निर्गम पटल

माह	कुल प्राप्त नमूने	प्राप्त किए गए क्रॉस मैच की संख्या	बी आर बी सी निर्गर्मिन की संख्या	एफ एफ पी जारी किए गए	पी आर सी जारी किया गया	क्रायो जारी किया गया
अप्रैल 12	913	2031	796	606	500	58
मई 12	1071	2440	913	623	501	55
जून 12	1107	2414	832	788	615	50
जुलाई 12	1082	2183	862	729	623	41
अगस्त	1021	2186	864	749	558	22
सितम्बर 12	986	2294	802	680	471	29
अक्तूबर 12	1057	2375	838	549	556	12
नवम्बर 12	976	2119	785	625	488	24
दिसम्बर 12	902	2053	903	608	660	40
जनवरी 13	741	1685	647	459	181	30
फरवरी 13	855	1864	686	544	416	31
मार्च 13	951	2250	765	538	542	70
कुल	**11662**	**25894**	**10555**	**7498**	**6111**	**462**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य एम. सी. मिश्र ने 'सिल्वर जुबली मासीकॉन ओरेशन, एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया, नागपुर चैप्टर, 2012–13, इस्टालेशन एवं सीएमई 8 अप्रैल 2012, 21वीं सदी में इपिडेमिक : भारत में ट्रॉमा उपचार को सुधारने हेतु क्षमता निर्माण; प्रतिष्ठित कर्नल संघम लाल संभाषण जारी किया; राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के 52 वार्षिक सम्मेलन तमिलनाडु, डॉ. एम जी आर मेडिकल यूनिवर्सिटी, 12–14 अक्तूबर 2012। संभाषण शीर्षक : ट्रॉमा : एन इपिडेमिक ऑफ दी 21वीं शताब्दी : भारत में ट्रॉमा की सुधार हेतु क्षमता निर्माण : भाग–।। : ब्लंट एब्डोमिनल ट्रॉमा के प्रबंधन में बदलती हुई परिस्थितियां 13 अक्तूबर 2012; अध्यक्ष, सर्जिकल ड्रेसिंग एण्ड डिस्पोजेबल प्रोडक्ट्स सेक्शनल कमेटी एम एच डी – 16, भारतीय मानक ब्यूरो। 17 जनवरी 2013 को नई दिल्ली में बैठक; पी जी आई एम ई आर चंडीगढ़ में निदेशक नामित, एक रोगी की मृत्यु के पश्चात इसकी जांच हेतु पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में 17 जुलाई 2012 के क्रास इंजरी का अनुवर्ती उपचार 1; गैर संबंधी वृक्क प्रतिरोपण हेतु प्राधिकरण की समिति की अध्यक्षता; 'दि तमिलनाडु डॉ. एम जी आर मेडिकल यूनिवर्सिटी चेन्नई में विजिटिंग प्रोफेसर (राष्ट्रीय), ऑपरेशन थिरेटर असिस्टेंट (ओआरए) केन्द्र हेतु विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) के अध्यक्षता केन्द्र पर नामित; दिनांक 4 अगस्त 2012 के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज, लखनऊ (यूपी) भारत में 'कनेक्टेड विध ट्रॉमा : रिसपोंस, रिकवरी एण्ड रिसर्च' विषय पर सीएमई के उद्घाटन समारोह के सम्मानित अतिथि; दिनांक 20 जुलाई 2012 को अध्यक्ष, रोटरी क्लब, सफदरजंग दिल्ली के संस्थापन समारोह में सम्मानित अतिथि; 24–27 जून 2012 के मिचीगन विश्वविद्यालय में अतिथि आचार्य; दिनांक 15 अप्रैल 2012 के जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र के लाइव वर्कशॉप के उद्घाटन समारोह से सम्मानित अतिथि; इंडियन सोसाइटी ऑफ फुटेनियस सर्जन्स के सहयोग थे, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ डर्मेटोब्लोजिक सर्जरी; मुख्य अतिथि, एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया; गजियाबाद ब्रांच, सी एम ई, 15 अप्रैल 2012 और वहां पर 'आई ऑलवेज टू टीईपी रिपेयर' विषय पर वार्ता जारी की, मुख्य अतिथि, दिनांक 15 अप्रैल 2012 के जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र, एम्स में तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, द्वारा 'इंटरक्रेनियल प्रेशर मॉनीटरिंग विषय पर पहला राष्ट्रीय सीएमई एवं हैड्स ऑन वर्कशॉप का उद्घाटन, मुख्य अतिथि; सदस्यता सलाहकार पेनल हेतु नामित, एडवाइकिंग क्रेडेंसियल कमेटी हेतु सर्जरी, राष्ट्रीय अनुर्विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली वर्ष 2012 हेतु अकादमी की सदस्यता हेतु उम्मीदवारों के चयन, मुख्य अतिथि, एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया, नागपुर अध्याय, संस्थापन समारोह के दौरान, 2012–13, एवं सीएमई 8 अप्रैल 2012; सदस्य, एम्स में सर्जरी के सहायक आचार्य के चयन हेतु, चयन समिति 1 अप्रैल 2012; 31 मार्च – 1 अप्रैल 2012 अस्थि रोग विभाग, एम्स, कार्यशाला हिप आथ्रोप्लास्टी, चतुर्थ कैडवरिक के उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि का सम्मान प्रदान किया गया।

डॉ. संजीव लालवानी को अंतरराष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की सदस्यता प्रदान की गई; रायल सोसाइटी ऑफ यू. के. की सदस्यता; एकडेमी ऑफ फॉरेंसिक मेडिकल साइंस (यू.के); जर्मनी के सहायोग से एन ई टी एस के परियोजना सदस्य का सम्मान प्राप्त किया; समीक्षक, इंडियन जोनल ऑफ क्रिमनोलॉजी एंड क्रिमनेलिस्टिक; सत्रों की अध्यक्षता, सीईयूटीईएच – 2012। दिनांक 29 सितम्बर 2012 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सीईयूटीईएच 2012 में सत्र की अध्यक्षता की; सेमी मेक्स हॉस्पीटल दिल्ली के वार्षिक सम्मेलन में 7 नवम्बर 2012 के ई एम सीआएन 2012 में 'मेडिको – लीगल इशू' विषय पर सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. अरुलसेल्वी एस. ने महाराष्ट्र के महामहिम राज्यपाल श्री शंकर नारायण से (26 अक्तूबर 2012) के 'भारत अमेरिका शिक्षाविद एवं शोधकर्त्ता का वर्ष 2012 का पुरस्कार' 7वीं वार्षिक बैठक के साथ साथ आयोजित आपातकाल और आघात और भारतीय गंभीर बीमारी के नेटवर्क और चोट का ट्रांसलेशनल परीक्षण – विशेषज्ञों (इन सीटी) 27 अक्तूबर 2012 को प्राप्त किया।

डॉ. दीपक अग्रवाल को 22.5 लाख रु. से 2013 से प्रभावी एक 3 वर्ष की अवधि के लिए डी बी टी द्वारा प्रतिष्ठित टाटा इनोवेशन फैलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. सुमित सिन्हा इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरिफेरियल नर्वस सर्जरी के संस्थापक सदस्य एवं सचिव थे, ब्रिटिश जनरल ऑफ न्यूरो सर्जरी के समीक्षक ब्रिटिश मेडिकल जनरल; मॉलीक्यूलर एण्ड बायोकेमिकल पैरासिटोलॉजी, सुल्तान काबुल यूनिवर्सिटी मेडिकल जर्नल, जर्नल ऑफ न्यूटोलोजिकल सर्जन्स ऑफ इंडिया एवं सह संपादक, इंडियन जनरल ऑफ न्यूरो ट्रॉमा।

डॉ. विवेक त्रिखा वर्ष 2012–14 के लिए ऑथ्रोपेडिक इंडियन जर्नल के सहायक संपादक थे।

डॉ. बिप्लब मिश्रा संयुक्त सचिव; इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रॉमा एक्यूट केयर (आईएसटीएसी), सदस्य : एसोसिएशन फॉर ट्रॉमा केयर ऑफ इंडिया (एटीसीआई), सदस्य : इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ लेपेरोस्कोपिक सर्जन्स (आईसीएलएस) सदस्य : इंडियन हर्निया सोसाइटी (आईएचएस), एसोसिएशन फॉर ट्रॉमा केयर ऑफ इंडिया (एटीसीआई), एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया (एएसआई) एवं अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स।

डॉ. सुषमा सागर को अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स, यूएसए (एफ ए सी एस) 2012 की सदस्यता प्रदान की गई; कॉलेज ऑफ लेपेरोस्कोपिक सर्जन्स सोसाइटी (एफसीएलएस) 2012 की फेलोशिप; दिनांक 8 मार्च 2013 के पर्वतीय सांस्कृतिक संस्थान, दिल्ली द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अक्सर पर वोमेन सबस्टेंस एवार्ड प्रदान किया; दिनांक 12–14 दिसम्बर 2012 के (संगोष्ठी, विषय घाव देखभाल, बाल्टीमोर, अमेरिका) एसएडब्ल्यूसी में कागजात पेश करने के लिए 2012 डीएसटी (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग) द्वारा ट्रेवल फैलोशिप प्रदान किया गया; अनुसंधान पोस्टर समीक्षा एवं एडवांस्ड वुड्स केयर फॉल 2012 विषय पर संगोष्ठी, बाल्टीमोर, एमडी, यूएसए (सितम्बर 2012) पोस्टरों हेतु, क्या घाव देखभाल नर्स की भागेदारी रोगी संतोष और घाव भरने में सुधार करता है : स्तर से एक अनुभव 1 ट्रॉमा सेंटर, भारत परिधीय तंत्रिका सर्जरी के कार्यकारणी सदस्य भारतीय समाज; सदस्य, कोर आपदा प्रबंधन (एनआईडीएम) के राष्ट्रीय संस्थान के संकाय समूह शिक्षण, एचआईडीएम पर राष्ट्रीय स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम के लिए सबसे पहले प्रत्युत्तर दिशानिर्देश (2012) तैयार करने के लिए सदस्य समिति का सदस्य चुनी गई।

डॉ. अमित गुप्ता को डॉ. फीनी मेमोरियल ऑरेशन 2012 – का इंडियन एसोसिएशन ऑफ ट्रोमेटोलॉजी और क्रिटिकल केयर (एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स इंडिया एक भाग) प्रदान किया गया; सितम्बर 2012 में अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स की फैलोशिप प्रदान की गई; जून–जुलाई 2012 में मिचिगन मेडिकल स्कूल और जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र, एम्स के बीच ट्रॉमा उपचार के सहयोग हेतु मिचीगन विश्वविद्यालय, एन आरबोर, एम आई अमेरिका से अतिथि फैलोशिप अल्पकालीन प्रदान की गई; इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ लेपेरोस्कोपिक सर्जन्स (एफसीएलएस), 2012 की फैलोशिप प्रदान की गई, सदस्य, अध्यक्षपन परिषद, सिमुलेशन चिकित्सा विभाग, एस आर एम विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, भारत, 2012; सदस्य मर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ डिजास्टर एण्ड इमजेंसी मेडिसिन (डब्ल्यू ए डी ई एम) 2012–13, कार्यकारी सदस्य : आपात एवं ट्रॉमा हेतु शैक्षिक परिषद (एसीईटी)। भारत – अमेरिका आपात एवं ट्रॉमा सहयोग। आपात चिकित्सा विभाग एम्स के बीच एक सहयोग, आपात चिकित्सा विभाग, यू एस एफ, अमेरिका एवं स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू यॉर्क डॉन स्टेट, न्यूयॉर्क, अमेरिका – 2010–15।

डॉ. सुबोध कुमार को अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स, अमेरिका (एफएसीएस) 2012 की फैलोशिप प्रदान की गई, कॉलेज ऑफ लेपेरोस्कोपिक सर्जन्स (एफसीएलएस) 2012 की फैलोशिप प्रदान की गई, म्यांमार में अस्पतालों के अपग्रेडेशन के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार के तहत विकसित ट्रॉमा विकटिम के लिए प्री–हॉस्पिटल ट्रॉमा केयर एवं प्रबंधन हेतु राष्ट्रीय गाइडलाइन के तैयार करने वाली कोर ग्रूप के सदस्य; भारत नेपाल मैत्री 2012 की एक पहल के रूप में काठमांडू, नेपाल में ट्रॉमा सेंटर हेतु भारत सरकार, स्वास्थ्य मंत्रालय, एच एस सी सी द्वारा तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में नामित; सदस्य को कमेटी (प्रशिक्षण) : केन्द्रीयकृत आघात एवं ट्रॉमा सेवाओं (कैट्स) के नये भर्ती किए पैरा मेडिकल को प्रशिक्षण करना; राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में प्री–हॉस्पिटल ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट कोर्स 2012 – 13।

डॉ. मनीष सिंघल ने शिक्षण के क्षेत्र में योगदान के लिए 5 सितम्बर को डॉ. एस. राधाकृष्णन मेडिकल रिसर्च एवार्ड प्राप्त किया; कॉलेज ऑफ लेपेरोस्कोपिक सर्जन्स सोसाइटी (एफसीएलएस) की फैलोशिप प्रदान की गई, 2012; त्वचा के विकल्प । ऊतक इंजीनियरी एवं पुर्नजीवन चिकित्सा तकनीकी के उपयोग के साथ उन्नत घाव उपचार प्रैक्टिस का अध्ययन करने मिचीगन, अमेरिका में फैलोशिप के लिए युवा जैव चिकित्सा वैज्ञानिक 2012–13 हेतु आईसीएमआर अंतरराष्ट्रीय फैलोशिप हेतु चयन किया गया; इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ लेपेरोस्कोपिक सर्जन्स (एफसीएलएस) मार्च 2012 की फैलोशिप प्रदान की गई; संस्थापक सदस्य एवं संयुक्त सचिव : इंडियन एक्यूट केयर (आई एस टी ए सी); समीक्षक : जर्नल ऑफ कुटेनियस एण्ड एसेथिटिक सर्जरी; संपादकीय मंडल सदस्य : उन्नत घाव देखभाल, डी एन बी उम्मीदवारों हेतु के मिड टर्न परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक।

डॉ. शिल्पा शर्मा को जून 13–16, 2012 को 49वां बीएपीएस / ईयूपीएसए सम्मेलन, रोम में उपस्थित होने के लिए ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ पेडियाट्रिक सर्जन्स द्वारा जेम्स लिस्टर फैलोशिप 2012 प्रदान किया गया; 31 जुलाई 2012 को सीईयू, एम्स में 'हाउ टू राइट रिसर्च ग्रांट प्रपोजल' विषय पर कार्यशाला के दौरान टेस्ट पेपर पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. नवीन यादव इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो एनेस्थिसियोलॉजी एण्ड क्रिटिकल केयर के आजीवन सदस्य बने।

डॉ. नीरज कुमार इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो एनेस्थिसियोलॉजी एण्ड क्रिटकल केयर के आजीवन सदस्य बने।

डॉ. नवदीप सोखल इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो एनेस्थिसियोलॉजी एण्ड क्रिटकल केयर के आजीवन सदस्य बने।

सामुदायिक सेवाएं

आचार्य एम सी मिश्र

I. **दूरदर्शन समाचार**, दिल्ली द्वारा एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

1. दिनांक 8 जनवरी 2013 को 'टोटल हेल्थ' में लाइव फोन–इन–प्रोग्राम के दौरान 'रोड एक्सपीडेंट' पर वार्ता हेतु उपस्थित हुए।

2. दिनांक 30 दिसम्बर 2012 'लाइव न्यूज प्रोग्राम' के दौरान दिल्ली गैंग रेप महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित विषयों पर वार्ता हेतु उपस्थित हुए।

3. दिनांक 27 दिसम्बर 2012 के लाइव न्यूज प्रोग्राम के दौरान 'दिल्ली गैंग पीड़ित' स्वस्थ्य विषय पर वार्ता में शामिल हुए।

4. दिनांक 21 अक्तूबर 2012 के 'टोटल हेल्थ' में लाइव फोन – इन–कार्यक्रम के दौरान कैंसर विषय पर वार्ता में शामिल हुए।

5. दिनांक 10 जून 2012 'टोटल हेल्थ लाइव फोन इन कार्यक्रम के दौरान 'बढ़ते हुए सड़क दुर्घटनाएं' विषय पर वार्ता में शामिल हुए।

II. **दूरदर्शन** तथा विशेषज्ञ के रूप में राष्ट्रीय कार्यक्रम **में आमंत्रित किया गया।**

1. 57वां संस्थान दिवस के अवसर पर 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान देश में भूमिका – जन आकाशाओं के पूरा करने, विषय पर दिनांक 25 सितम्बर 2012 को सीधा प्रसारण राष्ट्रीय समाचार पर वार्ता हेतु शामिल हुए।
2. दिनांक 10 अगस्त 2012 को 'स्वस्थ भारत',मेडिकल एण्ड इन एक्सिडेंट्स विषय पर वार्ता में शामिल हुए।

3. दिनांक 8 नवम्बर 2012 के 'स्वस्थ भारत' 'पित्ताशय की पथरी' विषय पर वार्ता में शामिल हुए।

III. **दूरदर्शन** तथा विशेषज्ञ के रूप में राष्ट्रीय कार्यक्रम **में आमंत्रित किया गया।**

1. दिनांक 29 दिसम्बर 2012 के लाइव कार्यक्रम "लोकमंच" लोक सभा टीवी स्टुडियो नई दिल्ली में 'महिलाओं की सुरक्षा एवं मान–मर्यादा' विषय पर कार्यक्रम में उपस्थित हुए।
2. दिनांक 9 अक्तूबर 2012 को 'इनसाइड' शीर्षक कार्यक्रम हेतु एवं सभी के लिए स्वास्थ्य देखभाल, नैदानिक परीक्षण, स्वास्थ्य संसाधन, प्राइवेट अस्पतालों द्वारा विभिन्न प्रक्रियाओं के रेट्स को प्रदर्शित करने और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा परिवादों का पर्यवेक्षण करना' विषयों पर शामिल हुए। कार्यक्रम को 9 अक्तूबर 2012 को प्रसारित किया गया।
3. लाइव फोन इन प्रोग्राम शीर्षक "लिंग भेद" एवं "भारत में महिलाओं द्वारा रक्तदान" विषय पर वार्ता हेतु शाामिल हुए। यह कार्यक्रम 14 जून 2012 के प्रसारित किया गया।
4. दिनांक 22 अप्रैल 2012 के 'इन साइड' शीर्षक के तहत लोक सभा टीवी स्टुडियो एवं 'युवा मेडिकल स्नातक को एक वर्ष के लिए अनिवार्य ग्रामीण तैनाती' विषय पर वार्ता के लिए शामिल हुए। यह कार्यक्रम 22 अप्रैल 2012 को प्रसारित किया गया था।
5. दिनांक 27 अप्रैल 2012 को प्लोक मंच शीर्षक लाइव कार्यक्रम हेतु 'ग्रामीण स्वास्थ्य' विषय पर वार्ता में शामिल हुए।

IV. दिनांक 17.10.2012 को एफ एम रेन बो ऑल इंडिया रेडियो पर लाइव चैट में आमंत्रित विश्व ट्रॉमा दिवस के अवसर पर 'एक्सीडेंट एण्ड इमरजेंसीज' विषय पर वार्ता में तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में शामिल है।

v. 30 सितम्बर 2012 के लाइव टेलीकास्ट के दौरान 'स्नोगिंग' की समस्या विषय पर अतिथि विशेषज्ञ के रूप में 'इंडिया न्यूज' (हिन्दी) में आमंत्रित किया गया।

डॉ. शिल्पा शर्मा

1. दिनांक 22 – 24 जनवरी 2012 के बारांबंकी उ. प्र. में निर्धन रोगियों के शल्यक शिविर के 22 रोगियों का ऑप्रेशन किया गया यहां पर कुल 500 रोगियों का ऑप्रेशन किया गया।

अतिरिक्त सुविधाओं की स्थापना

1. एचडीयू
2. पीएसी क्लिनिक
3. न्यूरोएनेस्थिसिया क्रिटिकल केयर
4. ट्रॉमा में उपचाररत तीव्र वृक्क आघात एक टी सी 2 आईसीयू में डायलेसिस के अतिरिक्त।

10.6 राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

आचार्य एवं अध्यक्ष
रजत रे

आचार्य

राका जैन
राकेश लाल

अपर आचार्य
अंजू धवन

सह आचार्य
सोनाली झांजी
अतुल अम्बेडकर

सहायक आचार्य
एन. काव
रमन दीप पटनायक
प्रभु दयाल
गौरी शंकर कालोइया
यतन पाल एस बालहारा
रविन्द्र राव
अश्वनी के. मिश्रा
जय सिंह यादव
रचना भार्गव

वैज्ञानिक
अनीता चोपड़ा
हेम सेठी

उपलब्धियां

एनडीडीटीसी मादक पदार्थ के उपयोग पर डब्ल्यू एच ओ सहयोगी केन्द्र बना रहा (2012–16)। वर्ष 2012 – 13 के दौरान केन्द्र ने मादक दवाओं के उपयोग के क्षेत्र में इलाज, प्रशिक्षण और अनुसंधान के विषय में निश्चित प्रगति की है। नियमित ओ पी डी, तीन समुदायिक क्लिनिकों तथा तीन विशेषज्ञों क्लिनिकों में कुल 80,257 रोगियों को देखा गया था (5701 नए रोगी और 74,556 पुराने रोगी)। एनडीडीटीसी प्रयोगशाला में मादक पदार्थों (19 प्रकार के व्यसन पदार्थ) के उपयोग, जैव रसायन, हिमेटोलॉजी और एचआईवी छानबीन से संबंधित जांचों की सुविधा है। केन्द्र के संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), द ग्लोबल फंड टू फाइट एड्स, ट्यूबरकुलोसिस एण्ड मलेरिया (जी एफ ए टी एम), राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एस सी ई आर टी), चाइल्ड लाइन, इंडिया आदि जैसे संगठनों द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया। संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक निकायों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने के साथ राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों में तकनीकी विशेषज्ञ और प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के संपादकीय मंडल में कार्य किया। अनेक संकाय सदस्यों को व्यासायिक सम्मान और पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। वर्तमान में केन्द्र में जारी 12 अनुसंधान परियोजनाओं के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने निधिकरण किया है। उन्होंने अभिजात समीक्षित राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में अनेक लेख लिखे हैं और पुस्तकों / रिपोर्टों में अध्याय / पुस्तकें लिखी हैं। संकाय सदस्यों ने भारतीय मनोचिकित्सा संस्थान के लिए मादक पदार्थ पर निर्भरता और इनहेलेंट उपयोग के विकारों के लिए क्लिनिकल अभ्यास मार्गदर्शिका (भारत के लिए ऐसी प्रथम मार्गदर्शिका) के विकास में योगदान दिया है ।

शिक्षा

स्नातकपूर्व

एमबीबीएस छात्रों की उनकी मनोचिकित्सा तैनाती के दौरान केन्द्र पर एक दिन के लिए उनकी तैनाती की जाती है।

स्नातकोत्तर

एम. डी. (मनोचिकित्सा) करने वाले छात्रों की तैनाती उनके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की अवधि के दौरान 6 माह के लिए की जाती है।

पीएच डी और स्नातकोत्तर अध्यापन

- जर्नल चर्चा : साप्ताहिक*
- सेमिनार : साप्ताहिक*
- रोगी सम्मेलन : साप्ताहिक*
- संकाय / स्टाफ प्रस्तुतीकरण : साप्ताहिक*
- सी. सी. आर. और सी. जी. आर : प्रत्येक सेमिस्टर* में दो
- सेमिनार – साप्ताहिक (एन डी डी टी सी, गाजियाबाद)

*ये मनोचिकित्सा विभाग और केन्द्र की संयुक्त गतिविधियां हैं।
राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र व्यसन मनोचिकित्सा में पी.एच.डी कराता है।

केन्द्र द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / प्रशिक्षण पाठ्यक्रम / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. मैनेजमेंट ऑफ सबस्टेंट यूज़ डिसऑर्डर, एनडीडीटीसी, एम्स, गाजियाबाद, 16 अप्रैल 2012 में क्षमता निर्माण पर वार्षिक दिवस संगोष्ठी।

2. एनडीडीटीसी, एम्स, नई दिल्ली, 14 जुलाई 2012 में मैथोडोन मैंटेनेस ट्रीटमेंट (एमएमटी) के शुभारंभ के लिए बैठक

3. भूटान, एनडीडीटीसी, एम्स, गाजियाबाद, 23 जुलाई 2012 – 4 अगस्त 2012 के चिकित्सा व्यावसायिकों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।

4. बंगलादेश, एनडीडीटीसी, एम्स, गाजियाबाद, 24 सितम्बर – 6 अक्तूबर 2012 के चिकित्सा व्यावसायिकों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।

5. निमहांस, बैंगलोर, अक्तूबर 2012 ''नेशनल कैपिसिटी बिल्डिंगन ऑफ मेडिकल प्रोफेशनल ऑन ट्रीटमेंट ऑफ सबस्टेंस यूज डिस्ऑर्डर'' की गतिविधि के तहत राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहांस) में प्रशिक्षण कार्यक्रम।

6. भारत में मेथाडॉन रखरखाव उपचार पर समीक्षा और पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यशाला : एक बहुस्थल व्यवहार्यता और प्रभावशीलता अध्ययन, एनडीडीटीसी, एम्स, नई दिल्ली, 19 – 21 नवम्बर 2012।

7. ''एन असेसमेंट ऑफ पैटर्न, प्रोफाइल एण्ड कोरिलेट्स ऑफ ड्रग यूज एमंग एडोलसेंट्स इन इंडिया'' नामक परियोजना के तहत अनुसंधान अन्वेषकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण, एजवाल (1–2 मई 2012), पुणे एजवाल (26–27 नवम्बर 2012), केरल (13–14 दिसम्बर 2012) और नई दिल्ली (अप्रैल 2012 और दिसम्बर 2012)।

8. जीएफएटीएम परियोजना के तहत चिकित्सा डॉक्टरों और नर्सों, कार्यक्रम प्रबंधकों, परामर्शदाताओं, डेटा प्रबंधकों तथा गैर सरकारी संगठनों के कर्मचारियों के लिए एनडीडीजीटीसी द्वारा चिकित्सा कर्मचारियों तथा भारत के विभिन्न राज्यों में ओपियॉइड प्रतिस्थापन उपचार प्रदान करने वालों के क्षमता निर्माण को समर्थन देने के लिए 12 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए (नोडल आर टी टी सी के रूप में) (25–29 जून 2012, 9–13 जुलाई 2012, 6–10 अगस्त 2012, 30 अक्तूबर – 4 नवम्बर 2012, 26–30 नवम्बर 2012, 17 – 21 दिसम्बर 2012, 18–22 दिसम्बर 2012, 28 जनवरी – 1 फरवरी 2013, 14–16 फरवरी

2013, 20–21 फरवरी 2013, 11–15 मार्च 2013 और 18–22 मार्च 2013) इन 12 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में से 10 का आयोजन नई दिल्ली में तथा भुवनेश्वर और रायपुर में दो का आयोजन किया गया।

प्रदत्त व्याख्यान

रजत रे : 3 **राका जैन : 4** **राकेश लाल : 6** **अंजू धवन : 13**
सोनाली झांजी : 4 **अतुल अम्बेडकर : 8** **यतन पाल सिंल बलहारा : 18** **रमन दीप पटनायक : 2**
रविन्द्र राव : 8 **अश्वनी के. मिश्रा : 5** **गौरी शंकर कालोइया : 2** **रचना भार्गव : 5**
रिजवाना कुरेशी : 1

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. नेशनल कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफ मेडिकल प्रोफेशनल्स ऑन ट्रीटमेंट ऑफ सबस्टेंस यूज डिस्ऑर्डर्स। रजत रे, अंजू धवन, एनएफडीएसी, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, 2011–14, 228.7 लाख रु.

2. डेवलपमेंट ऑफ ए वेब – पोर्टल ऑन प्रोबलम एल्कोहल यूज इन इंडिया। रजत रे, अतुल अम्बेडकर, वाय. पी.एस. बलहारा, संजय गुप्ता, विश्व स्वास्थ्य संगठन, 2010–12, 4 लाख रु.

3. रैपिड सिचुएशन एसेसमेंट ऑफ ड्रग एण्ड एल्कोहल यूज एट डिगबोई, असम। रजत रे, अतुल अम्बेडकर, राकेश लाल, दीपक यादव, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लि. 2010–13.

4. एफिकैसी ऑफ वेरेनीक्लिनिक फॉर स्मोकलेस तम्बाकू यूज। राका जैन, सोनाली झांजी, वीना जैन, आर स्चनॉल (यूनिवर्सिटी और पैनसिलवेलिया), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ड्रग एब्यूज (एनआईडीए), एनआईएच, यूएसए, 3 वर्ष, 2011–14, 69 लाख रु.

5. फिजिबिलिटी ऑफ ट्रांसपोर्टिंग यूरिन सैम्पल्स ऑफ ड्रग यूजर ऑन फिल्टर पेपर फॉर स्क्रीनिंग ड्रग ऑफ एब्यूज़ : ए पायलट एक्सप्लोरेटरी स्टडी, राका जैन, अतुल अम्बेडकर, रिजवाना कुरेशी, आईसीएमाअर, 2012–14, 12.5 लाख रु.

6. इफेक्ट ऑफ नालबुफाइन ऑफ ओपिएट विड्रॉल इन रैट्स : बिहेवियरल, बायोकेमिकल एण्ड मॉलीक्यूलर स्टडी, राका जैन, टी एस रॉय, अंजू धवन, आईसीएमआर, 3 वर्ष 2012–15, 46 लाख रु.

7. असेसटमेंट ऑफ पैटर्न, प्रोफाइल एण्ड कोरेलेट्स ऑफ सबस्टेंस यूज इन चिल्ड्रन, अंजू धवन, रमन दीप पटनायक, अनिता चोपड़ा, राष्ट्रीय बालक अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर), 1 वर्ष, 2012 – 13, 16.6 लाख रु.

8. मेथोडोन मैंटेनस ट्रीटमेंट इन इंडिया : ए मल्टी साइट फिजिबिलिटी एण्ड इफेक्टिवेनस स्टडी। अंजू धवन, रजत रे, अतुल अम्बेडकर, राका जैन, दीपक यादव, अनिता चोपड़ा, यूएनओडीसी आरओएसए, 2 वर्ष, 2011–13, 35.3 लाख रु.

9. पोस्ट मार्केटिंग सर्विलेंस ऑफ मेथोडोन इन इंडिया : अतुल अम्बेडकर, आर रे, राका जैन, अंजू धवन, अनिता चोपड़ा, रूसन फार्मास्युटिकल्स, 2012–13, 14.5 लाख रु.

10. कैपिसिटी बिल्डिंग ऑफ स्टाफ वर्किंग ऑन एचआईवी प्रीवेंशन अमंग इंजेक्टिंग ड्रग यूजर्स इन इंडिया, द ग्लोबल फंड टू फाइट एगेंस्ट एच आई डी एस, ट्यूबरकुलोसिस एण्ड मलेरिया (जी एफ ए टी एम) राउंड 9 एच आई वी – आई डी यू, 2015–15, 4.2 करोड़ रु.

पूर्ण

1. ए सिचुएशन असेस्टमेंट ऑफ ऑपियॉइड सब सिचुएशन थैरेपी प्रोग्राम अंडर नेशनल एड्स कंट्रोल प्रोग्राम। अतुल अम्बेडकर, एमनुअल अस्पताल (अंडर द जीएफएटीएम राउंड – 9 इंडिया – एचआईवी – आईडीयू ग्रांट)।

2. नेशनल ड्रग यूज सर्वे, मालदीव, आइदाहो फहुमी, येसीर वासिम, अतुल अम्बेडकर, आर. एम. पाण्डे. यू एन ओ डी सी – आर ओ एस ए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एनएकेके–। पॉलीमॉर्फिज्म और निकोटिन निर्भरता का संयोजन : एक अग्रगामी अध्ययन।

2. भारत में शराब की उपयोग समस्या पर वेब पोर्टल का विकास।

3. कार्य स्थल व्यवस्था में एल्कोहल के उपयोग को संबोधित करना : इंडियन ऑयल रिफाइनरी, डिगबोई, असम।

4. देश के जनजातीय क्षेत्रों में मादक पदार्थों के विकारों के लिए सेवाएं उन्नत बनाना (जिला नशा मुक्ति कार्यक्रम)।

5. ब्यूप्रेनोर्फिन / ब्यूप्रेनोर्फिन – नेलॉक्सॉन संयोजन पाने वाले ओपियॉइड पर निर्भर रोगियों की जैव रासायनिक और हिमेटोलॉजिकल रूपरेखा का आकलन।

6. ओपियॉइड पर निर्भरता के दीर्घ अवधि प्रबंधन हेतु नेलट्रेक्सॉन पाने वाले रोगियों में इसके पालन का मूल्यांकन।

7. मादक पदार्थ उपयोग विकार उपचार केन्द्र को एक तृतीयक देखभाल के रूप में नेलट्रेक्सॉन उपचार पाने वाले ओपियॉइड पर आश्रित रोगियों में परिणाम के पूर्वानुमानों का एक भूतलक्षी मिला जुला अध्ययन।

8. ब्यूप्रीनोर्फिन पर रखे गए ओपियॉइड आश्रित व्यक्तियों में कैनाबिस के मूल्यांकन पर आधारित मूत्र विश्लेषण : एक भूत लक्षी अध्ययन।

9. तृतीयक देखभाल केन्द्र और समुदाय केन्द्र में सहायता के लिए आने वाले शराब और ओपियॉइड पर आश्रित व्यक्तियों में देखभाल के मार्गों का तुलनात्मक अध्ययन।

10. भारत के उत्तरी भाग में लगातार पांच वर्षों तक मादक पदार्थ उपयोग निगरानी प्रणाली (डीएएमएस)। पर विश्लेषण डेटाबेस द्वारा मादक पदार्थ उपयोग उपचार तृतीय केन्द्र में मध्यम आयु के वयस्कों के उपचार की मादक पदार्थ उपयोग रूपरेखा।

11. मादक पदार्थ इंजेक्शन द्वारा लेने वाले लोगों में सुभेद्यता और सेवा के पैटर्न सहित औषधि उपयोग का संबंध।

12. ओपियॉइड प्रतिस्थापन उपचार को ग्रहण करने वाले नशीली दवा के इंजेक्शन के प्रयोक्ताओं में इसके पालन और प्रतिधारण का मूल्य निरूपण।

13. ओपियॉइड पर आश्रित व्यक्तियों में ट्रेमाडॉल की दुरुपयोग देयता का आकलन।

14. सबलिंगुअल ब्यूप्रेनोर्फिन पर रखने के इलाज से ओपियॉइड पर निर्भरता में इंट्रावेनस नेलोक्सॉन का प्रभाव।

15. ब्यूप्रीनॉर्फिन पर आश्रित ओपियॉइड रोगी में नुकसानदेह / खतरनाक खराब का उपयोग करना : छानबीन और संक्षिप्त हस्तक्षेप की व्यवहार्यता।

16. एल्कोहल पर आश्रित व्यक्तियों में इलाज पाने वाले व्यक्ति में इससे जुड़ी तलब के संकेत।

17. हिरोइन पर आश्रित व्यक्तियों में तलब के संकेत।

18. मादक पदार्थ उपयोग का आकलन और शक्ति तथा कठिनाइयों के साथ इसका संबंध, अभिजात समूह और परिवार, संबंधित कारकों को दिल्ली के दो स्कूलों में अध्ययन करना।

19. किशोर इनहेलेंट प्रयोक्ताओं में इसकी तलब बढ़ने के संकेत : एक कार्यात्मक चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग (एफएमआरआई) अध्ययन।

20. एल्कोहल पर आश्रित व्यक्तियों में हाल ही में विष निकालने के बाद इसकी तलब से संबंधित संकेत पर मीठे स्वाद के प्रभाव का आकलन।

21. डायबिटीज और डायबिटीज से पहले बोधात्मक कार्य का आकलन।

22. विशेष रूप से पढ़ने के विकारों का पारिवारिक और आनुवंशिक अध्ययन।

23. किशोर इंहेलेंट प्रयोक्ताओं में जैव रासायनिक उपायों का आकलन।

24. अवसाद से ग्रस्त किशोरों में बोधात्मक व्यवहार उपचार में कम्प्यूटर द्वारा सहायता।

पूर्ण

1. नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेस इंहीबिटर एल–एनएनए का मॉर्फिन उपचार चूहों में नेलोक्सोन द्वारा उत्पन्न ओपेरेंट डिक्रीमेंट के सुग्राहीकरण पर प्रभाव।

2. एल्कोहल पर निर्भरता का लागत विश्लेषण तथा इसका इलाज।

3. एल्कोहल पर आश्रित और एल्कोहल पर अनाश्रित आई डी यू के साथ आंतरिक रोगी में उच्च जोखिम व्यवहार : व्यक्तित्व के साथ संबंध।

4. बच्चों में इंहेलेंट इस्तेमाल करने पर मनोवैज्ञानिक सह रोग का आकलन।

5. विविध कार्य स्थल व्यवस्थाओं में एल्कोहल के उपयोग का प्रबंधन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. पल्मोनरी क्षयरोग के स्मीयर पॉजीटिव रोगियों में परिणामों पर स्मोकिंग अवसान दखल बनाम अनुशंसित बेसिक स्मेकिंग अवसान सलाह के पैकेज का प्रभाव; एक रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण (मेडिसिन)।

पूर्ण

1. प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और समुदाय व्यवस्था में मादक पदार्थ के उपयोग से होने वाले विकारों के लिए संक्षिप्त सहायता से सरल सलाह को जोड़ने के साथ संक्षिप्त हस्तक्षेप की व्यवहार्यता और दक्षता की तुलना का एक प्रायोगिक अध्ययन (यूनिवर्सिटी ऑफ एडिलेड डब्ल्यूएचओ सहयोगी केन्द्र के साथ)।

2. उत्तर भारत में ओपियॉइड प्रयोक्ताओं द्वारा इंजेक्शन से नशीली दवा की ओर संक्रमण की खोज हेतु एक अध्ययन। (एस पी वाय एन, क्षेत्रीय संसाधन और प्रशिक्षण केन्द्र) – उत्तरी, एम ओ एस जे और ई।

3. आई डी यू टी आई (यू एन ओ डी सी – आर ओ एस ए) के निष्पादन को प्रभावित करने वाले कारक।

4. भारत में आई डी यू – टी आई के आकलन की क्षमता निर्माण की आवश्यकता (यू एन ओ डी सी आर ओ एस ए)।

5. निवारक मनोविज्ञान के लिए पाठ्यचर्या का विकास : वर्तमान चिकित्सा स्कूल पाठ्यचर्या का वैश्विक सर्वेक्षण (वर्ल्ड साइकियाट्रिक एसोसिएशन के निवारक मनोचिकित्सा के खण्ड तथा मनोवैज्ञानिक शिक्षा के खण्ड)।

6. बल्लभ गढ़ के ग्रामीण क्षेत्र में बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच अवसाद का अध्ययन (समुदाय चिकित्सा केन्द्र)।

7. भारत में किशोर बच्चों के बीच सिगरेट पीने, शराब पीने और तम्बाकू खाने के लिए डेटा संग्रह विधियों का तुलनात्मक मूल्य निरुपण और संबंधित जनसांख्यिकी मॉडल (जैव सांख्यिकी)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 46 **सार : 8** **पुस्तकों के अध्याय : 20**

रोगी उपचार
सामान्य सूचना

बिस्तरों की कुल संख्या	50
सामान्य वार्ड बिस्तर	50
ओ. पी. डी. उपस्थिति (एनडीडीटीसी त्रिलोक पुरी समुदाय, मोबाइल क्लिनिक, सुंदर नगरी, मेथोडोन क्लिनिक, सुंदर नगरी)	80257
भर्ती (दैनिक देखभाल, आंतरिक रोगी)	982
छुट्टी	976
बिस्तरों का औसत प्रतिशत	66 प्रतिशत
छूट प्राप्त भर्ती शुल्क	250

ओ. पी. डी. एवं विशिष्टता निदानशालाओं में उपस्थिति (एनडीडीटीसी)		नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
सामान्य ओ.पी.डी.		5242	36310	41552
विशिष्टता क्लिनिक				
क.	तम्बाकू प्रयोग अवसान क्लिनिक	56	746	802
ख.	किशोरावस्था क्लिनिक	10	24	34
ग.	द्वि–निदान क्लिनिक	77	339	416
क.	**कुल**	**5385**	**37419**	**42804**
ख.	त्रिलोकपुरी समुदायिक क्लिनिक	139	20037	20176
ग.	मोबाइल क्लिनिक, सुंदर नगरी, दिल्ली	13	11271	11284
घ	मेथोडोन क्लिनिक, सुंदर नगरी, दिल्ली	164	5829	5993
महायोग : क + ख + ग + घ		**5701**	**74556**	**80257**

जांच

जैव रसायन प्रयोगशाला	संख्या		संख्या
बायो केमिकल जांच	25320	हिमेटोलॉजिकल जांच	6827
एचआईवी जांच	405		
औषध छानबीन प्रयोगशाला	संख्या		
मार्फिन परीक्षण	3021	कोडाइन परीक्षण	2428
ब्यूप्रेनॉर्फिन परीक्षण	3084	प्रॉक्सीवोन परीक्षण	3092
एविल परीक्षण	2428	नेल्ट्रेक्सोन परीक्षण	35
पेंटोजोसाइन परीक्षण	31	नैलोक्सोन परीक्षण	290
डायजेपाम परीक्षण	3062	निट्राजेपाम परीक्षण	3062
क्लोरडायजेपाम परीक्षण	3062	केननाबिस परीक्षण	491
कॉन्टीनाइन परीक्षण	312	इंहैलेंटस	52
मूत्र में जांच की गई नशीली दवाओं की कुल संख्या	**24450**		

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्त्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. रजत रे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय नियंत्रण बोर्ड (आईएनसीबी) के सदस्य हैं; मादक पदार्थ प्रयोग विकार का वर्गीकरण (आईसीडी–10 संशोधन) संबंधी डब्ल्यूएचओ कार्यकारी समूह के और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की राष्ट्रीय औषध मांग कटौती नीति का विकास करने हेतु गठित विशेषज्ञ समिति के चेयर पर्सन हैं; बच्चों में पीड़ा प्रबंधन हेतु दिशानिर्देश तैयार करने संबंधी विशेषज्ञ समूह (डब्ल्यूएचओ) और मानसिक स्वास्थ्य और मादक पदार्थ उपयोग दोहरा निदान के अंतरराष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य हैं और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ड्रग साइंस, पॉलिसी एण्ड लॉ के संपादक मंडल में है।

प्रो. राका जैन ने चौथे इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन लीगल मेडिसिन, मेडिकल नेगलीजेंस एण्ड लिटिगेशन इन मेडिकल प्रैक्टिस में और चौथे इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन करंट ट्रेंड्स इन फोरेंसिक साइंसेज, फोरेंसिक मेडिसिन एण्ड टॉक्सीकोलॉजी, तिरुवंतपुरम में 25–27 जनवरी 2013 को फोरेंसिक साइकियाट्री टॉक्सीकोलॉजी सत्र की अध्यक्षता की; एमएससी पीएचडी कंबाइंड डिग्री प्रोग्राम में दाखिले हेतु चयन समिति के सदस्य हैं और दिल्ली विश्वविद्यालय में बायोमेडिकल साइंसेज में पीएच.डी थीसिस हेतु परीक्षक तथा इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च एण्ड निकोटिन एण्ड टोबेको रिसर्च हेतु पीयर रिव्यूवर और आईएएमएलई 2013 हेतु राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य हैं।

प्रो. राकेश लाल 'एनसीडी रोकथाम और नियंत्रण से राष्ट्र स्तर पर मद्यपान के हानिकारक प्रभावों को कम करने हेतु क्षमता निर्माण संबंधी द्विक्षेत्रीय कार्यशाला' हेतु डब्ल्यूएचओ के अस्थायी सलाहकार थे (बैंकॉक, थाइलैंड, 22–24 अक्तूबर 2012)। उन्होंने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग हेतु 'उपचार और पुनर्वास सहित सुधारात्मक उपाय : बच्चों हेतु मौजूद कार्यक्रमों की पर्याप्तता और

प्रभावित' तथा 'और अधिक क्षेत्रीय संसाधन और प्रशिक्षण केन्द्रों, एंटी–रेट्रोवायरल थैरेपी काउंसलिंग सेंटर और प्रोफेशनल काउंसलिंग हेतु समर्पित केन्द्रों की सहायता से सुदृढ़ीकरण की आवश्यकता' संबंधी कार्यकारी समूह की अध्यक्षता की (आइजोल, 17–18 दिसम्बर 2012); भूटान के कानून प्रवर्तन अधिकारियों हेतु 'एक्सरेंट एण्ड पैटर्न ऑफ ड्रग यूज' पर एनएसीईएन द्वारा आयोजित कार्यशाला का समन्वय करने में सहायता की : बाबा साहब नर्सिंग कॉलेज के प्रबोधन कार्यक्रम का समन्वयक करने में सहायता की तथा एनडीडीटीसी एम्स हेतु मादक पदार्थ उपयोग के विकारों के क्षेत्र में कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण हेतु पांच मैनुअलों का संपादन किया।

डॉ. अंजु धवन एनसीपीसीआर द्वारा गठित, बच्चों में मादक पदार्थ उपयोग और व्यसन संबंधी कार्यकारी समूह की सदस्य हैं, डब्ल्यू एच ओ के ड्रग डिपेंडेंस – एब्यूज लाइबिलिटी इवेलयुएशन (डब्ल्यू एच ओ की ड्रग डिपेंडेंस पर विशेष समिति की 35वीं बैठक) संबंधी विशेष सलाहकार पैनल की सदस्य के रूप में केटामाइन पर विशेष समीक्षक; व्यसन हेतु पीआर रिव्युवर हैं; मेथाडोन मेंटीनेंस ट्रीटमेंट दे रहे अस्पतालों यथा सिविल हॉस्पीटल, कपूरथला, सिविल हॉस्पीटल, भटिंडा और आर आई एम एस, इंफाल में गुणवत्ता आश्वासन दौरे किए; तनावग्रस्त बच्चों की 24 घण्टे की हेल्पलाइन चाइल्डलाइन के माध्यम से मादक पदार्थों का सेवन कर रहे बच्चों में मनो–सामाजिक उपायों के प्रभाव का आकलन करने और उनका क्षमता निर्माण करने हेतु संसाधन व्यक्ति रहीं।

डॉ. अतुल अम्बेकर एन डी डी टीसी द्वारा आयोजित मेडिकल डॉक्टरों और नर्सों, प्रोग्राम मैनेजरों, काउंसलरों, डेटा मैनेजरों, विभिन्न राज्यों के एनजीओ स्टाफ हेतु 12 प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों हेतु (जीएएफटीएम) परियोजना के तहत पाठ्यक्रम समन्वयक थे और इसमें मेडिकल स्टाफ तथा ओपियोइड सबस्टीट्यूशन ट्रीटमेंट प्रदान करने वालों के क्षमता निर्माण में सहायता हेतु एम्स नोडल आरटीटीसी के रूप में था। वे निम्नलिखित राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय निकायों के सदस्य हैं :– राष्ट्रीय तकनीकी संसाधन समूह – आईडीयू (नाको), एचआईवी और आईडीयू पर संयुक्त राष्ट्र का संदर्भ समूह (संयुक्त राष्ट्र, विएना), दिल्ली आईडीयू फोरम (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार, दिल्ली), राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम – चरण 4 के प्रारूपण हेतु तकनीकी कार्यकारी समूह (आईडीयूटीआई) (नाको), राज्य प्रशिक्षण और संसाधन केन्द्र की शैक्षणिक समिति, समाज कार्य विद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय (दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के अधीन), कम्युनिटी एक्शन ऑन हार्म रिडक्शन (अंतरराष्ट्रीय एचआईवी / एड्स गठजोड़) की अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान सलाहकार समिति; तथा इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ड्रग पॉलिसी और जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एण्ड ह्यूमन बिहेवियर के संपादक मंडल के सदस्य हैं।

डॉ. यतन पाल सिंह बलहारा, वर्ल्ड साइकियाट्रिक एसोसिएशन की अर्ली कैरियर साइकियाट्रिस्ट काउंसिल एण्ड एजुकेशन कमेटी; बोर्ड ऑफ काउंसलर्स एण्ड एजुकेशन कमेटी ऑफ द इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर बाइपोलर डिसऑर्डर्स (2011 से) के सदस्य हैं; इंसुलिन इंजेक्शन तकनीक में सर्वोत्तम पद्धति संबंधी पहली भ्झारतीय सिफारिशों (फोरम फॉर इंजेक्शन टेक्नीक्स, भारत), भारत में डायबिटीज में मनो–सामाजिक प्रबंधन हेतु राष्ट्रीय दिशानिर्देशों (एंडोक्राइनोलॉजिकल सोसाइडी ऑफ इंडिया) मेल सेक्सुअल डिस्फंक्शन पर कंसेन्सस गाइडलाइन्स (अलायंस ग्रुप) और पोस्टमीनोपॉजल ऑस्टियोपोरोसिस पर क्लिनिकल प्रैक्टिस गाइडलाइन्स (इंडियन मीनोपॉज सोसाइटी) को तैयार करने में योगदान दिया; इंडियन चेस्ट सोसाइटी द्वारा उत्कृष्ट लेख हेतु पुरस्कृत (नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन्स को राष्ट्रीय सम्मेलन, 18 नवम्बर 2012) तथा दिल्ली डायबिटिक फोरम के 20वें वार्षिक सम्मेलन में बेस्ट पेपर के लिए पुरस्कृत (31 मार्च 2012– 1 अप्रैल 2012), एनडीडीटीसी द्वारा प्रकाशित न्यूज लैटर न्यूज एण्ड व्यूज के सहायक संपादक, जर्नल ऑफ मेडिकल न्यूट्रिशन एण्ड न्यूट्रास्युटिकल्स के सेक्शन एडिटर (साइकियाट्री), आसियान जर्नल ऑफ साइकियाट्री; जर्नल ऑफ सोशल हेल्थ एण्ड डायबिटीज़, द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल केसेज एण्ड इंवेस्टीगेशन्स, द जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एण्ड नर्सिंग, द जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एण्ड ह्यूमन बिहेवियर और इंटरनेट जर्नल ऑफ मेडिकल अपडेट के संपादक बोर्ड के सदस्य तथा विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के पीअर रिव्यूवर है। उन्होंने एसपीवाईएस के ओएसटी सेंटर और डिस्ट्रिक्ट हॉस्पीटल, सोनीपत का, एनडीडीटीसी, एम्स की ग्लोबल फंड राउंड 9 आईडीयू एचआईवी परियोजना के तहत गुणवत्ता आश्वासन दौरा लिया।

डॉ. रमनदीप पटनायक को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस) की सदस्यता प्रदान की गई; जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एण्ड ह्यूमन बिहेवियर के मानद एसोसिएट एडिटर हैं; तनावग्रस्त बच्चों की 24 घण्टे की हेल्पलाइन चाइल्डलाइन के माध्यम से मादक पदार्थों का सेवन कर रहे बच्चों पर मनो–सामाजिक उपायों के प्रभाव का आकलन करने और उनके क्षमता निर्माण हेतु संसाधन व्यक्ति रहे।

डॉ. अश्वनी के मिश्रा इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज एण्ड टेक्नोलॉजी के संपादक मंडल के सदस्य और ब्रिटिश मेडिकल जर्नल ओपन तथा इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईजेएमआर) के वैज्ञानिक समीक्षक है।

डॉ. गौरी शंकर कलोइया ने जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली ने 13–14 मार्च 2013 को आयोजित इंटरनेशनल सेमिनार ऑन साइकोलॉजी ऑफ ट्रॉमा में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. रचना भार्गव एम्स में 17–20 फरवरी 2013 को आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट्स के 29वें वार्षिक सम्मेलन में आयोजक सचिव थी; इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी, लाहौर (16–18 दिसम्बर, 2012) में फ्री ओरल पेपर सत्र की अध्यक्षता की।

द नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर मादक पदार्थ उपयोग के बारे में डब्ल्यू एच ओ का सहयोग केन्द्र है (2012–16)। 2012 में एनडीडीटीसी, एम्स को 'हिफाजत' परियोजना, जो कि इमैनुअल हॉस्पीटल एसोसिएशन द्वारा नाको, भारत सरकार के सहयोग से एड्स टीबी और मलेरिया हेतु वैश्विक निधि के सहयोग से कार्यान्वित की जा रही है, के अंतर्गत नोडल क्षेत्रीय तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र (नोडल आरटीटीसी) के रूप में निर्दिष्ट किया गया। नेशनल ड्रग एब्यूज कंट्रोल प्रोग्राम के भाग के रूप में, एनडीडीटीसी, डीडीएपी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नाको (एनएसीओ) सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन (एसईएआरओ / मुख्यालया – जीनेवा) और यूएनओडीसी के साथ निकटता से कार्य करता है। केन्द्र ने भारत में स्थानों नामतः सिविल हॉस्पीटल, कपूरथला, सिविल हॉस्पीटल, भटिंडा; किंग एडवर्ड मैमोरियल (केईएम) हॉस्पीटल, मुम्बई; रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आरआईएमएस), इम्फाल; और एनडीडीटीसी, एम्स, नई दिल्ली (समन्वयक केन्द्र) में मेथाडोन मेंटीनेंस प्रोग्राम शुरू किया है। केन्द्र ने https://www.alcholwebindia.in नामक वेब पोर्टल शुरू किया है जो कि किसी विकासशील देश में इस तरह का पहला पोर्टल है। यह आम जनता, प्रोफेशलन्स और नीति निर्माताओं को मद्यपान से जुड़ी समस्याओं के बारे में जानकारी देने के साथ – साथ हानिकारक / नुकसानदायक मद्यपान से प्रभावित लोगों को ऑनलाइन स्क्रीनिंग और स्वी सहायता के उपाय सुझाने की सुविधा भी प्रदान करती है। केन्द्र ने राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से मादक पदार्थ सेवन के विकारों के बारे में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के विभिन्न कैंडरों को प्रशिक्षण देने हेतु 09 मैनुअल प्रकाशित किए हैं।

केन्द्र ने मद्यपान और मादक पदार्थ सेवन निवारण और पुनर्वास (अब नेशनल ड्रग डिमांड रिडक्शन पॉलिसी जो कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की एक पहल है) संबंधी राष्ट्रीय नीति तैयार करने, मद्यपान के हानिकारक प्रभावों को कम करने हेतु डब्ल्यूएचओ की वैश्विक नीतियां – राष्ट्रीय और क्षेत्रीय प्रतिक्रिया तथा नाको और डीआईएफआईडी द्वारा समर्थित ओएसटी संबंधी गुणवत्ता आश्वासन संकेतक तैयार करने में भी योगदान दिया। केन्द्र द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन को आईसीडी–10, मादक पदार्थ सेवन धारा (पीठ : प्रो. रजत रे) में संशोधन करने तथा इंटरनेशनल नार्कोटिक्स कंट्रोल बोर्ड – आईएनसीबी के कार्यकालपों (प्रो. रजत रे) में भी सहायता प्रदान की गई।

अतिथि वैज्ञानिक

1. एनसीपीसीआर की कार्य समिति के सदस्य
2. सामाजिक सुरक्षा प्रशिक्षुओं का राष्ट्रीय संस्थान
3. एच ई जुआन एलफ्रेडो पिंटो, राजदूत, कोलम्बिया सरकार की ओर से भारत में श्रीमती सोराया कारो, सुश्री क्रिस्टिना एल्बर्टिन (प्रतिनिधि, यूएनओडीसी – आरओएसए) और सुश्री इशिता सुमरा (संचार अधिकारी, यूएनओ डीसी, 29 अगस्त 2012)।

10.7 तंत्रिका विज्ञान केंद्र

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

आचार्य (अवकाश पर)
प्रमोद के बिठ्ठल

आचार्य एवं अध्यक्ष
अरविंद चतुर्वेदी

अपर आचार्य

राजेंद्र सिंह चौहान
मिहिर प्रकाश पाण्डिया

सह आचार्य

गिरिजा प्रसाद रथ
हेमांशु प्रभाकर

सहायक आचार्य (जेपीएनएटीसी)

ज्ञानिंदर पाल सिंह
आशीष बिंदरा
नीरज कुमार
केशव गोयल
नवदीप सोखल
ऋचा अग्रवाल

तंत्रिका विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
माधुरी बिहारी

आचार्य

कामेश्वर प्रसाद
एम. वी. पदमा श्रीवास्तव

अपर आचार्य

मंजरी त्रिपाठी
गरिमा शुक्ला
विनय गोयल
अचल श्रीवास्तव
रोहित भाटिया

सह आचार्य
ममता भूषण सिंह

सहायक आचार्य

दीप्ति विभाग
दीपा दाश

तंत्रिका नैदानिक मनोचिकित्सा

सह आचार्य
आशिमा नेहरा

तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

आचार्य
चित्रा सरकार

अपर आचार्य
एम. सी. शर्मा

सह आचार्य
वैशाली सूरी

तंत्रिका विकिरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
एन. के. मिश्रा

आचार्य
शैलेश बी. गायकवाड़

अपर आचार्य
अजय गर्ग

सहायक आचार्य
लेव जोसेफ

मुख्य तकनीकी अधिकारी
राकेश कालिया

<u>तंत्रिका शल्य चिकित्सा</u>

आचार्य एवं अध्यक्ष
बी. एस. शर्मा

आचार्य
ए. के. महापात्रा (प्रतिनियुक्ति पर)

अपर आचार्य

एस. एस. काल
मनमोहन सिंह
पी. एस. चंद्रा
आशीष सूरी
राजेंद्र कुमार

सह आचार्य

सुमित सिन्हा (जेपीएनएटीसी)
दीपक कुमार गुप्ता (जेपीएनएटीसी)
दीपक अग्रवाल (जेपीएनएटीसी)
जी. डी. सत्यार्थी (जेपीएनएटीसी)

सहायक आचार्य

विवेक टंडन
सचिन ए. बोरकर
पंकज कुमार सिंह
हितेश कुमार गुर्जर

मानद आचार्य

पी. एन. टंडन
ए. के. बनर्जी

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

विशिष्टताएं

संवेदनाहरण प्रबंधन 2933 तंत्रिका संवेदनाहरण प्रक्रियाओं में किया गया। (चयनित 2071; आपातकालीन 862) और 538 तंत्रिका रेडियोलॉजिकल प्रक्रियाएं (395 नैदानिक; 143 चिकित्सीय) की गई थीं। आईसीयू में 3000 से अधिक रोगियों का प्रबंधन किया गया। पूर्व संज्ञाहरण जांच ओपीडी में कुल 2239 रोगियों (1859 नए और 382 पुराने) का प्रबंधन किया गया। पीड़ा क्लिनिक ओपीडी में कुल 924 रोगियों (163 नए और 761 पुराने) का प्रबंधन किया गया (406 का इलाज तंत्रिका ब्लॉक से किया गया)।

तीन उम्मीदवारों को डीएम (न्यूरो संज्ञाहरण विज्ञान) की डिग्री प्रदान की गई। दो नए उम्मीदवार डीएम पाठ्यक्रम में शामिल हुए। अन्य विभागों से आठ छात्रों को स्नातकोत्तर और 12 सीनियर रेजीडेंट ने न्यूरो संज्ञाहरण प्रशिक्षण प्राप्त किया।

पंद्रह अनुसंधान परियोजनाओं (2 निधिकृत, 13 विभागीय) को पूरा किया गया जबकि 20 अनुसंधान परियोजनाएं (3 निधिकृत, 17 विभागीय) जारी थीं। इसके अतिरिक्त 2 सहयोगी परियोजनाओं को पूरा किया गया।

संकाय और एक सीनियर रेजीडेंट द्वारा चौदह सम्मेलनों (5 अंतरराष्ट्रीय, 9 राष्ट्रीय), 7 कार्यशालाओं और 2 संगोष्ठियों में (29 व्याख्यान दिए गए और 8 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए) में भाग लिया गया। विभाग के शिक्षकों द्वारा सात कार्यशालाएं आयोजित की गई। संकाय द्वारा विभिन्न सम्मेलनों में छह वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की गई थी। संकाय और रेजीडेंट डॉक्टरों ने 18 लेख प्रकाशित किए (15 अंतरराष्ट्रीय, 3 राष्ट्रीय, वैज्ञानिक पत्रिकाओं में)। अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में दो सार प्रकाशित किए गए। संकाय द्वारा पुस्तकों में दो अध्याय लिखे गए। यूएसए से दो वैज्ञानिकों ने आकर विभाग का दौरा किया। एक संकाय को एक अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिका के संपादकीय बोर्ड में नामित किया गया था।

दो संकाय सदस्यों ने क्रमशः इण्डियन सोसायटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एण्ड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी) के महा–सचिव और कोषाध्यक्ष होना चाहिए। दो संकाय एम्स में मस्तिष्क मृत्यु के प्रमाण पत्र के लिए बोर्ड में थे। दो नई सुविधाएं जेपीएनएटीसी में आरंभ की गई।

तीन पुरस्कार (सम्मेलन में प्रस्तुतियों के लिए 2 और एक प्रकाशित लेख के लिए 1) जीता। दो नई सुविधाएं जेपीएनएटीसी में आरंभ की गई।

शिक्षा

स्नातकोत्तर शिक्षण

मुख्य विभाग से आठ (8) एमडी संवेदनाहरण विज्ञान के विद्यार्थियों को अपने पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग के रूप में विभाग में तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

बारह सीनियर रेजीडेंटों (संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, एम्स से 8 और 10 (दस) ने संवेदनाहरण विज्ञान, डॉ. बी. आर. ए. आई. आर. सी. एच. से 4) पारस्परिक आदान प्रदान आधार पर अंतर विभागीय रोटेशन के भाग के रूप में भिन्न भिन्न अवधियों के लिए संवेदनाहरण विज्ञान प्रशिक्षण प्राप्त किया।

विभागीय शिक्षण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में एक हफ्ते में तीन बार (सोमवार, मंगलवार, शनिवार) को सेमिनार, पत्रिका क्लब और प्रस्तुतियों के मामले आयोजित किए गए थे।

अल्प अवधि प्रशिक्षण

सात एमडी (संवेदनाहरण विज्ञान) विद्यार्थियों ने 17 जुलाई 2012 से 31 अगस्त 2012 के बीच लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशाला

1. डॉ. हिमांशु प्रभाकर ने 8 फरवरी 2013, बीएचयू, वाराणासी में आईएसएनएससी 2013 के 'ट्रांसक्रेनियल डॉपलर इन न्यूरोसर्जिकल पेशेंट्स' पर कार्यशाला आयोजित की गई।
2. डॉ. ए. बिंद्रा ने ट्रॉमा 2012, 23 अप्रैल 2012, जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, नई दिल्ली में मैकेनिकल वेंटिलेशन पर कार्यशाला के मैकेनिकल वेंटिलेशन की मूल बातों पर आयोजित की गई।
3. डॉ. ए. बिंद्रा ने 3–13 दिसंबर 2012 श्रीलंका वासियों के लिए 'स्किल स्टेशन ऑन एयरवे मैनेजमेंट', एम्स बीईसीसी कार्यक्रम आयोजित किया।
4. डॉ. केशव गोयल ने जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली में मैकेनिकल वेंटिलेशन की मूल बातों पर कार्यशाला, 22 नवंबर 2012, को कार्यशाला आयोजित की।
5. डॉ. कपिल देव सोनी ने एम्स–एसीसीपी की 'बेडसाइड लांग अल्ट्रासाउंड इन एमर्जेंसी' पर कौशल स्टेशन आयोजित किए।
6. अमेरिकन कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, 12 और 14 दिसंबर 2012 के सहयोग से पल्मोनरी और क्रिटिकल केयर अल्ट्रासाउंड कार्यशाला।
7. डॉ. कपिल देव सोनी ने जेपीएनएटीसी एम्स, 9–10 दिसंबर 2012 को 'द पम्प – कार्डियक अल्ट्रासाउंड इन ट्रॉमा, एडवांसेज अल्ट्रासाउंड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट कोर्स (एयूटीएलएस)', कार्यशाला आयोजित की और जेपीएनएटीसी एम्स, 14–15 दिसंबर, 2012 को 'द पम्प – कार्डियक अल्ट्रासाउंड इन ट्रॉमा, एडवांस अल्ट्रासाउंड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट कोर्स (एयूटीएलएस)' पर कार्यशाला आयोजित की।

दिए गए व्याख्यान

अरविंद चतुर्वेदी : 2	**एम. पी. पांडिया : 3**	**जी. पी. रथ : 5**	**हेमांशु प्रभाकर : 4**
ज्ञानिंदर पी. सिंह : 2	**आशीष बिंदरा : 3**	**केशव गोयल : 1**	**कपिल देव सोनी : 9**

मौखिक / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 7

अनुसंधान

वित्तीय परियोजनाएं

जारी

1. सुप्रा – टेंटोरियल ट्यूमर सर्जरी पर चल रहे मरीजों में पोस्टक्रैनियाटोमी पेन पर प्रीगेबलिन प्रीमेडिकेशन का प्रभाव। डॉ. गिरिजाप्रसाद रथ; एम्स, जनवरी 2011– अब तक की तिथि तक; 1 लाख रुपए।
2. न्यूरोइंडोस्कोपिक प्रक्रियाओं पर चल रहे मरीजों में इसोफ्लूरेंस और प्रोपोफेल एनेस्थेसिया के सेरेब्रोऑपरेटिव प्रभावों का मूल्यांकन। डॉ. हेमांशु प्रभाकर, एम्स, जनवरी 2011– अब तक की तिथि तक; 1 लाख रुपए।
3. एपिलेप्सी सर्जरी पर चल रहे मरीजों में डेक्समीडिटोमाइडिन के सेरेब्रोप्रोटेक्टिव प्रभाव का अध्ययन – ए बायोमार्कर का निर्देशित अध्ययन। आशीष बिंदरा; एम्स, जनवरी 2013– अब तक की तिथि तक; 3 लाख रुपए।

पूर्ण

1. सुप्रा टेंटोरियल ट्यूमरों और एमटीएचएफआर जीन बहुरूपता के लिए क्रेनियोटॉमी कराने वाले रोगियों में एनेस्थिसिया के दौरान नाइट्रस ऑक्साइड के प्रभावों का आकलन। एच एच दास। आई सी एम आर, 2009–2011, 4.82 लाख रुपए।
2. ऑपरेशन की अवधि के दौरान एन्यूरिसमल सब एरेक्नॉइड हेम्ब्रेज के बाद स्कंदन की असामान्यताओं का पता आरओटीईएम थ्रोम्बोइलास्टोग्राफी (टीईजी) द्वारा लगाना। डॉ. हिमांशु प्रभाकर। आई सी एम आर, 2011–2012; 3.88 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कई आघात पीड़ितों सहित और सिर की चोट के बिना क्रमानुसार अनुमानित सीरम प्रोकैल्सीटोनिन का प्रोग्नोस्टिक मूल्य।
2. बड़े संवहनी तंत्रिका अर्बुद में डिएक्समेडिटोमाइडिन के इंट्राऑपरेटिव उपयोग।
3. रीढ़ की हड्डी में दर्दनाक चोट के बाद हृदय जटिलताएं।
4. पिट्यूटरी ट्यूमरों के ट्रांस स्फीनॉइडल रिसेक्शन कराने वाले रोगियों में नेसल स्पेक्युलम डालने के कारण उदासीन हिमोडायनेमिक प्रतिक्रिया में डेक्स मेडेटो मिडिन के प्रभाव।
5. गहरी मस्तिष्क उद्दीपन सर्जरी कराने वाले रोगियों में एनेस्थिसिया के निहितार्थों का एक भूतलक्षी विश्लेषण।

6. सुप्रा टेंटोरियल सर्जरी में सेवो फ्लुरेन और डेसफ्लुरेन के बीच ऑपरेशन के दौरान मस्तिष्क की स्थिति तथा ऑपरेशन के बाद सुधार की तुलना।
7. ग्रीवा रीढ़ की हड्डी / रीढ़ विकृति के लिए शल्य चिकित्सा के बाद रोगियों में पश्चात फेफड़े की जटिलताएं।
8. अंतर्कपालीय तंत्रिका अर्बुद के छांटने के दौर से गुजर रहे रोगियों में इंट्राऑपरेटिव खून की कमी और आधान आवश्यकताओं पर ट्रांक्समिक एडि प्रभाव।
9. अंतर्कपालीय तंत्रिका अर्बुद के छांटने के दौर से गुजर रहे रोगियों में तनाव प्रतिक्रिया को कम करने के लिए डिक्सीमेडिटोमाइडिन के दो आसव खुराक की तुलना।
10. पिट्यूटरी सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों के परिणाम की भविष्यवाणी का कारक।
11. बच्चों में बच्चों के सेवोफ्लुरेंस और डिसफ्लुरेंस की तुलना लम्बोसक्रायल रीढ़ सर्जरी के दौरान से गुजरना।
12. बाल चिकित्सा न्यूरोसर्जरी के लिए बैठे की स्थिति – एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
13. पूर्वकाल ग्रीवा रीढ़ सर्जरी में डिक्समीडिटोमाइडिन का उपयोग – हिमोडायनामिक स्थिरता पर प्रभाव।
14. एण्डोस्कोप बनाम माइक्रोस्कोपिक तकनीक द्वारा ट्रांसस्फिनोइडल पिट्यूटरी सर्जरी कराने वाले रोगियों में ऑपरेशन के दौरान – एक भूतलक्षी विश्लेषण
15. ब्रेक्रियल प्लैक्सस चोट की सर्जरी मरम्मत कराने के दौरान सीआरपीएस 2 के रोगियों में ऑपरेशन के दौरान प्रोपोफॉल और फेंटेनिल के उपयोग पर स्टेलेट गैंगलिया ब्लॉक के प्रभाव।
16. इंट्राक्रेनियल सर्जरी कराने वाले बुजुर्ग रोगियों में ऑपरेशन के दौरान की जटिलताएं।
17. सर्वाइकल स्पाइन सर्जरी कराने वाले बड़ी उम्र के रोगियों में ऑपरेशन के दौरान की जटिलताएं।

पूर्ण

1. पिट्यूटरी ट्यूमरों के ट्रांस स्फीनॉइडल रिसेक्शन कराने वाले रोगियों में नेसल स्पेक्युलम डालने के कारण उदासीन हिमोडायनेमिक प्रतिक्रिया में डेक्स मेडेटो मिडिन के प्रभाव।
2. गहरी मस्तिष्क उद्दीपन (डीबीएस) सर्जरी कराने वाले रोगियों मेंएक भूतलक्षी विश्लेषण की समीक्षा।
3. ऑपरेशन के दौरान प्रोपोफॉल से मस्तिष्क की सुरक्षा पर ऑपरेशन के बाद अवबोध में इंट्राक्रेनियल एन्यूरिज्म सर्जरी के दौरान अस्थायी क्लिपिंग कराने वाले रोगियों पर प्रभावों के अध्ययन करना।
4. एनसेफालोसील वाले बच्चों में पेरीऑपरेटिव प्रबंधन : एक संस्थागत अनुभव।
5. एस – 100 बीटा, सीआर – पी और आईएल–6 उपयोग द्वारा आकलित सुप्रा टेंटोरियल क्रेनियोटॉमी कराने वाले रोगियों में नाइट्रस ऑक्साइड के प्रभाव।
6. क्रेनियोटोमी कराने वाले में बाल रोगियों में ऑपरेशन के बाद की जटिलताएं।
7. इंट्राक्रेनियल दबाव और सिस्टेमिक हीमोडायनेमिक पर 20 प्रतिशत मैनीटॉल और 3 प्रतिशत हाइपरटोनिक सेलाइन के तुलनात्मक प्रभावों का अध्ययन।
8. जागृत अवस्था में क्रेनियोटोमी कराने वाले रोगियों में पेरीऑपरेटिव जटिलताएं – एक भूतलक्षी विश्लेषण।
9. हिमोडाइनेमिक प्रतिक्रिया का उदासीनीकरण और डेस्क मेडेटोमिडिन तथा लिग्नोकेन का उपयोग करते हुए स्वास्थ्य लाभ की रूपरेखा।
10. मोया मोया रोग के लिए सर्जरी करवा रहे मरीजों का एनेस्थेटिक प्रबंधन एवं प्रोस्टऑरेटिव परिणाम।
11. स्पाइनल डिसरेफिज्म के संबंध में सर्जरी करवा रहे बच्चों के पोस्ट ऑपरेटिव स्वास्थ्य लाभ प्रोफाइल पर इंट्राऑपरेटिव डेक्समेडिटो माइडाइन का प्रभाव।
12. सर्वाइकल स्पाइन अचलनशीलता वाले रोगियों में एंडोट्रेकियल इंट्यूबेशन के लिए स्टाइलेट के साथ या इसके बिना सी–मैक वीडियो लेरिंजोस्कोप का क्लिनिकल मूल्यांकन।
13. मैकिनटॉश ब्लेड वीडियो लेरिंजोस्कोप के साथ तंत्रिका शल्य क्रिया प्रक्रिया कराने वाले रोगियों में स्टाइलेट या बूगी के साथ इंट्यूबेशन सफलता की तुलना।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एण्डोस्कोपिक पिटयूटरी सर्जरी कराने वाले रोगियों में हीमोडायनेमिक्स पर लिडोकेन इंफ्यूजन के प्रभाव और इनका ठीक होना : एक बहु केंद्रिक, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (यूनिवर्सिटी ऑफ मेनिटोबा, विनिपेग कनाडा)।

2. मस्तिष्क की अभिघात चोट के बाद चिकित्सीय हाइपोथर्मिया (32 – 35 डिग्री से.) की यूरोपीयन सोसायटी ऑफ इंटेसिव केयर मेडिसिन ट्रायल (यूरो थर्मल 3235)' जारी बहु केंद्रिक परीक्षण, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हैल्थ, रिसर्च हैल्थ टेक्नोलॉजी एस्समेंट प्रोग्राम (यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग और एनएचएस लोठियान, यू के)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 17 सारांश : 2 पुस्तकों में अध्याय : 2

रोगी उपचार

पूर्व संवेदनाहरण जांच (पीएसी) क्लिनिक

कुल 2239 रोगियों (1859 नए और 380 पुराने) को ओपीडी में देखा गया था।

ऑपरेशन के दौरान संवेदनाहरण उपचार

1. तंत्रिका शल्य चिकित्सा ऑपरेशन (कुल – 2933) = चयनित (2071) + आपातकालीन (862)
2. निगरानी के तहत संज्ञाहरण देखभाल वाली तंत्रिका विकिरण विज्ञान प्रक्रियाएं (कुल – 538) = नैदानिक (395) + चिकित्सीय (143); सामान्य संज्ञाहरण के तहत 445 रोगी जबकि 93 रोगियों की संवेदनाहरण देखभाल की गई।

तंत्रिका गहन उपचार यूनिट

लगभग 3000 रोगियों (न्यूरोसर्जिकल और न्यूरोलॉजिकल) को भर्ती कराया गया है।

पीड़ा क्लीनिक

ओपीडी में कुल 924 रोगी (163 नए और 761 पुराने) देखे गए थे। इनमें से 406 को ओटी में नर्व ब्लॉकों से उपचार किया गया था।

नई सुविधाएं

1. जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में उच्च निर्भरता इकाई आरंभ की।
2. अभिघात के बाद तीव्र गुर्दा चोट वाले रोगियों के लिए टीसी 2 आई सी यू में बिस्तर के पास डायलेसिस सुविधा आरंभ।

समुदाय सेवा

1. डॉ. कपिल देव सोनी ने संकाय पाठ्यक्रम के रूप में – अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बुनियादी आपातकालीन देखभाल पाठ्यक्रम, सहयोगी स्टाफ, स्टाफ नर्स, कॉलेज के छात्रों, शिक्षकों सहित चिकित्सा और गैर चिकित्सा कर्मियों के लिए विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया।
2. डॉ. कपिल देव सोनी आपदा प्रबंधन और तैयारियों पर जी एम ई एक्स (आपातकालीन चिकित्सा अभ्यास गुवाहाटी), गुवाहाटी, 30 अक्टूबर 2012 एन डी एम ए के लिए गुवाहाटी में आघात पर कार्यशाला में शामिल थे।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाक्रम

आचार्य अरविंद चतुर्वेदी ने तंत्रिका संवेदनाहरण विभाग के प्रमुख का कार्यभार जुलाई 2012 में संभाला। वे बनारस हिंदु विश्वविद्यालय (बी एच यू) में बोर्ड ऑफ स्टडीज़ (तंत्रिकासंवेदनाहरण) के सदस्य नामित हुए। उन्हें बीएचयू, वाराणसी में पीडीसीसी तंत्रिका संवेदनाहरण का परीक्षक चुना गया, वे जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी एण्ड क्लिनिक फार्मेकॉलोजी (जे ओ ए सी पी) के समीक्षक, एम्स की स्टाफ काउंसिल के सदस्य, भण्डार और क्रय समिति, सी एन सेंटर, एम्स के सदस्य और सी एन सेंटर, एम्स की अस्पताल ट्रांसफ्यूजन समिति के सदस्य हैं, उन्होंने 8 – 10 फरवरी 2013 बी एच यू, वाराणसी में 14वें इण्डियन सोसायटी ऑफ न्यूरोएनेस्थीसियोलॉजी एण्ड क्रिटिकल केयर (आई एस एन ए सी सी – 2013) के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिष्ठित प्रो. डॉ. गोडे ओरेशन की अध्यक्षता की, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय दर्द प्रबंधन हस्तक्षेप और दर्द प्रमाणपत्र समीक्षा पाठ्यक्रम, एम्स, नई दिल्ली में 24 – 26 अगस्त 2012 के दौरान दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के सत्र की अध्यक्षता की, उन्होंने नई दिल्ली में एनेस्थीसियोलॉजी पर नवीनतम उन्नतियों पर दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आई एन सी आर ए ए) और पांचवें सार्क क्रिटिकल केयर सम्मेलन में 5 – 7 अक्तूबर, 2012 को सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने जे पी एन ए, एम्स, नई दिल्ली द्वारा 23 – 25 नवंबर 2012 के बीच ट्रॉमा 2012 सम्मेलन के सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. आर. एस. चौहान ने इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी (आईएसए) के वार्षिक सम्मेलन में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. जी. पी. रथ ने इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोलॉजी एनेस्थिसियोलॉजी एण्ड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसी), 8–10 फरवरी, 2013, वाराणासी; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, विश्व जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी के बीच 13वें वार्षिक सम्मेलन में वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता की।

डॉ. हेमांशु प्रभाकर को शोध पत्र 'कम्पेरेटिव इवेल्यूवेशन ऑफ परक्यूटेनियस रैट्रोगेसेरिन ग्लीसरोल राइजोलाइसिस एण्ड रेडियोफ्रिक्वेंसी थर्मो कॉएगुलेशन टेकनिक इन द मैनेजमेंट ऑफ ट्राइजैमिनल न्यूरालजिया' न्यूरोसर्जरी 2012, 70 (2) : 407–412' प्रसन्न बी यू, चौहान आर एस, दास एच एच, बिठ्ठल पी के, प्रभाकर एच के लिए उल्लेखनीय योगदान (एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार – 2012) हेतु सम्मानित किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. पॉल हट्र्ज, सहायक प्रोफेसर, नैदानिक एनेस्थिसियोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑु इलनोसिस, शिकागो, यूएसए का दौरा किया और विभाग में एक व्याख्यान दिया।
2. डॉ. सर्जियो डी वर्गेस, प्रमुख, तंत्रिका संज्ञाहरण विभाग, ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर, यूएसए का दौरा किया और विभाग में एक व्याख्यान दिया।

तंत्रिका विज्ञान

शिक्षा

स्नातकपूर्व अध्यापन

सभी संकाय सदस्य स्नातक पूर्व व्याख्यानों में स्नातक पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल रहते हैं। कुछ स्नातक पूर्व छात्र विभागीय संकाय के मार्गदर्शन के तहत अल्पावधि अनुसंधान कार्य के आयोजन में भी शामिल हैं। बी. एससी. नर्सिंग व्याख्यान नियमित रूप से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किए गए हैं।

स्नातकोत्तर अध्यापन

विभाग में 18 तंत्रिका विज्ञान रेज़ीडेंट हैं। डीएम बाल रोग तंत्रिका विज्ञान रेज़ीडेंटों की तैनाती प्रशिक्षण हेतु नियमित रूप से की जाती है। एमडी काय चिकित्सा और मनोविज्ञान के रेज़ीडेंट डॉक्टरों को आवधिक रूप से प्रशिक्षण प्रयोजनों हेतु तैनात किया जाता है। विभाग द्वारा राउंड, साप्ताहिक गोष्ठी, जर्नल क्लब और क्लिनिकल प्रकरण चर्चा के रूप में प्रकरणों के विस्तृत प्रदर्शन के रूप में नियमित अध्यापन किए जाते हैं।

डॉ. गरिमा शुक्ला के तहत एम्स स्लीप क्लिनिक में बुलाए गए डीएम न्यूरोलॉजी और अन्य विशेषता के छात्रों के लिए एक अद्वितीय शैक्षिक गतिविधि आरंभ की गई जो नींद संबंधी विकारों के विभिन्न परेशानी पैदा करने वाले मामलों की एक शिक्षाप्रद प्रारूप में चर्चा की गई है।

डॉ. ममता बी. सिंह दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में सेवारत चिकित्सकों के साथ नियमित रूप से (एम महीने में एक बार) 'एपिलेप्सी बेसिक' इंटरेक्टिव अभिविन्यास कक्षाएं आयोजित करती हैं। उन्होंने पिछले एक वर्ष में 7 ग्रामीण स्थानों को कवर किया है।

विभाग द्वारा आयोजित

सीएमई / कार्यशाला

1. एम्स संकाय के लिए रामालिंगास्वामी बोर्ड कक्ष, एम्स में 31 जुलाई 2012 ने 'हाउ टू राइट ए रिसर्च ग्रांट प्रपोजल' पर कार्यशाला आयोजित की गई (कामेश्वर प्रसाद)।
2. विषय 'कॉन्फिडेंस इंटरवल इन इंटरप्रीटेशन ऑफ क्लिकिनल ट्रायल' पर 10 अप्रैल 2012 एम्स, नई दिल्ली में अनुसंधान विधि संगोष्ठी आयोजित की गई (कामेश्वर प्रसाद)।

3. 'फस्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस फॉर एविडेंस बेस्ड हेल्थकेयर', नई दिल्ली, 6–8 अक्टूबर 2012 को आयोजित की गई।
4. आमंत्रित अतिथि संकाय, डॉ. रिचर्ड बर्गेस, एमडी, पीएचडी, एपिलेप्सी सेंटर, क्लीवलैंड क्लिनिक, ओहियो, यूएसए, 21–22 सितंबर 2012, न्यूरोसाइंसेज सेमिनार रूम, एम्स, नई दिल्ली द्वारा ईईजी स्रोत स्थानीयकरण पर एक दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई (गरिमा शुक्ला)।
5. द स्लीपकॉन 2013, (द इंडियन स्लीप डिसऑर्डर्स एसोसिएशन की वार्षिक बैठक), 29–31 मार्च, 2013 नई दिल्ली में आयोजित की गई (गरिमा शुक्ला)।
6. प्रो. क्रिश्चियन गुलिमिनयूल्ट, स्टेंफॉर्ड यूनिवर्सिटी, 9 अप्रैल 2012, न्यूरोसाइंसेज सेमिनार कक्ष, एम्स नई दिल्ली द्वारा 'स्लीप डिसऑर्डर्ड ब्रीथिंग इन द यंग – इम्प्लीकेशन्स एंड इम्पोर्टेंस टू द न्यूरोलॉजिस्ट' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई (गरिमा शुक्ला)।
7. डॉ. रॉबर्ट थॉमस, 12 अप्रैल 2012, न्यूरोसाइंसेज सेमिनार रूम, एम्स, नई दिल्ली द्वारा 'डिफिकल्ट टु ट्रीट ऑब्स्ट्रक्टीव स्लीप एपनिया' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई (गरिमा शुक्ला)।
8. स्ट्रॉक एंड मल्टीपल स्क्लेरोसिस पर कार्यशाला आयोजित की गई (रोहित भाटिया)।

दिए गए व्याख्यान

माधुरी बिहारी : 9 **कामेश्वर प्रसाद : 16** **मंजरी त्रिपाठी : 40** **गरिमा शुक्ला : 21**
रोहित भाटिया : 6

सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र : 27

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

1. पार्किन्सन रोग में मोटर, वाणी और बोधात्मक कार्यों का तंत्रिका मापन। माधुरी बिहारी, डीबीटी, तीन वर्ष, रुपए 42.5 लाख।
2. रिलैप्सिंग – रेमिटिंग मल्टीपल क्लेरोसिस के मरीजों में बी जी 00012 की क्षमता एवं सेफ्टी को निर्धारित करने के लिए रैन्डोमाइज्ड, मल्टीक्यूलर, डबल – ब्लाइंड, प्लेसबो – नियंत्रित, डोज – तुलना अध्ययन। माधुरी बिहारी 1 बॉयोजेन इडेक। 24 माह, रुपए 40 लाख।
3. अध्ययन आर आर एम एस के साथ बी जी 00012 की सेफ्टी और क्षमता का अध्ययन। माधुरी बिहारी। जीवद्रव्य विज्ञान विभाग। 5 वर्ष, रुपए 30 लाख।
4. शुरूआती पीडी में यादृच्छिक, बहुकेन्द्रिक, दोहरे ब्लाइंड प्लासेबो नियंत्रण सेफिनामाइड निर्धारित खुराक के अध्ययन। माधुरी बिहारी, मर्कसेरेनो, 24 माह, रुपए 10 लाख।
5. मोटर उतार चढ़ाव वाले पीडी रोगियों में अतिरिक्त उपचार के रूप में सेफिना माइड की दक्षता के मूल्यांकन हेतु दीर्घ अवधि नियंत्रित अध्ययन, माधुरी बिहारी, मार्क सेरेनो, दो वर्ष, रुपए 30 लाख।
6. उन्नत पीडी में मानव एमएससी प्रतिरोपण की दक्षता के अध्ययन के लिए खुला लेबल परीक्षण। माधुरी बिहारी, रिलायंस लाइफ साइंसेज, 3 वर्ष, रुपए 15 लाख।
7. पीडी रोगियों में सफिनामाइड की दीर्घकालिक सुरक्षा का निर्धारण करने के लिए अध्ययन। माधुरी बिहारी, मार्क सीरीनो।
8. पार्किंसन रोग में यूएस–भारत सहयोगात्मक साझेदानी (सीपीपीडी) की स्थापना माधुरी बिहारी, भारत–यूएस, 64 लाख रु.।
9. वयस्क विकलांगता में एन टी 201 की दक्षता और निरापदता के अध्ययन के लिए डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। माधुरी बिहारी, 2 वर्ष।
10. एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक के रोगियों के लिए स्टेम सेल प्राप्त इंट्रावेनस ऑटोलोगस बोन मैरा : एक बहुसांस्थानिक प्रोजेक्ट। कामेश्वर प्रसाद, डीबीटी।
11. सेंट्रल डेटाबेस प्रबंधन सुविधा : कामेश्वर प्रसाद, डीबीटी।
12. स्ट्रोक बायोलॉजी पर क्षमता निर्माण। कामेश्वर प्रसाद, डीबीटी।
13. तीव्र इस्कीमिक स्ट्रोक रोगियों में जी–सीएसएफ का उपयोग स्टेम कोशिकाओं की लामबंदी : एक यादृच्छिक चिकित्सीय परीक्षण। कामेश्वर प्रसाद, डीबीटी।
14. स्ट्रोक के लिए एक जोखिम फैक्टर के रूप में बीटा एडरिनर्जिक रिसेप्टर और एंगियोटेनसन कन्वर्टिंग इन्जाइम इंकोडिंग जीन पॉली मोर्फिज्म : एक मामला अध्ययन नियंत्रण। कामेश्वर प्रसाद, आईसीएमआर।

15. रैट में स्ट्रोक का मिडिल सेरेबल आर्टेरी ऑक्यूजन मॉडल में सिफ मिलेशन बनाम बी एम एन के मिश्रण में बोन मैरो आणुविक सेल (बीएमएमएनसी) के नियंत्रण के प्रभावों की तुलना। कामेश्वर प्रसाद, डीबीटी।
16. एपिलेप्सी के परीक्षण चलाने हेतु प्लेटफॉर्म आधारित एक इंटरनेट के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय प्रायोगिक अध्ययन (एपिनेट)। यूनिवर्सिटी ऑफ ऑकलैंड, न्यूजीलैंड, मंजरी त्रिपाठी।
17. निरंतर धनात्मक वायु मार्ग दबाव (सीपीएपी) के साथ कार्डियोवेस्कुलर (सीवी) को घटाने में मानक देखभाल के अलावा गंभीर रुकावटपूर्ण स्लीप एपनिया (ओएसए) के इलाज में प्रभावशीलता का निर्धारण करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय बहु केन्द्र, खुले समानांतर समूह, भविष्यलक्षी, यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण सेव ट्रायल। मंजरी त्रिपाठी, मोनाश यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया।
18. एचएलए एलील और मिरगी के साथ लोगों में त्वचा संबंधी दवा प्रतिक्रियाओं के साथ अपने सहयोग का पता लगाने के लिए एक त्वरित निदान विधि का सत्यापन। डीबीटी, मंजरी त्रिपाठी।
19. मिर्गी के रोगियों के सीरम में संबद्ध एंटीबॉडी का सहयोग। एम्स, आंतरिक परियोजना, मंजरी त्रिपाठी।
20. संवहनी संज्ञानात्मक हानि (वीसीआई)–आईसीएमआर के साथ रोगियों के लिए भारतीय संदर्भ में उपयोग के लिए एक व्यापक नैदानिक और तंत्रिका मनोवैज्ञानिक परीक्षण बैटरी का विकास और मान्यता, मंजरी त्रिपाठी।
21. इन्ट्रक्टबल एपिलेप्सी में समकालिक ईईजी –एफएमआरआई के दौरान इलेक्ट्रॉफिजियोलॉजिकल अवस्थाओं और हिमोडायनमिक परिवर्तन का पारस्परिक प्रभाव, डीबीटी, मंजरी त्रिपाठी।
22. इन्ट्रक्टबल एपिलेप्सी के रोगियों में प्रीऑपरेटिव मूल्यांकन के रूप में लैंगवेज एवं मेमोरी का कॉग्नाटिव एक्टीवेशन अध्ययन – जांच का एक नवीन गैर इन्वेसिव विधि। डीएसटी, मंजरी त्रिपाठी।
23. दुर्दम्य और क्रोनिक माइग्रेन के रोगियों में आयुर्वेदिक उपचार प्रोटोकॉल का रोग निरोधी गुणों का मूल्यांकन करने के लिए चिकित्सीय परीक्षण यादृच्छिक नियंत्रित। आईपीसीए लेबोरेटरीज। मंजरी त्रिपाठी।
24. मिर्गी परीक्षण के लिए रेडियो सर्जरी या खुली सर्जरी (आरओएसई)। एनआईएच, मंजरी त्रिपाठी।
25. कठिन मिर्गी उपचार के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) डीबीटी, मंजरी त्रिपाठी।
26. प्रि गेबेलिन पाने वाले या प्लासेबो उपचार वाले आंशिक दौरों के रोगियों में दिखाई देने के क्षेत्र में बदलाव का भविष्य लक्षी यादृच्छिक 12 सप्ताह का नियंत्रित अध्ययन। फिजर, मंजरी त्रिपाठी।
27. हाइपोथर्मिक सर्कुलेटरी अरेस्ट के बिना एरोटिक आर्क प्रतिस्थापन सर्जरी के बाद तंत्रिका विज्ञान के परिणाम। मंजरी त्रिपाठी।
28. वेस्कुलर बोधात्मक क्षति, हल्की बोधात्मक क्षति और अल्जाइमर रोग में प्रत्याशी जीन की भूमिका : सामान्य आनुवंशिक मार्करों और फार्मेको जेनेटिक्स की परिभाषा। मंजरी त्रिपाठी।
29. वेस्कुलर बोधात्मक क्षति, हल्की बोधात्मक क्षति और अल्जाइमर रोग में प्रत्याशी जीन की भूमिका : सामान्य आनुवंशिक मार्करों और फार्मेको जेनेटिक्स की परिभाषा। मंजरी त्रिपाठी।
30. हल्की बोधात्मक क्षति (एम सी आई) और अल्जाइमर रोग (ए डी) के लिए संभावित चिकित्सीय लक्ष्य के तौर पर सिरटुइन के विशिष्ट पेप्टाइड एक्टिवेटर की डिजाइन। मंजरी त्रिपाठी।
31. इनट्रेक्टेबल मिरगी के रोगियों के लिए रिफ्लैक्सो लॉजी उपचार की दक्षता और निरापदता का निर्धारण : एक बहु केंद्र यादृच्छिक क्लिनिकल परीक्षण। मंजरी त्रिपाठी।
32. इलेक्ट्रोएनसिफेलो ग्राम (ई ई जी) पर दर्ज खोपड़ी के नॉन कनवल्सिव दौरों का अपने आप पता लगाना, डी बी टी। मंजरी त्रिपाठी।
33. एम सी आई ए डी की ओर प्रगामी बहु कार्यों के प्रभाव, सी एस आई – डी एस टी। मंजरी त्रिपाठी।
34. इनट्रेक्टेबल मिरगी वाले एम टी एल ई के रोगियों में हिपोकैम्पस और एमिगडाला के निर्धारित क्षेत्रों से माइक्रोइलेक्ट्रोकोर्टिकोग्राफी से जी ए बी आर जी 2 जीन के उत्परिवर्तनों का आकलन। डी बी टी। मंजरी त्रिपाठी।
35. हल्की बोधात्मक क्षति और अल्जाइमर रोग में मात्रात्मक ई ई जी बदलावों, बोधात्मक कार्य और तनाव का अध्ययन। एम्स। मंजरी त्रिपाठी।
36. उभरते प्रौद्योगिकी के निर्धारण हेतु जेनेरटिक जानकारी – स्लीप अशक्त ब्रीदिंग एवं स्ट्रोक के मरीजों में नई वेस्कूलर घटनाओं को रोकने के लिए क्रमिक पॉजीटिव एयरवे दाब थैरेपी के प्रभाव : एक रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन। गरिमा शुक्ला। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 2009–13, रुपए 67 लाख।
37. पहली बार स्ट्रोक आने वाले रोगियों में रुकावट पूर्ण नींद एपनिया बनाम रिफ्रैक्टरी हाइपरटेंशन : सामान्य रोगाणु जनन प्रक्रिया की खोज। गरिमा शुक्ला, आई सी एम आर, 2012 – 15, 41 लाख रुपए।
38. फिस्ट प्रोग्राम, स्ट्रोक और नींद के विकार, एम वी पदमा, मंजरी त्रिपाठी, गरिमा शुक्ला, 5 वर्ष, 94.5 लाख रुपए।

39. रुकावट पूर्ण नींद एपनिया (ओ एस ए) पैरामीटरों में टेम्पोरो मेंडीबुलर जोड़ (टी एम जे) एंकाएलोसिस के साथ रुकावट पूर्ण नींद एपनिया में मेंडिबल के डिस्ट्रेक्शन के बाद मूल्यांकन : एक अस्पताल आधारित अध्ययन, 3 वर्ष, 32 लाख रुपए, गरिमा शुक्ला।
40. मोनो मेलिक एमाइट्राफी (एम एम ए) के रोगियों में लगातार वायरस संक्रमण की भूमिका निर्धारित करना और खोजना। एम्स, दीप्ति विभा।

विभागीय परियोजनाएं

1. इंफ्लेमेटरी मार्कस इन सीएसएफ एण्ड सीरम ऑफ पेशेंट्स विद एस एस पी ई एण्ड इफैक्ट ऑफ ट्रीटमेंट।
2. क्लिनिकल प्रोफाइल एण्ड नेचुरल हिस्टोरी ऑफ पी डी एट ए सिंगल टर्शरी केयर हॉस्पिटल।
3. ट्रांसलेशन एण्ड वेलिडेशन ऑफ नॉन – मोटर, सिम्पटम क्वेश्चनायर इन पी डी पेशेंट्स।
4. ट्रांसलेशन एण्ड वेलिडेशन ऑफ पी डी क्यू – 39 इन पी डी पेशेंट्स।
5. स्पेक्ट्रम ऑफ एन एम एस इन पी डी पेशेंट्स एट ए टर्शरी केयर सेंटर।
6. कॉम्प्लीमेंटरी एण्ड अल्ट्रानेटिव मेडिसिनेस इन पी डी।
7. प्रेसक्रिप्शन पैटर्न ऑफ टी बी एम अमंग एम्स फेकल्टी।
8. एससीए में आरएलएस
9. एम एन डी रोगियों में सी एस एफ टेस्टोस्टेरॉन लेवल्स।
10. पी डी तथा पार्किन्सनिज्म में ऑलफैक्टरी फंक्शंस।
11. पारिवारिक पीडी रोगियों में ओल्फैक्टरी कार्यों और उनकी पहली डिग्री के संबंधी।
12. भारत में पी डी का लागत उपचार।
13. इंप्लासिव ऑफ प्रिवलेंस – पार्किंसन रोग के रोगियों में कंप्लासिव बिहेवियर डिसओर्डर : प्रश्नावली आधारित अध्ययन
14. भारत में पी डी का लागत उपचार : अस्पताल आधारित अध्ययन।
15. पीडी में मूत्ररोग संबंधी दुष्क्रिया तथा पी डी में सैक्सुअल फंक्शन का मूल्यांकन, यूरोलॉजिकल पैरामीटर्स भविष्य सापेक्ष सह–संबंध का अध्ययन।
16. टेम्पोरल लॉब उपस्मार से पीड़ित रोगियों में रिफे्क्टरीनेंस का पूर्वानुमान।
17. सिरकेडियन स्लीप रिद्म (यूजिंग एक्टिग्राफी वॉच एण्ड प्रोफार्मा) पर रिफ्रैक्टरी अपस्कर तथा नियंत्रित उपस्कार बनाम नियंत्रण का प्रभाव
18. रिफ्रेक्टरी फोकल उपस्कर से पीड़ित रोगियों में वीडियो ईईजी के लोकलाइजिंग वेल्यू में निद्रा की भूमिका।
19. इंट्रेक्टेबल उपस्मार के रोगियों में सर्जरी से पहले तथा सर्जरी के बाद कॉगनिटिव फंक्शन पर निद्रा की प्रभावात्मकता तथा इसका प्रभाव।
20. पी डी रोगियों में अमेंटेडाइन की उपचार प्रक्रिया के दौरान कॉर्नियल स्वास्थ्य।
21. मिरगी के रोगियों का एक आसंजक रूप से औषधि प्रतिक्रियाशीलता को परिभाषित करना।
22. धातुओं का पता लगाने पर एईडी प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया और प्रभाव।
23. देखभालकर्ताओं के विवरण, घर के वीडियो तथा वीडियो ई ई जी के जरिए उत्पन्न दौरे की सेमियोलॉजी की तुलना।
24. इडियोपैथिक हाइपोपैराथाइरोइडिज्म के रोगियों में सब क्लिनिक दौरों की दर – एक क्लिनिकल इलेक्ट्रोएनसिफेलोग्राफिक अध्ययन।
25. एक वर्ष से 18 वर्ष की आयु वाले बच्चों में रिफ्रैक्टरी मिर्गी होने पर संशोधित एटकिन्स आहार बनाम कीटोजेनिक आहार की दक्षता। 2012
26. योग निद्रा का विद्युत शरीर क्रियात्मक लाक्षणीकरण और प्राथमिक इनसोमनिया के रोगियों में इसकी भूमिका, 2012
27. रिफ्रैक्टरी फोकल दौरों वाले रोगियों में वीडियो ई ई जी के स्थानिक महत्व पर नींद का प्रभाव – एक भविष्य लक्षी वीडियो पॉलीसोमोग्राफी – ई ई जी अध्ययन।
28. रिफ्रैक्टरी मिर्गी में स्मृति, कार्यकारी कार्य और भाषा निष्पादन का अध्ययन।
29. रिफ्रैक्टरी हाइपरटेंशन वाले रोगियों की तुलना में पहली बार स्ट्रोक के रोगियों में रुकावट वाली नींद एपनिया : सामान्य रोगाणुजनक प्रक्रियाओं की खोज।
30. मल्टिपल स्क्ले रोसिस के रोगियों में क्लिनिकल, जनसांख्यिकी और उपचार रूपरेखा का अध्ययन।
31. स्ट्रोक पर मौसम और दिन रात की भिन्नता का अध्ययन करना।
32. चिरकालिक स्ट्रोक में सर्जरी के हस्तक्षेपों के परिणाम

33. रियूमेटिक हृदय रोग के रोगियों में स्ट्रोक के पूर्व संकेतक
34. मैलिग्नेंट एम सी ए इनफारक्शन के लिए डी कॉम्प्रेसिव हेमी क्रेनिएक्टोमी कराने वाले रोगियों में दीर्घ अवधि परिणाम का अध्ययन करना।
35. स्ट्रोक के रोगियों में स्ट्रोक से सुधारने होने के लिए बायोमार्करों का अध्ययन और टी सी एम एस के साथ इसका सह संबंध।
36. गंभीर स्ट्रोक में ऑटोलोगस मोनोन्यूक्लियर और मिसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के साथ सुधारात्मक उपचार : एक क्लिनिको कार्यात्मक सह संबंध मूल्यांकन।
37. मौखिक एंटी को एगुलेशन उपचार वाले रोगियों में एंटी कोएगुलेशन का ज्ञान और समझ।
38. स्ट्रोक के रोगियों में ज्ञान के अंतर तथा स्ट्रोक के लिए जोखिम कारकों का अध्ययन।
39. मिर्गी के रोगियों में फोन द्वारा फॉलोअप की व्यवहार्यता, रोगी की स्वीकार्यता और दक्षता – एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
40. रिफ्रैक्टरी मिर्गी के रोगियों में चिकित्सा की दृष्टि से दवाओं की दोबारा शुरूआत के बाद परिणाम स्वरूप दौरों की संख्या पर ई एम यू में ए ई डी अवकाश के प्रभाव : एक भविष्य लक्षी अवलोकन नियंत्रित अध्ययन।
41. ग्रामीण भारतीय आबादी में मिर्गी के दौरों के निदान के लिए फोन अनुप्रयोग का सत्यापन – एक विषम अनुभाग सर्वेक्षण।
42. ग्रामीण भारत में मिर्गी के प्रबंधन के लिए निरीक्षण रहित 'दूरस्थ देखभाल' मॉडल : क्या यह स्थायी मॉडल है? एक प्रायोगिक अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक हेतु इंट्राविनस आर टी पी ए द्वारा थ्रोम्बोलाइसिस : तृतीय अंतरराष्ट्रीय स्ट्रोक परीक्षण (आई एस टी – 3) (चि. अनुसंधान परिषद्, यू. के.)
2. ई एन ओ एस : स्ट्रोक में नाइट्रिक ऑक्साइड की प्रभावोत्पादकता – तीव्र स्ट्रोक के रोगियों में ट्रांसडर्मल ग्लाइसीरल ट्राइनाइट्रेट, ए नाइट्रिक ऑक्साइड डोनर, एण्ड ऑफ स्टॉपिंग और कंटिन्यूइंग प्राचर एंटीहाइपरटेंसिव थैरेपी के फेक्टोरियल परीक्षा की अनुसंधान संबंधी सुरक्षा तथा प्रभावकता का भविष्य सापेक्ष, अंतरराष्ट्रीय बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, समानांतर समूह, ब्लाइंडिड, नियंत्रित, सहयोगी अध्ययन, (चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, यू. के.)।
3. भारतीय जनसमुदाय में इस्केमिक स्ट्रोक के आनुवंशिक आधार। (यू. के. – इण्डिया एजुकेशन रिसर्च इनिशिएटिव, ब्रिटिश कोंसिल, यू. के.)।
4. मौखिक एंटिकोगुलेशन चिकित्सा पर रोगियों की सफलता के लिए एंटिकोगुलेशन का ज्ञान और समझ। (नर्सिंग)।
5. स्ट्रोक के लिए स्ट्रोक और जोखिम कारकों के साथ रोगियों में ज्ञान में अंतर का अध्ययन करना। (नर्सिंग)।
6. ट्रेकोस्टॉमी केयर पर शिक्षण अभिवान के प्रभाव का मूल्यांकन (नार्सिंग महाविद्यालय)।
7. स्ट्रोक के बाद उत्पन्न जटिलताओं के रोकथाम के लिए शिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन (नार्सिंग महाविद्यालय)।
8. मधुमेह के उपचार मानक के अतिरिक्त रिद्म ब्रीथिंग (सुदर्शन क्रिया योग और प्राणायाम) के साथ मधुमेह में जीवन और ग्लाइसेमिक नियंत्रण की गुणवत्ता में सुधार (एंडोक्राइनोलॉजी)।
9. मिर्गी से प्रभावित लोगों में ऑस्टियो प्रोटेक्टिव उपाय सुझाने के लिए एक शिक्षण मॉड्यूल विकसित करने की दृष्टि से ऑस्टियोप्रोटेक्टिव उपायों से हड्डी स्वास्थ्य और ज्ञान का आकलन करने के लिए अध्ययन। (नर्सिंग)।
10. गंभीर सेप्सिस और परिणाम पर इसके प्रभाव में इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल असामान्यताएं और अधिग्रहीत तंत्रिका मांसपेशियों में कमजोरी : एक भावी अध्ययन (काय चिकित्सा)।
11. एंटीएपिलेप्टिक दवाओं पर किशोर मायक्लोनिक एपिलेप्सी के साथ रोगियों में अस्थि स्वास्थ्य। (मेडिकल एंडोक्राइनोलॉजी)।
12. नर्स के नेतृत्व में भारत के लिए मिर्गी क्लिनिक एक व्यवहार्य विकल्प है ?(नर्सिंग)।
13. डब्ल्यूडब्ल्यूई में प्रजनन स्वास्थ्य : एक प्रकरण – नियंत्रित वर्णनात्मक अध्ययन (नर्सिंग)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 80 सारांश : 5 पुस्तकों में अध्याय : 8

रोगी उपचार

डॉ. मंजरी त्रिपाठी

1. स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक राष्ट्रीय एपिलेप्सी कार्यक्रम के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जो अब योजना आयोग में ले जाया गया है।
2. एपिलेप्सी के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम की शुरूआत करने के लिए ग्रामीण आउटरीच कार्यक्रम (आई आर ई ए पी, इण्डियन रूरल एपिलेप्सी जागरूकता कार्यक्रम) की शुरूआत की, जिसके लिए उन्होंने पायलट अध्ययन की रूपरेखा बनाई जो 2 वर्षों में पूरी होती है।
3. जीईएमआईएनडी का विकास, एक कोर संस्थापक सदस्य के रूप में भारत (इंडियन एपिलेप्सी सोसायटी) में एपिलेप्सी प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश दिए। चिकित्सकों के लिए अभ्यास दिशा निर्देश।
4. पीएचसी और जीपी के बीच एपिलेप्सी में शिक्षा के अंतर को कम करने के साथ अध्यापन के मिशन और ईटीपी – एपिलेप्सी टीचिंग प्रोग्राम।
5. ए आर डी एस आई – दिल्ली द्वारा डेमेंशिया से पीड़ित रोगियों की सहायता हेतु परिवारों के लिए वालंटियर नेटवर्क।

डॉ. ममता बी. सिंह

ममता ने सामुदायिक सेवा / शिविरों आदि द्वारा दूरस्थ ग्रामीण स्थान में हर महीने एक 2 दिवसीय ग्रामीण एपिलेप्सी स्क्रीनिंग और जागरूकता सत्र का आयोजन किया। पिछले एक वर्ष में 7 शिविरों का आयोजन किया गया जो हैं : (1) बेतूल, मध्य प्रदेश (5, 6 मई 2012); (2) कटनी, मध्य प्रदेश (21, 22 जुलाई 2012); (3) रायपुर छत्तीसगढ़ (1, 2 दिसंबर 2012); (4) सागर, मध्य प्रदेश (22, 23 दिसंबर, 2013); (5) ब्यावरा, मध्य प्रदेश (19, 20 जनवरी 2013); (6) नकसलबारी पश्चिम बंगाल (16, 17 फरवरी 2013); और (7) गोपालपुर, उड़ीसा (26, 27 अप्रैल 2013)।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य एम. बिहारी ने पार्किंसन रोग के रोगियों के लिए 8 अप्रैल 2012 को वर्ल्ड पार्किंसन डिजीज का आयोजन किया। पार्किंसन पर डीडी न्यूज पर लाइव शो 'टोटल हेल्थ' के प्रसारण में विशेषज्ञ।

आचार्य कामेश्वर प्रसाद को बिहार शताब्दी उत्सव आयोजन समिति (बी एस यू ए एस) द्वारा 18 मार्च 2012 को नई दिल्ली में बिहार के माननीय मुख्य मंत्री द्वारा विशिष्ट बिहारी सम्मान से सम्मानित किया गया, डब्ल्यूएसओ (वर्ल्ड स्ट्रोक ऑर्गेनाइजेशन) ग्लोबल क्वालिटी वर्किंग ग्रुप, 2013 के सदस्य, लंदन में बी एम जे इंटरनेशनल एडिटोरियल एडवाइजरी बोर्ड मीटिंग में, 21 – 22 मार्च 2013 को भाग लिया, कोक्रेन स्ट्रोक ग्रुप एडिटर्स की बैठक में 19 अप्रैल 2012 को एडिनबर्ग, यू के में भाग लिया, संस्थापक बोर्ड सदस्य, इंटरनेशनल सोसायटी फॉर एविडेंस बेस्ड हैल्थ केयर, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित मोबाइल प्रौद्योगिकी के स्वास्थ्य प्रभागों का अध्ययन करने के लिए विशेषज्ञ समूह के एक सदस्य के तौर पर मनोनीत, एन ई आई जी आर आई एच एम एस, शिलोंग में संकाय पद (तंत्रिका विज्ञान) के लिए स्थायी चयन समिति की बैठक के लिए विशेष मनोनीत, भारतीय चिकित्सा परिषद की स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा (सुपरस्पेशलिटी) समिति के सदस्य मनोनीत, सदस्य, अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समिति, एशिया पेसिफिक फोरम फॉर क्वालिटी इम्प्रूवमेंट इन हैल्थ केयर, सदस्य, संक्रामक रोग और ए आर आई समीक्षा समूह, इंटरनेशनल कोक्रेन कोलेबोरेशन, सदस्य इंटरनेशनल क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी नेटवर्क, सदस्य, डी बी टी के चिरकालिक रोग जीव विज्ञान पर कार्यबल, सदस्य, असम विश्वविद्यालय, सिलचर (2012–13) की कार्यकारी परिषद के सदस्य, इण्डिया क्लेन हैल्थ रिसर्च केपेसिटी बिल्डिंग इनिशिएटिव पर तकनीकी सलाहकार समूह के सदस्य, निदेशक, क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी यूनिट, एम्स, नई दिल्ली, सदस्य, पण्डित भगत दयाल शर्मा चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक की कार्यकारी परिषद के सदस्य, एडिनबर्ग में स्थित कोक्रेन स्ट्रोक ग्रुप और एमस्टर्डम में स्थित कोक्रेन ए आर आई समूह, संपादकीय बोर्ड के सदस्य – प्रैक्टिकल न्यूरोलॉजी – एक ब्रिटिश मेडिकल जर्नल प्रकाशन, कोक्रेन ए आर आई रिव्यू ग्रुप, ऑस्ट्रेलिया, न्यूरोलॉजी इण्डिया, एनल्स ऑफ इण्डियन अकादमी ऑफ न्यूरोलॉजी, 14 में संयुक्त वार्षिक भारतीय मिर्गी संघ तथा इण्डियन एपिलेप्सी सोसायटी के सम्मेलन में भाग लिया, जिसका आयोजन हैदराबाद में 8 – 10 फरवरी, 2013 के बीच एपिलेप्सी एसोसिएशन द्वारा किया गया।

डॉ. मंजरी त्रिपाठी मुख्य लेखिका – ऑटोइम्यून एंसेफिलाइटिस को डी एन ए सी ओ एन – 2013 में सर्वोत्तम पोस्टर का पुरस्कार, तीसरे आई आर डी एस पुरस्कार 2012 में चिकित्सा हेतु आनंदी बाई जोशी पुरस्कार से सम्मानित, 'ट्रिगरिंग फैक्टर्स ऑफ सीजर्स इन पीपल विद एपिलेप्सी' नामक पोस्टर में सह और मुख्य लेखिका के तौर पर सम्मानित, भारतीय मिर्गी संघ तथा इण्डियन एपिलेप्सी सोसायटी ई सी ओ एन 2012 के 13वें वार्षिक सम्मेलन में, सदस्य, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सी एस आई आर) के लिए चिकित्सा विज्ञान अनुसंधान समिति, 2013, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय,

भारत सरकार के अधीन 2013 में ओ एस ए के निदान के लिए रुकावट वाले नींद एप्निया पर राष्ट्रीय दिशा निर्देशों के विकास हेतु समूह की सदस्य, मायोपैथी – 2 की गोष्ठी के लिए सत्र की अध्यक्ष, तंत्रिका मांसपेशी विकार पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला, जी बी पंत अस्पताल, नई दिल्ली, 22 फरवरी 2013, सत्र 'पोइंट काउंटर पोइंट' एपिलेप्सी सर्जरी पर सत्र, 15वां वार्षिक सम्मेलन डी एन ए कॉन, 15वां दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन और वार्षिक न्यूरो नर्स अपडेट, नई दिल्ली, 17 फरवरी 2013, आई वी चाइल्ड न्यूरोकॉन पर सत्र, बाल तंत्रिका विज्ञान संघ का चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन, 16 फरवरी 2013, अध्यक्ष ओरेशन सत्र में सी एन एस बग और स्ट्रोक का परिचय, ट्रॉपिकोन 2013, एन ई डी एफ आई हाउस, गुवाहाटी, 2 फरवरी 2013, समन्वयक और अध्यक्ष 'सिम्पोजियम ऑन एपिलेप्सी फॉर न्यूरोलॉजिस्ट एण्ड न्यूरोसर्जन' न्यूरोकॉन 2012, गुड़गांव, हरियाणा, 21 दिसंबर 2012, 'एम आर आई – पी ई टी पर सत्र : द नेक्स्ट स्टेप इन मल्टी मॉर्डल इमेजिंग' न्यूरोकॉन 2012, गुड़गांव, हरियाणा, 20 दिसंबर 2013, विषय 'मैनेजमेंट ऑफ सिजर्स' (नए ए ई डी पर अधिक बल) की परिचायक, काय चिकित्सा व्याख्यान कक्ष, एम्स, नई दिल्ली, 21 मार्च 2012, 'डेंटल एण्ड सर्जिकल इशूज़' पर सत्र, स्लीप कॉन 2012, निद्रा विकारों पर राष्ट्रीय सम्मेलन, चण्डीगढ़, 8 अप्रैल 2012, रुकावट पूर्ण नींद एप्निया दिशानिर्देशों पर भारतीय प्रयास के लिए समूह बैठक में विशेषज्ञ (इनोसा गाइडलाइन, 2013), स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय, 16 – 17 मार्च 2013, 16 दिसंबर 2012 को 'पॉलीसोमोग्राफी की व्याख्या' और 'केंद्रीय नींद एप्निया का प्रबंधन' पर सत्र की अध्यक्षता, एम्स, पल्मोक्रिट 2012, बोधात्मक विज्ञान अनुसंधान प्रयास (सी एस आई), सी आर राव एडवांस्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिक्स, स्टेटिस्टक्स एण्ड कंप्यूटर साइंस के तहत छानबीन और संकल्प टिप्पणियों की निगरानी के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक में भाग लिया, हैदराबाद, 8 – 9 अक्तूबर 2012, इण्डियन अकादमी ऑफ न्यूरोलॉजी आई ए एन सी ओ एन 2012 के सत्र की अध्यक्षता की, 5 अक्तूबर 2012.

डॉ. गरिमा शुक्ला ने स्लीप कॉन 2013 का आयोजन किया (इण्डियन स्लीप डिसऑर्डर एसोसिएशन की वार्षिक बैठक), 'सदस्य, प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड, स्लीप मेडिसिन' के तौर पर नियुक्त, 'स्लीप मेडिसिन' में प्रकाशित स्लीप मेडिसिन हेतु एलियो लोगारेसी डब्ल्यू ए एस एम पुरस्कार की विजेता, स्लीप मेडिसिन पर पांचवीं वर्ल्ड कांग्रेस, वेलंसिया, स्पेन, शैली सिंह द्वारा जमा किए गए शोध पत्र की मुख्य मार्गदर्शक जो 30 इंटरनेशनल एपिलेप्सी कांग्रेस, मोंट्रियल, जून 2013 में जमा किया गया, 30वें आई ई सी ट्रेवल बर्सरी पुरस्कार से सम्मानित, पी जी डी जी एम कार्यक्रम के कौशल विकास केंद्र (एस डी सी) में अंश कालिन परामर्श दाता के रूप में नियुक्त, राष्ट्रीय मिर्गी नियंत्रण कार्यक्रम तैयार करने के लिए डी जी एच एस द्वारा मनोनीत, इण्डियन अकादमी ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन जर्नल के संपादकीय बोर्ड की सदस्य, ए एस ई पी ए में इण्डियन एपिलेप्सी सोसायटी (आई ई एस) और भारत की ओर से ई ई जी बोर्ड परीक्षा की प्रतिनिधि, 2011 – 15.

डॉ. रोहित भाटिया ने प्रतिष्ठित लांसेट न्यूरोलॉजी पत्रिका में एक शोध पत्र का सह लेखन किया, 'द क्लिनिकल प्रैक्टिस ऑफ मल्टीपल स्क्लेरोसिस' पर पाठ्य पुस्तक का सह संपादन और लेखन की प्रक्रिया जारी है, रोटर डम समूह द्वारा अंतरराष्ट्रीय जी बी एस परिणाम अध्ययन के लिए राष्ट्रीय समन्वयक, तीसरा सर्वोत्तम शोध पत्र पुरस्कार, एक मुख्य मार्गदर्शक के रूप में डी एम रेसीडेंट के शोध कार्य के लिए इण्डियन अकादमी न्यूरोलॉजी 2012, डी एम शोध कार्य के लिए एक मुख्य मार्गदर्शक के रूप में मल्टीपल स्क्लेरोसिस पर अस्पतालों में आधारित पंजीकरण के आंकड़े संग्रह किए। विषय 'हार्ट एण्ड स्ट्रोक' पर प्रथम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के सह आयोजन द्वारा नवंबर 2013 में स्ट्रोक की समग्र देखभाल के लिए 2 विशेषज्ञताओं को एक साथ लाया गया, प्रतिष्ठित अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन द्वारा 3 वर्ष की अवधि के लिए वार्षिक अंतरराष्ट्रीय स्ट्रोक सम्मेलन के लिए सार समीक्षक के रूप में आमंत्रित, स्ट्रोक के निदान और मल्टीपल स्क्लेरोसिस' के व्यापक प्रबंधन तथा रोकथाम पर सभी प्रमुख समाचार पत्रों में सूचना के साथ सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया।

डॉ. ममता बी सिंह को ए ए एन, न्यू ओरलियंस, एल ए में 64वें वार्षिक सम्मेलन में अमेरिकन अकादमी ऑफ न्यूरोलॉजी इंटरनेशनल स्कोलरशिप 2012 प्रदान की गई। अमेरिकन अकादमी ऑफ न्यूरोलॉजी के वैश्विक स्वास्थ्य अनुभाग की संस्थापक सदस्य, 2012 में प्रो. पीटर एण्ड जायट वॉल्फ पुरस्कार से सम्मानित, बाल्टिक सी एपिलेप्सी समर स्कूल, रोस्टोक, जर्मनी, जुलाई 2012, मिर्गी के क्षेत्र में अमेरिकन अकादमी ऑफ न्यूरोलॉजी की ओर से विकार संबंधी विशेषज्ञ के रूप में ए ए एन मीडिया विशेषज्ञ कार्यक्रम द्वारा आमंत्रित, ए ए एन, न्यू ओरलियंस, एल ए में 64वें वार्षिक सम्मेलन में एक वार्ता दी, जिसके लिए इण्डियन न्यूरोलॉजिस्ट इन अमेरिका (ए आई एन ए) द्वारा आमंत्रित किया गया, अप्रैल 2012, एपिलेप्टोलॉजी के संपादकीय बोर्ड में : तथ्य और विवाद (एल्सवियर) एक्टोजेनेसिस के बाहरी संशोधन के साथ मिर्गी के अध्ययन के लिए अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक समूह के रूप में भाग लेने का आमंत्रण (ई पी ई एक्स एम ओ), इंटरनेशनल लीग अगेंस्ट एपिलेप्सी (आई एल ए ई) से सम्मानित जो 10वें यूरोपीयन कांग्रेस ऑफ एपिलेप्सी, लंदन में अक्तूबर 2012 के दौरान प्रदान किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. रिचर्ड बर्गेस एमडी, पीएचडी, एपिलेप्सी सेंटर, क्लीवलैंड क्लिनिक, क्लीवलैंड, ओहियो, यूएसए क्रिश्चियन गइलीमिनॉल्ट, एमडी. स्टैनफॉर्ड यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर स्लीप डिस्ऑर्डर्स।
2. रॉबर्ट जे थॉमस, एमडी. बेथ इसराइल डिकॉनेस मेडिकल सेंटर।
3. जेरोम चेन व्याख्याता, ग्लोबल हेल्थ, स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कले, यूएसए।

तंत्रिका मनोरोग विज्ञान

विशेषताएं

सोमवार, मंगलवार, बुधवार, शुक्रवार (सुबह) तथा वीरवार (दोपहर को नियोजित समय प्राप्त रोगियों हेतु) एक अलग से न्यूरो साइकोलॉजी रजिस्ट्री (सीएनपी) प्रारंभ की गई है तथा एक कोगनिटिव डिस्ऑर्डर एवं मेमोरी क्लीनिक (सीडी एवं एम क्लीनिक) (तंत्रिका विज्ञान विभाग एवं नैदानिक तंत्रिका क्लीनिक) (तंत्रिका विज्ञान विभाग एवं नैदानिक तंत्रिका मनो रोग विज्ञान विभाग द्वारा) प्रत्येक बुधवार को सुबह प्रारंभ किए गए हैं।

शिक्षा

- योजना पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या, आईआईटी जोधपुर, नैदानिक मनोविज्ञान पर पाठ्यक्रम 2012
- इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल साइंसेज, गुजरात फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी, एम.एससी. तंत्रिका मनोविज्ञान पाठ्यक्रम, मई 2013 के लिए अनुमोदन हेतु बैठक।
- एमिटी विश्वविद्यालय एम. फिल कार्यक्रम, बाह्य परीक्षक, 2013

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा /कार्यशाला/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

एनएसीआईएसीपी : 39वां नेशनल एनुअल कॉन्फ्रेस ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल फिजियोलॉजिस्ट, एम्स, 18–20 फरवरी, 2013

दिए गए व्याख्यान : 11

प्रस्तुत शोध पत्र : 18

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. एक मल्टीटास्किंग प्रतिमान का उपयोग एमसीआई और एडी में संज्ञानात्मक में गिरावट की प्रगति की पूर्व नैदानिक भविष्यवक्ता। आशिमा नेहरा वाधवा, डीएसटी, 2012–15, 40 लाख रु.।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. उभरती प्रौद्योगिकी के निर्धारण हेतु जेनेरटिक जानकारी – स्लीप अशक्त ब्रीदिंग एवं स्ट्रोक के मरीजों में नई वेस्कुलर घटनाओं को रोकने के लिए क्रमिक पॉजीटिव एयरवे दाब थैरेपी के प्रभाव : एक रैन्डमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन। डीएसटी, न्यूरोलॉजी, तंत्रिका नैदानिक मनोचिकित्सा)।
2. सकारात्मक, नकारात्मक और तटस्थ के प्रभाव संज्ञानात्मक कार्यों और सहायक मनोवैज्ञानिक तनाव प्रतिक्रिया को प्रभावित करते हैं। (डीबीटी, शरीर क्रिया विज्ञान और नैदानिक तंत्रिका मनोविज्ञान)।
3. हल्के मस्तिष्क घाव की चोट में संज्ञानात्मक घात के लिए संभावित बायोमार्कर के रूप में प्लाज्मा – एमआईआरएनए व्युत्पन्न। (आईसीएमआर, तंत्रिका शल्य चिकित्सा और नैदानिक तंत्रिका मनोविज्ञान)।

जारी

1. योग के प्रभाव से श्री विवेक द्वारा हल्के संज्ञानात्मक हानि के रोगियों और सामान्य आयु बढ़ने पर अभ्यास : तंत्रिका तंत्र में संतुलन।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. मस्तिष्क के एस्ट्रोसाइटिक ट्यूमरों में एस्ट्रोसाइटिक एंजियोजेनेसिस में एंजियोजेनेसिस : ए क्लीनिको पेथोलॉजिकल इंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर (वी ई जी एफ) के अभिव्यक्ति के विशेष संदर्भ में क्लीनिको पैथोलॉजीकल स्टडी विद स्पेशनल रेफरेंस टू एक्सप्रेशन ऑफ वेस्कुलर एंडोथिलियल ग्रोथ फैक्टर (वी ई जी एफ) एण्ड हाइपॉक्सिया इंडयूक्बिल फैक्टर (एच आई एफ)– अल्फा एंड कोरोलेशन विद वेस्कुलर मॉर्फोमेट्रिक पैरामीटर्स एण्ड ट्यूमर इनफ्लेमेटरी सेल्स. चित्रा सरकार। आई सी एम आर; 2009–12, 21 लाख रुपए (लगभग)
2. ग्लियल ट्यूमर्स तथा सेल लाइन्स के स्टेमनेस में हाइपोक्सिया तथा पी 53 एच आई सी आई। चित्रा सरकार। जैव प्रौद्योगिकी विभाग। 2009–12, 50.5 लाख रु.

जारी

1. ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफोरम में एक बड़े इम्प्रिंटिड एम आई आर एन ए की भूमिका समझने के लिए जीनोमिक और कार्यात्मक उपागम, चित्रा सरकार, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2012 – 15, 50 लाख रुपए (लगभग)।
2. ग्लियोमास में पॉलीकोम्ब रिप्रैसिव कॉम्पलेक्सिस का एक क्लीनिकोपेथोलॉजिकल तथा मॉलीक्यूलर आनुवंशिक अध्ययन। चित्रा सरकार। आई. सी. एम. आर., 2012–15, 50 लाख रु.।
3. बच्चों तथा वयस्कों में ग्लायोब्लास्टोमा : मॉलीक्यूलर पाथवेज तथा एम जी एम टी मिथाइलेशन स्टेट्स के विशेष संदर्भ द्वारा तुलानात्मक अध्ययन, वैशाली सूरी आई. सी. एम. आर। 2010–13, 24 लाख रुपए (लगभग)।
4. मृत जन्मे शिशु में आनुवंशिक मूल्यांकन में ऐरे आधारित तुलनात्मक जीनोमिक हाइब्रिडाइजेशन (ऐरे सी जी एच) की नैदानिक एप्लीकेशन्स। चित्रा सरकार, एम. सी. शर्मा। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2012–15, 85 लाख रु.।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. सी एन एस ए टी / आर टी का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन।
2. पिनियल ट्यूमर्स का क्लीनिको पैथोलॉजिकल अध्ययन।

जारी

1. प्रतिरक्षा ऊतक रसायनविज्ञान द्वारा मेड्यूलोब्लास्टोमस के सब टाइपिंग।
2. हिमैनजियोपेरिकायटोमस में एमजीएमटी मीथयलेशन।
3. ग्लियोमास में हिस्टोन मार्करों का अभिव्यक्ति।
4. ग्लियोसक्रोमा में एमजीटीएम मिथायलेशन।
5. भारतीय जन समुदाय में केलपेन 3, डाइसफर्लिन एवं सार्कोग्लाइकेन प्रोटीन विश्लेषण के प्रयोग द्वारा लिम्ब गिंडल मस्कुलर डायस्ट्रोफी (एल जी एम डी) का अध्ययन।
6. लिम्ब गिंडल मस्कूलर डाइस्ट्रोफी (एल जी एम डी) से ग्रसित भारतीय रोगियों का म्यूटेशनल विश्लेषण।
7. सब एपेनडाइयल जॉइंट सेल एस्ट्रोसाइटोमस तथा कॉर्टिकल डिस्प्लासिया में डब्लयूएनटी पाथवे का ट्यूबरियस स्केलेरोसिस कॉम्प्लेक्स तथा अपरेगुलेशन अध्ययन।
8. एथेनडारमोमस में ह्यूमैन टीलोमिटेस रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेस (एच टी ई आर टी) तथा स्टैम सेल मार्कर्स का अध्ययन एपोप्टोटिक तथा प्रोलाइफिरेटिव मार्कर्स के साथ सह संबंध।
9. बाल चिकित्सा ग्लियोमास का मॉलीक्युलर आनुवंशिक अध्ययन।
10. मेनिंनजियोमास में आनुवंशिक परिवर्तनों का विश्लेषण।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. ग्लियल ट्यूमर सेल लाइन्स की ऑक्सीजन कन्स्ट्रेशन, पी53 एक्सिस तथा स्टेमनेस विशेषताएं (जैव रसायन विज्ञान विभाग)
2. एक्सप्रेशन ऑफ नॉच मॉलीक्यूलस, एपीबिलीयल मिसेन काइमल ट्रांसजिशन (ई एम टी) मार्कर्स एवं एच आई एफ – 1 अल्फा इन ग्लायोब्लास्टोमा मल्टीफोरम (जैव रसायन विज्ञान विभाग)

2. हाल ही में विकसित कार्यकारी कार्यों परीक्षण का भारतीय अनुकूलन और मान्यता – 'एडल्ट, क्रॉनिक न्यूरोलॉजिस्ट पोपुलेशन' के लिए कार्यकारी कार्यों के जनसारी मूल्यांकन (जेईएफ), परीक्षण, जो एपिलेप्सी में शामिल ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी (टीबीआई) माइल्ड कॉग्नाइटिव इम्पेयरमेंट (एमसीआई), डेमेनटिया एंड स्ट्रोक पोपुलेशन्स। (कॉग्निटिव साइंस रिसर्च इनिशिएटिव (सीएसआई), न्यूरोलॉजी)।
3. ऑक्सीडेटिव डीएनए की क्षति और हल्का घाव मस्तिष्क की चोट में कुल ऑक्सीडेंट स्थिति। (तंत्रिका शल्य चिकित्सा)
4. हल्के मस्तिष्क घाव की चोट में संज्ञानात्मक घात के लिए संभावित बायोमार्कर के रूप में प्लाज्मा – एमआईआरएनए व्युत्पन्न, (डीएसटी, तंत्रिका शल्य चिकित्सा), फरवरी, 2013.
5. आम जनता में स्ट्रोक और संज्ञानात्मक गिरावट का कारण जानना। एक पार सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य अध्ययन। (डीबीटी, न्यूरोलॉजी)
6. नींद की वास्तु संरचना, मेलेटोनिन स्तरों और चयापचय असामान्यताओं में बदलाव के अध्ययन – एफ18 फ्लोरो डीऑक्सी ग्लूकोज प्रोजिट्रोन एमिशन टोमोग्राफी (एफ डी जी – पी ई टी) हल्की बोधात्मक क्षति (एम सी आई) वाले व्यक्तियों में अल्जाइमर प्रकार के डेमेंशिया (ए डी) का अध्ययन (सी एस आई, न्यूरोलॉजी, नाभिकीय चिकित्सा)।
7. अल्जाइमर रोग न्यूरोइमेजिंग पहल – एक अनुदैर्ध्य बहु केंद्र अध्ययन। (अदनी – इंडिया प्रोजेक्ट)। (डीबीटी–कॉग्नाइटिव साइंस इनिशिएटिव, न्यूरोलॉजी, नाभिकीय चिकित्सा)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 3 **पुस्तकों में अध्याय : 4**

रोगी उपचार

तंत्रिका मनोविज्ञानात्मक मूल्यांकन, विभिन्न तंत्रिकाशल्यक एवं तंत्रिकाविज्ञानात्मक रोगियों की विवेचना तथा चिकित्सा। इसमें सिर की क्षति, आघात, पार्किन्स, मनोभ्रंश, मिरगी एवं मनोचिकित्सा वार्ड/ओपीडी हेतु रेफरल वाले रोगी सम्मिलित हैं। क्लिनिकल निदान, व्यापक साक्षात्कार के सहित इसके कार्य में प्रयोगात्मक तंत्रिका मनोविज्ञानात्मक निर्धारण / मूल्यांकन सम्मिलित हैं; व्यवहारात्मक अवलोकनों, तंत्रिकामनोविज्ञानात्मक जांचों के क्रमों सहित मूल्यांकन प्रमस्तिष्कीय क्षति, चोट एवं अपंगता की गंभीरता सहित रिपोर्ट लिखना तंत्रिका मनोविज्ञानात्मक सूत्रीकरण; व्यक्तियों के दैनिक जीवन के मूलभूत पूर्व अस्वस्थ प्रकार्यो को सुधारते हुए प्रकार्यात्मक दक्षताओं को सुधारने के लिए मूल प्रकार्य पहुंच सहित तंत्रिका मनोविज्ञानात्मक पुनः प्रशिक्षण; जन अपूर्ण प्रकार्य न तो पुनः संगठित होते हैं और न ही ठीक होते हैं तो इस अपूर्णता के लिए क्षतिपूर्ति सहित तंत्रिका मनोविज्ञानात्मक पुनः संगठन, क्लिनिक आधारित थेरेपी; घर आधारित चिकित्सा 4–5 घंटे / दिन का ओपीडी कार्य। इसमें 4 ओपीडी / सप्ताह एवं पांचवा एपांटमेंट होता था (क्लिनिकल तंत्रिका मनोविज्ञान) जबकि बुधवार की प्रातः को एक विशेष संज्ञानात्मक विकार एवं स्मरण क्लिनिक होती है जिसे तंत्रिकाविज्ञान एवं क्लिनिकल तंत्रिका मनोविज्ञानात्मक विभाग तंत्रिकाविज्ञान केंद्र, अ.भा.आ.सं. द्वारा चलाया जाता है। एमबीबीएस एवं नर्सिंग विद्यार्थियों को शिक्षण तथा इसके अतिरिक्त शोध प्रबंध एवं अनुसंधान में मार्गदर्शन। किए जाने वाले अनुसंधान कार्य की योजना को प्रतिपदित किया गया।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. आशिमा नेहरा ने तंत्रिकाविज्ञान एवं क्लिनिकल तंत्रिका मनोविज्ञान विभाग के तहत एक नई रजिस्ट्री संज्ञानात्मक विकार एवं स्मरण क्लिनिक (सीडी एवं एम क्लिनिक) तथा तंत्रिका मनोवैज्ञानिक पुनर्वास (एन आर) को आरंभ किया। वे एम्स, नई दिल्ली के 39वें वार्षिक आई ए सी पी सम्मेलन की आयोजक सचिव थी। उन्होंने अतिथि संकाय के रूप में गुजरात विधिविज्ञान विश्वविद्यालय में अध्यापन किया। वे इण्डियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजी के संपादकीय बोर्ड तथा इण्डियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट की एथिक्स समिति की सदस्य हैं, 2012 – 14.

<u>तंत्रिका विकृति विज्ञान</u>

शिक्षा

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/सेमिनार/कार्यशाला

व्याख्यान प्रदत्त : 13 **मौखिक / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 37**

3. सिर अभिघात में थैल्मस का क्लीनिकोपेथोलॉजिकल अध्ययन (तंत्रिका शल्यक्रिया विज्ञान विभाग)।

जारी

1. बाल चिकित्सा जी बी एच एस की मिथाइलेशन प्रोफाइल (भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर)
2. ग्लियोमास में सीएचआईपी – अनुक्रम (आईजीआईबी, दिल्ली)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 23

न्यूरोपैथीलॉजी सर्जिकल स्पेसिमेंस	2356	फ्रोजेन सेक्शंस	243
मसल बायोप्सी			
कुल प्राप्त संख्या	374	मसल एंजाइम हिस्टोकेमिस्ट्री	1266
मसल इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री	2281		
इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री	6472		
डायग्नोस्टिक फ्लोरोसेंट इन सिटू हाइब्रिडाइजेशन	180		
इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोपी			
प्राप्त नमूने	1234	नमूने पर कार्रवाई	982

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य चित्रा सरकार को एम्स में शोध पत्र 'मोलिकुलर प्रोफाइल ऑफ ओलिगोडेंड्रोग्लियोमा इन यंग पेशेंट्स' न्यूरोओंको, 2011 – 13 : 1099 – 106 के लिए अनुसंधान में उल्लेखनीय योगदान हेतु एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्होंने एशियन सोसायटी ऑफ न्यूरोओंकोलॉजी के वार्षिक सम्मेलन में अध्यक्षीय ओरेशन प्रदान किया। निमहांस, बैंगलोर में सुभद्रा दयानंद राव ओरेशन प्रदान किया, तीन वर्ष 2013 – 15 के लिए काउंसिल ऑफ इण्डियन अकादमी ऑफ साइंसिस की सदस्य नामित की गई, चयन समिति, निमहांस, बैंगलोर में सदस्य। वे आई ए सी आर में न्यूरोओंकोलॉजी गोष्ठी तथा ए एस एन ओ में न्यूरोपैथोलॉजी गोष्ठी के लिए गोष्ठी समन्वयक थी।

छात्रों को पुरस्कार

डॉ. मुकुंद सबले को 'लिम्ब गर्डर मसल डिस्ट्रोफी टाइप 2 ए (कैलपिनोपैथी) विद रिम्ड वैक्यूल' नामक सर्वोत्तम पोस्टर को एच डी टंडन पुरस्कार दिया गया (मुकुंद सबले, मेहर सी शर्मा, वैशाली सूरी, रोहित भाटिया, शेफाली गुलाटी, चित्रा सरकार, विकृति विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान और बाल रोग विभाग) आई ए पी एम (डैप कॉन 2013) एम्स, नई दिल्ली में दिल्ली अध्याय की बैठक।

डॉ. प्रेरणा झा को 2012 में 'जीनोमिक वाइड प्रमोटर मेथिलेशन इन पेडियाट्रिक ग्लियो ब्लास्टोमा' नामक शोध पत्र को इण्डियन सोसायटी ऑफ पेडियाट्रिक न्यूरो सर्जरी न्यूरो पेडिकॉन 2012 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ

डॉ. आंचल कक्कड़ को 'मेनिनजियल हेमेनजियो पेरिसाइटोमा – ए क्लिनिको पैथोलॉजिकल, इम्यूनोहिस्टो कैमिकल एण्ड मोलिकुलर जेनेटिक स्टडी विद एम्फेसिस ऑन एम जी एम टी (06 – मेथिल गुआनिन – डी एन ए मेथिल ट्रांसफरेज) प्रमोटर मेथिलेशन स्टेटस नामक शोध पत्र के लिए नई दिल्ली में न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इण्डिया के 'न्यूरोकॉन 2012' के 61वें वार्षिक सम्मेलन में हर्बट क्राउसे स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

डॉ. राजेश गुप्ता को डी एन ए (डी एन ए कॉन 2013), नई दिल्ली में वार्षिक सम्मेलन के दौरान 'स्टडी ऑफ क्रोमोजोम 9क्यू, नौच पाथवे रेगुलेटर्स एण्ड टेनेसिन सी इन एपेंडोमोमास' नामक पोस्टर को प्रथम पुरस्कार दिया गया।

डॉ. सुवेंदु पुरकैत को डी एन ए (डी एन ए कॉन 2013), नई दिल्ली में वार्षिक सम्मेलन के दौरान 'साइक्लिन डिपेंडेंट काइनेज 2 ए (सी डी के एन 2ए) डिलिशन इन पेडियाट्रिक वर्सस एडल्ट जी बी एम' नामक मौखिक प्रस्तुतीकरण के लिए तीसरा पुरस्कार दिया गया।

तंत्रिका विकिरण विज्ञान

शिक्षा

स्नातकपूर्व शिक्षण

विभागीय संकाय द्वारा स्नातकपूर्व कक्षाएं चलाई जा रही है तथा एम डी (विकिरण निदान) डी एम (तंत्रिका विज्ञान) तथा एम सी एच (तंत्रिका शल्य क्रिया विज्ञान) के विद्यार्थियों को शिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

2001 जुलाई में **डी एम न्यूरो रेडियोलॉजी** पाठ्यक्रम आरंभ किया गया है। वर्तमान में इस पाठ्यक्रम के लिए तीन विद्यार्थियों को पंजीकृत किया गया है।

अल्पावधि प्रशिक्षण

दो संकाय सदस्य, एक एस सी टी आई एम एस टी और दूसरे एयर फोर्स अस्पताल को इस वर्ष इस विभाग में अल्पावधि प्रशिक्षण दिया गया। इस विभाग में न्यूरोलॉजी, न्यूरो सर्जरी, न्यूरो एनेस्थीसिया के जूनियर रेजीडेंट / सीनियर रेजीडेंट की चक्रानुक्रम आधार पर तैनाती की गई। इस विभाग में विकिरण निदान विभाग से एम डी (विकिरण निदान) और बी एस सी (रेडियोग्राफी) छात्रों की चक्रानुक्रम आधार पर तैनाती की गई।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

प्रदत्त व्याख्यान

एन. के. मिश्रा : 3 **शैलेश बी गायकवाड़ : 14** **अजय गर्ग : 11**

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. ग्रेड सेरिब्रल ग्लियोमा में ऑपरेशन से पहले पारगम्यता और नियोएंजियोजेनेसिस के इमेजिंग आकलन की दक्षता, आंतरिक अनुदान अनुसंधान परियोजना।

विभागीय परियोजनाएं

1. प्राथमिक केंद्रीय तंत्रिका तंत्र वेस्कुलाइटिस के रोगियों में क्लिनिकल प्रस्तुतीकरण के साथ इमेजिंग प्राप्तियों का सह संबंध।
2. इमेज द्वारा मार्गदर्शित बायोप्सी कोरोबोरेशन के साथ एम आर परफ्यूजन इमेजिंग और डिफ्यूजन टैंसर इमेजिंग के साथ हाई ग्रेड ग्लियोमा में एंजियोजेनेसिस तथा सूक्ष्म वेस्कुलर परिवेश के बायोमार्करों की इमेजिंग।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

1. इमेजिंग मार्गदर्शित रिसेक्शन की तुलना में दो आयामी फ्लोरोस्कोपिक मार्गदर्शन से अकार्यात्मक पिट्यूटरी मैक्रो एडिनोमा के रिसेक्शन की सीमा में उच्च क्षेत्र ऑपरेशन के बीच चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग मार्ग दर्शन का उपयोग करते हुए ट्रांसस्फिनोइडल सूक्ष्म दर्शी / एंडोस्कोपिक सर्जरी की दक्षता के मूल्यांकन हेतु यादृच्छिक दो शाखा वाले समानांतर समूह क्लिनिकल परीक्षण।
2. चिरकालिक इस्चेमिक मिडिल सेरेब्रल आर्टरी (एम सी ए) स्ट्रोक के रोगियों में क्लिनिकल आकलन, डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग (डी टी आई) और ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन (टी एम एस) से प्राप्त पैरामीटरों द्वारा ऊपरी अंग में मोटर सुधार का पूर्वानुमान।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 15

रोगी उपचार

प्रक्रियाएं

डिजिटल सब्सट्रेक्शन एंजिओग्राफी	550	इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं	109
एमआरआई	2470	सीटी रुटिंग	9533
मोबाइल सीटी	1684	इमेज गाइडेड / सीटी गाइड स्टडी	199
आपातकालीन सीटी	9587	सीटी एंजियो	93

एचआरसीटी	18	स्टेरियोटेक्टिक बायोप्सी	26
गामा नाइफ	58	कैमिकल एंजियोप्लास्टी एंड थ्रोम्बोलायसिस	18
अल्ट्रासाउंड	2030	प्लेन एक्स–रे ओपीडी/इंडोर	22807
निजी मामला रिपोर्टिंग	3254		
कुल	52436		

पुरस्कार एवं सम्मान

आचार्य एन. के. मिश्रा को इण्डियन सोसायटी ऑफ वेस्कुलर एण्ड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (आई एस वी आई आर) के 15वें वार्षिक सम्मेलन में 14 – 17 फरवरी 2013 को कोयंबटूर में स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

डॉ. शैलेश बी गायकवाड़ को इण्डियन सोसायटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी (आई एस एन आर) 22 – 25 सितंबर 2012 को शिलोंग, मेघालय के 15वें वार्षिक सम्मेलन में इण्डियन सोसायटी ऑफ न्यूरोलॉजी का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इण्डियन सोसायटी ऑफ वेस्कुलर एण्ड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (आई एस वी आई आर) के 15वें वार्षिक सम्मेलन में 14 – 17 फरवरी 2013 को कोयंबटूर में सचिव।

तंत्रिका शल्य चिकित्सा

विशिष्टताएं

इस वर्ष शैक्षिक गतिविधियों एवं शिक्षा के अनुकूलता से परिपूर्ण था। इस वर्ष कुल मिलाकर विभिन्न शैक्षिक एवं रोगी उपचार गतिविधियों के साथ विभाग में विकास हुआ।

1. जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा इस वर्ष निधिकृत एम्स में मिर्गी केंद्र के तहत नई कोशिका और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी प्रयोगशाला की स्थापना की गई है तथा आण्विक जीव विज्ञान प्रयोगशाला प्रक्रियाधिन है।
2. एफ आई एस टी, डी एस टी के तहत न्यूरोसर्जन प्रशिक्षण के लिए माइक्रोन्यूरोसर्जरी कौशल प्रयोगशाला।
3. एन बी आर सी में सी ओ ई, एम्स के सहयोग से जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा निधिकृत मेग्नेटो एनसिफेलोग्राफी (एम ई जी) सुविधा स्थापित की जा रही है।
4. 14वें वार्षिक एम्स माइक्रोसर्जरी कार्यशाला में 200 से अधिक अतिथियों ने भाग लिया।
5. 2470 आपातकालीन प्रक्रियाएं, 3366 चयनित प्रक्रियाएं और 40,927 रोगियों को ओपीडी में देखा गया, 398 रोगियों को गामा नाइफ प्रक्रिया के लिए दाखिल किया गया। कुल 55 शोधपत्र प्रकाशित किए गए और 12 परियोजनाएं जारी हैं।

शिक्षा

एमसीएच तंत्रिका शल्य चिकित्सा कार्यक्रम : पोस्ट एमएस – 3 वर्ष, पोस्ट एमबीबीएस – 6 वर्ष।
पीएच.डी. कार्यक्रम :
अतिथि अध्येता : इस अवधि के दौरान भारत और विदेशों से अवलोकन के लिए न्यूरोसर्जरी विभाग में अनेक विशिष्ट अध्येता आए।
प्रायोगिक प्रयोगशाला : पूरी तरह कार्यात्मक माइक्रोन्यूरो सर्जरी और न्यूरो एण्डोस्कोपिक प्रशिक्षण।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा /कार्यशाला/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
विभाग द्वारा आयोजित

1. न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के साथ प्रथम इण्डोजर्मन न्यूरोलॉजिकल मित्रता बैठक, वार्षिक कांग्रेस, 2012
2. एम्स के आई एस एस (कीप इट सिम्पल सोनोग्राफी) पाठ्यक्रम न्यूरोसर्जन के लिए नेपाल, नवंबर 2012 और दिल्ली दिसंबर 2012. कार्यक्रम निदेशक : डॉ. दीपक अग्रवाल।
3. वर्ष 2012–13 के दौरान भारत के विभिन्न भागों में एम्स अल्ट्रासाउन्ड ट्रॉमा पाठ्यक्रम (ए.यू.टी.एल.एस) एवं अन्य पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम निदेशक : डॉ. दीपक अग्रवाल।
4. एन.एच.आर.एम. (राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन) के साथ सहभागिता में वर्ष 2012–13 के दौरान भारत के विभिन्न भागों में एम्स बी.ई.सी.सी. पाठ्यक्रम तथा 7 पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम निदेशक : डॉ. दीपक अग्रवाल।

5. जटिल स्पाइनल ट्रॉमा पर द्वितीय लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला एवं संगोष्ठी, जेपीएनएटीसी, एम्स, 12–13 मई 2012, आयोजक सचिव : डॉ. दीपक अग्रवाल।
6. आपात स्वास्थ्य उपचार में प्रौद्योगिकी के लागत प्रभावी एवं सार्थक प्रयोग पर प्रथम अंतरराष्ट्रीय शिखर वार्ता एवं कार्यशाला (सीईयूटीईएच 2011), एम्स, नई दिल्ली, 28–30 सितंबर, 2011. आयोजक सचिव : डॉ. दीपक अग्रवाल।

प्रदत्त व्याख्यान

बी. एस. शर्मा : 8 **पी शरत चंद्रा : 5** **सचिन अनिल बोरकर : 6**

मौखिक / पोस्टर प्रस्तुति : 8

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

1. डिस्ट्रीब्यूटिड कॉग्निशन तथा मॉडेलिंग कॉम्पलैक्सिटी घटती हुई चिकित्सा त्रुटियों हेतु एक बायोइंर्फोमेटिक्स एप्रोच। दीपक अग्रवाल, डीएसटी, 2011–13, रु. 1.2 करोड़।
2. थ्रोम्बोइलेस्टोमीटरी (टीईजी) : संस्थापित बायोमार्कर्स की तुलना में तंत्रिका शल्य चिकित्सा गहन चिकित्सा एकक (एनआईसीयू) में संक्रमण के निदान की उपयोगिता तथा लागत प्रभावकता। दीपक अग्रवाल, एम्स, 2012–13, रु. 9 लाख।
3. किनेक्ट कैमरे के उपयोग से हैण्डवॉशिंग पालन का आकलन करना, दीपक अग्रवाल, डी बी टी, 2013 – 15, 22.5 लाख रुपए।
4. इन ट्रैक्ट करने योग्य मिर्गी वाले रोगियों के साथ एमटीएलई के रोगियों में हिप्पोकैम्पस और एमिगडाला के माइक्रो इलेक्ट्रो कॉर्टिकोग्राफिक परिभाषित हिस्सों से जीएबीआरजी2 जीन के उत्परिवर्तन का आकलन। पी. शरत चंद्रा, डीबीटी, 2010–13, 39 लाख रु.
5. सिरींगो माइलिया और अन्य अस्थि क्रेनियो वर्टीब्रल जोड़ की विसंगतियों से जुड़ी कायरी 1 विकृति (सी आई एम) के रोगियों में पी ए एक्स 1 जीन उत्परिवर्तन का अध्ययन, पी शरत चंद्र, एम्स, 2012 – 14.
6. ओसियस विकासात्मक सीवीजे विसंगतियों में एक्सोन विकार, पी. शरत चंद्रा, डीबीटी, 2011–जारी, 17 लाख रु.
7. असाध्य मिरगी से पीड़ित रोगियों में एपिलेप्टोजेनिक फोकस के स्थानीयकरण हेतु एम.आर.आई. एवं समकालिक ईईजी, पी.शरत चंद्रा, डीबीटी, 2011–जारी, 17 लाख रु.

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. अलग से सिर की चोट लगे रोगियों में खोपड़ी के अंदर दबाव बढ़ने के लिए सीरम आई एल – 6 संभावित बायोमार्कर के रूप में।
2. ऑक्सीडेटिव डी एन ए क्षति और हल्की अभिघात मस्तिष्क चोट में कुल ऑक्सीडेंट स्थिति।
3. भारत में समेकित स्तर 1 अभिघात केंद्र में सिर की चोट और स्पाइनल कोर्ड की चोट का जनसांख्यिकी अध्ययन।
4. एम्स ट्रॉमा केंद्र के लिए समेकित ऑनलाइन पोर्टल : रोगी की संतुष्टि सुधार और वास्तविक देखभाल की संभाव्यता।

सहयोगी परियोजनाएं

1. उत्कृष्टता केंद्र को मिर्गी के उपचार के लिए कठिन पाई गई राष्ट्रीय सुविधा के रूप में स्थापिक करना (एम्स और एन बी आर सी) पी शरत चंद्र, डी बी टी, 2011 – जारी।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 45 **पुस्तकों में अध्याय : 8**

जन जागरूकता/मीडिया प्रकाशन

बी. एस. शर्मा

1. डीडी न्यूज, टोटल हैल्थ रविवार, बैकेक, 2013

2. डीडी न्यूज, टोटल हैल्थ रविवार, सड़क के यातायात में दुर्घटना 2012
3. बच्चों में मस्तिष्क ट्यूमर, आई एस पी एन सम्मेलन 2012 में जन जागरुकता कार्यक्रम
4. मिर्गी, एन एस आई सम्मेलन 2012 में जन जागरुकता कार्यक्रम

शरत चंद्र

1. एम्स के डॉक्टरों ने एक एपिलेप्टिक विकार से पीड़ित 7 वर्ष की लड़की का उपचार किया, यह लेख जून 2012 में हिंदुस्तान टाइम्स में प्रकाशित हुआ
2. एल्कोहल से ट्यूमर ठीक हुआ और नैपकिन से जख्म भर गया।यह लेख जून 2012 में हिंदुस्तान टाइम्स के हिंदी संस्करण में प्रकाशित हुआ
3. 15 मिनट सर्जरी फॉर कार्पल टनल यूजिंग एण्डोस्कोपी यह लेख 3 सितंबर 2012 में हिंदुस्तान टाइम्स में प्रकाशित हुआ
4. डीडी न्यूज, टोटल हैल्थ एपिलेप्सी सर्जरी।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. बी एस शर्मा दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष (निर्वाचित) न्यूरो ट्रॉमा सोसायटी ऑफ इण्डिया के अध्यक्ष (निर्वाचित), सचिव, सेरिब्रोवेस्कुलर सोसायटी ऑफ इण्डिया।

प्रो. पी शरत चंद्र मुख्य संपादक, न्यूरोसर्जरी स्कैन, पब्लिशर, वोल्टर क्लूवर्स, मुख्य संपादक इण्डियन जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जरी (आई जे एन), पब्लिशर, वोल्टर क्लूवर्स, आई एस एन – 2277 – 954 एक्स, संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी (जे के आई एम एस यू), आई एस एस एन – 2331 – 4261, कार्यकारी सदस्य, इण्डियन एपिलेप्सी सोसायटी, कार्यकारी सदस्य महासचिव, इण्डियन एपिलेप्सी सर्जरी सोसायटी, सदस्य : जी माइंड : मिर्गी प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश, भारत, कोर समिति सदस्य, राष्ट्रीय तपेदिक कार्यक्रम, प्रमुख संपादक, इण्डियन जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जरी (आई जे एन), कार्यकारी सदस्य और अजीवन सदस्य, न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इण्डिया (एन एस आई), आई एल ए ई (इंटर नेशनल लीग अगेंस्ट एपिलेप्सी) के 1000 संकाय, पर्नि एपिलेप्सी एल्युमिनी (वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी, यू एस ए) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा चिकित्सा शिक्षा की अनुसंधान गतिविधियों के स्तर में सुधार की समिति की सदस्य। निम्नलिखित **रोगी सूचना हैण्ड बुक** का प्रकाशन किया : 1. आपकी पीठ की देखभाल : द हील प्रोग्राम, यह रोगी सूचना हैण्डबुक सी एम ई टी, एम्स के सहयोग से प्रकाशित की गई, 2. गर्दन के दर्द वाले रोगियों के लिए दिशानिर्देश : द हील प्रोग्राम, यह रोगी सूचना हैण्डबुक सी एम ई टी, एम्स के सहयोग से प्रकाशित की गई, 3. मिर्गी के रोगियों की सूचना हैण्ड बुक में रोगी / देखभाल कर्ताओं की सूचना पुस्तिका।

डॉ. दीपक अग्रवाल को 3 वर्ष की अवधि के लिए 2013 – 16 तक 'टाटा इनोवेशन फेलोशिप' से सम्मानित किया गया, 22.5 लाख रुपए, सह लेखन अध्ययन के लिए सर्वोत्तम शोध पत्र पुरस्कार प्राप्त, जिसका शीर्षक है 'थिको पेरिटोनियल शंट फॉर पोस्ट ट्रॉमेटिक हाइड्रोसिफेलस – ए वेल्युएबल एडजंक्ट? यह कोच्चि के एनटीएसआई वार्षिक सम्मेलन में 17 – 19 अगस्त 2012 को प्रस्तुत किया गया, मौखिक श्रेणी में सर्वोत्तम शोध पत्र का पुरस्कार अध्ययन 'द इफैक्टिवनेस ऑफ ब्लड बैग बार कोड मैचिंग बाए नर्स इन रिड्यूसिंग पोस्ट ट्रांसफ्यूजन रेलेटिड एरर्स' वार्षिक डी एन कॉन सम्मेलन, नई दिल्ली, 16 – 17 फरवरी 2013, सह लेखन अध्ययन के लिए पोस्टर श्रेणी में सर्वोत्तम शोध पत्र पुरस्कार 'इंसिडेंस ऑफ इयर इंजुरी इन हैड एण्ड स्पाइनल इंजुरी पेशेंट्स' वार्षिक डी एन ए कॉन सम्मेलन, नई दिल्ली, 16 – 17 फरवरी 2013, मौखिक श्रेणी में सर्वोत्तम पोस्टर श्रेणी में अध्ययन 'द इफैक्टिवनेस ऑफ ब्लड बैग बार कोड मैचिंग बाए नर्स इन रिड्यूसिंग पोस्ट ट्रांसफ्यूजन रेलेटिड एरर्स' को पुरस्कार दिया गया, सह लेखन अध्ययन के लिए 'डिफरेंशिएटिंग बिटवीन प्लूरल एफ्यूजन एण्ड लंग कंसोलिडेशन यूजिंग बैडसाइड अल्ट्रासाउंड वाय नर्स इन न्यूरोसर्जरी आईसीयू' वार्षिक डी एन कॉन सम्मेलन, नई दिल्ली, 16 – 17 फरवरी 2013.

डॉ. सचिन अनील बोरकर न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इण्डिया (एन एस आई) वेबसाइट के लिए वर्ष 2012 हेतु सहायक वेब मास्टर।

रोगी उपचार

विभाग में सामान्य न्यूरोसर्जरी वोर्ड के साथ दो यूनिट हैं और प्रत्येक यूनिट में 35 बिस्तर हैं। यहां 23 बिस्तरों के साथ दो आई सी यू हैं। अब सी एन टावर के सातवें तल पर चार चयनित आधुनिकतम ऑपरेशन कक्ष और ट्रॉमा सेंटर में दो विशिष्ट ऑपरेशन कक्ष है। 'ब्रेन स्यूट : ऑपरेशन के दौरान एम आर आई के साथ न्यूरोनेविगेशन हैं जिसे पहले तल पर लगाने की प्रक्रिया जारी है तथा

सी एन केंद्र में तीन और चयनित ऑपरेशन कक्ष उपलब्ध है। सभी विशेषज्ञताओं को शामिल करने के लिए न्यूरोसर्जरी हेतु विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान की जाती है : वेस्कुलर सर्जरी, एपिलेप्सी सर्जरी, न्यूनतम भेदक क्रेनियल और स्पाइनल न्यूरो सर्जरी, बच्चों की न्यूरो सर्जरी, कार्यात्मक सर्जरी, ट्यूमर सर्जरी, स्कल बेस सर्जरी, और जटिल स्पाइन सर्जरी। सभी ऑपरेशन कक्षों में ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप, तेज गति के न्यूमेटिक ड्रिल, सी यू एस ए, सैल सेवर, न्यूरोनेविगेशन, न्यूरो एण्डोस्कोप, इलेक्ट्रॉफिजियो लॉजी और ई ई जी निगरानी की सुविधाएं हैं।

ओपीडी रोगी

नए	10470	पुराने	21545	**कुल**	**32015**

बाल चिकित्सा रोगी

नए	2600	पुराने	6312	**कुल**	**8912**

गामा नाइफ उपचार 398

वैकल्पिक शल्य चिकित्सा की संख्या 3366

ट्रॉमा केंद्र में शल्य चिकित्सा की संख्या 2470

शल्य चिकित्सा की कुल संख्या **5856**

11.1 बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय

अध्यक्ष
चित्रा सरकार

मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष
एच. के. प्रसाद

समय एवं सदस्यता

पुस्तकालय रविवार एवं अवकाश के दिनों सहित सप्ताह में सभी दिन (चौबीस घंटे) दिनांक 01 अगस्त, 2003 से खुला रहता है। इसके 2507 नियमित सदस्य तथा लगभग 330 सदस्य प्रतिदिन पुस्तकालय में आते हैं।

सेवाएं

पुस्तकालय द्वारा प्रयोक्ताओं के लिए निम्नलिखित सेवाओं का विस्तार जारी है। इन सेवाओं को आधुनिक अद्यतन तथा सशक्त किया गया है।

1. **बुक एलर्ट सेवाएं** : यह एक मासिक सेवा है जिसमें एक विशेष माह में पुस्तकालय में जोड़ने हेतु नई पुस्तकों, मोनोग्राफ, और पेमफ्लेटों की मासिक सेवा सूची होती है।
2. **पेरियोडिकल अलर्ट सेवाएं** : इस सेवा में पिछले 15 दिनों के दौरान पुस्तकालय द्वारा प्राप्त की जाने वाली पत्रिकाओं की सूची होती है।
3. **इंटरलाइब्रेरी लोन सेवाएं** : प्रयोक्ताओं की मदद हेतु विभिन्न स्थानीय पुस्तकालयों के सेवाए चलाई जा रही है। जिसके अंतर्गत उन दस्तावेजों को लिया जाता है जोकि पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं है।
4. **रिप्रोग्राफिक सेवाएं** : पाठकों की मांग पूर्ति हेतु पुस्तकालय में तीन मशीनें जैसे कि दो डब्ल्यूसी 5638 एवं एक डब्ल्यूसी 7242 जिरोक्स इंडिया लिमिटेड की कलर मशीने हैं। वर्ष के दौरान पाठकों के लिए एक सेवा के रूप में भुगतान आधार पर 21,297 पृष्ठों की फोटोकॉपी की गई।
5. **सी डी–रोम प्रिंटआउट सेवाएं** : वर्ष के दौरान पाठकों को भुगतान आधार पर लेखों तथा अन्य लाभदायक पाठ्य सामग्री वाले 4,148 प्रिंट आउट पृष्ठ उपलब्ध कराए गए।

पुस्तक बैंक

बुक बैंक की सेवाए स्नातकपूर्व तथा इंटर्न के लिए जारी है। इसकी सदस्यों की कुल संख्या 92 है। बुक बैंक में कुल 2,735 से अधिक पुस्तकें हैं जोकि छात्रों को दीर्घावधिक आधार पर जारी की जाती है।

ऑडियो विजुअल अनुभाग

पुस्तकालय में चार रंगीन टेलीविजन सेट तथा चार विडियो केसेट रिकॉर्डर हैं। पुस्तकालय में उपलब्ध विडियों केसेटों की संख्या 308 है। इस अनुभाग में चार ऑडियो कैसेट प्लेबैक डेस्क तथा 109 ऑडियो कैसेट है।

सी–डी आधारित सेवाएं

पुस्तकालय में विभिन्न डिजीटल पुस्तकें / पत्रिकाओं का कुल 1066 सीडी रोम संग्रह है। इसे पुस्तकालय के अंदर पाठकों द्वारा उपयोग किया जा सकता है। विभिन्न विश्वकोश एवं शब्दकोश भी सी–डी रोम पर प्राप्त किए जा सकते है।

पुस्तकालय ऑटोमेशन

पुस्तकालय में 16 टर्मिनलों वाला, 10 लेजर प्रिंटर तथा एक नेटवर्क लेजर प्रिंटर सहित केंद्रीकृत सर्वर है। विभिन्न पुस्तकालय व्यवस्था प्रक्रियाओं (जैसे अधिग्रहण, सूचीकरण अनुक्रम नियंत्रण) को स्वचालित किया गया है। पुस्तकालय में एल. एस. प्रीमिया नामक व्यावसायिक रूप से उपलब्ध सॉफ्टवेयर पैकेज का उपयोग किया जा रहा है।

कंप्यूटरीकृत शोध सर्च

पुस्तकालय में अब तक प्राप्त 6,166 शोध प्रबंधों को एक कंप्यूटर सर्च द्वारा ढूंढा जा सकता है। प्रत्येक शोध प्रबंधन के बारे में सूचना जैसे लेखक, शीर्षक, विभाग, गाइड का नाम, सह–गाइड तथा अन्य ग्रंथसूची विवरण कंप्यूटर पर उपलब्ध है।

प्रिंट एवं ऑनलाइन पत्रिकाएं

पुस्तकालय में स्वास्थ्य विज्ञान के विभिन्न क्षेत्र में 788 पत्रिकाएं; 436 पत्रिकाएं ऑनलाइन के साथ उनका प्रिंट वर्जन, 125 पत्रिकाएं केवल ऑनलाइन वर्जन; तथा केवल राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी) गाजियाबाद के लिए विशेष रूप से 22 प्रिंट वर्जन पत्रिकाएं प्राप्त की गई। संस्थान के इंटरनेट / वाई फाई सुविधा द्वारा संस्थान के कैम्पस एरिया को ऑनलाइन वर्जन से आसानी से उपलब्ध किया जा सकता है।

ऑन लाइन एक्सेस केटालॉग (ओपेक)

लगभग सभी विवरणों को कंप्यूटर द्वारा ढूंढा जा सकता है : पुस्तकालय में ओपेक द्वारा 6166 शोध प्रबंधों को अब तक ढूंढा जा सकता है। ढूंढने योग्य डेटाबेस (ओपेक के द्वारा) में विडियो कैसेट्स ऑडियो कैसेट्स तथा कॉम्पैक्ट डिस्क सम्मिलित है। पुस्तकालय में प्रवेश द्वार के पास लॉबी में छः ऑन लाइन पब्लिक एक्सेस टर्मिनल स्थापित किए गए हैं जहां पर प्रयोक्ता ग्रंथ सूची – डेटाबेस ढूंढ सकते हैं तथा विशेष सूचना को ऑन लाइन के द्वारा प्राप्त कर सकते हैं। पत्रिकाओं के बारे में सूचना तथा हाल ही में प्राप्त संस्करणों की सूचना भी वेब – ओपेक के द्वारा प्राप्त की जा सकती है।

इंटरनेट

पुस्तकालय में सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः 10.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक तथा शनिवार को प्रातः 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक इंटरनेट सुविधा उपलब्ध है। पुस्तकालय में प्रयोक्ताओं के लिए 18 नोड्स भी उपलब्ध हैं।

नवीन उपलब्धियां

पुस्तकालय में 301 नवीन पुस्तकें, 139 पत्रिकाओं के बाऊंड वोल्यूम, 25 पैम्पफलेट / रिपोर्ट, 289 नवीन शोध और अब 72,430 पुस्तकें, 69223 बाउंड पत्रिकाएं तथा 17,282 पैम्पफलैट्स / रिपोर्ट हैं।

सम्मेलन तथा प्रकाशन

1. श्री जहांगीर खान तथा श्री एम. के. विश्वकर्मा पेपर शीर्षक "दि रोल ऑफ मेडिकल लाइब्रेरियन इन ग्लोबल हेल्थ इनिशिएटिव इन एम्स : एन ओवरव्यू" पर पेपर प्रस्तुत किया, नेशनल कन्वेंशन ऑफ मेडिकल लाइब्रेरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एम एल ए आई) 2012, नॉर्थ इस्टर्न इंदिरा गांधी रिजनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसिज (एनईआईजीआरआईएचएमएस) शिलोंग, मेघालय, 12–14 दिसंबर 2012.
2. श्री राकेश रावत, श्री जहांगीर खान तथा श्री एम. के. विश्वकर्मा पेपर शीर्षक "यूजर्स एक्सपेक्टेशन एंड सेटीसफेक्शन विद वाई – फाई नेटवर्क सर्विस इन बी. बी. दीक्षित लाइब्रेरी (एम्स) : ए केस स्टडी" नेशनल कन्वेंशन ऑफ मेडिकल लाइब्रेरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमएलएआई) 2012, नॉर्थ इस्टर्न इंदिरा गांधी रिजनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसिज (एनईआईजीआरआईएचएमएस), शिलोंग, मेघालय, 12–14 दिसंबर 2012.
3. श्री प्रशांत श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय सम्मेलन के सोसायटी 2012 : क्रिएटिंग डिजिटल लाइब्रेरी इन ग्लोबलाइज्ड ई–सोसायटी में भाग लिया, इंडियन सोशल इंस्टीट्यूट (आईएसआई), नई दिल्ली, 28 जुलाई 2012.
4. श्री उमेश कुमार ने राष्ट्रीय सम्मेलन के सोसायटी 2012 : क्रिएटिंग डिजिटल लाइब्रेरी इन ग्लोबलाइज्ड ई–सोसायटी में भाग लिया, इंडियन सोशल इंस्टीट्यूट (आईएसआई), नई दिल्ली, 28 जुलाई 2012.

11.2 कैफेटेरिया

अध्यक्ष
आर.एस.शुक्ला (उपनिदेशक, प्रशासन)

प्रभारी संकाय
ओ.पी.खरबंदा

लेखा अधिकारी
ए.के.शर्मा

महा प्रबंधक
एस.के.कौशिक

उप–महा प्रबंधक
के.के.शर्मा

लक्ष्य एवं उद्देश्य

संस्थान के कर्मचारियों को उचित मूल्य पर पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए वर्ष 1972 में एम्स कैफेटेरिया की स्थापना की गई। कैफेटेरिया उपकरण, फर्नीचर, बर्तनों एवं अन्य मूल आवश्यकताओं के लिए संस्थान से बिना कोई वित्तीय सहायता प्राप्त किए 'न लाभ–न हानि' आधार पर चलाया जा रहा है।

प्रबंध समिति

संस्थान के निदेशक महोदय द्वारा समय–समय पर कैफेटेरिया विभाग से संबंधित नीतिगत मामलों पर निर्णय लेने के लिए एक प्रबंध समिति का गठन किया गया, सदस्य निम्नानुसार थेः

उप–निदेशक (प्रशासन)	अध्यक्ष
आचार्य एस.रस्तोगी	सदस्य
आचार्य वी.के.पॉल	सदस्य
वरिष्ठ वित्त सलाहकार	सदस्य
वित्त सलाहकार	सदस्य
अधीक्षण अभियंता	सदस्य
लेखा अधिकारी, कैफे	सदस्य
मुख्य आहारविद्	सदस्य
आर.डी.ए. का प्रतिनिधि	सदस्य
ऑफिसर्स एसोसिएशन का प्रतिनिधि	सदस्य
नर्सिस यूनियन का प्रतिनिधि	सदस्य
कर्मचारी यूनियन का प्रतिनिधि	सदस्य
फेम्स का प्रतिनिधि	सदस्य
डॉ. ओ.पी.खरबंदा	सदस्य–सचिव
श्री एस.के.कौशिक, महाप्रबंधक, कैफेटेरिया	सदस्य

सेवा सुविधाएं

कैफेटेरिया द्वारा संस्थान के लगभग 10,000 कर्मचारियों को सेवाएं प्रदन करने के लिए यूनिटें चलाई जाती हैं। ये निम्नलिखित प्रकार से हैं–

1. जवाहरलाल नेहरू सभागार के निकट स्थित मुख्य कैफेटेरिया (24 घंटे सेवा)।
2. मुख्य अस्पताल की नौंवी मंजिल पर स्थित मेन ऑपरेशन थियेटर कैफेटेरिया।
3. सी.एन.सी. कैफेटेरिया, केन्द्र की दूसरी मंजिल पर स्थित।
4. डॉ.आर.पी.सेन्टर ओ.टी. कैफेटेरिया, केन्द्र की पांचवीं मंजिल पर स्थित।
5. दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र।
6. डॉ.बी.आर.ए.सं.रो.कैं.अ.।
7. मुख्य कैफेटेरिया के निकट स्थित संकाय कक्ष कैफेटेरिया।

इसके अतिरिक्त कैफेटेरिया सभी उच्च अधिकारियों तथा संकाय–सदस्यों को उनकी दिन–प्रतिदिन की आवश्यकताओं के साथ–साथ महत्वपूर्ण बैठकों हेतु विशेष आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु भी सेवाएं प्रदान करता है।

स्टाफ क्षमता

कैफेटेरिया में तदर्थ/अस्थायी/संविदा आधार के साथ–साथ नियमित आधार पर सरकारी बैठकों, सम्मेलनों तथा संगोष्ठियों के लिए कैटरिंग सेवाएं भी प्रदान की गई।

कैफेटेरिया कर्मचारियों की चिकित्सीय जांच

भोजन से संबद्ध होने के कारण वर्ष में एक बार कैफेटेरिया कर्मचारियों की चिकित्सीय जांच की गई।

विकास गतिविधियां

समीक्ष्य वर्ष के दौरान कैफेटेरिया में हाट फूट ट्रॉली जोरजिया टी/कॉफी मशीन की संस्थापन के द्वारा संकाय को स्वस्थ पौष्टिक आहार सेवाएं के द्वारा अनेक परिवर्तन किए गए।

भावी योजनाएं

कर्मचारियों को स्वास्थ्यकर एवं हायजीन सेवाएं प्रदान करने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी सहित श्रेष्ठ सुख सुविधाओं उपकरणों सहित/बहु मंजिली कैफेटेरिया के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है! एच एस सी सी के साथ अनेक बैठकों को आयोजित करने के साथ एक विस्तृत कार्यात्मक प्रस्ताव तैयार किया गया है।

वार्षिक कुल बिक्री

कैफेटेरिया की कुल बिक्री लगभग 2 करोड़ 58 लाख है।

विकास गतिविधियां

1. विगत वर्ष के दौरान कैफेटेरिया में अनेक परिवर्तन किए गए थे। इसमें सी एन सी कैफेटेरिया में सुविधा में विस्तार करना, अच्छे परिवेश सहित संपूर्ण नवीनाकरण, नए उपकरण को स्थापित करना तथा दैनिक व्यंजन–सूची में नई वस्तुएं जोड़ना सम्मिलित है।
2. संकाय कक्ष में अनेक सुधार किए गए थे जिसका परिणाम विविध रूपी प्रयोक्ताओं में वृद्धि होना है। अंततः संकाय सदस्यों ने नई सुविधाओं की सराहना की।
3. नई भोज्य वस्तुएं/सेवा आरंभ की गईं।
4. मिनी पिज्जा, हॉट डॉग, पनीर कुलचा, रावा इडली, स्प्राउट इडली एवं डोकला को आरंभ किया गया था।

भावी योजनाएं

संस्थान के कर्मचारियों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने तथा कैफेटेरिया में स्वास्थ्यकर, स्वच्छ स्थितियों को बनाए रखने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी से सुसज्जित बहु मंजिल कैफेटेरिया के निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार किया गया है।

अ.भा.आ.सं. दूरस्थ ओ.पी.डी.,बाडसा ग्राम, झज्जर, हरियाणा में अलग से कैफेटेरिया की स्थापना करके कैफेटेरिया की सेवाओं में विस्तार किया गया जिसकी सभी समूह के स्टाफ द्वारा सराहना की गई थी।

11.3 केन्द्रीय पशु सुविधा

प्रभारी आचार्य
डी.एन.राव

वरिष्ठ पशुचिकित्सा अधिकारी
पी.के. यादव

पशुचिकित्सा अधिकारी
बिजेंद्र सिंह

वर्ष 2012–13 के दौरान पशु सुविधा विभाग में पशुओं का रख–रखाव किया गया था (रोडेंट्स, भेड एवं गैर–मानव नर–वानर अर्थात् बंदर)। इस एकक की विभिन्न गतिविधियों को निम्नानुसार वर्गीकृत किया गया हैः

छोटे पशु (रोडेंट्स)
वर्ष के दौरान निम्नलिखित रोडेंट्स (औसत/माह) का रख–रखाव किया गया।

1. चूहे (विस्टर) 736
2. चूहे (स्प्रग डॉलें) 212
3. चुहिया (स्विस) 434
4. खरगोश (न्यूजीलैंड) 070
5. गुनिया पिग्स (डंकिन हार्टली) 065

विभिन्न विभागों को कुल 3424 छोटे पशु (चूहे,चुहिया,खरगोश एवं गुनिया पिग) उपलब्ध कराए गए तथा दिल्ली के तथा दिल्ली के बाहर के अन्य संस्थानों में 45 चूहे, 100 चुहिया, 9खरगोश तथा 85 गुनिया पिग सहित अनेक पशु बेचे गए।

बड़े पशु सुविधा (भेड़)
सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग के अनुसंधान कार्य के लिए इस विभाग में 2 भेड हैं।

गैर–मानव नर–वानर (बंदर)
जनगणना रिपोर्ट

1 अप्रैल 2012 को बंदरों की कुल संख्या	16
पुनर्वास	06
मृत्यु	शून्य
31 मार्च 2013 को बंदरों की कुल संख्या	10

प्रजनन कार्यक्रम
सभी बंदरों को खुले बाड़े में रखा गया था। गैर मानव नर–वानर के लिए पांच अंतःबाड़े हैं जिनका प्रयोग बंदर बाड़े में रखे गए सभी बंदरों को व्यायाम कराना है।

पुर्नवास सुविधा
वर्ष 2000में बंदरों के पुनर्वास हेतु कार्यक्रम का आरंभ हुआ था। परीक्षण के तीन से पांच वर्ष के लिए प्रयुक्त किए गए सभी बंदरों तथा वृद्ध बंदरों को भी खुले बाड़े में रखा गया था। इनमें से अधिकांश बंदरों को सी पी सी एस ई ए के निर्देशों के अनुसार पशु कल्याण संस्था में स्थायी रूप से पुनर्वासित (परीक्षण के पश्चात्) किया

गया था। छह बंदरों को 10 मई 2012 को सी पी सी एस ई ए (पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार) की अनुमति से संजय गांधी पशु उपचार केंद्र, राजा गार्डन, नई दिल्ली में पुनर्वासित किया गया था।

गैर–मानव प्राइमेट्स (बंदर) में 10 बंदरों के लिए शारीरिक व्यायाम हेतु पांच आंतरिक बाड़े हैं।

की गई नैदानिक प्रक्रियाएं

एकत्रित रक्त नमूने	20
शारीरिक जांच., टी बी जांच एवं वजन	20
रूधिर विज्ञान एवं जैवरसायन	20
एक्स–रे	10

प्रायोगिक शल्यचिकित्सा

इस सुविधा में विभिन्न विभागों द्वारा पशुओं पर 25 शल्यक प्रक्रियाएं की गई थीं। इसमें शल्यचिकित्सा,बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एकक, तंत्रिका शल्यचिकित्सा, बाल शल्यचिकित्सा, प्रयोगशाला चिकित्सा, जैवप्रौद्योगिकी, मूलकोशिका सुविधा तथा विकृतिविज्ञान शामिल हैं।

संस्थागत पशु एथिक्स कमेटी

वर्ष के दौरान संस्थागत पशु एथिक्स कमेटी (आई ए ई सी) ने विभिन्न अन्वेषकों के छोटे पशुओं (रोडेंट्स) पर 68 परियोजनाएं पूरी कीं।

प्रदत्त सेवाएं

सूक्ष्मजैवविज्ञान, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, जैवरसायन, जैवप्रौद्योगिकी, प्रजनन जीवविज्ञान, शरीररचना, मनोचिकित्सा, विकृतिविज्ञान प्रयोगशाला चिकित्सा, मूलकोशिका सुविधा, तंत्रिकाविज्ञान एवं तंत्रिकाशल्यचिकित्सा से संबंधित पशुओं की देखरेख के लिए एक विभागीय विंग क्रियाशील है। इस सुविधा में निम्नलिखित पशु हैः स्प्रैग डॉले चूहे 30, चूहे 95, चुहिया 330, खरगोश 33 एवं गुनिया पिग।

यह सुविधा विभिन्न अन्वेषकों को प्रयोगशाला सुविधाएं प्रदान करता है अर्थात् सेरा का निर्वात शुष्कन तथा सीरम नमूने का संग्रहण, रूधिरविज्ञान, नैदानिक जैवरसायन, सूक्ष्मदर्शी जांच एवं एक्स–रे सुविधा।

शैक्षिक कार्यक्रम

1. डॉ. पी.के.यादव, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी ने राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं आई ए की ए की XXVII कंवेंशन में भाग लिया, 'एडवांसिस इन एप्लाइड एनाटॉमी ऑफ डोमेस्टिक एंड वाइल्ड एनिमल्स–एन इंटरडिस्पिलनेरी एप्रोच फॉर एनिमल हेल्थ एंड वेल्थ', 28–30 नवम्बर 2012, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान कॉलेज, मम्नुधि, त्रिसुर, केरल।
2. डॉ. पी.के.यादव, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी ने प्रयोगशाला पशु वैज्ञानिक संघ (लासा) इंडिया द्वारा पांचवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, 'प्रयोगशाला पशु चिकित्सा एवं उपचार',7–9 फरवरी2013, होटल फॉरचून सेलेक्ट मनोहर, बेगम्पेट एग्जिट रोड, बेगुम्पेट, हैदराबाद।
3. डॉ.पी.के.यादव, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी को 'केयर,ब्रिडिंग एंड मैनेजमेंट ऑफ लेबोरेट्रीएनिमल्स' पर व्याख्यान देने तथा पशु कल्याण पर एक सप्ताह एवं दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करने के लिए पशु कल्याण संस्थान पर्यावरण एवं वन मंत्रालय में अतिथि व्याख्यानदाता के रूप में आमंत्रित किया था।
4. डॉ. पी.के.यादव, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी ने एन आई ए डब्ल्यू, बल्लभगढ में सी पी सी एस ई ए नोर्मस एंड गाइडलाइन्स पर दो दिन के प्रशिक्षण में भाग लिया, 15 मई 2012.
5. डॉ. पी.के.यादव, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, श्री जस्वीर, प्रयोगशाला परिचर एवं श्री धनंजय कुमार, पशु गृह परिचर ने एनिमल्स मिनिमेली इंवेसिव सर्जरी ट्रेनिंग केन्द्र, शल्यचिकित्सा विभाग, अ.भा.आ.सं. में मदद की।

11.4 केन्द्रीय कार्यशाला

संकाय समन्वयक
शशि कांत

मुख्य तकनीकी अधिकारी
आदर्श कुमार शर्मा

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी
कालू राम

केंद्रीय कार्यशाला में समूह ख एवं ग स्टाफ की कुल संख्या निम्नानुसार हैः

तकनीकी अधिकारी	7		
तकनीशियन (ग्रेड I)	6	तकनीशियन (ग्रेड II)	10
कार्यशाला सहायक	2	खलासी	6
भंडार लिपिक (प्र.श्रे.लि.)	1	सहायक (एन एस)	1

विशेषताएं

केंद्रीय कार्यशाला आयुर्विज्ञान शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं अस्पताल सेवाओं में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न उपकरण की मरम्मत एवं रख–रखाव में लगा हुआ है। यह विभाग नए निर्माण कार्यों को करने के साथ–साथ विभागों की आवश्यकता अनुसार उपकरणों के संशोधन का कार्य भी करता है।

उपर्युक्त उल्लिखित सेवाओं को प्रदान करने के लिए केंद्रीय कार्यशाला में विभिन्न अनुभाग हैं। प्रत्येक अनुभाग में सहायक स्टाफ सहित एक तकनीकी अधिकारी है। इस विभाग के निम्नलिखित अनुभाग हैः

इलैक्ट्रॉनिक अनुभाग
इलैक्ट्रीकल अनुभाग
रेफ्रीजिरेटिंग अनुभाग
मेकेनिकल अनुभाग– I एवं II
फाइन इंस्ट्रूमेंट अनुभाग
पेंटिंग, अपहोल्स्ट्री एवं कार्पेंटरी अनुभाग

मरम्मत एवं रख रखाव
केंद्रीय कार्यशाला द्वारा रक्त दाब उपकरणों, इलैक्ट्रोसर्जिकल एकक, ई सी जी मशीन, इंफ्यूजन पम्प, मल्टी पैरामीटर मॉनीटर्स, डीफिलैटर्स, पैशंट वार्मर, ओ टी टेबल, रिफ्रिजिरेटर्स, आइस मशीन कोल्ड लैब्स, वाटर चिल्लर्स, क्रायोस्टेट डीप फ्रीजर,यू वी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, इलैक्ट्रॉनिक वैजिंग मशीन, ओडियोमीटर, अल्ट्रासाउण्ड थेरेपी एकक, ओ टी लाइट, टिस्सू प्रोसेसर, कोल्ड सेंट्रीफ्यूज, माइक्रोस्कॉप नीडल डिस्ट्रोयर, वाटर बाथ, एक्स–रे व्यू बॉक्स, ओ टी केयर मशीन, चूषण मशीन, ऑक्सीजन रेगुलेटर,फ्लो मीटर सर्वो स्टेबलाइजर, बायलर्स, हॉट प्लेट, टेबल टाप सेंट्रीफ्यूज माइक्रोबेव ओवन्स, इंकुबेटर्स, एस.एस.ड्रम, शल्यक उपकरण एवं अनेक अन्य उपकरणों सहित सभी प्रकार के उपकरण की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य करता है।

केंद्रीय कार्यशाला अस्पताल के सभी फर्नीचर जैसे कि रोगी बिस्तर, रोगी ट्रॉली, रोगी लोकर्स, अंतशिरा स्टैण्ड, उपकरण ट्रॉली, लोडिंग ट्रॉली,व्हील चेयर, साइड स्क्रीन, बेड साइड लॉकर एवं पुश कार्ट्स आदि जैसे मरम्मत एवं पेंटिंग का कार्य भी करता है।

वर्ष 2012–13 के दौरान केंद्रीय कार्यशाला ने कुल 7075 मरम्मत के कार्य किए।

निर्माण एवं मार्गदर्शन

मरम्मत एवं रखरखाव के धीरे–धीरे बढते भार के बावजूद केंद्रीय कार्यशाला विभागों द्वारा प्रदत्त विनिर्देशों के अनुसार उपयोगी गैजटों के डिजाइन एवं निर्माण के साथ संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों में मदद करता रहा है।

वर्ष 2012–13 के दौरान केंद्रीय कार्यशाला द्वारा तैइस विभिन्न कार्यों (कुल 246 मदें) का निर्माण किया गया इसमें टी आर. ट्यूब, स्टीलेट्टी, फाइबर बोर्ड, हैमर कैप, शल्यक उपकरण के लिए हैंडल, पर्पेक्स बॉक्स, सिलैण्डर स्टैण्ड, सी पी ए पी कनेक्टर, चिक कैग्स 'एस' हुक जेल कास्ट ट्रे, हैड इंपेक्ट कैप, बैण्ड कटर,शिया सेट होल्डर, प्लास्टिक मॉल्ड, ओ टी टेबल लैग होल्डर, ओ टी टेबल साइड सपोर्ट, टन्नेलर,बोन पंच हैण्डल, पी सी एल एल रोल, बेट पाउच, ओ टी टेबल मेट्रेस एवं हुक सहित बेल्ट आदि शामिल है।

अल्पावधि प्रशिक्षण

यह विभाग सक्रिय रूप से विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों के डिप्लोमा/स्नातक छात्रों को मार्गदर्शन एवं अल्पावधि प्रशिक्षण (4–6) सप्ताह प्रदान करता है।

वर्ष के दौरान सरकारी पोलीटेक्नीक, हिसार (हरियाणा), सी आर आर संस्थान तथा प्रौद्योगिकी (दिल्ली) एवं कस्तूरबा पोलीटेक्नीक फॉर वीमेन (दिल्ली) के छात्रों को वर्ष के दौरान अल्पावधि प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

11.5 कंप्यूटर सुविधा

प्रभारी अधिकारी

पी. पी. कोतवाल

सिस्टम विश्लेषक

एस. एन. रघु कुमार   सतीश प्रसाद   सुशील कुमार मेहर

वरिष्ठ प्रोग्रामर

संजय गुप्ता   एस. पी. सिंह   विनय पाण्डे   हरी शंकर

प्रोग्रामर

तृप्ता शर्मा   संजीव कुमार

श्यामल बरुआ   अंकिता सैनी

शिक्षा

स्नातकोत्तर

जैव प्रौद्योगिकी विभाग एवं नर्सिंग महाविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए सिद्धांत एवं अभ्यास की कंप्यूटर प्रोग्रामिंग की कक्षाओं का संचालन किया गया था।

स्नात्तक पूर्व

बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए कम्प्यूटर्स के बेसिक, इंटरनेट, विंडो एपलीकेशंस, कम्प्यूटर–एडिड लर्निंग, डाटाबेस आदि तीन – माह के पाठ्यक्रम का संचालन किया गया था। बी.एस.सी. नर्सिंग
(पोस्ट–सर्टिफिकेट) के छात्रों के लिए कम्प्यूटर कोर्स का संचालन किया गया था।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

सुविधा के सदस्यों ने क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा प्रोग्रामों, संगोष्ठियों, अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया एवं व्याख्यान दिया।

सेवाएं

अस्पताल का कंप्यूटरीकरण

एन आई सी / एन आई सी एस आई की ई – अस्पताल परियोजना के तहत कंप्यूटर सुविधा के सहयोग के साथ मुख्य अस्पताल अ. भा. आ. सं. एवं विभिन्न केंद्रों में निम्नलिखित मॉड्यूल्स को कार्यान्वित किया गया था :

- निम्नलिखित विभाग / केंद्रों में तथा मुख्य ओ पी डी में ओ पी डी पंजीकरण एवं नियोजित भेंट में लागू ओ पी डी मॉड्यूल्स इस प्रकार हैं : बाल चिकितसा, कायचिकितसा, पी एम आर, पल्मोनरी चिकित्सा, सी डी ई आर, आर पी केंद्र, हृदयविज्ञान, तंत्रिकाविज्ञान एवं तंत्रिकाशल्यचिकित्सा, जरा चिकित्सा तथा त्वचा।
- **वार्डों में दाखिला, स्थानांतरण एवं छुट्टी (ए डी टी)** : इसे मुख्य अस्पताल में 19 वार्डों (ए बी 1, सी5, डी5, सी1, डी1, सी2 डी2, पल्मोनरी वार्ड, रूमेटोलॉजी, एन पी डब्ल्यू, ओ पी डब्ल्यू, ए बी 2, ए बी 4, डी 4, सी 7, ए बी 6, डी 6 जराचिकित्सा, ए बी 7) रा. प्र. केंद्र के 10 वार्डों (1 ए, 1 बी, 2 ए, 2 बी, 3 ए, 3 बी, 4 ए, 4 बी, प्राइवेट 2, प्राइवेट 3) में लागू किया जा चुका है।
- **नकद एवं बिलिंग :** बिलिंग मॉड्यूल को मुख्य नकद काउण्टर, नए प्राइवेट बिल्डिंग (भूतल) एवं मुख्य नकद काउण्टर, आर ए के ओ पी डी (भूतल), रा. प्र. केंद्र तथा दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र।

आपातः मुख्य आपात, इमरजेंसी बिल्डिंग, रा. प्र. आपात का पंजीकरण कंप्यूटरीकृत है।

- मुख्य अस्पताल, सी एन सी, सी डी ई आर, आर पी सी आदि में **वस्तु सूची प्रबंध व्यवस्था (प्राप्ति + वस्तुओं को जारी करना) को लागू किया जा चुका है।** इसमें क्रिस्टलॉयड भंडार, मेडीसिन एवं ड्रग स्टोर, सामान्य भण्डार, स्टेशनरी एवं प्रिंटिंग, शल्यक भण्डार, लाइनिन भण्डार जैसे सभी स्टोर सम्मिलित हैं। उप भण्डार का वार्ड स्तर पर रख रखाव किया जाता है। इसमें मुख्य अस्पताल बिल्डिंग में 19 वार्ड (ए बी 1, सी5, डी5, सी1, डी1, सी2 डी2, पल्मनरी वार्ड, रूमेटोलॉजी, एन पी डब्ल्यू, ओ पी डब्ल्यू, ए बी 2, ए बी 4, डी 4, सी 7, ए बी 6, डी 6 जराचिकित्सा, ए बी 7) तथा रा. प्र. केंद्र के 10 वार्ड (1 ए, 1 बी, 2 ए, 2 बी, 3 ए, 3 बी, 4 ए, 4 बी, प्राइवेट 2, प्राइवेट 3) सम्मिलित हैं।
- **कर्मचारी स्वास्थ्य योजना** (ई एच एस) को कंप्यूटरीकृत किया गया है।

निम्न में सॉफ्टवेयर का विकास किया गया

- **डॉ. बी. आर. अम्बेडकर सं रो. कैं. अ. :** सं. रो कैं अ हेतु आंतरिक विकसित मॉड्ल्स का निरंतर रख रखाव एवं वृद्धि की गई है जैसे नए केस पंजीकरण, पुराने केस पंजीकरण, आंतरिक रोगी पंजीकरण, दिवस उपचार नियोजित समय पद्धति, औषध प्राधिकरण सॉफ्टवेयर, बिलिंग चैक मुद्रण सुविधा, प्रयोग अनुरोध / संग्रहण सॉफ्टवेयर यंत्र, लैब रिपोर्टिंग, विकिरणचिकित्सा हेतु छुट्टी रिपोर्ट, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, दिवस उपचार, पीड़ा क्लिनिक, दिवस उपचार एवं चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग हेतु औषध प्राधिकरण सॉफ्टवेयर।
- **सी एन केंद्र :** इस केंद्र में लागू / अनुरक्षित मॉड्यूल्स इस प्रकार हैं : तंत्रिकाशल्य चिकित्सा की छुट्टी रिपोर्ट; ओ टी भण्डार वस्तु सूची; ओ आर बी ओ दाता प्रपत्र।
- **रा. प्र. केंद्र :** इस केंद्र में लागू / अनुरक्षित मॉड्यूल्स हैं – हिस्टोलॉजी एवं साइटोलॉजी विकृतिविज्ञान रिपोर्ट करना।
- **राज गढ़िया विश्राम सदन (तीन विश्राम सदन)** कमरों का आरक्षण एवं बिलिंग की सहज कार्य शीलता हेतु अंतिम प्रयोक्ता को निरंतर सहायता प्रदान करने के लिए इस मॉड्यूल को विकिसित किया गया था।
- कुल 2000 से भी अधिक अ. भा. आ. सं. के कर्मचारियों को उनसे संबंधित ई – अस्पताल सॉफ्टवेयर के मॉड्यूल्स को प्रयोग करने के लिए व्यावहारिक व क्रियाशील प्रशिक्षण दिया गया है।

दूरस्था ओ पी डी, झज्जर (हरियाणा) अ. भा. आ. सं.

शल्यचिकित्सा, कायचिकित्सा, ई एन टी, प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान, बालचिकित्सा, मनोचिकित्सा, अस्थिरोग एवं नेत्ररोगविज्ञान विभागों हेतु ओ पी डी पंजीकरण के लिए सितंबर 2012 में झज्जर में कंप्यूटरीकृत ओ पी डी को आरंभ किया गया था। ओ पी डी में प्रतिदिन औसतन 200 रोगियों को पंजीकृत किया जाता है।

प्रशासन

- सरकार की ई–गवर्नेस परियोजना के अधीन कंप्यूटर सुविधा ने एन आई सी / एन आई सी एस आई के साथ प्रशासन के सभी अनुभागों / वित्त / इंजीनियरिंग / सं. रो. कैं. अ/ सी डी ई आर /एवं कुछ विभागों में ई – ऑफिस को लागू किया।
- 500 से भी अधिक अ. भा. आ. सं. के कर्मचारियों को ई – ऑफिस सॉफ्टवेयर को प्रयोग करने के लिए व्यावहारिक व क्रियाशील प्रशिक्षण दिया गया है।
- सतर्कता प्रकोष्ठ हेतु कंप्यूटरीकृत वार्षिक संपत्ति रिटर्न (ए पी आर) सॉफ्टवेयर को विकसित किया एवं उसे लागू किया।

आईआईटी आधारिक संरचना एवं नेटवर्किंग, इंटरनेट एवं इंटरानेट प्रबंध गतिविधियां

1. प्रयोक्ता आई डी आधारित इंटरनेट पहुंच सिस्टम का सतत् प्रबंध।
2. नेटवर्क आधारित पी सी हेतु नेटवर्किंग आधारित एंडपोइंट ऐंटीवाइरस समाधान का सतत प्रबंध।
3. वायरलेस नेटवर्किंग हेतु सुविधा प्रबंध : छात्र सहायता हेतु सर्पोट सिस्टम एवं कॉल सेंटर का सतत कार्यान्वयन।
4. वेबमेल सिस्टम का सतत प्रबंध।
5. यूनीफाइड थ्रैट मैनेजमेंट (यू टी एम) एवं गेटवे लेवल ऐंटीवाइरस, ऐंटीस्पेम, आई पी एस, लोड बैलेसिंग तथा कंटेंट फिल्टरिंग में एप्लीकेशंस एवं कंप्यूटर नेटवर्कस की सुरक्षा हेतु परिनियोजन का सतत प्रबंध।

6. 18 छात्रावास के स्थानों पर वायरलैस नेटवर्किंग क्षेत्रों का सतत प्रबंध, छात्रों एवं रेजीडेंट डॉक्टरों के लिए सूचना तथा ऑनलाइन पत्रिकाओं की पहुंच एवं इंटरनेट हेतु वाई फाई जोन्स का निर्माण किया। अब तक 1500 कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।
7. संस्थान के बाहर वी पी एन टन्नल आधारित पहुंच के द्वारा सक्षम बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय द्वारा निर्धारित पत्रिकाओं हेतु ऑनलाइन पहुंच का सतत प्रबंध।
8. आई सी यू से बाहर कहीं भी आई सी यू रोगियों के स्तर को देखने के लिए आई सी यू तंत्रिका रोगी की ऑनलाइन जांच का सतत प्रबंध।
9. आई सी यू से बाहर कहीं भी आई सी यू रोगियों के स्तर को देखने के लिए सी टी – 6 आई सी यू रोगी की ऑनलाइन जांच का सतत प्रबंध।
10. द्विभाषी वेबसाइट निर्माण की प्रक्रिया जारी है। अब तक 35 विभागों का हिंदी में अनुवाद हो चुका है जिसे वेबसाइट में दर्शाया गया है।
11. छात्रों हेतु इंटरनेट एवं ऑनलाइन पत्रिका की पहुंच हेतु बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय में वाई – फाई जोन का सतत प्रबंध।
12. कंप्यूटर सुविधा के आंतरिक विभाग द्वारा वेबसाइट www.aiims.edu, www.aiims.ac.in का रख रखाव किया जा रहा है।
13. लगभग 2500 नोड्स में अ. भा. आ. सं. नेटवर्क पर 24X7 दिनों तक संकाय एवं छात्रों के लिए इंटरनेट सुविधा का अनुरक्षण किया गया था।
14. 2 जी.बी.पी.एस. तक विस्तारित क्षमता सहित 100 एम बी पी एस की राष्ट्रीय ज्ञान तंत्र (एन.के.एन.): लीज़लाइन को एन आई सी से कम्प्यूटर सुविधा में संस्थापित किया गया है। एन.के.एन. के द्वारा सूचना को पहुंचाने के लिए विभिन्न लेक्चर थियेटरों एवं विभागों को नोड्स दिए गए है।
15. aiims.ac.in डोमेन पर 900 ई मेल प्रयोक्ता लेखों का निर्माण एवं अनुरक्षण।
16. वर्ष 2012–13 के दौरान एम्स वेबसाइट पर आने वालों की कुल संख्या लगभग 29 लाख है।
17. वेब सर्वर, प्रोक्सी सर्वर, मेल सर्वर एवं ऐंटी वाइरस सर्वर 24X7 दिन का अनुरक्षण।
18. एम्स के संकाय एवं स्टाफ को 224 नए इंटरनेट कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।
19. इंटरनेट एवं नेटवर्क प्रयोक्ताओं की शिकायतों एवं रेजूल्यूशन हेतु सुविधा प्रबंध एवं कॉल अनुरक्षण।
20. स्कॉलरो एवं वरिष्ठ/जूनियर रेजीडेंटों के लिए ड्यूटी कक्षों एवं सामान्य कक्षों में इंटरनेट एवं पी.सी. का प्रयोग करके ऑनलाइन जर्नल पहुंच तथा जर्नल पहुंच के प्रावधान हेतु तकनीकी सहयोग का सतत प्रबंध।
21. सी एन सी ओ पी डी कैश कार्ड पेयमेंट गेटवे हेतु एम्स एवं एफ एस एस चैन्नई के मध्य वी पी एन टन्नल कॉन्फीगुरेड।

- एम्स वेबसाइट पर अद्यतन, निर्मित एवं अपलोडिड पृष्ठों की कुल संख्या लगभग 3000 है।
- **aiims.ac.in** में ई मेल प्रयोक्ताओं की संख्या लगभग 900 डब्ल्यू है।
- http://tenders.gov.in & aiims. edu पर अपलोडिड निविदाओं की संख्या लगभग 1800 है।

अन्य सुविधाएं

वर्ष के दौरान निम्नलिखित सुविधाओं का अनुरक्षण किया गया :

1. ई–मेल एवं एफ. टी. पी. सुविधा
2. बी बी डी एल ओ पी ए सी सेवाएं
3. सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर तथा नेटवर्किंग हेतु परामर्श

प्रकाशन

सार : 2 **पुस्तकों में अध्याय : 1**

महत्वपूर्ण घटनाएं

श्री एस. एन. रघु कुमार और हरी शंकर ने हाल ही में चुने गए एस आर, जे आर, एम बी बी एस छात्रों तथा एम्स के संकाय के लिए ओरिएशन प्रोग्राम का संचालन किया।

श्री सतीश प्रसाद प्रशासनिक एल ए एन (नोवल नेटवर्क सर्वर) के डेटाबेस प्रशासक है जो कि प्रशासन एवं वित्त का प्रबंध करता है। उन्होंने एम्स वित्त हेतु सॉफ्टवेयर का अनुरक्षण किया। एम एस सी, बी एस सी एवं नर्सिंग महाविद्यालय की सूचना प्रौद्योगिक कक्षाओं के पोस्ट सर्टिफिकेट के कोर्स कोर्डिनेशन एवं शिक्षण संकाय; इण्डियन रेड क्रॉस सोसाइटी (स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम जो कि आई पी विश्वविद्यालय से संबद्ध है)। हेतु 'डिसास्टर मैनेजमेंट कोर्स' की आई टी की कक्षाएं लीं।

श्री एस. के. मेहर एम बायोटेक कंप्यूटर कक्षाओं के पाठ्यक्रम सहयोगी थे। उन्होंने एम बायोटेक, एम एस सी (नर्सिंग) हेतु कक्षाएं लीं। आई सी एम आर टास्क फोर्स अध्ययन के तहत परिनियोजित की जा रही हेल्थ एकाउंट स्कीम वेबसाइट पर परियोजना समीक्षा समूह (पी आर जी) के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में आमंत्रित। सी आर एच एस पी, बल्लभगढ़ में आई टी की आवश्यकता एवं कार्यान्वयन हेतु परियोजना रिपोर्ट तैयार की। टेलीमेडीसिन विभाग में नए टेलीमेडीसिन उपकरण की प्राप्ति / कार्यान्वयन को पर्यवेक्षित किया। एम बी बी एस छात्रों के लिए ओरीएशन कार्यक्रम का संचालन किया। जर्नल ऑफ बायोमेडीकल इंर्फोमेटिक्स (जे बी आई) एवं अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ मेडीकल इंर्फोमेटिक्स के समीक्षक। इण्डियन एसोसिएशन ऑफ मेडीकल इंफोर्मेटिक्स द्वारा आयोजित किए जा रहे 2014 में एशिया पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ मेडीकल इंफोर्मेशन हेतु टेरीनिएल सम्मेलन हेतु आर्गेनाइजिंग सचिव चुने गए।

श्री विनय पाण्डे ने अ. भा. आ. सं. हेतु वेब योग्य एस्सेट मैनेजमेंट सिस्टम (कंप्यूटर एवं पेरीफीरलस) सॉफ्टवेयर का अध्ययन किया एवं उसका डिजाइन बनाया (विकास स्तर); एम्स में फाइल ट्रैकिंग सिस्टम (एफ टी एस) एवं ई ऑफिस कार्यान्वयन हेतु एक प्रशासक; नर्सिंग महाविद्यालय, अ. भा. आ. सं. की मेडीकल इंफोर्मेटिक्स कक्षाएं एवं एम एस सी, बी एस सी इंफ. टेक्नोलॉजी की कक्षाएं लीं; इण्डियन रेड क्रास सोसाइटी हेतु साइबर टेरोरिज्म एवं डिसास्टर मैनेजमेंट में आई टी की कक्षाएं लीं (आई पी विश्वविद्यालय से संबद्ध)।

11.6 इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी सुविधा

प्रभारी अधिकारी
शशि वाधवा

अपर आचार्य
तपोस के.दास टी.सी.नाग

तकनीकी अधिकारी
संदीप आर्य

शिक्षा

1. जैव प्रौद्योगिकी विभाग, अ.भा.आ.सं. के बारह एम. बायोटेक्नोलॉजी के छात्रों ने दिनांक 23 अगस्त से 5 सितंबर 2013 (उनके प्रथम सेमेस्टर कोशिका जीवविज्ञान अभ्यास पाठ्यक्रम के भाग के रूप में) दो सप्ताह का प्रशिक्षण प्राप्त किया।
2. चार पी. जी. शरीररचना विज्ञान के छात्रों ने दिनांक 22 फरवरी से 29 मार्च 2013 तक (केवल शुक्रवार) ई. एम. पाठ्यक्रम में शामिल हुए।

सी.एम.ई.

1. दिनांक 29 अक्तूबर से 10 नवम्बर 2012 तक वैज्ञानिक अन्वेषकों के लिए इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी में 28वां राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों से अठारह उम्मीदवारों ने भाग लिया। उपर्युक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में आचार्य शशि वाधवा, डॉ.तपोश के.दास तथा डॉ. टी.सी.नाग ने सहभागियों के लिए कुल 13 व्याख्यान दिए।
2. दिनांक 4 से 16 फरवरी 2013 तक तकनीकी कार्मिक के लिए इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी में 19वां राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों से बारह उम्मीदवार शामिल हुए। आचार्य शशि वाधवा, डॉ.तपोश के.दास तथा डॉ. टी.सी.नाग द्वारा कुल 11 व्याख्यान प्रदान किए गए।
3. दिनांक 14 मई से 23 जून 2012 तक तकनीकी व्यक्तियों के लिए इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी में ग्रीष्म प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित हुआ था। चार उम्मीदवारों को नमूने प्रोसेसिंग माइक्रोटॉमी, सी पी डी, स्पुटर कोटिंग, टी ई एम एवं एस ई एम निरीक्षण एवं सूक्ष्मदर्शी का नैमिक रखरखाव में प्रशिक्षित किया गया था।

अनुसंधान
वित्त पोषित परियोजनाएं
जारी

1. इंडेमिक फ्लोरोसिसः कंकालीय फ्लोरोसिस हेतु कार्योत्मक कारक के रूप में ऑक्सीडेंटिव तनाव की भूमिका। तपोश के दाश, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, 3 वर्ष, 2012–13, रू. 23 लाख।
2. चूहा मध्य प्रमस्तिष्कीय धमनी ओक्लुशन मॉडल में इस्केमिया– रीपर्फुजन क्षति में ओटोपेथि एवं एपोप्टोसिस का सह–संबंध। तपोश के.दाश, अ.भा.आ.सं., 2 वर्ष, 2011–13, रू. 10 लाख।
3. परिवर्तनशील फोटोपीरिएड्स से अनावरण के पश्चात् नियोनेटल चिक रेटिना में मोर्फोलॉजिकल एवं बायोकैमिकल परिवर्तन, टी.सी.नाग, डी एस टी, 3 वर्ष, 2013–16, रू. 33.6 लाख।

पूर्ण

1. एजिंग ह्यूमन रेटिना में ऑक्सीडेटिव तनाव के मार्करों का सेल्लुलर लोकालाइजेशन। टी.सी.नाग, अ.भा. आ.सं., 2 वर्ष, 2010–12, रू. 2 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. चूहा मस्तिष्क में मध्य प्रमस्तिष्कीय धमनी ऑक्लुशन द्वारा इस्केमिया –रीपर्फ्यूजन क्षति में आटोपेथि एवं एपोप्टोसिस के मध्य सह–संबंध।
2. नवजात चूजों में लाइट–इंड्यूस्ड रेटीनल डीजेनरेशन।
3. एजिंग सहित मानव कोरोइडल वाहिकाओं का अतिसंरचनात्मक परिवर्तन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एशियाई भारतीय आर्थेराइटिस रोगियों में टी–हेल्पर 17 (टी एच–17) कोशिकाओं की भूमिका को स्थापित करने के लिए अध्ययन अस्थिरोग।
2. बाल्यावस्था नेफ्रोटिक संलक्षण में रीनल पेथोजेनिसस पर फ्लूराइड विषाक्तता की भूमिकाः एक अति संरचनात्मक, बायोकैमिकल,प्रोटीन प्रोफिलिंग अध्ययन (बाल चिकित्सा)।

पूर्ण

1. चूहा हिप्पोकैम्पस के मोर्फोलॉजी एवं प्रोटीन प्रोफाइल पर एमिलॉयड–बीटा का प्रभाव।
2. कोगुलेज नेगेटिव स्टेफिलोकोकस एस पी. का फीनोटाइपिक, आण्विक एवं अति संरचनात्मक अध्ययन तथा डिवाइस–संबंधित संक्रमणों में उनका बायोफिल्म (आर.पी.केन्द्र)
3. स्ट्रेप्टोजोटोसिन प्रवृत्त डायबेटिक चूहों में मायोकार्डियल इंफ्रैक्शन के प्रायोगिक मॉडल में टेल्मिसार्टेन का कार्डियोप्रोटेक्टिव मैकेनिज्म भेषजगुणविज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 6

रोगी उपचार

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं

वर्ष के दौरान अनुसंधान एवं रोगी उपचार हेतु प्रदान की गई विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं निम्नानुसार हैंः

क्रम संख्या	सुविधाएं	प्रयोक्ता संख्या		विश्लेषित नमूने	
		बाह्य	आंतरिक	बाह्य	आंतरिक
1.	ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी	199	317	1371	1632
2.	स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी	21	51	124	326
3.	इम्यूनो– इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी	23	25	54	46

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्त्वपूर्ण घटनाएं

डॉ.तपोश के.दाश ने 'इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी में नैमिक तकनीकी' एवं 'इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी में उच्च तकनीकियों' पर 18 एवं 20 अप्रैल को टेरी विश्वविद्यालय,वसंत कुंज, नई दिल्ली में व्याख्यान दिए ; चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में दिनांक 7 मई 2012 को एक तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में टेबल टोप एस ई एम की खरीद के लिए तकनीकी समिति की बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया; एन आई आई, नई दिल्ली में 200 के वी टी ई एम को खरीदने के लिए एक बाह्य विशेषज्ञ के रूप में 3 सितंबर, 21 नवम्बर एवं 7 दिसंबर 2012 को तकनीकी कमेटी मीटिंग में शामिल हुए। आई एम टी ई सी एच चंडीगढ की सुश्री पूजा रावत के पी एच डी शोध प्रबंध की जांच की एवं 25 मार्च 2013 को पी एच डी की मौखिक परीक्षा का संचालन किया 'आयुर्विज्ञान अनुसंधान में इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी का अनुप्रयोग' पर व्याख्यान दिया, आयुर्विज्ञान में 5वां रिफ्रेशर पाठ्यक्रम, बी एच यू, वाराणसी, 26 फरवरी 2013। डॉ. टी.सी.नाग ने ए बी एन सील कॉलेज, कूच बीहार, पश्चिम बंगाल में 'जीवविज्ञान अनुसंधान में नवीनतम अनुप्रयोग' पर राष्ट्रीय सेमिनार में वार्ता प्रस्तुत की, 8–9 दिसम्बर 2012, यूरोपिएन जर्नल ऑफ हिस्टोकैमिस्ट्री की पाण्डुलिपि की समीक्षा की।

11.7 छात्रावास अनुभाग

अधीक्षक
एन.के.मेहरा

उप अधीक्षक

एस.के.खण्डेलवाल	एस. दत्ता गुप्ता	नीरज भाटला
एस.के.मौलिक	तनुज दादा	राकेश कुमार
राजकुमार यादव	पुनीत मिश्रा	के.एच.रीटा
कपिल यादव		शशि मवार

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
केशव के.गिरिधारी

लेखा अधिकारी
सुनील जैन

सहायक भंडार अधिकारी
नरेन्द्र

एम्स में लगभग 1200 से अधिक सिंगल/डबल कमरे एवं विवाहितों के लिए 200 आवास तथा नर्सिंग छात्राओं/स्टॉफ नर्सिंग के लिए 388 आवासों की क्षमता सहित रेजीडेंट्स के अनेक हॉल हैं। यह आवास विभिन्न छात्रावासों एवं मुख्य कैंपस के आवासों, मस्जिद मोठ, आयुर्विज्ञान नगर, ट्रांजिस्ट छात्रावास एवं जयप्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र छात्रावास (राजनगर) में फैले हुए हैं।

आवास						
क्र.सं.	**छात्रावास**	**स्थान**	**एक कमरा**	**दो/तीन/चार/पांच सीटर**	**अतिथि कक्ष (दो बिस्तर सहित)**	**कुल क्षमता**
	पुरुष छात्रावास					
1	I (चरक)	मुख्य परिसर	62	3 X 2 = 6	–	68
2	II (जीवक)	मुख्य परिसर	55	2 X 2 = 4	1	60
3	III (सुश्रुता)	मुख्य परिसर	70	6 X 2 = 12	1	83
4	IV (माधव)	मुख्य परिसर	53	7 X 2 = 14	–	67
5	V (नागार्जुन)	मुख्य परिसर	52	5 X 2 = 10	–	62
6	VI (वागभट्ट)	मुख्य परिसर	69	7 X 2 = 14	–	83
7	VII (अश्विनी)	मुख्य परिसर	108	4 X 2 = 8	1	117
8	VIII (भारद्वाज)	मुख्य परिसर	108	1 X 2 = 2	1	111
9	IX रा.प्र.के.–1 (धनवंतरी)	मुख्य परिसर	72	–	1	73
10	X एम.एम.आर. डी.एच. (एकल)	मस्जिद मोठ	154	–	6	160
11	ज.प्र.ट्रॉमा केंद्र	राजनगर	57	2		59
			कुल			**943**

विवाहित क्वार्टर

1. एफ. टाइप	अंसारी नगर (पश्चिम)	17	17
2. एम.एम.आर.डी.एच.	मस्जिद मोठ परिसर	42	42
3. आ.वी.नगर	ए.वी.नगर	80	80
4. एफ.टी.ए.	ए.वी.नगर	49	49
5. जे.पी.एन.ए.टी.सी.	राजनगर	06	06
	कुल		**194**

महिला छात्रावास

1	IX (सरस्वती)	मुख्य परिसर	62	16/1/1/0	1	102
2	X (पार्वती)	मुख्य परिसर	91	0/0/1/1	1	101
3	रा.प्र.कें. – II (लक्ष्मी)	मुख्य परिसर	20	13/0/0/0	1	47
4	महिला छात्रावास XI	मुख्य परिसर		15/0/0/0	–	30
		कुल				**280**

नया नर्सेस छात्रावास, मस्जिद मोठ

1	नर्सिंग छात्रा	मस्जिद मोठ	160	90/4/0/0	2	354
2	स्टाफ नर्स	मस्जिद मोठ	34			34
		कुल				**388**
		महायोग				**1,805**

छात्रावासों में अ.भा.आ.सं. रेगिंग के विरुद्ध कठोर नीति का पालन कर रहा है। इस प्रयोजन के लिए, रेगिंग विरोधी प्रकोष्ठ का गठन किया गया है तथा वार्डन एवं सुरक्षा कर्मी छात्र की शिकायत या असुविधा होने पर उनको मार्गदर्शन एवं सहायता देने के लिए तैयार रहते हैं।

जोड़ी गई आधारिक संरचना

1. **नए छात्रावास**: छात्रों/रेजीडेंटों के लिए कमरों की अत्यधिक कमी के कारण मस्जिद मोठ क्षेत्र में नए छात्रावास ब्लॉक के शीघ्र निर्माण हेतु छात्रावास समिति ने प्रशासन एवं इंजीनियरिंग अनुभाग के साथ अनेक बैठक की। वर्तमान में कुल 350 कमरों सहित 3 टॉवरों का निर्माण कार्य चल रहा है। अन्य ब्लॉक पर सक्रिय रूप से विचार हो रहा है। नए छात्रावास ब्लॉकों की दिसंबर 2013 तक तैयार होने की संभावना है।
2. **विद्यमान कमरों में सुधार :** आचार्य एन.के.मेहरा विभिन्न छात्रावासों में रेजीडेंटों/छात्रों को प्रदान की जा रही सुविधाओं के संबंध में चिंतित हैं। तदनुसार सभी विद्यमान कमरों का चरणब तरीके से नवीनीकरण करने का निर्णय लिया गया था। आरंभ करने के लिए छात्रावास में अंतनिर्हित अलमारी, कपबोर्डस, वाश बेसिन एवं नई इलैक्ट्रिकल फिटिंग तथा फ्लोरिंग सहित एक मॉडल कमरे को तैयार किया गया है। इससे रेजीडेंटों की जीवन शैली की गुणवत्ता में महत्तवपूर्ण रूप से सुधार होगा तथा उनके अध्ययन को अधिक सहज वातावरण प्राप्त होगा।

3. **छात्रों के लिए अतिरिक्त कमरे (महिला छात्रावास)**: पिछले कुछ वर्षों के दौरान, पूर्व वर्ष की तुलना में एम बी बी एस, बी एस सी तथा एम एस सी पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाली महिला छात्रों की संख्या दुगुनी से अधिक हुई। इस बढ़ती मांग की पूर्ति करने के लिए स्नातकपूर्व महिला छात्रावासों में आने वाले वर्ष में अतिरिक्त कमरे जोड़े जाएंगे।

4. **नवीनीकरण गतिविधि**: वर्ष के दौरान अनेक नवीनीकरण गतिविधियों को आरंभ किया गया है। इसमें सड़क को चौड़ा करना, दुपहिया तथा कारों के लिए पृथक पार्किंग का प्रावधान, अश्विनी छात्रावास

(छात्रावास सं.7) में नया छात्रावास कार्यालय, इलैक्ट्रिकल वाइरिंग एवं विभिन्न शौचालय आदि सम्मिलित हैं।

पुरुष छात्रावास के मुख्य प्रवेश मार्ग को संलग्न लॉन सहित दोनों तरफ पर टाइल लगाकर चौड़ा किया गया है। स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास को पत्थरों को काटकर एवं नए फर्श की टाइलों से खूबसूरती प्रदान की गई है। वाहनों के प्रवेश को रोकने के लिए छात्रावास सं. 7 के सामने अवरोधक रखा गया है। दुपहियों एवं कारों के लिए पृथक चिह्न बोर्डों सहित वाहनों के लिए एक आदर्श पार्किंग क्षेत्र चिह्नित किया गया है। छात्रावास के मेसों में सुधार करने की योजना बनाई गई है तथा छात्रावासों में टी वी कक्षों का नवीनीकरण किया गया है तथा इनमें एल ई डी टी वी एवं गोदरेज सोफा सेट लगाए गए हैं।

5. **छात्रावास कार्यालयः** वर्ष के दौरान किया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण कार्य छात्रावास सं. 7 में सभी पूर्ण सुविधाओं सहित एक नए छात्रावास कार्यालय का निर्माण किया जाना है। यह वातानुकूलित है जिसमें कैशियर कक्ष एवं वार्डनों के लिए पृथक कैबिन/क्यूक्लस हैं। बेहतर समन्वयन के लिए छात्रावास अधीक्षक का कार्यालय छात्रावास अनुभाग से संलग्न है।

   माता–पिता अभिभावकों के आगमन की सुविधा हेतु छात्रावास सं. 7 में भूतल पर संलग्न स्नानगृह के साथ आगंतुक कक्ष को जोड़ा गया है।
6. **बचाव एवं सुरक्षा उपायः** I से VIII तक के सभी पुरुष छात्रावासों की बेहतर सुरक्षा के लिए उपयुक्त गेट लगे हुए हैं। रेजीडेंटों की सुरक्षा के लिए सभी छात्रावासों में चौबीस घंटे सुरक्षा गार्डों को तैनात किया गया है। अ.भा.आ.सं. कैम्पस के 5 किमी दायरे में रहने वाली देर सायंकालीन ड्यूटी करने वाली महिला रेजीडेंटों के लिए संस्थान ने कैब सुविधा प्रदान की है। पुरुष छात्रावास परिसर में कमरा सं. 13 में एक शिकायत प्रकोष्ठ (ई मेल आई डी aiimshostelgrievance@gmail.com) कार्यशील है। छात्रों की शिकायत को सुनने के लिए मनोचिकित्सा विभाग के संकाय सायं 5.30 से 6.30 सायं तक (सोमवार से शुक्रवार) ड्यूटी पर रहते हैं।

7. **भोजनालयः** छात्रावासों में प्रथम बार नई सहायक भोजनालय मार्गदर्शी सिद्धान्त को आरंभ किया गया है प्रत्येक छात्रावासों से छात्रों के विभिन्न वर्गों को मिलकर बनी आत्मनिर्भर मेस कमेटी भोजनालय में सुधार सहित इनकी सामान्य कार्यप्रणाली में सहायता करते हैं।

भावी योजनाएं

1. **आधारिक संरचना**

   क. अतिरिक्त छात्रावासों का निर्माण एवं बंद कैम्पस आवास को किराए पर लेना प्रथम प्राथमिकता है चूंकि वर्तमान में 400 छात्र प्रतीक्षा सूची में हैं। इसके अतिरिक्त नर्सिंग छात्रों की संख्या में भी वर्ष के दौरान काफी वृद्धि हुई है अतः मस्जिद मोठ क्षेत्र में नए नर्सिस छात्रावास में अतिरिक्त कमरों को बनाने की योजना बनाई गई है।

   ख. मॉडल कक्ष मानकों के अनुसार छात्रावास सं. I से xi में पूर्णतः नवीनीकरण किया जाएगा। यह कार्य स्नातकोत्तर छात्रावासों से आरंभ करके चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।

2 **छात्रावास कैफे :** छात्रावास परिसर में रेजीडेंटों के लिए अभी चूंकि 24 x 7 कैफे नहीं है अतः यह योजना बनाई गई है कि पुरुष छात्रावास में विद्यमान छात्रावास v कैफे का आधुनिक रसोई एवं डायनिंग सुविधाओं सहित नवीनीकरण किया जाए। यह अनौपचारिक छात्र–संकाय पारस्परिक क्रिया हेतु एक नोडल बिंदु के रूप में कार्य करेगा।

3 **अतिथि कक्षः** विभिन्न छात्रावासों में सभी अतिथि कक्षों का नवीनीकरण किया जाएगा जिसमें थोड़े समय के लिए आने वाले छात्रों के माता–पिता/अभिभावकों द्वारा उपयोग की जाने वाली पूर्ण सुविधाएं होंगी।

4. **छात्रावास नियम पुस्तिकाः** छात्रावास कमेटी ने छात्रों एवं रेजीडेंटों की ड्यूटी एवं उत्तरदायित्व तथा आबंटन नियमों पर संपूर्ण जानकारी सहित छात्रावास नियम पुस्तिका को संशोधित करने का कार्य आरंभ कर दिया है।

11.8 संस्थान की नीति विषयक समिति

संस्थान की नीति विषयक समिति के सदस्यगण

1.	प्रोफेसर जे. पी. वली, पूर्व आचार्य, काय–चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं.	अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर एस. एस. सिद्धू, पूर्व अध्यक्ष, दंत शल्य चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं.	सदस्य
3.	डॉ. डी. आर. सैनी, प्रधानाचार्य, दिल्ली पब्लिक स्कूल, आर. के. पुरम, नई दिल्ली	सदस्य
4.	डॉ. विजय कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' डी.डी.जी. (वरि. ग्रेड), आई.सी.एम.आर., नई दिल्ली	सदस्य
5.	श्री मुकुल गुप्ता, वरिष्ठ अधिवक्ता, पूर्व – एस. एल. सी., अ. भा. आ. सं.	सदस्य
6.	डॉ. ए. एम. खान, अध्यक्ष, सोशल साइंस विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, मुनीरका, नई दिल्ली	सदस्य
7.	प्रोफेसर शशी वधवा, संकायाध्यक्ष (शैक्षिक), अ. भा. आ. सं.	सदस्य
8.	प्रोफेसर वाई. के. गुप्ता, अध्यक्ष, भेषजगुण विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं.	सदस्य
9.	प्रोफेसर ए. बी. डे., काय चिकित्सा विभाग एवं प्रभारी आचार्य (अनुसंधान), अ. भा. आ. सं.	सदस्य
10.	प्रोफेसर पीयूष साहनी, अध्यक्ष, जठरांत्र शल्य चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं. एवं संपादक, एन. एम. जे. आई	सदस्य
11.	प्रोफेसर प्रवीण अग्रवाल, अध्यक्ष, आपात चिकित्सा विभाग, अ. भा. आ. सं.	सदस्य
12.	प्रोफेसर रविन्द्र कुमार बत्रा, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं.	सदस्य
13.	प्रोफेसर राकेश यादव, उप–संकायाध्यक्ष (शैक्षिक), अ. भा. आ. सं.	सदस्य
14.	प्रोफेसर रेनू सक्सेना, अध्यक्ष, रूधिर रोग विज्ञान विभाग, अ. भा. आ. सं.	सदस्य–सचिव

प्रोफेसर रानी कुमार अप्रैल 2012 को सेवा निवृत्त हो गई तथा डॉ. शशी वधवा, संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) नीति विषयक समिति की सदस्य बनीं।

संस्थान की नीति विषयक उप–समिति के सदस्यगण

1.	डॉ. रविन्द्र कुमार बत्रा, आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग	अध्यक्ष
2.	डॉ. रेनू सक्सेना, आचार्य एवं अध्यक्ष, रूधिर रोग विज्ञान विभाग	सदस्य
3.	डॉ. अरविंद बग्गा, आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग	सदस्य
4.	डॉ. शशि कांत, आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र	सदस्य
5.	डॉ. कल्पना लूथरा, अपर आचार्य, जैव रसायन विभाग	सदस्य
	डॉ. अशोक कुमार, आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम.ए.एम.सी.,नई दिल्ली	
6.	डॉ. प्रवीण अग्रवाल, आचार्य, आपात चिकित्सा विभाग	सदस्य
7.	डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, आचार्य, शल्य चिकित्सा विभाग	सदस्य
8.	डॉ. राधिका टंडन, आचार्य, नेत्र विज्ञान विभाग	सदस्य
9.	डॉ. मंजू वत्स, प्रधानाचार्य, नर्सिंग कालेज	सदस्य
10.	डॉ. एस.बी. गायकवाड़, आचार्य, तंत्रिका विकिरण विज्ञान	सदस्य
11.	डॉ. रविन्द्र गोस्वामी, उप–संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)	सदस्य
12.	डॉ. नवल किशोर विक्रम, सह आचार्य, काय चिकित्सा विभाग	सदस्य
13.	डॉ. जी. कार्तिकेयन, अपर आचार्य, हृद् विज्ञान विभाग	सदस्य
14.	डॉ. राकेश यादव, उप–संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) एवं अपर आचार्य, हृद् विज्ञान विभाग	सदस्य–सचिव

शिक्षा

प्रदत्त व्याख्यान

रेनू सक्सेना : 2

रविन्द्र कुमार बत्रा : 5

बैठकें

संस्थान की नीति विषयक समिति की बैठकों की संख्या निम्न प्रकार से थी :

संस्थान नीति विषयक समिति : 12	शोध एवं शोध–प्रबंध के लिए संस्थान की नीति विषयक उप–समिति : 12

संस्थान की नीति विषयक समिति द्वारा समीक्षा की गई परियोजनाओं की संख्या

नई परियोजनाएं : 490	पुरानी परियोजनाएं : 124

संस्थान की नीति विषयक उप समिति द्वारा समीक्षा गई शोध प्रबंधों की संख्या

शोध प्रबंध : 489	समीक्षा शोध प्रबंध : 472

इसके अतिरिक्त, संस्थान की नीति विषयक समिति द्वारा गंभीर प्रतिकूल प्रतिक्रियाएं, गंभीर प्रतिकूल घटनाओं, छिमाही प्रगति रिपोर्ट एवं पूर्णता रिपोर्ट आदि की अधिसूचनाएं प्राप्त करना जारी रखा गया।

संस्थान की नीति विषयक समिति के मानक प्रचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को आवश्यकतानुसार संशोधित किया गया और उन्हें एम्स वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया।

महत्वपूर्ण घटनाएं

संस्थान की नीति विषयक समिति को डी सी जी आई तथा एफ डब्ल्यू ए के साथ पंजीकृत किया गया।

11.9 के. एल. विग आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी केंद्र

प्रभारी आचार्य
के. के. दीपक

समन्वयक (आयुर्विज्ञान)
राकेश यादव

समन्वयक (दन्त विज्ञान)
ओ. पी. खरबन्दा

शिक्षाविद्
बी. वी. अदकोली

शिक्षा मीडिया जनरलिस्ट
योगेश कुमार

प्रबंधक (एच आर डी)
सौरव सरकार
(दिनांक 7 नवंबर 2012 से)

व्याख्याता, अंग्रेजी एवं सम्प्रेषण, कौशल
विदुषी शर्मा (दिनांक 6 फरवरी 2013 से)

विशिष्टताएं

अ. भा. आ. सं. की समग्र कार्यशैली के संदर्भ में संकाय विकास के अवबोधन की आवश्यकता के प्रत्युत्तर में, सीमेट ने संस्थान में संकाय विकास और विभिन्न स्वास्थ्य चिकित्सकों के कौशल को बढ़ाने पर बल दिया। 15 नए भर्ती प्रशिक्षुओं के अतिरिक्त एम्स के भर्ती 90 नए संकाय सदस्यों, 76 रेजीडेंट चिकित्सकों के लिए दो बैचों में अभिविन्यास कार्यशालाएं आयोजित की गईं। एम्स द्वारा एम बी बी एस छात्र / छात्राओं के नए बैच के लिए मैनेजमेंट कन्सलटेन्ट ऑरगनाईजेशन, सेन्टर फॉर रिसर्च एण्ड एजुकेशन फॉर सोशल ट्रांसफोर्मेशन (सी आर ई एस टी) के सहयोग से दस दिन की आवासीय कार्यशाला संचालित की गई थी। वर्ष के दौरान वरिष्ठ / कनिष्ठ रेजीडेन्ट, पूल अधिकारियों और पी एच डी छात्रों के लिए विषयों जैसे :– वैज्ञानिक लेखन, स्वास्थ्य सेवाओं में सूचना की पुनः प्राप्ति और मीडिया का प्रयोग करके प्रभावी प्रेजेन्टेशन बनाने हेतु कुल 34 कार्यशालाएं / संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। सीमेट संकाय – सदस्य महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहल जैसे :– राष्ट्रीय ज्ञान आयोग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल, बैचलर ऑफ रुरल हैल्थकेयर (बी आर एच सी) पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यक्रम डिजाइन करने के अतिरिक्त स्नातकपूर्व/स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा से संबंधित भारतीय चिकित्सा परिषद् की विशेषज्ञ समितियों की स्थापना हेतु विषय निर्वाचन समिति में संलग्न थे।

शिक्षा

सी एम ई / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन नीचे दिए गए विवरण के अनुसार वर्ष 2012 – 13 के दौरान कुल 32 कार्यशालाएं आयोजित की गईं। सी आर ई एस टी के सहयोग से एम बी बी एस के छात्र/छात्राओं के नए बैच के लिए आवासीय कार्यशाला आयोजित की गई जिसके पश्चात् आधारभूत विज्ञान विषयों से संबंधित परामर्शदाता सदस्यों के लिए दो दिवसीय सुग्राहिता कार्यशाला आयोजित की गई। एम्स के वरिष्ठ संकाय सदस्यों के लिए नेतृत्व तथा प्रापण के प्रबंधन पर दो कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

क्र. सं.	शीर्षक	भागीदार समूह	दिनांक	प्रतिभागी
1.	संकाय अभिविन्यास कार्यक्रम भाग 1	नए संकाय सदस्य	22 मई 2012	61

2.	संकाय अभिविन्यास कार्यक्रम भाग 2	नए संकाय सदस्य	20 जुलाई 2012	29
3.	स्व – संवर्धन कार्यशाला (सी आर ई एस टी)	नए एम बी बी एस छात्र	19–28 जुलाई 2012	77
4.	एम्स के आधारभूत विज्ञान विभागों के संकाय परामर्श दाताओं हेतु कार्यशाला	शिक्षक परामर्शदाता	31 जुलाई से 1 अगस्त 2012	30
5.	अ. भा. आ. सं. के रेजीडेन्ट अभिविन्यास कार्यक्रम भाग – 1	नए रेजीडेंट	3 सितंबर 2012	20
6.	अ. भा. आ. सं. के रेजीडेंट अभिविन्यास कार्यक्रम	नए रेजीडेंट	12 सितंबर 2012	56
7.	माइक्रोटीचिंग के माध्यम से प्रभावी शिक्षण	संकाय – सदस्य	1 नवंबर 2012	35
8.	प्रापण और क्रय का प्रबंधन करना	संकाय – सदस्य	29 नवंबर 2012	65
9.	रोगियों और स्वास्थ्य दल के साथ प्रभावी सम्प्रेषण	सभी रेजीडेंट	6 दिसंबर 2012	31
10.	अ. भा. आ. सं. के समूह 'घ' के कर्मचारियों का प्रशिक्षण (समूह 1 तथा 2)	समूह 'घ' के कर्मचारी गण	17–21 दिसंबर 2012	78
11.	मीडिया तथा ई–लर्निंग का प्रभावी उपयोग	सभी रेजीडेंट	27 दिसंबर 2012	71
12.	प्रकाशन हेतु वैज्ञानिक लेखन, साहित्य खोज, सुझाव	संकाय सदस्य	3 जनवरी 2013	58
13.	इंटरनेट तथा बिबलियोग्राफी प्रबंधन का उपयोग करके सूचना की पुनः प्राप्ति।	रेजीडेन्ट वरिष्ठ रेजीडेंट, पी एच डी छात्र पूल अधिकारी	29 जनवरी 2013	35
14.	व्यावसायिकता तथा नीति विषयक व्यवहार	सभी रेजीडेंट	31 जनवरी 2013	47
15.	प्रभावी प्रस्तुतीकरण को डिजाइन करना	नर्सिंग छात्र	31 जनवरी 2013	23
16.	पॉवर पॉइंट में एनिमेशन	नर्सिंग छात्र	1 फरवरी 2013	23
17	एम एस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन हेतु उपकरण	रेजीडेन्ट, वरिष्ठ रेजीडेन्ट, पी एच डी छात्र, पूल अधिकारी	5 फरवरी 2013	46
18	एम सी क्यू तथा मद विश्लेषण	संकाय सदस्य	7 फरवरी 2013	25
19	इंटरनेट तथा बिबलियोग्राफी प्रबंधन का उपयोग करके सूचना की पुनः प्राप्ति।	रेजीडेंट, वरिष्ठ रेजीडेंट, पी एच डी छात्र पूल अधिकारी	8 फरवरी 2013	47
20	अनुसंधान पत्र लिखने पर सीमेट – एन एम जे आई कार्यशाला	रेजीडेंट, वरिष्ठ रेजीडेंट, पी एच डी छात्र, पूल अधिकारी	11–12 फरवरी 2013	62
21	प्रशिक्षुओं हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम	अ. भा. आ. सं. के प्रशिक्षु	14 फरवरी 2013	15
22	एम एस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन हेतु उपकरण	रेजीडेन्ट, वरिष्ठ रेजीडेंट, पी एच डी छात्र, पूल अधिकारी	15 फरवरी 2013	54
23	इंटरनेट तथा बिबलियोग्राफी का प्रयोग करके सूचना की पुनः प्राप्ति।	नर्सिंग छात्र	21 फरवरी 2013	24
24	एम एस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन हेतु उपकरण	नर्सिंग छात्र	22 फरवरी 2013	18
25	प्रभावी प्रस्तुतीकरण को डिजाइन करना	रेजीडेन्ट वरिष्ठ रेजीडेंट, पी एच डी छात्र, पूल अधिकारी	26 फरवरी 2013	57
26	नेतृत्व और परिवर्तन का प्रबंधन	संकाय सदस्य	28 फरवरी 2013	39
27	कार्यशाला आयोजित करना	नर्सिंग छात्र	28 फरवरी 2013	24

28	डिजीटल फोटोग्राफी का परिचय	नर्सिंग छात्र	1 मार्च 2013	24
29	पॉवर पॉइन्ट में एनिमेशन	रेजीडेन्ट, वरिष्ठ रेजीडेन्ट, पी एच डी छात्र, पूल अधिकारी	19 मार्च 2013	49
30	तनाव प्रबंधन	रेजीडेन्ट	7 मार्च 2013	49
31	डिजीटल फोटोग्राफी का परिचय	नर्सिंग छात्र	15 मार्च 2013	15
32	कार्यशाला आयोजित करना	रेजीडेन्ट वरिष्ठ रेजीडेन्ट, पी एच डी छात्र पूल अधिकारी	22 मार्च 2013	15

इसके अतिरिक्त सीमेट ने अन्य विभागों द्वारा आयोजित 18 सी एम ई (53 दिन) के लिए संभारतंत्र एवं तकनीकी सहायता प्रदान की।

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्यशालाएं / संगोष्ठियां

- डॉ. के. के. दीपक चिकित्सा मनोविज्ञान कार्यशाला में स्नातक पूर्व तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संबंधी कार्यशाला हेतु विशेषज्ञ थे, 25 – 26 फरवरी 2013, जोधपुर, अ. भा. आ. सं.
- डॉ. के. के. दीपक, क्षेत्रीय केंद्रों के संकाय सदस्यों हेतु पाठ्यक्रम क्रियान्वयन सहायता कार्यक्रम (सी आई एस पी) कार्यशाला के लिए सह – संयोजक थे, 3 – 4 मई 2012, भारतीय चिकित्सा परिषद्, दिल्ली का आयुर्विज्ञान प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ।
- डॉ. ओ. पी. खरबन्दा, 'दंत शिक्षा में बदलते प्रतिमान' पर दंत शिक्षाप्रदाताओं की कार्यशाला के संयोजक थे, डॉ. रामलिंगास्वामी सभागार, 15 सितंबर 2012.
- डॉ. के. के. दीपक ने 'पाण्डुलिपि लेखन तथा संगोष्ठी की समीक्षा' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया, एपीकॉन 2012 का 58वां वार्षिक सम्मेलन, 17 – 20 दिसंबर 2012, सुभारती मेडिकल कॉलेज, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ।
- श्री योगेश कुमार, शिक्षा मीडिया पत्रकार ने डॉ. आशिमा नेहरा, तंत्रिका मनोचिकित्सक, हृद तंत्रिका केंद्र के साथ मिलकर 'प्रभावी सम्प्रेषण बनाने वाले कौशल' पर एक सम्मेलन पूर्व कार्यशाला का आयोजन किया, इण्डियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट का 39वां राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन, 17 फरवरी 2013, सीमेट, अ. भा. आ. सं.
- श्री योगेश कुमार ने 'बिबलियोग्राफी प्रबंधन' 'आर्थोडोन्टिक स्नातकोत्तर परीक्षा पर एक नजर' पर एक निदर्शन व्याख्यान प्रस्तुत किया, 10 फरवरी 2013, आर्थोडोन्टिक्स विभाग जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

के. के. दीपक : 6 बी. पी. अदकोली : 42 योगेश कुमार : 17

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर : 3

प्रकाशन

सार : 1 पुस्तकों में अध्याय : 2

सहयोगी गतिविधियां

मीडिया प्रस्तुति

मीडिया संबंधित कार्य	उत्पादित आउटपुट / मात्रा
नैदानिक फोटोग्राफी	5069
एक्स–रे, नमूना, जैल	5634
इमेजिस (स्लाइड्स, फोटो, कागजात) की स्कैनिंग	637
विडियो रिकॉर्डिंग और संपादन	192

बड़े आकार के पोस्टरों को डिजाइन करना / प्रिंट करना	1794+ 481 छोटे प्रिंट (ए4, ए3 आकार
स्क्रीन पर प्रस्तुतीकरण	262

रूपांकन एवं संरूपण (डिजाइनिंग एवं फॉर्मेटिंग)

1. एस ई ए आर ए एम ई एन सी एच पी ई हेतु डिजाइन्ड तथा फोर्मेटिड फॉर पुस्तक, 2012 पी एस जी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिज़ एण्ड रिसर्च, कोयम्बटूर, भारत, 5 – 8 सितंबर 2012.
2. स्त्री रोग विज्ञानी अर्बुदविज्ञान पर डिजाइन्ड तथा फोर्मेटिड मैन्युअल, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, सं. रो. कैं. अ., अ. भा. आ. सं, नर्सों हेतु शैक्षिक सामग्री

नर्सों हेतु शैक्षिक सामग्री

मॉड्यूल / पुस्तिकाएं (3)

एम. एस. सी. नर्सिंग के छात्र छात्राओं के मॉड्यूल / पुस्तिकाओं हेतु डिजाइनिंग एवं फॉर्मेटिंग : 1. स्टोमा केयर 2. किशोरी तथा यौवनारंभ तथा 3. मिरगी से पीड़ित महिलाओं को परामर्श

विडियो फिल्मों का निर्माण (2)

नर्सों / रोगियों के लिए प्रशिक्षण फिल्म, जिसमें विशेष मामलों संबंधी समस्याओं और देखभाल को स्पष्ट किया गया है और साथ ही 1. ट्रैकियोटॉमी केयर एवं 2. इंडोट्रैकियल सेक्शन देखभाल के दौरान क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, के बारे भी बताया गया है।

आयोजित प्रदर्शनियां

सीमेट ने 57वां संस्थान दिवस प्रदर्शनी का आयोजन करने में मुख्य भूमिका निभाई, 25 – 27 सितंबर 2012, जिसका विषय था – 'स्वास्थ्य उपचार में अ. भा. आ. सं. का योगदान। इस प्रदर्शनी में व्यंग्य रचना और रोल प्ले के अतिरिक्त सैकड़ों पोस्टर विडियो / सीधा प्रसारण सम्मिलित थे। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री महोदय द्वारा किया गया था और इसमें काफी संख्या में आम जनता ने भाग लिया था।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर के. के. दीपक को आयुर्विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसिज (एन ए एम एस) द्वारा डॉ. वी. के. आनंद ओरेशन 2011 – 12 प्रदान किया गया। उन्होंने 'आयुर्विज्ञान शिक्षा : वर्तमान समस्याओं का पुनः मूल्यांकन और आगे के संभावित उपाय' पर एक व्याख्यान दिया; वह राज भाषा समिति, हिंदी अनुभाग, अ. भा. आ. सं. के सदस्य थे; वे निर्णायक, हिंदी अनुभाग, अ. भा. आ. सं. थे। वे मनोविज्ञान हेतु पाठ्यक्रम विकसित करने संबंधी विशेषज्ञ समिति की बैठक में बाह्य विशेषज्ञ थे, जोधपुर, अ. भा. आ. सं. वे सदस्य, आंतरिक निधिकरण हेतु परियोजना समीक्षा समिति, अ. भा. आ. सं., संयोजक समानता उप समिति, एम सी आई द्वारका; सदस्य, तदर्थ स्नातकपूर्व मूल्यांकन जांच समिति, एम सी आई, सदस्य मेडिकल बोर्ड, शैक्षिक अनुभाग, अ. भा. आ. सं., सदस्य, स्नातक पूर्व हेतु शिक्षण कार्यक्रम समिति, अ. भा. आ. सं. थे।

डॉ. बी. वी. अदकोली ने स्वास्थ्य पेशेवरों के राष्ट्रीय सम्मेलन (एस ई ए आर ए एम ई – एन सी एच पी ई – 2012) एवं दक्षिण पूर्वी एशियाई क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान शिक्षा के संयुक्त सम्मेलन हेतु संकाय के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कीं, पी एस जी इंस्टीट्यू ऑफ मेडिकल एजुकेशन एण्ड रिसर्च, कोयंबटूर, 6 – 7 सितंबर 2012, वे संपादक, सम्मेलन की सार पुस्तक; सदस्य विशेषज्ञ समिति, भारतीय चिकित्सा परिषद्, विज्ञान स्नातक सामुदायिक स्वास्थ्य के पाठ्यक्रम, बी एस सी (सी एच) पाठ्यक्रम के निर्माण हेतु सदस्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल आरंभ करने के लिए विषय निर्वाचन समिति स्वास्थ्य और कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नियुक्त; एडवान्स्ड ट्रॉमा लाइफ स्पोर्ट (ए टी एल एस) हेतु अध्यापकों का पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स द्वारा अधिकृत शिक्षाविशारद् थे; उन्होंने नेशनल इनिशिएटिव ऑन एलाइड हैल्थ सर्विसिज (एन आई ए एच एस), पब्लिक हैल्थ फाउंडेशन ऑफ इण्डिया (पी एच एफ आई) में भाग लिया, 21 दिसंबर 2012.

12. प्रकाशन

पत्रिकाएं

1. इब्राहिम आर आर, व्यास आर, सूद आर, बानो एस, डोगरे ए आर, अश्विनी सी ए, एट अल. एडल्ट लर्निंग प्रिंसिपल्स इन एन ऑनलाइन लर्निंग फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम. थिटा मेड साई 2012; **1** : 77 – 81 .
2. अग्रवाल ए, बत्रा आर के, छाबरा ए, सुब्रह्मण्यम आर, मिश्रा एम सी. द एवालुएशन आफ एफिकेसी एंड सेफ्टी आफ पैरावेरटेब्रल ब्लॉक फोर पेरिऑपरेटिव एनालगेसिया इन पेसेंट्स अंडरगोइंग लेपरोस्कोपिक कोलेसास्टेक्टोमी. सउदी जे एनेस्थ 2012; **6** : 344 – 9 .
3. अग्रवाल जी, कोचर एच एस, जुल्का पी के, बहादुर एस. ओस्टियोसरकोमा एज ए सकेंड मलिग्नेंट डिजीज इन ए केस ऑफ बाईलेट्रल रेटिनोब्लास्टोमा. इंडियन जे ओटोलारयांगोल हेड नेक सर्ज 2011; **63** (सप्ल 1) : 115 – 17 .
4. अग्रवाल एम बी, वर्मा एस, महापात्रा एम, त्रिपाठी ए के, भावे ए, देसपांडे ए, एट अल. बैलेंसिंग एफिकेसी एंड ब्लीडिंग रिस्क इन द प्रवेंसन आफ स्ट्रोक ड्यू टू एट्रॉलफाब्रिलेसन विथ न्यूअर ओरल एंटिकोआगुलेंट्स. इंडियन जे हेमाटोल ब्लड ट्रांसफ्यूज 2012; **28** : 129 – 143 .
5. अग्रवाल एन, सिंह एस, कृपलानी ए, भाटला एन, कुलश्रेष्ठ वी. रोल आफ गैबापेनचर इन ट्रिटमेंट आफ हॉट फ्लसेस इन पोस्ट मेनापॉजल वुमेन. इंट जे ऑब्सटेट गायनोकोल 2012; **11953** : 267 .
6. अग्रवाल पी, सिंह डी, सिन्हा जी, शर्मा एन, टिटियाल जे एस. बाईलैट्रल मूरेंस अल्सर इन ए चाइल्ड सेकेन्डरी टू हेलमिनथिक इंफेस्टेसन आफ द गैस्ट्रोइंटेस्टिनल ट्रैक्ट. इंट ओफ्थाल्मोल 2012; **32** : 463 – 6 .
7. अग्रवाल आर, विरमानी डी, जयपाल एम, गुप्ता एस, शंकर एम जे, भाटिया एस, एट अल. पुअर जिंक स्टेटस इन अर्ली इंफैंसी अमौंग बोथ लो एंड नॉर्मल बर्थ वेट इंफैंट्स एंड देअर मदर्स इन दिल्ली. नियोनैटोलॉजी 2013; **103** : 54 – 9 .
8. अग्रवाल आर, विरमानी डी, जयपाल एम एल, गुप्ता एस, गुप्ता एन, शंकर एम जे, एट अल. विटामिन डी स्टेटस आफ लो बर्थ वेट इंफैंट्स इन दिल्ली : ए कंप्रेटिव स्टडी . जे ट्रोप पेडियाट्र 2013; **58** : 446 – 50 .
9. अग्रवाल एस, शर्मा एम सी, झा पी, पाठक पी, सूरी वी, एट अल. कम्प्रेटिव स्टडी आफ आई डी एच 1 म्यूटेसंस इन ग्लिओमस बाइ इम्युनोहिस्टोकेमिस्ट्री एंड डी एन ए सिक्वेंसिंग. न्यूरो ओनकोल 2013; **15** : 718 – 26 .
10. अग्रवाल एस, शर्मा एम सी, सिंह जी, सूरी वी, सरकार सी, गर्ग ए, एट अल. पपिलेरी ग्लिओन्यूरोनल ट्यूमर – ए रेअर इंटिटी : रिपोर्ट आफ फोर केसेज एंड ब्रिफ रिव्यू आफ लिट्रेचर. चाइलड्स नर्व सिस्ट 2012; **28** (11) : 1897 – 904 .
11. अग्रवाल एस के, क्रोनिक किडनी डिजीज इन इंडिया – इ रे आफ होप. जे क्लिन साइ रेस 2012; **3** : 112 – 3 .
12. अग्रवाल टी, भारतीय एस, दादा टी, पांडा ए, झांजी वी, यू एम. एग्रीमेंट आफ कोर्नियल थिकनेस मेजरमेंट यूजिंग स्लिटलैम्प एंड अल्ट्रासाउंड साइमेट्री. आई कंटेक्ट लेंस 2012; **38** : 231 – 3 .
13. अग्रवाल टी, झांजी वी, गोपालकृष्णन के, खोखर एस के, दादा टी, पांडा ए, हाइब्रिड बाइमैनुअल टेकनीक फोर एसप्रेशन आफ रेजिड्यूल कारटेक्स. एक्टा औफ्थाल्मोल 2012; **90** : ई 236 – 7 .
14. अग्रवाल टी, झांजी वी, सत्पथी जी, नायक एन, चावला बी, टंडन आर, एट अल. मॉक्सिफ्लोक्सिन रेसिस्टंस : इंट्रिंसिक टू एंटीबायोटिक और रिलेटेड टू म्यूटेशन ? ऑप्टम विज साई 2012; **89** : 1721 – 4 .
15. अग्रवाल टी, झांजी वी, ऑटो – डेस्सेमेट मेम्ब्रेन एंडोथेलिएल केराटोप्लास्टी (टॉटो : डी एम ई के). मेड हाइपोथेसेस 2013; **80** : 102 – 3 .
16. अग्रवाल एस. प्राइमरी मलिग्नांट लिवर ट्यूमर्स इन चिल्ड्रेन. इंडियन जे पेडियाट्र 2012; **79** : 793 – 800 .
17. अग्रवाल के, खांडपुर एस, खन्ना एन, शर्मा वी के, पांडव सी एस. कंप्रीजन आफ क्लिनीकल एंड कॉस्ट – इफेक्टिवनेस आफ सोरालेन + अल्ट्रावायलेट ए वर्सस सोरालेन + सनलाइट इन द ट्रिटमेंट आफ क्रोनिक प्लक सोरायसिस इन ए डेवलपिंग इकोनॉमी. इंट जे डेर्माटोल 2013; **52**: 478 – 85 .
18. अग्रवाल एन टी, त्रिपाठी एम, डोडगे एच एच, अल्लादी एस, एंस्टे के जे. ट्रेंड्स इन अल्जाइमर्स डिजीज एंड डेमेंटियाइन द एशियन – पैसिफिक रीजन. इंट जे अल्जाइमर्स 2012; **200**: 171327 .

19. अग्रवाल एस, कैलाश एस, सागर आर, त्रिपाठी एम, श्रीनिवास वी, शर्मा आर, एट अल. न्यूरोसाइकोलॉजिकल डायसफंक्शन इन आइडियोपैथिक हाइपोपैराथायरोडिज्म एंड इट्स रिलेशनसिप विद इंट्राक्रेनियल कलासिफिकेशन एंड सीरम टोटल कैल्शियम. यूर जे इंडोक्राइनोल 2013; 168 (6) : 895 – 903 .

20. अग्रवाल एस, मरास जे एस, आलम एस, खन्ना आर, गुप्ता एस के, आहूजा ए. नावले नॉनसेंस मुटेशन आफ ए बी एच डी 5 इन डोफेमैन – कैनारिन सिंड्रोम विद अनयुजूअल फाइंडिंग : ए चैलेंज फार जीनोटाइप – फेनोटाइप कोरेलेशन. यूर जे मेड जेनेट 2012; **55** : 173 – 7 .

21. अग्रवाल एस, वहल ए, आनंद एस, एट अल. लेप्रोस्कोपिक स्लिव गैस्ट्रेक्टोमी : वन एंड थ्री इयर रिलट्स इन इंडियन पोपुलेशन. ऑब्स सर्ज 2012 : 86 .

22. अग्रवाल एस, यादव के, शर्मा ए पी, सेठी वी. लेप्रोस्कोपिक बाइलेट्रल ट्रांसपिरिसनल एड्रिनैलेक्टोमी फार कुशिंग सिंड्रोम : सर्जिकल चैलेंज्स एंड लेसंस लर्नट. सर्ज लेपरोस इंडोस्क परक्यन टेक 2013; 23 : 324 – 8 .

23. अग्रवाल एस. लेप्रोस्कोपिक मैनेजमेंट आफ एक्यूट इंटेस्टिनल ऑब्सट्रक्शन ड्यू टू एन अनयूजुअल काउज आफ्टर रॉक्स – एन – वाई गैस्ट्रिक बाईपास सर्ज 2012 : 13 .

24. अग्रवाल वी, कपूर पी एम, चौधरी एम, किरण यू, चौधरी यू. यूटिलिटी आफ सोनोक्लोट एनालायसिसएंड ट्रानेक्सामिक एसिड इन टेट्रलोजी आफ फ्लोट पेसेंट्स अंडरगोइंग इंट्राकार्डियक रिपेयर. एन कार्ड एनेस्थ 2012; 15 : 26 – 31 .

25. अग्रवाल सी एस, तिवारी पी, मिश्रा एस, राव ए, हडके एन एस, अधिकारी एस, एट अल. अब्डोमिनल क्लोजर प्रेवेंट्स बर्सट : रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल कंपेयरिंग इंट्रप्टेड – एक्सएंड कंवेंसनल कंटिनिवस क्लोजर्स इन सर्जिकल एंड गायनिकोलॉजिकल पेसेंट्स. इंडियन जरनल आफ सर्जरी 2012 : 1 – 7 .

26. अग्रवाल डी, गर्ग ए. एक्यूट आरटेरियल इंफ्रैक्ट्स इन पेसेंट्स विद सेवर हेड इंजुरिज दृ इंडियन जे न्यूरोसर्ज 2012; 1 : 126 – 9 .

27. अग्रवाल डी, जोशुआ एस पी, गुप्ता डी, सिन्हा एस, सत्यर्थी जी डी. कैन ग्लासगो स्कोर एट डिस्चार्ज रिप्रेजेंट फाइनल आउटकम इन सेवर हेड इंजूरी ? जे इमर्ज ट्रामा शॉक 2012; 5 : 217 – 9 .

28. अग्रवाल डी, कुमार एस, कुमार ए, गोम्बर एस, त्रिखा ए, आनंद एस. डिजाइन आफ इन एसिस्टिव एनेस्थेसिया ड्रग डिलेवरी कंट्रोल यूजिंग नॉलेज बेस्ड सिस्टम्स . नॉलेज बेस्ड सिस्टम्स 2012; 3 : 1 – 17 .

29. अग्रवाल डी. इमेज गाइडेंस इन ट्रांस – स्पेनॉडल सर्जरी फॉर गेंट पिट्यूटरी एडेनॉम्स : लक्जरी आफ नेसिसिटी ? इंडियन जे न्यूरोसर्ज 2012; 1 : 181 – 4 .

30. अग्रवाल डी. ट्रांसफॉरमिंग ट्रामा हेल्थ केयर डिलेवरी इन रूरल एरियाज बाई यूज आफ एन इंटिग्रेटेड कॉल सेंटर. जे इमर्ज ट्रामा शॉक 2012; 5 : 7 – 10 .

31. अहमद एफ, बुड्डे यू, जान आर, ओएन एफ, कान्नन एम, सक्सेना आर, एट अल. फेनोटाईपिक एंड मोलक्यूलर कैरेक्ट्रीसेशन आफ टाइप 3 वॉन विलब्रांड डिजीज इन ए कोहॉर्ट आफ इंडियन पेसेंट्स . थ्रॉम्ब हैमोस्ट 2013; 109 : 652 – 60 .

32. अहमद एफ, जान आर, कान्नन एम, ऑब्जर टी, हसन एम आई, ओएन एफ, एट अल. कैरेक्ट्रीसेशन आफ म्यूटेशंस एंड मोलक्यूलर स्टडीज आफ टाइप 2 वॉन विलब्रांड डिजीज थ्रॉम्ब हैमोस्ट 2013; 109 : 39 – 46 .

33. अहमद आई, नारंग आर, वेंकटरमन ए, दास एन. टू – एंड थ्री – लोकस हैप्लोटाइपस आफ द पैराओक्सोनास (पी ओ एन 1) जेन आर एसोसिएटेड विथ कोरोनरी आरट्रेरी डिजीज इन एशियन इंडियंस. जेन 2012; **506** : 242 – 7 .

34. अहमद एस टी, अर्जुमंद डब्ल्यू, सेठ ए, सैनी ए के, सुल्ताना एस. मेथिलेशन आफ द ए जी ए एफ – 1 एंड डी ए पी के – 1 प्रमोटर रिजन कोरेलेट्स विथ प्रोग्रेसन आफ रिनल सेल कार्सिनोमा इन नॉर्थ इंडियन पापुलेशन . ट्यूमर बॉय 2012; **33** : 395 – 402 .

35. अहमदनी बी के, कुबेक एस पी, केसलर आर सी, डे ग्राफ आर, अलोंसो जे, ब्रफ्फार्टस आर, ... सागर आर, एट अल. एम्बरास्मेंट वेन इलनेस स्ट्राइक्स ए क्लोज रिलेटिव रु ए वल्ड मंटल हेल्थ सर्वे कंसोर्टियम मल्टी – साइट स्टडी दृ साइकोल मेड 2013; **43** (10) : 2191 – 202 .

36. आहूजा ए, दास पी, दुर्गापाल पी, सैनी ए, डोगरा पी एन, माथुर एस आर, एट अल. माइक्रोफाइलेरिया इन ए पेसेंट आफ अकायलस हेमाटुरिया : ए रेयर फाइंडिंग इन यूरिन सायटोलॉजी . जे सायटोल 2012; **29** : 147 – 8 .

37. आहूजा ए, अय्यर वी के, माथुर एस, विजय एम के. फाइन नीडल एसप्रेशन सायटोलॉजी डायगनोसिस आफ मेटास्टेटिक एडल्ट ग्रानुलासा सेल ट्यूमर शोइंग कॉल – एक्सनर बॉडीज. साय्टोपैथेलॉजी 2013; **24** : 346 – 7 .

38. आहूजा ए, माथुर एस, अय्यर वी के. एकैनथेमाटस अमेलोब्लास्टोमा मास्क्यूरेडिंग एज ए स्क्यूमस सेल कार्सिनोमा. साय्टोपैथेलॉजी 2013; **24** : 344 – 5 .

39. आहूजा ए, माथुर एस आर, अय्यर वी के, शर्मा एक के, कुमार एन, अग्रवाल एस. हिस्टोप्लासमोसिस प्रेजेंटिंग एक बाइलेट्रल एड्रीनल मास्सेस : सायटोमोर्फोलॉजिकल डायग्नोसिस आफ थ्री केसेज दृ गागन सायटोपैथोल 2012; **40** : 729 – 31 .

40. आहूजा ए, सूरी वी, सूरी ए, शर्मा एम सी, प्रकाश जी, बख्शी एस, एट अल . अनयूजुअल सेंट्रल नर्वस सिस्टम प्रेजेंटेशन आफ ए एल के – पॉजिटिव एनाप्लास्टिक लार्ज सेल लिंफोमा इन ए चाइल्ड . न्यूरॉल इंडिया 2012; **60** : 522 – 4 .

41. आहूजा वी, टंडन आर के. इनफ्लाम्मेटरी बॉवेल डिजीज : द इंडियन ऑगुरी . इंडियन जे गैस्ट्रोइंट्रोल 2012; **31** : 294 – 6 .

42. अख्तर एन, आनंद वी, वर्मा के के, शर्मा ए. आग्युमेंटेड टेलोमिरेज एक्टिविटी एंड रेड्यूस्ड टेलोमेरे लेंथ इन पार्थेनियम – इंड्यूस्ड कंटैक्ट डर्माटिटिस . जे योर ए कैड डेर्माटोल वेनेरेओल 2013; **27** : 1222 – 7 .

43. अल – अदावी एस, बक्स बी, ब्रायंट : वॉग आर, क्लांडिनो ए एम, हे पी, मोनटेलेआन पी, (शरण पी), एट अल. रिविजन आफ आई सी डी – स्टेटस अपडेट ऑन फीडिंग एंड इंटिंग डिस्ऑडर्स . एड इटिंग डिस्ऑडर्स : थ्योरी रेस प्रैक्टिस 2013; **1** : 10 – 20 .

44. अल्बर्ट वी, सुब्रमण्यम ए, रंगराजन के, पांडे आर एम. एग्रीमेंट आफ टू डिफरेंट लेब्रोट्री मेथड्स यूज्ड टू मेजर इलेक्ट्रोलाइट्स . जे लैब फिजिशियंस 2011; **3** : 104 – 9 .

45. अली जे, कुमार एस, गौतम एस, सोरवरी ए, मिश्रा एम. इंप्रोविंग ट्रामा केयर इन इंडिया – द पोटेंसियल रोल आफ द रूरल ट्रामा टीम डेवलपमेंट कोर्स (आर टी टी डी सी). इंडियन जे सर्ज 2012 .

46. अली आर, कुमार एस, नकवी आर ए, शेख आइ ए, राव डी एन. मल्टीपल एंटीजन पेप्टाइड कंसिस्टिंग आफ बी – एंड टी – सेल एपिटोप्स आफ एफ 1 एंटीजन आफ वाई . पेस्टिस शोवेड इनहैंस्ड ह्यूमोरल एंड मुकोसल इम्यून रिस्पोंस इन डिफरेंट स्ट्रेंस आफ माइस . इंट इम्यूनोफार्माकोल 2013; **15** : 97 – 105 .

47. अली आर, नकवी आर ए, कुमार एस, भट्ट ए ए, राव डी एन . मल्टीपल एंटीजन पेप्टाइड कंटेनिंग बी – एंड टी – सेल एपिटोप्स आफ एफ 1 एंटीजन आफ येर्सिनिया . पेस्टिस शोवेड इनहैंस्ड टी एच 1 इम्यून रिस्पोंस इन मूरिन मॉडल . स्कंड जे इम्यूनोल 2013; **77** : 361 – 71 .

48. ऑल्टर ए, फवा वी एम, हौंग एन टी, सिंह एम, ओरलोवा एम, वान थुस एन, एट अल लिंकेज डिस्क्वाइलिब्रियम पैटर्न एंड एज – एट – डायग्नोसिस आर क्रिटिकल फोर रेपलिक्टिंग जेनेटिक एसोसिएशन अक्रॉस एथनिक ग्रुप्स इन लेप्रोसी. हुम जेनेट 2013; **132** : 107 – 16 .

49. अम्बेकर ए, पवार ए. लो डेड – स्पेस सिरिंज्स फॉर एच आई वी प्रेवेंशन अमौंग पिपुल हू इंजेक्ट ड्रग्सः इंट्रेस्टिंग, बट ए मच स्ट्रांगर केस इन रिक्वायर्ड. इंट जे ड्रग पॉलीसी 2013; 24 (1) : 16 – 18 .

50. अम्बेकर ए, राव आर, अग्रवाल ए. इंडियाज नेशनल नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटांसेज पॉलीसी 2012 : ए टवेंटिथ सेंचुरी डाक्यूमेंट इन द ट्वेंटी फस्ट सेंचुरी . इंट जे ड्रग पॉलीसी 2013; 24 (4) : 374 – 5 .

51. आनंद वी, खांडपुर एस, शर्मा वी के, शर्मा ए. यूटिलीटी आफ डिस्मोग्लिन एलिसा इन द क्लिनीकल कोरेलेशन एंड डिजइज मॉनिटरिंग आफ पेमफिगस वुलगरिज. जे यूर एक्ड डेर्माटोल वेनरोल 2012; **26** : 1377 – 83 .

52. आनंदैह ए, सिन्हा एस, बोले एम, शर्मा एस के, कुमार एन, लूथरा के, एट अल. विटामिन डी रेस्क्यूज इंपेयर्ड मायकोकैक्टेरियम टयूबरकुलोसिस – मेडिएटेड ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर रिलिज इन मैक्रोफेज आफ एच आई वी – सेरोपॉजिटिव इंडिविजुअल्स थ्रू एन इनहैंस्ड टोल– लाइक रिसेप्टर सिंगलिंग पाथवे इन विट्रो. इंफेक्ट इम्युन 2013; **81** : 2 – 10 .

53. एंथाक्रिशनन एन, अरोड़ा एन के, चंडी जी, गीतांजलि बी, सूद आर, सुपे ए, एट अल. इज देयर निड फोर ए ट्रांसफरमेशनल चेंज टू ओवरकम द करेंट प्रोब्लम्स विद पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन इन इंडिया. नेटल मेड जे इंडिया 2012; **25** : 101 – 8 .

54. अंद्राबाई आर, बाला एम, कुमार आर, विग एन हजारिका ए, लूथरा के. न्यूट्रालाइजेशन आफ टियर – 2 वायरसिस एंड एपीटोप प्रोफाइलिंग आफ प्लास्मा एंटीबॉडीज फ्रॉम ह्यूमन इम्यूनोडिफिसिएंसी वायरस टाइप 1 इंफेक्टेड डोनर्स फ्रॉम इंडिया . पी एल ओ एस वन 2012; **7** : ई 43704 .

55. अंद्राबाई आर, कुमार आर, बाला एम, नायर ए, बिस्वास ए, विग एन, एट अल. प्रोडक्शन एंड कैरेक्टराइजेशन आफ ह्यूमन एंटी – वी 3 मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज फ्रॉम द सेल्स ऑफ एच आई वी – 1 इंफेक्टेड इंडिया डोनर्स . विरोल जे 2012; **9** : 196 .

56. अंद्राबाई आर, कुमार आर, बाला एम, नायर ए, एस एस पी, कुशवाहा वी, एट अल. इन्वेलप डायवरसिटी, कैरेक्टरीस्टिक आफ वी 3 रिजन एंड प्रेडिक्टेड को – रेसेप्टर यूजेज ऑफ ह्यूमन इम्यूनोडिफिसिएंसी वायरस इंफेक्टिंग नॉर्थ इंडियंस . जे माइक्रोबायोज 2012; **50** : 869 – 73 .

57. अंद्राबाई आर, विलियम्स सी, वांग एक्स एच, ली एल, चौधरी ए के, विग एन, एट अल. क्रॉस – न्यूट्रलाइजिंग एक्टिविटी आफ ह्यूमन एंटी – वी 3 मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज डेराइवड फ्राफ नॉन – बी क्लेड एच आई वी – 1 इंफेक्टेड इंडिविजुअल्स. वायरोलॉजी 2013; **439** : 81 – 8 .

58. अंजन टी, सिंह पी. पेन और कंस्टिपशन : ए डिफिकल्ट च्वाइस . जे एनेसथेसियोल क्लीन फार्माकोल 2012; **28** : 426 – 7 .

59. अंकोलेकर एस, रेंटन सी, बेरेक्जिकी डी, स्प्रिग एन, पायने टी, गोम्मैंस जे, एट अल. ई एन ओ एस ट्रायल इंवेस्टिगेटर्स. इफेक्ट ऑफ द नेचुरल क्लोटस 1 ट्रायल आन द यूज आफ ग्रेजुएटेड कंप्रेशन स्टॉकिंग इन द इफेक्सी आफ नाइट्रिक ऑक्साइड (ई एन ओ एस) . जे न्यूरोल न्यूरोसर्ज सायकिट्री 2013; **84** (3) : 342 – 7 .

60. अंसारी एम ए, इरशाद एम, अग्रवाल एस के, चोस्डोल के. एक्सप्रेशन आफ द फुल – लेंथ एच सी वी कोर सबगेनोम फ्राम एच सी वी गेनटोइप – 1 ए एंड जेनोटाइप – 3 ए एंड एवेलुएशन आफ द एंटीजेनिसीटी आफ ट्रांसलेशनल प्रोडक्टस . यूर गैस्ट्रोइंटेरोल हेपाटोल 2013; **25** : 806 – 13 .

61. अंसारी एम ए, इरशाद एम . एक्सप्रेशन आफ एच सी वी कोर – फ्राम जी 1 एंड जी 3 यूज आफ ट्रांसलेशनल प्रोडक्टस इन इम्यूनोएसी टू डिटेक्ट एंटी एच सी वी एंटीबॉडीज . यूर जे गैस्ट्रोइंटेरोल हेपाटोल 2013; दोई : 10 . 1097 / मेग . ओबो 13 इ 32835 इ बी 9 बी 9 .

62. अंसारी एम टी, कोतवाल पी पी . लेटर रिगार्डिंग 'पेरिलुनेट डिस्लोकेशंस एंड फ्रैक्चर डिस्लोकेशंस' . जे हैंड सर्ज एम 2013; **38** : 209 .

63. अरवा एस, सौम्या आर एम, चित्रागर एस, सफाया आर, चंद्रशेखर एस एच, ठक्कर ए . पेपील्लीरी इंडोलाइमफेटिक सैक ट्यूमर : ए केस रिपोर्ट . केस रेप ओटोलारंगोल 2012; **2012** : 163851 .

64. अरोड़ा ए, शर्मा एस, पुष्कर एन, कश्यप एस, बख्शी एस . अनयूजुअल ओरबिटल इंवलवमेंट इन एरधीम चेस्टर डिजीज : ए रेडियोलॉजिकल डायग्नोसिस . ऑर्बिट 2012; **31** : 338 – 40 .

65. अरोड़ा ए, शर्मा एस, सेठ ए . अनयूजुअल रेट्रोवेसिकल सिस्टिक मास इन एमेल पेसेंट . यूरोलॉजी 2013; **81** : इ 23 – 4 .

66. अरोड़ा डी, आनंद एस, शर्मा ए, विजिबल स्पेक्ट्रम रोल इन बैक्टेरियल इनएक्टिवेशन थ्रू कंटीनिवस एंड पल्स वेवलेंथ . इंट जे साइ इंजीनियरिंग रिस 2013; **4** : 2390 – 3 .

67. अरोड़ा के, दास आर आर, अग्रवाल आर. ग्रीन पिगमेंटेड टीथ . इंडियन पेडियाट्र 2012; **49** : 1015 .

68. अरोड़ा एस, गुप्ता एस, झंझी एस . ए डिस्क्रिप्टीव स्टडी टू एससे डिस्थेमिया एंड सेलेक्ट वेरिएबल्स एसोसिएटेड विथ टुबैको यूज अमौंग एडोलेसेंट . इंडियन जे साइकिट्र नर्स 2012; **3** : 13 – 15 .

69. अरोड़ा वी, वर्मा जे, मारवाह वी, कुमार ए, आनंद डी, दास एन . सायटोकिन इम्बैलेंस इन सिस्टेमिक लुपस एरिथेमाटोसस : ए स्टडी आन नॉदर्न इंडियन सब्जेक्टस . लुपस 2012; **21** : 596 – 603 .

70. अरूण जे जे, लोढ़ा आर, काबरा एस के . ब्रोनकोडिलेट्री इफेक्ट आफ इंहेल्ड बुडेसोनिड / फोरमोटेरोल एंड बुडसोनिड / सैल्बुटामोल इन एक्यूट अस्थमा : ए डबल – ब्लाइंड, रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल . बी एम सी पेडियाट्र 2012; **12** : 21 .

71. आर्य आर, जैन पी, कुमार ए, गुलाटी एस . स्पोंटेनस स्पाइनल एपीड्यूरल हेमाटोमा एन इंफेंट . जे चाइल्ड न्यूरोल 2012; **27** : 1577 – 9 .

72. आर्य आर, शर्मा एस, गुप्ता एन, कुमार एस, काबरा एम, गुलाटी एस . श्वार्ट्ज जम्पेल सिंड्रोम इन चिल्ड्रेन . जे क्लीन न्यूरोसाइं 2013; **20** : 313 – 7 .

73. एटिलोला ओ, सिंह बल्हारा वाई पी, स्टेवानोविस डी, अविसेन्ना एम, कंडेमिर एच. सेल्फ – रिपोर्टेड मेंटल हेल्थ प्रोबलेम्स अमौंग एडोलेसेंट्स इन डेवलपिंग कंट्रीज : रिजल्ट फ्राम एन इंटरनेशनल पायलट सेम्पल . जे देव बिहेव पेडियाट्र 2013; **34** (2) : 129 – 37 .

74. आजाद आर, विवेक के, शर्मा वाई, चन्द्र पी, सैन एस, वेंकटरमण ए. रानिबिजुमाब एज एन एडजंक्ट टू लेजर फार मैकुलर एडेमा सेकेंडरी टू ब्रांच रेटिनल वेन ओक्लुजन. इंडियन जे ओफ्थालमोल 2012; **60** : 263 – 6 .

75. बधल एस एस, शर्मा एस, सराया ए, मुखोपाध्याय ए के. प्रोग्नोस्टिक सिग्निफिकेंस आफ डी – डिमर, नेचुरल एंटीकोआगुलेंटस एंड रूटिन कोआगुलेशन पैरामीटर्स इन एक्यूट पैनक्रियाटिटिस . ट्रॉप गैस्ट्रोइंटेरॉल 2012; **33** (3) : 193 – 9 .

76. बग्गा ए, सिन्हा ए . एक्यूट किडनी इंजुरी : इंक्रीजिंग रिकोगनिशन मेरिट्स मोर एक्शन . इंडियन जे पेडियाट्र 2013; **80** : 247 – 8 .

77. बाघमार एस, मोहंती बी के, शर्मा ए, कुमार एल, प्रकाश जी, कुमार एस, एट अल . सोलिटरी प्लाजमासायटोमा : 10 इयर्स एक्सपीरियंस एट ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज, न्यू दिल्ली. लियूक लिंफोमा 2012 दिसम्बर 24 दोई : 10 . 3109 / 10428194 . 2012 . 750725

78. बहादुर ए, चावला एल, शर्मा जे बी . प्रीनेटल आउटकम इन ग्रोथ रिस्ट्रीक्टेड फोइटयूज, पेडियाट्र टुडे 2012; **15** : 47 – 50 .

79. बहल ए, बख्शी एस . मेट्रोनोमिक कीमोथेरेपी इन प्रोग्रेसिव पेडियाट्रिक मलिगनांसिज : ओल्ड ड्रग्स इनह न्यू पैकेज . इंडियन जे पेडियाट्र 2012; **79** : 1617 – 22 .

80. बैद्य डी के, धीर आर, देहरान एम, महापात्रा बी पी . सेंट्रल नेयूरैक्सियल एनेस्थेसिया फोर केसारिन सेक्शन इन पारटुरिएंट्स विद अनकोरेक्टेड टेट्रालॉजी आफ फाल्लोट : टू कसेज . जे ऑब्सटेट एनेस्थ क्रिट केयर 2012; **2** : 47 – 9 .

81. बैद्य डी के, मैत्रा एस, छाबरा ए, मिश्रा आर . प्रेगनेंसी विद रीनल डिइज – पैथोफिजियोलॉजी एंड एनेस्थेटिक मैनेजमेंट : रिव्यू आर्टिकल . ट्रेंड्स इन एनेस्थ एंड क्रिट केयर 2012; **2** : 281 – 6 .

82. बैद्य डी के, रे बी आर, सिंह पी एम . लेबर एनाल्जेसिया एंड एनेस्थेटिक मैनेजमेंट आफ ए प्रिमिग्राविदा विद अनकोरेक्टेड पेंटालॉजी आफ फल्लोट : फ्यू कंसर्नस . इंडियन जे एनेस्थ 2013; **57** : 102 – 3 .

83. बाजपेयी डी, बनर्जी ए, पाठक एस, जैन एस के, सिंह एन . डिक्रीज्ड एक्सप्रेशन आफ डी एन ए रिपेयर जींस (एक्स आर सी सी 1, ई आर सी सी 1, ई आर सी सी 2 और ई आर सी सी 4) इन स्क्वैमस इंट्रएपिथेलिललेसन एंड इंवैसिव स्क्वैमस सेल कार्सिनामा आफ द सरविक्स . मॉल सेल बायोकेम 2013; **377** : 45 – 53 .

84. बाजपेयी एम, गोयल पी, भूटिया ओ, गुप्ता ए, सेठ ए, गुप्ता ए के, एट अल . मैसिव ओसिफाइंग फिबरोमा आफ द मंडिब्ले इन ए चाइल्ड . जे इंडियन एसोस पेडियाट्र सर्ज 2013; **18** : 20 – 2 .

85. बाजपेयी एम, जे स्क्रोटल फालोप्लास्टी : ए नोवले सर्जिकल टेक्निक फोर अफालिया ड्यूरिंग इंफैन्सी एंड चाइल्डहूड बाई प्री – एनल इंटेरियर क्रोनल अप्रोच . जे इंडियन एसोस पेडियाट्र सर्ज 2012; **17** : 162 – 4 .

86. बख्शी एस, बिस्वास बी . साइटोमेगालोवायरस इन हिमेटोलाजिकल मलिंगनांसिज . इंडियन पेडियाट्र 2013; **50** : 193 – 4 .

87. बख्शी एस, राधकृष्णन वी, शर्मा पी, कुमार आर, थुलकर एस, विष्णुभाटला एस, एट अल . पेडियाट्रिक ननलिमफोब्लास्टिक नन – हॉगकिन लिंफोमा : बेसलिन, इंटरिम, एंड पोसट्रिटमेंट पी ई टी / सी टी वर्सेस कंट्रास्ट : इंहैंस्ड सी टी फोर इवालुएशन : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी . रेडियोलॉजी 2012; **262** : 956 – 68 .

88. बाल सी, चन्द्र पी, कुमार ए, द्विवेदी एस . ए रैंडोमाइज्ड एक्यूवैलेंस ट्रायल टू डिटरमाइन द ऑपटिमम डोज आफ आयोडिन – 131 फोर रेमनैंट एबलेशन इन डिफरेंसिएटिड थायराइड कैंसर . न्यूकल मेड कामन 2012; **33** : 1039 – 47 .

89. बाल सी एस, साहू एम के, दामले एन लिंकोलस साइन : वेयर शूड वी एक्सपेक्ट आन 99 एम टी सी – एम डी पी बोन सिंटीग्राफी ? क्लीन न्यूकल मेड 2013; **38** (10) : ई 390 – 1 .

90. बाल सी एस . यूटिलिटी आफ 99 एम टी सी – मेब्रोफेनिन हेपाटो – बिलियरी सिंटीग्राफी (हिडा स्कैन) फोर द डायग्नोसिस आफ बिलियरी एट्रेसिया . ट्रोप गैस्ट्रोएंटेरोल 2012; **33** (1) : 4 – 8 .

91. बाल एस, भाटिया आर, मेनन बी के, शोभा एन, पुट्ज वी, डजियालोवस्की आई, एट अल दृ टाइम डिपेंडेंस आफ रिलाइबिलिटी आफ ननकंट्रास्ट कंपुटेड टोमोग्राफी एंजियोग्राफी सोर्स इमेज इन एक्यूट इसकेमिक स्ट्रोक . इंट जे स्ट्रोक 2012 सित 13 . दोई : 10 . 1111 / जे . 1747 – 4949 . 2012 . 00859 . एक्स .

92. बल्हारा वाई पी, जैन आर, सुंदर ए एस, सागर आर . यूज आफ कंटिनियू यूरीनालिसिस टू वेरीफाई सेल्फ – रिपोर्टेड टुबैको यूज अमौंग मेल सायकिट्रिक आऊट – पेसेंट्स . लंग इंडिया 2012 जुल 29 (3) : 217 – 20 .

93. बाली एस जे, भारतीय एस, सोबती ए, दादा टी, पांडा ए. कंप्रेटिव एवालुएशन आफ डायटोन एंड गोल्डमन्न अप्लांटेशन टोनोमेटर्स . ऑपथलमोलॉजिका 2012; **228** : 42 – 6 .

94. बलाल एस, पटेल सी डी, सिंगला एस, शर्मा पी, नारंग आर, शर्मा जी, एट अल दृ कंप्रीजन आफ साफ्टवेयर प्रोग्राम्स फोर द एससेमेंट आफ लेफ्ट वंट्रीकुलर इजेक्शन फ्रैक्शन यूजिंग 99 एम टी सी – गेटेड स्पेक्ट / सी टी : कोरोलेशन विद इक्यूलिब्रिअम रेडियोन्यूक्लाइड वेंट्रिकुलोग्राफी इन द इंडियन पोपुलेशन . नुकल मेड कामन 2012; **33** : 1160 – 8 .

95. बंदोपाध्याय जी पी, गुप्ता पी, सिंह ए, शुक्ला जे, रस्तोगी एस, कुमार आर, एट अल . (99 एम) टी सी – डी एम एस ए (वी) इन इवालुएशन आफ ऑस्टियोसार्कोमा : कंप्रेटिव स्टडीज विद (18) एफ – एफ डी जी पी ई टी / सी टी इन डिटेक्शन आफ प्राइमरी एंड मिलगनैंट लेजिएंए . आई एस आर एन ओंकोल 2012; **2012** : 371830 .

96. बनर्जी जे, त्रिपाठी एम, चंद्रा पी एस . अंडरस्टैंडिंग कंप्लेक्सिटीज आफ सायनाप्टिक ट्रांसमिशन इन मेडिकली इंट्रक्टेबल सिजर्स : ए परादिग्म आफ इपिलेप्सी रिसर्च . इंडियन जे न्युरोसर्ज 2013; **2** : 71 – 6 .

97. बानिक एस, बिंद्रा ए, भूटिया एम, कुमार एन, सोखल एन, टंडन वी, एट अल . एन अनयूजुअल काउज आफ रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस इन द न्यूरोसर्जिकल इंटेंसिव केयर यूनिट . एनेस्थ इंटेंसिव केयर 2013; **41** : 265 – 6 .

98. बंसल ए के, सेमवल एम के, अरोड़ा डी, शर्मा डी एन, जुल्का पी के, रथ जी के . ए फंटोम स्टडी आन ब्लाडर एंड रेक्टम डज मेजरमेंट्स इन ब्रैकीथेरेपी आफ सरविक्स कैंसर यूजिंग एफ बी एक्स एक्यूअस केमिकल डोसिमेटर . फिजि मेड 2012 जून 9 .

99. बंसल एस, अलावधी पी, सूरी ए, काले एस एस, चन्द्र पी एस, सिंह एम, एट अल . टेन इयर्स एक्सपिरियंस इन द मैनेजमेंट आफ स्पाइनल इंट्रामेडुलरी ट्यूमर्स इन ए सिंगल इंस्टीट्यूशन . जे क्लीन न्यूरोसाइ 2013; **20** : 292 – 8 .

100. बंसल एस, सूरी ए, बोरकर एस ए, काले एस एस, सिंह एम, महापात्रा ए के . मैनेजमेंट आफ इंट्रामेडुलरी ट्यूमर्स इन चिल्ड्रेन : एनालायसिस आफ 82 ऑपरेटेड केसेज . चाइल्ड्स नर्व सिस्ट 2012; **28** (12) : 2063 – 9 .

101. बंसल वी के, कृष्णा ए, मिश्रा एम सी, प्रकाश पी, कुमार एस, राजन के, एट अल . फैक्टर्स इफेक्टिंग शॉर्ट टर्म एंड लांग टर्म आउटकम्स आफ्टर बिलिओ इंटरिक रिकंस्ट्रक्शन फार पोस्ट कोलेसिस्टेक्टॉमी बिल डक्ट इंजुरी : एक्सपिरियंस एट ए टेरटियरी केयर सेंटर . इंडियन जे सर्ज फर 2013 . डी ओ आई 10 . 1007 / एस 12262 – 013 – 0880 – एक्स

102. बंसल वी के, मिश्रा एम सी, बाबू डी, सिंघल पी, राव के, सागर आर, एट अल . कंप्रीजन आफ लांग – टर्म आउटकम एंड क्वालिटी आफ लाइफ आफ्टर लेप्रोस्कोपिक रिपेयर आफ इंसिसिनल एंड वेट्रल हर्नियाज विथ सुटूर फिक्सेशन विद एंड विदाउट टेक्स : ए प्रोसपेक्टिव, रैंडोमाइज्ड, कंट्रोल्ड स्टडी . सर्ज इंडोस्क 2012; 26 (12) : 3476 – 85 .

103. बंसल वी के, मिश्रा एम सी, बाबू डी, विक्टर जे, कुमार एस, सागर आर, एट अल . ए प्रोसपेक्टिव, रैंडोमाइज्ड कंप्रीजन आफ लांग – टर्म आउटकम्स : क्रोमिक ग्रोइन पेन एंड क्वालिटी आफ लाइफ फॉलोइंग टोटली एक्स्ट्रापेरिटोनियल (टेप) एंड ट्रोसबडोमिनल प्रीपेरिशनल (टी ए पी पी) लेप्रोस्कोपिक इंगुइनल हर्निया रिपेयर . सर्ज इंडोस्क 2012; 27 (7) : 2373 – 82 .

104. बंसल वी के, मिश्रा एम सी, चौबाल जी, दत्ता गुप्ता एस, दास बी, आहूजा वी, एट अल . हेलिकोबैक्टर पायलोरी इन गालब्लाडर म्यूकोसा इन पेसेंट्स विद गालब्लाडर डिजइज . जे गैस्ट्रोइंटेरोल 2012; **31** : 57 – 60 .

105. बंसल वी के, मिश्रा एम सी, गोस्वामी ए, गर्ग पी, योंजेन टी, किलंबी आर . लेप्रोस्कोपिक मैनेजमेंट आफ सेउडोसाइस्ट आफ द पैनक्रियाज इन ए प्रगनेंट पेसेंट . सर्ज लैप्रोस इंडोस्क पेरकुटन टेक 2012; **22** : ई 37 – 8 .

106. बंसल वी के, मिश्रा एम सी, शर्मा ए, छाबड़ा ए, मुर्मू एल आर . गैंट रेट्रोपेरिटोनियल लिपोसरकोमा – रीनल सलवेज वाई ऑटोट्रांसप्लांटेशन . इंडियन जे सर्ज 2013; **75** : 159 – 61 .

107. बंसल वी के, पंवार आर, मिश्रा एम सी, भट्टाचार्य एच के, जिंदल वी, लोली ए, एट अल . आर शॉर्ट – टर्म फोकस्ड ट्रेनिंग कोर्स आन ए फंटोम मोडल यूजिंग प्रोसिन गॉल ब्लाडर यूजफूल फोर ट्रेनिज इन एक्युरिंग बेसिक लेप्रोस्कोपिक स्किल्स ? सर्ज लैप्रोस इंडोस्क परक्टन टेक 2012; **22** : 154 – 60 .

108. बंसल वी के, तमांग टी, मिश्रा एम सी, प्रकाश पी, राजन के, भट्टाचार्य एच, एट अल . लेप्रोस्कोपिक सटरिंग स्किल्स एक्युजिशन : ए कंप्रीजन बिटवीन लेप्रोस्कोपी – एक्सपोज्ड एंड लेप्रोस्कोपी – नैव सर्जन . जे एस एल एस 2012; **16** : 623 – 31 .

109. बर्सिक बी, डिकेरमैन एस, क्रजिनोविक वी, पप्पास पी, अलटकल्स जे, क्रोसी जी, एट अल . इंफुलुएंस आफ द टाइमिंग आफ कार्डिक सर्जरी आन द आउटकम आफ पेसेंट्स विद इंफेक्टिव इंडोकार्डिटिस एंड स्ट्रोक . क्लीन इंफेक्ट डिस 2013; **56** : 209 – 17 .

110. बर्वाद पी, रहेजा ए, वेंकट आर, कोठारी एस एस, बहल वी, कार्तिकेयन जी . हाई प्रेवेलेंस आफ साइलेंट ब्रेन इंफ्रैक्शन इन पेसेंट्स प्रजेंटिंग विद मैकेनिकल हर्ट वल्व थ्रोम्बोसिस . एम जे कार्डियोवैक ड्रग्स 2012; **12** : 345 – 8 .

111. बर्वाद पी इब्लू, कोठारी एस एस, बहल वी के, यादव आर, एंटेरियर मिट्रल लिफलेट एंड बाल वैल्यू थ्रोम्बस : प्लेइंग हॉकी इन द हर्ट . जे एक कोल कार्डियोल 2012; **60** : ई 43 .

112. बर्वाद पी इब्लू, रामकृष्णन एस, सेठ एस, भार्गव बी . रेस्क्यू अलकोहल सेप्टल एबलेशन इन सेप्सिस विद मल्टीऑर्गन फेल्योर . इंडियन हार्ट जे 2012; **64** : 588 – 90 .

113. बस्सी के के, सीनु वी, श्रीवास्तव ए, ए 1 शरारा एन . रोल आफ एकजिलरी सेम्पलिंग इन द एरा आफ सेंसियल लिम्फ नोड बायोप्सी : ए क्रिटिकल रिव्यू . इंडियन जे कैंसर 2012; **49** : 66 – 73 .

114. बाटला ए, गोयल सी, शुक्ला जी, गोयल वी, श्रीवास्तव ए, बिहारी एम . हेमिफेसियल स्पस्म : क्लिनीकल कैरेक्टरिस्टिक्स आफ 321 इंडियन पेसेंट्स . जे न्यूरोल 2012; **259** (8) : 1561 – 5 .

115. बत्रा एम, शर्मा वी पी, बत्रा वी, मलिक जी के, पांडे आर एम . न्यूरोफेसिलिएशन आफ डेवलपमेंटल रिएक्शन (एन एफ डी आर) एप्रोच : ए प्रैक्टिस फ्रेमपर्क फोर इंटिग्रेशन / मोडिफिकेशनल आफ अर्लीमोटर विहैवियर (प्रिमिटिव रिफलेसेज) इन सेरेब्रल पाल्सी . इंडियन जे पेडियाट्र 2012; **79** : 659 – 63 .

116. बिहारी एम, श्रीवास्तव एम . रोल इन प्लेटलेट्स इन न्यूरोडेगेनेरेटिव डिजइज : ए यूनिवर्सल पैथेफिजियोलॉजी . इंट जे न्यूरोसाई 2013; 123 (5) : 287 – 99 .

117. बेहरा सी, कुलभूषण, जी वी गुरूदाधरी, एम प्रधान पी सी दीक्षित . फेटल निट्रोबेंजेन प्वाइजनिंग : ए केस सिरिज आफ केस रिपोर्टस एंड मेडिको – लिगल एसपेक्टस . जे इंडियन सोस टॉक्सीकोल 2012; 8 (1) : 23 – 7 .

118. बेहरा सी, मिल्लो टी, जायसवाल ए, डोगरा टी डी . एक्सिडेंटल कार्बन मोनोऑक्साइड प्वाइजनिंग ड्रगिंग यज्ञा फॉर फेथ हिलिंग : ए केस रिपोर्ट . जे इंडियन मेड एसोस 2013; 111 : 196 – 7 .

119. बेन तुरकिया एच, गोंजालेज डी ई, बार्टन एन डब्ल्यू, जिमरान ए, काबरा एम, लुकिना ई ए, एट अल . वेलाग्लुसेरेस अल्फा एंजाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी कम्पेयर्ड विद इमिग्लुसेरेस इन इन पेसेंट्स विद गौचेर इडजइज . एम जे हेमाटोल 2013; **88** : 179 – 84 .

120. बेनिस्जिकी एस, गुएरहना एम एस, कंरडेसेन आई, सिंह एम बी, रूटर वी, लोर्बर बी, एट अल . मॉड्यूलेशन ाफ इपिलेप्टिफोर्म ई ई जी डिसचार्ज इन जुवेनाइल मायोक्लिनिक इपिलेप्सी : एन इंवेस्टिगेशन आफ रिफलेक्स इपिलेप्टिक ट्रेट्स . इपिलेप्सिया 2012; **53** (5) : 832 – 9 .

121. बेंजामिन जे, मखरिया जी, आहूजा वी, आनंद राजन के डी, कलाइवानी एम, गुप्ता एस डी, एट अल . ग्लुटामिन एंड वे प्रोटीन इंप्रुव इंटेसटिनल परपरमियाबिलिटी एंड मारफालॉजी इन पेसेंट्स विद क्रोहंस डिजइज : ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल . डिग डिस साई 2012; **57** : 1000 – 12 .

122. बेंजामिन जे, मखरिया जी, आहूजा वी, जोशी वाई के . बॉडी कंपोजिशन इन इंडियन पेसेंट्स विद क्रोहंस डिजइज ड्यूरिंग एक्टिव एंड रिमिशन फेज . ट्रोप गैस्ट्रोइंटेरोल 2011; **32** : 285 – 91 .

123. बेंजामिन जे, सिंगला वी, अरोड़ा आई, सूद एस, जोशी वाई के . इंटेस्टिनल परमेयाबिलिटी एंड कंप्लीकेशंस इन लिवर सिरोहोसिस : ए प्रोस्पेक्टिव कोहर्ट स्टडी . हेप्टोलॉजी रिसर्च 2013; **43** : 200 – 07 .

124. बर्गिन पी, सडलियर एल, लेग्रोस बी, मोगल जेड, त्रिपाठी एम, डांग एन, एट अल . इपिनेट स्टडी ग्रेप . एन इंटरनेशनल पायलट स्टडी आफ एन इंटरनेट – बेस्ड प्लेटफार्म टू फेसीटेट कलीनिकल रिसर्च इन इपिलेप्सी : द इपिनेट प्रोजेक्ट . इपिलेप्सिया 2012; **53** (10) : 189 – 35 .

125. बेत्तर एन, कार्तिकेयन जी, विटोला जे, फातिमा ए, पेइक्स ए, नोवाक एम डी, एट अल . परफारमेंस आफ रेस्ट मायोक्राडियल परफ्यूजन इमेजिंग इन द मैनेजमेंट आफ एक्यूट चेस्ट पेन इन द इमरजेंसी रूम इन डेवलपिंग नेसंश (प्रिमियर ट्रायल) . जे न्यूकल कार्डियोल 2012; **19** : 1146 – 53 .

126. भगेरिया ए, सेठ ए, बोरा जी एस दृ माइग्रेटेड इंबोलाइजेशन क्वाइल : ए रेयर काउज आफ यूरिनरी ट्रैक्ट ओब्सट्रक्शन. इंडियन जे यूरोल 2012; **28** : 437 – 8 .

127. भगीरथ डी, अबरोल एन, खान आर, शर्मा एम, सेठ ए, शर्मा ए . एक्सप्रेशन आफ सी डी 147, बी आई जी एच 3 एंड स्टाथमिन एंड देयर पोटेंशियल रोल एक डायग्नोस्टिक मार्कर इन पेसेंट्स विद यूरोथेलियल कार्सिनोमा आफ द ब्लाडर . क्लिन किच एक्टा 2012; **413** : 1641 – 6 .

128. भागवत के आर, गर्ग बी, अग्रवाल एस, ढिल्लन एम एस दृ बिलेट्रियल इंफेरियरडिस्लोकेशन आफ द हिपा केस रिपोर्ट . चिन जे ट्रमाटोल 2012; **15** : 121 – 3 .

129. भल्ला ए एस, गुप्ता पी, मुकुंद ए, काबरा एस के, कुमार ए . पल्मोनरी अरट्रेरी नैरोविंग : एलेस नोन काउज फोर मैसिव हेमोपैथिल . ओमान मेड जे 2013; **28** : 43 .

130. भल्ला ए एस, गुप्ता पी, मुकुंद ए, कुमार ए, गुप्ता एम . एनोमालससिस्टेमिक अरट्रेरी टू ए नॉर्मल लंग . ए रेयर काउज आफ हेमोपैथिज इन एडल्ट्स . ओमान मेड जे 2013; **27** : 319 – 22 .

131. भंडारी एस, वत्स एम, देवरारी ए, गुप्ता एस के, शर्मा के के . मदर्स नॉलेज रिगार्डिंग डेंजर साइंस आफ न्यूबोर्न . द नर्सिंग जरनल आफ इंडियन 2012; **103** : 110 – 4 .

132. भारती एस जे, चौधरी टी . रोल आफ सुबाराकोनोइडब्लॉक इन पेसेंट विद इरमेटोमायोसिस्ट . सउदी जे एनेस्थ 2012; **6** : 435 .

133. भारती वी, मोहंती बी के, दास एस एन . फंक्शनल जेनेटिक वेरिएंट्स आफ सी टी एल ए – 4 एंड रिस्क आफ टोबैको – रिलेटेड ओरल कार्सिनोमा इन हाई – रिस्क नॉर्थ इंडियन पोपुलेशन . हुम इम्यूनोल 2013; **74** : 348 – 52 .

134. भारतीय एस, गुप्ता एन . इवालुएशन आफ केराटोप्लास्टी : फ्रॉम डार्कनेस टू लाइट . जे इंडियन मेड एसोस 2012; **110** : 732 – 5 .

135. भसीन ए, पदमा श्रीवास्तव एम वी, भाटिया आर, मोहंती एस, कुमारन एस एस, बोस एस . ऑटोलॉगस इंट्रावेनस मोनोनुक्लियर स्टेम सेल थेरेपी इन क्रोनिक इसकेमिक स्ट्रोक . जे स्टेम सेल्स रिजन मेड 2012; **8** : 181 – 189 .

136. भसीन ए, पदमा श्रीवास्तव एम वी, कुमारन एस एस, भाटिया आर, मोहंती एस . नेयुरल इंटरफेस ऑफ मिरर थेरेपी इन क्रोनिक स्ट्रोक पेसेंट्स : ए फंक्शनल मैग्नेटिक रिसोनेंस इमेजिंग स्टडी . न्यूरोल 2012; **60** : 570 – 6 .

137. भसीन ए, श्रीवास्तव एम वी, मोहंती एस, भाटिया आर, कुमारन एस एस, बोस एस. स्टेम सेल थेरेपी : ए क्लिनीकल ट्रायल आफ स्ट्रोक . क्लीन न्यूरोल न्युरोसर्ज 2013; **115** : 1003 – 8 .

138. भास्कर ए, गुप्ता आर, कुमार एल, शर्मा ए, शर्मा एम सी, कलाइवानी एम एट अल . सरकुलेटिंग इंडोथेलिएल प्रोगेनिटर सेल्स एज पोटेंसियल प्रोगनोस्टिक बायोमार्कर इन मल्टीपल मायलोमा . लियूक लिंफोमा 2012; **53** : 635 – 40 .

139. भास्कर ए, गुप्ता आर, श्रीनिवास वी, रानी एल, कुमार एल, शर्मा ए, एट अल . सिनेरजिस्टिक इफेक्ट आफ वैक्यूलर इंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर एंड एंजिओपोइथिन – 2 ऑन प्रोगेशन फ्री सर्वाइवल इन मल्टीपल मायलोमा . लियूक रेस 2013; **37** : 410 – 5 .

140. भास्कर ए, गुप्ता आर, विष्णुभाटला एस, कुमार एल, शर्मा ए, शर्मा एम सी, एट अल . एंजियोपोइंटिंस एज बायोमार्कर आफ इिजइज एक्टिविटी एंड रिस्पोंस टू थेरेपी इन मल्टीपल मायलोमा . लियूक लिंफोमा 2013; **54** : 1473 – 8 .

141. भास्कर ए, गुप्ता आर, विष्णुभाटला एस, कुमार एल, शर्मा ए, शर्मा एम सी, एट अल . एंजियोपोइंटिंस एज बायोमार्कर आफ इिजइज एक्टिविटी एंड रिस्पोंस टू थेरेपी इन मल्टीपल मायलोमा . लियूक लिंफोमा 2012 नव 26 (एपब अहेड आफ प्रिंट) .

142. भट ए एस, चतुर्वेदी एम के, सैनी एस, भटनागर एस, गुप्ता एन, सपरा एस, एट अल . प्रिवेलेंस आफ सेलिक डिजइज इन इंडियन चिल्ड्रेन विद डाउन सिंड्रोम एंड इट्स क्लिनीकल एंड लेब्रोट्री प्रेडिक्टर्स . इंडियन जे पेडियाट्र 2013; **80** : 114 – 7 .

143. भाटिया आर, अभिषेक, प्रसाद के, क्रोनिक सेरेब्रोस्पिनल वेनस इंसफिसिएंसी इन मल्टीपल सक्लेरोसिस : ए नोट फोर काउजन . एन इंडियन एकेड न्यूरोल 2012; **15** (1) : 2 – 5 .

144. भाटिया आर, शोभा एन, मेनन बी के, बाल एस पी, कोचर पी, पलुम्बो वी, एट अल . कम्बाइंड फुल डोज फोर एंड इंडोवैक्यूलर थ्रंबोलाइसिस इन एक्यूट इसकेमिक स्ट्रोक . इंट जे स्ट्रोक . 2012 सितंबर 27 . दोई : 10 . 1111 / जे . 1747 – 4949 दृ 2012 . 00890 . एक्स .

145. भाटिया आर, सिंह एच, सिंह एस, पदमा एम वी, प्रसाद के, त्रिपाठी एम, एट अल . ए प्रोसपेक्टिव स्टडी आफ इन – हॉस्पीटल मोर्टलिटी एंड डिस्चार्ज आउटकम इन स्पोंटनस इंट्रासेरेब्रल हेमोर्रहेग . न्यूरोल इंडिया 2013; **61** (3) : 244 – 8 .

146. भाटिया आर, सिंघल ए . ऑप्टिक न्युरैटिस : ए ब्लूरे न्यूरोल इंडिया 2012; **60** (5) : 459 – 60 .

147. भाटला एन, पुरी के, जोसेफ ई, कृपलानी ए, अय्यर वी के, श्रीनिवास वी . एसोसिएशन आफ क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस इंफेक्शन विद ह्यूमन पापिलोमावायरस (एच पी वी) एंड सर्वाइकल इंट्राएपिथेलियाल नियोप्लासिया – ए पायलट स्टडी . इंडियन जे मेड रेस 2013; **137** : 533 – 9 .

148. भाटला एन, पुरी के, कृपलानी ए, अय्यर वी के, माथुर एस आर, मणि के, एट अल . एडजंक्टिव टेस्टिंग फोर सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग इन लो रिसोर्स सेटिंग्स . ऑस्ट एन जेड जे ऑब्सटेट गायनीकोल 2012; **52** : 133 – 9 .

149. भाटला एन, सिंगला एस, अवस्थी डी . ह्यूमन पपिल्लोमावायरस डेओएक्सयरीबोनुक्सिल एसिड टेस्टिंग इन डेवलप्ड कंट्रीज . बेस्ट प्रैक्ट रेस क्लीन ऑब्सटेट गायनीकोल 2012; **26** : 209 – 20 .

150. भटनागर एस, खन्ना एस, रोशनी एस, गोयल जी एन, मिश्रा एस, राणा एस पी, एट अल . अर्ली अल्ट्रासाउंड – गाइडेड न्यूरोलायसिस फोर पेन मैनेजमेंट इन गैस्ट्रोइंटेशिनल एंड पेलविक मलिगनांसिज : एन ऑब्जब्रेशनल स्टडी इन ए टेरटियरी केयर सेंटर आफ अर्बन इंडिया . पेन प्रैक्ट 2012; **12** : 23 – 32 .

151. भटनागर एस, नातचु यू सी एम, वाधवा एन, लोढा आर, सोम्मरफेल्ट एच, स्ट्रैंड टी ए. जिंक फोर प्रोबेबल सिरियस बैक्टेरियल इंफेक्शन इन इंफैंट्स– ऑथर्स रिपलाई. लैंसेट 2012; **380**:1144.

152. भटनागर एस, प्रभाकर एच. पल्लिएटिव केयर बियोंड ओंकोलॉजी! इंडियन जे पाल्लिएट केयर 2012; (2): 85–6.

153. भटनागर एस, राहुल गुप्ता, सौरभ जोशी. अल्ट्रासाउंड गाइडेड नर्व ब्लॉक इन एबडोमिनल मलिगनेंसी. इंडियन जरनल आफ पेन 2012; **26** : 137 – 43 . (नॉट फाउंड)

154. भटनागर एस, वाधवा एन, अनेजा एस, लोढा आर, काबरा एस के, नातचु यू सी, एट अल. जिंक एज एडजंक्ट ट्रिटमेंट इन इंफैंट्स एजड बिटवीन 7 एंड 120 डेज विद प्रोबेबल सिरियस बैक्टेरियल इंफेक्शनः ए रैंडोमाइज्ड, डबल–ब्लाइंड, प्लेसबो– कंट्रोल्ड ट्रायल. 2012; **379**: 2072 – 8 .

155. भट्ट ए पी, गुप्ता ए, विभा डी, शर्मा ए, महाजन एस. फ्लोरिड डायबिटिक कंप्लीकेसंश इन इंपेयर्ड ग्लूकोज टोलरेंस. सउदी जे किडनी डिस ट्रांसपल 2013; **24** : **86** – 8 .

156. भट्ट एस पी, लुकमान – अराफात टी के, गुप्ता ए के, मोहन ए, स्टोल्टजफस जे सी, देव टी, ... (गुलेरिया आर). वोलिशनल परस्ड लिप्स ब्रेथिंग इन पेसेंट्स विद स्टेबल क्रोनिक अब्सट्रक्टिव पुल्मोनरी डिजइज इंप्रुवस एक्सरसाइज कैपसिटी. क्रोन रेसपिर 2013; 10 : **5** – 10 .

157. भट्ट एस पी, मिश्रा ए, शर्मा एम, लुथरा के, गुलेरिया आर, पांडेय आर एम, एट अल. अला / अला जेनोटाइप आफ प्रोल 12 अला पोलीमोरफिज्म इन द पेरोक्सिसम प्रोलिफ्लेटर – एक्टिवेटेड रिसेप्टर – वाई 2 गेने इज एसोसिएटेड विद ओबेसिटी एंड इंसुलिन रेसिस्टेंस इन एशियन इंडियंस. डायबिटिज टेकनॉल देयर 2012; **14** : 828 – 34 .

158. भट्ट एस पी, निगम पी, मिश्रा ए, गुलेरिया आर, लुथरा के, जैन एस के, एट अल. एसोसिएशन आफ द मायोस्टेटिन गेने विद ओबेसिटी एशियन इंडियंस इन नॉर्थ इंडिया. पी एल ओ एस वन 2012; **7** : ई 40977 .

159. भट्ट एस पी, निगम पी, मिश्रा ए, गुलेरिया आर, लुथरा के, पांडेय आर एम, एट अल. एसोसिएशन आफ पेरोक्सीसम प्रोलिफ्लेटर – एक्टिवेटेड रिसेप्टर – वाई गेने विद नन – अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजइज इन एशियन इंडियंस रेसिडिंग इन नोर्थ इंडिया. गेने 2013; **512** : 143 – 7 .

160. भट्टाचार्य ए, धर पी, मेहरा आर डी. प्रिलिमिनरी मोरफोलॉजिकल एंड बायोकेमिकल चेंज्स इन रैट लिवर फोलोविंग पोस्टेनटल एक्सपोजर टू सोडियम एरसेनाइट. एंट सेल बायोल 2012; **45** : 229 – 40 .

161. भौमिक डी. डॉक्यूमेंटेशन एंड एनालायसिस आफ एटियोलॉजी आफ एंड – स्टेज रीनल फेल्योर. नेफरोल डायल ट्रांसप्लांट 2013; **28** : 484 .

162. भुकेबाग पी एम, सेन ए, शर्मा एस. मैनेजमेंट आफ ननप्रोग्रेसिव शार्प फोरेन बॉडी इन ए टू ईयर ओल्ड. पिडयाट्र इमर्ज केयर 2012; **28** : 370 – 1 .

163. भुट्टे ए, रानी ए, चौहान एम, प्रधान एम, बेहरा सी. फेटल लिवर इंजुरी इन टायर ब्रस्ट : एन अनयुजुअल केस रिपोर्ट दृ जे फोरेंसिक मेड टोक्सीकोल 2012; 29 (2) : 93 – 4 .

164. भुटिया टी डी, लोढा आर, काबरा एस के. एबनॉर्मलिटीज इन ग्लुकोज होमियोस्टेसिस इन क्रिटिकली इल चिल्ड्रेन. पेडियाट्र क्रिट केयर मेड 2013; **14** : इ 16 – 25 दृ

165. बिन्द्रा ए, चौहान आरएस, प्रभाकर एच, दास एच एच, चंद्रा पी एस, त्रिपाठी एम. कम्पेरिजन ऑफ द इफेक्टस ऑफ डिफरेंट एनेसथियेटीक टैक्निक्स ऑन इलैक्ट्रोकोरटिकग्राफी इन पैसेन्टस

166. बिन्द्रा ए, रथ जी पी, चौधरी टी, मिश्रा पी. इपीडयूरल हेमटोम एट स्कल पिन फिक्सेशन साइट मे कॉज रिफ्रेक्ट्री इंट्रोपेराटिव ब्रेन बल्ज. जे कलीन एनेस्थ 2012: 24(6): 509:10.

167. बिरला एस, ज्योतषना पी वी, शर्मा ए, खडगावत आर, गर्ग एम, जैन वी. जनेटिक केरक्टरिजैशन ऑफ ग्रोथ हॉर्मोन 1 जीन इन डिफिशन्सी विद आइसलैटिड ग्रोथ हॉर्मोन डिफिशन्सी. इंडियन जे एन्डोक्रानाल मेटाब 2012;16 **(सप्ली 2)** :एस310–2.

168. बिस्वास बी, कुमार यू दास एन, एक्सप्रेशन एंड सिग्निफिकेंस ऑफ लूकसाइट मेम्ब्रेन कोफेक्टर प्रोटीन ट्रांसक्रिप्ट इन सिस्टेमिक ल्यूपस एरथिमटोस्स. ल्यूपस 2012;21:517–25

169. ब्लांस सी, राउमिनिना एल टी, अशरफ वाई, हयवेरिनेन एस, सेठी एस के, रानचिन बी, एट ऑल ऑवरआल न्यूट्राईलाइजेशन ऑफ काम्पिलीमेंट फैक्टर एच बाइ ऑटानामसबोडिज इन द अक्यूट फेज ऑफ द आटोइम्यून फॉर्म ऑफ ऐटिपिकल हेमोलाइटिक यूरिमिक सिन्ड्रोम. जे इम्यूनल 2012:189:3528–37

170. बोड़वाल जे, गुप्ता एम, बेहरा सी. फेटल स्ट्रैंगग्यलेटिड इनज्यूीनल हारनियाः ए केश रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरचर. इंट जे मैड टोक्सीकाल लिगल मैडसिन 2012;15 (2):21–4

171. बोरकर एस, सिंह एम, महापात्रा ए. ग्लीयोब्लाथमा मल्टीफोरम विद वेरी रपीड ग्रोथ एंड लोंग–टर्म सरवाईवल इन चिल्ड्रन. चाइल्डस नर्व सिस्टम 2012; 28(1):7 आथर रिप्लाई?

172. बोरकर एस ए, अग्रवाल डी. लो डोज आइअनाइज रेडियश इंडियूकिड एक्योस्टिक न्योरोमाः ए प्यूटेटिव लिंक? इंडियन जे न्यूरोसरग 2012:1:78–9

173. बोरकर एस ए, लक्ष्मीप्रसाद जी, शर्मा बी एस, महापात्रा ए के. रिमोट साइट इन्ट्रेक्टनियल हेमरिजः ए क्लीनिकल सीरीज आफ फाईव पेशेंटस विद रिव्यू आफ लिट्रेक्चर. बी आरजे न्यूरोसरज 2013;27(6):735–8

174. बोरकर एस ए, लक्ष्मीप्रसाद जी, सुब्बाराव के सी, शर्मा एम सी, महापात्रा ए के. जाइअन्ट सेल ग्लायोब्लास्टोमा इन द पीडिएट्रिक ऐज ग्रुपः रिपोर्ट ऑफ टू केसिज. जे पीडिएट्रिक न्यूरोसाईंस 2013;8(1): 38–40

175. बोरकर एस ए, महापात्रा ए के, इसपिल्ट कार्ड मैलफार्मेशन, ए टू ईयर्स एक्सपीरियेंस एट ए आई आई एम एस, एशियन न्यूरोसर्ज 2012:7(2): 56–60

176. बोरकर एस ए, महापात्रा ए के, वैन्ट्रीक्यूलोपैरीटोनियल शन्ट कैथीटर प्रोट्रयूजन थ्रू दि एनस। चाइल्ड नर्व सिस्टम 2012: 28(3)341–2: आथर रेप्लाई 343–4

177. बोरकर एस ए, प्रसाद जी एल, गुप्ता डी0के0, सिन्हा एस, महापात्रा ए के – कम्पाउन्ड एलीवेटेड स्कल फ्रक्चरः ए क्लीनिकल सीरीज आफ थ्री पेशेन्ट्स विद ए रिव्यू आफ दि लिट्रेचर। टर्क न्यूरोसर्ज 2013:23(4) 514–15

178. बोरकर एस ए, सुब्बाराव के सी, शर्मा एम सी, महापात्रा ए के। सिस्टिक विद म्यूरल नोड्यूलः अनयूजुअल रेडियोलॉजिकल प्रेजेन्टेशन ऑफ सुप्राटेन्टोरियल एनाप्लास्टिक एपेन्डीमोमा, जे0 पीडियाट्रिक न्यूरोसाइंस 2012: 7:101–2

179. बोथरा एम, जैन वी, एब्सेन्ट फैलसः इश्यूज इन मैनेजमेंट, जे पीडियाट्रिक एन्डोक्राइनोलॉजी मेटाबॉलिज्म 2012:25:1013–5

180. बोथरा एम, जैन वी, विटमिन डी इन्टॉक्सीकेशनः टू मच आफ ए गुड थिंग ! इन्डियन पीडियाट्रिक 2013:50:429–30

181. बोथरा एम, लोधा आर, काबरा एस के, सिस्टिक फाइब्रोसिस – वैह्न टू सस्पेक्ट एण्ड हाउ टू मैनेज ! इन्डियन जे प्रेक्ट. पीडियाट्रिक्स 2012: 14:284–93

182. बोथरा एम, सेठ आर, कपिल ए, द्विवेदी एस एन, भटनागर एस, एक्सेस । – इवेल्यूशन ऑफ प्रीडिक्टर आफ एडवर्ज आउटकम इन फेब्राइल न्यूट्रोपेनिक एपीसोड्स इन पीडियाट्रिक ओंकोलॉजी पेशेन्ट्स, इन्डियन जे पीडियाट्रिक्स 2013: 80: 297–302 ।

183. ब्रूर एस, सुलेन्दर डब्लू, फाउलर के, विडोसन एम ए, कृष्णन ए, एट आल, डिमोग्रेफिक शिफ्ट आफ इनफ्लूएंजा–ए (एच–1एन–1) ड्यूरिंग आफ्टर पेन्डेमिक, रूरल इन्डिया, इमर्ज इन्फैक्ट डिस 2012:18:1472–5.

184. बूचर के, शुऐब ए, सेवर जे, डोनन जी, डेविस एस एम, नौरविंग बी, एट आल, थ्रोम्बोलाइसिस इन दि डेवलपिंग वर्ल्डः इज देयर ए रोल फार स्ट्रेप्टोकाइनेज? इन्ट स्ट्रोक 2013:8 (7):560–5.

185. बैयास पी, चन्द्रमोहन डी, क्लार्क एस जे, डी'एम्ब्रियूसो एल, ग्राहम डब्लू जे, एल ऑल। स्ट्रेन्दनिंग स्टेन्डर्डाइज्ड इन्टरप्रीटेशन आफ वर्बल एटोप्सी डाटाः दि न्यू इन्टर वी0ए0–4 टूल, ग्लोब हैल्थ एक्शन 2012:5:1–8.

186. कैम्बैल–ईओ एम, देवरारी ए, मैकमिलन डी, स्कॉटलैण्ड जे, सिंघल एन, ऐइलवार्ड डी, एट ऑलः आईडेन्टीफिकेशन आफ बैरियर्स एण्ड फेसिलिटेटर्स फार एजूकेशन आफ नर्सेज इन केस आफ सिक एण्ड एट रिस्क न्यूबॉर्न बेबीज इन इन्डिया।

187. सी ए आर आर एस ट्रॉयल राइटिंग ग्रुप, शाह एस, सिंह के, अली एम के, मोहन वी, कॉदिर एम एम, एट आल, इम्प्रूविंग बायाबेटिस केयर : मल्टी कम्पोनेन्ट कार्डियोवैस्क्यूलर डिसीज रिस्क रिडक्शन स्ट्रेटिजीज फार पीपल विद डायाबेटिस इन साउथ एशिया – दि सी ए आर आर एस मल्टी सेन्टर ट्रान्सलेशन ट्रायल। डायाबेटिस रेस क्लिन प्रेक्ट 2012:98: 285–94।

188. चड्डा आर के, देब के एस, इन्डियन फैमिली सिस्टम्स, कलेक्टीविस्टिक सोसाइटी एण्ड साइकोथेरेपी। इन्डियन जे साइकियाट्री 2013 : 55 (सप्ल–2) एस0299–309।

189. चड्डा आर के, साइकियाट्री एण्ड एन्डोक्राइन डिसीज, जे मेन्ट हैल्थ विहेवि 2012:17 (सप्ल) एस49–एस57

190. चड्डा एम एस, ब्रूर एस, गुनासेकरन पी, पोटदार वी ए, कृष्णन ए, चावला–सरकार एम, एट ऑल – मल्टीसाइट वायरोलॉजिकल इन्फ्लूएंजा सर्वीलांस इन इन्डियाः 2004–2008। *इन्फ्लूएंजा अदर रेस्पिर वायरस* 2012 : 6 : 196–203।

191. चक्रवर्ती बी, काबरा एस के, गुलाटी एस, टुटेजा जी एस, लोधा आर, काबरा एम एट ऑल, पैरिफ्रल न्यूरोपैथी इन सिस्टिक फाइब्रोसिस : ए प्रीवैलेंस स्टडी *जे सिस्ट फाइब्रोस* 2013:12:754–60

192. चक्रवर्ती बी, काबरा एस के, गुलाटी एस, टुटेजा जीएस, लोधा आर, काबरा एम एट ऑल, पैरिफ्रल न्यूरोपैथी इन सिस्टिक फाइब्रोसिस : ए प्रीवैलेंस स्टडी *जे सिस्ट फाइब्रोस* 2013:12:754–60

193. चक्रवर्ती सी, सिवाकुमारन एस, पुंक जे, सिंह एन, पाण्डे आर, डारलाँग वी, एक्यूट एब्डॉमेन इन ए यंग गर्ल विद फैक्टर डेफिसियेंन्सी पेरीएनेस्थेटिक इश्यूज, जे आब्सटेट गाइनेकॉल इन्डिया 2012: 62:205–6।

194. चक्रवर्ती एम, जायसवाल ए के, मिल्लो टी, मूर्थी ओ पी – आईडेन्टीफिकेशन आफ ह्यूमेन बींग बाई मॉर्फोलोजिकल केरेक्टराइजेशन आफ देयर टीथ इन फोरेन्सिक मेड टॉक्सीकॉल 2012:29 (2) : 55–62

195. चंचलानी आर, सिन्हा ए, गुलाटी ए, अग्रवाल वी, बग्गा ए, कॉमन म्यूटेशन अन्डरलाइंग प्राइमरी हाइपरऑक्साल्यूरिया टाइप–1 इन थ्री चिन्ड्रन । इन्डियन जे नेफ्रॉल 2012:22:459–61

196. चन्द्रा पी एस, कुमार ए, चौहान ए, अंसारी ए, मिश्रा एन के, शर्मा बी एस, डिस्ट्रेक्शन कम्प्रेशन एण्ड एक्सटेंशन रिडक्शन आफ बेसिलर इनवेजीनेशन एण्ड एटलेन्टाएक्सियल डिस्लोकेशन : ए नॉवल पॉयलट टैक्नीक. न्यूरोसर्जरी 2013 : 72 (6) : 1040–53: डिस्कशन 1053

197. चन्द्रा पी एस, सिंह पी के, गोयल वी, चौहान ए के, ठाकुर एन, त्रिपाठी एम। अर्ली वर्सस डिलेड एन्डोस्कोपिक सर्जरी फार कार्पल टनल सिन्ड्रोम प्रोस्पेक्टिव रेन्डोमाइज्ड स्टडी। वर्ल्ड न्यूरोसर्ज 2013:79 (5–6): 767–72।

198. चन्द्रा पी एस. व्हॉई आर न्यूरोसर्जन्स हैजिटेन्ट टू यूज दि के वर्ड फार एन्यूरिज्म सर्जरी ? इन्डियन जे न्यूरोसर्ज 2013:2:1–3

199. चन्द्रा एस, नेहरा एम, अग्रवाल डी, मोहन ए । डायग्नोस्टिक एक्यूरेसी आफ एन्डोब्रोंकियल अल्ट्रा साउन्ड – गाइडेड ट्रान्सब्रोंकाई नीडल एसपिरेशन इन मेडियास्टिनल एण्ड हिलर लिम्फएडीनोपैथीः ए सिस्टमेटिक रिव्यू एण्ड मेटा एनालिसिस । रेस्पिर केयर 2012: 57 (3): 384–91

200. चन्द्रा एस पी, बॉल सी एस, जैन एस, जोशुआ एस पी, गायकवाड एस, गर्ग ए, एट ऑल – इन्ट्राआपरेटिव कोरजिस्ट्रेशन आफ मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग, पॉजीट्रोन इमीशन टोमोग्राफी, एण्ड इलेक्ट्रोकॉर्टिकोग्रेफिक डेटा फार नियोकार्टिकल लीजनल एपीलेप्सीज मे इम्प्रूव दि लोकेलाइजेशन आफ एपीलेप्टोजेनिक फोकस : ए पॉयलट स्टडी. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज 2013 फैब 21 पीः एस01878–8750 (13) 00343–4.

201. चन्द्रा एस पी, कुमार ए, – क्लिपिंग आफ ए री–ग्रोन बेसिलर बाईफरकेशन एन्यूरिज्म फालोइंग कोईलिंगः एन एक्सट्रीम सर्जिकल चैलैंज। न्यूरॉल इन्डिया 2012 : 60 (6) 676–7

202. चन्द्रा एस पी, सिंघल ए, गोयल एन, लेथालिंग आर के, सिंह एम, काले एस एस, एट ऑल – एनालिसिस आफ चेंजिंग पैरादिज्म आफ मैनेजमेंट इन 179 पेशेंन्ट्स विद स्पाइनल ट्यूबरकुलोसिस ओवर ए 12 इयर पीरियेड एण्ड प्रपोजल आफ ए न्यू मैनेजमेंट लोगरिथम। वर्ल्ड न्यूरोसर्ज 2013: 80 (1–2) 190–203

203. चन्द्रा डी एस, अली एन, जरयाल ए के, ज्योत्सना वी पी, दीपक के के । डिक्रीज्ड ऑटोमेटिक मॉड्यूलेशन आफ हर्ट रेट एण्ड अल्टर्ड कार्डियेक सिम्पैथोवेगल बैलेंस इन पेशेन्ट्स विद कुशिंग सिन्ड्रोम : रोल आफ एन्डोजीनस हाइपरकार्टिसोलिज्म। न्यूरोएन्डोक्राइनोलॉजी 2013:97:309–17

204 चन्द्रन आर, बत्रा आर के, अग्रवाला एस, मिश्रा आर, – सेलेक्टिव ब्रोंकाइल ब्लॉकेड विद फोगार्टी कैथीटर इन ए चाइल्ड विद एक्वायर्ड ब्रोंकोबाइलरी फिस्टुला – पीडियाट्र एनेस्थ 2013:23:373–5 ।

205. चारलेट एस एल, नांगकीन्रिह बी, गुप्ता एस के – डोमेस्टिक वायोलेंस इन इन्डिया : नीड फार पब्लिक हैल्थ एक्शन इन्डियन जे पब्लिक हैल्थ 2012:56:140–5

206. चारू बी ए, सोफी आर ए, निसार एस, शाह पी ए, तेइंग शेनाज, जीलानी एच, एट ऑल – यूनीवर्सल साल्ट आयोडाइजेशन इज सक्सेसफुल इन कश्मीरी पॉपूलेशन एज आयोडीन डेफिसिएंसी नो लांगर एक्जिस्ट इन प्रेगनेंट मदर्स एण्ड देयर नियोनेट्स : डेटा फ्रॉम ए टरशरी केयर हॉस्पिटल इन नार्थ इन्डिया । इन्डियन जरनल एन्डोक्राइनॉल मेटाब 2013: 17:310–17

207. चटर्जी बी, पटनायक आर डी, सागर आर – कन्सलटेशन लियाजन इन पीडियाट्रिक पापुलेशन। जे मेंट हैल्थ ह्यूमैन बिहेव 2012: 17: एस 65–एस072

208. चटर्जी बी, पटनायक आर डी, सागर आर – इमोशनल एण्ड बिहेवरल इश्यूज इन ए चाइल्ड विद ल्यूकीमिया । जे मेंट हैल्थ ह्यूमैन बिहेव 2012 : 17: एस 101–4

209. चटर्जी पी, माथुर एस आर, डिन्डा ए के, गुलेरिया एस, महाजन एस, अय्यर वी के – एट ऑल एनालिसिस आफ यूरिन सेडीमेंट्स फॉर साइटोलॉजी एण्ड एन्टीजन एक्सप्रेशन इन एक्यूट रीनल एलोग्राफ्ट रिजेक्शन : एन अल्टरनेटिव टू रीनल बायोप्सी एम जे क्लिन पैथॉल 2012:137: 816–24

210. चटर्जी टी, गुप्ता एन, चौधरी वीपी, बिहारी एम, सक्सेना आर, अशरफ एम जेड, – प्रिडिक्शन आफ इस्कैमिक स्ट्रोक इन यंग इन्डियंस,: इज थ्रोम्बोफीलिया प्रोफाइलिंग ए वे आउट ? ब्लड कोएगुल फाईब्रिनोलाइसिस 2013 : 24 : 449–53

211. चौधरी ओ, बाला एम, सिंह जे, हजारिका ए, कुमार आर, लूथरा के, – रिलेटिव रिडक्शन आफ प्लाज्मा साइटॉयड डेन्ड्रिटिक सेल्स विद शिफ्ट इन टी एच–1 टू टी एच–2 रेस्पॉस इन एच आई वी–1 इन्फैक्टेड पेंशेंट्स एज कम्पेयर्ड टू हाई रिस्क एण्ड हैल्दी नार्थ इन्डियंस बी एम सी इनफैक्ट डिस 2012 : 12 (सप्ली 1): 020

212. चौधरी ओ, बाला एम, सिंह जे, हजारिका ए, कुमार आर, लूथरा के – दि डी सी–एस आई जी एन आर 7/5 जीनोटाइप इज एसोसिएटेड विद आई डेन्ड्रिटिक सेल काउन्ट एण्ड देयर सबलेट्स इन पेंशेन्ट्स इनफैक्टेड विद एचआईवी–1 – जे क्लिन इम्यूनॉल 2013:33:788–97

213. चौधरी वी, चौहान एस, चौधरी एम, किरन यू, तलवार एस, कपूर पी एम– सोनोक्लॉट एनालिसिस इन चिल्ड्रन विद कॉन्जेंनाइटल हर्ट डिसीज – एशियन कार्डियोवैस्क थोरेक एन 2012–20:544–7

214. चौधरी वी, चौहान एस, चौधरी एम, किरन यू, तलवार एस – पैरास्टर्नल इन्टरकॉस्टल ब्लॉक विद रोपीवैक्सीन फॉर पोस्टआपरेटिव एनॉजीसिया पेशेंट्स अन्डरगोइंग कार्डियक सर्जरी : ए डबल ब्लाइंड, रेन्डमाइज्ड, कन्ट्रोल्ड स्टडी – जे कार्डियोथोरेक वेस्क एनेस्थ 2012:26:439–42

215. चौधरी आर, मुखर्जी ए, मैनन वी – आइसोलेशन एण्ड केरेक्टराइजेशन आफ बार्टोनेला स्प. फ्रॉम आप्टिक न्यूराइटिस पेंशेन्ट्स इन्डियन जे मेड रेस 2012:136:985–90

216. चौहान ए, शर्मा यू, रीता के एच, जगन्नाथन एन आर, मेहरा आर डी, गुप्ता वाई के – न्यूरोइमेजिंग, बायोकैमिकल एण्ड सेल्यूलर एवीडेंस आफ प्रोटैक्शन बाई माइकोफेनोलेट मोफेटिल ऑन मिडिल सेरेब्रल आर्टी ऑकल्यूजन इन्ड्यूस्ड इन्जरी इन रेट्स । यूर जे फार्माकूल 2012:684:71–8

217. चौहान जी, कौर आई, तबस्सुम आर, द्विवेदी ओ पी, घोष एस, टंडन एन, एट ऑल – कॉमन वैरियन्ट आफ होमोसिस्टाइन मेटाबॉलिज्म पाथवे जीन्स एण्ड रिस्क आफ टाइप–2 डायाबेटिस एण्ड रिलेटेड ट्रेट्स इन इन्डियंस : एक्सप डायाबेटिस रेस 2012:2012 :960318

218. चौहान पी एस, ईशान आर, मिश्रा ए के, यादव डी एस, सलूजा एस, मित्तल वी, एट ऑल – हाई आर्डर इन्टरएक्शन आफ जेनोबायोटिक मेटाबोलाइजिंग जीन्स एण्ड पी 52 कन्डन 72 पॉलीमार्फिज्म इन एक्यूट ल्यूकीमिया । एन्वायरन मॉल म्यूटेजन 2012: 53(8) : 619–30

219. चौहान एस, सेन एस, शर्मा ए, डॉर एल, कश्यप एस, कुमार पी एट ऑल – ह्यूमेन पेपीलोमावायरस : आफ्थेलमॉल 2012:96:1517–21

220. चावला बी, भदांगे वाई, दादा आर, कुमार एम, शर्मा एस, बजाज एम एस एट ऑल – क्लीनिकल रेडियोलॉजिकल एण्ड जेनेटिक फीचर्स इन ब्लेफारोफेमेसिस, टॉसिंस एण्ड एपीकेन्थस इनवर्सस सिन्ड्रोम इन दि इन्डियन पापुलेशन । इन्वेस्ट आफथेल्मॉल विस साइं 2013:54:2985–91

221. चावला बी, चौहान के, कश्यप एस, मैच्योर ऑरबिटल टेराटोमा विद एन एक्टोपिक टूथ एण्ड प्राइमरी एनाफथेल्मॉस । ऑरबिट 2013:32:67–9

222. चावला बी, हाडा एम, कश्यप एस, बख्शी एस – ऑरबिटल रेटिनोब्लास्टोमा इन एन एडल्ट – ऑरबिट 2013:32(2): 146–8

223. चावला बी, शर्मा एस, सेन एस, आजाद आर, बजाज एम एस, पुश्कर एन, चन्द्रा एम – एट ऑल ए टिपिकल प्रजेन्टेशन आफ नॉन हॉजकिन लिम्फोमा आफ दि लेक्रीमल ग्लेण्ड – दिल्ली जे ऑफ्थेल्मोल 2012:22 (4) 287–88

224. चावला बी, शर्मा एस, सेन एस, आजाद आर, बजाज एम एस, कश्यप एस – एट ऑल कोरिलेशन बिटवीन क्लीनिकल फीचर्स मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग एण्ड हिस्टोपैथॉलॉजिकल फाइन्डिंग्स इन रेटिनोब्लास्टोमा : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी – आफ्थैल्मोलॉजी 2012 : 119 : 850–6

225. चावला डी, अग्रवाल आर, देवरारी ए, पॉल वी के, चन्द्रा पी, आजाद आर वी – रेटिनोपैथी आफ प्रीमेच्योरिटी – इन्डियन जे पीडियाट्र 2012 79 501–9

226. चावला जे एम, पॉल एच, लाल आर, जैन आर, स्कूलर एन, बल्हेरा वाई पी, – कम्परीजन आफ एफीकेसी बिटवीन ब्यूप्रीमारफीन एण्ड ट्रेमाडॉल इन दि डिटॉक्सीफिकेशन आफ ओपिआयड (हेरोइन) डिपेंन्डेन्ट सब्जेक्ट्स – जे ओपिआयड मैनेज 2013:9 (1) 35–41

227. चेंगप्पा एम एन, राव आर, सुरेश कुमार एम, – दि डेवलपमेंट आफ मेथाडोन मेंटीनेंस ट्रीटमेंट इन माल्दीव्ज – इन्ट जे ड्रग पॉलिसी 2013:24(2) 164–5

228. छाबरा ए, सिंह पी एम, कुमार एम, – पल्मोनरी ओडेमा इन ए पेंशेन्ट अन्डरगोइंग विट्रोरेटिनल सर्जरी अन्डर पेरीबुल्बर ब्लॉक – इन्डियन जे एनेस्थ 2012:56:387–90

229. छाबरा ए, सुब्रामनियम आर, श्रीवास्तव ए, प्रभाकर एच, कलयवानी एम – स्पेक्ट्रल एन्ट्रोपी मॉनीटरिंग फार एडल्ट्स एण्ड चिल्ड्रन अन्डरगोइंग जनरल एनेस्थीसिया । कॉक्रेन डाटाबेस सिस्ट रेव 2012:10 डी ओ आई 10: 1002/14651858 सी0डी0 010135 (प्रोटोकॉल)

230. छाबरा जी, शर्मा एस, सुब्रामनियम ए, अग्रवाल डी, सिन्हा एस, मुखोपाध्याय ए के – कोएगुलोपैथी मार्कर इन एक्यूट ट्राउमैटिक ब्रेन इन्जरी – जे इमर्ज ट्राउमा शॉक 2013 6(3) 180–5 डी0ओ0आई0 10 4103/0974–2700 115332

231. चिकारा एन, सारस्वत एम, तोमर ए के, डे एस, सिंह एस, यादव एस, ह्यूमैन एपिडीडाइमिस प्रोटीन –4 (एच ई–4) ए नॉवल क्रास क्लास प्रोटिएज इनहिबिटर प्लॉस वन : 2012 :7 (11)

232. चिन्नाकली पी, गुरूनानी एन, उपाध्याय आर पी, परमार के, सूरी टी एम, यादव के – हाई लेवल आफ एवेयरनेस बट पुअर प्रक्टिसेज रिगाडिंग डेंगू फीवर कन्ट्रोल : ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी फ्रॉम नार्थ इन्डिया – एन एम जे मैड सा 2012:4:278–82

233. चिन्नाकली पी, मोहन बी, उपाध्याय आर पी, सिंह ए के, श्रीवास्तव आर, यादव के – हाइपरटेंशन इन दि एल्डर्ली : प्रीवैलेंस एण्ड हैल्थ सीकिंग बिहेवियर एन एम जे मैड साई 2012:4:558–62

234. चित्तावर एस, भट्टाचार्या एस, साहू जे पी, प्रकाश एस, भल्ला ए एस, कन्दासामी डी – एट ऑल – इन्टरनल जुगलर वेन : पैरीफ्रल वेन एड्रीनोकार्टिकोट्रोपिक हॉरमोन डिपेंडेंट कुशिंग्स सिन्ड्रोमः रेशियो केलकुलेटेड फ्राम वन एड्रीनोकार्टिकोट्रोपिक हॉरमोन सैम्पल ईच फ्राम राइट एण्ड लेफ्ट इन्टरनल जुगलर वेन ड्यूरिंग कार्टिकोट्रोफिन रिलीजिंग हॉरमोन स्टिमुलेशन टैस्ट। इन्डियन ज एन्डोक्राइनोल मेटाब

235. चित्तावर एस, प्रकाश एस, अम्मीनी ए सी – प्रीकोशियर पबर्टी इन गर्ल्स – इन्डियन जे एन्डोक्राइनोल मेटाब 2012 16 ;सप्ली–2) एस 188– 91

236. चोपडा ए, कुमार आर, किशोर के, टंडन एन, यूसुफ टी, कुमार एस एट ऑल – एफेक्ट्स ऑफ ग्लूकोकोर्टिकोइड्स ऑन वॉन विलेब्रान्ड फैक्टर लैवेल्स एण्ड इट्स कोरिलेशन विद वॉन विलब्रान्ड फैक्टर जीन प्रमोटर पॉलीमार्फिज्म – ब्लड कोएगुल फाइब्रिनोलाइसिस 2012 : 23 : 514–9

237. चोपड़ा ए, पती एच, महापात्रा एम, मिश्रा पी, सेठ टी, कुमार एस – एट ऑल फ्लो सिस्टोमेट्री इन मायलोडिस्प्लास्टिक सिन्ड्रोम : एनालिसिस आफ डायग्नोस्टिक यूटीलिटी यूजिंग मैच्योरेशन पैटर्न बेस्ड एण्ड क्वान्टिटेटिव एप्रोचेज – एन हेमेटॉल 2012:91:1351–62

238. चौधरी ए, गुलाटी एस, काबरा एम, सिंह यू पी, संख्यान एन, पाण्डेय आर एम एट ऑल एफीकेसी आफ मोडीफाइड कन्स्ट्रेन्ट्स इन्डयूस्ड मूवमेंट थेरेपी इन इम्प्रूविंग अपर लिम्ब फंक्शन इन चिल्ड्रन विद हेमीप्लेजिक सेरेब्रल पेल्सी : ए रेन्डेमाइज्ड कन्ट्रोल्ड ट्रायल : ब्रेन डेव 2013: 35:870–6

239. चौधरी ए, मखीजा एन, किरन यू, ट्रेकियल इंजरी कॉजिंग मैसिव एयर लीक ड्यूरिंग माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी : एन कार्ड एनेस्थ 2012:15:171–2

240. चौधरी के, मित्रा डी के, कुमार यू, कांगा यू – टी एच–17 सेल्स आर एनरिच्ड इन रह्यूमेटॉयड आरथेराइटस सिनोवॉयल फ्लियूड – इन्टर्न मैड जे 2012 42 (सप्ली–4) 1–16

241. चौधरी टी, भारती एस जे, गोयल के, सोखल एन सीवियर ब्रेडीकार्डिया ड्यूरिंग सुप्रासेलर मैनिनजियोमा रिसेक्शन । सउदी जे एनेस्थ 2012:6:189

242. चौधरी टी, भारती एस जे, – सीवियर ब्रेडीकार्डिया ड्यूरिंग लैरिंगोस्कोपी इन एडल्ट न्यूरोसर्जिकल पेंशेन्ट। सउदी जे एनेस्थ 2012:6:308 ।

243. चौधरी टी, गोयल के, सप्रा एच, मेहता वाई, – अपर लिम्ब वीकनेस फालोइंग लम्बर डिस्क सर्जरी : एन अनयूजुअल केस – सउदी जे एनेस्थ 2012:6: 302–6

244. चौधरी टी, प्रभाकर एच, भारती एस जे, गोयल के, दुबे एस के, सिंह जी पी – कम्परीजन आफ प्रोपोफॉल वर्सेस सीवोफ्ल्यूरेन ऑन थर्मोरेग्यूलेशन इन पेंशेन्ट्स अन्डरगोइंग ट्रान्सफेनोइडल पिट्यूटरी सर्जरी : ए प्रीलेमनरी स्टडी सउदी जे एनेस्थ 2012: 6:12–5

245. चौधरी टी, सिंह जी पी, भारतीय एस जे – परसिस्टेंट इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम चेन्जेज ड्यूरिंग एक्सीजन आफ क्रोनियोफेरिंजियोमा : सउदी जे एनेस्थ 2012: 6: 81–2

246. चौधरी टी, सिंह जी पी, भारती एस जे, प्रभाकर एच – एनेस्थेटिक चैलेंजेज ड्यूरिंग प्रीआपरेटिव मैनेजमेंट आफ पेशेंन्ट अन्डरगोइंग रिपेयर आफ बेसल एनसेफलोसल विद क्लेफ्ट पैलेट : सउदी जे एनेस्थ 2012:6: 305–7

247. चौधरी टी, सोखल एन, प्रभाकर एच – सीवियर हेमोडायनमिक फालौइंग नार्मल सेलाइन इरीगेशन इन सेरीब्रो–पोंटाइन सर्जरी । इन्डियन जे एनेस्थ 2012:56:312–14

248. चुआ बी ई, गुईन डी क्यू, कुइन क्यू, रडल जे बी, वैल्स ए पी नियाडुरोपोला एन एट ऑल – ब्लेंब वैस्कुलेरिटी फालोइंग ट्रेबक्यूलेक्टॉमी सबकन्जक्टाइवल बिवेक्यूजुमेब : ए पायलट स्टडी – क्लिन एक्सपेरीमेंट आफथेल्मॉल 2012:40:773–9

249. कॉन्सटेन्टिनो एम, झॉजी वी, चियांग पी पी, लेमाउरियक्स ई एल, रीस जी, वाजपेई आर बी – डेटरमिनेन्ट्स आफ इन्फार्म्ड कन्सेंट इन ए केट्रेक्ट सर्जरी क्लीनिकल ट्रायल : व्हाई पेशेंन्ट्स पार्टिसिपेट । कैन जे आफथेल्मॉल 2012:47:118–23

250. कुवेस एल ई, ब्राउनिंग आर, बॉसुइट पी, कैसंघी एम, कॉटन एम एफ, क्रूज ए टी एट ऑल इवेल्यूशन आफ ट्यूबरकुलोसिस डायग्नोस्टिक इन चिल्ड्रन। 2 मैथेडोलॉजिकल इश्यूज फॉर कन्डक्टिंग एण्ड रिपोर्टिंग रिसर्च इवेल्यूशंस आफ ट्यूबरकुलोसिस डायग्नोस्टिक्स फार इन्ट्राथोरेसिक ट्यूबरकुलोसिस इन चिल्ड्रन । कांसेसस फ्रॉम एन एक्सपर्ट पैनल जे इनफैक्ट डिस 2012 205 सप्ल 2 एस 209–15

251. दादा टी, अग्रवाल ए, बाली एस जे, वाधवानी एम, टिनवाला एस, सागर एस – केयरगिवर बर्डन एसेसमेंट इन प्राइमरी कांजेनाइटल ग्लूकोमा – यूर जे आफथेल्मॉल 2013 : 23: (3) 324–8

252. दादा टी, बॉली एस जे, मोहन एस, भारतीय एस, सोब्ती ए, पान्डा ए – ट्रायपेन ब्लू स्टेनिंग आफ फिल्टरिंग ब्लेब इन आइज विद आपरेट ट्रेबैक्यूलेक्टॉमी । नेपाल जे आफथैलमॉल 2012:4:224–9

253. दादा टी, गुप्ता आर, टिनवाला एस आई, सोबती ए, पाण्डा ए – रीपोजीशनिंग आफ अहमद ग्लूकोमा वाल्व ट्यूब इन दि एन्टीरियर चैम्बर विद प्रोलेन सूचर्स टू मैनेज ट्यूब एन्डोथीलियल टचः नेपाल जे आफथैल्मॉल 2012 : 4 : 309–11

254. दादा टी, कुसुमेश आर, बाली एस जे, शर्मा एस, सोबती ए, अरोरा वी, एट ऑल – ट्रेबैक्यूलेक्टॉमी विद कम्बाइन्ड यूज आफ सब कन्जेक्टाइवल कॉलेजन इम्प्लान्ट एण्ड लो डोज माइटोमाइसिन सी0जे0 ग्लूकोमा 2013:22:659–62

255. डडवाल वी, डेका डी, माथुर एस, कौशल एस, शर्मा ए के, मित्तल एस – वैजाइनल पॉलीपोइड एन्डोमैट्रियोसिस स्टीमुलेटिंग नियोप्लेसिया इन ए यंग वूमेन : जे लो जेनिट ट्रेक्ट डिस 2012:16:318–21

256. डडवाल वी, शर्मा ए के, सिंह ए, डेका डी, मित्तल एस, कुमार जी – क्लीनिकल कोरिलेट्स आफ पेन एण्ड एंग्जाइटी इन प्रीनेटल डायग्नोस्टिक प्रोसीजर्स । फैटल डायग्नो थेर 2012:32:190–3

257. दामले एन, बाल सी, कुमार पी0, रेड्डी आर0, वीरकर डी। दि प्रिडेक्टिव रोल आफ 24 आर ए आई यू विद रेस्पेंक्ट टू दि आउटकम आफ लो फिक्स्ड् डोस रेडियोआयोडाइन थेरेपी इन पेंशेन्ट्स विद डिफ्यूज टॉक्सिक गोइटर। हारमोन्स (एथेन्स) 2012 : 11 (4) 451–7

258. दामले एन, बॉल सी, साउन्दराराजन आर, कुमार पी, दुर्गापाल पी, – ए क्यूरियस केस आफ रिफरेक्टरी हाइपोथाइरोडिज्म ड्यू लच सलेक्टिव मैलएब्जार्पशन आफ ओरल थायरॉक्सीन। इन्डियन जे एन्डोक्राइनॉल मेटाब 2012 : 16 (3) 466–8

259. दामले एन, कुमार पी, महारजन एस, माथुर एस, बॉल सी – इनगुईनल नोड मेटास्टेसिस फ्राम फॉलीक्यूलर थायरॉयड कैन्सर। इन्डियन जे0 एन्डोक्राइनॉल मेटाब 2013: 17 (2) : 353–4

260. दामले एन ए, बॉल सी, बल्लाल एस – स्टनिंग इन पोस्ट (131) आई थेरेपी स्कैंस आफटर लो डोज (131) आई डायग्नोस्टिक होल बॉडी स्कैंस विद डिफरेंशिएटेड थायरॉयड कैन्सर इन दि इन्डियन पेशेंट्स पौपुलेशन । क्रिटिकल इम्पार्टेंस आफ इन्टरवैल बिटवीन दि टू स्केंस – इन्डियन जे0 एन्डोक्राइनॉल मेटाब 2012 16(3) 477–8

261. दामले एन ए, बॉल सी, बन्दोपाध्याय जी पी, कुमार एल, कुमार पी, मल्होत्रा ए – एट ऑल – दि रोल आफ 18एफ–फ्लुयोराइड पी ई टी–सी टी इन दि डिटैक्शन आफ बोन मेटास्टासस इन पेशेंन्ट विद ब्रेस्ट, लंग्स एण्ड प्रोस्टेट कारसीनोमा : ए कम्परीजन विद एफ डी जी पी ई टी–सी टी एण्ड 99 एमटीसी–एमडीपी बोन स्कैन। जेप्न जे रेडियॉल 2013 फैब 2 (इपब अहेड आफ प्रिन्ट)

262. दामले एन ए, बॉल सी, कुमार पी, साउन्दराराजन आर, सुब्बाराव के – इंसीडेंटल डिटैक्शन आफ हाइपरफंक्शनिंग थायरॉयड कैन्सर मेटास्टासस इन पेशेंन्ट्स प्रिजेंटिंग विद थायरोटॉक्सिकोसिस। इन्डियन जे एन्डोक्राइनॉल मैटाब 2012: 16(4) 631–6

263. दामले एन ए, बॉल सी, पीपरे के दास के ऑकरेन्स ऑफ सिम्प्टोमेटिक मेनिनजिओमा एज ए सैकेण्ड निओप्लाज्म इन पेशेन्ट्स विद डिफरेंशिएटेड थॉयराइड केन्सर ट्रीटेड विद रेडियोआयोडीन, इन्डियन जे एन्डोक्राइनॉल मैटाब 2012: 16(4) 612–13

264. दामले एन ए, बॉल सी, साहू एम, जैन टी, मिश्रा ए, "हॉकी स्टीक" साइन ऑर 99एम टैक्नीशियम, परटैकनेट थाइराड स्केन, इन्डियन जे एन्डोक्राइनॉल मैटाब 2012: 16(4) 1056

265. दामले एन ए, मिश्रा आर, सुब्बाराव के, सिंह पी, दास एन एल, पाण्डेय डी सी, ई टी एल.इन्सीडेन्टल डायग्नोशिस ऑफ कारकिनोमा ऑफ द ब्लेडर ड्यू टू अपटेक ऑफ 99एम टी सी –एम डी पी. न्यक्लीयर मैडीसीन एण्ड मॉलेक्यूलर इमेजिंग 2012: 46:144–46

266. देनाई जी, सिंह जी एम, पेसिरेक सी जे, दि जे के, कॉउन एम जे फिनूकेन एम एम ई टी एल. रेस्पोन्स टू लेटर रीगाडिंग आर्टिकल द ग्लोबल कार्डीवेसक्यूलर रिस्क ट्रान्जिक्शनः ऐसोशियेशन ऑफ फोर मेटाबौलिक रिस्क फैक्टर बिथ मेक्रोइक्नोमिक वेरियबलक इन 1980 एण्ड 2008 सरक्यूलेशन 2013;128:ई 378

267. दारलॉग वी, कुनअबदुल्ला एन पी पाण्डेय आर चन्द्रलेखा, पूंज जे गर्ग आर ई टी एल हेमोडायनेमिक चार्जेज डयूरिंग रॉबोटिक रेडिकल प्रोस्टाटैक्नटोमाई, साउदी जे0 अनस्थे 2012: 6:213–

268. दास ए, बोटीसेलो ए एल, वाईली जी आर, राधाकृष्णन के, न्यूरोलॉजी डिस्ऐविलिटीः ए हिडन ऐपीडेमिक फोर इण्डिया, न्यूरोलाजी 2012;79(21):2146–7

269. दास के सरकार आर अहमद एस एम, मिद्रा ए आर मुखर्जी पी एस दास के ई टी एल "नॉर्मल" लीवरस्टीफिनेस मेजर (एल एस एम) वैल्यू आर हाईर इन बॉथ लीन एण्ड ओबेस इनडीव्यूजलः ए पॉपूलेशन–बेस्ड स्टीड फ्रॉम ए डवलोपिग कन्ट्री. हैपाथौलोजी 2012: 55:584–93

270. दास के जे शर्मा पी, नासवा एन, सोनद्राजन आर, कुमार आर, बाल सी, ई टी एल हॉयबर्डस एक्सपेट विद 99एम टी सी–लेवलड रेड ब्लड सेल इन के केस ऑर ब्लू रबर ब्लेव नर्वस सॉयड्रोमः एडिड वैल्यू ऑर प्लानर सेन्टीग्राफीः डायजन इन्टरव रेडिऑल 2013: 19(1):41–3

271. दास एन विश्वास बी खेरा आर मैमब्रन्स–बाउन्ड कम्लीमेन्ट रेग्यूरेटी प्रोटीनस एज बॉयोमेकर एण्ड पॉटेन्शियल थ्रेरापॉटिक टारगेट फोर एस एल ई, एडव एक्स मडि बॉयल 2013:734:55–

272. दास पी, गोस्वामी पी, दास टी के, नाग टी श्रीनिवास वी, आहूजा वी, ई टी ए एल कम्पेरेटिव टाईट जक्शंन प्रोटीन एक्सप्रेसन्स इन कोलोनिक क्रोहंस डिसिज, अल्सेरेटिव कॉलिटिस एण्ड ट्युबरक्यूलॉसिस, ए न्यू पर्सपेक्टिव विरचोल्स आर्क 2012: 460:261–70

273. दास पी, शर्मा ए, गुप्ता आर अग्रवाल एस के, बग्गा ए, डिण्डा ए के हिस्टोमोर्फिलोजिकल क्लीसिफिकेशन ऑफ फोकल सेग्मेन्टल ग्लोमैलोलोक्लोसिसः ए क्रिरीटिकल एब्यूलूशन ऑफ क्लीनिकल, हिस्टोलॉजी एण्ड मॉरफोमेटरिक फिचर, साउदी जे किडनी डिस ट्रान्सप्ल 2012:23:1008–16

274. दास पी सी चटर्जी, पी, कुमार पी, कुमार जी, डे ए बी. प्रीवेलेन्स एण्ड प्रेडिक्टर ऑफ ऑफ जेरिटक सिन्ड्रोमस इन एन आउटपेसेन्ट क्लीनिक एट ए टेरीटेरी केयर हॉस्पीटल ऑफ इण्डिया, जे एजनिंग रेस क्लीन प्रेक्ट 2013:2:117–20

275. दास एस, कुमार एस, जैन एस, एवलेव वी डी, माथुर आर, एक्सपोजर टू ई एल एफ–मेग्नेटिक फिल्ड प्रोमोटर्स रेस्टोरेशन आफ सेन्सोरिया–मोटर फंक्शनस् इन एडल्ट जेटस दि हेमीसेक्शन ऑफ थोरेसिक स्पाईनल कार्ड, इलैक्ट्रोमेनेज बॉयल मैडी 2012:31:180–94

276. दास एस, विजयाकांथी बी, सक्सैना आर, आर्यन बी, ट्रान्सेसोफेगल इकोकार्डियोग्राफी इस मोर सेन्सटिव देन ट्रान्सथोरेसिस इकोकार्डियोग्राफी इन डिटेक्टिंग रेस्डियुल एटरेल सेप्टल डिफेक्ट एट द इनफेरर वीना कावल इण्ड कार्डियोथोरेक्स वेस ऐन्सथ 2012:26:इ 79–80

277. दास एस, इनविटेड कॉमेन्ट्री, रेनल प्रौटेक्शन, प्रौटोकॉल फोर पैसेन्ट अण्डरगोइंग कार्डियोपुलमोनेरी बाईपास, इण्डियन जे एक्सट्रा कार्पोरियल टैक्नोल 2012:22:27–28

278. दास गुप्ता ए, महापात्रा एम, सक्सैना आर, फ्लो साईटोमैट्रीक इमयोनोफिनोटाईपिंग ऑफ रेग्यूलेट्री टी शेल इन क्रोनिक लिमफोसाईटी ल्यूकेमिया कारपोरेटिव असिस्टेन्ट ऑफ वेरियर्स मार्कर्स एण्ड यूज ऑफ नोबल एन्टीमोनी पैनल विद सी डी 127 एज अल्टरनेटिव टू ट्रान्सक्रिपशन फैक्टस फाक्स पी3, लियूक लिम्फहोमा 2013, 54:778.89

279. दत्ता पी, बाटला एन, पाण्डेय आर एम, डार एल, पतरो ए आर, वशिष्ठ एस, एट ऑल टाईप स्पेसिफिन्सिडेन्स एण्ड परसिस्टेन्स ऑफ एच पी वी इन्फैक्शन एमोंग यंग वूमेनः ए प्रोसपेक्टिव स्टडी इन नॉर्थ इण्डिया, एशियन पैक जे कैन्सर प्रेव 2012; 13: 1019–24

280. डावर पी, गुप्ता डी के, शर्मा बी एस, जया कुमार ए, गामनागट्टी, एस एक्सटेनसिव कालवेरल ट्युवरक्लोसिस प्रिजेन्टिंग एज साइपोथेटिक अल्सरेटिड ग्रौथ ऑन क्लेप इन एन इनफेन्टः एन इन्ट्रेन्स्टिंग केस रिपोर्ट बिथ रिव्यू ऑफ लिटरेचर चाईल्ड नर्व सिस 2013 अप्रैल 25

281. डेबूड एफ एस, यूलियानो ए डी, रीड सी मेडजरल एम आई से डी के, चिंग पी वाई ई टी ए एल इस्टीमेटिड ग्लोबल मोर्टलिटी एसोसियेटिड विथ द फर्स्ट 12 मनथ आफ 2009 पेन्डमिक इन्फेन्जा के एच आई एन आई वायरस सकुरेशनः ए मॉडलिंग स्टडी, लान्सेट इन्फैक्ट डिस 2012;12:687–95

282. दीपक के के सेटिंग ए पी पी आई विजन 2020 सायलोजिस्ट सोशल रेस्पोन्सिविल्टी इण्डियन जे सायोल फार्मोकॉल 2012;56:396–400

283. डेका डी बहादुर ए सिंह ए मल्होत्रा एन सक्सेजफुल मैनेजमेन्ट ऑफ हैक्ट्रोटोपिक प्रेगनेन्सि ऑफ्टर फीटल डिडक्शन यूजिंग पोटेशियम क्लोराईड एण्ड मैथोट्रेकसेट. जे ह्युमन साई रिप्रोडेक्टिव साईन्स 2012;5:57–60

284. डेका डी, डेडवाल वी, गजाथीपन एस बी सिंह ए, शर्मा के ए मल्होत्रा एन द आर्ट ऑफ फैटोस्कॉपीः ए स्टेप टूवर्ड मिनीमेली इन्वेसिव फेटल थेरेपी जे ऑपसेट्ट ग्यानाकौल इण्डिया 2012;62:655–9

285. डेका डी, डेडवाल वी, रॉय के के मल्हौत्रा एन, वैड ए, मित्तल एस इण्डिकेशन ऑफ 1342 फेटल कोर्ड ब्लड सेम्पलिंग प्रोसिजर परफोर्म एज एन इन्टीग्रल पार्ट ऑफ हाईरिस्क प्रेग्नैन्सी केयर जे ऑपसेट्ट ग्यानाकौल इण्डिया 2012;62:20–4

286. डेका डी, शर्मा के ए, डेडवाल वी, सिंह ए, कुमार जी, वैनामेल पी डायरेक्ट फैटल इन्ट्रावेनस इम्यूनोग्लोबुलिन एज एन एडजोनेट टू इन्ट्रोटेरिन फैटल ब्लड ट्रान्सफ्यूजन इन रेसिस एलोइम्यूनाइज्ड प्रेग्नेन्सिजः ए पायलट स्टडी फैटल डायग्न थेर 2013

287. डेमचूक ए एम दोलतशाही डी, रोजरीविज ल्यूना डी मोलिना सी ए ब्लास वाई एस डयलोजोस्की आई एट एल प्रीडिक/सनीब्रोक, आई सी एच सी टी ए स्टडी ग्रुप प्रीडिक्शन ऑफ हीमेटोमाएन्जीयोग्राफी स्पोर्ट साइन (प्रीडिक्ट): ए प्रोस्पेक्टिव ओबजरवेशनल स्टडी लेन्सिट न्यूरोल 2012;11(4):307–14 इराटम इन लेन्सिट न्यूरोल 2012;11(6):483

288. देव एस बी शुक्ला एन के कल्यानपुर ए ए मोहन्ती बी के थुलकर एस पी एग्रेसिव मल्टी मोडेलिटी मैनेजमेन्ट ऑफ लोकली एडवांस रैट्रोमोलर ट्रायगोन ट्यूमर्स हैड नैक 2012 अगस्त 21, डियोः 10. 1002/हीड. 23113 (ईपब्ब ए हैड ऑफ प्रिन्ट)

289. देव एस बी शुक्ला एन के, सिंह एम झा, डी, खन्ना पी, कल्यानपुर ए लोकली एडवांसड सेबसस सेल केरकिनोमा (टी3)ऑफ आईलिडः इन्सिडेन्स एण्ड पेटरन आफ नॉडल मेटास्टेसिस एण्ड कम्वाईन्ड मॉडलिटी मैनेजमेन्ट एप्रोच ओरबिट 2012;31:150–4

290. देव एस बी एस, कपाली ए एस, गुप्ता एम, शुक्ला एन के. ए रिव्यू ऑफ कोन्ट्रावर्सिस इन द मैनेजमेन्ट ऑफ कलरेक्टल केन्सर, इण्डियन जे सुर्ग 2012;74:221–7

291. देव एस बी एस, मन्जूनाथ एन एम, शुक्ला एन के. ए रिव्यू ऑफ कोन्ट्रावर्सिस इन द मैनेजमेन्ट ऑफ सॉफ्ट टीशू सरर्कोमस इण्डियन जे सुर्ग 2012;74:228–33

292. देव एस बी एस, शुक्ला एन झा डी, खन्ना पी, पण्डित ए, ठुलकर एस आर वी ऑवर ट्रीटिंग नेक इन ब्यूकल एण्ड एवोलो–व्यूकल केंसर, एक्सपीरियन्स फार्म ए टेरीटेरी केन्सर केसर सेन्टर इण्डियन जे सुर्ग ऑनकॉल 2012;3:272–5

293. देसाई एम तलवार एस कोठारी एस एस जागिया पी एरियन बी. इनफेरियर वीना कावा टू लेफ्ट अर्टियम सन्ट प्रेजेन्टिंग बिद पॉलीथिमिया एण्ड स्ट्रोक थ्री डीकेडस् फोलोईंग क्लोजर ऑफ एटरियल सेप्टल डिफेक्टिव कॉजेन्टि हार्ट डिस 2012;7:ईएस0

294. धमिजा आर के, रानजन पी, कुमार बी, मिश्रा एस के, कल्लाउर एस एन, एसोसियेशन ऑफ पी डी ई 4डी जेनी बिद इजचामिक स्ट्रोक, इन्ट जे स्ट्रोक 2012;7:ई एस

295. धन्धापानी एस, धन्धापानी एम, अग्रवाल एम, चुटानी ए एम, सुभिया बी, शर्मा बी एस ई टी ए एल द प्रोग्नोस्टीक सिग्नीफिकेन्श ऑफ द टाईमिंग ऑफ टोटल इन्टरल फीडिंग इन ट्राउमेटिक ब्रेन इन्जरी, सुर्ग न्यूरोल इन्स 2012;3:31

296. धार पी, कौशल पी कटारिया एस ए न्यूरोमसक्यूलर एनोमैली इन द एन्टीरियर कम्पार्टमेन्ट ऑफ आर्म इन्ट मैडी जे 2013;20:103–105

297. धवन बी, मल्हौत्रा एन, श्रीनिवास वी, रॉवरे जे, खन्ना एन, चौधरी आर, ई टी ए एल यूरियाप्लाज्मा सिरोवर्स एण्ड देयर एन्टीमाइक्रोबिएल ससपेक्टिविलिटि इन पैसेन्ट ऑफ इन्फर्लिटी एण्ड जेन्टल टक्ट इन्फैक्शन, इण्डियन जे0 मैड रिस 2012;136:991–6

298. धवन बी, मल्होत्रा एन, श्रीनिवास वी, रावड़े जे, खन्ना एन, चौधरी आर एट ऑल – यूरियाप्लाज्मा सेरोवार्स एण्ड देयर एन्टीमाइक्रोबॉयल ससेप्टिबिलटी इन पेशेंन्ट्स आफ इनफर्टिलिटी एण्ड जेनाइटल ट्रेक्ट इन्फेक्शन । इन्डियन जे मैड रेज 2012:136: 991–6

299. ढिल्लन जे के, कॉलरा जी, माथुर वी पी, बॉयोस्टीमुलेशन आफ ओरल अल्सर्स इन चिल्ड्रन – इन्ट जे लेजर डेन्ट 2012:2 (2) 59–62।

300. ढिल्लन एम एस, गर्ग बी, सोनी आर के, ढिल्लन एच, प्रभाकर एस – नेचर एण्ड इंसीडेंस आफ अपर लिम्ब इन्जरीज इन प्रोफेशनल क्रिकेट प्लेयर्स ए पर्सपेक्टिव आब्जरवेशन – स्पोर्ट्स मैड आर्थ्रोस्क रेहेबिल थेर टैक्नॉल 2012:4:42

301. डिड्डी के, चौधरी आर, शर्मा एन, धवन बी, स्ट्रेटजी फार आइडेन्टीफिकेशन एण्ड केरेक्टाराइजेशन आफ बारटोनैला हेन्सेले विद कन्वेंशनल एण्ड मॉलीक्यूलर मैथेड्स। इन्डियन जे मैड रेस 2013 : 137: 380–7

302. दीक्षित बी, इरशाद के, मदन ई, अग्रवाल एन, सरकार सी, चन्द्रा पी एस एट ऑल – एफएटी–1 एक्ट्स एज एन अपस्ट्रीम रेगुलेटर चह ऑकोजेनिक एण्ड इनफ्लेमेट्री पाथवेज, वाया पी डी सी डी–4, इन ग्लाइओमा सेल्स । ओंकोजीन 2013 :32: 3798–808

303. दिलनवाज एफ, सिंह ए, मेवाड़ एस, शर्मा यू, जगन्नाथन एन आर, साहू एस के – दि ट्रान्सपोर्ट आफ नॉन–सरफैक्टेन्ट बेस्ड पैक्लीटैक्सल लोडेड मैग्नेटिक नैनोपार्टिकिल्स एक्रॉस दि ब्लड ब्रेन बैरियर इन ए रैट मॉडल – बायोमैटीरियल्स 2012:33:2936–51

304. डिन्टा एस, अग्रवाल एम, सिंह एम बी, ए कम्परेटिव स्टडी टू एसेस दि नॉलेज आफ कॉग्रेस आफ पीपल विद एपीलेप्सी एण्ड जनरल पब्लिक रिगार्डिंग एपीलैप्सी एण्ड इट्स फर्स्ट ऐड मैनेजमेंट – इयूरो जे न्यूरॉल सेप्टेम्बर 2012 ।

305. डोस्ट टी, क्लीलैण्ड जे जी, रौल्यू जे एल, शी एल, वॉस एस, ऑहमॉन ई एम. – एट आल इंफ्लूएंस ऑन मार्टेलिटी इन ए रेन्डेमॉइज्ड स्टडी आफ रीवैस्क्यूलेराइजेशन इन पेंशेन्ट्स विद सिस्टोलिक हर्ट फेलियर एण्ड कोरोनरी आर्टरी डिसीज – सर्क हार्ट फेल 2013: 6: 443–50

306. डोगरा पी एन, एब्रॉल एन, सिंह पी, गुप्ता एन पी, – आउटकम्स फालोइंग रोबोटिक रेडिकल नेफ्रेक्टॉमी : ए सिंगल सेन्टर एक्सपीरियेंस – यूरॉल इन्ट 2012:89:78–82

307. डोगरा पी एन, जवाली टी डी, सिंह पी, कुमार आर, सेठ ए, गुप्ता एन पी एट ऑल – प्रीआपरेटिव आउटकम आफ इनीशियल 190 केसेज आफ रोबोट असिस्टेड लैप्रोस्कोपिक रेडिकल्स प्रोस्टेटेक्टॉमी – ए सिंगल सेन्टर एक्सपीरियेंस – इन्डियन जे यूरॉल 2012:28– 159–63 ।

308. डोगरा टी डी, लीनार्स ए ए, चड्ढा आर के, मंजू एम, ललवानी एस सूद एम – एट ऑल ए साइकोलॉजिकल प्रोफाइल आफ ए सीरियल किलर : ए केस रिपोर्ट – ओमेगा (वेस्टपोर्ट) 2012 : 65: 299–316

309. दोषी एस, रॉय ए, रामामूर्थी ए, कोठारी एस एस, बहल वी के – डायलेटेड कार्डियोमायोपैथी : ए घोस्ट फ्रॉम दि पास्ट – सर्क हार्ट फेल 2013:6:19–21

310. दुबे डी, पैरीवॉल वी, कुमार एम, शर्मा एस, सिंह टी पी, कौर पी – 3डी क्यू–एस ए आर बेस्ड फार्माकोफोर मॉडलिंग एण्ड वरचुअल स्क्रीनिंग फॉर आइडेन्टीफिकेशन आफ नॉवल टेरीडीन रिडक्टेज इनहिबिटर्स – जे मॉल मॉडल 2012 : 18 : 1701–11

311. दुबे एस के, रथ जी पी, – कफ एण्ड ब्रोंकोस्पाज्म आफटर रेपिड इन्ट्रावीनस एडमिनिस्ट्रेशन आफ फेनीटॉयन – जे न्यूरोसर्ज एनेस्थीसियोल 2012:24 (3) 239–40

312. द्विवेदी ए, द्विवेदी एस, देव एस, शुक्ला आर, पाण्डे ए, द्विवेदी डी, एन एपीडोमियोलॉजिकल स्टडी ऑन डिले इन ट्रीटमेंट इनीसिएशन आफ कैन्सर पेशेन्ट्स –हैल्थ 2012 : 4 : 6679

313. द्विवेदी डी के, कुमार वी, जवाली टी, डिन्डा ए के, ठाकुर एस, जगन्नाथन एन आर एट ऑल – ए पॉजिटिव मैग्नेटिक रेजोनेंस स्पेक्ट्रोस्कोपिक इमेजिंग विद नेगेटिव इनीशियल बायोप्सी मे प्रीडिक्ट फ्यूचर डिटेक्शन आफ प्रोस्टेट कैन्सर : इन्डियन जे यूरॉल 2012:28: 243–5

314. द्विवेदी ओ पी, तबस्सुम आर, चौहान जी, घोष एस, मारवाह आर के, टंडन एन एट ऑल – कॉमन वैरिएन्ट्स आफ एफटीओ आर एसोसिएटेड विद चाइल्ड ओबेसिटी इन ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी आफ 3126 अर्बन इन्डियन चिल्ड्रन : प्लॉस वन : 2012 : 7:ई47772

315. द्विवेदी ओ पी, तबस्सुम आर, चौहान जी, कौर आई, घोष एस, मारवाह आर के – एट ऑल स्ट्रॉग इन्फ्लूऐंस आफ वैरिएन्ट्स नियर एम सी 4 आर ऑन एडीपोसिटी इन चिल्ड्रन एण्ड एडल्ट्स : ए क्रास सेक्शनल स्टडी इन इन्डियन पापुलेशन – जे ह्यूम जेनेट 2013 : 58:27–32

316. द्विवेदी एस एन, बेगम शाहीना, द्विवेदी ए के, पाण्डे अरविन्द – कम्यूनिटी एफैक्ट्स ऑन पब्लिक हैल्थ इन इन्डिया : ए हायआर्कियल मॉडल – 2102 :4: 526–36

317. एलवुड पी, अशर एम आई, गारशिया मैक्रॉस एल, विलियम्स एच, केल यू, राबर्टसन सी, एट आल – डू फास्ट फूड कॉज एस्थमा, राइनीकंजेक्टीवाइटिस एण्ड एक्जीमा ? ग्लोबल फाइंडिंग्स फ्रॉम दि इन्टरनेशनल स्टडी आफ एस्थमा एण्ड एलर्जीज इन चाइल्डहुड (इसाक) फेज थ्री। थोरेक्स 2013:68:351–60

318. एलवुड पी, अशर एम आई, स्टीवर्ट ए डब्लू, अली खालेद एन, मैलॉल जे, स्ट्रेचन डी : इसाक फेज थर्ड टाइम ट्रेन्ड्स स्टडी ग्रुप। दि चैलेंजेस आफ रेप्लीकेटिंग दि मैथेडोलॉजी बिटवीन फेज 1 एण्ड 3 आफ दि इसाक प्रोग्राम। इन्ट जे ट्यूबर लंग डिस 2012:16:687–93

319. फेगेन एक्सजे, झांझी वी, कॉन्स्टेन्टिनो एम, अमीरुल इस्लाम एफ एम, टेलर एच आर, वाजपेई आर बी, फर्स्ट कॉन्टेक्ट डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेंट आफ कॉन्टैक्ट लैन्स रिलेटेड कॉम्प्लीकेशन्स इन्ट आफथैल्मॉल 2012:32:321–7

320. फैक एम, मोहन्ती के, दादा आर, दादा टी – मॉलीक्यूलर डायग्नोस्टिक एण्ड जेनेटिक काउन्सिलिंग इन प्राइमरी कॉजेनाइटल ग्लूकोमा । जे करेन्ट ग्लू प्रेक्ट 2013 : 7: 25–35

321. फरको एम ई, डोमेन्सकी एम, स्लीपर एल ए, सियामी एफ एस, डंगस जी, मैक एम, एट ऑल – स्ट्रेटजीज फॉर मल्टीवैसेल रीवेस्क्यूलेराइजेशन इन पेशेंट्स विद डायाबेटिस – एन इंग्ल जे मैड 2012–367–2375–84

322. फिनजेंर एल ई, अजय वी एस, अली एम के, शिवशंकर आर, गोयनका एस, शर्मा पी एट ऑल – फ्रूट एण्ड वेजीटेबल पर्चेजिंग पैटर्न एण्ड प्रीफरेंसेस इन साउथ दिल्ली – इकॉल फूड न्यूट्र 2013 : 523: 1–20

323. फिशर बी, डिमोपाउलू ए, ऐजरर जे, गार्डेचिक टी, किड्ड ए, जोस्ट डी – एट ऑल फर्दर केरेक्टराइजेशन आफ ए टी पी 6 वी ए–2 रिलेटेड ऑटोसोमल रिसेसिव क्यूटिस लेक्सा – हम जेनेट 2012:131:1761:73

324. फॉक्स आर जे, मिलर डी एच, फिलिप जे टी, हचिन्सन ई, कीटा एम, एट ऑल – कन्फर्म स्टडी इनवेस्टीगेटर्स। प्लेसीबो कन्ट्रोल्ड फेज–3 स्टडी आफ ओरल बी जी–12 ऑर ग्लेटिरेमर इन मल्टी स्क्लेरोसिस । एन इंग्ले जे मैड 2012:367: 1087:97।

325. गडोडिया ए, सेठ ए, शर्मा आर, अनयूजुअल प्रेजेन्टेशन आफ जोग्रेन सिन्ड्रोम मल्टीपल पैरोटिड सिस्ट्स । ईयर नोज थ्रोट जे 2012:91:ई–17:9

326. गहलौत एम, खड़गावत आर, रैमट आर, यूनिस एम, आमनी ए सी, गुप्ता एन – एट ऑल – दि एफेक्ट आफ ग्रोथ हॉरमोन डेफिसियेन्सी आफ साइज करेक्टेड बोन मिनिरल मेजर्स इन प्री–प्यूबर्टल चिल्ड्रन – ओस्टियोपोरोस इन्ट 2012:23:2211–7

327. गजेन्द्र एस, गुप्ता आर, चन्दगोथिया एम, कुमार एल, गुप्ता आर, चव्हाण एस एम, क्रोनिक न्यूट्रोफिलिक ल्यूकीमिया विद वी617एफ जेएके2, म्यूटेशन – इन्डियन जे हेमेटॉल ब्लड ट्रान्सफ्यूस अक्टू 2012 डीओआई 10: 1007 / एस 12288–012–0203–6

328. गांधी टी, पाणीग्रही बी के, सन्तोष जे, आनन्द एस, – कन्ट्रीब्यूशन आफ ब्रेन वेव्ज फार विजुअल डिफरेंसेज इन एनीमेट एण्ड इनएनीमेट आब्जेक्ट्स इन ह्यूमैन ब्रेन । जे कम्प्यूटेशनल थियोरेटिकल नैनोसेट – (ए एस पी) 2012:9:233–42

329. गनेशन पी, कौशल एस, ठाकुर एस, बख्शी एस – एड्रीनल मेटास्टेसेस इन ए पोस्ट रेडिएशन मैलिग्नेंट फाइब्रस हिस्टियोसाइटोमा आफ्टर लो डोज रेडिएशन फॉर ए बिनायन कन्डीशन । इन्डियन जे मैड पीडियाट्र ऑकॉल – 2013: 34: 31–3

330. गंगवार एस पी, डे एस, सक्सैना ए के, – स्ट्रक्चरल मॉडलिंग एण्ड डी एन ए बाइंडिंग ऑटोइनहैबिटेशन एनालिसिस आफ एरजिप 55, ए क्रिटिकल ट्रान्सक्रिप्शन फैक्टर इन प्रोस्टेट कैन्सर – प्लॉस वन – 2012–5–(6)

331. गनी एम ए, अली आई, अहंगर ए जी, वानी एम एम, अहमद एस, भट्ट एम ए, एट ऑल – थायामीन रेसपांसिव मैग्लोब्लास्टिक एनीमिया सिन्ड्रोम एसोसिएटेड विद पेशेंट डक्ट्स आर्टीरियोससः फर्स्ट केस रिपोर्ट फ्रॉम कश्मीर वैली आफ दि इन्डियन सबकॉन्टीनेंट – इन्डियन जे एन्डोक्राइनॉल मेटाब 2012: 16: 646–50

332. गनी एम ए, भट आर ए, इरफान यू आई–कय्यूम, डॉगरू एम ए, कोतवाल एस, भट एम ए – एट ऑल अनअसिस्टेड सक्सेसफुल प्रेगनेंसी इन ए केस आफ एडीसन्स डिसीज विद रीकरेन्ट प्रेगनेंसी लॉस। इन्डियन जे एन्डोक्राइनॉल मेटॉब 2012:16:481–2

333. गनी एम ए, कॉल सतीश, लवे बी ए, मसूद एस आर, वानी ए आई, बशीर एम आई एट ऑल – हाइपरग्लाइसेमिक इमरजेंसीज इन डायाबेटिस पेशेन्ट्स ऑ पिलग्रिमेज टू अमरनाथ जी यात्रा। इन्डियन जे एन्डोक्राइनॉल मैटाब 2012: 16

334. गर्ग बी, चक्रवर्ती एस, कुमार वी, मल्होत्रा आर – मैसिव ट्यूबरकुलर स्यूडो– ट्यूमर ऑफ दि थाई – ए केस रिपोर्ट पैन एफ्र मैड जे 2012–12–39

335. गर्ग बी, काण्डवाल पी, नागराजा यू बी, गोस्वामी ए, जायसवाल ए, – एन्टीरियर वर्सेस पोस्टीरियर प्रोसीजर फॉर सर्जिकल ट्रीटमेंट आफ थोराकोलम्बर ट्यूबरकुलोसिस – ए रिट्रास्पेक्टिव एनालिसिस – इन्डियन जे आर्थोप 2012–46–165–70

336. गर्ग जी, कुमार जे, तंवर वी एस, बासक टी, सेठ एस, कार्थिकेयन जी, एट ऑल – पॉलीमारफिज्म्स इन ट्रान्सकोबेलमिन ।। जीन इज एसोसिएटेड विद कोरोनरी आर्टरी डिसीज इन इन्डियन पॉपुलेशन – बायोमार्कर्स 2012:17:119–24

337. गर्ग के, सिन्हा एस, काले एस एस, चन्द्रा पी एस, सूरी ए, सिंह एम एम, एट ऑल – रोल आफ सिम्वेस्टेटिन इन प्रीवेंशन आफ वेस्कोपाज्म एण्ड इम्प्रूविंग फंक्शनल आउटकम आफ्टर एन्करिज्मल सब आर्कनॉयड हेमोरेज : ए प्रोस्पेक्टिव रेन्डोमाइज्ड डबल ब्लाइंड प्लेसीबो कन्ट्रोल्ड पॉयलट ट्रायल ब्रे जे न्यूरोसर्ज 2013 : 27 : 181–6

338. गर्ग एम के, मारवाह आर के, खड़गावत आर, रामोत आर, ओबेरॉय ए के, मेहन एन – एट ऑल एफीकेसी आफ विटामिन डी लोडिंग डोजेज ऑन सीरम 25–हाईड्रॉक्सी विटामिन डी लेवेल्स इन स्कूल गोइंग एडोलसेंट्स – एन ऑपेन लेबल नॉन–रेन्डोमाइज्ड प्रोस्पेक्टिव ट्रायल – जे पीडियाट्र एन्डोक्राइनॉल मेटॉब 2013: 26: 515–23

339. गर्ग एन, तिवारी आर, गुप्ता वी, कपिल ए, कुमार एस, ऋषि पी – करेन्ट एन्टीबॉयोग्राम एण्ड क्लोनल रिलेटेडनेस एमंग ड्रग– रजिस्टेंट सेल्मोनेला एन्टेरिका सेरोवर टाइफी इन नार्दन इन्डिया।

340. गर्ग पी, तलवार एस, कोठारी एस एस, राजशेखर पी, गुलाटी जी एस, एन्डरसन आर एच – एट ऑल : मैनेजमेंट आफ पल्मोनरी आर्टीरियल सप्लाई डिपेंडेंट आन ए कोरोनरी आर्टीरियल फिस्टूला इन ए पेशेंट विद टेट्रालॉजी आफ फैलेट विद पल्मोनरी आर्टीसिया – वर्ल्ड जे पीडियाट्र कोनजेनाइट हार्ट सर्ज 2012:3:499–503

341. गर्ग पी, तलवार एस, कोठारी एस एस, सक्सेना ए, जुनेजा आर, चौधरी एस के, एट ऑल– दि एनॉमेलस ओरिजिन आफ दि ब्रांच पल्मोनरी आर्टरी फ्रॉम दि एसेंडिंग एओर्टा – इन्टरएक्ट कार्डियोवैस्कु थोरेस सर्ज 2012: 15: 86–92

342. गर्ग पी, तलवार एस, राजशेखर पी, कोठारी एस एस, गुलाटी जी एस, ऐरेन बी – कॉमन केरोटिड आर्टरी टू इन्टरनल जगलर वेन शन्ट फॉर मैनेजिंग हाइपॉक्सीमिया आफ्टर ए केवोपल्मोनरी शन्ट – एन थोरेक सर्ज 2012: 94: 998–1001

343. गर्ग पी, तलवार एस, राजशेखर पी, सक्सेना ए, ऐरन बी – रिपेयर आफ टोटल एनामोलस पल्मोनरी वीनस रिटर्न टू दि कोरोनरी साइनस – एशियर कार्डियोवैस्कु थोरेस एन – 2012– 20– 221–4

344. गर्ग पी के, एन्टीऑक्सीडेन्ट्स फॉर क्रोनिक पेंक्रीटाइटिस : रीजन फॉर डिसएपॉइंटिंग रिजल्ट्स डेस्पाइट साउन्ड प्रिंसिपिल – गैस्ट्रोएन्टेरोलॉजी 2013: 144 : ई 19'20

345. गर्ग पी के, क्रोनिक पेंक्रीटाइटिस – गट 2012:61:932

346. गर्ग आर, जोशी एस, मिश्रा एस, भटनागर एस – एवीडेंस बेस्ड प्रेक्टिस आफ क्रोनिक पेन – इन्डियन जे पैलिऑट केयर 2012: 18: 155–61

347. गर्ग आर, कपूर वी. मित्तल एम, सिंह एम के, शुक्ला एन के, दास एस एन – एबनार्मल एक्सप्रेशन आफ पी13के – आइसोफोर्म्स इन पेशेंन्ट्स विद टोबेक्को–रिलेटेड ओरल स्क्वेमस सेल कारसीनोमा – क्लिन चिम एक्टा 2013: 416: 100–6

348. गर्ग आर, लो फ्लो एनेस्थीसिया एण्ड वोलेटाइल एनेस्थेटिक एजेन्ट्स – कन्सर्न जे एनेस्थेसियोल क्लिन फार्माकॉल 2012 : 28 : 475–6

349. गर्ग एस, सक्सेना वी, लम्ब वी, पकालापती डी, भूपथी पी ए, सुबुद्धि ए के एट ऑल – नॉवल म्यूटेशंस इन दि एन्टीफोलेट ड्रग रजिस्टेंस मार्कर जीन्स प्लाज्मोडियम विवेक्स आइसोलेट एक्जहिबिटंग सीवियर मेनीफेस्टेशन । एक्सप पैरासिटॉल 2012: 132 : 410–6

350. गारलैण्ड एस एम, भाटला एन, नगन एच वाई, – सरवाइकल कैन्सर बर्डन एण्ड प्रीवेंशन स्ट्रेटिजीज – एशिया ओसानिया पर्सपेक्टिव । कैन्सर एपीडेमियल बायोमार्कर्स प्रीव 2012:21:1414–22

351. गौड पी, कॉदिर जी ए, उपाध्याय एस, सिंह ए के, शुक्ला एन के, दास एस एन स्कवेड इम्यूनोलाजिकल बैलेंस बिटवीन टीएच17 (सी डी–4(+) आई एल 17ए (+) एण्ड ट्रेग (सी डी–4 (+) सी डी25 (+) एफओएक्सपी3(+)) सेल्स इन ह्यूमेन ओरल स्क्वेमस सेल कारसीनोमा सेल ऑकॉल (डोड्र) 2012 : 35 : 335–43

352. गीतांजली, वत्स एम, पॉल वी के, मेहता एम, श्रीनिवास एम – लॉस एण्ड ग्रीफ रेसपॉस एण्ड परसीव्ड नीड्स आफ पेरेन्ट्स विद दि एक्सपीरियेंस आफ हैविंग देयर न्यूबोर्न एट नियोनेटल केयर यूनिट्स इन्ट जे न्यूर्स एड 2012: 4 : 111–16 (नॉट इन पबमेड – फ्रॉम जरनल वैबसाइट)

353. घराई एस, वेंकटेश पी, सिन्हा ए, गर्ग एस, घोष पी – आइसोलेटेड होमोनिमस हीमियानॉप्सिया ड्यू टू प्रीजम्पटिव सेरेब्रल ट्यूबरकुलर एबेसस एज दि इनीशियल मेनीफेस्टेशन आफ ह्यूमैन इम्यूनोडेफिसियेंसी वायरस इनफैक्शन इन्डियन जे आफथेल्मॉल 2012 : 60 : 321–4

354. गार्डे पी, अग्रवाल वी, चौहान एस, होते एम, स्पॉन्टेनियस इकोकार्डियोग्राफिक कॉन्ट्रास्ट इन एन आब्सट्रक्टेड कोरोनरी साइनस बिकॉज आफ ए परफोरेटेड मैम्ब्रेन। जे कार्डियोथोरेस वैस्क एनेस्थ 2012:26:1074–6

355. गार्डे पी, अग्रवाल बी, चौहान एस, देवागौडा वी, – लैट्रोजेनिक एक्यूट एओरटिक डिसेक्शन ड्यूरिंग कार्डियोप्लेजिक कैनुला इन्सरशन डिटेक्टेड बाई ट्रान्सईसोफिजियल इकोकार्डियोग्राफी जे कार्डियोथोरेक वैस्कु एनेस्थ 2012 : 26 : ई3–5

356. घातक एस, रे एस, सोनार पी के, दास एस, बासू के, मिर्धा ए आर, एट ऑल – जायन्ट्स म्यूसिनस सिस्टिक नियोप्लाज्म आफ पेंक्रीयाज एण्ड लिवर विद अनयूजुअल एडीपोज टिश्यू कम्पोनेंट : ए केस रिपोर्ट जे गेस्ट्रोइंटेस्ट ऑकॉल 2012:3: 353–7

357. घोष आई, रामम एम, गुप्ता एस, सिंह एम के, जुल्का एम के, शर्मा पी, एट ऑल – पोजीशन ओमिशन टोमोग्राफी फॉर स्टेजिंग एण्ड रेस्पॉस एसेसमेंट आफ माइकोसिस फंगोइड्स इन ए चाइल्ड । इन्डियल जे डर्मेटॉल 2013–58 : 147–8

358. घोष एम, शर्मा एस, शास्त्री एस, अरोरा एस, शुक्ला आर, गुप्ता एन एट ऑल – नूरी डिसीज – फर्स्ट म्यूटेशन रिपोर्ट एण्ड प्रीनेटल डायग्नोसिस इन एन इन्डियन फेमिली – इन्डियन जे पीडियाट्र 2012:79: 1529–31

359. घोष एस, ओ'हरे एफ, लेमोरेक्स एफ, वाजपेई आर बी, क्राउस्टन जे जी – प्रीवैलेंस आफ साइंस एण्ड सिम्पटम्स आफ आकुलर सर्फेस डिसीज इन इन्डीविजुअल ट्रीटेड एण्ड नॉट ट्रीटेड विद ग्लूकॉमा मेडीकेशन । क्लिन एक्सपेरीमेंट आपथेल्मॉल 2012: 40:675–81

360. गिल के, मोहन्ती बी के, सिंह ए के, मिश्रा बी, डे एस – दि ओवर एक्सप्रेशन आफ कैथेलिसिडिन पेप्टाइड एल एल 37 – इन हैड एण्ड नेक स्क्वेमस सेल कारसीनोमा दि पेप्टाइड मार्कर फॉर दि प्रोग्नोसिस आफ कैन्सर : कैन्सर बायोमार्क – 2011–2012 : 10 (3–4) 125–34

361. गिल के, सिंह ए के, कपूर वी, निगम एल, कुमार आर, हॉला पी एट ऑल – डेवलपमेंट आफ पेप्टाइड इनहिबिटर एज ए थिरेप्यूटिक एजेन्ट अगेंस्ट हैड एण्ड नैक स्क्वायमस सेल कारसीनोमा (एच एन एस सी सी) टारगेटिंग पी38अल्पना मैप काइनेज – बायोकिम बायोफिस एक्टा 2013:1830: 2763–9

362. गोयल पी, भटनागर वी, जैन वी, वर्मा ए, ब्रेटा एम, सिंह एम के, लोकली इनवेसिव पल्मोनरी इनफ्लेमेटरी मायोफाइब्रोब्लास्ट ट्यूमर्स इन चिल्ड्रन जे इन्डियन एसोक पीडियाट्र सर्ज 2012:17:135–7

363. गोगिया ए, पठानिया एस, दास पी, गुप्ता वाई के, बख्शी एस – मैथोट्रेक्जेट इन्ड्यूस्ड टॉक्सिक एपीडर्मल नेक्रोलाइसिस इन ए चाइल्ड । इन्डियन जे डर्मेटॉल 2013 : 58: 161

364. गोगिया ए, सेहरावत एस के, कुमार आर, सरकार सी, बख्शी एस – सिस्टेमिक मास्टोसाइटोसिस एसोसिएटेड विद चाइल्डहुड एक्यूट मॉयलॉयड ल्यूकीमिया – जे पीडियाट्र ओंकॉल 2013:163–4

365. गोगिया ए, शर्मा ए, रैना वी, गुप्ता आर – प्रियेपिज्म एज एन इनीशियल प्रेजेन्टेशन आफ क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकीमिया – ल्यूक लिम्फोमा 2012:53:1638–9

366. गोगिया ए, शर्मा ए, रैना वी, कुमार एल, विष्णुबाथला एस, गुप्ता आर, एट ऑल – एसेसमेंट आफ 285 केसेज आफ क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकीमिया सीन एट सिंगल लार्ज टर्शरी सेन्टर इन नार्दन इन्डिया ल्यूक लिम्फोमा 2012:53 :1961– 5

367. गोगिया वी, चौधरी पी, अहमद ए, खुराना डी, मिश्रा एस, भटनागर एस –इन्ट्राथिकल मारफीन पम्प फॉर न्यूरोपैथिक कैन्सर पेन। ए केस रिपोर्ट एम जे हॉस्प पैलियट केयर 2012:29:409–11

368. गोल्ड आर, कैपस एल, आरनाल्ड डी एल, बार–ओर ए, जियोवैन्नानी जी, सेलमैज के, एट ऑल – डिफाइन स्टडी इनवेस्टीगेटर्स प्लेसीबो कन्ट्रोल्ड पेज 2 स्टडी आफ ओरल बी जी–12 फार रिलेप्सिंग स्क्लेरोसिस एन इंग्ले जे मैड 2012 : 367(12) 1098–107 एरेटम एन इंग्ले जे मैड 2012 : 367(24) 2362

369. गोपीशंकर एन, विवेकानन्दन एस, रथ जी के, लेबरराज एम ए, सेन्थलीकुमारन एस, काले एस एस, एट ऑल इन्डीजीनसली डेवलप्ड मल्टीपरपज एक्राइलिक हैड फेन्टम फॉर वैरीफिकेशन आफ आई एम आर टी यूजिंग फिल्म एण्ड जैल डोजीमेट्री जे एपल क्लिन मैड फिज 2013: 14 : 4051

370. गोस्वामी आर, शर्मा आर, श्रीनिवास वी, गुप्ता एन, गनपथी ए, दॉस एस – प्रीवैलेंस एण्ड प्रोगेशन आफ बेसल गैंग्लिया कैल्सीफिकेशन मिकेनिज्म इन पेशेन्ट्स हाइपोपैराथायरोडिज्म । क्लिन एन्डोक्राइनॉल (आक्सफ) 2012: 77:200–6

371. गोस्वामी आर, सिंह ए, गुप्ता एन इन्डियन जीनोम वैरियेशन कन्सोर्टियम, रानी आर, प्रजेन्स आफ स्ट्रॉग एसोसिएशन आफ मेजर हिस्टोकॉम्पेक्टोबिलिटी कॉम्पलेक्स (एम एच सी) क्लास 1 एलीटेल एच एल ए 2601 विद आइडियोपैथिक हाइपोपैराथायरोडिज्म जे क्लिन एन्डोक्राइनॉल मेटाब 2012 : 97 : ई 1820–4

372. गोस्वामी आर, वत्स एम, श्रीनिवास वी, सिंह यू, गुप्ता एन, लक्ष्मी आर एट ऑल स्केलिटल मसल स्ट्रेन्थ इन यंग एशियन इन्डियन फीमेल आफटर विटामिन डी एण्ड कैल्सियम सप्लीमेंटेशन – ए डबल ब्लाइंड रेन्डेमाइज्ड कन्ट्रोल्ड क्लीनिकल ट्रायल – जे क्लिन एन्डोक्रायॅनॉल मेटाब 2012 : 97: 4709–16

373. गोयल ए, गुप्ता आर, मौहम्मद एस, देव एस, मिश्रा एस, भटनागर एस. – पैलेटिव एण्ड एन्ड आफ लाइफ केयर इश्यूज आफ कारसीनोमा थायरॉयड पेशेंन्ट। इन्डियन जे पैलेट केयल 2012:18: 134–7

374. गोयल ए, शर्मा आर, भल्ला ए एस, गामनगाटी एस, सेठ ए – अय्यर वी के – एट ऑल डिफ्यूजन वेटेड एमआरआई इन रीनल सेल कारसीनोमा – ए सेरोगेट मार्कर फॉर प्रिडिक्टिंग न्यूक्लीयर ग्रेड एण्ड हिस्टोलॉजिकल सब टाइप – एक्टा रेडियोल 2012:**53** : 349–58

375. गोंयल ए, शर्मा आर, भल्ला ए एस, गामनगाटी एस, सेठ ए – अय्यर वी के – एट ऑल डिफ्यूजन वेटेड एमआरआई इन इनफ्लेमेट्री रीनल लीजंस – ऑल देट ग्लिटर्स इज नॉट आर सी सी फॉर रेडियॉल 2013 23 272 9

376. ल ए, शर्मा आर, भल्ला ए एस, गामनगाटी एस, सेठ ए – अय्यर वी के – एट ऑल डिफ्यूजन वेटेड एमआरआई इन एसेसमेंट आफ रीनल डिसफँक्शन इन्डियन जे रेडियॉल इमेजिंग 2012:21:155– 9

377. गोयल के, फिलिप एफ ए, रथ जी पी, महाजन सी, सुजाथा एम, भारती एस जे – एट ऑल – ए सिस्टोल ड्यूरिंग फोसा सर्जरी – रिपोर्ट आफ टू केसेज – एशियन जे न्यूरोसर्ज – 2012:7:87–9

378. गोयल एम, सिंह एन, कुमार एस, रॉय के, सक्सेसफुल आउटकम इन ए रेयर केस आफ प्रेगनेंसी विद हाइपरकोलेस्ट्रोलीमिया एण्ड डायलेटेड कार्डियोमॉयोपैथी । जे औब्जस्टेट गाइनोकॉल रेस 2012

379. गोयल एन, बोरकर एस ए, अग्रवाल डी, महापात्रा ए के, पिट्यूटरी एडीनोमा प्रेजेन्टिंग विद सेरेब्रोस्पाइनल फ्ल्यूड रीम्होरिया एज दि सोल सिम्पटम – न्यूरॉल इन्डिया 2012:60:307–8

380. गोयल के, काबरा ए, सिंह पी के, शर्मा एम सी, चन्द्रा पी एस, महापात्रा ए के एल ऑल – इन्ट्राक्रेनियल टेरेटोमॉस इन चिल्ड्रन ए क्लीनिकोपैथोलॉजिकल स्टडी चाइल्ड नर्व सिस्ट 2.13 – 29 (11) 2.15–42

381. गोयल एन, सिंह पी के, काबरा ए, शर्मा एम सी, महापात्रा ए के – मैच्योर ट्रियेटोमा इन एसोसिएशन विद न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट ऑकोपाइटल एनसेफलोसेल सीरीज आफ फोर केसेज एण्ड रिव्यू आफ दि लिटरेचर पीडियाट्र न्यूरोसर्ज 2012;48:67–72

382. गोयल पी, अग्रवाल एम, बिहारी एम – ए स्टडी टू एसेस दि नॉलिज आफ पेशेन्ट्स रिगार्डिंग पार्किसन्स डिसीज एण्ड एडहेरेंस मेडीकेशन इयूरो जे न्यूरॉल – 2012 सेप्टेम्बर – अक्टूबर

383. गोयल आर, कुमार ए, पाण्डा एस के, पॉल एस बी, आचार्या एस के, रिहेविरन थिरेपी फॉर हिपेटाइटिस ई– वायरस इन्ड्यूस्ड एक्यूट आन क्रोनिक लिवर फेलियर ए प्रीलिमिनरी रिपोर्ट – एन्टीवायर थेर 2012;17:1091–6

384. गोयल एस, बलहारा वाई पी, खण्डेलवाल एस के, रीविजिटिंग क्लासीफिकेशन आफ इटिंग डिसआर्डर टुवर्ड्स डायगनोस्टिक एण्ड स्टेटिस्टिकल मैथेड आफ मेन्टल डिसआर्डर 5 एण्ड इनटरनेशनल स्टेटिस्टिकल क्लासीफिकेशन आफ डिसीसेज एण्ड रिलेटेड हैल्थ प्राब्लम्स ।। इन्डियन जे साइकॉल मैड 2012;34(3):290–6

385. गोयल टी, नाग एच एल, त्रिपाठी एस के जाइन्ट सब डेल्टॉयड ट्यूबरकुलर बरसाइटस – ए केस रिपोर्ट आर्थोप सर्ज 2012;4:269–72

386. ग्राहम एस एम, अहमद टी, अमानुल्लाह एफ, ब्राउनिंग आर, कार्डेनास वी, कासंघी एम एट ऑल – इवेल्यूशन आफ ट्यूबरकुलोसिस डायग्नोस्टिक्स इन चिल्ड्रन – प्रपोज्ड क्लीनिकल केस डेफीनीशन्स फॉर क्लासीफिकेशन आफ इन्ट्रोथोरेसिक ट्यूबरकुलोसिस डिसीज – कॉन्सेंसस फ्रॉम एन एक्सपर्ट पैनल – जे इनफैक्ट डिस 2012 205 (सप्ली 2) एस 199–208

387. ग्रेवाल ई, करनारा एस, कच्छावा जी, अमिनी ए सी, कृपलानी ए, अग्रवाल एन – एट ऑल – प्रिडिक्शन आफ गेस्टेशनल डायाबेटिस मैलाइटिस एट 24 टू 28 वीक्स आफ गेस्टेशन बाई यूजिंग फर्स्ट ट्रिमेसटर इनसुलिन सेंस्टीविटी इन्डायइसेज इन एशियन इन्डियन सबजेक्ट मेटाबौलिज्म 2012;61:715–20.

388. ग्रेवाल ई, खड़गावत आर, गुप्ता एन, देसाई ए, टंडन एन. असेसमेंट ऑफ आयोडिन नूट्रिशन एन प्रेग्नेंट नॉर्थ इंडियन सब्जेक्ट्स इन थ्री त्रिमेस्टर्स इण्डियन जे एंडोक्रिनोल मेटब 2013;17:289 –508 इरेटम इन इंडियन जे एन्डोरिनोल मेटब 2013;17:508.

389. ग्रोवर एस, अवस्थी ए, कलिता के, दलाल पी के, राव जी पी, चड्डा आर के. एट ऑल. आई.पी.एस. मल्टीसेंट्रिक स्टडीः एंटीडेप्रेसेंट प्रिस्क्रिप्शन पैटर्न्स. इंडियन जे साइकेट्री 2013;55 (1):41–5

390. ग्रोवर एस, अवस्थी ए, कलिता के, दलाल पी के, राव जी पी, चड्डा आर के एट ऑल. आई.पी.एस. मल्टीसेंट्रिक स्टडीः फंक्शनल सोमेटिस सिम्प्टमस इन डिप्रेशन. इंडियन जे साइकेट्री 2013;55(1)31–4

391. गु वाई, कुमार वी, हॉल लो, गोल्ड़गोफ डी बी, ली सीवाई, कॉर्न आर, एट ऑल. ऑटोमेटेड देलिनाशन ऑफ लंग टयूमर्स फ्रॉम सीटी इमेजेज यूजिंग ए सिंगल क्लिक एनसेम्बल सेगमेंटशन एप्रोच पैटर्न रेकोग्नित 2013;46:692–702

392. गुलाटी ए, सिन्हा ए, गुप्ता ए, कांतिकर एम, श्रीनिवास वी, शर्मा जे, एट ऑल. ट्रीटमेंट विद टैरोलिमुस एंड प्रेडनिसोलोन इज प्रेफेरबल टू इंट्रावेनस सिक्लोफॉस्फेमीडे एज द इनिशियल थेरेपी फॉर चिल्ड्रेन विद स्टेरॉयड– रेसिस्टेंट नेफ्रोटिस सिंड्रोम. किडनी ईनटी 2012;82:1130–5

393. गुलाटी जी एस, रॉय के के, शर्मा एस इमेजिंग एन कार्डियक ट्यूबरक्लोसिस. डायग्नोस्टिक इमेजिंग एशिया पैसेफिक विंटर 2012;10–15

394. गुलेरिया आर, कुमार जे. मैनेजमेंट ऑफ कम्युनिटी अक्वायर्ड निमोनिया. जे एसोसिएट फिजिएशनस इंडिया 2012;60(स्पली.):21–14

395. गुलेरिया आर, मदान के. पल्मोनरी कम्प्लिकेशन्स एन न्यूरोसर्जिकल पेशेंट्स. इंडियन जे न्यूरोसर्जन 2012; 1(2).

396. गुप्ता ए, भूटिया ओ, रोयचौधरी ए, ताकयासु’एस आर्टेरिटिसः ओरल कम्प्लिकेशन एंड डेंटल गाईडलाईंस. ओरल सर्जन ओरल पथोल ओरल रेडियल 2012.

397. गुप्ता ए, गोयल वी के, गुप्ता एन, माने आर, पाटिल मंजू नाथ सी ए रन्टोमीज़ेड कंट्रोल्ड ट्रायल टू इवैल्यूवेट द इफैक्ट ऑफ एडिशन ऑफ एपिडरल मैग्नीशियम सल्फैट ऑन द डयूरेशन ऑफ पोस्टपेरटिव एनलगेसिया इन पैशेंटस अण्डरगोईंग लोअर एब्डोमिनल सर्जरीस अण्डर एनिडरल अनेस्थेसिया. श्री लंकन जे अनेस्थेसिओल 2013;**21**:27–31

398. गुप्ता ए, गुप्ता एन, डिफेक्टिव वाई श्री लंकन जे अनेस्थेसिओल 2013;**21**:48

399. गुप्ता ए, शुक्ला जी, गोयल वी, श्रीवास्तव ए, बेहरी एम क्लीनिकल एंड पेलिसोमनोग्राफिक करैक्टरस्टिक्स इन 20 नार्थ इंडियन पेशेंट्स विद नारकोलेप्सीः ए सेवन ईयर एक्सपेरियन्स फरोम ए न्यूरोलॉजी सर्विस स्लीप क्लीनिक. न्यूरोलॉजी इंडिया 2012; **60**(1)75–8

400. गुप्ता ए के, मैनन वी, शर्मा पी, सैक्सेना आर, कुमारन एस. ए सफेनोइड सीनस मुकसेले सिम्युलेटिंग एज रेटरो बुलबेर ओपटीक न्युरैटिस. इंडियन जे ओफ़्थलमोल 2012;**60**:216–8

401. गुप्ता बी, अग्रवाल पी, सोनी के डी, डी'सूजा एन, फारूख के. एन अनयुजअल डिफरेंशियल फॉर ए प्लसलैस ट्रॉमा पेशेंट. जे इमरजें. ट्रॉमा शॉक 2012; **5**(1):95–6

402. गुप्ता बी, महापात्रा एस सी, माखिजा आर, कुमार ए, जीरानकालीगीकर एन एम, पाधी एम एम, एट ऑल. फिजियोलॉजिकल एंड बायोकैमिकल चैंजिस विद वामना प्रोसिजर. आयु. 2012;**33**:348–55

403. गुप्ता बी, सिन्हा सी, कुमार ए, डे सी, रामचंदानी एस, कुमार एस, एट ऑल. पेरिओपेरटिव मैनेजमेंट ऑफ लरिन्गो–ट्रेक्यिोब्रोचिअल इंजरीः अवर एक्सपीरियंस इन ए लेवल 1 ट्रॉमा सेन्टर ईयूर जे ट्रॉमा इमरजेंसी सर्जरी 2012.

404. गुप्ता डी, अग्रवाल आर, अग्रवाल ए एन, सिंह एन, मिश्रा एन, खिलनानी जी सी, एट ऑल. निमोनिया गाइडलाइन्स वर्किंग ग्रुप. गाइडलाइन्स फॉर डायग्नोसिस एंड मैनेजमेंट ऑफ कम्युनिटी–एंड हॉस्पिटल–अक्वायर्ड इन एडल्ट्सः जॉइंट आईसीएस/एनसीसीपी (I) रेकमेंडेशन्स. लंग इंडिया (स्पली 2);**एस27**–62

405. गुप्ता डी, साहू एस एस, महापात्रा ए के. सर्विकल स्पाइन इंजरी विद बिलेटरल फेसट डिस्लोकेशन, सर्जिकल ट्रीटमेंट और आउटकम एनालाइसिस : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी ऑफ 19 केसिस। *इण्डिया न्यूरोट्रोमा* 2012;**9**:40–44).

406. गुप्ता के के, कुंदन ए, मिश्रा पी के, श्रीवास्तव पी, मोहंती एस. पोलीकैप्रोलेक्टोन कॉम्पोसाइटेस विद टीआईओ2 फॉर पोटेंशियल नेनोबिओमेटेरियल्स : टुनेबल प्रोपर्टिज़ यूजिंग डिफरेंट फेसिस। *फिजिक्स केमेस्ट्री केमिकल फिजिक्स* 2012;**14**:12844–53).

407. गुप्ता एल, गुप्ता एस डी, भटनागर वी. एक्ट्राफेपेटिक बिलियरी एट्रेसिया : कॉरिलेशन ऑफ हिस्टोपैथोलॉजी एण्ड लिवर फंक्शंस टेस्टस विद सर्जिकल आउटकमस। *जे इण्डियन एसोक पीडियाट्र सर्ज* 2012;**17**:147–52).

408. गुप्ता एम, श्रीवास्तव डी एन, सेट ए, शर्मा एस, थुलकर एस, गुप्ता आर. क्लिनिकल इम्पैक्ट ऑफ मल्टीडिटेक्टर रो कंप्यूटिड टोमोग्राफी बिफोर ब्रोंकियल आर्टरी एम्बोलाइजेशन इन पेशेंट्स विद हेमोप्टीसिस : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी। *कैन एसोक रेडियोल जे* 2013;**64**:61–73).

409. गुप्ता एन, घोष एम, शुक्ला आर, दास जी पी, काबरा एम. ब्रैकीटेलेफेलेंजिक कोंड्रोडिस्प्लासिया पुंक्टाटा : ए केस सिरिज़ टू फरदर डिलीनीट द फेनोटाइप। *क्लिन डिस्मोर्फोल* 2012;**21**:113–7).

410. गुप्ता एन, काबरा एम, हेबेरले जे. म्युटेशन एनालाइसिस ऑफ इण्डियन पेशेंट्स विद यूरिया साइकल डिफैक्ट्स। *इण्डियन पीडियाट्र* / 2012;**49**:585–6).

411. गुप्ता एन, रथ जी पी, बाला आर, रेड्डी बी के, चतुर्वेदी ए, एनेस्थेटिक मैनेजमेंट इन चिल्ड्रन विद् हुर्लर सिंड्रोम अंडरगोइंग इमर्जेंसी वेंट्रीकुलोपेरिटोनियम शांट सर्जरी। साउदी जे एनास्थ 2012; 6 (2) : 178–80).

412. गुप्ता एन, शर्मा एस, सेठ टी, मिश्रा पी, महापात्रा एम, कुमार एस, एट अल. रिटुक्सीमब इन स्टेरायड रिफ्रेक्टरी ऑटोइम्युन हिमेलयटिक एनिमिया। इंडियन जे पीडियट्र 2012; 79: 803–5).

413. गुप्ता एन, टंडन आर. सोसियोडेमोग्राफिक फीचर्स एण्ड रिस्क फैक्टर प्रोफाइल ऑफ केराटोमलेसिया इन अर्ली इंफेंसी। *कोर्निया* 2012;**31**:864–6).

414. गुप्ता एन पी, मिश्रा एस, मिश्रा ए, सेठ ए, आनंद ए। आउटकम ऑफ रिपीट सुपराट्रीगोनाल ऑब्सिटी वेसिकोवेजिनल फिस्टुला रिपेयर आफ्टर प्रीवियस फैल्ड रिपेयर। यूरोल इंट 2012;88:259–62).

415. गुप्ता पी, भल्ला ए, शर्मा आर. बिलेटरल एड्रेनल लैशंस। जे मेड इमेजिंग रेडिएट ओंकोल 2012;56:636–45).

416. गुप्ता पी, भल्ला ए एस, कार्तिकेयेन वी, भुटिया ओ। टू रेयर केसिस ऑफ क्रैनिओफेशियल कोंड्रोसर्कोमा। वर्ल्ड जे रेडियोल 2012; 4: 283–5).

417. गुप्ता पी, गामनगट्टी एस. प्रीओपरेटिव ट्रांसएर्टियल एम्बोलिसेशन इन बोन ट्यूमर्स। वर्ल्ड जे रेडियोल 2012;**4**:186–92).

418. गुप्ता पी, गुलाटी जी एस, गुलेरिया एम. कोंट्रास्ट इंजेक्टिड, स्कैन ट्रीगगेरेड, बट व्हेयर हैज़ कोंट्रास्ट गोन? *इण्डियन जे रेडियोल इमेजिंग* 2012;**22**:186–7).

419. गुप्ता पी, गुलाटी जी एस, कोठारी एस एस. कावासाकी डिजीज : ए रेयर केस ऑफ डिफ्यूज़ कोरोनरी इंवोल्वमेंट। *पीडियाट्र कार्डियोल* 2012;**33**:1218–9).

420. गुप्ता पी, गुप्ता वी, गुप्ता वाय के. फेज 1 क्लिनिकल ट्रायल्स ऑफ एंटीकैंसर ड्रग्स इन हैल्थी वोलंटीयर्स : नीड फॉर क्रिटिकल कॉंसिडरेशन। इण्डियन जे फार्माकोल 2012; 44; 540–2).
421. गुप्ता पी, जगया एन, प्रभु एस बी, दुर्गापाल एच, आचार्य एस के, पांडा एस के. इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री फॉर द डायग्नोसिस ऑफ हिपेटाइटिस ई वायरस इंफेक्शन। जे वायरल इंफैक्शन। जे वायरल हिपेट 2012;**19:ई**177–83).
422. गुप्ता पी, कुमार ए, गामनगट्टी एस. मैकेनिज्म एण्ड पैटर्नस ऑफ सर्विकल स्पाइन फ्रैक्चर्स – डिस्लोकेशंस इन वर्टेब्रल आर्टरी इंजरी। *जे क्रेनिओवेरटबर जंक्शन स्पाइन* 2012;**3**:11–15).
423. गुप्ता पी, कुमार ए, कुमार ए, गोयल एस. कॉन्जिनिटल स्पाइनल कोर्ड एनोमेलाइस : ए पिक्टोरियल रिव्यू। *क्यूर प्रोबल डायग्न रेडियोल* 2013;**42**:57–66).
424. गुप्ता पी, मेहला जे, गुप्ता वाय के. एंटीओबेसिटी इफैक्ट आफ साफूफ मोहाज्जील, ए पोलीहरबल फॉर्मुलेशन, इन कैफेटेरिया डाइट इंड्यूस्ड ओबेसिटी इन रैट्स। इण्डियन जे एक्सप बायोल 2012; 50: 776–84).
425. गुप्ता आर, अग्रवाल ए, मिश्रा ए, गुप्ता एस, विक्रम एन के. मेटाबोलिक कार्डियोवेस्कुलर रिस्क फैक्टर्स वर्सन कोंटिन्यूसली एक्रोस द स्पेक्ट्रम ऑफ बॉडी मास इंडेक्स इन एशियन इण्डियंस। *इण्डियन हार्ट जे* 2012;**64**:236–44).
426. गुप्ता आर, बलहारा वाय पी, सागर आर. एक्यूट सायकोसिस विद ए फेवोरेबल आउटकम एज़ ए कॉम्प्लीकेशन ऑफ सेंट्रल पोंटिन / एक्स्ट्रापोंटिन मयेलिनोलाइसिस इन ए मीडल एज्ड मैन। जे मीडलाइफ हैल्थ 2012; 3 (2) : 103–5).
427. गुप्ता आर, गुप्ता आर, अग्रवाल ए, मिश्रा ए, गुप्ता एस, पांडे आर एम, एट अल. माइग्रेटिंग हसबैंड्स एंड चेंजिंग कार्डियावेस्कुल रिस्क फैक्टर्स इन द वाइफ : ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी इन एशियन वॉमैन। जे एपिडेमियोल कम्युनिटी हेल्थ 2012 (66: 881–9).
428. गुप्ता आर, मखारिया जी, खड़गावत आर, यादव आर के. एवेलुएशन ऑफ लेक्टोज़ एण्ड मिल्क इंटोलेरेंस, एण्ड बोन मिनरल डेंसिटी इन इण्डियन पेशेंट्स विद इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज। *नेटल मेड जे इण्डिया* 2012;**25**:327–31).
429. गुप्ता आर, मिर्धा बी आर, गुलेरिया आर, कुमार एल, लुथरा के, अग्रवाल एस के, एट अल। जेनेटिक कैरेक्टराइजेशन ऑफ यू सी एस रिजन ऑफ न्यूमोसायटिस जीरोवेसी एण्ड कोंस्ट्रक्शन ऑफ एलैलिक प्रोफाइल ऑफ इण्डियन आईसोलेट बेस्ड ओन सिक्वेंस टाइपिंग एट थ्री रिजंस। *इफैक्ट जेनेट एवोल* 2013;**13**:180–6).
430. गुप्ता आर, पांडे आर एम, मिश्रा ए, अग्रवाल ए, मिश्रा पी, डे एस, एट अल. हाई प्रीवलेंस एंड लो एवेरनेस ट्रीटमेंट एंड कंट्रोल ऑफ हायपरटेंशन इन एशियन इंडियन वॉमैन। जे ह्यू हायपरटेंस 2012; 26: 585–93).
431. गुप्ता आर, शर्मा ए, गुप्ता आर, अग्रवाल एस के, डिंडा ए के. मोर्फोमेट्री ऑफ नॉन – इंफ्लेमेटरी अर्टेरिओलर चेंजिस इन ल्यूपस नेफ्रीटिस : ए स्टडी ऑफ 40 केसिस। *साउदी जे किडनी डिस ट्रांसप्ल* 2012;**23**:1196–201).
432. गुप्ता आर, शर्मा ए, महांता पी जे, अग्रवाल एस के, डिंडा ए के. फोकल एण्ड सिग्मेंटल ग्लोमेरुल ओस्क्लेरोसिस इन रीनल एलोग्राफ्ट रिसिपींटस : ए क्लिनिको – पैथोलॉजिक स्टडी ऑफ 37 केसिस। साउदी जे किडनी डिस ट्रांसप्ल 2013 (24:8–14).
433. गुप्ता आर, शर्मा ए, महंता पी जे, अग्रवाल एस के, डिंडा ए के. प्लाज्मा सैल – रिच एक्यूट रिजेक्शन ऑफ द रीनल एलोग्राफ्ट : ए डिस्टिंक्टिव मोर्फोलॉजिक फोरम ऑफ एक्यूट रिजेक्शन? इण्डियन जे नेफरोल 2012 (**22**:184–8).
434. गुप्ता आर के, बैनर्जी ए, पाठक एस, शर्मा सी, सिंह एन. इंडक्शन ऑफ मिटोकोंड्रियल – मीडिएटिड एपोप्टोसिस बाय मोरिंडा सिट्रीफोलिया (नोनी) इन ह्यूमन सर्विकल कैंसर सैल्स। एशियन पैक जे कैंसर प्रेव 2013 (**14**:237–42).
435. गुप्ता एस, अहमद एफ, लोधा आर, गुप्ता वाय के, काबरा एस के. कॉम्पेरिजन ऑफ इफैक्ट्स ऑफ 3 एण्ड 7 प्रतिशत हाइपरटोनिक सेलिन नेबुलाइजेशन ओन लंग फंक्शन इन चिल्ड्रन विद सिस्टिक फिब्रोसिस : ए डबल ब्लाइंड रेण्डोमाइज्ड, कंट्रोल्ड ट्रायल। जे ट्रोप पीडियाट्र 2012 (**58**:375–81.
436. गुप्ता एस, शर्मा जे बी, हरि एस, कुमार एस, रॉय के के, सिंह एन. स्टडी ऑफ डायनमिक मैग्नेटिक रिसांस इमेजिंग इन डायग्नोसिस ऑफ पेल्विक ऑर्गन प्रोलेप्स। अर्च गायनेकोल आब्स्टेट 2012 (**286**:953–8).
437. गुप्ता एस, सम टी, अयर एल, अग्रवाल आर. ट्रांसफ्यूज़न रिलेटिड एक्यूट लंग इंजरी इन ए नियोनेट। *इण्डियन जे पीडियाट्र* 2012;**79**:1363–5).
438. गुप्ता एस. इंसाइट ओन मेडिकोलिगल। इण्डियन जे क्लिन प्रैक्ट 2012; (1):404
439. गुप्ता एस. मेडीलॉव, इनेविटेबल मेडिकल एक्सिडेंट इन हैल्थ केयर डिलीवरी। इण्डियन जे क्लिन प्रैक्ट 2012 ((7):112).
440. गुप्ता एस. परफोर्मेंस ऑफ द जर्नल ऑफ क्युटेनियस एण्ड एइस्थेटिक सर्जरी इन द पास्ट 1 इयर। जे कुटेन एइस्थेट सर्ज 2012 (5: 73).

441. गुप्ता एस के, गुलाटी जी एस, जुनेजा आर, देवागुरू वी. टोटल एनोमेलस पल्मोनरी वेनस कनेक्शन विद डिसेंडिंग वर्टिकल वेन : अनयूजवल ड्रेनेज टू एजीगोस वेन। *एन्न पीडियाट्र कार्डियोल* 2012 (**5**:188–90).

442. गुप्ता एस के, कोठारी एस एस. प्रीवलेंस ऑफ कोंजिनिटल हार्ट डिजीज। *इण्डियन जे पीडियाट्र* 2013;**80**:337–9).

443. गुप्ता एस के, रामाकृष्णन एस. धोशी एस. कोर ट्रीएट्रीएटम : अन एनुवल कौज़ ऑफ इलेवेटिड पल्मोनरी कैपिलरी वेडज़ प्रेशर इन ए चाइल्ड विद टेट्रेलॉजी ऑफ फैलोट। *कैथेटर कार्डियोवेस्क इंटर.* 2013 (**82:ई**507–10).

444. गुप्ता एस के, रामाकृष्णन एस, कोठारी एस एस. डि नोवो फेनेस्ट्रेशन ऑफ एक्स्ट्रा – कार्डियक फोंटेन कोर्टेक्स कोंडयूइट एसिस्टेट बाय आईनोनई बैलोन। *कैथेटर कार्डियोवेस्क इंटर.* 2013 (**82 : ई**893–7).

445. गुप्ता एस के, सक्सेना ए, अनिल ओ एम, बिसोई ए के. थ्रोमबस इन राइट वेंट्रिकुलर आउटफ्लो ट्रक्टः यूनिक एक्यूज ऑफ रिफ्रेक्टरी कायनोकि स्पेल। कंजेनाइटल हार्ट डिस 2012 (7: ई56–8).

446. गुप्ता एस के, सक्सेना ए, रामाकृष्णन एस, जुनेजा आर, देवगुरू वी. कम्प्लेट ट्रांसपॉजिशन ऑफ ग्रेट अर्टेरिज विद कोर ट्रीएट्रीएटम : एन अंयूजवल कोइक्सिस्टेंस। *पीडियाट्र कार्डियोल* 2012 (33:1190–5).

447. गुप्ता एस के, सक्सेना ए. कोर ट्रीएट्रीएटम सिनिस्टर विद न आर्टियल सेप्टल डिफेक्ट : अन यूजवल कौज ऑफ लूटेम्बैकहर फिजियोलॉजी। *पीडियाट्र कार्डियोल* 2013 (**34**:1050–1).

448. गुप्ता एस के, सिंग्ला एस, बाल सी. रेनाल एण्ड हेमेटोलॉजिकल टोक्सिसिटी इन पेशेंट्स ऑफ ट्यूमर्स आफ्टर पेप्टाइड रिसेप्टर रेडिओन्यूक्लाइड थेरेपी विद 177एलयू–डीओटीएटीएटीई। कैंसर बायोथर रेडियोफार्म 2012 (27 (9) : 593–9).

449. गुप्ता एस के, सिंग्ला एस, ठकराल पी, बाल सी एस. डोसिमेट्रिक ऑफ किडनीज़, लिवर, स्प्लीन, पिट्युटरी ग्लैण्ड, एण्ड न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर्स ऑफ पेशेंट्स ट्रीटीड विद 177 एल यू – डीओटीएटीएटीई। क्लिन न्यूक्ल. मेड 2013; 38 (3): 188. 94. एरटम इन : क्लिन न्यूक्ल. मेड 2013 (38 (7) : 588).

450. गुप्ता टी, शाह एन, माथुर वी पी, धवन ए. ओरल हेल्थ स्टेट्स ऑफ ए ग्रूप ऑफ इलिसिट ड्रग यूजर्स इन देहली इंडिया। कम्युनिटी डेंट हेल्थ 2012 (29 (1) : 49–54).

451. गुप्ता वी, छाबड़ा ए, योगी आर, सिहोता आर, सिंह डी, प्रीवलेंस एण्ड कौस ऑफ पेशेंट ड्रॉपआउट आफ्टर ग्लूकॉमा सर्जरी। *ऑफ्थेलमिक एपिडेमियोल* 2013 (**20**:40–4).

452. गुप्ता वी, डावूड एफ एस, राय एस के, बरुर एस, विग आर, मिश्रा ए सी, एट अल। वेलिडिटी ऑफ क्लिनिकल केस डिफिनिशंस फॉर इंफ्ल्यूएंजा सर्विलेंस अमंग हॉस्पीटलाइज्ड पेशेंट्स : रिजल्टस फ्रोम ए रुरल कॉम्युनिटी इन नोर्थ इण्डिया। इंफ्ल्यूएंजा अदर रेस्पीर वायरर्सिस 2013 (**7**:321–9).

453. गुप्ता वी, खड़गवात आर, एन जी एच के, वालिया जी के, काला एल, राव वी आर, एट अल। एसोसिएशन ऑफ टीसीएफ7एल2 और एडीआईपीओक्यू विद बॉडी मास इंडेक्स, वेस्ट–हिप रेशो, एण्ड सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर इन अन एण्डोगेमस एथिंक ग्रुप ऑफ इण्डिया। जेनेट टेस्ट मोल बायोमार्कस 2012 (**16**:948–51).

454. गुप्ता वी, ओव एम, राव ए, शर्मा ए, सिहोता आर. लॉन्ग – टर्म स्ट्रेक्चरल एंड फंक्शनल आउटकम्स ऑफ थैरेपी इन जुवेनिल – ऑनसेट प्राइमरी ओपन – एंगल ग्लुकोमा : ए फाइव – ईयर फॉलो – अप। ऑफ्थेलमोलॉजिक 2012 (228: 19–25).

455. गुप्ता वी, सिक्का के, कुमार आर, डेका आर सी. इन्नर इयर इंफैक्शंस एज़ कौज़ ऑफ प्रीनेटल डीफनेस। इण्डियन जे ओटोल 2012 (**18**:193–5).

456. गुप्ता वाय, अम्मीनी ए सी. विटिलिगो, हाइपोथायरोडिज्म एण्ड कार्डियोमयोपैथी। इण्डियन जे एण्डोक्रायनोल मेटाब 2012 (**16**:463–5).

457. गुप्ता वाय, सिंह एस, अम्मीनी ए सी. डेवलपमेंट ऑफ ग्रेव्स डिजीज आफ्टर लोंग स्टेंडिंग हाइपोथायरोडिज्म ओन ट्रीटमेंट, विद एक्यूट टोक्सिसिटी टू थिओनेमाइडेस एण्ड लिथियम। बी एम जे केस रेप 2012:2012).

458. गुप्ता वाई के, पेशिन एस एस. डू हर्बल मेडिसिन्स हेव पोटेशियल फॉर मैनेजिंग स्नेक बाइट एंवेनोमेशन? टॉक्सीकॉल इंट 2012 (19: 89–99.

459. गुरजर एच के, जोशुआ एस पी, अग्रवाल डी, महापात्रा ए के. लार्ज पोंटिन ट्यूबरकुलर एब्सेस ट्रीटेड सर्जिकली। बी आर जे न्यूरोसर्ज 2013 (**27**:134–6).

460. गुरजर एच के, सरकारी ए, चंद्रा पी एस. सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ जाइंट मल्टीलेवल एनेयूरीस्मल बोन सिस्ट ऑफ सर्विकल स्पाइन इन ए 10 – इयर ओल्ड बॉय : केस रिपोर्ट विद रिव्यू ऑफ लिटरेचर। एविड स्पाइन केयर 2012 (3 (4) : 55–9).

461. गुरटू ए, राजन पी, सूद आर, कुमारी ए. ए स्टडी ऑफ एक्सेप्टेबिलिटी एण्ड फेसिबिलिटी ऑफ इंटेग्रेटिंग ह्यूनिटिस बेस्ड स्टडी मोड्यूल्स इन अंडरग्रेजुएट करिकुलम। इण्डियन जे मेड रेस 2013 (**137**:197–202).

462. हादी आर, मोहंती बी के, पथी एस, रथ जी के, शुक्ला एन के, देव एस वी, एट अल। गैस्ट्रिक कैंसर : ए रेट्रोस्पेक्टिव एनालाइसिस फ्रोम एम्स, न्यू देहली। 2012 (**1**:11–6).

463. हल्दर एस, संख्यान एन, शर्मा एन, बंसल ए, जैन वी, गुप्ता वी के, एट अल। डिटेक्शन ऑफ मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस जीआईसीबी या एचएसपीएक्स एंटीजंस या डीईवीआर डीएनए इम्पैक्ट्स द रैपिड डायग्नोसिस ऑफ ट्यूबरकुलोसिस मेनिंगिटिस इन चिल्ड्रन। पी एल ओ एस वन 2012 (**7** (9)

464. हल्दर एस, संख्यान एन, शर्मा एन, बंसल ए, जैन वी, गुप्ता वी के, एट अल। डिटेक्शन ऑफ मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस जीआईसीबी या एच एस पी एक्स एंटीजंस या डेव आर डी एन ए इम्पैक्टस द रैपिड डायग्नोसिस ऑफ ट्यूबरकुलोस मेनिंगिटिस इन चिल्ड्रन। पी एल ओ एस वन 2012 (**7: ई**44630).

465. हल्दर ए, जैन एम, चौधरी आई, कुमार जी, दास टी, गुप्ता वाय के. डार्क कलर्ड सिमेन इन नोनोबस्ट्रक्टिव एजूस्पर्मिया : ए रिपोर्ट ऑफ 4 केसिस। एण्डरोलोजिया 28 फरवरी 2013. डी ओ आई : 10.1111/और 12078

466. हल्दर ए, जैन एम, चौधरी आई, वर्मा बी. क्रोमोसोम 22क्यू11.2 माइक्रोडिलेशन इन मोनोजायगोटिक ट्वीन्स विद् डिसकोर्डेंट फेनोटाइप एंड डिलेशन साइज। मॉल कायटोजेनेट 2012 (5: 13).

467. हल्दर ए, जैन एम, चौधरी आई. रैपिड डिटेक्शन ऑफ क्रोमोसोम एक्स, वाय, 13, 18 और 21 एनेयूप्लोइडाइज़ बाय प्राइमड इन सितु लेबलिंग / सिंथेसिस (पीआरआईएनएस) टेक्निक। *इण्डियन जे हम जेनेट* 2013 (19: 14–17.

468. हल्दीपुर पी, भारती यू, गोविंदन एस, सरकार सी, आईयेंजर एस, ग्रीसेंस पी, एट अल। एक्सप्रेशन ऑफ सोनिक हेडगेहोग ड्यूरिंग सैल प्रोलाइफरेशन इन द ह्यूमन सेरेबैलम। स्टेम सेल डेव 2012 (**21**:1059–68).

469. हरि पी, बिस्वास बी, पाण्डे आर, कल्याणी एम, कुमार आर, बग्गा ए. अपडेटिड हाईट – एण्ड क्रिटिनिन–बेस्ड एक्येवेशन एण्ड इट्स वेलिडेशन फॉर एस्टीमेशन ऑफ ग्लोमेरुलर फिल्टरेशन रेट इन चिल्ड्रन फ्रोम डेवलपिंग कांट्रीज़। क्लिन एक्स. नेफ्रोल 2012 (**16**:697–705).

470. हरि पी, साहू जे, सिन्हा ए, पाण्डे आर एम, बाल सी एस, बग्गा ए. इफैक्ट ऑफ एनेलेप्रील ओन ग्लूमेरुलर फिल्टरेशन रेट एण्ड प्रोटीन्यूरिया इन चिल्ड्रन विद क्रोनिक किडनी डिजीज : ए रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। इण्डियन पीडियाट्र 2013 (**50**:923–8).

471. हरि पी, साहू जे, सिन्हा ए, पाण्डे आर एम, बाल सी एस ए. रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड ऑफ एनेलेपरी ओन डेसलिन इन ग्लोमेरुलर फिल्टरेशन रेट एण्ड प्रोटीन्यूरिया इन चिल्ड्रन विद क्रोनिक किडनी डिजीज। इण्डियन पीडियाट्र। 5 मार्च 2013).

472. हरिप्रसाद जी, कौर पी, श्रीनिवास ए, सिंह टी पी, कुमार एम. स्ट्रक्चरल एनालाइसिस ऑफ सेकेरेटरी फोस्फोलिपेस ए 2 फ्रोम क्लोनोरचिस सिनेसिस : थेरापियूटिक इम्प्लीकेशंस फॉर हेपेटिक फिब्रोसिस। जे मोल मोडल 2012 (18: 3139–45).

473. हरिप्रसाद जी, कुमार एम, रानी के, कौर पी, श्रीनिवासन ए. अमिनोग्लाइकोसाइड इंड्यूस्ड नेफ्रोटोक्सिसिटी : मोलिकुलर मॉडलिंग स्टडीज़ ऑफ कालरेटिकुलिन – जीनटेमिसिन कॉम्प्लैक्स। जे मोल मॉडल 2012 (18: 2645–52).

474. हरुन ए, त्रिपाठी एम, खानम आर, वोहोरा डी. एंटीइपिलेप्टिक ड्रग्स प्रीस्क्रिप्शन यूटिलिजेशन बिहेवियर एण्ड डायरेक्ट कोस्ट्स ऑफ ट्रीटमेंट इन ए नेशनल हॉस्पिटल ऑफ इण्डिया। अन्न इण्डियन एकैड न्यूरोल 2012 (15 (4) : 289–93).

475. हसन आर, चौहान एस एस, शर्मा आर, रल्हन आर. एस आई आन एन – मेडिएटिड डाउनरेगुलेशन ऑफ टी सी 21 सेंसिटिजेस एसोफेगिल कैंसर सैल्स टू सिस्प्लेटिन वर्ल्ड जे गैस्ट्रोएंटेरोल 2012 (**18**:4127–35).

476. हैरेरो एल जे, जखरी ए, गहन एम ई, नेल्सन एम ए, हेरिंग बी एल, हेपल ए जे, एट एल. डेंगू वायरस थेरापियूटिक इंटरवेंशन स्ट्रेटेजिस बेस्ड ओन वायरल, वेक्टर एण्ड होस्ट फैक्टर्स इंवोल्वड इन डिजीज पैथोजेनेसिस। फार्माकोल थर 2013 (137:266–82).

477. होइय ई टी, गणेश ए, नादर एस के, गुलाटी जी एस. एवेल्युएशन ऑफ द एओर्टिक रुट विद एम आर आई एण्ड एम डी सी टी एंजियोग्राफी : स्पेक्ट्रम ऑफ डिजीज फाइंडिंग्स। ए जे आर एएम जे रोइंटजिनोल 2012 (**199**:75–86).

478. होइए ई टी, गुलाटी जी एस, सिंह एस, वाटकिन आर डब्ल्यू, नाजिर एस, गणेश ए, एट अल। द रोल ऑफ मल्टीमोडेलिटी इमेजिंग फॉर सिनस ऑफ वल्सलवा एनेयूरिस्मस। इंट जे कार्डियोवेस इमेजिंग 2012 (**28**:1725–38).

479. होते एम, चौधरी एम, रघु एम जी, राजाशेखर पी, मलिक वी, आयरन बी. रोबोटिक ए एस डी क्लोजर : द इनिशियल एक्सपीरियंस। इण्डियन जे थोरैक कार्डियोवेस्क सर्ज 2012 (**28**:215–23.

480. होते एम पी, गर्ग एस, चौधरी एम, रघु एम जी. ओपन वर्टिकल वेन इन नॉन–ऑब्स्ट्रेटेड सुपरकार्डियक टीएपीवीसीः मेरिट्स एंड फैट। एशियन कार्डियोवेस्क थोरक एना 2012; 20: 114–9).

481. हुयन्ह टी जे, डेमचुक ए एम, दौलतशाही डी, ग्लैडस्टोन डी जे, क्रिस्चैक ओ, किस ए, एट अल. (प्रीडिक्ट / सुन्नीबुक आई सी एच सी टी ए स्टडी ग्रुप। स्पोट साइन नंबर इस द मोस्ट इम्पोर्टेंट स्पोट साइन कैरेक्टरस्टिक्सि फॉर प्रीडिक्टिंग

हेमेटोमा एक्पेंशन यूजिंग फर्स्ट – पास कंप्यूटिड टोमोग्राफी एंजियोग्राफी : एनालाइसिस फ्रोम द प्रीडिक्ट स्टडी। स्ट्रोक 2013 (44 (4) : 972–7).

482. इंक्लेन प्रोग्राम एवेलुएशन नेटवर्क इंटरनेशनल (आईपीईएन), लेहरिया सी, धवन जे, पाण्डे आर एम, चतुर्वेदी एस, देशमुख वी, दासगुप्ता आर, एट अल। इंटरडिस्ट्रिक्ट वेरिएशंस इन चाइल्ड हैल्थ स्टेटस एण्ड हैल्थ सर्विसिस यूटिलिजेशन : लैसंस फॉर हैल्थ सेक्टर प्रीओरिटी सेटिंग एण्ड प्लानिंग फ्रोम ए क्रॉस – सेक्शनल सर्वे इन रुरल इण्डिया। नेटल मेड जे इण्डिया 2012 (**25**:137–41).

483. इण्डिया डायबिटिज़ मेलिटस – – ट्यूबरकुलोसिस स्टडी ग्रुप। स्क्रीनिंग ऑफ पेशेंटस विद डायबिटीज़ मेलिटस फॉर ट्यूबरकुलोसिस इन इण्डिया। ट्रोप मेड इंट हैल्थ 2013 (**18**:646–54.

484. इण्डिया ट्यूबरकुलोसिस – डायबिटिज़ स्टडी ग्रुप। स्क्रीनिंग ऑफ पेशेंट्स विद ट्यूबरकुलोसिस फॉर डायबिटिज़ मेलिटस इन इण्डिया। ट्रोप मेड इंट हैल्थ 2013 (**18**:636–45).

485. आईपेन स्टडी ग्रुप मनुस्क्रीप्ट राइटिंग टीम : संजय चुतर्वेदी, नरेंद्रा के अरोड़ा, एम लक्ष्मण, आर एम पाण्डे, सेंट्रल कोर्डिनेटिंग टीम : कल्याण के गांगुली, किरण गोस्वामी, मौयूमिता बिश्वास, एस रीमा देवी, स्नेह रेवाल, एस विवेक अदिश, थोमस मैथ्यू। एक्सटेंडिड सेंट्रल कोर्डिनेटिंग टीम : बी मलिक अर्जुन, फरुख यू अहमद, संजय पी जोडपे, एस एल चंदा, आर एन बासु, गुलाटी एस, एट अल। इंजेक्शन प्रैक्टिसिस इन इण्डिया। साउथ ईस्ट एशिया जे पब्लिक हैल्थ। 2012 (1:189–200).

486. इरशाद एम, अंसारी एम ए, खुशबू आई, राघवेंद्र एल. ए नोवल सिंगल स्टेप मल्टीप्लेक्स रीयल टाइम पी सी आर एसे फॉर सिमुलटेनियस डिटेक्शन ऑफ हेपेटिटिस वायरसेस ए – ई इन सिरम। जे गेस्ट्रोएंटेरोल हेपेटोल 2013 (डीओआई : 10. 1111जेजीएच.12302).

487. इरशद एम, इकबाल ए, अंसारी एम ए, राघवेंद्रा एल. रिलेशन ऑफ इंसुलिन रिसिस्टेंस (आईआर) विद विरल इटियोलॉजी एण्ड ब्लड लेवल ऑफ सिटोकाइनेस इन पेशेंट्स विद लिवर डिजीज। ग्लोबल एडवांस्ड रेस जे मेड मेडिकल साइंस 2013 (2: 75–83.

488. जाधव जी, लोगनी ए, शाह एन. वेस्कुलेराइजेशन विद एण्ड विदाउट प्लेटलेट रिच प्लाज्मा (पी आर पी) इन नॉन विटल, इम्मेचुर, एंटीरियर टीथ – ए पायलट क्लिनिकल स्टडी। जे एण्डोड 2012 (38 (12): 1581–7).

489. जफर टी एच, अग्रवाल एस के. ए डिकैड आफ्टर द के डी ओ क्यू आई सी के डी गाइडलाइंस : ए पर्सपेक्टिव फ्रोम साउथ एशिया। ए एम जे किडनी डिस 2012 (**60**:731–33).

490. जगन्नाथन एन आर. दि बायोफिजिक्स रिसर्चः दि रोल ऑफ इंडियन बायोफिजिकल सोसायटी(आईबीएस) एंड दि एशियन बायोफिजिक्स एसोसिएशन (एबीए).जे बायोफिक सोस जेपीएन 2012; 52:76–8.

491. जैन के, श्रीनिवास वी, वेलपांडियन टी, कपिल यू, गर्ग पीके. रिस्क फैक्टर्स फॉर गाल ब्लैडर कैंसरः ए केस–कंट्रोल स्टडी. इंट जे कैंसर 2013; **132**:1660–6.

492. जैन एम, हल्दर ए. सरटोली सैल ऑनली सिंड्रोमः स्टेटस ऑफ सरटोली सैल मेचुरेशन एंड फंक्शन. इंडियन जे इंडिक्रोनोल मेटाब 2012; 16 (सप्ल 2): एस 512–एस 513.

493. जैन एम, त्यागी एस. ट्रांसिएंट एबनॉर्मल मेगाकेरियासाइटिक हाइपेरप्लेसिया सेकेण्डरी टू ऑल– ट्रांसरिटिनोइक एसिड थेरेपी. इंडियन जे पेथोल माइक्रोबॉल 2012; 55: 268–9.

494. जैन एन, माथुर पी, मिश्रा एम सी, बहेरा बी, एक्सेस आई, शर्मा एस पी. रेपिड आइडेंटिफिकेशन ऑफ यीस्ट आइसोलेट्स फ्रोम क्लिनिकल स्पेसीमैन्स इन क्रिटिकली इल ट्रॉमा आईसीयू पेशेन्ट्स. जे लेब साइसिएन्स 2012; 4:30–4.

495. जैन एन, माथुर पी, मिश्रा एम सी, ग्लोबिकेटेला सेंगुनीज मेनिंगिटिस इन ए पोस्ट हैड ट्रॉमा पैशेन्ट्सः फर्स्ट केस रिपोर्ट फ्रॉम एशिया. जे इंफेक्ट देव कंटीज 2012; 6: 592–4.

496. जैन पी, चक्रवर्ती बी, गुलाटी एस. लिनियर एंड वर्ल्डेड नेवॉयड हाइपरमेलेनोसिसि विद हेमिएट्रॉफी. इंडियन पेडिएट्र 2012, 49:936.

497. जैन पी, कानन एल, कुमार ए, सिगमनी ई, सूरी वी, बशीर एन, एट आल. सिम्पटोमेटिक न्यूरोकुटेनीयस मेलेनोसिस इन ए चाइल्ड, जामा न्यूरॉल 2013; 70:516.

498. जैन पी, रमेश के, कुमार ए, गुलाटी एस. वेन ऑफ गैलन एन्यूरिसमल डिलेटेशन इन ए 14–मंथ–ओल्ड बॉय. पेडिएट्र न्यूरॉल 2012; 47:71–3.

499. जैन पी, शर्मा एस, संख्यान एन, गुप्ता एन, काबरा एम, गुलाटी एस. इमेजिंग इन न्यूनेटल मेम्पिल सीरप यूरिन डिजीज. इंडियन जे पेडिएट्र 2013; **80**:87–8.

500. जैन पी, शर्मा एस, संख्यान एन, सहगल आर, कुमार ए, काबरा एम, एट आल. मेकासिफेली विद डिफूज व्हाइट मैटर चेंजिज सिमुलेटिंग ए ल्यूकोडाइस्ट्रॉफी इन मेनकेस डिजीज. इंडियन जे पेडिएट्र 2013; **80**:160–2.

501. जैन पी, योगनाथन एस, शर्मा एस,मोटवानी जे, कुमार ए, काबरा एम, एट आल. कॉजिनिटल थ्रोम्बोटिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक पुरपुरा एसोसिएटिड विद मोयामोया सिंड्रोम इन ए 3–ईअर–ओल्ड गर्लः ए केस रिपोर्ट. जे चाइल्ड न्यूरोल 2012; **27**:1331–5.
502. जैन आर, बल्हरा वाईपी, झांजी एस, सेठी एच. कॉन्कॉरडांस बिटविन यूरीनरी कोटिनिन लेवल्स एंड सेल्फ–रिपोर्टेड टोमाकू यूज एमंग ड्रग–डिपेंडेंट पर्सनः ए पायलट स्टडी. सब्सट एब्यस 2012; 33 (2) : 99–102.
503. जैन आर, कुरैशी आर, मजूमदर पी, पट्टनायक आरडी. कम्पेरिजन ऑफ सेल्फ रिपोर्ट एंड बायोलॉजिकल मेजर्स फॉर एल्कोहल, तम्बाकू एंड इलिसिट ड्रग यूज इन कॉन्सिक्यूटिव अल्कोहल डिपेंडेंट पैशेंट्स विजिटिंग ए टेरटिरी केयर सेंटर. ऐ सब्सट् यून 2012 अप्रैल 12. खईपब एहैड ऑफ प्रिंट.
504. जैन वी, अग्रवाल एस, भटनागर वी, गुप्ता एके, कुमार आर, बाल सीएस. लोंग टर्म आउटकम ऑफ मैनेजमेंट ऑफ एंटेनेटली डायग्नोज्ड पेल्वी–यूरेटेरिक जंक्शन ऑब्सट्रक्शन. इंडियन जे पेडिएट्र 2012; **79**:769–73.
505. जैन वी, फलेनागन एसई, एलार्ड एस. परमानेंट न्यूनेटल डायबिटीज कॉज्ड बाई ए नॉवल मूटेशन. इंडियन पेडिएट्र 2012; **49**:486–8.
506. जैन वी, जैन आर. सीवर लिमिटेड ज्वाइंट मोबिलिटी सिंड्रोम इन ए चाइल्ड विद टाइप 1 डायबिटीज मेलीटस. इंडियन जे पेडिएट्र 2012; **79**:959–60.
507. जैन वी, माथुर वीपी, कुमार ए, कोठारी एम. इफेक्ट ऑफ ऑक्लूजल स्लिंट थेरेपी ऑन मेक्जिमम बाइट फोर्स इन इंडिविजुअल्स विद मॉडरेट टू सीवर एट्रीशन ऑफ टीथ. जे प्रॅस्थोडोंटिक रेज 2012; 56:287–92.
508. जैन वी, पॉल वीके. गेस्ट एडिटोरियलः फेटल ग्रोथ रिस्ट्रिक्शन एंड इट्स कॉन्सीकुएन्सी. रेव. इंडोसर मेटब डिसार्डर 2012;**13:**83–4.
509. जैन वी, परूथी जी, मुंडे के. क्लिनिकल कंसीडेरेशन फॉर प्रॅस्थोडॉटिक्स रिहेबिलिटेशन ऑफ इंटरमीडिएट फॉर्म ऑफ ऑस्टियोपेरोसिस : ए रिपोर्ट ऑफ टू केसेज. जे ओरल बॉयल क्रनियोफेसियल रेस 2012; (2) 56:126–30.
510. जैन वी, शर्मा एस,कुमार आर, काबरा एस के, भाटिया वी, गुप्ता डीके.ट्रांसपोज्ड इंट्राथोरेसिस स्टोमचः फंक्शनल इवेलुएशन. अफर जे पेडिएट्र सर्ज 2012**;** **9**:210–6.
511. जैन वी, सिंघल ए. कैच अप ग्रोथ इन लो बर्थ वेट इंफेंट्सः स्ट्रिकिंग ए हैल्दी बैलेन्स. रेव इंडोकर मेटाब डिस्ऑर्डर 2012; **13**:141–7.
512. जैन आर. बुक रिव्यूः इन्श्योरिंग बैलेन्स इन नेशनल पॉलिसीज ऑन कंट्रोल्ड सब्सटेन्सेजः गाइडेन्स फॉर एवेलेबिलिटी एंड एक्सेसबिलिटी ऑफ कंट्रोल्ड मेडिसिन्स (डब्ल्यूएचओ, जेनेवा, 2011). इंडियन जे मेड रेज 2012; **136**:314–16.
513. जायसवाल ए, तबस्सुम आर, पोद्दर ए, घोष एस, टंडन एन, भारद्वाज डी. इलेवेटेड लेवल ऑफ सी–रिएक्टिव प्रोटीन इज एसोसिएटेड विद रिस्क ऑफ प्रिडिएबेटस इन इंडियन्स. एथेरोसक्लेरोसिस 2012; **222**:495–501.
514. जायसवाल एके, अग्रवाल एन, मेहता ए. एनालाइसिस ऑफ ट्रायजोफोस इन ब्लड सैम्पल वाई थिन लेयर क्रोमेटोग्राफी यूजिंग डिफरेन्ट सोलवेन्ट सिस्टम्स. जे इंस्ट केमिस्ट्स 2012; 84 (1) :1–13.
515. जायसवाल ए के, कौर जे, ठाकुर आर. रेपिड स्क्रीनिंग ऑफ ब्लड सैम्पल ऑफ अल्कोहल एडिक्टेड पर्सन. जे इंस्ट केमिस्ट्स 2012; 84 (2) :61–4.
516. जायसवाल एके, मिलो टी, मूर्ति ओपी. वोलटामेट्रिक/पॉलारोग्राफी ट्रेस मेटल एनालाइजर एंड इट्स फोरेन्सिक एप्लीकेशन–ए रिव्यू. जेफोरेन्सिक मेड टॉक्सीकॉल 2012; 29 (2) : 63–74.
517. जायसवाल एके, राज जे, मोहनीश, कार्तिक के, गुप्ता आर. डेटेक्शनऑफ मोनोक्रोटोफोस वाई थिन लेयर क्रोमेटॉग्राफी फ्राम यूरिन सैम्पल–ए केस रिपोर्ट. जे साउथ इंडिया मेडिकोलीगल एसोस 2012; 5 (1) : 22–5.
518. जायसवाल एके,राज जे, मोहिनीश. न्यू सोल्वेंट सिस्टम्स मोबाइल फेस फॉर दि एनालाइसिस ऑफ ब्रूसाइन इन यूरिन सैम्पल यूजिंग थिन लेयर क्रोमाटॉग्राफी. जे इन्स्ट केमिस्टस 2012; 84 (3) : 86–92.
519. जायसवाल एके, शर्मा डी, कृष्णा के, विदुआ आर, कुमार ए. थालियम पॉजिनिंगः एनालाइटिकल एस्पेक्टस विद ब्रीफ ओवरव्यू. जे साउथ इंडिया मेडिकल लीगल एसोस 2012; 4 (2):68–75.
520. जायसवाल एके, शर्मा के, कुमार ए, कुमथ एम, कुमार आर, दीपशिखा. एनालाइटिकल एस्पेक्टस विद ब्रीफ ओवरव्यू ऑफ आरसेनिक पॉजिनिंग. जे इंडियन एकेड फोरेन्सिक मेड 2012; 34 (3) : 248–54.
521. जायसवाल एके, शर्मा के, लुकोस एस, कुमार आर, मिलो टी, मूर्ति ओपी. टॉक्सीकॉलोजी मैनुअल सीरीज आर्टिकल–17, स्क्रीनिंग/स्पोट टेस्ट ऑफ एफ्रोडिसिएक्स (सेक्स ड्रग्स). इंट जे मेडिकल टॉक्सिकोल लीगल मेड 2012 ; 14 (3,4) : 142–9.
522. जायसवाल एके, शर्मा के, मिलो टी, मूर्ति ओपी. टॉक्सीकॉलोजी मैनुअल सीरीज आर्टिकल–19, स्क्रीनिंग/स्पोट टेस्ट ऑफ एफ्रोडिसिएक्स एंटीडिप्रेसेंट्स. इंट जे मेड टॉक्सिकोल लीगल मेड 2012;14 (3–) : 142–9.

523. जायसवाल एके, शर्मा के, मिलो टी, मूर्ति ओपी. टॉक्सीकॉलोजी मैनुअल सीरीज आर्टिकल–20, स्क्रीनिंग/स्पोट टेस्ट ऑफ एनालेजेसिक्स. इंट जे मेड टॉक्सिकोल लीगल मेड 2012 ; 15 (1–2) :70–80.

524. जायसवाल डी, त्रिवेदी एस, सिंह आर, दादा आर, सिंह के. एसोसिएशन ऑफ दि आईएल 1 आरएन गेने वीएनटीआर पॉलीमोर्फिज्म विद ह्यूमैन मेल इंफर्टिलिटी. प्लोस वन 2012;**7** : इ 514899.

525. जायसवाल आर, अग्रवाल एस, मिश्रा एमसी. चेंज इन सीरम लेवल ऑफ माइक्रोन्यूट्रिएन्टस आफ्टर वन ईअर फॉलो अप ऑफ लेप्रोस्कॉपिक स्लीव गेस्ट्रेक्टॉमी. ऑब्स सर्ज 2012:46.

526. जमशेद एन, बनवालिकेर बी, अग्रवाल पी. केटामनियल डायबेटिक केटोएसिडोसिस–ए डायग्नोस्टिक डायलेम्मा इन ईडी. *एम जे इमर्ज मेड* 2013; **31**: 464. इएल–3.

527. जैना एम, गामनागट्टी एस. ट्रांसजुगुलर लीवर बायोप्सीः टिप्स एंड ट्रिक्स. ट्रॉप गेस्ट्रोइंटरॉल 2012, **33** :168–72.

528. जैना एम, श्रीवास्तव डीएन, शर्मा आर, गामनागट्टी एस. नाग एचएल, मित्तल आर, इट आल. मेग्नेटिक रिसोनेंस आर्थोग्राफी फॉर एसेसिंग सेवेरिटी ऑफ ग्लेनोह्यूमेरल लेब्रोलिगामेंटस लेसन्स. *जे ऑर्थोप सर्ज (हॉगकांग)* 2012; **20** : 230–5.

529. जैना एम, श्रीवास्तव डीएन, शर्मा आर, गामनागट्टी एस. नाग एचएल, मित्तल आर, उपाध्याय एडी. मेग्नेटिक रिसोनेंस आर्थोग्राफी फॉर एसेसिंग सेवेरिटी ऑफ ग्लेनोह्यूमेरल लेब्रोलिगामेंटस लेसन्स. *जे ऑर्थोप सर्ज (हॉगकांग)* 2012; **20** : 230–5.

530. जर्यान पी, सिंह बी, राय एसके, नॉगकिंरिह बी. प्राइवेट रूरल हैल्थ प्रोवाइडर्स इन हरियाणा, इंडिया : प्रोफाइल एंड प्रेक्टिसेज. रूरल रिमोट हैल्थ 2012; **12**:1953.

531. जावेद ए, पाल एस, कृष्णा ई के, शाहनी पी, चट्टोपाध्याय टी के. सर्जिकल मैनेजमेंट एण्ड आउटकम्स ऑफ सेवर गैस्ट्रोइंटेस्टीनल इंजरिस ड्यू टू कोरोसिव इंगेशन। वर्ल्ड जे गैस्ट्रोइंटेस्ट सर्ज 2012 (4: 121–5).

532. जावेद जे, मीर आर, अहमद आई, रशिद एस, मोहन ए, सक्सेना ए, एट अल। क्लिनिकल एण्ड प्रोग्नोस्टिक सिग्निफिकेंस ऑफ प्रोमोटर पोलीमोर्फिज्म (–31जीएस) ऑफ एंटी एपोप्टोटिक जीन सुरविव (बीआईआरसी5) इन नोर्थ इण्डिया पेशेंट्स विद नॉन स्मॉल सैल लंग कैंसर। जे कैंसर साइंस थर 2012 (4: 276–80).

533. जावेद जे, मीर आर, मशरुर एम, अहमद आई, फारुख एस, मोहन ए, एट अल। टी पी 53 इज़ ए म्युटेशनल टार्गेट इन नॉन स्मॉल सैल लंग कैंसर पेशेंट्स एण्ड इट्स प्रो/प्रो वेरियंट इज़ पोटेंशियली कोंट्रिबुटिंग टू कैंसर सस्सीप्टीबिलिटी। जे कार्सिनोजेन म्युटेजिन 2013 (4 : 1000138).

534. जावेद जे, मीन आर, मशरुर एम, मारुख एस, अहमद आई, मोहन ए, एट अल. इम्पैक्ट ऑफ एम डी एम 2 एस एन पी 309 टी >जी पोलीमोर्फिज्म : इंक्रिज्ड रिस्क ऑफ डेवलपिंग नॉन स्मॉल लंग कैंसर एण्ड पूर प्रोग्नोसिस इन इण्डियन पेशेंट्स। जे कैंसर साइंस थर 2012 (4 : 341–6).

535. जावेद ए, कुमार वी, मल्होत्रा आर, यादव सी एस, भान एस. ए कॉम्पेरेटिव एनेलिसिस बिटवीन फिक्स्ड बीयरिंग टोटल नी आर्थोप्लास्टी (पी एफ सी सिग्मा) एण्ड रोटेटिंग प्लेटफोर्म टोटल नी आर्थोप्लास्टि (पी एफ सी – आर पी) विद मिनिमम 3 – इयर फॉलोअप आर्क आर्थोप ट्रॉमा सर्ज 2012 (**132**:875–81).

536. जयराज पी, सेन एस, शर्मा ए, चोसडोल के, कश्यप एस, राय ए, एट अल. एपिजेनेटिक इंएक्टीवेशन ऑफ द ईकैथेरिन जीन इन आईलाइड सेबैसेयस ग्लैंड कार्सिनोमा। ब्र जे डर्माटोल 2012 (**167**:583–90).

537. जयासुंदर आर. हैल्थकेयर द आयुर्वेदिक वे। इण्डियन जे मेड एथिक्स 2012 (9:177–9).

538. जीमोन पी, प्रभाकरण डी, गोइंका एस, रमाकृष्णा एल, पदमनाभन एस, हुफमैन एम. एट अल. इम्पैक्ट ऑफ कॉम्प्रेहेंसिव कार्डियोवेस्कुलर रिस्क रिडक्शन प्रोग्राम ओन रिस्क फैक्टर क्लस्टरिंग एसोसिएटिड विद इलेवेटिड ब्लड प्रेशर इन अन इण्डियन इंडस्ट्रियल पोपुलेशन। इण्डियन जे मेड रेस 2012 (**135**:485–93).

539. झा डी, देव एस वी एस, शुक्ला एन के, खन्ना पी, रामनाथन पी. क्लिनिकल प्रोफाइल एण्ड ट्रीटमेंट आउटकमस ऑफ ओरल स्कवेमस सैल कैंसर पेशेंट्स विद स्मोकलेस टुबैको यूज़ एज़ एक्सक्लुसिव रिस्क फैक्टर। यूर जे सर्ज ओंकोल (ई जे एस ओ) 2012 (**38**:746–7).

540. झा डी, शुक्ला एन के, देव एस वी एस, खन्ना पी, रामनाथन पी. क्लिनिकल स्पेक्ट्रम एण्ड ट्रीटमेंट आउटकम्स इन ओरल स्कवेमस सैल कार्सिनोमा पेशेंटस – विद या विदाउट ट्रेडिशनल रिस्क फैक्टर्स। यूर जे सर्ज ओंकोल (ई जे एस ओ) 2012 (**38**:847).

541. झा आर, गौर पी, शर्मा एस सी, दास एस एन. सिंगला न्यूक्लिओटाइड पोलीमोर्फिज्मस इन एच एम एल एच 1 प्रोमोटर एण्ड रिस्क टोबैको – रिलेटिड ओरल कार्सिनोमा इन हाई – रिस्क एशियन इण्डियंस। *जीन* 2013 (**526**:223–7).

542. झा आर, जैन वी, दास टी के, शाह एन, पुरुथी जी. कॉम्पेरिजन ऑफ मार्जिनल फिडेलिटी एण्ड सर्फेस राउगहनेस ऑफ प्रोक्लेन वीनिर्स फैब्रिकेटिड बाय रिफ्रैक्टरी डाई एण्ड प्रेसिंग टेक्निक्स। जे प्रोस्थोडोंट 2013 डीओई 10.1111जेओपीआर 12032 (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)

543. झांजी वी, मेहता जे एस, शर्मा एन, शर्मा बी, वाजपेयी आर बी. टार्गेटिड कोर्नियल ट्रांसप्लांटेशन। क्यूर ओपिन ऑफ्थेलमोल 2012 (**23**:324–9).

544. झांजी वी, पोलोक्क जीए, मैकी ए एल, बेल्टज़ जे, वाजपेयी आर बी. हिस्टोपैथोलॉजिकल एवेलुएशन ऑफ एंटीरियर लैमलार कोर्नियल टिशू – ओन / ऑफ स्टोरेज कांडिशंस ओन डीएसएईके डोनर टिशू आफ्टर स्टोरेज इन ओर्गन कल्चर। क्यूर आई रेस 2012 (**37**:155–8).

545. जोस बी, जैन वी, विक्रम एन के, अग्रवाल ए, सैनी एस सीरम मैग्नम इन ओवर वेट चिल्ड्रन. इंडियन पीडियाट्रिक 2012 (**49**:109–12).

546. जोसेफ एल, मिश्रा ए, चंद्रा एम, विक्रम एन के, कोंडल डी, गोयल के, एट अल. एवेल्युएशन ऑफ एक्सिसटिंग एण्ड कैंडिडेट मेजर्स ऑफ ओबेसिटी फॉर डिटेक्शन ऑफ इंसुलिन रेसिस्टेंस एण्ड कार्डियोमेटाबोलिक रिस्क अमंग एशियन इण्डियंस : डेवलपमेंट ऑफ टू क्लिनिकली यूजफुल मॉडल्स। डायबिटीज़ एण्ड मेटाबोलिक सिंड्रोम : क्लिनिकल रिसर्च एण्ड रिव्यूज 2012 (**6**:181–86).

547. जोशी ए, ली एस, पवार डी. एन ऑप्टिनम टाइम फॉर इंट्रावेनस केनुलेशन आफ्टर इंडक्शन विद सेवोफ्लुरेंस इन चिल्ड्रन. पीडियाट्रिक एनेस्थि 2012 (22:445–8).

548. जोशी डी, मिश्रा ए, आनंद एस. ए नैव बायेस क्लासिफायर फॉर डिटेक्शन ऑफ मेंटल एक्टिविटी इन गैट सिग्नेचर। कॉम्प मैथड्स बायोमशीनिज्मस बायोमेडिकल इंजिनियर्स 2012 (**15**:411–16).

549. जोशी पी, थुलकर ए, जोशी एम, देवरारी ए के, वत्सा एम. कॉम्पेरिंग द इफैक्टिवनेस ऑफ वेबिनार्स एण्ड पार्टिसिपेटोरी लर्निंग ओन एसेंशियल न्यूबोर्न केयर (ईएनबीसी) इन द क्लास रुम इन टर्मस ऑफ एक्यूशंस ऑफ नॉलेज एण्ड स्किल्स ऑफ स्टुडेंट नर्सिस : ए रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। इण्डियन जे पीडियाट्र 2013 (**80**:168–70).

550. जोशी पी. एक्सिलरी टेम्परेचर रिकॉर्डिंग – हाउ लोंग? नर्सिंग जे इण्डिया 2013 (2:60–2).

551. जोशुआ बी, खाखा डी, महाजन एस. फेटिग, डिप्रेशन एण्ड स्लीप प्रोब्लमस अमंग हेमोडिएलिसिस पेशेंट्स इन उए टर्शरी केयर सेंटर। साउदी जे किडनी डिस ट्रांसपल 2012 (23:729–35).

552. ज्योत्सना वी पी, जोशी ए, अम्बेडकर एस, कुमार एन, धवन ए, श्रीनिवास वी. कॉम्प्रेहेंसिव योगिक ब्रीथिंग प्रोग्रेम इम्प्रूव्स क्वालिटी ऑफ लाइफ इन पेशेंट्स विद डायबिटिज़। इण्डियन जे एण्डोक्राइनोल मेटाब 2012 (**16**:423–8).

553. ज्योत्सना वी पी, साहू ए, कश एस ए, श्रीनिवास वी, गुप्ता एन. बोन मिनरल डेंसिटी इन पेशेंट्स ऑफ ग्रेव्स डिजीज प्री–एण्ड पोस्ट ट्रीटमेंट इन ए प्रीडॉमिनेंटली विटामिन डी डिफिसिएंट पॉपुलेशन. इंडियन जे मेड रेस 2012 (**135**:36–41).

554. काबरा एस के, लोधा आर, मेहता पी. 50 इयर्स ऑफ पीडियाट्रिक पल्मोनरी, प्रोग्रेस एण्ड फ्युचर। इण्डियन पीडियाट्र 2013 (**50**:99–103).

555. कछवा जी, अग्रवाल एन. एविडेंस बेस्ड मैनेजमेंट ऑफ इंफर्टिलिटी इन वूमेन विद पोलीसिस्टिक ओवेरियन डिजीज। इण्डियन जे ओबेस्टेटि गाइनेकोल 2013 (**1**:13–19).

556. कछवा जी, कुमार एस, सुरी वी, गोयल एम. सिरेनोमेलिया इन ए फेटस कोंसिवेड आफ्टर लिवोनोरगेस्ट्रल एमर्जेंसी कोंट्रासेप्शन फेल्यूर : ए केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। इण्डियन जे ओबसेट गायनेकोल 2013 (**1**:37–41).

557. कक्कर ए, शर्मा एम सी, गर्ग ए, गोयल एन, सुरी वी, सरकार सी, महापात्रा ए के. यूट्रेरस–लाइक मास इन एसोसिएशन विद न्यूरोल ट्यूब डिफैक्ट : ए केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ द लिटरेचर। पीडियाट्र न्यूरोसर्ज 2012 (48 (4) : 240–4.

558. कल्याणपुर ए ए, शुक्ला एन के, देव एस वी, सिंह एम, सुबी टी एस, कपली ए. ए रेयर केस ऑफ गॉलब्लैडर कार्सिनोमा मेटास्टेसिस टू द ब्रेस्ट ट्रीटीड विद क्युरेटिव इंटेंट। ट्रोप गैस्ट्रोएंटेरोल 2012 (**33**:155–8).

559. कल्याणपुर ए ए, शुक्ला एन के, देव एस वी, यादव पी, मुडेली डी, यादव आर, आदि अपडेट ऑन द मल्टीमोडेलिटी मैनेजमेंट ऑफ डेस्मोप्लास्टिक स्मॉल राउंड सेल ट्यूमर. जे सर्ज ओंकोल 2012 (**105**:617–21).

560. कालरा एस, भल्ला वाय पी एस, बरुह एम, सक्सेना ए, मक्कर जी, जुमनी डी, एट अल. कोंसेंसस गाइडलाइंस ओन मेल सेक्सुअल डिस्फंक्शन। जे मेड न्यूट्र न्यूट्रासियूट 2013 (2: 5–18).

561. कालरा एस, जैन वी. डेंटल कॉम्प्लीकेशंस एण्ड मैनेजमेंट ऑफ पेशेंट्स ओन बिस्फोफोनेट थेरेपी : ए रिव्यू आर्टिकल। जे ओरल बायोल क्रेनिओफेशियल रेस 2013 (3 : 25–30).

562. कालरा वी, साहू जे के, बेदी पी, पाण्डे आर एम. ब्लड लीड लेवल्स अमंग स्कूल चिल्ड्रन आफ्टर फेसिंग – आउट ऑफ लीडिड पेट्रोल इन देहली, इण्डिया। इण्डियन जे पीडियाट्र 2013 (**80**:636–40).

563. कंचेरला आर, सांख्यानी एस आर, नरंजी एस, रीजल एल, कुमार आर, अंसारी टी, त्रिखा वी. बर्थ रिलेटिड फेमोरल फ्रैक्चर इन न्यूबोर्नस : रिस्क फैक्टर्स एण्ड मैनेजमेंट। जे चाइल्ड आर्थोप 2012 (**6** :177–80).

564. कंचरेला आर, सांख्यानी एस, त्रिखा वी, कुमार आर, मल्होत्रा आर. कॉमेंट ओन स्टर्न एट अल : प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड स्टडी कॉम्पेरिंग स्क्रू वर्सस हेलिकल ब्लेड इन द ट्रीटमेंट ऑफ लॉ – एनर्जी ट्रोकांटेरिक फ्रैक्चर्स। इंट आर्थोप 2012 (**36**:1109–10).

565. कांडवाल पी, गर्ग बी, उपेन्द्र बी, चौधरी बी, जाय सवाल ए. आउटकम ऑफ मिनीमैली इंवेसिव सर्जरी इन द मैनेजमेंट ऑफ ट्सयूबरकुलस स्पॉन्डलाइटिस. इंडियन जे ऑथो 2012 (**46**:159–64).

566. कांडवाल पी, जायसवाल ए, गर्ग बी, ब्राडर यू एन. डज़ एप्रोच डिसाइड द आउटकम ऑफ सर्जिकल डिकॉम्प्रेशन इन थोरेकोलुम्बर ब्रूस्ट फ्रैक्चर? स्पाइन 2012 (**12:एस**157).

567. कांगा यू, मौर्या एम, सेठ टी, जॉर्ज जे, सूद पी, शर्मा आर, आदि रोल ऑफ किलर इम्युनोग्लोबुलिन–लाइक रिसेप्टर लिगैंड इंटरेक्शन इन ह्यूमन ल्यूकोसाइट एंटीजन–मैच्ड सिब्लिंग हिमेटोपोएटिक स्टीम सेल ट्रांसप्लांटेशन. ट्रांसप्लांट प्रोक. 2012 (**44**: 919–21).

568. कपिल यू, भादौरिया ए एस, सरीन एन, सिंह पी, द्विवेदी एस एन. रोल ऑफ माइक्रोन्यूट्रींटस इन ब्रेस्ट कैंसर : ए रिव्यू। इंट जे बेसिक एण्ड एप्प मेड साइंस 2013 (3:190–200).

569. कपिल यू, भादौरिया ए एस, सरीन एन, सिंह पी, द्विवेदी एस एन. टोटल कोलेस्ट्रोल एण्ड ट्रीग्लीसेराइड लेवल्स इन पेशेंट्स विद ब्रेस्ट कैंसर। जे ब्रेस्ट कैंसर 2013 (**16**:129–30).

570. कपिल यू, सचदेव एच पी, द्विवेदी एस एन, पाण्डे आर एम, उपाध्याय ए डी, सरीन एन. रिलेटिव इफिकेसी ऑफ वीकली एण्ड टू डिफरिंग डोज़िज ऑफ डेली आयरन – फोलेट सप्लीमेंटेशन इन इम्प्रूविंग हिमोग्लोबिन इन माइल्ड एण्ड मोडरेटली एनेमिक चाइल्ड्रन बिटवीन 3 एण्ड 5 इयर्स ऑफ एज : ए क्लस्टर रेण्डोमाइज्ड ट्रायल। यूर जे क्लिन न्यूट्र 2013 (**67**:343–7).

571. कपिल यू, सचदेव एच पी. प्रीवलेंस ऑफ विटामिन ए डेफिसियंसी इन आइसोलेटिड जियोग्राफिकल पॉकेट्स ऑफ इण्डिया। इण्डियन पीडियाट्र 2012 (**49**:419).

572. कपिल यू, सचदेव एच पी. अरजेंट नीड टू ओरियंट पब्लिक हैल्थ रेस्पोंस टू रैपिड न्यूट्रीशन ट्रांजिशन। इण्डियन जे कॉम्युनिटी मेड 2012 (**37**:207–10).

573. कपिल यू, सरीन एन. कॉम्बेटिंग आयोडिन डेफिशियंसी डिसोर्डर्स टू अचिव मिलेनियम डेवलपमेंट गोल 4 इन इण्डिया : रिडक्शन इन इंफेंट मोर्टेलिटी रेट। जे ट्रेस इलेम मेड बायोल 2012 (**26**:145–8).

574. कपिल यू, टूटेजा जी एस, राव एस, पाण्डे आर एम. जिंक डेफिशिएंसी अमंगस्ट एडोलसेंट्स इन दिल्ली. इंडियन पीडियाट्रिक 2011 (**48**:981–2).

575. कपूर आर, पाथी एच पी, गुप्ता एस के, गुप्ता एन. एक्यूट प्रोमीइलोसिटाई ल्यूकेमिया प्रेजेंटिंग एज़ इस्केमिक स्ट्रोक इन यंग। इण्डियन जे हेमेटोल ब्लड ट्रासफ्यूज 1 फरवरी 2012 (डीओआई : 10.1007/एस12288–012–0145–जेड (मुद्रण से पहले ई–प्रकाशन)

576. कपूर एस, भूषण एस, घोष वी बी, पाण्डे आर एम, कलाईवानी एम. नार्मेटिव डेटा फॉर एंर्थोपोमेट्रिक पैरामीटर्स यूज्ड इन डेलिएशन ऑफ डिस्मॉर्फेस फीचर्स इन नॉर्थ इंडियन चिल्ड्रन. इंड्रिय जे. पीडियाट्रिक 2012 (**79**:619–31).

577. कार आर, मीना ए, यादव बी के, यादव आर, कार एस एस, सक्सेना आर. क्लोपिडोग्रेल रिसिस्टेंस इन नोर्थ इण्डियन पेशेंट्स ऑफ कोरोनरी आर्टरी डिजीज एण्ड लैक ऑफ इट्स एसोसिएशन विद प्लेटलेट ए डी पी रिसेप्टर्स पी2वाय1 एण्ड पी2वाय12 जीन पोलीमोर्फिज्मस। प्लेटलेटस 2013 (**24**:297–302).

578. कारिमी एम वाय, कपूर वी, शर्मा एस सी, दास एस एन. जेनेटिक पोलीमोर्फिज्मस इन एफ ए एस (सीडी95) एण्ड एफ ए एस लिगैंड (सी डी 178) प्रोमोटर्स एण्ड रिस्क ऑफ टुबैको – रिलेटिड कार्सिनोमा : जीन – जीन इंटरेक्शंस इन हाई रिस्क इण्डियंस। कैंसर इंवेस्ट 2013 (**31**:1–6).

579. कार्तिकेयन जी, सेनगुट्टुवन एन बी, जोसेफ जे, देवासेनापथी एन, भाल वी के, आयरन बी. अरजेंट सर्जरी कॉम्पेयर्ड विद फिब्रीनोलिटिक थेरेपी फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ लेफ्ट – साइडिड प्रोस्थेटिक हार्ट वाल्व थ्रोम्बोसिस : ए सिस्टेमिक रिव्यू एण्ड मेटा – एनालाइसिस ऑफ ऑब्जर्वेशनल स्टडीज़। यूर हार्ट जे 2013 (**34**:1557–66).

580. कार्तिकेयन जी, जुल्के एल, एंजल एम, रंगाराजन एस, युसूफ एस, टियो के, आदि रेशनल एण्ड डिजाइन ऑफ ए ग्लोबल रिह्यूमेटिक हर्ट डिजीज रजिस्ट्री : दे रेमेडी स्टडी. एम हार्ट जे 2012 (163:535–40. ईएल).

581. कार्तिकेयन जी. डायग्नोसिस ऑफ एक्यूट रियूमेटिक कार्डियेक : अन एको इन टाइम। एन्न पीडियाट्र कार्डियोल 2012 (**5**:127–8).

582. कार्तिकेयन जी. इंवेस्टीगेटर – इनीशिएटिड रिसर्च इन इण्डिया : निपैड इन द बुड? नेटल मेड जे इण्डिया 2012 (**25**:313).

583. करुणानिधि एस, शर्मा पी, कुमार ए, खानगेम्बम बी सी, बंधोपाध्याय जी पी, कुमार आर, एट अल. 18 एफ – एफडीओपीए पीईटी/सीटी फॉर डिटेक्शन ऑफ रिकरेंस इन पेशेंट्स विथ ग्लियोमा : प्रोस्पेक्टिव कॉम्पेरिजन विद 18एफ – एफडीजी पीईटी/सीटी. यूर जे न्यूल मेड मोल इमेजिंग 2013 (40:1025–35).

584. करुणानिधि एस, शर्मा पी, नास्वा एन, सुंदरराजन आर, महोपात्रा टी, मल्होत्रा ए, एट अल। प्राइमरी पेनिल लिम्फोमा : द यूज़ ऑफ पी ई टी – सी टी फॉर एक्यूरेट स्टेजिंग एण्ड रेस्पोंस मोनिटरिंग। डायग्न इंटरव रेडियोल 2013 (19 (2) : 130–3.

585. कश्यप एस, मील आर, पुष्कर एन, सेन एस, बख्शी एस, श्रीनिवास वी, एट अल. क्लिनिकल प्रीडिक्टर्स ऑफ हाई रिस्क हिस्टोपैथोलॉजी इन रेटिनोब्लास्टोमा। पीडियाट्र ब्लड कैंसर 2012 (**58**:356–61).

586. कश्यप एस, सेठी एस, मील आर, पुष्कर एन, सेन एस, बजाज एम एस, एट अल. ए हिस्टोपैथोलॉजिक एनालाइसिस ऑफ आइस प्राइमलरी एनुक्लिएटिड फॉर एडवांस्ड इंट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा फ्रॉम ए डेवलपिंग कांट्री। आर्क पैथोल लैब मेड 2012 (**136**:190–3).

587. कटारिया के, धर ए, श्रीवास्तव ए, कुमार एस, गोयल ए. ए सिस्टेमेटिक रिव्यू ऑफ करेंट अंडरस्टैंडिंग एण्ड मैनेजमेंट ऑफ मास्टालजिया। इण्डियन जे सर्ज डीओआई : 10. 1007 / एस 12262 – 013 – 0813 – 8).

588. कटारिया के, सागर एस, सिंगल एम, यादव आर. प्रेशर सोर एट अन अनयूजवल साइट – द बिलेटरल पोपलिटील फोसा : ए केस रिपोर्ट। ओमान मेड जे 2012 (27 (3).

589. कटारिया के, श्रीवास्तव ए, सिंह एल, सुरी वी, यादव आर. जाइंट मयोफिब्रोब्लास्टोमा ऑफ द मेल ब्रेस्ट : ए केस रिपोर्ट एण्ड लिटरेचर रिव्यू। मलेयस जे मेड 2012 (19:74–6).

590. कौल बी, गोयल वी, शुक्ला जी, श्रीवास्तव ए, गर्ग ए, बदर बी, एट अल. मीनरल डिपोजिशन ऑफ मैग्नेटिक रिसोनेंस इमेजिंग इन कोरिया – एकैंथोसिटोसिस : ए पैथोजेनिक लिंक विद पैटोथेनेट काइनेस – एसोसिएटिड न्यूरोडिजनरेशन? न्यूरोल इण्डिया 2013 (61 (2): 169–70).

591. कौल बी, कौर पी, त्रिपाठी एम, खडगावत आर, अम्मीनी ए सी, अग्रवाल एस, एट अल. अन यूजवल कौस ऑफ रिवर्सिबल एक्सोनल न्यूरोपैथी एण्ड हाइपरटेंशन इन ए 10 इयर ओल्ड गल। जे क्लिन न्यूरोसाइंस 2012 (**19**:1196–7.

592. कौल बी, शुक्ला जी, गोयल वी, श्रीवास्तव बी, बिहारी एम. पेरोक्सीमल ओक्सिपिटल डिस्चार्ज सुप्रेशड बाय आई ऑपनिंग : स्पेक्ट्रम ऑफ क्लिनिकल एण्ड इमेजिंग फिचर्स एट ए टर्शरी केयर सेंटर इन इण्डिया। न्यूरोल इण्डिया 2012 (60 (5): 461–4.

593. कौर जी, कुमार एन, नंदकुमार आर, रैपथैप सी सी, शर्मा जी, निओइला एस, एट अल. यूटिलिटी ऑफ सलिवा एण्ड हेयर फोलिस्लेस इन डोनर सिलेक्शन फॉर हेमेटोपोइटिक स्टेम सेल ट्रांस्प्लांटेशन एण्ड चिमेरिज्म मोनिटरिंग। चिमेरिज्म 2012 (3:9–17).

594. कौर आई, यादव एस के, हरिप्रसाद जी, गुप्ता आर सी, श्रीनिवासन ए, बत्रा जे के, एट अल. बालसामिन, ए नोवल रिबोसम – इनएक्टिवेटिंग प्रोटीन फ्रॉम द सीडस ऑफ बालसम एप्पल मोमोर्डिका बालसामिना। एमिनो एसिड्स 2012 (43: 973–81).

595. कौर जे, शाहनी एम, दत्ता गुप्ता एस, शुक्ला एन के, श्रीवास्तव ए, वालफिश पी जी, एट अल. क्लिनिकल सिग्निफिकेंस ऑफ आल्टर्ड एक्सप्रेशन ऑफ बीटा – कैटेनिन एण्ड ई–कैडहेरिन इन ओरल डिस्प्लासिया एण्ड कैंसर : पोटेंशियल लिंक विद ए एल सी ए एम एक्सप्रेशन। पी एल ओ एस 2013 (8 : ई67361).

596. कौर एम, लाल सी, भौमिक डी, जरयाल ए के, दीपक के के, अग्रवाल एस के. रिडक्शन इन ऑगमेंटेशन इंडेक्स आफ्टर सक्सेफुल रिनल ट्रांसप्लांटेशन। क्लिन एक्स नेफ्रोल 2013 (**17**:134–9).

597. कौर एस, यादव जे एस. न्यूट्रिशन एण्ड मेंटल इलनेस। इण्डियन जे फिजिकोसोक साइंस 2012 (2: 7–8).

598. कौशल एम, मिश्रा ए के, शर्मा जे, जोमेविया ई, कटकी ए, कपूर एस, एट अल. जीनोमिक अल्ट्राशंस इन ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स इन बिटल क्वाइड एण्ड नॉन बिटल क्वाइड च्यूवर्स। पी एल ओ एस वन 2012 (7 (8) : ई43789).

599. कौशल पी, धर पी, शिवाप्रसाद एस एम, मेहरा आर डी. पोस्टनेटल एक्सपोजर टू सोडियम अर्सेनिक (एन ए ए एस ओ (2)) इंड्यूस्ड लोंग लास्टिंग इफैक्टस इन रैट टेस्टस। टोक्सिकोल इंट 2012 (**19**:215–22).

600. कौशल एस, अय्यर वी के, माथुर एस आर. मोर्फोलॉजिकल वेरिएटेशंस इन माइक्रोफिलेरिया ऑफ वुचेरेरिया बैंक्रोफिट इन सिटोलॉजी स्मीयर्स : ए मोर्फोमेट्रिक स्टडी ऑफ 32 केसिस। एक्टा सिटोल 2012 (**56**:431–8).

601. कौशिक ए, सिंह यू बी, पोरवाल सी, वेनुगोपाल एस जे, मोहन ए, कृष्णन ए, एट अल. डायग्नोस्टिक पोटेंशियल ऑफ 16 के डी ए (एच एस पी एक्स, α-क्रिस्टालाइन) एंटिजन फॉर सिरोडायग्नोसिस ऑफ ट्यूबरकुलोसिस। इण्डियन जे मेड रेस 2012 (**135**:771–7).

602. केडिया एस, गोयल आर, मंगला वी, कुमार ए, दास पी, पाल एस. एट अल. स्पलेनेक्टोमी इन सिरोसिस विद हाइपरस्प्लेनिज्म : इम्प्रूवमेंट इन सिटोपेनिएस, चाइल्डस सटेटस एण्ड इंस्टीट्यूशन ऑफ स्पेसिफिक ट्रीटमेंट फॉर हेपेटिटिस सी विद सक्सेस। एन्न हेपटोल 2012 (**11**:921–9).

603. खडगावात आर, मरवाहा आर के, गर्ग एम के, रेमोट आर, ओबेरिओई ए के, श्रीनिवास वी, एट अल. इम्पैक्ट ऑफ विटामिन डी फोर्टिफिल्ड मिल्क सप्लीमेंटेशन ऑन विटामिन डी स्टेटस ऑफ हैल्थी स्कूल चिल्ड्रन एज्ड 10 – 14 इयर्स। ओस्टिओपोरोस इंट 2013 (**24**:2335–43).

604. खडगावत आर, मारवाह आर के. टंडन एन, मेहन एन, उपाध्याय ए डी, शास्त्री एट अल. परसेंटेज बॉडी फैट इन एप्पेरेंटली हैल्थी स्कूल चिल्ड्रन फ्रॉम नोर्थन इण्डिया। इण्डियन पीडियाट्र 2013 (**50**:859–66.

605. खडगावत आर, थोमस टी, गहलोत एम, टंडन एन, टेंगप्रीचा वी, खंडेलवाल डी, एट अल. द इफैक्ट ऑफ पुबैट्री ओन इंट्रेक्शन बिटवीन विटामिन डी स्टेटस एण्ड इंसुलिन रिसिस्टेंस इन ओबेस एशियन – इण्डियन चिल्ड्रन। इंट जे एण्डोक्राइनोल 2012 (**2012**:173581).

606. खारिया ए, महाजन एस, खत्री पी, गुप्ता एस, भौमिक डी, अग्रवाल एस के. डिप्रेशन एण्ड मेरिटल डिससेटिस्फेक्शन अमंग इण्डियन हिमोडिएलीसिस पेशेंट्स एण्ड देयर स्पोसिस : ए क्रॉस – सेक्शनल स्टडी। रेन फेल 2012 (**34**:316–22).

607. कार्तिकेयन बी के, कथुरिया एस, रमन एम. ए डिस्क्रिप्टिव स्टडी टू कैरेक्टराइज सिग्मेंअल विटिलिगो। इण्डियन जे डर्मेटोल वेनेरिओल लेप्रोल 2012 (78: 715–21).

608. खलील ए, हुफ्फमैन एम डी, प्रभाकरण डी, ओस्मोंड सी, फॉल सी एच, टंडन एन, एट अल. न्यू दिल्ली बर्थ कोहोर्ट। प्रीडिक्टर्स ऑफ कैरोटिड इंटिमा – मीडिया थिकनेस एण्ड कैरोटिड प्लेक्यू इन यंग इण्डियन एडल्ट्स : द न्यू दिल्ली बर्थ कोहोर्ट। इंट जे कार्डियोल 2013 (**167**:1322–8.

609. खान एम ए, सेनगुप्ता जे, मित्तल एस, घोष डी. जिनोम – वाइड एक्सप्रेशन इन ऑटोलोगौस इयूटोपिक एण्ड इक्टोपिक एण्डोमेट्रियम ऑफ फर्टिल वूमेन विद एण्डोमेट्रिओसिस। रिपोर्ट बायोल एण्डोक्राइनोल 2012(10+ 84. डीओआई : 10. 1186/1477–7827–10–84).

610. खान आर, गुप्ता एस, शर्मा ए. सरकुलेटरी लेवल्स ऑफ टी–सैल सिटोकाइनेस (इंटरल्यूकिन आई एल–2, आई एल–4, आई एल–17 एण्ड ट्रांसफोर्मिंग ग्रोथ फैक्टर – β) इन पेशेंट्स विद विटिलिगो। जे एम एकैड डर्मेटोल 2012 (66: 510–1).

611. खान आर, शर्मा एम, कुमार एल, हुसैन एस ए, शर्मा ए. इंटररिलेशनशिप एण्ड एक्सप्रेशन प्रोफिलिंग ऑफ सिक्लोऑक्सीजनेस एण्ड एंजियोजेनिक फैक्टर्स इन इण्डियन पेशेंट्स विद मल्टीपल मयेलोमा। एन्न हेमेटोल 2013 (**92**:101–9).

612. खण्डेलवाल डी, भट्टाचार्य एस, खडगावत आर, कौर एस, टंडन एन, अम्मीनी ए सी. हाइपोकेलेमिक पैरालिसिस एज़ ए प्रेजेंटिंग मेनिफेस्टेशंस ऑफ प्राइमरी एसजोग्रेज़ सिंड्रोम : ए रिपोर्ट ऑफ टू केसिस। इण्डियन जे एण्डोक्राइनोल मैथड 2012 (**16**:853–5).

613. खण्डेलवाल डी, गडोडिया ए, सूद आर, विक्रम एन के, सिंह पी, कुमार आर. डिस्सेमिनेटिड जिगोमयकोसिस विद रिनल इंवोल्वमेंट सिमुलेटिंग मेलिग्नेंसी इन ए डायबिटीक पेशेंट। इण्डियन जे यूरोल 2012 (**28**:347–9).

614. खण्डेलवाल डी, गोयल ए, कुमार यू, गुलाटी वी, नारंग आर, डे ए बी. फ्रेल्टी इज़ एसोसिएटिड विद लोंगर हॉस्पिटल स्टे एण्ड इंक्रीज्ड मोर्टेलिटी इन हॉस्पिटलाइज्ड ओल्डर पेशेंट्स। जे न्यूट्र हैल्थ एजिंग 2012 (**16**:732–5).

615. खण्डेलवाल डी, टंडन एन. ओवर्ट एण्ड सबक्लिनिकल हाइपोथायरोडिज्म : व्हू टू ट्रीट एण्ड हाउ। ड्रग्स 2012 (**72**:17–33).

616. खण्डपुर एस, रमन एम. स्किन ट्यूमर्स। जे क्युटेन एइस्थेट सर्ज 2012 (5: 159–62.

617. खण्डुजा एस, झांजी वी, वर्मा एन, वशिष्ठ पी, मूर्ति जी वी, गुप्ता एस के, एट अल. ट्रेकोमा प्रीवलेंस इन वूमेन लिविंग इन रुरल नोर्थन इण्डिया : रैपिड एसेस्मेंट फिंडिंग्स। ऑफ्थेलमिक इपिडेमियोल 2012 (**19**:216–20).

618. खण्डेगम्बम बी सी, नस्वा एन, शर्मा पी, बाल सी, मल्होत्रा ए, कुमार आर. आईसोलेटिड कार्डियक मेटास्टेसिस इन ए पेशेंट विद न्यूरो एण्डोक्राइन कार्सिनोमा ऑफ पेंक्रिस डिस्कवर्ड ओन ^{68}गा – डोटैनोक पीईटी/सीटी. जे न्यूक्लियर कार्डियोल 2012 (19 (5) : 1078–9).

619. खन्ना एन, रॉय ए, भाल वी के. जेनवे लैशंस : अन ओल्ड सिंग रिविस्टिड। सर्कुलेशन 2013 (**127**:861).

620. खन्ना पी, देव एस, शुक्ला एन के, झा डी. एक्यूरेसी ऑफ कंप्यूटिड टोमोग्राफी इमेजिंग इन डिटेक्टिंग पल्मोनरी नोडल्स इन पेशेंट्स प्लैनड फॉर पल्मोनरी मेटास्टेसेक्टोमी। यूर जे सर्ज ओंकोल (ई जे एस ओ) 2012 (**38**:770–71).

621. खन्ना पी, कुमार ए, देहरान एम. गेस्टेशनल ट्रोफोब्लास्टिक डिजीज विद हाइपरथायरोडिज्म : एनेस्थेटिक मैनेजमेंट। जे ओबस्टेट एनेस्थ क्रिट केयर 2012 (2:31–3).

622. खेरा आर, गौतम पी, गुप्ता एस के, अरोड़ा पी, सिंह टी, गुप्ता एन. एडल्ट टी लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (प्रो–टी ए एल एल) विद रिएक्टिव मोनोसिटोसिस : ए केस रिपोर्ट। इण्डियन जे हेमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूज 2012 अगस्त (डीओआई 10. 1007/एस12288–012–0179–2)ण

623. खैतान पी, सेतुरमन जी, खैतान बी के, शर्मा वी के, गुप्ता आर, डिंडा ए के, एट अल. अन एइटियोलॉजिकल एण्ड क्लिनिकोपैथोलॉजिकल स्टडी ओन क्युटेनियस वेस्कुलिटिस। इण्डियन जे मेड रेस 2012 (**135:**107–13.

624. खिलनानी जी सी, जैन एन. नॉन – इंवेसिव वेंटिलेशन : करेंट स्टेट्स इन क्लिनिकल प्रैक्टिस। पल्मोन जे रेस्पीर साइंस 2012 (14 (2).

625. खोखर एस, अग्रवाल टी, कुमार जी, कुशमेश आर, तेजवानी एल के. लेंटिकुलर एब्नोर्मेलिटिज इन चिल्ड्रन। जे पीडियाट्र ओफ्थेलमोल स्ट्राबिज्मस 2012 (**49:**32–7).

626. खोखर एस, गंगुली ए, गुप्ता एस, सेन एस. फुगो ब्लैड – एसिस्टेड लेंस एस्पीरेशन इन ए केस ऑफ इंट्रा – एण्ड रेट्रो लेंटिकुलर हेमोरहेज। इंट ऑप्थेलमोल 2013 (**33:**5–7).

627. खोखर एस, गुप्ता एस, अरोड़ा टी, गोजिया वी, दादा टी. यूनिलेटरल पर्सिस्टेंट फेटल वेस्कुलेचर कॉएक्सिटिंग विद एंटीरियर सेगमेंट डिस्जेनेसिस। इंट ऑप्थेलमोल 2013 (**33:**399–401).

628. किम एस एच, नायक एस, पलदुराई ए, नायक बी, सेमुइल ए, एप्लोगेन जी एल, इट अल. कॉम्प्लीट जीनोम सिक्वेंस ऑफ ए नोवल न्यूकेस्टल डिजीज वायरस स्ट्रेन आइसोलेटिड फ्रॉम ए चिकन इन वेस्ट अफ्रीका। जे वायरोल। 2012 (**86:**11394–5).

629. किशोर एन, सिंह वी, सागर आर, लाल आर. रिकरेंट डिप्रेसिव डिसोर्डर विद या विदाउट स्पोंटेनियस हाइपोमेनिया : आर दे रीयली डिफ्रेंट। जे मेंट हैल्थ बिहेव 2012 (1: 108–15).

630. कू जे एच, लिओंग आर डब्ल्यू, शिंग जे, यीओह के जी, डब्ल्यू यू डी सी, मुरदानी ए, एट अल। एशिया पैसिफिक वर्किंग ग्रुप इन कोलोरेक्टल कैंसर। नॉलेज आॅ, एटिट्यूडस टुवर्ड, एण्ड बैरिज़ टू पर्टिसिपेशन ऑफ कोलोरेक्टल कैंसर स्क्रीनिंग टेस्ट इन द एशिया – पेसिफिक रिजन : मल्टीसेंटर स्टडी। गैस्ट्रोइंटेस्ट एण्डोस्क 2012 (**76:**126–35).

631. कोठारी एस एस. ऑडिटिंग आवर 'सेल्वस'। एन्न पीडियाट्र कार्डियोल 2013 (**6:**1–2.

632. कोठारी एस एस. इवेल्यूशन ऑफ एन आइडिया : द केस ऑफ प्रोफिलेक्सिस अगेंस्ट इंफैक्टिव एण्डोकार्डिटिस। एन्न पीडियाट्र कार्डियोल 2012 (**5:**117–9.

633. कोठारी एस एस. लैटर रिगर्डिंग आर्टिकल, "इकोकार्डियोग्राफी स्क्रीनिंग फॉर रियूमेटिक हार्ट डिजीज इन उगंदान स्कूल चिल्ड्रन?" सर्कुलेशन 2012 (**126:ई**477).

634. कोठारी एस एस. साउंड ऑफ वेव्स : रिफ्लैक्शंस ओन मेडिकल प्रैक्टिस इन इण्डिया। नेटल मेड जे इण्डिया 2012 (25:237–8).

635. कोटवाल पी पी, अंसारी एम टी. जोन 2 फ्लैक्सोर टेंडोन इंजरिज़ : वेंटुरिंग इंटू द नो मैनज़ लैण्ड। इण्डियन जे ऑर्थोप 2012 (**46:**608–15).

636. कृपलानी ए, अवस्थी डी, कुलश्रेष्ठा वी, अग्रवाल एन. एफिकेसी ऑफ द लेवोनोर्गेस्ट्रील – रिलीजिंग इंट्रायूटेरिन सिस्टम इन यूटेरिन लेईओमयोमा। इंट जे गायनेकोल ओब्स्टेट 2012 (**116:**35–8).

637. कृपलानी ए, कच्छवा जी, अवस्थी डी, कुलश्रेष्ठ वी. लेपेरोस्कोपिक – एस्सिटेड यूटेरोवेजिनल एनेस्टोमोसिस इन कोंजिनिटल एट्रेसिया ऑफ यूटेरिन सर्विक्स : फॉलोअप स्टडी। जे मिनिम इंवेसिव ज्ञानेकोल 2012 (**19:**477–84).

638. कृपलानी ए, महेय आर, दास बी, कुलश्रेष्ठा वी, अग्रवाल एन, भटला एन. रोल ऑफ इंट्रावेनस आयरन सुक्रोस थेरेपी इन मॉडरेट टू सेवर एनेइमिया इन प्रेग्नेंसी। इंट जे गायनेकोल ऑब्स्टेट 2012 (**119: एस** 698).

639. कृपलानी ए, महेय आर, कच्छवा जी, कुलश्रेष्ठा वी, लिंगडोह बी. लेपेरोस्कोपिक साक्रोपसरविकोपेक्सी फॉर यूटेरोवेजिनल प्रोलेप्स इंट जे गायनेकोल ओब्स्टेट 2012 (**119: एस** 674).

640. कृपलानी ए, महेय आर, कुमार पी, मेनन आर पी, वांगडी टी, कच्छवा जी. लेपेरोस्कोपिक सर्कोहिस्टेरोपेक्सी फॉर रिपेयर ऑफ जीनिटल प्रोलेप्स इन वॉमेन। जे मिनिम इंवेसिव गानेकोल 2012 (**19 : एस**58).

641. कृष्णा ए, मिश्रा एम सी, बंसल वी के, कुमार एस, राजेशवरी एस, काबरा ए. लेपेरोस्कोपिक इंगुइनल हेरिनिया रिपेयर : ट्रांसएब्डोमिनल प्रीपेरिटोनियल (टी ए पी पी) वर्सस टोटली एक्स्ट्रापेरिटोनियल (टी ई पी) एप्रोच : ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। सर्ज एण्डोस्कोप 2012 (26:639–49).

642. कृष्णन जी एस, रमन एम, मेहता एम, श्रीनिवास वी, शर्मा वी के, खण्डपुर एस. विटिलिगो इम्पैक्ट स्केल : अन इंस्ट्रमेंट टू एसेस्स द सायकोसोशल बर्डन ऑफ विटिलिगो। इण्डियन जे डर्मेटोल वेनेरिओल लेप्रोल 2013 (**79:**205–10).

643. कृष्णन ए, अमरचंद आर. हू किल्ड क्लिनिकल मेडिसिन? अन एलीगोरिकल मर्डर मीस्ट्री। इण्डियन जे मेड एथिक्स 2012 (**9:**121–3).

644. कृष्णन ए, द्विवेदी पी, गुप्ता वी, व्यास पी, पांडव सी एस, एन जी एन. सोसिओइकोनोमिक डेवलपमेंट एण्ड गर्ल चाइल्ड सर्वाइवल इन रुरल नोर्थ इण्डिया : सोल्यूशन या प्रोब्लम? जे एपिडेमिओल कॉम्युनिटी हैल्थ 2013 (**67**:419–26).
645. कृष्णन ए, कुमार आर, नोंगकिंरिह बी, मिश्रा पी, श्रीवास्तव आर, कपूर एस के. एडल्ट मोर्टेलिटी सर्विलाइंस बाय रुटिन हैल्थ वर्कस यूजिंग ए शॉर्ट वर्बल ऑटोप्सी टूल इन रुरल नोर्थ इण्डिया। जे एपिडेमियोल कॉम्युनिटी हैल्थ 2012 (**66**:501–6).
646. कृष्णन ए, एन जी एन, कपूर एस के, पाण्डव सी एस, व्यास पी. टेम्पोरल एण्ड जेंडर डिफरेंटियल्स इन कौसिस ऑफ चाइल्डहुड डैथस एट बालगढ़, इण्डिया – नीड फॉर रिविसिटिंग चाइल्ड सर्वाइवल स्ट्रेटिजिस। बी एम सी पब्लिक हैल्थ 2012 (**12**:555).
647. कुकरेटी बी बी, रामकृष्णन एस, गुलाटी जी एस, भार्गव बी, सेठ एस. कैलसिफाइड एनेयूरिज्म ऑफ लेफ्ट वेंट्रिकुलर एपेक्स इन एपिकल कार्डियोमयोपैथी। टैक्स हार्ट इंस्ट जे 2012 (**39**:758–60).
648. कुलश्रेष्ठा बी, यूनाइस एम, अम्मीनी ए सी. पुबर्टेल डेवलपमेंट अमंग गर्ल्स विद क्लासिकल कोंजिनिटल एड्रेनल हाइपरप्लासिया इनिशिएटिड ओन ट्रीटमेंट एट डिफ्रेंट एजेंस। इण्डियन जे एण्डोक्राइनोल मेटाब 2012 (**16**:599–603).
649. कुलश्रेष्ठ बी, गुप्ता एन, ज्ञाने एम ए, अम्मीनी ए सी. इफैक्ट ऑफ मेटफोर्मिन एण्ड स्पिरोनोलेक्टोन थेरेपी ओन ओ जी टी टी इन पेशेंटस विद पोलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम – ए रेट्रोस्पेक्टिव एनालाइसिस। ज्ञानेकोल एण्डोक्राइनोल 2012 (**28**:823–6).
650. कुलश्रेष्ठा बी, मेहता एम, गुप्ता एन, अम्मीनी ए सी. बिहेविओरल एग्रेसिवनेस इन बॉयज़ विद सेक्सुअल प्रीकोसिटी। इण्डियन जे एण्डोक्राइनोल मेटाब 2012 (**16**:395–9).
651. कुलश्रेष्ठा पी, दीपक के के. ऑटोनोमिक नर्वस सिस्टम प्रोफाइल इन फिब्रोमयालजिया पेशेंट्स एण्ड इट्स मॉडुलेशंस बाय एक्सरसाइज़ : ए मिनि रिव्यू। क्लिन फिजियोल फंक्ट इमेजिंग 2013 (33: 83–91).
652. कुलश्रेष्ठा पी, गुप्ता आर, यादव आर के, बिजलानी आर एल, दीपक के के. ए कॉम्प्रेहेंसिव स्टडी ऑफ ऑटोनोमिक डिस्फंक्शन इन द फिब्रोमयालजिया पेशेंट्स। क्लिन ऑटोन रेस 2012 (22: 117–22).
653. कुलश्रेष्ठा वी, कृपलानी ए, अग्रवाल एन, कच्छवा जी, भटला एन. कॉम्प्रेशन ऑफ इफिकेसी ऑफ लेवोनोरेजिस्ट्रोल इंट्राजुटेरिन सिस्टम (एल एन जी – आई यू एस) इन एब्नोर्मल यूटेरिन ब्लीडिंग ड्यू टू डी यू बी, यूटेरिन – लेइयोमायोमा एण्ड एडेनोमयोसिस। इंट जे ऑब्स्टेट गायनेकोल 2012 (**11983**:395).
654. कुमार ए, अंसारी एम टी, यादव सी एस, रीजल एल. लिगामेंटोटैक्सिस फॉर कॉमिन्यूटिड फ्रैक्टर ऑफ कैपिटेट : ए केस रिपोर्ट। चिन जे ट्रायूमेटोल 2012 (**15**:254–6).
655. कुमार ए, चंद्रा पी एस, बिष्ट ए, गर्ग ए, महापात्रा ए के, शर्मा एम सी. सक्सेसफुल सर्जिकल एक्सिशन ऑफ ए नॉनडिसरेफिक होलोडोरसल इंट्रामेडुलरी लिपोमा इन ए 14 – मंथ – ओल्ड चाइल्ड। पीडियाट्र न्यूरोसर्ज 2011 (47 (4): 272–4).
656. कुमार ए, चंद्रा पी एस, मनकोटिया डी एस, त्रिपाठी एम, गर्ग ए, महापात्रा ए के. स्क्वेमोसल टाइप सुपरफिशियल मीडल सेरेब्रल वेन : ए रेयर वेनस ड्रेनेज पैटर्न। न्यूरोल इण्डिया 2012 (60 (5) : 546–7).
657. कुमार ए, गोगिया वी, शाह वी एम, नाग टी सी। कॉम्परेटिव एवेलुएशन ऑफ एनेटोमिकल एण्ड फंक्शनल आउटकम्स यूजिंग ब्रिलियंट ब्ल्यू जी वर्सस ट्रीएमसिनोलोन एस्सिटेड आई एल एम पीलिंग इन मैकुलर होल सर्जरी इन इण्डियन पॉपुलेशन। गेइफेस आर्क क्लिन एक्स ऑफ्थेलमोल 2011 (**249**:987–95).
658. कुमार ए, गुप्ता एच, यादव सी एस, खान एस ए, रस्तोगी एस). रोल ऑफ लॉकिंग प्लेटस इन ट्रीटमेंट ऑफ डिफिकल्ट अन्यूनाइटिड फ्रैक्चर्स : ए क्लिनिकल स्टडी। चिन. जे ट्रायूमेटोल 2013 (**16**:22–6).
659. कुमार ए, कुमार ए, बाली एस जे, टंडन आर. परफोर्मेंस एनालाइसिस ऑफ एफर्टस टुवर्डस प्रोमोशन ऑफ कॉर्नियल डोनेशन एट ए टर्शरी केयर ट्रॉमा सेंटर इन इण्डिया। कोर्निया 2012 (31 (7) : 828–31).
660. कुमार ए, कुमार ए, मूर्ति ओ पी, गुप्ता वी पी, दास एस, ए रेयर ऑफ होमिसिडल इंसेकटिसाइड (ओर्गेनोक्लोरो कॉम्पाउंड) पोइसोनिंग बाय इंट्रापेरिटोनियल इंजेक्शन। मेड साइंस लॉ 2012 (52(4) : 231.3. डीओआई : 10.1258/एमएसएल.2012. 010027.
661. कुमार ए, राज एन एन एम, मोची टी बी, मोहंती एस, सेठ टी, आजाद आर. असेस्मेंट ऑफ सेंट्रल रेटिनल फंक्शन आफ्टर ऑटोलोगस बोन मैरो डिराइवड इंट्राविट्रीयल स्टेम सैल्स इंजेक्शन इन पेशेंट्स विद रेटिनिटिस पिग्मेंटोसा यूजिंग मल्टीफोकल ई आर जी : ए पायलट स्टडी। वर्ल्ड जे रेटिना विट्रीओस 2012 (**2**:5–13).
662. कुमार ए, सेहरा एस वी, तिरुमलेश एम बी, गोगिया वी. सेकंडरी रहिग्मेटोजिनौज़ रेटिनल डेटाकहमेंट फॉलोइंग इंट्राविट्रीयल बिवेसिजुम्ब इन पेशेंट्स विद विट्रीओस हेमोरेज या ट्रक्शनल रेटिनल डेटाकीमेंट सेकण्डरी टू इल्यज़ डिजीज। ग्रेइफेस आर्क क्लिन एक्स. ऑफ्थेलमोल 2012 (**250**:685–90).

663. कुमार ए, सिंह एन, यादव आर, कुमार आर पी, शर्मा एस, अरोड़ा ए, सिंह टी पी. क्रिस्टल स्ट्रक्चर ऑफ पेपटिडी1–टीआरएनए हाइड्रोलेस फ्रॉम मायकोबैक्टीरियम स्मेग्मेटिस रिविल्स नोवल फीचर्स रिलेटिड टू एंजाइम डायनेमिक्स। इंट जे बायोकेम मोल बायोल 2012 (3: 58–69).
664. कुमार ए, तिनवाला एस, गोगिया वी, सिन्हा एस. क्लिनिकल प्रेजेंटेशन एण्ड सर्जिकल आउटकमस इन प्राइमरी मायोपिक मैकुलर होल रेटिनल डेटाकमेंट। यूर जे ऑफ्थेलमोल 2012 (22:450–5).
665. कुमार बी, गुप्ता एस के, श्रीनिवासन बी पी, नाग टी सी, श्रीवास्तव एस, सक्सेना आर. हैसपेरेटिन एमेलिओरेटस हाइपरग्लिसेमिया इंडयूस्ड रेटिनल वेस्कुलोपैथी विया एंटी – एंजियोजेनिक इफैक्टस इन एक्सपेरिमेंटल डायबिटिक रैटस। वेस्कुल फार्माकोल 2012 (57: 201–7).
666. कुमार डिग्ग वी, मीना एस, खान एस ए, मित्तल आर. स्पोंटेनियस एट्रॉमेटिक डिस्लॉकेशंस ऑफ स्अर्नोक्लेविकुलर जोइंट इन रैटर सिंड्रोम। चिन जे ट्रॉमेटोल 2012 (**15**:251–3).
667. कुमार जी, बाली एस जे, पाण्डा ए, सोबती ए, दादा टी. प्रीवलेंस ऑफ प्लेटियू इरिस कोंफिगुरेशन इन प्राइमरी एंगल क्लोजर ग्लूकोमा यूजिंग अल्ट्रासाउंड बायोमाइक्रोस्कोपी इन द इण्डियन पॉपुलेशन। इण्डियन जे ऑफ्थेलमोल 2012 (**60**:175–8).
668. कुमार जी, श्रीवास्तव ए, शर्मा एस के, गुप्ता वाय के. सेफ्टी एण्ड इफिकेसी एवेलुएशन ऑफ अयुर्वेदिक ट्रीटमेंट (अर्जुना पाउडर एण्ड योज्ञायवर्धिनि वाटी) इन डिस्लिपिडेमिया पेशेंट्स : ए पायलट प्रोस्पेक्टिव कोहोर्ट क्लिनिकल स्टडी। अयु 2012 (33: 197–201).
669. कुमार गुप्ता एस, सिंघला एस, दामले एन ए, अग्रवाल के, बाल सी. डायग्नोसिस ऑफ मेन – 1 सिंड्रोम ओन (68) गो – डोटेनोक पेट – सीटी एण्ड रोल ऑफ पेप्टाइड रिसेप्टर रेडिओन्यूक्लाइड थेरेपी विद (177) एलयू – डोटेटेट। इंट जे एण्डोक्राइनोल मेटाब 2012 (10 (4) : 629–33).
670. कुमार के, डेका डी, सिंह ए, चट्टोपाध्याय पी, दादा आर. एक्सप्रेशन पैटर्न ऑफ पी आर एम 2, एच एस पी 90 एण्ड डब्ल्यू एन टी 5 ए इन मेल पैर्टनर्स ऑफ कापल्स एक्सपीरियंस इडियोपैथिक रिकरेंट मिस्कैरिजिस। जे जिनेट 2012 (**91**:363–6).
671. कुमार के, डेका डी, सिंह ए, मित्रा डी के, वेनिथा बी आर, दादा आर. प्रीडिक्टिव वैल्यू ऑफ डीएनए इंटिग्रीटी एनालाइसिस इन इडियोपैथिक रिकरेंट प्रेग्नेंसी लॉस फॉलोइंग स्पोंटेनियस कोंसेप्शन। जे एसिस्ट रिप्रोड जेनेट 2012 (**29**:861–7).
672. कुमार के, थिलागावति जे, डेका डी, दादा आर. अनएक्सप्लेनेड अर्ली प्रेग्नेंसी लॉस : रोल ऑफ पैटर्नल डी एन ए. इण्डियन जे मेड रेस 2012 (**136**:296–8).
673. कुमार एल, सिरियक एस एल, तेजोमूर्तुला टी वी, भाल ए, बिश्वास बी, साहू आर के, एट अल। ऑटोलोगौस स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन फॉर मल्टीपल मयेलोमा : आइडेंटिफिकेशन ऑफ प्रोग्नोस्टिक फैक्टर्स। क्लिन लिम्फोमा मयेलोमा लियूक 2013 (**13**:32–41).
674. कुमार एम, कौर पी, कुमार एम, सक्सेना आर, शर्मा पी, दादा आर. क्लिनिकल कैरेक्टराइजेशन एण्ड मिटोकोंड्रियल डी एन ए सिक्वेंस वेरिएशंस इन लेबर हेरेडिटेरी ऑप्टिक न्यूरोपैथी। मोल विस 2012 (**18**:2687–99).
675. कुमार एम, कुमार के, जैन एस, हसन टी, दादा आर. नोवल इंसाइट्स इंटू द जेनेटिक एण्ड एपिजेनेटिक पैटर्नल कोंट्रिब्यूशन टू द ह्यूमैन एम्ब्रीयो। क्लिनिकल (साओ पैउलो) 013 (**68 (पूरक 1)** : 5–14).
676. कुमार एम, पाठक डी, वेंकेटेश एस, कृपलानी ए, अम्मीनी ए सी, दादा आर क्रोमोसोमल एब्नोर्मेलिटिज़ एण्ड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन वूमेन विद प्रीमेचुर ओवेरियन फेल्योर (पी ओ एफ)। इण्डियन जे मेड रेस 2012 (**135**:92–7).
677. कुमार एम, सिंह जी, अरोड़ा, मेवार एस, शर्मा यू, जगन्नाथन एन आर, एट अल। सैल्यूलर इंटेरेक्शन ऑफ फोलिक एसिड कोंजुगेटिड सुपरपैरामैग्नेटिक आयरन ऑक्सिड नैनोपार्टिकल्स एण्ड इट्स एज़ कोंट्रास्ट एजेंट फॉर टार्गेटिड मैग्नेटिक इमेजिंग ऑफ ट्यूमर्स सैल्स। इंट जे नैनोमेडिसिन 2012 (**7**:3503–16).
678. कुमार एम, तंवर एम, फैक एम ए, पेनी जे, शम्शी एम बी, दादा आर, एट अल. मिटोकोंड्रियल डी एन ए न्यूक्लिओटाइड चेंजिस इन प्राइमरी कोंजिनिटल ग्लायूकॉमा पेशेंट्स। मोल विस 2013 (**19**:220–30).
679. कुमार एन, बिंद्रा ए, महाजन सी. एनेइस्थेटिक मैनेजमेंट ऑफ ए पेशेंट विद ब्रुगाडा सिंड्रोम फॉर क्रेनिओटोमी एण्ड ट्यूमर एक्सिशन। जे न्यूरोसर्ज एनेस्थेसिओल 2013 (25 (2) : 216–17).
680. कुमार एन, कौर जी, टंडन एन, कांगा यू, मेहरा एन के. जीनोमिक एवेल्युएशन ऑफ एच एल ए – डी आर + 3 हेप्लोटाइपस एसोसिएटिड विद टाइप 1 डायबिटीज़ । एन्न एन वाय एकैड साइंस 2013 (**1283**:91–6).

681. कुमार एन, कौर जी, टंडन एन, मेहरा एन. ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर – एसोएटिड सक्सेप्टिबिलिटी टू टाइप 1 डायबिटीज इज़ कौज्ड बाय लिंकेज डिसेक्विलिब्रियम विद एच एल ए – डी आर 3 हेप्लोटाइपस। हम इम्यूनोल 2012 (**73**:566–73).
682. कुमार एन, शर्मा जी, कौर जी, टंडन एन, भटनागर एस, मेहरा एन. मेजर हिस्टोकॉम्पेटिबिलिटी कॉम्प्लैक्स क्लास आई चेन रिलेटिड जीन – ए माइक्रोसेटेलाइट पोलीमोर्फिज्म शॉस सैकण्डरी एसोसिएशन विद टाइप 1 डायबिटीज़ एण्ड सिलियक डिजीज इन नोर्थ इण्डियंस। टिशू एंटीजंस 2012 (**80**:356–62).
683. कुमार एन बी, धुरनधर एम, अग्रवाल बी, अनंत एस, डैनियल के, डेंग जी, एट अल। प्रोसीडिंग्स ऑफ द इंडो – यू. एस. बाइलेट्रल वर्कशॉप ओन एक्सेलेरेटिंग बोटेनिकल्स / बायोलॉजिक्स एजेंट डेवलपमेंट रिसर्च फॉर कैंसर कीमोप्रीवेंशन, ट्रीटमेंट, एण्ड सर्वाइवल। कैंसर मेड 2013 (**2**:108–15).
684. कुमार पी, जैन वी, ठक्कर ए. स्पीच रिहेबिलिटेशन ऑफ मैक्सीलेक्टोमी पेशेंट्स विद होलो बुल्ब बॉब्टुरेटर। इण्डियन जे पैलिएट केयर 2012 (**18**:207–12).
685. कुमार आर, अंद्राबी आर, तिवारी ए, प्रकाश एस एस, विग एन, दत्ता डी, संख्यान ए, खान एल, सिन्हा एस, लुथरा के. ए नोवल स्ट्रेटेजी फॉर एफिसियंट प्रोडक्टशन ऑफ एंटी – वी 3 ह्यूमैन एस सी एफ वी एस एगेंस्ट एच आई वी – 1 क्लेड सी. बी एम सी बायोटेक्नोल 2012 (**12**:87).
686. कुमार आर, जगन्नाथन एन आर. प्रीबायोप्सी मैग्नेटिरेसोनेंस स्टडीज़ फॉर प्रोस्टेट कैंसर डायग्नोसिस। इंट जे यूरोल 2013 (20:140–1).
687. कुमार आर, कुरुणानिधि एस, जौहंग एच, अलेवी ए. रोल ऑफ पी ई टी – सी टी इन एवेल्युएशन ऑफ ट्रीटमेंट रेस्पोंस इन इंफैक्शंस एण्ड इंफ्लेमेटरी डिजीज। पी ई टी क्लिन 2012 (7: 233–43).
688. कुमार आर, नायक बी. रोबोटिक वर्सस कोंवेंशनल लेपेरोस्कोपिक पयेलोप्लास्टी : ए सिंगल सर्जन कोंकरेंट कोहोर्ट रिव्यू। इण्डियन जे यूरोल 2013 (29:19–21).
689. कुमार आर, प्रकाश एस, छाबड़ा एस, सिंगल वी, मदन के, गुप्ता एस डी, एट अल। एसोसिएशन ऑफ प्रो इंफ्लेमेटरी सिटोकाइनेस, एडिपोकाइनेस एण्ड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस विद इंसुलिन रेसिस्टेंस एण्ड नॉन – एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज। इण्डियन जे मेड रेस 2012 (**136**:229–36).
690. कुमार आर, रीता के एच, राय एस बी, एंटीनॉसिसेप्टिव इफैक्ट ऑफ इंट्राथिकल लोपेरेमाइड : रोल ऑफ एमयू – ऑपिओइड रिसेप्टर एण्ड कैल्शियम चैनल्स। यूर जे फार्माकोल 2012 (**696**:77–82).
691. कुमार आर, सेकिनेएनी एस, रस्तोगी एस, प्रकाश एस, बख्शी एस, शर्मा एम सी, एट अल। एक्सप्रेशन ऑफ वेस्कुलर एण्डोथेलियल ग्रोथ फैक्टर इन इविंग्ज़ सर्कोमा। इंट आर्थोप 2012 (**36**:1669–72).
692. कुमार आर, शालिमार, शर्मा एच, गोयल आर, कुमार ए, खानल एस, एट अल. प्रोस्पेक्टिव डिराइवेशन एण्ड वेलिडेशन ऑफ अर्ली डायनेमिक मॉडल फॉर प्रीडिक्टिंग आउटकम इन पेशेंट्स विद एक्यूट लिवर फेल्योर। गुट 2012 (**61**:1068–75).
693. कुमार आर, शालीमार, शर्मा एच, प्रकाश एस, पाण्डा एस के, खानल एस, एट अल. परसिस्टेंट हाइपरएम्मोनिया एज़ एसोसिएटिड विद कॉम्प्लीकेशंस एण्ड पूर आउटकम्स इन पेशेंट्स विद एक्यूट लिवर फेल्योर। क्लिन गैस्ट्रोएंट्रेरोल हेप्टोल 2012 (**10**:925–31).
694. कुमार आर, शर्मा जी, शर्मा बी एस. मैनेजमेंट ऑफ स्केल्प आर्टिरिओ – वेनस माल्फोमेशन : केस सिरिज़ एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। बी आर जे न्यूरोसर्ज 2012 (26 (3): 371–7).
695. कुमार आर, शर्मा पी, कुमारी ए, धनपाति एच, मल्होत्रा ए. पी ई टी – सी टी इन डिटेक्शन ऑफ रिकरेंट गाल ब्लैडर कार्सिनोमा। क्लिन न्यूक्लियर मेड 2012 (37 (5): 431–5).
696. कुमार आर, सिंह ए के, पाण्डे आर, डे एस. क्लोनिंग एक्सप्रेशन एण्ड प्यूरिफिकेशन ऑफ ट्रूंकेटिड एस आई आर टी. 1 इंट जे मोल बायोल 2012 (3: 49–54).
697. कुमार आर, त्रिपाठी वी, अहमद एम, नाथ एन, मीर आर ए, चौहान एस एस, एट अल. सी एक्स सी आर 7 मेडिएटिड जीआईअल्फा इंडिपेंडेंट एक्टिवेशन ऑफ ई आर के एण्ड ए के टी प्रोमोटस सैल सर्वाइवल एण्ड कीमोटेक्सिस इन टी सैल्स। सैल इम्यूनोल 2012 (**272**:230–41).
698. कुमार आर, यादव आर, सर्वोत्तम के, यादव आर के, मेहता एन. इंटरल्यूकिन 6 एण्ड डायबिटिक रिस्क फैक्टर्स आर मोडिफाइड बाय योगा बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेंशन इन ओबेसिटी। इण्डियन जे फिजियोल फार्माकोल 2012 (56: 36–7).
699. कुमार आर, मेडिकल मैनेजमेंट ऑफ नॉन – ऑब्स्ट्रेक्टिव एजूस्पर्मिया। क्लिनिक्स 2013 (68: (1) :1–5).
700. कुमार आर वी, भास्कार एस, बाजपेयी वी, सराया ए. इफैक्ट ऑफ द ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एच पी वी) क्वाड्रिवेलेंट वैक्सिन इन ए सबग्रुप ऑफ वूमेन विद सर्विकल एण्ड वुल्वर डिजीज : रेट्रोस्पेक्टिव पूल्ड एनालाइसिस ऑफ ट्रायल डेटा। बी आर मेड जे (सिरियल ऑनलाइन) 2012 अप्रैल 24.

701. कुमार आर वी, भास्कर एस. स्टडी फाइंडस प्रोजिबल रोल ऑफ एस्पीरिन एज़ ट्रीटमेंट फॉर कोलोन कैंसर। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल (सिरियल ऑनलाइन)। 2012 (सिटाइड 3 मई 2012) 29 अप्रैल।
702. कुमार आर वी, भास्कर बी. बेवासिजुम्ब (अवस्थीन) इन द मैनेजमेंट ऑफ ऑक्युलर मेटास्टेसिस। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल (सिरियल ऑनलाइन)। 2012 (साइटेड 13 जुलाई 2012) 18 जून।
703. कुमार आर वी, भास्कर एस. पायलट स्टडी विल एसेस वैदर एच पी वी टेस्ट शूड रिप्लेस स्मीयर्स टू स्क्रीन फॉर सर्विकल कैंसर। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल (सिरियल ऑनलाइन)। 2012 (सिटाइड 2012 जुलाई 13) 4 जून।
704. कुमार एस, अहुजा वी, शंकर एम जे, कुमार ए, मोस ए सी. सरकुमिन फॉन मैनटेनेंस ऑफ रिमिशन इन यूल्सेरेटिव कोलिटिस। कोक्रेन डेटाबेस सिस्ट रेव 2012 (**10**:सीडी008424.
705. कुमार एस, बंसल वी के, मुडुली डी के, शर्मा पी, मिश्रा एम सी, चुम्बर एस, एट अल। एक्युरेसी ऑफ फॉकस्ड एस्सेमेंट सोनोग्राफी फॉर ट्रॉमा (एफ ए एस टी) इन ब्लंट ट्रॉमा एब्डोमेन – ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी। इण्डियन जे सर्ज फर्स्ट ऑनलाइन जनवरी 2013.
706. कुमार एस, जैन एस, वेलपाण्डियन टी, पेट्रोविच गेरासिमेंको वाय, डी एवेल्व वी, बिहारी जे, एट अल. एक्सपोजर टू एक्सट्रीमली लॉ फ्रीक्वेंसी मैग्नेटिक फिल्ड रेस्टोस स्पाइनल कोर्ड इंजरी – इंड्यूस्ड टोनिक पेन एण्ड इट्स रिलेटिड न्यूरोट्रांसमिटिर कोंसेंट्रेशन इन द ब्रेन। इलेक्ट्रोमैग्न बायोल मेड 2013 (32 (4) : 471–83).
707. कुमार एस, मिश्रा बी, कृष्णन ए, गुप्ता ए, सागर एस, सिंगल एम, एट अल. नोनोपेरेटिव मैनेजमेंट ऑफ ट्रॉमेटिक सिलोथोरैक्स। इण्डियन जे सर्ज 2013 (75 (पूरक 1) : 465–8).
708. कुमार एस, पाण्डे ए के, शर्मा पी, शमीम एस ए, मल्होत्रा ए, कुमार आर. इंस्टेंटेनियस एक्सपोजर टू न्यक्लियर मेडिसिन स्टाफ इंवोल्वड इन पी ई टी – सी टी इमेजिंग इन डेवलपिंग कंट्रीज़ : एक्सपीरियंस फ्रॉम ए टर्शरी केयर सेंटर इन इण्डिया। जे पी एन रेडियोल 2012 (30 (4) : 291–5).
709. कुमार एस, सागर एस. सुब्रमण्यम ए, एल्बर्ट वी, पाण्डेय आर एम, कपूर एन. एवेल्युएशन ऑफ एमलेस एण्ड लिपेस लेवल्स इन ब्लंट ट्रॉमा एब्डोमेन पेशेंट्स। जे इमर्ज ट्रॉमा शॉक 2012 (**5**)135–42).
710. कुमार एस, शर्मा जे बी, कर्नाटक डी, रॉय के के, सिंह एन. काम्बाइंड इंट्रा – एब्डोमिनल पेल्विक पैकिंग ड्यूरिंग सिटोरेडक्टिव सर्जरी इन एडवांस्ड एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर : ए केस सिरिज़। आर्क ज्ञानेकोल ऑब्स्टेट 2012 (**285**)1125–32).
711. कुमार एस, शर्मा वी के, सिंह एस, हरिप्रसाद जी आर, माल जी, श्रीनिवासन ए, एट अल. प्रोटेओमिक आइडेंफिकेशन ऑफ कैमल सेमिनल प्लाज्मा : प्यूरीफिकेशन ऑफ β– नर्व ग्रोथ फैक्टर। अनीम रिपोर्ट साइंस 2013 (136) 289–95).
712. कुमार एस, तोमर ए के, सिंह एस, सारस्वत एम, सिंह एस, सिंह टी पी, एट अल। ह्यूमैन सीरम एल्बुमिन एज़ ए न्यू इंट्रेक्टिंग पार्टनर ऑफ प्रोलेक्टिन इंड्सिबल प्रोटीन इन ह्यूमैन सेमिनल प्लाज्मा। इंट जे बायोल मार्कोमोल 2012 (50) 317–22).
713. कुमार एस के, खेर पी, जरयाल ए के, तलवाल ए. वेलिडिटी ऑफ हार्ट रेट बेस्ड नोमोग्राफ फोर्स एस्टीमेशन ऑफ मैक्सिमम ऑक्सीजन अपटेक इन इण्डियन पॉपुलेशन। इण्डियन जे फिजियोल फार्माकोल 2012 (56) 279–83).
714. कुमार एस एस, ठक्कर ए. द स्पेक्ट्रम ऑफ फेशियल पैरालिसिस इन क्रोनिक सप्रेटिव ओटिटिस मीडिया। इण्डियन जे ओटोलॉजी 2012 (18) 92–4).
715. कुमार यू, भसीन एस. हाइपरट्रोफिक पैकिमेनिंजिटिस इन सिस्टेमिक स्कलेरोसिस सिन स्कलेरोडर्मा। इंट जे 2012 (**15**) ई120–1).
716. कुमार यू, संकल्प जी, श्रीनिवास वी, कौर एस, मिश्रा डी. प्रोस्पेक्टिव, ओपन लेबल, अंकंट्रोल्ड पायलट स्टडी टू स्टडी सेफ्टी और इफिकेसी ऑफ सिल्डेनेफिल इन सिस्टेमिक स्कलेरोसिस – रिलेटिड पल्मोनरी आर्टी हाइपरटेंशन एण्ड क्युटेनियस वेस्कुलर कॉम्प्लीकेशंस। रियूमेटोल इंट 2013 (**33**:1047–52).
717. कुमार वी, छावला ए, लोगानी ए एण्ड शाह एन. मिनरल ट्रीऑक्सिाइड एग्रीगेट पल्पॉटोमी : अन आइडियल ट्रीटमेंट ऑप्शन फॉर मैनेजमेंट ऑफ टेलोन क्युप्स। कोंटेम्प क्लिन डेंट 2012 (3: 491–3).
718. कुमार वी, जी यू वाय, बासु बी, बरग्लंड ए, एस्चिरिच एस ए, सचभात एम बी, एट अल। रेडिओमिक्स : द प्रोसेस एण्ड द चैलेंजिस। मैग्न रेसोन इमेजिंग 2012 (30:1234–48).
719. कुमार वी, जगन्नाथन एन आर, थुलकर एस, कुमार आर. प्रीबयोप्सी मैग्नेटिक रेसोनेंस स्पेक्ट्रोस्कॉपी एण्ड इमेजिंग इन द डायग्नोसिस ऑफ प्रोस्टेट कैंसर। इंट जे यूरोल 2012 (**19**:602–13).

720. कुमार वी, नाथ के, बर्मन सी जी, किम जे, तेंवेटीएनोन टी, चिएप्पोरी ए ए, एट अल. वेरिएंस ऑफ एस यू वी एस फॉर एफ डी जी – पी ई टी / सी टी इज़ ग्रेटर इन क्लिनिकल प्रैक्टिस दैन अंडर आईडियल स्टडी सेटिंग्स। क्लिन न्यूक्लि. मेड 2013 (38:175–82).
721. कुमार वी, शर्मा यू, जगन्नाथन एन आर. इन विवो मैग्नेटिक रेसोनेंस स्पेक्ट्रोस्कॉपी ऑफ कैंसर। बायोमेड स्पेक्ट्रो इमेजिंग 2012 (1:89–100).
722. कुमार वी, यादव वी के, हसन एम आई, सिंह स्ट्रक्चरल स्टडीज़ ऑन द इंटरएक्शन ऑफ हेपेरिन एण्ड स्ट्रक्चरल स्टडीज़ ऑन द इंटरएक्शंस ऑफ हेपेरिन एण्ड प्रोटींस ऑफ ह्यूमैन सेमिनल प्लाज्मा यूजिंग सरफेस प्लाज्मोन रेसोनेंस। प्रोटीन पेप्ट लैट 2012 (19) 795–803).
723. कुमार आर वी, भास्कर एस, इज़ स्पेंडिंग ऑन प्रोटोन बीम थेरेपी फॉर कैंसर गोइंग टू फार, टू फास्ट? ब्रिटिश मेडिकल जर्नल (सिरियल ऑनलाइन)। 2012 (सिटिड 2012 मई 3 अप्रैल 24).
724. कुमावत एम, चौधरी एस के, तलवार एस, देवगुरु डी, होते एम, मखिजा एन, एट अल. एक्स्टेंट ऑफ डिजनरेशन चेंजिस इन एक्सेंडिंग ओरटा ऑफ पेशेंट्स विद बिकुस्पीड एओर्टिक वेल्व (बी ए वी) – ए हिस्टोपैथोलॉजिकल स्टडी। वर्ल्ड जे कार्डियोवेस्क सर्जरी 2012 (**2**:66–72).
725. कुम्मंगल बी ए, कुमार डी, मलिक एच एन. इंटरसेरेब्रोवेंट्रीकुलर इंजेक्शन ऑफ ओरेक्सिन – 2 रिसेप्टर एंटेगोनिस्ट प्रोमोटेस आर ई एम स्लीप। बिहेव ब्रेन रेस 2013 (237: 59–62).
726. कुरापति एस, वाजपेयी एम, रैना एम, विष्णु भाटला एस. एडोलसेंट लिविंग विद एचआईवी : एन इंडियन प्रोफाइल. एडीएएस रेस ट्रेट 2012 (**2012**:576149).
727. कुरलैण्ड बी एफ, गेरस्टनर ई आर, श्वाट्र्ज जे एम, रयान सी डब्ल्यू, ग्रहम एम एम, एट अल। प्रोमाइस एण्ड पिटफॉल्स ऑफ क्वांटिटेटिव इमेजिंग इन ओंकोलॉजी क्लिनिकल ट्रायल्स। मेग्न रेसोन इमेजिंग 2012 (30:1301–12).
728. कुशवाहा जी एस, पाण्डेय एन, सिन्हा एम, सिंह एस बी, कौर पी, शर्मा एस, एट अल. क्रिस्टल स्ट्रक्चर्स ऑफ ए टाइप – 1 रिबोसोम इंएक्टिवेटिंग प्रोटीन फ्रॉम मोमोर्डिका ब्लासमिना इन द बाउंड एण्ड अनबाउंड स्टेटस। बायोकेम बायोफिजिक्स एक्टा 2012 (1824: 679–91).
729. कुशवाहा जी एस, अम्मीनी एस, कुमार एम, सिन्हा एम, कौर पी, शर्मा एस, एट अल. फर्स्ट स्ट्रक्चरल एविडेंस ऑफ सिक्वेस्ट्रेशन ऑफ एम आर एन ए कैप स्ट्रक्चर्स बाय टाइप 1 रिबोसोम इंएक्टिवेटिंग प्रोटीन फ्रॉम मोमोर्डिका बालसामिना। प्रोटींस 2013 (81: 896–905).
730. कुशवाहा वी, चड्डा आर के, मेहता एम. सायकोथेरेपियूटिक इंटरवेंशन इन सोमेटिसेशन डिसोर्डर : रिजल्ट्स ऑफ ए कंट्रोल्ड स्टडी फ्रॉम इण्डिया। सायकोल हैल्थ मेड 2013 (18 (4): 445–50).
731. लाई – चिंग, जे ई, सेतुरमन जी, रमन एम, स्टोन के, सिम्प्सोन एम ए, मैक ग्रेथ जे ए. रिकरेंट हेटेरोजिगौज़ मिसेंस म्युटेशन। पी. जी एल वाय 573 एस ई आर, इन द टी आर पी वी 3 जीन इन अन इण्डियन बॉय विद स्पोरेडिक ओल्मस्टेड सिंड्रोम। बी आर जे डर्मेटोल 2012 (167: 440–2).
732. लक्ष्मी आर, दोरायराज पी, तरिक एम, गुप्ता आर, रेड्डी के एस. एल डी एल पार्टिकल हेटेरोजेनेटी, एण्ड इट्स एसोसिएशन विद अदर इस्टेब्लिशड कार्डियोवेस्कुलर रिस्क फैक्टर्स इन ए यंग इण्डियन इंड्स्ट्रियल पॉपुलेशन। हार्ट एशिया 2012 (**4**:141–45).
733. लाल पी, ठक्कर ए, टंडन एन. एण्डोस्कोपिक ओर्बिटल डिकॉम्प्रेशन फॉर ग्रेव्स ऑर्बिटोपैथी। इण्डियन जे एण्डोक्राइनोल मेटाब 2013 (**17**:265–70).
734. लालवानी एस, बगला आर, सूद एम, बेहरा सी, भारद्वाज डी एन. स्यूसाइड अमंग फिमेल्स विद प्रेग्नेंसी। ए रेट्रोस्पेक्टिव ऑटोप्सी बेस्ड स्टडी। जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, ओब्स्टे एण्ड ज्ञायने 2013 (**4**:83–6).
735. लालवानी एस, पुनिया एस, झामेद ए आर, राउतजी आर, माथुर पी. ए रिव्यू ऑफ हैल्थ रिस्क एण्ड मेडिको – लिगल इशूज़ रिलेटिड टू ह्यूमैन ट्राफिक्किंग। जे इण्डियन एकैड फोरेंसिक मेड 2012 (**34**:243–47).
736. लैमी ए, देवरिएयूक्स पी जे, प्रभाकरण डी, टैगार्ट डी पी, एच यू एस, पाओलेसो ई, एट अल. इफैक्टस ऑफ ऑफ – पम्प एण्ड ऑन – पम्प कोरोनरी आर्टरी बायपास ग्राफ्टिंग एट 1 इयर। एन इंगल जे मेड 2013 (**368**:1179–88).
737. लवय बी ए, अली आई, भासिर एम आई, मीर एस ए, ज्ञानी एम ए, वानी आई ए. डिस्टल रेनल ट्यूबुलर एसिडोसिस एसोसिएटिड विद नॉन ऑटोइम्यून हाइपोथायरोडिज्म। साउदी जे किडनी डि ट्रांसप्ल 2012 (**23**:846–9).
738. लवय बी ए, भट्ट एम ए, भासिर एम आई, ज्ञानी एम ए, मीर एस ए, डागा आर ए. कोंसरवेटिव मैनेजमेंट ऑफ इम्फेसेमेटोस प्येलोनेफ्रिटिस। इण्डियन जे एण्डोक्राइनोल मेटाब 2012 (**16**:303–5).

739. लवय बी ए, वर्मा एस के, बक्शी एम आई, ज्ञानी एम ए, मीर एस ए, अहमद एस एम, एट अल। आई एफ ए पी सिंड्रोम विद रैकिट्स एण्ड नोर्मल विटामिन डी स्टेटस। इण्डियन जे डर्मेटोल 2012 (**57**:161–3).

740. लक्ष्मी राज एस, अग्रवाल एम, सिन्हा एस. ए स्टडी टू एक्सेस द इंसिडेंस एण्ड रिस्क फैक्टर्स ऑफ वेंटिलेटर एसोसिएटिड निमोनिया इन पोस्ट ऑफ न्यूरोलॉजिकल पेशेंट्स। यूरो जे न्यूरो 2012 सितंबर – अक्तूबर 2012).

741. लाजर्स जे पी, विभा डी, हाण्डा के के, सिंह एस, गोयल वी, श्रीवास्तव टी, एट अल. ए स्टडी ऑफ वॉइस प्रोफाइल्स एण्ड एकॉस्टिक सिंग्स इन पेशेंट्स विद पार्किंसन डिजीज इन नोर्थ इण्डिया। जे क्लिन न्यूरोसाइंस 2012 (19 (8): 1125–9).

742. लीनार्स ए ए, रैना ए, डोगरा टी डी. व्हाट मोटिवेटिस ए सिरियल किलर? ब्ल्यू लाइन 2012: 26–28).

743. लोधा आर, मैंगलेनी एम. एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी इन चिल्ड्रन : रिसेंट एडवांस्ड। इण्डियन जे पीडियाट्र 2012 (**79**:1625–33).

744. लोधा आर, मेनन पी आर. एक्यूट रेस्पीरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम इन चिल्ड्रन : फोर्टुनेटेली अनकॉमन! क्रिट केयर मेड 2012 (**40**:3325–6).

745. लोधा आर, शाह डी. प्रीवेंशन ऑफ रोटावायरस डायरिया इन इण्डिया : इज़ वेक्सिनेशन द ओनली स्ट्रेटेजी। इण्डियन पीडियाट्र 2012 (**49**:441–3).

746. एम प्रधान, ए पावर, सुरेश चंद, सी बेहरा, पी सी दीक्षित। एक्सिडेंटल सयानाइड पोइसोनिंग फ्रॉम इंहेलेशन ऑफ गोल्ड पोलिशिंग कैमिकल : अन अनयूजवल केस रिपोर्ट। जे पंजाब एकैड फोरेंसिक मेड टोक्सिकोल 2012 (12 (2) :104–6).

747. मबालिराजन यू, रेहमान आर, अहमद टी, कुमार एस, लैशहंगथम जी डी, सिंह एस, एट ऑल. 12 / 15 लिपोऑक्सीजन एक्सप्रेशड इन नॉन एपिथेलियल सैल्स कौसिस एयरवे एपिथेलियल इंजरी इन अस्थमा साइंस रेप 2013 (**3**:1540).

748. माबालिराजन यू, रेहमान आर, अहमद टी, कुमार एस, सिंह एस, लैशहैंगथम जी डी, एट ऑल. लिनोलैक एसिड मेटाबोलिक ड्राइव्स सेवर अस्थमा बाय कौजिंग एयरवे एपिथेलियल इंजरी, साइंस रेप 2013 (**3**:1349).

749. मैक डौगल एम, मोहन ए, मिल्स जे, मुनवर एम रेण्डोमाइज्ड कॉम्पेरिजन ऑफ 2 डिफ्रेंट मैथड्स ऑफ इंट्राब्रोंकियल लिडोकैन डिलिवरी ड्यूरिंग फ्लैक्सिबल ब्रोंकोस्कोपी : ए पायलट स्टडी। जे ब्रोंकोलॉजी इंट्रेव पल्मोनोल 2012 (18 (2): 144–8).

750. मदन के, गुलेरिया आर. एण्डोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड नीडल बायोप्सी विद एण्ड विदाउट एस्पीरेशन : द 'कोर' इशू। चेस्ट 2013 (143 (1): 281–2).

751. मदन के, गुलेरिया आर. रिवर्स हैलो सिंह। लुंग इण्डिया 2013 (30: 72–3).

752. मदन के, गुलेरिया आर. वेनिशिंग लंग मास इन ए पेशेंट विद अस्थमा। जे थोरैक डिस 2013 (5 (2): ई45–ई49).

753. मधुसूदन डी, वेनेमैल पी. ब्लड लॉस एण्ड रिस्क ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूशन इन पेशेंट्स अंडरगोइंग केसरीन सेक्शन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एण्ड एडवांस्ड रिसर्च। आई एस एस एन : 2013 (2229–3809 (ऑनलाइन). *4 (6)* (425–29*).*

754. मधुसूदन के एस, शर्मा आर, गडोडिया ए, कुमार ए. स्पोंटेनियस रैपचर ऑफ बिनिग्न मेडिएस्टिनल टेराटोमा : ए रिपोर्ट ऑफ टू केसिस। इण्डियन जे मेड पीडियाट्र ओंकोल 2012 (33:123–5).

755. महाजन ए, जैसवाल ए, तबस्सुम आर, पोद्दर ए, घोष एस, मधु एस वी, एट अल। इलेवेटिड लेवल्स ऑफ सी – रीएक्टिव प्रोटीन एज़ ए रिस्क फैक्टर फॉर मेटाबोलिक सिंड्रोम इन इण्डियंस। एथेरोस्क्लेरोसिस 2012 (**220**:275–81).

756. मजुमदार एस डी, वशिष्ट ए, डिंगरा एस, गुप्ता आर, सिंह ए, चालू वी के, एट ऑल। एप्रोप्रिएट देव आर (डी ओ एस आर) – मेडिएटिड सिग्नालिंग डिटरमाइनेस ट्रांस्क्रिप्शनल रेस्पोंस, हाइपोक्सि विएबिलिटी एण्ड विरुलेंस ऑफ मयाकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस। पी एल ओ एस वन 2012 (**7** (4)

757. मखारिया जी के, कैटास्सि सी, गोह के एल, मुल्डर सी जे. सैलियक डिजीज। गैस्ट्रोएंटेरोल रेस प्रैक्ट 2012 (**2012**:758560).

758. मखारिया के, रमाकृष्णन बी एस, अब्राहम पी, चौधरी जी, मिश्रा एस पी, अहुजा वी, एट अल। इण्डियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी टास्क फोर्स ऑन इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज। सर्वे ऑफ इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज इन इण्डिया। इण्डियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल 2012 (**31**:299–306).

759. मखीजा एन, वासदेव एस, जागिया पी. यूज़ ऑफ नीयरइंफ्रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी फॉर डिटेक्शन ऑफ सेरेब्रल इस्केमिक बाय सुप्रीरियर वेना कैवा ऑब्स्ट्रक्शन इन ए पेशेंट विद अन एस्कैंडिंग एओर्टिक एनेयूरिज्म ड्यूरिंग लेफ्ट इंटर्नल मैमरी आर्टरी हर्वेस्टिंग। जे कार्डियोथोरेक वेस्क अनेस्थ 2012 **26**:ई62–3.

760. मल्होत्रा एन, बहादुर ए, सिंह एन, कल्याणी एम, मित्तल एस. डज़ ऑबेसिटी कॉम्प्रोमाइज़ ओवेरियन रिसर्व मार्कर्स? ए क्लिनिक पर्सपेक्टिव। आर्क गायनेकोल ऑब्स्टेट 2013 **287**:161–6.

761. मल्होत्रा एन, शर्मा वी, बहदुर ए, शर्मा जे बी, रॉय के के, कुमार एस. द इफैक्ट ऑफ ट्यूबरकुलोसिस ऑन ओवेरियन रिसर्व अमंग वूमेन अंडरगोइंग आई वी एफ इन इण्डिया। इंट जे गायनेकोल ऑब्स्टेट 2012 **117**:40–4.
762. मल्होत्रा पी, मेहता वाय, बेलानी के. आई ए सी टी ए (इण्डियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियोवेस्कुलर एण्ड थोरेसिक एनेस्थेसियोऑलोजिस्ट्स) 2012 – ए साइंटिफिक एफईएएसटी। अनेस्थ एंगल 2012 115:741.
763. मल्होत्रा आर, सिंह डी पी, जैन वी, कुमार वी, सिंह आर, एक्यूट टोटल हिप आर्थोप्लास्टि इन एसेटेबुलर फ्रैक्चर इन द अल्ड्री यूजिंग द ऑक्टोपस सिस्टम : मीड टर्म टू लोंग टर्म फॉलोअप। जे आर्थोप्लास्टि 2013 **28**:1005–9.
764. मल्होत्रा आर. ऑथर रिप्ले : हिप रिसरफेसिंग आर्थोप्लास्टि इन इंफ्लेमेटरी आर्थिरिटिस। जे आर्थोप्लास्टि 2013 **28**:544.
765. मल्होत्रा एस, जोडपे एस पी, चंद्रा एस, वशिष्ट आर पी, सत्यनारायण एस, जकारिया आर, एट अल। शूड स्पुटम स्मीयर एग्जामिनेशन बी कैरिड आउट एट द एण्ड ऑफ द इंटेसिव फेस एण्ड एण्ड ऑफ ट्रीटमेंट इन स्पूटुम स्मीयर नेगेटिव पल्मोनरी टी बी पेशेंटस? पी एल ओ एस वन 2012 (**7**:ई49238).
766. मलिक पी एस, शर्मा एम सी, मोहंती बी के, शुक्ला एन के, देव एस, मोहन ए, एट अल। क्लिनिको–पैथोलॉजिकल प्रोफाइल ऑफ लंग कैंसर एट एम्स : ए चेंजिंग पैराडिजाइन इन इण्डिया। एशियन पैक जे कैंसर प्रेव 2013 **14**:489–94.
767. मलिना एम, गुलाटी ए, बग्गा ए, माजिद एम ए, सिम्कोवा ई, शेफ़र एफ. पेरिफेरल गैंगरेने इन चिल्ड्रन विद एटिपिकल हेमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम। पीडियाट्रिक्स 2013 (**131**:ई331–5).
768. मलिक एच एन, कुमार वी एम. बसल फोरेब्रेन थर्मोरेगुलेटरी मशीनिज्म मोडुलेट्स ऑटोरेगुलेटिड स्लीप। फ्रोंट न्यूरोल 2012 (3: 102).
769. मलिक एच एन. सेटिंग ए पी पी आई विजिन 2020 : एनिमल एक्सपेरिमेंटल इन फिजियोलॉजी एण्ड फार्माकॉलोजी। इण्डियन जे फिजियोल फार्माकोल 2012 (56: 288–92).
770. मलिक एस, बिश्वास ए, कुमार एन, शर्मा एम सी, कुमार आर, रेड्डी आर एम, एट अल. प्राइमरी इंट्राक्रेनियल बेसेलोइड स्कवेमस सैल कार्सिनोमा : अन इनिजमा। न्यूरोल न्यूरोचिर पोल 2012 (**46**:489–95).
771. मंडल पी के, अकोलकर एच, त्रिपाठी एम. मैपिंग ऑफ हिप्पोकैम्पल पी एच एण्ड न्यूरोकैमिकल्स फ्रॉम इन विवो मल्टी – वोक्सल 31पी स्टडी इन हैल्थी नोर्मल यंग मेल / फिमेल, माइल्ड कोग्निटिव इम्पेयरमेंट, एण्ड अल्जाइमर्स डिजीज। जे अल्जाइमर्स डिस 2012 (31 सप्पल 3:एस75–86).
772. मेंडेलिया ए, भटनागर वी. कोंसर्वेटिव सर्जिकल ट्रीटमेंट फॉर जेजुनो – इलियल एंजियोडिस्प्लासिया। ट्रॉप गैस्ट्रोएंटेरोल 2012 (**33**:69–71).
773. मेंडिलिया ए, वहल ए, सोलंकी एस, श्रीनिवास एम, भटनागर वी. पैंक्रिएटिक हायडेटिड क्रिस्ट मास्क्यूरेडिंग एज़ ए कोलेडोकल क्रिस्ट। जे पीडियाट्र सर्ज 2012 (**47**:ई41–4).
774. मंधानिया एस, इकबाल एस, सरवत एस के, एक्सेसस आई, बक्शी एस. डायग्नोसिस ऑफ इंवेसिव फंगल इंफैक्शंस यूजिंग रीयल – टाइम पी सी आर एसे इन पीएडियाट्रिक एक्यूट ल्यूकेमिया इंडक्शन। मयकोसेस 2012 (**55**:372–9).
775. गुप्ता वी, पाल एस, दास एन आर, दास पी, अहुजा वी, शर्मा ए, एट अल। रेक्टल एम ए एल टी लिम्फोमा एसोसिएटिड विद यूल्सेरेटिव कोलिटिस। ट्रॉप गैस्ट्रोएंटेरोल 2012 (**33**:225–8).
776. मांझी जे, कुमार एस, बिहारी जे, माथुर आर. एफैक्ट ऑफ एक्ट्रमेली लॉ फ्रीक्वेंसी मैग्नेटिक फिल्ड इन प्रीवेंशन ऑफ स्पाइनल कोर्ड इंजरी इंड्यूस्ड ओस्टिओप्रोरोसिस। जे रेहेबिल रेस डेव 2013 (50: 17–30).
777. मानन आर, शर्मा एन, प्रूही ए, टिटियाल जे एस, वाजपेयी आर बी. स्ट्रक्चरल एण्ड फंक्शनल सेलवेजिंग ऑफ आईज़ विद एंटीरियर स्टेफिलोमा यूजिंग सिस्लोडायलेसिस विद पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टि। कोर्निया 2012 (**31**:953–8).
778. मनोहरण ए, सुगुमर एम, कुमार ए, जोस एच, मथाई डी, खिलानी जी सी, एट अल. फेनोटिपिक एण्ड मोलिकुलर कैरेक्टराइजेशन ऑफ ए एम पी सी बीटा – लेक्टेमेसेस अमंग एस्चेरिचिया कोली, क्लेबसैला एस पी पी. एण्ड एंटेरोबैक्टर एस पी पी. फ्रॉम फाइव इण्डियन मेडिकल सेंटर्स। इण्डियन जे मेड रेस 2012 (135: 359–64).
779. मनराल पी, शर्मा पी, हरिप्रसाद जी, चंद्राशेखर, त्रिपाठी एम, श्रीनिवासन ए. कैन एपोलिपोप्रोटिंस एण्ड कॉम्प्लेंट फैक्टर्स बी बायोमार्कस ऑफ एल्जाइमर्स डिजीज? क्युर एल्जाइमर रेस 2012 (9 (8): 935–43).
780. मंसूरी एन, त्रिपाठी एम, लुथरा के, आलम आर, लक्ष्मी आर, शर्मा एस, एट ऑल। एम टी एच एफ आर (677 एण्ड 1298) एण्ड आई एल – 6 – 174 जी / सी जींस इन पैथोजेनेसिस ऑफ एल्जाइमर्स एण्ड वेस्कुलर डिमेंटिया एण्ड देयर एपिस्टेटिक इंटरएक्शन। न्यूरोबायोल एजिंग 2012 (**33**:1003.ईएल1–8).
781. मेरोसी के, फेल्सजीगही के, मेहरा आर डी, रडार जेड, नयाकस सी. आर द न्यूरोप्रोटेक्टिव इफैक्टस ऑफ एस्ट्रेडिओल एण्ड फिजिक्स एक्सरसाइज़ कॉम्पेरेबल ड्यूरिंग एजिंग इन फिमेल रेटस? बायोजीरोंटोलॉजी 2012 (**13**:413–27).

782. मरुमुदी ई, शर्मा ए, कुलश्रेष्ठा बी, खडगावत आर, खुराना एम एल, अम्मीनी ए सी. मोलिकुलर जेनेटिक एनालाइसिस ऑफ सी वाय पी 21 ए 2 जीन इन पेशेंट्स विद कोंजिनिटल एड्रेनल हाइपरप्लासिया। इण्डियन जे एण्डोक्राइनोल मेटाब 2012 (**16**:384–8).

783. मरवाहा आर के, गर्ग एम के, टंडन एन, कंवर आर, नारांग ए, शास्त्री ए, एट ऑल। थायरोइड फंक्शन एण्ड बोन मिनरल डेंसिटी अमंग इण्डियन सबजेक्ट्स। इण्डियन जे एण्डोक्राइनोल मेटाब 2012 (**16**:575–9).

784. मरवाहा आर के, गर्ग एम के, टंडन एन, कंवर आर, नारांग ए, शास्त्री ए, एट ऑल। ग्लुटेमिक एसिड डेकार्बोक्सेलेस (एंटी – जी ए डी) एण्ड टीशू ट्रांसग्लुटेमिनेस (एंटी – टी टी जी) एंटीबॉडिज़ इन पेशेंट्स विद थायरोइड ऑटोइम्यूनिटी। इण्डियन जे मेड रेस 2013 (**137**:82–6).

785. मरवाहा आर के, टंडन एन, ज्ञानी एम ए, कंवर आर, शास्त्री ए, गर्ग एम के, एट ऑल। स्टेट्स ऑफ थायरोइड फंक्शन इन इण्डियन एडल्टस : टू डिकैडस आफ्टर यूनिवर्सल सॉल्ट आईओडिजेशन। जे एसोक फिजिशियन इण्डिया 2012 (**60**:32–6).

786. मरवाहा आर के, टंडन एन, ज्ञानी एम ए, मेहन एन, शास्त्री ए, गर्ग एम के, एट ऑल। रिफ्रेंस रेंज ऑफ थायरोइड फंक्शन (एफ टी 3, एफ टी 4, और टी एस एच) अमंग इण्डियंस एडल्टस। क्लिन बायोकेम 2013 (**46**:341–5).

787. मरवाहा आर के, टंडन एन, गर्ग एम के, देसाई ए, कंवर आर, शास्त्री ए, एट ऑल. थायरोइड स्टेटस टू डिकैडस आफ्टर सॉल्ट आईडोजेशन : कंट्री – वाइड डेटा इन स्कूल चिल्ड्रन फ्रॉम इण्डिया। क्लिन एण्डोक्राइनोल *(ओएक्सएफ)* 2012 (**76**:905–10).

788. मरवाहा आर के, टंडन एन, गर्ग एम के, ज्ञानी एम ए, नारांग ए, मेहान एन, एट ऑल. इम्पैक्ट ऑफ बॉडी मास इंडेक्स ऑन थायरोइड फंक्शंस इन इण्डियन चिल्ड्रन। क्लिन एण्डोक्राइनोल *(ओएक्सएफ)* 2013 (**79**:424–8).

789. मरवाहा आर के, टंडन एन, गर्ग एम के, नारंग ए, मेहान एन, भद्रा के. नोर्मेटिव डेटा ऑफ बॉडी फैट मास एण्ड इट्स डिस्ट्रिब्यूशन एज़ एसेस्ड बाय डी एक्स ए इन इण्डियन एडल्ट पॉपुलेशन। जे क्लिन डेंसिटोम 013.पीआईआई : एस1094–6950 (13)00015–2).

790. मरवाहा आर के, टंडन एन, गुप्ता वाय, भाद्रा के, नारंग ए, मणि के, एट ऑल। द प्रीवलेंस ऑफ एण्ड रिस्क फैक्टर्स फॉर रेडियोग्राफिक वर्टेब्रल फ्रेक्चर्स इन ओल्डर इण्डियन वूमेन एण्ड मेन : दिल्ली वर्टेब्रल ओस्टिओपोरोसिस स्टडी (डी ई वी ओ एस)। आर्क ओस्टिप्रोरोस (2012 (**7**:201–7).

791. मरवाहा आर के, टंडन एन, कौर पी, शास्त्री ए, भद्रा के, नारंग ए, एट ऑल। इस्टेबलिशमेंट ऑफ एज़ – स्पेसिफाइड बोन मिनरल डेंसिटी रेफ्रेंस रेंज फॉर इण्डियन फिमेल्स यूजिंग ड्यूअल – एनर्जी एक्स – रे एब्सोरपटीओमेट्री। जे क्लिन डेंसिटोम 2012 (**15**:241–9).

792. माथुर पी, त्रिखा वी, फारुख के, शर्मा वी, जैन एन, भारद्वाज एन, एट ऑल। इम्प्लीमेंटेशन ऑफ ए शॉर्ट कोर्स ऑफ प्रोफिलेस्टिक एंटीबायोटिक ट्रीटमेंट फॉर प्रीवेंशन ऑफ पोस्टोपेरेटिव इंफैक्शंस इन क्लिन आर्थोपेडिक सर्जरिज़। इण्डियन जे मेड रेस 2013 (**137**:111–6).

793. माथुर वी पी, ढिल्लों जे के, कालरा जी. ओरल हैल्थ इन चिल्ड्रन विद ल्यूकेमिया। इण्डियन जे पैलेट केयर 2012 (18: 12–18).

794. मौलिक एस के, प्रभाकर पी, डिंडा ए के, सेठ एस. जेनिस्टेन प्रीवेंट्स आइसोप्रोटेरेनोल – इंड्यूस्ड कार्डियक हाइपरट्राफी इन रैट्स। कैन जे फिजियोल फार्माकोल 2012 (**90**:1117–25).

795. मेधा, सुब्रमण्यम ए, पाण्डे आर एम, साहनी सी, उपाध्याय ए डी, अल्बर्ट वी). इंसिडेंस, क्लिनिकल प्रीडिक्शन एण्ड आउटकम ऑफ एक्यूट रीनल फेल्योर अमंग नोर्थ इण्डियन ट्रॉमा पेशेंट्स। जे इमर्ज ट्रॉमा शॉक 2013 (**6**:21–8).

796. मील आर, राधाकृष्णन वी, बख्शी एस. करंट थेरेपी एण्ड रिसेंट एडवांसिस इन द मैनेजमेंट ऑफ रेटिनोब्लास्टोमा। इण्डियन जे मेड पीडियाट्र ओंकोल 2012 (**33**:80–8).

797. मील आर, थुलकर एस, शर्मा एम सी, जगदेसन पी. मोहंती बी के, शर्मा एस सी, एट ऑल। चाइल्डहुड ओस्टिओसर्कोमा ऑफ ग्रेटर विंग ऑफ स्फेनोइड : केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। जे पीडियाट्र हेमेटोल ओंकोल 2012 (**34**:ई59–62).

798. मीना एन के, वर्मा एन, अहुजा वी, पॉल जे. टी एल आर 4 डी 299 जी पॉलीमोर्फिज्म मॉडुलेट्स सायटोकाइन एक्सप्रेशन इन अल्सेरेटिव कोलिटिस। जे क्लिन गैस्ट्रोएंटेरोल 2013 (**47**:773–80).

799. मीना एस, अंसारी टी. ओस्टियोमायेलिटिस ऑफ स्केपुला विद सैकण्डरी सेप्टिक आर्थिरिटिस ऑफ शोल्डर जोइंट इन ए सिक्स मंथ ओल्ड चाइल्ड। मालायशियन ओर्थोल 2013 (**7**:67–9).

800. मीना एस, त्रिखा वी, सांख्यिानी एस आर, कुमार आर, सैनी पी. हैज द रोल ऑफ टिबिल इंटरलॉकिंग नेलिंग इन क्लोज्ड टिबिल शॉफ्ट फ्रेक्चर्स डिमिनिशैड? इंट ऑर्थोप 2012 (**36**:2397–8).

801. मीना एस एस, रामकुमार टी वी, शर्मा एस, अनेजा एस, कुमार ए. मोयामोया सिंड्रोम एसोसिएटिड विद सेवर आयरन डेफिशियंसी एनेमिया इन ए यंग चाइल्ड। पीडियाट्र हेमेटोल ओंकोल 2012 (**29**:368–71).

802. मेहला जे, पहुजा एम, डेथ एस एम, अग्रवाल ए, गुप्ता वाय के. अमेलिओरेशन ऑफ इंट्रासेरेब्रोवेंट्रिकुलर स्ट्रेप्टोजोटोसिन इंड्यूस्ड कोग्निटिव इम्पेयरमेंट बाय इवोल्वुलुस एल्सिनोइडेस इन रैटस : इन विट्रो एण्ड इन विवो एविडेंस। न्यूरोकेम इंट 2012 (61: 1052–64).

803. मेहला जे, पहुजा एम, गुप्ता वाय के. स्ट्रेप्टोजोटोसिन – इंड्यूस्ड स्पोरेडिक एल्जाइमर्स डिजीज : सेलेक्शन ऑफ एप्रोप्रिएट डज। जे अल्जाइमर्स डिस 2013 (33: 17–21).

804. मेहरा एन के, सिद्दीकी जे, भारद्वाज ए, गोस्वामी एस, कौर जी. क्लिनिकल रिलिवेंस ऑफ एंटीबॉडी डेवलपमेंट इन रीनल ट्रांसप्लांटेशन एन्न एन वाय एकैड साइंस 2013 (1283:30–42).

805. मेहरा एन के. ए ब्रिफ हिस्टोरी ऑफ द फेडरेशन ऑफ इम्यूनोलॉजिकल सोसायटिज़ ऑफ एशिया – ओसेनिया (फिम्सा)। एन्न एन वाय एकैड साइंस 2013 (1283:वी–एक्स).

806. मेहता एम, सेठी एस, पुष्कर एन, कश्यप एस, सेन एस, बजाज एम एस, एट ऑल। रेटिनोब्लास्टोमा सिंगापुर मेड जे 2012 (**53**:128–35 (क्विज 136).

807. मेहता पी, सिन्हा ए, समी ए, हरि पी, कल्याणी एम, गुलाटी ए, एट ऑल। इंसिडेंस ऑफ एक्यूट किडनी इंजरी इन होस्पिटलाइज्ड चिल्ड्रन। इण्डियन पीडियाट्र 2012 (**49**:537–42).

808. मेंडेंहॉल ई, शिवशंकर आर, टंडन एन, अली एम के, नारायण के एम, प्रभाकरण डी, स्ट्रेस एण्ड डायबिटिज़ इन सोसिओइकोनोमिक कोंटेक्स्ट : ए क्वालिटेटिव स्टडी ऑफ अर्बन इण्डियंस। सोक साइं मेड 2012 (**75**:2522–9).

809. मेंडोंका एस, गुप्ता एस, गुप्ता ए. एक्स्ट्राकोर्पोरीयल मैनेजमेंट ऑफ पोइसोनिंग्स। साउदी जे किडनी डिस ट्रांस्प्ल 2012 (**23**:1–7

810. मेटा एम, सिंघल टी, रोडरिगैस सी, पटिल एस, काबरा एस. ट्यूबरकुलोसिस – हाउ लोंग टू ट्रीट? पीडियाट्रिक इंफैक्शज़ डिजीज 2012 (4:81–86).

811. मिर्जा एस, शर्मा जी, प्रसाद आर, गुप्ता एस डी, पाण्डया पी, रल्हन आर. एक्सप्रेशन ऑफ डी एन ए मेथीलट्रांसफेरेसिस इन ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स एण्ड टू एनालाइज द इफैक्ट ऑफ नेचुरल कॉम्पाउंड ऑन डी एन ए मेथीलट्रांसफेरेसिस एण्ड एसोसिएटिड प्रोटींस। जे ब्रेस्ट कैंसर 2013 (16:23–31).

812. मिर्जा एस, शर्मा जी, प्रसाद आर, श्रीवास्तव ए, गुप्ता एस डी, रल्हन आर. क्लिनिकल सिग्निफिकेंस ऑफ प्रोमोटर हाइपरमेथीलेशन ऑफ ई आर बीटा एण्ड आर ए आर बीटा 2 इन ट्यूमर एण्ड सीरम डी एन ए इन इण्डियन ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स। एन्न सर्ज ओंकोल 2012 (**19**:3107–15).

813. मिश्रा ए, मखारिया जी के. टेकनिक्स ऑफ फंक्शनल एण्ड मोटिलिटी टेस्ट : हाउ टू परफोरम एण्ड इंटरप्रीट इंटेस्टीनल परमीएबिलिटी। जे न्यूरोगैस्ट्रोएंटेरोल मोटिल 2012 (**18**:443–7).

814. मिश्रा बी, लैशंगथम जी डी, गिल के सिंह ए के, दास एस, सिंह के, एट ऑल। डिजाइन एण्ड सिंथेसिस ऑफ नोवल एंटीमाइक्रोबियल पेप्टाइड : मोडिफाइड एन – टर्मिनल बोविन लेक्टोफेरिन एगेंस्ट मल्टीड्रग रेसिस्टेंट ग्राम – नेगेटिव बैक्टीरिया एण्ड कैंडिडा स्पेसिस। बायोकीम बायोफिजि एक्टा 29 सितंबर 2012.

815. मिश्रा बी, लैशंगथम जी डी, गिल के, सिंह ए के, दास एस, सिंह के, एट ऑल। ए नोवल एंटीमाइक्रोबियल पेप्टाइड डिराइव्ड फ्रॉम मोडिफाइड एन – टर्मिनल डोमेन ऑफ बोविन लेक्टोफेरिन : डिजाइन, सिंथेसिस, एक्टिविटी एगेंस्ट मल्टीड्रग रेसिस्टेंट बैक्टीरिया एण्ड कैंडिडा। बायोकेमी बायोफिजिक्स एक्टा 2013 (**1828**:677–86).

816. मिश्रा एच के, शर्मा एस के, श्रीनिवास वी. एंजियोटेंसिम – कंवर्टिंग एंजाइम जीन पोलीमोर्फिज्म इन नोर्थ इण्डियन पॉपुलेशन विद ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपेनिया। स्लीप ब्रैथ 2013 **17**:1029–37.

817. मिश्रा एन, लोगनी ए, शाह एन. एण्डोडोंटिक मैनेजमेंट इन पेशेंट विद इस्टेबलिस्ट क्रोनिक किडनी डिजीज अंडरगोइंग हेइमोडिएलिसिस : ए केस रिपोर्ट। साउदी एण्डोड जे 2012 2 2: 91–4.

818. मिश्रा एस, बेहरा डी के, बाबु बी वी, कुसुमा वाय एस. एंकाउंटर्स विद टाल्सा : वरशिप एण्ड हीलिंग प्रैक्टिस फॉर मसल्स अमंग ए रुरल अर्बन मिग्रेंट सेंटल ट्रीबल कॉम्युनिटी ऑफ ओड़ीसा, इण्डिया। मैनकाइंड क्वार्टर्ली 2012 **52**:311–322.

819. मिश्रा एस, भटनागर एस, गोयल जी एन, राना एस पी, उपाध्याय एस पी. ए कॉम्परेटिव इफिकेसी ऑफ एमिट्रीपटीलिन, गाबापेंटिन एण्ड प्रीगाबेलिन इन न्यूरोपैथिक कैंसर पेन : ए प्रोस्पेक्टिव रेण्डोमाइज्ड डबल ब्लाइंड प्लेसिबो कंट्रोल्ड स्टडी। अन जे होस्प पैलिएट केयर 2012 (**29**:177–82).

820. मिश्रा एस, चौधरी पी, जोशी एस, भटनागर एस. सक्सेसफुल यूज़ ऑफ फ्लूप्रींटीन इन रेफ्रैक्टरी न्यूरोपैथिक पेन ड्यू टू स्मॉल फाइबर न्यूरोपैथी एम जे होस्प पैलिएट केयर 2013 (**30**:91–3).
821. मिश्रा एस, रेड्डी एस ई. द फ्यूचर इम्पोंटेंस ऑफ डिवाइसिस फ्रॉम इमर्जिंग कंट्रीज़ : द बटरफ्लाए इफैक्ट। यूरोइंटरवेंशन 2012 (**8**:887–9).
822. मिश्रा पी, श्रीवास्तव आर, कृष्णन ए, श्रीनिवास वी, पाण्डा सी एस. इंडोर एयर पॉल्यूशन रिलेटिड एक्यूट लॉवर रेस्पीरेटरी इंफैक्शंस एण्ड लॉ बर्थवेट : ए सिंटेमेटिक रिव्यू। जे ट्रॉप पीडियाट्र। 2012 (**58**:457–66).
823. मिटचैल ई ए, बीसले आर, कैल यू, मोंटेफोर्ट एस, ओडिएम्बो जे, आई एस ए ए सी फेज थ्री स्टडी ग्रुप। द एसोसिएशन बीटवीन टुबैको एण्ड द रिस्क ऑफ अस्थमा, रिनोकोजंक्टिविटिस एण्ड एक्जेमा इन चिल्ड्रन एण्ड एडोलसेंट्स : एनालाइसिस फ्रॉम फेस थ्री ऑफ द आई एस ए ए सी प्रोग्राम। थोरैक्स 2012 (**67**:941–9).
824. मित्रा आर, गोयल के, राजागोपालन वी, गुप्ता पी, सोखल एन. ट्यूबरौस स्क्लेरोसिस विद हैड इंजरी। साउदी जे एनेस्थ 2013 (**7**:101–2).
825. मित्तल आर, बैनर्जी एस. प्रोक्सिमल फेमोरल फ्रैक्चर्स : प्रींसपल्स ऑफ मैनेजमेंट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। जे क्लिन आर्थोप ट्रॉमा 2012 (**3**:15–23).
826. मित्तल एस, धालिवाल एल, शर्मा एस, चौहान एस, गर्ग बी एस, सिंह एन. इंफर्टिलिटी। बोब्स्टेट गायनेकोल इंट 2012 (2012:508276
827. मोहन ए, प्रसाद डी, शर्मा ए, अरोड़ा एस, गुलेरिया आर, शर्मा एस के, एट ऑल डेलेयड रिज़ोल्यूशन ऑफ इंफ्लेमेटरी रेस्पोंस कॉम्पेयर्ड विद क्लिनिकल रिकवरी इन पेशेंट्स विद एक्यूट एक्ससेरबेशंस ऑफ क्रोनिक ऑब्स्ट्रेक्टिव पल्मोनरी डिजीज। रेस्पीरोलॉजी 2012 (**17** : 1080–5).
828. मोहन टी, शर्मा सी, भट्ट ए ए, राव डी एन. मॉड्युलेशन ऑफ एच आई वी पेप्टाइड एंटिजन स्पेसिफिक सेल्योर इम्यून रेस्पोंस बाय सिंथेटिक अल्फा – एण्ड बी – डिफेंसिन पेप्टाइड। वैक्सिन 2013 (**31**:1707–16).
829. मोहन वी के, राय ए. एनेस्थेटिक मैनेजमेंट ऑफ ए पेशेंट विद रोसाई – डोर्फमैन डिजीज एण्ड आर्टियल सेप्टल डिफैक्ट फॉर ओर्बिटल सर्जरी। जे एनेस्थेसिओल क्लिन फार्माकोल 2013 (29:134–5)
830. मोहन वी के, शर्मा ए. एनेस्थेटिक मैनेजमेंट इन ए केस ऑफ फ्रेसर सिंड्रोम। साउदी जे एनेस्थ 2013 (7:102–3)
831. मोहंती आई आर, अर्या डी एस, डिंडा ए, गुप्ता एस के. कॉम्पेरेटिव कार्डियोप्रोटेक्टिव इफैक्टस एण्ड मशीनिज्मस ऑफ विटामिन ई एण्ड लिसिनोप्रिल एगेंस्ट इस्केमिक रिपरफ्यूजन इंड्यूस्ड कार्डियक टॉक्सिसिटी 2013 (**35**:207–17)
832. मोहंती के, तंवर एम, दादा आर, दादा टी. स्क्रीनिग ऑफ द एल टी बी पी 2 जीन इन ए नोर्थ इण्डियन पॉपुलेशन विद प्राइमरी कोंजिनिटल ग्लॉकोमा। मोल विस 2013 (**19**:78–84)
833. मोहंती एस, बोस एस, जैन के जी, भार्गव बी, आयरन बी. टी जी एफ बीटा 1 कोंट्रिब्यूट्स टू कार्डियोमयोजेनिक – लाइक डिफ्रेंटिएशन ऑफ ह्यूमन बोन मैरु मेसेंकिमल स्टेम सेल्स। इंट जे कार्डियोल 2013 (163:93–9)
834. मोहंती एस, कुमार ए, धवन जे, शर्मा वी के, गुप्ता एस. डिप्लेशन ऑफ सी डी 200 + हेयर फोलिसल स्टेम सेल्स इन ह्यूमन प्रीमेचुरली ग्रे हेयर फॉलिसल्स। जे क्युटेन एइस्थेट सर्ज 2013 (**6**:90–2)
835. मोहरी एन, राज डी, लोधा आर, काबरा एस के. प्रोलोंग्ड हाई – फ्रीक्वेंसी ओससिलेटरी वेंटिलेशन इन ट्यूबरकुलर मल्टीफोकल सिस्टिक लंग डिजीज। रेस्पीयर केयर 2012 (**57**:2111–4)
836. मोहिनीश, रैना ए, राज जे, डोगरा टी डी. डेवलपमेंट ऑफ न्यू सोल्वेंट सिस्टमस फॉर द एनालाइसिस ऑफ ट्रीएजोफोस (ओ, ओ–डायथील ओ – 1 – फेनील – 1 एच – 1, 2, 4 – ट्राइजोल – 3 – वाय 1 फोस्फोरोथायोएट) एक्स्ट्रक्ट फ्रॉम ब्लड। प्रोक इण्डियन नेटल साइंस एकैड 2012 (78 (2): 141–50)
837. मोरोन बी, वर्मा ए के, दास पी, ताएवेला जे, डेफिक एल, डिरैमोंडो टी आर, एट ऑल। सी वाय पी 3 ए 4 – कैटेलीजेड सिमवस्टेटिन मेटाबोलिज्म एज़ ए नॉन इंवेसिव मार्किट ऑफ स्मॉल इंटेस्टिनल हैल्थ इन सेलियक डिजीज। एएम जे गैस्ट्रोएंटेरोल 2013 (**108**:1344–51)
838. मौडगील ए, बग्गा ए. एडिटोरियल : एडवांसिस इन पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी। इण्डियन जे पीडियाट्र 2012 (**79**:1043–4)
839. मौली वी पी, श्रीनिवास वी, गर्ग पी के. इफिकेसी ऑफ कोंसर्वेटिव ट्रीटमेंट, विदाउट नेक्रोसेक्टोमी, फॉर इंफेक्टिड पेंक्रिएटिक नेक्रोसिस : ए सिस्टेमेटिक रिव्यू एण्ड मेटा–एनालाइसिस । 2013 (**144**:333–340.ई2)
840. मुडुली डी के, देव एस वी एस, शुक्ला एन के, कैल्लिएंपुर ए ए, प्रकाश आर, जयकृष्णन टी. कॉल ब्लैडर कैंसर इन ए चाइल्ड : ए रेयर ऑक्युरेंस। जे कैंसर रेस थर 2012 (**8**:653–4)

841. मुखर्जी ए, अहमद एन एच, समांतराय जे सी, मृधा बी आर. ए रेयर केस ऑफ क्युटेनियस लार्वा मिग्रांस ड्यू टू ग्नैथोस्टोमा एस पी. इण्डियन जे मेड माइक्रोबायोल 2012 (30:356–8)

842. मुखर्जी ए, लोधा आर, काबरा एस के. रिसेंट एडवांसिस इन डायग्नोसिस ऑफ ट्यूबरकुलोसिस। पीडियाट्र इंफैक्ट डिस 2012 (**4**:45–50)

843. मुखर्जी ए, लोधा आर, काबरा एस के. स्टेटस एण्ड करेंट रोल ऑ इंटेरफेरोन गामा रिलीज एसे वर्सिस ट्यूबरकुलिन स्कीन टेस्टिंग इन डायग्नोसिस ऑफ ट्यूबरकुलर डिजीज। इण्डियन जे पीडियाट्र 2013 (**80**:334–6)

844. मुखर्जी डी, कौशिक एम के, जरयाल ए के, कुमार वी एम, मल्लिक एच एन. ग्लुटेमेट माइक्रोइंजेक्शन इन द मेडियल सेप्टम ऑफ रैट्स डिक्रीसिस पैराडोक्सिकल स्लीप एण्ड इंक्रिसीस स्लॉ वेव स्लीप। न्यूरोरिपोर्ट 2012 (23: 451–6)

845. मुखोपाध्याय ए के. ए रेडियकल व्यू ऑफ इंफोर्मेशन। ओन इट्स नेचर एण्ड साइंस। जे साइंस हीलिंग आउटकम्स 2012–13 (5 (17): 5–15) रिपब्लिशड

846. मुखोपाध्याय ए के. इंफोर्मेशन होलोग्राफ। द स्ट्रक्चर, द सोर्स एण्ड इट्स ऑपरेशन। इंट जे बायो इंजीनियरिंग, न्यूरोसाइंस टेक्नोल 2012 (2(2): 12–32)

847. मुखोपाध्याय एस, फरवर सी एफ, वासजर एल टी, डेम्पसी ओ जे, पोपर एच एच, हनी एच, एट ऑल। कौसिस ऑफ पल्मोनरी ग्रेनुलोमास : ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी ऑफ 500 केसिस फ्रॉम सेवन कंट्रीज़। जे क्लिन पैथोल 2012 (**65**:51–7)

848. मुरे सी जे, वोस टी, लोजेनो आर, नागहवी एम, फ्लैक्समन ए डी, मिकहौड सी, एट ऑल। डिसेबिलिटी एडजस्टिड लाइफ इयर्स (डी ए एल वाय) फॉर 291 डिजीज एण्ड इंजरिस इन 21 रिजंस, 1990–2010 : ए सिस्टेमेटिक एनालाइसिस फॉर द ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी 2010. लांसेट 2012 (**380**:2197–223)

849. मुरुगन एम के, गुलाटी जी एस, रामकृष्णन एस. मल्टीडेक्टर कंप्यूटिड टोमोग्राफी फॉर ट्रंकस आर्टिरिओसस एण्ड एसोसिएटिड कॉम्प्लेक्स आर्क एनोमेली। पीडियाट्र कार्डियोल 2013 (**34**:764–6)

850. मुरुगन एम के, गुलाटी जी एस. एम आर एण्ड सी टी इमेजिंग स्पेक्ट्रम ऑफ राइट – सिडेड कार्डियक मासिस : ए पिक्टोरियल एसे। नेपेलीसे जे रेडियोल 2012 (**2**:96–110)

851. नाग एच एल, गुप्ता एच. सीटिंग ऑफ टाइट रोप आर टी बटन अंडर डायरेक्ट आर्थोस्कोपिक विसयूएलिजेशन इन एंटीरियर क्रूसिएट लिगमेंट रिकंस्ट्रक्शन टू प्रीवेंट पोटेंशियल कॉम्प्लीकेशंस। टेकनीकल नोट। आर्थोस टेक 2012(**1**:ई83–ई85)

852. नाग एच एल, कंचेरला आर, माल्पुरा ए. ब्रोडाइज़ एब्स्सेस ऑफ मीडिरूल डिस्टल फेमोरल कोंडिल आफ्टर ए थोर्न प्रिक : रेयर क्लिनिकल प्रेजेंटेशन। चाइन जे ट्रॉमेटोल 2012 (**15**:126–8)

853. नाग टी सी, वाधवा एस. एक्युमुलेशन ऑफ लिपिड इंक्लुशंस इन एस्ट्रोसिटेस ऑफ एजिंग ह्यूमैन ओप्टिक नर्व। एक्टा बायोल हंग 2012 (**63 (सप्पल 1)** : 54–64)

854. नाग टी सी, वाधवा एस. अल्ट्रास्ट्रक्चर ऑफ द ह्यूमन रेटिना इन एजिंग एण्ड वेरियस पैथोलॉजिकल स्टेटस। माइक्रोन 2012 (**43**:759–81)

855. नागनंदा एम एस, सेनगुप्ता ए, रेहमान एस एम के, संतोष जे, आनंद एस. आइडेंटिफाइंग प्रोस्पेक्टिव बायामार्कस फॉर कॉग्निटिव इम्पेयरमेंटस ड्यूरिंग प्रेग्नेंसी – रिव्यू ऑफ करेंट स्टेट्स एण्ड सम प्रीलिमिनरी रिजल्ट्स। इंट जे गयनेकोल ऑब्स्टेट 2012 (**सप्पल :** 8)

856. नेहर आर, कोटेका यू, पुरी आर डी, पाण्डे आर एम, वर्मा आई सी. सर्विवल एनालाइसिस ऑफ डाउन सिंड्रोम कोहर्ट इन ए टर्शरी हैल्थ केयर सेंटर इन इण्डिया। इण्डियन जे पीडियाट्र 2013 (**80**:118–23)

857. नायक एस के, पटनायक एस, गुप्ता सी एस, पटनायक आर डी. हेल्प सीकिंग बिहेवियर्स अमंग केरेगिवर्स ऑफ सिज़ोफेरियन एण्ड अदर सायकोटिक पेशेंटस : ए हॉस्पिटल बेस्ड स्टडी इन टू जिओग्राफिकली एण्ड कल्चरली डिस्टिंक्ट इण्डियन सिटिज़। इण्डियन जे फिजिकोल मेड 2012 (34 (4): 338–45)

858. नायक वी, पलक एम, चंद्रा पी एस. टोटल इंट्राक्रेनियल शंट मिगरेशन। जे न्यूरोसाइंस रुरल प्रैक्ट 2013 (4 (1): 95–6)

859. नायर एच, सिमोइस ई ए, रुडान आई, गेसस्नेर बी डी, एज्जिज – बाउमगआर्थन ई, झांग जे एस, एट ऑल। ग्लोबल एण्ड रिजनल बर्डन ऑफ हॉस्पिटल एडमिशंस फॉर सेवर एक्यूट लोवर रेस्पीरेटरी इंफैक्शंस इन यंग चिल्ड्रन इन 2010 : ए सिस्टेमेटिक एनालाइसिस। लेंसेट 2013 (**381**:1380–90)

860. नायर एम, अली एम के, अजाज वी एस, शिवशंकर आर, मोहन वी, प्रदीप आर, एट ऑल। कार्रस सर्विलाइंसिस स्टडी : डिजाइन एण्ड मैथड्स टू एसेस बर्डंस फ्रॉम मल्टीपल पर्सपेक्टिव्स। बी एम सी पब्लिक हैल्थ 2012 (**12**:701)

861. नायर एस, सिंह एम बी, शर्मा एस के, पाण्डे आर एम, कपिल यू. मल्टीसेंट्रिक स्टडी ऑन वेलिडेशन ऑफ स्पॉट टेस्टिंग किट। इण्डियन जे पीडियाट्र 2012 (**79**:751–4)

862. नाकायामा ई ई, नाकाजीमा टी, कौर जी, मिमाया जे आई, टेरुनुमा एच, मेहरा एन, एट ऑल. ए नेचुरली ऑक्युरिंग सिंग्ल अमिनो एसिड सबस्टीचुएशन इन ह्यूमन टी आर आई एम 5 अल्फा लिंकर रीजन इफैक्ट्स इट्स एंटी – एच आई वी टाइप 1 एक्टिविटी एण्ड सस्सिपटिबिलिटी टू एच आई वी टाइप 1 इंफैक्शन। एड्स रेस हम रेट्रोवायरस 2013 (29:919–24)

863. नंदा ए, जैन वी, काबरा एस के. एवेन्यूज़ फॉर रिहेबिलिटेशन ऑफ ऑरिकुलर डिफैक्टस। इण्डियन जे डेंट रेस 2012 (23 (1): 87–91)

864. नारांजी एस, त्रिखा वी. ए न्यू टेकनीक फॉर इंसर्शन ऑफ बैरल प्लेट ओवर डायनेमिक हिप / कॉम्प्रेशन लैग स्क्रू : ए केस रिपोर्ट। चाइन जे ट्रॉमेटोल 2012 (**15**:231–3)

865. नास्वा एन, बाल सी एस. डिवरगेंट रोल ऑफ (68) गा – लैब्लैड सोमेटोस्टेटिन एनालॉग्स इन द वर्कअप ऑफ पेशेंट्स विद एन ई टी एस : एम्स एक्सपीरियंस। रिसेंट रिजल्ट्स कैंसर रेस 2013 (194: 321–51)

866. नास्वा एन, दास सी जे, शर्मा करुणानिधि एस, बाल सी, कुमार आर. एक्टोपिक पिटुटरी एडेनोमा विद एम्प्टीसैला इन द सेटिंग ऑफ एम ई एन – 1 सिंड्रोम : डिटेक्शन विद 68गा – डॉटैनोक पी ई टी / सी टी. जे पी एन जे रेडियोल 2012 (30:783–6)

867. नास्वा एन, करुणानिधि एस, सुंदरराजन आर, दास के जे, अग्रवाल के के, मल्होत्रा ए, एट ऑल। मेटास्टेटिक न्यूरोएंडोक्राइन कार्सिनोमा प्रेजेंटिंग एज़ ए "सुपरस्कैन" ऑन 68 गा – डॉटैनोक सोमेटोस्टेटिन रिसेप्टर पी ई टी / सी टी. क्लिन न्यूक्लि मेड 2012 (37 (9): 892–4)

868. नास्वा एन, शर्मा पी, सुंदरराजन आर, करुणानिधि एस, नजर ए एच, कुमार आर, एट ऑल। डायग्नोस्टिक परफोरमेंस ऑफ सोमेटोस्टेटिन रिसेप्टर पी ई टी / सी टी यूजिंग 68 गा – डॉटैनोक इन गैस्ट्रीनोमा पेशेंट्स विद नेगेटिव ऑर इक्विवोकल सी टी फाइंडिंग्स। एब्डोम इमेजिंग 2013 (38 (3): 552–60)

869. नास्वा एन, शर्मा पी, सुमन के सी एस, लता एस, कुमार आर, मल्होत्रा ए, एट ऑल। प्रोस्पेक्टिव एवेलुएशन ऑफ 68गा – डॉटा – नॉक पी ई टी – सी टी इन पेशेंट्स विद रिकरेंट मेडुलरी थायरोइड कार्सिनोमा : कॉम्पेरिजन विद 18एफ – एफ ड जी पी ई टी – सी टी. न्यूक्ल मेड कॉमन 2012 (33 (7): 766–74)

870. नतनसभापति जी, सुबिहि वी, काले एस एस, रथ जी के, सेंथिलकुमरन एस, थुलकर एस, एट ऑल। एम ए जी ए टी जैल एण्ड ई बी टी 2 फिल्म – बेस्ड डोसिमेट्री फॉर एवेलुएटिंग सोर्स प्लगिंग बेस्ड ट्रीटमेंट प्लान इन गामा नाइफ स्टेरिओटेक्टिक रेडियोसर्जरी। जे एप्पल क्लिन मेड फिजि 2012 (**13**:3877)

871. नायक बी, एबरोल एन, कुमार आर. रेडियोलॉजिकल सेमिनल वेसिकल स्टोंस मे एक्चुली बी इन द यूरेटर। इण्डियन जे यूरोल 2013 (29:75–6)

872. नायक बी, दैस एफ एम, कुमार एस, पालदुराय ए, कोलिंस पी एल, समल एस के. एवियन पैरामयऑक्सिवायरस सेरोटाइपस 2 – 9 वरी इन द एबिलिटी टू इंड्यूस प्रोटेक्टिव इम्यूनीटी इन चिकंस एगेंस्ट चैलेंजिस विद वीरुलेंट न्यूकास्टल डिजीज वायरस (ए पी एम वी–1)) *वैक्सिन* 2012 (**30**:2220–7)

873. नायक बी, डोगरा पी एन, नास्वा एन, कुमार आर. डियूरेटिक 18 एफ – एफ डी जी पी ई टी / सी टी इमेजिंग फॉर डिटेक्शन एण्ड लोकोरिजनल स्टेजिंग ऑफ यूरिनरी ब्लैडर कैंसर : प्रोस्पेक्टिव एवेलुएशन ऑफ ए नोवल टेकनिक्स। यूर जे न्यूक्ल मेड मोल इमेजिंग 2013 (40:386–93)

874. नायक बी, नायक एस, पालडुराय ए, कुमार एस, दी नारदी, टेरीजिनो सी, एट ऑल। एवेलुएशन ऑफ द जेनेटिक डिवर्सिटी ऑफ एवियन पैरामयोवायरस टाइप 4. वायरस रेस 2013 (**171**:103–10)

875. नायक बी, राय ए आर, पाण्डा ए के, राय पी. इम्प्रूवड इम्यूनोजेनिसिटी ऑफ बायोडिग्रेडेबल पोलीमर पार्टिकल्स इंट्राप्पैड रोटावायरस वैक्सिन। जे बायोमेटर एप्पल 2011 (**25**:469–96)

876. नायक एन, सतपति जी, प्रसाद एस, टिटियाल जे एस, पाण्डे आर एम, वाजपेयी आर बी. मोलिकुलर कैरेक्टराइजेशन ऑफ ड्रग – रेसिस्टेंट एण्ड ड्रग – सेंसिटिव एस्परगिलस आइसोलेटस कौसिंग इंफैक्शंस केराटिटिस। इण्डियन जे आफ्थेलमोल 2011 (**59**:373–7)

877. नजर ए एच, नास्वा एन, शर्मा पी, सुंदरराजन आर, बाल सी, मल्होत्रा ए, एट ऑल। स्पेक्ट्रम ऑफ 18एफ – एफ डी जी पी ई टी / सी टी फाइंडिंग्स इन पेशेंट्स प्रेसेंटिंग विद फिवर ऑफ अननॉन आरिजिन। ए जे आर एम जे रोइंटजिनोल 2012 (199 (1): 175–85)

878. नेहा, लालवाणी एस, डिंगरा आर. प्लास्टीनेटिड नी स्पेसिमेंस : ए नोवल एजुकेशनल टूल। जे क्लिन डायग्न रेस 2013 (**7**:1–5)

879. निओगी एस बी, सिंह आर, मल्होत्रा एस, जोडपे एस पी, चौहान एम. कोर्सिस इन रिप्रोडक्टिव एण्ड चाइल्ड हैल्थ इन इण्डिया : इन ओवरव्यू। इण्डियन जे पब्लिक हैल्थ 2013 (**57**:15–9)

880. गुयेन डी डी, वुरबल एम ए, गोइटल जे ए, इस्टोन एम ए, अहमद ओ एस, मैरिन आर, एट ऑल। विस्कोट – एल्डरिच सिंड्रोम प्रोटीन डेफिशियंसी इन इन्नेट इम्यून सैल्स लीडस टू मुकोसल इम्यून डिरेगुलेशन एण्ड कोलिटिस इन माइस। गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी 2012 (**143**:719–29.ई ई1–2)

881. निखिल एस वी, गुप्ता एस के, एट्रोवास्टेटिन एण्ड एंटीऑक्सीडेंट्स : द रिमेडी फॉर नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज? नेटल मेड जे इण्डिया 2012 (**25**:94–5)

882. निर्मल जे, वेलपाण्डियन टी, सिंह एस बी, बिस्वास एन आर, आजाद आर, थावराज वी, एट ऑल। एवेल्युएशन ऑफ द फंक्शनल इम्पोर्टेंस ऑफ ऑर्गेनिक कैशन ट्रांसपोटर्स ऑन द ऑक्युलर डिसपोसिशन ऑफ इट्स इंट्राविट्रीयली इंजेक्टिड सबस्ट्रेट इन रैबिट्स। क्यूर आई रेस 2012 (**37**:1127–35)

883. निरुपम एन, शर्मा एस, अनेजा एस, कुमार ए. चाइल्डहुड क्रोनिक इंफ्लेमेटरी डिमयेलिनेटिंग पोलीन्यूरोपैथी एसोसिएटिड विद एक्वायर्ड स्कोलिओसिस : ए केस रिपोर्ट। जे चाइल्ड न्यूरोल 2012 (**27**:804–6)

884. निसार एस, शाह पी ए , कुछे एम एस, भट एम ए, रशिद ए, अहमद एस, एट ऑल। एसोसिएशन ऑफ पोलीसिटिक ओवरी सिंड्रोम एण्ड ग्रेव्स डिजीज : इज़ ऑटोइम्यूनिटी द लिंक बीटवीन द टू डिजीज। इण्डियन जे एण्डोक्राइनोल मेटाब 2012 (**16**:982–6)

885. निस्कोला पी, टेंडास ए, कुपैली एल, कैटालेनो जी, स्कारामुस्सी एल, जिओवेन्नी एम, एट ऑल। द प्रीवेंशन ऑफ ओरल मुकोसिटिस इन पेशेंट्स विद ब्लड कैंसर : करेंट कोंसेप्टस एण्ड इमर्जिंग लैण्डस्केपस। कार्डियेवेस्क हेमेटोल एजेंट्स मेड (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)।

886. नजेजी बी, कोंगनीव ई जे, कुमार एस, ओकवेन एम पी, शंकर एम जे, मबुएगबाउ एल. ऑप्टिमल टाइमिंग फॉर एंट्रीरेट्रोवायरल थेरेपी इनिशिएशन इन पेशेंट्स विद एच आई वी इंफैक्शन एण्ड कोंकुरेंट क्रिप्टोकोकल मेनिंगिटिस। कोक्रेन डेटाबेस सिस्ट रेव 2013 (**2**: सी डी 009012)

887. नोंगकींरिह बी. सैम्पलींग, सैम्पल साइज़ एस्टीमेशन एण्ड रेण्डोमाइजेशन। आई जे एम एस 2012 (**3**:195–97)

888. नोरिस एस ए, ओस्मोंड सी, जिगेंटे डी, कुजावा सी डब्ल्यू, रमाकृष्णन एल, ली एन आर, एट ऑल। साइज एट बर्थ, वेट गेन इन इंफेंसी एण्ड चाइल्डहुड, एण्ड एडल्ट डायबिटिस रिस्क इन फाइव लॉ – या मिडल – इंकम कंट्री बर्थ कोहोर्टस। डायबिटिस केयर 2012 (**35**:72–9)

889. ओकेरे पी सी, ओलुसिना डी बी, शामिनी एस ए, शंद्रा वी, तुषार एम, सैलाम के, एट ऑल। पैटर्न ऑफ सैकण्ड प्राइमरी मेलिग्नेंसिस इन थायरोइड कैंसर पेशेंट्स। निगर जे क्लिन प्रैक्ट 2013 (16 (1): 96–9)

890. ओओडुन आर एन, त्रिपाठी एम एन, यादव जे एस. क्लिनिकल प्रोफाइल ऑफ सचिजो ओब्सेसिव डिसोर्डर : ए केस रिपोर्ट। डिस्फ्रेनिया 2012 (3: 190–1)

891. पाधी बी एम, यादव आर, गुप्ता वाय के. हाइपोलिपिडेमिक एण्ड एंटी इंफ्लेमेटीर इफैक्टस ऑफ फिक्स्ड डज कॉम्बीनेशन ऑफ एटोरवेस्टेटिन प्लस इजेटिमिब इन इण्डियन पेशेंट्स विद डिस्लिपिडेइमिया। सिंगापोर मेड जे 2013 (54: 90–5)

892. पदमा श्रीवास्तव एम वी, भसीन ए, भाटिया आर, गर्ग ए, गायकवाड एस, प्रसाद के, एट ऑल। इफिकेसी ऑफ मिनोसायक्लाइन इन एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक : ए सिंगल ब्लाइंड, प्लेसिबो – कंट्रोल्ड ट्रायल। न्यूरोल इण्डिया 2012 (60 (1): 23–8)

893. पाहुजा एम, क्लीकल टी रीता के एच, त्रिपाठी एम, गुप्ता वाय के. इंटरएक्शन प्रोफाइल ऑफ जिजिफस जुजुबा विद फेंटोइन, फेनोबारबिटोन, एण्ड कारबैमेजेपाइन इन मैक्सिमल इलेक्ट्रोशॉक – इंड्यूस्ड सीजर्स इन रैट्स। एपिलेप्सी बिहेव 2012 (25 (3):368–73)

894. पाहुजा एम, मेहला जे, रीता के एच, त्रिपाठी एम, गुप्ता वाय के. इफैक्ट ऑफ एनेसिक्लुस पीरेथरुम ऑन पेंटिलेनेटेट्राट्रेजोल – इंड्यूस्ड काइंडलिंग, स्पेटियल मेमोरी, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एण्ड रहो–काइनेस 2 एक्सप्रेशन इन माइस। न्यूरोकेम रेस 2013 (38 (3): 547–56)

895. पाहवा डी, छाबड़ा ए, अरोड़ा एम के. एनेइस्थेटिक मैनेजमेंट ऑफ पेशेंट्स विद एंकीलोसिंग स्पोंडिलिटिस। ट्रेंडस एनेइस्थ क्रिट केयर 2013 (3:19–24)

896. पाहवा पी, खैतान बी के, राव ए, कृपलीन ए, महे आर, सुब्बाराव के सी. अग्रेसिव एंजियोमयोक्सोमा ऑफ द वुल्वा इन ए पेशेंट विद सिस्टेमिक ल्यूपस अर्थमेटोसुस। इण्डियन जे डर्मेटोल वेनेरिओल लेप्रोल 2012 (**78**:361–4)

897. पाहवा पी, मीना डी, तंवीर एन, शर्मा वी के, सेतुरमन जी. पुंक्टेट वेस्कुलर पेपल्स ऑन द टंग एण्ड स्क्रोटम। इण्डियन जे डर्मेटोल 2012 (57: 228–9)

898. पाहवा पी, सेतुरमन जी. सेगमेंटल बैकर्स नेवी म्युकोसल इंवोल्वमेंट पीडियाट्र डर्मेटोल 2012 (29: 670–1)

899. पाल सिंह बालहारा वाय, जैन आर. ए यूरिनेलाइसिस – बेस्ड कॉपेरेटिव स्टडी ऑफ ट्रीटमेंट एडहेरेंस ऑन बुप्रीनोर्फिन एण्ड बुप्रीनोर्फिन / ऐलोक्सोन कॉम्बीनेशन यूज़्ड एज़ ओपिओइड सबस्टिटुशन थेरेपी। इनोव क्लिन न्यूरोसाइंस 2012 (9 (7–8): 24–9)

900. पालीवाल पी, अरोड़ा डी, मिश्रा ए के. एपिथेलियल मेसेंकिमल ट्रांजिशन इन यूरोथेलियल कार्सिनोमा : ट्विस्ट इन द टेल। इण्डियन जे पैथोल माइक्रोबायोल 2012 (55 (4): 443–9)

901. पालीवाल पी, शर्मा ए, टंडन आर, शर्मा एन, टिटियाल जे एस, सेन एस, एट ऑल। मोलिकुलर जेनेटिक एनालाइसिस ऑफ मस्कुलर कोर्नियल डिस्ट्रोफी पेशेंट्स फ्रॉम नोर्थ इण्डिया। ऑफ्थेलमिक रेस 2012 (**48**:28–32)

902. पल्लवी ए, चड्डा आर के, सूद एम, लक्ष्मी आर. मेटाबोलिक सिंड्रोम इन स्चिजोफेरिनिया : ए कॉम्पेरेटिव स्टडी ऑफ एंटीसायकोटिक – फ्री / नैव एण्ड एंटीसायकोटिक – ट्रीटीड पेशेंट्स फ्रॉम इण्डिया। नोर्ड जे सायकियाट्रि 2012 (**66**:215–21)

903. पल्लवी पी, सागर आर, मेहता एम, शर्मा एस, सुब्रमण्डयम ए एस, शाम्शी एस, एट ऑल. सीरम न्यूरोट्रोफिक फैक्टर्स इन एडोलसेंट डिप्रेशन : जेंडर डिफ्रेंस एण्ड कोरिलेशन विद क्लिनिकल सेवेरिटी। जे एफैक्टि डिसोर्डस 2013 (डीओआई. ओआरजी10.1016/जे.जेएडी.2013.04.033आई.

904. पंचनाथथीस्वरन के, प्रसाद आर, रोहिला जे, सराया ए, मुखर्जी जी के, शर्मा आर. लेपेरोस्कोपिक हैलर्स कार्डियोमयोपैथी : ए वाएबल ट्रीटमेंट ओप्शन फॉर सिग्मोइड ओइसोफेग्स। इंटेरैक्ट कार्डियोवेस्क थोरेक सर्ज 2013 (16:49–54)

905. पाण्डा ए, जैन एम, वनाथी एम, वेलपण्डियन टी, खोकर एस, दादा टी. टोपिकल ऑटोलोगस प्लेटलेट – रिच प्लाज्मा आइड्रोप्स फॉर एक्यूट कोर्नियल केमिकल इंजरी। कोर्निया 2012 **31**:989–93)

906. पाण्डा डी, शर्मा ए, शुक्ला एन के, जैसवाल आर, द्विवेदी एस, रैन वी, एट ऑल। गाल ब्लैडर कैंसर एण्ड द रोल ऑफ डाइटरी एण्ड लाइफस्टाइल फैक्टर्स : ए केस – कंट्रोल स्टडी इन ए नोर्थ इण्डियन पॉपुलेशन। यूर जे कैंसर प्रेव 2013 (**22**:431–7)

907. पाण्डव सी एस. एकोनोमिक एवेल्युएशन ऑफ आयोडीन डिफिसियंसी डिसोर्डर कंट्रोल प्रोग्राम इन सिक्किम : ए कोस्ट – बेनेफिट एनालाइसिस। इण्डियन जे पब्लिक हैल्थ 2012 (**56**:214–22)

908. पाण्डव सी एस. इकोनोमिक एवेल्युएशन ऑफ आयोडीन डेफिशियंसी डिसोर्डर कंट्रोल प्रोग्राम इन सिक्किम : ए कोस्ट इफैक्टिवनेस स्टडी। इण्डियन जे पब्लिक हैल्थ 2012 (**56**:37–43)

909. पाण्डे ए, चौहान एस, मखिजा एन, किरण यू, वासुदेव एस, तलवार एस, एट ऑल द वेरिएशन इन प्लाज्मा कोर्टिसोल लेवल्स इन रेस्पोंस टू एनेस्थेटिक इंडक्शन विद इटोमिडेट या केटामाइन इन चिल्ड्रन अंडरगोइंग इंट्राकार्डियक रेपेयर ऑफ टेट्रेलॉजी ऑफ फैलोट ऑन कार्डियोपल्मोनरी बायपास, "वर्ल्ड जे ऑफ कार्डियोवेस्कुलर सर्जरी 2012 (**2**:17–20)

910. पाण्डेय ए, मखीजा एन, चौहान एस. दास एस एन, बिसोई ए के, लक्ष्मी आर. द वेरिएशन इन प्लाज्मा कोर्टिसोल लेवल इन रेस्पोंस टू एनेस्थेटिक इंडक्शन विद इटोमिडेट ऑर प्रोपोफोल इन पेशेंट्स अंडरगोइंग कोरोनरी आर्टरी बायपास। ग्राफ्ट सर्जरी ऑन कार्डियोपल्मोनरी बायपास। वर्ल्ड जे कार्डियोवेस्क सर्ज 2012 (**2**:48–53)

911. पाण्डेय ए, शाहू डी, बक्कली टी, रेड्डी डी, वेंकेटेश एस, कांट एस, एट ऑल। एस्टीमेट ऑफ एच आई वी प्रीवलेंस एण्ड नंबर ऑफ पीपल लिविंग विद एच आई वी इन इण्डिया 2008–2009. बी एम जे ओपन 2012 (**2** (**5**))

912. पाण्डे डी, सुपेंशन ऑफ द टंग टू द डायगेस्ट्रिक टेंडन फॉलोइंग रिसेक्शन ऑफ द एंटीरियर मेंडिबुलर आर्क फॉर ओरल कैंसर प्रीवेंट्स पोस्टोपेरेटिव टंग फॉर एण्ड अवोइड्स द नीड फॉर ट्रेकीओस्टोमी। इण्डियन जे कैंसर 2012 (**49**:11–4)

913. पाण्डे डी. टेकनीकल डिस्क्रिप्शन ऑफ ए रिजनल लिम्फेडेनेक्टोमी इन रेडिकल सर्जरी फॉर गाल ब्लैडर कैंसर। एच पी बी (ऑक्सफोर्ड) 2012 (**14**:216–19)

914. पाण्डे आर, अग्रवाल ए, दारलोंग वी, गर्ग आर, पुंज जे. पेरिओपरेटिव कांसर्नस इन पेशेंट्स विद ट्यूमर – इंड्यूस्ड ओस्टिओमेलेसिया फॉर सर्जिकल एक्सशन ऑफ ट्यूमर। एन्न साउदी मेड 2012 (32:656–8)

915. पाण्डे आर, अशरफ एच, भल्ला ए पी, गर्ग आर. ओप्टिमल रिस्ट एंगुलेशन शार्टंस टाइम नीडिड 201 2रेडियल आर्टरी कैथेराइजेशन : ए प्रोस्पेक्टिव, रेण्डोमाइज्ड, एण्ड ब्लाइंडिड स्टडी। एक्टा एनेइस्थेसिओल बेल्ग 2012 (63:187–90)

916. पाण्डे आर, गर्ग आर, दारलोंग वी, पुंज जे, कुमार ए. रोल ऑफ स्प्लेनिक आर्टरी पार्टियल एम्बोलाइजेशन इन ए पेशेंट् विद पोर्टल हाइपरटेंशन एण्ड पेंकीटोपेनिया अंडरगोइंग हीस्टेरेक्टोमी अंडर एनेस्थेसिया। ए ए एन ए ए जे 2012 (80:96–8)

917. पाण्डे आर एम, अग्रवाल ए, मिश्रा ए, विक्रम एन के, मिश्रा पी, डे एस, एट ऑल। पॉपुलेशन – बेस्ड इंटरवेंशन फॉर कार्डियोवेस्कुलर डिजीज रिलेटिड नॉलेज एण्ड बिहेवियर्स इन एशियन इण्डियन वूमेन। इण्डियन हार्ट जे 2013 (**65**:40–7)

918. पाण्डे आर एम, गुप्ता आर, मिश्रा ए, मिश्रा पी, सिंह वी, अग्रवाल ए, एट ऑल। डिटरमिनेंटस ऑफ अर्बन – रुरल डिफ्रेंसिस इन कार्डियोवेस्कुलर रिस्क फैक्टर्स इन मीडल – एज्ड वूमेन इन इण्डिया : ए क्रोस – सेक्शनल स्टडी। इंट जे कार्डियोल 2013 (**163**:157–62)

919. पाण्डे एस, रंजन आर, पाण्डे एस, मिश्रा आर एम, सेठ टी, सक्सेना आर. इफैक्ट ऑफ ए एन एक्स ए 2 जीन सिंग्ल न्यूक्लियोटाइड पोलिमोर्फिज्म (एस एन पी) ऑन द डेवलपमेंट ऑफ ओस्टियोनेक्रोसिस इन इण्डियन सिक्कल सैल पेशेंट : ए पी सी आर – आर एफ एल पी एप्रोच। इण्डियन जे एक्स बायोल 2012 (**50**:455–8)

920. पाण्डे एस के, मीना ए, किशोर के, मिश्रा आर एम, पाण्डे एस, सक्सेना आर. प्रीवलेंस ऑफ फैक्टर वी लैडेन जी 1691 ए, एम टी एच एफ आर सी 677टी, एण्ड प्रोथ्रोम्बिन जी 20210 ए अमंग एशियन इण्डियन सिक्किल सैल पेशेंट्स। क्लिन एप्पल थ्रोम्ब हेमोस्ट 2012 (**18**:320–3)

921. पाण्डिया एम पी, चाबलेनी डी डी, बिठल पी के, रथ जी पी. एटिपिकल प्रेजेंटेशन ऑफ एयर एम्बोलिज्म इन अन इंफेंट अंडरगोइंग वेंट्रीकुलोपेरिटोनियल शंट सर्जरी। पेइडियाट्र एनेस्थे 2013 (23(2): 201–2)

922. पंवार एच, कुमार वी एस, त्रिखा वी, सुब्रमण्यम ए. लॉस बॉडिज़ इन राइट एल्बो जोइंट : पोस्ट ट्रॅामेटिक? ऑर पोस्ट इंफेक्टिव? जे एमर्ज ट्रॅामा शॉक 2013 (**6**:129–31)

923. पारिहर एम एल, कुमार ए, गमनगट्टी एस, भल्ला ए एस, मिश्रा बी, कुमार एस, एट ऑल। रोल ऑफ स्पलेनिक आर्टरी एम्बोलाइजेशन इन मैनेजमेंट ऑफ ट्रॅामेटिक स्प्लेनिक इंजरिज़ : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी। इण्डियन जे सर्ज 2013 (**75**:361–7)

924. प्रसाद आर, डेवन एस के, पंचएनेथीस्वरण के, सराय ए, मखारिया जी के, शर्मा एस के, एट ऑल. क्लिनिकल, रेडियोलॉजिकल एण्ड फंक्शनल एस्सेमेंट ऑफ पल्मोनरी स्टेटस इन पेशेंट्स विद एकेलेसिय कार्डिया बीफोर एण्ड आफ्टर ट्रीटमेंट। यूर जे कार्डियोथोरेक सर्ज 2012 (**42**:ई90–5)

925. पार्थिबान एम, कलियपेरुमल एम, एक्सएओ एस, नायक बी, किम एस एच, एट ऑल। कॉम्प्लेट जीनोम सिक्वेंस ऑफ एन एवियन पैरामएक्सोवायरस टाइप 4 फ्रॅाम नोर्थ एमेरिका रिविल्स ए शॉर्टर जीनोम एण्ड न्यू जीनोटाइप। जीनोम एन्नाउंस 2013 (**1. पी आई आई : ई** 00075–12)

926. पाठक एस, भटला एन, सिंह एन. सर्विकल कैंसर पैथोजेनेसिस इज़ एसोसिएटिड विद वन – कार्बन मेटोबोलिज्म। मोल सैल बायोकेम 2012 (**369**:1–7)

927. पठान एम एफ, सहाय आर के, जरगर ए एच, राजा एस ए, खान ए के, ज्ञानी एम ए, एट ऑल। साउथ एशियन कोंसेंसस गाइडलाइन : यूज़ ऑफ इंसुलिन इन डायबिटिज़ ड्यूरिंग रेमेडेन। इण्डियन जे एण्डोक्राइनोल मेटाब 2012 (**16**:499–502)

928. पाटिल ए आर, भल्ला ए, गुप्ता पी, गोयल डी, विष्णु भटला एस, रामवत ए, एट ऑल। एच आर सी टी एवेल्युएशन ऑफ माइक्रोटिया : ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी। इण्डियन जे रेडियोल इमेजिंग 2012 (22:188–94)

929. पाटिल ए आर, कुमार ए, गमनगट्टी एस, जससीलेन। ब्रेन डेथ : डायग्नोस्टिक क्लूज़ ऑन इमेजिंग। जे इमर्ज ट्रॅामा शॉक 2012 (**5**:372–3)

930. पात्रा बी एन, खण्डेलवाल एस के, सूद एम. ओलेंजेपाइन इंड्यूस्ड न्यूरोलेप्टिक मेलिग्नेंट सिंड्रोम। इण्डियन जे फार्माकोल 2013 (45 (1): 98–9)

931. पेट्रो बी के, शेवेडे एच डी, कैथिरवल एस, सेंजम एस एस, सिंह एम पी, रेठो आर के. आउटब्रीक ऑफ "मोडिफाइड मसल्स" इन अन अर्बन रिसेटलमेंट कॉलोनी ऑफ नोर्थ इण्डिया। इण्डियन जे पब्लिक हैल्थ 2012 (**56**:168–9)

932. पटनायक आर डी, जैन आर, सागर आर. रायएबिलिटी ऑफ सेल्फ – रिपोर्टिड टुबैको यूज़ इन बिपोलर डिसोर्डर : अन एक्सप्लोरेटोरी स्टडी ऑफ एयूथीमिक पेशेंट्स विजिटिंग ए टर्शरी केयर हॉस्पिटल इन इण्डिया। इंट जे सायकियाट्री मेड 2012 (43 (2): 153–63)

933. पटनायक आर डी, सागर आर, जैन आर. परसिवड हैल्थ रिस्क, एटिट्यूड एण्ड रेडिनेस टू क्वाइट टुबैको अमंग इयूथीमिक बिपोलर डिसोर्डर पेशेंट्स इन रेगुलेर कांट्रैक्ट विद मेंटल हैल्थ सर्विसिस : अन एक्स्प्लोररी स्टडी फ्रॅाम इण्डिया। जे मेंट हैल्थ
2012(21 (1): 83–90)

934. पटनायक आर डी, सागर आर, मेहता एम. न्यूरोसायकोलॉजिकल परफोर्मेंस इन इयूथिमिक इण्डियन पेशेंट्स विद बिपोलर डिसोर्डर टाइप 1 : कोरिलेशन बिटवीन क्वालिटी ऑफ लाइफ एण्ड ग्लोबल फंक्शनिंग। सायकियाट्री क्लिन न्यूरोसाइंस 2012 (66 (7): 553–63)

935. पटनायक आर डी, सागर आर. ए क्वालिटेटिव स्टडी ऑफ परसेप्शंस रिलेटिड टू फैमिली रिस्क ऑफ बिपोलर डिसोर्डर अमंग पेशेंट्स एण्ड फैमिली मेम्बर्स फ्रॅाम इण्डिया। इंट जे सोक सायकियाट्री 2012(58(5): 463–9)

936. पटनायक आर डी, सागर आर. लैशोन सायकियाट्री : द वे फोरवर्ड : जे मेंट हैल्थ बिहेव 2012 (17: एस1–एस3)।

937. पटनायक आर डी, सागर आर. सायकियाट्रिक एस्पेक्टस ऑफ चाइल्डहुड एपिलेप्सी। इरन जे चाइल्ड न्यूरोल 2012 (6: 9–18)
938. पटनायक आर डी, सागर आर (इंस्पिरेशंस फ्रॉम हिस्टोरी : ए सिम्प्ल, नोबल प्राइज़ विनिंग एक्सपरमेंट बाय आटु लोइवी। जे मेंट हैल्थ बिहेव 2012 (17: 91–4)
939. पॉडेल एम एस, विग एन, महाजन एस, पाण्डे आर एम, गुलेरिया आर, शर्मा एस के. ए स्टडी ऑफ इंसिडेंस ऑफ ए के आई इन क्रिटिकली इल पेशेंट्स। रेन फेल 2012 (**34**:1217–22)
940. पॉल एस बी, भाटिया आर, प्रसाद के, पदमा एम वी, त्रिपाठी एम, सिंह एम बी. क्लिनिकल प्रीडिक्टर्स ऑफ मैकेनिज्मस वेंटिलेशन इन गुइलैन – बैरे सिंड्रोम। न्यूरोल इण्डिया 2012 (60 (2): 150–3)
941. पवार डी. कॉमन पोस्ट – ऑपरेटिव कॉम्प्लीकेशंस इन चिल्ड्रन। इण्डियन जे एनेस्थ 2012 (56:496–501)
942. पेरेरा सी, झांजी वी, लेमोयूरियक्स ई, पॉलोक जी, फेविला आई, वाजपेयी आर बी. क्लिनिकल प्रेजेंटेशन, रिस्क फैक्टर्स एण्ड ट्रीटमेंट आउटकम्स ऑफ फर्स्ट एलॉग्राफ रेजेक्शन आफ्टर पेनेट्रेटिंग केरेटोप्लास्टि इन अर्ली एण्ड लेट पोस्टोपेरेटिव पीरियड। आई (लोंड) 2012 (**26**:711–17)
943. पूकमाला एस, होटा ए, ठक्कर ए. नासोफेरिंजीयल एंजियोफिब्रोमा – ए रिव्यू। द ओटोरिनोलेरिंगोलॉजिस्ट 2013 (**6**:19–27)
944. पारवाल सी, सिंह यू बी, कौशिक ए, मक्कर एन, बानावेलिकर जे एन, हैनिफ एम, एट ऑल. इंसिडेंस एण्ड रिस्क फैक्टर्स फॉर एक्स्ट्रेंसिवली ड्रग – रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस इन दिल्ली रिजन। पी एल ओ एस वन फरवरी 2013)
945. प्रभाकर एच, बिंद्रा ए, सिंह जी पी, कल्याणी एम, प्रोपोफोल वर्सस थिओपेंटल सोडियम फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ रिफ्रैक्टरी स्टेटस एपिलेप्टिक्स। कोक्रेंस डेटाबेस सिस्ट रेव 2012 (**8 :** सीडी 009202)
946. प्रभाकर एच, सिंह जी पी, आनंद वी, कल्याणी एम. मैननिटोल वर्सस हाइपरटोनिक सेलिन फॉर ब्रेन रिलेक्शन इन पेशेंट्स अंडरगोइंग क्रेनिओटोमी। कोक्रेन डेटाबेस सिस्ट रेव 2012 (8 डी ओ आई : 10.1002/14651858.सीडी010026. (प्रोटोकोल)
947. प्रभु आर, भुलकर एस, शर्मा एम सी, मोहंती बी के, धवन डी, बक्शी एस, पी एन ई टी स्पाइन : मोर्बिड एण्ड मोर्टेल, बट इग्नोर्ड टिल लेट। जे पीडियाट्र हेमेटोल ओंकोल 2012 (**34**:ई164–9)
948. प्रधान एम, बेहरा सी, भुटे ए. रेलवे रिलेटिड इलेक्ट्रोक्युशन फेटेलिटिज़स : ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी फ्रॉम सेंट्रल दिल्ली। इंट जे मेड टोक्सिकोल लिगल मेड 2012 (15 (2): 8–12)
949. प्रधान एम, श्रीनिवास एम, सिंह बी के, बेहरा सी, दीक्षित पी सी. सुडान डेथ इन एडवांस्ड एब्डोमिनेल प्रेग्नेंसी : ए केस रिपोर्ट एण्ड डिस्कशन ऑफ द रिलेटिड मेडिकोलिगल इशूज़। मेड साइंस लॉ 14 मार्च 2014 (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)
950. प्रकाश जी, अग्रवाल एस, चित्रगार एस, रे आर, थुलकर एस, बख्शी एस. सेलिटेरी रेट्रोवेसिकल लैशन इन ए न्यूरोबोर्न। जे पीडियाट्र हेमेटोल ओंकोल 2012 (**34**:159, 160–1.159–61)
951. प्रकाश जी, शर्मा ए, रैना वी, कुमार एल, शर्मा एम सी, मोहंती बी के. बी सैल नॉन होग्किंस लिम्फोमा : एक्सपीरियंस फ्रॉम ए टर्शरी केयर कैंसर सेंटर। एन्न हेमेटोल 2012 (**91**:1603–11)
952. प्रकाश जी, शर्मा एन, चौधरी वी, टिटियाल जे एस. स्पोंटेनियस, अनकॉम्प्लीटिड डिस्सोल्यूशन ऑफ ए लार्ज कॉटन फाइबर इन द लेजर इन सितु केराटोमिलेयूसिस इंटरफेस। मीडल ईस्ट आफर जे ऑफ्थेलमोल 2012 (**19**:343–5)
953. प्रकाश जी, थुलकर एस, अरवा एस के, बख्शी एस. सेरेब्रल एस्परगिल्लुस इंफैक्शन इन पेडियाट्रिक एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया इंडक्शन थेरेपी। इण्डियन जे मेड पीडियाट्र ओंकोल 2012 (**33**:236–8)
954. प्रकाश एस एस, अंदरबी आर, कुमार आर, लोधा आर, काबरा एस के, वाजपेयी एम, एट ऑल। एंटीबॉडिज़ दैट क्रॉस न्यूरोट्रेलाइज द टायर – 2 सियूडोवायरसिस आर प्रोड्यूस्ड इन एंटीरेट्रोवायरल नैव एच आई वी – 1 – इंफैक्टिड चिल्ड्रन फ्रॉम नोर्थन इण्डिया। आर्क विरोल 2012 (**157**:1797–801)
955. प्रकाश एस एस, कालरा आर, लोधा आर, काबरा एस के, लूथरा के. डिवेर्सिटी ऑफ एच आई वी टाइप 1 इनवोल्प (वी 3 – वी 5) सिक्वेंस इन एच आई वी टाइप 1 – इंफैक्टिड इण्डियन चिल्ड्रन। एड्स रेस हम रेट्रोवायरसिस 2012 (**28**:505–9)
956. प्रसाद जी एल, बोरकर एस ए, सत्यर्थी जी डी, महापात्रा ए के. स्प्लीट कोर्ड मालफोर्मेशन विद डोर्सेली लॉकेटिड बोनी स्पुर : रिपोर्ट ऑफ फॉर केसिस एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। जे पीडियाट्र न्यूरोसाइंस 2012 (7 (3): 167–70)
957. प्रसाद जी एल, बोरकर एस ए, सुबाराव के सी, शर्मा एम सी, महापात्रा ए के. न्यूरेंटेरि सिस्ट ऑफ द वेंट्रल सरविकोमेडुलरी रिजन। जे पीडियाट्र न्यूरोसाइंस 2012 (**7**:188–90)
958. प्रसाद जी एल, बोरकर एस ए, सुबाराव के सी, सुरी वी, महापात्रा ए के. प्राइमरी स्पाइनल कोर्ड ग्लिओब्लास्टोमा मल्टीफोरम : ए रिपोर्ट ऑफ टू केसिस। न्यूरोल इण्डिया 2012 (**60**:333–5)

959. प्रसाद के, दास डी, कुमार ए. वेलिडेशन ऑफ द हिंदी वर्जन ऑफ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हैल्थ स्ट्रोक स्केल। न्यूरोल इण्डिया 2012 (60 (1): 40–4)

960. प्रसाद के, मोहंती एस, भाटिया आर, श्रीवास्तव एम वी, गर्ग ए, श्रीवास्तव ए, एट ऑल। ऑटोलोगस इंट्रावेनस बोन मैरु मोनोन्यूक्लियर सैल थेरेपी फॉर पेशेंट्स विद सबएक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक : ए पायलट स्टडी। इण्डियन जे मेड रेस 2012 (**136**:221–8)

961. प्रसाद के, राय एन के, कुमार ए, यूज ऑफ कोर्टियोस्टेरियोइड एण्ड अदर एडजंक्ट थेरेपिज़ फॉर एक्यूट बैक्टीरियल मेनिंग्ज एण्ड एडल्टस. क्यूर इंफैक्ट डिस रेप 2012(14(4): 445–53)

962. प्रसाद के, एविडेंस – बेस्ड मेडिसिन इन इण्डिया। जे क्लिन एपिडेमिओल 2013 (66 (1): 6–9)

963. प्रसाद के. टीचिंग एविडेंस – बेस्ड मेडिसिन इन रिसोर्सिस – लिमिटेड कंट्रीज़। जे ए एम ए 2012 (308 (21): 2248–9)

964. प्रसाद एस, नायक एन, सतपति जी, नाग एच एल, वेंकेटश पी, रामकृष्णन एस, एट ऑल ढेड मोलिकुलर एण्ड फेनोटाइपिक कैरेक्टराइजेशन ऑफ स्टेफिलोकोकस एपिडेर्मिडिस इन इम्प्लांट रिलेटिड इंफैक्शंस इण्डियन जे मेड रेस 2012;**136** : 483–90)

965. प्रवीण ई पी, खुराना एम एल, कुलश्रेष्ठा बी, द्विवेदी एस एन, प्रभाकरण डी, खडगावत आर, एट ऑल. प्लाज्मा टेस्टोस्टेरोन इन एडल्ट नोर्मोग्लेसेमिक मेनः इम्पैक्ट ऑफ हाइपरइंसुलेनेमिया एंड्रोलॉजिया 2012; **44** : 293–8)

966. प्रवीण पी ए, रॉय ए, प्रभाकरन डी. कार्डियोवेस्कुलर डिजीज रिस्क फैक्टर्स : ए चाइल्डहुड पर्स्पेक्टिव। *इंडियन जे पीडियट्र* 2013; 80 **(सप्ली 1)** : एस3–12

967. प्रेमकुमार एम, गुप्ता एन, सिंह टी, वेलपांडियन टी. कोबालामिन एंड फोलिस एसिड स्टेट्स इन रिलेशन टू द इटियोपैथोजेनेसिस ऑफ पैनकायटोपीनिया इन एडल्ट्स एट ए टर्शरी केयर सेंटर इन नॉर्थ इंडिया। *एनीमिया* 2012; **2012** : 707402.

968. प्रियदर्शिनी ए, सक्सेना ए, पटेल सी, पॉल वी के, लोढ़ा आर, आर्यन बी. मायोकार्डियल परफ्यूजन एब्नॉर्मालिटीज इन पेशेंट्स ऑकुरिंग मोर देन वन ईयर आफ्टर सक्सेसफुल यूनिवेंट्रिकुलर (फॉन्टन सर्जरी) एंड बाइवेंट्रिकुलर रिपेयर (कॉम्प्लीट रिपेयर ऑफ टेट्रालॉजी ऑफ फैलॉट)। *पीडियट्र कार्डियोल* 2013; **34** : 786–94.

969. परुथी जी, जैन वी. लाइट वेट प्रोस्थेसिस फॉर ए पेशेंट्स विद् बाइलेटरल ऑरबिटल एक्सेन्टरेशन – ए क्लिनिकल रिपोर्ट। जे प्रोस्थोडॉन्ट रेजी. 2013 मार्च 16. पीआईआई : एस1883 – 1983 (13) 00003–0. डीओआई : 10.1016/जे.जेपोर. 2013.01.001.

970. पुंज जे, चक्रवर्ती सी, शिवकुमार पी. एक्यूट एब्डोमेन इन ए यांग गर्ल्स विद् फैक्टर 13 डिफिसिएंसी : पेरिएनेस्थेटिक इशू। जे एनेस्थिसियोलॉजी क्लिन फार्माको 2013; 29 : 136–8.

971. पुष्कर एन, श्रेय डी, बक्शी एस, खुराना एस, सेन एस, चावला बी. इंफेंटियल हिमेंजियोपैरीसाइटोमा ऑफ द ऑरबिट ट्रीटेड विद् प्राइमरी कीमोथैरेपी. *जे पीडियाट्रिया ऑफ्थेल्मोल स्ट्रेबिस्मस* 2012; 49: ई23–5.

972. पुष्कर एन, टिनवाला एस, खुराना एस, सेन एस. बाइलेटरल माइक्रोथेलमोस विद् यूनिलटरल सुपीरियर कायस्ट इन ए चाइल्ड विद् ऑटिज्म एंड चार्ज सिंड्रोम। *इंट ऑफ्थेल्मोलॉजी* 2013; **33**: 195–8.

973. कुरेशी आर, जैन आर, अम्बेडकर ए. द यूज ऑफ ड्राइ ब्लड स्पॉट सैम्पल्स इन स्क्रीनिंग ड्रग्स ऑफ एब्यूज। फार्माकोल फार्मा 2013; 4 : 152–9.

974. कुरेशी आर, जैन आर, अनीश पीके. नैलट्रेक्सोन लेव एंड बायोकैमिकल प्रोफाइल ऑफ ऑपिएट डिपेंडेंट पेशेंट्स ऑन नैलट्रेक्सोन मैनटेनेंस प्रोग्राम : ए पायलट स्टडी। एडिक्ट डिसऑर्ड देयर ट्रीटमेंट 2012 दिसंबर 10 (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)।

975. कुरेशी आर, जैन आर, पटनायक आरडी. लेबोरेटरी प्रोफाइल ऑफ करंट इंजेक्टिंग ड्रग यूजर सीकिंग ट्रीटमेंट एट ए टर्शियरी केयर सेंटर इन इंडिया : वॉट डू द रेगुलर ब्लड टेस्ट एण्ड एचआईवी स्क्रीनिंग? एडिक्ट डिसऑर्ड देयर ट्रीटमेंट 2011; 11 : 206–11.

976. कुरेशी आर, लक्ष्मी आर, मुखोपाध्याय ए के, जैलखानी बी एल. एनालसिस ऑफ द स्टेबिलिटी ऑफ यूरिया इन ड्राइ ब्लड स्पाट कलेक्टेड एंड स्टोर्ड ऑन फिल्टर पेपर। *एना लैब मेड* 2013; **33** : 190–2.

977. कुरेशी आर, लक्ष्मी आर, मुखोपाध्याय ए के, जैलखानी बी एल. क्रिएटिनिन मेजरमेंट एंड स्टेबिलिटी इन ड्राइ सीरम। *जे डायबिटीज साइं. टेक्नोल* 2012; **6** : 988–9.

978. राधाकृष्णा वी, कश्यप एस, पुष्कर एन, शर्मा एस, पथी एस, मोहंती बी के, एट अल. आउटकम, पैथोलॉजिक फाइंडिंग्स एंड कॉम्प्लाइंस इन ऑर्बिटल रेटिनोब्लस्टोमा (इंटरनेशनल रेटिनोब्लास्टोमा स्टेजिंग सिस्टम स्टेज 3) ट्रीटेड विद् नियोएडजुवेंट कीमोथैरेपी : ए प्रोस्पेक्टिव स्टीडी। *ऑफ्थेल्मोलॉजी* 2012; **119** : 1470–7.

979. राधाकृष्णा वी, कश्यप एस, सिंह एल, बक्शी एस. वीईजीएफ एक्सप्रेशन इन रिजिड्युअल ट्यूमर सेल इन ओर्बिटल रेटिनोब्लास्टोमा (आईआरएसएस स्टेज 3) ट्रीटेड विद् एनएसीटी : ए प्रॉस्पेक्टिव स्टडी. *पीडियाट्रिक ब्लड कैंसर* 2012; **59:** 567–9.

980. राधाकृष्णा वी, कश्यप एस, सिंह एल, पुष्कर एन, बक्शी एस. प्रोग्नोस्टीक सिगनिफिकेंस ऑफ वीईजीएफ एट बेसलाइन इन ओर्बिटल रेटिनोब्लास्टोमा (आईआरएसएस स्टेज 2 एंड स्टेज 3) *पीडियाट्रिक ब्लड कैंसर* 2012; **59:** 769–70.

981. राधाकृष्णा वी, शर्मा एस, विष्णुभाटला एस, बक्शी एस. एमआरआई फाइंडिंग्स एट बेसलाइन एंड आफ्टर नियोएडजुवेंट कीमोथैरेपी इन ओर्बिटल रेटिनोब्लास्टोमा (आईआरएसएस स्टेज 3) *ब्र. जे ऑफ्थेल्मोल* 2013; **97:** 52–8.

982. रफीक एस, वेंकट के के, गुप्ता वी, विनय डी जी, स्पुरजेयोन सी जे, परमेश्वरन एस, एट अल एवलुएशन ऑफ सेवन कॉमन लिपिड एसोसिएटेड लोकाई इन ए लार्ज इंडियन सिब पेयर स्टडी। *लिपिड्स हेल्थ डिस* 2012; **11:** 155.

983. राघवेंद्र बी, टेलेस एस, मंजुनाथ एन, दीपक के, नवीन के, सुब्रमण्य पी. वॉलेंट्री हीर्ट रेट रेडक्शन फॉलोविंग योगा यूजिंग डिफरेंट स्ट्रेटेजीस। इंट जे योगा 2013; 6: 26–30.

984. रहेजा ए, सूरी वी, सूरी ए, सरकार सी, श्रीवास्तव ए, मोहंती एस, एट अल डोज डिपेंडेंट फैलिसलिटेशन ऑफ पीरिफेरल नर्वे रिजरेशन बाय बोन मैरो – डिरिव्ड मोनोन्यूक्लिर सेल्स : ए रैडोमाइज्ड कंट्रोल्ड स्टडी : लैब्रोरेटरी इंवेस्टीगेशन। *जे न्यूरोसर्ज* 2012; **117 :** 1170–81.

985. राय एस के, आनंद के, मिश्रा पी, कांत एस, उपाध्याय आर पी. पब्लिक हेल्थ एप्रोच टू एड्रेस मेटर्नल मॉर्टेलिटी। *इंडियन जे पब्लिक हेल्थ* 2012; **56 :** 196–203.

986. राय एस के, दास गुप्ता आर, दास एम के, सिंह एस, देवी आर, अरोड़ा एन के. डिटर्मिनेंट्स ऑफ यूटिलाइजेशन ऑफ सर्विस अंडर एमएमजेएसएसए स्कीम इन झारखण्ड 'क्लाइंट पर्सपेक्टिव' : ए क्वालिटेटिव स्टडी एन ए लो परफॉर्मिंग स्टेट ऑफ इंडिया. *इंडियन जे पब्लिक हेल्थ* 2011; **55:** 252–9.

987. राज डी, लोढ़ा आर. इंट्रीकेसिस ऑफ बॉडी टेम्परेचर मेजरमेंट। *इंडियन जे पीडियाट्र* 2013; **80:** 249–51.

988. राजलक्ष्मी पी, श्रीवास्तव डीएन, रस्तोगी एस, जुल्का पी के, भटनागर एस, गमनगट्टी एस. बाइपॉलर रेडियोफ्रिक्वेंसी एब्लेशन ऑफ टिबियल कोन्ड्रोब्लास्टोमा : ए रिपोर्ट ऑफ थ्री केसेस। *वर्ल्ड जे रेडियोल* 2012; **4:** 335–40.

989. राजलक्ष्मी पी, वासन एस, हरि एस. क्रॉनिक एब्डोमिनल पैन इन ए यांग एडल्ट। ओमान मेड जे 2013; 28: 149–50.

990. राजेश के, कार्तिक के, बेहरा सी. कनोटलेस नूज इन हैंगिंग : ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। इंडियन इंटरनेट जे फॉरेंसिक मेड टॉक्सीकॉल 2012; 10(3) : 88–90.

991. राजेश्वरी एम आर, डीएनए ट्रिप्लेक्स स्ट्रक्चर्स इन न्यूरोडिजनरेटिव डिस्ऑर्डर, फ्रेंड्रिच एटेक्सिया. *जे बायोसाइंस* 2012; **37:** 519–32.

992. राजू के एन, चौधरी एन, गुलाटी एस, काबरा एम, जरयाल ए के, दीपक के के, आदि कम्पेरिजन ऑफ हार्ट रेट वेरियाबिलिटी अमंग चिल्ड्रन विद वेल कंट्रोल्ड वर्सिस रीफ्रेक्टरी एपिलेप्सी : ए क्रॉस–सेक्शनल स्टडी. *एपिलेप्सी रेस* 2012; **101:** 88–91.

993. रामचंद्र आर, रेवाड़ी वी, त्रिखा ए, सिंह पी एम. एनेस्थेसिया फॉर ऑन्कोजेनिक ऑस्टेयोमालासिया – ए रेयर पैरनियोप्लास्टीक सिड्रोम। एक्टा एनेस्थिसियोल ताइवान 2012; 50 : 134–7.

994. रामकृष्णा बी एस, मखारिया जी के, इब्राहीम पी, घोषाल यू सी, जयंती वी, अग्रवाल बी के. एट अल इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी टास्क फोर्स ऑफ इंफ्लेमेटरी बोवेल डिज़ीज। इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी कॉनसेंस ऑन अल्सरेटिव कोलाइटिस। *इंडियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल* 2012; **31:** 307–23.

995. रामाकृष्णा वी पी, गंगावटिकर आर, दास एन आर, साहनी पी. पैनक्रियास – स्पेरिंग डुयोडेनेक्टोमी इन ए पेशेंट विद् एक्यूज कोरोसिव इंजरी। अपडेट्स सर्ज 2013; 65: 309–11.

996. रामाकृष्णा एस, भट के, दुबे ए के, रॉय ए, सिंह एस, नायक एन, एट अल. एक्यूट इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफिक चेंजेस ड्युरिंग स्मोकिंग : एन आर्ब्जेवेशनल स्टडी। *बीएमजे ओपन* 2013; 3.

997. रामाकृष्णा एस, जुनेजा आर, बरदोलेई एन, शर्मा ए, शुक्ला जी, भाटिया एम, एट अल नोक्टरनल हाइपोक्सीमिया इन पेशेंट्स विद् इसेन्मेन्गेर सिंड्रोम : ए काउहोट स्टडी : *बीएमजे ओपन* 2013; मार्च 11; 3 (3) : पीआईआई : ई002039.

998. रामाकृष्णा टी, कॉन्स्टेंटिनोउ एम, झांजी वी, वाजपेयी आर बी. कॉर्नियल मेटालिक फोरजन बॉडी इंजरीस डु टू सबऑप्टिमल ऑकुलर प्रोटेक्शन। *अर्च एनवार्य ऑक्युप हेल्थ* 2012; **67:** 48–50.

999. रामम एम, कुमार यू, भट आर, शर्मा वी के. ओरल ड्रग प्रोवोकेशन टेस्ट टू जेनेरेट ए लिस्ट ऑफ सेफ ड्रग्स : एक्सपीरिएंस विद् 100 पेशेंट्स। इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल 2012; 78: 595–8.

1000. रामम एम, पहवा पी. इज कोलिनर्जिक अर्टिकरी ए सीजनल डिस्ऑर्ड इन सम पेशेंट्स? इंडियन जे डर्मेटोल वेनेरोल लेप्रोल 2012; 78: 190–1.

1001. रामनाथन पी, देव एस वी एस, शुक्ला एन के, सुबी टी एस, झा डी. 484. क्लिनिकोपैथोलॉजिक फीचर्स, ट्रीटमेंट पैटर्नस एंड आउटकम ऑफ मार्जोलिन्स अल्सर इन ए टर्शरी केयर कैंसर सेंटर। *इर जे सर्ज ऑन्कोल (ईजेएसओ)* 2012; **38**: 870.

1002. रमेश के, शर्मा एस, कुमार ए, सालोमोन्स जी एस, वैन डेर कैनाप एम एस, गुलाटी एस. इंफैंटाइल – ऑनसेट एलेक्जेंडर डिजीज़ : ए जेनेटिकली प्रोवीन केस विद् माइल्ड क्लिनिकल कोर्स इन ए 6 ईयर – ओल्ड इंडियन बॉय। *जे चाइल्ड न्यूरोल* 2013; **28**: 396–8.

1003. रामोस एम वी, वियाना सी ए, सिल्वा ए एफ, फ्राइटस सी डी, फिगुईरेडो आई एस ओलिविएरा आर एस, एलेंकैर एन एम, ... कुमार वी एल. प्रोटीन डिरिव्ड फ्रॉम लेटेक्स ऑफ सी. प्रोसेरा मैंटेंन कोएगुलेशन होमियोस्टेसिस इन सेप्टिक माइक एंड एक्सहीबिट थ्रोम्बिन एंड प्लाजमिन – लाइक एक्टिविटीज। नोन्यन स्कीमिडेबर्गस अर्च फार्माकोल 2012; 385 : 455–63.

1004. रानी ए, बेहरा सी, सुनील, दीक्षित पी सी. पैटर्न ऑफ फेटल स्केल्ड बर्न्स इन सेंट्रल देल्ही : ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी। जे इंडियन एकैड फॉरेंसिक मेड 2012; 34 (4) : 295–8.

1005. रंजन पी, कुमारी ए, दास आर, गुप्ता एल, सिंह एस के, यादव एम. एवालुशन ऑफ क्लिकिनल फीचर्स स्कोरिंग सिस्टम एज स्क्रीनिंग टूल फॉर इंफ्लुएंजा ए (एच1एन1) इन एपिडेमिक सिचुएशन्स। *जे पोस्टग्राड मेड* 2012; 58: 265–9.

1006. राव ए, गुप्ता एस, ढींडा ए के, शर्मा ए, शर्मा वी के, कुमार जी आदि स्टडी ऑफ क्लिनिकल, बायोकेमिकल एण्ड इम्युनोलॉजिकल फैक्टर्स डिटर्मिनिंग स्टेबिलिटी ऑफ डिजीज इन पेशेंट्स विद जर्नलाइजेशन विटिलिगो अंडर गोइंग मेलेनोसाइट ट्रांसप्लांटेशन. ब्र. जे डर्मेटोल 2012; **166**: 1230–6.

1007. राव ए, सिहोता आर, श्रीनिवासन जी, गुप्ता वी, गुप्ता ए, शर्मा ए. प्रोस्पेटिव एवालुशन ऑफ ऑप्टिक नर्वे हैड बाय कॉन्फोकल स्क्रीनिंग लेजर ऑफ्थल्मोस्कोपी आफ्टर इंट्राओकुलर प्रेसर कंट्रोल इन एडल्ट ग्लूकोमा। सेमिन ऑफ्थामोल 2013; **28**: 13–8.

1008. राव आर, अग्रवाल ए, किशोर के, अम्बेडकर ए. डिलीवरी मॉडल्स ऑफ ऑपिओइड एगोनिस्ट मैंटेंनेस ट्रीटमेंट इन साउथ एशिया : ए गुड बिगनिंग। बुल वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गन 2013; 91(2) : 150–3.

1009. राव आर वी, अम्बेडकर ए, यादव एस, सेठी एच, धवन ए. स्लो–रीलीज ओरल मोर्फिन एज ए मैंटेंनेस एजेंट इन ओपियॉड डिपेंडेंस सिंड्रोम : एन एक्स्लोरेटरी स्टउी फ्रॉम इंडिया. जे सबस्ट यूज 2011; 17: 294–300.

1010. रसूल एस, बिहारी एम, गोयल वी, इरशाद एम, जैखानी बी एल. प्रीसायनेप्टिक मेम्ब्रान रिसेप्टर इन ह्यूमन ब्रेन। इंडियन जे क्लिन बायोकैम 2013; 28 (2): 124–35.

1011. रस्तोगी आर, गुलाटी एन, कोटनाला आर के., शर्मा यू. जयसुंदर आर, कौल वी. एवालुएशन ऑफ फोलेट कॉन्जुगेटेड टेग्यालाटेड थेर्मोसेंसिटीव मैगनेटिक नैनोकॉम्पोसाइट्स फॉर ट्यूमर इमेजिंग थैरेपी। कोलोइड्स सर्फ बी बायोइंटरफेसेस 2011; 82 : 160–7.

1012. रस्तोगी एस, कुमार आर, सांख्यिनी एस आर, मेरिमुथु के, रिजाल एल, प्रकाश एस, एट अल रोल ऑफ वेस्कुलर एंडोथिलियल ग्रोथ फैक्टर एज ए ट्यूमर मार्कर इन ऑस्टियोसार्कोमा : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी। *इंट ऑर्थोप* 2012; **36**: 2315–21.

1013. रथ जी के. मॉलीकुलर मार्कर्स इन द हैड एंड नेक कैंसर्स : आर वी देयर याट? *जे. कैंसर रेस थेर* 2013; **9**: 1–2.

1014. रथ जी के. द वेल्यू ऑफ रेट्रोस्पेक्टिव पेशेंट्स डेटा इन ऑन्कोलॉजी। *जे. कैंसर रेस थेर* 2012; **8**: 335.

1015. राठौर वाय एस, चंद्र पी एस, कुमार आर, सिंह एम, शर्मा एम एस, सूरी ए आदि मॉनिटोर्ड ग्रेड्यूल ऑक्युलेशन ऑफ द इंटर्नल कैरोटिड आर्टरी फ्लॉइड बाय लिगेशन फॉर जायंट इंटर्नल कैरोटिड आर्टरी न्यूरोसिम्स. न्यूरोल इंडिया 2012; 60(2) : 174–9.

1016. राठौर, जे, शर्मा एस के, सिंह बी, बैनवालिकर जे एन, श्रीनिवास वी, श्रीवास्तव ए के, एट अल, रिस्क एंड आउटकम ऑफ मल्टीड्रग – रेजिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस विटामिन डी रिसेप्टर पॉलीमार्फिज्म एंड सीरम 25(ओएच)। *इंट जे ट्बेर्क लांग डिस* 2012; **16**: 1522–8.

1017. रविन्द्रन आर डी, वशिष्ट पी, गुप्ता एस के, यंग आई एस मरैनी जी, कैम्पेरिनी एम. आदि प्रीवेलेंस एण्ड रिक्स फैक्टर्स फॉर विटामिन सी डेफिशिएंसी इन नॉर्थ एण्ड साउथ इंडिया : ए टू सेंटर पॉपुलेशन बेस्ड स्टडी इन पीपल एज 60 इयर्स एण्ड ओवर. पीएलओएस वन 2011; **6 :** ई 28588.

1018. राय बी आर, बैद्या डी के, ग्रेगोरी डी एम, सुंदर आर. इंट्राऑपरेटिव न्यूरोलॉजिकल इवेंट डुरिंग सीजेरियन सेक्शन अंडर स्पाइनल एनेस्थिसिया विद् फेंटेनायल एंड बुपिवैकैन : केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। जे एनेस्थिसियोल क्लिन फार्माकोल 2012; 28: 374–7.

1019. राय बी आर, बैद्या डी के, ऑप्टिमल लैंथ ऑफ सेंट्रल वेनस कैथेटर इंर्जेशन इन इंफैंट्स। इंडियन जे एनेस्थ 2013; 57: 100–1.

1020. राय बी आर, सिंघल डी, कुमार ए, बोर्ले ए, बैद्या डी के. एनेस्थिसिया फॉर सीजेरियन सेक्शन इन ए पार्टयूरिएंट विद् एक्यूट वेरिसेला : एज जनरल एनेस्थिसिया बैटर देन न्यूरोएक्सीयल एनेस्थिसिया? जे ऑब्स्टेट एनेस्थ क्राइट केयर 2012; 2: 105–8.

1021. राय पी, रतागिरी वी एच, काबरा एस के, लोढ़ा आर, शर्मा एस, शर्मा बी एस आदि चिकनगुनिया इंफेक्शन इन इंडिया : रिजल्ट ऑफ ए प्रॉस्पेक्टिव हॉस्पीटल बेस्ड मल्टी–सेंट्रिक स्टडी. पीएलओएस वन 2012; **7:** ई30025.

1022. राय आर, चोपड़ा ए. मॉनिटरिंग ऑफ सबस्टेंस एब्यूज इन इंडिया – इंशिएटिवस एंड एक्सपीरिएंसेज। इंडियन जे मेड रेज 2012; 135(6) : 806–8.

1023. राय आर, धवन ए, चोपड़ा ए. एडिक्शन रिसर्च सेंटर्स एंड द न्यूटिरिंग ऑफ क्रिएटिविटी : नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर, इंडिया – ए प्रोफाइल एडिक्शन 2013; 108(10): 1705–10.

1024. राय आर, वासवानी एम, देब के एस, सेठी एच, चोपड़ा ए, किशोर एन, आदि पोस्ट मार्केटिंग सरविलेंस ऑफ सबलिंगुअल बुप्रीनोर्फिन नैलोक्सोन कॉम्बिनेशन टेबलेट्स। इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2012; 56(4) : 359–66.

1025. राय एस, दास के, मिर्धा ए आर. पैनक्रिएटिव एंड पेरिपैनक्रिएटिव नोडल ट्यूबरकुलोसिस इन इम्नोकोम्पेटेंट पेशेंट्स : रिपोर्ट ऑफ थ्री केसेज। *जेओपी* 2012; **13:** 667–70.

1026. रजा एस ए, इश्तियाक ओ, उन्नीकृष्णन ए जी, खान ए के, अहमद जे, जेनिया एम ए, आदि थयारॉयड डिजीज एंड रमदन। इंडियन जे एंड्रोक्रानोल मेटाब 2012; **16:** 522–4.

1027. रेड्डी के एस, रॉय ए. कार्डियोवेस्कुलर रिस्क ऑफ एनएसएआईडी : टाइम टू ट्रांसलेट नॉलेज इंटु प्रैक्टिस। पीएलओएस मेड 2013; **10:** ई1001389.

1028. रेगमी एस के, कुमार आर. रिः एल्कोशी एट अल : पल्सड फ्लोरोस्कोपी इन यूरेटेरोस्कोपी एंड पैनक्यूटेनियस नेफ्रोथोटोमी (यूरोलॉजी 2012; 79: 1230–35). यूरोलॉजी 2013; 81: 469.

1029. रिकसियो एम ई, बुहलर एस, नूनेस जे एम, वेंजेनॉट सी, कुनोड एम, करंट एम, एट अल. 16(टीएच) आईएचआईडब्ल्यू : एनालसिस ऑफ एचएलए पोपुलेशन डेटा, विद् अपडेटेड रिजल्ट फॉर 1996 टू 2012 वर्कशॉप डेटा (एएचपीडी प्रोजेक्टर रिपोर्ट)। इंट इम्युनोजेनेट 2013; 40: 21–30.

1030. रिजाल एल, सागर जी, अंसारी टी, कुमार आर, राव एस, कंचेरला आर. द एक्स्ट्रीम्स इन ऑर्थोपीडिक्स! वूम टू ब्लेम? मस्कुलोस्केलेट सर्ज 2012; **96:** 179–82.

1031. रिजवान एस, नॉन्गकिनरीह बी, गुप्ता एस के. 'एयर पॉलुशन इन देल्ही : इट्स मैग्निट्युड एंड इफैक्ट ऑन हेल्थ' *इंडियन जे कम्युनिटी मेड* 2013; **38:** 4–8.

1032. रॉबर्ट्स एम सी, रीड जी एम, मदीना – मोरा एम ई, केली जे डब्ल्यू, शरण पी, जॉनसन डी के, एट अल. ए ग्लोबल क्लिनिक्लस मैप ऑफ मेंटल डिस्ऑर्डर्स टू इम्प्रूव आईसीडी – 11 : एनालजिंग मेटा – स्ट्रक्चर टु एंहांस क्लिनिकल यूटिलिटी। इंट रिव साइकाइट्री 2012; 24(6) : 578–90.

1033. रियो एम टी, आर्मस्ट्रांग पी डब्ल्यू, फॉक्स के ए, वाइट एच डी, प्रभाकरण डी, गुडमैन एस जी, एट अल. प्राजर्सल वर्सेस क्लोपिडोर्जल फॉर एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम विद्आउट रिवेस्कुलराइजेशन। *एन एंगल जे मेड* 2012; **367:** 1297–309.

1034. रोसेन्थल वी डी, बिजी एच, माकी डी जी, मेहता वाई, एपिसरनथनारक ए, मेडेरोस ई ए, एट अल. इंटरनेशनल नोसोकोमियल इंफेक्शन कंट्रोल कॉसोर्टियम (आईएनआईसीसी) रिपोर्ट, डेटा समरी ऑफ 36 कंट्रीज, फॉर 2004–2009. *एम जे इंफेक्ट कंट्रोल* 2012; **40:** 396–407.

1035. रॉय ए एस, डिंडा ए के, दासगुप्ता एस. स्टडी ऑफ द इंटरेक्शन बीटवीन फिसेटिन एंड ह्यूमन सीरम एल्बुमिन : ए बायोफिजिकल एप्रोच। *प्रोटीन पेप्ट लेट* 2012; **19:** 604–15.

1036. रॉय के के, बरुह जे, सिंगल एस, शर्मा जे बी, सिंह एन, जैन एस के, एट अल. ए प्रोस्पेक्टिव रैडोमाइज्ड ट्रायल कम्पेरिंग द इफिकेसी ऑफ लेट्रोजोल एंड क्लोमिफेन सिट्रेट इन इंडक्शन ऑफ ओवुलेशन इन पॉलीकायस्टीक ओवरियन सिंड्रोम। *जे हम रिपोर्ड साइं.* 2012; **5:** 20–5.

1037. रॉय के के, सब्बेह एम, सिंगल एस, कुमार एस, शर्मा जे बी, मित्रा डी के. रोल ऑफ सीरम इंटरल्यूकिन – 6 इन कम्पेरिंग सर्जिकल स्ट्रेस आफ्टर लेपेरोस्कोपिक – असेस्टिड वेंजाइनल हिस्टेरेक्टॉमी एण्ड नॉन–डिसेंट वेजाइनल हिस्टेरेक्टॉमी फॉर लार्ज यूटेरी. *आर्क ग्यानेकोल ऑब्स्टेट* 2012; **285:** 671–6.

1038. रॉय एस, जोशी एन पी, सिंगमणि ई, मलिक ए, शर्मा एम सी, मोहंती बी के, एट अल. क्लिवल जाइंट सेल ट्यूमर प्रेजेंटिंग विद् आइसोलेटेड ट्रिगमिनल नेर्वे इनोलवेमेंट। इय अर्च ऑटोराइनोलायनजोल 2013; **270:** 1167–71.

1039. एस ए गुप्ता, एस के. ए विएबल इंटरवेंशन टू कंट्रोल हायपरटेंशन? *नेटल मेड जे इंडिया* 2012; **25:** 156–7.

1040. सचदेव जे, तंवर वी, जियोलेछा एम, सिद्दिकी के एम, नाग टी सी, राय आर, आदि क्रोकस सेटिवस एल. (सैफेरॉन) अटेनॉटस आइसोप्रोटेरेनॉल – इंड्यूरूड मायोकार्डियल इंजरी वाया प्रीसर्विंग कार्डियक फंक्शन एण्ड स्ट्रेंथ्येनिन एंटीटॉक्सीडेंट डिफेंस सिस्टम. एक्स टॉक्सीकोल पैथोल 2012; 64: 557–64.

1041. सागर आर, गोयल पी, पटनायक आर डी. साइकोसिस इन पोस्ट पारटम पीरियड। जे मेंट हेल्थ ह्यूमन बिहेव 2012; 17: 94–6.

1042. सागर आर, पटनायक आर डी, मेहता एम. क्लिनिकल प्रोफाइल ऑफ चाइल्ड एंड एडोलेसेंट (≤16 ईयर्स) साइकोटिक डिस्ऑर्डर्स एट ए टर्शरी केयर सेंटर इन इंडिया। जे बेसिक एप्लाइड साइं. 2012; 8 : 139–44.

1043. सागर आर, पटनायक आर डी, मेहता एम. क्लिनिकल प्रोफाइल ऑफ मूड डिसऑर्डर्स इन चिल्ड्रन। *इंडियन पीडियट्र* 2012; 49(1): 21–3.

1044. सागार आर, पटनायक आर डी. कंसुलेशन लाइसन साइकाइट्री : द वे फॉवर्ड। जे मेंट हेल्थ ह्यूमन बिहेव 2012; 17 : एस 1–3.

1045. सागर आर, मीडिया पोर्टयाल ऑफ मेंटल इलनेस : रोल एंड रिस्पोसिबिलिटीज ऑफ साइकाट्रिस्ट। जे मेंट हेल्थ बिहेव 2012; 17 : 91–4.

1046. सागर आर. स्ट्रेस एंड सुसाइड्स अमंग मेडिकल स्टुडेंट : टाइम टु एक्ट? *जे मेंट हेल्थ ह्यूमन बिहेव* 2012; 17: 1–4.

1047. साह आर जी, शर्मा यू, पार्षद आर, सीनु वी, मथुर एस आर, जगननाथन एन आर. एसोसिएशन ऑफ एस्ट्रोजीन रिसेप्टर, प्रोग्रस्टेरोन रिसेप्टर, एंड ह्यूमन एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर 2 स्टेट्स विद् टोटल कोलाइन कंसेंट्रेशन एंड ट्यूमर वॉल्यूम इन ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्सः एन एमआईआई एंड इन विवो प्रोटोन एमआरएस स्टडी। *मैग्न रिसों मेड* 2012; **68:** 1039–47.

1048. साह आर जी, गर्ग पी, सालुज ए के. पैथोजेनिक मैकेनिज्म ऑफ एक्यूट पैनक्रिएटाइटिस। *करं ऑपिन गैस्ट्रोएंटेरोल* 2012; **28:** 507–15.

1049. सहाय एस सी, डोगरा पी एन, राय पी के. ए रेयर केस ऑफ एडल्ट डिफलस विद् एनोरेक्टल मैलफॉर्मेशन। इंडियन जे यूरोल 2012; 28: 357–8.

1050. सहाय एस सी, अय्यर वी के, कुमार आर. डिसकॉडेंट क्लिनिकल एंड हिस्टोलॉजिकल फाइंडिंग प्रीडिक्ट फैलियर ऑफ रिकंस्ट्रक्शन इन सस्पेक्टेड ऑब्स्ट्रेक्टिव एजूस्पेर्मिया। *इंडियन जे यूरोल* 2012; **28:** 43–6.

1051. साहू जे पी, सैठ ए, गुप्ता एन, द्विवेदी एस, अमिनी ए सी. इंटरर्नल जगुलर वेन एड्रेनोकोर्टिकोट्रॉपिक हार्मोन एस्टीमेशन फॉर डायग्नोसिस ऑफ एड्रेनोकोर्टिकोट्रॉपिक सैम्पल कलेक्शन। *इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब* 2012; **16:** 972–5.

1052. साहू एम के, गुप्ता एस, सिंह आई, पहवा एस, दुर्गापाल पी, बाल सी एस. नेक्रोलयटिक माइग्रेटरी एरिथम एसोसिएटेड विद् ग्लुकैगोनोमा सिंड्रोम डायग्नोस्ड बाय (68) जीए–डॉटानोक पीईटी–सीटी। एशिया पैक जे क्लि ऑन्कोल 2012 दिसं 26. डीओआई 10.1111/एजेसीओ. 12048.

1053. साहू जे के, गुलाटी एस, काबरा एम, आर्य आर, शर्मा आर, गुप्ता एन, एट अल. एवालुशन ऑफ सबक्लिकनिल हायपोथायरोडिज्म इन एम्बुलेटरी चिल्ड्रन विद् कंट्रोल्ड एपिलेप्सी ऑन वेलप्रोएट मोनोथैरेपी। *जे चाइल्ड न्यूरोल* 2012; **27:** 594–7.

1054. साहू जे के, गुलाटी एस, सपरा एस, आर्य आर, चौहान एस, चौधरी एम आर, एट अल. इफेक्टिनेस एंड सेफ्टी ऑफ डोनेपेजिल इन बॉयस विद् फ्रेगिल एक्स सिंड्रोम : ए डबल – ब्लाइंड, रैंडोमाइज्ड, कंट्रोल्ड पायलट स्टडी। *जे चाइल्ड न्यूरोल* 2013; **28:** 570–5.

1055. सैकिया के के, दास बी के, बेवाल आर के, कपिल ए, अरोड़ा एन के, सूद एस. कैरेटेराइजेशन ऑफ नैसोफेरेंजियल आइसोलेट्स ऑफ टाइप बी हैमोफिल्यूस इंफ्लूंजा आइसोलेट फ्रॉम दिल्ली। इंडियन जे मेड रेज 2012 ; 136 : 855–61

1056. सैनी ए के, डोगरा पी एन, सिंह पी. रोबोटिक – एसिस्टेड इंगुइनल लिम्फ नोड डिससेक्शन – इनिशियल एक्सपीरिएंस। इंडियन जे यूरो 2012 ; 28 : 232–3.

1057. सलाहुद्दीन एस, भार्गव बी. कार्डियोजेनिक शॉक इन एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम – माइल टू गो? *इंडियन हार्ट जे* 2012 ; **64:** 159–61.

1058. सलाहुद्दीन एस, रामाकृष्णन एस, सेठ एस, भार्गव बी. 'स्मोकिंग' मिट्रल वेल्व। *जे एम कोल कार्डियोल* 2012; **60:** ई19.

1059. सॉलोमन जे ए, वोस टी, होगन डी आर, गैगनोन एम, नघावी एम, मोकडड ए, एट अल. कॉमन वेल्यूस इन एसेसिंग हेल्थ आउटकम्स फ्रॉम डिजीज एंड इंजरी : डिसएबिलिटी वेट मेजरमेंट स्टडी फॉर द ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी 2010. लैंसेंट 2012 ; **380:** 2129–43.

1060. सलूजा एस एस, राय एस, पाल एस, सान्याल एस, अग्रवाल एन, दास एन आर, साहनी पी, चट्टोपाध्याय टी के. रैंडोमाइज्ड ट्रायल कम्पेरिंग साइड – टू – साइड स्टेप्लेड एंड हैंड – सीवन एसोफैगोगेस्ट्रीक एनास्टोमोसिस इन नीक। जे गैस्ट्रोइंटेस्ट सर्ज 2012; 16: 1287–95.

1061. सालवे एच, गोस्वामी के, नॉन्गकिनरिह बी, सागर आर, श्रीनिवास वी. प्रीवलेंस ऑफ साइकाइट्रीक मार्डिबिटी एट मोबाइल हेल्थ क्लिनिक इन एन अर्बन कम्युनिटी इन नॉर्थ इंडिया। जीन हॉस्प साइकाइट्री 2012; 34(2): 121–6.

1062. सालवे एच, महाजन एस, मिश्रा पी. प्रीवलेंस ऑफ क्रॉनिक किडनी डिजीज एंड इट्स डिटर्मिनेंट्स अमंग पीरिमेनोपयूसल वॉमैन इन ए रूरल एरिया ऑफ नॉर्थ इंडिया : ए कम्युनिटी – बेस्ड स्टडी। *इंडियन जे नेफ्रोल* 2012; **22:** 438–43.

1063. सामल डी, कुमार आर, मलिक एस, ठाकर ए. पोस्टएरिकुलर लाइयोमायसार्कोमा : ए केस रिपोर्ट एंड लिटरेचर रिव्यू। केस रिप ऑटोलारयांजॉल 2013; **2013:** 284275.

1064. समृत वी, खरबंदा ओ पी, दुग्गल आर, सेठ ए, मल्होत्रा वी. बोन डेंसिटी एंड मिनिस्क्रेव स्टेबिलिटी इन ऑर्थोडोंटिक पेशेंट्स। ऑस्ट ऑर्थोड जे 2012; 28: 204–12.

1065. सेमुएल ए, नायक बी, पलडुराय ए, जिओ एस, अप्लोगन जी एल, एवोयूम के ए, एट अल. फायलोजेनेटिक एंड पैथोटाइपिक कैरेटेराइजेशन ऑफ न्यूकेस्टल डिजीज वर्सेस सरकुलेटिंग इन वेस्ट अफ्रीका एंड एफिकेसी ऑफ ए करंट वैक्सीन। *जे क्लिन माइक्रोबियोल* 2013; **51:** 771–81.

1066. शंकर जे, चंदेल ए, दुबे एन के, श्रीनिवास वी, शंकर एम जे. डु इंटरवेंशन्स इन एन आईसीयू इफैक्ट द प्रीडिएक्टिव एबिलिटी ऑफ पीडियट्रिक इंडेक्स ऑफ मोर्टलिटी एंड पीडियट्रिक इंडेक्स ऑफ मार्टलिटी –2 स्कोर्स इन ए टर्टियरी केयर हॉस्पीटल? *पीडियट्र क्राइट केयर मेड* 2013; **14:** ई70–6.

1067. शंकर जे, पिल्लै एम एस, शंकर एम जे, लोढ़ा आर, काबरा एस के. क्लिनिकल प्रोफाइल ऑफ इंटरस्टिशियल लंग डिजीज इन इंडियन चिल्ड्रन। *इंडियन पीडियट्र* 2013; **50:** 127–33.

1068. शंकरन पी एस, अंदराबी आर, कुमार आर, लोढ़ा आर, काबरा एस के, वाजपेयी एम, लुथरा के. क्रॉस – क्लाइड नियोट्रालाइजेशन पोटेंशियल ऑफ द प्लाज्मा ऑफ एंटीरिट्रोवायरल नैव एचआईवी –1 इंफैक्टेड चिल्ड्रन फ्रॉम नॉर्थ इंडिया। *बीएमसी इंफेक्ट डिस* 2012; 12 (सप्ली 1) : पी87.

1069. सान्याल टी, पालानीसामी पी, नाग टी सी, रॉय टी एस, वाधवा एस. इफेक्ट ऑफ प्रीनेटल लाउड म्यूजिक एंड नॉइस ऑन टोटल नंबर ऑफ न्यूरोन्स एंड ग्लिया, न्यूरोनल न्यूक्लिर एरिया एंड वॉल्यूम ऑफ चिक ब्रेनस्टीम ऑडिटोरी न्यूक्लाई, फील्ड एल एंड हिपोकैम्पस : ए स्टीरियोलॉजिकल इंवेस्टीगेशन। *इंट जे डेव न्यूरोसाइं* 2013; **31:** 234–44.

1070. सर्राफ डी एस, नॉन्गकायरिह बी, पांडव सी एस, गुप्ता एस के, शाह बी, कपूर एस के, एट अल. ए सिस्टमेटिक रिव्यू ऑफ स्कूल – बेस्ड इंटरवेंशन्स टू प्रीवेंट रिस्क फैक्टर्स एसोसिएटेड विद् नॉनकम्युनिकेबल डिजीज। *एशिया पैक जे पब्लिक हेल्थ* 2012 ; **24:** 733–52.

1071. सारंगी एस सी, रीटा के एच, अग्रवाल एस के, कलीकल टी, गुलेरिया एस, गुप्ता वाई के. ए पायलट स्टडी ऑन एरिया अंडर कुर्वे ऑफ मायकोफेनोलिक एसिड एज ए गाइड फॉर इट्स ऑप्टिमल यूज इन रिनल ट्रांसप्लांट रिसिपिएंट्स। इंडियन जे मेड रेजी 2012; 135: 84–91.

1072. सरकार एस, चड्डा आर के, कुमार एन, नारंग आर. एनक्सीटी एंड डिप्रेशन इन पेशेंट्स विद् मायोकार्डियल इंफ्राक्शन : फाइंडिंग्स फ्रॉम ए सेंटर इन इंडिया। जीन हॉस्प साइकाइट्री 2012; 34(2): 160–6.

1073. सरकारी ए, अग्रवाल डी. मिडलाइन बेसिफ्रॉटल सोलिड हिमैंजियोब्लास्टोमा इन नॉन वॉन हिपील लिंडायू सिड्रोम पेशेंट्। *जे न्यूरोसाइं रूरल प्रैक्ट* 2012; **39:** 399–401.

1074. सरकारी ए, टंडन वी, अग्रवाल डी, महापात्रा ए के. इंट्राक्रानिल फोली कैथेटर – इनएडवर्टेंट मैलपोजिशनिंग इन सेटिंग ऑफ सीरिस क्रेनियोफैसियल ट्रॉमा। *इंडियन जे न्यूरोसर्ज* 2012; **1:** 185–6.

1075. सरूप्रिया ए, कपूर पी एम, माखीजा एन, किरन यू. ट्रांस – एसोफैजियल इकोक्राडियोग्राफी : एन इंडिसपेंसिबल गाइड फॉर ट्रांसकैथेटर डिवाइस क्लोजर ऑफ रिपटर्ड साइनस ऑफ वेलसल्व एना कार्ड एनेस्थ 2012 ; **15:** 156–7.

1076. सरूप्रिया ए, मखीजा एन, लक्ष्मी आर, किरन यू. कम्परिजन ऑफ डिफरेंट डोज ऑफ ε–एमिनोकैप्रोइक एसिड इन चिल्ड्रन फॉर टेट्रालॉजी ऑफ फैलॉट सर्जरी : क्लिनिकल एफिकेसी एंड सेफ्टी। *जे कार्डियोथोरेक वेस्क एनेस्थ* 2013; **27:** 23–9.

1077. सत्पथी एस, सेकर के. साइकोलॉजिकल फंक्शनिंग ऑफ सुनामी इफेक्ट पीपल विद् डिसएबिलिटीज : इम्पैक्ट ऑफ एज। जे इमर्ज मैनेज 2012; 10: 171–83.

1078. स्वाहने सी, कौर एम, मिश्रा बी, गुप्ता ए, भुतिया एम. कारिनल इंजरी: एन एयरवे चलेंज फॉर एनस्थेसियोलॉजिस्टस। *साउदी जे एनेस्थ* 2012; 6: 69–72.

1079. स्वाहने सी, सुब्रमण्यम ए, कौर एम, अंजुम ए, अल्बर्ट वी, सोनी के डी एट अल. एसेसमेंट ऑफ हिमोस्टेटिक चेंजीस आफ्टर क्रायस्टेलोइड एंड कोलोइड फ्लूइड प्रीलोडिंग इन ट्रॉमा पेशेंट्स यूजिंग स्टैंडर्ड कोएगुलेशन पैरामीटर्स एंड थ्रोम्बोलैस्ट्रोग्राफी। *सउदी जे एनेस्थ* 2013; **7**: 48–56.

1080. सक्सेना ए, अनिल ओ एम, जुनेजा आर, क्लिनिकल एंड एकोकार्डियोग्राफिक आउटकम इन पेशेंट्स रिसिविंग कार्वेडिलोल फॉर ट्रीटमेंट ऑफ डिलेटेड कार्डियोमायोपैथी। *इंडियन जे पीडियट्र* 2013; **80**: 549–54.

1081. सक्सेना ए, ढिल्लोन वी एस, शाहिद एम, खलील एच एस, रानी एम, प्रसाद दास टी, एट अल. जीएसटीपी1 मैथिलेशन एंड पॉलीमॉर्फिज्म इनक्रिज द रिस्क ऑफ ब्रेस्ट कैंसर एंड द इफेक्ट्स ऑफ डाइट एंड लाइफस्टाइल इन ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स। एक्स्प थेर मेड 2012; **4**: 1097–1103.

1082. सक्सेना ए, पानीग्राही ए, गुप्ता एस, डिंडा ए के, गुलेरिया एस, ठाकुर बी, एट अल. फ्रीक्वेंसी ऑफ टी सेल एक्सप्रेसिंग टीएच1 एंड टीएच2 एसोसिएटेड कीमोकाइन रिसेप्टर इन पेशेंट्स विद् रिनल अलॉग्राफ्ट डायसफंक्शन। ट्रांसप्लांट प्रोक 2012; **44**: 290–5.

1083. सक्सेना ए, थापर आर के, सोंधीवी, चंद्र पी. कंटिन्यूस पॉजिटीव एयरवे प्रेसर फॉर स्पोंटनियोसली ब्रीथिंग प्रीमेचुर इंफैंट्स विद् रिस्पेरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम। *इंडियन जे पीडियट्र* 2012 ; **79** : 1185–91.

1084. सक्सेना आर, सलेहीन डी बीन एल एफ, गैराविटो एम एल, ब्राउन टी, बजोनीस ए एट अल. जिनोम – वाइड एसोसिएशन स्टडी एडेंटिफाइ ए नोवल लोकुस कंट्रीबुटिंग टू टाइप 2 डायबिटीज सस्पेलिबिलिटी इन सिख ऑफ पंजाबी ऑर्गिन फ्रॉम इंडिया। डायबिटीज 2013; 62 : 1746–55.

1085. सचपिरा ए एच, स्टोची एफ, बोरगोहैन आर, ऑनफ्रज एम, भट्ट एम, लोरेंजन पी एट अल. स्टडी 017 इंवेस्टीगेटर्स। लॉग – टर्म एफिकेसी एंड सेफ्टी ऑफ सफिनामाइड एज एड – ऑन थेरेपी इन अर्ली पार्किंसन्स डिजीज। यूर जे न्यूरोल 2013; 20(2) : 271–80.

1086. सेबस्टियन एम आर, लोढ़ा आर, कपिल ए, काबरा एस के. ओरल म्यूकोसल डिकंटमिनेशन विद् क्लोरहेक्सीडिन फॉर दी प्रीवेंशन ऑफ वेंटिलेटर – एसोसिएटेड निमोनिया इन चिल्ड्रन – ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। *पीडियट्र क्रिट केयर मेड* 2012; **13**: ई305–10.

1087. सेठ ए बी, गडोडिया ए, शर्मा आर प्रसाद आर. यूनिलेटरल पैरोटिड एजेंसिस एसोसिएटेड विद् लेयोमॉफिक एडेनोमा ऑफ आइपसिलेटरल एसेसरी पैरोटिड ग्लांड। *इयर नॉज थ्रोट जे* 2013; 92: ई13–5.

1088. सेन एस, पासी ए आर, दादा आर, शाम्सी एम बी, मोदी डी वाई क्रोमोसोम माइक्रोडिलेशन्स इन इंफार्टिल मेन : प्रीवलेंस, फिनोटाइप्स एंड स्क्रीनिंग मार्कर्स फॉर द इंडियन पोपुलेशन। *जे एसिस्ट रिप्रोड जेनेट* 2013; **30**: 413–22.

1089. सेनगुट्टुवन एन बी, गोस्वामी के सी. क्लैपिंग एटरियो – वेंट्रिकुलर वेल्वस। *हर्ट* 2013; **99**: 1140.

1090. सेनगुट्टुवन एन बी, कर्तिकेयन जी. इमेजीस इन क्लिनिकल मेडिसिन। जुगुलर वीनस सी–वी वेव इन सिवियर ट्रिकस्पिड रेगुग्रिटेशन। *एन एंग्ल जे मेड* 2012; **366**: ई5.

1091. सेनगुट्टुवन एन बी, रामाकृष्णन एस, गुलाटी जी एस, सेठ एस, भर्गव बी. हाउ शूड आई ट्रीट गाइडवेयर – इंड्युरुड डिस्टेल कोरोनरी परफॉरेशन? *यूरोइंटवेंशन* 2012; **8**: 155–63.

1092. सेठ ए, सैनी ए के, डोगरा पी एन. हाइब्रिड मिनिमली इंवेसिव यूरेथ्रोप्लास्टी फॉर पैन–एंटरियोर यूरेथरल स्ट्रिक्चर्स : इनिशएल रिजल्ट। यूरोल इंट 2012; 89: 116–9.

1093. सेठ आर, बोलिया आर, जैन आर, चोपड़ा ए, सिंह एस, कुमार आर. सुपिरियर मेडिएस्टाइनल सिंड्रोमः ए रेयर प्रेजेंटिंग फिचर्स ऑफ एक्यूट मायलॉयड ल्युकेमिया। *इंडियन जे पीडियट्र* 2013; **80**: 165–7.

1094. सेठ टी, कांगा यू, सूद पी, शर्मा वी, मिश्रा पी, महापात्रा एम. ऑडिट ऑफ पेरिफेरल स्टेम सेल ट्रांसपलांटेशन फॉर एप्लास्टिक एनिमिया इन मल्टीट्रांसफ्यूज्ड इंफेक्टेड पेशेंट्स। *ट्रांसप्लांट प्रोक* 2012; **44**: 922–4.

1095. सेठ टी, कोतवाल ए, ठाकुर आर के, गांगुली के के. ए स्टडी ऑन कम्युनिटी परसेप्शन्स ऑफ कॉमन कैंसर, डिटमिनेंट्स ऑफ कम्युनिटी बिहेवियर एंड प्रोग्राम इम्प्लीमेंटेशन इन न्यू देल्ही, इंडिया। *एशिया पैक जे कैंसर प्रीव* 2012; **13**: 2781–9.

1096. सेठी एस, सक्सेना पी, कश्यप एस, पुष्कर एन, कौर जे, घोष एस. एन इम्युनोहिस्टोकैमिकल एनालसिस ऑफ पी–ग्लायकोप्रोटीन इन रेटिनोब्लास्टोमा। *ओमन जे ओफ्थाल्मोल* 2012; **5**: 136–7.

1097. सेतुरमन जी, रमेश वी. क्यूटेनियस ट्यूबरकुलोसिस इन चिल्ड्रन। पीडियट्र डेर्माटोल 2013; 30: 7–16.

1098. सेतुरमन जी, शर्मा वी के, पाहवा पी, खेतान पी. कॉजेटिव ड्रग्स एंड क्लिनिकल आउटकम इन स्टेवेंस जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस), टॉक्सिक एपिडर्मल निक्रोलायसिस (टीईएन), एंड एसजेएस–टीईएन ओवरलैप इन चिल्ड्रन। इंडियन जे डर्माटोल 2012; 57: 199–200.

1099. शबीर आई, मरुमुदी ई खुराना एम एल, खडगावत आर. नोवल म्यूटेशन ऑफ एसआरडी5ए2 जीन इन ए पेशेंट विद् 5अल्फा–रिडक्टेस 2 डेफिसिएंसी फ्रॉम इंडिया। *बीएमजे केस रिप* 2012; 2012. पीआईआई : बीसीआर2012007060.

1100. शाह एन, लोगानी ए. सील बायो : ए नोवल, नॉन – आब्टूरेशन एंडोडोंटिक ट्रीटमेंट बेस्ड ऑन कॉन्सेप्ट ऑफ रिजनेरेशन। जे कंर्जेव डेंट 2012; 15: 328–32.

1101. शाह एन, लेखक उत्तर। जे कंर्जेव डेंट 2012; 15: 9–10.

1102. शालीमार, दास पी, श्रीनिवास वी, दत्ता गुप्ता एस, पांडा एस के, मखारिया जी के. इफेक्ट ऑफ एडिशन ऑफ शॉर्ट कोर्स ऑफ प्रेडनीसोलोन टू ग्लुटन–फ्री डाइट ऑन म्यूकोसल एपिथेलियल सेल रिजनरेशन एंड एपोप्टोसिस इन सेलियक डिजीज : ए पायलट रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। डिग डिस साइं 2012; **57**: 3116–25.

1103. शाम्सी एम बी, गोविंदराज पी, चावला एल, मल्होत्रा एन, सिंह एन, मित्तल एस, एट अल. माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए वरिएशन्स इन ओवा एंड ब्लास्टोसिस्ट : इम्प्लीकेशन्स इन एसिस्टेड रिप्रोडक्शन। माइटोकॉन्ड्रियन 2013; **13**: 96–105.

1104. शाम्सी एम बी, कुमार आर, मल्होत्रा एन, सिंह एन, मित्तल एस, उपाध्याय ए डी, एट अल. क्रोमोसोमल एबेरेशन्स, वाईक्यू माइक्रोडिलेशन, एंड स्पेरम डीएनए फ्रैगमेंटेशन इन इंफार्टिल मैन ऑप्टिंग फॉर एसिस्टेड रिप्रोडक्शन। *मॉल रिप्रोड डेव* 2012; **79**: 637–50.

1105. शरन पी. चाइल्ड साइकायट्री ट्रेनिंग इन मेडिकल अंडरग्रेजुएशन। जे इंडियन एसोक चाइल्ड एडोलसेंट मेंटल हेल्थ 2008; 4: 73–75 (2012 में प्रकाशित)।

1106. शर्मा ए, बहल ए रैना वी, कुमार एल, गुप्ता आर. डासटिनिब इन क्रॉनिक मायलॉयड ल्युकेमियाः ए लिमिटेड इंडियन एक्सपीरिएंस। *एशियन पैक जे क्लिन ऑन्कोल* 2012; **8**: 375–9.

1107. शर्मा ए, गुप्ता आर, बग्गा ए, डिंडा ए के. ग्लोमेरुलर फिल्ट्रेशन बेरियर इन पीडियट्रिक आइडियोपैथिक नेफ्रोटिक सिंड्रोम। *साउदी जे किडनी डिस ट्रांसप्ल* 2013; **24**: 286–91.

1108. शर्मा ए, गुप्ता आर, लाल सी, अग्रवाल एस के, डिडां ए के. क्रिसकेंटिक ग्लोमेरुलोनेफ्रिटिस डेवलपिंग इन द कोर्स ऑफ आइडियोपैथिक मेम्ब्रनोप्रोलाइफरेटिव ग्लोमेरुलोनेफ्रिटिस। *सउदी जे किडनी डिस ट्रांसप्ल* 2013; **24**: 333–7.

1109. शर्मा ए, गुप्ता आर, रिजवी वाई, राठी एस, महापात्रा एम, भौमिक डी, एट अल. एक्यूट रिनल फैलियर इन ए पेशेंट विद् एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्युकेमिया : ए रेयर एक्यूज। *साउदी जे किडनी डिस ट्रांसप्ला* 2013; **24**: 93–6.

1110. शर्मा ए, रथ जी के, चौधरी एस पी, ठाकर ए, मोहंती बी के, बहादुर एस. ए रैंडोमाइज्ड डबल–ब्लाइंड प्लासेबो – कंट्रोल्ड ब्लाइंड फेज थर्ड स्टडी। ऑफ एफिकेसी ऑफ लैक्टोबसिलियस ब्रेविस सीडी 2 लोजेंजेस प्रिवेंटिंग रैडिएशन एंड कीमोथैरेपी – इंड्युस्ड म्यूकोसाइटिस इन पेशेंट्स हैड एंड नीक कैंसरः *यूरोपीयन जे कैंसर* 2012; **48**: 875–81.

1111. शर्मा ए, सत्पथी जी, नायक एन, टंडन आर, शर्मा एन, टिटियाल जे एस, एट अल. ऑक्यूलर क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस इंफेक्शन्स इन पेशेंट्स एटेंडिंग ए टर्शरी आई केयर हॉस्पीटल इन नॉर्थ इंडिया : ए टेवेल ईयर स्टडी। *इंडियन जे मेड रेजी* 2012; **136**: 1004–10.

1112. शर्मा ए, शर्मा डी एन, जुल्का पी के, रथ जी के. ट्रीटमेंट ऑप्शन्स इन एलडर्ली पेशेंट्स विद् ग्लियोब्लास्टोमा। *लैंसेट ऑन्कोल* 2012; **13**: ई460–1.

1113. शर्मा ए, शर्मा डी एन, रथ जी के. इन रिगार्ड टू जॉर्ज एट अल. *इंट जे रेडिएट ऑन्कोल बायोल फिज* 2013; **85**: 288.

1114. शर्मा बी एस, बोरकर एस. करंट एंड फ्यूचर मैनेजमेंट ऑफ ब्रेन मेटास्टेसिस (प्रोग्रेस इन न्यूरोलॉजिकल सर्जरी)। इंडियन जे मेड 2013; (137) : 399–402.

1115. शर्मा सी, डे बी, वाहिदुजमान एम, सिंह एन. ह्यूमन पैपिलोमावायरस 16 एल1–ई7 कैमेरिक वायरस लाइक पार्टिकल्स शॉ प्रोफायलेक्टिक एंड थेराप्यूटिक एफिसेसी इन म्यूरिन मॉडल ऑफ सरवाइकल कैंसर। *वैक्सीन* 2012; **30**: 5417–24.

1116. शर्मा डी, वत्स एम, लक्ष्मी आर, नारंग आर, बहल वी के, गुप्ता एस के. स्टडी ऑफ कार्डियोवेस्कुलर रिस्क फैक्टर्स अमंग टर्शरी हॉस्पीटल इम्पलॉइस एंड देयर फैमिलिस। *इंडियन हार्ट जे* 2012; **64**: 356–63.

1117. शर्मा डी एन, गांधी ए के, शर्मा एस, रथ जी के, जगदेसन पी, जुल्का पी के. इंटरस्टीशियल ब्रैकीथेरेपी वर्सिस इंटेंसिटी – मॉड्यूलेटड रेडिएशन थेरेपी फॉर पेशेंट्स विद् सरवाइकल कार्सिनोमा नॉट सुटेबल फॉर इंट्राकैविटरी रेडिएशन थेरेपी। *ब्रैकीथेरेपी* 2013; **12**: 311–6.

1118. शर्मा डी एन, रथ जी के, जुल्का पी के. इन रिगार्ड टू जोबसन एट अल. *इंट जे रेडिएट ऑन्कोल बायोल फिज* 2013; **85**: 289–90.

1119. शर्मा डी एन, रथ जी के, कुमार आर, मल्होत्रा ए, कुमार एस, पैडजेटचरम जे, एट अल. पॉस्ट्रिोन इमिशन टोमोग्राफी स्कैन फॉर प्रीडिक्टिंग क्लिनिकल आउटकम ऑफ पेशेंट्स विद् रिकरंट सरवाइकल कार्सिनोमा फॉलोविंग रैडिएशन थैरेपी। *जे कैंसर रेज थेर* 2012; **8**: 23–7.

1120. शर्मा जी, मिर्जा एस, प्रसाद आर, गुप्ता एस डी, रलहन आर. डीएनए मेथिलेशन ऑफ सरकुलेटिंग डीएनए : ए मार्कर फॉर मॉनिटरिंग एफिसेस ऑफ नियोएडजुवेंट कीमोथैरेपी इन ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स। *ट्यूमर बायोल* 2012; **33**: 1837–43.

1121. शर्मा जी, ओहतनी एच, कौर जी, नरुसे टी के, शर्मा एस के, वाजपेयी एम, एट अल. स्टेट्स ऑफ टीआईएम–1 एक्सोन 4 हैप्लोटाइप एंड डीसी4+टी सेल काउंट्स इन एचआईवी –1 सिरोप्रीवलेंट नॉर्थ इंडियन। *ह्यूम इम्युनोल* 2013; **74**: 163–5.

1122. शर्मा जी, सेनगुट्टवन एन बी, जुनेजा आर, बहल वी के. न्यूरोकार्डियाजेनिक सायंकोप डुरिंग ए रूटिंग कोलोनोस्कोपी : ए अनकॉमन मैलिगनेंट प्रेजेंटेशन। *इंटर्न मेड* 2012; **51**: 891–3.

1123. शर्मा जी, सेनगुट्टवन एन बी, सिंह एस, जुनेजा आर, बहल वी के. परक्यूटेनियस ट्रांसवेंनस एंजियोप्लास्टी ऑफ लेफ्ट इनोमिनेट वेन स्टेनोसिस फॉलोविंग राइट साइड परमानेंट पेसमेकर इम्प्लीटेशन – ए लेफ्ट फेमोरल वेन टू लेफ्ट एक्सीलरी वेन एप्रोच। *इंडियन पेसिंग इलेक्ट्रोफिजियोल जे* 2012; **12**: 274–7.

1124. शर्मा जी, सेनगुट्टवन एन बी, थाचिल ए, लियोंग डी, नायक एन, यादव आर, एट अल. ए कम्पेरिजन ऑफ लीड प्लेसमेंट थ्रु द सबक्लेवियन वेन टेक्नीक विद् फ्लोरोस्कोपी – गाइडेड एक्सीलरी वेन टेक्नीक फॉर परमानेंट पेसमेकर इंसर्शन। *कैन जे कार्डियोल* 2012; **28**: 542–6.

1125. शर्मा जे बी, देबज्योति, कुमार आर, कुमार एस, सिंह एन, रॉय के के. कम्पेरिजन ऑफ पीईटी सीटी एंड अदर इमेजिंग मॉडिलिटीज इन फीमैल जेनिटल ट्यूबरकुलोसिस। *जे न्यूक्ल मेड* 2012; **118**: 123–8.

1126. शर्मा जे बी, कर्माकर डी, कुमार आर, शमीम एस ए, कुमार एस, सिंह एन. एट अल. कम्पेरिजन ऑफ पीईटी/सीटी विद् अदर इमेजिंग मॉडलिटिस इन वॉमैन विद् जेनिटल ट्यूबरकुलोसिस। *इंट जे गायनेकॉल ऑब्स्टे* 2012; **118**: 123–8.

1127. शर्मा जे बी, रॉय के के, पुष्पराज एम, कर्माकर डी, कुमार एस, सिंह एन. इंक्रिज्ड डिफिकलटिस एंड कम्प्लीकेशन्स इनकाउंटेरेड डुरिंग हायस्टेरोस्कोपी इन वॉमैन विद् जेनिटल ट्यूबरकुलोसिस। *जे मिनिम इंवेसिव गायनेकॉल* 2011; **18**: 660–5.

1128. शर्मा जे बी, यादव एम, न्यू ग्राउंड ब्रेकिंग इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ ग्यनेकोलॉजी एंड ऑब्सटेट्रिक्स क्लासिफिकेशन ऑफ एबनॉर्मल यूटरिन ब्लीडिंग : ऑप्टीमाइजिंग मैनेजमेंट ऑफ पेशेंट्स। *जे मिडलाइफ हेल्थ* 2013; **4**: 42–5.

1129. शर्मा के ए. डेथ बिफॉर बर्थ : द सेग ऑफ द नेवर बॉर्न गर्ल्स इन इंडिया। *एओजीडी बुल* 2013 ; **12**: 41.

1130. शर्मा के ए. डाइंग टू गिव बर्थ : द अल्टीमेट पैराडॉक्स।*एओजीडी बुल* 2013; **12(12)**: 44–5.

1131. शर्मा के ए. एचआईवी : पॉनडरिंग ओवर द पैनडमिक।*एओजीडी बुल* 2013; **12**: 46.

1132. शर्मा के ए. द पोपुलेशन एक्सप्लोजन : ए फ्रैंकस्टीन इन द बैकयार्ड? *एओजीडी बुल* 2013; **12**: 40.

1133. शर्मा के के, वत्स एम. डोमेस्टिक वायलेंस एंड इट्स इम्प्लीकेशन्स। नर्सिंग जे इंडिया 2012; 103: 230–3.

1134. शर्मा एम, ढिंगरा आर, कुमार आर. रिलेवेंस ऑफ प्लासेंटल पैथोलॉजिकल चेंजेस ऑफ मेटर्नल इंफ्लेमटरी सिंड्रोम एलॉन्ग विद् द ऑब्स्टेट्रिक एंड क्लिनिकल पैरामीटर्स इन प्रीक्लाम्पसिया। *इंट जे साइं रेज पब्ल* 2012; **2**: 313–20.

1135. शर्मा एम, गुलाटी एस, चौधरी ए. ट्रीटमेंट ऑफ माइटोक्रॉन्ड्रियल डिसऑर्डर्स। *जे पीडियट्र न्यूरोल* 2012; 10: 235–45.

1136. शर्मा एम, गुप्ता एम, सिंह डी, कुमार एम, कौर पी. सायनथेसिस एवालुशन एंड मॉलीकुलर डॉकिंग ऑफ थिएजोलॉपयरिमाइडिन डिरिवेटिव्स एज डिपेप्टायल पेप्टाइड्स 4 इंहैबिटर्स। कीम बायोल ड्रग डेस 2012; 80 : 918–28.

1137. शर्मा एम, कुमार आर, भाटला एन, ढ़ींगरा आर. ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ एपोप्टोसिस इन प्लासेंट्स ऑफ नॉर्मल एंड प्रीक्लेमप्टिक इंडियन प्रेगनेंट वॉमैन बाय टीयूएनईएल इजी एंड एम30 इम्युनोस्टेनिंग। *जे क्लिन लैब एनाल* 2012; **26**: 459–66.

1138. शर्मा एम, कुमार आर, ढिंगरा आर. एन इम्युनोहिस्टोकैमिकल स्टडी ऑफ द साइनेक्टियल केनॉट्स इन द प्रीक्लेम्पटिक प्लासेंट्स''। *इंट जे फार्मा रेजी बायोसाइं* 2012 **1**: 228–39.

1139. शर्मा एम, कुमार आर, ढ़ींगरा आर. एपॉप्टोसिस : सर्चिंग फॉर द डिटेक्शन टेक्नीक्स। *इंट जे बायो मेड रेजी* 2012; **3**: 2172–75.

1140. शर्मा एम, कुमार आर, ढ़ींगरा आर. एपॉप्टोसिस : अंडरस्टेडिंग ऑफ द सिगनलिंग पैथवे। *इंट जे बायो मेड रेज* 2012; **3(3)** : 2029–2031.

1141. शर्मा एम, सत्यम ए, अभिषेक ए, खान आर, राजाप्पा एम, शर्मा ए. मॉलीकुलर एंड सरकुलेटरी एक्सप्रेशन ऑफ इंसुलिन ग्रोथ फैक्टर्स इन इंडियन फीमेल्स विद् एडवांस्ड सरवाइकल कैंसर। *एशिया पैक जे कैंसर प्रीव* 2012; **13**: 6475–9.

1142. शर्मा एन, चाको जे, वेलपांडियन टी, टिटियाल जे एस, सिन्हा आर, सत्पथी जी, एट अल. कम्परेटिव एवालुशन ऑफ ऑपिकल वर्सिस इंट्रास्ट्रोमल वॉरिकोनजोल एज एन एडजुंक्ट टू नैटामायसिन इन रिकेलसाइट्रेंट फंगल केराटाइटिस। *ऑफ्थल्मोलॉजी* 2013; **120**: 677–81.

1143. शर्मा एन, चौधरी आर, पाणीग्राही पी. क्वांटिटीव एंड क्वालिटेटिव स्टडी ऑफ इंटेस्टाइनल फ्लोरा इन नियानेट्स। जे ग्लोब इंफेक्ट डिस 2012; 4: 188–92.

1144. शर्मा एन, जिंदल ए, बाली एस जे, टिटियाल जे एस. रिकैलसिट्रांट प्सूडोमोनस केराटाइटिस आफ्टर एपिपॉलिस लेजर – एसिस्टेड इन सिटू केराटोमिलेसिस : केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ द लिटरेचर। *क्लिन एक्स ऑप्टोम* 2012; **95**: 460–3.

1145. शर्मा एन, महाराणा पी के, झांजी वी, वाजपेयी आर बी. मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट कोरनियल हाइड्रोप्स इन एक्टाटिक कोरनियल डिसऑर्डर्स। *कर ऑपिन ऑफ्थल्मोल* 2012; **23**: 317–23.

1146. शर्मा एन प्रकाश जी, टिटियाल जे एस, वाजपेयी आर बी. कम्पेरिजन ऑफ ऑटोमेटेड लिमेलर केराटोप्लास्टी एंड फोटोथेरेप्यूटिक केराटेक्टोमी फॉर सालज्मन नोडुलर डिजनरेशन। *आई कॉन्टेक्ट लेंस* 2012; **38**: 109–11.

1147. शर्मा एन, सचदेव आर, पांडेय आर एम, टिटियाल जे एस, सिन्हा आर, टंडन आर, एट अल. स्टडी ऑफ फैक्टर्स फॉर अनस्यूटेबिलिटी ऑफ डीएसएईके इन केसेस ऑफ कोरनियल डिकॉम्पनसेशन फॉलोविंग कैटरेक्ट सर्जरी। *इंट ऑफ्थल्मोल* 2012; **32**: 313–9.

1148. शर्मा एन, सचदेव आर, सिन्हा आर, टिटियाल जे एस, वाजपेयी आर बी. मैनेजमेंट ऑफ ट्रकोमेटस केराटोपेथी बाय ऑटोमेटेड लेमीलर थेराप्यूटिक केराटोप्लास्टी। *कोरनिया* 2012; **31**: 1107–10.

1149. शर्मा एन, सचदेव आर, टिटियाल जे एस, टंडन आर, वाजपेयी आर बी. पेनेट्रटिंग ऑटोकेराथेप्लास्टी फॉर अनलेटेराल कोरनियल ऑपेसिफिकेशन। *आई कंटेक्ट लेन्स* 2012; **38**: 112–5.

1150. शर्मा एन, सामल ए, शर्मा आर, टंडन आर, टिटियाल जे एस, सत्पथी जी, एट अल. एवालुशन ऑफ 0.3 प्रतिशत गैटिफ्लोक्सासिन हाइड्रोक्लोराइड इन डिकंटमिनेशन ऑफ डोनर कोरनियास। *आई कॉन्टेट लेंस* 2012; **38**: 295–9.

1151. शर्मा एन, सिंह डी, सोबती ए, अग्रवाल पी, वेलपांडियन टी, टिटियाल जे एस, एट अल. कोर्स एंड आउटकम ऑफ एसिडेंट सोडियम हाइड्रोक्साइड ओकुलर इंजरी। *एम जे ऑफ्थलमोल* 2012; 154: 740–749. ई2.

1152. शर्मा पी, ढल वी एस, जेफ एस, रेड्डी आर एम, सिंह एच, नसवा एन, एट अल. कैन हाइब्रिड एसपीईसीटी – सीटी ओवरकम द लिमिटेशन्स एसोसिएटेड विद् पुअर इमेजिंग प्रोपर्टीज ऑफ 131आई–एमआईबीजी? कम्पेरिजन विद् प्लानर सिंटीग्राफी एंड एसपीईसीटी इन फिनोक्रोमोसायटोमा। *क्लिन न्यूक्ल मेड* 2013; 38(9) : ई346–53.

1153. शर्मा पी, ढल वी एस, रेड्डी आर एम, बल सी, थुल्कर एस, मल्होत्रा ए, एट अल. हाइब्रिड एसपीईसीटी – सीटी फॉर कैरेटाराइजिंग आइसोलेटेड वर्टेब्रिल लेशन्स ऑब्र्जेवड बाय बोन सिंटीग्राफी कम्पेरिजन विद् प्लानर सिंटीग्राफी, एसपीईसीटी एंड सीटी. डायगन इंटर्व रेडियोल 2013; **19**: 33–40.

1154. शर्मा पी, दुबे डी, सिन्हा एम, डे एस, कौर पी, शर्मा एस, एट अल. स्ट्रक्चरल बेसिस ऑफ हिपेरिन बाइंडिग टू केमल पेप्टिडोग्यकान रिकॉगनाइजेशन प्रोटीन–एस। इंट जे बायोकेम मॉल बायोल 2012; 3: 86–94.

1155. शर्मा पी, दुबे डी, सिन्हा एम, यादव एस, कौर पी, शर्मा एस, एट अल. स्ट्रक्चरल इनसाइट्स इनटु द डुअल स्ट्रेटेजी ऑफ रिकॉगनाइजेशन बाय पेप्टीडोग्लासन रिकागनाइजेशन प्रोटीन, पीजीआरपी – एस : स्ट्रक्चर ऑफ द टेरनरी कॉम्प्लेक्स ऑफ पीजीआरपी–एस विद् लिपोपॉलीसेकैराइड एंड स्टेरिक एसिड। पीएलओएस वन 2013; 8.

1156. शर्मा पी, जैन टी के, सिंह एच, सुमन एस के, फैजी एन ए, कुमार आर, एट अल. यूटिलिटी ऑफ (18)एफ–एफडीजी पीईटी–सीटी इन स्टेजिंग एंड रिस्टेजिंग ऑफ पेशेंट्स विद् मैलीगनेंट सेलिवरी ग्लांड ट्यूमर्स : ए सिंगल – इनस्चुएशनल एक्सपीरिएंस। न्यूक्ल मेड कॉम्युन 2013; 34(3) : 211–19.

1157. शर्मा पी, कुमार एम, लाल एम, कुमार एल, भार्गव एम. थेरेपी – रिलेटेड एमडीएस : द इम्पार्टेंस ऑफ रिपीटिंग कायटोजेनेटिक्स एंड इम्युनोफिनोटाइपिंग इन 'रिलेप्स्ड' एएमएल। *जे हिमेटोपैथोल* 2013; **6**: 207–11.

1158. शर्मा पी, कुमार आर, दास के जे, सिंह एच, पाल एस, पार्षद आर. एट अल. डिटेक्शन एंड लॉकलाइजेशन ऑफ पोस्ट– ऑपरेटीव एंड पोस्ट – ट्रॉमेटिक बाइल लीकः हायब्रिड एसपीईसीटी–सीटी विद् 99एमटीसी–मेब्रोफेनिन। एब्ड इमेजिंग 2012; 37: 803–11.

1159. शर्मा पी, कुमार आर, सिंह एच, जेफ एस, शर्मा डी एन, बल सी, एट अल. कार्सिनोमा एंडोमेटरियम : रोल ऑफ 18–एफडीजी पीईटी/सीटी फॉर डिटेक्शन ऑफ सस्पेक्ट रिकरेंस। *क्लिन न्यूक्ल मेड* 2012; **37**: 649–55.

1160. शर्मा पी, कुमार आर, सिंह एच, जेफ एस, शर्मा जे बी, जैन एस के, एट अल. रोल ऑफ एफडीजी पीईटी–सीटी इन डिटेक्टिंग रिकरंस इन पेशेंट्स विद् अटेरिन सार्कोमा : कम्पेरिजन विद् कंवेंशनल इमेजिंग। *न्यूकल मेड कॉम्युन* 2012; **33**: 185–90.

1161. शर्मा पी, कुमार आर, न्यूक्लिर मेडिसिन इमेजिंग इन द एवालुशन ऑफ एंडोक्राइन हाइपरटेंशन। इंडियन जे एंडोक्राइनॉल मेटाब 2012; 16(5) : 706–12.

1162. शर्मा पी, पटेल सी डी, करुनानिती एस, महारजन एस, मल्होत्रा ए. कम्प्रेटीव एक्वेरिस ऑफ सीटी एटेनशन–कोरेक्टेड एंड नॉन–एटेनशन–कोरेक्टेड एसपीईसीटी मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग। *क्लिन न्यूक्ल मेड* 2012; **37:** 332–8.

1163. शर्मा पी, शर्मा एस, बल्लाल एस, बाल सी, मल्होत्रा ए, कुमार आर. एसपीईसीटी – सीटी इन रूटिंग क्लिनिकल प्रैक्टिस : इंक्रिज इन पेशेंट रेडिएशन डोज कम्पेर्ड विद् एसपीईसीटी अलोन। न्यूक्ल मेड कॉम्युन 2012; 33(9) : 926–32.

1164. शर्मा पी, सिंह एच, कुमार आर, बाल सी, थुल्कर एस, सीनु वी, एट अल. बोन स्किंटिग्राफी इन ब्रेस्ट कैंसर। एडिड वेल्यू ऑफ हायब्रिड एसपीईसीटी–सीटी एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन पेशेंट्स मैनेजमेंट। न्यूक्ल मेड कॉम्युन 2012; 33: 139–47.

1165. शर्मा पी, सिंह एच, नजर ए एच, श्रीनिवास एम, कुमार आर. 99एमटीसी – परटेक्नेटेट एसपीईसीटी / सीटी फॉर डिटेक्टिंग रिकरंट फॉरगट डुप्लीकेशन कायस्ट इन ए केस विद् नेगेटिव प्लानर सिंटीग्राफी । *क्लिन न्यूल मेड* 2013; 38: 641–2.

1166. शर्मा पी, सिंह एच, सुमन एस के, शर्मा ए, रेड्डी आर एम, थुल्कर एस, एट अल. 18एफ– एफडीजी पीईटी – सीटी फॉर डिटेक्टिंग रिकरंट गैस्ट्रीक एडेनोकार्सिनोमा : रिजल्ट फ्रॉम ए नॉन – ओरिएंटल एशियन पोपुलेशन। *न्यूक्ल मेड कॉम्युन* 2012; **33:** 960–6.

1167. शर्मा पी, सिंघल ए, कुमार ए, बाल सी, मल्होत्रा ए, कुमार आर. एवालुशन ऑफ थायमिक ट्यूमर्स विद् 18एफ – एफडीजी पीईटी – सीटी : ए पिकटोरियल रिव्यू। एक्टा रेडियोल 2013; 54(1) : 14–21.

1168. शर्मा पी, सुमन एस के, सिंह एच, शर्मा ए, बाल सी, मल्होत्रा ए, एट अल. प्राइमरी गैस्ट्रीक लिम्फोमा : यूटिलिटी ऑफ 18एफ फ्लोरोडियोक्साग्लुकोस पॉजिट्रोन एमिशन टोमोग्राफी – कंप्यूटेड टोमोग्राफी फॉर डिटेक्टिंग रिप्लेस अफ्टर ट्रीटमेंट। *लुक लिम्फोमा* 2012 नवंबर 15 (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन) डीओआई : 10.3109/10428194.2012.717694.

1169. शर्मा पी, त्यागी एस. एनएसई / अल्फा एनएई पॉजिटिविटी इन बी–लिनेएज एक्यूट लिम्फोब्लास्टीक ल्युकेमिया : रिविजिंग ए पोटेंशियल काइटोकैमिकल डायनोस्टीक पिटफैल। *बायोटेक हिस्टोकैम* 2014; **89:** 19–22.

1170. शर्मा पी, यामिनी एस, दुबे डी, सिंह, ए, माल जी, पांडे एन, एट अल. स्ट्रक्चरल बेसिस ऑफ द बाइंडिंग ऑफ फैटी एसिड्स टू पेप्टीडोग्लयकैन रिकॉगनाइजेशन प्रोटीन, पीजीआरपी–एस थ्रु सेकेंड बाइंडिंग साइट। आर्च बायोकैम बायोफिज 2013; 529: 1–10.

1171. शर्मा पी, यामिनी एस, दुबे डी, सिंह ए, सिन्हा एम, डे एस, एट अल. स्ट्रक्चरल स्टडीज ऑन मॉलीकुलर इंट्राएक्शन्स बीटवीन कैमल पेप्टीडायग्लकैन रिकॉगनाइजेशन प्रोटीन, सीपीजीआरपी – एस, एंड पेप्टोडायग्लकेन मोइटिस एन – एसिटायलग्लुकोसेमिन एंड एन–एकेटयलम्यूरेमिक एसिड। जे बायोल कैम 2012; 287:22153–64.

1172. शर्मा आर, झांजी वी, सत्पथी जी, शर्मा एन, खोखर एस, अग्रवाल टी. कोइफेक्शन विद् एकैनथमोबा एंड प्सुडोमोनस इन कॉन्टेट लेंस – एसोसिएटेड केराटाइटिस। *ऑप्टोम विज साइं* 2013; **90:** ई53–5.

1173. शर्मा एस, गुप्ता डी के. डिलेय प्रेजेंटेशन ऑफ एनोरेक्टल मैलफॉर्मेशन फॉर डिफाइनिटीव सर्जरी। *पीडियट्र सर्ज इंट* 2012; **28:** 831–4.

1174. शर्मा एस, गुप्ता डी के. हिर्स्चस्प्रुंग्स डिजीज प्रेजेंटिंग बियोंड इंफैंसी : सर्जिक ऑप्शन्स एंड पोस्टऑपरेटिव आउटकम। *पीडियट्र सर्ज इंट* 2012: **28:** 5–8.

1175. शर्मा एस, मिश्रा डी, एनेजा एस, कुमार आर, जैना ए, वशिष्ठ वी एम, एक्सपार्ट ग्रुप ऑन एंसेफालाइटिस, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियट्रिक्स। कार्जेसस गाइडलाइन्स ऑन एवालुशन एंड मैनेजमेंट ऑफ सस्पेक्टेड एक्यूट वायरल एंसेफालाइटिस इन चिल्ड्रन इन इंडिया। *इंडियन पीडियट्र* 2012; **49:** 897–910.

1176. शर्मा एस, मोहंती एस, दास पी, दत्ता गुप्ता एस, कुमार एल, गुप्ता डी. प्रोपिटिस रोल ऑफ बोन मैरो – डिरिव्ड मोनोन्यूक्लिर सेल्स इन ए एक्सपेरिमेंटल बाइल डक्ट लिगेशन मॉडल : पोटेंशियल क्लिनिकल इम्प्लीकेशन्स इन ऑब्स्ट्रेक्टिव कोलएंजियोपैथी। *पीडियट्र सर्ज इंट* 2013; **29:** 623–32

1177. शर्मा एस, संख्यान एन, गुलाटी एस, अग्रवाल ए. यूज ऑफ द मॉडिफाइड एटकिन्स डाइट फॉर ट्रीटमेंट ऑफ रिफ्रैक्टरी चाहल्डहुड एपिलेप्सी : ए रैडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। *एपिलेप्सिया* 2013; **54:** 481–6.

1178. शर्मा एस, सेन ए, मारिया ए, कौर जे, कुमार ए, गर्ग आर, एट अल. फैरिंजियोइसोफेगोप्लास्टी, पोस्टेरियर लारिंजोट्रेकियोप्लास्टी, एंड एसोफागोट्राकीयोप्लास्टी फॉर टाइप 3 लेरिंजोट्रेकीयोएसोफीजियल क्लेफ्ट विद् ए डिस्टल ट्रेकियोब्रोकोसोफेजियल क्लेफ्ट। यूर जे पीडियट्र सर्ज 2012; **22:** 260–3.

1179. शर्मा एस के, अग्रवाल एन, जैन एस, चौधरी एम, सिंह पी के, सेठ टी एट अल. एन अनयूजअल क्लोनल काइटोजेनेटिक एब्नोर्मालिटी विद् (15; 17) (पी11; क्यू21) इन ए पेशेंट विद् सीरियस एप्लोस्टीक एनिमिया। *इंडियन जे ह्यू जेनेट* 2012; 18: 268–9.

1180. शर्मा एस के, गुप्ता एन, अराव एस, सेठ टी, मिश्रा पी, महापात्रा एम, एट अल. पल्सलेस राइट अपर लिम्ब : एन अनयूजअल मैनीफेस्टेशन ऑफ इनवेसिव पल्मोनरी एस्पेग्रिलोसिस इन एक्यूट मायलॉयड ल्युकेमिया। *जे एसो फिजिशियन्स इंडिया* 2012; **60**: 119–22.

1181. शर्मा एस के, गुप्ता एस, दुर्गापाल पी, मुखर्जी ए, शी टी, मिश्रा पी, एट अल. डिसेमिनेटेड हिस्टोप्लोमोसिस इन ए पेशेंट विद् एप्लास्टीक एनिमिया। इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूज पब्लिशड ऑनलाइन : 09 अक्टूबर 2012.

1182. शर्मा एस के, गुप्ता एस, सेठ टी, मिश्रा पी, महापात्रा एम, सिंह एम के, एट अल. ल्यूकेमिया क्यूटिस : एन अनयूजअल प्रेजेंटेशन। *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यू* 2012; **28**: 175–7.

1183. शर्मा एस के, हड्डा वी, माथुर पी, गुलाटी वी, साहनी सी. प्रोफाइल ऑफ माइक्रो – ऑर्गनिज्म इन इंटेंसिव केयर यूनिट ऑफ ए लेवल –1 ट्रॉमा सेंटरः ए रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी। इंडियन जे क्रिट केयर मेड. 2013 मार्च; 17(2) : 87–91.

1184. शर्मा एस के, कुमार एस, सेठ टी, मिश्रा पी, अग्रवाल एन, सिंह जी, एट अल. क्लिनिकल प्रोफाइल ऑफ पेशेंट्स विद् रेयर इंहेरिटेड कोएगुलेशन डिस्ऑर्डर्स : ए रेट्रोस्पेक्टिव एनालसिस ऑफ 67 पेशेंट्स फ्रॉम नॉर्दन इंडिया। *मीडिटेर जे हिमेटोल इंफेक्ट डिस* 2012; **4**: ई2012057.

1185. शर्मा एस के, कुमार एस, सेठ टी, मिश्रा पी, महापात्रा एम. इयोसिनोफिलिया : रेयर एक्यूज ऑफ आर्टीरियल थ्रोम्बोसिस एंड कार्डियोम्बोलिक स्ट्रॉक इन चाइल्डहुड। वर्ल्ड जे कार्डियोल 2012; **4**: 128–9.

1186. शर्मा एस के, कुमार एस, सिंह ए के, सेठ टी, मिश्रा पी, शर्मा एस, एट अल. डिफ्यूज एल्विओलर हिमोरहीज फॉलोविंग एलोजेनिक पेरिफेरल ब्लड स्टेम सेल ट्रांसप्लेटेशन : ए केस रिपोर्ट एंड ए शॉर्ट रिव्यू। *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफुस* डीओआई 10.1007/एस12288–012–0184–5.

1187. शर्मा एस के, मोहन ए, चौहान एल एस, नारायण जे पी, कुमार पी, बिहार डी, एट अल. टास्क फोर्स फॉर इंवोल्वमेंट ऑफ मेडिकल कॉलेजीस इन रिवाइज्ड नेशनल ट्यूबरकुलोसिस कंट्रोल प्रोग्राम, कंट्रीबुशन ऑफ मेडिकल कॉलेजीस टू ट्यूबरकुलोसिस कंट्रोल इन इंडिया अंडर द रिवाइज्ड नेशनल ट्यूबरकुलोसिस कंट्रोल प्रोग्राम (आरएनटीसीपी) : लेशन्स लेर्नट एंड चेलेंजेस एहैड। *इंडियन जे मेड रेज* 2013; **137**: 283–94.

1188. शर्मा एस के, मोहन ए, शर्मा ए, चेलेंजेस इन द डायग्नोसिस एंड ट्रीटमेंट ऑफ मिलिनरी ट्यूबरकुलोसिस। *इंडियन जे मेड रेज* 2012; **135**: 703–30.

1189. शर्मा एस के, मोहन ए. ट्यूबरकुलोसिस : फ्रॉम एन इंकुरेबल स्कोरेज टू ए कुरेबल डिजीज – जरनी ओवर ए मिलेनियम। *इंडियन जे मेड रेज* 2013; **137**: 455–93.

1190. शर्मा एस के, मोहनन एस, शर्मा ए. रिलेवेंस ऑफ लेटेंट टीबी इंफेक्शन इन एरियास ऑफ हाई टीबी प्रीवलेंस। *चेस्ट* 2012; **142**: 761–73.

1191. शर्मा एस के, मुखर्जी ए, सिंह ए के, सेठ टी, कुमार एस, मिश्रा पी, एट अल. मैडुरेला मायकेटोमेटिस इंफेक्शन फॉलोविंग एलोजेनिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन फॉर एप्लास्टीक एनिमिया। *मेडिटेर जे हिमेटोल इंफेट डिस* 2012; **4**: ई2012038.

1192. शर्मा एस के, पुरी आर, जैन ए, शर्मा एम पी, शर्मा ए, बोहरा एस, एट अल. इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च टास्क फोर्स। एस्सेसमेंट ऑफ इफेक्ट्स ऑन हेल्थ डु टू कंज्मप्शन ऑफ बिटर बोटल गार्ड (लैजेनरिया सिकेरारिया) जूस। *इंडियन जे मेड रेज* 2012; **135**: 49–55.

1193. शर्मा एस के, शर्मा एम, सेठ टी, मिश्रा पी, चौधरी एम, महापात्रा एम, एट अल. क्लिनिकल प्रोफाइल एंड आउटकम ऑफ पेशेंट्स ऑफ एक्यूट मायलॉयड ल्युकेमिया विद् हाई हायपरडिप्लोयडी। *लेयूक रेजी* 2012; **36**: ई60–1.

1194. शर्मा एस के, सिंह ए के, सिंह पी के, सेठ टी, मिश्रा पी, वनाति एम, एट अल. एप्लोस्टीक एनिमिया इन ए पेशेंट विद् विलसन डिजीज। *जे हिमेटोल* 2012; **1**: 100–101.

1195. शर्मा एस के, सिंह पी के, सेठ टी, मिश्रा पी, महापात्रा एम. एंटीथयमोकायट ग्लोबुलिन इंड्युस्ड रिकरंट सीजर्स इन ए केस ऑफ सेवर एप्लास्टीक एनिमिया। *इंडियन जे हिमेटोल ब्लड ट्रांसफ्यूस* 2012; **28**: 129–143.

1196. शर्मा एस के, सोलंकी आर, मोहन ए, जैन एन के, चौहान एल एस; प्लुरल इफ्यूजन स्टडी ग्रुप। आउटकम्स ऑफ कैटेगरी 3 डॉट्स ट्रीटमेंट इन इम्युनोकम्पेटेंट पेशेंट्स विद् ट्यूबरकुलोसिस प्लुरल इफ्यूजन। *इंट जे ट्यूबर लांग डिस* 2012; **16**: 1505–9.

1197. शर्मा एस के, सोनेजा एम, शर्मा ए, शर्मा एम सी, हरि एस, रेयर मैनिफेस्टेशन्स ऑफ सारकोइडोसिस इन मॉडर्न एरा ऑफ न्यू डायग्नोस्टीक टूल्स। *इंडियन जे मेड रेज* 2012; **135**: 621–9.

1198. शर्मा एस के, सोनेजा एम. एन अनयूजअल एक्यूज ऑफ सुपीरियर वेना कावा सिंड्रोम। इंडियन जे मेंड रेज 2012; **136**: 312

1199. शर्मा यू, शाह आर जी, पार्षद आर, शर्मा आर, सीनू वी, जगन्नाथन एन आर. रोल ऑफ एपरेंट डिफ्यूजन कोइंफिसिएंट वेल्यूस फॉर द डिफरेंशिएशन ऑफ वाइबल एंड निक्राटिक एरियास ऑफ ब्रेस्ट कैंसर एंड इट्स पोटेंशियल यूटिलिटी ऑफ गाइड वॉक्सेल पोजिशिनिंग फॉर एमआरएस इन द अबसेंस ऑफ डायनामिक कंट्रास्ट – एंहांसड एमआरआई डेटा। मैग रिजन इमेजिंग 2012; 30: 649–55.

1200. शर्मा वी के, साहनी के, वाधवानी ए आर. फोटोडर्माटोसिस इन पिगमेंटेड स्कीन। फोटोकैम फोटोबियोल साइं 2013; 12: 65–77.

1201. शर्मा वी के, वर्मा पी, महाराजा के. पर्थेनियम डर्माटाइटिस। फोटोकैम फोटोबियोल साइं 2013; 12: 85–94.

1202. शर्मा वी के, वर्मा पी. पर्थेनियम डर्माटाइटिस इन इंडिया : पर्थेनियम डर्माटाइटिसपास्ट, प्रेजेंट एंड फ्यूचर। इंडियन जे डर्माटोल वेनारियोल लेप्रोल 2012; 78: 560–8.

1203. शर्मा वाई आर, प्रुथी ए, आजाद आर वी, कुमार ए, मनान आर. इम्पैक्ट ऑफ अर्ली राइज ऑफ इंट्रायोकुलर प्रेजर ऑन विजुअल आउटकम फॉलोविंग डायबेटिक विट्रेक्टोमी। *इंडियन जे ऑफ्थालमॉल* 2011; **59**: 37–40.

1204. शेठ टी, बटलर सी, चाउ बी, चैन एम टी, मिठा ए, नगेले पी, एट अल. द कोरोनरी सीटी एंजियोग्राफी विजन प्रोटोकोल : ए प्रोस्पेक्टिव ऑब्जेर्वेशनल इमेजिंग कोहोर्ट स्टडी इन पेशेंट्स अंडरगोइंग नॉन–कार्डियक सर्जरी। *बीएमजे ओपन* 2012:2.

1205. शिरीन टी, सिंह एम, धवन बी, मुखोपाध्याय के, कैरेटेराइजेशन ऑफ सेल मेम्ब्रन पैरामीटर्स ऑफ क्लिनिकल आइसोलेट्स ऑफ स्टाफीलोकोकस ऑरियस विद् वरिएड सस्पेटीबिलिटी टू अल्फा – मेलानोसाइट स्टीमुलेटिंग हार्मोन। पेप्टाइड्स 2012; 37: 334–9.

1206. शोभा एन, बाल एस, बॉयको एम, क्रोशुस ई, मेनन बी के, भाटिया आर, एट अल. मैजरमेंट ऑफ लेंथ ऑफ हाइपरडेंस एमसीए साइन इन एक्यूट आइकेमिक स्ट्रॉक प्रीडिक्ट्स डिसएपेरेंस आफ्ट 4 टीपीए। जे न्यूरोइमेजिंग 2014; 24(1) : 7–10.

1207. श्रीवास्तव आर के, अली आर उप्पाद जे बी, रॉय डी एन. सेल मेडिटेड इम्युन रिस्पोंस टू एपिटोपिक एमएपी (मल्टीपल एंटीजन पेप्टाइड) कंस्ट्रक्ट ऑफ एलसीआरवी एंटीजन ऑफ यरसिनिया पेस्टीस इन मरिन मॉडल। *सेल इम्युनोल* 2012; **278**: 55–62.

1208. श्रेष्ठा पी, जैन वी, भल्ला ए, प्रुथी जी. ए कम्परेटिव स्टडी टू मेजर द कोंडयलर गाइडलाइंस बाय द रेडियोग्राफिक एंड क्लिनिकल मैथड्स। जे एड प्रोस्थोडोंट 2012; 4: 153–7.

1209. शुक्ला जी, गोयल वी, श्रीवास्वत ए, बिहारी एम. क्वांटिटेटिव थर्मल सेंसर टेस्टींग एंड सिमपेथेटिक स्कीन रिस्पोंस इन प्राइमरी रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम – ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी ऑन 57 इंडियन पेशेंट्स। एना इंडियन एकैड न्यूरोल 2012; 15(4) : 260–2.

1210. शुक्ला जी, गुप्ता एस, गोयल वी, सिंह एस, श्रीवास्तव ए, बिहारी एम. एब्नॉर्मल सिम्पथेटिक हायपर–रिएक्टिविटी इन पेशेंट्स विद् मायस्थेनिया ग्रविसः ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी। क्लिन न्यूरोल न्यूरोसर्ज 2013; 115(2): 179–86.

1211. शुक्ला जी, प्रसाद ए एन. नेचुरल हिस्ट्री ऑफ टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी : एंटेकेडेंट्स एंड प्रोग्रेशन। एपिलेप्सी रेज ट्रीट 2012; 2012: 195073.

1212. शुक्ला जी. सिर्काडियन रिथम स्लीप डिस्ऑर्डर्स। इंडियन जे स्लीप मेड 2011; 6 (2) : 44–9.

1213. सिद्धार्थ वी, कुमार, एस, विज ए, गुप्ता एस के. कॉस्ट एनालसिस ऑफ ऑपरेशन थिएटर सर्विसेज एट एन एपेक्स टर्शरी केयर ट्रॉमा सेंटर ऑफ इंडिया। इंडियन जे सर्ज डीओआई 10.1007/एस 12262–013–0908–2.

1214. सिगमणि ई, वारी एम एन, अय्यर वी के, अग्रवाल एस, शर्मा ए, बख्शी एस, एट अल0 लोस ऑफ हिटेरोजगोसिटी एट 11पी13 एंड 11पी15 इन विल्मस ट्यूमर : ए स्टडी ऑफ 22 केसेस फ्रॉम इंडिया। *पीडियट्र सर्ज इंट* 2013; **29**: 223–7.

1215. सिहोता आर, गोयल ए, कौर जे, गुप्ता वी, नाग टी सी. स्कैनिंग एलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी ऑफ द ट्रेबुकुलर मेशावार्कः अंडरस्टेडिंग द पैथोजेनेसिस ऑफ प्राइमरी एंगल क्लोजर ग्लूकोमा। *इंडियन जे ऑथलमॉल* 2012; **60**: 183–8.

1216. सिहोता आर, वशिष्ठ पी, शर्मा ए, चक्रबर्ती एस, गुप्ता वी, पांडेय आर एम. एंटेरियर सेगमेंट ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी कैरेक्टरस्टिक्स इन एन एशियन पोपुलेशन। *जे ग्लुकोमा* 2012; **21**: 180–5.

1217. सिक्का के, शर्मा एस सी, ठाकर ए, दत्तागुप्ता एस. एवालुशन ऑफ एपिथेलियल प्रोलिफरेशन इन पेडियट्रिक एंड एडल्ट कोलेस्टेटोमस यूजिंग द केआई–67 प्रोलिफरेशन मार्कर। *जे लायांजोल ऑटोल* 2012; **126**: 460–3.

1218. सिलन वी, कांत एस, गोस्वामी के, राय एस, मिश्रा पी. एचआईवी रिस्क विहेवियर एंड प्रीवलेंस ऑफ सेल्फ रिपोर्टेड सेक्सुअली ट्रांसमिटेड डिजीज अमंग मैन हु हेव सेक्स विद् मैन, रजिस्टरड विद् सिलेक्टेड नॉन–गर्वेनमेंट ऑर्गनाइजेशन्स इन देल्ही, इंडिया। *जे एपिडेमियोल कम्युनिटी हेल्थ* 2011; **65**: ए352.

1219. सिलबर्बेर्ग डी, नायर एमकेसी, गुलाटी एस, अरोड़ा एन के, पिंटो – मार्टिन जे. न्यूरो – डेवलपमेंटल डिस्ऑर्डर्स इन इंडिया – एन इनक्लेन स्टडी। *जे इंटलेक्चुअल डिसएबिलिटी रेज* 2012; **56:** 769.

1220. सिंह ए, चितरगर एस एस, धवल वी, जिंदल वी एल, शर्मा ए के, सूरी वी, एट अल. वेस्कुलर हर्माटोमा : एन अनयूजअल एक्यूज ऑफ स्लिटोरोमेगाली इन एन 18–ईयर–ओल्ड पेशेंट। *जे लॉ जेनिट ट्रेक्ट डिस* 2012; **16:** 325–7.

1221. सिंह ए, डे ए बी, मोहन ए, शर्मा पी के, मित्रा डी के. फॉक्सपी3+रेगुलेटरी टी सेल्स अमंग ट्यूबरकुलोसिस पेशेंट्स : इम्पैक्ट ऑन प्रोग्नोसिस एंड रेस्टोरेशन ऑफ एंटीजन स्पेसिफिक आईएफएन–पाई प्रोडुसिंग टी सेल्स। पीएलओएस वन 2012; 7(9) : ई44728.

1222. सिंह ए, लोगानी ए, शाह एन. एन एक्स विवो कम्परेटीव स्टडी ऑन द रिटेंशन ऑफ कस्टम एंड प्रीफैब्रिकेटेड पोस्ट्स। जे कंर्जेव डेंट 2012; 15: 183–6.

1223. सिंह ए के, दीक्षित जी, शर्मा एस, कुमार एस, यादव आर, अग्रवाल एन, एट अल. स्कीन मैनिफेस्टेशन्स एसोसिएटेड विद् मैंटल सेल लिम्फोमा : ए केस रिपोर्ट। *मेडिटेर जे हिमेटोल इंफैक्ट डिस* 2013; **5:** ई2013020.

1224. सिंह ए के, मणि के, कृष्णन ए, अग्रवाल पी, गुप्ता एस के. प्रीवलेंस, अवेरनेस ट्रीटमेंट एंड कंट्रोल ऑफ डायबिटीज अमंग एल्डरली पर्सन्स इन ए अर्बन स्लम ऑफ देल्ही। *इंडियन जे कम्युनिटी मेड* 2012; **37:** 236–9.

1225. सिंह ए के, पांडेय आर, गिल के, सिंह आर, सराया ए, चौहान एस एस, एट अल. पी38बीटा एमएपी काइनेस एज ए थेराप्यूटिक टरगेट फॉर पैनक्रिएटिक कैंसर। कीम बायोल ड्रग डेस 2012; 80: 266–73.

1226. सिंह ए के, सिंह पी एम, अरोड़ा एस, रेवाड़ी वी, त्रिखा ए. पार्टुरिएंट विद् डबल आउटलेट राइट वेंट्रिकल विद्आउट पल्मोनरी स्टेनोसिस : पेरीऑपरेटिव मैनेजमेंट। जे ऑब्स्टेट एनेस्थ क्रिट केयर 2012; 2: 109–11.

1227. सिंह ए के, सिंह आर, नाज एफ, चौहान एस एस, डिंडा ए, शुक्ला ए ए, एट अल. स्ट्रक्चर बेस्ड डिजाइन एंड सिंथेसिस ऑफ पेप्टाइड इंहैबिटर ऑफ ह्यूमन एलओएक्स–12: इन विट्रो एंड इन विवो एनालेसिस ऑफ ए नोवेल थैरेप्यूटिक एजेंट फॉर ब्रेस्ट कैंसर। *पीएलओएस वन* 2012; **7:** ई32521.

1228. सिंह ए के, स्मिथ एम एल, यामिनी एस, ओहसन पी आई, सिन्हा एम, कौर पी, एट अल. बोवाइन कार्बोनिल लैक्टोपेरोक्सीडेस स्ट्रक्चर एट 2.0 Å रिसोलुशन एंड इंफ्रेरड स्पेक्ट्रा एज ए फंक्शन ऑफ पीएच प्रोटीन जे 2012; 31 : 598–608.

1229. सिंह ए एन, बंसल वी के, मिश्रा एम सी, कुमार एस, राजेश्वरी एस, कुमार ए, एट अल. टेस्टीकुलर फंक्शन्स, क्रॉनिक ग्रोइन पैन, एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ आटर लैपरोस्कोपिक एंड ओपन मेस रिपेयर ऑफ इंगुइनल हार्नियाः ए प्रोस्पेक्टिव रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। *सर्ज एंडोस्क* 2012; **26:** 1304–17.

1230. सिंह बी, गुप्ता ए, महाजन एस, गुप्ता आर. ए एक्यूट कोर्टिकल निक्रोसिस एंड कॉलैपसिंग ग्लोमेरूलोपैथी इन एन एचआईवी–इंफेक्टेड पेशेंटः ए रेयर क्लिनिकल सिनेरियो साउदी जे किडनी डिस ट्रांसप्ल 2012; **23:** 363–6.

1231. सिंह डी, पुष्कर एन, बजाज एम एस, सक्सेना आर, शर्मा एस, घोष एस. विजुअल फंक्शन अल्टरेशन्स इन ऑटिल ट्यूमर्स एंड फैक्टर्स प्रीडिक्टिंग विजुअल आउटकम आटर सर्जरी। *आई (लॉन्ड)* 2012; **26:** 448–53.

1232. सिंह जी, अग्रवाल एस, अय्यर वी के, शर्मा ए, चोपड़ा ए, माथुर एस आर. इयूजन कायटोलॉजी ऑफ ग्रनुलोकायटिक सार्कोमा इन एन अनयूजअल क्लिनिकल सीनिरियोः ए डायग्नोस्टीक चैलेंज। *एक्टा कायटोल* 2012; **56:** 315–20.

1233. सिंह जी, अग्रवाल एस, शर्मा एम सी, सूरी वी, सरकार सी, गर्ग ए, एट अल. स्पाइंडल सेल ऑकोकायटोमा ऑफ द एडेनोहायपोफिजिसः रिपोर्ट ऑफ ए रेयर केस एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *क्लिन न्यूरोल न्यूरोसर्ज* 2012; **114:** 267–71.

1234. सिंह जी, मलिक एस, शर्मा वी, जोशी एन, पुरकैत एस, झा पी, एट अल. ए स्टडी ऑफ क्लिनिको – पैथोलॉजिकल पैरामीटर्स एंड ओ[6] – मायलगुनिन डीएनए मायलट्रांसफेरेस (एमजीएमटी) प्रोमोटर मायथलेशन स्टेट्स इन द प्रोग्नोस्टीकेशन ऑफ ग्लिोसार्कोमा। *न्यूरोपैथोलॉजी* 2012; **32:** 534–42.

1235. सिंह जी, शर्मा एम सी, अग्रवाल एस, प्रसाद जी एल, मिश्रा एस, सिंह एम एम, एट अल. एपिथेलियल – मायोएपिथेलियल कार्सिनोमा ऑफ द लैक्राइमल ग्लैंड : ए रेयर केस। *एना डायग्न पैथोल* 2012; **16:** 292–7.

1236. सिंह जी, शर्मा एम सी, सूरी वी, सरकार सी, गर्ग ए, सिंह एम. एल्विओलर सॉफ्ट पार्ट सार्कोमा ऑफ द पैरानेसल साइनस मैस्करेडिंग एज ए जाइंट इंवेसिव पिट्यूटरी एडेनोमा। *एना डायग्न पैथोल* 2013; **17:** 276–80.

1237. सिंह जी पी, प्रभाकर एच, कलाईवानी एम, आनंद वी. इंहैलेशन वर्सिस इंट्रोवेनस टेक्नीक फॉर रैपिड इर्मेजीनस फ्रॉम एनेस्थिसिया इन पेशेंट्स अंडरगोइंड ब्रेन ट्यूमर सर्जरी (प्रोटोकॉल) कोचरेन डेटाबेस सिस्ट रेव 2013; 4: सीडी010467.

1238. सिंह जी पी, प्रभाकर एच, रेड्डी बी के. मालपॉजिशन ऑफ इंटरनल जुगुलर वेन कैथेटर इनटू कंट्रालेटेरल इंटरनल जुगुलर वेनः एन अनकॉमन पॉजिशन। *इंडियन जे एनास्थ* 2012; **56:** 205–7.

1239. सिंह एच, शर्मा पी, सिंगल एस, अग्रवाल के के, सुधीर सुमन के सी, खंगेम्बम बी सी, एट अल. टेक्नीशियन 99एम सलफुर

कोलोयड लिम्फोसाइंटिग्राफी डेमोनस्ट्रेटिंग पटेंसी ऑफ लिम्फोवेनस शांट। क्लिन न्यूकल मेड 2012; 37(8): 766–7.

1240. सिंह एच, शर्मा पी, सुमन के सी एस, रेड्डी आर एम, बाल सी, मल्होत्रा ए, एट अल. पोस्टऑरकाइक्टोमी इंट्रास्क्रोटल हिमेटोमा माइमिकिंग लोकल रिकरंस ऑन 18एफ–एफडीजी पीईटी / सीटी : ए डायग्नोस्टीक डिलेम्मा। क्लिन न्यूक्ल मेड 2012; 37(5) : ई102–3.

1241. सिंह जे के, रंजन पी, कुमारी ए, दहाले ए एस, झा आर, दास आर. टाइप्स, आउटकम एंड रिस्क फैक्टर्स ऑफ स्ट्रॉक इन ट्रबल पेशेंट्स। *इंट जे स्ट्रॉक* 2013; **8:** 675–80.

1242. सिंह एम बी, भाटिया आर, पदम एम वी, त्रिपाठी एम, प्रसाद के. एपिलेप्सी केयर बाय रेल इन रुरल इंडिया – थिंकिंग आउट ऑफ बॉक्स! एपिलेप्सिया 2012; 53 (सप्ली 5) : 249.

1243. सिंह एन, बहादुर ए, मल्होत्रा एन, कलाईवानी एम, मित्तल एस. प्रोस्पेक्टिव एनालसिस ऑफ ओवरिन रिर्जव मार्कर्स एज डिटर्मिनेंट इन रिस्पोंस टू कंट्रोल्ड ओवरिन स्टीम्युलेशन इन वॉमैन अंडरगोइंग आईवीएफ साइकल इन लॉ रिसोर्स सेटिंग इन इंडिया। *आर्च ग्यानकॉल ऑब्स्टेट* 2013; **288:** 697–703.

1244. सिंह एन, भारद्वाज पी, पांडे आर एम, साराया ए. ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एंड एंटीऑक्सीडेंट कैपिसिटी इन पेशेंट्स विद् क्रॉनिक पैनक्रिएटाइटिस विद् एंड विद्आउट डायबिटीज मेलिट्स। *इंडियन जे गैस्ट्रोइंटेरोल* 2012; **31:** 226–31.

1245. सिंह एन, गोयल एम, कुमार एस, रॉय के के. सक्सेफुल आउटकम इन ए रेयर केस ऑफ प्रेगेनेंसी विद् फैमिलियल हाइपरकोलेस्टेरोलेमिया एंड डिलेटैड कार्डियोमायोपैथी। *जे ऑब्स्टेट ग्यानकोल रेज* 2013; **39:** 1415–8.

1246. सिंह एन, गोयल एम, शर्मा जे बी, कुमार एस. प्रेंटल डायग्नोसिस इन कनजॉइंट ट्वीन्स। *जे पीडियट्र ऑब्स्टेट ग्यानकोल* 2013; **4:** 66–7.

1247. सिंह एन, गुप्ता पी, मित्तल एस, मल्होत्रा एन. कोरिलेशन ऑफ टेक्नीकल डिफिकल्टी डुरिंग एम्ब्रियो ट्रांसफर विद् रेट ऑफ क्लिनिकल प्रेगनेंसी। *जे ह्यूम रिप्रोड साइं* 2012; **5:** 258–61.

1248. सिंह एन, कुमार पी, घोष आर, कुमार एस. द पैनफुल ब्लैक अम्बिलिक्स। *यूर जे ऑब्स्टेट गायनकोल रिप्रोड बियोल* 2012; **163:** 240–1.

1249. सिंह एन, मल्होत्रा एन, शिंदे यू, तिवारी ए. सक्सेफुल लाइव बर्थ आफ्ट रेस्क्यू आईसीएसआई फॉलोविंग फैल्ड फार्टिलाइजेशन। *जे ह्यूम रिप्रोड साइं* 2013; **6:** 77–8.

1250. सिंह पी, अग्निहोत्री ए, जिंदल जी, शर्मा पी के, शर्मा एम, दास पी, एट अल. सेलियाक डिजीज एंड क्रॉनिक लिवर डिजीज : इज देयर ए रिलेशनशिप? *इंडियन जे गैस्ट्रोएंटेरोल* 2013; **32:** 404–8.

1251. सिंह पी. अग्निहोत्री ए, पाठक एम के, शिराजी ए, तिवारी आर पी, श्रीनिवास वी, एट अल. साइकाइट्रिक सोमेटिक एंड अदर फंक्शनल गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल डिसऑर्डर्स इन पेशेंट्स विद् आइरिटेबल बॉवेल सिंड्रोम एट ए टर्शरी केयर सेंटर। *जे न्यूरोगैस्ट्रोइंटेरोल मोटाइल* 2012; **18:** 324–31.

1252. सिंह पी, चौहान एस, जैन जी, तलवार एस, माखिजा एन, किरन यू. कम्पेरिजन ऑफ कार्डियोप्रोटेक्टिव इफेक्ट्स ऑफ वोलाटाइल एनेस्थिटिक्स इन चिल्ड्रन अंडरगोइंग वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट क्लोजर। *वर्ल्ड जे पीडियट्र कोन्गनाइट हार्ट सर्ज* 2013; 4(1) : 24–9.

1253. सिंह पी, डोगरा पी एन, कुमार आर, गुप्ता एन पी, नायक बी, सेठ ए. आउटकम्स ऑफ रोबॉट – एसिस्टेड लैपरोस्कोपिक पायलोप्लास्टी इन चिल्ड्रनः ए सिंगल सेंटर एक्सपीरिएंस। जे एंडोयूरोल 2012; 26: 249–53.

1254. सिंह पी, मिर्धा बी आर, अहुजा वी, सिंह एस. लूप मेडिएटेड आइसोथर्मल एम्प्लीफिकेशन (एलएएमपी) एजी फॉर रेपिड डिटेक्शन ऑफ एटमोइबा हिस्टोलिटिका इन एमोबिक लिवर एब्सेस। *वर्ल्ड जे माइक्रोबियल बायोटेक्नोल* 2013; **29:** 27–32.

1255. सिंह पी, सरकारी ए, सरत चंद्र पी, महापात्रा ए के, शर्मा बी एस, गुर्जर एच के. जाइंट क्राइनियोफ्रांजियोमा प्रेजेंटिंग एज ए सेरेबेलोपोनटाइन एंगल ट्यूमर। पीडियट्र न्यूरोसर्ज 2012; 48(2) : 131–2.

1256. सिंह पी, शाह डी, त्रिखा ए. रिकरंट इंट्राऑपरेटिव साइलेंट एसटी डिप्रेशन रिस्पोडिंग टू फिनायलफरिन। जे एनेस्थिसियोल क्लिन फार्माकॉल 2012; 28: 510–3.

1257. सिंह पी एम, बैद्य डी के, गोविंदराजन एस, त्रिखा ए. ऑकुलर सर्जरी इन ए चाइल्ड विद् कोफिन लोरी सिंड्रोम : एनेस्थिटिक कर्सेन्स। जे एनेस्थिसियोल क्लिन फार्माकोल 2013; 29: 114–6.

1258. सिंह पी एम, देहरन एम, मोहन वी के, त्रिखा ए, कौर एम. एनाल्जेसिक एफिसेसी एंड सेफ्टी मेडिकल थेरेपी अलॉन्ग वर्सिस कम्बाइंड मेडिकल थेरेपी एंड एक्स्ट्रोरल ग्लोसोफैरिन्जियल नर्व ब्लॉक इन ग्लोसोफैरिन्जियल न्यूरालजिया। पैन मेड 2013; 14: 93–102.

1259. सिंह पी एम, कौर एम, कुमार एस, रेवाड़ी वी. अल्टरेड एनेस्थेटिक रिक्वारमेंट्स एंड कार्बन डाइऑक्साइड सेटपॉइंट इन क्रॉनिक एयरवे ऑब्स्ट्रक्शन। जे एनेस्थ 2012; 26: 796–7.

1260. सिंह पी एम, कौर एम, रेवाड़ी वी. एन अनयूजअल साइट ऑफ लेक इन एनेस्थिसिया सर्किट। एनेस्थ एसेज रेज 2012; 6: 111.
1261. सिंह पी एम, कौर एम, त्रिखा ए. एन अनकॉमनली कॉमन : ग्लोसोफैरिन्जियल न्यूरालजिया। एना इंडियन एकैड न्यूरोल 2013; 16: 1–8.
1262. सिंह आर, मथारु जेड, श्रीवास्तव ए के, सूद एस, गुप्ता आर के. मल्होत्रा बी डी. नैनोस्ट्रक्चर्ड प्लेटफॉर्म फॉर द डिटेक्शन ऑफ नेइसेरिया गोनोरहोजिया यूजिंग इलेक्ट्रोकैमिकल इम्पेडेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड डिफरेंशियल पल्स वॉल्टमेट्री। माइक्रोकाइमिक एक्टा 2012; 177 (1–2) : 201–10.
1263. सिंह आर, त्रिपाठी वी, कलाईवानी एम, सिंह के, द्विवेदी एस एन. डिटार्मिनेंट्स ऑफ बर्थ इंटरवल्स इन तमिलनाडु इन इंडिया : डेवलपिंग कोक्स हैजार्ड मॉडल्स विद् वैलीडेशन्स एंड प्रीडिक्टशन। *रिविस्टा कोलोम्बियन डे एस्टाडिस्टीका* 2012; **35**: 289–307.
1264. सिंह आर बी, चंदर एस, मोहंती बी के, पाथी एस, कुमार एस, भाटला एन, एट अल. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी विद् विकली पैक्लिटेक्स एंड कार्बोप्लाटीन फॉलोड बाय कीमोरेडिएशन इन लोकलाई एडवांस सरवाइकल कार्सिनोमा : ए पायलट स्टडी। ग्यनाकोल ऑन्कोल 2013; 129: 124–8.
1265. सिंह आर आर, अम्बेडकर ए. ऑपियाइड सबस्टीट्यूशन ट्रीटमेंट इन ए पब्लिक हेल्थ सेटिंग : ए कॉलेबोरेशन बीटवीन हॉस्पीटल्स एंड एनजीओ इन द पंजाब। इंट जे ड्रग पॉलिसी। 2012; 23(2): 170–1.
1266. सिंह एस, खेतान बी के, शर्मा एम सी, सीनू वी, कुमावत एम, चटर्जी पी. बोवेन्स डिजीज ऑन फिंगर : ए डायग्नोस्टीक एंड थेराप्यूटिक चेलेंज। इंडियन जे डर्माटोल वेनेरियोल लेप्रोल 2013; 79: 227–30.
1267. सिंह एस पी, चौहान एस, तलवार एस. सिन्यूस वेनोसस एट्रियल स्पेटल डिफेक्ट इन ए पेशेंट्स पेंटोलॉजी ऑफ फैलोट। *एना कार्ड एनास्थ* 2012; 15: 166–8.
1268. सिंह एस आर, माइलो टी, शर्मा एम, बेहरा सी. सडन डेथ ऑफ ए कोकीन बॉडी पैकर : ए केस रिपोर्ट फ्रॉम देल्ही इंडिया। जे फॉरेंसिक मेड टॉक्सीकोल 2012; 29(2) : 111–12.
1269. सिंह वाई, शर्मा आर, तलवार ए. इमीजेटली एंड लॉन्ग टर्म इफेक्ट्स ऑफ मेडिटेशन ऑन एक्यूट स्ट्रेस रिएक्टिविटी, कॉगनाइटिव फंक्शन्स, एंड इंटेलिजेनस। अल्टर्न थेर हेल्थ मेड 2012; 18: 46–53.
1270. सिंह वाई, शर्मा आर. रिलेशनशिप बीटवीन जनरल इंटेलीजेंसी, इमोशनल इंटेलीजेंसी, स्ट्रेस लेवल्स एंड स्ट्रेस रिएक्टिविटी। एना न्यूरोसाइं 2012; 19: 107–11.
1271. सिंघल ए, शर्मा पी, करुनानिथी एस, खानजेम्बम बी सी, सिंगल एस, बाल एस, एट अल. [18]एफ एफडीजी पीईटी – सीटी फॉर डिटेक्शन ऑफ रिकरंट स्पाइनल एपेनडायमोमा । न्यूक्ल मेड मॉल इमेजिंग 2013; 47: 63–4.
1272. सिंघल एम, कुमार एम वी, प्रकाश पी, गुप्ता ए, कुमार एस, सागर एस. रेयर केस ऑफ इम्प्लेमेंट ऑफ टू आसूपेंट्स ऑफ ए वाइकल बाय द सेम ऑब्जेक्टः इनसाइट्स इनटू द मैनेजमेंट ऑफ कॉम्प्लेक्स थोरेसिस इम्प्लीमेंट्स। *चेन जे ट्रॉमाटोल* 2012; **15**: 50–3.
1273. सिंघल आर, अम्बेडकर एस, नंद के, सिंह एम बी, गुप्ता एन, ज्योत्सना वी पी. प्रोफाइल ऑफ टाइप 2 डायबिटीज मेलिट्स विदआउट ओवर्ट कॉम्प्लीकेशन्स ऑफ डायबिटीज मेलिट्स एट ए टर्शरी केयर सेंटर। *इंडियन जे एंडोक्राइनोल मेटाब* 2012; **16 (सप्ली 2) :** एस468–70.
1274. सिंघल एस, भाटला एन. एचपीवी वैक्सीनेशन : मोर एविडेंस ऑफ बेनिफिट। *नेटल मेड जे इंडिया* 2012; **25**: 159–60.
1275. सिंघल एस, गुप्ता एस, रेड्डी आर एम, दुर्गापाल पी, बाल सी एस. 68[जी]ए – डीओटीए–एनओसी पीईटी एंड पेप्टाइड रिसेप्टर रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी इन मैनेजमेंट ऑफ बिलटेरल ओवरियन मेटास्टेसिस फ्रॉम गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कार्सिनोइड। जेपीएन जे क्लिन ऑन्कोल 2012; 42(12) : 1202–6.
1276. सिंघल एस माथुर एस, कृपलानी ए, अग्रवाल एन, गर्ग पी, भाटला एन. सिंगल विजिट एप्रोच फॉर मैनेजमेंट आफ सार्विकल इंट्राइपिथिलियल नियोप्लासिया बाय विजुअल इंस्पेक्शन एंड लूप इलेक्ट्रोसर्जिकल एक्सीजन प्रोसीडर। *इंडियन जे मेड रेज* 2012; 135: 614–20.
1277. सिन्हा ए, बग्गा ए, कृष्णा ए, बाजपेयी एम, श्रीनिवास एम, उप्पल आर, एट अल. इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियट्रिक नेफ्रोलॉजी। रिवाइज्ड गाइडलाइन्स ऑन मैनेजमेंट ऑफ एंटेनेटल हाइड्रोनिफ्रोसिस। *इंडियन पीडियट्र* 2013; **50**: 215–31.
1278. सिन्हा ए, बग्गा ए. नेफ्रोटिक सिंड्रोम। *इंडियन जे पीडियट्र* 2012; **79**: 1045–55.
1279. सिन्हा ए, बग्गा ए. रिटुक्सीमाब थेरेपी इन नेफ्रोटिक सिंड्रोम : इम्प्लीकेशन्स फॉर पेशेंट्स मैनेजमेंट। *नट रिव्य नेफ्रोल* 2013; **9**: 154–69.

1280. सिन्हा ए, बाजपेयी एम, पांडा एस, राजन एस, शर्मा एम सी. यूनिलेटरल यूरेटेरिक ऑब्स्ट्रक्शन : रोल ऑफ रिनिन एंजियोटेंसिन सिस्टम ब्लॉकड ऑन रिनल रिकवरी : एन एक्सपेरिमेंटल स्टडी। *जे इंडियन एसो पीडियट्र सर्ज* 2012; **17:** 49–53.

1281. सिन्हा ए, हरि पी, शर्मा पी के, गुलाटी ए, कलाईवानी एम, मनतन एम, एट अल. डिजीज कोर्स इन स्टेरॉइड सेंसिटीव नेफ्रोटिक सिंड्रोम। *इंडियन पीडियट्र* 2012; **49:** 881–7.

1282. सिन्हा ए, कृष्णन वी, सेठ टी, रॉय एस, घोष बी, लोढा आर, एट अल. मेटाबोलोमिक सिगनेचर्स इन न्यूक्लेयर मेग्नेटिक रिसोंनस स्पेक्ट्रा ऑफ एक्सहेल्ड ब्रीथ कंडेंसेट आइडेंटिफाइ अस्थमा। *यूर रेस्पेयर जे* 2012; **39:** 500–2.

1283. सिन्हा ए, पुरी के, हरि पी, डिंडा ए के, बग्गा ए. इटियोलॉजीएंड आउटकम ऑफ क्रेसकेंटिक ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिज। *इंडियन पीडियट्र* 2013; **50:** 283–8.

1284. सिन्हा ए, शर्मा ए, मेहता ए, गुप्ता आर, गुलाटी ए, हरि पी, एट अल. कैलसिनिरिन इंहैबिटर इंड्युस्ड नेफ्रोटोक्सीसिटी इन स्टेरॉयड रेजिस्टेंट नेफ्राइटिक सिंड्रोम। *इंडियन जे नेफ्रोल* 2013; **23:** 41–6.

1285. सिन्हा ए, सिंह जी, भट ए एस, महापात्रा एस, गुलाटी ए, हरि पी, एट अल. थ्रोम्बोटिक माइक्रोएंजियोपैथी एंड एक्यूट किडनी इंजरी फॉलोविंग विवैक्स मलेरिया। *क्लिन एक्स नेफ्रोल* 2013; **17:** 66–72.

1286. सिन्हा ए, तिवारी ए एन, चनक्लाइनी आर, सीथरामजनियुलु वी, हरि पी, बग्गा ए. थेराप्यूटिक प्लाज्माफेरेसिस यूजिंग मेम्ब्रन प्लाज्मा सेपरेशन। *इंडियन जे पीडियट्र* 2012; **79:** 1084–6.

1287. सिन्हा ए, वाटरहम एच आर, श्रीधर के वी, जैन वी. नॉवेल म्यूटेशन्स एक्यूजिंग हाइपरइम्युनोग्लोबुलिन डी एंड पेरियोडिक फीवर सिंड्रोम। इंडियन पीडियट्र 2012; **49:** 583–5.

1288. सिन्हा ए, सिन्हा जी, भट ए एस, महापात्रा एस, गुलाटी ए, हरि पी, एट अल. थ्रोम्बोटिक माइक्रोएंजियोपैथी एंड एक्यूट किडनी इंजरी फॉलोविंग विवैक्स मलेरिया। क्लिन एक्स्प नेफ्रोल 2013; **17:** 66–72.

1289. सिन्हा एम, गौतम एल, शुक्ला पी के, कोर पी, शर्मा एस, सिंह टी पी. करंट परस्पेक्टिव्स इन एनएसएआईडी – इंड्युस्ड गैस्ट्रोपैथी। मेडिएटर्स इंफ्लेम 2013; 2013.

1290. सिन्हा एम, कौशिक एस, कौर पी, शर्मा एस, सिंह टी पी. एंटी माइक्रोबियल लैक्टोफेरिन पेप्टाइडस : द हिडन प्लेयर्स इन द प्रोटेक्टिव फंक्शन ऑफ ए मल्टीफंक्शनल प्रोटीन। इंट जे पेप्ट 2013; 2013.

1291. सिन्हा एम, लालवानी ए, मीर एस, शर्मा एस, डोगरा टी डी, सिंह टी पी. ए प्रीलिमिनरी मॉलीकुलर स्टडी ऑन प्रोटीन प्रोफाइल ऑफ विटल ऑर्गन्स : ए न्यू डायरेक्शन फॉर पोस्ट मार्टम इंटरवल डिर्मिनेशनल *जे इंडियन एकैड फॉरेंसिक मेड* 2012: **34:** 292–94.

1292. सिन्हा आर, चंद्रलेखा, राय बी आर. एवल्युशन ऑफ एयर – क्यू इंटयूबेटिंग लेयर्नजीयल एयरवे एज ए कंड्यूट फॉर ट्रेकियल इंट्यूबेशन इन इंफैंट्स – ए पायलट स्टडी। पीडियट्र एनास्थ 2012; 22: 156–60.

1293. सिन्हा आर, रजन राय बी. कंयूजन ड्यु टू साइट ऑफ ट्रेकियल ट्यूब साइज मर्किंग। एनेस्थिसिया 2012; 67: 72.

1294. सिन्हा आर, शेखर एच, शर्मा एन, टंडन आर, टिटियाल जे एस, वाजपेयी आर बी. इंट्रास्क्लेरल फाइब्रिन ग्लु इंट्राऑकुलर लेन्स फिक्शन कम्बाइंड विद् डिससेमेट – स्ट्रीपिंग ऑटोमेटेड एंडोथिलियल केरेटोप्लास्टी ऑर पेनेट्रेनिग करटोप्लास्टी। *जे कैटरेक्ट रिफ्रक्ट सर्ज* 2012; **38:** 1240–5.

1295. सिन्हा आर, कुरेशी फॉर 'द एयर –क्यू इन इंफेंट इंट्यूबेशन'। पीडियट्र एनेस्थ 2012; 22: 938.

1296. सिन्हा ए, अहमद एच, शेखर आर सी, कुमार एन, दर एल, सामंतरे जे सी, एट अल. प्रीवलेंस ऑफ एचआईवी ड्रग रेजिस्टेंस म्यूटेशन्स इन टाइप 1 आसोलेट्स इन एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी नेवी पोपुलेशन फ्रॉम नॉर्दन इंडिया। *एड्स रेजी ट्रीट.* 2012; **2012:** 905823.

1297. सिन्हा एस, मिश्रा पी, कांत एस, कृष्णन ए, नोन्गकायनरिह बी, विक्रम एन के. प्रीवलेंस ऑफ मेटाबोलिक सिंड्रोम एंड इट्स सिलेक्टेड डिटर्मिनेंट्स अमंग अर्बन एडल्ट वॉमैन इन साउथ देल्ही, इंडिया। *पोस्टग्राड मेड जे* 2013; **89:** 68–72.

1298. सिन्हा एस, शर्मा बी एस. इंट्रावेंट्रीकुलर न्यूरोसायस्टीसेर्कोसिसः ए रिव्यू ऑफ करंट स्टेट्स एंड मैनेजमेंट इशू। *ब्र जे न्यूरोसर्ज* 2012; **26:** 305–9.

1299. सिन्हा एस, शेखर आर सी, अहमद एच, कुमार एन, सामंतरे जे सी, श्रीनिवास वी, एट अल. प्रीवलेंस ऑफ एचआईवी ड्रग रिजिस्टेंट म्यूटेशन इन द नॉर्दन इंडियन पोपुलेशन आफ्टर फैलियर ऑफ द फस्ट लाइन एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी। *करं एचआईवी रेज* 2012; **10:** 532–8.

1300. सिन्हा एस, शेखर आर सी, सिंह जी, शाह एन, अहमद एच, कुमार एन, एट अल. एर्ली वर्सिस डिले इंशिएशन ऑफ एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी फॉर इंडियन एचआईवी – इंफेक्टेड इंडिविजुअल्स विद् ट्यूबरकुलोसिस ऑन एंटीट्यूबरकुलोसिस ट्रीटमेंट। *बीएमसी इंफेक्ट डिस* 2012; **12:** 168.

1301. सिन्हा एस, टक्कर बी, वेंकटेश पी, खंडुजा एस. हाई रिसोलुशन फूरियर – डोमेन ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी फाइंडिंग्स इन सबरेटिनल काइस्टीसेर्कोसिस। *रेटिना* 2012; **32:** 643–4.

1302. सिन्हा एस, वशिष्ठ एन, वेंकटेश पी, गर्ग एस पी. मैनेजिंग बेवेकाइजुम्ब bevacizumab – इंडुस्ड इंट्रोऑकुलर इंफ्लेमेशन। *इंडियन जे ऑफ्थल्मोल* 2012; 60: 311–3.

1303. सलमोन डी, इरमन डब्ल्यू, रॉबर्ट एन, पिएंकोस्की टी, मार्टिन एम, प्रेस एम, एट अल एडजुवेंट ट्रांसट्यूजुम्ब इन एचईआर2–पॉजिटीव ब्रेस्ट कैंसर। *एन इंग्ल जे मेड* 2011; **365:** 1273–83.

1304. सोमशेखर एच, प्रभाकरण डी, टंडन एन, राउसेल आर, फिशर एस, स्टीन ए डी. रिव्यू ऑफ मल्टीनेशनल ह्यूमन सबजेक्ट्स रिसर्च : एक्सपीरिएंस फ्रॉम द पीएचएफआई – इमोरी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पार्टनरशिप। *इंडियन जे मेड एथिक्स* 2012; **9:** 255–8.

1305. सोनाली एन, त्रिपाठी एम, सागर आर, वेलपांडियन टी, सुब्बेह वी. क्लिनिकल इफेक्टवेनेस ऑफ रिवास्टीगमिन मोनोथेरेपी एंड कॉम्बिनेशन थेरेपी इन अल्जाइमर्स पेशेंट्स। सीएनएस न्यूरोसाइं थेर 2013; 19(2) : 91–7.

1306. सोनाली एन, त्रिपाठी एम, सागर आर, विवेकनांदन एस. वेल66मेट पॉलीमार्फिज्म एंड बीडीएनएफ लेवल्स इन अल्जाइमर्स डिजीज पेशेंट्स इन नॉर्थ इंडियन पोपुलेशन। इंट जे न्यूरोसाइं 2013; 123(6) : 409–16.

1307. सोनेजा एम, बत्रा ए, विक्रम एन के, आहुजा ए, मोहन ए, सूद आर. एक्टीनोमायकोसिस एंड नोकार्डियोसिस को–इंफेक्शन इन क्रॉनिक ग्रानुलोमेट्स डिजीज। *जे एसो फिजिश इंडिया* 2012; **60:** 66–8.

1308. सोनी के डी, साहनी सी, कौर एम, रामचंदनी एस, सिंघल एम. स्टेलेट गैंग्लियोन ब्लॉक एज ए लिम्ब सलवेजिंग टेक्नीक। इंडियन जे एनास्थेसिया 2012; 56(3): 307–8.

1309. सोनी एस, वाधवा एन, कुमार आर, फरीदी एम एम, शर्मा एस, चोपड़ा ए, एट अल. एवालुशन ऑफ सीडी64 एक्सप्रेशन ऑन नियोट्रोफिल्स एज एन अर्ली इंडिकटर ऑफ नियोनेटल सेप्सिस। *पीडियट्र इंफेक्ट डिस जे* 2013; **32:** ई33–7.

1310. सोनी एस, वाधवा एन, कुमार आर, फरीदी एम एम. यूज ऑफ इमटरी – टू – टोटल – नियोट्रोफिल रेटियो इन अर्ली नियोनेटल सेप्सिस। *पीडियट्र इंफेक्ट डिस जे* 2012; **31:** 1101–2.

1311. सूद पी, सेठ टी, कपिल ए, शर्मा वी, दायमा ए, शर्मा एस, एट अल. इमर्जेंसी ऑफ मल्टी – ड्रग रेस्टिंट एकिनेटोबैक्टर ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन्स इन फाइब्रिल नियोट्रोपिनिया पेशेंट्स विद् हिमेटोलोजिकल कैंसर एंड बोन मैरो फैलियर सिंड्रोम। *जर्नल ऑफ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन* 2012; **110:** 439–41.

1312. सूद एस, मुखर्जी ए, बाला एम, सत्पथी जी, महाजन एन, शर्मा ए, एट अल. ए पायलट स्टडी फॉर डायग्नोसिस ऑफ जेनिटल क्लैमाइडि ट्रैकोमेटिस इंफेक्शन्स बाय पॉलीमर्स चेन रिएक्शन अमंग सिम्प्टोमेटिक इंडियन विमैन। *इंडियन जे डार्मोटोल वेनेरियोल लेप्रोल* 2012; **78:** 443–7.

1313. सोसा जे ए, बलकिसन जे, लू एस पी, लैंगेकर पी, इलिसाइ आर, जर्जब बी, एट अल. थायरॉयडिक्टोमी फॉलोवड बाय फोसब्रेस्टेबुलिन (सीए4पी) कॉम्बिनेशन रेजिमन एपेयर्स टू सजेस्ट इम्प्रुवमेंट इन पेशेंट सरवाइवल इन एनाप्लास्टीक थायरॉयड कैंसर। सर्जरी 2012 दिस.

1314. सौम्या नारायणन टी वी, पटेल टी, सरकार आर, बरुर एस, चिताम्बर एस डी, कृष्णन टी, एट अल. डारेक्ट कॉस्ट्स ऑफ हॉस्पीटलाइजेशन फॉर रोटावायरस गैस्ट्रोइंटेराइटिस इन डिफरेंट हेल्थ फैसिलिटीज इन इंडिया। इंडियन जे मेड रेज 2012; 136: 68–73.

1315. श्रीनिवासन ए. एक्सपेरिमेंटल इंहैबिशन ऑफ पेप्टाइड फाइब्रिलोजेनेसिस बाय सिंथेटिक पेप्टाइस, कार्बोहाइड्रेट्स एंड ड्रग्स। सबसेल बायोकैम 2012; 65: 271–94.

1316. श्रीनिवासन के, भल्ला ए, शर्मा आर, कुमार ए, रॉयचौधरी ए, भुटिया ओ. डियूजन वेटेड इमेजिंग इन द एवालुशन ऑफ ओडोन्टोजेनिक कायस्ट्स एंड ट्यमर्स ब्र जे रेडियोल 2012; 54 : (43) : 331–4.

1317. श्रीनिवासन के, सेठ ए, गदोदिया ए, शर्मा आर, कुमार ए, रॉयचौधरी ए, एट अल. एवल्युशन ऑफ द इंफेरियर एल्वियर कैनल फॉर कायस्ट्स एंड ट्यूमर्स ऑफ द मैंडिबल – कम्पेरिजन ऑफ मल्टीडिटेक्टर कम्प्यूटेड टोमोग्राफी एंड 3–डिमेंसिनल वॉल्यूम इंटरपोलेटेड ब्रेथ – होल्ड एक्सजमिनेशन मैगनेटिक रिसोंनस स्किवेंस विद् कर्वड मल्टीप्लानर रिफॉर्मेटेड रिकंस्ट्रक्शन्स। जे ओरल मैक्सीलोफेस सर्ज 2012; 70: 2327–32.

1318. श्रीनिवासन के, सेठ भल्ला ए, शर्मा आर, कुमार ए, रॉयचौधरी ए, भुतिया ओ. डियूजन वेटेड इमेजिंग इन द एवल्युशन ऑफ ऑडोन्टोजेनिक कायस्ट्स एंड ट्यूमर्स। *ब्र जे रेडियोल* 2012; **85:** ई864–70.

1319. श्रीवास्तव ए, कटारिया के, चेला वी आर. प्रीवेंशन ऑफ गोसयपिबोमा। इंडियन जे सर्ज. डीओआई 10. 1007/एस12262–013–0910–8.

1320. श्रीवास्तव ए, सिंघल एम, कटारिया के. हाव डु आई डु इट? पासिंग ए पीडिक्लेड फ्लैप थ्रु ए सबक्यूटेनियस ट्यूनल। इंडियन जे सर्ज 2013; 75: 317–8.

1321. श्रीवास्तव आर, नोन्गकायनरिह बी, माथुर वी पी, गोस्वामी ए, गुप्ता एस के. हाई बर्डन ऑफ डेंटल केरियस इन जेरिएट्रिक पोपुलेशन ऑफ इंडिया : ए सिस्टमेटिक रिव्यू। *इंडियन जे पब्लिक हेल्थ* 2012; **56:** 129–32.

1322. श्रीवास्तव एस, बिष्ट एच, सिधु ओ पी, श्रीवास्तव ए, सिंह पी सी, पांडे आर एम, एट अल. चेलेंजेस इन मेटोबोलोम एंड हिस्टोपैथेलॉजी ऑफ ऐमरैंथस हाइपोकोंड्रिकस एल. इन रिस्पोंस टू एजरटम एनाशन वायरस इंफेक्शन। *फाइटोकैमिस्ट्री* 2012; **80:** 8–16.

1323. श्रीवास्तव एस, मल्होत्रा एस, हेरिज ए डी, लाल पी, अरोड़ा एम. कोरेलेट्स ऑफ टैबैको क्वाइट एटेम्प्ट्स एंड केसेशन इन द एडल्ट पोपुलेशन ऑफ इंडिया : सेंकेडरी एनालसिस ऑफ द ग्लोबल एडल्ट टैबैको सर्वे, 2009–10. *बीएमसी पब्लिक हेल्थ* 2013; **13:** 263.

1324. स्टेलिन पी, कृष्णन ए, राय एस के, अग्रवाल आर के. आशा इनवोलवमेंट इन न्यूबॉन केयरः ए फिसिबिलिटी स्टडी। *इंडियन पीडियट्र* 2011; **48:** 897–9.

1325. स्टीवंस जी ए, सिंह जी एम, लू वाई, डेनाई Danaei जी, लिन जे के, फिनुकेन Finucaneएम एम, एट अल. ग्लोबल बर्डन ऑफ मेटाबोलिक रिस्क फैक्र्स ऑफ क्रॉनिक डिजीज कोलैबोरेटिंग ग्रुप (बॉडी मैस इंडेक्स)। नेशनल, रिजनल एंड ग्लोबल ट्रेंड्स इन एडल्ट ओवरवेटेज एंड ऑब्सिटी प्रीवलेंस। *पोपुल हेल्थ मेटर* 2012; **10:** 22.

1326. सब्बेह एम, कुमार एस, रॉय के के, शर्मा जे बी, सिंह एन. प्रेग्नेंसी आउटकम इन वॉमैन विद् पल्मोनरी आर्टिरियल हाइपरटेंशन : सिंगल – सेंटर एक्सपीरिएंस फ्रॉम इंडिया। *अर्च ग्यानकोल ऑब्स्टेट* 2013; **288:** 305–9.

1327. सब्बेह एम, शर्मा वी, कुमार एस, राजेश्वरी एस, कोठारी एस एस, रॉय के के, एट अल. हार्ट डिजीज इन प्रेग्नेंसी : कार्डियक एंड ऑब्स्टेट्रिक आउटकम्स। *अर्च ग्यानकोल ऑब्स्टेट* 2013; **288:** 23–7.

1328. सुबिजय एस, शिखा जी, योगेश बी, वरूण जी, सुमित के, प्रदीप वी. एन अनयूजअल एक्यूज ऑफ मैकुलर इंफ्रैक्शन : प्रोटीन – लुजिंग एंटरोपैथी। *इंट ऑफ्थल्मोल* 2012; **32:** 519–21.

1329. सुबिजय एस, वरूण जी, शिखा जी, प्रदीप वी, सुमित के बिलटरल मैकुलर इंफ्रैक्शन सेकेंडरी टू हिमोडायलिसिस इन ए पेशेंट विद् क्रॉनिक रिनल फैलियर। *क्लिन एक्स्पेरिमेंट ऑफ्थल्मोल* 2012; 40: ई112–3.

1330. सुब्रह्मणियम एस टी, देव एस वी एस, शुक्ला एन के, मुदुली डी के, कल्याणपुर के. रामनाथन पी. 52. पैटर्नस ऑफ नोडल इंवोल्वमेंट एंड स्किप मेटास्टेसिस इन ओरल कैंसर – रिव्यू ऑफ 179 केस। *यूर जे सर्ज ऑन्कोल (ईजेएसओ)* 2012; **38:** 747 (ईएसएस कॉन्फ्रेंस, वेलेंशिया)।

1331. सुब्रह्मणियम बी, एबरोल एन, कुमार आर. लैप्रोस्कोपिक पैलनिवेलु – हाइडेटिड – सिस्टम एडेड मैनेजमेंट ऑफ रेट्रोवेसिकल हाइडेटिड काइस्ट। इंडियन जे यूरोल 2013; 29: 59–60.

1332. सुब्रह्मणियम ए, सागर एस, कुमार एस, अग्रवाल डी, अल्बर्ट वी, मिश्रा एम सी. मैक्सिमम सर्जिकल ब्लड ऑर्डेरिंग शेड्यूल इन ए टर्शरी ट्रॉमा सेंटर इन नॉर्दन इंडिया : ए प्रपोजल। *जे इर्म ट्रॉमा शॉक* 2012; **5:** 321–7.

1333. सुगंधी एन, गुप्ता ए के, भटनागर वी, गैस्ट्रिक टेराटोमा : अनयूजअल लोकेशन एंड डिफिकल्टीज इन डायग्नोसिस। *ट्रॉप गैस्ट्रोइंटेरोल* 2012; **33:** 75–7.

1334. सुलेंडर डब्ल्यू, फोव्लेर के, कृष्णन ए, गुप्ता वी, मोल्टन एल एच, लैफोन्ड के, एट अल. डिजाइन एंड इंनिशियल ऑफ ए स्टडी टू एसेस द डायरेक्ट एंड इनडायरेक्ट इफैक्ट्स ऑफ इफ्लुएंजा वैक्सीन गिवन टू चिल्ड्रन इन रूरल इंडिया। *वैक्सीन* 2012; **30:** 5235–9.

1335. सुमन के सी, शर्मा पी, सिंह एच, बाल सी, कुमार आर. प्राइमरी रैबडोमायोसार्कोमा ऑफ पल्मोनरी आर्टरी : 18एफ – एफडीजी पीईटी / सीटी फॉर डिटेक्टिंग रिकरंस इन ए रेयर ट्यूमर क्लिन न्यूक्ल मेड 2013; 38(3) : ई155–6.

1336. सुमन एस, शर्मा पी, जैन टी के, साहू एम के, बाल सी एस, कुमार आर. रिकरंट डर्मोटोफाइब्रोसार्कोमा प्रोट्यूबेरांस विद् पल्मोनरी मेटास्टेसेस प्रेजेंटिंग ट्वील इयर्स आफ्टर इनिशियल डायग्नोसिस : 18एफ – एफडीजी पीईटी / सीटी इमेजिंग फाइंडिंग्स। क्लिन न्यूक्ल मेड 2013 मार्च 22.

1337. सुंदरसेन पी, रविंद्रन आर डी, वशिष्ट पी, शंकर ए, निटच डी, तलवार बी, एट अल. ईपीएचए2 पॉलीमॉर्फिज्म एंड एज – रिलेटेड कंस्ट्रक्ट इन इंडिया। *पीएलओएस वन* 2012; **7:** ई33001.

1338. सुंदरसेन पी, वशिष्ट पी, रविंद्रन आर, डी, शंकर ए, निटच डी, नॉनयान बी ए, एट अल. पॉलीमार्फिज्मस इन एआरएमएस2 / एचटीआरए1 एंड कॉम्प्लीमेंट जीन्स एंड एज – रिलेटड मैकुलर डिजनरेशन इन इंडिया : फाइंडिंग्स फ्रॉम द इंडआई स्टडी। *इंवेस्ट ऑफ्थल्मोल विज साइं* 2012; **53:** 7492–7.

1339. सुंदर आर ए, सिन्हा आर, अग्रवाल ए, पेरुमल बी सी, पनीरसेल्वम एस आर. कॉम्पेरिजन ऑफ कोबरा पेरिलैरयांजियल एयरवे (कोबरा पीएलए टीएम) विद् फ्लेक्सीबल लैरयांजियल मास्क एयरवे इन टर्म्स ऑफ डिवाइस स्टेबिलिटी एंड वेंटिलेशन कैरेक्टेरस्टीक्स इन पीडियट्रिक आप्थेल्मिक सर्जरी। जे एनेस्थसियोल क्लिन फार्मोकोल 2012; 28: 322–5.

1340. सुनिल बेहरा सी, धांकर वी, फैटल रिस्ट कट विद् डिकैपिटेशन बाय ट्रैन : एन अनयूजअल कॉम्बिनेशन ऑफ मैथड्स इन अनप्लांड कॉम्प्लेक्स सुसाइड। जे साउथ इंडियन मेडिकोलीगल एसोस 2013; 5(1) : 30–2.

1341. सुथर सी, राणा टी, सिंह यू बी, सिंह एम, रमेश वी, शर्मा वी के, एट अल. एमआरएनए एंड डीएनए पीसीआर टेस्ट्स इन क्यूटेनियस ट्यूबरकुलोसिस। इंडियन जे डार्माटोल वेनेरियोल लेप्रोल 2013; 79: 65–9.

1342. स्वेन आर, कृष्णन के, सिंह एस आर, बेहरा सी. पोस्ट मार्टम बायोकैमिस्ट्री – सैम्पलिंग एंड प्रीजर्वेशन। जे पंजाब एकैड फॉरेंसिक मेड टॉक्सीकोल 2012; 12(2) : 121–4.

1343. स्वरूप वी, श्रीवास्तव ए के, राजेश्वरी एम आर. एडेंटिफिकेशन एंड क्वांटिफिकेशन ऑफ डिफरेंशिअली एक्सप्रेस्ड प्रोटीन्स इन प्लाज्मा ऑफ स्पिनोसेरेबुलर एटाक्सिया टाइप 12. *न्यूरोसाइं रेजी* 2012; **73**: 161–7.

1344. तबस्सुम आर, चौहान जी, द्विवेदी ओ पी, महाजन ए, जैसवाल ए, कौर आई, एट अल. जिनोम – वाइड एसोसिएशन स्टडी फॉर टाइप 2 डायबिटीज इन इंडियन एडेंटिफाइ ए न्यू ससेप्टिबिलिटी लोकुस एट 2क्यू21. डायबिटीज 2012.

1345. तबस्सुम आर, जैसवाल ए, चौहान जी, द्विवेदी ओ पी, घोष एस, मरवाहा आर के. एट अल. जेनेटिक वरिएंट ऑफ एएमडी1 इज एसोसिएटेड विद् ऑबसिटी इन अर्बन इंडियन चिल्ड्रन। *पीएलओएस वन* 2012; **7**: ई33162.

1346. तबस्सुम आर, महाजन ए, द्विवेदी ओ पी, चौहान जी, स्पुरजियान सी जे, कुमार एम वी, एट अल. कॉमन वरिएंट्स ऑफ एसएलएएमएफ1 एंड आईटीएलएन1 ऑन 1क्यू21 आर एसोसिएटेड विद् टाइप 2 डायबिटीज इन इंडियन पोपुलेशन। *जे ह्यूम जेनेट* 2012; **57**: 184–90.

1347. तबस्सुम आर, महेंद्रन वाई, द्विवेदी ओ पी, चौहान जी, घोष एस, मरवाहा आर के. एट अल. कॉमन वरिएंट्स ऑफ आईएल6, एलईपीआर एंड पीबीईएफ1 आर एसोसिएटेड विद् आबसिटी इन इंडियन चिल्ड्रन। डायबिटीज 2012; **61**: 626–31.

1348. तलवार एस, चौधरी एस के, आर्यन बी. डायफ्रागमेटिक नर्वे पल्सी आफ्टर कार्डियक सर्जरी इन चिल्ड्रन। *वर्ल्ड जे पीडियट्र कोन्जेनाइट हार्ट सर्ज* 2013; **4**: 326.

1349. तलवार एस, चौधरी एस के, गर्ग एस, सक्सेना ए, रामाकृष्णन एस, कोठारी एस एस, एट अल. यूनिडायरेक्शनल वेलवेड पेच क्लोजर ऑफ वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट्स विद् सीरियस पल्मोनरी अर्टेरियल हायपरटेंशन। *इंटरेक्ट कार्डियोवेस्क थोरक सर्ज* 2012; **14**: 699–702.

1350. तलवार एस, चौधरी एस के. कोरोनरी इम्प्लांटेशन यूजिंग द ऑटोलोगस फ्लैप एक्सटेंशन टेक्नीक इन कॉम्प्लीकेटेड आर्टरियल स्विच ऑपरेशन्स। *पीडियट्र कार्डियोल* 2013; **34**: 1520.

1351. तलवार एस, गर्ग पी, कोठारी एस एस, गुलाटी जी एस, एर्डसन आर एच, आर्यन बी. अयोर्थोपल्मोनरी विंडो विद् एब्सेंस ऑफ द लिट पल्मोनरी अर्टेरी। *वर्ल्ड जे पीडियट्र कंजेनिटल हार्ट सर्ज* 2012; **3**: 389–91.

1352. तलवार एस, झा ए, हसिजा एस, चौधरी एस के, आर्यन बी. पीडियट्रिक मायोकार्डियल प्रोटेक्शन – टाइप्स स्ट्रेटेजीस कंट्रोवर्सिस एंड रिसेंट डेवलपमेंट्स। *इंडियन जे थोरेक कार्डियोवेस्क सर्ज* 2013; **29**: 114–23.

1353. तलवार एस, खडगावत आर, संदीप जे ए, श्रीनिवास वी, चौधरी एस के, गुप्ता एन, एट अल. कार्डियोपल्मोनरी बायपास एंड सीरम थायरॉयड होर्मोन प्रोफाइल इन पीडियट्रिक पेशेंट्स विद् कंजेनिटल हार्ट डिजीज। *कंजेनिट हार्ट डिस* 2012; **7**: 433–40.

1354. तलवार एस, मलांकर डी, गर्ग एस, चौधरी एस के, सक्सेना ए, वेलायोधम डी, कुमार ए एस. अयोर्टिक वेल्व रिप्लेसमेंट विद् बायोलोजिकल सबस्टीट्यूट्स इन चिल्ड्रन। *एशियन कार्डियोवेस्क थोरक एना* 2012; **20**: 518–24.

1355. तलवार एस, मीणा ए, रामाकृष्णन एस, चौधरी एस के, आर्यन बी. हेमिट्रंक्स विद् वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट इन ए 6–ईयर – ओल्ड चाइल्ड। *एना पीडियट्र कार्ड* 2013; **6**: 194–6.

1356. तलवार एस, नायर वी वी, चौधरी एस के, गुलाटी जी एस, एंडरसन आर एच, आर्यन बी. कंकोर्डनट वेंट्रिकुलोएर्टेरियल कनेक्शन्स विद् पैरेलाल अर्टेरियल ट्रंक्स, डिवाइड लिफ्ट एर्टियम, एंड जुक्सटापोज्ड अर्टियल एपेंडेजीस। *वर्ल्ड जे पीडियट्र कंजेनाइट हार्ट सर्ज* 2012; **3**: 260–3.

1357. तलवार एस, राजशेखर पी, एंडरसन आर एच, जागिया पी, मखिजा एन, चौधरी एस के. एट अल. टोटली एनोमलोयस पल्मोनरी वेनस कनेक्शन ड्रेनिंग थ्रु एन इंट्रापल्मोनरी वर्टिकल वेन। *वर्ल्ड जे पीडियट्र हार्ट सर्ज* 2012; **3**: 521–4.

1358. तलवार एस, राजशेखर पी, चौधरी एस के, गुप्ता एस के, आर्यन बी. हेमिट्रंक्स, सेप्टल डिफेक्ट, एंड एनोमलोयस कोरोनरी अर्टेरी फ्रॉम पल्मोनरी अर्टेरी। *एशियन कार्डियोवेस्क थोरैक एना* 2013; **21**: 338–41.

1359. तलवार एस, राजशेखर पी, रेड्डी वी ए, चौधरी एस के, आर्यन बी. ट्रांसपॉजिशन ऑफ ग्रेट आर्टिरिज एंड पार्टियल एनोमालोयस पल्मोनरी वेनस ड्रेनेज। *एशियन कार्डियोवेस्क थोरैक एना* 2013; **21**: 713–16.

1360. तलवार एस, सक्सेना ए, मीणा ए, चौधरी एस के, आर्यन बी. यूनिडायरेक्शनल वेल्वेड पैच क्लोजर ऑफ वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट अलॉन्ग विद् टोटल रिपेयर इन ए 12–इयर –ओल्ड पेशेंट विद् ट्रनक्स अर्टेरियस। *वर्ल्ड जे पीडियट्र कंजेनाइट हार्ट सर्ज* 2012; **4**: 107–11.

1361. तलवार एस, सक्सेना आर, चौधरी एस के, सक्सेना ए, कोठारी एस एस, जुनेजा आर. एट अल. परजिस्टेंट ट्रुनक्स अर्टेरियस रिपेयर्ड बियोन्ड इंफेसी। *इंडियन जे थोरैक कार्डियोवेस्क सर्ज* 2012; **28**: 171–6.

1362. तलवार एस, सिंघी ए. सिलेक्टेड समरिज। *एना पीडियट्र कार्डियोल* 2012; **5**: 217–9.

1363. तलवार एस, उपाध्याय एम, रामाकृष्णन एस, घराडे पी, चौधरी एस के, आर्यन बी. विंडो – टाइप पेटेंट डक्ट्स एर्टेरियस विद एक्वार्ड हेयूमेटिक मिट्रयल सटेनोसिस। कंजेनाइट हार्ट डिस 2013; **8**: ई10–2.

1364. तलवार एस. इंवाटेड कमेंटरी ऑन : डिफरेंट अल्ट्राफिल्ट्रेशन स्ट्रेटजीस डुरिंग पीडियट्रिक कार्डियोपल्मोनरी बायपास। *इंडियन जे एक्स्ट्राकोर टेक* 2012; **2**: 22–23.

1365. टंडन एन, अली एम के, नारायण के एम, फार्माकोलोजिक प्रीवेंशन ऑफ माइक्रोवेस्कुलर एंड माइक्रोवेस्कुलर कॉम्प्लीकेशन्स इन डायबिटीज मेलिट्सः इम्प्लीकेशन्स ऑफ द रिजल्ट्स ऑफ रिसेंट क्लिनिकल ट्रायल्स इन टाइप 2 डायबिटीज। *एम जे कार्डियोवेस्क ड्रग्स* 2012; **12**: 7–22.

1366. टंडन एन, फॉल सी एच, ओमोंड सी, सचदेव एच पी, प्रभाकरन डी, रामाकृष्णन एल, एट अल. ग्रोथ फ्रॉम बर्थ टू एडल्टहुड एंड पीक बोन मास एंड डेंसिटी डेटा फ्रॉम द न्यू दिल्ली बर्थ कोहोर्ट। *ऑस्टेयोपोरोस इंट* 2012; **23**: 2447–59.

1367. तंवर वी एस, चंद एम पी, कुमार जे, गर्ग जी, सेठ एस, कार्तिकेयन जी, एट अल. कॉमन वरिएंट इन एफयूटी2 जीन इज एसोसिएटेड विद् लेवल्स ऑफ विटामिन बी(12) इन इंडियन पोपुलेशन। *जीन* 2013; **515**: 224–8.

1368. तेजवानी एन, त्यागी एस, दास जे. एप्लास्टीक एनिमिया विद् माइक्रोफाइलेरिया इन मैरो एस्पेरेट। मीडिटेर जे हिमेटोल इंफेक्ट डिस 2012; **4**: ई2012019.

1369. तेजवानी पी एल, नेरकर एच, धर ए, कटारिया के, हरि एस, थुल्कर एस, एट अल. रिग्रेशन ऑफ फाइब्रोएडिनोमा विद् केंटक्रोमैन : ए रैडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी 2013 : 1–6.

1370. तिवारी ए, बेहरा बी, मथुर पी, एक्सेस आई. कम्परेटीव एनालसिस ऑफ द विटेक 2 एंटीफंगल ससेप्टीबिलिटी सिस्टम एंड ई–टेस्ट विद् द सीएलएसआई एम27–ए3 ब्रोथ माइक्रोडिल्यूशन मैथड फॉर ससेप्टीबिलिटी टेस्टिंग ऑफ इंडियन क्लिनिकल आयोलेट्स ऑफ क्रायप्टोकोकस नियोफॉर्मेंस। *मायकोपैथेलॉजिया* 2012; **173**: 427–33.

1371. ठाकर ए. बुक रिव्यू 'टोमोर्स ऑफ द स्कुल बेस एंड पैरा – नेसल सिनुसिस' नेटल मेड जे इंडिया 2012 : **25**: 248.

1372. ठाकर ए. ट्रांसोरल लेजर माइक्रोसर्जरी फॉर मोडरेटली एडवांस्ड कैंसर्स ऑफ द लरियांक्स। *ईएनटी न्यूज* 2013: 21: 42–44.

1373. ठाकुर एम, जैन वी, प्रकाश एच, कुमार पी. ए कम्परेटिव एवाल्युशन ऑफ स्टेटिक एंड फंक्शनल मैथड्स फॉर रिकॉर्डिंग सेंट्रीक रिलेशन एंड कॉन्डियलर गाइडिएंस : ए क्लिनिकल स्टडी। जे इंडियन प्रोस्थोडोन्टीक सोस 2012; 12: 175–81.

1374. ठाकुर एम एल, शर्मा एस, कुमार ए, भट एस पी, लुथरा के, गुलेरिया आर, एट अल. नॉन एलकोहोलिक फैटी लिवर डिजीज इज एसोसिटेड विद् सबक्लिनिकल थेरोस्क्लेरिसिस इंडिपेंडेंट ऑफ ऑबसिटी एंड मेटाबोलिक सिंड्रोम इन एशियन इंडियन्स। *थेरोस्क्लेरिसिस* 2012; **223**: 507–11.

1375. थिलागवथी जे, कुमार एम, मिश्रा एस एस, वेंकटेश एस, कुमार आर, दादा आर. एनालसिस ऑफ स्पीरम टेलोमेरे लैंथ इन मैन विद् इडियोपैथिक इंफेर्टिलिटी। आर्च *गायनेकोल* ऑब्स्टेट 2013; 287 : 803–7.

1376. थिलागवथी जे, वेंकटेश एस, कुमार आर, दादा आर. सेग्रेगेशन ऑफ स्पीरम सबपोपुलेशन्स इन नॉर्मोजूस्पेरिमिक इंफरटाइल मैन। *सिस्ट बायोल रिप्रोड मेड* 2012; **58**: 313–8.

1377. ठुकराल ए, अग्रवाल आर. कोरस्पोडेंस इन रिगार्ड टू नाइक्रोटिसिंग इंटरोकोलिटिस इन ए टर्म नियोनेट फॉलोविंग इंट्रावेनस इम्युनोग्लोबिन थेरेपी। *इंडियन जे पीडियट्र* 2012; **79**: 1676–7; ऑथर्स रिप्लाई 1677.

1378. ठुकराल ए, अरोड़ा के, दास आर, आर, अरोड़ा ए गामनगट्टी एस, अग्रवाल आर के. कॉन्जेनाइटल पोर्टोसिस्टेमिक वेनस शांट इन ए प्रीटर्म आरएच– आइसोइम्युनिज्ड इंफेंट। इंडियन जे पीडियट्र 2013; 80: 1053–5.

1379. ठुकराल ए, शंकर एम जे, अग्रवाल आर, गुप्ता एन, देवरारी ए के, पॉल वी के. अर्ली स्कीन टू स्कीन कॉन्टेक्ट एंड ब्रेस्ट – फीडिंग बिहेवियर इन टर्म नियोनेट्स : ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल। *नियोनेटोलॉजी* 2012; **102**: 114–9.

1380. ठुकराल ए, शशि ए, चावला डी, दत्ता पी, वहीद एस, राव एस, एट अल. ऑनलाइन नियानेटल ट्रेनिंग एंड ऑरिएंटेशन प्रोग्राम इन इंडिया (ओएनटीओपी – आईएन) द वे फॉर्वर्ड फॉर डिस्टेंस एजुकेशन इन डेवलपिंग कंट्रीज। *जे ट्रॉप पीडियट्र* 2012; **58**: 486–90.

1381. थुल्कर ए, कृपलानी ए, अग्रवाल एन. ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ ओरल सिंगल डोज ऑफ मेट्रोनाइडजोल, टाइनिडजोल, सेक्नाडजोल एंड ओरनिडजोल इन बैक्टीरियल वेजिनोसिस। *इंडियन जे फार्माकोल* 2012; **44**: 243–5

1382. थुल्कर एस, चावला एम, शर्मा पी, मल्होत्रा ए, कुमार आर. 18एफ–एफडीजी पीईटी/सीटी इन एवेल्युशन ऑफ रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन ऑफ लिवर मेटास्टेसिस। *क्लिन न्यूकल मेड* 2012; **37**: 498–501.

1383. तिलक टी वी, रैना वी, कुमार एल, शर्मा ए, शर्मा एम सी, विष्णुभाटला एस, बख्शी एस, सुपरियर वेना काना सिंड्रोम एंड पुअर परफॉर्मेनस स्टेट्स एट प्रेजेंटेशन इफेक्ट सरवाइवल इन मेडिएस्टीनल टी–लिम्फोब्लास्टीक लिम्फोमा – ए सिंगल इंस्टीट्यूट एक्सपीरिएंस फ्रॉम इंडिया। *एना हिमेटोल* 2013; 92: 917–23 जुलाई।

1384. टिटियाल जे एस, शर्मा एन, मनन आर, परूथी ए, वाजपेयी आर बी. आइरिस – फिक्सटेड इंट्राओकुलर लेन्स इम्प्लीटेशन टू करेक्ट मोडरेट टू हाई मयोपिन इन एशियन – इंडियन आइस : फाइव इयर्स रिजल्ट्स। *जे कैट्रक्ट रिफ्रेक्ट सर्ज* 2012; **38**: 1446–52.

1385. तिवारी पी, द्विवेदी आर, मनसूरी एन, अलम आर, चौहान यू के, त्रिपाठी एम, एट अल. डू जीन पॉलीमॉर्फिज्म इन आईएल–1बीटा, टीएनएफ–अल्फा एंड आईएल – 6 इंलुएंजा थेराप्यूटिक रिपोंस इन पेशेंट्स विद् ड्रग रिफ्रेक्टरी एपिलेप्सी? एपिलेप्सी रेजी 2012; 101(3): 261–7.

1386. तिवारी वी, कपिल ए, मोगांती आर आर. कार्बापेनिम – हायड्रोलायजिंग ऑक्ससिलिनस इन हाई रेजिस्टेंट स्ट्रेंस ऑफ एसिनेटोबैक्टर बयूमनांई आसोलेटेड फ्रॉम इंडिया। माइक्रोब पैथोज 2012; **53**: 81–6.

1387. तिवारी वी, मोगांती आर बी. स्ट्रक्चरल स्टडीज ऑन न्यू दिल्ली मेटालो – बीटा – लैक्टामास (एनडीएम–2) सजेस्ट ऑल्ड बीटा–लैक्टम, पेनिसिलिन टू बी बैटर एंटीबायोटिक फॉर एनडीएम–2–हर्बोयूरिंग एसिनेटोबैक्टर बेयूमननी। *जे बायोमोल स्ट्रक्च डायन* 2013; **31**: 591–601.

1388. तिवारी वी, नागपाल आई, सुब्बराव एन, मोगांती आर आर. इन सिलिको मॉडलिंग ऑफ ए नोवेल ओएक्सए–51 फ्रॉम बीटा–लैक्टम–रेजिस्टेंट एसिनेटोबैक्टर बयूमनांई एंड इट्स इंटरएक्शन विद् वेरियस एंटीबायोटिक्स। *जे मॉल मॉडल* 2012; **18**: 3351–61.

1389. तिवारी वी, वशिष्ठ जे, कपिल ए, मोगांती आर आर. कम्पेरेटीव प्रोटेयोमिक्स ऑफ इनर मेम्ब्रन फ्रेक्शन फ्रॉम कार्बापेनियम – रेजिस्टेंट एसिनेटोबैक्टर बयूमनांई विद् ए रेफरेंस सट्रेन। *पीएलओएस वन* 2012; **7**: ई39451.

1390. तोमर ए के, सोच बी एस, राज आई, सिंह एस, यादव एस. इंटरेक्शन एनालसिस एडेंटिफाइ सेमेनोजेलिन आई फ्रैगमेंट्स एज न्यू बाइंडिंग पार्टनर्स ऑफ पीआईपी इन ह्यूमन सेमिनल प्लाज्मा इंट जे बायोल मैक्रोमोल 2013; 52: 296–9.

1391. तोमर ए के, सोच बी एस, सिंह एस, यादव एस. एग्रीगेशन एनालसिस ऑफ कॉन ए बाइंडिंग प्रोटीन्स ऑफ ह्यूमन सेमिनल प्लाज्मा : ए डायनामिक लाइट स्कैटरिंग स्टडी। इंट जे बायोल मैक्रोमोल 2013; 53: 133–7.

1392. तोमर ए के, सोच बी एस, सिंह एस, यादव एस. डिफरेंशियल प्रोटियोमिक्स ऑफ ह्यूमन सीमिनल प्लाज्मा : ए पोटेंशियल टरगेट फॉर सर्चिंग मैल इंफार्टिलिटी मार्कर प्रोटीन्स। प्रोटियोमिक्स क्लिन एप्ल 2012; 6 (3–4) : 147–51.

1393. तोमर ए के, सोच बी एस, सिंह एस, यादव एस. क्वांटिफिकेशन स्टडीज इन ह्यूमन सेमिनल प्लाज्मा सैम्पल्स एडेंफिफाइ प्रोलैक्टीन इंडुसिबल प्रोटीन एज ए प्लासिबल मार्कर ऑफ एजूस्पेर्मिया। बायोमार्कर्स 2012; 17: 545–51.

1394. तोमर एन, कौशल ई, दास एम, गुप्ता एन, बेटेर्ले सी, गोस्वामी आर. प्रीवलेंस एंड सिगनिफिकेंस ऑफ एनएएलपी5 ऑटोएंटीबॉडीज इन पेंशेंट्स विद् आडियोपेथिक हायपोपैराथियरोडिज्म। *जे क्लिन एंडोक्राइनॉल मेटाब* 2012; **97:** 1219–26.

1395. तोमर आर, मिश्रा ए के, मोहंती एन के, जैन ए के. अल्टर्ड एक्सप्रेशन ऑफ सक्सिनिक डिहाइड्रोजीनस इन एस्थेनोजूस्पेरिमिया इंफार्टिल मैल। एम जे रिप्रोड इम्युनोल 2012; 68(6) : 486–90.

1396. त्रिखा ए, बैद्य डी के, सिंह पी एम. कॉम्प्लेक्स रिजनल पैन सिंड्रोम एंड प्रेगनेंसी। जे ऑबस्टेट एनेस्थ क्रिट केयर 2012; 2: 69–73.

1397. त्रिखा ए, सिंह पी एम. आइडिल सुपरलारिंजियल डिवाइस इन ऑबस्टेट्रिक्स : स्टील ए लॉन्ग वे टू गो। जे ऑबस्टेट एनेस्थ क्रिट केयर 2012; 2: 1–2.

1398. त्रिपाठी एम, दास सी जे, अग्रवाल के के, खांगेम्बम बी सी, ढुल वी एस. स्पोनटेनेसली रिजोल्विंग लोअर पोलर एटीएन इन ए ट्रांसप्लांट किडनी विद् डुअल वेस्कुलर सप्लाई डिमोंस्ट्रेटेड ऑन 99एम टीसी ईसी रिनोग्राफी। क्लिन न्यूल मेड 2013; 38: 390–1.

1399. त्रिपाठी एम, जैन डी सी, देवी एम जी, जैन एस, सेक्सेना वी, चंद्र पी एस, एट अल. नीड फॉर ए नेशनल एपिलेप्सी कंट्रोल प्रोग्राम। *एना इंडियन एकाड न्यूरोल* 2012; **15:** 89–93.

1400. त्रिपाठी एम एन, शंकर जी, यादव जे एस. लैमोट्राइजिन इंडुस्ड स्टीवन – जॉनसन सिंड्रोम : ए केस रिपोर्ट डायसफरेनिया 2012; 3 : 187–9.

1401. त्रिपाठी एस सी, कौर जे, मित्रा ए, गोव एक्स सुन बी, चौहान एस एस, एट अल. लोस ऑफ डीएलसी1 इन एन इंडिपेंडेंट प्रोग्नोस्टिक फैक्टर इन पेशेंट्स विद् ओरल स्वामस सेल कार्सिनोमा। *मोड पैथोल* 2012; **25:** 14–25.

1402. ट्रूस्ट जे पी, बरोंडेस डी ए, स्टेरर सी एल, वेल्स जेई, औबैद अल– हैमजवी ए. एंड्रेड एल एच, सागर आर, एट अल. अपडेटेड ग्लोबल पिचर ऑफ सिगरेट स्मॉकिंग परसिस्टेंस अमंग एडल्ट्स। जे एपिडर्मियोल ग्लोब हेल्थ 2012; 2(3) : 135–44.

1403. त्यागी आर के, शर्मा वाई डी. एरिथ्रोसाइट बाइंडिंग एक्टीविटी डिसप्लायड बाय ए सिलेक्टिव ग्रुप आूफ प्लाज्मोडियम विवैक्स ट्रायप्टोफन रिच एंटीजन्स इज इंहैबिटेड बाय पेशेंट्स एंटीबॉडीज। *पीएलओएस वन* 2012; 7(12)

1404. उपाध्याय आर पी, चिंननकाली पी ओडुकोया ओ, यादव के, सिन्हा आर, रिजवान एस ए, एट अल. हाई नियोनेटल मार्टिलिटी रेट्स इन रूरल इंडिया : वाट ऑप्शन्स टू एक्सप्लोर? *आईएसआरएन पीडियट्र* 2012; **2012:** 968921.

1405. उपाध्याय आर पी, द्विवेदी पी आर, राय एस के, मिश्रा पी, कलाईवानी एम, कृष्णन ए. डिटर्मिनेंट्स ऑफ नियोनेटल मार्टिलिटी इन रूरल हरियाणाः ए रेट्रोस्पेक्टिव पोपुलेशन बेस्ड स्टडी। *इंडियन पीडियट्र* 2012; **49:** 291–4.

1406. उपाध्याय आर पी, राय एस के, आनंद के. कम्युनिटी नियोनेटल प्रैक्टिसेज एंड इट्स एसोसिएशन विद् स्कील्ड बर्थ एटेंडेंस इन रूरल हरियाणा, इंडिया। *एक्टा पीडियट्र* 2012; **101:** ई535–9.

1407. उपाध्याय आर पी, राय एस के, कृष्णन ए. यूजिंग थ्री डिलेय मॉडल अंडरस्टैंड द सोशल फैक्टर्स रिस्पोसिबल फॉर नियोनेट इन रूरल हरियाणा, इंडिया। *जे ट्रॉप पीडियट्र* 2013; **59:** 100–5.

1408. उपाध्याय आर पी, सिंह बी, राय एस के, आनंद के. रोल ऑफ कल्चरल बिलिस इन इंलुएंसिंग सिलेक्टेड न्यूबर्न केयर प्रैक्टिस इन रूरल हरियाणा। *जे ट्रॉप पीडियट्र* 2012; **58:** 406–8.

1409. उप्पल पी, बोथरा एम, सेठ आर, अय्यर वी, काबरा एस के. क्लिनिकल प्रोफाइल ऑफ लैंगरहन्स सेल हिस्टीयोकायटोसिस एट ए टर्शरीसेंटर : ए प्रोस्पेक्टीव स्टडी। *इंडियन जे पीडियट्र* 2012; **79**: 1463–7.
1410. उत्तम ए के, जोशी आर, द्विवेदी आर, प्रसाद के पद्म एम वी, भाटिया आर. एट अल. एप्लीकेबिलिटी ऑफ द न्यू आईएलएई क्लासिफिकेशन फॉर एपिलेप्सिस (2010) इन पर्सन्स विद् एपिलेप्सी एट ए टेरीटियरीकेयर सेंटर इन इंडिया। एपिलेप्सिया 2013; 54(4) : 751–6.
1411. उत्तम ए के, प्रसाद के, शर्मा एम सी, सिगमाणि ई. फैमिलियल एम्यॉइड न्यूरोपैथी : अनयूजअल एटियोलॉजी इन क्लिकिनल प्रैक्टिस। न्यूरोल इंडिया 2012; **60**: 430–1.
1412. वर्गीज बी, कुमार आर, भाटला एन, द्विवेदी एस एन, ढ़ींगरा आर. यूरिनरी प्लासेंटल ग्रोथ फैक्टर इन प्रेगनेसिस कॉम्प्लीकेटेड बाय प्रीक्लम्पसिया इन इंडियन पोपुलेशन। *जे क्लिन डायग्नोस्टिक रिसर्च* 2012; **6**: 929–32.
1413. वर्गीज बी, कुमार आर, भाटला एन, द्विवेदी एस एन, ढ़ींगरा एम, ढ़ींगरा आर. यूरिनरी प्लसेंटल ग्रोथ फैक्टर : ए प्रोमिसिंग मार्कर फॉर स्क्रीनिंग प्रीएक्लाम्पसिया। *इंट जे साइं रेज पब्लि* 2012; **2**: 1–7.
1414. वर्गीज एम जे, रामाकृष्णन एस, कोठारी एस एस पराशर ए, जुनेजा आर, सक्सेना ए. काम्प्लीट हार्ट ब्लॉक डु टू डिफथेरिटिक मायोकार्डिटिस इन द प्रेजेंट एरा। *एना पीडियट्र कार्डियोल* 2013; **6**: 34–8.
1415. वरगीस बी, लुथरा के, कुमार आर, भाटला एन, द्विवेदी एस एन, ढ़ींगरा आर, यूरिनरी प्लासेंटल ग्रोथ फैक्टर इन प्रेग्नेसिस कॉम्प्लीकेटेड बाय प्री–इक्लापिसिया। *जे क्लिन डाय रेज* 2012; **4626:2281**:1–4.
1416. वासदेव एस, चौहान एस, तलवार एस, पांडे ए, किरण यू. मॉनिटरिंग पल्मोनरी आर्टरी प्रेशर इन चिल्ड्रन अंडरगोइंग द फॉन्टन प्रोसीडर। *एशियन कार्डियोवेस्क थ्रोक* 2013; **21**: 303–5.
1417. वासदेव एस, चौहान एस, तलवार, एट अल. कॉन्जेनाइटल हार्ट सर्जरी आउटकम एनालसिस : इंडियन एक्सपीरिएंस। *एशियन कार्डियोवेस्क थ्रोरक* 2013; **21**: 675–82.
1418. वशिष्ठ पी, गुप्ता एन, राठौर ए. सेंटिनल सरवाइलेंस ऑफ ब्लाइंडनेस : एन इंनिशिएटीव ऑफ द नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस इन इंडिया। *इंडियन जे कम्युनिटी मेड* 2012; **37**: 139–41.
1419. वेलपांडियन टी, गुप्ता पी, रवि ए के, शर्मा एच पी, बिश्वास एन आर. एवाल्युशन ऑफ फार्माकोलोजिकल एक्टीविटीज एंड एसेसमेंट ऑफ इंट्रोओकुलर पेनिट्रेशन ऑफ एन आयुर्वेदिक पॉलीहर्बल आई ड्रॉप (आटोनटीएम) इन एक्सपीरिमेंटल मॉड्ल्स। *बीएमसी कॉम्प्लेमेंट अल्टर्न मेड* 2013; **13**: 1.
1420. वर्मा ए के, वर्मा आर, अहुजा वी, पाल जे. रियल – टाइम एनालसिस ऑफ गट फ्लोरा इन एंटामोइबा हिस्टोलायटिक इंफेक्टेड पेशेंट्स ऑफ नॉर्दन इंडिया। *बीएमसी माइक्रोबियोल* 2012; **12**: 183.
1421. वर्मा एन, अहुजा वी, पॉल जे. प्रोफाइलिंग ऑफ एबीसी ट्रांसपोर्टर्स डुरिंग एक्टीव अल्सरेटिव कोलाइटिस एंड इन विट्रो इफेक्ट ऑफ इंफ्लेमेटरी मॉड्यूलेटर्स। *डायग डिस साइं* 2013; **58**: 2282–92.
1422. वर्मा एन, जैन वी, बिरला एस, जैन आर, शर्मा ए. ग्रोथ एंड हर्मोनल प्रोफाइल फ्रॉम बर्थ टू एडोलसेंस ऑफ गर्ल्स विद् एरोमेटस डिफिसिएंसी। *जे पीडियट्र एंडोक्राइनल मेटाब* 2012; **25**: 1185–90.
1423. वर्मा एन, जैन वी. आइट्रोजेनिक कशिंग सिंड्रोम। *इंडियन पीडियट्र* 2012; **49**: 765.
1424. वर्मा आर, सूद एस, बाला एम, महाजन एन, कपिल ए, शर्मा वी के, एट अल. एवल्युशन ऑफ एन ओपा जीन – बेस्ड न्यूक्लक एसिड एम्पीफिकेशन टेस्ट फॉर डिटेक्शन ऑफ नाइसेरिया जोनोहीज इन यूरोजेनिटल सैम्पल्स इन नॉर्थ इंडिया। *एपिडर्मियोल इंफेक्ट* 2012; **140**: 2110–6.
1425. वर्मा वी के, तनेजा वी, जायसवाल ए, शर्मा एस, बेहरा डी, श्रीनिवास वी, एट अल. प्रीवलेंस डिस्ट्रीबुशन एंड फंक्शनल सिगनिफिकेंस ऑफ द – 237सी टू टी पॉलीमॉर्फिज्म इन द आईएल–12आरबीटा2 प्रोमोटर इन इंडियन ट्यूबरकुलोसिस पेशेंट्स। *पीएलओएस वन* 2012; **7**: ई34355.
1426. वरस्कूर एम, गुप्ता एस, शर्मा वी के. ऑरटोन जे पी. डिटर्मिनेशन ऑफ मेलेनिन एंड हिमोग्लोबिन इन द स्कीन ऑफ आइडियोपैथिक कटनियास हाइपरक्रोमिया ऑफ द ऑबिटल रिजन (आईसीएचओआर) : ए स्टडी ऑफ इंडियन पेशेंट्स। *जे कुटन एनेस्थ सर्ज* 2012; 5: 176–82.
1427. विभा डी, भाटिया आर, प्रसाद के, श्रीवास्तव एम वी, त्रिपाठी एम, कुमार जी, एट अल. वैलीडेशन ऑफ डायनोस्टीक एल्गोरिथम टू डिफरेंशिएट बीटवीन ट्यूबरकुलोस मैनिंजाइटिस एंड एक्यूट बैक्टिरियल मैनिंजाइटिस। *क्लिन न्यूरोल न्यूरोसर्ज* 2012; 114(6): 639–44.
1428. विभा डी, ओला वी, बिहारी एम, गोयल वी, शुक्ला जी, जोसेफ देवराजन एस एल. मल्टीपल इंट्रावेंट्रिकुलर न्यूरोकायस्टीरसी। न्यूरोलॉजी 2013; 81(10) : 936–7.

1429. विभा डी, प्रभाकर एस, खुराना डी, खंडेलवाल एन. वरिसेला जोस्टर वेस्कुलोपैथी प्रेजेंटिंग एज लेटिरल मेडुलरी सिंड्रोम। जे न्यूरोवायरोल 2012; 18(6) : 538–40.
1430. विभा डी, प्रसाद के. सेरब्रोवेस्कुल डिजीज इन साउथ एशिया – पार्ट 2 : रिस्क फैक्टर्स एंड प्रीवेंशन। जेआरएसएम कार्डियोवेस्क डिस 2012; 1(8). पीआईआई. सीवीडी. 2012.012026.
1431. विक्रम एन के, भट एस पी, भूषण बी, लुथरा के, मिश्रा ए, पोदार पी के, एट अल. एसोसिएशन्स ऑफ – 308जी/ए पॉलीमार्फिज्म ऑफ ट्यूमर नेर्कोसिस फैक्टर (टीएनएफ)–अल्फा जीन एंड सीरम टीएनएफ–अल्फा लेवल्स विद् मैजर्स ऑफ ऑबेसिटी, इंट्रा– अब्डोमिनल एंड सबक्यूटेनियस एब्डोमिनल फैट, सबक्लिनिकल इंलेमेशन एंड इनसुलिन रेजिस्टेंस इन एशियन इंडियन्स इन नॉर्थ इंडिया। *डिस मार्कर्स* 2011; **31:** 39–46.
1432. वो ए ए, पेट्रोजिनो जे, येउंग के, सिन्हा ए, कहवाजी जे, पेंग ए, एट अल. एफिसेसी, आउटकम्स, एंड कॉस्ट – एफेक्टिवेंनस ऑफ डिसेंसिटीजेशन यूजिंग आईवीआईजी एंड रिट्यूक्सीबम ट्रांसप्लांटेशन 2013; **95:** 852–8.
1433. वोस टी, फ्लैक्समैन ए डी, नाघवी एम, लोजेनो आर, माइकुड सी, इजटी एम, एट अल. इयर्स लाइव्ड विद् डिसएबिलिटी (वाईएलडी) फॉर 1160 सिक्वलेस ऑफ 289 डिजीज एंड इंजरीज 1990–2010 : ए सिस्टमेटिक एनालसिस फॉर द ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी 2010. *लैंकेट* 2012; **380:** 2163–96.
1434. विल्सन एल, ब्रूक्स ए जी, लाउ डी एच, दिमित्री एच, शर्मा जी, लिम एच एस, एट अल. रियल टाइम कार्टो साउंड इमेजिंग ऑफ द एसोफेगस : ए कम्पेरिजन टू कंप्यूटेड टोमोग्राफी। *इंट ने कार्डियोल* 2012; **157:** 260–2.
1435. विनफ्री के एन, परेट्जर – एबोफ आई, हिलगार्ट डी, अग्रवाल आर, बिहारी एम, अग्रवाल एस के. द इफेक्ट ऑफ स्टेप – साइक्रोनिज्ड विब्रेशन ऑफ पेशेंट्स विद् पार्किसन्स डिजीज : केस स्टडीज ऑन सबजेक्ट विद् फ्रीजिंग ऑफ गैट ऑर एन इम्प्लांटेड डीप ब्रेन स्टीम्यूलेटर। आईईईई ट्रांस न्यूराल सिस्ट रिहेबिल इंजी 2013; 21(5) : 806–11.
1436. विनफ्री के एन, परेट्जर – एबोफ आई, हिलगार्ट डी, अग्रवाल आर, बिहारी एम, अग्रवाल एस. एन अनटेथरड शूज विद् विबरेटरी फीडबैक फॉर इम्प्रूविंग गाइट ऑफ पार्किसन्स पेशेंट्स : द पीडीशू। कॉन्फ प्रोक आईईईई इंज मेड बायोल सोस 2012; 2012: 1202–5.
1437. वोजटकोविक जे डब्ल्यू, रोडबर्ग जे एम, कुमार वी, स्करेम के जे, हलेर ई प्रोमसी जे बी, एट अल. क्रॉनिक ऑटोफेजी इज ए सेलुलर एडेप्टेशन टू ट्यूमर एसिडिक पीएच माइक्रोएनवायर्नमेंट्स। कैंसर रेज 2012; 72: 3938–47.
1438. जिओ एस, नायक बी, शमूएल ए, पालडुराय ए, कानाबैगट्बसावराजप्पा एम, प्रजितनो टी वाई एट अल. जनरेशन बाय रिजर्व जेनेटिक्स ऑफ एन इफेक्टीव, स्टेबल, लाइव – एटेन्यूटेड न्यूकास्टल डिजीज वायरस वैक्सीन बेस्ड ऑन ए करंटली सरकुलेटिंग, हाइली विरुलेंट इंडोनेशिया स्ट्रेन। *पीएलओएस वन* 2012; **7:** ई52751.
1439. जिओ एस, पालडुराय ए, मिरांडे ए, कोलिन्स पी एल, समल एस के. कम्पलीट जिनोम सिक्वेंस ऑफ ए हाइली विरुलेंट न्यूकास्टल डिजीज वायरस कंरटली सरकुलेटिंग इन मैक्सिको। जीनोम एनोयूक 2013; **1 पीआईआई:** ई00177–12.
1440. जिओ एस, पालडुराय ए, नायक बी, शमूएल ए, भरोटो ई ई, प्रजितनो टी वाई एट अल. कम्पलीट जिनोम सिक्वेंस ऑफ न्यूकास्टल डिजीज वायरस स्ट्रेन्स सरकुलेटिंग इन चिकन पोपुलेशन्स ऑफ इंडोनेशिया। *जे विरोल* 2012; **86:** 5969–70.
1441. यादव जे एस, कौर एस, ओडुन आर. एफिसेसी ऑफ इमोशनल राइटिंग अमंग कॉलेज स्ट्डेंट्स दोज हैज प्राइमरी साइकोलॉजिकल डिस्ऑर्डर। इंडियन जे साइको साइं 2012; 2: 24–7.
1442. यादव जे एस, त्रिपाठी एम एन, कौर एस, सिंह टी बी. कम्परेटिव एफिसेसी ऑफ एंटीएपिलेप्टिक ड्रग्स एंड लैकोसेमाइड इन पेशेंट्स विद् एपिलेप्सी डु टू एन अंडरलेइंग ब्रेन लेशन। *डायफ्रनिया* 2013 फरवरी 12 (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)।
1443. यादव के, श्रीवास्तव आर, कुमार आर, चिंनाकल पी, राय एस के, कृष्णन ए. सिगनिफिकेंट वैक्सीनेशन डेली कैन ऑकुर ईवन इन ए कम्युनिटी विद् वेरी हाई वेक्सीनेशन कावरेज : एविडेंस फ्रॉम बल्लभगढ़ इंडिया। *जे ट्रॉप पीडियट्र* 2012; **58:** 133–8.

1444. यादव आर, बख्शी एस, माथुर एस आर, तिलक टी, सिंह जी अय्यर वी के, एट अल. साइटोमार्फोलॉजी ऑफ जाइंट सेल ट्यूमर ऑफ बोन इन प्लेयूरल फ्लुइड। *काइटोजर्नल* 2012; **9**: 22.

1445. यादव आर, बख्शी एस, माथुर एस आर, तिलक टी, सिंह जी अय्यर वी के, एट अल. साइटोमार्फोलॉजी ऑफ जाइंट सेल ट्यूमर ऑफ बोन इन प्लेयूरल फ्लुइड। *काइटोजर्नल* 2012; **9**: 22.

1446. यादव आर, प्रसाद के, पद्म वी एम, श्रीवास्तव ए के, त्रिपाठी एम, भाटिया आर. इंफ्लुएंसा ऑफ सोशियोइकोनॉमिक स्टेट्स ऑन इन – हॉस्पीटल मार्टिलिटी एंड मोर्बिडिटी आफ्टर स्ट्रॉक इन इंडियाः रेट्रोस्पेक्टीव हॉस्पीटल – बेस्ड कोहोर्ट स्टडी। इंडियन जे कम्युनिटी मेड 2013; 38(1) : 39–41.

1447. यादव आर, शर्मा एम सी, करक ए के, अग्रवाल एन, कुमार आर, कुमार एल. नेचुरल हिस्ट्री ऑफ प्राइमरी प्रीकर्सर बी लिम्फोब्लास्टीक लिम्फोमा ऑफ द ओवरी : रिपोर्ट ऑफ ए रेयर केस। *जे ऑबस्टेट गायनोकॉल रेज* 2013; **39**: 611–6.

1448. यादव आर, शुक्ला जी, गोयल वी, सिंह एस, बिहारी एम. ए केस कंट्रोल स्टडी ऑफ वूमैन विद् पार्किसन डिजीज एंड देयर फर्टिलिटी कैरेक्टरस्टीक्स। जे न्यूरोल साइं 2012; 319(1–2): 135–8.

1449. यादव आर, शुक्ला जी, गोयल वी, सिंह एस, बिहारी एम. नॉलेज ऑफ पार्किंसन्स डिजीज अमंग पेशेंट्स एंड केयरगिवर्स एटेंडिंग मूवमेंट डिसऑर्डर क्लिनिक एट ए टेर्टियरी केयर सेंटर इन नॉर्थ इंडिया। एना इंडिया एकाड न्यूरोल 2012; 15(4) : 294–6.

1450. यादव आर के, गुप्ता आर, दीपक के के. ए पायलट स्टडी ऑन शॉर्ट टर्म हार्ट रेट वरिएबिलिटी एंड एट्स कोरिलेशन विद् डिजीज एक्टीविटी इन इंडियन पेशेंट्स विद् रुमेटी अर्थराइटिस। इंडियन जे मेड रेज 2012; 136: 593–8.

1451. यादव आर के, मगन डी, मेहता एम, मेहता एन, महापात्रा एस सी. ए शॉर्ट – टर्म, कम्प्रीहेंसिव, योगा – बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेंशन इज इफिकेसियस इन रिडुसिंग एंक्सीटी, इम्प्रुविंग सबजेक्टिव वेल – बाइंग एंड पर्सनलिटी। इंट जे योगा 2012; 5: 134–9.

1452. यादव आर के, मगन डी, मेहता एम, मेहता एन, शर्मा आर, महापात्रा एस सी. एफिसेसी ऑफ ए शॉर्ट – टर्म योगा – बेस्ड लाइफस्टाइल इंटरवेंशन इन रिडुसिंग स्ट्रेस एंड इंफ्लेमेशन : प्रीलिमिनरी रिजल्ट्स। जे अल्टर्न कॉप्लीमेंट मेड 2012; 18: 662–7.

1453. यादव एस, बेंटले पी, श्रीवास्तव पी, प्रसाद के, शर्मा पी. द फस्ट इंडियन – ओरिजन फैमिली विद् जेनेटिकली प्रूव सेरेब्रल ऑटोसोमल डोमिनेंट आट्रिरियोपैथी विद् सबकोर्टिकल इंफर्क्टस एंड ल्यूकोइंसेफलोपैथी (सीएडीएएसआईएल)। जे स्ट्रॉक सरब्रोवेस्क डिस 2013; 22(1) : 28–31.

1454. यादव एस, हसन एन, मरजोत टी, खान एम एस, प्रसाद के, बेंटले पी, एट अल. डिटेल्ड एनालसिस ऑफ जीन पॉलीमॉर्फिज्म एसोसिएटेड विद् आइस्केमिक स्ट्रॉक इन साउथ एशियन्स। पीएलओएस वन 2013; 8(3) : ई57305.

1455. यादव एस, थुल्कर ए, शंकर एम जे, श्रीनिवास वी, देवरारी ए के, पॉल वी के, एट अल. बुबल वास कंवेंशनल कंटीन्यूयस पॉजिटीव एयरवे प्रेजर फॉर प्रीवेंशन ऑफ एक्सटूबेशन फैलियर इन प्रीटेम वेरी लो बर्थ वेट इंफैक्ट्सः ए पायलट स्टडी। इंडियन *जे पीडियट्र* 2012; **79**: 1163–8.

1456. यादव टी, आर्य के, कटारिया डी, बल्हारा वाई पी. इम्पैक्ट ऑफ साइकाइट्रिक एजुकेशन एंड ट्रेनिंग ऑन एटिट्यूड ऑफ मेडिकल स्टूडेंट्स टूवर्ड मेंटली इल : ए कम्परेटिव एनालसिस। इंड साइकाइट्री जे 2012; 21(1) : 22–31.

1457. यादव वी के, सारस्वत एम, चिकारा एन, सिंह एस, यादव एस. हेपरिन एंड हेपरिन बाइंडिंग प्रोटीन्स : पोटेंशियल रिलेवेंस टू रिप्रोडक्टिव फिजियोलॉजी। करं प्रोटीन पेप्ट साइं 2013; 14: 61–9.

1458. जांजमेरा पी, शुक्ला जी, गुप्ता ए, गोयल वी, श्रीवास्तव ए, गर्ग ए, एट अल. इफेक्ट ऑफ सक्सेफुल एपिलेप्सी सर्जरी ऑन सबजेक्टीव एंड ऑब्जेक्टीव स्लीप पैरामीटर्स – ए प्रोस्पेक्टीव स्टडी। स्लीप मेड 2013; 14(4) : 333–8.

1459. जांजमेरा पी, शुक्ला जी, गुप्ता ए, सिंह एच, गोयल वी, श्रीवास्तव ए, एट अल. मार्केडली डिस्टुर्बेड स्लीप इन मेडिकली रिफ्रैक्टरी कम्परेड टू कंट्रोल्ड एपिलेप्सी – ए क्लिनिकल एंड पॉलीसोमनोग्राफी स्टडी। सीजर 2012; 21(7): 487–90.

1460. जांजमेरा पी, श्रीवास्तव पी, गर्ग ए, भाटिया आर, सिंह एम, त्रिपाठी एम, प्रसाद के. प्रीडक्शन ऑफ स्ट्रॉक आउटकम इन रिलेशन टू अल्बर्ट स्ट्रोक प्रोग्राम अर्ली सीटी स्कोर (एएसपीईसीटीएस) एट एडमिशन इन

एक्यूट आइसकेमिक स्ट्रॉक : ए प्रोस्पेटिव स्टडी फ्रॉम अर्टरी केयर हॉस्पीटल इन नॉर्थ इंडिया। न्यूरोल एशिया 2012; 17(2): 101–7.

1461. जीशान एम, आलम एम टी, विनायक एस, बोरा एच, त्यागी आर के, आलम एम एस, एट अल. जेनेटिक वेरिएशन इन द प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम सरकुमस्पोरोजोइट प्रोटीन इन इंडियन एंड इट्स रिलेवेंट टू आरटीएस, एस मलेरिया वैक्सीन। *पीएलओएस वन* 2012; **7** (8)

सार

1. आर्य के आर, पावर ए, धवन ए. प्रोफाइल ऑफ सबस्टेंस यूजिंग वॉमैन प्रेजेंटिंग टू ए टेर्टियरी केयर डी–एडिक्शन फैसिलिटी। *इंडियन जे साइकेट्री* 2013; 55 (सप्ली) : 79.
2. अब्राहम आर, लक्ष्मी आर, तारिक एम, बहल वी के, प्रसाद आर, डेका पी. एसोसिएशन ऑफ ट्रांस फैटी एसिड एंड मारकर्स ऑफ सिस्टेमिक इंफलामेशन इन एशियन इंडियन्स। *सरकुलेशन* 2012; **125:** ई143.
3. अग्रवाल वी, शर्मा एस के, सिंह एल एस, यादव एस एल, सिंह यू. स्पोटेंनियस रप्चर ऑफ फ्लेक्सोर रेटिनाकुमुल ऑफ एंकल – एन अनयूजअल केस। इंडियन जे फिजि मेड रिहेबिल 2013; 24 (सप्ली) : एस17.
4. अग्रवाल एस मेंडिलिया ए, बख्शी एस, श्रीनिवास एस, बाजपेयी एम, मोहंती बी के, एट अल. स्टेज 4 न्यूरोब्लास्टोमा : आउटकम ओवर ए 14 ईयर पीरियड फ्रॉम एम्स एनबी 96 प्रोटोकॉल। *पीडियट्र ब्लड कैंसर* 2012; **59:** 1017.
5. अग्रवाल एस, वहाल ए, आनंद एस, एट अल. लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी : वन एंड थ्री ईयर रिजल्टस इन इंडियन पोपुलेशन। ऑबेस सर्ज 2012 : 86.
6. अग्रवाल एस. लैप्रोस्कोपिक मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट इंटेस्टाइनल ऑब्स्ट्रेक्शन डु टू एन अनयूजअल एक्यूज आफ्टर रोयूक्स – एन – वाई गैस्ट्रीक बायपास। ऑबेस सर्ज 2012 : 13.
7. अली जे, मिश्रा एम, कुमार एस, गौतम एस, सोरवरी ए, ब्लैकवूड बी. ऑब्जेर्वेशन्स एंड पोटेंशियल रोल ऑफ रूरल ट्रॉमा टीम डेवलपमेंट कोर्स (आरटीटीडीसी) इन इंडिया। *कैन जे सर्ज* 2012; **55:** एस18.
8. अम्बलायम एस, जैन एस, माथुर आर. अल्टरेशन ऑफ वेंट्रोमेडियल हाइपोथेलिमिक फंक्शन्स इन कम्प्लीट स्पाइन कोर्ड इंजर्ड रेट्स। एना न्यूरोसाइं 2012; 19(4एस) : 73.
9. अंद्राबी आर, बाला एम, कुमार आर, हजारिका ए, लुथरा के. न्यूट्रेलाइजेशन ऑफ टियर – 2 वायरस एंड एपिटोप प्रोफाइलिंग ऑफ प्लाज्मा एंटीबॉडीज फ्रॉम सबटाइप – सी एचआईवी–1 इंफैक्टेड नॉर्थ इंडियन्स; एम्प्लीकेशन्स फॉर एमपीईआर डायरेक्टेड एचआईवी–1 न्यूट्रेलाइशेन। *बीएमसी इंफेक्ट डिस* 2012; **12 (सप्ली 1) :** ओ19.
10. अंद्राबी आर, बाला एम, कुमार आर, लुथरा के. ए कम्पीहैंसिव बाइंडिंग एंड न्यूट्रेलाइजेशन एनालसिस ऑफ प्लाज्मा ऑफ एचआईवी –1 सबटाइप – सी इंफेक्टेड डोनर्स फ्रॉम इंडिया सजेस्ट एमपीईआर डायरेक्टेड न्यूट्रेलाइजेशन। *रेट्रोविरोलॉजी* 2012; **9(सप्ली 2) :** पी61.
11. अंद्राबी आर, बाला एम, लुथरा के. क्रॉस क्लेड रिएक्टिव प्लाजमा एंटी– वी3 एंटीबोडिज इन ह्यूमन इम्युनोडेफिसिएंसी वायरस टाइप– 1 इनफेक्टेड इनडिविजुअल्स डेवलप विद टाइम। *बीएमसी इनफेक्ट डिस* 2012; **12 (सप्ली 1):** पी24.
12. अंद्राबी आर, गुप्ता ए, बाला एम, लुथरा के. प्लाज्मा एंटीबॉडीज डेट क्रॉस रिएक्ट टू सबटाइप – बी एंड सी थर्ड वरिएबल (वी3) रिजन डेवलप इन इंडियन एचआईवी–1 इंफेक्टेड इंडिविजुअल्स विद् टाइम। *रेट्रोविरोलॉजी* 2012; **9(सप्ली 2) :** पी55.
13. अंद्राबी आर, मखदूमी एम, कुमार आर, बाला एम, वेलपांडियन टी, लुथरा के. हाइली एफिसिएंट न्यूट्रेलाइजेशन ऑफ ह्यूमन इम्युनोडिफिसिएंसी वायरस बाय प्लाज्मा फ्रॉम एंटीरेट्रोवायरल ड्रग ट्रीटेड पेशेंट्स इज मीडिएटेड बाय आईजीजी फ्रैक्शन्स। *रेट्रोविरोलॉजी* 2012; **9(सप्ली 2) :** पी62.
14. अंसारी ए, माथुर आर, जैन एस, भट्टाचार्य एम. स्टडी ऑफ इफेक्ट ऑफ स्लो फ्रीक्वेंसी रिपीटेड ट्रांसक्राइनियल मैग्नेटिक फील्ड ऑन मॉड्यूलेशन ऑफ पैन इन फाइब्रोमायलजिया पेशेंट्स। जे पैन 2013; 14: 567.
15. अरुण के, यादव जे एस, मेहदी ए, पाठक ए. ए केस रिपोर्ट ऑफ मेनिया रिलेटेड टु डिकाउंटिन्यूएशन ऑफ बुप्रोपरियन थैरेपी फॉर स्मॉकिंग सेक्शन। इंडियन जे साइकेट्री 2013; 55 (सप्ली) : 60.

16. बाबू बी, गुप्ता ए, झलक ए, कुमार एस, चौहार एस, सिंघल एम, आदि पेडेस्ट्रेन्स सस्टेन मोर सीवियर इंजरीज़ विद हाइयर मोर्टेलिटी रेट्स इन सिविलियन सेंटिंग. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रामा एण्ड एक्यूट केयर – ट्रामा 2012, एम्स, दिल्ली.

17. बक्शी एस, बसंल एके, शारावत एसके, गुप्ता आर, श्रीनिवास वी. सीरियल असेस्टमेंट ऑफ हार्मोनल इम्युनिटी इन पीडियाट्रिक एएमएल : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी. *एट 2012 एएससीओ एनुअल मीटिंग*, जून 1 – 5, 2012, मेकक्रोमिक प्लेस कंवेंशन सेंटर इन शिकागो, इलेनॉइस

18. बक्शी एस, राधाकृष्णा वी, पठानिया एस, कालीकाल टी, धवन डी, गुप्ता वायके. सीरम क्रिएटिनिन लेवल्स एज ए सरोगेट मार्कर फॉर सीरम मेथोट्रेक्सेट लेवल इन चिल्ड्रन रिसीविंग हाइ डोज मेथोट्रेक्सेट. पीडियाट्रि ब्लड कैंसर 2012:77(पब 450).

19. बक्शी एस, राधाकृष्णा वी, शर्मा पी, कुमार आर, थुलकर एस, विष्णु भाटला एस, *आदि* इवेल्यूएशन ऑफ पीईटी / सीटी एण्ड सीईसीटी फॉर स्टेजिंग, इंटेरिम और पोस्ट – ट्रीटमेंट रिसपॉन्स असेस्टमेंट इन पीडियाट्रिक हाडकिंग लिम्फोमा : एक प्रोस्पेक्टिव स्टडी. *पीडियाट्रि ब्लड कैंसर* 2012:1043 (पीसी 009).

20. बंसल एके, शरावत एसके, गुप्ता आर, श्रीनिवास वी, बक्शी एस. कोरेलेशन ऑफ सीरम इम्युनोग्लोबुलिन्स, बी सेल्स, टी सेल्स एण्ड नेचुरल किलर सेल्स विद इंफेक्शन–रिलेटिड पैरामीटर. *पीडियाट्रि ब्लड कैंसर* 2012:66 (पब 058).

21. बंसल एके, शरावत एसके, गुप्ता आर, श्रीनिवास वी, बक्शी एस. सीरियल असेस्टमेंट ऑफ रेगूलेटरी ऑफ सेल्स (ट्रेग्स) इन पीडियाट्रिक एएमएल : ए प्रोस्टपेक्टिव स्टडी. *एट 2012 एएससीओ एनुअल मीटिंग*, जून 1 – 5, 2012, मेकक्रोमिक प्लेस कंवेंशन सेंटर इन शिकागो, इलेनॉइस

22. बंसल एम, शर्मा केके, वत्सा एम, बक्शी एस. कम्पेरिजन ऑफ क्वालिटी ऑफ लाइफ ऑफ चिल्ड्रन ड्यूरिंग मैंटेनेस थैरेपी ऑफ एक्यूल लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया विद स्बिलिंग्स एण्ड नॉर्मल चिल्ड्रन. *पीडियाट्रि ब्लड कैंसर* 2012:1 (पब003).

23. बारिक एम, चौधरी वी, मेहर एसके. करंट पर्सपेक्टिव इन जीन थैरेपी एण्ड द रोल प्लेड बाय मेडिकल इंफॉर्मेटिक्स. *इंडियन जे मेड इंफॉर्मेटिक्स* 2012;**6**:24.

24. बारिक एम, मेहर एसके. इवेल्युएशन एण्ड मॉनिटरिंग ऑफ मेटा–एनालाइसिस इन मेडिकल रिसर्च थ्रो इंफॉरमेशन टेक्नोलॉजी. *इंडियन जे मेड इंफॉर्मेटिक्स* 2012;**6**:25.

25. भारती वी, दास एसएन. फंक्शनल जेनेटिक वेरिएंट्स ऑफ सीटीएलए–4 एण्ड रिक्स ऑफ तम्बाकू – रिलेटिड ओरल कार्सिनोमा इनह इ–रिक्स नॉर्थ इंडियन्स. जे कार्सिनोजेनेसिस 2012;**11 (पूरक 1)**: एस26.

26. भास्कर एस, कुमार विनय, देवराज के, मोहंती बीके. आउटकम एण्ड मैनेजमेंट ऑफ कार्सिनोमा हार्ड प्लेट. प्रोसीडिंग्स ऑफ यूएई कैंसर कॉन्ग्रेस 2012: 2012 Oct 11 – 13 : दुबई, यूएई. दुबई; एमसीआई; 2012.

27. भास्कर एस, कुमार विनय. इनीशियल इमेजिंग वर्क–अप एण्ड वेरिएशन इन न्यूली डायग्नोज्ड ब्रेस्ट कैंसर. प्रोसीडिंग्स ऑफ ऑर्गनाइजेशन ऑफ ओंकोलॉजी एण्ड ट्रांसलेशन रिसर्च कॉन्फ्रेंस 2013 : 2013 मार्च 20 – 22 : बैंकॉक, थाइलैंड

28. भाटिया जे, तबस्सुम एफ, आर्या डीएस, जोशी एस, श्रीवास्तव एके. एम्बलिका ऑफिसिनेलिस प्रीवेंट्स डेवलपमेंट ऑफ कार्डियक हाइपरट्रॉफी एण्ड हाइपरटेंशन इन डीओसीए–साल्ट मॉडल ऑफ रैट हाइपरटेंशन वाया मॉड्यूलेशन ऑफ एंडोजीनस एंटीऑक्सीडेंट्स, नो एण्ड (पी) ईएनओएस. जे. हाइपरटेंस 2012; 30 (ई–पूरक ए):467-8.

29. भाटिया आर, विनोद राय, शैली एम, वी पदमा, कामेश्वर प्रसाद, मंजारी त्रिपाठी, ममता भूषण सिंह और आशीष सूरी. लॉन्ग टर्म असेस्टमेंट इज इम्पोर्टेंट इन पेशेंट्स अंडरगोइंग डिकम्प्रेसेवि क्रेनिएक्टॉमी फॉर मैलिग्नेंट मिडिल सेरेब्रल आर्टरी इंफ्रेक्शन स्ट्रोक. 2013;44:A203.

30. बिस्वास ए, कक्कड़ ए, गोयल एस, मलिक एस, सरकार सी, शर्मा एमसी, जुल्का पीके, रथ रथ जीके. इंट्राक्रेनियल एटिपिकल टेराटॉइड रहबडॉइड ट्यूमर : क्लिनिकोपैथोलॉजिकल स्टडी फ्रॉम नॉर्थ इंडिया. इन : 17वें एनुअल मीटिंग ऑफ द सोसाइटी फॉर न्यूरो–ओंकोलॉजी (एसएनओ), वॉशिंगटन डी. सी., यूएसए. न्यूरो ओंकोल *2012;14(एस6): vi 114.*

31. बोरा जीएस, डोगरा पीएन, सिंह पी, सैनी एके. नियोएडजुवेंट टाइरोसिन काइनेस इनहीबिटर फॉर नेफ्रॉन स्पेइंग सर्जरी : इनीशियल एक्सपीरियंस इन ए पेशेंट विद बिलटेरल रीनल ट्यूमर्स. इंडियन जे यूरोल 2013;29 : एस107.

32. चक्रबर्ती बी, शर्मा एमसी, गुलाटी एस, कनन एल, जेन पी, कौशल, *आदि* स्किन बायोप्सी एज एन अल्ट्रानेटिव टू मसल्स बायोप्सी फॉर द डायग्नोसिस ऑफ उलरिच कॉन्जेनाइटल मस्कुलर डिस्ट्रॉफी. *डेव मेड चाइल्ड न्यूरोल* 2012;**54 (एस4)**:189.
33. चंद्रलेखा, आई एक्सेस, फहमी हसन. केंडिडेमिया इन इंटेंसिव केयर यूनिट. बीआर जे एनेस्थे 2012;108 (S2): ii215–ii277.
34. चंद्रन डीएस, कौर एम, अली एन, जरयाल एके, ज्योत्सना वीपी, दीपक केके. डीक्रीस्ड ऑटोनोमिक मॉड्यूलेशन ऑफ हार्ट रैट एण्ड अल्टर्ड सिमपैथो–वेगल बैलेंस इन पेशेंट्स विद कूशिंग सिंड्रोम. *इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल* 2012;56:147.
35. चंद्रिमा सी, यादव जेएस, कौर एस, पंडित बी. साइकोजेनिक इम्पैक्ट ऑफ अर्ली (30 वर्ष) ओनेस्ट ऑफ डेमेंशिया ऑफ फैमिलियल ऑर्गिन : ए केस रिपोर्ट. *इंडियन जे साइकियाट्री* 2013; 55 (पूरक): 7.
36. चटर्जी बी, सागर आर, मंडल पी, कुमार एन, साहू ए. मेंटल इलनेस : हू डू द हेल्थ प्रोफेशनल ब्लेम? *इंडियन जे साइकियाट्री* 2013; 55: एस60-61.
37. चौधरी ओ, बाला एम, सिंह जे, हजारिका ए, कुमार आर, लुथरा के. साइटोकाइन इम्बैलेंस इन एचआईवी–1 इंफेक्टिड पेशेंट्स फ्रॉम नॉर्थ इंडिया. *साइटोकाइन* 2012:525–6.
38. चौधरी ओ, बाला एम, सिंह जे, हजारिका ए, कुमार आर, लुथरा के. रिडक्शन ऑफ डेंड्रिटिक सेल इन द लॉन्ग टर्म दैन इन अर्ली इंजेक्शन ड्रग यूजर्स. *जे न्यूरोइम्युनोलॉजी* 2012
39. चौधरी ओ, बाला एम, सिंह जे, हजारिका ए, कुमार आर, लुथरा के. रिलेटिव रिडक्शन ऑफ प्लाज्मासिटॉइड डेंड्रिटिक सेल्स विद शिफ्ट इन टीएच$_1$ टू टीएच$_2$ रिसपॉन्स इन एचआईवी–1 इंफेक्टिड पेशेंट्स एज कॉम्पर्ड टू हाइ रिक्स एण्ड हैल्दी नॉर्थ इंडियन्स. *बीएसी इंफेक्टि डिस* 2012;**12 (पूरक 1)** :020.
40. चौधरी पी रामोस एमवी, कुमार वीएल. अमेलीओरेशन ऑफ एडजुवेंट इंड्यूस्ड आर्थराइटिस बाय लेटेक्स प्रोटीन्स (एलपी) ऑफ कैलोट्रॉपिस प्रोकेरा वाया सप्रेशन ऑफ इंफ्लेमेटरी मेडिटर्स एण्ड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2012; 56 (पूरक) : 48.
41. चौहान एस, भुवन वी, बिसोई ए. के., डेवलपमेंट ऑफ द एम्स इंटीग्रेटिड सीपीबी ईसीएमओ. एनु पीडियाट्रि कार्ड 2013;**6**:105–8. (सार)
42. चौहान एस, गुप्ता ए, झलक ए, कुमार एस, लालवानी एस, संगी एस, आदि पैटर्न ऑफ इंजरी सेवेरिटी एण्ड प्रोबेबिलिटी ऑफ सर्वाइवल ऑफ पेशेंट्स हू एक्सपीरेड एमर्जेंसी डिपार्टमेंट इन एन एपेक्स लेवल आई ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर – ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.
43. चौहान एस, गुप्ता ए, झलक ए, सागर एस, मिश्रा बी, बाबू बी, आदि मोटराइज्ड टू व्हीलर एक्सीडेंट्स, ए मेजर कॉज ऑफ मोर्टेलिटी एण्ड मोर्बिलिटी ऑन इंडियन रोड्स. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियान सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर – ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.
44. चौरसिया एस, मोंगा एन, खरबंदा ओपी, दुग्गल आर, राजेश्वरी एमआर. इंटरल्युकिन – 1 बीटा लेवल्स इन पेरी–इम्प्लांट क्रेविकुलर फ्लुइड (पीआईसीएफ) एण्ड गिंगीवल फ्लुइड (जीसीएफ) ड्यूरिंग एनामासे रीट्रेक्शन ऑफ एंटीरियर टीथ : ए क्लिनिकल एण्ड बायोकेमिकल स्टडी. प्रोसीडिंग्स ऑफ वर्ल्ड इम्प्लांट ऑर्थोडॉन्टिक कॉन्फ्रेंस सिडनी 2012 पेज 6.
45. छाबड़ा ए, बोरले ए, सुब्रामण्यम आर, कुमार आर, सेठ ए. टू स्टडी द एनालजेसिस एफीकैसी एण्ड सेफ्टी प्रोफाइल ऑफ पैरावर्टिब्रल बूपिवैकेन एज कॉम्पर्ड टू इंट्रावेनस फेंटेनियल फॉर एडल्ट्स अंडरगोइंग परक्यूटेनियस नेफ्रोलिथोटॉमी (पीसीएनएल) अंडर जनरल एनेस्थिसिया. बीआर. जे. एनेस्थ 2012;108 (एस2):ii387–ii437.
46. चौधरी एलपी, डोगरा पीएन, सिंह पी, स्वरूप एल, बोरा जीएस, ग्रीन लाइट लेजर एचपीएस (120 डब्ल्यू) प्रोस्टेक्टॉमी विद रीयल टाइम ट्रांसरेक्टल अल्ट्रासाउंड मॉनिटरिंग. इंडियन जे. यूरोल 2013;29:एस100.
47. चौधरी, एम, होते एम, मलिक एम, चौहार एस, गुप्ता ए. डोज स्लीप क्वालिटी अफेक्ट द इमीडिएट क्लिनिकल आउटकम इन पेशेंट्स अंडरगोइंग कोरोनरी आर्टरी बायपास ग्राफ्टिंग : ए क्लिनिकल बायोकेमिकल कोरेलेशन. *पीपीएल कार्डियोपल्मोनरी पैथोफिजियोलॉजी* 2012;**16**:164–5.
48. दाश एचएच, रेड्डी बीके, प्रभाकर एच, विवेकानंद एस, सिंह जी, कुमार एन. डोज नाइट्रस ऑक्साइड इंफ्लुएंस इंफेक्शन एण्ड ब्रेन इस्चेमिक बायोमार्कर्स? *जे न्यूरसर्ज एनेस्थिसियोल* 2012;**24**:465.

49. दीपक केके, गुप्ता एसके, कुमार वाय, अदकोली बीवी. एक्सटेंडिंग प्रोफेशनल एजुकेशन टू हेल्थ वर्कर्स एट ग्रास रूट लेवल : एन एक्सपीरियंस फ्रॉम इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, इंडिया प्रोसीडिंग्स ऑफ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मेडिकल एजुकेशन एमईई 2012 हेल्ड एट लियॉन, फ्रैंक, 25-29 अगस्त 2012 पीपी 47.
50. दीपक केके. हिमोडायनेमिक क्राइसिस असेस्टमेंट बाय इवेल्युएटिंग ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम : एम्प्लीकेशन. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2012;56:24.
51. धर ए, गुलाटी जी, शर्मा एस, प्रिया, नाग एस, श्रीवास्तव ए. आर्टरियोवेनस फिस्टुला : एन अनकॉमन कॉज फॉर लेग अलसर. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ वीआईएसआईसीओएन 2013
52. धर ए, कौशल आर, प्रीति, रे आर, हरी एस, श्रीवास्तव ए. लियोमायोसार्कोमा ऑफ इंफ्रेनियल इंफेरियर वेन कावा. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ वीआईएसआईसीओएन 2012
53. धर ए, कृतिका ए, शर्मा एस, गुलाटी जी, श्रीवास्तव ए. कोंगिनेटल कॉज ऑफ पेरिफेरल आर्टिरियल डिजीज : ए केस रिर्पोट. केस प्रेजेंटिड एण्ड एब्स्ट्रेक्ट पब्लिशड इन द कोर्स बुक ऑफ द एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ द वेस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया वीएसआईसीओएन 2012:27–29.
54. धर ए, शर्मा एस, गुलाटी जी, रेडडी वीआर, श्रीवास्तव ए. सागा ऑफ ए रेयर स्यूडोएन्यूरिज्म. केस प्रेजेंटिड एण्ड एब्स्ट्रेक्ट पब्लिशड इन द कोर्स बुक ऑफ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ द वेस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया, वीएसआईसीओएन 2012:27–29.
55. धर पी, दीक्षित एस, मेहरा आरडी. जीएसएच मेडिएटेड एंटीऑक्सीडेंट रोल ऑफ अल्फा लिपोइक एसिड (एलएएल) इन अर्सेनिक इंड्यूस्ड डेवलपमेंटल न्यूरोटॉक्सीसिटी. इंटल जे डेव न्यूरोसाइं. 2012;**30**:689.
56. धर पी, कौशल पी, मेहरा आरडी. अमेलीओरेटिव रोल ऑफ अल्फा लिपोइक एसिड (एलएएल) इन सोडियम अर्सेनाइट ($NaAsO_2$) इंड्यूस्ड न्यूरोटॉक्सीस्टी इन डेवलपिंग रैट सेरेबेलम द एफएएसईबी जे 2013;**27**:537.2
57. डोगरा पी, सिंह पी, सैनी ए. रोबार्ट असिस्टेड लेपेरोस्कोपिक ऑगमेंटेशन साइटोप्लास्टी विद इंट्राकोरपोरियल बाउल रिकंस्ट्रक्शन फॉर ट्यूबरकुलर ब्लेडर. यूरोलॉजी. ????;80: एस181
58. डोगरा पी, सिंह पी, सैनी ए. जीरो इस्केमिया तकनीक इन लेपेरोस्कोपिक / रोबोटिक पार्शियल लेफ्रेक्टॉमी. यूरोलॉजी 2012;80:S182.
59. डोगरा पीएन, रेगमी एसके, सिंह पी, सैनी ए के, नायक बी. लोवर यूरेटेरल स्टोन रिवाइज्ड : एक्सपैंडिंग द होरीजोन्स ऑफ रोबोटिक्स. यूरोलॉजी 2013;82:95–9.
60. फ्रेंसिस पी, गुप्ता ए, झलक ए, सागर एस, मिश्रा बी, मैथ्यू एएस, आदि. डिस्कवरिंग पैटर्न एण्ड सेवेरिटी ऑफ इंजुरीज़ इन वुमेन एट एन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर इन इंडिया. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.
61. गांधी एके, रथ जीके, शर्मा डीएन, सुब्रामनी, शर्मा एस, मनीगंदन डी, *आदि.* एक्यूट गेस्ट्रोइंस्टाइनल एण्ड जेंटोयूरिनरी टॉक्सीसिटीज़ इन लोकली एडवांस्ड कार्सिनोमा सर्विक्स ट्रीटेड विद इंटेंसिटी मॉड्यूलेटिड वर्सिस कंवेंशनल पेलविक रेडिएशन थैरेपी : रिजल्ट फ्रॉम ए प्रोसपेक्टिव रैंडोमाइज्ड स्टडी. एब्स्ट्रेक्ट नं. : 2577. ***इंट जे रेडिएट ऑंकोल बायो फिजि*** **2012; 84:3एस – एस 436.**
62. गांधी एके, रथ जीके, शर्मा डीएन, सुब्रामनी, शर्मा एस, मनीगंदन डी, जुल्का पीके. अर्ली क्लिनिक आउटकम ऑफ इंटेंसिटी मॉड्यूलेटिड वर्सिस कंवेंशनल पेलविक रेडिएशन थैरेपी फॉर लोकली एडवांस्ड कार्सिनोमा सर्विक्स : ए प्रोस्पेक्टिव रैंडोमाइज्ड स्टउी एबस्ट्रेक्ट नं.: 41, *इंट जे रेडिएट ऑंकोल बायो फिजि* 2012;**84,3S**:S17–S18.
63. गर्ग आर, अग्रवाल एस, बक्शी एस, श्रीनिवास एस, बाजपेयी एम, भटनागर वी. न्यूरोलॉजिक आउटकम इन चिल्ड्रन विद साकरोकोसिजियल मैलिग्नेंट जर्म सेल ट्यूमर्स (एससी : एमजीसीटी) विद इंट्रा : स्पाइनल एक्सटेंशन. *पीडियाट्रिक ब्लड कैंसर* 2012;**59**:1019.
64. गर्ग आर, अग्रवाल एस, श्रीनिवास एम, भटनागर वी. जुवेनाइल ग्रेन्यूलोसा सेल ट्यूमर ऑफ द ओवरी *पीडियाट्रिक ब्लड कैंसर* 2012;**59**:1133.
65. गौड़ पी, शुक्ला एन के, दास एस एन. फीनोटाइपिक एण्ड फंक्शनल डायनेमिक्स ऑफ टीएच17 सेल्स इन ओरल सिक्वेमस सेल कार्सिनोमा एण्ड इट्स क्लिनिकल सिग्नीफिकेंस. जे कार्सिनोजेनेसिस 2012; 11 (पूरक1): एस 38.

66. गौतम एम, सिंह ए, प्रणव, कुमार आर, रे एसबी. स्टैंड्र्डजेशन ऑफ ए रैट मॉडल ऑफ पोस्ट–ऑपरेटिव पैन एण्ड इट्स रिलीफ बाय लोकल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ डीएमएसओ एण्ड नॉर्मल सेलाइन. एनुअल न्यूरोसाइं. इयर्स; **19**:58.

67. घोनसिकर वी, पुष्कर एन, कश्यप एस, खुराना एस, बक्शी एस, चावला बी. क्लिनिको : पैथोलॉजिकल प्रोफाइल, मैनेजेंट एण्ड रोल ऑफ कीमोथैरेपी फॉर एडेनॉइड : सिस्टिक : कार्सिनोमास ऑफ लेक्रिमल ग्लैंड एट ए टेरटरी केयर रेफरल सेंटर. द 28वां एशिया : पैसेफिक एकडैमी ऑफ ऑफ्थेल्मोलॉजी कॉन्ग्रेस, हैदराबाद, 17:20 जनवरी 2013.

68. गोडियाल एके, सिंह आर, कठैत जे, जोशी डी, आनंद एस. ए रिव्यू ऑन कंट्रेलेटरल लिम्ब कंट्रोल्ड प्रोथेटिक नी जॉइंट, सैकंड नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मेडिकल इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी : इशू, चैलेंज एण्ड बैनिफिट्स (मेडिटेक : 13), अप्रैल 4 : 5, 2013.

69. गुलाटी एस, सिंघल आर, जेन पी, राजू वी, शर्मा एस, अग्रवाल एम, *आदि.* प्रोफाइल ऑफ वेस्ट सिंड्रोम इन ए टेरेटरी सेंटर इन नॉर्थ इंडिया : 213 केस. *डेव मेड चाइल्ड न्यूरोल* 2012;**54 (एस4)**:61.

70. गुलाटी एस, शर्मा एमसी, कानन एल, पाठक पी, सूरी वी, सरकार. लिम्ब ग्राइडल मस्कुलर डिस्ट्रॉफी इन चिल्ड्रन : ए क्लिनिकोपैथोलॉजिकल स्टडी ऑफ 49 केस. *डेव मेड चाइल्ड न्यूरोल* 2012;**54 (एस4)**:186.

71. गुलाटी एस, शर्मा एमसी, योगनाथन एस, सूरी वी, सरकार. कॉन्जेनाइटल मायोपैथीज़ : ए क्लिनिकोपैथोलॉजिकल स्टडी ऑफ 45 केस. *डेव मेड चाइल्ड न्यूरोल* 2012;**54 (एस4)**:208.

72. गुलेरिया आर, अरोरा एस, कुमार जी, मोहन ए. एक्यूट फेज प्रोटीन्स कैन प्रीडिक्ट सर्वाइवल इन वेंटीलेटिड पेशेंट्स विद एक्यूट एक्सरबेशन ऑफ क्रोनि ऑब्सट्रेक्टिव एयरवे डिजीज (सीओपीडी). चेस्ट 2011; 140: 1017A.

73. गुप्ता ए, जयपूरिया जे, बागडिया ए, चौहान एस, झलक ए, गर्ग एस, आदि. मोटराइज्ड टू व्हीलर वाइकल इंजरी पैटर्न, सेवेरिटी, मोर्टेलिटी एण्ड हैलमेट यूसेज : एनालाइसिस फ्रॉम लारजेस्ट सिंगल इंस्टीट्यूशन ट्रॉमा डेटा बैंक इन इंडिया लेसन्स फॉर सोसाइटी. ऑब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.

74. गुप्ता ए, कुमार एस, मिश्रा बी, पॉल एम, कुमार ए, सिंघल एम, आदि. इवेल्यूएशन ऑफ ड्यूएशन ऑफ हॉस्पीटल स्टे एण्ड मोर्टेलिटी इन स्प्लेनिक इंजरी. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.

75. गुप्ता ए, कुमार एस, मिश्रा बी, पॉल एम, सिंघल एम, सागर एस, आदि. इज कंवर्जन ऑफ नॉन ऑपरेटिव मैनेजमेंट ए फेल्योर इन लाइवर इंजरी : एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.

76. गुप्ता ए, कुमार एस, मिश्रा बी, जमीर आई, पॉल एम, चौहान जी, आदि. कार्डियक अरेस्ट इज ए मार्कर ऑफ मोर्टेलिटी इन ट्रॉमेटिक कार्डियक इंजरीज़. ऑब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.

77. गुप्ता ए, सिंघल एम, कुमार एस, सागर एस, प्रकाश पी, कुमार वी, आदि. कॉम्प्लेक्स ट्रांसथोरेसिस इम्प्लीमेंट : लेसन्स फॉर डेवलपिंग हाइ क्वालिटी ट्रॉमा केयर सिस्टम्स इन डेपलपिंग कंट्रीज. इन एब्स्ट्रेक्ट बुक ऑफ फ्रॉम रोडसाइड टू रिकवरी – सेक्सेफुल सिस्टम ऑफ ट्रॉमा केयर, एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ द नेशनल ट्रॉमा रिसर्च इंस्टीट्यूट, 18:19 नवम्बर 2011, मेलबोर्न, विक्टोरिया, ऑस्ट्रेलिया.

78. गुप्ता आर, गोयल एस, सागर आर. एन ओपन लेबल स्टडी टू एसे इफेक्टनेस ऑफ एमिट्रिलिन वर्सेस क्लोमीप्रेमाइन फॉर प्रोफीलेक्सि इन पेशेंट्स विद माइग्रेन एण्ड टेंशन टाइप टाइप हैडएक. इंडियन जे साइकियाट्री 2013; 55: S71.

79. गुप्ता वाई के, रीटा एकेएच पहुजा एम, महला जे. इंडियन हर्बल ड्रग्स इन एक्सपेरिमेंटल मोडल्स ऑफ एपिलेप्सी. एपिलेप्सी 2012; 53 (पूरक5): 170.

80. गुरूप्रसाद बी, चौधरी पी, कुमार वीएल. इफेक्ट ऑफ केलोट्रॉप्सि प्रोकेरा लेटेक्स एक्स्ट्रेक्ट्स ऑन द हिपोथैलेमिक टीएनएफ : अल्फा एण्ड पीजीई$_2$ लेवल्स इन द रैट मॉडल ऑफ यीस्ट इंड्यूस्ड प्रीक्सिया. सर्ट केयर 2012; 16 (पूरक3): 23.

81. हंच टी जे, एंड्रू डेमचुक, डार दौलतशाही, ओलेम क्रिसचेक, अलेक्स किस, मिकेल डी हिल कारलोस ए मोलिना, डेविड रोड्रिगायूज : लूना इम्यूएल डजिआलोवास्की योलांडा सिल्वा ब्लास, अन्ना , चेलोंकोवस्का, चीमुन लुम, जीन : मार्टिन बोलांगेर, गोडॉर्न गुबिट्ज, रोहित भाटिया, वसनाथ पदमा, जयंता रॉय, कारलोस

एस केस, डेविड जे ग्लेडस्टोन, रिचर्ड आई अविव एण्ड प्रीडिक्ट / सनीब्रूक आईसीएच सीटीआई स्टउी ग्रूप. प्रीडीसिटशन ऑफ इंट्रा सेरेब्रल हेमेटोमा एक्सपेंशन : मल्टीसेंटर एक्स्टर्नल वेलिडेशन ऑफ द सीटीए स्पॉट साइन स्कोर. 2013;44: एडब्ल्यूपी293

82. अय्यर वीके, सिगामनी ई, अग्रवाल एस, शर्मा ए, माथुर एसआर. द रोल ऑफ फाइन नीडिल एस्पीरेशन साइटोलॉजी इन इवेल्यूएशन ऑफ पीडियाट्रिक एब्डोमिनल मासेस : इंडीकेशन्स, कंट्राइंडीकेशन्स, बेनिफिट्स एण्ड कॉम्प्लीकेशन्स सीन ओवर 8 इयर एण्ड 276 एस्पीरेशन्स. *पीडियाट्रिक ब्लड कैंसर* 2012;**59**:1062.

83. जगन्नाथ एनआर, शाह आरजी, शर्मा यू, प्रसाद आर, 'एसोसिएशन ऑफ एपरेंट डिफ्यूजन को–एफिसिएंट विद मॉलीक्यूलर बायोमार्कर्स (ईआर, पीआर, एचईआर2 स्टेट्स) इन इनवेसिव ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स यूजिंग डिफ्यूजन वेटेड एमआर इमेजिंग'. प्रोक. इंटेल साइको मैग्न रिस्पॉन्स मेड; 21वां एनुअल मीटिंग ऑफ द इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर मैग्नेटिक रिसपॉन्स इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम), साल्ट लेक सिटी, उताह, यूएसए 2013; 21 : ट्रैकिंग नं. : 5402

84. जगन्नाथ एनआर, शाह आरजी, शर्मा यू, प्रसाद आर, सीनू वी. 'कोरेलेशन ऑफ मॉलीक्यूलर बायोमार्कर (ईआर, पीआर, एचईआर2 / एनईयू स्टेट्स) विद टोटल क्लोलाइन कॉन्सेंट्रेशन एण्ड ट्यूटर वॉल्यूम इन ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स : यूजिंक एन विवो प्रोटोन एमआरएस प्रोक. इंटेल साइको मैग्न रिस्पॉन्स मेड; 20वां एनुअल मीटिंग ऑफ द इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर मैग्नेटिक रिसपॉन्स इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम), मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया, 2012;20:3003

85. जगन्नाथ एनआर, शाह आरजी, शर्मा यू, प्रसाद आर, सीनू वी. 'मल्टी : पैरामेट्रिक एप्रोच फॉर द असेस्टमेंट ऑफ ट्यूमर रिसपॉन्स टू कीमोथैरेपी इन लोकली एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसर (एलएबीसी) पेशेंट्स : सिक्वेंशियल एमआरआई, डीडब्ल्यूआई एण्ड इन विवो एमआरएस स्डी' प्रोक. इंटेल साइको मैग्न रिस्पॉन्स मेड; 20वां एनुअल मीटिंग ऑफ द इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर मैग्नेटिक रिसपॉन्स इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम), मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया, 2012; 20: पेज : 42.

86. जैन केजी, मोहंती एस, बोस एस, सिंह एच, रे एआर, एरियन बी. कल्चरल एण्ड डिफरेंशिएशन ऑफ मेसेंकाइमल स्टेम सेल इनटू ऑस्टियोब्लास्ट ओवर चिंटोसन बेस्ड बायोकम्पोसाइट स्केफोल्ड फॉर बोन टिशू इंजीनियर. कीस्टोन सिम्पोजिया (रीजनरेटिव टिशू इंजीनियरिंग एण्ड ट्रांसप्लांटेशन) (जेड3) प्रथम हेल्ड ऑन 6 अप्रैल 2012, ब्रीकनिडजे, कोलोराडो, यूएसए

87. जैन पी, चौधरी पी] कुमार वी एल. इवेल्युएशन ऑफ एंटी : इंफ्लेमेटरी एण्ड एंटी : ऑक्सीडेंट इफेक्ट ऑफ आर्टसुनेट इन पाम्पा एडिमा मॉडल. इंडियन जे. फार्माकोल 2012(44 (पूरक) : एस 50-

88. जैन पी, कोणांकी आर, मोहम्मद ए, कुमार ए, गुलाटी एस. डिस्टिंक्ट न्यूरोइमेजिंग फीचर्स ऑफ फ्यूकोसिडोसिस. *डेव मेड चाइल्ड न्यूरोल* 2012;**54 (एस 4)**:31.

89. जैन पी, योगनाथन एस, शर्मा एस, मोतवानी जे, कुमार ए, वेयराडियर ए, *आदि.* पल्लोर, पेटेची एण्ड 'पफ ऑफ स्मोक' इन ए टोड्डलेर, *डेव मेड चाइल्ड न्यूरोल* 2012;**54 (एस4)**:179.

90. जैन वी, कुमार एस, काबरा एसके. ग्लूकोज टोलरेंस, ग्रोथ एण्ड प्यूबेरिटी इन चिल्ड्रन एण्ड एंडोलसेंट विद सिस्टिक फाइब्रोसिस (एब्स्ट्रेक्ट). पीडियाट्रिक डायब 2012;**13 (पूरक 17)**:55.

91. जयपुरिया जे, बागडिया ए, सागर एस, गर्ग एस, सिंघल एम, गुप्ता ए, आदि. पीडियाट्रिक पेरिफेरल वेस्कुलर इंजरीज़ : द इंडियन एक्सपीरियंस, मैनेजमेंट एण्ड लॉन्ग टर्म आउटकम्स. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.

92. जायसवाल आर, अग्रवाल एस, मिश्रा एमसी. चेंज इन सीरम लेवल ऑफ माइक्रोन्यूटिएंट्स ऑफ्टर वन इयर्स फलो अप ऑफ लेपरोस्कोपिक स्लीव गेस्ट्रेक्टॉमी. ऑबे सर्ज 2012;46.

93. जरयाल एके, गुप्ता ए, जैन जी, भौमिक डी, अग्रवाल एसके, दीपक केके. कम्पेरिजन ऑफ आर्टीरियल स्टीफन्स एण्ड हार्ट रेट वेरिबिलिटी इन क्रोनिक किडनी डिजीज पेशेंट्स विद और विदाउट पेरिटोनियल डायलिसिस. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2012;56:61:2.

94. झा एके, मलिक वी, किरन यू. रोल ऑफ डॉपलर इकोकार्डियोग्राफी इन पेशेंट्स विद ट्रिकस्पिड वॉल्व लेसन्स विद ऑर्टो : राइट एट्रियल फिस्टुला : ए डायग्नोस्टिक डिलेम्मा. जे. पेरियोपेरेटिव इकोकार्डियोग्राफी 2013:36. (एब्स्ट्रेक्ट)

95. झांझी एस. एफिकैसी ऑफ सायकोसोशल इंटरवेंशन इन सबस्टेंट यूज. इंडियन जे सोक साइकियाट्री 2012; 28 (पूरक): ए19

96. जोशी एन पी, मलिक एस, गांधी ए, पंडित एस, मोहंती बीके, रथ जीके, शर्मा डीएन, जुल्का पीके. रिइरिडेशन इन हैड – एण्ड – नैक कैंसर : एन इंडियन टर्शरी कैंसर सेंटर एक्सपीरियंस एब्स्ट्रेक्ट नं. 2684. *इंट जे रेडिएट ऑकोल बायो फिजि* 2012;**84,3एस : एस** 476.

97. जोशी आर, त्रिपाठी एम, रीता केएच, गुप्ता वाईके. प्रेस्क्रिबिंग पैटर्न ऑफ ओल्डर वेरियस न्यूवर एंटीएपिलेप्टिक ड्रग्स इन पेशेंट्स विद एपिलेप्सी अटैंडिंग आउट पेशेंट्स डिपार्टमेंट एट ए टर्शरी केयर सेंटर इन इंडिया. एपिलेप्सिया 2012; 53 (पूरक5): 120.

98. कश्यप एस, मील आर, पुष्कर एन, सेन एस, बक्शी एस, चावला बी. हिस्टोपैथोलॉजी इन रेटिनोब्लास्टोमा पेशेंट्स प्रेजेंटिंग विद बूफ्थैलमोस. 28वां एशिया : पैसेफिक एकेडमी ऑफ ऑफ्थैल्मोलॉजी कॉन्ग्रेस, हैदराबाद 17:20 जनवरी 2013.

99. कश्यप एस, पुष्कर एन, खुराना एस, बक्शी एस, शर्मा एमसी. एनाप्लास्टिक हेमेंजियोपेरीसिटोमा (डब्ल्यूएच ग्रेड 3) ऑफ द ऑरबिट : ए रेयर क्लिनिकल इंटीटी. द 28वां एशिया : पैसेफिक एकेडमी ऑफ ऑफ्थैल्मोलॉजी कॉन्ग्रेस, हैदराबाद 17:20 जनवरी 2013.

100. कौर एच, संगी एस, गुप्ता ए, झलक ए, सिंघल एम, चौहान एस, आदि. रूटीन ट्राइएल एण्ड रिट्राइएज ऑफ ट्रॉमा पेशेंट्स लीड्स टू डिटेक्शन ऑफ इनीशियली मिस्ड इंजरीज़. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.

101. कौर एम, चंद्रन डीएस, लाल सी, भौमिक डी, जरयाल एके, अग्रवाला एसके, आदि. इम्प्रूवमेंट इन सेंट्रल आर्टीरियल स्टीफन्स प्रीसीड्स द नार्मलाइजेशन ऑफ बारोरेफ्लेक्स सेंस्टीविटी इन रीनल ट्रांसप्लांट पेशेंट्स इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल2012;56:53:4.

102. खान आर, वनाथी एम, मिश्रा पी, सेठ टी, महापात्रा एम, अग्रवाल टी, *आदि* ऑक्यूलर जीवीएचडी इन एलोजेनिक हिमेटोपोइटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन. प्रोसीडिंग्स ऑफ थर्ड बेनियल साइंटीफिक मीटिंग ऑफ द एशिया कोरेनिया सोसाइटी ऑन नवम्बर 29 से 29, 2012 एट द सोफिटेल फिलिपिन प्लाज होटल मेनिला

103. खन्ना एम, सिंह यू, यादव एसएल. बैलेंस एण्ड गेट असेस्टमेंट एमंग लोवर – लिम्ब एम्प्यूटीज़ एण्ड कम्पेरिजन ऑफ स्टेटस विद हैल्दी कंट्रोल्स : ए हॉस्पीटल बेस्ड क्रॉस सेक्शनल स्टडी. इंडियन जे फिजि. मेड रिहेबिल 2013; 24 (पूरक) : एस 17.

104. खरबंदा ओपी. बायोलॉजिकल मार्कर ऑफ मिनीस्क्रू सेक्सेस. प्रोसीडिंग्स ऑफ वर्ल्ड इम्प्लांट ऑर्थोडोंटिक कॉन्फ्रेंस, सिडनी 2012 पेज 9

105. खरे पी, तलवार ए, दीपक केके, गुलेरिया आर, जरयाल एके. एसोसिएशन ऑफ एंडोथैलियम मेडिएटिड वेस्कुलर रेक्टीविटी विद सिस्टेमिक इंफ्लेमेशन इन सीओपीडी पेशेंट्स. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2012; 56 : 88.

106. खार्या सी, पाल एम, जेन जी, जरयाल एके, सिंह एच, आनंद एस, आदि इफेक्ट ऑफ मेंटल इमेजरी ऑफ मोटर एक्टिविटी ऑन पल्स वॉल्यूम एम्प्लीट्यूड. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2012;56 : 58-9.

107. खिलनानी जीसी, दुबे जी, सिंह एमबी, जैन एन, शर्मा एमसी, पाण्डे आरएम, सूद आर, शर्मा एस. इंसीडेंस, प्रीडिक्टर्स एण्ड ऑउटकम ऑफ एक्वायर्ड न्यूरोमस्कुलर वीकनेस इन क्रिटिकली इल : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी. एम. जे. रेस्पिय क्रिटि केयर मेड 2012; 185 : ए 3641

108. खिलनानी जीसी, तिवारी पी, गोयल ए, सिंह एल, अरोरा ए, गुलेरिया आर. ए रेयर केस ऑफ पल्मोनरी आलवियोलर हेमोरेज विद कार्डियोमायोपैथी. चेस्ट 2012; 142 : 463ए.

109. कोन्द्रू एस, गुप्ता ए, लालवानी एस, झलक ए, कुमार एस, कुमार एस, आदि रेलवे ट्रैक इंजरी – ए कॉमन मोड ऑफ वेरी सेवियर लाइफ थ्रेटिंग इंजरीज़. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.

110. कुमार पी, कुमार एस, गुप्ता ए, कुमार एस, सागर एस, सिंघल एम, आदि एपिडेमियोलॉजी ऑफ बाउल इंजरीज़ आफ्टर ब्लंट – 5 इयर्स एक्सपीरियंस इन लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.

111. कुमार पी, कुमार एस, सिंघल एम, सागर एस, गुप्ता ए, कुमार एस, आदि केस रिपोर्ट – रॉन्ग फॉर्वर्ड – रियर इंजरी बाय इंडियन टिफिन बॉक्स. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.

112. कुमार पी, सागर एस, गुप्ता ए, कुमार एस, सिंघल एम, मिश्रा बी. मैनजमेंट ऑफ ब्रेकियल आर्टरी इंजरीज़ : एनालाइसिस ऑफ 122 पेशेंट्स. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.

113. कुमार आर, अंद्राबी आर, तिवारी ए, प्रकाश एसएस, विंग एन, दत्ता डी, *आदि* प्रोडक्शन एण्ड एक्सप्रेशन ऑफ रिकॉम्बीनेंट एंटी–वी3 एससीएफवीएस फ्रॉम एचआईवी–1 क्लैड सी इंफेक्टेड इंडियन पेशेंट. रेट्रोवायरोलॉजी 2012;**9 (पूरक 1) : पेज** 3.

114. कुमार आर, अंद्राबी आर, तिवारी ए, प्रकाश एसएस, विंग एन, दत्ता डी, *आदि* जनरेशन एण्ड करेक्टराइजेशन ऑफ ह्यूमन मोनोक्लोनल सिंगल चेन वेरिएबल फ्रेंगमेंट्स (एससीएफवीएस) अगेंस्ट एनवलप थर्ड वेरिएबल रिजन (वी3) ऑफ एआईवी–1 क्लैड सी. बीएमसी इंफेक्ट डिस 2012;**12 (पूरक 1) : पेज** 11.

115. कुमार आर, अंद्राबी आर, तिवारी ए, शंकरन पीएस, विंग एन, दत्ता डी, *आदि* कंस्ट्रक्शन ऑफ साइट सिलेक्टिड फेज लाइब्रेरी एण्ड करेक्टराइजेशन ऑफ एंटी–वी3 एससीएफवीएस फ्रॉम इंडियन क्लैड सी एचआईवी–1 इंफेक्टेड पेशेंट्स रेट्रोवायरोलॉजी 2012;**9 (पूरक 2) : पेज** 291.

116. कुमार आर, नायक बी. रोबोटिक वर्सिस कवेंशनल लेपेरोस्कोपिक फिलियोप्लास्टी : ए सिगंगल सर्जन कंकरंट कोहार्ट रिव्यू. इंट. जे यूरोल 2012;19 (पूरक 1) : 159.

117. कुमार आर, रीता केएच, रे एसबी, एंटीनोसिसेप्टिव इफेक्ट ऑफ इंट्राथैकल लोपरमाइड : रोल ऑफ म्यूऑपियॉइड रिसेप्टर एण्ड कैल्शियम चैनल्स. एनुअल न्यूरोसाइंस 2012; 19 (पूरक) : 69–70.

118. कुमार आर, सिंह पी. लेपेरोस्कोपिक एड्रेनेलेक्टॉमी फॉर लार्ज ट्यूमर्स. ईएएसई 2012 : 13-24.

119. कुमार आर. एमआरएस टेक्नोलॉजिस इन डायग्नोसिंग अर्ली प्रोस्टेट कैंसर. इंट जे यूरोल 2012;19 (पूरक 1) : 150.

120. कुमार आर. पीसीएनएल थ्रो ए सुपीरियर कैलिक्स एप्रोच. इंट जे यूरोल 2012;19 (पूरक 1) : 13.

121. कुमार एस, गुप्ता ए, मिश्रा बी, पॉल एम, कुमार एस, सिंघल एम, आदि कंर्जवेशन ऑफ नॉन ऑपरेटिव मैनेजमेंट इज ए मार्कर ऑफ फेल्योर ऑफ सिलेक्शन एण्ड मोर्टेलिटी इन स्प्लेनिक इंजरी. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.

122. कुमार एस, गुप्ता ए, मिश्रा बी, पॉल एम, कुमार एस, सिंघल एम, आदि लिवर ट्रॉमा विद एसोसिएटिड इंजरी – इन वूम एण्ड वे टू ऑपरेट. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.

123. कुमार एस, जैन एस, मोहंती एस, बिहारी जे, पाल ए, गोपाल के, *आदि* इफेक्ट ऑफ बोन मैरो स्ट्रोमल सेल्स ट्रांसप्लांटेशन ऑन सेंसरीमोटर एण्ड ऑटोनोमिक फंक्शन इन कम्प्लीट स्पाइनल कॉर्ड ट्रांसेक्शन इंजरी रैट्स, 19वीं बेनियल मीटिंग ऑफ द इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर डेवलपमेंटल न्यूरोसाइंस (आईएसडीएन), जनवरी 11-14, 2012, मुम्बई, भारत

124. कुमार एस, मिश्रा बी, गुप्ता ए, पॉल एम, कुमार पी, सिंघल एम, आदि कार्डिरूक टेम्पोनाडे इज नॉट ए मार्कर ऑफ मोर्टेलिटी इन ट्रॉमेटिक कार्डियक इंजरी. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.

125. कुमार एस, पाल ए, जैन एस, मोहंती एस, वेलापांडियन टी, बिहारी जे, आदि रिकवरी ऑफ सेंट्रल इफेक्ट्स ऑफ कम्प्लीट थोरेसिस स्पाइनल कॉर्ड इंजरी इन रैट्स आफ्टर बोन मैरो स्ट्रोमल सेल ट्रांसप्लांटेशन. एनुअल न्यूरोसाइंस 2012;19(4एस) : 31.

126. लावीराज एमए, हर्ष केपी, रथ जीके, प्रभाकर आर, राजेन्द्रन एम. ए मैथड टू वेलिडेट द 4– डायमेंशियल कोन बीम कम्प्यूटिड टोमोग्राफी (4डी – सीबीटीसी) इन एक्स्ट्रनल बीम रेडिएशन थैरेपी. एब्स्ट्रेक्ट नं. : 3492, इंट जे रेडिएंट ओंकोल बायोल साइकिया. 2012;**84,3एस :** एस 779–एस 80.

127. मैथ्यू एम, गुप्ता ए, संगी एस, मिश्रा बी, फ्रेंकिस पी, झलक ए, आदि इंजरी सर्वालाइंस एनालाइसिस ऑफ पीडियाट्रिक एण्ड एंडोलसेंट ट्रॉमा फ्रॉम लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर ऑफ इंडिया. . एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.

128. मैथ्यू एम, गुप्ता ए, संगी एस, कुमार एस, सिंघल एम, सनीथा पीवी, आदि रिजन वाइस इंजरी पैटर्न ऑफ हॉस्पीटलाज्ड ट्रॉमा पेशेंट एट एन एपेक्ट ट्रॉमा सेंटर ऑफ इंडिया. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.

129. मैथ्यू एम, कोन्द्रू एस, गुप्ता ए, झलक ए, सागर एस, मिश्रा बी, आदि यूनिफॉर्म्ड एण्ड इम्प्रोपर इंटर हॉस्पीटल ट्रांसफार्स : अर्जेंट नीड टू प्लग द गैप्स इन ऑर्डर टू इम्प्रूव ट्रॉमा सिस्टम्स इन इंडिया. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.

130. मेहंदी ए, पंडित बी, श्रीवास्तव एएस, यादव जेएस. अर्ली चाइल्डहुड फिजिकल एब्यूज रिसल्टिंग इन फियोचर साइकियाट्रिक मोर्बिडिटीज़ – ए केस रिपोर्ट रिपोर्ट. इंडियन जे. साइकियाट्री 2013; 55 (पूरक) : 43.

131. मेहंदी ए, यादव जेएस कुमार एस, नसेरा एस. प्रेगनेंसी इंड्यूस्ड ओबेसिव कम्प्लेसिव डिस्टॉर्डर – ए केस रिपोर्ट. इंडियन जे. साइकियाट्री 2013; 55 (पूरक) : 31.

132. मिश्रा बी, गुप्ता ए, कुमार एस, पॉल एम, सागर एस, सिंघल एम, आदि पेरिकार्डियोसेंटेसिस हैज नो सर्वाइवल बेनिफिट इन ट्रॉमेटिक कार्डियक इंजरी इन ट्रामा सेंटर. स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.

133. मिश्रा बी, गुप्ता ए, कुमार एस, पॉल एम, सिंघल एम, सागर एस, आदि इवेल्युएशन ऑफ हॉस्पीटल स्टे एण्ड मोर्टेबिलिटी इन लिवर ट्रॉमा सेंटर इन इंडिया. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.

134. मित्तल डी, अग्रवाल एस, बक्शी एस, श्रीनिवास एम, बाजपेयी एम, गुप्ता डीके, *आदि मैनेजमेंट एण्ड आउटकम्स इन मैसिव बाइलेटरल विलम्स ट्यूमर्स. पीडियाट्रि ब्लड कैंसर* 2012,**59** : 1015.

135. मित्तल एस, कुमार यू, गुलेरिया आर, सेठ भल्ला ए, मोहन ए, श्रीनिवास वी. एचआरसीटी चेस्ट स्कोर एण्ड ब्रोंकोएलवेओलर लीवेज फ्ल्यूड साइटोलॉजी इन असेस्टमेंट ऑफ डिजीज एक्टिविटी ऑफ सिस्टेमिक स्क्लेरोसिस एसोसिएटिड इंटरस्टीशियल लंग डिजीज. इंडियन जे रिह्यूमेटोल 2012;7 : एस5.

136. मोहन ए, जॉर्ज जी, महमूद ए, पाण्डे आरएम. इवेल्यूएशन ऑफ इनहेलर यूसेज तकनीक एण्ड रिसपॉन्स टू एजुकेशनल ट्रेनिंग इन ए टर्शरी हेल्थ केयर सेंटर. एम जे रिसेपिर क्रिट केयर मेड 2012; 185 : ए3328.

137. मोहंती एस, बोस एस, भार्गव बी, एरन बी. इवेल्यूएशन ऑफ ट्रांसक्रिप्शन फेक्टर्स एण्ड क्रोमेटिन रिमॉडलिंग कॉम्प्लेक्स रिसपॉन्सिबल फॉर कंट्रेक्शन इन कार्डियोमायोसाइटिस ड्राइब्ड फ्रॉम ह्यूमन बोन मैरो मेसेंकाइमल स्टेम सेल्स. 10वीं एनुअल मीटिंग ऑफ इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर स्टेम सेल रिसर्च (आईएसएससीआर), योकोहमा, जापान, 13 – 16 जून, 2012.

138. मोहंती एस, कक्कड़ ए, सिंह एच, शर्मा पी, जैन वी, खरबंदा ओपी, *आदि* एडल्ट डेंटल पल्प ड्राइब्ड स्टेम सेल : एन अल्ट्रानेटिव सोर्स फॉर इन विट्रो जनरेशन ऑफ न्यूरॉन्स. 10वीं एनुअल मीटिंग ऑफ इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर स्टेम सेल रिसर्च (आईएसएससीआर), योकोहमा, जापान, 13 – 16 जून, 2012.

139. मोहंती एस, तवेतिया पी, कुमार एस, भार्गव बी, एरिवन बी. इम्मोर्टिलेज ह्यूमन फोरेस्किन फाइब्रोब्लास्ट फीडर सेल्स विद एंडोजीनस सेक्रेएशन ऑफ बी–एफजीएफ शो अप –रेगूलेशन ऑफ टीजीएफ–बीटा और आईजीएफ–।। : की फेक्टर्स ऑफ ह्यूमन एम्ब्रोनिक स्टेम सेल्स / इंड्यूस्ड प्लूरीपोटेंट स्टेम सेल प्लूरीपोप्टेंसी एण्ड सेल्फ रीन्यूएवल. 10वीं एनुअल मीटिंग ऑफ इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर स्टेम सेल रिसर्च (आईएसएससीआर), योकोहमा, जापान, 13 – 16 जून, 2012.

140. मोर्या एम, सक्सेना ए, सेठ टी, कुमार एस, सूद पी, मित्रा डी, *आदि इम्पैक्ट ऑफ एचएलए – जी 14बीपी पॉलीमॉर्फिज्म इन सिब्लिंग रिलेटिड हिमेटोपोइटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन. प्रोसीडिंग्स ऑफ 6वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एचएलए–जी, पैरिस* 2012.

141. नायक एन, सतपति जी. करंट पर्सपेक्टिव इन द पैथोजोनेसिस एण्ड लेबोरेटरी डायग्नोसिस ऑफ फंगल केराटिटिस. मायोकोस 2012:55 **(पूरक 4)** : 175.

142. पहुजा एम, रीता के एच, त्रिपाठी एम, गुप्ता वाईके. इफेक्ट ऑफ एनासाइक्लस पियरेथ्रम ऑन पेंटिलेनेटेट्राजोनल इंड्यूस्ड किंडलिंग. कॉग्निशियन, ऑक्सीडेटिव स्ट्रीस एण्ड आरएचओ – काइनेस ।। एक्सप्रेशन इन माइस. एपिलेप्सिया 2012; 53 (पूरक 5): 171.

143. पहवा आर, कुमार यू, दास एन. रोल ऑफ कॉम्प्लीमेंट रेगूलेटरी प्रोटीन सीडी46 इन रिह्यूमेटॉइड आर्थराइटिस. इम्युनोलॉजी 2012;**137 (पूरक): एस**1.

144. पाल ए, सिंह ए, कुमार एस, माथुर आर, जैन एस. एंटी–ऑक्सीडेंट एण्ड ऑटो–केटोलिटिक बिहेवियर ऑफ सुपर पैरामेग्नेटिक आयरन ऑक्साइड नैनेपार्टिकल्स. एनुअल न्यूरोसाइंस 2012;19(4S):36.
145. पल्लवी पी, मुखोपाध्याय एके, सागर आर, मेहता एम. सीरम साइटोकाइन लेवल्स एण्ड कोरेलेशन विद डीप्रेशन, एनेक्सीटी सेवेरिटी इन इंडियन एडोलसेंट विद डिप्रेशन. ऑस्ट्रेलेशियन सोसाइटी फॉर साइकियाट्रिक रिसर्च (एएसपीसी) 2012 कॉन्फ्रेंस एट द एस्प्लांडे होटल फ्रेमंटले, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया, दिसम्बर 5-7, 2012, पे. 66.
146. पंचनटेश्वर के, शाह आरजी, जगन्नाथ एनआर, शर्मा यू, प्रसाद आर. ''कम्पेरिजन ऑफ मोर्फोलॉजिकल एण्ड फंक्शनल इमेजिंग इन ट्यूमर रिसपॉन्स इवेल्यूएशन इन पेशेंट्स विद लोकली एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसर रिसीविंग नियोएडजुवेंट कीमोथैरेपी''. प्रोक. इंटल सोक मैग्न रिसॉन्स मेड.; 21वां एनुअल मीटिंग ऑफ द इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर मैग्नेटिक रिसपॉन्स इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम), साल्ट लेक सिटी, उटाव; यूएसए, 2013; 21: ट्रैकिंग नं. : 4732.
147. पाण्डे आर, हशीर ए, भल्ला ए, आदि ''द स्टडी ऑफ सेक्सेस रैट ऑफ रेडियल आर्टरी करेक्टराइजेशन एट वेरिएस डिग्री ऑफ रिस्ट एंगुलेशन्स'' – ए रेंडोमाइज्ड, प्रोस्पेक्टिव स्टडी. बीआर जे एनेस्थे .2012;108 (एस 2):ii128.
148. पाण्डे आर, नारायण स्वामी एस, चंद्रलेखा, डारलॉग वी, आदि. टू इवेलुएट द एफिकैसी ऑफ टीएक्सए इन रिड्यूसिंग पेरियोपरेक्टिव ब्लड लोस एण्ड इट्स इफेक्ट ऑन शंट पेटेंसी इन एलआर शंट सर्जरी. ए प्रोस्पेक्टिव, रेंडोमाइज्ड, डब्ल ब्लाइंड, प्लासेबो कंट्रोल स्टडी. बीआर जे एनेस्थे 2012;108(एस2):ii379.
149. पांडिया एम पी, भारती एसके, रथ जी, बिठल पी, दाश एच एच. रेस्पीरेटरी कॉम्प्लीकेशन्स इन द अर्ली पोस्ट–ऑपरेटिव पीरियड फॉलोइंग इलेक्टिव क्रेनियोटोमाइस. बीआर जे एनेस्थे 2012;**108** (पूरक 2).
150. पवार ए, धवन ए, आर्या केआर, वार्ष्णेय एम. प्रोफाइल ऑफ पेशेंट्स प्रेजेंटिंग टू द चाइल्ड एण्ड एंडोलसेंट सबस्टेंस यूज क्लिनिक एट ए टर्शरी केयर डी–एडिक्टिशन सेंटर. इंडियन जे साइकियाट्री 2013; 55 (पूरक): 42-3.
151. पॉल एम, कुमार एस, गुप्ता ए, मिश्रा बी, गामनगट्टी एस, सिंघल एम, आदि. इवेल्युएशन ऑफ हॉस्पीटल स्टे एण्ड मोर्टेलिटी इन लिवर ट्रॉमा विद एसोसिएटिड इंजरी इन लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर इन इंडिया. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.
152. प्रभाकर पी, रीता के एच, गुप्ता वाईके. टिएनेप्टिन अम्लियोरेट्स सीजर्स एण्ड सीज़र्स एसोसिएटिड कंजेनाइटिव इम्पायरमेंट इन एक्सपेरिमेंटर मॉडल ऑफ सीज़र्स इन रैट्स. एनुअल. न्यूरोसाइंस 2012; 9 (पूरक): 27.
153. प्रभाकर पी, रीता के एच, मौलिक एसके, सिंह एस, डिंडा एके, गुप्ता वायके. प्रोटेक्शन ऑफ फ्रूकटोस रिच टाइट इंड्यूरूड इंसुलिन रेसीस्टेंस बाय थिमोक्यूनोन इन रैट्स. इंडियन जे फार्माकोलॉजी 2012;44 (पूरक):S154-S155.
154. प्रकाश के, बेडे जी, जरयाल एके, खडगावत आर, दीपक केके. कोरेलेशन बिटविन इंसुलिन रेसीस्टेंस एण्ड ऑबेसिटी इन अनकॉम्प्लीकेटेड टाइप 2 डायबिटीज़ मेलिटस. इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2012;56:151.
155. प्रकाश के, चंद्रन डीएस, कौर एम, रॉय एस, खडगावत आर, जरयाल एके, आदि. कोरेशन फॉर बीपी चेंजिस इम्प्रूव्स द स्थ्रेंस ऑफ कोरेलेशन इन सेरेब्रो–वेस्कुलर रेक्टीविटी बिटविन ब्रेथ होल्डिंग एण्ड 6 प्रतिशत कार्बन डाइऑक्साइड ब्रेथिंग इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2012;56:138-9.
156. प्रकाश के, चंद्रन डीएस, खडगावत आर, जरयाल एके, दीपक केके. सेरेब्रोवेस्कुलर रेक्टीविटी एण्ड सिस्टेमिक वेस्कुलर रेक्टीविटी इन पेशेंट्स ऑफ टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2012;56:39-40.
157. राधाकृष्णन वी, कश्यप एस, सिंह एल, पुष्कर एन, बक्शी एस. प्रोग्नोस्टिक सिग्नीफिकेंस ऑफ वीईजीएफ एट बेसलाइन इन ओरबिटल रेटिनोब्लास्टोमा (आईआरएसएस स्टेज 2 और स्टेज 3). पीडियाट्रि ब्लड कैंसर 2012:103 (पब 153).
158. राधाकृष्णन वी, शर्मा एस, विष्णु भाटला, बक्शी एस. एमआरआई फंडिंग्स एट बेसलाइन एण्ड आफ्टर नियोएडजुवेंट कीमोथैरेपी इन ओरबिटल रेटिनोब्लॉस्टोमा (आईआरएसएस स्टेज 2) पीडियाट्रि ब्लड कैंसर 2012:985 (ओ057).
159. राधाकृष्णन एस, सेंगुट्टूवन एनबी, लक्ष्मी आर, सक्सेना आर, वाधवा एस, खुंगनेर जेएम, *आदि.* प्लेटलेट फंक्शन एण्ड मोर्फोलॉजी इन इडियोपैथिक पल्मोनरी हाइपरटेंशन. पल्मोनरी सर्कुलेशन 2011;**1**:508

160. रथ जी के, हरीश केपी, प्रभाकर आर, लावीराज एमए, राजेन्द्र एम, जुल्का पीके. इम्पैक्ट ऑफ बीम एनर्जी वेरिएशन्स एण्ड सैट अप एरर इन द ट्रीटमेट ऑफ प्रोस्टेट कैंसर. एब्स्ट्रेक्ट नं. : 2428, इंट जे रेडिट ओंकोल बायोल फिजि. 2012;**84,3एस :** एस379-एस 438.
161. रविन्द्र आर, धवन डी, बक्शी एस. ओवर वेट इन एक्यूट ल्यूकेमिया सर्विवेर्स इन ड्यू टू इम्बैलेंस ऑफ एनर्जी इनटेक एण्ड टोटल एक्सपेंडिचर. पीडियाट्रिक ब्लड कैंसर 2012:1110 (पीक्यू038).
162. रीता के एच, प्रभाकर पी, गुप्ता वायके. प्रोटेक्टिव इफेक्ट ऑफ टिनेप्टिन ए सिलेक्टिव सेरोटोनिन रिह्यूपटेक एनहांसर (एसएसआरई) अगेस्ट एक्सपेरिमेंटली इंडयूस्ड सीजर्स इन रैट्स. एनुअल न्यूरोसाइंस 2012;19 (पूरक):27.
163. रीता के एच, प्रभाकर पी, महला जे, गुप्ता वायके. एंटीएपिलेप्टिक इफेक्ट ऑफ टिनेप्टिन इन पेंटीलेनेटेट्राजोल इंड्यूस्ड सीज़र्स इन रैट्स : पॉसिबल रोल ऑफ एनएमडीए रिसेप्टर. एपिलेप्सिया 2012;53 (पूरक 5):172-3.
164. रेवाड़ी आर, वी के आनंद, रामचंद्र, ए त्रिखा. इफेक्ट ऑफ प्रीगेबेलिन ऑन प्रीयोपरेटिव एनेक्सटी एण्ड पोस्ट–ऑपरेटिव पैन आफ्टर टोटल एब्डोमिनल हिस्टेरेक्टॉमी – ए डोज रेनिंग स्टडी. बीआर जे एनेस्थे 2012;108 (पूरक 2):ii277.
165. रोड्रिग्यूज – लूना डी, डार दौलतशाही, रिचर्ड आई एवीआईवी, कारलोस ए मोलिना, योलांडा सिल्वा ब्लास, इम्यूएल डजिआलोवास्की, चीमुन लुम, अन्ना कोलोंस्का, जीन : मार्टिन बोलांगेर, कारलोस एस, केसे, कोर्ड गुबिटज, रोहित भाटिया, वसंथा, पदमा, जयंत रॉय, टेरी स्टीवार्ड, माइकल डी हिल, एंड्रू एम डेम्चुक, एण्ड प्रीडिक्ट / सनीब्रूक आईसीएच सीटीआई स्टडी ग्रूप. वेनस फेज इज बेस्ट बॉल्यूस टाइमिंग टू इंक्रीज स्पॉट साइन डिटेक्शन इन आईसीएच, बट फ्रिक्वेंसी एण्ड एक्सटेंट ऑफ हिमेटोमा एक्सपेंशन एरे ग्रेटर इन स्पॉट साइन डिटेक्टिड इन ए आर्टिरियल फेज ऑफ सीटीए. स्ट्रोक. 2013;44:ए115.
166. रोड्रिग्यूज – लूना डी, टेरी स्टेवर्ट, सुरेश सुबामणियन, डार दौलतशाही, जयमी सी किसोर, रिचर्ड आई एवीआईवी, कारलोस ए मोलिना, योलांडा सिल्वा ब्लास, इम्यूएल डजिआलोवास्की, चीमुन लुम, अन्ना जलोंकोवस्का, जीन : मार्टिन बोलांगेर, कारलोस एस, केसे, कोर्ड गुबिटज, रोहित भाटिया, वसंथा, पदमा, जयंत रॉय, टेरी स्टीवार्ड, माइकल डी हिल, एंड्रू एम डेम्चुक, एण्ड प्रीडिक्ट / सनीब्रूक आईसीएच सीटीआई स्टडी ग्रूप. बेसलाइन पेरिहिमेटोमल एडिमा इज ग्रेटर इन द प्रेसेंस ऑफ ए सीटीए स्पॉट साइन बट डोज नॉट प्रीडिक्ट हिमेटोमा एक्सपेंशन इंडिपेंडेंट ऑफ आईसीएच वॉल्यूम स्ट्रोक 2013;44: एडब्ल्यूपी293.
167. रॉय एस, नाग टीसी, माथुर आर, जैन एस. एडॉटरी स्टीमुलेशन इन द प्रीनेटल पीरियड मॉड्यूलेट्स डेवलपमेंट ऑफ एडॉटरी एण्ड सिस्टम्स इन चीक्स (गेलस डोमेस्टिक्स) एनुअल न्यूरोसाइंस 2012:19(4एस):72.
168. सागर एस, सिंघल एम, कुमार एस,गुप्ता ए, मिश्रा बी, सोखी के. डोज इनवॉल्वमेंट ऑफ वाउंड केयर नर्स इम्पूव पेशेंट्स सस्टीफिकेशन एण्ड वाउंड हीलिंग? – एन एक्सपीरियंस फ्रॉम लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर, इंडिया प्रेजेंटिड एज पोस्ट एट एसएडब्ल्यूसी फॉल । 2012, बाल्टीमोर एमडी यूएसए ऑन 12–14 सितम्बर 2012. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ एसएडब्ल्यूसी फॉल 2012, ऑफिशियल मीटिंग ऑफ एएडब्ल्यूसी एण्ड वॉस एवॉर्डिड रिसर्च पोस्टर एण्ड क्रिटिक्यू बाय डब्ल्यूओसीएसपीईसी कमेटी.
169. सागर एस, सिंघल एम, कुमार एस, गुप्ता ए, मिश्रा बी, माथुर पी. एनालाइसिस ऑफ माइक्रोबायोलॉजिकल कल्चरल रिपोर्ट ऑफ पोस्ट ट्रॉमेटिक वुंड्स ऑफ इन–पेशेंट एट लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर, इंडिया एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ एसएडब्ल्यूसी फॉल 2012, ऑफिशियल मीटिंग ऑफ एएडब्ल्यूसी हेल्ड एट बाल्टीमोर 12–14 सितम्बर 2012.
170. शाह आरजी, शर्मा यू, प्रसाद आर, जगन्नाथ एनआर. 'कट–ऑफ वॉल्व ऑफ द एब्सॉलेंट कॉनसिटरेशन ऑफ ओटल कोलाइन फॉर द डिफरेंशनल ऑफ अर्ली ब्रेस्ट कैंसर, लोकली एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसर, बेनिंग एण्ड नॉर्म ब्रेस्ट टिशू यूजिंग प्रोटॉन इन विवो एमआरएस इन लॉर्ज कोहार्ट ऑफ वुमेन' प्रो. इंटल साइ मैग्न रिस. मेड; 20वीं एनुअल मीटिंग ऑफ द इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर मैग्नेटिक रिसपॉन्स इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम), मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया 2012;20: पेज-3001.
171. शाह आरजी, शर्मा यू, प्रसाद आर, जगन्नाथ एनआर. 'डिफरेंशनल ऑफ मैलिग्नेंट, बेंनिग्न एण्ड नॉर्मल ब्रेस्ट टिशू इन ए लार्ज कोहार्ट यूजिंग एडीएस डिटर्मिनेड बाय डीडब्ल्यू एमआरआई' प्रो. इंटल साइ मैग्न रिस. मेड; 20वां एनुअल मीटिंग ऑफ द इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर मैग्नेटिक रिसपॉन्स इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम), मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया 2012;20: पेज-2984.

172. साहू आर के, रैना वी, कुमार एल, शर्मा ए, बक्शी एस. एलोजेनिक हिमेटोपॉइटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन इन हाइ रिक्स एएमए – एन एट इयर एक्सपीरियंस एट एम्स. प्रेजेंटिड एज ओरल पेपर ड्यूरिंग अपकमिंग एशिया पैसिफिक ब्लड एण्ड मैरो ट्रांसप्लांट मीटिंग हैदराबाद; 26-28 अक्तूबर 2012
173. साहू ए, चटर्जी बी, सागर आर. असेस्टमेंट ऑफ कंजेनाइटिव इम्पायरमेंट एण्ड फंक्शनल डिसेबिलिटी यूथिमिक स्टेट इन टाइप I बाइपोलर डिस्ऑर्डर : इज द रिकवरी 'कम्प्लीट'? इंडियन एस साइकियाट्री 2013; 55: S85.
174. सनीथा पीवी, गुप्ता ए, लालवानी एस, कुमार एस, कुमार एस, सागर एस, आदि. प्रीवेंशन ऑफ फॉल्स इन एल्डर्ली कैन रिड्यूस्ड जेरियाट्रिक ट्रॉमा ब्यूरडेन इन सिविलियन सैटिंगस. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.
175. सांख्यन एन, रमेश के, शर्मा एस, गुलाटी एस. इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल प्रोफाइल ऑफ चाइल्डहुड गुलियन बेरे सिंड्रोम इन नॉथ इंडिया : ए क्रॉसेशनल स्टडी. डेव मेड चाइल्ड न्यूरोल 2012;**54** (एस **4**):134.
176. सतपति जी, बेहरा एचएस, बंडीवाडेकर पी, नायक एन, पांडा ए, त्रिपाठी एम *आदि.* जेनेटिक डायवर्सिटी इन कैथेमोएबा स्प. पैरासाइट्स डिटेक्टिड बाय पीसीआर एसे एण्ड आइसोलेटिड इन कल्चरल फ्रॉम आइ एण्ड सीएनएस इंफेक्शन्स. इंड जे पैथोलॉजी एण्ड माइक्रोबायोलॉजी 2012:**55** **(पूरक 1)**: पीएस14 –एस15.
177. सहगल एस, गुलाटी, सप्रा एस, जैन पी, त्रिपाठी एम, काबरा एम. *आदि.* न्यूरोडेवलपमेंटल एण्ड एपिलेप्सी आउटकम इन चिल्ड्रन एज्ड वन टू फाइव इयर्स विद इंफेंटाइल स्पैम्स : ए क्रॉस. सेक्शनल स्टडी. डेव मेड चाइल्ड न्यूरोल 2012;**54** **(एस4)**:135.
178. सेठ एस, सेठ आर, वर्मा के. एपिडेमियोलॉजी ऑफ लेट ऑनसैट एंथ्रेसिलाइन इंड्यूस्ड मायोकार्डियल डिस्फंक्शन इन चाइल्डहुड कैंसर सर्वाइवर्स. पीडियाट्रिक ब्लड कैंसर 2012;**59**:1104 (पीक्यू013).
179. शाह बी, सुब्रामणियन ए, अग्रवाल डी, मुखोपाध्याय एके. रोल ऑफ इमेच्योर प्लेटलेट फ्रेक्शन एज ए मेजर ऑफ थ्रोम्बोसाइटोपेनिया एण्ड इट्स रिलेशन विद ऑर्गन फेल्योर इन ब्रेन इंजरी पेशेंट्स विद इन 24 हॉर्स आफ्टर इंजरी. जे ब्रेन इंजरी 2012; 26 (4-5): 787-8.
180. शाह बी, सुब्रामणियन ए, अग्रवाल डी, मुखोपाध्याय एके. थ्रोम्बोलेस्टोग्राफी – विस्कोइलास्टिक हेमोस्टेटिक एसे (वीएचए) एज एन इंडीकेटर ऑफ ओवर्ट डिस्मेंटिड इंट्रावेस्कुलर कोएगुलेशन इन ब्रेन इंजरी पेशेंट्स विद इन 24 हॉर्स आफ्टर इंजरी. जे ब्रेन इंजरी 2012; 26 (4-5): 586-7.
181. शाह एन, लोगानी ए. मिनीमली – इनवेसिव एपिकल सर्जरी फॉर लार्ज, इंफ्लेमेटरी, सिस्ट–लाइक लीशन्स : प्रोसीडिंग्स ऑफ द जनरल सेशन ऑफ आईएडीआर हेल्ड एट सीटेल, यूएसए ड्यूरिंग 20-24 मार्च, 2013.
182. शाजी एस, मोल एस, कैरोलाइन, पॉल एम, सोखी के, सागर एस, आदि. लेप्रोस्टॉमी वाउंड फॉलोइंग एब्डोमिनल ट्रॉमा : वॉट प्रीडिक्ट्स द आउटकम? एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर : ट्रॉमा 2012, एम्स, दिल्ली.
183. शक्ति कुमार गुप्ता. ए स्टडी ऑफ वेटिंग टाइम इन द इर्मेजेंसी ऑफ ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल इन इंडिया. प्रीहॉस्पीटल एण्ड डिजास्टर मेडिसिन, पीडीएम 28(1), मई,2013
184. शक्ति कुमार गुप्ता. एम्बुलेंस डिसइंफेक्शन प्रैक्टिस इन इडिया : ए क्रिटिकल रिव्यू. प्रीहॉस्पीटल एण्ड डिजास्टर मेडिसिन, पीडीएम 28(1), मई,2013
185. शक्ति कुमार गुप्ता. काम्पेटेंसी असेस्टमेंट ऑफ कोम्बैट हेल्थकेयर लीडर्स : काउंटिंग बिटल स्ट्रीट. प्रीहॉस्पीटल एण्ड डिजास्टर मेडिसिन, पीडीएम 28(1), मई, 2013
186. शक्ति कुमार गुप्ता. क्रिटिकल रिव्यू ऑफ सेंट्रलाइज्ड एक्सिडेंट एण्ड ट्रॉमा सर्विस (सीएटीएस) इन, नई दिल्ली, भारत. प्रीहॉस्पीटल एण्ड डिजास्टर मेडिसिन, पीडीएम 28(1), मई,2013
187. शक्ति कुमार गुप्ता. लर्निंग्स फ्रॉम ए मैसिव फायर इन ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल इन इंडिया प्रीहॉस्पीटल एण्ड डिजास्टर मेडिसिन, पीडीएम 28(1), मई, 2013
188. शक्ति कुमार गुप्ता. मोबाइल हेल्थ यूनिट्स : वे फॉरवर्ड इन मास कैजुवल्टी इवेंट्स . प्रीहॉस्पीटल एण्ड डिजास्टर मेडिसिन, पीडीएम 28(1), मई ,2013
189. शक्ति कुमार गुप्ता. प्रोफाइल ऑफ पेशेंट्स विजिटिंग एन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर इन इंडिया : प्रीहॉस्पीटल एण्ड डिजास्टर मेडिसिन, पीडीएम 28(1), मई ,2013
190. शरण पी, सागर आर, भार्गव आर, केडिया एस. डेवलपमेंट ऑफ डिप्रेशन आइडेंटीफिकेशन इंस्ट्रमेंट फॉर कंट्रीज़ इन डब्ल्यूएचओ – एसईएआरओ. इंडियन जे साइकियाट्री 2013; 55:एस21.

191. शराफत एस के, बक्शी एस, गुप्ता आर, इकबाल एस, श्रीनिवास वी, बक्शी आर. इंक्रीज्ड को–एक्स्प्रेशन ऑफ सीडी135 और सीडी117 प्रीडिक्ट्स आउटकम इन पीडियाट्रिक एक्यूट माइलॉइड ल्यूकेमिया : ए प्रोस्पेक्टि स्टडी. पीडियाट्रिक ब्लड कैंसर 2012:68 (पब 067).
192. शराफत एस के, बक्शी एस, गुप्ता आर, श्रीनिवास वी, बक्शी आर. प्रोलिफरेक्टिव एण्ड एंटी–एपॉप्टॉटिक ट्रांस्क्रिप्ट रेटियो प्रीडिक्ट्स आउटकम इन पीडियाट्रिक एक्यूट माइलॉइड ल्यूकेमिया. पीडियाट्रिक ब्लड कैंसर 2012:66 (पब 059).
193. शराफत एस के, गुप्ता आर, श्रीनिवास एस, रैन वी, कुमार एल, शर्मा ए, *आदि*. एक्यूट माइलॉइड ल्यूकेमिया : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी. एट ईएसएमओ 2012 कॉन्ग्रेस, 28 सितम्बर – 2 अक्तूबर 2012, विन्ना ऑस्ट्रिया
194. शर्मा ए, कयाल एस, सिरीयाक तिलक टी, रैना वी. हिमेटोपोइटिक सेल ट्रांसप्लांट कमोर्बिडिटी इंडेक्स (एचसीटी–सीआई) इन ऑटोलोगस पेरिफेरल ब्लड स्टेम सेल्स ट्रांसप्लांट (एपीबीएससीटी) : आवर एक्सपीरियंस प्रेजेंटिड एज ओरल पेपर ड्यूरिंग अपकमिंग एशिया पैसिुकि ब्लड एण्ड मैरो ट्रांसप्लांट मीटिंग, हैदराबाद; 26-28 अक्तूबर 2012.
195. शर्मा ए, कयाल एस, इकबाल एस, मलिक पीएस, रैना वी. कम्पेरिजन ऑफ बीईएएम वर्सिस एलईएएम रेजिमेन इन ऑटोलोगस ट्रांसप्लांट फॉर लिम्फोमा. प्रेजेंटिड एज पोस्टर ड्यूरिंग अपकमिंग एशिया पैसेफिक ब्लड एण्ड मैरो ट्रांसप्लांट मीटिंग, हैदराबाद; 26-28 अक्तूबर 2012.
196. शर्मा डीएन, रथ जी के, रस्तोगी एस, जुल्का पीके, लावीराज एमए. रोल ऑफ एस्ट्राकोरपोरियल इरीडिटेशन इन मैलिग्नेंट बोन ट्यूमर एब्स्ट्रेक्ट नं. : 398, इंट जे रेडिए ओंकोल बायोल फिजि 2012;**84,3**एस :एस 160–एस 61.
197. शर्मा डीएन, रथ जी के, शर्मा एस, गांधी एके, जुल्का पीके. इंटस्टीशियल ब्रेकीथैरेपी विद एण्ड विदआउट सेंट्रल टेंडम इन द ट्रीटमेंट ऑफ सर्वाइकल कार्सिनोमा : ए डोसीमेट्रिक स्टडी. एब्स्ट्रेक्ट नं. : 2580, इंट जे रेडिए ओंकोल बायोल फिजि 2012;**84,3एसः**एस437.
198. शर्मा एस, संख्यान एन, गुलाटी एस, अग्रवाल ए. यूज आफ द मॉडीफाइड एट किन्स डाइट फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ रिफ्रेक्टरी चाइल्डहुड एपिलेप्सी : ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. देव मेड चाइल्ड न्यूरोज 2012;**54 (एस4):**99.
199. शर्मा एससी, सिन्हा पी, ठकर ए. मैनेजमेंट ऑफ जुगुलोटाइमेनिक पैरागैंग्लियोमास : आवर एक्सपीरियंस इन इंडिया. स्कुल बेस : एन इंटरडिस्पिलनरी एप्रोच 2012;**22(एस1):**94.
200. शर्मा एसके, धीरज ए, यादव एसएल, सिंह यू. प्रोलोथैरेपी वर्सिस कॉर्टीकोस्टेरॉइड इंजेक्शन फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ प्लांटर फैसिटिस : ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. इंडियन जे पीएचवायएस मेड रिहेबिल 2013; 24 (पूरक): एस8-एस9.

201. शर्मा एसके, राजकुमार यादव, यादव एसएल, सिंह यू. हिटेरोटोपिक ऑसिफिकेशन ऑफ शोल्डर इन स्ट्रोक – एन अनयुजवल प्रेजेंटेशन. इंडियन जे फिजि मेड रिहेबिल 2013; 24 (पूरक) : एस17.
202. शेरवाल बीएल, रक्षित पी, सोंगारा पी, कुमार एस, अग्रवाल एस, नायक एन. कम्पेरिजन ऑफ ई टेस्ट विद सीएलएसआई एम 38 ए रेफरेंस मैथड फॉर ए विट्रो ड्रग ससेप्टिबिलिटी इन फंगल आइसोलेट्स राइनोसिनुसिटिस पेशेंट इन दिल्ली. माइकोस 2012 : **55 (पूरक4) :** 333.
203. सिंह ए, मित्रा डीके, डे एबी, मोहन ए, शर्मा एसके. टी सेल सरफेस एक्सप्रेशन ऑफ प्रोग्राम्ड डेथ – 1 (पीडी–1) एज बायोमार्कर्स फॉर कीमोथैरेप्यूटिक रिसपॉन्स एमंग ट्यूबरकुलोसिस पेशेंट्स. चेस्ट 2012; 142 : 146ए. डीओआई : 10.1378 / चेस्ट.1389878.
204. सिंह ए, सिंह एस, अंसारी एमए, इरशाद एम. को–इंफेक्टीविटी ऑफ हिपेटाइटिस बी वायरस और हिपेटाइटिस ई वायरस. बीएसी इफेक्ट डिस 2012; 12 (पूरक1) : P68.
205. सिंह ए के, शुक्ला एन के, दास एस एन, रिड्यूस्ड फ्रेक्वेंसी एण्ड इम्पायर्ड फंक्शनल प्रोपर्टीज ऑफ सीडी3 + 6बी11 + आईएनकेटी सेल्स इन पेशेंट्स विद तम्बाकू –रिलेटिड ओरल सिक्वेमस सेल कार्सिनोमा. जे कार्सिनोजेनेसिस 2012;**11 (पूरक.1) :** एस25.
206. सिंह बी जी, डोगरा पीएन, सिंह पी, आशीष कुमार एस. रोबट असिस्टेड लेपेरोस्कोपिक ऑग्मेंटेशन लियोसिटोप्लास्टी विद इंट्राकोपरियल बाउल रिकंस्ट्रक्शन इन ए ट्यूबरकुलर ब्लेडर. इंडियन जे यूरोल 2013 : 29 : एस34.

207. सिंह एल पी, दीपक के के, भारद्वाज ए. कार्डियक ऑटोनॉमिक टन ऑफ वर्कर्स इंगेज्ड इन कास्टिंग एण्ड फोरगिंग इंडस्ट्री : ए स्टडी इन इंडिया : इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल 2012;55 : 94.
208. सिंह एम बी, पदमा एम वी, प्रसाद के, बेहारी एम, भाटिया आर, टेकिंग द क्लिनिक टू द पेशेंट् – इमर्जिंग डीमोग्राफिक डेटा फ्रॉम ए मोबाइल रूरल इंडियन एपिलेप्सी क्लिनिक. न्यूरोलॉजी 2012; 78 : पी07.118
209. सिंह आर बी, मूनॉट के, पठनिया एस, बक्शी एस. कॉम्प्लीकेशन्स ऑफ 'वैरी हाइ' ल्यूकोसाइटोसिस इन पीडियाट्रिक एक्यूट ल्यूकेमिया पेशेंट्स मैनेज्ड विदआउट रास्बुरीकेस एण्ड ल्यूकोफेरेसिस. एट ईएसएमओ 2012 कॉन्ग्रेस, 28 सितम्बर- 2 अक्तूबर 2012, विएना, ऑस्ट्रिया.
210. सिंह एस, अंसारी एम ए, सिंह ए, मनकोटिया डीएस, इरशाद एम. एक्स्प्रेशन ऑफ ओआरएफ2 प्रोटीन ऑफ टीटीवी फॉर डेवलपमेंट ऑफ ईआईए सिस्टम. बीएमसी इफेक्ट डिस 2012; 12 (पूरक1) : पी1.
211. सिंघल एम, सागर एस, मिश्रा पी, सोखी के. इंफ्रा रेड लेजर इन क्रोनिक वाउंड हीलिंग एब्स्टेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ सिक्स्थ एनुअल ट्रांसप्लांटेशनल टू क्लिनिकल (टी2सी) रिजनरेटिव मेडिसिन वाउंड केयर कॉन्फ्रेंस मार्च 14–16,2013 कोलम्बस, ओहिओ, यूएसए
212. सोमी पी एस, अंद्राबी आर, कुमार आर, लोधा आर, काबरा एस के, वाजपेयी आदि क्रॉस क्लेड न्यूट्रीलाइजेशन पोटेंशियल ऑफ द प्लाज्मा ऑफ एंटिरिट्रोवायरल नेइव एचआईवी –1 इफेक्टेड चिल्ड्रन फ्रॉम नॉर्थ इंडिया. बीएमसी इंफेक्ट डिस 2012;**12 (पूरक1)** : पी87.
213. सुनीथा एस, तलवार ए, महापात्रा एससी, शर्मा आर. इफेक्ट ऑफ ओसीमम सेंक्टम ऑन स्ट्रीट मेमोरी एण्ड अटेंशन इन हैल्दी. प्लेंटा मेडिका 2012;78 : 112.
214. स्वरूप एल, डोगरा पीएन पी, सिंह पी, सैनी एके, नायक बी. रोबट असिस्टेड लेपेरोस्कोपिक रेडिकल साइटेक्टॉमी : सिंगल सेंटर एक्सपीरियंस इंडियन जे यूरोल 2013;29 : S99–108.
215. स्वरूप एल, डोगरा पी एन, सिंह पी, सैनी ए के, नायक बी. सिमुलेशन्स रोबट असिस्टेड लेपेरोस्कोपिक यूरेटेरोलिथोटॉमी, साइटोलिथोलटॉमी विद सिम्पल प्रोस्टेक्टॉमी इन ए पेशेंट्स विद बीपीएच विद वेसिकल स्टोन एण्ड लोवर यूरेटेरिक स्टोन इंडियन जे यूरोल 2013 : 29 : एस99–100.
216. तेजूमुरटुला टी, शेरावत एस के, गुप्ता ए आर, अग्रवाल एस, खान एस ए, रस्तोगी एस, आदि असिस्टेंटस ऑफ काइनेटिस ऑफ पेरिफेरल ब्लड रेगुलेटरी सेल्स (टीआरईजीएस) इन पीएनईटी / इविंग सार्कोमा : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी पीडियाट्रिक ब्लड कैंसर 2012;**59** : 1049
217. तेजूमुरटुला टी, शेरावत एस के, गुप्ता ए आर, अग्रवाल एस, श्रीनिवास वी, बक्शी एस. असिस्टेंटस ऑफ काइनेटिस ऑफ पेरिफेरल ब्लड टी रेगुलेटरी सेल्स (टीआरईजीएस) इन न्यूरोब्लास्टोमा : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी पीडियाट्रिक ब्लड कैंसर 2012 : 48 (पब 126).
218. तिलक टी वी एस वी जी के, शेरवत एस के, गुप्ता ए आर, अग्रवाल एस, खान एस ए, रस्तोगी एस, श्रीनिवास वी, बक्शी एस. असिस्टेंटस ऑफ काइनेटिस ऑफ पेरिफेरल ब्लड टी रेगुलेटरी सेल्स (टीआरईजीएस) इन पीएनईटी / इविंग सार्कोमा : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी. एट द *2012 एएससीओ एनुअल मीटिंग*, 1 – 5 जून, 2012, मैक क्रोमिक प्लेस कंवेंशन सेंटर इन शिकागो, इलिनोइस
219. वनाथी एम, कश्यप एस, खान आर, सेठ टी, मिश्रा आर, महापात्रा एम. ऑक्यूलर सरफेस इवेल्यूएशन इन ओलेजेनिक हिमेटोपोइटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन पेशेंट्स (पी66) प्रोसीडिंग्स ऑफ थर्ड बेनियल साइंटीफिक मीटिंग ऑफ द एशिया कॉर्निया सोसाइटी ऑन नवम्बर 28 से 29, 2012 एट द सोफिटेल फिलिपिन प्लाजा होटल, मनिला
220. वर्गीस बी, रानी ए, लुथरा के भाटला एन, ढींडा एके, ढींगरा आर. ए स्टडी ऑन द एसोसिएशन ऑफ एसएफएलटी – 1 विद प्लासेंटल ऑक्सीडेटिव स्ट्रीट एण्ड प्लासेंटर एपॉप्टॉटिक इन प्रीकलेम्प्सिया प्लासेंटा 2012;**33** : ए 90.
221. वेमपाराला के, रॉय ए, बहल वी के, प्रभाकरण डी, नाथ एन, सिन्हा एस, आदि अर्ली एक्सलेरेटिड सेंसेस ऑफ सरकुलेटिंग एडोथिलियल प्रोजेनिटर सेल्स इन प्रीमेच्योर कोरोनरी आर्टरी डिजीज पेशेंट्स इन ए डेवलपिंग कंट्री – ए केस कंट्रोल स्टडी. बीएमसी कार्डियोवेस्क डिस्ऑर्डर 2013;**13** : 104.
222. वारी एम एन, अय्यर वी के, अग्रवाल एस, चट्टोपाध्याय पी पी, बक्शी एस, शर्मा ए, *आदि*. ग्लिपिकेन – 3 एमआरएनए एक्सप्रेशन इन विलम्स ट्यूमर शो वाइड वेरिएशन एण्ड ट्यूमर्स विद ओवर 10 फोल्ड चेंज इंक्रीज हैव पूरर आउटकम *पीडियाट्रिक ब्लड कैंसर डीओआई* 10.1002 / पीबीसी
223. एक्सेस आई, हसन एफ, वाजपेयी एम, श्रीनिवास वी, नायक एन. विरुलेंस फेक्टर्स ऑफ कैंडिडा स्पाइसिज

इन सिंगल एण्ड सिक्वेंटल आइसोलेट्स फ्रॉम ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन एण्ड ओरोफ्रेंजियल कैंडीडिसिस केस. मायोकोस 2012 : **55 (पूरक4) :** 171.

224. यादव जे एस, कौर एस. डायग्नोस्टिक डिलेम्मा ऑफ डिसोएक्टिव मोटर डिस्ऑर्डर. इंडियन जे साइकियाट्री 2013; 55 (पूरक) : 47.

225. यादव एस के, कुमार एस, मिश्रा एम सी, बंसल वी के, सागर एस, गुप्ता ए, आदि. आउटकम ऑफ लीवर इंजरी इन ए लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर इन इंडिया. एब्स्ट्रेक्टेड इन प्रोसीडिंग्स ऑफ फिफ्थ एनुअल कॉन्फ्रेस ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रामा एण्ड एक्यूट केयर – ट्रामा 2012, एम्स, दिल्ली.

पुस्तकों में अध्याय

1. अदकोली बी वी, जया विक्रमराजा पी टी. रिसर्च इन मेडिकल एजुकेशन. इन : अधिकारी आर के, जया विक्रमराजा पी टी (एडिस). इनीशियल्स ऑफ मेडिकल एजुकेशन, काठमांडु, नेशनल सेंटर फॉर हेल्थ प्रोफेशन्स एजुकेशन, इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन, त्रिभुवन यूनिवर्सिटी 2013 : 131–48.
2. अदकोली बी वी, सूद आर. पोर्टफोलियो असिस्टमेंट इन : अधिकारी आर के, जया विक्रमराजा पी टी (एडिस). इनीशियल्स ऑफ मेडिकल एजुकेशन, काठमांडु, नेशनल सेंटर फॉर हेल्थ प्रोफेशन्स एजुकेशन, इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन, त्रिभुवन यूनिवर्सिटी 2013 : 119–28.
3. अग्रवाल ए, कुसुमेश आर, सांगवान वी, वनाथी एम. इंजरीज़ ऑफ द आइ. सेक्शन 20 : ऑक्यूलर ट्रॉमा इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 2. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 2103–23. (आईएसबीएन 978–93–5025–270–3).
4. अग्रवाल एन, कुलश्रेष्ठ वी. कोलपोस्कोपी. इन : मास्टरिंग प्रेक्टिकल्स इन ऑब्स्टेट्रिस – गायनेकोलॉजी एडिट. वोल्टर क्लुवेर हेल्थ (इंडिया) 2013 : 144–47.
5. अग्रवाल एस, ए मंडेलिया. एक्यूट एब्डोमेन. इन : सिंह एम (एड) मेडिकल एमर्जेंसिस इन चिल्ड्रन, फिफ्थ एडिशन, सागर पब्लिकेशन, नई दिल्ली 2012 pp 163– 185.
6. अग्रवाल ए, टेकसांडे ए, हाड्डा वी. एक्यूट रेस्पीरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम इन : गोयल ए, जोशी आर, जेन एपी (एडिस). आईसीयू मैनुअल. हैदराबाद नई दिल्ली : पारस मेडिकल पब्लिशर; 2012 : 203–5.
7. अहलूवालिया जी, शर्मा एस के. पल्मोनरी डिस्ऑडर्स – डायग्नोस्टिक प्रोसिडयोर्स. इन : मुंजाल वाई पी (एडिटर–इन–चीफ), शर्मा एस के (एक्जिक्यूटिव एडिटर). ए पी आई टेक्सटबुक ऑफ मेडिसिन (नाइंथ एड). न्यू दिल्ली : जे पी ब्रदर्स 2012;**2 :** 1695–1700.
8. अम्बेकर ए, राव आर. सबस्टेंस यूज डिस्ऑर्डर : ए मैनुअल फॉर फैसिलिटेटर्स. नई दिल्ली : एनडीडीटीसी, एम्स; 2013.
9. अम्बेकर ए. एसोसिएशन ऑफ ड्रग यूज पैटर्न विद वल्नरेबिलिटी एण्ड सर्विस अपटेक एमंग आईडीयूएस. नई दिल्ली : यूएनओडीसी–आरओएसए और नाको; 2012.
10. अम्बेकर ए. कैपिसिटी बिल्डिंग नीड्स असिस्टमेंट इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ आईडीयू इंटरवेंशन्स इन इंडिया. नई दिल्ली : यूएनओडीसी–आरओएसए और नाको; 2012.
11. अम्बेकर ए. फैक्टर्स इंफ्लुएंसिंग द परफॉर्मेन्स ऑफ टारगेटिड इंटरवेंशन्स एमंग आईडीयू. नई दिल्ली : यूएनओडीसी–आरओएसए और नाको; 2012.
12. अम्बेकर ए. एचआईवी प्रीवेंशन एमंग आईडीयू एण्ड देयर फिमेल सेक्स पाटनर्स – इम्प्लीमेंशन्स गैप्स एण्ड बैरियर्स : ए स्टडी इन पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ नई दिल्ली : यूएनओडीसी – आरओएसए और नाको; 2012.
13. अराशू बी, संदू एन, नूथन सी, फिलिस ए, सदर इशेकेवरी पी, प्रभाकार एच, बुशफेल्डर एम, स्केलर बी. ट्रांसफेनॉइडल / ट्रांसक्रेनियल सर्जरी ऑफ पिट्यूटरी एडेनोमास : प्रोग्नोसिस –रिलेटिड ऑक्यूरेंस फॉर द त्रिगेमिना – कार्डियक रिफ्लेक्स. इन : एमए हायत (एड.) ट्यूमर्स ऑफ सेंट्रल नर्वस सिस्टम, वॉल्यूम 10. डोरड्रेच, स्प्रिंगर साइंस + बिजनेस, मीडिया 2013. पीपी 237–243.
14. अरवा एस, सिंह एम के. पैथोलॉजी ऑफ प्लेयूरल इंफेक्शन्स. इन कुलश्रेष्ठ आर. पैथोलॉजी ऑफ प्लेयूरल डिजीज. वीपी पब्लिशर्स, दिल्ली 2012 : 71–82.

15. बग्गा ए, सिन्हा ए. रीनल ट्रांसप्लांटेशन. इन : विजय कुमार एम, नाम्मालवर बीआर. प्रिंसिपल एण्ड प्रैक्टिस ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी. सैकंड एडिशन, नई दिल्ली : जे पी पब्लिशर्स; 2012 : 702-13.
16. बग्गा ए. एक्यूट किडनी इंजरी. इन : पार्थसारथी ए, मेनन पी एस एन, नायर एम के सी, अग्रवाल आर, सुकुमारन टीयू. आईएपी टेक्स्टबुक पीडियाट्रिक, फिफ्थ एड, नई दिल्ली : जे पी पब्लिशर्स; 2012;620-5.
17. बाजपेयी ए, चंद्रशेखर एसआर, जैन वी, भट्टाचार्य एसएस, मेनन पी एस एन. प्रोटोकॉल्स इन एंडोक्राइनोलॉजी. इन : यून्नी जेसी. आईएपी ड्रग फारमूलरी. थर्ड एड. ग्वालियर : आईएपी पब्लिकेशन; 2012.
18. बाजपेयी जी, त्रिपाठी एम. मेंस्ट्रुअल माइग्रेन. इंडियन क्लिनिकल हैंडबुक्स न्यूरोलॉजी. अपडेट्स ऑन माइग्रेन स्पेशनल स्टिुएशन्स. एडिट बाय डॉ. चंद्रशेखर मेशराम. पब्लिशड बाय वेली इंडिया प्रा. लि. 2012 : 14–16.
19. बनर्जी एस के, मौलिक एस के. गार्लिक इन कार्डियोवेस्कुलर हैल्थ : विन्नोविंग द फेक्ट फ्रॉम आरटीफैक्ट्स. इन : मौलिक एन (एड). कार्डियोवेस्कुलर डिजीज : न्यूट्रीटिशनल एण्ड थैरेप्यूटिक इंटरवेंशन्स. यूएसए : सीआरसी प्रेस2013; 387-400.
20. बारीक एम, मेहर एसके. रोल ऑफ सिस्टम बायोलॉजी इन स्टारवेशन एण्ड एंटी – एजिंग फॉर पब्लिक यूजिंग एन एल्गोरिद्दम ऑफ कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी एण्ड मॉलीक्यूलर मेडिसिन : वॉल 4 ऑन इन सीरियस रीसेंट डेवलपमेंट्स इन बायोटेक्नोलॉजी वॉल. 4 : 'सिस्टेमिक एण्ड सिंथेटिक बायोलॉजी' ऑफ रीसेंट डेवलपमेंट्स इन बायोटेक्नोलॉजी, स्टेडियम प्रेस एलएलसी, यूएसए : 2013 : 164-191.
21. भल्ला ए एस, अरोरा ए. सीटी हार्डवेयर : एन अपडेट इन : गुप्ता एके, चौधरी वी, खंडेलवाल एन (एडिस). डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी – रीसेंट एडवांस एण्ड एप्लाइड फिजिक्स इन इमेजिंग. सैकंड एड.नई दिल्ली : जे पी; 2013 : 57-65.
22. भटनागर एस, माथुर वी पी, राणा एस पी. डेंटल होरिजोन्स : 'पैलेवेटिव डेंट्रिस्ट्री' नई दिल्ली : पारस मेडिकल पब्लिशर्स, 2012; 82-8.
23. भटनागर वी, श्रीनिवास एम. फॉरेन बॉडीज इन द एरियोडायजेस्टिव ट्रेक्ट. इन, मेडिकल एमर्जेंसिस इन चिल्ड्रन. फिफ्थ एड. एड्सि, मेहरबान सिंह. सागर पब्लिकेशंस, नई दिल्ली. 2012 : 703–713.
24. भट्ट ए, हड्डा वी, गोयल ए. न्यूमोथोरेक्स इन : गोयल ए, जोशी आर, जैन एपी, (एडिस). आईसीयू मैनुअल. हैदराबाद और नई दिल्ली : पारस मेडिकल पब्लिशर; 2012 : 194–8.
25. भट्ट ए, हड्डा वी. एक्यूट सर्वर अस्थमा इन : गोयल ए, जोशी आर, जैन एपी, (एडिस). आईसीयू मैनुअल. हैदराबाद और नई दिल्ली : पारस मेडिकल पब्लिशर; 2012 : 187–90.
26. बिस्वास एन आर, दास जी के, गुप्ता ए वी. मैनेजमेंट ऑफ आइट्रोजेनिक ऑफ द आइ. इन : गर्ग ए (एड). ऑक्यूलर थैराप्यूटिक्स (थर्ड एड). नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स; 2013 : 615–24.
27. बिस्वास एन आर, दास जी के, हरिवेंकटेश एन, गर्ग ए. एंटीबैक्टीरियल थैरेपी. इन : गर्ग ए (एड). ऑक्यूलर थैराप्यूटिक्स (थर्ड एड). नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स; 2013 : 97–154.
28. बिस्वास एनआर, दुबे एके, हरिवेंकटेश एन, गर्ग ए. एंटी एलर्जी थैरेपी. इन : गर्ग ए (एड). ऑक्यूलर थैराप्यूटिक्स (थर्ड एड). नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स; 2013 : 280–98.
29. बिस्वास एन आर, दुबे एके, हरिवेंकटेश एन, गर्ग ए. एंटी फंगल थैरेपी. इन : गर्ग ए (एड). ऑक्यूलर थैराप्यूटिक्स (थर्ड एड). नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स; 2013 : 225–44.
30. बिस्वास एन आर, दुबे ए के, हरिवेंकटेश एन, गर्ग ए. एंटीइंफ्लेमेटरी थैरेपी. इन : गर्ग ए (एड). ऑक्यूलर थैराप्यूटिक्स (थर्ड एड). नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स; 2013 : 155–92.
31. बिस्वास एन आर, हरिवेंकटेश एन, बिस्वास के पी, गर्ग ए. एंटीवायरल थैरेपी. इन : गर्ग ए (एड). ऑक्यूलर थैराप्यूटिक्स (थर्ड एड). नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स; 2013 : 193–224.
32. बिस्वास एन आर, हरिवेंकटेश एन, बिस्वास के पी, रवि ए के, गोगोई एम. नैनोटेक्नोलॉजी इन ऑफ्थैल्मोलॉजी. इन : गर्ग ए (एड). ऑक्यूलर थैराप्यूटिक्स (थर्ड एड). नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स; 2013 : 996–1006.
33. बिस्वास एन आर, मोहंती एस, दास जी के. प्री–ऑपरेटिव एण्ड पोस्ट–ऑपरेटिव एंटीबायोटिक प्रोफ्लेक्सिस इन केटारेक्ट सर्जरी. इन : गर्ग ए (एड). ऑक्यूलर थैराप्यूटिक्स (थर्ड एड). नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स; 2013 : 606–14.
34. ब्रेस्लू जे, मिलर ई, जिन आर, एंडरादे एल एच. चटर्जी एस, मेडिना – मोरा एमई, सागर आर. मेंटल डिस्ऑर्डर्स, मैरिज एण्ड डिवोर्स. इन : डब्ल्यूएचओ : द बूडेन्स ऑफ मेंटल डिस्ऑर्डर : ग्लोबल पर्सपेक्टिव फ्रॉम डब्ल्यूएचओ वर्ल्ड मेंटर हेल्थ सर्वे. कम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस 2013 : 66–76

35. चड्ढा आर के, सिन्हा – डेब के. अल्टरनेटिव / इंडिजिनेस थैरपी. इन : चव्हाण बीएस, गुप्ता एन, अरुण पी, सिदाना ए, जादव एस (एडिस). कम्युनिटी मेंटल हेल्थ इन इंडिया. दिल्ली : जे पी ब्रदर्स; 2012 : 296–310.
36. चंद्रशेखर एस एच, ठुलकर एस. आयोडिनेटिड कंट्रास्ट मीडिया : एन अपडेट. इन : गुप्ता एके, चौधरी वी, खंडेलवाल एन (एडिस). डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी : रिसेंट एडवांस्ड एण्ड एप्लाइड फिजिक्स इन इमेजिंग. एम्स–एमएएमसी–पीजीआई इमेजिंग सीरियस सैकंड एड. दिल्ली : जे पी पब्लिशर्स, 2013 : 289-96.
37. चौधरी आर (एड). प्रोबायोटिक्स 2013. के डब्ल्यू एक्स कम्युनिकेशन्स प्रा. लि.
38. छाबड़ा ए. ऑक्यूलर फिजियोलॉजी रेलिवेंट टू ऑफ्थेल्मिक एनेस्थिसिया. इन : कुमार सी, डोड्ड सी, और गीयर एस एडिस. ऑक्सफोर्ड हैंडबुक ऑफ ऑफ्थेल्मिक एनेस्थिसिया. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस 2012. पेज 37-52.
39. कंट्रीब्यूटिड इन ए बुक : हेल्थ पॉलिसिस एण्ड प्रोग्राम्स इन इंडिया. टेंथ एड. (2012) बाय डी. के. तनेजा, डॉक्टर पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली.
40. दाभोलकर एच, अम्बेकर ए, बेनेगल वी. साइकियाट्रिक एमर्जेंसिस इन सबस्टेंस एब्यूज इन : थैरा आर. विजयकुमार एल (एडिस). एमर्जेंसिस इन साइकियाट्री इन लो एण्ड मिडल इनकम कंट्रीज. मणिपाल : वायवर्ड बुक्स; 2012 : 14–23.
41. दादा आर, शाम्सी एमबी. वेंकटेश एस. जेनेटिक्स ऑफ मेल इंफर्टिलिटी. इन : राव के ए, अग्रवाल ए, श्रीनिवास एम एस (एडिस). एंड्रोलॉजी लेबोरेटरी मैनुअल. नई दिल्ली : जे पी पब्लिशर्स; 2012 : 145-55.
42. धवन ए, बलहारा वाय पी एस, मोहन आई. सबस्टेंस एब्यूज़ इन एंडोलसेंट्स इन : लाल आर (एड) सबस्टेंस यूज डिस्ऑर्डर : मैनुअल फॉर फिजिशियन. सैकंड एड (रिवाइज्ड). नई दिल्ली : एनडीडीटीसी, एम्स; 2013 : 191–8.
43. धवन ए, झांझी एस. मैनुअल फॉर लॉन्ग टर्म फार्मोकोथैरेपी. सैकंड एड. नई दिल्ली : एनडीडीटीसी, एम्स; 2013.
44. धवन ए, कुमार ए. लॉग टर्म फार्मेकोथैरेपी आफ ऑपियॉइड डिपेंडेंस सिंड्रोम. इन : लाल आर (एड) सबस्टेंस यूज डिस्ऑर्डर : मैनुअल फॉर फिजिशियन. सैकंड एड (रिवाइज्ड). नई दिल्ली : एनडीडीटीसी, एम्स; 2013 : 77–85.
45. धवन ए, पटनायक आरडी. कम्युनिटी बेस्ड एडिक्शन साइकियाट्री. इन : चावन बीएस, पठनायक आरडी. आरडी. कम्युनिटी बेस्टड एडिक्शन साइकियाट्री. इन : चावन बीएस, गुप्ता एन, अरुण पी, सिदाना ए के, जादव एस (एडिस). कम्युनिटी मेंटल हेल्थ इन इंडिया. नई दिल्ली : जे पी पब्लिशर्स; 2012 : 193–204.
46. धीरज ए, सिंह यू. अर्ली एण्ड लेट कॉम्प्लीकेशन्स ऑफ स्पाइनल कॉर्ड इंजरी, सब– मॉड्यूल : कार्डियोवेस्कुलर कॉम्प्लीकेशन्स (फॉर थैरेपिस्ट). ई–लर्निंग रिर्सोस फॉर एससीआई, इंटरनेशनल स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी (आईएससीओएस) http : //www.elearnsci.org/.
47. ढिल्लो एमएस, गर्ग बी. नॉन ऑपरेटिव ट्रीटमेंट ऑफ कैलकेनियल फ्रैक्चर्स. इन, ढिल्लोन एमएस (एड). फ्रैक्चर ऑफ द कैलकेनियस. फर्स्ट. एडिशन. नई दिल्ली. जे पी–ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2013.
48. दिनंद वी, सेठ टी. पैन एण्ड पैलेवेटिव केयर फॉर द पीडियाट्रिक पैशेंट. इन एडवांस इन पीडियाटिक्स. सचदेवा ए, दत्ता ए के, एडिस नई दिल्ली, जे पी, 2012. पी. 1471–81.
49. डिंडा ए के, अरावा एस. बेनिजन ट्यूमर्स ऑफ द प्लेयूरा. इन कुलश्रेष्ठ आर पैथोलॉजी ऑफ प्लेयूरल डिजीज. एडिट बाय. वीपी पब्लिशर्स दिल्ली 2012 : 157-63.
50. गमनगट्टी एस, कंडासामी डी, गुप्ता एके. पिक्चर आर्काइविंग एण्ड कम्युनिकेशन्स सिस्टम एण्ड रेडियोलॉजी इंफॉर्मेशन सिस्टम. इन : गुप्ता एके, चौधरी वी, खंडेलवाल एन (एडिस). डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी : रिसेंट एडवांस एण्ड एप्लाइंड फिजिक्स इन इमेजिंग. एम्स–एमएएमसी –पीजीआई इमेजिंग सीरियस सैकंड एड.दिल्ली : जे पी पब्लिशर्स; 2013 : 309-18.
51. गमनगट्टी एस, कंडासामी डी. पिक्चर आर्काइविंग एण्ड कम्युनिकेशन्स सिस्टम एण्ड रेडियोलॉजी इंफॉर्मेशन सिस्टम. रिसेंट एडवांस एण्ड एप्लाइंड फिजिक्स इन : गुप्ता ए के, चौधरी वी, खंडेलवाल एन (एडिस). डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी – रिसेंट एडवांस एण्ड एप्लाइंड फिजिक्स इन इंमेजिंग सैकंड एडिशन, नई दिल्ली, जे पी 2013 : 308-9.
52. गर्ग बी, अग्रवाल ए एन. पीडियाट्रिक ऑस्टियोआर्टिकुलर इंफेक्शन्स – एपिडेमियोलॉजी. इन, अग्रवाल ए, अग्रवाल ए एन. पीडियाट्रिक ऑस्टियोआर्टिकुलर इंफेक्शन्स, फस्ट एडिशन. नई दिल्ली. जे पी–ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2013 : 1-9.

53. गर्ग बी, जायसवाल ए. माइक्रोएडनोस्कोपिक डिस्कनेक्टॉमी. इन गर्ग बी, मल्होत्रा आर (एड). मास्टर तकनीक इन ऑर्थोपेडिक सर्जरी (स्पाइन). फस्ट एडिशन. नई दिल्ली. जे पी–ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 39–46.
54. गर्ग बी, जायसवाल ए. सर्जिकल ट्रीटमेंट ऑफ ऑस्टियोपोरोटिक वर्टिब्रल कम्प्रेशन फ्रैक्चर्स. इन मिठल ए, बंसल बी (एडिस). ऑस्टियोपोरोसिस नई दिल्ली. मैक मिलन मेडिकल कम्युनिकेशन्स; 2012 : 113–125.
55. गर्ग बी, कंडवाल पी, जायसवाल ए. मिनीमली इनवेसिव स्कोलिसिस सर्जरी. इन गर्ग बी, मल्होत्रा आर (एड). मास्टर तकनीक इन ऑर्थोपेडिक सर्जरी (स्पाइन). फस्ट एडिशन. नई दिल्ली. जे पी–ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 301–10.
56. गर्ग बी, कोतवाल पीपी, गुप्ता ए वी. पीडियाट्रिक हैंड इंफेक्शन्स. इन : अग्रवाल ए, अग्रवाल ए एएन. पीडियाट्रिक ऑस्टियोआर्टिकुलर इंफेक्शन्स, फस्ट एडिशन. नई दिल्ली. जे पी पब्लिशर्स; 2013 : 139–46.
57. गर्ग बी, कोतवाल पीपी. प्रॉक्सीमल ह्यूमेरस फ्रैक्चर्स : हेमियार्थोप्लास्टी. इन मल्होत्रा आर (एड). मास्टर तकनीक इन : ऑर्थोपेडिक सर्जरी (इंट्राआर्टिकुलर फ्रैक्चर्स). फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : जे पी पब्लिशर्स; 2013 : 37–46.
58. गर्ग बी, कोतवाल पीपी. प्रॉक्सीमल ह्यूमेरस फ्रैक्चर्स : ओआरआईएफ. इन : मल्होत्रा आर (एड). मास्टर तकनीक इन ऑर्थोपेडिक सर्जरी (इंट्राआर्टिकुलर फ्रैक्चर्स). फस्ट एडिशन. नई दिल्ली. जे पी–ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2013 : 17–36.
59. गर्ग बी, कोतवाल पीपी. रेडियल हैड फ्रैक्चर्स : ओआरआईएफ. इन : मल्होत्रा आर (एड). मास्टर तकनीक इन ऑर्थोपेडिक सर्जरी (इंट्राआर्टिकुलर फ्रैक्चर्स). फस्ट एडिशन. नई दिल्ली. जे पी–ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2013 : 129–38.
60. गर्ग बी, कोतवाल पीपी. रनिंग एण्ड ऑर्थोपेडिक्स. इन : मेडुरी एन (एड). रनिंग, जॉगिंग, ब्रिक्स वॉकिंग एण्ड वॉकिंग फॉर हेल्थ : ए सस्टेनेबल लाइफस्टाइल एप्रोच. फस्ट एडिशन नई दिल्ली : टाइम्स ग्रूप बुक्स; 2013 : 147–58.
61. गर्ग बी, मल्होत्रा आर. इवॉल्यूएशन ऑफ स्पाइन इंस्ट्रूमेंटेशन. इन : गर्ग बी, मल्होत्रा आर (एड). मास्टर तकनीक इन ऑर्थोपेडिक सर्जरी (स्पाइन). फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : जे पी पब्लिशर्स; 2012 : 1–26.
62. गर्ग बी, मल्होत्रा आर. इंट्रा – आर्टिकुलर फ्रैक्चर्स : वॉट हैव वी लर्न. इन : मल्होत्रा आर (एड). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक तकनीक – इंट्रा – आर्टिकुलर फ्रैक्चर्स. नई दिल्ली. जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 1–8.
63. गर्ग बी, मल्होत्रा आर. सर्जिकल डिसलोकेशन ऑफ हिप. इन : मल्होत्रा आर (एड). मास्टर तकनीक इन ऑर्थोपेडिक सर्जरी (इंट्राआर्टिकुलर फ्रैक्चर्स). फस्ट एडिशन. नई दिल्ली. जे पी–ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2013 : 337–46.
64. गर्ग बी, रतन आर. मस्कुलर एनाटॉमी ऑफ स्पाइन. इन, शरण एके, तांग एसवाय, वैककारो एआर (एड). बेसिक साइंस ऑफ स्पाइनल डिजीज फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : जे पी–ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2013 : 27–34.
65. गर्ग बी, सेनगुप्ता डीके. मोटेशन प्रीसर्वेशन इन स्पाइन सर्जरी. इन गर्ग बी, मल्होत्रा आर (एड). मास्टर तकनीक इन ऑर्थोपेडिक सर्जरी (स्पाइन). फस्ट एडिशन. नई दिल्ली. जे पी–ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 207–214.
66. गर्ग आर. करंट कॉनसेप्ट ऑफ न्यूरोमस्कुलर ट्रांसमिशन : इनएडिक्वेट रिवर्सल फ्रॉम नॉन – डिपोलराइजिंग मसल्स रिलेक्सनेट्स. हाउ टू रिसोल द क्राइसिस? इन : चंद्र उमेश, बासु एमएम (एडिस). इयर बुक ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी. नई दिल्ली : पारस मेडिकल पब्लिशर 2013;**2** : 106–21.
67. गुलाटी एस, सहगल आर, लक्ष्मीनारायण के. सेंट्रल नर्वस सिस्टम इंफेक्शन्स : एक्यूट एण्ड क्रोनिक मेनिनजाइटिस. इन गुप्ता एस (एड.). रिसेंट एडवांस इन पीडियाट्रिक्स. नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2013 : 143–88.
68. गुलाटी एस, शर्मा एस, जैन पी. डिसऑर्डर ऑफ द नर्वस सिस्टम. इन : गुप्ता ए पी एड. टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक दिल्ली : सीबीएस पब्लिशर्स; 2013 : 455–502.
69. गुलाटी एस, सिंह एमबी. स्टेट्स एपिलेप्टिकस. इन, सिंह एम (एड). मेडिकल एमर्जेंसिस इन चिल्ड्रन. फिफ्थ एडिशन. नई दिल्ली : सागर पब्लिकेशन; 2012 : 564–80.
70. गुलाटी एस, योगनाथन एस. एप्रोच टू नियोनेटल सीजर्स. इन घोष ए, मित्रा एम. चौधरी जे. ट्रीटमेंट एण्ड प्रोग्नोसिस इन पीडियाट्रिक्स. नई दिल्ली : जे पी; 2013 : 60–64.

71. गुलाटी एस. न्यूरोमस्कुलर डिस्ऑर्डर्स इन चिल्ड्रन. इन पार्थसारथी ए, मेनन पीएसएन, नायर एमकेसी, अग्रवाल आर, सुकुमारन टीयू. आईएपी टेक्स्ट बुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. ग्वालियर : आईएपी नेशनल पब्लीकेशन्स हाउस, जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2013 : 381-90.
72. गुलेरिया आर, कुमार जे. एक्यूट रेस्पीरेटरी फेल्योर. इन : चावला आर, तोडी एस (एडिस). आईसीयू प्रोटोकॉल्स. हेडेलबर्ग : स्प्रिंगर; 2012 : 17–22.
73. गुलेरिया आर, कुमार जे. कम्युनिटी एक्वार्यड निमोनिया : एन ओवरव्यू. इन : गुलेरिया आर. वर्ल्ड क्लि पल्म क्रिट केयर मेड. नई दिल्ली : जे पी; 2012.
74. गुलेरिया आर, कुमार जे. हिमोटासिस. इन : मुंजाल वायपी (एडिस). एपीआई टेक्स्टबुक ऑफ मेडिसिन. नाइथ एड. 2012 : 29–31.
75. गुप्ता ए के, जेना एम. डुअल एनर्जी सीटी. इन : गुप्ता ए के, चौधरी वी, खंडेलवाल एन, शर्मा एस, भल्ला एएस, हरि एस (एडिस). रिसेंट एडवांस एण्ड एप्लाइड फिजिक्स इन इमेजिंग. सैकंड एड.नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स; 2013 : 57-65.
76. गुप्ता एन, काबरा एम. एप्रोच टू ए चाइल्ड विद डिमॉर्फिज्म. इन अग्रवाल अंजू, कामथ एसएस, सुकुमारन टीयू, एडिटर. चाइल्डहुड डिसेबिलिटी – पीडियाट्रिशियन पर्सपेक्टिव. फस्ट एड. ग्वालियर : आई ए पी पब्लिशिंग हाउस; 2012;18-26.
77. गुप्ता एन, काबरा एम. द करंट स्टेटस ऑफ मेडिकल जेनेटिक्स इन इंडिया इन : कुमार डी जीनोमिक्स एण्ड हेल्थ इन द डेवलपिंग वर्ल्ड. ऑक्सफोर्ड मोनोग्राफ ऑन मेडिकल जेनेटिक्स. न्यू यॉर्क; ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस; 2012 : 1161-3.
78. गुप्ता एन, महापात्रा एस सी. इफेक्ट ऑफ एन एनसिएंट न्यूट्रिटिशनल सप्लीमेंट च्यवनप्राश एण्ड विटामिन सी ऑन एंटीऑक्सीडेंट, एंजाइन एण्ड सीरम इम्युनोग्लोबुलिन जी लेवल्स इन ह्यूमन. इन : महापात्रा एस सी, अग्रवाल वी. एड. सैकंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन मेडिसिनल एण्ड न्यूट्रास्युटिकल प्लांट्स. ल्युवेन, बेलजियम : एक्टा हॉर्टीकल्चरल : 2013 (972); पीपी 61–66.
79. गुप्ता वी, शर्मा एस के. हिटेड हुमिडिफर. इन : एंटोनियो मैटिस एसक्विनेस (एडिटर). हुमिडिफिकेशन इन द इंटेंसिव केयर यूनिट. लंदन, यू के : स्प्रिंगर हिडलबर्ग डोरड्रेक्टय 2012 : पी. पी. 17–26.
80. हड्डा वी. बेस्ड ब्रोकोस्कोपी. इन : गोयल ए, जोशी आर, जैन ए पी (एडिस). आईसीयू मैनुअल. हैदराबाद और नई दिल्ली : पारस मेडिकल पब्लिशर; 2012 : 420–2.
81. हल्दर ए. क्लिनिकल एंड मॉलीकुलर सायटोजेनेटिक्स. इन : वाई पी मुंजाल (एड). ए पी आई टेक्सबुक ऑफ मेडिसिन. नाइंथ एड. 2012: 180–8.
82. हल्दर ए. मॉलीक्यूलर साइटोजेनेटिस. चैप्टर 26. इन : आरके मरवाहा, आई पाणिग्रही, ए हल्दर (एडिस). हैंडबुक ऑन मेडिकल जेनेटिक्स एण्ड काउंसलिंग. फस्ट एड. नोबले विजिन मेडिकल बुक पब्लिशर्स; 2013 : 181–186. (आईएसबीएन स. 978–81–906227–4–5)
83. हरि पी. हाइपरटेंशन. इन पार्थसारथी ए, मेनन पी एस एन, नायर एम के सी, अग्रवाल आर, सुकुमारन टीयू. आईएपी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स फिफ्थ एडिशन, नई दिल्ली : जे पी पब्लिशर्स; 2012 : 630–36.
84. हरी पी. यूरीनरी ट्रेक्ट इंफेक्शन. इन वासुदेव ए ए एस. आई ए पी स्पेशिलिटी सीरिज ऑन पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी. सैकंड एड, ग्वालियर : आईएपी पब्लिशिंग हाउस; 2012 : 191–203
85. हरि एस, चंद्रशेखर एस एच, सुरभि वी. डिजिटल मेमोग्राफी. इन : चौधरी वी, गुप्ता ए के, खंडेलवाल एन (एडिस). डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी : रीसेंट एडवांस्ड एण्ड एप्लाइड फिजिक्स इन इमेजिंग सैकंड एड. दिल्ली : जे पी पब्लिशर्स; 2013 : 217-25.
86. होसेनी ए, हल्दर ए. जीनोमिक्स एण्ड ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट. चैप्टर 27. इन : आर के मारवाह, आई पाणिग्रही, ए हल्दर (एडिस). हैंडबुक ऑन मेडिकल जेनेटिक्स एण्ड जेनेटिक काउंसिलिंग. फस्ट एड. नोबल विजिन मेडिकल बुक पब्लिशर्स; 2013 : 187–9. (आईएसबीएन नं. 978–81–906227–4–5)
87. इंट्रालेशनल थैरेपी. इन : सहगल वीएन (एडिस). डर्मेटोलॉजिकल सर्जरी मेड एसे. सैकंड एड.जे पी, 2012.
88. जैन आर, रोल ऑफ लेबोरेटरी सर्विस इन : राकेश लाल (एड). सबस्टेंस एब्यूज डिस्ऑर्डर : मैनुअल फॉर फिजिशियन सैकंड एडिशन (रिवाइज्ड). नई दिल्ली : एनडीडीटीसी, एम्स; 2013 : 127–137.

89. जैन वी, चेन एम, मेनन आर. डिस्ऑर्डर ऑफ कार्बोहाइड्रेट मेटाबोलिज्म. इन : ग्लियसन सीए, देव अकसर सीयू, एडिटर्स. अवेरी डिजीज ऑफ द न्यूबॉर्न. नाइंथ एडिशन, फिलाडेल्फिया, पीए : एल्सेवियर ; 2012 : 1320–30.

90. जयसुन्दर आर. कंट्रास्टिंग अप्रोचेज टू हेल्थ एण्ड डिजीज : आयुर्वेद एंड बायोमेडिसिन, इनः सुजाता वी, अब्राहम एल (एडिस). मेडिकल प्लुरालिज्म इन कंटेम्परेरी इंडिया. ओरियंट ब्लैकस्वान, 2012: 37–58.

91. झांजी एस. निकोटिन डिपेंडेंस. इन : लाल आर, पटनायक आर (एडिस). सबस्टेंस यूज डिस्ऑर्डर : हैंडबुक फॉर फिजिशियन. नई दिल्ली : एनडीडीटीसी, एम्स; 2013 : 88–97.

92. जोशी एमएन, मदन के. एक्सर्बेशन ऑफ ओसीपीडी. इन : गोयल ए, जोशी आर, जेन एपी (एडिस). आईसीयू मैनुअल. हैदराबाद एण्ड नई दिल्ली : पारस मेडिकल पब्लिशर; 2012.

93. काबरा एस. सिस्टिक फाइब्रोसिस : इन, घोष ए, मित्रा एम. चौधरी जे. ट्रीटमेंट एण्ड प्रोग्नोसिस इन पीडियाट्रिक्स . नई दिल्ली : जे पी; 2013 : 108–12.

94. काबरा एस. अपर रेस्पीरेटरी ट्रैक्ट इंफेक्शन. इन, पार्थसारथी ए, मेनन पीएसएन, नायर एमकेसी, अग्रवाल आर, सुकुमारन यूटी. आईएपी टेक्ट बुक ऑफ पीडियाट्रिक्स. ग्वालियर : आईएपी नेशनल पब्लिकेशन हाउस, जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2013 : 465–67.

95. काबरा एस के, लोधा आर, सिंघल टी. डेंगू फीवर एण्ड सेवियर डेंगू इंफेक्शन. इन, सिंह एम (एड). मेडिकल एमर्जेंसिज़ इन चिल्ड्रन फिफ्थ एडिशन नई दिल्ली : सागर पब्लिकेशन; 2012 : 437–46.

96. काबरा एस के. कम्युनिटी एक्वायर्ड निमोनिया. इन : पार्थसारथी ए, कुंडु आर, अग्रवाल आर, चौधरी जे, शास्त्री डी, येवले वी, शाह ए के, उत्तम के जी. टेक्स्ट बुक ऑफ पीडियाट्रिक इंफेक्शस डिजीज. ग्वालियर : आईएपी नेशनल पब्लिकेशन हाउस एण्ड जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2013 : 147–53.

97. काबरा एसके. इंटरस्टीशियल लंग डिजीज. इन, घोष ए, मित्रा एम, चौधरी जे. ट्रीटमेंट एण्ड प्रोग्नोसिस इन पीडियाट्रिक. नई दिल्ली : जे पी; 2013 : 118–20.

98. कच्चुवहा जी. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम : नोवल इंसाइट्स इनटू कॉज एण्ड थैरेपी. डी मैक्यूट, एम फीफर, बी.ओ. यिलदिह, ई दियामंती – कंद्राकिस, फ्रंटीयर्स ऑफ हॉर्मोन रिर्च वॉल्यू. 40, 176 पेज'' पब्लिशर : एस कारगर ए जी, बेसेल, स्विट्जरलैंड, फॉर इंडियन जनरल ऑफ मेडिकल रिसर्च, पब्लिशड बाय आईसीएमआर.

99. कंडासामी डी, शर्मा आर. डिफ्यूजन वेटेड मैग्नेटिक रिसपॉन्स इमेजिंग. डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी : रिसेंट एडवांस एण्ड एप्लाइड फिजिक्स इन इमेजिंग. इन : गुप्ता ए के, चौधरी वी, खंडेलवाल एन (एडिस). डाग्नोस्टिक रेडियोलॉजी – रिसेंट एडवांस एण्ड एप्लाइड फिजिक्स इन इमेजिंग. सैकंड एड.नई दिल्ली : जे पी; 2013 : 157–70.

100. खंडवाल पी, गर्ग बी, जयसवाल ए. पोस्टीरियर वर्टिब्रल कॉलम रिसेक्शन. इन गर्ग बी, मल्होत्रा आर (एड). मास्टर तकनीक इन ऑर्थोपेडिक्स सर्जरी (स्पाइन). फस्ट एडिशन. नई दिल्ली. जे पी–ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 283–90.

101. खंडवाल पी, गर्ग बी, उपेन्द्र बीएन, जयसवाल ए. ग्रोइंग रॉड तकनीक फॉर अर्ली ओनसैट स्कोलियोसिस. इन गर्ग बी, मल्होत्रा आर (एड). मास्टर तकनीक इन ऑर्थोपेडिक्स सर्जरी (स्पाइन). फस्ट एडिशन. नई दिल्ली. जे पी–ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 291–300.

102. कपिल ए. क्लिनिकल लेबोरेटरी स्टैंडर्ड रिलेटिंग टू इंफेक्शन कंट्रोल. इन : सिंह एस, गुप्ता ए एस के, कांत एस (एडिस). हॉस्पीटल इंफेक्शन कंट्रोल गाइडलाइन्स. नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 117–22.

103. कौर जी, मेहरा एन के. साइटोकिन गेने पोलीमोरफिज्म : मेथड्स ऑफ डिटेक्शन एंड बायोलॉजिकल सिग्निफिकेंस. इन : इम्मुनोजेनेटिक्स : मेथड्स एंड एपलिकेशंस इन क्लिनिकल प्रैक्टिस एड. फ्रैंक क्रिश्चियन सेन एण्ड ब्रेन टैट स्प्रिंगर प्रोटोकॉल्स, ह्यूमन प्रेस, न्यूयार्क पी;2012 : 549–68.

104. कौशल पी, धर पी, मेहरा आरडी. एक्सोजेनस अल्फा लिपोइक एसिड (एएलए) सप्लीमेंटेशन मॉडीफाइ सोडियम आर्सेनाइट इंड्यूस्ड फंक्शनल एण्ड स्ट्रक्चरल अल्टरेशन इन डेवलपिंग रैट सेरेबेलम. इन : अंडरस्टैंडिंग द जियोलॉजिकल एण्ड मेडिकल इंटरफेस ऑफ आर्सेनिक. टेलर एण्ड फ्रैंसिको; 2012 : 213–14.

105. खादिलकर वी, जैन वी आदि. पीडियाट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी सेक्शन. इन पार्थसारथी ए, अग्रवाल आर, शाह एनके, येवेले वीएन एडिटर. टीएपी कलर अटलस ऑफ पीडियाट्रिक्स. नई दिल्ली : आईएपी पब्लिकेशन, जे पी; 2012 : 233-60.
106. खंडेलवाल डी, वर्मा एन, लोधा आर. कॉलिस्टिन एण्ड टाइजेसाइक्लिन. इन सिंघल टी, शाह एनके (एड्सि). रेशनल एंटीबायोटिक थैरेपी इन चिल्ड्रन. नई दिल्ली : जे पी; 2013 : 129-48.
107. खंडेलवाल एस के, पटनायक आर डी. फाइट अगेंस्ट स्टिगमा. इन : चवान बी एस, गुप्ता एन, अरुण पी, सिदाना ए के, जादव एस (एड्सि). कम्युनिटी मेंटल हेल्थ इन इंडिया. नई दिल्ली : जे पी पब्लिशर्स; 2012 : 334–44
108. खांडपुर एस. क्रायोथैरेपी एंड स्कलेरोथैरेपी फॉर वेस्कुलर मैलफॉर्मेशंस. इन : मैसूर वी (एड). ए सी एस आई टेक्सटबुक ऑफ क्यूटेनियस एंड एस्थेटिक सर्जरी. फस्ट एड. जे पी ब्रदर्स 2012
109. खांडपुर एस. क्यूटेनियस ड्रग रिएक्शन. इन : आईएडीवीएल टेक्स्टबुक ऑफ डर्मेटोलॉजी फॉर अंडर ग्रेजुएट्स फस्ट एड. 2012.
110. खरबंदा ओ पी, वाधवा एन. ऑर्थोडोंटिक डायग्नोसिस एण्ड ट्रीटमेंट प्लानिंग : कैलबोरेटिंग विद मेडिकल एण्ड अदर डेंटल स्पेशिलिट्स 31–68. इन इंटीग्रेटिड क्लिनिकल आर्थोडोंटिक्स एडिटर्स : विनोद कृष्णा जी डेविडोविच डब्ल्यूआईएलईवाय – ब्लैकवेल 2012, फस्ट एडिशन
111. कृपलानी ए, हड्डा वी, बेसिक मैकेनिकल वेंटिलेशन. इन : चावला आर, तोडी एस (एडिस). आईसीयू प्रोटोकॉल्स : ए स्टेपवाइस एप्रोच. हेडेलबर्ग : स्प्रिंगर 2012 : 31–8.
112. कोहली यू, लोधा आर. शॉक. इन सिंह एम (एड). मेडिकल एमर्जेंसिस इन चिल्ड्रन. फिफ्थ एडिशन नई दिल्ली : सागर पब्लिकेशन; 2012 : 90-105
113. कृपलानी ए, अवस्थी डी. सेकेंड ट्रिमेस्टर एबोर्सन – ऑप्टिमल यूज ऑफ प्रोस्टैगलैंडिंग्स. फोग्सी फोकस एस कंपरहैंसिव एबोर्सन केयर एंड पोस्ट एबोर्सन कंटर्सेप्सन, 2012:31–3.
114. कृपलानी ए, कर्माकर डी. गैंडोट्रॉपिन स्टिमुलेशन इन इंट्रायूटेराइन इंसेमिनेशन. इन : गीता गांगुली मुखर्जी, बीएन चक्रवर्ती एड्सि. आईयूआई इंट्रायूटेराइन इंसेमिनेशन फस्ट एड. नई दिल्ली. जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लि., 2012 : **16 :** 190-202.
115. कृपलानी ए, लुंकड ए. पास्ट, प्रेजेंट एण्ड फ्यूचर ऑफ रोबोटिक इन गायनेकोलॉजी. इन : देसगुप्ता रिसेंट एडवांस इन ऑब्स्टेट्रिक्स एण्ड गायानेकोलॉजी (वॉल्यूम 9) दीपिका डेका. एड फस्ट एड. नई दिल्ली. जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लि., 2013 : **12 :** 156-65.
116. कुमार ए. दाश सीजे. टूल्स इन इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी. इन : गुप्ता ए के, चौधरी वी, खंडेलवाल एन (एडिस). डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी – रिसेंट एडवांस एण्ड एप्लाइड फिजिक्स इन इमेजिंग सैकंड एड.नई दिल्ली : जे पी; 2013 : 245-58.
117. कुमार जी, वनाथी एम. क्लेमाइडल इंफेक्शन्स ऑफ द आइ. इंफेक्शन्स ऑफ द कोर्निया एण्ड एक्स्ट्रनल आइ. इवेल्युएशन ऑफ द कार्निया सेक्शन 6 : कोर्निया एण्ड एक्स्ट्रनल आइ डिजीज. इन : जेड चौधरी, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 1. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 556-62 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
118. कुमार एम एस, राव आर, चेनगप्पा एम एन. मैथोडोन मैंटेनेस ट्रीटमेंट इन द रिपब्लिक ऑफ मालदीव : स्टैंड्र्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर. नई दिल्ली : यूएनओडीसी–आरओएसए; 2012.
119. कुमार आर, चौहान. रिसेंट एडवांस इन न्यूक्लियर मेडिसिन इमेजिंग. इन रिसेंट एडवांस एड. गुप्ता एके, शर्मा एस, खंडेलवाल एन, चौधरी वी. जे पी ब्रदर्स. 2013, पीपी 373–391.
120. कुमार आर, शांडल वी, शमिम एसए. प्रोसीस्ट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी – कम्प्यूटिड टोमोग्राफी (पीईटी – सीटी) : क्लिनिकल एप्लीकेशन्स. इन ए आई पी टेक्स्टबुक ऑफ मेडिसिन, इंडिया एडि– मुंजाल वायपी, नाइंथ एडिशन, जे पी ब्रदर्स. 2012. pp 113–119.
121. कुमार आर, शर्मा पी, मल्होत्रा. न्यूक्लियर मेडिसिन इमेजिंग फॉर मस्कुलोकेलेटल डिसऑर्डर. इन मस्कुलोकेलेटल एण्ड ब्रेस्ट इमेजिंग इंड. गुप्ता एके, खंडेलवाल एन, चौधरी वी. जे पी ब्रदर्स. 2012, पीपी 35–48.
122. कुमार आर, शर्मा पी, मल्होत्रा. पीईटी – सीटी इन मैनेजमेंट ऑफ ब्रेस्ट कैंसर. इन मस्कुलोकेलेटल एण्ड ब्रेस्ट इमेजिंग इंड. गुप्ता ए के, खंडेलवाल एन, चौधरी वी. जे पी ब्रदर्स. 2012 पीपी 526–538.

123. कुमार एस मौलिक एस के. इफेक्ट ऑफ टर्मिनेलिया अर्जुना ऑन कार्डिक हाइपरट्रॉफी. इन : वेस्टन आरआर, प्रैडी वीआर (एडिस) : बायोएक्टिव फूड एज डिटेक्टरी इंटरवेंशन्स फॉर कार्डियोवेस्कुलर डिजीज. इलेस्वियर ; 2012 : 673-80.
124. कुमार वी, मल्होत्रा आर. डुअल मोबिलिटी कप फॉर फ्रैक्चर नेक ऑफ फिमोर. इन, मल्होत्रा आर (एड). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक तकनीक – इंट्रा – आर्टिकुलर फ्रैक्चर्स. नई दिल्ली. जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 381-92.
125. कुमार वीएल, गुरूप्रसाद बी, अग्रवाल एके. ड्रग इंटरेक्शन्स, टॉक्सीसाइटिस एण्ड सेफ्टी इशूज ऑफ ट्रेडिशनल मेडिसिन एण्ड फूड सप्लीमेंट्स. इन : गोविल जेएन (एड). रिसेंट प्रोग्रेस इन मेडिकल प्लांट. यूएसए : स्टडियम प्रेस एलएलसी ; 2013, वॉल्यूम 35, 155–73.
126. कुसुमेश आर, अग्रवाल एस, अय्यर जीके, वनाथी एम. टीयर फिल्म डिस्फंक्शन – ड्राइ आइ डिजीज ऑफ द ऑक्यूलर सरफेस. सेक्शन 6 : कार्निया एण्ड एक्स्टर्नल आइ डिजीज. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 1. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 608-31 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
127. कुसुमेश आर, शाह नवाज, वनाथी एम. कोरोनेल क्रॉसलिंकिंग. सेक्शन 7 : रिफ्रेक्टरी सर्जरी. सेक्शन 6 : कार्निया एण्ड एक्स्टर्नल आइ डिजीज इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 1. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 770-5 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
128. लाल आर, पटनायक आरडी. सबस्टेंस यूज डिसऑर्डर : हैंडबुक फॉर फिजिशियन. नई दिल्ली : एनडीडीटीसी, एम्स; 2013.
129. लठवाल ए. एडमिनिस्ट्रेटिव इफेक्टिवेनस एण्ड ऑर्गनाइजेशन. इन : द आईसीयू मैनुअल. थर्ड एड. हैदराबाद : पारस मेडिकल पब्लिशर.
130. मदन के. एक्यूट रेस्पीरेटर फेल्योर. इन : गोयल ए, जोशी आर, जेन एपी (एडिस). आईसीयू मैनुअल हैदराबाद एण्ड नई दिल्ली : पारस मेडिकल पब्लिशर; 2012.
131. मदन के. सीवियर कम्युनिटी एक्वायर्ड निमोनिया. इन : गोयल ए, जोशी आर, जेन ए पी, (एडिस). आईसीयू मैनुअल हैदराबाद एण्ड नई दिल्ली : पारस मेडिकल पब्लिशर; 2012.
132. मखारिया जीके, केडिया एस. स्मॉल बाउल बैक्टीरियल ओवरग्रोथ. इन : आईबीएस एण्ड स्मॉल बाउल बैक्टीरियल ओवरग्रोथ, पीपी 89-114.
133. मल्होत्रा पी. इकोकार्डियोग्राफिक इवेल्युएशन ऑफ ट्राइकस्पिड वॉल्व. इन : नंदा एनसी (एड). कम्प्रेहैंसिव टेक्स्ट बुक ऑफ इकोकार्डियोग्राफी. लंदन : जे पी मेडिकल, 2012 : 984-1030.
134. मल्होत्रा आर, गर्ग बी, त्रिखा वी. सर्जिकल डिसलोकेशन ऑफ हिप. इन, मल्होत्रा आर (एड). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक तकनीक – इंट्रा – आर्टिकुलर फ्रैक्चर्स. नई दिल्ली. जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 337-46.
135. मैनुअल ऑफ यूरोलॉजिक मैलिग्नेंसी. आईआरसीएच –एम्स, 2012. एविलेबल एट http://www.aiims.edu/aiims/notices/Manual%20of%20Urologic%20Malignancies%20final.pdf
136. मेहरा एन के, गुरविंदर कौर. जिनोमिक डाइवर्सिटी ऑफ एच एल ए इन द इंडियन पोपुलेशन, इन : देवेन्द्र कुमार एड. जीनोमिक्स एंड हेल्थ इन द डेवलपिंग वर्ल्ड. न्यूयॉर्क : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंक; 2012: 908–15.
137. मेहरा एन के, सिद्दिकी जे ए. इम्युनोलॉजी ऑफ आर्गन एंड हिमेटोपोइटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन. इन : मुंजाल वाई पी एड. ए पी आई टेक्सबुक ऑफ मेडिसिन (नाइंथ एडिशन). मुम्बई 2011 : 164–68.
138. मेहरा आर डी, वार्ष्णेय एम के, कुमार पी. इस्ट्रोजन मेडिएटिड न्यूरोप्रोटेक्शन : होप टू कम्बट न्यूरोनल डीजनरेशन एण्ड साइनेप्टिक प्लास्टीसिटी पोस्ट – मीनोपॉज. इन : एम के ठाकुर एम के, रतन एस आई एस (एडिस). ब्रेन एगिंग एण्ड थैराप्यूटिक इंटरवेंशन्स. एमर्स्टर्डम : स्प्रिंगर; 2012 : 203-18.
139. मेहता एम, पठनायक आर डी. फ्लो – अप फॉर इम्प्रूविंग फिजियोलॉजिकल वेल – बेइंग फॉर वुमेन ऑफ्टर ए मिसकैरिज : आरएचएल कमेंटरी 2013 जन 1. द डब्ल्यूएचओ रिप्रोडक्टिव हेल्थ लाइब्रेरी; जीनेवा : वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन.
140. मेहता पी, कुमरी पी, काबरा एस के. इन सिंघल टी, शाह एन के (एडिस). रेनशनल एंटीबायोटिक थैरेपी इन चिल्ड्रन. नई दिल्ली : जे पी; 2013 : 212-24.

141. मेनिन एस, ब्रूच वी, क्विजेरा ई, ट्रोंकॉन ई ए, सिंह टी, सूद आर. कल्चरल मेडिकल एजुकेशन एण्ड असेस्टमेंट इन : मैकगेघी डब्ल्यूसी (एडिस) इंटरनेशनल बेस्ट प्रैक्टिस फॉर इवेल्यूएशन इन हेल्थ प्रोफेशन्स, ऑक्सॉन, वीके : रेडक्लिफ पब्लिशिंग लि. लंदन, 2013 : 229-55.
142. मेनन आरआर, लोधा आर. पोइसोनिंग इन चिल्ड्रन. इन, सिंह एम (एड) मेडिकल एमर्जेंसिस इन चिल्ड्रन फिफ्थ एडिशन. नई दिल्ली : सागर पब्लिकेशन; 2012 : 799-822.
143. मित्तल आर. वॉट इन द रोल ऑफ डियासेरिन इन ओए? अग्रवाल के के (एड). 100 क्वेशन्स इन रिह्यूमेटोलॉजी (फोकस ऑन ऑस्टियोथाइरिटिस) वॉल्यूम 2. नई दिल्ली. आईजेसीपी पब्लिकेशन; 2012.
144. मोहन ए, शर्मा एस के. एसिड–बेस डिसऑडर्स. इन : मुंजाल वाई पी (एडिटर – इन– चीफ). शर्मा एसके (एक्जिक्यूटिव एडिटर). ए पी आई टेक्सबुक ऑफ मेडिसिन (नाइंथ एडिशन). नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स 2012;**2** : 239–45.
145. मोहन ए., शर्मा एस के. सेप्सिस एंड एक्यूट रिसेपिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम. इन : मुंजाल (एडिटर – इन– चीफ). शर्मा एस के (एक्जिक्यूटिव एडिटर). ए पी आई टेक्सबुक ऑफ मेडिसिन (नाइंथ एडिशन) नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स 2012;**2** : 256–62.
146. मोहन ए. लेजर थैरेपी. इन : पोप जे, तुचिन ए, चियू ए, हेनेमान्न एस (एड). हैंडबुक ऑफ बायोफोटोनिक्स. वॉल. 2 : फोटोनिक्स फॉर हेल्थ केयर. फस्ट एड. विले–वी सी एच वर्लग; 2012 : 491–502.
147. मोहन एस, रमनजुलु आर, वनाथी एम. किरेटोमेट्री. इवेल्युएशन ऑफ कार्निया. सेक्शन 6 : कार्निया एण्ड एक्सटर्नल आइ डिजीज. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 1. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 385-8 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
148. मुखोपाध्याय ए के. गुड पार्टिकल टू कॉन्शसनेस : लाइफ – साइंस, न्यूरोसाइंस एण्ड नॉन लोकल साइंस होल्ड द की. इन : मिश्रा एससी, घोष एस, अग्रवाल वी (एडिस). द साइंस एण्ड स्पिरिच्युअल क्वेस्ट. इंटरगेर्टिंग कैपेबिलिटीज़ विद वॉल्यूज. प्रोसीडिंग्स ऑफ द सेवंथ ए आई एस एस क्यू कॉन्फ्रेंस, बैंगलोर. कोलकाता : भक्ति वेदांता इंस्टीट्यूट; 2012 : 108–23.
149. मुखोपाध्याय ए के. द मटीरियल, द साइक एण्ड द स्पिरिच्युअल. इन श्रीरामूर्ति पी, प्रशांत पी, मोहन ए (एडिस). स्पिरिच्युअल कॉन्शसनेस. नई दिल्ली : न्यू एज बुकस; 2013 : 351-5.
150. मुखोपाध्याय ए के. कॉन्शसनेस इज द सेंट्रल वन इन ए फाइव – पिसिस पजल इन : मॉडल्स ऑफ अंडरस्टेंडिंग कॉन्शसनेस. सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडी इन संस्कृति, यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, पुणे; 2012 : 1–21.
151. नाग एच एल, नारांजे एस. इम्पोर्टेंस ऑफ फ्लेक्सिबिलिटी एक्सरसाइज. इन, मेडुरी एन (एड). रनिंग, जॉगिंग, ब्रिक्स वॉकिंग फॉर हेल्थ : ए सबस्टेनेबल लाइफस्टाइल एप्रोच. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : टाइम्स ग्रूप बुक्स; 2013.
152. नाग एचएल, नारांजे एस. वेट ट्रेनिंग एक्सरसाइज सेप्लीमेंटरी टू रनिंग, जॉगिंग एण्ड वॉकिंग, इन, मेडुरी एन (एड). रनिंग, जॉगिंग, ब्रिक्स वॉकिंग फॉर हेल्थ : ए सबस्टेनेबल लाइफस्टाइल एप्रोच. फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : टाइम्स ग्रूप बुक्स; 2013
153. नायर एस, महापात्रा एससी. न्यूट्रिटिशनल इनटेक, ग्लूटेन – फ्री फाइट कम्प्लेंस एण्ड क्वालिटी ऑफ लाइफ ऑफ पीडियाट्रिक पेशेंट्स विद सेलियाक डिजीज. इन : महापात्रा एससी, एग्रवाल वी. एड्स सैकंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन मेडिकल एण्ड न्यूट्रास्युटिकल प्लांट्स. लेयुवेन, बेलजियम : एक्टा हार्टीकल्चर 2013 (972); pp 79–86.
154. पी मिश्रा. माइलॉइडीप्लास्टी सिंड्रोम : न्यूवर थैरेपिस फॉर हिमेटोलॉजी टुडे 2013. एडिटर डॉ. एम बी अग्रवाल
155. पांडे डी, रामानाथन पी. अर्ली गेस्ट्रिक कैंसर. इन : प्रोसीडिंग्स ऑफ द ट्यूवेंटी नाइंथ नेशनल सीएमई प्रोग्राम इन सर्जरी, सर्जरी अपडेट 2012;141-5.
156. पंकज ए, मिश्रा पी, मल्होत्रा आर. डिस्टल हेमरस फ्रैक्चर्स : पेरेलल प्लांटिंग तकनीक यूजिंग ट्रिसेप्स रिफ्लेक्टिंग एंकनेस पेडिकल (टीआरएपी एप्रोच. इन, मल्होत्रा आर (एड). मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक तकनीक – इंट्रा – आर्टिकुलर फ्रैक्चर्स. नई दिल्ली. जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 71-88.
157. पटनायक आर डी, लाल आर. सबस्टेंस यूज डिसऑर्डर : इंट्रोडक्शन एण्ड कॉन्सेप्ट. लाल आर, पटनायक आर (एडिस). सबस्टेंस यूज डिसऑर्डर : हैंडबुक फॉर फिजिशियन नई दिल्ली : एनडीडीटीसी, एम्स; 2013 : 1–7.

158. पटनायक आर डी, मेहता एम. चाइल्डहुड एण्ड एंडोलसेंट डिप्रेशन. इन : नायर यू (एड) इंटरनेशनल हैंडबुक ऑन मेंटल हेल्थ ऑफ चिल्ड्रन एण्ड एंडोलसेंट्स : कल्चर, पॉलिसी एण्ड प्रेक्टिस नई दिल्ली : सेज पब्लिकेशन्स इंडिया; 2012 : 21–38.
159. पॉल एस बी, जेना एम. अल्ट्रासाउंड कॉन्ट्रेक्ट मीडिया. इन : गुप्ता एके, चौधरी वी, खंडेलवाल एन. (एडिस). डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी : रिसेंट एडवांस एण्ड एप्लाइड फिजिक्स इन इमेजिंग. एम्स–एम ए एम सी – पी जी आई इमेजिंग सीरिज. सैकंड एड.दिल्ली : जे पी पब्लिशर्स, 2013 : 271-87.
160. प्राथयुशा के, चौधरी आर. सालमोनेला टिफही. इन : डोंगयोउ एल (एड). मैनुअल ऑफ सिक्योरिटी माइक्रोबेस एण्ड टॉक्सिन. आरसीपीए बायोसिक्योरिटी क्यूएपी, न्यू साउथ वॉल्व ऑस्ट्रेलिया.
161. प्राइमरी ओवेरियन फेल्योर. इन ईएसआई टेक्स्ट बुक ऑफ एंडोक्राइनोलॉजी पब्लिशड 2012.
162. आर भाटिया, अभिषेक सिंह. डू ऑल पेशेंट्स नीड्स टू बी इवेल्यूएटिड फॉर कैड. इन मुनीष एम, पदमा एमए एड. कंट्रोवेरिसस इन स्ट्रोक केयर. बायवॉड बुक्स. 2012. 95–105.
163. आर भाटिया, भावना कॉल. न्यूरोलॉजिकल कॉम्प्लीकेशन्स ऑफ कार्डियक इंटरवेंशन्स एण्ड कार्डियक डिजीज. इन सिंह जी. दास एस. एड रिव्यू इन न्यूरोलॉजी, इल्सेवियर. 2012. आईएस. एसएन 0971–5294
164. आर भाटिया. सेरेब्रल वेनस थ्रोम्बोसिस. इन मूनीष एम, पदमा एम वी एड. कंट्रोवेरियस इन स्ट्रोक केयर. बायवॉर्ड बुक्स. 2012. 158–168.
165. रामनजुलु आर, कुसुमेश आर, वनाथी एम. कॉर्निया : एप्लाइड एनाटॉमी एण्ड फंक्शन्स. सेक्शन 6 : कॉर्निया एण्ड एक्स्टर्नल आइ डिजीज. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 1. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 365–72 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
166. राव आर, अम्बेकर ए, अग्रवाल ए. ऑपियॉइड सबसिटुएशन थैरेपी अंडर नेशनल एड्स कंट्रोल प्रोग्राम : ए सिटुएशनल एनालाइसिस. नई दिल्ली : एन डी डी टी सी, एम्स; 2012.
167. रस्तोगी एस. हिप आर्थोप्लास्टी इन ट्यूमर्स अराउंड द हिप जॉइंट. इन मार्या एसकेएस (एड). कॉम्प्लेक्स प्राइमरी टोटल हिप रिप्लेसमेंट. नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स; 2013 : 122-30.
168. रस्तोगी एस. अपर लिम्ब ऑर्थोसिस. इन अग्रवाल एके (एड). इसेंशियल्स ऑफ प्रोस्थेटिक्स एण्ड ऑर्थोटिक्स. नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स; 2013 : 51-56.
169. रथ जीपी, महाजन सी. पेरी–ऑपरेटिव थर्मोरेगुलेशन : टेम्प्रेचर मॉनिटरिंग एण्ड मैनेजमेंट ड्यूरिंग न्यूरोसर्जरी. इन : इयरबुक ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी (वॉल्यूम 2) चंद्रा यू, बासू एसएम (एडिस). हैदराबाद : पारस मेडिकल पब्लिशर 2012; p 66–77
170. रे आर (मेम्बर ऑफ गाइड डेवलपमेंट ग्रूप). डब्ल्यूएचओ गाइडलाइन्स ऑन द फार्माकोलॉजिकल ट्रीटमेंट ऑफ पर्सेस्टिंग पैन इन चिल्ड्रन विद मेडिकल इलनेस. वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन; 2012.
171. रेनू सक्सेना, नरेन्द्र तेजवानी, मोनिका शर्मा डायग्नोस्टिक एप्रोच टू माइक्रोसाइटोसिस फॉर हिमेटोलॉजी टुडे 2013. एडिटर डॉ. एम बी अग्रवाल.
172. रेनू सक्सेना, सुधा सैजवाल एण्ड रवि रंजन. मॉलीक्यूलर तकनीक इन हिमेटोलॉजी. डी. ग्रुची क्लिनिक हिमेटोलॉजी इन मेडिकल प्रैक्टिस, सिक्स्थ एडिशन 2012.
173. रेवती आर, वनाथी एम. लेजर असिस्टेड इंसिटु केराटोमिल्युसिस. लेजर्स इन कॉर्निया. सेक्शन 21 : लेजर्स इन ऑफ्थैल्मोलॉजी. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 2. फस्ट एड. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 2135-51 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
174. रेवती आर, वनाथी एम. वायरल कंजक्टीवाटिस एण्ड केराटीटिस. इंफेक्शन्स ऑफ द कॉर्निया एण्ड एकस्टर्नल आइ. इवेल्युएशन ऑफ द कॉर्निया. सेक्शन 6 : कॉर्निया एण्ड एक्स्टर्नल आइ डिजीज. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 1. फस्ट एड. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 506-22 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
175. रियासत अली, राव डीएन. रिसेंट एडवांस्टमेंट इन डेवलपमेंट ऑफ वैक्सीन एगेंस्ट वाय. पैसटिस – ए पोटेंशियल एजेंट ऑफ बायोटेरिज्म. इन : मोरसे एसए (एड). बायोटेरिज्म. इनटेक ओपन साइंस, 2012.
176. सागर एस, असुरी के, सिंघल एम. : इनीशियल मैनेजमेंट ऑफ लाइफ थ्रेटिंग वाउंड. इन : साराबाही एस, तिवारी वी के (एडिस). प्रिंसिपल्स एण्ड प्रैक्टिस ऑफ वाउंड केयर. नई दिल्ली : जे पी 2012 : 59-67.
177. सागर एस, कटारिया के, सिंघल एम. जनरल मैनेजमेंट ऑफ ब्रून पेशेंट्स : आईसीयू प्रोटोकॉल : ए स्टेपवाइज एप्रोच. इन : चावला राजेश, सुभाष तोडी, एडिस. सेक्शन 9 ट्रॉमा एण्ड ब्रून. स्प्रिंगर; 2012 : 535-43.

178. सहरान एस, लोधा आर. सपोर्टिव केयर ऑफ क्रिटिकली इल चिल्ड्रन. इन सिंह एम (एड). मेडिकल इमर्जेंसी इन चिल्ड्रन. फिफ्थ एडिशन. नई दिल्ली : सागर पब्लिकेशन; 2012 : 121-42.
179. सतपति जी. साइनेप्टिक बायोलॉजी टेक्नोलॉजी. इन : कुमार ए, प्रतीक ए, गुप्ता ए एस एम. बायोटेक्नोलॉजी इन मेडिसिन एण्ड एग्रीकल्चरल : प्रिंसिपल्स एण्ड प्रैक्टिस. फस्ट एड. बैंगलोर : आईके इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस; 2012 : 761-77.
180. सीमा त्यागी. एचपीएलसी इन हिमेटोलॉजी. डी ग्रुची क्लिनिकल हिमेटोलॉजी इन मेडिकल प्रैक्टिस, सिक्स्थ एडिशन 2013.
181. सीमा त्यागी; सोनल जैन : प्लेटलेट फंक्शन टेस्ट इन जेनेटिक एण्ड एक्वायर्ड ब्लीडिंग डिसऑर्डर फॉर हिमेटोलॉजी टुडे 2013. एडिटर डॉ. एम बी अग्रवाल
182. सेठ आर. हिमेटोलॉजिकल एमर्जेंसिस इन चिल्ड्रन. इन मेहरबान सिंह. मेडिकल इमर्जेंसिस इन चिल्ड्रन. फिफ्थ एडिशन. नई दिल्ली : सागर पब्लिकेशन; 2012 : 620-36.
183. सेठ आर. होजकिंग लिम्फोमा. इन : सचदेवा ए, दत्ता ए के. एडवांस इन पीडियाट्रिक्स. सैकंड एडिशन. नई दिल्ली : जे पी; 2012 : 666-70.
184. सेठ टी. इवेल्युएशन ऑफ ए चाइल्ड विद थ्रोम्बोसिस. फिफ्थ एडिशन ऑफ आईएपी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स पीजी ईटीसी.
185. शरण पी. श्याम सुंदर ए. कम्युनिटी साइकियाट्री : कॉस्ट – इफेक्टिवनेस एण्ड मॉनिटरिंग. इन : चव्हाण बी एस, गुप्ता एन, अरुण पी, सिदाना ए, जादव एस (एडिस.). कम्युनिटी मेंटल हेल्थ इन इंडिया. दिल्ली : जे पी ब्रदर्स; 2012 : 402–12.
186. शर्मा बी एस, चंद्रा पी एस : सिस्टीसाक्रोसिस, रामामूर्ति और टंडन टेक्स्टबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी थर्ड एड. (जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स) 2012, 778–793.
187. शर्मा बीएस, मेड्युलोब्लास्टोमास, रामामूर्ति और टंडन टेक्स्टबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी थर्ड एड. (जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स) 2012, 1570–1576.
188. शर्मा बीएस, मेहता वीएस : इंट्राकेवेनर्स न्यूरोसिम्स . रामामूर्ति और टंडन टेक्स्टबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी थर्ड एड. (जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स) 2012, 1036–1044.
189. शर्मा बीएस, रामदुर्ग एस, चंद्र पीएस. ट्रिगेमिनल स्क्वैमस. आर रामामूर्ति और टंडन टेक्स्टबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी थर्ड एड. (जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स) 2012, 1792–1796.
190. शर्मा बीएस, शर्मा एमएस : इंट्रामेड्यूलरी ट्यूमर्स, रामामूर्ति और टंडन टेक्स्टबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी थर्ड एड. (जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स) 2012, 1210–1218.
191. शर्मा बीएस, सिन्हा एस : इंट्राक्रेनियल मेलनोमास एण्ड अदर ट्यूमर्स. रामामूर्ति और टंडन टेक्स्टबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी थर्ड एड. जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स) 2012, 1920–1925.
192. शर्मा जेबी, ट्यूबरकुलोसिस इन ऑब्स्टेट्रिक्स एण्ड गायनेकोलॉजिकल प्रैक्टिस इन स्टड जे. टैन एसएल, चेरवेनक एफए (एडिस). करंट प्रोग्रेस इन ऑब्स्टेट्रिक्स एण्ड गायनेकोलॉजी वॉल्यूम 1, ट्री लाइफ मीडिया, कोठारी मेडिकल सबस्क्रिप्शिन सर्विस प्रा. लि., मुम्बई 2012 : 304-327.
193. शर्मा जेबी. कर्माकर डी. एनीमिया इन प्रेग्नेंसी इन मल्होत्रा एन, सूरी आर, मल्होत्रा जे (एडिस) डोनाल्ड स्कूल मैनुअल ऑफ प्रैक्टिस प्रोब्लम्स इन ऑब्स्टेट्रिक्स. जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स लि. नई दिल्ली 2012; फस्ट एडिशन, 141-151.
194. शर्मा केए, श्रीनिवास एस, डेका डी, आदि. कॉन्सीडरेशन्स इन द क्रिटिकली–इल ग्रेविडा. क्रिटिकल केयर इन ऑब्स्टेट्रिक्स. एड मिश्रा एम, मोडी पी. जे पी पब्लिकेशन्स. 2013
195. शर्मा एम, अग्रवाल पी, सेठ आर. फेब्रियल न्यूट्रोपेनिया. इन लोधा आर, काबरा एसके, जोस बी, भट एएस. एंटीबायोटिक्स फॉर कॉमन इंफेक्शन्स इन चिल्ड्रन : एन एविडेंस बेस्ड एप्रोच. नई दिल्ली : इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स; 2013 : 51-58.
196. शर्मा एमएस, शर्मा बीएस. गम्मा नीफ रेडियोसर्जरी. राममूर्ति एण्ड टंडन टेक्स्टबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी थर्ड एड. (जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स) 2012, 2087–2101.
197. शर्मा आर, वनाथी एम. कोरनियल एक्टासिएस. इवेल्युएशन ऑफ द कॉर्निया. सेक्शन 6 : कॉर्निया एण्ड एक्सटर्नल आइ डिजीज. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 1. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 451–64 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).

198. शर्मा एस, जाना एम. एविडेंस बेस्ड प्रौक्टिस ऑफ रेडियोलॉजी. इन : गुप्ता एके, चौधरी वी, खंडेलवाल एन (एडिस). डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी – रिसेंट एडवांस एण्ड एप्लाइड फिजिक्स इन इमेजिंग. सैकंड एड.नई दिल्ली : जे पी; 2013 : 319–28.
199. शर्मा एस के, खन्ना के, शर्मा ए. स्लीप डिस्ऑर्डर ब्रीथिंग डिस्ऑर्डर. इन : मुरुगनाथन ए (एडिटर). मेडिसिन अपडेट अंडर द ऑस्पिशस एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया 2013;**23** : 473–8.
200. शर्मा एस के, सुनेजा एम. न्यूमोकोकल वैक्सीन – क्लिनिकल युटिलिटी. कामथ एस (एडिटर), नादकर एमवाय (एक्जिक्यूटिव एडिटर) मेडिसिन अपडेट अंडर द ऑस्पिशस एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया 2012;**22** : 397–400.
201. शर्मा एस के. ए सोलिटेरी रेडियोग्राफिक पल्मोनरी लिशन. इन : स्ट्रेचन एमडब्ल्यूजे, शर्मा एसके, हंटर जे ए ए (एडिटर्स). डेविडसन्स 100 क्लिनिकल केस (सैकंड एडिशन). इडिनबर्ग, यूके : चर्चिल लिविंग्स्टन एल्सवियर; 2012 : 107–11
202. शर्मा एस के. कीमोथैरेपी ऑफ बैक्टीरियल इंफेक्शन. इन : बैनेट पी, शर्मा पी, ब्राउन एम (एडिटर्स). क्लिनिकल फार्माकोलॉजी बाय डीआर ल्यूरेंस (इलेवेंथ एडिशन). यू के : चर्चिल लिविंग्स्टन; 2012.
203. शर्मा एस के. क्रोनिक ऑब्स्ट्रक्टिव प्लमोनरी डिजीज. इन : मुंजाल वाई पी (एडिशन – इन – चीफ). शर्मा एसके (एक्जिक्यूटिव एडिटर). ए पी आई टेक्सटबुक ऑफ मेडिसिन (नाइंथ एडिशन) नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स 2012;**2** : 1711–18.
204. शर्मा एसके. हिमोप्टिसिस. इन : स्ट्रैचन एम डब्ल्यू जे, शर्मा एस के, हंटर जे ए ए (एडिटर्स). डेविडसंस 100 क्लिनिकल केसे (सैकंड एडिशन). एडिनबर्ग, यू के : चर्चिल लिविंग्स्टन एल्सवियर; 2012 : 104–106.
205. शर्मा एस के. प्लूरल इफ्यूजन. इन : स्ट्रैचन एम डब्ल्यू जे, शर्मा एस के, हंटर जे ए ए (एडिटर्स). डेविडसंस 100 क्लिनिकल केसे (सैकंड एडिशन). एडिनबर्ग, यू के : चर्चिल लिविंग्स्टन एल्सवियर; 2012 : 112–11.
206. शर्मा एस एस, पुरानिक एस एस, वनाथी एम. सिल्ट लैम्प बायोमाइक्रोस्कोपी एण्ड डायग्रेमेटिक रिप्रजेंटेजन. इवेल्युएशन ऑफ द कॉर्निया. सेक्शन 6 : कॉर्निया एण्ड एक्स्टर्नल आइ डिजीज. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 1. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 410–6 (आईएसबीएन 978–93–5025–270–3).
207. शुक्ला एन के. मैनेजमेंट ऑफ एनल कैनल कैंसर. इन : प्रोसीडिंग्स ऑफ द 29 नेशनल सीएमई प्रोग्राम इन सर्जरी, सर्जरी अपडेट 2012; 108–11.
208. सिक्का के, ठक्कर ए. ऑटोलेरिंजियोलॉजिकल इमर्जेंसिस. इन : मेडिकल इमर्जेंसिस इन चिल्ड्रन. सिंह एम (एड) सागर पब्लिकेशन, नई दिल्ली फिफ्थ एडिशन, 2012 : 02–07
209. सिंह एन. फैट सोल्यूबले विटामिन्स. इन : श्रीवास्तव एलएम (एड). कॉन्सेप्ट ऑफ बायोकैमिस्ट्री 2012.
210. सिंह यू. रोल ऑफ कैड–कैम टेक्नोलॉजी इन प्रोस्थेटिक्स ऑफ ऑर्थोटिक्स. इन : अग्रवाल ए के (एड). इनीशियल्स ऑफ प्रोस्थेटिक एण्ड ऑर्थोटिक्स. नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी); 2013 : 86—90.
211. सिन्हा ए, बग्गा ए. पैथोजेनेसिस एण्ड जेनेटिक्स ऑफ नेफ्रोटिक सिंड्रोम. इन : श्रीवास्तव आर एन. ई सी ए बी क्लिनिकल अपडेट इन नेफ्रोलॉजी : नेफ्रोटिक सिंड्रोम इन चिल्ड्रन, नई दिल्ली : एल्सवियर; 2012 : 5–21.
212. सिन्हा ए, गुलाटी ए, बग्गा ए. हाइपरटेंशन इन चिल्ड्रन. इन : विजय कुमार एम, नाम्मालवार बीआर. प्रिंसिपल एण्ड प्रैक्टिस ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी. सैकंड एडिशन, नई दिल्ली : जे पी पब्लिशर्स; 2012 : 727–46.
213. सिन्हा ए. रीनल ट्यूबलर डिजीज. इन पार्थसारथी ए. मेनन पी एस एन, नायर एम के सी, अग्रवाल आर, सुकुमारन टीयू. आईएपी टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स, फिफ्थ एडिशन, नई दिल्ली : जे पी पब्लिशर्स; 2012 : 602–5
214. शिवानंद एस, लोधा आर. असिस्टेड वेंटिलेशन. इन : सिंह एम (सएड). मेडिकल इमर्जेंसिस इन चिल्ड्रन. फिफ्थ एड. नई दिल्ली : सागर पब्लिकेशन; 2012 : 876–99.
215. श्रीनिवास एम. सपिना बिफिडा. इन : कराची आदि : बेसिक तकनीक इन पीडियाट्रिक सर्जरी. स्प्रिंगर, बेरमनी, 2013.
216. श्रीवास्तव डी एन, मधुसुदन केएस. फ्लोरोस्कॉपी एण्ड डिजिटल सबस्ट्रैक्शन एंजियोपैथी. इन : गुप्ता एके, चौधरी वी, खंडेलवाल एन (एडिस). डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी – रिसेंट एडवांस एण्ड एप्लाइड फिजिक्स इन इमेजिंग. सैकंड एड.नई दिल्ली : जे पी; 2013 : 226–44.

217. सुबामणियन ए, अग्रवाल डी, पाण्डे आर एम, निमिया एम, एल्बर्ट वी. द ल्यूकोसाइट काउंट, इमेच्योर ग्रेन्यूलोक्टे काउंट एण्ड इमेडिएटिड आउटकम इन हैड इंजरी पेशेंट्स. ब्रेन इंजरी. आईएसबीएन 978–953–307–614–0.
218. थापा एस आर, दास आर आर, काबरा एस के. कम्युनिटी एक्वायर्ड निमोनिया. इन लोधा आर, काबरा एसके, जोस बी, भट एएस. एंटीबायोटिक्स फॉर कॉमन इंफेक्शन्स इन चिल्ड्रन : एन एविडेंस बेस्ड एप्रोच. नई दिल्ली : इंडियन जनरल ऑफ पीडियाट्रिक; 2013 : 23-27.
219. त्रिपाठी एम, दीप्ति विभा. डेमेंटियस. एक्सपैंडिंग होरिजोन्स ऑफ द माइंड साइंस. एडिट बाय पी. एन टंडन, आर. सी. त्रिपाठी और एन. श्रीनिवासन. पब्लिश्ड बाय नोवा साइंस पब्लिशर्स, इंक 2012 : 339–361.
220. त्रिपाठी एम, दीप्ति विभा. एपिलेप्सी एण्ड मूवमेंट डिस्ऑर्डर्स. अंडर पब्लिशड एडिट बाय डॉ. अशोक कुमार. डिपार्टमेंट ऑफ न्यूरोलॉजी, आईजीआईएमएस. 2013.
221. त्रिपाठी एम, नविता चौधरी. हार्ट रैट वेरिबिलिटी (एचआरवी) सिंगनल एनालाइसिस. क्लिनिकल एप्लीकेशन्स. एडिट बाय मार्क्ड वी कामथ, मरिया. वेटेनेबे, एड्रिन आर. एम. ऑप्टन, सीआरसी प्रेस 2012 : 411–424.
222. त्रिपाठी एम, प्रिया गुप्ता ए, शरत चंद्र पी. 'इलेक्ट्रोडायग्नोसिस'. टेक्स्टबुक ऑफ न्यूरोसर्जरी. एडिट बाय डॉ. मुरली मनमोहर एस, डॉ. प्रदीप कुमार जैन और डॉ. गोतम कुगटी. जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लि. 2012; (3) : 25–42.
223. तुलिका सेठ और संजीव शर्मा. थ्रोम्बोसिस इन कैंसर. हिमेटोलॉजी टुडे 2013. एडिटर एमबी अग्रवाल .
224. उपेन्द्र बीएन, गर्ग बी, कंडवाल पी, जयसवाल ए. सिंगल स्टेज ग्लोबल डीकम्प्रेशन एण्ड स्टेबिलाइजेशन यूजिंग पोस्टीरियर एप्रोच फॉर ट्यूबरकुलर स्पांडिलाइटिस. इन गर्ग बी, मल्होत्रा आर (एड). मास्टर तकनीक इन ऑर्थोपेडिक सर्जरी (स्पाइन). फस्ट एडिशन. नई दिल्ली. जे पी–ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 225-32.
225. वी. पी. चौधरी, तुलिका सेठ, रेनू सक्सेना. द हिमोलाइटिक एनीमियास, डी ग्रुची क्लिनिकल हिमेटोलॉजी इन मेडिकल प्रैक्टिस, वेली इंडिया प्रा. लि., एडिटर – इन – चीफ : रेनू सक्सेना, सिक्स्थ एडिशन 2013, चैप्टर 8, पेज.
226. वनाथी एम, अग्रवाल आर, वेंगायिल एस, सांगवान वी. डिजीज ऑफ द स्क्लेरा. सेक्शन 8 : स्क्लेरा. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 1 फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 779-88 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
227. वनाथी एम, असहर जे. कॉर्नियल टोपोग्राफी. इवेल्युएशन ऑफ द कॉर्निया. सेक्शन 6 : कॉर्निया एण्ड एक्सटर्नल आइ डिजीज. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 1. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 378–85 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
228. वनाथी एम, भारतिया एस, काइ एस, रेवती आर. फिम्टोसैकंड लेजर इन कॉर्नियल सर्जरी. लेजर्स इन कॉर्निया. सेक्शन 21 : लेजर्स इन ऑफ्थैल्मोलॉजी. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 2. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 2162-5 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
229. वनाथी एम, गुप्ता ए एम, भारतिया एस, शाहनी एस, अग्रवाल ए. पोस्टरिफ्रेक्टिव सर्जरी आईओएल पावर कैलकुलेशन. सेक्शन 10 : लेंस एण्ड इट्स एनोमेलीस. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 1. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 988-93 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
230. वनाथी एम, महेश एस पी. कंफोकल माइक्रोस्कॉपी ऑफ द कॉर्निया. इवेल्युएशन ऑफ द कॉर्निया. सेक्शन 6 : कॉर्निया एण्ड एक्स्टर्नल आइ डिजीज इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 1. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 397-404 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
231. वनाथी एम, मोहन एस, कुसुमेश आर. डिस्ऑर्डर ऑफ द पीडियाट्रिक कॉर्निया. इवेल्युएशन ऑफ द कॉर्निया. सेक्शन 6 : कॉर्निया एण्ड एक्स्टर्नल आइ डिजीज. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 1. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 417–29 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
232. वनाथी एम, मोहन एस. याग कैपसुलेटॉमी. सेक्शन 21 : लेजर्स इन ऑफ्थैल्मोलॉजी. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 2. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 2191-6 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).

233. वनाथी एम, मोरे पी डी, रेवती आर. फोटोरिफ्रेक्टिव केराटेक्टॉमी. लेजर्स इन कॉर्निया. सेक्शन 21 : लेजर्स इन ऑफ्थैल्मोलॉजी. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 2. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 2156–7 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
234. वनाथी एम, रेवती आर. फोटोथैरेप्यूटिक केराटेक्टॉमी. लेजर्स इन कॉर्निया. . सेक्शन 21 : लेजर्स इन ऑफ्थैल्मोलॉजी. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 2. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 2158-62 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
235. वनाथी एम. कॉन्टेक्ट लेंस रिलेटिड केराटिटिस. इंफेक्शन्स ऑफ द कार्निया एण्ड एक्स्टर्नल आइ. इवेल्युएशन ऑफ द कॉर्निया. सेक्शन 6 : कॉर्निया एण्ड एक्स्टर्नल आइ डिजीज. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम I. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 543-51 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
236. वनाथी एम. कॉर्नियल इस्थेसियोमेट्री. इवेल्युएशन ऑफ द कॉर्निया. सेक्शन 6 : कॉर्निया एण्ड एक्स्टर्नल आइ डिजीज. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम I. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 396-7 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
237. वनाथी एम. डिजीज ऑफ द कंजक्टिविया. डिजीज ऑफ द ऑक्यूलर सरफेस. सेक्शन 6 : कॉर्निया एण्ड एक्स्टर्नल आइ डिजीज. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 1. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 563-96 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
238. वनाथी एम. लेजर एपिथिलियल किरेटोमिलेसिस. लेजर्स इन कॉर्निया. सेक्शन 21 : लेजर्स इन ऑफ्थैल्मोलॉजी. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 2. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 2154-5 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
239. वनाथी एम. पेनेट्रेटिंग किरेटोप्लास्टी. कॉर्नियल सर्जरी. सेक्शन 6 : कॉर्निया एण्ड एक्स्टर्नल आइ डिजीज. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम 2. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 640-85 (आईएसबीएन 978-93-5025-270–3).
240. वेंगयिल एस, वनाथी एम. फंगल केराटिटिस. इंफेक्शन्स ऑफ द कार्निया एण्ड एक्स्टर्नल आइ. इवेल्युएशन ऑन द कॉर्निया. सेक्शन 6 : कॉर्निया एण्ड एक्स्टर्नल आइ डिजीज. इन : चौधरी जेड, वनाथी एम एडिस. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम I. फस्ट एडन. नई दिल्ली : जे पी मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 523-33 (आईएसबीएन 978-93-5025-270-3).
241. वर्मा एन, लोधा आर. कार्बापेनेमस. इन सिंघल टी. शाह एनके (एड). रेशनल एंटीबायोटिक थैरेपी इन चिल्ड्रन. नई दिल्ली : जे पी; 2013 : 51-61.
242. वाधवा एस. रोल ऑफ फिजिकल मेडिसिन एण्ड रिहेबिलिटेशन इन मैनेजमेंट ऑफ ऑस्टियोपोरोसिस. इन : गिल एसएस (एड). ऑस्टियोपोरोसिस – ए रिव्यू टूवर्ड्स ए फ्रैक्चर फ्री फ्यूचर. संगरूर पंजाब : गुलाब पब्लिशर्स; 2013 : 153–71.
243. एक्सयू एच, बग्गा ए. डायलिसिस इन डेवलपिंग कंट्रीज़ इन : वार्डे बीए, शेफर एफ, अलेक्जेंडर एसआर. पीडियाट्रिक डायलिसिस. सैकंड एडिशन, न्यूयॉर्क : स्प्रिंगर; 2012 : 73-81.

पुस्तकें

1. ए मैनुअल ऑन 'चाइल्डहुड कैंसर : वॉट पेरेंट्स मस्ट नो' (इग्लिंश). नई दिल्ली : डिपार्टमेंट ऑफ पीडियाट्रिक, एम्स. 2012
2. ए मैनुअल ऑन 'चाइल्डहुड कैंसर : वॉट पेरेंट्स मस्ट नो' (हिन्दी). नई दिल्ली : डिपार्टमेंट ऑफ पीडियाट्रिक, एम्स. 2012
3. आनंद एस. करंट ट्रेंड इन इंजीनियरिंग प्रैक्टिस. वॉल. 3 नई दिल्ली : एआईसीटीई – आईएनएई; 2012
4. ब्रेसलो जे, मिलर ई, जिन आर, एंड्रे एचएल, चटर्जी एस, मेडिना – मोरा एमई, सागर आर. मेंटल डिस्ऑर्डर, मैरिज एण्ड डिवॉर्स. इन : डब्ल्यूएचओ : द बूरडेन्स ऑफ मेंटल डिस्ऑर्डर : ग्लोबल पर्सपेक्टिव फ्रॉम एचडब्ल्यूओ वर्ल्ड मेंटल हेल्थ सर्वे. कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस 2013 : 66–76
5. चट्टोपाध्याय टीके, साहनी पी, पाल एस (एड). जी. आई. सर्जरी एनुअल वॉल. 18, नई दिल्ली : आईएएसजी; 2012
6. चौधरी जेड, वनाथी एम. पोस्टग्रेजुएट ऑफ्थैल्मोलॉजी वॉल्यूम्स 1 और 2. फस्ट एड. नई दिल्ली : जे पी हाइलाइट्स; 2012 (आईएसबीएन 978-93-5025-270–3).
7. दादा टी, इच्छापुजानी पी, स्पाथ जी. पील्र्स इन ग्लूकोमा थैरेपी. नई दिल्ली : जे पी मेथ्उकल पब्लिशर्स, 2012
8. दादा टी. गाइडलाइन्स फॉर ग्लूकोमा इंवेस्टीगेशन्स. ऑल इंडिया ऑफ्थैल्मोलॉजिकल सोसाइटी, नई दिल्ली, 2012
9. डे केयर मैनुअल, डिपार्टमेंट ऑफ पीडियाट्रिक्स, एम्स. नई दिल्ली : डिपार्टमेंट ऑफ पीडियाट्रिक्स, एम्स. 2012
10. डेग्रुची क्लिनिकल हिमेटोलॉजी. एडिटर्स डॉ. आर. सक्सेना, डॉ. एच पी पति, डॉ. एम. महापात्रा. 2013 वेली पब्लिशर्स
11. डिजीज आउटब्रेक मैनेजमेंट : हॉस्पीटल एडिमिनिस्ट्रेटर्स पर्सपेक्टिव जे पी बद्रर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लि. आईएसबीएन 978-93-5025-990–0; 2013.
12. गर्ग बी, जयसवाल ए. माइक्रोएंडोस्कॉपिक डिस्टेक्टॉमी वीएस. ओपर डिस्टेक्टॉमी. फस्ट एडिशन. लैप लैम्बर्ट एकडेमिक पब्लिशिंग; 2012.
13. गर्ग बी, मल्होत्रा आर. मास्टर तकनीक इन ऑर्थोपेडिक सर्जरी (स्पाइन). फस्ट एडिशन. नई दिल्ली : जे पी बद्रर्स मेडिकल पब्लिशर्स; 2012.
14. गर्ग पी. एक्सोक्राइन पैनक्रियाटिटिस इंसफीशियंसी (2011, एल्सवियर, इंडिया)
15. गुलेरिया आर. वर्ल्ड क्लिनिक्स : पल्मोनरी एण्ड क्रिटिकल केयर मेडिसिन निमोनियास. वॉल्यूम 1. नई दिल्ली : जे पी; 2012
16. गुप्ता ए के, खंडेलवाल एन, चौधरी वी, शर्मा एस, भल्ला ए एस, हरी एस (एड). डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी : रिसेंट एडवांस एण्ड एप्लाइड फिजिक्स इन इमेजिंग. नई दिल्ली : जे पी बद्रर्स मेडिकल पब्लिशर्स लि. : 2012
17. गुप्ता बी के, शर्मा ए (एड). इम्युनोलॉजी : द बेसिक कॉनसेप्ट. नई दिल्ली : पी पी पब्लिशर्स; 2012 : 1 – 292
18. गुप्ता वाय के, पेशिन एस एस, हल्दर एन. मर्करी फ्री हेल्थ केयर, वाय एण्ड हाउ? अवेयरनेस टूल किट; नई दिल्ली : प्रिंट्स विजिन; 2012
19. हल्दर ए, जैन एम. मॉलीक्यूलर साइटोजेनेटिक्स मैनुअल. 2012
20. काबरा एस के, लोधा आर (एड). पीआईसीयू प्रोटोकॉल ऑफ एम्स. नई दिल्ली : इंडियन जनरल ऑफ पीडियाट्रिक्स. 2012
21. खाखा डी. यूनिट 2 : रोल्स एण्ड रिसपॉन्सिबिलिटीज़ इन क्रिटिकल केयर; यूनिट 5 : प्रैक्टिकल मैथड ऑफ इंफेक्शन कंट्रोल; यूनिट 7 : ब्रेकिंग ऑफ बेड न्यूज; यूनिट 8 : फैमिली डायनेमिक्स इन क्राइसिस; यूनिट 9 : मैनेजमेंट ऑफ ब्रूनॉट. इन : गोयल ए. आईसीयू मैनुअल. थर्ड एड हैदराबाद : पारास मेडिकल पब्लिशर्स; 2012 : 6–27
22. खंडेलवाल एस के, पटनायक आर. फाइट एगेंस्ट स्टिग्मा. इन : चावन बीएस, गुप्ता एन, अरूण पी, सिदाना ए, जाधव एस (एड) कम्युनिटी मेंटल हेल्थ इन इंडिया. दिल्ली : जे पी ब्रदर्स; 2012

23. कुमार आर. माइक्रोसर्जरी फॉर मेल इंफर्टिलिटी : द एम्स एक्सपीरियंस. इन : पेरेकाटिल एसजे, अग्रवाल ए एड. मेल इंफर्टिलिटी. स्प्रिंगर, न्यूयार्क. 2012; 79–88
24. लोधा आर, काबरा एस के, जोस बी भट एएस (एड). इन लोधा आर, काबरा एसके, जोस बी, भट एएस. एंटीबायोटिक्स फॉर कॉमन इंफेक्शन्स इन चिल्ड्रन : एन एविडेंस बेस्ड एप्रोच. नई दिल्ली : इंडियन जनरल ऑफ पीडियाट्रिक्स; 2013
25. महापात्रा एस सी, अग्रवाल वी. एड. सैकंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन मेडिसिनल एण्ड न्यूट्रोस्युटिकल प्लांट. ल्युवेन, बेलजियम : एक्टा हॉर्टीकल्चरल; 2013
26. मल्होत्रा आर. एडिटर : ''मास्टरिंग ऑर्थोपेडिक तकनीक – इंट्रा – आर्टिकुलर फ्रैक्चर्स''. जे पी बद्रर्स मेडिकल पब्लिशर्स, सेंट. लुइस, नर्इ दिल्ली, 2012
27. मारवाह आरके. पाणिग्रही आई, हल्दर ए. हैंडबुक ऑन मेडिकल जेनेटिक्स एण्ड जेनेटिक काउंसिलिंग. फस्ट एड नोबल विजिन मेडिकल बुक पब्लिशर्स; 2013 (आईएसबीएन 978-81-906227-4–5).
28. ऑर्थोडोंटिक्स : डायग्नोसिस एण्ड मैनेजमेंट ऑफ मैलाक्लुजन एण्ड डेंटोफोकल डीफॉर्मिटिटिस एल्सवेयर आईएसबीएन नं. 978-81–312–2820–3 सैकंड एडिशन 2013 पेज 764
29. पेशेंट एजुकेशन बुक ऑन निफ्रोटिक सिंड्रोम (हिन्दी और इंग्लिश). नई दिल्ली : मेट्रिक्स कम्युनिकेशन्स, 2012
30. पेशेंट एजुकेशन बुक ऑन यूनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन्स (इंग्लिश). नई दिल्ली : मेट्रिक्स कम्युनिकेशन्स, 2012
31. पॉल वीके, देवरारी एके. स्टैंड्र्ड ट्रीटमेंट प्रोटोकॉल बुक ऑन मैनेजमेंट ऑफ सिक न्यूबॉर्न्स इन स्मॉल हास्पीटल. स्ट एड नई नई दिल्ली : 2013
32. राजेश्वरी एमआर. इंट्रोडक्शन टू बायोफिजिक्स. रस्तोगी पब्लिकेशन (भारत), 2012. 312 पीपी
33. सेमिनार इन कार्डियक – एनेस्थिसिया. एन एजुकेशनल बुक एडिटिड बाय उषा किरण, संदीप चौहान, नीति मखीजा, पूनम मल्होत्रा, मिनाती चौधरी, शम्भूनाथ दास, प्रयाग घारडे और विश्वास मलिक, पब्लिशड बाय सागर पब्लिशर्स – 2012.
34. शाह बी, मुखोध्याय ए, अरुलसेल्वी एस. रोल ऑफ विकोइलेस्टोक हिमोस्टेटिक एसे इन सर्वर ट्रॉमा पेशेंट्स. लैप लैम्बर्ट, अकडेमिक पब्लिशिंग, एजी एण्ड सीओकेजी, जर्मनी; 2012.
35. शरण पी. श्याम सुंदर ए. कम्युनिटी साइकियाट्री : कॉस्ट – इफेक्टीनेस एण्ड मॉनिटरिंग. इन : चवान बीएस, गुप्ता एन, अरुण पी, सिदाना ए, जादव एस (एड). कम्युनिटी मेंटल हेल्थ इन इंडिया. दिल्ली : जे पी ब्रदर्स 2012 : 402 – 12.
36. सिंह एन. पाथवे टू प्रीटर्म लेबोर : वर्ल्ड क्लिनिक्स ऑब्स्टेट्रिक्स एण्ड गायनेकोलॉजी, आईएसएसएन 2248–9517 सितम्बर 2012, जे पी पब्लिशर्स
37. स्ट्रैचेन एम डब्ल्यू जे, शर्मा एस के, हंटर जेएए (एडिटर) डेविडसन क्लिनिकल केस (सैकंड एडिशन). एडिनबर्ग (यूके) : चर्चिल लिविंग्स्टन एल्सवियर लि., 2012.
38. स्वामीनाथन, एस काबरा एस के. एडवांस इन पीडियाट्रिक ट्यूबरकुलोसिस. नई दिल्ली : इंडियन जनरल ऑफ पीडियाट्रिक्स, वॉल्यूम 4, 2012.
39. वर्मा आई सी, काबरा एस के. एडवांसेस इन पीडियाट्रिक्स. नई दिल्ली : इंडियन जनरल ऑफ पीडियाट्रिक्स, वॉल्यूम 4, 2012.

13.1 वित्त प्रभाग

वरिष्ठ वित्त सलाहकार
श्री संदीप लाल

वित्त सलाहकार
श्रीमती बसंती दलाल

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी
श्री सुनील कुमार केडिया
श्री सतीश खुराना

लेखा अधिकारीगण

श्री डी. पी. गंगल	श्री भौमसिंह	श्री एस. एस. यादव
श्री एम. एस. नेगी	श्री एम. जे. राजदान	श्री एम. के. भट्ट
श्री आर. के. शर्मा	श्री एस. के. जैन	श्री ए. के. शर्मा
	श्री एस. के. टीकू	

संस्थान भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से "योजना" एवं "गैर–योजना" शीर्ष के तहत अनुदान प्राप्त करता है। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार, के लिए भी अलग से योजना अनुदान प्राप्त किये जाते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं हेतु आई.सी.एम.आर., डी.एस.टी., सी.एस.आई.आर., डब्ल्यू.एच.ओ., यूनिसेफ, डी.बी.टी. आदि जैसी विभिन्न बाह्य फंडिंग एजेंसियों से बाहरी अनुदान भी प्राप्त होता है। भारत सरकार एवं अन्य एजेंसियों से योजना एवं गैर–योजना अनुदान के रूप में प्राप्त अनुदानों को अति विशिष्ट केंद्रों/विभागों/अनुसंधान अनुभाग को उनकी परियोजनाओं/आवश्यकताओं के अनुसार आगे आबंटित किया जाता है।

संस्थान का वित्त प्रभाग संबद्ध केंद्रों/यूनिटों/विभागों से मासिक व्यय विवरण मंगाकर उपर्युक्त निधियों/बजट के निष्पादित व्यय की निगरानी/नियंत्रण करता है और दिन प्रतिदिन के वित्तीय मामले, संकाय एवं स्टाफ को वेतन का भुगतान, व्यक्तिगत दावों का भुगतान, संस्थान के संबंधित कर्मचारियों की पेंशन एवं सामान्य भविष्य निधि तथा ठेकेदारों/सप्लायरों को भुगतान का भी संचालन करता है। भुगतान करते समय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित सभी जांच–बिंदुओं का संबद्ध आहरण–वितरण अधिकारियों द्वारा पालन किया जा रहा है। वित्त प्रभाग द्वारा जब भी आवश्यकता होती है वित्तीय परामर्श भी प्रदान किया जाता है।

उपर्युक्त सभी कार्यों को वित्त सलाहकार, वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारियों (एफ एंड सीएओ)/लेखा अधिकारियों द्वारा वरिष्ठ वित्त सलाहकार के समग्र नियंत्रण में निष्पादित किया जाता है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
वर्ष 2012–2013 का
प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

अ. भा. आ. सं. (मुख्य) (क) (राशि रुपयों में)

	प्राप्तियां		2012-13	2011-12		भुगतान	2012-13	2011-12
1	अथशेष				1	केन्द्रों /स्कीम सेल को अंतरित अनुदान		
क.	बैंक में नकद				क.	डॉ. रा. प्र. केन्द्र		
i)	(क) अ. भा. आ. सं. (मुख्य)	1171035301			i)	योजना		
	(ख) अ. भा. आ. सं. (मुख्य) के					क) पूंजी परिसंपत्ति (नई)	319839843	273600000
	पास बचे हुए विशेष अनुदानों का					ख) सहायता अनुदान वेतन	50400000	
	अव्ययित शेष	341419426	1512454727	860767003		ग) सहायता अनुदान सामान्य	91000000	85200000
					ii)	गैर योजना		500000000
ii)	स्कीम सेल		201224501	62074945		क) सहायता अनुदान वेतन	444000000	
						ख) सहायता अनुदान सामान्य	95000000	
ख.	नकद राशि (अग्रदाय)				iii)	अ.भा.आ.सं. (मुख्य) की प्राप्तियों		
i)	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)					से अंतरण	20000000	
	क) कोषाध्यक्ष की रोकड़							
	पुस्तक के अनुसार				ख.	हृदय तंत्रिका केन्द्र		
	शेष		683950	292524	i)	योजना		
						क) पूंजी परिसंपत्ति (नई)	400000000	250000000
ग.	अवितरित शेष राशि					ख) सहायता अनुदान वेतन	114029000	
i)	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)					ग) सहायता अनुदान सामान्य	64500000	85600000
ii)	स्कीम सेल		197351	384882	ii)	गैर योजना		1050065000
						क) सहायता अनुदान वेतन	990000000	
घ.	निर्धन रोगी खाता					ख) सहायता अनुदान सामान्य	230000000	

i)	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)		
	क) नकद / बैंक	1685917	1475638
	ख) एफ. डी. आर.	1202610	984180
ङ.	<u>रोगी उपचार खाता</u>		
	अ. भा. आ. सं.	91464066	64128212
च	<u>छात्रावास</u>		
	क) नकद राशि		32881
	ख) बैंक में नकद	396906	322179
	ग) एफ डी आर	5026772	4121000
छ	<u>जराचिकित्सा विभाग</u>		
	क) बैंक में नकद	36954889	0
ज	<u>सीमा शुल्क खाता</u>		
	क) बैंक में नकद	323820525	
झ	<u>पी डी ए खाता</u>		
	क) बैंक में नकद	6819584	
2	<u>भारत सरकार से अनुदान</u>		
क)	योजना		
	i पूंजी परिसंपत्ति (नई)	2610000000	2464500000
	ii) सहायता अनुदान सामान्य	1170000000	1659000000

iii)	अ.भा.आ.सं. (मुख्य) की प्राप्तियों से अंतरण	30000000	20000000
iv)	गामा नाइफ रोगी खाते की प्राप्तियों से अंतरण	29375000	
ग.	<u>राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र</u>		
i)	योजना	119185000	90000000
घ.	<u>स्कीम सेल</u>		
i)	प्राप्तियों के लिए अनुदान	651968542	694691738
ii)	राष्ट्रीय सेवा योजना हेतु गैर–योजना अनुदान		
iii)	संस्थान अनुसंधान अनुदान	13114290	28403000
ङ.	<u>डॉ. बी. आर. अं. सं. रो. कैं. अ.</u>		
i)	योजना		
	क) पूंजी परिसंपत्ति (नई)	100000000	50000000
	ख) सहायता अनुदान वेतन	11168000	
	ग) सहायता अनुदान सामान्य	42300000	20500000
ii)	गैर योजना		466000000
	क) सहायता अनुदान वेतन	345000000	
	ख) सहायता अनुदान सामान्य	195000000	
	ग) अ.भा.आ.सं. (मुख्य) की प्राप्तियों से अंतरण	20000000	20000000
च.	<u>जे. पी. एन. एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र</u>		
	योजना		

	iii) सहायता अनुदान वेतन	920000000	
ख)	गैर योजना		6500000000
	i) सहायता अनुदान सामान्य	2087000000	
	ii) सहायता अनुदान वेतन	5800000000	
ग)	एन. डी. डी. टी. सी.	119185000	90000000
घ)	चूक समिति (योजना)		1055100000
	i पूंजी परिसंपत्ति (नई)	518000000	
	ii) सहायता अनुदान वेतन	333000000	
3	विविध प्राप्तियां	362680234	250076174
4	अस्पताल प्राप्तियां	168907902	126446267
5	ब्याज	205356243	166972091
6	लाइसेंस शुल्क	34160635	23076241
7	शिक्षण शुल्क / परीक्षा शुल्क	26433405	22658306
8	कर्मचारी स्वास्थ्य योजना (ई.एच.एस.)	41051636	36062621
9	बर्तन निधि	227150	28740
10	कर्मचारी बीमा		

	i पूंजी परिसंपत्ति (नई)	150000000	158900000
	ii) सहायता अनुदान (सामान्य)	459000000	804700000
	ii) सहायता अनुदान (वेतन)	545148000	
छ.	<u>दन्त शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र</u> योजना		
	i पूंजी परिसंपत्ति (नई)	17677000	6000000
	ii) सहायता अनुदान (सामान्य)	41523000	42962000
	ii) सहायता अनुदान वेतन	41055000	
2	<u>प्रशासनिक व्यय</u> <u>अ. भा. आ. सं. (मुख्य)</u>		
क)	वेतन एवं भत्ते	3332589926	2779826670
ख)	यात्रा भत्ते	27921090	29040465
ग)	छात्रवृति	21516884	14872905
घ)	अवकाश वेतन एवं पेशन अंशदान	2565585	4375538
ङ)	पेंशन लाभ	574594347	495281233
3	कार्यालय आकस्मिकता	556077558	413065126
4	सामग्री एवं आपूर्ति (गैर योजना)	1417192339	1106674133

	योजना	11959635	15700661
11	सामान्य भविष्य निधि	410074915	390137488
12	बाह्य वसूलियां	482190669	380407494
13	जमानत जमा / बयाना राशि	62381319	55438282
14	अवधान राशि	84452	19375
15	अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान	1416698	1327296
16	वसूलनीय अग्रिम		
	क) कार	693799	751328
	ख) स्कूटर / मोटर साइकिल	648153	621528
	ग) साइकिल	7900	5980
	घ) भवन निर्माण अग्रिम	2982134	3435779
	ङ) कंप्यूटर	1049693	1287845
	च) त्योहार	2688250	2629675
17	प्रसवोत्तर कार्यक्रम (प्रोत्साहन राशि)	200000	400000

5	मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण		25812831	26774871
6	भवन अनुरक्षण		109306265	121365634
7	कर्मचारी बीमा योजना		12219458	12378868
8	सामान्य भविष्य निधि		410074915	390137488
9	वसूलनीय अग्रिम			
	क) कार			180000
	ख) स्कूटर / मोटर साइकिल		464000	658000
	ग) साइकिल			9000
	घ) भवन निर्माण अग्रिम		533451	702539
	ङ) कंप्यूटर		750000	720000
	च) त्योहार		3228750	2984250
10	विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त अनुदान में से व्यय (स्कीम सेल)			
i)	परिशिष्ट – क	773548536		
ii)	वर्ष 2011–2012 की अवितरित			

18	विशिष्ट उद्देश्यों हेतु प्राप्त अनुदान परिशिष्ट – क (स्कीम सेल)	613629615	627878595
19	योजनाएं		
i)	प्राप्ति के बदले अनुदान	659581278	686816150
ii)	एम्स से अंतरित अनुदान गैर योजना		
iii)	प्रत्यक्ष प्राप्त	70080014	58934952
iv)	एम्स से आईआरजी अनुदान	13114290	28403000
20	विविध दान (परिशिष्ट – घ)	3148775	425337
21	आवर्ती निधि	74829825	72098705
22	नई पेंशन योजना	66000356	44190751
23	कोकलियर इम्पलांट रोगी उपचार खाता	36974460	34829450
24	जमा कार्य		
(क)	श्री साईं विश्राम सदन		75000
(ख)	एमटीएनएल को आयुर्विज्ञान नगर में केबल के लिए		42000

	जमा राशि का भुगतान अब	197351		
iii)	वर्ष 2012–13 की अवितरित न्यून राशि	61475	773684412	635192077
11	प्रसवोत्तर कार्यक्रम (प्रोत्साहन राशि)		541710	545175
12	फर्नीचर एवं उपस्कर			1517285
13	पुस्तकें एवं प्रकाशन		27785807	25508255
14	<u>योजना</u>			
	क) वेतन		153772089	127190439
	ख) स्पेयर एवं एसेसरीज		107801859	65991491
	ग) मशीनरी एवं उपकरण		272340033	216031990
	घ) सं. रो. कैं. अ. प्राप्ति से मूत्र रोग विज्ञान का व्यय			1000000
	ङ) भवन निर्माण			
	i) बड़े कार्य		122886333	109914765
	ii) लघु कार्य		227168508	272586165
	च) संस्थान अनुसंधान अनुदान			989933
	छ) कंप्यूटरीकृत		17423627	700309
	ज) यात्रा भत्ते		13081063	11692798
15	वाहनों की खरीद			

26	जननी सुरक्षा योजना (जे.एस.वाई)		26000
27	मूत्ररोग विज्ञान हेतु सं. रो. कै. अ. के तहत (योजना) से प्राप्त		1000000
28	ट्रॉमा केंद्र द्वारा जमा किया गया सीमा शुल्क		20000000
29	यात्रा अनुदान	1298460	233271
30	यू.एन.डी.सी.पी. अनुदान		219584
31	एच.एस.सी.सी. से (निर्माण अग्रिम प्राप्त) अव्ययित शेष		299943
32	मानदेय हेतु टी.सी.आई.एल. भुगतान	390308	394875
33	ट्राइबल कार्य मंत्रालय से छात्रवृत्ति		75400
34	जी.एस.एल.आई. समझौता		20320
35	रोगी उपचार हेतु प्राप्ति	20000	617753
36	सम्मेलन हेतु प्राप्ति	2411591	886500
37	गामा नाइफ रोगी खाते से प्राप्तियां	150000000	

	क) परिवहन कार्यालय		
	ख) अस्पताल भंडार		637563
16	अग्रिम भुगतान		
क)	विदेशी खरीद हेतु सामग्री एवं आपूर्ति (गैर योजना)	6999037	9737625
ख)	विदेशी खरीद हेतु मशीनरी एवं उपकरण (योजना)	440029200	418748632
ग)	भंडार की प्राप्ति हेतु पी. ए. ओ.		4000000
घ)	अस्थायी / आकस्मिक अग्रिम	17130218	32084006
ङ)	भंडार हेतु निजी कंपनी	148620	
च)	मशीनरी एवं उपकरण हेतु सीमा शुल्क		105144337
छ)	पुस्तकों एवं पत्रिकाओं हेतु	48638922	41877157
ज)	नेशनल इन्फोर्मेटिक सेंटर्स सर्विसिस इंक कंप्यूटरीकरण के लिए	1777253	95293333
झ)	एचएससीसी, मास्टर प्लान सर्जिकल ब्लॉक चरण –।। की तैयारी हेतु (चूक)		5868950
ण)	एचएससीसी, पीसी एवं टीचिंग ब्लॉक चरण –।। हेतु (चूक)	214842628	83814950
ट)	एचएससीसी, एम्स परिसर में छात्रावास ब्लॉक के निर्माण हेतु (चूक)	183000000	55699950
ठ)	एचएससीसी राजकुमारी अमृतकौर ओपीडी की मरम्मत हेतु (बड़े कार्य)		16899950
ड)	एचएससीसी एक्स इंजीनियर, दिल्ली जल सेवा हरियाणा सरकार (बड़े कार्य)		50000000

38	सीमा शुल्क अग्रिम से वसूली	100000000
39	कार्यशाला प्राप्तियां	225000
40	छात्रवृत्ति के लिए प्राप्ति	419800
41	सी.जी.एच.एस. दावा हेतु प्रतिपूर्ति	38724
42	एफआईएमएसए सम्मेलन हेतु अनुदान	350000
43	दान आचार्य पी. एन टंडन एवं ए. के. बनर्जी	500000

ढ)	राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (एनईईआरआई) (बड़े कार्य)		900000
ण)	डीएमआरसी एम्स और ट्रॉमा केंद्र को जोड़ने वाली सुरंग हेतु (बड़े कार्य)		250000000
त)	सीपीडब्ल्यूडी लिफ्ट हेतु (बड़े कार्य)		10000000
थ)	सीपीडब्ल्यूडी नाला ढकने हेतु चरण –।। (बड़े कार्य)	48600000	100000000
द)	एचएससीसी भूमिगत पार्किंग हेतु (बड़े कार्य)	108900000	299499950
ध)	एचएससीसी आउटरीच ओपीडी बादशा (हरियाणा) (बड़े कार्य)	10416000	95000000
न)	महेन्द्रा एंड महेन्द्रा लि. पी/ओ ट्रेक्टर हेतु (लघु कार्य)		431510
प)	सीड एडवांस तबस्सुम कंस्ट्रक्शन कं. हेतु (लघु कार्य)		680408
फ)	हीटेची होम्स पी/ओ स्पलिट ए सी हेतु (लघु कार्य)	606704	204423
ब)	हीटेची होम्स डब्ल्यूटीसी यूनिट हेतु (लघु कार्य)		196328
भ)	एचएससीसी, भोजन कक्ष हेतु (चूक)	132500000	
म)	एचएससीसी, सीएनसी – सीसीयू वार्ड की मरम्मत हेतु (बड़े कार्य)	30000000	
य)	एचएससीसी, लांड्री तथा ओ.पी.डी. की मरम्मत हेतु (बड़े कार्य)	22400000	
क क)	एचएससीसी, परामर्श शुल्क हेतु		

	(बड़े कार्य)		24700000	
क ख)	ई. ई. दिल्ली जल सेवा प्रभाग			
	(बड़े कार्य)		55100000	
क ग)	सिदवाल रेफ्रीजरेशन पी/ओ एसी. हेतु			
	(बड़े कार्य)		165363	
क घ)	हिटैची होम्स पी/ओ ए.सी. हेतु			
	(बड़े कार्य)		1172959	
क ङ)	एल.जी. विद्युत, पी/ओ ए.सी. हेतु			
	(बड़े कार्य)		3289004	
क च)	इन्दरप्रस्थ गैस लि.			
	(लघु कार्य)		841610	
क छ)	एल.जी. विद्युत, पी/ओ ए.सी. हेतु			
	(लघु कार्य)		274618	
क ज)	उषा इन्टरनेशनल पी/ओ ए.सी. हेतु			
	(लघु कार्य)		331120	
क झ)	यूनिवर्सल कंफर्ट, पी/ओ ए.सी. हेतु			
	(लघु कार्य)		539474	
17	जमानत जमा /			
	बयाना राशि			
(i)	वर्ष 2011–2012 तक की			
	प्राप्तियों से वापसी	39458726		
(ii)	वर्ष 2012–13 से संबद्ध	4065665	43524391	47934764
18	बाह्य वसूलियां		482572675	395397593

19	विविध दान		
	(परिशिष्ट – घ)	3104625	343550
20	आवर्ती निधि	62756000	54064822
21	नई पेंशन योजना		
i)	नेशनल सिक्योरिटी डिपोजिटरी लि. के लिए	95395062	20408372
ii)	नई पेंशन योजना खाते के लिए	41766302	102158307
22	कोकलियर इम्पलांट रोगी खाता	35439560	34722600
23	जमा कार्य		
	क) श्री साईं विश्राम सदन		74500
	ख) एमटीएनएल को आयुर्विज्ञान नगर में केबल हेतु		41888
24	बीमा योजना से जुड़ी हुई जमा राशि	626915	1223614
25	चूक समिति		
	क) बड़े कार्य	32738990	21681424
	ख) वेतन एवं भत्ते	231000000	102100000
	ग) मशीनरी एवं उपकरण (भंडार)	58325581	38263518
26	डब्ल्यूएचओ–इन–कंट्री फैलोशिप		73772
27	सीमा शुल्क खाते में अंतरण		20000000
28	जननी सुरक्षा योजना (जे.एस.वाई)	17200	25000
29	यात्रा अनुदान	1298460	233271

30	निर्माण अग्रिम का अव्ययित शेष सं. रो. कै. अ. के लिए अंतरण		299943
31	यूएनडीसीपी अनुदान		219584
32	मानदेय हेतु टीसीआईएल भुगतान	390308	394875
33	जीएसएलआई परिशोधन		20320
34	ट्राइबल कार्य मंत्रालय से छात्रवृत्ति		75400
35	रोगी उपचार हेतु वापसी	20000	617753
36	सम्मेलन हेतु वापसी	2411591	886500
37	छात्रगण हेतु छात्रवृत्ति	419800	
38	सी.जी.एच.एस. दावा हेतु प्रतिपूर्ति	38724	
39	एफआईएमएसए सम्मेलन हेतु अनुदान की वापसी	350000	
40	कार्यशाला भुगतान	225000	
41	निवेश आचार्य पी. एंड टंडन एवं ए. के. बनर्जी	500000	

<u>निर्धन रोगी खाता</u>

<u>निर्धन रोगी खाता</u>

क) अनुदान	942217	244600	1	अ. भा. आ. सं.	99473	90295
ख) ब्याज	68565	274404				
ग) एफ. डी. आर.						
रोगी उपचार खाता				**रोगी उपचार खाता**		
(क) अनुदान	78575055	95637076	1	अ. भा. आ. सं.	67592171	71234407
(ख) ब्याज	3870917	2951433	2	बैंक निकासी प्रभार	11281	18248
छात्रावास				**छात्रावास**		
i) जमानत जमा	1470000	1517000	1	जमानत वापसी	1219500	1165500
ii) विविध प्राप्तियां	112079	74535	2	विविध व्यय	360	
iii) अर्जित ब्याज	453561	521583				
जरा चिकित्सा विभाग				**जरा चिकित्सा विभाग**		
i) सहायता अनुदान		36687600		(i) वेतन	4493476	
ii) निदेशक (मुख्य) से प्राप्त निधि		1000		(ii) सामग्री और आपूर्ति (गैर योजना)	556592	
iii) प्राप्त किया गया ब्याज	1391465	267477		(iii) अनुसंधान गतिविधियां	4000000	
				(iv) इंजीनियरिंग विभाग को अग्रिम	594000	
				(v) मशीनरी एवं उपकरण	301846	
				(vi) अ.भा.आ. सं. को वापसी	1000	
				(vii) फर्नीचर	59331	
				(viii) बैंक प्रभार	0	1188
सीमा शुल्क खाता				**सीमा शुल्क खाता**		
प्राप्तियां	0			भुगतान	127882837	
पी डी खाता				**पी डी खाता**		

प्राप्तियां	12000000		भुगतान		5166199	
			अंतशेष			
		क	**बैंक में नकद**			
		1	क) अ. भा. आ. सं. (मुख्य)	2118715947		
			ख) अ. भा. आ. सं. (मुख्य) के पास बचे हुए विशिष्ट अनुदान का अव्ययित शेष	303080499	2421796446	1512454727
		2	स्कीम सेल		170451547	201224501
		ख	**नकद राशि (अग्रदाय)**			
		1	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
			क) कोषाध्यक्ष की रोकड़ पुस्तक के अनुसार शेष		703950	683950
		ग	**अवितरित शेष राशि**			
		1	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
		2	स्कीम सेल		61475	197351
		घ	**निर्धन रोगी खाता**			
		1	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
			क) नकद / बैंक		2597226	1685917
			ख) एफ. डी. आर.		1202610	1202610

				ङ	**रोगी उपचार खाता**		
					अ. भा. आ. सं.	91316376	91464066
					ब्याज	14990210	
				च	**छात्रावास**		
				1	नकद राशि		
				2	बैंक में नकद	956437	396906
				3	एफ. डी. आर.	5283021	5026772
				छ	**जरा चिकित्सा विभाग**		
					बैंक में नकद	28340109	36954889
				ज	**सीमा शुल्क खाता**		
					बैंक में नकद	195937688	
				झ	**पी डी खाता**		
					बैंक में नकद	13653385	
	उप – कुल (क)	**19446207975.00**	**15956310909**		-	**19446207975.00**	**15956310909**

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र (ख)

I	**अथशेष**			I क	वेतन एवं भत्ते	446076846	388802680
क	बैंक में नकद	112157899	64667551	ख	वेतन एवं भत्ते (राजस्व सामान्य)	50400000	44766275
ख	**नकद**						
i)	अग्रदाय	20000	20000	II	इंजीनियरिंग (नई पूंजी परिसंपत्ति)	16889843	
				III	यात्रा व्यय	4750066	3230618

ग	**निर्धन रोगी खाता**			
	नकद / बैंक		332390	186104
II	**सहायता अनुदान**			
i)	योजना			
	क) पूंजी परिसंपत्ति (नई)	319839843		
	ख) सहायता अनुदान वेतन	50400000		
	ग) सहायता अनुदान सामान्य	91000000		
ii)	गैर योजना			
	क) सहायता अनुदान वेतन	444000000		
	ख) सहायता अनुदान सामान्य	95000000		
iii)	गैर–योजना अ.भा.आ.सं. (मुख्य) राजस्व से प्राप्त	20000000	1020239843	858800000
III	प्राप्त जमानत जमा		4576000	55000
IV	**सहायता अनुदान (गैर – रा. प्र. के. योजना)**			
1	ए बी एन एमरो नेत्र रक्शा			..
2	एक्यूएट बैक्ट्रियल			..

IV	कार्यालय व्यय		13135036	13506571
V	पूंजीगत कार्य (राजस्व सामान्य)		39500000	12174067
VI	भवन अनुरक्षण		9985000	8406039
VII	**सामग्री एवं आपूर्ति**			
क)	सामग्री एवं आपूर्ति (भुगतान संबंधी)	265543783		
ख)	अग्रिम भुगतान	5015313	270559096	196681060
VIII	जमानत की वापसी		5000	25000
IX	क) मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं रखरखाव (गैर – योजना)		2935000	60055
X	**मशीनरी एवं उपकरण (योजना)**			
i)	वास्तविक भुगतान	284389274		
ii)	विदेशी खरीद हेतु किया गया अग्रिम भुगतान	7626401	292015675	270537726
iii)	व्यापक वार्षिक अनुरक्षण संविदा (सीएएमसी) (आरजी)		51500000	28259658
XI	वाहन खरीद			
XII	फर्नीचर एवं उपस्कर		7984325	3062274
XIII	मशीनरी एवं उपकरण (योजना) झज्जर		2950000	
XIV	**गैर – रा. प्र. के. योजना के लिए भुगतान**			
1	ए बी एन एमरो नेत्र रक्शा		30000	19989
2	एक्यूएट बैक्ट्रियल कंजेक्टिविटिस			

	कंजेक्टिविटिस						
3	परियोजनाओं से प्राप्त प्रशासनिक प्रभार	1147796	1469266	3	प्रशासनिक प्रभार	265631	653453
4	ए एम डी व्यू स्टडी		1430441	4	ए एम डी व्यू स्टडी		11155862
5	बैक्ट्रियल कार्नियल अल्सर आई		36000	5	बैक्ट्रियल कार्नियल अल्सर आई उपचार		37827
6	ब्रीमिरीडाइन डीएस / डीडीएस	36936	39366	6	ब्रीमिरीडाइन डीएस / डीडीएस	41971	208770
7	मोतिया बिंद रोगी (आईओएल)	108000	189346	7	मोतिया बिंद रोगी (आईओएल)	121400	304786
8	नैदानिक मूल्यांकन पोलिहर्बल एओडी		150000	8	नैदानिक मूल्यांकन एओडी		242150
9	ब्लिंक एंड क्लिन (एएमओ) का नैदानिक मूल्यांकन			9	ब्लिंक एंड क्लिन (एएमओ) का नैदानिक मूल्यांकन		
10	नैदानिक मूल्यांकन ओजोन			10	नैदानिक मूल्यांकन ओजोन		
11	सी. आर. पी.			11	सी. आर. पी.		
12	सी. एस. आई. आर.	1769032	2554352	12	सी. एस. आई. आर.	1552680	2554352
13	डी. सी. डी. आर. एफ.		35000	13	डी. सी. डी. आर. एफ.		35000
14	डी.ई.जी.ए.एस		131400	14	डी.ई.जी.ए.एस		265439
15	डी. एम. ई.		263988	15	डी. एम. ई.	1340	513609
16	डी.एस.टी. साइटोसपोरिन			16	डी.एस.टी. साइटोसपोरिन		
17	डी.एस.टी. आंसू तरल का मूल्यांकन			17	डी.एस.टी. आंसू तरल का मूल्यांकन		
18	डी.एस.टी. / एफ.आई.एस.टी			18	डी.एस.टी. / एफ.आई.एस.टी		
19	इंड्योर अध्ययन		308400	19	इंड्योर अध्ययन		478020
20	ई.एस.जी. ग्लूकोमा का मूल्यांकन अध्ययन			20	ई.एस.जी. ग्लूकोमा का मूल्यांकन अध्ययन		
21	एफ.ए.एम.ई अध्ययन			21	एफ.ए.एम.ई अध्ययन		
22	एफ.टी.जी.	25000	96090	22	एफ.टी.जी.	24326	165987
23	हाई प्रीसीजन बिल एनेलिटियल (एचपी–बीएएफ)	216135	342700	23	हाई प्रीसीजन बिल एनेलिटियल (एचपी–बीएएफ)	158692	237612

24	आई.सी.एम.आर	6189252	7430522
25	इंडेजेन (एलएसटीएम)		
26	इंडिये		
27	इनमास बायोमेडिकल डिस्पेंसिंग उत्पाद		
28	इनमास मानव भेषजगुण विज्ञान		
29	एलसीआईएफ		
30	लक्स 201 ओमनी केयर		
31	एम.ए. फाउंडेशन		600000
32	एमबीडीएल आईएलएलवाई–एलआईएलएलवाई		
33	मायोपिया अध्ययन	1102320	1000000
34	एम.के. मीडिया कॉर्नियल ट्रांसप्लांट (वित्त मंत्रालय)	1397660	
35	मल्टीफोकल आई. ओ. एल.		
36	एन.ए.बी.		720000
37	नीमा इंटरनेशनल		
38	नावर्टिस शील्ड अध्ययन		8000
39	नावर्टिस विसूडिम		
40	एन.पी.सी.बी. डी.ओ.एस. प्रशिक्षण	811171	
41	एनपीसीबी नेत्र शिविर गोड्डा झारखंड	157718	142165
42	एनपीसीबी / डीबीसीएस	621250	50000
43	एनपीसीबी – एनएसयू	172210	
44	एनपीसीबी – एसएसयू	274114	157935
45	ओ.ई.यू.	349916	330570
46	ओर्बिस पीईसीपी		
47	फार्माकोकिनेटिक कुइनेकरिन		

24	आई.सी.एम.आर	9655242	
25	इंडेजेन (एलएसटीएम)	115500	11004659
26	इंडिये		9617
27	इनमास बायोमेडिकल डिस्पेंसिंग उत्पाद		
28	इनमास मानव भेषजगुण विज्ञान		
29	एलसीआईएफ		
30	लक्स 201 ओमनी केयर	43152	83977
31	एम.ए. फाउंडेशन	242564	385067
32	एमबीडीएल आईएलएलवाई–एलआईएलएलवाई		
33	मायोपिया अध्ययन	1272778	829542
34	एम.के. मीडिया कॉर्नियल ट्रांसप्लांट (वित्त मंत्रालय)	322333	475218
35	मल्टीफोकल आई. ओ. एल.		
36	एन.ए.बी.	160896	1513620
37	नीमा इंटरनेशनल		
38	नावर्टिस शील्ड अध्ययन		14870
39	नावर्टिस विसूडिम		
40	एन.पी.सी.बी. डी.ओ.एस. प्रशिक्षण	380092	416720
41	एनपीसीबी नेत्र शिविर गोड्डा झारखंड	63293	142165
42	एनपीसीबी / डीबीसीएस	86988	809221
43	एनपीसीबी – एनएसयू	229973	162210
44	एनपीसीबी – एसएसयू	213189	274114
45	ओ.ई.यू.	372771	355234
46	ओर्बिस पीईसीपी	18817	
47	फार्माकोकिनेटिक कुइनेकरिन	5806	283583

48	फेज –।। ऐजरिलेटिड मेक्यूलर डिजेनरेशन मेनेट स्ट्डी (एआरएमडी)		424800
49	पिंक आई (बोसच एंड लॉम्ब)		
50	पोलिहर्बल मूल्यांकन डीईएस		
51	पोसूडुरेक्स एलर्जन इंटरनेशनल	58860	216641
52	पीवीडी / वीआरटी अध्ययन		
53	रिलायंस रेलिनेत्र		
54	आरओपी मेक्यूजन		
55	आरओपी कार्यशाला	660000	
56	आरटीआई		
57	दृष्टि सेवर		
58	एसएसएमआई – वीएफए	872953	674000
59	संगोष्ठी वर्कशॉप		
60	अंतरराष्ट्रीय एलर्जन शुष्क नेत्र का उपचार		
61	शुष्क नेत्र की व्यापकता		207000
62	वि.स्वा.सं. मेलेसिया	80400	455600
63	वि.स्वा.सं. गुजरात सर्वे		-
67	वि.स्वा.सं. एसईआईएनडी		
65	वि.स्वा.सं. अल्पावधिक प्रशिक्षण	24900	148500
66	ओजूरडेक्स परियोजना	360000	180000
67	दिल्ली की शहरी गंदी बस्ती में मधुमेही रेटिना चिकित्सा (डीआरयूएसडी)	5778867	
68	जीएनईसी (गुरू नानक नेत्र केंद्र)	25000	
69	अध्ययन औषध (डीई–109)	160000	
70	दृष्टि दिल्ली – पीईसी	1733422	

48	फेज –।। ऐजरिलेटिड मेक्यूलर डिजेनरेशन मेनेट स्ट्डी (एआरएमडी)		653692
49	पिंक आई (बोसच एंड लॉम्ब)		
50	पोलिहर्बल मूल्यांकन डीईएस		
51	पोसूडुरेक्स एलर्जन इंटरनेशनल	486412	694253
52	पीवीडी / वीआरटी अध्ययन		
53	रिलायंस रेलिनेत्र		
54	आरओपी मेक्यूजन		
55	आरओपी कार्यशाला	660000	
56	आरटीआई		
57	दृष्टि सेवर		
58	एसएसएमआई – वीएफए	691356	667386
59	संगोष्ठी वर्कशॉप		
60	अंतरराष्ट्रीय एलर्जन शुष्क नेत्र का उपचार		
61	शुष्क नेत्र की व्यापकता		101700
62	वि.स्वा.सं. मेलेसिया	20118	455600
63	वि.स्वा.सं. गुजरात सर्वे		
64	वि.स्वा.सं. एसईआईएनडी		
65	वि.स्वा.सं. अल्पावधिक प्रशिक्षण	173400	
66	ओजूरडेक्स परियोजना	520247	18000
67	दिल्ली की शहरी गंदी बस्ती में मधुमेही रेटिना चिकित्सा (डीआरयूएसडी)	4099808	
68	जीएनईसी (गुरू नानक नेत्र केंद्र)	25000	
69	अध्ययन औषध (डीई–109)	107830	
70	दृष्टि दिल्ली – पीईसी	579953	

71	आरओपी सेवाएं		1353188		71	आरओपी सेवाएं		407103	
72	व्यापक प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाएं				72	व्यापक प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाएं			
	(सीपीईसीएस / डीजेजेएस)		646000			(सीपीईसीएस / डीजेजेएस)		218027	
V	एनआईएएफ		83900		XV	एनआईएएफ		68235	3417
VI	विभिन्न किटो सहित अस्पताल प्राप्तियां		160148617	147015616	XVI	एम्स वसूलियों की छूट		104616997	94624196
VII	वसूलनीय अग्रिम पर ब्याज		2216	1170522	XVII	बाह्य वसूलियों की छूट		35340481	32796569
VIII	विविध प्राप्तियां		589499	1815142	XVIII	एनपीएस अंशदान की छूट		5702170	
IX	प्राप्त की गई अ.भा.आ.सं. वसूलियां		104616997	94624196					
X	प्राप्त की गई बाह्य वसूलियां		35340481	32796569					
XI	सी एल टी डी का ब्याज		15926718	24387210					
XII	**वसूलनीय अग्रिम**				XIX	**वसूलनीय अग्रिम**			
क)	कार	101740			क)	कार			
ख)	स्कूटर	15784			ख)	स्कूटर			
ग)	साइकिल				ग)	साइकिल			
घ)	भवन निर्माण अग्रिम	219965			घ)	भवन निर्माण अग्रिम			
ङ)	कंप्यूटर	12000			ङ)	कंप्यूटर			
च)	त्योहार	781975	1131464	1138520	च)	त्योहार	720000	720000	945000
	निर्धन रोगी खाता					**निर्धन रोगी खाता**			
	प्राप्तियां					भुगतान		185594	131255
	क) ब्याज		14724	9801					
	ख) दान		208350	267740					
	ग) विविध प्राप्तियां								
					XX	**अंत शेष**			
					क)	बैंक में नकद	102443276		

ख)	नकद (अग्रदाय)	20000	102463276	112177899
	निर्धन रोगी खाता			
	नकद / बैंक		369870	332390

	उप–कुल (ख)	**1481521198**	**1246746053**	**1481521198**	**1246746053**

हृदय वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केन्द्र (ग)

1	**अथशेष**		
क	**बैंक में नकद**		
i)	हृ. तं. केन्द्र	103302133	171455298
ii)	सी. टी. रोगी खाता		
	क) बैंक	53823111	21625780
	ख) एफ. डी. आर.	170000000	299400000
iii)	एजियोग्राफी खाता		
	क) बैंक	54339147	14744516
	ख) एफ. डी. आर.	19800000	79200000
iv)	गामा नाईफ रोगी खाता		
	क) बैंक	16353119	57268485
	ख) एफ. डी. आर.	197300000	126400000
v)	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता		

1	प्रशासनिक व्यय		
	क) वेतन एवं भत्ते (गैर–योजना)	1005844990	880425417
	ख) मजदूरी	13776069	6604688
	ग) यात्रा भत्ते	3111088	3045724
2	भंडार (गैर – योजना)		
	क) मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण	1931648	2916862
	ख) सामग्री एवं आपूर्ति	338031779	229005920
	ग) आर्बो	151164	
3	भंडार (योजना)		
क)	मशीनरी एवं उपकरण (अग्रिम भुगतान)	275343773	153787789
ख)	मशीनरी एवं उपकरण (भारतीय मुद्रा)	129766771	131089332
ग)	फर्नीचर एवं उपस्कर	1526924	1236790

	क) बैंक	16888680	9915213
	ख) एफ. डी. आर.	15900000	31800000
ख	**नकद राशि (अग्रदाय)**		
i)	हृ. तं. केन्द्र		
ii)	कोषाध्यक्ष के पास नकद राशि	41000	41000
iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान जमा	6000	
	निर्धन रोगी खाता		
i)	हृ. तं. केन्द्र		
	क) नकद / बैंक	133123	101932
2	सहायता अनुदान		
(i)	योजना		
	क) पूंजी परिसंपत्ति (नई)	400000000	250000000
	ख) सहायता अनुदान वेतन	114029000	
	ग) सहायता अनुदान सामान्य	64500000	85600000
	घ) विकास गतिविधियां	29375000	
(ii)	गैर योजना		1050065000
	क) सहायता अनुदान वेतन	990000000	
	ख) सहायता अनुदान सामान्य	230000000	
iii)	अ.भा.आ.सं. (मुख्य) की प्राप्तियों से अंतरण	30000000	20000000

घ)	पुर्जे एवं अनुषंगी (सीटीसी)	48383000	51484534
ङ)	पुर्जे एवं अनुषंगी (एनएससी)	3651541	
च)	उपभोज्य पुर्जे एवं अनुषंगी / अनुरक्षण		9118213
छ)	वेतन (योजना)	114029121	47576479
ज)	विकास गतिविधियां	23866480	
झ)	सहायता अनुदान सामान्य	12495954	
4	भवन अनुरक्षण	29213265	28200134
5	भवन निर्माण (योजना)		
6	लघु कार्य (राजस्व सामान्य)	39596705	37948823
7	कार्यालय आकस्मिकताएं	20749091	14176979
8	वसूलनीय अग्रिम (गैर – योजना)		
	क) कार		
	ख) स्कूटर / मोटर साइकिल	160000	360000
	ग) भवन निर्माण अग्रिम		1082500
	घ) कंप्यूटर	780000	300000
	ङ) साइकिल		3000
	च) त्योहार	1207500	1317000
9	जमानत जमा की वापसी	3349000	5980000

iv)	क) पुर्जे एवं अनुषंगी हेतु सीटी रोगी खाते से निधि का अंतरण	60000000		61400000
	ख) सी टी रोगी खातें में न्यून वापसी	11617000	48383000	
3	क) विविध प्राप्तियां		8575354	9933823
	ख) प्राइवेट वार्ड		38897230	31161758
	ग) एक्सरे		919110	810210
	घ) सी. टी. स्केन प्रभार		2934720	2638500
	ङ) अल्ट्रासाउंड		136920	148800
4	ब्याज		16014659	20925401
5	जमानत जमा / बयाना राशि		12485650	3254000
6	दान			5100
7	वापसी एवं वसूली		2553422	1419213
8	तंत्रिका विज्ञान रोगी खाता		13396365	13424932
9	थैलियम जांच		3836250	3429000
10	लेवी प्रभार		107000	81500

10	दान			746020
11	तंत्रिका विज्ञान रोगी खाता		13565736	10365366
12	रक्त जांच / प्रयोगशाला प्रभार		11436711	9500531
13	हृद जांच		4343050	3573871
14	थैलियम जांच		5760953	3641495
15	पी.ए.ओ. हेतु भेजी गई राशि (सा.भ.नि.)			
16	i) सा.भ.नि.	109941568		
	ii) पी.ए.ओ. हेतु भेजी गई राशि (सा.भ.नि.)	488000	110429568	103067871
17				
	(i) एनपीएस खाता (मुख्य)	2241271		
	(ii) एनपीएस (कर्मचारी अंश)	20197128	22438399	19196423
	(iii) एनपीएस (नियोक्ता अंश)	20197128	20197128	5366751
18	कर्मचारी स्वास्थ्य योजना		5477235	5136325
19	<u>बाह्य वसूली</u>			

11	किराया प्रभार / लाइसेंस शुल्क	1150300	922483
12	सा. भ. नि.	110429568	103067871
13	नई पेंशन योजना	22438399	19196423
14	वसूलनीय अग्रिम		
	क) साइकिल	1800	1200
	ख) स्कूटर	305046	297536
	ग) कार	99492	89592
	घ) भवन निर्माण	867870	1009540
	ङ) कंप्यूटर	311984	210310
	च) त्योहार	1222781	1097075
15	हृद जांच	4977070	4420820
16	रक्त जांच / प्रयोगशाला प्रभार	9546120	8316255
17	कर्मचारी स्वास्थ्य सेवाएं	5438105	5175330
18	बाह्य वसूली	132906584	107474672
19	जल प्रभार	994057	552023
20	बर्तन निधि	34680	35540

	क) बाह्य वसूली	132905024		
	ख) पीएओ को भेजी गई राशि (ईआईएस)	1560	132906584	107474672
20	पीएओ को भेजी गई राशि (ईआईएस)			
21	बर्तन निधि		34680	35540
22	जल प्रभार		994057	552023
23	संस्थान वसूली (कंप्यूटर अग्रिम)		7900	27971
24	पी. ए. ओ. को भेजी गई राशि (कंप्यूटर अग्रिम)			
25	एन.ए.सी.ओ. निधि		40000	99900
26	संस्थान मुख्य को भेजा गया भवन निर्माण अग्रिम		29892	22000
27	संस्थान मुख्य को भेजा गया स्कूटर अग्रिम		5520	5060
28	प्रधानमंत्री राहत कोष		504824	
29	संस्थान वसूली (त्योहार अग्रिम)			2500

21	संस्थान वसूली (कंप्यूटर अग्रिम)		7900	27971
22	एन.ए.सी.ओ. निधि		400000	99900
23	संस्थान वसूली (स्कूटर अग्रिम)			5060
24	संस्थान वसूली भ. नि. अग्रिम		29892	22000
25	परिवहन प्रभार		1374	0
26	प्रधानमंत्री राहत कोष		504824	0
27	संस्थान वसूली (त्योहार अग्रिम)			2500
	<u>सी. टी. रोगी खाता</u>			
1	क) वर्ष 2012–2013 के दौरान रोगियों से प्राप्तियां	276117165		
	ख) रोगियों को वापसी वर्ष 2012–2013	54054391	222062774	259621929
2	क) वर्ष 2012–2013 के दौरान ब्याज		14042684	10087034
3	रद्द किए गए चैक			1877563

<u>सी. टी. रोगी खाता</u>

1	भंडार की खरीद		288632861	324435514
2	नए चैक			1853681
3	क) अ.भा.आ.सं. के हृ. तं. कें. खाते में किया गया अंतरण	60000000		
	ख) न्यून प्राप्त वापस	11617000	48383000	42500000
4	निर्धन रोगी उपचार व्यय वर्ष 2012–13		21694201	

ऐंजियोग्राफी रोगी खाता

1	क) रोगियों से प्राप्तियां वर्ष 2012–13	242697803		
	ख) रोगियों को वापसी	31806902	210890901	190545391
2	वर्ष 2012–2013 के दौरान ब्याज		6888598	5361074
3	रद्द किये गये चैक			9348657

गामा नाइफ रोगी खाता

1	रोगियों से प्राप्तियां वर्ष 2012–13	29673255		
	रोगियों को वापसी	1636250	28037005	22947550
2	ब्याज		22949900	7037522

तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता

1	रोगियों से प्राप्तियां वर्ष 2012–13	85484337		
	ख) रोगियों को वापसी	16034256	69450081	59320646

ऐंजियोग्राफी रोगी खाता

1	भंडार हेतु खरीद	193716711	200286819
2	नये चैक		985379
3	अ.भा.आ.सं. के हृ.तं. केंद्र खाते में किया गया अंतरण		17500000
4	वर्ष 2012–2013 के दौरान निर्धन रोगी उपचार व्यय	6186700	6288293

गामा नाइफ रोगी खाता

1	भंडार हेतु खरीद		
2	एम. आर. आई. प्रभार	2356000	
3	बैंक प्रभार	225	438
4	अ.भा.आ.सं. (मुख्य) को अंतरित निधि	150000000	

तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता

1	भंडार हेतु खरीद	63224413	53998610
3	नये चैक		186830

2	सावधि / सी. एल. टी. डी. ब्याज वर्ष 2012–13	2165401	487008
3	रद्द किये गये चैक		451253
	<u>निर्धन रोगी खाता</u>		
	तंत्रिका विज्ञान केन्द्र		
	दान	1784	35179

4	अ.भा.आ.सं. के हृ.तं. केंद्र खाते किया गया अंतरण		15000000
5	निर्धन रोगी उपचार व्यय वर्ष 2012–13	3162103	
	<u>निर्धन रोगी खाता</u>		
	तंत्रिका विज्ञान केन्द्र		
	व्यय	2000	3988
	<u>अंत शेष</u>		
क	**<u>बैंक में नकद</u>**		
i)	तंत्रिका विज्ञान केन्द्र	5981079	103302133
ii)	सी. टी. रोगी खाता		
	क) बैंक	1218507	53823111
	ख) एफ. डी. आर.	100000000	170000000
iii)	एंजियोग्राफी खाता		
	क) बैंक	32215235	54339147
	ख) एफ. डी. आर.	59800000	19800000
iv)	गामा नाइफ रोगी खाता		
	क) बैंक	42283799	16353119
	ख) एफ. डी. आर.	70000000	197300000
v)	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता		
	क) बैंक	22117646	16888680
	ख) एफ. डी. आर.	15900000	15900000

				ख	**हृ. तं. केन्द्र**		
				i)	अग्रदाय	47000	41000
				ii)	कोषाध्यक्ष के पास नकद राशि		
				घ	**निर्धन रोगी खाता**		
				i)	हृ. तं. केन्द्र		
					बैंक में नकद	132907	133123
	उप – कुल (ग)	**3522192487**	**3185394368**			**3522192487**	**3185394368**

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (घ)

1	**अथशेष**			1	वेतन एवं भत्ते	336325500	283883913
क	**बैंक में नकद**	19863732	28911048	2	त्योहार अग्रिम	273750	326250
				3	टी. ए. / डी. ए. के तहत व्यय	6749453	2584133
ख	**निर्धन रोगी खाता**			4	आकस्मिक बिल	3834619	2989491
	क) नकद / बैंक	3455807	2546411	5	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान		1497848
				6	आर. टी. आवर्ती निधि	2786818	6976699
ग	**रोगी उपचार खाता**			7	भवन अनुरक्षण	11914903	10812820
	क) नकद / बैंक	41663018	30746984	8	मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण	10075662	12491605
	ख) अल्पावधिक निवेश			9	कंप्यूटर अग्रिम	240000	0
	ग) एफ. डी. आर.	6000000	6000000	10	स्कूटर / मोटर साइकिल अग्रिम		54000
				11	सामग्री एवं आपूर्ति	202594128	180078844
घ	**एच एम सी पी एफ खाता**			12	बाह्य स्रोत	24316914	18528948
	क) नकद / बैंक	1616095	996555	13	ई.एम.डी. / एस.डी. की वापसी		24980
ख	**सहायता अनुदान**			14	**योजना**		

	योजना		100000000	50000000				
	सामान्य राजस्व			20500000	(i)	मशीनरी एवं उपकरण हेतु विदेशी		
1	i) सहायता अनुदान वेतन	11168000				खरीद के लिए अग्रिम भुगतान	77735295	19599500
	ii) सहायता अनुदान सामान्य	42300000	53468000	486000000	(ii)	मशीनरी एवं उपकरण	21993901	20363041
					(iii)	सीमा शुल्क एवं पीडीए (अग्रिम)		10000000
2	**गैर योजना**				(iv)	फर्नीचर एवं उपस्कर		32671
i	सहायता अनुदान वेतन	345000000				**राजस्व सामान्य (योजना)**		
ii	सहायता अनुदान सामान्य	195000000				क मशीनरी एवं उपकरण		
iii	अ.भा.आ.सं. से राजस्व प्राप्त	20000000	560000000			का व्यापक वार्षिक अनुरक्षण निविदा	27203399	17172166
						ख लघु निर्माण	7683290	3051258
3	आई. सी. एम. आर.		188000	375000		ग स्वच्छता (बीवीजी)	11491122	
4	प्राप्त ब्याज		3488628	3643558		घ वेतन योजना	11168000	
5	विविध अस्पताल प्राप्ति		22186181	17064366				
6	आर. टी. आवर्ती निधि		2682285	2760458				
7	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान निधि		399420	511460				
8	कंप्यूटर अग्रिम वसूलियां		100500	82200				
9	कार अग्रिम वसूली		13500	16500				
10	त्योहार अग्रिम वसूली		451950	108750				
11	स्कूटर / मोटर साइकिल अग्रिम वसूलियां		46116	58616				
12	ईएमडी एवं जमानत जमा							
13	एच. एस. सी. सी.			299943				
14	एम्स वसूलियों की छूट		33984038	37698656	**15**	एम्स वसूलियों की छूट	33984038	37698656
15	बाह्य वसूलियों की छूट		52206718	30030758	**16**	बाह्य वसूलियों की छूट	52206718	30030758

	निर्धन रोगी खाता				**निर्धन रोगी खाता**		
क)	प्राप्तियां	732487	925731	क)	वर्ष 2012–13 के दौरान	633346	565510
ख)	एफ. डी. आर. पर ब्याज	661782	549175	ख)	विविध	102	
	रोगी उपचार खाता				**रोगी उपचार खाता**		
	प्राप्तियां	47946912	55378949	क)	वर्ष 2012–13 के दौरान	49584594	44700161
क)	चैक रद्द किये गए	1831967	284382	ख)	विविध	154007	53279
ख)	ब्याज	666	6143				
	एचएमसीपीएफ खाता				**एचएमसीपीएफ खाता**		
क)	वर्ष 2012–13 के दौरान प्राप्ति	0	2027331	क)	वर्ष 2012–13 के दौरान	725164	1422162
ख)	प्रभार वापसी	550		ख)	विविध	550	685
ग)	रद्द किये गये चैक	722	15056				
					अंत शेष		
				क	**बैंक में नकद**	6501558	19863732
				ख	**निर्धन रोगी खाता**	4216628	3455807
				ग	**रोगी उपचार खाता**		
				क)	नकद / बैंक	41703962	41663018
				ख)	एफ. डी. आर.	6000000	6000000
				घ	**एचएमसीपीएफ खाता**		
					नकद / बैंक	891653	1616095
	उप – कुल (घ)	**952989074**	**777538030**			**952989074**	**777538030**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र एवं यू. एन. डी. सी. पी. परियोजना (ङ)

1	**अथशेष**						
क	**बैंक में नकद**			1	वेतन एवं भत्ते	66442329	51898392
i)	क) एन. डी. डी. टी. सी.	6021395	1257618	2	सामग्री एवं आपूर्ति	39542550	24021782
	ख) यू. एन. डी. सी. पी.	2890820	7474748	3	मजदूरी	5350358	4247851
				4	पुस्तकें एवं प्रकाशन	65131	3407107
1	i) सहायता अनुदान (डीएसी)	115900000	90000000	5	फर्नीचर	1384669	382286
	ii) सहायता अनुदान (डीएसी) पूंजी	3285000					
2	अस्पताल प्राप्ति	398655	341880	6	मशीनरी एवं उपकरण	1794540	1592075
3	विविध प्राप्ति	23563	15586	7	जमानत वापसी	15000	5000
4	यू.एन.डी.सी.पी. के तहत वसूल की गई निधि		57000	8	अस्थायी अग्रिम	80000	65000
5	जमानत बयाना राशि	65000	140000	9	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को वापसी	6021000	
6	यू.एन.डी.सी.पी. खाता प्राप्ति अशुद्धि से जमा		632	10	सीमा शुल्क अग्रिम		
				11	मोटर वाहन		
				12	जीआईएफ : एचआईवी खाते का अंतरण		11000
				13	एनपीएस के लिए		
					कर्मचारी अंशदान	784355	164060
	संस्थान वसूली				**संस्थान वसूली की छूट**		
	सा. भ. नि. अंशदान एवं						
1	अग्रिम	8874216	8048251	1	सा. भ. नि. अंशदान एवं अग्रिम	8874216	8048251
2	वाहन		17924	2	वाहन		17924
3	भवन निर्माण अग्रिम	66876	68640	3	भवन निर्माण अग्रिम	66876	68640
4	लाइसेंस शुल्क	117865	84273	4	लाइसेंस शुल्क	117865	84273
5	ऑफिसर एसोसिएशन	2160	2200	5	ऑफिसर एसोसिएशन	2160	2200

6	कर्म. बीमा योजना		48310	43360
7	कर्म. स्वा. योजना		322300	263200
8	कंप्यूटर वसूली		19200	19200
9	फैकल्टी क्लब		3000	3000
10	एक दिवस वेतन अंशदान		18871	
11	नई पेंशन योजना		957809	667826
	<u>बाह्य वसूली</u>			
1	आयकर		4177078	3121053
2	जीवन बीमा निगम		59538	48141
3	कोर्ट वसूली		102996	154496
4	सोसायटी		4002626	3246763
5	टी.डी.एस.		88220	53522
6	श्रम कर		27148	
	<u>राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार</u>			
	<u>केन्द्र (एन. डी. डी. टी. सी.)</u>			
	(यू. एन. डी. सी. पी. परियोजना)			
1	i) सहायता अनुदान	5528734		
	ii) न्यून वापसी	292341	5236393	3246094
2	विविध प्राप्ति			2695359

6	कर्म. बीमा योजना	48280	43360
7	कर्म. स्वा. योजना	321975	263200
8	कंप्यूटर वसूली	19200	19200
9	फैकल्टी क्लब	3000	3000
10	नई पेंशन योजना	957809	
11	एक दिवस वेतन अंशदान	18871	
12	नई पेंशन योजना		667826
	<u>बाह्य वसूली</u>		
1	आयकर	4180310	3117821
2	जीवन बीमा निगम	59538	48141
3	कोर्ट वसूली	102996	154496
4	सोसायटी	4002626	3246763
5	टी.डी.एस.	88220	53522
6	श्रम कर	27148	
	<u>राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार</u>		
	<u>केन्द्र (एन. डी. डी. टी. सी.)</u>		
	(यू. एन. डी. सी. पी. परियोजना)		
1	क) टी. ए.	575775	2255000
	ख) टी. ए अग्रिम		34000
	ग) वेतन एवं भत्ते	347173	358315
2	क) कार्यालय आकस्मिकता	14546	71905
	ख) जलपान	63195	194145
	ग) आवास प्रभार	953749	285860
	घ) आवास प्रभार हेतु अग्रिम		100000
	ङ) प्रिटिंग प्रभार	2379094	

					च) परिवहन		166777
					छ) डाक शुल्क	97932	
					ज) प्रशिक्षण	33750	2294250
					झ) प्रशिक्षण अग्रिम		3809250
				3	वि. स्वा. सं. हेतु वापसी		898097
				4	एन. डी. डी. टी. सी. हेतु अंतरित		57000
				5	आरटीजीएस		150
				6	एनडीडीटीसी में जमा किया गया अशुद्ध रूप से अंतरित बैंक खाता		632
				7	अग्रिम	1400000	
				8	बैंक प्रभार	1980	
					अंत शेष		
					बैंक में नकद		
				i)	एन. डी. डी. टी. सी.	4210804	6021395
				ii)	यू. एन. डी. सी. पी.	2260019	2890820
	उप – कुल (ङ)	**152709039**	**121070766**		-	**152709039**	**121070766**

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र (च)

				1(क)	भवन निर्माण – लघु कार्य	10880043	11991319
1	**अथ शेष**			(ख)	इंजीनियरिंग अनुरक्षण आदि	103641299	90421117
	बैंक में नकद	53543326	21126261				
2	**सहायता अनुदान**			2	**श्रम शक्ति**		
i)	पूंजी परिसंपति का सृजन (नई)	150000000	158900000				
ii)	सहायता अनुदान (सामान्य)	459000000	804700000	क	आवर्ती एवं बाह्य स्रोत	55759175	38555013

iii)	सहायता अनुदान (वेतन)	545148000		ख	वेतन एवं भत्ते	547900933	437532803
				ग	त्योहार अग्रिम भुगतान	93750	40500
3	**अन्य प्राप्तियां**			घ	सामग्री एवं आपूर्ति	267648581	208603969
क)	i) अस्पताल प्राप्ति	8344503	8098590	ङ	आकस्मिकता	18985054	16300208
	ii) एनडीएमसी से जमानत वापसी	2700000					
ख)	जमानत जमा (ई.एम.डी.)	5080000	6184000	3	फर्नीचर एवं उपस्कर	753249	1102741
ग)	टी. डी. आर. पर ब्याज	10885071	15907532	4	**मशीनरी एवं उपकरण**		
घ)	विविध प्राप्ति				मशीनरी एवं उपकरण	56011609	75772233
	(रोगी खाता एटलस / अन्य अंतरणीय देयताएं)	17096392	8345772		क) विदेशी खरीद हेतु किया गया		
	त्योहार अग्रिम वसूलियां	55500	39150		अग्रिम भुगतान	88951917	52525026
					ख) सीमा शुल्क के रूप में अग्रिम भुगतान		20000000
					ग) पी.डी.ए. के रूप में अग्रिम भुगतान		9500000
				5	**वापसी**		
					क) जमानत वापसी	6965000	3888000
					ख) रोगी खाता एटलस / अन्य अंतरणीय देयताएं	13052035	3525050
				6	**अंत शेष**		
					नकद राशि	90000	53543326
					बैंक में नकद	81120147	
	उप–कुल (च)	**1251852792**	**1023301305**			**1251852792**	**1023301305**

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (छ)

	बैंक में नकद			1	वेतन एवं भत्ते	40989363	15794316
(i)	सी. डी. ई. आर.	10455873	9822091		कार्यालय व्यय	3261150	2039776

	नकद राशि	5000	5000		बैंक प्रभार	6380	7840
1	<u>सहायता अनुदान</u>			2	सामग्री एवं आपूर्ति	29042571	19740541
i)	पूंजी (नई)	17677000	6000000	3	भवन अनुरक्षण	9031550	5778794
ii)	राजस्व सामान्य	41523000	42962000	4	पूंजीगत कार्य	822340	2242533
iii)	सहायता अनुदान वेतन	41055000		4	मशीनरी एवं उपकरण		
2	जमानत जमा	2430751	310000	(i)	वास्तविक भुगतान	16854660	3919729
3	एस. टी. डी. आर. पर ब्याज		59176	5	जमानत वापसी	254915	699845
4	विविध प्राप्ति	133519	8800				
5	अस्पताल प्राप्ति	1545450	1517180				
					<u>अंत शेष</u>		
					बैंक में नकद	14557664	10455873
					नकद राशि (अग्रदाय)	5000	5000
	उप – कुल (छ)	**114825593**	**60684247**			**114825593**	**60684247**
	महा योग (क) से (छ)	**26922298158**	**22371045678**			**26922298158**	**22371045678**

ह.
वित्त सलाहकार

ह.
वरिष्ठ वित्त सलाहकार

ह.
निदेशक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
वर्ष 2012–2013 का
आय एवं व्यय लेखा

अ. भा. आ. सं. (मुख्य) (क)

	व्यय		2012-13	2011-12		आय	2012-13	2011-12
	गैर – योजना					**सहायता अनुदान**		
1	वेतन एवं भत्ते		3332589926	2779826670	1	चूक समिति (योजना)	333000000	55100000
					2	सहायता अनुदान वेतन (योजना)	158200000	
2	वृत्तिका		21516884	14872905	3	सहायता अनुदान सामान्य (योजना)	9475665	140573479
					4	गैर–योजना		4483935000
3	यात्रा भत्ते		27921090	29040465		i) सहायता अनुदान सामान्य	1567000000	
						ii) सहायता अनुदान वेतन	4021000000	
4	पेंशन लाभ		574594347	495281233				
						राजस्व प्राप्तियां		
5	सामग्री एवं आपूर्ति							
	i) वर्ष 2012–13 के दौरान व्यय	1417192339			1	अस्पताल प्राप्तियां	167624703	127236649
	ii) अग्रिमों का समायोजन	7762768						
	iii) अग्रिमों का समायोजन	1379868	1426334975	1125615411	2	शिक्षण शुल्क एवं परीक्षा शुल्क	26433405	22658306
6	कार्यालय आकस्मिकता							
	i) वर्ष 2012–13 के दौरान व्यय	556077558			3	कर्मचारी स्वास्थ्य योजना	41051636	36062621

	ii) अग्रिमों का समायोजन	32084006	588161564	436689578
7	मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण		25812831	26774871
8	भवन अनुरक्षण			
	i) वर्ष 2012–13 के दौरान व्यय	109306265		
	ii) अग्रिमों का समायोजन	1742488	111048753	121365634
9	नई पेंशन योजना	137161364		
	i) न्यून प्राप्तियां	66000356	71161008	78375928
10	अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान	2565585		
	i) न्यून प्राप्तियां	1416698	1148887	3048242
11	बीमा योजना से जुड़ी हुई जमा		626915	1223614
12	राजस्व से अंतरित राशि :			
	i) डॉ. रा. प्र. केंद्र		20000000	
	ii) हृ. तं. केंद्र		30000000	20000000
	iii) डॉ. बी. आर. अ. सं. रो. कें. अ.		20000000	20000000

4	लाइसेंस शुल्क	34160635	23076241
5	ब्याज	205356243	166972091
6	विविध प्राप्तियां	362680234	250076174
7	गामा नाइफ रोगी खाता से प्राप्ति	150000000	

	योजना						
13	वेतन एवं भत्ते	153772089	127190439				
14	यात्रा भत्ते	13081063	11692798				
15	संस्थान अनुसंधान अनुदान		989933				
16	कंप्यूटरीकरण	822513	700309				
17	राजस्व से अंतरित राशि :						
	हृ. तं. केंद्र	29375000					
18	**चूक समिति**						
	वेतन एवं भत्ते	231000000	102100000				
	छात्रावास				**छात्रावास**		
1	विविध व्यय	360	-	1	विविध प्राप्तियां	112079	74535
				2	ब्याज	453561	521583
	जरा चिकित्सा विभाग				**जरा चिकित्सा विभाग**		
	(i) वेतन	4493476			i) सहायता अनुदान		36687600
	(ii) अनुसंधान गतिविधियां	4000000			ii) ब्याज	1391465	267477

	(iii) सामग्री एवं आपूर्ति (गैर योजना)	556592					
	(iv) बैक प्रभार	0	1188				
	व्यय पर आय की अधिकता				**आय पर व्यय की अधिकता**		
1	अ.भा.आ.सं. (मुख्य)	397014676		1	अ.भा.आ.सं. (मुख्य)		89097469
2	छात्रावास	565280	596118	2	जरा चिकित्सा विभाग	7658603	
3	जरा चिकित्सा विभाग		36953889				
		7085598229	**5432339225**			**7085598229**	**5432339225**

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र (ख)

1	i) वेतन एवं भत्ते		446076846	388802680	1	सहायता अनुदान		
	ii) वेतन एवं भत्ते (राजस्व सामान्य)		50400000	44766275		i) गैर – योजना	559000000	500000000
	iii) पुर्जे एवं अनुषंगी (आरजी)			28259658		ii) वेतन एवं भत्ते (राजस्व सामान्य)	50400000	73025933
	iv) सीएएमसी (आरजी)		51500000			iii) सीएएमसी (आरजी)	51500000	
2	दैनिक मजदूरी				2	अस्पताल प्राप्तियां आई/सी किट्स	160148617	147015616
3	यात्रा व्यय		4750066	3230618	3	वसूलनीय अग्रिमों पर ब्याज	2216	1170522
4	सामग्री एवं आपूर्ति				4	विविध प्राप्तियां	589499	1815142
i)	रिग. भुगतान	265543783			5	सी. एल. टी. डी. पर ब्याज	15926718	24387210
ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान प्राप्त सामग्री	0	265543783	193143049				
5	कार्यालय व्यय		13135036	13506571				

6	भवन अनुरक्षण	9985000	8406039					
7	मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण	2935000	60055					
8	नई पेंशन योजना अंशदान	5702170						
	<u>व्यय पर आय की अधिकता</u>				<u>आय पर व्यय की अधिकता</u>			
	डॉ. रा. प्र. केंद्र		67239478		डॉ. रा. प्र. केंद्र		12460851	
	उप – कुल (ख)	**850027901**	**747414423**				**850027901**	**747414423**

<u>हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (ग)</u>

	<u>गैर – योजना</u>			**1**	<u>सहायता अनुदान</u>			
1	वेतन एवं भत्ते एवं मजदूरी	1019621059	887030105		योजना (राजस्व सामान्य)		169904000	47651177
2	यात्रा व्यय	3111088	3045724		उपभोज्य हेतु रागी खाते से निधि का अंतरण			9915466
3	सामग्री एवं आपूर्ति	338031779	231790718		गैर – योजना		1250000000	1070065000
4	कार्यालय आकस्मिकता	20749091	14176979	**2**	**राजस्व प्राप्तियां**			
					अस्पताल प्राप्तियां	42887980		
5	मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण	1931648	2916862		वर्ष 2012 – 13 में बाह्य रोगियों से प्राप्त राशि	167032		
					2012 – 13 में देय राशि	810631	43531579	34958608
6	भवन अनुरक्षण	29213265	28200134					

7	उपभोज्य हेतु पुर्जे एवं अनुषंगी / अनुरक्षण	3651541	9118213
8	वेतन योजना(राजस्व सामान्य)	114029121	47576479
9	नई पेंशन योजना	20197128	5366751
10	ओआरबीओ	151164	
11	विकास गतिविधियां	23866480	
12	सहायता अनुदान सामान्य (आरजी)	12495954	

<u>सी. टी. रोगी खाता</u>

1	भंडार हेतु खरीद	288632861	324435514
2	निर्धन रोगी उपचार व्यय	21694201	
3	हृ. तं. कें. खाता एम्स में अंतरित	48383000	42500000

<u>एंजियोग्राफी रोगी खाता</u>

1	भंडार हेतु खरीद	193716711	200286819
2	निर्धन रोगी उपचार व्यय	6186700	6288293

3	विविध प्राप्तियां	8575354	9933823
4	किराया प्रभार / लाइसेंस शुल्क	1150300	922483
5	वापसी एवं वसूली	2553422	1419213
6	ब्याज	16014659	20925401
7	लेवी प्रभार	107000	81500
8	परिवहन प्रभार	1374	

<u>सी. टी. रोगी खाता</u>

1	रोगियों से प्राप्तियां	222062774	259621929
2	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान ब्याज	14042684	10087034
3	रद्द चैक		1877563

<u>एंजियोग्राफी रोगी खाता</u>

1	रोगियों से प्राप्तियां	210890901	190545391
2	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान ब्याज	6888598	5361074

3	हृ. तं. कें. खाता एम्स में अंतरित		17500000
	<u>गामा नाइफ रोगी खाता</u>		
1	भंडार हेतु खरीद		
2	एम. आर. आई. प्रभार	2356000	
3	नये चैक		
4	बैंक प्रभार	225	438
5	एम्स (मुख्य) से अंतरण निधि	150000000	
	<u>तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता</u>		
1	भंडार की खरीद	63224413	53998610
2	बैंक प्रभार		
3	हृ. तं. कें. खाता एम्स में अंतरित		15000000
4	निर्धन रोगी उपचार व्यय वर्ष 2012–13	3162103	
	<u>व्यय पर आय की अधिकता</u>		
1	सी. टी. रोगी खाता		
2	एंजियो रोगी खाता	17876088	

3	रद्द चैक		9348657
	<u>गामा नाइफ रोगी खाता</u>		
1	रोगी प्राप्तियां	28037005	22947550
2	ब्याज	22949900	7037522
	<u>तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता</u>		
1	रोगियों से प्राप्तियां	69450081	59320646
2	सावधि / सी. एल. टी. डी. ब्याज	2165401	487008
3	रद्द चैक		451253
	<u>आय पर व्यय की अधिकता</u>		
1	हृ. त. केंद्र	95211630	33349294
2	सी. टी. रोगी खाता	122604604	95348988

3	गामा नाइफ रोगी खाता		29984634	3	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता		8739703
4	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	5228966		4	एंजियो रोगी खाता		18819990
				5	गामा नाइफ रोगी खाता	101369320	
	उप – कुल (ग)	**2387510586**	**1919216273**			**2387510586**	**1919216273**

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (घ)

1	वेतन एवं भत्ते	336325500	283883913		गैर – योजना		486000000
				1	i) सहायता अनुदान वेतन	345000000	
2	टी. ए. / डी. ए. व्यय	6749453	2584133		ii) सहायता अनुदान सामान्य	195000000	
					iii) एम्स से राजस्व वसूली	20000000	
3	सामग्री एवं आपूर्ति	202594128	180078844	2	सहायता अनुदान सामान्य (योजना)	45784710	17448742
4	भवन अनुरक्षण	11914903	10812820	3	विविध अस्पताल प्राप्तियां	22186181	17064366
5	बाह्य स्रोत	24316914	18528948	4	आई. सी. एम. आर.	188000	375000
6	आकस्मिक व्यय	3834619	2989491	5	ब्याज प्राप्तियां	3488628	3643558
7	मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण	10075662	12491605				
8	मशीनरी एवं उपकरण की						

	व्यापक वार्षिक अनुरक्षण निविदा		27203399	17172166				
9	वेतन योजना		11168000					
10	स्वच्छता (बीवीजी)		11491122					
	<u>व्यय पर आय की अधिकता</u>					<u>आय पर व्यय की अधिकता</u>		
	सं. रो. कैं. अ.					सं. रो. कैं. अ.	14026181	4010254
	उप – कुल (घ)		**645673700**	**528541920**			**645673700**	**528541920**

<u>राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र एवं यू.एन.डी.सी.पी. परियोजना (ङ)</u>

1	वेतन एवं भत्ते		66442329	51898392	1	सहायता अनुदान (योजना)	115900000	84618532
2	मजदूरी		5350358	4247851	2	अस्पताल प्राप्ति	398655	341880
3	i) सामग्री एवं आपूर्ति	39542550			3	विविध प्राप्ति	23563	15586
	ii) प्राप्त सामग्री	40000	39582550	24050714				
4	जीआईएफ – एचआईवी खाते में अंतरण			11000	4	यूएनडीसीपी सें अंतरण		57000
5	एनपीएस		784355	164060				
	<u>राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एन. डी. डी. टी. सी.)</u> (यू. एन. डी. सी. पी. परियोजना)					<u>राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एन. डी. डी. टी. सी.)</u> (यू. एन. डी. सी. पी. परियोजना)		

1	टी. ए. समायोजित	575775	2255000	1	सहायता अनुदान (योजना)	5236393	3246094
2	विविध / कार्यालय आकस्मिकता	14546	71905	2	विविध प्राप्ति		2695359
3	एन. डी. डी. टी. सी. खाते में अंतरण		57000				
4	वि.स्वा.सं. को वापसी		898097				
5	वेतन एवं भत्ते	347173	358315				
6	आवास समायोजित	953749	285860				
7	जलपान	63195	194145				
8	परिवहन		166777				
9	प्रशिक्षण अग्रिम समायोजित		2294250				
11	आरटीजीएस		150				
12	प्रिंटिंग	2379094					
13	प्रशिक्षण	33750					
14	बैंक प्रभार	1980					
14	डाक व्यय	97932					
	व्यय पर आय की अधिकता				**आय पर व्यय की अधिकता**		
1	एन. डी. डी. टी. सी.	4162626	4660981	1	एन. डी. डी. टी. सी.		
2	यू. एन. डी. सी. पी. परियोजना	769199		2	यू. एन. डी. सी. पी. परियोजना		640046
	उप – कुल (ङ)	**121558611**	**91614497**			**121558611**	**91614497**

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (च)

1	सामग्री एवं आपूर्ति	267648581	224904177	1	सहायता अनुदान (वेतन)	545148000	792708681
				2	सहायता अनुदान (सामान्य)	448119957	

2	आकस्मिकता	18985054						
2	श्रम शक्ति / बाह्य स्रोत	55759175	38555013					
				2	अस्तपाल प्राप्तियां		8344503	8098590
3	वेतन एवं भत्ते	547900933	437532803					
				3	टी. डी. आर. पर ब्याज		10885071	15907532
4	इंजी. अनुरक्षण आदि	103641299	90421117					
	व्यय पर आय की अधिकता							
	जे. पी. एन. एपेक्स ट्रॉमा केंद्र	18562489	25301693					
	उप – कुल (च)	**1012497531**	**816714803**				**1012497531**	**816714803**

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (छ)

1	वेतन एवं भत्ते	40989363	15794316	1	सहायता अनुदान वेतन	41055000		
					सहायता अनुदान सामान्य	41523000	82578000	42962000
2	सामग्री एवं आपूर्ति	29042571	19740541	2	बैंक द्वारा एस.टी.डी.आर. पर ब्याज		0	59176
3	भवन अनुरक्षण	9031550	5778794	3	विविध प्राप्तियां		133519	8800
4	कार्यालय व्यय	3261150	2039776	4	अस्पताल प्राप्तियां		1545450	1517180
5	बैंक प्रभार	6380	7840					
	व्यय पर आय की अधिकता				आय पर व्यय की अधिकता			

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र	1925955	1185889		
उप – कुल (छ)	**84256969**	**44547156**	**84256969**	**44547156**
महा योग (क) से (छ)	**12187123527**	**9580388297**	**12187123527**	**9580388297**

ह.	ह.	ह.
वित्त सलाहकार	वरिष्ठ वित्त सलाहकार	निदेशक

<u>अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान</u>

<u>दिनांक 31.3.2013 के अनुसार तुलन – पत्र</u>

अ. भा. आ. सं. (मुख्य) (क) (राशि रुपयों में)

	देयताएं		2012-13	2011-12			परिसंपत्तियां		2012-13	2011-12
	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)						अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
1	शेष					1	नकद राशि			
						क)	अग्रदाय (एम्स कोषाध्यक्ष)		703950	683950
क)	राशि देय परंतु भुगतान नहीं									
	(स्कीम सेल)		61475	197351		ख)	राशि देय परंतु भुगतान नहीं			
							(स्कीम सेल)		61475	197351
2क)	भारत सरकार से पूंजी अनुदान									
i)	वर्ष 2011 – 2012 तक	12440974959				2	बैंक में नकद			
						क)	(i) अ. भा. आ. सं. (मुख्य)	2118715947		
ii)	क) वर्ष 2012 – 2013 के दौरान						(ii) अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
	i) पूंजी परिसंपत्ति का सृजन	1622483157					के पास बचे हुए विशिष्ट			
	ii) सहायता अनुदान सामान्य (योजना)	449087045					अनुदानों का अव्ययित शेष	303080499	2421796446	1512454727
iii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान					ख)	स्कीम सेल		170451547	201224501
	निराकृत मशीनरी एवं उपकरण									
	के कारण न्यून	95645728				3	सा. भ. नि. बैंक खाता		94780742	61154988
iv)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान छटनी					4	एन. पी. एस. बैंक खाता		7613109	16386441
	की गई / खोयी हुई न्यून पुस्तकें	11367								
						5	निवेश			
v)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान						(परिशिष्ट – ग)		3517650323	3572687823
	निराकृत फर्नीचर के कारण									
	न्यून	536190								

vi)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान निराकृत वाहनों के कारण न्यून	3429307	14412922569	12440974959
ख)	चूक समिति			
	i) वर्ष 2011–12 तक अनुदान	1317500000		
	ii) वर्ष 2012–13 के दौरान	518000000	1835500000	1317500000
3	पी. एम. आर. ए. डी. आई. पी. स्कीम हेतु कल्याण मंत्रालय से प्राप्त अनुदान		1218	1218
4	केंद्रीयकृत दुर्घटना एवं ट्रॉमा सेवाएं		29142	29142
5	मधुमेह नियंत्रण		420000	420000
6	एड्स		2400000	2400000
7	गैर – संस्थान योजनाएं विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त अनुदानों का अव्ययित शेष (परिशिष्ट – क)		480772053	546782088
8	दान किए गए वाहन			
क)	वर्ष 2011 – 12 तक	3508197		
ख)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान			
ग)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान निराकृत वाहन		3508197	3508197
9	दान की गई पुस्तकें			

6	रजत जयंती निधि		200000	200000
7	विविध देनदार स्कीम सेल (परिशिष्ट – ख)		7240007	4138161
8	विविध जमा (परिशिष्ट –ङ)		330986	330986
9	वसूलनीय अग्रिम			
i)	कार		541662	1235461
ii)	मोटर साइकिल – स्कूटर		916423	1100576
iii)	साइकिल		124411	132311
iv)	कंप्यूटर अग्रिम		2523726	2823419
v)	भवन निर्माण अग्रिम		9670718	12119401
VI)	त्योहार		2646750	2106250
10	बाह्य वसूलियां			
11	कर्मचारी बीमा योजना			
12	फर्नीचर एवं उपस्कर (एम्स)			
क)	वर्ष 2011 – 12 तक	1411376		
ख)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान			
ग)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान निराकृत फर्नीचर	536190	875186	1411376

क)	वर्ष 2011 – 12 तक	184653		
ख)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान	9002	193655	184653
10	दान (परिशिष्ट – ग)			
क)	वर्ष 2011 – 12 तक	10902514		
ख)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान	250000	11152514	10902514
11	विविध दान (परिशिष्ट – घ)			
क)	वर्ष 2011 – 12 तक	2955263		
ख)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान प्राप्तियां	3148775		
ग)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान न्यून व्यय	3104625	2999413	2955263
12	कर्मचारी बीमा योजना		2247955	2507778
13	बाह्य वसूलियां		26195492	26577498
14	जमा कार्य			
क)	स्टार फोर्ड इंडिया		1589098	1589098
ख)	राजगढ़िया विश्राम सदन		1483711	1483711
ग)	सुरेखा विश्राम सदन		1985	1985

13 **क**	मशीनरी एवं उपकरण अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
क)	वर्ष 2011 – 12 तक	6150714624		
ख)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान			
	i) मशीनरी एवं उपकरण	272340033		
	ii) पुर्जे एवं अनुषंगी	107801859		
ग)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान प्राप्त उपकरण	399300436		
घ)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान निराकृत मशीनरी	95645728		
ङ)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान सीमा शुल्क समायोजन	1606701		
च)	कंप्यूटरीकरण	16601114	6852719039	6150714624
ख.	एड्स		820600	820600
ग.	नाको			
	खरीदी गई मशीनरी एवं उपकरण		1932605	1932605
14 **क**	अग्रिम भुगतान सामग्री एवं आपूर्ति (गैर– योजना)			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	2197659		
ii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान	6999037		
iii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान प्राप्त न्यून सामग्री एवं आपूर्ति	7762768	1433928	2197659
ख	मशीनरी एवं उपकरण की			

घ)	श्री साईं विश्राम सदन		500	500
ङ)	आयुर्विज्ञान नगर में केबल हेतु एमटीएनएल		112	112
15	जमानत जमा / बयाना राशि			
क)	वर्ष 2011 – 12 तक	104418231		
ख)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान	62381319		
ग)	प्राप्तियों से वापसी वर्ष 2011 – 12 तक	39458726		
घ)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान प्राप्तियों से वापसी	4065665	123275159	104418231
16	अवधान राशि			
क)	वर्ष 2011 – 12 तक	1343808		
ख)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान प्राप्तियां	84452	1428260	1343808
17	सा.भ.नि. खाता (परिशिष्ट च)		3451662641	3123324387
18	एन. पी. एस. (परिशिष्ट च)		157613109	516386441
19	बर्तन निधि			
	i) वर्ष 2011 – 12 तक	1992117		
	ii) वर्ष 2012 – 13 के दौरान	227150	2219267	1992117
20	नाको			
क)	मशीनरी एवं उपकरण		1932605	1932605

	विदेशी खरीद हेतु (योजना)			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	391667270		
ii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान	440029200		
iii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान प्राप्त उपकरण न्यून	399300436	432396034	391667270
ग	भवन सामग्री की खरीद हेतु पी. एंड. ए. ओ को अग्रिम भुगतान			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	25869623		
ii)	वर्ष 12–13 के दौरान समायोजन		25869623	25869623
घ	अस्थायी आकस्मिक अग्रिम			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	32084006		
ii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान	17130218		
iii)	गत वर्ष 2012 – 13 के दौरान समायोजन	32084006	17130218	32084006
ङ	भंडार हेतु प्राइवेट फर्म			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	3488977		
ii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान	148620		
iii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान समायोजन न्यून		3637597	3488977
च	विद्युत कनेक्शन के लिए जमानत हेतु सचिव, एन.डी.एम.सी.		670950	670950
छ	पी. एंड ए.ओ. (भंडार प्राप्ति हेतु)			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	5282244		

21	आवर्ती निधि			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	31370336		
ii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान प्राप्तियां	74829825		
iii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान व्यय	62756000		
iv)	"प्राप्ति" के अनुसार अंतरित एसएफसी अनुमोदन अनुसार	20757000	22687161	31370336
22	प्रसवोत्तर कार्यक्रम			
	क) वर्ष 2011 – 12 तक	419875		
	ख) वर्ष 2012 – 13 के दौरान प्राप्तियां	200000		
	ग) वर्ष 2012 – 13 के दौरान व्यय	541710	78165	419875
23	वी. वी. आई. पी.		120842	120842
24	संसद भवन एनेक्सी पर वी. वी. आई. पी. उपचार			
	वर्ष 2012 – 13 तक		7600	7600
25	कॉक्लियर रोगी उपचार खाता			
	क) वर्ष 2011 – 2012 तक	918426		
	ख) वर्ष 2012–13 के दौरान प्राप्ति	36974460		
	ग) वर्ष 2012–13 के दौरान व्यय	35439560	2453326	918426
26	जननी सुरक्षा योजना (जे.एस.वाई) खाता			
	क) वर्ष 2011 – 2012 तक	27000		

ii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान	0		
iii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान न्यून समायोजन	1379868	3902376	5282244
ज	मशीनरी एवं उपकरण हेतु सीमा शुल्क			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	235127153		
ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान जमा	0		
iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान न्यून समायोजन / प्राप्ति	100000000		
iv)	वर्ष 2012–13 के दौरान न्यून समायोजन	1606701	133520452	235127153
झ	पुस्तकें एवं पत्रिकाओं हेतु			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	57292139		
ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान जमा	48638922		
iii)	गत वर्षों में किया गया अग्रिमों का समायोजन	25445102	80485959	57292139
ञ	कंप्यूटरकरण हेतु नेशनल इन्फोर्मेटिक्स सेंटर सर्विसिज इंक			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	95293333		
ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान जमा	1777253	97070586	95293333
ट	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, एसजेएचपीडी को नाला हेतु			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	50000000		
ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	50000000	0	50000000
ठ	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, एसजेएचपीडी		1181250	1181250

	ख) वर्ष 2012–13 के दौरान प्राप्ति			
	ग) वर्ष 2012–13 के दौरान व्यय	17200	9800	27000
27	वि. स्व. सं.–इन–कंट्री फैलोशिप खाता			
	क) वर्ष 2012 – 13 तक		720487	720487

	को डॉक्टर छात्रावास हेतु			
ड.	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, एसजेएचपीडी को सब–स्टेशन के निर्माण हेतु		5000000	5000000
ढ	मै. दिल्ली मैट्रो रेल कॉर्पोरेशन			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	60000000		
ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन		60000000	60000000
ण	नई दिल्ली म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन को पूर्वी एवं पश्चिमी परिसर में एलटी – लाइन के आवर्धन हेतु		12755500	12755500
त	नई दिल्ली म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन को एच टी ट्रांसफॉर्मर एवं केबल डालने हेतु		7463500	7463500
थ	नाला ढकना			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	12371057		
ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	12371057	0	12371057
द	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को लिफ्ट हेतु		14000000	14000000
ध	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को शल्य चिकित्सा वार्ड हेतु		1711770	1711770
न	कैरी एयर इक्यूपमेंट इंडिया प्राइवेट लि. को भवन निर्माण हेतु		192602	192602

					प	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को लुबरिकेंट डीजल ऑयल हेतु			
					i)	वर्ष 2011 – 12 तक	282474		
					ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	0	282474	282474
					फ	नई दिल्ली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को भवन निर्माण हेतु		18733600	18733600
					ब	अ.भा.आ.सं. में इंजीनियरिंग सेवा विभाग का अपग्रेडिंग आर्किटेक्चरल सेल		45132	45132
					भ	मुख्य लेखा नियंत्रक (मै. दीपक इले. कं.) विद्युत कार्य हेतु		190890	190890
					म	मुख्य लेखा नियंत्रक (मै. सेनिको इंड.) विद्युत कार्य हेतु		98486	98486
					य	मुख्य लेखा नियंत्रक (मै. सूर्य रोशनी) विद्युत कार्य हेतु		266165	266165
					क क	मै. ब्लू स्टार लि. (वातानुकूलन कार्य हेतु) अनुरक्षण के लिए			
					i)	वर्ष 2011 – 12 तक	1742488		
					ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	1742488	0	1742488
					क ख	मै. यूनिवर्सल कंफर्ट (वातानुकूलन कार्य हेतु)			
					i)	वर्ष 2011 – 12 तक	275101		

					ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान जमा	539474		
					iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	275101	539474	275101
					क ग	मै. कैरियर एयर कंडीशनिंग (वातानुकूलन कार्य हेतु)			
					i)	वर्ष 2011 – 12 तक	584235		
					ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	584235	0	584235
					क घ	मै. वीडियोकॉन इंड. लि. (वातानुकूलन कार्य हेतु)			
					i)	वर्ष 2011 – 12 तक	559841		
					ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	0	559841	559841
					क ङ	मै. वोल्टास लि. वातानुकूलन कार्य हेतु			
					i)	वर्ष 2011 – 12 तक	461833		
					ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	0	461833	461833
					क च	मुख्य लेखा नियंत्रक भंडार की खरीद हेतु		3343957	3343957
					क छ	मै. इंद्रप्रस्थ सी.एन.जी. पाइप लाइन हेतु		10405000	10405000
					क ज	आपूर्ति एवं निपटान महानिदेशालय, मै. रश्मि इंडस्ट्री, वातानुकूलन कार्य हेतु		2976242	2976242
					क झ	मै. एल. जी इलेक्ट्रिक स्पिलिट एसी, वातानुकूलन एवं विद्युत कार्य हेतु			
					i)	वर्ष 2011 – 12 तक	262260		
					ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन		262260	262260
					क ञ	एक्स. इंजी. एस. जे एच			

						(सी. पी. डब्ल्यू. डी.) सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र हेतु		11344542	11344542
					क ट	मै. एच. एस. सी. सी. लि., निर्माण हेतु		1000000	1000000
					क ठ	कुल सचिव, गुरू गोविंद सिंह विश्वविद्यालय परामर्श शुल्क हेतु		18000	18000
					क ड	मै. इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, लुबरीकेंट डीजल ऑयल हेतु (लघु कार्य)			
					i)	वर्ष 2011 – 12 तक	2487842		
					ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	2487842	0	2487842
					क ढ	मै. एचएससीसी, मास्टर प्लान की तैयारी हेतु (बड़े कार्य)		105874500	105874500
					क ण	मै. एचएससीसी, राजकुमारी अमृत कौर ओ.पी.डी. की मरम्मत एवं नवीकरण हेतु (बड़े कार्य)		136540015	136540015
					क त	मै. एचएससीसी, सरलीकरण ब्लॉक हेतु (बड़े कार्य)		14500000	14500000
					क थ	मै. एचएससीसी, पीसी शिक्षण खंड का निर्माण (बड़े कार्य)		3000000	3000000
					क द	मै. एल्पाइन इंडस्ट्री, पीओ एसी यूनिट हेतु (बड़े कार्य)		36918	36918
					क ध	मै. एल्पाइन इंडस्ट्री, पीओ एसी यूनिट हेतु (लघु कार्य)			
					i)	वर्ष 2011 – 12 तक	285376		
					ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	285376	0	285376
					क न	मै. सिदवाल रैफ्रीजिरेशन, पीओ एसी यूनिट हेतु (लघु कार्य)			
					i)	वर्ष 2011 – 12 तक	222030		
					ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान	222030	0	222030

	समायोजन					
क प	मै. कोहली एंड कं., वातानुकूलन हेतु (लघु कार्य)					
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	224836				
ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन		224836	224836		
क फ	मै. वीडियोकॉन इंड. लि. पीओ एसी हेतु (लघु कार्य)					
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	59622				
ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	59622	0	59622		
क ब	मै. एल.जी. इलैक्ट., पीओ एसी हेतु (बड़े कार्य)					
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	1310504				
ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान	3289004				
iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	1310504	3289004	1310504		
क भ	मै. एल.जी. इलैक्ट., पीओ एसी हेतु (लघु कार्य)					
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	335815				
ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान	274618				
iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	335815	274618	335815		
क म	एक्स. इंजी. एस. जे एच (सीपीडब्ल्यूडी) सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र हेतु (लघु कार्य)		12500000	12500000		
क य	एक्स. इंजी. एस. जे एच (सीपीडब्ल्यूडी) अतिरिक्त लिफ्ट स्थापित करने हेतु (बड़े कार्य)		4868896	4868896		
ख क	एक्स. इंजी. सीपीडब्ल्यूडी, वार्ड ब्लॉक में लिफ्ट स्थापित करने हेतु (बड़े कार्य)		1000000	1000000		
ख ख	एक्स. इंजी. सीपीडब्ल्यूडी,					

					सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र हेतु (बड़े कार्य)		10900000	10900000
				ख ग	एक्स. इंजी. सीपीडब्ल्यूडी, नाला ढकने हेतु चरण – ।। (बड़े कार्य)			
				i)	वर्ष 2011 – 12 तक	50000000		
				ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	50000000	0	50000000
				ख घ	एक्स. इंजीनियरिंग एम्स सी. पी. डब्ल्यू. डी., छात्रावास निर्माण हेतु (बड़े कार्य)		5000000	5000000
				ख ङ	मै. हीटेची होम्स सोल्यूशन्स पी.ओ. एसी हेतु (लघु कार्य)			
				i)	वर्ष 2011 – 12 तक	177587		
				ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	177587	0	177587
				ख च	मै. हीटेची होम्स सोल्यूशन्स पी.ओ. एसी हेतु (बड़े कार्य)			
				i)	वर्ष 2011 – 12 तक	488308		
				ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान	1172959		
				iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	488308	1172959	488308
				ख छ	मै. गुरू देव सिंह सन्स, वातानुकूलन हेतु (लघु कार्य)		302357	302357
				ख ज	मै. उषा इंटरनेशनल लि., वातानुकूलन हेतु (लघु कार्य)			
				i)	वर्ष 2011 – 12 तक	315020		
				ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान	331120		
				iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	315020	331120	315020
				ख झ	एचएससीसी मास्टर प्लान सर्जिकल ब्लॉक की तैयारी हेतु चरण–II (चूक)		5868950	5868950

				ख ञ	एचएससीसी पीसी एवं शिक्षण खंड हेतु चरण –।। (चूक)			
				i)	वर्ष 2011 – 12 तक	83814950		
				ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान जमा	214842628	298657578	83814950
				ख ट	एचएससीसी, एम्स परिसर में छात्रावास ब्लॉक के निर्माण हेतु (चूक)			
				i)	वर्ष 2011 – 12 तक	55699950		
				ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान जमा	183000000	238699950	55699950
				ख ठ	एचएससीसी राजकुमारी अमृतकौर ओपीडी की मरम्मत हेतु (बड़े कार्य)		16899950	16899950
				ख ड	एचएससीसी एक्स इंजीनियर, दिल्ली जल सेवा हरियाणा सरकार (बड़े कार्य)		50000000	50000000
				ख ढ	नेशनल एनवायरमेंट इंजीनियर रेस. इनस्टिटूयूट (एनईईआरआई) (बड़े कार्य)		.	.
				i)	वर्ष 2011 – 12 तक	900000		
				ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	900000	0	900000
				ख ण	डीएमआरसी एम्स और ट्रॉमा केंद्र के बीचे जोड़ने वाली सुरंग हेतु (बड़े कार्य)		250000000	250000000
				ख त	सीपीडब्ल्यूडी लिफ्ट हेतु (बड़े कार्य)		10000000	10000000
				ख थ	सीपीडब्ल्यूडी नाला ढकने हेतु चरण –।। (बड़े कार्य)			
				i)	वर्ष 2011 – 12 तक	100000000		
				ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान जमा	48600000		
				iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	89203901	59396099	100000000
				ख द	एचएससीसी भूमिगत पार्किंग हेतु			

					(बड़े कार्य)			
				i)	वर्ष 2011 – 12 तक	299499950		
				ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान जमा	108900000	408399950	299499950
				ख ध	एचएससीसी आउटरीच ओपीडी बाढ़सा (हरियाणा) हेतु (बड़े कार्य)			
				i)	वर्ष 2011 – 12 तक	95000000		
				ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान जमा	10416000	105416000	95000000
				ख न	महेन्द्रा एंड महेन्द्रा लि. पी/ओ ट्रेक्टर हेतु (लघु कार्य)			
				i)	वर्ष 2011 – 12 तक	431510		
				ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	431510	0	431510
				ख प	सीड एडवांस तबास्सुम कंस्ट्रक्शन कं. हेतु (लघु कार्य)			
				i)	वर्ष 2011 – 12 तक	680408		
				ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	680408	0	680408
				ख फ	हीटेची होम्स पी/ओ स्पलिट एसी हेतु (लघु कार्य)			
				i)	वर्ष 2011 – 12 तक	204423		
				ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान जमा	606704		
				iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	204423	606704	204423
				ख ब	हीटेची होम्स डब्ल्यूटीसी यूनिट हेतु (लघु कार्य)			
				i)	वर्ष 2011 – 12 तक	196328		
				ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान समायोजन	196328	0	196328
				ख भ	एचएससीसी, भोजन कक्ष हेतु (चूक)		132500000	

					ख म	एचएससीसी, सीएनसी – सीसीयू वार्ड के नवीनीकरण हेतु (बड़े कार्य)		30000000	
					ख य	एचएससीसी, लांड्री एवं ओपीडी के नवीनीकरण हेतु (बड़े कार्य)		22400000	
					ग क	एचएससीसी, परामर्श शुल्क हेतु (बड़े कार्य)		24700000	
					ग ख	ई.ई., दिल्ली जल सेवा प्रभाग (बड़े कार्य)		55100000	
					ग ग	सिदवाल रेफ्रिजरेशन पी. ओ. ए.सी. हेतु (बड़े कार्य)		165363	
					ग घ	इन्दरप्रस्थ गैस लि. (लघु कार्य)		841610	
					15	पुस्तकें एवं प्रकाशन			
					i)	पुस्तकें एवं पत्रिकाएं (खरीदी)			
						क) वर्ष 2011–12 तक	354890802		
						ख) वर्ष 2012–13 के दौरान	27785807		
						ग) वर्ष 2012–13 के दौरान छंटायी की गई / खोयी न्यून पुस्तकें	11367		
						घ) गत वर्ष में किये गए अग्रिमों का समायोजन	25445102	408110344	354890802
					ii)	दान की गई पुस्तकें			
						क) वर्ष 2011–12 तक	184653		
						ख) वर्ष 2012–13 के दौरान	9002	193655	184653
					16	भवन निर्माण			
						अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
					क)	वर्ष 2011–12 तक	3430123580		

ख)	वर्ष 2012–13 के दौरान	350054841		
ग)	अग्रिमों का समायोजन	50000000		
घ)	अग्रिमों का समायोजन	12371057		
ङ)	अग्रिमों का समायोजन	275101		
च)	अग्रिमों का समायोजन	584235		
छ)	अग्रिमों का समायोजन	2487842		
ज)	अग्रिमों का समायोजन	285376		
झ)	अग्रिमों का समायोजन	222030		
ञ)	अग्रिमों का समायोजन	59622		
ट)	अग्रिमों का समायोजन	1310504		
ठ)	अग्रिमों का समायोजन	335815		
ड)	अग्रिमों का समायोजन	50000000		
ढ)	अग्रिमों का समायोजन	177587		
ण)	अग्रिमों का समायोजन	488308		
त)	अग्रिमों का समायोजन	315020		
थ)	अग्रिमों का समायोजन	900000		
द)	अग्रिमों का समायोजन	89203901		
ध)	अग्रिमों का समायोजन	431510		
न)	अग्रिमों का समायोजन	680408		
प)	अग्रिमों का समायोजन	204423		
फ)	अग्रिमों का समायोजन	196328	3990707488	3430123580
18	**अग्रिम भुगतान**			
i)	इंडियन आयरन एंड स्टील कं.		572139	572139
ii)	टाटा आयरन एंड स्टील कं.		654154	654154
iii)	हिंदुस्तान स्टील लि.		520295	520295
iv)	इंडियन आयरन एंड स्टील कं.		594000	594000
19	**भूमि लेखा**			

	वर्ष 2012 – 13 तक		112832263	112832263
20	**वाहन**			
क	वाहन (एम्स हेतु खरीद)			
क)	वर्ष 2011–12 तक	29536518		
ख)	वर्ष 2012–13 के दौरान			
i)	परिवहन कार्यालय			
ii)	अस्पताल भंडार			
ग)	वर्ष 2012–13 के दौरान निराकृत न्यून वाहन	3429307	26107211	29536518
ख	अ.भा.आ.सं. हेतु दान किए गए वाहन			
क)	वर्ष 2011–12 तक	3508197		
ख)	वर्ष 2012–13 के दौरान			
ग)	वर्ष 2012–13 के दौरान निराकृत वाहन		3508197	3508197
21	बाह्य रोगियों से वसूलनीय अस्पताल प्राप्तियां			
क)	वर्ष 2011–12 तक	5169461		
ख)	वर्ष 2012–13 के दौरान	2085096		
ग)	वर्ष 2012–13 के दौरान वसूल की गई राशि	3368295	3886262	5169461
22	चूक समिति			
क)	बड़े कार्य			
	i) वर्ष 2011–12 तक	339181124		

						ii) वर्ष 2012–13 के दौरान	32738990	371920114	339181124
					ख)	मशीनरी एवं उपकरण (भंडार)			
						i) वर्ष 2011–12 तक	38263518		
						ii) वर्ष 2012–13 के दौरान	58325581	96589099	38263518
	<u>निर्धन रोगी खाता</u>					<u>निर्धन रोगी खाता</u>			
1	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)				1	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)			
	क) अथ शेष					क) नकद / बैंक		2597226	1685917
	i) नकद / बैंक	1685917				ख) एफ. डी. आर.		1202610	1202610
	ii) एफ. डी. आर.	1202610							
	ख) प्राप्तियां								
	i) अनुदान	942217							
	ii) ब्याज	68565							
	iii) भुगतान	99473							
	ग) अंत शेष								
	i) नकद / बैंक		2597226	1685917					
	ii) एफ. डी. आर.		1202610	1202610					
	<u>रोगी उपचार खाता</u>					<u>रोगी उपचार खाता</u>			
1	अ.भा.आ.सं.					अ.भा.आ.सं.		106306586	91464066
	क) अथ शेष	91464066							
	ख) प्राप्तियां								
	i) अनुदान	78575055							
	ii) ब्याज	3870917							
	iii) भुगतान	67592171							
	iv) बैंक प्रभार	11281							
	ग) अंतशेष								

	i) अनुदान		91316376					
	ii) ब्याज		14990210	91464066				
	छात्रावास					**छात्रावास**		
	जमानत जमा				1	नकद राशि	-	-
	i) वर्ष 2011 – 12 तक	2579280						
	ii) वर्ष 2012 – 13 के दौरान				2	बैंक में नकद	956437	396906
	प्राप्तियां	1470000						
	iii) वर्ष 2012 – 13 के दौरान				3	एफडीआर	5283021	5026772
	न्यून वापसी	1219500	2829780	2579280				
	जरा चिकित्सा विभाग					**जरा चिकित्सा विभाग**		
1	(i) एम्स (मुख्य) को					(i) मशीनरी एवं उपकरण	301846	
	देय राशि	1000				(ii) फर्नीचर	59331	
	(ii) एम्स (मुख्य) को भुगतान	1000	0	1000		(iii) इंजीनियरिंग को अग्रिम	594000	
						बैंक में नकद	28340109	36954889
1	**सीमा शुल्क खाता**					**सीमा शुल्क खाता**		
	क) अथ शेष	323820525				बैंक में नकद	195937688	
	ख) प्राप्तियां	0						
	ग) भुगतान	127882837						
	घ) अंत शेष		195937688					
1	**पी डी खाता**					**पी डी खाता**		
	क) अथ शेष	6819584				बैंक में नकद	13653385	
	ख) प्राप्तियां	12000000						
	ग) भुगतान	5166199						
	घ) अंत शेष		13653385					
	व्यय पर आय की अधिकता							

1	अ. भा. आ. सं. (मुख्य)								
	i) वर्ष 2011 – 12 तक	104753357							
	ii) वर्ष 2012 – 13 के दौरान जमा	397014676							
	iii) 'प्राप्ति' के रूप मे जमा की गई आवर्ती निधि, एसएफसी के अनुमोदन अनुसार	20757000	522525033	104753357					
2	छात्रावास								
	i) वर्ष 2011 – 12 तक	2844398							
	ii) वर्ष 2012 – 13 के दौरान	565280	3409678	2844398					
3	जरा चिकित्सा विभाग								
	i) वर्ष 2011 – 12 तक	36953889							
	ii) वर्ष 2012 – 13 के दौरान आय पर व्यय की अधिकता न्यून	7658603	29295286	36953889					
	उप कुल (क)		**21423444783**	**18382482739**				**21423444783**	**18382482739**

<u>डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र (ख)</u>

I	<u>भारत सरकार से पूंजी अनुदान</u>		-		1	<u>नकद राशि</u>			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	1316506328			क)	अग्रदाय		20000	20000
ii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान	319839843			2	बैंक में नकद		102443276	112157899
iii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान (आरजी)	39500000			3	**<u>वसूलनीय अग्रिम</u>**	-	-	
iv)	निराकृत फर्नीचर	624685			क)	**<u>कार</u>**			
v)	निराकृत मशीनरी एवं उपकरण वर्ष 12–13	33194840			i)	वर्ष 2011 – 12 तक	161952		
vi	वाहन – निराकृत	342312	1641684334	1316506328	ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान भुगतान			
II	एनपीसीबी वर्ष 12–13 तक		25629000	25629000	iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान वसूली	101740	60212	161952

III	दान किए गए वाहन								
	(वर्ष 2012–13 तक)		896357	896357	ख)	स्कूटर			
IV	डी.बी.सी.एस./एन.पी.सी.बी. के तहत				i)	वर्ष 2011 – 12 तक	15784		
	खरीदे गए वाहन (वर्ष 12–13 तक)		455574	455574	ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान भुगतान	0		
					iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान वसूली	15784	0	15784
V	**गैर – रा. प्र. केंद्र स्कीम**								
1	एनबीएन एमरो नेत्र रक्षा				घ)	भवन निर्माण अग्रिम			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	62091			i)	वर्ष 2011 – 12 तक	632390		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति				ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान भुगतान	**0**		
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	30000	32091	62091	iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान वसूली	219965	412125	632090
2	एक्यूएट बैक्ट्रियल कंजेक्टिविटिस				ङ)	कंप्यूटर अग्रिम			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	0			i)	वर्ष 2011 – 12 तक	39500		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	0			ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान भुगतान	0		
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	0	0	0	iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान वसूली	12000	27500	39500
3	प्रशासनिक प्रभार				च)	त्योहार अग्रिम			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	2059138			i)	वर्ष 2011 – 12 तक	495645		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	1147796			ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान भुगतान	720000		
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	265631	2941303	2059138	iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान वसूली	781975	433670	495645
4	ए एम डी व्यू स्टडी				**4**	मशीनरी एवं उपकरण (योजना)		-	
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	294646			i)	वर्ष 2011 – 12 तक	931420000		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	0			ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान भुगतान	284389274		
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	0	294646	294646	iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान वसूली	266463084		
					iii)	वर्ष 12–13 के दौरान निराकृत	33194840	1449077518	931420000
5	ब्रीमिरीडाइन डीएस / डीडीएस								
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	18677			**5**	मशीनरी एवं उपकरण (गैर योजना)			
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	36936			i)	वर्ष 2012 – 13 तक		5872266	5872266

iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	41971	13642	18677
6	मोतिया बिंद रोगी (आईओएल)			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	125124		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	108000		
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	121400	111724	125124
7	प्राइमरी एंगल क्लोजर ग्लूकोमा में सीजीडी	-		
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	41445		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	0		
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	0	41445	41445
8	सीएसआईआर			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	0		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	1769032		
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	1552680	216352	0
9	डीईजीएएस			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	184074		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	0		
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	0	184074	184074
10	डीएमई			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	9102		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	0		
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	1340	7762	9102

6	पूंजीगत परिसंपत्ति (भवन)			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	125207205		
ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान	56389843	181597048	125207205
7	एन.पी.सी.बी. (मशी. एवं उप.)		7002852	7002852
8	आई.सी.एम.आर. (मशी. एवं उपकरण)		605150	605150
9	वाहन			
क) i)	वर्ष 2011 – 12 तक वाहन	4589299		
ii)	वर्ष 12–13 में खरीदे गए वाहन	0		
iii)	निराकृत वाहन	342312	4246987	4589299
ख)	दान किए गए वाहन			
	वर्ष 2012 – 13 तक		1351931	1351931
10	फर्नीचर एवं उपस्कर			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	6046218		
ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान	7984325		
iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान निराकृत फर्नीचर	624685	13405858	6046218
11	विविध देनदार		76253	76253
12	विदेशी खरीद हेतु किए गए अग्रिम भुगतान (एमई)			

11	डीएनबी जांच			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	5000		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	0		
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	0	5000	5000
12	एफ.टी.जी.			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	0		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	25000		
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	24326	674	0
13	हाई प्रीसीजन बायो एनेलिटियल (एचपी – बीएएफ)			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	377468		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	216135		
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	158692	434911	377468
14	आई.सी.एम.आर.			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	6328655		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	6189252		
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	9655242	2862665	6328655
15	इंडिजेन (एलएसटीएम)			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	116230		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	0		
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	115500	730	116230
16	लक्स 201 ओमनीकेयर			

i)	वर्ष 2011 – 12 तक	266463084		
ii)	वर्ष 2012–13 के दौरान	7626401		
iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान प्राप्त मशीनरी एवं उपकरण	266463084	7626401	266463084
13	सामग्री एवं आपूर्ति (रा.प्र.कें.)			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	8149089		
ii)	वर्ष 2012–13 में विदेशी खरीद हेतु किए गए अग्रिम भुगतान	5015313		
iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान प्राप्त सामग्री	0	13164402	8149089
14	मशीनरी एवं उपकरण (योजना) झज्जर			
	वर्ष 2012–13 के दौरान		2950000	

i)	वर्ष 2011 – 12 तक	930397							
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	0							
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	43152	887245	930397					
17	<u>एम.ए. फाउंडेशन</u>								
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	364652							
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	0							
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	242564	122088	364652					
18	<u>एम.के. मीडिया कार्नियल ट्रांसप्लांट (वित्त मंत्रालय)</u>								
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	287110							
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	1397660							
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	322333	1362437	287110					
19	<u>एन.ए.बी.</u>								
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	215028							
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	0							
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	160896	54132	215028					
20	<u>नॉवर्टिस शील्ड अध्ययन</u>								
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	0							
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	0							
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	0	0						
21	<u>एन.पी.सी.बी. डी.ओ.एस. प्रशिक्षण</u>								
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	88829							
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	811171							
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	380092	519908	88829					

22	<u>एन.पी.सी.बी. नेत्र शिविर गोड्डा झारखंड</u>		-					
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	0						
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	157718						
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	63293	94425	0				
23	<u>एन.पी.सी.बी. / डी.बी.सी.एस.</u>							
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	15029						
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	621250						
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	86988	549291	15029				
24	<u>एन.पी.सी.बी. – एन.एस.यू.</u>							
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	127790						
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	172210						
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	229973	70027	127790				
25	<u>एन.पी.सी.बी. – एस.एस.यू.</u>							
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	25886						
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	274114						
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	213189	86811	25886				
26	<u>ओ.ई.यू.</u>							
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	91868						
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	349916						
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	372771	69013	91868				
27	<u>ओर्बिस पी.ई.सी.पी.</u>							
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	71140						
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	0						

iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	18817	52323	71140				
28	<u>फार्माकोकिनेटिक कूइनेक्राइन</u>							
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	5869						
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	0						
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	5806	63	5869				
29	<u>पोसूडूरेक्स पी.एस. / डी.डी.एस. एलर्जन इंटरनेशनल</u>							
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	427552						
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	58860						
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	486412	0	427552				
30	<u>ओजुर्डेक्स अध्ययन</u>							
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	162000						
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	360000						
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	520247	1753	162000				
31	<u>मायोपिया अध्ययन</u>							
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	170458						
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	1102320						
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	1272778	0	170458				
32	<u>एसएसएमआई – वीएफए</u>							
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	322494						
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	872953						
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	691356	504091	322494				
33	<u>शुष्क नेत्र का व्यापक उपचार</u>							

i)	वर्ष 2011 – 12 तक	105300							
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	0							
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	0	105300	105300					
34	<u>वि.स्वा.सं. मैलेसिया</u>								
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	0							
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	80400							
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	20118	60282	0					
35	<u>वि.स्वा.सं. अल्पावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम</u>								
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	148500							
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	24900							
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	173400	0	148500					
36	<u>कार्यशाला</u>								
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	31600							
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	0							
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	0	31600	31600					
37	<u>दिल्ली की शहर गंदी बस्ती में मधुमेही रेटिनोपैथी (डीआरयूएसडी)</u>								
	वर्ष 2011 – 12 तक	0							
	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	5778867							
	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	4099808	1679059	0					
38	<u>जीएनईसी (गुरू नानक नेत्र केंद्र)</u>								
	वर्ष 2011 – 12 तक	0							
	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	25000							
	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	25000	0						

39	<u>दृष्टि दिल्ली – पीईसी</u>							
	वर्ष 2011 – 12 तक	0						
	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	1733422						
	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	579953	1153469	0				
40	<u>व्यापक प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाएं (सीपीईसीएस / डीजेजेएस)</u>							
	वर्ष 2011 – 12 तक	0						
	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	646000						
	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	218027	427973					
41	<u>आरओपी सेवाएं</u>							
	वर्ष 2011 – 12 तक	0						
	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	1353188						
	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	407103	946085					
42	<u>आरओपी कार्यशाला</u>							
	वर्ष 2011 – 12 तक	0						
	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	660000						
	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	660000	0					
43	<u>अध्ययन औषध (डीई–109)</u>							
	वर्ष 2011 – 12 तक	0						
	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	160000						
	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	107830	52170					
VI	<u>एनआईएएफ</u>							
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	1257776						
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	83900						

iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	68235	1273441	1257776				
VII	<u>एन.पी.सी.बी.</u>							
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	827						
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	0						
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	0	827	827				
VIII	<u>जमानत जमा</u>							
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	1851000						
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	4576000						
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान व्यय	5000	6422000	1851000				
IX	<u>अ.भा.आ.सं. छूट</u>							
	वर्ष 2011 – 12 तक	215790						
	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	0	215790	215790				
X	<u>बाह्य वसूलियां</u>							
	वर्ष 2012 – 13 तक		11288	11288				
	<u>निर्धन रोगी खाता</u>					<u>निर्धन रोगी खाता</u>		
1	नकद	332390				नकद / बैंक	369870	332390
2	प्राप्तियां							
	i) ब्याज	14724						
	ii) दान	208350						
	iii) विविध प्राप्तियां							
	iii) भुगतान	185594						
3	अंत शेष		369870	332390				

XI	व्यय पर आय की अधिकता								
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	110269125							
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान आय पर व्यय की अधिकता न्यून	12460851	97808274	110269125					
	उप–कुल (ख)		1790743319	1470638607				1790743319	1470638607

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (ग)

1	क) राशि देय परंतु भुगतान नहीं				1	नकद राशि			
	(कोषाध्यक्ष)				क)	अग्रदाय (कोषाध्यक्ष, हृ. तं. केंद्र)		41000	41000
	ख) अग्रदाय 2012–13		6000						
2	भारत सरकार से पूंजी अनुदान				ख)	राशि देय परंतु भुगतान नहीं		6000	
क)	वर्ष 2011 – 12 तक	4074853016							
ख)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान				2	बैंक में नकद		5981079	103302133
	i) पूंजी परिसंपति (नई)	400000000							
					3	वसूलनीय अग्रिम			
	ii) राजस्व सामान्य	38000000							
	iii) पुर्जे एवं अनुषंगी / अनुरक्षण हेतु				क)	कंप्यूटर		1404156	936140
	रोगी खाते से निधि				ख)	कार		507460	606952
	का अंतरण	48383000			ग)	साइकिल			1800
	iv) वर्ष 2012–13 के दौरान				घ)	स्कूटर		689630	834676
	न्यून मशीनरी निराकृत	64355210			ङ)	भवन निर्माण अग्रिम		5351600	6219470
	v) वर्ष 2012–13 के दौरान				च)	त्योहार अग्रिम		926304	941585
	न्यून फर्नीचर निराकृत	4259040	4492621766	4074853016					
					4	मशीनरी एवं उपकरण			
3	सं. रो. कैं. अ. से अंतरित राशि		1478400	1478400	i)	वर्ष 2011 – 12 तक	3367915904		
					ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान	129766771		
4	साईं भक्त समाज द्वारा दान किए गए				iii)	पुर्जे एवं अनुषंगी (सीटीसी)	48383000		
	वाहनों की लागत		613384	613384	iv)	अग्रिम भुगतान से प्राप्त			

5	सी. टी. रोगी खाता मशीनरी एवं उपकरण अंतरित साईं भक्त समाज		49025000	49025000
6	तंत्रिका विज्ञान रोगी खाता			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	25571427		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	13396365		
iii)	वर्ष 2012–13 में न्यून वापसी / व्यय	13565736	25402056	25571427
7	बाह्य वसूलियां / संस्थान वसूली			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	342175		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान न्यून	39130	303045	342175
8	दान			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	1353152		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति			
ii)	वर्ष 2012 –13 के दौरान व्यय न्यून		1353152	1353152
9	जमानत जमा			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	28764964		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	12485650		
iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान न्यून वापसी	3349000	37901614	28764964
10	थैलियम			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	2191662		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	3836250		
iii)	वर्ष 2012 –13 के दौरान व्यय न्यून	5760953	266959	2191662
11	हृद प्रतिरोपण दान			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	274919		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	0		
iii)	न्यून व्यय	0	274919	274919

	मशीनरी एवं उपकरण	170511573		
v)	मशीनरी एवं उपकरण निराकृत वर्ष 12–13 के दौरान	64355210	3652222038	3367915904
5	सी. टी. रोगी खाते से अंतरित मशीनरी एवं उपकरण		49025000	49025000
6 क)	विदेशी खरीद हेतु अग्रिम भुगतान मशीनरी एवं उपकरण			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	133099763		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान	275343773		
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्त न्यून उपकरण	170511573	237931963	133099763
7	भवन निर्माण / लघु कार्य			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	323543473		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान	39596705	363140178	323543473
8	कार्य के लिए अग्रिम		174596762	174596762
9	बाह्य रोगियों से देय राशि			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	1805520		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान	810631		
iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान न्यून राशि	167032	2449119	1805520
10	वाहन			
i)	एम्बुलेंस ओर्बो		1305522	1305522
11	फर्नीचर एवं उपस्कर			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	3840719		
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान	1526924		

					iii)	निराकृत फर्नीचर			
12	<u>प्रयोगशाला जांच</u>					वर्ष 2012 – 2013 के दौरान	4259040	1108603	3840719
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	1902419							
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	9546120							
iii)	वर्ष 2012 –13 के दौरान व्यय न्यून	11436711	11828	1902419					
13	<u>हृद जांच</u>								
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	8058431							
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान	4977070							
iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान प्राप्ति	4343050	8692451	8058431					
14	<u>नाको निधि</u>								
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान	400000							
iii)	वर्ष 2012 –13 के दौरान व्यय न्यून	40000	360000						
	<u>निर्धन रोगी खाता</u>					**<u>निर्धन रोगी खाता</u>**			
1	तंत्रिका विज्ञान केंद्र				1	तंत्रिका विज्ञान केंद्र			
क)	नकद / बैंक	133123			क)	नकद / बैंक		132907	133123
ख)	दान	1784							
ग)	भुगतान	2000							
घ)	अंत शेष		132907	133123					
	<u>सी. टी. रोगी खाता</u>					**<u>सी. टी. रोगी खाता</u>**			
					1	अवधि जमा		100000000	170000000
					2	बैंक में नकद		1218507	53823111
	<u>एंजियोग्राफी रोगी खाता</u>					**<u>एंजियोग्राफी रोगी खाता</u>**			

					1	श्री डालचंद्र वर्मा,			
						कोषाध्यक्ष से वसूलनीय			
						नकद		3245441	3245441
					2	अवधि जमा		59800000	19800000
					3	बैंक में नकद		32215235	54339147
	<u>गामा नाइफ रोगी खाता</u>					<u>गामा नाइफ रोगी खाता</u>			
					1	अवधि जमा		70000000	197300000
					2	बैंक में नकद		42283799	16353119
	<u>तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता</u>					<u>तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता</u>			
					1	अवधि जमा		15900000	15900000
					2	बैंक में नकद		22117646	16888680
	<u>व्यय पर आय की अधिकता</u>					<u>आय पर व्यय की अधिकता</u>			
1	हृ. तं. कें.				1	हृ. तं. कें.			
a)	वर्ष 2011 – 12 तक				i)	वर्ष 2011 – 12 तक	26412530		
					ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान	95211630	121624160	26412530
2	सी. टी. रोगी खाता								
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	223823111							
ii)	वर्ष 2012 – 2013 में आय पर								
	व्यय की अधिकता न्यून	122604604	101218507	223823111					
3	एंजियोग्राफी रोगी खाता								
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	77384588							
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान	17876088	95260676	77384588					
4	गामा नाइफ रोगी खाता								
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	213653119							
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान आय पर								

	व्यय की अधिकता न्यून	101369320	112283799	213653119				
5	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता							
i)	वर्ष 2011 – 12 तक	32788680						
ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान	5228966	38017646	32788680				
	उप–कुल (ग)		**4965224109**	**4742211570**			**4965224109**	**4742211570**

<u>डॉ. बी. आर. अं. संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (घ)</u>

1	पूंजी अनुदान								
	क) वर्ष 2011 – 12 तक	1597402164			1	<u>बैंक में नकद</u>		6501558	19863732
	ख) वर्ष 2012 – 2013 के दौरान	100000000							
	ग) वर्ष 2012 – 2013 के दौरान				2	<u>राजस्व सामान्य (योजना)</u>			
	राजस्व सामान्य (योजना)	7683290				<u>लघु कार्य</u>			
	घ) वर्ष 2012 – 2013 के दौरान				क)	वर्ष 2011 – 12 तक	31625686		
	निराकृत मशीनरी एवं उपकरण न्यून				ख)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान	7683290	39308976	31625686
	ङ) वर्ष 2012 – 2013 के दौरान								
	निराकृत न्यून फर्नीचर		1705085454	1597402164	3	<u>कंप्यूटर अग्रिम</u>			
					(i)	वर्ष 2011 – 12 तक	193777		
2	आर. टी. आवर्ती निधि				(ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान	240000		
						वर्ष 12–13 के दौरान न्यून			
(i)	वर्ष 2011 – 12 तक	1711769			(iii)	वसूलियां	100500	333277	193777
(ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान जमा	2682285							
(iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान				4	<u>भवन निर्माण अग्रिम</u>			
	न्यून भुगतान	2786818	1607236	1711769		वर्ष 2012 – 13 तक		87750	87750
3	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान आवर्ती निधि				5	<u>कार / स्कूटर अग्रिम</u>			
(i)	वर्ष 2011 – 12 तक	472619			i)	वर्ष 2011 – 12 तक	92639		
(ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान जमा	399420			ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान			
						वर्ष 12–13 के दौरान न्यून			
(iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान				iii)	वसूलियां	59616	33023	92639

	न्यून भुगतान		872039	472619					
					6	<u>अग्रिम भुगतान</u>			
4	ई.एम.डी. एवं जमानत जमा					<u>मशीनरी एवं उपकरण</u>			
(i)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान	139020			क)	वर्ष 2011 – 12 तक	14396858		
(ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान न्यून भुगतान		139020	139020	ख)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान जमा	77735295		
					ग)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान अग्रिमों (एलसी) का समायोजन	20786597	71345556	14396858
					7	**मशीनरी एवं उपकरण**			
					क)	वर्ष 2011 – 12 तक	1187050498		
					ख)	वर्ष 2012–13 के दौरान जमा	21993901		
					ग)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान अग्रिमों (एलसी) का समायोजन	20786597		
					घ)	सीडीए / पीडीए का समायोजन जमा	2473628		
					ङ)	वर्ष 2012–13 के दौरान निराकृत न्यून मशीनरी एवं उपकरण		1232304624	1187050498
					8	<u>जमानत जमा एनडीएमसी</u>		2626000	2626000
					9(i)	<u>भवन निर्माण</u>			
						वर्ष 2012 – 13 तक		294156972	294156972
					10	<u>वाहन</u>			
					क)	वर्ष 2012 – 13 तक		1603082	1603082
					11	<u>फर्नीचर एवं उपस्कर</u>			
					क)	वर्ष 2011 – 12 तक	10840372		
					ख)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान			
					ग)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान			

						निराकृत न्यून फर्नीचर		10840372	10840372
					12	<u>सीमा शुल्क एवं पी.डी.ए. खाता हेतु अग्रिम भुगतान</u>			
					(i)	वर्ष 2011 – 12 तक	22490268		
					(ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान			
					(iii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान समायोजित न्यून सीमा शुल्क	2473628	20016640	22490268
					13	<u>त्योहार अग्रिम</u>			
					i)	वर्ष 2011 – 12 तक	349500		
					ii)	वर्ष 2012 – 2013 के दौरान	273750		
					iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान न्यून वसूलियां	451950	171300	349500
	<u>निर्धन रोगी खाता</u>					<u>निर्धन रोगी खाता</u>			
	डॉ. बी. आर. अं. सं. रो. कैं. अ.					डॉ. बी. आर. अं. सं. रो. कैं. अ.			
	क) नकद / बैंक	3455807				क) नकद / बैंक		4216628	3455807
	ख) प्राप्तियां								
	i) अनुदान	732487							
	ii) ब्याज	661782							
	iii) भुगतान	633346							
	iv) विविध प्राप्तियां	102							
	ग) अंतशेष								
	नकद / बैंक		4216628	3455807					
	<u>रोगी उपचार खाता</u>					<u>रोगी उपचार खाता</u>			
	डॉ. बी. आर. अं. सं. रो. कैं. अ.					डॉ. बी. आर. अं. सं. रो. कैं. अ.			
	क) अथशेष	41663018				क) नकद / बैंक		41703962	41663018

	ख) अल्पावधिक निवेश					ख) अल्पावधिक निवेश			
	ग) एफडीआर	6000000				ग) एफडीआर		6000000	6000000
	i) अनुदान	47946912							
	ii) रद्द चैक	1831967							
	iii) विलंब का ब्याज	666							
	iv) ब्याज								
	v) भुगतान	49584594							
	vi) विविध भुगतान	154007							
	ग) अंतशेष								
	i) नकद / बैंक		41703962	41663018					
	ii) अल्पावधिक निवेश								
	iii) एफडीआर		6000000	6000000					
	<u>एचएमसीपीएफ खाता</u>					<u>एचएमसीपीएफ खाता</u>			
	अथ शेष	1616095				नकद / बैंक		891653	1616095
	प्राप्तियां	0							
	वापसी	550							
	रद्द चैक	722							
	भुगतान	725164							
	विविध	550	891653	1616095					
-	<u>व्यय पर आय की अधिकता</u>					<u>आय पर व्यय की अधिकता</u>			
i)	वर्ष 2011 – 12 तक					i) वर्ष 2011 – 12 तक	14348438		
						ii) वर्ष 2012–13 के दौरान	14026181	28374619	14348438
	उप–कुल (घ)		**1760515992**	**1652460492**				**1760515992**	**1652460492**

<u>राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र एवं यू.एन.डी.सी.पी. परियोजना (ङ)</u>

1	पूंजी निधि वर्ष 2011 – 12 तक	172463470		
	i) वर्ष 2012–13 के दौरान	3285000	175748470	172463470
2	संस्थान वसूली			
	i) वर्ष 2012 – 13 तक		113215	113215
3	जमानत जमा			
क)	वर्ष 2011 – 12 तक	385000		
ख)	वर्ष 2012–13 के दौरान	65000		
ग)	वर्ष 2012–13 में जमानत वापसी	15000	435000	385000
4	यू.एन.डी.सी.पी. के लिए अंतरणीय		632	632
5	वर्ष 2012–13 के दौरान कर्मचारी बीमा योजना देय		30	
6	वर्ष 2012–13 के दौरान कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा देय		325	

1	बैंक में नकद		4210804	6021395
2	मशीनरी एवं उपकरण			
क)	वर्ष 2011 – 12 तक	35767836		
ख)	वर्ष 2012–13 के दौरान	1794540	37562376	35767836
3	पुस्तकें एवं प्रकाशन			
क)	वर्ष 2011 – 12 तक	21991514		
ख)	वर्ष 2012–13 के दौरान	65131	22056645	21991514
4	फर्नीचर एवं उपस्कर			
क)	वर्ष 2011 – 12 तक	3860934		
ख)	वर्ष 2012–13 के दौरान	1384669	5245603	3860934
5	भवन निर्माण			
क)	वर्ष 2012 – 13 तक		101953715	101953715
6	वाहन			
	वर्ष 2012 – 13 तक		9033101	9033101
7	बाह्य वसूली			
क)	वर्ष 2011 – 12 तक	37476		
ख)	वर्ष 2012–13 के दौरान	3232	40708	37476
8	सामग्री एवं आपूर्ति हेतु अग्रिम			
क)	वर्ष 2011 – 12 तक	250000		
ख)	वर्ष 2012–13 के दौरान	80000		
ग)	वर्ष 2012–13 के दौरान प्राप्त न्यून सामग्री एवं आपूर्ति	40000	290000	250000

					9	सीमा शुल्क अग्रिम	400000	400000
	राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी) (यू.एन.डी.सी.पी. परियोजना) अथ शेष		464680	464680		राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी) (यू.एन.डी.सी.पी. परियोजना)		
					क)	टी.ए. अग्रिम बकाया	34000	34000
					ख)	प्रशिक्षण अग्रिम बकाया	3809250	3809250
					ग)	आवास अग्रिम बकाया	100000	100000
					घ)	एनडीडीटीसी से वसूलनीय राशि	632	632
					ङ)	अग्रिम	1400000	
	<u>व्यय पर आय की अधिकता</u>							
1	एनडीडीटीसी							
	i) वर्ष 2011 – 12 तक	6353654				अंत शेष	2260019	2890820
	ii) वर्ष 2012–13 के दौरान	4162626						
	iii) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को वापस किया गया न्यून अनुदान	6021000	4495280	6353654				
2	एन.डी.डी.टी.सी. (यू.एन.डी.सी.पी. परियोजना)							
	i) वर्ष 2011 – 12 तक	6370022						
	ii) वर्ष 2012–13 के दौरान	769199	7139221	6370022				
	उप–कुल (ङ)		**188396853**	**186150673**			**188396853**	**186150673**

<u>जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (च)</u>

1	भारत सरकार से पूंजी अनुदान			
(i)	वर्ष 2011 –12 तक	2232186719		
(ii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान			
	क) पूंजी परिसंपति (नई)	150000000		
	ख) राजस्व सामान्य	10880043	2393066762	2232186719
2	जमानत / बयाना राशि जमा			
(i)	वर्ष 2011 –12 तक	8453968		
(ii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान प्राप्ति	5080000		
(iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान न्यून वापसी	6965000	6568968	8453968
3	(रोगी खाता एटीएलएस)			
(i)				
	वर्ष 2011 –12 तक	5663694		
(ii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान प्राप्ति	17096392		
(iii)	वर्ष 2012–13 के दौरान न्यून वापसी	13052035	9708051	5663694

1	नकद राशि		90000	
	बैंक में नकद		81120147	53543326
	मै. एचएससीसी			
	बकाया (2011–12) समायोजन		6500000	6500000
	एनडीएमसी हेतु जमानत जमा		5979000	5979000
	आईजीएल के पास जमानत जमा		1304680	1304680
	"ट्राइजन" को अग्रिम भुगतान		1170000	1170000
	(एम.ओ.यू. के अनुसार ऊर्जा मंत्रालय)			
2	**मशीनरी एवं उपकरण**			
	i) वर्ष 2011–12 तक विदेशी खरीद हेतु			
	किए गए अग्रिम भुगतान	64839883		
	ii) वर्ष 2012 – 13 के दौरान			
	एल. सी. अग्रिम	88951917		
	iii) वर्ष 2012–13 में			
	समायोजित अग्रिम न्यून	70649886	83141914	64839883
3	सीमा शुल्क अग्रिम			
	i) वर्ष 2011 –12 तक	54288900		
	(ii) वर्ष 2012 – 13 के			
	दौरान	0		
	ii) वर्ष 2012 – 13 के दौरान			
	समायोजित न्यून	7776200	46512700	54288900
4	पी. डी. ए. अग्रिम			
	i) वर्ष 2011 –12 तक	9894185		
	(ii) वर्ष 2012 – 13 के			
	दौरान	0		
	ii) वर्ष 2012 – 13 के दौरान			
	समायोजित न्यून	246970	9647215	9894185

					5	भवन निर्माण			
					i)	वर्ष 2011 – 12 तक पूंजीगत कार्य	675090751		663099432
					ii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान लघु कार्य	10880043		11991319
					iii)	न्यून जमानत वापस एनडीएमसी	2700000	683270794	
					iv)	एम्स को अंतरित भूमि खाता		54310794	54310794
					5	त्योहार अग्रिम			
						i) वर्ष 2011 –12 तक	21750		
						ii) वर्ष 2012 – 13 के दौरान	93750		
						iii) वर्ष 2012 – 13 के दौरान वसूली	55500	60000	21750
					6	मशीनरी एवं उपकरण			
						i) वर्ष 2011 –12 तक	1390682574		
						ii) वर्ष 2012 – 13 के दौरान	56011609		
						(iii) अग्रिम भुगतान से प्राप्त मशीनरी एवं उपकरण	70649886		
						(iv) सीमा शुल्क का समावेशन			
						क) वर्ष 2012 – 13 के दौरान	7776200		
						ख) वर्ष 2012–13 तक पीडीए	246970	1525367239	1390682574
					7	फर्नीचर एवं उपस्कर			
						i) वर्ष 2011 –12 तक	7777055		
						ii) वर्ष 2012 – 13 के दौरान	753249	8530304	7777055
-	<u>व्यय पर आय की अधिकता</u>								
	i) वर्ष 2011 –12 तक	79098517							
	ii) वर्ष 2012 – 13 के दौरान	18562489	97661006	79098517					

	उप–कुल (च)		**2507004787**	**2325402898**				**2507004787**	**2325402898**

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (छ)

1	पूंजी अनुदान				1	नकद राशि		5000	5000
(i)	एम्स मुख्य खाते से	493260204			2	बैंक में नकद		14557664	10455873
	वर्ष 2011 –12 तक								
(ii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान	17677000			3	मशीनरी एवं उपकरण			
iii)	पिछली खरीद प्रापक आधार पर				(i)	वर्ष 2011 –12 तक	183547508		
	सप्लायर को दिये गए पुराने				(ii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान	0		
	उपकरण की न्यून कीमत	2804750	508132454	493260204	(iii)	वर्ष 2012 – 13 के			
						दौरान अग्रिमों से			
						प्राप्त मशीनरी एवं उपकरण जमा	16854660		
2	जमानत जमा				(iv)	पिछली खरीद प्रापक आधार पर			
	(i) वर्ष 2011 –12 तक	2051245				सप्लायर को दिये गए पुराने			
	(ii) वर्ष 2012 – 13 के दौरान	2430751				उपकरण की न्यून कीमत	2804750	197597418	183547508
	(iii) वर्ष 2012 – 13 के दौरान								
	न्यून वापसी	254915	4227081	2051245	5	भवन			
					(i)	वर्ष 2011 –12 तक	262271549		
					(ii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान	822340	263093889	262271549
					6	अग्रिम भुगतान			
					(i)	एचएससीसी को अग्रिम भुगतान		45668116	45668116
					(ii)	एन.डी.एम.सी. को अग्रिम			
						भुगतान वर्ष 2012–13 तक		2364500	2364500
					(iii)	एन.डी.एम.सी. में जमानत जमा वर्ष 2012–13			
						तक		3000000	3000000
					(iv)	डी.जी.एस एंड डी. को अग्रिम भुगतान वर्ष			
						2012–13 तक		469471	469471
	व्यय पर आय की अधिकता								
i)	वर्ष 2011 –12 तक	12470568							
ii)	वर्ष 2012 – 13 के दौरान	1925955	14396523	12470568					

	उप–कुल (छ)	526756058	507782017			526756058	507782017
	महायोग (क) से (छ)	33162085901	29267128996			33162085901	29267128996

टिप्पणी :

1 खातों को वास्तविक प्राप्तियों एवं व्यय के आधार पर तैयार किया गया है।

2 मशीनरी एवं उपकरण, वाहनों आदि पर कोई मूल्यह्रास प्रदान नहीं किया गया है क्योंकि संस्थान भारत सरकार द्वारा पूर्णतः वित्तपोषित है।

3 वर्ष 2012 – 13 के दौरान विभिन्न परियोजनाओं में अन्वेषकों द्वारा दर्शाया गया व्यय विवरण परिशिष्ट – क – I में संलग्न है। यह वर्णित किया जाता है कि अनुसंधान परियोजनाओं के पूर्ण होने पर उपकरणों को या तो वित्त पोषित एजेंसियों को लौटा दिया जाता है या उनको विभागों द्वारा प्रयोग में लाया जाता है।

4 संस्थान आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 8 जी (5) (vi) के तहत आयकर से छूट प्राप्त है।

5 चार रोगी खाते अर्थात सीटी रोगी खाता, एंजियो रोगी खाता, एन.एस. रोगी खाता तथा गामा नाइफ रोगी खाते में तुलन पत्र के परिसंपत्ति पक्ष की तरफ दर्शाई गई राशि व्यय पर आय की अधिकता को प्रस्तुत करती है और यह राशि सावधि में निवेश की गई है। वर्ष 1995 में पैकेज प्रभारों की शुरूआत पर गत वर्षों के दौरान राशि संचित की गई है। पैकेज को रोगियों की सुविधा के लिए आरंभ किया गया और उचित दरों पर प्रयोग की जाने वाली गुणवत्ता उत्पादों को सुनिश्चित किया गया। पैकेज दरों में सेवा प्रभार तथा आईसीयू प्रभार सम्मिलित थे जिन्हें स्थायी वित्त समिति द्वारा अनुमोदित एवं शासी निकाय द्वारा अनुसमर्थित किया गया। बाद में यह निर्णय लिया गया कि रोगियों से ऐसे प्रभार न लिये जाए और वर्ष 2000 में इसे वापस ले लिया गया। उस अवधि (1995–2000) के दौरान बकाया राशि को संचित किया गया और सावधि जमा पर अर्जित ब्याज को निवेश किया गया। तथापि उस ब्याज का एक भाग निर्धन रोगियों के उपचार हेतु उपयोग किया गया जैसाकि प्राप्ति एवं भुगतान लेखा में दर्शाया गया है। संचित की गई बकाया राशि को पिछले वर्षों के दौरान प्रयोग में नहीं लाया गया क्योंकि इसके प्रयोग के सबंध में किसी प्रकार के दिशा दिर्नेश नहीं थे। उपभोक्ता प्रभारों एवं उस पर ब्याज के कारण संचित बकाया राशि के उपयोग संबंधी मामले को दिनांक 11.11.2010 को आयोजित स्थायी वित्त समिति की बैठक में चर्चा की गई जिसमें यह निर्णय लिया गया कि संस्थान का समेकित बजट तैयार होने से पहले रोगी खाता के तहत उपलब्ध संचित बकाया राशि में से उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित राशि को दर्शाने वाले सभी केंद्र अपने–अपने उप–बजट (वित्त वर्ष 2011–12 से आगे) तैयार करेंगे। वर्ष 2011–12 के बजट में हृद तंत्रिका केंद्र योजना शीर्ष के तहत अपनी योजना आधारित विकास गतिविधियों हेतु संचित बकाया के उपयोग हेतु प्रस्ताव रख सकता है। इसे शासी निकाय द्वारा दिनांक 27.11.2010 को आयोजित बैठक में अपनी पुष्टि प्रदान की गई। तदनुसार, हृद तंत्रिका केंद्र ने चालू वित्त वर्ष 2012–13 के दौरान सी.टी. रोगी खाता के तहत संचित बकाया में से रुपये 6.14 करोड उपयोग किये।

6 समीक्ष्य वर्ष 2011–12 के दौरान रु. 10.21 करोड़ की राशि को भी चूक समिति के तहत श्रम शक्ति के भुगतान हेतु उपयोग किया गया। उसी के लिए मंत्रालय से मांग की गई। मंत्रालय ने मांग को नोट कर लिया था और आवश्वासन दिया गया कि वित्त वर्ष की समाप्ति तक संस्थान को रु. 10.21 करोड़ की राशि आबंटित कर दी जाएगी। तथापि, वर्ष 2011–12 के दौरान ऐसी कोई राशि मंत्रालय द्वारा आबंटित नहीं की गई। तब से चूक समिति के लिए नियुक्त पदाधिकारियों को वेतन नियमित रूप से वित्त वर्ष के दौरान भुगतान किया जा रहा था। संस्थान के पास उपलब्ध बकाया से मांग पूरी की गई। तथापि, मंत्रालय ने वर्ष 2011–12 की देयता में से वर्ष 2012–13 के वित्त वर्ष के दौरान रु. 10.20 करोड़ आबंटित किये।

7 एम्स में वित्तीय विषय पर प्रबंधन समिति द्वारा अनुशंसा की गई थी कि आवर्ती / रोगी निधि को अंत तक खुला न रहने दें। बकाया शेष को अगले चक्र की प्रारंभिक सेवाओं की लागतों की ''स्टार्ट – अप'' राशि को छोड़ कर संस्थान के सामान्य राजस्व में अंतरित कर लिया जाए। इस विषय पर दिनांक 11.11.2010 को आयोजित हुई स्थायी वित्त समिति की 197वीं बैठक में विचार विमर्श किया गया और यह निर्णय लिया गया कि वित्त वर्ष की समाप्ति के बाद दो महीनों की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु एक पर्याप्य ''स्टार्ट–अप'' राशि की संबंधित विभाग के पास रखा जाए और अतिरिक्त निधि को संस्थान के संबद्ध मुख्य लेखा में सामान्य प्राप्ति के रूप में अंतरित कर दिया जाए। इसे दिनांक 27.11.2010 को शासी निकाय द्वारा अनुसमर्थित किया गया था। तदनुसार, आवर्ती निधियों एवं गामा नाईफ रोगी खाते के संचित बकायों में से रुपये 20757000 और रुपये 15,00,00,000 की बकाया राशि संस्थान के मुख्य लेखा में ''प्राप्ति'' के रूप में अंतरित कर दी गई है।

ह./–	ह./–	ह./–
वित्त सलाहकार	**वरिष्ठ वित्त सलाहकार**	**निदेशक**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अनुसंधान अनुभाग
वर्ष 2012–13 का विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं हेतु प्राप्त अनुदान के व्यय को दर्शाने वाला विवरण

		अथ शेष							समायोजन		शेष	
क्र. सं.	वित्तपोषित एजेंसी	जमा	नामे	प्राप्तियां	कुल प्राप्ति	व्यय	अनुमानित	व्यय	जमा	नामे	जमा	नामे
1	संस्थान अनुसंधान अनुदान	26,030,810.00		13,114,290.00	39145100.00	35284835.00	0.00	35284835.00			3860265.00	
2	आई.सी.एम.आर.	97,112,056.00		270,017,252.00	367129308.00	254133320.00	9,461,958.00	263595278.00			103534030.00	
3	सी.एस.आई.आर.	19,537,620.00		21,349,180.00	40886800.00	34938529.00	166,590.00	35105119.00			5781681.00	
4	डी.एस.टी.	19,081,723.00		59,451,475.00	78533198.00	46603343.00	2,414,913.00	49018256.00			29514942.00	
5	यूनिसिफ	493,773.25		4,007,106.63	4500879.88	3960600.00	200,129.00	4160729.00			340150.88	
6	डी.बी.टी.	161,395,261.00		133,950,884.00	295346145.00	151629250.00	5,371,128.00	157000378.00			138345767.00	
7	विश्व स्वास्थ्य संगठन	14,066,678.00		5,871,972.00	19938650.00	6196988.00	127,765.00	6324753.00			13613897.00	
8	यू.जी.सी.	1,457,526.00		6,640,414.00	8097940.00	9617121.00	500.00	9617621.00				-1519681.00
9	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद			3,705,200.00	3705200.00	886072.00	185,260.00	1071332.00			2633868.00	
10	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	136,084.00		6,974,348.00	7110432.00	5940021.00	179,455.00	6119476.00			990956.00	
11	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय	528,016.00		2,282,210.00	2810226.00	1574613.00	90,904.00	1665517.00			1144709.00	

12	डाबर अनुसंधान संस्था	508,578.00		0.00	508578.00	0.00	0.00	0.00			508578.00	
13	इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग	56,370.00		0.00	56370.00	0.00	0.00	0.00			56370.00	
14	हिमालय औषध कं.	1,366,236.00		0.00	1366236.00	0.00	0.00	0.00			1366236.00	
15	अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी	252,097.00		1,269,397.00	1521494.00	1136888.00	90,794.00	1227682.00			293812.00	
16	कॉनवेटी साइब	2,328.00		0.00	2328.00	0.00	0.00	0.00			2328.00	
17	राजीव गांधी संस्था	0	-989.00	0.00	-989.00	0.00	0.00	0.00				-989.00
18	शिक्षा निदेशालय (एन एस एस)	22,799.00		0.00	22799.00	0.00	0.00	0.00			22799.00	
19	कल्याण मंत्रालय			0.00	0.00	-2100.00	0.00	-2100.00			2100.00	
20	टोरंट फार्मा	1,265,329.00		1,100,000.00	2365329.00	139977.00	110,000.00	249977.00			2115352.00	
21	इंडो – यूएसए	749,033.00		0.00	749033.00	0.00	0.00	0.00			749033.00	
22	फोर्ड फाउंडेशन	458,594.00		0.00	458594.00	0.00	0.00	0.00			458594.00	
23	फुलफोर्ड इंडिया लि.	371,795.00		463,500.00	835295.00	530526.00	13,905.00	544431.00			290864.00	
24	राष्ट्रीय थैलेसेमिया कल्याण सोसायटी	919.00		90,000.00	90919.00	80000.00	2,700.00	82700.00			8219.00	
25	इन्कलेन		-118,368.00	0.00	-118368.00	0.00	0.00	0.00				-118368.00
26	यू. के. कैंसर अनुसंधान संस्थान समन्वय समिति		-7,209.00	0.00	-7209.00	0.00	0.00	0.00				-7209.00

27	केन्द्रीय योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद	0.00	-62,660.00	787,549.00	724889.00	762459.00	23,626.00	786085.00				-61196.00
28	रेनबेक्सी / इलीलिल्ली एवं प्रा. कंपनी लि.	1,962,229.00		46,800.00	2009029.00	61452.00	4,680.00	66132.00			1942897.00	
29	राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, यू. एस.ए.	4,933,333.00		5,802,941.00	10736274.00	4784907.00	275,871.00	5060778.00			5675496.00	
30	एन.आई.ई.	43,367,441.00		25,969,953.71	69337394.71	14175898.00	0.00	14175898.00			55161496.71	
31	साराभाई कैमिकल्स		-4868	0.00	-4868.00	0.00	0.00	0.00				-4868.00
32	आई.एन.एस.ए.	25,331.00		0.00	25331.00	0.00	0.00	0.00			25331.00	
33	एस.आर.बी. – नैदानिक भेषजगुण विज्ञान		-3,154,100.00	0.00	-3154100.00	0.00	0.00	0.00				-3154100.00
34	आई.सी.सी.एस.आर.			99,332.00	99332.00	174193.00	0.00	174193.00				-74861.00
35	पेनेसिया बायोटेक लि.	8,084.00		0.00	8084.00	0.00	0.00	0.00			8084.00	
36	औषध /एस.एन.एम.सी. हेतु आवर्ती निधि	195,710.00		0.00	195710.00	0.00	0.00	0.00			195710.00	
37	परमाणु ऊर्जा नियंत्रण बोर्ड	409,629.00		0.00	409629.00	0.00	0.00	0.00			409629.00	
38	फाइजर लि.	1,749,150.35		744,971.00	2494121.35	518509.00	22,350.00	540859.00			1953262.35	
39	नाटको फार्मा इंडिया	24,579.00		0.00	24579.00	0.00	0.00	0.00			24579.00	
40	मैरीलेंड विश्वविद्यालय	90,282.00		0.00	90282.00	0.00	0.00	0.00			90282.00	

41	ग्लैक्सो इंडिया लि.	217,377.00		0.00	217377.00	0.00	0.00	0.00			217377.00	
42	रक्षा मंत्रालय (डीआरडीओ)	306,385.00		874,400.00	1180785.00	1088703.00	26,232.00	1114935.00			65850.00	
43	एम.बी.आई. किट्स	8,867.00		0.00	8867.00	0.00	0.00	0.00			8867.00	
44	नोवा नोर्डिक्स इंडिया प्रा. लि.	303,321.00		166,446.00	469767.00	130000.00	16,645.00	146645.00			323122.00	
45	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	118,315.00		153,196.00	271511.00	614510.00	4,596.00	619106.00				-347595.00
46	सिस्टिक फिबरोसिस / वर्ल्ड वाइड, यू.एस.ए.	14,605.00		0.00	14605.00	0.00	0.00	0.00			14605.00	
47	कोनार्ड यू.एस.ए.	591.00		0.00	591.00	0.00	0.00	0.00			591.00	
48	कैंसर फाउंडेशन	44,245.00		0.00	44245.00	0.00	0.00	0.00			44245.00	
49	नोवर्टिस इंडिया लि.	2,656,327.47		1,383,515.84	4039843.31	2121362.00	68,060.00	2189422.00			1850421.31	
50	महर्षि आयुर्वेद	114325		0.00	114325.00	73486.00	0.00	73486.00			40839.00	
51	यू.एन. अन्तरराष्ट्रीय औषध एवं अपराध नियंत्रक	2,024,739.00		883,340.00	2908079.00	2766311.00	44,167.00	2810478.00			97601.00	
52	रसन फार्मा लि. मुंबई	5,425.00		0.00	5425.00	0.00	0.00	0.00			5425.00	
53	केन्द्रीय आयुर्वेद एवं सिद्ध अनुसंधान परिषद	777,466.00		0.00	777466.00	558612.00	0.00	558612.00			218854.00	
54	सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय	77,882.00		0.00	77882.00	0.00	0.00	0.00			77882.00	

55	कुइनटाइल्स स्पेक्ट्रल इंडिया	3,109,901.96		795,156.60	3905058.56	950626.00	23,854.00	974480.00			2930578.56	
56	संचार एवं सूचना तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय		-52,557.00	0.00	-52557.00	14276.00	0.00	14276.00				-66833.00
57	बरगेन विश्वविद्यालय, नार्वे	1,799,945.00		3,062,058.00	4862003.00	4072485.00	91,850.00	4164335.00			697668.00	
58	जाइडस हेल्थ केयर लि.	0	-398.00	0.00	-398.00	0.00	0.00	0.00				-398.00
59	ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यू. के.	1,799,389.78		899,300.00	2698689.78	1714250.00	26,979.00	1741229.00			957460.78	
60	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान संघ		-276.00	0.00	-276.00	0.00	0.00	0.00				-276.00
61	एमिल फार्मास्यूटिकल इंडिया लि.		-331.00	0.00	-331.00	0.00	0.00	0.00				-331.00
62	फार्मेसिया इंडिया प्रा. लि.	837.00		0.00	837.00	0.00	0.00	0.00			837.00	
63	आई.एन.सी.टी.आर., यू.एस.ए		-35,818.00	299,915.00	264097.00	372164.00	0.00	372164.00				-108067.00
64	एम्क्योर फार्मास्यूटिकल लि.		-6380.00	0.00	-6380.00	0.00	0.00	0.00				-6380.00
65	दिल्ली राज्य नियंत्रण सोसायटी / एड्स	117,199.00		292,155.00	409354.00	260497.00	0.00	260497.00			148857.00	
66	भारत बायोटेक इंटरनेशनल लि.	12,241.00		0.00	12241.00	0.00	0.00	0.00			12241.00	
67	एल. जी. कैमिकल्स इंडिया प्रा. लि.		-668.00	0.00	-668.00	0.00	0.00	0.00				-668.00

68	वॉकहार्ड, मुम्बई	749,459.00		495,000.00	1244459.00	18060.00	49,500.00	67560.00			1176899.00	
69	एन.एस.डी. (जमानत जमा)	4,104,350.00		1,886,000.00	5990350.00	885995.00	0.00	885995.00			5104355.00	
70	सनोफी पाश्चुर इंडिया प्रा. लि.	123,346.00		0.00	123346.00	0.00	0.00	0.00			123346.00	
71	हेल्पेज इंडिया		-426,500.00	500,000.00	73500.00	378478.00	0.00	378478.00				-304978.00
72	जॉनसन एंड जॉनसन	46,176.55		32,068.76	78245.31	31977.00	962.00	32939.00			45306.31	
73	बीजिंग तोशीबी फार्मेस्यूटिकल्स कं. लि.	180,235.00		0.00	180235.00	0.00	0.00	0.00			180235.00	
74	सी. पी. डब्ल्यू. डब्ल्यू. जेरूसलम	6,534.00		0.00	6534.00	0.00	0.00	0.00			6534.00	
75	एवेंटिस फार्मेस्यूटिकल्स, यू. एस.ए.	14,135.00		0.00	14135.00	0.00	0.00	0.00			14135.00	
76	डॉ. रेड्डीस लैब प्रा. लि.	104,925.00		444,061.00	548986.00	373142.00	31,157.00	404299.00			144687.00	
77	हिंदुस्तान लेटैक्स परिवार नियोजन प्रमोशन		-7,020.00	0.00	-7020.00	0.00	0.00	0.00				-7020.00
78	सिरोक्लिन फार्मा. प्रा. लि.	1,520,625.00		414,689.00	1935314.00	1429072.00	12,441.00	1441513.00			493801.00	
79	चरक फार्मा (पी.) लि.	81,999.00		0.00	81999.00	80855.00	0.00	80855.00			1144.00	
80	इन्कलेन एवं यू.एस.ए.आई. डी.	24.00		0.00	24.00	0.00	0.00	0.00			24.00	
81	सेविंग न्यूबोर्न लाइव्ज, यू.		-10,898.00	0.00	-10898.00	0.00	0.00	0.00				-10898.00

	एस.ए.											
82	दानिदा अनुसंधान परिषद	19.00		0.00	19.00	0.00	0.00	0.00			19.00	
83	दि माइक्रो न्यूट्रिएंट इनिशिएटिव, एशिया		-4,702.00	0.00	-4702.00	0.00	0.00	0.00				-4702.00
84	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एन.ए.सी.ओ.)	136,446.00		4,825,500.00	4961946.00	2545821.00	152,879.00	2698700.00			2263246.00	
85	एलबामा विश्वविद्यालय, यू. एस.ए.	67,747,603.00		9,971,816.00	77719419.00	66402278.00	1,264,618.00	67666896.00			10052523.00	
86	भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद	4,920.00		0.00	4920.00	0.00	0.00	0.00			4920.00	
87	स्टर्लिंग सिनर्जी सिस्टम (पी.) लि.	58,580.00		0.00	58580.00	0.00	0.00	0.00			58580.00	
88	रिलाएंस नैदानिक अनुसंधान सेवाएं (पी.) लि.	2,288,301.64		135,888.86	2424190.50	481562.00	3,987.00	485549.00			1938641.50	
89	के. एल. पी. एफ., यू.एस.ए.	16,473.00		0.00	16473.00	0.00	0.00	0.00			16473.00	
90	वुलीमिनी रामालिंगास्वामी फाउंडेशन		-6,508.00	0.00	-6508.00	0.00	0.00	0.00				-6508.00
91	टेक्सस ए एंड एम अनुसंधान फाउंडेशन (टीएएमआरएफ) यू.एस.ए.	16,237.00		0.00	16237.00	0.00	0.00	0.00			16237.00	
92	बायोमेरियोक्स इंडिया (पी.)	12,011.00		0.00	12011.00	0.00	0.00	0.00			12011.00	

	लि.											
93	मीडिया लैब एशिया		-11,301.00	0.00	-11301.00	0.00	0.00	0.00				-11301.00
94	वारविक विश्वविद्यालय, यू. के.		-1061	0.00	-1061.00	0.00	0.00	0.00				-1061.00
95	राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन	56.00		0.00	56.00	0.00	0.00	0.00			56.00	
96	भारत सीरम एंड वैक्सिन लि.		-10,000.00	0.00	-10000.00	0.00	0.00	0.00				-10000.00
97	सी. डी. फार्मा इंडिया प्राइवेट लि.	764,141.00		1,368,000.00	2132141.00	1584929.00	121,050.00	1705979.00			426162.00	
98	कोडमेन एंड शूर्टलिफ, इंक, यू.एस.ए.	42,138.00		0.00	42138.00	0.00	0.00	0.00			42138.00	
99	खंडेलवाल लेबोरेट्रीज लि.	805.00		0.00	805.00	0.00	0.00	0.00			805.00	
100	स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशालय		-57,267.00	0.00	-57267.00	0.00	0.00	0.00				-57267.00
101	लजोला फार्मास्यूटिकल कं., केलिफोर्निया	395,337.00		0.00	395337.00	394850.00	0.00	394850.00			487.00	
102	इन्स्टिट्यूट डि रिचर्चेज इन्टरनेशनल सर्वर (आईआरआईएस), फ्रांस		-2034	0.00	-2034.00	0.00	0.00	0.00				-2034.00
103	बॉन एवं ज्वाइंट डिकेड	130.00		0.00	130.00	0.00	0.00	0.00			130.00	

	इंडिया											
104	इलि लिलि			514,800.00	514800.00	672413.00	42,120.00	714533.00				-199733.00
105	एंटीसेंस फार्मा जी एम बी एच, जर्मनी	76,810.00		150,138.00	226948.00	223674.00	15,014.00	238688.00				-11740.00
106	आई.एस.एच.टी.एम.	13,108.00		2,300,000.00	2313108.00	1463145.00	69,000.00	1532145.00			780963.00	
107	राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एन. आई.एन.) हैदराबाद	109.00		0.00	109.00	0.00	0.00	0.00			109.00	
108	वीथ फार्मास्यूटिकल्स इंक	2,497,265.00		0.00	2497265.00	912258.00	0.00	912258.00			1585007.00	
109	पेरेग्राइन फार्मास्यूटिकल्स,, यू.एस.ए.	453,338.00		462,600.00	915938.00	452895.00	13,878.00	466773.00			449165.00	
110	बी. ए. आर. सी.		-1,078.00	493,325.00	492247.00	0.00	14,800.00	14800.00			477447.00	
111	ओजोन फार्मास्यूटिकल्स लि.	125,150.00		0.00	125150.00	124911.00	0.00	124911.00			239.00	
112	ओवेशन फार्मास्यूटिकल्स, यू. एस.ए.	39,827.00		0.00	39827.00	2605.00	0.00	2605.00			37222.00	
113	दिल्ली तपेदिक उन्मूलन समिति	10,824.00		0.00	10824.00	0.00	0.00	0.00			10824.00	
114	जॉन हॉपकिन्स ब्लूम्बर्ग जन स्वास्थ्य विद्यालय (जेएचबीएसपीएच)	540,004.00		4,612,155.00	5152159.00	3594625.00	138,365.00	3732990.00			1419169.00	

115	क्लिनीजीन इन्टरनेशनल प्रा. लि.	725,709.00		573,497.00	1299206.00	126000.00	28,675.00	154675.00			1144531.00	
116	डी.आर.डी.ओ.	1,579,832.00		1,817,095.00	3396927.00	1894803.00	88,110.00	1982913.00			1414014.00	
117	फ्रीडम ट्रायल	86,253.00		0.00	86253.00	0.00	0.00	0.00			86253.00	
118	डायजीन कार्पोरेशन, यू.एस.ए.	42,184.00		0.00	42184.00	0.00	0.00	0.00			42184.00	
119	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (ए वाई यू एस एच)	1,127,255.00		3,346,067.00	4473322.00	4034342.00	167,304.00	4201646.00			271676.00	
120	कोब, जापान	10,221.00		0.00	10221.00	0.00	0.00	0.00			10221.00	
121	अयूष, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	17,684.00		0.00	17684.00	27169.00	0.00	27169.00				-9485.00
122	ट्रोइका फार्मास्यूटिकल लि.	32,914.00		20,000.00	52914.00	24521.00	2,000.00	26521.00			26393.00	
123	इन्टरनेशनल पेडिएट्रिक्स नेफ्रोलॉजी एसोएिशन	462,959.00		0.00	462959.00	0.00	0.00	0.00			462959.00	
124	नेशनल पेरीनेटल एपिडेमियोलॉजी यूनिट, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यू.के.	1,995,040.50		4,132,549.49	6127589.99	2999284.00	123,977.00	3123261.00			3004328.99	
125	एबॉट वास्कूलर, यू.एस.ए.	482,902.00		0.00	482902.00	0.00	0.00	0.00			482902.00	
126	यूरोपियन कमीशन	2,178,247.00		2,786,612.00	4964859.00	2439763.00	83,598.00	2523361.00			2441498.00	
127	सिनेर्जी नेटवर्क इंडिया प्रा.	551.00		0.00	551.00	0.00	0.00	0.00			551.00	

	लि.											
128	सोल्वे फार्मा. लि.	13,465.00		0.00	13465.00	0.00	0.00	0.00			13465.00	
129	रेलिसिस मेडिकल डिवाइसिज लि.		-3,433.00	0.00	-3433.00	0.00	0.00	0.00				-3433.00
130	पी. पी. डी. फार्मास्यूटिकल डिवेलपमेंट इंडिया प्रा. लि.		-22668	0.00	-22668.00	0.00	0.00	0.00				-22668.00
131	ऑक्सीलियम टेक्नीकल एवं मैनेजमेंट सर्विसिज प्रा. लि.	400.00		0.00	400.00	0.00	0.00	0.00			400.00	
132	मै. एसप्रिवा फार्मास्यूटिकल कार्पोरेशन, कनाडा		-41,266.00	0.00	-41266.00	0.00	0.00	0.00				-41266.00
133	क्लिनिरक्स रिसर्च प्रा. लि. गुडगांव, हरियाणा	511,763.00		47,279.00	559042.00	518817.00	1,418.00	520235.00			38807.00	
134	सेनोफी – एबंटिस	39,555.00		63,765.00	103320.00	61200.00	6,377.00	67577.00			35743.00	
135	केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद	1,713,239.00		1,609,372.00	3322611.00	1171082.00	80,469.00	1251551.00			2071060.00	
136	क्लिन साइट, यू.एस.ए.	665.00		0.00	665.00	0.00	0.00	0.00			665.00	
137	मै. मार्केन्सस अनुसंधान प्रभाग		-4,745.00	0.00	-4745.00	0.00	0.00	0.00				-4745.00
138	थ्रैसहोल्ड फार्मास्यूटिकल्स, यू.एस.ए.		-3,136.00	0.00	-3136.00	0.00	0.00	0.00				-3136.00
139	लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन	146,225.00		0.00	146225.00	0.00	0.00	0.00			146225.00	

	एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, यू. के.											
140	ग्लैक्सो स्मिथ क्लिन एशिया प्रा. लि.	2,639,449.00		0.00	2639449.00	938334.00	0.00	938334.00			1701115.00	
141	एजिनोमोटा कं. जापान	31,082.00		545,576.00	576658.00	422302.00	54,558.00	476860.00			99798.00	
142	दि इन्टरनेशनल सोसायटी फॉर पेडिएट्रिक	408.00		0.00	408.00	0.00	0.00	0.00			408.00	
143	एमएसडी (इंडिया) प्रा. लि.	293,027.00		0.00	293027.00	40219.00	0.00	40219.00			252808.00	
144	फोगर्टी इन्टरनेशनल सेंटर, एनआईएच, यू.एस.ए.			169,698.00	169698.00	127638.00	8,485.00	136123.00			33575.00	
145	सोलूमिक्स हर्बेस्यूटिकल्स लि.	13.00		0.00	13.00	0.00	0.00	0.00			13.00	
146	केडिला हेल्थ केयर लि.	53,240.00		70,000.00	123240.00	21094.00	7,000.00	28094.00			95146.00	
147	ए. ओ. स्पाइन इन्टरनेशनल, यू.एस.ए.	218,151.00		117,620.00	335771.00	270332.00	3,529.00	273861.00			61910.00	
148	शिरे ह्यूमन जिनेटिक थिरेपीज, इंक, यू.एस.ए.	2,387,016.30		1,163,286.00	3550302.30	1828697.00	34,820.00	1863517.00			1686785.30	
149	सेंटोकोर अनुसंधान एवं विकास, यू.एस.ए.	4,797.00		0.00	4797.00	0.00	0.00	0.00			4797.00	
150	नीमान मेडिकल इन्टरनेशनल एशिया लि.	237,385.00		0.00	237385.00	0.00	0.00	0.00			237385.00	

151	एपोथेकेरिज लि.	435.00		0.00	435.00	0.00	0.00	0.00			435.00	
152	पारेक्सल इंटरनेशनल लि., यू.के.	2,802,565.27		438,570.00	3241135.27	676986.00	0.00	676986.00			2564149.27	
153	ऑक्सीजन, यूएसए	215,126.84		0.00	215126.84	0.00	0.00	0.00			215126.84	
154	हिंदुस्तान लेटेक्स लि.	428,451.00		371,000.00	799451.00	312554.00	11,130.00	323684.00			475767.00	
155	सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	12,922.00		420,000.00	432922.00	301663.00	12,600.00	314263.00			118659.00	
156	ओवरसीज एसोसिएट्स	190.00		0.00	190.00	0.00	0.00	0.00			190.00	
157	ग्लेक्सो स्मिथ क्लिन	510,388.00		1,391,700.00	1902088.00	63867.00	139,170.00	203037.00			1699051.00	
158	चिकित्सा अनुसंधान परिषद, यू. के.	6,736.00		59,476.00	66212.00	60836.00	1,784.00	62620.00			3592.00	
159	बायोजेन इडेक लि., यू.के.	529,351.00		1,296,678.00	1826029.00	1050689.00	66,049.00	1116738.00			709291.00	
160	ग्लोबल कैंसर कंसर्न इंडिया	3,647.00		0.00	3647.00	0.00	0.00	0.00			3647.00	
161	एन.सी. प्रा. लि.	37,117.00		0.00	37117.00	0.00	0.00	0.00			37117.00	
162	एन.सी.टी.	33,584.00		0.00	33584.00	0.00	0.00	0.00			33584.00	
163	एन.ए.आई.पी.		-836.00	114,286.00	113450.00	169831.00	3,429.00	173260.00				-59810.00
164	केलगेरी विश्वविद्यालय, कनाडा	57,187.00		0.00	57187.00	0.00	0.00	0.00			57187.00	
165	कोर्वेंटिस, यूएसए	308,134.00		0.00	308134.00	222630.00	0.00	222630.00			85504.00	

166	ब्रिटिश काउंसिल, यू.के.	631,723.00		1,340,003.00	1971726.00	473152.00	67,000.00	540152.00			1431574.00	
167	दि सर्विस डि डर्मेटोलॉजी, फ्रांस		-8,445.00	0.00	-8445.00	0.00	0.00	0.00				-8445.00
168	मर्क सिरोनो इंटरनेशनल एस. ए. स्विजरलैंड	9,512.00		1,346,755.00	1356267.00	1530726.00	32,856.00	1563582.00				-207315.00
169	वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय	0.00		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00			0.00	
170	चिरकारी रोग नियंत्रण केंद्र	410.00		0.00	410.00	0.00	0.00	0.00			410.00	
171	लूपिन लि.	18,386.00		0.00	18386.00	0.00	0.00	0.00			18386.00	
172	कोलोप्लास्ट		-5,775.00	0.00	-5775.00	0.00	0.00	0.00				-5775.00
173	पीरामल लाइफ साइंसेज़	46,877.00		0.00	46877.00	10666.00	0.00	10666.00			36211.00	
174	क्राइटेरियम	469,046.00		75,470.00	544516.00	160541.00	2,264.00	162805.00			381711.00	
175	मै. आर्केमिडिज डेवलपमेंट लि., यू.के.	47,204.00		0.00	47204.00	0.00	0.00	0.00			47204.00	
176	नोटिंघम विश्वविद्यालय, यू. के.	7,136.00		0.00	7136.00	4818.00	0.00	4818.00			2318.00	
177	ब्रीस्टोल मेयर स्क्यूइब इंडिया प्रा. लि.	20,224.00		196,839.00	217063.00	74236.00	5,905.00	80141.00			136922.00	
178	ब्रेन्स गेट लि. इजराइल	132.00		0.00	132.00	0.00	0.00	0.00			132.00	
179	केंद्रीय होमियोपैथी अनुसंधान	69,744.00		449,595.00	519339.00	550396.00	44,960.00	595356.00				-76017.00

	परिषद (सीसीआरएच), जनकपुरी, नई दिल्ली											
180	जीव दया फाउंडेशन	347,530.50		1,200,317.00	1547847.50	1445679.00	66,671.00	1512350.00			35497.50	
181	क्यूएड फार्मेस्यूटिकल सर्विसेज़ प्रा. लि.	577,043.00		0.00	577043.00	0.00	0.00	0.00			577043.00	
182	एमजेन टेक्नोलॉजी प्रा. लि.	1,005,239.00		492,299.00	1497538.00	0.00	14,769.00	14769.00			1482769.00	
183	एसीईई फार्मेस्यूटिकल्स बी. वी. नीदरलैंड	425,729.00		372,924.00	798653.00	769325.00	11,142.00	780467.00			18186.00	
184	एक्टेलियन फार्मेस्यूटिकल्स लि. स्वीटजरलैंड	0.00		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00			0.00	
185	मैक्लियोड्स फार्मेस्यूटिकल लि.	18.00		0.00	18.00	0.00	0.00	0.00			18.00	
186	स्वास्थ्य विभाग एवं मानव विकार नियंत्रण सेवा केन्द्र, यूएसए	8,984,442.00		35,294,535.00	44278977.00	26143497.00	1,533,456.00	27676953.00			16602024.00	
187	फार्म ओलम इंटरनेशनल	16,923.00		0.00	16923.00	0.00	0.00	0.00			16923.00	
188	मर्क एंड कं., इंक. यू. एस. ए.	777,523.00		1,923,191.00	2700714.00	1891587.00	57,695.00	1949282.00			751432.00	
189	केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन	135,557.00		0.00	135557.00	0.00	0.00	0.00			135557.00	
190	एम सी मास्टर	668,726.00		0.00	668726.00	226832.00	0.00	226832.00			441894.00	

	विश्वविद्यालय, कनाड़ा											
191	जिनोमिक्स एंड इंटेगरेटिव जैव विज्ञान संस्थान	1,271,894.00		4,500,000.00	5771894.00	4077800.00	135,000.00	4212800.00			1559094.00	
192	इंडिया मेडट्रोनिक प्रा. लि.	52,783.00		35,990.00	88773.00	26414.00	1,080.00	27494.00			61279.00	
193	अमेरिकन गेस्ट्रोइनटेस्टिनल एंड इंडोस्कॉपी सर्जन सोसायटी	35,501.00		0.00	35501.00	28500.00	0.00	28500.00			7001.00	
194	सन फार्मेस्यूटिकल्स	3,384.00		0.00	3384.00	0.00	0.00	0.00			3384.00	
195	राष्ट्रीय ज्ञान आयोग	5,278,607.00		0.00	5278607.00	3905665.00	0.00	3905665.00			1372942.00	
196	जी. डब्ल्यू फार्मा. लि. यू. के.	9,261.00		20,000.00	29261.00	18395.00	2,000.00	20395.00			8866.00	
197	लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट	15500		0.00	15500.00	15500.00	0.00	15500.00			0.00	
198	लीवर फाउंडेशन	211,677.00		795,355.00	1007032.00	861809.00	23,860.00	885669.00			121363.00	
199	ई. एम. एम. ई. एस. कॉर्पोरेशन, मेरीलैंड, यू. एस. ए.	3,297.00		0.00	3297.00	0.00	0.00	0.00			3297.00	
200	फ्लेमेंत्रा ए.जी. स्वीजरलैंड	355,439.00		949,300.00	1304739.00	937603.00	47,465.00	985068.00			319671.00	
201	ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान	7,775.00		0.00	7775.00	0.00	0.00	0.00			7775.00	
202	मोर्फोटेक इंक, यू.एस.ए.	716,697.28		712,615.30	1429312.58	312000.00	21,378.00	333378.00			1095934.58	
203	एलबर्ट डेविड लि.	134,147.00		125,000.00	259147.00	255397.00	3,750.00	259147.00			0.00	

204	सानाट प्रोडक्ट लि.	5,758.00		0.00	5758.00	0.00	0.00	0.00			5758.00	
205	आई. सी. जी. ई. एंड बी.	13,494.00		0.00	13494.00	0.00	0.00	0.00			13494.00	
206	आई ए डी वी एल	22,329.00		0.00	22329.00	0.00	0.00	0.00			22329.00	
207	कैमिकल एंड पेट्रोकैमिकल्स मंत्रालय	219309		0.00	219309.00	219309.00	0.00	219309.00			0.00	
208	राष्ट्रीय फार्मास्यूटिकल शिक्षा और अनुसंधान संस्थान	651035		1,377,000.00	2028035.00	1877896.00	137,700.00	2015596.00			12439.00	
209	मैक्स नीमान इंटरनेशनल	19820		441,417.00	461237.00	216694.00	44,142.00	260836.00			200401.00	
210	जॉर्ज अन्तरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, ऑस्ट्रेलिया	115105.93		683,064.56	798170.49	207661.00	30,787.71	238448.71			559721.78	
211	अपोथेकेरीज प्रा. लि.	915024		0.00	915024.00	167429.00	0.00	167429.00			747595.00	
212	बी.आर.एन.एस., मुंबई	669,974.00		0.00	669974.00	1280413.00	0.00	1280413.00				-610439.00
213	चिरकारी रोग नियंत्रण केंद्र, नई दिल्ली	233756		786,500.00	1020256.00	448508.00	78,650.00	527158.00			493098.00	
214	बी.आर.आई.डी.जी.ई.एस., यूएसए	1498693		0.00	1498693.00	897417.00	0.00	897417.00			601276.00	
215	डी.आर.डी.ई. (ग्वालियर)		-64,866.00	1,000,000.00	935134.00	0.00	25,000.00	25000.00			910134.00	
216	सी.ए.एन.एन.ई.सी.टी.आई.एन., कनाडा	470,885.00		0.00	470885.00	338699.00	0.00	338699.00			132186.00	
217	एल.जी. लाइफ साइंसिज	152335		578,208.00	730543.00	397018.00	57,820.00	454838.00			275705.00	

	इंडिया प्रा. लि.											
218	मर्क फार्मास्यूटिकल्स लि.	4467		0.00	4467.00	0.00	0.00	0.00			4467.00	
219	केनेडियन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, कनाडा	4967		955,999.00	960966.00	135500.00	47,800.00	183300.00			777666.00	
220	सैंट जुडे मेडिकल हाँग काँग	529,042.00		264,296.00	793338.00	188818.00	26,429.00	215247.00			578091.00	
221	अंतरराष्ट्रीय कैंसर विरोधी यूनियन (यूआईसीसी)	256711		0.00	256711.00	21140.00	0.00	21140.00			235571.00	
222	क्यूजेन इंक इंडिया	351902		24,430.00	376332.00	370180.00	2,443.00	372623.00			3709.00	
223	आईपीसीए लेबोरेट्रीज	334298		1,301,244.00	1635542.00	510026.00	130,125.00	640151.00			995391.00	
224	फंडाजीओन एंजिलो बिआंची बोनोमी मिलन – इटली	199,682.00		307,737.00	507419.00	244350.00	30,774.00	275124.00			232295.00	
225	जिनोटेक	60682		328,432.00	389114.00	0.00	32,843.00	32843.00			356271.00	
226	फार्माकोसमोस ए/एस, डेनमार्क	0.00		0.00	0.00	9000.00	0.00	9000.00				-9000.00
227	राष्ट्रीय सूचना केंद्र	1,017,276.00		522,000.00	1539276.00	1189145.00	26,100.00	1215245.00			324031.00	
228	आरओसीएचई प्रोडक्ट्स (इंडिया) प्रा. लि.	217,060.00		887,215.00	1104275.00	302674.00	88,722.00	391396.00			712879.00	
229	हेमिल्टन स्वास्थ्य विज्ञान कॉर्पोरेशन, कनाडा	211,885.00		1,427,373.00	1639258.00	614633.00	142,737.00	757370.00			881888.00	

230	स्मिथ एंड नेफ्यू हेल्थ केयर प्रा. लि.	92,335.00		217,831.00	310166.00	63500.00	21,783.00	85283.00			224883.00	
231	ब्रिस्टल मेयर स्क्यूइब (बीएमएस), यू.एस.ए.			669,240.00	669240.00	606697.00	33,462.00	640159.00			29081.00	
232	सैंट जूड़े मेडिकल इंडिया प्रा. लि.			45,000.00	45000.00	0.00	4,500.00	4500.00			40500.00	
233	एब्बोट हेल्थ केयर प्रा. लि.	173,346.00		921,961.00	1095307.00	557891.00	65,786.00	623677.00			471630.00	
234	इंडियन हर्ट रिदम सोसायटी			73,000.00	73000.00	0.00	2,190.00	2190.00			70810.00	
235	न्यू कास्टल विश्वविद्यालय, यू के	102,089.00		300,156.00	402245.00	288503.00	15,008.00	303511.00			98734.00	
236	क्लिनिकल मार्केटिंग प्रा. लि.	275,000.00		1,400,000.00	1675000.00	1004424.00	140,000.00	1144424.00			530576.00	
237	टोरंट फार्मास्यूटिकल लि.	153,956.00		0.00	153956.00	114262.00	0.00	114262.00			39694.00	
238	भू–विज्ञान मंत्रालय	78,010.00		223,196.00	301206.00	156021.00	11,160.00	167181.00			134025.00	
239	बिगटैक प्राइवेट लि.	0.00		499,600.00	499600.00	164387.00	49,960.00	214347.00			285253.00	
240	पीरामल हैल्थकेयर लि.	0.00		525,900.00	525900.00	275756.00	52,590.00	328346.00			197554.00	
241	बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, यू.एस.ए.	59,090.00		239,506.00	298596.00	266534.00	23,951.00	290485.00			8111.00	
242	आई.सी.एस.एस.आर.	0.00		75,000.00	75000.00	153911.00	500.00	154411.00				-79411.00
243	राष्ट्रीय शिशु सुरक्षा अधिकार आयोग	0.00		827,110.00	827110.00	467251.00	41,356.00	508607.00			318503.00	
244	यू.एस. विज्ञान एवं	0.00		546,040.00	546040.00	99415.00	27,302.00	126717.00			419323.00	

	प्रौद्योगिकी मंच, यू.एस.ए.											
245	सैंटर फ्रांको – इंडियन पौर ला प्रीओमोशन डी ला रिचर्चे एडवांस (सी ई एफ आई पी आर ए) फ्रांस	0.00		1,772,300.00	1772300.00	363112.00	88,615.00	451727.00			1320573.00	
246	इंडो – यूएस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंच	0.00		1,552,860.00	1552860.00	1393.00	155,286.00	156679.00			1396181.00	
247	एन पी एच सी एफ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	0.00		4,000,000.00	4000000.00	0.00	0.00	0.00			4000000.00	
248	फार्मेस्यूटिकल विभाग	0.00		6,330,425.00	6330425.00	0.00	189,913.00	189913.00			6140512.00	
249	पैथ / वन वर्ल्ड हैल्थ	0.00		1,794,000.00	1794000.00	0.00	89,700.00	89700.00			1704300.00	
		546,782,087.62	**-4,138,161.00**	**704,436,654.75**	**1,247,080,581.37**	**747,662,986.00**	**25,885,549.71**	**773,548,535.71**	**0**	**0**	**480,772,052.66**	**-7,240,007.00**

ह./–
(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अनुसंधान अनुभाग

परिशिष्ट – क 1

क्रम. सं.	कोड सं.	परियोजना अन्वेषक का नाम	माह	राशि
1	एन1399	डॉ. ए. बी. डे	फरवरी 2013	1,081,741
2	आई684	डॉ. ए. के. डिंडा	सितंबर 2012	5,982
3	एन1364	डॉ. ए. के. डिंडा	अक्टूबर 2012	1,431,549
4	एन1364	डॉ. ए. के. डिंडा	मार्च 2013	154,980
5	डी221	डॉ. ए. के. महापात्रा	जून 2012	199,706
6	डी221	डॉ. ए. के. महापात्रा	जुलाई 2012	399,332
7	एन1188	डॉ. ए. मल्होत्रा	अगस्त 2012	158,987
8	एन1360	डॉ. ए. श्रीनिवासन	अक्टूबर 2012	59,240
9	आई013	डॉ. अल्का कृपलानी	जून 2012	18,000
10	आई724	डॉ. अल्का कृपलानी	जून 2012	22,553
11	एन935	डॉ. बलराम भार्गव	अप्रैल 2012	148,480
12	एन935	डॉ. बलराम भार्गव	मई 2012	297,404
13	एन981	डॉ. बलराम भार्गव	अगस्त 2012	33,500
14	एन981	डॉ. बलराम भार्गव	दिसंबर 2012	80,500
15	डी292	डॉ. डी. के. मित्रा	फरवरी 2013	496,156
16	एन1310	डॉ. डी. एन. राव	जून 2012	3,000
17	एन1310	डॉ. डी. एन. राव	अगस्त 2012	60,000
18	एन1278	डॉ. एस. बी. रे	मई 2012	-486,553
19	एन1278	डॉ. एस. बी. रे	जून 2012	518,963
20	एन1192	डॉ. एच. के. प्रसाद	मई 2012	41,420
21	एन1192	डॉ. एच. के. प्रसाद	जून 2012	157,215
22	एन1192	डॉ. एच. के. प्रसाद	जुलाई 2012	594,264
23	एन1192	डॉ. एच. के. प्रसाद	सितंबर 2012	29,382
24	एन1192	डॉ. एच. के. प्रसाद	अक्टूबर 2012	4,080
25	एन1192	डॉ. एच. के. प्रसाद	दिसंबर 2012	336,843
26	एन1192	डॉ. एच. के. प्रसाद	जनवरी 2013	17,618
27	एन1323	डॉ. एच. के. प्रसाद	अप्रैल 2012	205,820
28	एन1323	डॉ. एच. के. प्रसाद	जुलाई 2012	213,508
29	एन1323	डॉ. एच. के. प्रसाद	जनवरी 2013	12,489
30	एन1306	डॉ. जे. एस. त्यागी	सितंबर 2012	190,168
31	एन1325	डॉ. जे. एस. त्यागी	अप्रैल 2012	12,720
32	एन1325	डॉ. जे. एस. त्यागी	जुलाई 2012	21,943
33	एन1325	डॉ. जे. एस. त्यागी	अगस्त 2012	1,562
34	एन1325	डॉ. जे. एस. त्यागी	अक्टूबर 2012	618,625
35	एन1325	डॉ. जे. एस. त्यागी	नवंबर 2012	49,292
36	एन1325	डॉ. जे. एस. त्यागी	दिसंबर 2012	8,048
37	एन1339	डॉ. के. आनंद	अगस्त 2012	89,670
38	डी281	डॉ. कल्पना लूथरा	जनवरी 2013	77,902
39	एन1347	डॉ. कल्पना लूथरा	सितंबर 2012	29,381
40	एन1347	डॉ. कल्पना लूथरा	अक्टूबर 2012	2,006
41	एन1347	डॉ. कल्पना लूथरा	फरवरी 2013	17,286

42	एन1347	डॉ. कल्पना लूथरा	मार्च 2013	612,241
43	एन1163	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	दिसंबर 2012	109,233
44	एन958	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	सितंबर 2012	57,889
45	एन966	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	मई 2012	64,943
46	एन968	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	अक्टूबर 2012	158,964
47	एन1082	डॉ. कुंजेंग चोसडोल	अक्टूबर 2012	6,000
48	एन1276	डॉ. कुंजेंग चोसडोल	मई 2012	21,572
49	एन1276	डॉ. कुंजेंग चोसडोल	अगस्त 2012	435,677
50	एन1276	डॉ. कुंजेंग चोसडोल	मार्च 2013	25,167
51	आई708	डॉ. एम. बाजपेयी	अगस्त 2012	1,880
52	आई765	डॉ. एम. बाजपेयी	जुलाई 2012	62,438
53	आई765	डॉ. एम. बाजपेयी	सितंबर 2012	173,250
54	आई765	डॉ. एम. बाजपेयी	फरवरी 2013	199,500
55	आई765	डॉ. एम. बाजपेयी	मार्च 2013	124,835
56	डी280	डॉ. एम. आर. राजेश्वरी	अगस्त 2012	-142,538
57	डी280	डॉ. एम. आर. राजेश्वरी	जनवरी 2013	266,192
58	डी269	डॉ. माधुरी बिहारी	सितंबर 2012	16,980
59	एन1239	डॉ. मनोज के. सिंह	अगस्त 2012	20,593
60	एन1239	डॉ. मनोज के. सिंह	सितंबर 2012	6,804
61	एन1239	डॉ. मनोज के. सिंह	अक्टूबर 2012	95,766
62	एन1239	डॉ. मनोज के. सिंह	फरवरी 2013	15,252
63	आई698	डॉ. निखिल टंडन	नवंबर 2012	-45,065
64	आई698	डॉ. निखिल टंडन	जनवरी 2013	11,940
65	आई617	डॉ. निभृति दास	नवंबर 2012	-658
66	डी251	डॉ. गोविन्द के मखारिया	जुलाई 2012	141,100
67	आई786	डॉ. ओ. पी. खरबंदा	मार्च 2013	24,096
68	आई702	डॉ. प्रमोद गर्ग	मई 2012	5,407
69	आई702	डॉ. प्रमोद गर्ग	जून 2012	470
70	आई702	डॉ. प्रमोद गर्ग	अक्टूबर 2012	400
71	आई747	डॉ. पूनीत कौर	मार्च 2013	939,040
72	आई777	डॉ. राज मेहरा	जुलाई 2012	43,882
73	आई777	डॉ. राज मेहरा	अगस्त 2012	3,126
74	आई777	डॉ. राज मेहरा	जनवरी 2013	554,450
75	एन1011	डॉ. राजेश मल्होत्रा	जून 2012	107,000
76	एन1199	डॉ. राजेश मल्होत्रा	जून 2012	72,500
77	एन1199	डॉ. राजेश मल्होत्रा	जुलाई 2012	84,921
78	एन1298	डॉ. राजेश मल्होत्रा	मई 2012	63,500
79	डी296	डॉ. राजेश सागर	अगस्त 2012	950
80	डी296	डॉ. राजेश सागर	सितंबर 2012	16,200
81	आई759	डॉ. राका जैन	मार्च 2013	128,107
82	एन1248	डॉ. राका जैन	सितंबर 2012	108,417
83	आई696	डॉ. रमा चौधरी	अक्टूबर 2012	-17,325
84	आई758	डॉ. रमा चौधरी	दिसंबर 2012	199,973
85	एन1326	डॉ. रमा चौधरी	अक्टूबर 2012	28,803
86	एन1326	डॉ. रमा चौधरी	मार्च 2013	779,101
87	एन1235	डॉ. रमा जया सुंदर	नवंबर 2012	1,450
88	डी270	डॉ. रत्ना शर्मा	जनवरी 2013	569,817

89	एन1363	डॉ. एस. के. काबरा	फरवरी 2013	17,286
90	एन1363	डॉ. एस. के. काबरा	मार्च 2013	581,419
91	डी216	डॉ. एस. के. पांडा	जुलाई 2012	79,622
92	डी216	डॉ. एस. के. पांडा	अगस्त 2012	192,000
93	डी288	डॉ. एस. के. पांडा	फरवरी 2013	582,016
94	एन1341	डॉ. एस. के. पांडा	अक्टूबर 2012	14,402
95	एन1341	डॉ. एस. के. पांडा	मार्च 2013	293,385
96	आई643	डॉ. एस. के. शर्मा	मई 2012	991,410
97	आई643	डॉ. एस. के. शर्मा	दिसंबर 2012	-7,823
98	आई643	डॉ. एस. के. शर्मा	जनवरी 2013	9,605
99	आई643	डॉ. एस. के. शर्मा	फरवरी 2013	9,148
100	आई725	डॉ. एस. के. शर्मा	अक्टूबर 2012	39,948
101	एन1357	डॉ. एस. के. शर्मा	मई 2012	2,455,819
102	एन1357	डॉ. एस. के. शर्मा	सितंबर 2012	650
103	एन1357	डॉ. एस. के. शर्मा	अक्टूबर 2012	7,500
104	एन1357	डॉ. एस. के. शर्मा	जनवरी 2013	4,518
105	एन1357	डॉ. एस. के. शर्मा	फरवरी 2013	44,000
106	डी303	डॉ. एस. एस. चौहान	नवंबर 2012	335,631
107	आई736	डॉ. सरमन सिंह	सितंबर 2012	25,809
108	आई736	डॉ. सरमन सिंह	अक्टूबर 2012	452,699
109	एन1358	डॉ. सत्या एन. दास	अक्टूबर 2012	468
110	एन1358	डॉ. सत्या एन. दास	फरवरी 2013	827,759
111	एन1330	डॉ. सविता यादव	जुलाई 2012	99,990
112	एन1330	डॉ. सविता यादव	अक्टूबर 2012	43,200
113	एन1330	डॉ. सविता यादव	फरवरी 2013	17,287
114	एन1372	डॉ. सविता यादव	अक्टूबर 2012	189,945
115	एन1372	डॉ. सविता यादव	फरवरी 2013	34,573
116	एन1372	डॉ. सविता यादव	मार्च 2013	1,683,871
117	डी022ए	डॉ. शशि वधवा	जून 2012	178,000
118	डी022ए	डॉ. शशि वधवा	सितंबर 2012	123,618
119	डी022ए	डॉ. शशि वधवा	नवंबर 2012	-663,250
120	एन1099	डॉ. शोभा बरूर	मई 2012	1,724
121	एन1099	डॉ. शोभा बरूर	जुलाई 2012	43,984
122	एन1099	डॉ. शोभा बरूर	सितंबर 2012	2,362
123	एन1207	डॉ. शोभा बरूर	जून 2012	218,350
124	एन1270	डॉ. स्नेह आनन्द	मई 2012	143,390
125	एन1272	डॉ. सुजाता शर्मा	नवंबर 2012	767,538
126	एन1272	डॉ. सुजाता शर्मा	मार्च 2013	379,846
127	आई780	डॉ. उमेश कपिल	अक्टूबर 2012	22,650
128	आई780	डॉ. उमेश कपिल	दिसंबर 2012	106,300
129	आई780	डॉ. उमेश कपिल	फरवरी 2013	34,850
130	आई782	डॉ. उमेश कपिल	अक्टूबर 2012	4,150
131	एन1311	डॉ. उमेश कपिल	सितंबर 2012	29,383
132	एन1311	डॉ. उमेश कपिल	अक्टूबर 2012	446,775
133	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	अप्रैल 2012	15,500
134	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	मई 2012	361,153
135	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	जून 2012	528,549

136	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	जुलाई 2012	11,570
137	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	अगस्त 2012	1,745
138	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	सितंबर 2012	30,978
139	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	अक्टूबर 2012	163,363
140	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	नवंबर 2012	33,030
141	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	दिसंबर 2012	56,990
142	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	जनवरी 2013	308,071
143	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	फरवरी 2013	42,735
144	आई657	डॉ. वी. के. पॉल	मार्च 2013	40,340
145	आई661	डॉ. वाई. के. गुप्ता	मार्च 2013	220,812
146	एन1193	डॉ. वाई. के. गुप्ता	मई 2012	107,933
147	एन1334	डॉ. वाई. के. गुप्ता	मार्च 2013	230,475
148	एन999	डॉ. वाई. के. गुप्ता	जुलाई 2012	19,000
149	आई639	डॉ. ललित दर	जुलाई 2012	43,884
150	आई639	डॉ. ललित दर	सितंबर 2012	2,362
151	आई639	डॉ. ललित दर	जनवरी 2013	12,501
152	एन1348	डॉ. अरविंद बग्गा	जनवरी 2013	4,433
153	एन000	श्री ए. के. शर्मा	अप्रैल 2012	20,947
154	आई744	डॉ. सीमा कश्यप	मई 2012	249,951
155	आई744	डॉ. सीमा कश्यप	जून 2012	31,893
156	आई744	डॉ. सीमा कश्यप	सितंबर 2012	10,631
157	एन1291	डॉ. वी. के. शर्मा	मई 2012	154,463
158	एन1291	डॉ. वी. के. शर्मा	जून 2012	647,362
159	एन1291	डॉ. वी. के. शर्मा	सितंबर 2012	8,549
160	एन1291	डॉ. वी. के. शर्मा	जनवरी 2013	190,043
161	आई734	डॉ. शरमिष्ठा डे	मई 2012	299,985
162	डी255	डॉ. सुमन जैन	सितंबर 2012	5,324
163	एन1211	डॉ. संजीव सिन्हा	अगस्त 2012	374,690
164	एन1211	डॉ. संजीव सिन्हा	सितंबर 2012	188,475
165	आई672	डॉ. सीमा सैन	मई 2012	494,752
166	आई689	डॉ. सीमा सैन	सितंबर 2012	29,383
167	आई689	डॉ. सीमा सैन	अक्टूबर 2012	2,005
168	आई689	डॉ. सीमा सैन	जनवरी 2013	474,498
169	आई787	डॉ. सुरेन्द्र सिंह	अक्टूबर 2012	334,125
170	आई787	डॉ. सुरेन्द्र सिंह	नवंबर 2012	199,406
171	एन1021	डॉ. बलराम ऐरन	अप्रैल 2012	1,876,509
172	एन1021	डॉ. बलराम ऐरन	मई 2012	178,949
173	एन1021	डॉ. बलराम ऐरन	अगस्त 2012	3,299,066
174	एन1021	डॉ. बलराम ऐरन	अक्टूबर 2012	765,992
175	एन1021	डॉ. बलराम ऐरन	दिसंबर 2012	56,994
176	एन1021	डॉ. बलराम ऐरन	फरवरी 2013	870,595
177	एन1021	डॉ. बलराम ऐरन	मार्च 2013	156,915
178	आई775	डॉ. जे. सी. भारद्वाज	जुलाई 2012	43,884
179	आई775	डॉ. जे. सी. भारद्वाज	अगस्त 2012	3,124
180	आई775	डॉ. जे. सी. भारद्वाज	जनवरी 2013	231,000
181	आई775	डॉ. जे. सी. भारद्वाज	फरवरी 2013	672,000
182	आई709	डॉ. एस. विवेकानंदन	जुलाई 2012	1,185

183	आई709	डॉ. एस. विवेकानंदन	अगस्त 2012	11,970
184	आई709	डॉ. एस. विवेकानंदन	नवंबर 2012	11,970
185	आई709	डॉ. एस. विवेकानंदन	जनवरी 2013	800
186	एन1321	डॉ. रितु गुप्ता	जुलाई 2012	21,941
187	एन1321	डॉ. रितु गुप्ता	अगस्त 2012	1,563
188	एन1321	डॉ. रितु गुप्ता	अक्टूबर 2012	14,402
189	आई647	डॉ. सुजाता मोहन्ती	मई 2012	6,408
190	आई647	डॉ. सुजाता मोहन्ती	जून 2012	8,655
191	आई647	डॉ. सुजाता मोहन्ती	सितंबर 2012	-515
192	आई647	डॉ. सुजाता मोहन्ती	दिसंबर 2012	16,141
193	आई738	डॉ. सुजाता मोहन्ती	मई 2012	29,813
194	आई738	डॉ. सुजाता मोहन्ती	जुलाई 2012	49,947
195	आई738	डॉ. सुजाता मोहन्ती	अगस्त 2012	199,500
196	आई778	डॉ. सुजाता मोहन्ती	अक्टूबर 2012	14,401
197	एन1264	डॉ. रविन्द्र गोस्वामी	सितंबर 2012	6,538
198	डी287	डॉ. दीपक अग्रवाल	सितंबर 2012	792,071
199	डी287	डॉ. दीपक अग्रवाल	अक्टूबर 2012	393,435
200	डी287	डॉ. दीपक अग्रवाल	मार्च 2013	130,309
201	आई720	डॉ. तनूज दादा	जुलाई 2012	5,382
202	आई720	डॉ. तनूज दादा	अगस्त 2012	2,710
203	आई720	डॉ. तनूज दादा	नवंबर 2012	1,711,348
204	एन1349	डॉ. दीपक कुमार गुप्ता	अक्टूबर 2012	67,400
205	एन867	डॉ. दीपक कुमार गुप्ता	सितंबर 2012	10,125
206	एन1356	डॉ. वंदना जैन	नवंबर 2012	46,562
207	एन1356	डॉ. वंदना जैन	मार्च 2013	1,486
208	एन1204	डॉ. राजेश खडगावत	जुलाई 2012	107,859
209	एन986	डॉ. राजेश खडगावत	जुलाई 2012	75,410
210	आई779	डॉ. आशिष सूरी	अक्टूबर 2012	1,476,561
211	आई779	डॉ. आशिष सूरी	फरवरी 2013	7,073,574
212	आई779	डॉ. आशिष सूरी	मार्च 2013	4,278,992
213	एन1274	डॉ. पी. शरत चंद्र	अप्रैल 2012	45,021
214	एन1274	डॉ. पी. शरत चंद्र	मई 2012	78,688
215	एन1274	डॉ. पी. शरत चंद्र	अगस्त 2012	9,372,140
216	एन1274	डॉ. पी. शरत चंद्र	दिसंबर 2012	19,425
217	एन1274	डॉ. पी. शरत चंद्र	मार्च 2013	839,606
218	डी284	डॉ. वीना जैन	सितंबर 2012	169,170
219	डी284	डॉ. वीना जैन	मार्च 2013	60,100
220	आई764	डॉ. अल्पना शर्मा	नवंबर 2012	28,669
221	आई764	डॉ. अल्पना शर्मा	मार्च 2013	15,706
222	एन1268	डॉ. अल्पना शर्मा	मई 2012	21,575
223	एन1268	डॉ. अल्पना शर्मा	सितंबर 2012	5,686
224	एन1268	डॉ. अल्पना शर्मा	जनवरी 2013	31,733
225	एन1268	डॉ. अल्पना शर्मा	फरवरी 2013	1,031,490
226	एन1216	डॉ. टी. के. दास	जनवरी 2013	352,078
227	आई688	डॉ. सोमेश गुप्ता	अगस्त 2012	64,687
228	आई807	डॉ. राकेश यादव	सितंबर 2012	150,000
229	आई807	डॉ. राकेश यादव	फरवरी 2013	17,286

230	एन1100	डॉ. संजय के. राय	मई 2012	19,848
231	आई789	डॉ. आलोक ठाकर	फरवरी 2013	99,000
232	आई789	डॉ. आलोक ठाकर	मार्च 2013	15,707
233	एन1265	डॉ. प्रथाप्रसस चट्टोपाध्याय	जनवरी 2013	4,735
234	एन1140	डॉ. राजीव कुमार	जून 2012	47,000
235	एन1183	डॉ. अजय लोगानी	जून 2012	183,750
236	एन1284	डॉ. सुमित सिन्हा	मई 2012	53,609
237	एन1315	डॉ. सुमित सिन्हा	सितंबर 2012	650
238	एन1315	डॉ. सुमित सिन्हा	नवंबर 2012	1,950
239	एन1361	डॉ. जागृति भाटिया	फरवरी 2013	1,746,657
240	डी293	डॉ. रितु गुप्ता	जुलाई 2012	21,941
241	डी293	डॉ. रितु गुप्ता	अगस्त 2012	1,563
242	डी293	डॉ. रितु गुप्ता	नवंबर 2012	28,669
243	डी293	डॉ. रितु गुप्ता	मार्च 2013	443,408
244	एन1350	डॉ. उमा शर्मा	सितंबर 2012	248,346
245	एन1350	डॉ. उमा शर्मा	अक्टूबर 2012	410,925
246	एन1350	डॉ. उमा शर्मा	मार्च 2013	199,478
247	आई785	डॉ. राकेश कुमार	सितंबर 2012	29,383
248	आई785	डॉ. राकेश कुमार	अक्टूबर 2012	2,005
249	एन1394	डॉ. सुदीप सैन	फरवरी 2013	99,892
250	एन1394	डॉ. सुदीप सैन	मार्च 2013	270,075
			कुल	**71,341,337**

ह./–
(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

विविध देनदारों की सूची (स्कीम सेल)

क्र.स.	वित्त पोषित एजेंसी	नामे
1	यू.जी.सी.	1519681
2	राजीव गांधी फाउंडेशन	989
3	इन्कलेन	118368
4	यू. के. कैंसर अनुसंधान संस्थान समन्वय समिति	7209
5	केंद्रीय योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद	61196
6	साराभाई केमिकल्स	4868
7	एस.आर.बी. – नैदानिक भेषजगुण विज्ञान	3154100
8	आई.सी.सी.एस.आर.	74861
9	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	347595
10	सूचना और संचार एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय	66833
11	जाइडस हेल्थ केयर लि.	398
12	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञानी फेडरेशन	276
13	एमिल फार्मास्यूटिकल इंडिया लि.	331
14	आई एन सी टी आर यू.एस.ए.	108067
15	एम्क्योर फार्मास्यूटिकल लि.	6380
16	भारत बायोटेक इन्टरनेशनल लि.	668
17	हेल्पेज इंडिया	304978
18	हिंदुस्तान लेटेक्स परिवार नियोजन प्रोत्साहन	7020
19	सेविंग न्यू बोर्न लिव्ज, यू.एस.ए.	10898
20	दि माइक्रोन्यूट्रिएंट इनिशिएटिव, एशिया	4702
21	वुलिमिनी रामालिंगा स्वामी फाउंडेशन	6508
22	मीडिया लैब एशिया	11301
23	यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक यू. के.	1061
24	भारत सीरम एंड वैक्सिन लि.	10000
25	स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशालय	57267
26	डी रिचर्चस इंटरनेशनल सर्वियर संस्थान (आईआरआईएस), फ्रांस	2034
27	इलि लिली	199733
28	एंटीसेंस फार्मा गंभ, जर्मनी	11740
29	आयूष, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	9485
30	रेलीसिस मेडिकल डिवाइसिज लि.	3433
31	पी.पी.डी. फार्मेस्युटिकल डिवेलपमेंट इंडिया प्रा. लि.	22668

32	मै. एस्प्रेवा फार्मस्यूटिकल कॉर्पोरेशन, कनाडा	41266
33	मै. मार्कन्सस अनुसंधान प्रभाग	4745
34	थ्रेसहोल्ड फार्मस्युटिकल, यू एस ए	3136
35	एन.ए.आई.पी.	59810
36	दि सर्विस डे डरमेटोलॉजी, फ्रांस	8445
37	मर्क सिरोनो इन्टरनेशनल एस.ए. स्विजरलैंड	207315
38	कॉलोप्लास्ट	5775
39	केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) जनकपुरी, नई दिल्ली	76017
40	बीआरएनएस, मुम्बई	610439
41	फार्माकोस्मोस ए/एस डेन्मार्क	9000
42	आई.सी.एस.एस.आर.	79411
	कुल	**7240007**

ह./–
(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2013 को दान एवं निवेश दर्शाने वाला विवरण

क्रम. सं.	निवेश का विवरण एवं प्रकार	दान की राशि	निवेश की राशि
1	एम्स रोटरी कैंसर अस्पताल	700000	700000
2	विविध दान – रुधिर विज्ञान डॉ. ए. के. सराया के अंतर्गत	8000	8000
3	अनाम दानदाता	70000	70000
4	डॉ. बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय	10000	13700
5	चाचामा दानदाता	150000	199600
6	मेजर जनरल एस. एल. भाटिया	10000	9800
7	मेजर जनरल अमीर चंद	150000 100000	149660 100000
8	सरूप चंद हंसराज	20000	19500
9	राजकुमारी अमृतकौर	25000	25000
10	कैथरिन सोरेल फ्रायमेन	5000	5000
11	डॉ. एस. एल. कालरा	6000	5800
12	आर. एल. राजगढ़िया	600000	600000
13	श्रीमती प्रकाशवती दान	13800	13800
14	श्रीमती कृपाल कौर (यूनिट ट्रस्ट)	6000	5908
15	लाला खुशीराम	247753	247753
16	एस. पी. विरमानी (सावधि जमा)	1500	1500
17	ईस्ट इंडिया कमर्शियल प्रा. लि. कलकत्ता (सावधि जमा) एस. आर. बी.	3200000	2800000
18	डॉ. कांति कपिला (यूनिट ट्रस्ट)	10079	10002
19	डॉ. वी. रामालिंगास्वामी (यूनिट ट्रस्ट)	8000	7996
20	एस आर एस सभरवाल (यूनिट ट्रस्ट)	10000	9951

21	डॉ. एन. एच. केसवानी (यूनिट ट्रस्ट)	10000	9990
22	डॉ. वी. हिंगोरानी	15000	15000
23	कुमुदिनी कृष्णामूर्ति	15000	15000
24	जी डी. राधाकृष्ण (सर्वेश्वरी स्मारक व्याख्यान, यूनिट ट्रस्ट)	20000	19987
25	पी एल टंडन (सावधि जमा)	15000	15000
26	15वां अंतरराष्ट्रीय बाल चिकित्सा सम्मेलन (यूनिट ट्रस्ट)	40000	40000
27	राम लुभाया दान (सावधि जमा)	15000	15000
28	सुभाष मेमोरियल फाउंडेशन (वी एल तेलकर दान)	10101	10101
29	श्रीमती इंदिरा सत्यानंद	10000	10000
30	श्री के. वी. सुबाराव	10000	10000
31	न्यूजीलैंड उच्च आयोग	10000	10000
32	अखिलेश मित्तल (सुमित मोहन सदन दयाल ट्रस्ट)	20000	20000
33	प्रेमलता कपूर	10000	10000
34	द्वारका प्रसाद ट्रस्ट	50000	50000
35	स्वर्गीय श्री डी. आर. बाहरी	15000	15000
36	सेवा राम	15000	15000
37	संकाय परोपकारी निधि	60065	60065
38	वी. रंगा मेमोरियल ट्रस्ट	50000	50000
39	श्री दोराबजी ट्रस्ट	10000	10000
40	कॉर्पस निधि	30000	30000
41	एम्सोनियन्स	10000	10000
42	सरला आत्म प्रकाश	15000	15000
43	के. एल. विग रिसर्च फाउंडेशन	100000	100000
44	वी. के. मित्तल	130000	130000
45	स्नेह लता सोनी	15000	15000

46	एम्सोनियन ऑफ अमेरिका	129850 151630 126471	129850 151630 126471
47	श्रीमती लीलावती सलवान	15000	15000
48	डॉ. डी. के गुप्ता	100000	100000
49	जे. आर. चावला	15000	15000
50	श्याम शर्मा के सदंर्भ में उर्मिल शर्मा	15000	15000
51	श्रीमती सुशीलावती मल्होत्रा	500000	500000
52	बसंती कुमारी	100000	100000
53	अस्थि रोग विज्ञान निधि	250000	250000
54	डॉ. एस. बी. रॉय	125000	125000
55	श्री आर. वी कंधारी	100000	100000
56	डॉ. बी. के कपूर	125000	125000
57	श्रीमती सावित्री अग्रसेन	100000	100000
58	विमल लोमस	200000	200000
59	श्रीमती प्रमदा बजाज	200000	200000
60	डॉ. वी. रामालिंगास्वामी	100000	100000
61	डॉ. एन. सी. नायक	100000	100000
62	डॉ. एच. डी. टंडन	100000	100000
63	आचार्य एन. गोपीनाथ (सी. टी. वी. एस.)	1200000	1200000
64	आचार्य एल. के भुटानी ओरेशन	500000	500000
65	बिन्य रोहतगी एवं श्रीमती शकुन्तला	36000	-
66	डॉ. के. एल. विग (एस.बी.आई)	36990	37000
68	जेनिथ फाइनेंस एंड कं. (एस. बी. आई.)	17000	17000
68	कामनी चैरिटी ट्रस्ट (एस. बी. आई.)	15000	15000
69	श्रीमती कौशल्या थापर (यूनिट ट्रस्ट)	12000	12017
70	श्रीमती बृजरानी साहनी (यूनिट ट्रस्ट)	22501	22472

71	कमला बी. के. आनंद	100000	100000
72	श्री जी. डी. झांगिनी	25500	25602
73	डॉ. बी. के. आनंद (यूनिट ट्रस्ट)	5000	4995
74	आर. एस. नंदा	78274	78274
75	प्रो. पी. एन. टंडन एवं ए. के. बेनर्जी	500000	500000
76	जी पी एफ निवेश		3356881899
77	एन पी एस निवेश		150000000
	कुल	**11152514**	**3517650323**

ह./–
(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2013 को विविध दान का विवरण

क्रम सं.	विभाग	अथ शेष 1.4.2012 के अनुसार	अनुदान	कुल	व्यय	अंत शेष 31.3.2013 के अनुसार
1	आर एंड ए एल	19475		19475		19475
2	मनोचिकित्सा	28495		28495		28495
3	रुधिर विज्ञान	12380		12380		12380
4	अस्थि रोग	65586		65586		65586
5	प्रतिरक्षा विज्ञान	824		824		824
6	बाल शल्य चिकित्सा	32041		32041		32041
7	संस्थान विविध	137338		137338		137338
8	त्वचा रोग विज्ञान	15974		15974		15974
9	सं. रो. कैं. अ. डॉ. वी. कोचुपिल्लै	10460		10460		10460
10	कुष्ठ रोगी	115785		115785		115785
11	सं. रो. कैं. अ. डॉ. ए. के. बासु	17651		17651		17651
12	हृद तंत्रिका केंद्र	20418		20418		20418
13	बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय	3324		3324		3324
14	कर्मचारी कल्याण निधि	125139		125139		125139
15	पी.एम.आर. निर्धन निधि	34199		34199		34199
16	शल्य चिकित्सा	501		501		501
17	के. एल. विग सीमेंट	12021		12021		12021
18	नाभिकीय चिकित्सा	19571		19571		19571
19	सी.ई.यू.	30000		30000		30000
20	डॉ. एन. के. मेहरा	597235		597235		597235
21	आई.सी.जी.ई.बी. डॉ. टी.पी. सिंह	444630		444630		444630

22	डॉ. वीना कालरा	74682		74682		74682
23	लीवर क्लिनिक – जठरांत्र रोग	2865		2865		2865
24	डॉ. एन.पी. गुप्ता–मूत्र रोग विज्ञान	4982		4982		4982
25	डॉ. एन. कोचुपिल्लै – निर्धन रोगी	120000		120000		120000
26	बाल आनुवंशिकी	687547	3148775	3836322	3104625	731697
27	श्रीमती उषा शर्मा	176600		176600		176600
28	विविध प्राप्ति	145540		145540		145540
		2955263	**3148775**	**6104038**	**3104625**	**2999413**

ह./–
(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

परिशिष्ट – ङ

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.3.2013 को विविध जमा का विवरण

2012–2013

क्र. सं.	विभाग का नाम	राशि
1	मुद्रण एवं लेखन सामग्री नियंत्रक	16076
2	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग शिमला	70432
3	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग	7096
4	दिल्ली नगर निगम	33750
5	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	4250
6	नई दिल्ली नगर पालिका परिषद	173242
7	डाक–तार परिमंडल प्रभाग	12796
8	भारतीय दूरभाष उद्योग	13344
	कुल	**330986**

ह./–
(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

परिशिष्ट – च

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

सामान्य भविष्य निधि निवेश का विवरण

2012–2013

दिनांक 1.4.2012 के अनुसार निवेश का अथशेष	3062169399
वर्ष 2012 – 2013 के दौरान निवेश	954712500
रोकड़ पुस्तिका का अंतशेष जमा	94780742
	4111662641
वर्ष 2012 – 2013 के दौरान परिपक्व निवेश	660000000
	3451662641

नई पेंशन योजना निवेश का विवरण

2012–2013

दिनांक 1.4.2012 के अनुसार निवेश का अथशेष	500000000
वर्ष 2012 – 2013 के दौरान निवेश	645000000
	1145000000
वर्ष 2012–13 के दौरान परिपक्व निवेश	995000000
	150000000
दिनांक 31.3.2013 के अनुसार रोकड़ पुस्तिका का अंतशेष	7613109
	157613109

ह./–
(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान			
सामान्य भविष्य निधि अनुभाग			परिशिष्ट – च–1
31 मार्च, 2013 को समाप्ति वर्ष हेतु अ.भा.आ.सं. की सामान्य भविष्य निधि की प्राप्तियां एवं भुगतान			
प्राप्तियां	**राशि**	**भुगतान**	
रोकड़ पुस्तिका अथशेष	61154988	आहरण	551461719
प्राप्ति (अंशदान / प्राप्ति)	641277912	समीक्ष्य वर्ष 2012–13 के दौरान निवेश	954712500
जमा ब्याज प्राप्त किया	238522061	रोकड़ पुस्तिका अंतशेष	94780742
जमा निवेश परिपक्वता	660000000		
कुल	**1600954961**	**कुल**	**1600954961**
दिनांक 31 मार्च, 2013 के अनुसार अ.भा.आ.सं. की सामान्य भविष्य निधि का तुलन–पत्र			
देयताएं	**राशि**	**परिसंपत्तियां**	**राशि**
सामान्य भविष्य निधि		निवेश	
अथ शेष	3123324387	अथ शेष	3062169399
समीक्ष्य वर्ष 2012–13 के दौरान जमा प्राप्ति	641277912	समीक्ष्य वर्ष 2012–13 के दौरान जमा निवेश	954712500
जमा ब्याज प्राप्त किया	238522061	जमा रोकड़ पुस्तिका अंत शेष	94780742
	4003124360		4111662641
न्यून आहरण	551461719	न्यून परिपक्वता	660000000
कुल	**3451662641**	**कुल**	**3451662641**
माह	**प्राप्तियां**	**भुगतान**	
अप्रैल	51635038	43676088	
मई	53153910	60037021	
जून	51965409	50607565	
जुलाई	52995954	40254659	
अगस्त	51681063	54815637	
सितंबर	54883927	42607170	
अक्टूबर	53051273	38817691	
नवंबर	53290093	54830715	
दिसंबर	53379995	55333319	
जनवरी	54473823	40755093	
फरवरी	55239629	38649684	
मार्च	55527798	31077077	
	641277912	**551461719**	
कुल अंशदान जमा		**641277912**	
कुल पिछला शेष		**3123324387**	
कुल ब्याज भुगतान किया		**277621436**	
कुल शुद्ध		**4042223735**	
कुल आहरण		**551461719**	
महायोग		**3490762016**	

ह./–
(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

13.2
31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने एम्स अधिनिमय 1956 की धारा 18(2) के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 (2) के तहत 31 मार्च 2013 की स्थिति के अनुसार अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), के संलग्न तुलन–पत्र तथा उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा / प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण एम्स के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सर्वोत्तम लेखाकरण व्यवहारों, लेखाकरण मानकों तथा प्रकटन मानदंडों आदि के साथ केवल वर्गीकरण, समनुरूपता के संबंध में लेखाकरण व्यवहार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां निहित हैं। कानून, नियमों तथा विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) के अनुपालन और दक्षता सह–निष्पादन पहलुओं आदि, यदि कोई हो तो, के संबंध में वित्तीय लेन–देनों पर लेखा परीक्षा अवलोकन को निरीक्षण रिपोर्टों/नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से अलग से सूचित किया गया है।

3. हमने भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा का निष्पादन किया है। इन मानकों में यह अपेक्षा की जाती है कि हम इस प्रकार से लेखा परीक्षा आयोजित तथा निष्पादित करें कि यह युक्तियुक्त आश्वासन प्राप्त हो सकें कि वित्तीय विवरण महत्वपूर्ण भ्रामक विवरणों से मुक्त हैं। लेखा परीक्षा में वित्तीय विवरणों में परीक्षण आधार पर, राशियों तथा प्रकटनों को समर्थित करने वाले साक्ष्यों की जांच की जानी शामिल है। लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों तथा लगाए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन किया जाना तथा साथ ही वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन किया जाना भी सम्मिलित है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा, हमारी राय संबंधी तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम सूचित करते हैं कि :

i. हमने वह समस्त सूचना तथा स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं जो हमारी पूर्ण जानकारी तथा विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक हैं।

ii. इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन पत्र एवं आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा वित्त मंत्रालय, द्वारा अनुमोदित प्रारूप में तैयार नहीं किये गए हैं।

iii. हमारी राय में, हमारे द्वारा लेखा पुस्तकों तथा अन्य संबंधित अभिलेखों की जांच से प्रतीत होता है कि एम्स द्वारा लेखाकरण की दोहरी प्रविष्टि पद्धति पर लेखों की उचित पुस्तकें एवं अन्य संबद्ध रिकॉर्डों का उचित अनुरक्षण किया गया है।

iv. हम आगे यह सूचित करते हैं कि :

क. तुलन–पत्र

क.1 देयताएं

क.1.1 देयता की अत्युक्ति 5.81 करोड़ : वार्षिक लेखा (अनुसंधान अनुभाग) के 'परिशिष्ट क' के अनुसार अनुसंधान परियोजना हेतु विभिन्न एजेंसियों से प्राप्त निधि के कारण दिनांक 31 मार्च 2013 को 48.08 रु. की देयता थी। इस देयता में अनुसंधान परियोजनाओं से वसूले गए प्रशासनिक प्रभारों के कारण वर्षों में अधिक संचित 5.52 करोड़ रु. की राशि को शामिल किया है। यह अन्य एजेंसियों की परियोजनाओं पर एम्स की प्रशासनिक प्रभार के रूप में ली जाने वाली लेवी राशि एम्स की आय थी और इस राशि के लिए एम्स की कोई देयता नहीं थी। परन्तु इस राशि को देयता के रूप में दर्शाने के परिणाम स्वरूप देयता की अत्युक्ति और आय की न्यूनोक्ति हो गई।

उसी प्रकार, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र द्वारा अनुसंधान परियोजनाओं से वसूले गए प्रशासनिक प्रभारों के कारण वर्षों से संचित रुपये 0.29 करोड़ की देयता दर्शायी गई, जिसे वर्ष की आय के रूप में माना जाना चाहिए था।

क.1.2 **सामान्य भविष्य निधि के अंतर्गत देयता की न्यूनोक्ति रुपये 3.91 करोड़ :** लेखा के परिशिष्ट च–1 के अनुसार, सा. भ. नि. के अंतर्गत रुपये 349.08 करोड़ की देयता थी। तथापि तुलन पत्र में इसे रुपये 345.17 करोड़ दर्शाया गया था, इसके परिणाम स्वरूप रुपये 3.91 करोड़ की देयता की न्यूनोक्ति हो गई।

ख. आय एवं व्यय लेखा

ख.1 आय

ख.1.1 आय की न्यूनोक्ति – रोगी उपचार खाता : विभिन्न विभागों / संगठनों से रोगियों के उपचार हेतु प्राप्त निधि रोगी उपचार खाते में जमा की गई और उपचार समाप्त होने पर संबद्ध विभाग / संगठन को अप्रयुक्त शेष राशि वापस कर दी गई। रोगी के उपचार अवधि के दौरान इस शीर्ष के तहत निधि से अर्जित ब्याज गैर प्रतिदेय होता है जो इस प्रकार से संस्थान की आय होती है।

अ.भा.आ.सं. ने रु. 1.50 करोड़ ब्याज अर्जित किया था परन्तु इसे लेखा में आय के रूप में शामिल नहीं किया गया परिणामतः सदृश राशि की आय की न्यूनोक्ति और देयता की अत्युक्ति हो गई।

ग. सामान्य

ग.1 अ.भा.आ.सं. के राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एन. डी. डी. टी. सी.) के खाते में दिनांक 31.03.2013 के अनुसार अव्ययित शेष (आय एवं व्यय लेखा) रुपये 0.41 करोड़ की राशि थी जिसे देयता के रूप में दर्शाने के बजाय व्यय पर आय की अधिकता के रूप में दर्शाया गया था। इसके अतिरिक्त, रा. औ. नि. उप. केंद्र ने अपने उपयोग प्रमाण में अव्ययित शेष 0.36 करोड़ की राशि दर्शायी है, परन्तु तुलन पत्र में इसके लिए कोई देयता नहीं दर्शायी गयी है।

ग.2 अ.भा.आ.सं. ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से भारत सरकार से 'पूंजी अनुदान' शीर्ष के तहत पूंजी अनुदान के रूप में प्राप्त 261 करोड़ रु. की पूर्ण राशि को उनके उपयोग की स्थिति ध्यान किये बिना पूंजी में परिणत किया गया। अव्ययित शेष रु. 49.92 करोड़ की देयता जिसका वर्ष 2013–14 के दौरान पुनः वैधीकरण करना चाहिए था, उसे पृथक रूप से नहीं दर्शाया गया।

इसी प्रकार से चूक समिति के तहत पूंजी परिसंपत्ति के सृजन हेतु प्राप्त अनुदान की पूर्ण राशि अर्थात 51.80 करोड़ रु. की मात्रा को भी इस तथ्य के होते हुए चूक समिति शीर्ष के तहत पूंजी में परिणत कर दिया गया चूंकि अव्ययित शेष रु. 69. 09 करोड़ रु. इस शीर्ष के तहत उपलब्ध थे, वर्ष 2012–13 के दौरान इस शीर्ष के तहत कुल 131.26 करोड़ रु. उपलब्ध थे जिसमें वर्ष 2011–12 की अव्ययित शेष 79.46 करोड़ रु. की मात्रा को शामिल किया गया था। वर्ष 2011–12 और 2012–13 दोनों में से किसी में भी अव्ययित शेष हेतु पृथक देयता नहीं दर्शायी गई।

घ. सहायता अनुदान

संस्थान मुख्यतः भारत सरकार के अनुदान से वित्त पोषित है। समीक्ष्य वर्ष 2012–13 के दौरान संस्थान द्वारा 1355.72 करोड़ रु. (योजना 470.00 करोड़ रु., गैर योजना 788.70 करोड़ रु., चूक समिति (योजना) 85.10 करोड़ रु. और राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी) हेतु 11.92 करोड़ रु. का अनुदान प्राप्त किया गया था। संस्थान की 128.46 करोड़ रु. इसकी अपनी आय भी थी। योजना व्यय कुल 424.81 करोड़ रु. था। गैर योजना व्यय कुल 899.44 करोड़ रु. था। संस्थान ने विभिन्न योजनाओं के लिए 68.37 करोड़ रु. का अनुदान प्राप्त किया था और उपगत व्यय 77.35 करोड़ रु. हुआ।

ङ. **प्रबंधन पत्र :** जिन त्रुटियों को लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं किया गया है उनको उपचारी / शुद्धि कार्रवाई हेतु पृथक रूप से जारी किये गए प्रबंधन पत्र के द्वारा निदेशक, अ.भा.आ.सं. की जानकारी में लाया गया है।

v पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारे अवलोकनों के अधीन हम सूचित करते हैं कि इस रिपोर्ट में दिये गए तुलन–पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा लेखा पुस्तकों के समनुरूप हैं।

vi हमारी राय में तथा हमारी सूचना के अनुरूप और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के संलग्नक में वर्णित लेखाकरण नीतियों तथा लेखों पर टिप्पणियों के साथ पठित उक्त वित्तीय विवरण एवं उपर्युक्त वर्णित

महत्वपूर्ण मामलों तथा अन्य मामलों के विषय में भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुरूप एक सही तथा स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करते हैं।

क. यह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के दिनांक 31 मार्च 2013 तक के तुलन–पत्र, उसकी कार्य स्थिति से संबंधित है; तथा

ख. उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय एवं व्यय लेखा से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
के लिए तथा उनकी ओर से
महा निदेशक लेखा परीक्षक
(केन्द्रीय व्यय)

दिनांक : 31.10.2013
स्थान : नई दिल्ली

लेखा परीक्षा रिपोर्ट के लिए संलग्नक

1. आंतरिक लेखा परीक्षा पद्धति की पर्याप्तता

संस्थान की कोई आंतरिक लेखा परीक्षा नियम–पुस्तक नहीं है। संस्थान की आंतरिक लेखा परीक्षा पद्धति पर्याप्त नहीं थी। वर्ष 2012–13 के दौरान केवल 35 यूनिटों की लेखा परीक्षा की गई जो कि कुल यूनिटों का 25 प्रतिशत था। इनकी लेखा परीक्षा संस्थान की आंतरिक लेखा परीक्षा प्रकोष्ठ द्वारा की गई थी।

2. आंतरिक नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता

संस्थान की आंतरिक नियंत्रण पद्धति पर्याप्त थी।

3. स्थायी परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की पद्धति

वर्ष 2012–13 के दौरान स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन संचालित नहीं किया गया था तथा इस प्रकार लेखा में स्थायी परिसंपत्ति के वास्तविक स्थिति को सुनिश्चित नहीं किया जा सका।

4. संपति–सूची के भौतिक सत्यापन की पद्धति

लेखन सामग्री, पुस्तकों और प्रकाशनों एवं उपभोज्य मदों का भौतिक सत्यापन वर्ष 2012–13 में किया गया था।

5. सांविधिक देयताओं के भुगतान में नियमितता

- खातों के अनुसार 6 महीने से अधिक की कोई सांविधिक देयताएं बकाया नहीं थी।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के दिनांक 31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष के खातों के संबंध में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट के उत्तर

क. 1.1 देयता की अत्युक्ति – रु. 5.81 करोड़

संस्थान की नीति के अनुसार, विभिन्न परियोजनाओं से वसूल किये गए प्रशासनिक प्रभारों को संस्थान की प्राप्ति / आय के रूप में नहीं माना जाएगा। संस्थान में प्राप्त सभी परियोजना अनुदानों को 'उद्ष्टि निधि' / 'विन्यास निधि' शीर्ष के तहत वसूल किया जाता है। परियोजना खाता संस्थान के मुख्य खाते से पृथक होता है। जहां तक संस्थान के मुख्य लेखा का संबंध है, इन खातों में, आय एवं व्यय लेखा को तैयार किया जाता है जबकि परियोजना खाते में कोई आय एवं व्यय लेखा तैयार नहीं किया जाता है क्यों कि इससे संस्थान के लिए कोई आय / राजस्व उत्पन्न नहीं होता है। इसके अतिरिक्त इस नीति का संस्थान में पिछले 20 वर्षों से पालन किया जा रहा है।

तदनुसार, अनुसंधान अनुभाग और राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र के लिए क्रमशः रुपये 48.08 करोड़ और रुपये 0.29 करोड़ के सम्मिलित प्रशासनिक प्रभारों की अव्ययित शेष को वित्त वर्ष 2012–13 के लिए तुलन – पत्र में देयता के रूप में सही दर्शाया गया है।

क. 1.2. सा. भ. नि. के तहत देयता की न्यूनोक्ति – रुपये 3.91 करोड़

सा. भ. नि. के लिए पृथक प्राप्ति एवं भुगतान लेखा को तैयार किया गया है और इनके लेन–देन को अ.भा.आ.सं. (मुख्य) लेखा के माध्मय से नहीं किया गया। तथापि, रुपये 3.91 करोड़ की न्यून देयता को चालू वर्ष लेखा (वित्तीय वर्ष 2013–14) में शुद्धि कर लिया जाएगा। टिप्पणी को भविष्य में अनुपालन हेतु नोट कर लिया गया है।

ख. 1.1 आय की न्यूनोक्ति – रोगी उपचार खाता

यह प्रस्तुत किया जाता है कि संस्थान के रोगी उपचार खाते में वर्ष 2012–13 तक ब्याज की मात्रा रुपये 1.50 करोड़ की राशि अर्जित की गई, जिसको जून 2013 में संस्थान के मुख्य लेखा में पहले से ही अंतरित कर लिया गया (परिशिष्ट – क के रूप में प्रति संलग्न है)। वर्ष 2013–14 के लिए ब्याज को अ.भा.आ.सं. के मुख्य लेखा में यथावधि में अतंरित कर लिया जाएगा। लेखा परीक्षा द्वारा उठाये गए प्रश्न को भविष्य में भी अनुपालन हेतु नोट कर लिया गया है।

ग. 1 टिप्पणी को भविष्य में अनुपालन हेतु नोट कर लिया गया है।

ग. 2 पूंजीगत परिसंपत्ति के सृजन शीर्ष के तहत प्राप्त राशि को केवल पूंजीगत प्रकृति की मदों पर उपगत किया जाता है। अव्ययित शेष की देयता को वित्तीय वर्ष 2013–14 के लेखा में पृथक रूप से दर्शाया जाएगा। टिप्पणी को भविष्य में अनुपालन हेतु नोट कर लिया गया है।

घ. सहायता अनुदान

वास्तविक तथ्य : कोई टिप्पणी नहीं है।

लेखा परीक्षा के लिए परिशिष्ट

1. **आंतरिक लेखा परीक्षा पद्धति की पर्याप्तता :**
   आंतरिक लेखा परीक्षा नियम पुस्तक को तैयार कर लिया गया है तथा संस्थान के आंतरिक लेखा परीक्षा के लिए इसे चालू वित्त वर्ष 2013–14 से कार्यान्वित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त श्रमिक शक्ति की कमी होने के बावजूद संस्थान की आंतरिक लेखा परीक्षा प्रकोष्ठ द्वारा 35 लेखा परीक्षा यूनिटों की आंतरिक लेखा परीक्षा करने का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है।

2. **आंतरिक नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता :** कोई टिप्पणी नहीं।

3. **स्थायी परिसंपत्ति के भौतिक सत्यापन की पद्धति :**
   वित्त वर्ष 2012–13 हेतु स्थायी परिसंपत्ति के भौतिक सत्यापन को चालू वित्त वर्ष 2013–14 के दौरान संचालित किया जा रहा है।

4. **संपत्ति–सूची के भौतिक सत्यापन की पद्धति :** लेखन सामग्री, पुस्तकें एवं प्रकाशन तथा उपभोज्य मदों का भौतिक सत्यापन वर्ष 2012–13 हेतु संचालित किया गया था।

5. **सांविधिक देयताओं के भुगतान में नियमितता :** कोई टिप्पणी नहीं।